A

CONCORDANCE

TO

THE SEPTUAGINT

AND THE OTHER

GREEK VERSIONS OF THE OLD TESTAMENT

(INCLUDING THE APOCRYPHAL BOOKS)

BY

THE LATE

EDWIN HATCH, M.A., D.D.

AND

HENRY A. REDPATH, M.A.

ASSISTED BY OTHER SCHOLARS

VOLUME II. K–Ω

OXFORD

AT THE CLARENDON PRESS

M DCCCC VI

K

κάβος. (1) קַב

IV Ki. 6. 25. *τέταρτον τοῦ κ.* [A *τέσσαρες κ.*] *κόπρου περιστερῶν* (1)

καγχάζειν.

[Sm. II Ki. 6. 16.]

καγχλάζειν.

[Aq. Jb. 41. 23.]

κᾰγώ, *passim.*

κάδης. (1) קֹדֶשׁ

De. 33. 2. *σὺν μυριάσι κ.* (1)

καδησείμ (-σίμ) (B), **καδησίν** (A). (1) קְדֵשִׁים

IV Ki. 23. 7. *καθεῖλε τὸν οἶκον τῶν κ.*

[Th. Jd. 5. 21.]

κάδιον. (1) כַּדִּי

I Ki. 17. 40. *ἔθετο αὐτοὺς ἐν τῷ κ. τῷ ποιμενικῷ* (1)
— 49. *ἐξέτεινε Δ. τὴν χεῖρα αὐτοῦ εἰς τὸ κ.* (1)

κάδος. (1) בַּת (2) דְּלִי

II Ch. 2. 10 (9). A *καὶ ἐλαίου κάδων εἴκοσι χιλιάδας* [B²R *al.*] (1)
Is. 40. 15. *πάντα τὰ ἔθνη ὡς σταγὼν ἀπὸ κάδου* (2)

καθά. * **καθὰ ἄν**

Ge. 7. 9, 16 : 17. 23 : 19. 8 (*subj.*†, *opt.*†)*† : 21. 1 *bis*, 2, 4 : 24. 51 : 27. 8, 14, 19 : 34. 22 : 40. 22 : 41. 21, 54 : 43. 14†, 17 : 47. 11.
Ex. 9. 12† : 12. 28, 31, 35, 50 : 32. 28 : 34. 4† : 36. 8 (39. 1), 12 (39. 5), 14 (39. 7), 29 (39. 21), 34 (39. 26) : 37. 19 (38. 21), 22 (38. 22) : 39. 11 (32) : 40. 19.
Le. 7. 26 (36) : 8. 13†, 28 (29) : 9. 15† : 16. 34† : 24. 23†.
Nu. 2. 33, 34† : 3. 16† : 4. 37 : 5. 4 : 8. 3†, 20, 22† : 9. 5 : 15. 23, 36 : 16. 40 (17. 5) : 17. 11 (26)† : 18. 18† : 20. 9, 27 : 27. 11, 13, 22 : 31. 7, 31, 41† : 32. 25.
De. 8. 24 : 4. 5 : 6. 19, 25† : 7. 12† : 8. 20 : 10. 5, 9† : 15. 14 : 17. 14 : 26. 14†, 15 : 31. 3, 4†.
Jo. 4. 18 : 7. 25 : 9. 2 (8. 31), 2 (8. 33)† : 13. 14 : 14. 12 : 18. 4 : 23. 5, 14 : 24. 30.
Jd. 1. 20† : 6. 27†.
I Ki. 8. 5, 7*, 20† : 17. 20†.
II Ki. 13. 29.
III Ki. 14. 15† : 20 (21). 11† *bis*.
IV Ki. 1. 7† : 7. 17†, 18† : 15. 9 : 17. 41.
I Es. 4. 52.
Ju. 4. 8 : 7. 16† : 8. 25, 30 : 11. 4, 23 : 12. 9† : 13. 11.
Es. 1. 21 : 2. 1†.
Jb. 24. 20† : 34. 11.
Wi. 3. 10†.
Jn. 3. 3†.
Is. 58. 11†.
Je. 39 (32). 42 : 40 (33). 11† : 51 (44). 17, 30.
Ba. 1. 6† : 2. 2, 28.
Ez. 9. 11†.
I Ma. 10. 37† : 15. 41.
II Ma. 11. 31.
[Aq. Ge. 27. 40 : Ex. 2. 14 : 5. 7 : III Ki. 14. 15 : Ps. 32 (33). 22 : Am. 2. 13.]
[Th. III Ki. 21. 11.]
[Al. Nu. 1. 19 : 2. 34 : 3. 16 : 9. 5 : 36. 10 : Es. 2. 1.]

καθαγιάζειν. (1) נָזַר (2) *a.* קָדַשׁ hi. *b.* קִדֵּשׁ

Le. 8. 9. *τὸ πέταλον τὸ χρυσοῦν τὸ καθηγιασμένον ἅγιον* (1)
27. 26. *οὐ καθαγιάσει αὐτὸ* [A *om.*] *οὐθείς* (2 *a*)
I Ch. 26. 20. *ἐπὶ τῶν θησαυρῶν τῶν καθηγιασμ.* (2 *b*)
II Ma. 1. 26. *διαφύλαξον τὴν μερίδα σου καὶ καθαγίασον*
2. 8. *ἵνα ὁ τόπος καθαγιασθῇ μεγάλως*
15. 18. *ὁ περὶ τοῦ καθηγιασμένου ναοῦ φόβος*

καθαιρεῖν. (1) דָּכָא pi. (2) הָרַס *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. (3) יָרַד *a.* qal. *b.* hi. *c.* ho. (4) כָּרַת hi. (5) נָסַח ithpe. (6) נָצָה (7) נָתַץ *a.* qal. *b.* pi. *c.* pu. *d.* hoph. (8) נָתַשׁ (9) סוּר hi. (10) פָּרַץ *a.* qal. *b.* pu. (11) רוּד hi.

Ge. 24. 18, 46. *καθεῖλε τὴν ὑδρίαν* (3 *b*)
27. 40. *ἡνίκα ἐὰν καθέλῃς* (11)
44. 11. *καθεῖλαν ἕκαστος τὸν μάρσιππον αὐτοῦ* (3 *b*)
Ex. 23. 24. *καθαιρέσει καθελεῖς . . . τὰς στήλας αὐτῶν* (2 *c*)
34. 13. *τοὺς βωμοὺς αὐτῶν καθελεῖτε* (7 *a*)
Le. 11. 35. *κλίβανοι . . . καθαιρεθήσονται* (7 *d*)
14. 45. *καθελοῦσι τὴν οἰκίαν* (7 *a*)
Nu. 1. 51. *καθελοῦσιν αὐτὴν οἱ Λευῖται* (3 *b*)
4. 5. *καθελοῦσι τὸ καταπέτασμα τὸ συσκιάζον* (3 *b*)
10. 17. *καθελοῦσι τὴν σκηνήν* (3 *c*)
De. 7. 5. *τοὺς βωμοὺς αὐτῶν καθελεῖτε* (7 *a*)
28. 52. *ἕως ἂν καθαιρεθῶσι τὰ τείχη* (3 *a*)
Jo. 8. 29. *καθεῖλοσαν* [A -λον] *τὸ σῶμα αὐτοῦ* (3 *b*)
10. 27. *καθεῖλον* [A -εν] *αὐτοὺς ἀπὸ τῶν ξύλων* (3 *b*)
Jd. 2. 2. *τὰ θυσιαστήρια αὐτῶν καθελεῖτε* [A *κατακαύσετε*] (7 *a*)
6. 25. *καθελεῖς τὸ θυσιαστήριον τοῦ B.* (2 *a*)
— 28. *καθῄρητο* [A *κατεσκαμμένον*] *τὸ θυσιαστήριον* (7 *c*)
— 30, 31. *καθεῖλε* [A *κατέσκαψεν*] *τὸ θυσιαστήριον* (7 *a*)
— 32. *καθηρέθη* [A *κατέσκαψεν*] *τὸ θυσιαστήριον* (7 *a*)
9. 45. *καὶ τὴν πόλιν καθεῖλε* (7 *a*)
III Ki. 19. 14. *τὰ θυσιαστήριά σου καθεῖλαν* (2 *a*)
IV Ki. 3. 25. *τὰς πόλεις καθεῖλον* (2 *a*)
— 25. *καταλιπεῖν τοὺς λίθους . . . καθῃρημένους* [A *καθημένους*] †
10. 27. A *καθεῖλον τὸν οἶκον τοῦ Βαάλ* (7 *a*)
14. 13. *καθεῖλεν ἐν τῷ* [A *διέκοψεν ἐν*] *τείχει Ἱερ.* (10 *a*)
16. 17. *καὶ τὴν θάλασσαν καθεῖλεν* (3 *b*)
23. 7. *καθεῖλε τὸν οἶκον τῶν καθησίμ* (7 *a*)
— 8. *καθεῖλε τὸν οἶκον τῶν πυλῶν* (7 *a*)
— 12. *καὶ καθεῖλεν ὁ βασ.* (7 *a*)
II Ch. 30. 14. *καθεῖλαν τὰ θυσιαστήρια* (9)
I Es. 6. 16. *τόν τε οἶκον καθελόντες ἐνεπύρισαν*
II Es. 6. 11. *καθαιρεθήσεται ξύλον ἐκ τῆς οἰκίας* (5)
Ne. 1. 3. *καὶ τείχη Ἱερ. καθῃρημένα* (10 *b*)
2. 13. *ὃ αὐτοὶ καθαιροῦσι* (10 *a*)
4. 3 (3. 35). *καὶ καθελεῖ τὸ τεῖχος λίθων αὐτῶν* (10 *a*)
To. 13. 12. S *πάντες οἱ καθαιροῦντές σε* [A B *al.*]
Ju. 13. 6. *καθεῖλε τὸν ἀκινάκην αὐτοῦ*
Jb. 19. 2. *ἕως τίνος . . . καθαιρεῖτέ με λόγοις* [A *al.*] (1)
Ps. 9. 6. *καὶ πόλεις καθεῖλες* [S² -*as*] (8)
10 (11). 4. *ἃ κατηρτίσω* [A S² *σὺ κατ. αὐτοὶ*] *καθεῖλον* (2 *b*)
27 (28). 5. *καθελεῖς αὐτούς* (2 *a*)
51 (52). 5. B¹S *ὁ θεὸς καθελεῖ* [B²R -*οι*] *σε εἰς τέλος* (7 *a*)
59 (60). 1. *ἀπώσω ἡμᾶς καὶ καθεῖλες ἡμᾶς* (10 *a*)
79 (80). 12. *ἵνα τί καθεῖλες τὸν φραγμὸν αὐτῆς* (10 *a*)
88 (89). 40. *καθεῖλες* [S -*as*] *πάντας τοὺς φραγμοὺς αὐτοῦ* (10 *a*)
Pr. 21. 22. *καθεῖλε τὸ ὀχύρωμα* (3 *b*)
Ec. 3. 3. *καιρὸς τοῦ καθελεῖν* (10 *a*)
10. 8. *καθαιροῦντα φραγμὸν δήξεται αὐτὸν ὄφις* (10 *a*)
Si. 10. 14. *θρόνους ἀρχόντων καθεῖλεν ὁ κ.*
28. 14. *γλῶσσα τρίτη . . . πόλεις ὀχυρὰς καθεῖλε*
31 (34). 23. *εἷς οἰκοδομῶν καὶ εἷς καθαιρῶν*
Za. 9. 6. *καὶ καθελῶ ὕβριν ἀλλοφύλων* (4)
Is. 5. 5. *καθελῶ τὸν τοῖχον* [A¹ *οἶκον*] *αὐτοῦ* (10 *a*)
14. 17. B S *τὰς πόλεις αὐτοῦ καθεῖλε* (2 *a*)
22. 10. *καθεῖλοσαν τοὺς οἴκους Ἱερουσαλήμ* (7 *a*)
49. 17. *ταχὺ οἰκοδομηθήσῃ ὑφ' ὧν καθῃρέθης* (2 *c*)
Je. 4. 7. *πόλεις καθαιρεθήσονται* (6)
13. 18. *καθῃρέθη ἀπὸ κεφαλῆς ὑμῶν στέφανος δόξης ὑμῶν* [A *om.*] (3 *a*)
24. 6. *οὐ μὴ καθελῶ αὐτούς* (2 *a*)
29 (49). 16. *ἐκεῖθεν καθελῶ σε* (3 *b*)
38 (31). 28. *ὥσπερ ἐγρηγόρουν ἐπ' αὐτοὺς κ. καὶ κακοῦν* (8+7 *a*+2 *a*)
— 40. *οὐ μὴ καθαιρεθῇ ἕως τοῦ αἰῶνος* (2 *b*)
40 (33). 4. *περὶ οἴκων* [A S³ -*κίας*] *βασιλέως Ἰούδα τῶν καθῃρημένων* [A *καθημ.*] *εἰς χάρακας* (7 *a*)
49 (42). 10. *οἰκοδομήσω ὑμᾶς καὶ οὐ μὴ καθελῶ* (2 *a*)
51. 34 (45. 4). *οὓς ἐγὼ ᾠκοδόμησα ἐγὼ καθαιρῶ* (2 *a*)
52. 14. *πᾶν τεῖχος* [A *add.* *ἐν*] *Ἱερουσαλὴμ κύκλῳ καθεῖλεν* (7 *a*)
La. 2. 2. *πάντα τὰ ὡραῖα Ἰακὼβ καθεῖλεν* (2 *a*)
— 17. *καθεῖλε καὶ οὐκ ἐφείσατο* (2 *a*)
Ez. 16. 39. *καθελοῦσι τὴν βάσιν σου* (7 *b*)
26. 4. A *καθελοῦσιν* [B *καταβαλοῦσι*] *τοὺς πύργους σου* (2 *a*)
— 12. *τοὺς οἴκους σου τοὺς ἐπιθυμητοὺς καθελεῖ* (7 *a*)
— 16. *ἀφελοῦνται* [A¹ *καθελοῦσιν*, A² *ἑλοῦσιν*] *τὰς μίτρας* (9)
— 16. A² *ἐπὶ γῆν καθελοῦνται* [?, A¹ B *καθεδ.*] †
36. 36. *ᾠκοδόμησα τὰς καθῃρημένας* (2 *b*)
I Ma. 1. 31. *καθεῖλε τοὺς οἴκους αὐτῆς*
2. 25. *τὸν βωμὸν καθεῖλε* [S¹ -*ον*]
— 45. *καθεῖλον τοὺς βωμούς*
4. 38. *καὶ τὰ παστοφόρια καθῃρημένα*
— 45. *καθελεῖν αὐτό*
— 45. *καθεῖλον τὸ θυσιαστήριον*
5. 65. *καθεῖλε τὸ ὀχύρωμα αὐτῆς*
— 68. *καθεῖλε τοὺς βωμοὺς αὐτῶν*
6. 7. S R *καθεῖλον* [A -*αν*] *τὸ βδέλυγμα*
— 62. S R *καθελεῖν* [A *καὶ καθεῖλεν*] *τὸ τεῖχος κυκλόθεν*
8. 10. *καθεῖλον* [S¹ -*εν*] *τὰ ὀχυρώματα αὐτῶν*
9. 54. *καθαιρεῖν τὸ τεῖχος τῆς αὐλῆς*
— 54. *καθεῖλε τὰ ἔργα τῶν προφητῶν καὶ ἐνήρξατο τοῦ καθαιρεῖν*
— 62. *ᾠκοδόμησε τὰ καθῃρημένα αὐτῆς*
11. 4. *καὶ τὰ περιπόλια αὐτῆς καθῃρημένα*
II Ma. 10. 2. *ἔτι δὲ τεμένη καθεῖλαν*
12. 35. *καὶ τὸν ὦμον καθελόντος*
[Aq. Ps. 10 (11). 3 : Pr. 11. 11 : Ez. 12. 20.]
[Sm. Ps. 51 (52). 7 : 58 (59). 12 : Pr. 11. 11 : Je. 18. 7.]
[Th. Pr. 11. 11 : Je. 39 (46). 8 : Ez. 30. 6.]
[Heb. Ge. 49. 6.]

καθαίρειν. (1) רוּשׁ ho.

II Ki. 4. 6. *ἡ θυρωρὸς τοῦ οἴκου ἐκάθαιρε πυρούς* †
Is. 28. 27. *οὐ γὰρ μετὰ σκληρότητος καθαίρεται τὸ μελάνθιον* (1)
Je. 28 (51). 39. S *μεθύσω αὐτοὺς ὅπως καθάρωσι* [A B *καρωθῶσι*] †
[Sm. Ps. 72 (73). 13 : Pr. 25. 4 : Ez. 20. 37 : 22. 24 : Ho. 8. 5.]

καθαίρεσις. (1) הָרַס pi.

Ex. 23. 24. *καθαιρέσει καθελεῖς . . . τὰς στήλας αὐτῶν* (1)
I Ma. 3. 43. *ἀναστήσωμεν* [S¹ -*ησον*] *τὴν κ. τοῦ λαοῦ ἡμῶν*

καθάπαν, *vid. sub* κατά *et* ἅπας.

καθάπερ. * καθάπερ ἐάν.

Ge. 12. 4 : 43. 14† : 50. 6.
Ex. 5. 7, 13, 14 : 7. 6, 10, 13, 20, 22 : 8. 13 (9), 15 (11), 19 (15), 27 (23), 31 (27) : 9. 35 : 16. 24† : 17. 10 : 23. 15 : 34. 4, 18 : 38. 27 (40. 32) : 40. 27†.
Le. 8. 13†, 20 (21), 34 : 9. 7 : 15. 25 : 16. 34† : 24. 23† : 27. 8.
Nu. 14. 19 : 16. 47 (17. 12) : 23. 30 : 27. 23 : 31. 41†.
De. 6. 3 : 9. 3, 18 : 12. 20 : 26. 18.
Jo. 4. 8, 12, 23 : 8. 5 : 9. 21 : 10. 39† : 23. 8, 10.
Jd. 9. 33* †.
II Ki. 16. 19.
I Es. 8. 11.
To. 3. 8†.
Ju. 8. 18 : 18. 3.
Ps. 32 (33). 22 : 47 (48). 8 : 55 (56). 6.
Si. 33 (36). 5.
Is. 58. 11†.
Je. 13. 11 : 23. 27.
Ba. 2. 20.
Da. LXX. 2. 8 *bis*, 10, 11, 41, 45.
II Ma. 2. 27, 29 : 5. 18 : 6. 14 : 7. 6, 37 : 15. 39.
IV Ma. 1. 28 : 6. 10 : 8. 4 : 18. 6 : 14. 6, 7, 19 : 15. 25, 31 : 17. 3.
[Sm. Ge. 15. 1 : Ex. 5. 7 : Jb. 7. 9 : Je. 44 (51). 6.]
[Th. Ex. 5. 7 : Is. 10. 10.]

καθάπτεσθαι.
[Sm. Ca. 1. 6.]

καθαρίζειν (καθερ.). (1) אָסַף ni. (2) בָּעַר pi. (3) זָקַק pu. (4) חָטָא pi. (5) טָהֵר *a.* qal. *b.* pi. *c.* hithpa. *d.* טָהוֹר *e.* מְטַהֵרָה (6) כָּפַר pi. (7) לָבַן hi. (8) נָצַל hi. (9) נָקָה *a.* ni. *b.* pi. *c.* נִקָּיוֹן (10) סָלַח (11) צָדַק ni. (12) צָרַף (13) קָדַשׁ pi.

Ge. 35. 2. **R** καθαρίσθητε [**A** -ρίσασθε] (5 *c*)
Ex. 20. 7. οὐ γὰρ μὴ καθαρίσῃ κύριος . . . τὸν λαμβάνοντα (9 *b*)
29. 36. καθαριεῖς τὸ θυσιαστήριον (4)
— 37. καθαριεῖς [B^1 -εῖ] τὸ θυσιαστήριον (6)
30. 10. ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ καθαρισμοῦ καθαριεῖ αὐτό [**A** *al.*] (6)
34. 7. οὐ καθαριεῖ τὸν ἔνοχον (9 *b*)
Le. 8. 15. ἐκαθάρισε τὸ θυσιαστήριον (4)
9. 15. A^2 καὶ ἐκαθάρισεν [**R** *add.* αὐτόν] (4)
12. 7. καθαριεῖ αὐτὴν ἀπὸ τῆς πηγῆς (5 *a*)
— 8. καὶ καθαρισθήσεται (5 *a*)
13. 6. καθαριεῖ αὐτὸν ὁ ἱερεύς (5 *b*)
— 7. B^2 **R** τοῦ [**A** B^1 τὸ] καθαρίσαι αὐτόν (5 *c*)
— 13. καθαριεῖ αὐτὸν ὁ ἱερεὺς τὴν ἀφήν (5 *b*)
— 17. καθαριεῖ ὁ ἱερεὺς τὴν ἀφήν (5 *b*)
— 23, 28, 34. καθαριεῖ αὐτὸν ὁ ἱ. (5 *b*)
— 35. μετὰ τὸ καθαρισθῆναι αὐτόν (5 *c*)
— 37. καθαριεῖ αὐτὸν ὁ ἱερεύς (5 *b*)
— 59. εἰς τὸ καθαρίσαι αὐτό (5 *b*)
14. 2. ᾗ ἂν ἡμέρᾳ καθαρισθῇ (5 *c*)
— 4. λήψονται τῷ κεκαθαρισμένῳ δύο ὀρνίθια (5 *c*)
— 7. περιρανεῖ ἐπὶ τὸν καθαρισθέντα (5 *c*)
— 8. πλυνεῖ ὁ καθαρισθεὶς τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (5 *c*)
— 11. στήσει ὁ ἱερεὺς ὁ [**A** *om.*] καθαρίζων τὸν ἄνθρωπον τὸν καθαριζόμενον (5 *b*, 5 *c*)
— 14, 17. ἐπὶ τὸν λοβὸν τοῦ ὠτὸς τοῦ καθαριζομένου (5 *c*)
— 18. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ καθαρισθέντος (5 *c*)
— 19. **A R** ἐξιλάσεται ὁ ἱερεὺς περὶ τοῦ ἀκαθάρτου τοῦ καθαριζομ. [**B** *al.*] (5 *c*)
— 20. καὶ καθαρισθήσεται (5 *a*)
— 23. εἰς τὸ καθαρίσαι αὐτόν (5 *e*)
— 25, 28. ἐπὶ τὸν λοβὸν τοῦ ὠτὸς τοῦ καθαριζομένου (5 *c*)
— 29. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ καθαρισθέντος [**A** -ιζομένου] (5 *c*)
— 31. ἐξιλάσεται ὁ ἱ. περὶ τοῦ καθαριζομ. (5 *c*)
— 48. καθαριεῖ ὁ ἱερεὺς τὴν οἰκίαν (5 *b*)
— 57. ᾗ ἡμέρᾳ καθαρισθήσεται (5 *d*)
15. 13. ἐὰν δὲ καθαρισθῇ ὁ γονορρυής (5 *a*)
— 28. ἐὰν δὲ καθαρισθῇ ἀπὸ τῆς ῥύσεως (5 *a*)
Le. 15. 28. μετὰ ταῦτα καθαρισθήσεται (5 *a*)
16. 19. καὶ καθαριεῖ αὐτό (5 *b*)
— 20. περὶ τῶν ἱερέων καθαριεῖ –
— 30. καθαρίσαι ὑμᾶς ἀπὸ πασῶν τῶν ἁμαρτιῶν ὑμῶν (5 *b*)
— 30. καὶ καθαρισθήσεσθε (5 *a*)
22. 4. ἕως ἂν καθαρισθῇ (5 *a*)
Nu. 6. 9. ᾗ ἂν ἡμέρᾳ καθαρισθῇ (5 *e*)
8. 15. καὶ καθαριεῖς αὐτούς (5 *b*)
12. 15. ἕως ἐκαθαρίσθη Μαριάμ [**A** *al.*] (1)
14. 18. καθαρισμῷ οὐ καθαριεῖ τὸν ἔνοχον (9 *b*)
30. 6, 9. κύριος καθαριεῖ αὐτήν (10)
— 13. **A R** κύριος καθαριεῖ [**B** -ίσει] αὐτήν (10)
31. 23. καὶ καθαρισθήσεται (5 *a*)
— 24. καὶ καθαρισθήσεσθε (5 *a*)
De. 5. 11. οὐ γὰρ μὴ καθαρίσῃ κύριος . . . τὸν λαμβάνοντα (9 *b*)
19. 13. καθαριεῖς τὸ αἷμα τὸ ἀναίτιον (2)
Jo. 22. 17. οὐκ ἐκαθαρίσθημεν ἀπ' αὐτοῦ [**A** *al.*] (5 *c*)
I Ki. 20. 26. ὅτι οὐ κεκαθάρισται (5 *d*)
IV Ki. 5. 10. καὶ καθαρισθήσῃ [**A** -θητι] (5 *a*)
— 12. καὶ καθαρισθήσομαι (5 *a*)
— 13. λοῦσαι καὶ καθαρίσθητι (5 *a*)
— 14. καὶ ἐκαθαρίσθη (5 *a*)
II Ch. 29. 15. **A R** καθαρίσαι τὸν οἶκον κυρίου (5 *b*)
34. 3. ἤρξατο τοῦ καθαρίσαι τὸν Ἰ. (5 *b*)
— 5. ἐκαθάρισε τὸν Ἰούδαν (5 *b*)
— 8. τοῦ καθαρίσαι τὴν γῆν (5 *b*)
II Es. 6. 20: Ne. 12. 30. ἐκαθαρίσθησαν οἱ ἱερεῖς (5 *c*)
Ne. 12. 30. ἐκάθαρισαν τὸν λαόν (5 *b*)
13. 9. **ASR** ἐκάθαρισαν [**B** -α] τὰ γαζοφυλάκια (5 *b*)
— 22. οἳ ἦσαν καθαριζόμενοι (5 *c*)
— 30. καὶ ἐκαθάρισα αὐτούς (5 *b*)
Ju. 16. 18. ἡνίκα ἐκαθαρίσθη ὁ λαός
Jb. 1. 5. ἐκαθάριζεν αὐτούς (13)
Ps. 11 (12). 6. ἀργύριον πεπυρωμένον . . . κεκαθαρισμένον ἑπταπλασίως (3)
18 (19). 12. ἐκ τῶν κρυφίων μου καθάρισόν με (9 *b*)
— 13. καθαρισθήσομαι ἀπὸ ἁμαρτίας μεγάλης (9 *a*)
38 (39). 8. S^1 ἀπὸ πασῶν τῶν ἀνομιῶν μου καθάρισόν [**A** B^1 S^2 ῥῦσαί] με (8)
50 (51). 2. ἀπὸ τῆς ἁμαρτίας μου καθάρισόν με (5 *b*)
— 7. καὶ καθαρισθήσομαι (5 *a*)
Pr. 25. 4. καθαρισθήσεται καθαρὸν ἅπαν †
Si. 23. 10. ἀπὸ ἁμαρτίας οὐ μὴ καθαρισθῇ
31 (34). 4. ἀπὸ ἀκαθάρτου τί καθαρισθήσεται
38. 10. ἀπὸ πάσης ἁμαρτίας καθάρισον καρδίαν
— 30. ἡ ἀγρυπνία αὐτοῦ καθαρίσαι κάμινον
Ho. 8. 5. ἕως τίνος οὐ μὴ δύνωνται καθαρισθῆναι (9 *c*)
Ma. 3. 3. καθιεῖται χωνεύων καὶ καθαρίζων [S^1 *al.*] (5 *b*)
— 3. καθαρίσει [S^1 -ιεῖ] τοὺς υἱοὺς Λευί (5 *b*)
Is. 53. 10. βούλεται καθαρίσαι αὐτὸν [**A** *add.* ἀπὸ] τῆς πληγῆς †
57. 14. καθαρίσατε ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ ὁδούς †
66. 17. οἱ ἁγνιζόμενοι καὶ καθαριζόμενοι εἰς τοὺς κήπους (5 *c*)
Je. 13. 27. οὐκ ἐκαθαρίσθης ὀπίσω μου ἕως τίνος ἔτι (5 *a*)
32 (25). 29. καθάρσει οὐ μὴ καθαρισθῆτε (9 *a*)
40 (33). 8. καθαριῶ αὐτοὺς ἀπὸ πασῶν τῶν ἀδικιῶν αὐτῶν (5 *b*)
Ez. 24. 13. **A** οὐκ ἐκαθαρίσθης ἀπὸ ἀκαθαρσίας σου (5 *a*)
— 13. τί ἐὰν μὴ καθαρισθῇς ἔτι [**A** *al.*] (5 *a*)
36. 25. καθαρισθήσεσθε ἀπὸ πασῶν τῶν ἀκαθαρσιῶν ὑμῶν . . . καὶ καθαριῶ ὑμᾶς (5 *a*, 5 *b*)
— 33. καθαριῶ ὑμᾶς ἐκ πασῶν ἀνομιῶν ὑ. (5 *b*)
37. 23. καθαριῶ αὐτούς (5 *b*)
39. 12. ἵνα καθαρισθῇ ἡ γῆ ἐν ἑπταμήνῳ (5 *b*)
— 14. καθαρίσαι αὐτὴν μετὰ τὴν ἑπτάμηνον (5 *b*)
— 16. καθαρισθήσεται ἡ γῆ (5 *b*)
43. 26. καθαριοῦσιν [**A** -ίσουσιν] αὐτό (5 *b*)
44. 26. μετὰ τὸ καθαρισθῆναι αὐτόν (5 *e*)
Da. LXX. 8. 14. καθαρισθήσεται τὸ ἅγιον (11)
11. 35. εἰς τὸ καθαρίσαι ἑαυτούς (12)
— 35. καὶ εἰς τὸ καθαρισθῆναι (7)
Da. TH. 8. 14. καθαρισθήσεται τὸ ἅγιον (11)
I Ma. 4. 36. **A R** καθαρίσαι [S^1 -σατε, S^2 καὶ καθαρίσωμεν] τὰ ἅγια
— 41. ἕως καθαρίσῃ τὰ ἅγια
— 43. ἐκαθάρισαν τὰ ἅγια
13. 47. καὶ ἐκαθάρισε τὰς οἰκίας
— 50. ἐκαθάρισε τὴν ἄκραν
II Ma. 2. 18. τὸν τόπον ἐκαθάρισε
II Ma. 10. 3. τὸν νεὼν καθαρίσαντες
— 7. **R** καθαρισθῆναι [**A** -ίσαι] τὸν ἑαυτοῦ τόπον
14. 36. τόνδε τὸν προσφάτως κεκαθαρισμένον οἶκον
IV Ma. 1. 11. ὥστε καθαρισθῆναι δι' αὐτῶν τὴν πατρίδα
17. 21. καὶ τὴν πατρίδα καθαρισθῆναι
[Aq. IV Ki. 5. 10 : Jb. 37. 21 : Ps. 72 (73). 13 : Je. 25. 29 (32. 15) : 44 (51). 10 : 49. 12 (29. 13) *bis* : Ez. 24. 13.]
[Sm. IV Ki. 5. 10 : Jb. 10. 14 : Pr. 20. 9 : Je. 13. 27 : 25. 29 (32. 15) : 44 (51). 10 : Ez. 16. 30.]
[Th. I Ki. 26. 9 : IV Ki. 5. 10 : Je. 25. 29 (32. 15) : Ez. 24. 13.]
[Al. Ex. 34. 7 : Le. 12. 7 : Nu. 19. 12.]
[Quint. IV Ki. 5. 10.]

καθαριότης. (1) בֹּר (2) טֹהַר
Ex. 24. 10. ὥσπερ εἶδος στερεώματος τοῦ οὐρανοῦ τῇ κ. [**A** -ρότ.] (2)
II Ki. 22. 21, 25 : Ps. 17 (18). 20, 24. κατὰ τὴν κ. τῶν χειρῶν μου (1)
Wi. 7. 24. S^1 χωρεῖ διὰ πάντων διὰ τὴν κ. [**A** B S^2 καθαρότ.]
Si. 43. 1. γαυρίαμα ὕψους στερέωμα καθαριότητος [**S** καὶ καθαριότης]

καθαριοῦν. (1) זָכַךְ
La. 4. 7. ἐκαθαριώθησαν Ναζιραῖοι αὐτῆς ὑπὲρ χιόνα (1)

καθάρισις. (1) טֹהַר
Le. 12. 4, 6. αἱ ἡμέραι καθάρσεως [B^2 -αρίσ.] αὐ. (1)
[Aq. Le. 12. 4, 5.]

καθαρισμός. (1) אָשָׁם (2) *a.* טָהֳרָה *b.* מְטַהֵרָה (3) כִּפֻּרִים (4) נָקָה pi. (5) ποιεῖν καθαρισμὸν עָבַר hi.
Ex. 29. 36. τὸ μοσχάριον . . . ποιήσεις τῇ ἡμέρᾳ τοῦ κ. (3)
30. 10. ἀπὸ τοῦ αἵματος τοῦ κ. καθαριεῖ αὐτό [**A** *al.*] (3 ?)
Le. 14. 32. τοῦ μὴ εὑρίσκοντος τῇ χειρὶ εἰς τὸν κ. αὐτοῦ (2 *b*)
15. 13. ἐξαριθμήσεται αὐτῷ . . . εἰς τὸν κ. (2 *b*)
Nu. 14. 18. καθαρισμῷ οὐ καθαριεῖ τὸν ἔνοχον (4)
I Ch. 23. 28. ἐπὶ τὸν κ. τῶν πάντων ἁγίων (2 *b*)
Ne. 12. 45. φυλακὰς τοῦ κ. (2 *b*)
Jb. 1. 5. S^1 προσέφερε . . . θυσίαν κατὰ τὸν κ. αὐ. [**A** B S^2 *al.*] †
7. 21. διὰ τί οὐκ ἐποιήσω . . . καθαρισμὸν τῆς ἁμαρτίας [**A** ἀνομίας] μου (5)
Ps. 88 (89). 44. κατέλυσας ἀπὸ καθαρισμοῦ αὐτόν (2 *a*)
Pr. 14. 9. οἰκίαι παρανόμων [**A** ἀφρόνων] ὀφειλήσουσι καθαρισμόν (1 ?)
Si. 51. 20. ἐν καθαρισμῷ [**A** καιρῷ θερισμοῦ] εὗρον αὐτήν
Da. LXX. 12. 6. καὶ ὁ κ. τούτων –
II Ma. 1. 18. ἄγειν . . . τὸν κ. τοῦ ἱεροῦ
— 36. Νέφθαρ ὁ διερμηνεύεται καθαρισμός
2. 16. μέλλοντες οὖν ἄγειν τὸν κ.
— 19. **R** τὸν τοῦ ἱεροῦ τοῦ μεγάλου [**A** μεγίστου] κ.
10. 5. τὸν κ. γενέσθαι τοῦ ναοῦ
IV Ma. 7. 6. **R** κ. νόμιμον [**A** **S** *om.*] χωρήσασαν γαστέρα
[Aq. Je. 49. 12 (29. 13).]
[Sm., Th. Le. 12. 4, 5 : Am. 4. 6.]
[Al. Ex. 34. 7.]

κάθαρμα.
[Aq. Dt. 29. 17 (16) : Ez. 6. 4.]

καθαρός. (1) *a.* בַּר *b.* בֹּר *c.* בָּרַר (2) *a.* זָךְ *b.* זַכַּךְ (3) זָרָה (4) *a.* טָב *b.* טוֹב (5) טָהוֹר (6) יָשָׁר (7) מַכֻּלָה (8) סָנַר (9) נָקִא (10) נָקִי (11) סָרַק (12) קָרוּשׁ (13) שָׁחַט (14) תֹּם (15) κ. εἶναι טָהֵר *a.* qal. *b.* pi. *c.* hithp. (16) κ. εἶναι *a.* נָקָה ni. *b.* צָדַק *c.* קָדַשׁ (17) καθαρὸν τιθέναι כּוּן hi. (18) καθαρὸς γίνεσθαι *a.* זָכָה hithp. *b.* כָּפַר pi.
Ge. 7. 2. ἀπὸ δὲ τῶν κτηνῶν τῶν κ. (5)
— 2. ἀπὸ δὲ τῶν κτηνῶν τῶν μὴ κ. (5)

Ge. 7. 3. ἀπὸ τῶν πετεινῶν . . . τῶν κ. –
— 3. ἀπὸ πάντων τῶν πετεινῶν τῶν μὴ κ. –
— 8. B ἀπὸ τῶν πετεινῶν τῶν κ. [A *om.* τ. κ.] –
— 8. B ἀπὸ τῶν πετεινῶν τῶν μὴ κ. [A *om.* τ. μ. κ.] –
— 8. ἀπὸ τῶν κτηνῶν τῶν κ. (5)
— 8. ἀπὸ τῶν κτηνῶν τῶν μὴ κ. (5)
8. 20. ἀπὸ πάντων τῶν κτηνῶν τῶν κ. (5)
— 20. ἀπὸ πάντων τῶν πετεινῶν τῶν κ. (5)
20. 5. ἐν καθαρᾷ καρδίᾳ . . . ἐποίησα τοῦτο (14)
— 6. ἐν καθαρᾷ καρδίᾳ ἐποίησας τοῦτο (14)
24. 8. B καθαρὸς ἔσῃ ἀπὸ τοῦ ὅρκου μου [A S τούτου] (16 *a*)
44. 10. ὑμεῖς δὲ ἔσεσθε καθαροί (10)
Ex. 25. 10 (11). καταχρυσώσεις αὐτὴν χρυσίῳ κ. (5)
— 16 (17). ἐπίθεμα χρυσίου καθαροῦ (5)
— 22 (23). τράπεζαν χρυσῆν [A *om.*] χρυσίου κ. †
— 27 (28). καταχρυσώσεις αὐτοὺς χρυσίῳ κ. –
— 28 (29). χρυσίου κ. ποιήσεις αὐτά (5)
— 30 (31). ποιήσεις λυχνίαν ἐκ χρυσίου κ. (5)
— 35 (36). ὅλη τορευτὴ ἐξ ἑνὸς χρυσίου κ. (5)
— 37 (38). ἐκ χρυσίου καθαροῦ ποιήσεις (5)
— 38 (39). τάλαντον χρυσίου καθαροῦ (5)
27. 20. ἔλαιον . . . καθαρὸν κεκομμένον (2 *a*)
28. 8. B τὸ ὕφασμα . . . ἐκ χρυσίου κ. [A B *om.*] –
— 13. ποιήσεις ἀσπιδίσκας ἐκ χρυσίου καθαροῦ –
— 14. ποιήσεις . . . ἐκ χρυσίου καθαροῦ (5)
— 22. ἔργον ἀλυσιδωτὸν ἐκ [A *om.*] χρυσίου καθαροῦ (5)
— 32 (36). πέταλον χρυσοῦν καθαρόν (5)
30. 3. καταχρυσώσεις αὐτὰ χρυσίῳ κ. (5)
— 4. δύο δακτυλίους χρυσοῦς καθαρούς –
— 35. καθαρὸν ἔργον ἅγιον (5)
31. 8. τὴν λυχνίαν τὴν κ. (5)
36. 22 (39. 15). ἐκ χρυσίου καθαροῦ (5)
— 38 (39. 30). χρυσίου καθαροῦ (5)
38 (37). 2. κατεχρύσωσεν αὐτὴν χρυσίῳ καθαρῷ (5)
— 5 (37. 6). A R ἐκ χρυσίου καθαροῦ [B *om.*] (5)
— 9 (37. 11). ἐκ χρυσίου καθαροῦ (5)
— 11 (37. 15). A κατεχρύσωσεν αὐτοὺς χρυσίῳ καθαρῷ [B *om.*] –
— 25 (37. 29). καθαρὸν ἔργον μυρεψοῦ (5)
39. 17 (37). τὴν λυχνίαν τὴν κ. (5)
Le. 4. 12. ἐξοίσουσιν ὅλον τὸν μόσχον . . . εἰς τόπον κ. (5)
6. 11 (4). ἐξοίσει τὴν κατακάρπωσιν . . . εἰς τόπον κ. (5)
7. 9 (19). πᾶς κ. φάγεται κρέα (5)
10. 10. ἀνὰ μέσον τῶν ἀκαθάρτων καὶ τῶν κ. (5)
11. 32. καὶ καθαρὸν ἔσται (15 *a*)
— 36. πλὴν πηγῶν ὑδάτων . . . ἔσται καθαρόν (5)
— 37. καθαρὸν ἔσται (5)
— 47. καὶ ἀνὰ μέσον τῶν κ. (5)
13. 6. καθαρὸς ἔσται (15 *a*)
— 13. καθαρόν ἐστι (5)
— 17. καθαρός ἐστι [A ἔσται] (5)
— 34. καθαρὸς ἔσται (15 *a*)
— 37. A R καθαρός [B -όν] ἐστι (5)
— 39. A B καθαρός ἐστιν –
— 39, 40, 41. καθαρός ἐστιν (5)
— 58. καθαρὸν ἔσται (15 *a*)
14. 4. δύο ὀρνίθια ζῶντα κ. (5)
— 7. καθαρὸς ἔσται (15 *b*)
— 8, 9. καθαρὸς ἔσται (15 *a*)
— 49. δύο ὀρνίθια ζῶντα κ. –
— 53. καθαρὰ ἔσται (15 *a*)
15. 8. ἐὰν δὲ προσσιελίσῃ [A -εγγίσῃ] . . . ἐπὶ τὸν κ. (5)
— 12. καθαρὸν ἔσται –
— 13: 17. 15. καθαρὸς ἔσται (15 *a*)
20. 25. ἀνὰ μέσον τῶν κτηνῶν τῶν κ. (5)
— 25. ἀνὰ μέσον τῶν πετεινῶν τῶν κ. (5)
22. 7. καθαρὸς ἔσται (15 *a*)
24. 2. ἔλαιον ἐλαΐνον κ. κεκομμένον εἰς φῶς (2 *a*)
— 4. ἐπὶ τῆς λυχνίας τῆς κ. (5)
— 6. ἐπὶ τὴν τράπεζαν τὴν κ. (5)
— 7. ἐπιθήσετε . . . λίβανον κ. (2 *a*)
Nu. 5. 17. λήψεται ὁ ἱερεὺς ὕδωρ κ. ζῶν (12)
— 28. καὶ καθαρὰ ᾖ (5)
8. 7. καὶ καθαροὶ ἔσονται (15 *c*)
9. 13. ὃς ἐὰν καθαρὸς ᾖ (5)
18. 11, 13. πᾶς κ. ἐν τῷ οἴκῳ σου ἔδεται αὐτά (5)
19. 3. ἐξάξουσιν αὐτὴν . . . εἰς τόπον κ. –
— 9. συνάξει ἄνθρωπος κ. τὴν σποδόν (5)
— 9. καὶ ἀποθήσει . . . εἰς τόπον κ. (5)
— 12. καὶ καθαρὸς ἔσται [A ἐστίν] (15 *a*)
Nu. 19. 12. οὐ καθαρὸς ἔσται (15 *a*)
— 18. βάψεται εἰς τὸ ὕδωρ ἀνὴρ κ. (5)
— 19. περιρανεῖ ὁ κ. ἐπὶ τὸν ἀκάθαρτον (5)
De. 12. 15. ὁ κ. ἐπὶ τὸ αὐτὸ φάγεται αὐτό (5)
— 22. ὁ κ. ὡσαύτως ἔδεται (5)
14. 11. πᾶν ὄρνεον κ. φάγεσθε (5)
— 20. πᾶν πετεινὸν κ. φάγεσθε (5)
15. 22. ὁ κ. ὡσαύτως ἔδεται [A φάγεται] (5)
23. 10 (11). ὃς οὐκ ἔσται κ. ἐκ ῥύσεως αὐτοῦ (5)
I Ki. 20. 26. σύμπτωμα φαίνεται μὴ καθαρὸς εἶναι (5)
II Ch. 3. 4. κατεχρύσωσεν αὐτὸν . . . χρυσίῳ κ. (5)
— 5. καὶ κατεχρύσωσε χρυσίῳ κ. (4 *b*)
— 8. ἐχρύσωσεν [A κατεχρ.] αὐτὸν χρυσίῳ κ. (4 *b*)
4. 16. ἃ ἐποίησε . . . χαλκοῦ κ. (8)
— 20. καὶ τὰς λυχνίας . . . χρυσίου κ. (11)
— 21. καὶ τὰ πυρεῖα χρυσίου κ. (7)
9. 15. A B ἑξακόσιοι χρυσοῦ κ. τῷ ἑνὶ θυρεῷ (13?)
— 15. ἑξακόσιοι χρυσοῦ κ. [A *om.*] ἐπῆσαν ἐπὶ τὸν ἑνὰ θυρεόν (13)
13. 11. προθέσεις ἄρτων ἐπὶ τῆς τραπέζης τῆς κ. (5)
II Es. 2. 69. χρυσίου κ. μναῖ ἐξ μυριάδες [A *al.*] –
6. 20. ἕως εἰς πάντες καθαροί (5)
Ne. 2. 20. καὶ ἡμεῖς δοῦλοι αὐτοῦ κ. †
To. 3. 14. καθαρά εἰμι ἀπὸ πάσης ἁμαρτίας ἀνδρός [S *al.*]
8. 15. A B^{2} ἐν πάσῃ εὐλογίᾳ κ. καὶ ἁγίᾳ [B^{1} S *al.*]
13. 16. A R οἱ προμαχῶνες ἐν [B S *om.*] χρυσίῳ κ.
Ju. 10. 5. πήραν ἐπλήρωσεν . . . ἄρτων κ.
12. 9. εἰσπορευομένη κ. [A καθὰ] παρέμενε
Jb. 4. 7. τίς [A οὐδεὶς] καθαρὸς ὢν ἀπώλετο (10)
— 17. μὴ καθαρὸς ἔσται βροτός (16 *b*)
8. 6. εἰ καθαρὸς εἶ καὶ ἀληθινός (2 *a*)
9. 30. ἐὰν . . . ἀποκαθάρωμαι χερσὶ καθαραῖς (1 *b*)
11. 4. καθαρός εἰμι τοῖς ἔργοις (2 *a*)
— 13. εἰ γὰρ σὺ καθαρὰν ἔθου τὴν καρδίαν σου (17)
— 15. ἀναλάμψει σου τὸ πρόσωπον ὥσπερ ὕδωρ καθαρόν †
14. 4. τίς γὰρ καθαρὸς ἔσται ἀπὸ ῥύπου (5)
15. 15. οὐρανὸς δὲ οὐ καθαρὸς ἐναντίον αὐτοῦ (2 *b*)
16. 18 (17). εὐχὴ δέ μου καθαρά (2 *a*)
17. 9. B S^{2} καθαρὸς δὲ χεῖρας [A καὶ ὁ κ. χερσὶν] ἀναλάβοι θάρσος (5)
21. 16. A ἔργα δὲ ἀσεβῶν οὐ καθαρά [B S οὐκ ἐφορᾷ] †
22. 25. καθαρὸν δὲ ἀποδώσει σε †
— 30. διασώθητι [A S^{2} -θήσῃ] ἐν καθαραῖς χερσί σου (1 *b*)
25. 5. A οὐδ' ἄνθρωπος οὐ καθαρός –
— 5. ἄστρα δὲ οὐ καθαρὰ [A οὐκ ἄμεμπτα] ἐναντίον αὐτοῦ (2 *b*)
28. 19. χρυσίῳ καθαρῷ οὐ συμβασταχθήσεται (5)
33. 3. B καθαρά μου ἡ καρδία ῥήμασι σύνεσιν δὲ χειλέων μου καθαρὰ νοήσει [A S R *al.*] (6, 1 *c*)
— 9. καθαρός εἰμι οὐχ ἁμαρτών [A *al.*] (2 *a*)
— 26. A S^{2} εἰσελεύσεται δὲ προσώπῳ καθαρῷ [B S^{1} ἱλαρῷ] –
Ps. 23 (24). 4. ἀθῷος χερσὶ καὶ καθαρὸς τῇ καρδίᾳ (1 *a*)
50 (51). 10. καρδίαν καθαρὰν κτίσον ἐν ἐμοί (5)
Pr. 8. 11. B^{3} ἀντερείσθαι δὲ αἰσθήσει χρυσίου κ. [A *al.*] –
12. 27. κτῆμα δὲ τίμιον ἀνὴρ καθαρός †
14. 4. οὗ μὴ εἰσὶ βόες φάτναι καθαραί (1 *a*)
20. 9. τίς παρρησιάσεται καθαρὸς εἶναι ἀπὸ ἁμαρτιῶν (15 *a*)
25. 4. καθαρισθήσεται καθαρὸν ἅπαν †
Ec. 9. 2. συνάντημα ἓν . . . τῷ κ. καὶ τῷ ἀκαθάρτῳ (5)
Wi. 7. 23. διὰ πάντων χωροῦν πνευμάτων . . . καθαρώτατον λεπτοτάτων
14. 24. οὔτε γάμους καθαροὺς ἔτι φυλάσσουσιν
15. 7. τά τε τῶν κ. ἔργων δοῦλα σκεύη
Hb. 1. 13. καθαρὸς ὁ ὀφθαλμὸς τοῦ μὴ ὁρᾶν πονηρά (5)
Za. 3. 6 (5). ἐπίθετε κίδαριν καθαρὰν ἐπὶ τὴν κεφαλήν (5)
— 6 (5). ἐπέθηκαν κίδαριν καθαρὰν ἐπὶ τὴν κεφαλήν (5)
Ma. 1. 11. θυμίαμα προσάγεται . . . καὶ θυσία κ. (5)
Is. 1. 16. καθαροὶ γένεσθε (18 *a*)
— 25. πυρώσω [A S *add.* σε] εἰς καθαρόν (1 *b*)
14. 20. ὃν τρόπον ἱμάτιον ἐν αἵματι πεφυρμένον οὐκ ἔσται καθαρὸν οὕτως οὐδὲ σὺ ἔσῃ κ. †, †
35. 8. ἔσται ἐκεῖ ὁδὸς καθαρά –
47. 11. οὐ μὴ δυνήσῃ καθαρὰ γενέσθαι (18 *b*)
Is. 65. 5. μὴ ἐγγίσῃς μοι [A μου] ὅτι κ. εἰμι (16 *c*)
Je. 4. 11. ὁδὸς τῆς θυγατρὸς τοῦ λαοῦ μου οὐκ εἰς καθαρόν (3)
Ez. 22. 26. ἀνὰ μέσον ἀκαθάρτου καὶ τοῦ κ. (5)
36. 25. ῥανῶ ἐφ' ὑμᾶς ὕδωρ κ. (5)
44. 23. ἀνὰ μέσον ἀκαθάρτου καὶ καθαροῦ [A *al.*] (5)
Da. LXX. 7. 9. ὡσεὶ ἔριον λευκὸν κ. (9)
Da. TH. Su. 46. A καθαρὸς [B ἀθῷος] ἐγὼ ἀπὸ τοῦ αἵματος ταύτης
2. 32. A B^{2} ἧς ἡ κεφαλὴ χρυσίου κ. [B^{1} R χρηστοῦ] (4 *a*)
7. 9. ἡ θρὶξ τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ ὡσεὶ ἔριον κ. (9)
II Ma. 7. 40. R καθαρὸς [A -ῶς] τὸν βίον [A *om.* τ. β.] μετήλλαξε
[Aq. Jb. 14. 4: Pr. 22. 11.]
[Sm. Ex. 6. 12, 30: II Ki. 3. 28: Ps. 72 (73). 1: Is. 1. 25: 66. 20: Hb. 1. 13: Ze. 3. 9.]
[Th. Ex. 37. 11: Pr. 15. 26: 22. 11: Is. 1. 25: Da. 2. 32†.]
[Al. Le. 10. 14: Ps. 18 (19). 8: Pr. 8. 10.]

καθαρότης. (1) טֹהַר

Ex. 24. 10. A ὥσπερ εἶδος στερεώματος τοῦ οὐρανοῦ τῇ κ. [B -ριότ.] (1)
Wi. 7. 24. χωρεῖ διὰ πάντων διὰ τὴν κ. [S^{1} καθαριότ.]
[Sm. Jb. 22. 30: Ps. 88 (89). 45.]

καθάρσιος.

IV Ma. 6. 29. καθάρσιον αὐτῶν ποίησον τὸ ἐμὸν αἷμα

κάθαρσις. (1) טֹהַר (2) נָקָה ni.

Le. 12. 4, 6. αἱ ἡμέραι καθάρσεως [B^{2} -ρίσ.] αὐτῆς (1)
Je. 32 (25). 29. καθάρσει οὐ μὴ καθαρισθῆτε (2)
Ez. 15. 4. τὴν κατ' ἐνιαυτὸν κάθαρσιν †
[Aq. Le. 12. 4.]

κάθαρτος (?).

Le. 14. 41. εἰς τόπον ἀκάθαρτον [A^{1} κάθ.] †

καθαρῶς.

II Ma. 7. 40. A κ. μετήλλαξε [R -ρὸς τὸν βίον μετήλλ.]
[Sm. Ps. 2. 11.]

καθέδρα. (1) *a.* מוֹשָׁב *b.* יֶשֶׁב *c.* שֶׁבֶת

I Ki. 20. 18. ἐπισκεπήσεται καθέδρα σου (1 *a*)
— 25. ἐκάθισεν ἐπὶ τὴν κ. αὐ. . . . ἐπὶ τῆς κ. (1 *a*, 1 *a*)
III Ki. 8. 12. A ἔδρασμα τῆς κ. σου αἰῶνος (1 *b*)
10. 5. καὶ τὴν κ. παίδων αὐτοῦ (1 *a*)
— 19. ἐπὶ τοῦ τόπου [A θρόνου] τῆς κ. (1 *c*)
IV Ki. 16. 18. τὸν θεμέλιον τῆς κ. ᾠκοδόμησεν †
17. 25. ἐν ἀρχῇ τῆς κ. αὐτῶν (1 *b*)
19. 27. τὴν κ. σου . . . ἔγνων (1 *b*)
II Ch. 9. 4. καὶ καθέδραν παίδων αὐτοῦ (1 *a*)
— 18. ἐπὶ τοῦ θρόνου τῆς κ. (1 *c*)
Ps. 1. 1. B S ἐπὶ κάθεδραν [A R -ᾳ] λοιμῶν οὐκ ἐκάθισεν (1 *a*)
106 (107). 32. A S^{1} ἐν καθέδραις [S^{2} R -ᾳ] πρεσβυτέρων αἰνεσάτωσαν αὐτόν (1 *a*)
138 (139). 2. σὺ ἔγνως τὴν κ. μου (1 *b*)
Si. 7. 4. μηδὲ παρὰ βασιλέως καθέδραν δόξης
12. 12. μὴ ποτε ζητήσῃ τὴν κ. σου
La. 3. 63. ἤκουσας . . . καθέδραν αὐτῶν (1 *b*)
[Aq. Ex. 12. 40: 15. 17: III Ki. 8. 13: Ps. 1. 1: 32 (33). 14: Is. 37. 28: Ez. 6. 6: 8. 3: 28. 2.]
[Sm. Ex. 15. 17: Ps. 1. 1: Is. 37. 28.]
[Th. Is. 37. 28: Ez. 8. 3.]
[Quint., Sext. Ps. 1. 1.]

καθέζεσθαι. (1) יָשַׁב (2) שָׁבַן

Le. 12. 4. B^{2} καθεσθήσεται [B^{1} καθισ., A R καθήσ.] ἐν αἵματι [A ἱματίῳ] (1)
— 5. B καθεσθήσεται [A καθήσ.] ἐν αἵματι ἀκαθάρτῳ (1)
Jb. 39. 28. γὺψ δὲ ἐπὶ νοσσιᾶς αὐτοῦ καθεσθείς (2)
Je. 37 (30). 18. κατὰ τὸ κρίμα αὐτοῦ καθεδεῖται (1)
Ez. 26. 16. ἐπὶ γῆν καθεδοῦνται [A^{2} καθελ.] (1)
[Aq. Ps. 9. 8: 28 (29). 10: 139 (140). 14.]

καθεῖς, *vid. sub* **κατά** *et* **εἷς.**

κάθεμα. (1) רְבִיד (2) רַעַל

Is. 3. 19. ἀφελεῖ . . . τὸ κ. (2?)
Ez. 16. 11. περιέθηκα . . . κ. περὶ τὸν τράχηλόν σου (1)
[Th. Is. 3. 19: Ez. 16. 11.]

καθεύδειν. (1) יָשֵׁב (2) יָשֵׁן (3) שָׁכַב

Ge. 28. 13. ἡ γῆ ἐφ' ἧς σὺ καθεύδεις ἐπ' αὐτῆς (3)
39. 10. καθεύδειν μετ' αὐτῆς (3)
De. 11. 19. καὶ καθεύδοντός σου [A *al.*] (3)
Ru. 3. 7. A καὶ ἐκάθευδεν (3)
I Ki. 3. 2. A B²R Ἠλὶ ἐκάθευδεν [B¹ -θητο] ἐν τῷ τόπῳ αὐτοῦ (3)
— 3. Σαμ. ἐκάθευδεν ἐν τῷ ναῷ [A οἴκῳ κυρίου] (3)
— 5. ἀνάστρεφε κάθευδε (3)
— 5. ἀνέστρεψε καὶ ἐκάθευδε (3)
— 6. ἀνάστρεφε [B² *add.* καὶ] κάθευδε (3)
— 9. ἀνάστρεφε κάθευδε (3)
19. 9. καὶ αὐτὸς ἐν οἴκῳ καθεύδων (1)
26. 5. οὗ ἐκάθευδεν ἐκεῖ Σαούλ (3)
— 5. Σαοὺλ ἐκάθευδεν ἐν λαμπήνῃ (3)
— 7. καὶ ἰδοὺ Σαοὺλ καθεύδων ὕπνῳ [A *om.*] (3 [3+2])
— 7. ὁ λαὸς αὐτοῦ ἐκάθευδε κύκλῳ αὐτοῦ (3)
II Ki. 4. 5. ἐκάθευδεν ἐν τῇ κοίτῃ τῆς μεσημβρίας (3)
— 6. καὶ ἐκάθευδε †
— 7. καὶ Ἰεβ. ἐκάθευδεν (3)
12. 3. ἐν τῷ κόλπῳ αὐτοῦ ἐκάθευδε (3)
III Ki. 18. 27. ἢ μή ποτε καθεύδει αὐτός (2)
I Es. 3. 6. καὶ ἐπὶ χρυσῷ καθεύδειν
4. 10. ἐσθίει καὶ πίνει καὶ καθεύδει
To. 8. 13. εὕρε τοὺς δύο καθεύδοντας [S *al.*]
Ju. 14. 14. καθεύδειν αὐτὸν μετὰ Ἰ.
Ps. 87 (88). 5. ὡσεὶ τραυματίαι ἐρριμμένοι [A S² *om.*] καθεύδοντες ἐν τάφῳ (3)
Pr. 3. 24. ἐὰν δὲ καθεύδῃς ἡδέως ὑπνώσεις (3)
6. 22. ὡς δ' ἂν καθεύδῃς φυλασσέτω σε (3)
Ca. 5. 2. ἐγὼ καθεύδω (2)
Si. 22. 7. ἐξεγείρων καθεύδοντα ἐκ βαθέως ὕπνου
Am. 6. 4. οἱ καθεύδοντες ἐπὶ κλινῶν ἐλεφαντίνων (3)
Jn. 1. 5. κατέβη . . . καὶ ἐκάθευδε καὶ ἔρεγχε (3)
Is. 51. 20. οἱ καθεύδοντες ἐπ' ἄκρου πάσης ἐξόδου (3)
Ez. 4. 9. ἃς σὺ καθεύδεις ἐπὶ τοῦ πλευροῦ σου (3)
Da. LXX. 4. 7. ἐπὶ τῆς κοίτης μου ἐκάθευδον †
12. 2. πολλοὶ τῶν καθευδόντων ἐν τῷ πλάτει τῆς γῆς (2)
Da. TH. 12. 2. πολλοὶ τῶν καθευδόντων ἐν γῆς χώματι (2)
[Sm. Ec. 5. 11.]
[Al. Le. 15. 20 : Dt. 6. 7.]

καθηγεμών.

II Ma. 10. 28. οἱ δὲ καθηγεμόνα . . . ταττόμενοι τὸν θυμόν

καθήκειν. (1) *a.* εἰς τοὺς καθήκοντας לְפִי אֹכֶל *b.* τὸ καθῆκον פִּפִי אֹכֶל (2) τὸ καθῆκον, τὰ καθήκοντα דָּבָר (3) דָּרָךְ (4) יוֹם (5) מִשְׁפָּט (6) עֲבֹדָה

Ge. 19. 31. ὡς καθήκει πάσῃ τῇ γῇ (3)
Ex. 5. 13. συντελεῖτε τὰ ἔργα τὰ καθήκοντα (2)
— 19. οὐκ ἀπολείψετε τῆς πλινθείας τὸ καθῆκον τῇ ἡμέρᾳ (2)
16. 16. συναγάγετε . . . ἕκαστος εἰς τοὺς καθήκοντας (1 *a*)
— 18. B ἕκαστος εἰς τοὺς καθήκοντας . . . συνέλεξαν [A² -εν] (1 *a*)
— 21. A² B συνέλεξαν . . . ἕκαστος τὸ καθῆκον αὐτῷ (1 *b*)
36. 1. κατὰ τὰ ἅγια καθήκοντα [A τὰ κ.] (6)
Le. 5. 10 : 9. 16. ὡς καθήκει (5)
De. 21. 17. καὶ τούτῳ καθήκει τὰ πρωτοτοκεῖα (5)
I Ki. 2. 16. ὡς καθήκει (4)
I Es. 1. 12. ὡς καθήκει
To. 1. 8. οἷς καθήκει [S *al.*]
6. 12. τὴν κληρονομίαν σοι καθήκει λαβεῖν ἢ πάντα ἄνθρωπον [S *al.*]
7. 10. καθήκει τὸ παιδίον μου λαβεῖν [S *al.*]
Ju. 11. 13. οὐδὲ [A οὐδ' ἐν] ταῖς χερσὶ καθήκεν ἅψασθαι οὐδένα
Si. 10. 23. S B οὐ καθήκει [A B -ῆκεν] δοξάσαι ἄνδρα ἁμαρτωλόν
Ho. 2. 5 (7). καὶ πάντα ὅσα μοι καθήκει †
Ez. 21. 27 (32). ἕως οὗ ἔλθῃ ᾧ καθήκει (5)
I Ma. 10. 36. ὡς καθήκει πάσαις ταῖς δυνάμεσι τοῦ βασ.
I Ma. 10. 39. S εἰς τὴν καθήκουσαν [A προκαθ., B προσήκ.] δαπάνην
12. 11. ταῖς [A ἐν ταῖς] λοιπαῖς καθηκούσαις ἡμέραις
II Ma. 2. 30. τῷ τῆς ἱστορίας ἀρχηγέτῃ καθήκει
4. 19. B διὰ τὸ μὴ καθήκειν
6. 4. B τὰ μὴ καθήκοντα ἔνδον φερόντων [A εἰσφερ.]
— 21. οἷς καθῆκον αὐτῷ χρήσασθαι
11. 36. ὡς καθήκει ὑμῖν
14. 31. τῶν ἱερέων τὰς καθηκούσας θυσίας προσαγόντων
III Ma. 1. 11. μὴ καθήκειν γίνεσθαι τοῦτο
4. 16. τὰ μὴ καθήκοντα λαλῶν

καθηλοῦν. (1) סָמַר

Ps. 118 (119). 120. καθήλωσον ἐκ τοῦ φόβου σου τὰς σάρκας μου (1?)
[Aq. Pr. 22. 23 *bis.*]

καθήλωμα. (1) *a.* רַתּוּק *b.* רַתִּיק

III Ki. 6. 21. A παρήγαγεν ἐν καθηλώμασιν χρυσίου (1 *a*, 1 *b**)

καθήλωσις.

[Sm., Th. Ez. 7. 23.]

καθημερινός.

Ju. 12. 15. εἰς τὴν κ. δίαιταν αὐτῆς

καθῆσθαι. (1) חָיָה (2) חָלָה (3) *a.* יָשַׁב *b.* יָתַב (4) סָבַב hi. (5) רָכַב (6) שָׁכַב

Ge. 18. 1. καθημένου αὐτοῦ ἐπὶ τῆς θύρας (3 *a*)
19. 1. ἐκάθητο παρὰ τὴν πύλην Σοδόμων (3 *a*)
— 30. ἐκάθητο ἐν τῷ ὄρει (3 *a*)
21. 16. B ἐκάθητο ἀπέναντι αὐτοῦ μακρόθεν [A -ότερον] (3 *a*)
— 16. A ἐκάθητο [B -θισεν] ἀπέναντι αὐτοῦ (3 *a*)
28. 10. Ἐ. δὲ ἐκάθητο ἐν μέσῳ τῶν υἱῶν Χ. (3 *a*)
38. 11. κάθου χήρα ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ πατρός σου (3 *a*)
— 11. ἐκάθητο ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ πατρὸς αὐτῆς (3 *a*)
Ex. 11. 5. ὃς κάθηται ἐπὶ τοῦ θρόνου (3 *a*)
12. 29. τοῦ καθημένου ἐπὶ τοῦ θρόνου (3 *a*)
16. 29. A B καθήσεσθε [B -ίσεσ.] ἕκ. εἰς τοὺς οἴκους ὑμῶν (3 *a*)
17. 12. ἐκάθητο ἐπ' αὐτοῦ [A -όν] (3 *a*)
18. 14. διὰ τί σὺ κάθησαι μόνος (3 *a*)
24. 18. A ἐκάθητο [B ἦν] ἐκεῖ ἐν τῷ ὄρει (1)
Le. 8. 35. ἐπὶ τὴν θύραν τῆς σκηνῆς . . . καθήσεσθε (3 *a*)
12. 4. A B καθήσεται [B¹ καθίσ., B² καθεσθήσ.] ἐν αἵματι [A ἱματίῳ] (3 *a*)
— 5. A καθήσεται [B καθεσθήσ.] ἐν αἵματι (3 *a*)
13. 46. κεχωρισμένος καθήσεται (3 *a*)
15. 6. ὁ καθήμενος ἐπὶ τοῦ σκεύους (3 *a*)
— 23. A οὗ ἐὰν αὐτὴ κάθηται [B ἐὰν καθίσῃ] ἐπ' αὐτῷ (3 *a*)
Nu. 32. 6. καὶ ὑμεῖς καθήσεσθε αὐτοῦ (3 *a*)
De. 6. 7. λαλήσεις ἐν αὐτοῖς καθήμενος ἐν οἴκῳ (3 *a*)
11. 19. καθημένου σου ἐν οἴκῳ [A *al.*] (3 *a*)
Jo. 5. 8. αὐτόθι [A αὐτοὶ] καθήμενοι ἐν τῇ παρεμβολῇ (3 *a*)
Jd. 3. 20. ἐκάθητο ἐν τῷ ὑπερῴῳ (3 *a*)
— 24. A μή ποτε πρὸς δίφρους κάθηται [B *al.*] (4)
4. 5. ἐκάθητο ὑπὸ φοίνικα (3 *a*)
5. 10. καθήμενοι ἐπὶ κριτηρίου [A λαμπηνῶν] (3 *a*)
— 16. A κάθησαι ἀνὰ μέσον τῶν Μοσφ. [B *al.*] (3 *a*)
6. 10. B ἐν οἷς ὑμεῖς καθήσεσθε [B -ησθε, A ἐνοικεῖτε] (3 *a*)
— 18. A ἐγὼ εἰμι καθήσομαι [B -ίσ., B καθίομαι] (3 *a*)
13. 9. καὶ αὐτη ἐκάθητο ἐν ἀγρῷ [A *al.*] (3 *a*)
16. 9. τὸ ἔνεδρον αὐτῆ ἐκάθητο (3 *a*)
— 12. A τὸ ἔνεδρον ἐκάθητο ἐν τῷ ταμιείῳ [B *al.*] (3 *a*)
17. 10. κάθου μετ' ἐμοῦ (3 *a*)
18. 7. εἶδον τὸν λαὸν . . . καθήμενον ἐπ' [A ἐν] ἐλπίδι (3 *a*)
— 8. τί ὑμεῖς κάθησθε –
Ru. 3. 18. κάθου, θύγατερ (3 *a*)
4. 4. κτῆσαι ἐναντίον τῶν καθημένων (3 *a*)
I Ki. 1. 9. A Ἠλὶ ὁ ἱερεὺς ἐκάθητο [?, B *om.*] ἐπὶ τοῦ δίφρου (3 *a*)
I Ki. 1. 22. καὶ καθήσεται ἕως αἰῶνος ἐκεῖ (3 *a*)
— 23. κάθου ἕως ἂν [A οὗ] ἀπογαλακτίσῃς αὐτό (3 *a*)
3. 2. B¹ Ἠλὶ ἐκάθητο [A B² R -θευδεν] ἐν τῷ τόπῳ αὐτοῦ (6)
4. 4. κυρίου [A *add.* τῶν δυνάμεων] καθημένου Χερουβίμ (3 *a*)
— 13. A ἐκάθητο [B *om.*] ἐπὶ τοῦ δίφρου (3 *a*)
5. 7. οὐ καθήσεται κιβωτὸς . . . μεθ' ἡμῶν (3 *a*)
12. 2. καὶ καθήσομαι †
14. 2. B Σαοὺλ ἐκάθητο ἐπ' ἄκρου τοῦ βουνοῦ (3 *a*)
20. 5. ἐγὼ καθίσας οὐ καθήσομαι (3 *a*)
— 19. καθήσῃ παρὰ τὸ ἐργαβ ἐκ. [A *al.*] (3 *a*)
22. 5. μὴ κάθου ἐν τῇ περιοχῇ (3 *a*)
— 6. Σαοὺλ ἐκάθητο ἐν τῷ βουνῷ (3 *a*)
— 23. κάθου μετ' ἐμοῦ (3 *a*)
23. 14. καὶ ἐκάθητο ἐν τῇ ἐρήμῳ (3 *a*)
— 18. ἐκάθητο Δαυὶδ ἐν Καινῇ (3 *a*)
24. 4. ἐσώτερον τοῦ σπηλαίου ἐκάθηντο (3 *a*)
27. 5. καθήσομαι [A κάθισόν με] ἐκεῖ (3 *a*)
— 5. ἵνα τί κάθηται ὁ δοῦλός σου (3 *a*)
— 11. ἃς ἐκάθητο Δαυίδ (3 *a*)
30. 24. A B ἔσται ἡ μερὶς τοῦ [B ἔ. μ.] καθημένου ἐπὶ τὰ σκεύη (3 *a*)
II Ki. 6. 2. A B κυρίου τῶν δυνάμεων καθημένου [B -φ] ἐπὶ τῶν Χερ. (3 *a*)
7. 2. κάθηται ἐν μέσῳ τῆς σκηνῆς (3 *a*)
16. 3. κάθηται ἐν Ἰερ. (3 *a*)
— 18. μετὰ αὐτοῦ καθήσομαι (3 *a*)
18. 24. Δαυὶδ ἐκάθητο ἀνὰ μέσον τῶν δύο πυλῶν (3 *a*)
19. 8 (9). ὁ βασ. κάθηται ἐν τῇ πύλῃ (3 *a*)
23. 10. ὁ λαὸς ἐκάθητο ὀπίσω αὐτοῦ †
III Ki. 1. 17. καθήσεται ἐπὶ τοῦ θρόνου μου (3 *a*)
— 20. τίς καθήσεται ἐπὶ τοῦ θρόνου (3 *a*)
— 24. καθήσεται ἐπὶ τοῦ θρόνου μου (3 *a*)
— 27. τίς καθήσεται ἐπὶ τὸν θρόνον (3 *a*)
— 30, 35. καθήσεται ἐπὶ τοῦ θρόνου μου (3 *a*)
— 48. καθήμενον ἐπὶ τοῦ θρόνου μου [A *om.*] (3 *a*)
3. 1 (2. 36). καὶ κάθου ἐκεῖ (3 *a*)
— 6. A δοῦναι τὸν υἱὸν αὐτοῦ καθήμενον [B *om.*] ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐτοῦ (3 *a*)
7. 8. A B ἐν ᾧ [B οἴκῳ] καθήσεται ἐκεῖ (3 *a*)
8. 25. καθήμενος ἐπὶ θρόνου Ἰσρ. (3 *a*)
9. 16. A τὸν Χαν. τὸν καθήμενον ἐν τῇ πόλει (3 *a*)
11. 16. A ἐκάθητο [B ἐνεκ.] ἐκεῖ Ἰ. (3 *a*)
— 43 (12. 2). B καὶ ἐκάθητο ἐν Αἰγύπτῳ [A *al.*] (3 *a*)
12. 17. A υἱῶν Ἰσρ. τῶν καθημένων ἐν πόλεσιν Ἰ. (3 *a*)
18. 14. εὗρεν αὐτὸν καθήμενον ὑπὸ [A ἐπὶ] δρῦν (3 *a*)
— 20. αὐτῶν καθημένων ἐπὶ τῆς τραπέζης [B¹ *om.* ἐ. τ. τρ.] (3 *a*)
17. 9. A καὶ καθήσῃ ἐκεῖ (3 *a*)
— 19. ἐν ᾧ αὐτὸς ἐκάθητο ἐκεῖ (3 *a*)
20 (21). 11. A οἱ καθήμενοι [B κατοικοῦντες] ἐν πόλει αὐτοῦ (3 *a*)
22. 10. ἐκάθητο [A -ητο] ἀνὴρ ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐτοῦ (3 *a*)
— 19. καθήμενον ἐπὶ θρόνου αὐτοῦ (3 *a*)
IV Ki. 1. 9. Ἡ. ἐκάθητο ἐπὶ τῆς κορυφῆς τοῦ ὄρους (3 *a*)
2. 2, 4. κάθου δὴ ἐνταῦθα (3 *a*)
— 6. κάθου δὴ ὧδε (3 *a*)
— 18. αὐτὸς ἐκάθητο ἐν Ἰερ. (3 *a*)
3. 25. A καταλιπεῖν τοὺς λίθους . . . καθημένους [B -ηρημένους] †
4. 38. οἱ υἱοὶ τῶν προφητῶν ἐκάθηντο ἐνώπιον αὐτοῦ (3 *a*)
6. 32. Ἐλ. ἐκάθητο ἐν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ καὶ οἱ πρεσβύτεροι ἐκάθηντο μετ' αὐτοῦ (3 *a*, 3 *a*)
7. 3. τί ἡμεῖς καθήμεθα ὧδε (3 *a*)
9. 5. οἱ ἄρχοντες τῆς δυνάμεως ἐκάθητο (3 *a*)
— 13. A ἐπὶ γὰρ ἕνα τῶν ἀναβαθμῶν ἐκάθητο [B *al.*] –
10. 30. υἱοὶ τέταρτοι καθήσονταί σοι (3 *a*)
14. 10. καθήμενος ἐν τῷ οἴκῳ σου (3 *a*)
15. 12. υἱοὶ τέταρτοι καθήσονταί σοι (3 *a*)
18. 27. τοὺς ἄνδρας τοὺς καθημένους ἐπὶ τοῦ τείχους (3 *a*)
19. 15. ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν Χερ. (3 *a*)
I Ch. 13. 6. τοῦ θεοῦ κυρίου καθημένου ἐπὶ Χερ. (3 *a*)
20. 1. A B Δ. ἐκάθητο [B -θισεν] ἐν Ἰερ. (3 *a*)
II Ch. 6. 16. καθήμενος ἐπὶ θρόνου Ἰσρ. (3 *a*)

II Ch. 18. 9. καθήμενοι ἕκαστος ἐπὶ θρόνου αὐτοῦ (3 a)
— 9. καθήμενοι ἐν τῷ εὐρυχώρῳ θύρας (3 a)
— 18. καθήμενον ἐπὶ θρόνου αὐτοῦ (3 a)
25. 19. A B κάθησο [B κάθισον] ἐν οἴκῳ σου (3 a)
26. 21. ἐν οἴκῳ ἀμφουσὼθ ἐκάθητο λεπρός (3 a)
32. 10. καθήσεσθε [A κάθησθε] ἐν τῇ περιοχῇ ἐν Ἰερ. (3 a)
I Es. 4. 29. τὴν παλλακὴν τοῦ βασ. καθημένην ἐν δεξιᾷ
— 42. ἐχόμενός μου καθήσῃ
8. 72. καὶ ἐκαθήμην περίλυπος
II Es. 9. 3. καὶ ἐκαθήμην ἠρεμάζων [A ἐρ.] (3 a)
— 4. κἀγὼ καθήμενος ἠρεμάζων (3 a)
Ne. 2. 6. ἡ παλλακὴ ἡ καθημ. ἐχόμενα αὐτοῦ (3 a)
— 6. S[3] ἵνα τί κάθησαι παρ' ἐμοί –
11. 6. οἱ καθήμενοι ἐν Ἰερ. (3 a)
To. 7. 1. S εὗρον αὐτὸν καθήμενον παρὰ τὴν θύραν
11. 5. Ἄννα ἐκάθητο
Ju. 4. 8. οἱ ἐκάθητο ἐν Ἰερ.
5. 3. τίς ὁ λαὸς οὗτος ὁ καθήμενος [S οὗ. ἐγκαθ.] ἐν τῇ ὀρεινῇ
8. 21. οὕτως καθήσεται πᾶσα ἡ Ἰ.
11. 23. ἐν οἴκῳ βασιλέως Ναβ. καθήσῃ
Es. 5. 1. ἐκάθητο ἐπὶ τοῦ θρόνου τῆς βασ. αὐ. (3 a)
— 13. S[3] τὸν Ἰ. καθήμενον [A B S[1] om.] ἐν τῇ αὐλῇ (3 a)
Jb. 2. 8. ἐκάθητο ἐπὶ τῆς κοπρίας ἔξω τῆς πόλεως (3 a)
— 9. ἐν σαπρίᾳ σκωλήκων κάθησαι [A -ίσαι, 4 S[1] om.] –
38. 40. κάθηνται δὲ ἐν ὕλαις ἐνεδρεύοντες (3 a)
Ps. 46 (47). 8. ὁ θ. κάθηται ἐπὶ θρόνου ἁγίου αὐ. (3 a)
49 (50). 20. καθήμενος κατὰ τοῦ ἀδελφοῦ σου κατελάλεις (3 a)
68 (69). 12. οἱ καθήμενοι ἐν πύλῃ (3 a)
79 (80). 1. ὁ καθήμ. ἐπὶ τῶν Χερ. ἐμφάνηθι (3 a)
98 (99). 1. ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν Χερουβίμ (3 a)
106 (107). 10. καθημένους ἐν σκότει (3 a)
109 (110). 1. κάθου ἐκ δεξιῶν μου (3 a)
126 (127). 2. A S ἐγείρεσθαι [B -θε] μετὰ τὸ καθῆσθαι (3 a)
Pr. 3. 24. ἐὰν γὰρ κάθῃ ἄφοβος ἔσῃ (6)
6. 10. ὀλίγον δὲ κάθησαι –
Ec. 10. 6. πλούσιοι [S πλ. μεγάλοι] ἐν ταπεινῷ καθήσονται (3 a)
Ca. 5. 12. ὡς περιστεραὶ . . . καθήμεναι ἐπὶ πληρώματα [A S πλ. ὑδάτων] (3 a)
8. 13. ὁ καθήμενος ἐν κήποις (3 a)
Si. 1. 8. εἷς ἐστι σοφὸς . . . καθήμενος ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐτοῦ
9. 9. μετὰ ὑπάνδρου γυναικὸς μὴ κάθου τὸ σύνολον
11. 1. A ἐν μέσῳ μεγιστάνων καθήσει [B S -ίσ.] αὐτόν
26. 12. κατέναντι παντὸς πασσάλου καθήσεται
37. 14. ἑπτὰ σκοποὶ ἐπὶ μετεώρου καθήμενοι ἐπὶ σκοπῆς
38. 28. χαλκεὺς καθήμενος ἐγγὺς ἄκμονος
— 29. κεραμεὺς καθήμενος ἐν ἔργῳ αὐτοῦ
40. 3. ἀπὸ καθημένου ἐπὶ θρόνου ἐν δόξῃ [A S ἐνδόξου]
50. 26. οἱ καθήμενοι ἐν ὄρει Σαμαρείας
Ho. 3. 3. ἡμέρας πολλὰς καθήσῃ ἐπ' ἐμοί (3 a)
— 4. διότι ἡμέρας πολλὰς καθήσονται οἱ υἱοὶ Ἰ. (3 a)
Jn. 4. 5. καὶ ἐκάθητο ὑποκάτω αὐτῆς (3 a)
Za. 8. 9 (8). οἱ πλησίον σου οἱ καθήμενοι πρὸ προσώπου (3 a)
5. 7. γυνὴ μία ἐκάθητο ἐν μέσῳ τοῦ μέτρου [A ταλάντου] (3 a)
8. 4. ἔτι καθήσονται πρεσβύτεροι (1 a)
9. 12. καθήσεσθε [S[1] -σεται, A καὶ θήσονται] ἐν ὀχυρώμασι †
Is. 6. 1. εἶδον τὸν κύριον καθήμ. ἐπὶ θρόνου ὑψ. (3 a)
9. 2 (1). A ὁ λαὸς ὁ καθήμενος [B S πορευόμ.] ἐν σκότει (2)
— 9 (8). οἱ καθήμενοι [A ἐγκ.] ἐν Σαμαρείᾳ ἐφ' ὕβρει (3 a)
19. 1. κύριος κάθηται ἐπὶ νεφέλης κούφης (5)
36. 11. A εἰς τὰ ὦτα τῶν ἀνδρῶν τῶν καθημ. ἐπὶ τῷ τείχει [B S al.] –
— 12. οὐχὶ πρὸς τοὺς ἀνθρώπους [A ἄνδρας] τοὺς καθημένους ἐπὶ τῷ τείχει (3 a)
37. 16. ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν Χερουβίμ (3 a)
42. 7. ἐξαγαγεῖν . . . καθημένους ἐν σκότει (3 a)
47. 8. ἄκουε ταῦτα [A S add. ἡ] τρυφερὰ ἡ καθημένη (3 a)
Je. 8. 14. ἐπὶ τί ἡμεῖς καθήμεθα (3 a)
Je. 13. 13. A τοὺς βασιλεῖς αὐ. τοὺς καθημ. υἱοὺς τοῦ Δ. ἐπὶ θρόνους αὐ. . . . καὶ πάντας τοὺς καθημένους ἐν Ἰερ. [B S al.] (3 a, 3 a)
15. 17. κατὰ μόνας ἐκαθήμην (3 a)
17. 25. ἄρχοντες καθήμενοι ἐπὶ θρόνου Δαυίδ (3 a)
21. 9. ὁ καθήμ. ἐν τῇ πόλει ταύτῃ ἀποθανεῖται (3 a)
22. 2. ὁ καθήμενος ἐπὶ θρόνου Δαυίδ (3 a)
— 4. βασιλεῖς [S[3] -έως, A add. καὶ ἄρχοντες] καθήμενοι ἐπὶ θρόνου Δαυίδ (3 a)
— 30. οὐ μὴ αὐξηθῇ . . . καθήμενος ἐπὶ θρόνου Δαυίδ (3 a)
28 (51). 30. καθήσονται ἐκεῖ ἐν περιοχῇ (3 a)
30. 8 (49. 30). καθήμενοι ἐν τῇ αὐλῇ (3 a)
— 9 (49. 31). ἀνάβηθι ἐπ' ἔθνος εὐσταθοῦν καθήμενον εἰς ἀναψυχήν (3 a)
31 (48). 18. κάθισον ἐν ὑγρασίᾳ καθημένη (3 a)
— 19. ἴσπιδε καθημένη ἐν Ἀροήρ (3 a)
— 43. βόθυνος ἐπὶ σοὶ καθήμενος [A add. ἐπὶ] Μωάβ (3 a)
32 (25). 29. ἐπὶ τοὺς καθημένους ἐπὶ τῆς γῆς (3 a)
— 30. ἐπὶ καθημένους τὴν γῆν ἦκει ὄλεθρος [A al.] (3 a)
39 (32). 12. A κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν Ἰουδαίων πάντων τῶν καθημένων [B S Ἰ. τῶν] ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φυλακῆς (3 a)
40 (33). 4. A τῶν καθημένων [B S -θηρημ.] εἰς χάρακας †
43 (36). 12. ἐκεῖ πάντες οἱ ἄρχοντες ἐκάθητο (3 a)
— 22. ὁ βασιλεὺς ἐκάθητο ἐν οἴκῳ χειμερινῷ (3 a)
— 30. οὐκ ἔσται αὐτῷ καθήμενος ἐπὶ θρόνου [A -ον] Δαυίδ (3 a)
47 (40). 10. κάθημαι ἐναντίον ὑμῶν εἰς [S ἐν] Μασσηφά (3 a)
51 (44). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμ. πρὸς Ἰερ. . . . τοῖς καθημ. [S κατοικοῦσιν] ἐν M. (3 a)
— 13. ἐπισκέψομαι ἐπὶ τοὺς καθημένους ἐν γῇ [A om.] Αἰγ. (3 a)
— 15. ἀπεκρίθησαν . . . πᾶς ὁ λαὸς οἱ καθήμενοι ἐν γῇ [A om.] Αἰγύπτῳ (3 a)
— 26. πᾶς Ἰούδα οἱ καθήμενοι ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (3 a)
Ba. 3. 3. σὺ καθήμενος τὸν αἰῶνα
La. 3. 28. καθήσεται κατὰ μόνας (3 a)
Ez. 8. 1. ἐκαθήμην ἐν τῷ οἴκῳ καὶ οἱ πρεσβύτεροι Ἰ. ἐκάθηντο ἐνώπιόν μου (3 a, 3 a)
— 14. ἐκεῖ γυναῖκες καθήμ. θρηνοῦσαι τὸν Θ. (3 a)
28. 41. ἐκάθου ἐπὶ κλίνης ἐστρωμένης (3 a)
33. 31. κάθηνται ἐναντίον σου (3 a)
44. 3. καθήσεται ἐν αὐτῇ (3 a)
Da. LXX. 8. (55). καθήμενος ἐπὶ Χερουβίμ
7. 9. παλαιὸς ἡμερῶν ἐκάθητο (3 b)
9. 7. ἀνθρώποις Ἰούδα καὶ καθημένοις ἐν Ἰερ. (3 a)
Bel 39. ὁρᾷ αὐτὸν καθήμενον
Da. TH. 3. (55). καθήμενος ἐπὶ Χερουβίμ
7. 9. παλαιὸς ἡμερῶν ἐκάθητο (3 b)
Bel 40. καὶ ἰδοὺ Δανιὴλ καθήμενος
I Ma. 1. 27. A B καθημένη ἐν παστῷ ἐγένετο ἐν πένθει [S ἐπένθει]
14. 9. ἐν ταῖς πλατείαις [S[1] ἐκκλησίαις] ἐκάθητο
[Aq. Dt. 11. 19: Jo. 2. 15: III Ki. 3. 6: 12. 17: 17. 6: IV Ki. 15. 5: Jb. 2. 8: Ps. 26 (27). 4: 32 (33). 8, 14: 68 (69). 13: 79 (80). 2: 90 (91). 1: 126 (127). 2: Ca. 8. 13: Is. 28. 18: 28. 6: 40. 22: 58. 12: 65. 4: Je. 13. 13: 29 (36). 32: Za. 13. 1.]
[Sm. Dt. 11. 19: Jo. 2. 15: Jd. 8. 20: III Ki. 3. 6: Ps. 68 (69). 13: Ec. 10. 6: Is. 6. 1: 28. 6: 40. 22: 65. 4.]
[Th. Dt. 11. 19: Jo. 2. 15: Jd. 16. 12: I Ki. 1. 9: 4. 13: III Ki. 3. 6: 21. 11: Jb. 2. 8: Ca. 8. 13: Is. 28. 6: 37. 16: 40. 22: Je. 29 (36). 16, 32: 33 (40). 17.]
[Al. Nu. 21. 1: Dt. 6. 7: Ps. 9. 12.]
[Quint. Ps. 90 (91). 1: Ca. 8. 13.]

κάθησις (-θισ.). (1) יָשַׁב

Je. 29 (49). 8. A βαθύνατε ἑαυτοῖς εἰς κάθησιν [B S -θισ.] (1)
30. 8 (49. 30). A λίαν ἐβαθύνατε εἰς κάθησιν [B S -θισ.] (1)

καθησυχάζειν.

[Aq. Ps. 82 (83). 2.]

καθίγειν (?). (1) נָגַע hi.

Ex. 12. 22. καθίξετε [A add. ἀπὸ] τῆς φλιᾶς (1)

κάθιδρος. (1) שָׁמַם

Je. 8. 6. ὡς ἵππος κ. ἐν χρεμετισμῷ αὐτοῦ (1)

καθιδρύειν.

Ep. Je. 17. καθιδρυμένων αὐτῶν ἐν τοῖς οἴκοις [A κήποις]
II Ma. 4. 12. ἀσμένως γὰρ . . . γυμνάσιον καθίδρυσε
III Ma. 7. 20. καθιδρύσαντες ἀνέλυσαν ἀσινεῖς

καθιέναι. (1) נתן hi. (2) נָתַן (3) שׁוּב hi. (4) שָׁלַח hi.

Ex. 17. 11. ὅταν δὲ καθῆκε τὰς χεῖρας (1)
I Ch. 21. 27. A καθῆκεν [B κατέθηκε] τὴν ῥομφαίαν εἰς τὸν κολεόν (3)
Za. 11. 13. κάθες [S[1] κατάθες] αὐτοὺς εἰς τὸ χωνευτήριον (4)
Je. 39 (32). 14. S[1] καθήσεις [S[2] καταθ., A B θήσεις] εἰς ἀγγεῖον (2)
[Al. Za. 11. 13.]

καθιζάνειν. (1) נָחָה hi.

Jb. 12. 18. καθιζάνων [A -ζων] βασιλεῖς ἐπὶ θρόνους [S -ων] †
Pr. 18. 16. παρὰ δυνάσταις καθιζάνει αὐτόν (1)

καθίζειν. (1) בּוֹא (2) גּוּר (3) חָיָה (4) יָשַׁב a. qal. b. hi. c. יָתַב (5) נוּחַ (6) נָפַל hi. (7) פָּגַר pi. (8) צוּר (9) רָבַב

Ge. 8. 3 (4). ἐκάθισεν ἡ κιβωτὸς . . . ἐπὶ τὰ ὄρη (5)
21. 16. B ἐκάθισεν [A -θητο] ἀπέναντι αὐτοῦ (4 a)
22. 5. καθίσατε αὐτοῦ μετὰ τῆς ὄνου (4 a)
27. 19. ἀναστὰς κάθισον καὶ φάγε (4 a)
37. 25. ἐκάθισαν δὲ φαγεῖν ἄρτον (4 a)
38. 14. ἐκάθισε πρὸς ταῖς πύλαις Αἰνάν (4 a)
43. 33. ἐκάθισαν δὲ ἐναντίον αὐτοῦ (4 a)
48. 2. ἐκάθισεν ἐπὶ τὴν κλίνην (4 a)
Ex. 2. 15. ἐκάθισεν ἐπὶ τοῦ φρέατος (4 a)
16. 3. ὅταν ἐκαθίσαμεν ἐπὶ τῶν λεβήτων (4 a)
— 29. B καθίσεσθε [A B -ήσ.] ἕκαστος εἰς τοὺς οἴκους ὑμῶν (4 a)
32. 6. ἐκάθισεν ὁ λαὸς φαγεῖν (4 a)
Le. 12. 4. B[1] καθίσεται [B[2] καθεσθήσ., A B καθήσ.] ἐν αἵματι [A ἱματίῳ] (4 a)
15. 4. ἐφ' ὃ ἂν καθίσῃ ἐπ' αὐτό (4 a)
— 6. ἐφ' ὃ ἂν καθίσῃ ὁ γονορρυής (4 a)
— 9. A ἐφ' ὃ ἂν καθίσῃ [B ἐπιβῇ] ἐπ' αὐτό (9)
— 22. οὗ ἐὰν καθίσῃ ἐπ' αὐτό (4 a)
— 23. οὗ ἐὰν καθίσῃ [A αὐτὴ κάθηται] ἐπ' αὐτῷ (4 a)
— 26. ἐφ' ὃ ἂν καθίσῃ ἐπ' αὐτό (4 a)
Nu. 11. 4. καὶ καθίσαντες ἔκλαιον †
De. 1. 45. καὶ καθίσαντες ἐκλαίετε †
17. 18. ὅταν καθίσῃ ἐπὶ [A add. τοῦ δίφρου] τῆς ἀρχῆς αὐτοῦ (4 a)
21. 13. A B καθιεῖται [B -ίεται] ἐν τῇ οἰκίᾳ σου (4 a)
25. 2. A B καθιεῖς αὐτὸν ἔναντι τῶν κριτῶν [B om. ἔ. τ. κρ.] (6)
Jo. 5. 2. καὶ καθίσας περίτεμε τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. †
Jd. 5. 16. ἐκάθισαν ἀνὰ μέσον τῆς διγομίας [A al.] (4 a)
— 17. Ἀσὴρ ἐκάθισε παραλίαν θαλασσῶν [A al.] (4 a)
6. 11. ἐκάθισεν ὑπὸ τὴν τερέμινθον [A al.] (4 a)
— 18. B ἐγὼ εἰμι καθίσομαι [A -ήσομαι, B -ίομαι] (4 a)
8. 29. ἐκάθισεν ἐν οἴκῳ αὐτοῦ [A al.] (4 a)
9. 41. A καὶ ἐκάθισεν [B εἰσῆλθεν] Ἀβ. (4 a)
11. 17. καὶ ἐκάθισεν Ἰσρ. ἐν Κάδης (4 a)
15. 8. καὶ ἐκάθισεν ἐν τρυμαλιᾷ [A al.] (4 a)
19. 4. καὶ ἐκάθισε μετ' αὐτοῦ (4 a)
— 6. A B καὶ ἐκάθισαν [B -εν] (4 a)
— 7. καὶ ἐκάθισε [A al.] †
— 15. καὶ ἐκάθισαν ἐν τῇ πλατείᾳ τῆς πόλεως (4 a)
20. 26. καὶ ἐκάθισαν ἐκεῖ (4 a)
— 47. ἐκάθισαν ἐν πέτρᾳ Ῥ. (4 a)
21. 2. καὶ ἐκάθισαν ἐκεῖ (4 a)
— 23. καὶ ἐκάθισαν [A κατῴκησαν] ἐν αὐταῖς (4 a)
Ru. 2. 14. ἐκάθισε Ῥοὺθ ἐκ πλαγίων τῶν θεριζόντων (4 a)
3. 1 (2. 23). ἐκάθισε μετὰ τῆς πενθερᾶς αὐτῆς (4 a)

Ru. 4. 1. καὶ ἐκάθισεν ἐκεῖ (4 a)
— 1. κάθισον ὧδε κρύφιε [A -φῇ] (4 a)
— 1. καὶ ἐκάθισε (4 a)
— 2. καθίσατε ὧδε (4 a)
— 2. καὶ ἐκάθισαν [A -εν] (4 a)
I Ki. 1. 23. καὶ ἐκάθισεν ἡ γυνή (4 a)
2. 8. καθίσαι [A *add.* αὐτὸν] μετὰ δυναστῶν λαῶν (4 b)
5. 11. καθισάτω εἰς τὸν τόπον αὐτῆς †
13. 16. B ἐκάθισαν ἐν Γαβαά (4 a)
19. 2. κρύβηθι καὶ κάθισον κρυφῇ (4 a)
— 18. καὶ ἐκάθισαν ἐν N. (4 a)
20. 5. ἐγὼ καθίσας οὐ καθήσομαι (4 a)
— 19. A καθίσεις παρὰ τὸ ἔργον ἐκ. [B *al.*] (4 a)
— 25. ἐκάθισεν ἐπὶ τὴν καθέδραν αὐτοῦ (4 a)
— 25. καὶ ἐκάθισεν Ἀβ. (4 a)
22. 5. ἐκάθισεν ἐν πόλει (1)
23. 14. ἐκάθισεν ἐν M. ἐν τῇ ἐρήμῳ (4 a)
24. 1. καὶ ἐκάθισεν [A *om.* κ. ἐκ.] ἐν τοῖς στενοῖς Ἐν. (4 a)
25. 13. ἐκάθισαν μετὰ τῶν σκευῶν (4 a)
26. 3. Δαυὶδ ἐκάθισεν ἐν τῇ ἐρήμῳ (4 a)
27. 3. ἐκάθισε Δ. μετὰ Ἀγχοῦς (4 a)
— 5. A κάθισόν με [B καθήσομαι] ἐκεῖ (4 a)
— 7. ὧν ἐκάθισε Δαυὶδ ἐν ὁδῷ (4 a)
28. 23. καὶ ἐκάθισεν ἐπὶ τὸν δίφρον (4 a)
30. 10. οἵτινες ἐκάθισαν πέραν τοῦ χειμάρρου (7 ?)
— 21. ἐκάθισεν αὐτοὺς ἐν τῷ χειμάρρῳ (4 b)
II Ki. 1. 1. ἐκάθισε Δ. ἐν Σεκ. (4 a)
2. 13. A B ἐκάθισαν οὗτοι ἐπὶ τὴν κρήνην (4 a)
5. 9. ἐκάθισε Δ. ἐν τῇ περιοχῇ (4 a)
6. 11. ἐκάθισεν ἡ κιβωτός [A *al.*] (4 a)
7. 1. ὅτε ἐκάθισεν ὁ β. ἐν τῷ οἴκῳ (4 a)
— 18. ἐκάθισεν ἐνώπιον κυρίου (4 a)
10. 5. καθίσατε ἐν Ἱερ. (4 a)
11. 1. A ἐκάθισαν [B διεκ.] ἐπὶ Ῥ. (8)
— 1. Δαυὶδ ἐκάθισεν ἐν Ἱερ. (4 a)
— 12. κάθισον ἐνταῦθα καί γε σήμερον (4 a)
— 12. ἐκάθισεν Οὐ. ἐν Ἱερ. (4 a)
13. 20. ἐκάθισε Θ. χηρεύουσα (4 a)
14. 28. ἐκάθισεν Ἀβ. ἐν Ἱερ. (4 a)
15. 25. A καθισάτω εἰς τὸν τόπον αὐτοῦ –
— 29. καὶ ἐκάθισεν ἐκεῖ (4 a)
19. 8 (9). ἐκάθισεν ἐν τῇ πύλῃ (4 a)
— 37 (38). καθισάτω δὴ ὁ δοῦλός σου †
22. 11. A ἐκάθισεν [B ἐπεκ.] ἐπὶ Χερ. (9)
III Ki. 1. 13. καθεῖται [B¹ -θίεται] ἐπὶ τοῦ θρόνου μου (4 a)
— 46. ἐκάθισε Σαλ. ἐπὶ θρόνον βασιλείας (4 a)
2. 12. Σαλ. ἐκάθισεν ἐπὶ θρόνου Δ. (4 a)
— 19. ἐκάθισεν ἐπὶ τοῦ θρόνου (4 a)
— 19. ἐκάθισεν ἐκ δεξιῶν αὐτοῦ (4 a)
3. 1 (2. 38). ἐκάθισε Σεμ. ἐν Ἱερ. (4 a)
8. 20. ἐκάθισα ἐπὶ τοῦ θρόνου Ἰσρ. (4 a)
11. 24. A ἐκάθισαν ἐν αὐτῇ (4 a)
16. 11. ἐν τῷ καθίσαι αὐτὸν ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐτοῦ (4 a)
17. 5. ἐκάθισεν ἐν τῷ χειμάρρῳ X. (4 a)
19. 4. καὶ ἐκάθισεν ὑποκάτω ῥ. (4 a)
20 (21). 9. καθίσατε τὸν Ναβ. ἐν ἀρχῇ τοῦ λαοῦ (4 b)
— 10. A καθίσατε [B ἐγκαθ.] δύο ἄνδρας (4 b)
— 12. A ἐκάθισαν τὸν Ναβ. ἐν κεφαλῇ [B ἀρχῇ] τοῦ λαοῦ (4 b)
— 13. ἐκάθισαν ἐξ ἐναντίας αὐτοῦ (4 a)
22. 1. καὶ ἐκάθισε τρία ἔτη (4 a)
IV Ki. 7. 4. ἐὰν καθίσωμεν ὧδε (4 a)
11. 19. ἐκάθισαν [A -εν] αὐτὸν ἐπὶ θρόνου τῶν βασ. (4 a)
13. 5. ἐκάθισαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν τοῖς σκηνώμ. (4 a)
— 13. A R Ἱερ. ἐκάθισεν ἐπὶ τοῦ θρόνου [B μετὰ τῶν πατέρων] αὐτοῦ (4 a)
17. 28. καὶ ἐκάθισεν ἐν B. (4 a)
25. 24. καθίσατε ἐν τῇ γῇ (4 a)
I Ch. 11. 7. καὶ ἐκάθισε Δ. ἐν τῇ περιοχῇ (4 a)
13. 14. ἐκάθισεν ἡ κιβωτὸς τοῦ θ. ἐν οἴκῳ Ἀβ. (4 a)
17. 16. ἐκάθισεν ἀπέναντι [S -τίον] κυρίου (4 a)
19. 5. καθίσατε ἐν Ἱερ. (4 a)
20. 1. S R Δ. ἐκάθισεν [A B -θητο] ἐν Ἱερ. (4 a)
28. 5. καθίσαι αὐτὸν ἐπὶ θρόνου βασιλείας κ. (4 a)
29. 23. ἐκάθισε Σαλ. ἐπὶ θρόνου Δ. (4 a)
II Ch. 6. 10. ἐκάθισα ἐπὶ τὸν θρόνον Ἰσρ. (4 a)
23. 20. ἐκάθισαν τὸν βασ. ἐπὶ τὸν θρόνον (4 b)
25. 19. R κάθισον [A B κάθησο] ἐν οἴκῳ σου (4 a)
I Es. 3. 7. δεύτερος καθιεῖται Δαρείου
— 15. καὶ ἐκάθισεν ἐν τῷ χρηματιστηρίῳ
I Es. 8. 71. ἐκάθισα σύννους καὶ περίλυπος
II Es. 2. 70. καὶ ἐκάθισαν οἱ ἱερεῖς (4 a)
8. 32. καὶ ἐκαθίσαμεν ἐκεῖ ἡμέρας τρεῖς (4 a)
10. 2. ἐκαθίσαμεν [S² ἐλάβομεν] γυναῖκας ἀλλοτρίας (4 b)
— 9. ἐκάθισε πᾶς ὁ λαὸς ἐν πλατείᾳ οἴκου (4 a)
— 10. ἐκαθίσατε [S² ἐλάβετε] γυναῖκας ἀλλοτρίας (4 b)
— 14. ὃς ἐκάθισε [S² οἱ λαβόντες] γυναῖκας ἀλλοτρίας (4 b)
— 17. οἱ ἐκάθισαν γυναῖκας ἀλλοτρίας (4 b)
— 18. A B οἱ ἐκάθισαν [S² ἔλαβον] γυναῖκας ἀλλοτρίας (4 b)
Ne. 1. 4. ἐκάθισα καὶ ἔκλαυσα (4 a)
6. 7. ἵνα καθίσῃς ἐν Ἱερ. εἰς βασιλέα †
7. 73. καὶ ἐκάθισαν οἱ ἱερεῖς (4 a)
8. 17. καὶ ἐκάθισαν ἐν σκηναῖς (4 a)
11. 1. καὶ ἐκάθισαν οἱ ἄρχοντες τοῦ λαοῦ (4 a)
— 1. καθίσαι ἐν Ἱερ. πόλει τῇ ἁγίᾳ (4 a)
— 2. τοὺς ἑκουσιαζομένους καθίσαι ἐν Ἱερ. (4 a)
— 3. οἱ ἐκάθισαν ἐν Ἱερ. (4 a)
— 3. A S¹ ἐκάθισαν [B S² -εν] ἀνὴρ ἐν κατασχέσει αὐτοῦ (4 a)
— 4. ἐκάθισαν ἀπὸ υἱῶν Ἰούδα (4 a)
— 25. ἀπὸ υἱῶν Ἰούδα ἐκάθισαν (4 a)
18. 16. καὶ ἐκάθισαν ἐν αὐτῇ (4 a)
— 23. οἱ ἐκάθισαν γυναῖκας Ἀζωτίας (4 b)
— 27. καθίσαι γυναῖκας ἀλλοτρίας (4 b)
To. 2. 10. S ἐκάθισεν τὸ ἀφόδευμα αὐτῶν [A B *al.*]
Jb. 2. 9. A καθίσαι [B -ησαι, S¹ *om.*] διανυκτερεύων –
6. 29. καθίσατε δή †
12. 18. A καθίζων [B S -ζάνων] βασιλεῖς ἐπὶ θρόνους [S -ων] †
29. 25. ἐκάθισα ἄρχων (4 a)
36. 7. καθιεῖ αὐτοὺς εἰς [A καὶ εἰς] νῖκος (4 b)
Ps. 1. 1. B S ἐπὶ κάθεδραν [A R -ᾳ] λοιμῶν οὐκ ἐκάθισεν (4 a)
9. 4. ἐκάθισας ἐπὶ θρόνου ὁ κρίνων δικαιοσύνην (4 a)
25 (26). 4. οὐκ ἐκάθισα μετὰ συνεδρίου ματαιότητος [A -ας] (4 a)
— 5. μετὰ ἀσεβῶν οὐ μὴ καθίσω (4 a)
28 (29). 10. καθιεῖται [B¹ S¹ -ίεται] κύριος βασιλεὺς εἰς τὸν αἰῶνα (4 a)
112 (113). 8. τοῦ καθίσαι αὐτὸν μετὰ ἀρχόντων (4 b)
118 (119). 23. ἐκάθισαν ἄρχοντες (4 a)
121 (122). 5. ἐκεῖ ἐκάθισαν θρόνοι εἰς κρίσιν (4 a)
131 (132). 12. καθιοῦνται ἐπὶ τοῦ θρόνου [A¹ S¹ τὸν θρ.] σου (4 a)
136 (137). 1. ἐπὶ τῶν ποταμῶν Βαβυλῶνος ἐκεῖ ἐκαθίσαμεν (4 a)
142 (143). 3. ἐκάθισέ [S -άν] με ἐν σκοτεινοῖς (4 b)
Pr. 9. 14. ἐκάθισεν ἐπὶ θύραις τοῦ ἑαυτῆς οἴκου (4 a)
20. 8. ὅταν βασιλεὺς δίκαιος καθίσῃ ἐπὶ θρόνου (4 a)
22. 10. ὅταν γὰρ καθίσῃ ἐν συνεδρίῳ †
23. 1. ἐὰν καθίσῃς δειπνεῖν ἐπὶ τραπέζης δυνάστου (4 a)
31. 23. ἡνίκα ἂν καθίσῃ ἐν συνεδρίῳ (4 a)
Ca. 2. 3. ἐν τῇ σκιᾷ αὐτοῦ . . . καὶ ἐκάθισα (4 a)
Si. 10. 14. ἐκάθισε πραεῖς ἀντ' αὐτῶν
11. 1. ἐν μέσῳ μεγιστάνων καθίσει [S¹ -σῃ, A -ήσει] αὐτόν
— 5. πολλοὶ τύραννοι ἐκάθισαν ἐπὶ ἐδάφους
12. 12. μὴ καθίσῃς αὐτὸν ἐκ δεξιῶν σου
34 (31). 12. ἐπὶ τραπέζῃς μεγάλης ἐκάθισας
— 18. εἰ ἀνὰ μέσον πλειόνων ἐκάθισας
35 (32). 1. φρόντισον αὐτῶν καὶ οὕτω κάθισον
38. 33. ἐπὶ δίφρον δικαστοῦ [A δυνάστου] οὐ καθιοῦνται [A -ίονται]
Ho. 14. 8. καθιοῦνται ὑπὸ τὴν σκέπην αὐ. (4 a)
Mi. 7. 8. ἐὰν καθίσω ἐν τῷ σκότει (4 a)
Jl. 3 (4). 12. καθιῶ τοῦ διακρῖναι πάντα τὰ ἔθνη (4 a)
Jn. 3. 6. καὶ ἐκάθισεν ἐπὶ σποδοῦ (4 a)
4. 5. καὶ ἐκάθισεν ἀπέναντι τῆς πόλεως (4 a)
Za. 6. 13. καὶ καθιεῖται [B¹ S¹ -θίεται] (4 a)
Ma. 3. 3. καθιεῖται χωνεύων καὶ καθαρίζων (4 a)
Is. 14. 13. καθιῶ ἐν ὄρει ὑψηλῷ (4 a)
16. 5. καθεῖται [B¹ S¹ -θίεται] ἐπ' αὐτοῦ (4 a)
30. 8. καθίσας γράψον ἐπὶ πυξίου ταῦτα (1)
47. 1. κάθισον ἐπὶ τὴν γῆν (4 a)
— 1. κάθισον εἰς τὴν γῆν [A S *al.*] (4 a)
— 5. κάθισον κατανενυγμένη (4 a)
— 8. οὐ καθιῶ χήρα [A¹ *om.*] (4 a)
— 14. κάθισαι ἐπ' αὐτούς (4 a)
Is. 52. 2. κάθισον Ἰερουσαλήμ (4 a)
Je. 8. 2. ἐπὶ ταῖς ὁδοῖς [A *add.* αἷς] ἐκάθισας αὐτοῖς ὡσεὶ κορώνη (4 a)
13. 18. B S καὶ καθίσατε (4 a)
15. 17. οὐκ ἐκάθισα ἐν συνεδρίῳ αὐτῶν παιζόντων (4 a)
16. 8. A οὐκ εἰσελεύσῃ σὺ τοῦ καθίσαι [B S εἰσ. συγκ.] μετ' αὐτῶν (4 a)
29 (49). 18. R οὐ μὴ καθίσει [B S -σῃ, A κατοικήσει] ἐκεῖ ἄνθρωπος καὶ οὐ μὴ κατοικήσει [A καθίσει, B S ἐνοι.] ἐκεῖ υἱὸς ἀνθρώπου (4 a, 2)
30. 11 (49. 33). οὐ μὴ καθίσῃ ἐκεῖ ἄνθρωπος (4 a)
31 (48). 18. κάθισον ἐν ὑγρασίᾳ καθημένη (4 a)
38 (26). 10. ἐκάθισαν ἐν προθύροις πύλης (4 a)
39 (32). 5. ἐκεῖ καθίεται [S -ιεῖται, A ἀποθανεῖται] (3)
— 37. καθιῶ [A κατοικιῶ] αὐτοὺς πεποιθότας (4 b)
44 (37). 16. ἐκάθισεν ἐκεῖ ἡμέρας πολλάς (4 a)
— 21. ἐκάθισεν Ἰ. ἐν τῇ αὐλῇ τῆς φυλακῆς (4 a)
45 (38). 13, 28. ἐκάθισεν Ἱερ. ἐν τῇ αὐλῇ (4 a)
46 (39). 3. ἐκάθισαν ἐν πύλῃ τῇ μέσῃ (4 a)
— 14. ἐκάθισεν [A -αν] ἐν μέσῳ τοῦ λαοῦ (4 a)
47 (40). 6. ἐκάθισεν ἐν μέσῳ τοῦ λαοῦ (4 a)
48 (41). 17. ἐκάθισαν [S -εν] ἐν Γ. τὴν πρὸς B. (4 a)
49 (42). 10. ἐὰν καθίσαντες καθίσητε ἐν τῇ γῇ ταύτῃ (4 a, 4 a)
— 13. οὐ μὴ καθίσωμεν ἐν τῇ γῇ ταύτῃ (4 a)
Ba. 2. 21. καθίσατε ἐπὶ τὴν γῆν [A τῆς γῆς]
La. 1. 1. ἐκάθισεν Ἱερεμίας κλαίων –
— 1. πῶς ἐκάθισε μόνη ἡ πόλις (4 a)
— 3. ἐκάθισεν ἐν ἔθνεσιν (4 a)
2. 10. ἐκάθισαν εἰς τὴν γῆν (4 a)
3. 6. ἐν σκοτεινοῖς ἐκάθισέ με (4 b)
Ez. 3. 15. ἐκάθισα ἐκεῖ ἑπτὰ ἡμέρας (4 a)
14. 1 : 20. 1. ἐκάθισαν πρὸ προσώπου μου (4 a)
36. 35. αἱ πόλεις . . . κατεσκαμμέναι ὀχυραὶ ἐκάθισαν (4 a)
Da. LXX. 4. 34. ἐκάθισέ με ἐπὶ τοῦ θρόνου μου
7. 10. καὶ κριτήριον ἐκάθισε (4 c)
— 26. ἡ κρίσις καθίσεται (4 c)
Da. TH. Su. 50. κάθισον ἐν μέσῳ ἡμῶν
7. 10. κριτήριον ἐκάθισε (4 c)
— 26. καὶ τὸ κριτήριον ἐκάθισε [A καθίσει] (4 c)
11. 10. παρελεύσεται καὶ καθίεται [A -ιεῖται] †
I Ma. 2. 1. καὶ ἐκάθισεν ἐν M.
— 7. A R καὶ καθίσαι [S ἐκάθισαν] ἐκεῖ
— 29. κατέβησαν πολλοὶ . . . καθίσαι ἐκεῖ
7. 4. ἐκάθισε Δ. ἐπὶ θρόνου βασιλείας αὐτοῦ
10. 52. ἐκάθισα [S ἐνεκαθ.] ἐπὶ θρόνου πατέρων μου
— 53. ἐκαθίσαμεν [S² -σα] ἐπὶ θρόνου βασιλείας αὐτοῦ
— 55. ἐκάθισας ἐπὶ θρόνου βασιλείας αὐ.
— 63. A R ἐκάθισεν αὐτὸν ὁ βασ. [S -σαν αὐ. οἱ βασ.] μετ' αὐτοῦ
11. 52. ἐκάθισε Δ. ὁ βασ. ἐπὶ θρόνου
14. 12. ἐκάθισεν ἕκαστος ὑπὸ τὴν ἄμπελον αὐτοῦ

[Aq. GE. 13. 12 : 47. 6 : EX. 24. 14 : PS. 4. 9 : 28 (29). 10 : 67 (68). 7, 17 : PR. 20. 3 : IS. 37. 37 : 47. 1 : JE. 35 (42). 11.]
[Sm. GE. 47. 6 : PS. 28 (29). 10 *bis* : IS. 66. 9 : JE. 35 (42). 11 : 49. 30 (30. 8).]
[Th. GE. 47. 6 : PS. 28 (29). 10 : IS. 47. 1 : JE. 35 (42). 11.]
[Heb. GE. 47. 6 : JB. 2. 13.]
[Quint. PS. 28 (29). 10.]

καθικνεῖσθαι.

[Sm. Ps. 37 (38). 3.]

καθίπτασθαι.

Si. 43. 17. ὡς πετεινὰ καθιπτάμενα πάσσει χιόνα

κάθισις, *vid.* **κάθησις.**

κάθισμα.

[Al. LE. 15. 9.]

καθιστάναι. (1) אָסַף (2) בּוֹא *a.* qal. *b.* hi.
(3) חָזַק (4) יָצַב hithp. (5) כּוֹן ni.
(6) מָנָה *a.* pi. *b.* pu. *c.* מָנָה pa.
(7) מָשַׁח (8) מָשַׁל hi. (9) מִשְׁקָע
(10) נוּחַ hi. (11) נָסַךְ (12) נָצַב ni.
(13) נָתַן (14) עָמַד *a.* qal. *b.* hi.
(15) פָּקַד *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. *d.* ho.

e. פְּקֻדָּה *f.* פָּקִיד (16) צָוָה pi. (17) צָלַל (18) קוּם *a.* qal. *b.* hi. *c.* aph. (19) שׂוּם, שִׂים (20) שׁוּב *a.* qal. *b.* hi. (21) שִׁית (22) שָׁלַט aph. (23) κ. εἰς βασιλέα מָלַךְ hi. (24) κ. βασιλέα מָלַךְ hi.

Ge. 39. 4. *κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ τοῦ οἴκου αὐτοῦ* (15 *c*)
— 5. **B** *μετὰ τὸ καταστῆναι* [**A** *-σταθῆναι*] *αὐτὸν ἐπὶ τοῦ οἴκου αὐτοῦ* (15 *c*)
41. 33. *κατάστησον αὐτὸν ἐπὶ γῆς Αἰγ.* (21)
— 34. *καταστησάτω τοπάρχας ἐπὶ τῆς γῆς* (15 *c*)
— 41. **B** *καθίστημί σε . . . ἐπὶ πάσῃ γῇ* [**A** *-σης γῆς*] *Αἰγ.* (13)
— 43. *κατέστησεν αὐτὸν ἐφ' ὅλης γῆς Αἰγ.* (13)
47. 4 (6). *κατάστησον αὐτοὺς ἄρχοντας* (19)
Ex. 2. 14. *τίς σε κατέστησεν ἄρχοντα* (19)
5. 14. *οἱ κατασταθέντες ἐπ' αὐτούς* (19)
18. 21. *καταστήσεις* [**A** *κ. αὐτοὺς*] *ἐπ' αὐτῶν χιλιάρχους* (19)
Nu. 3. 10. *τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ καταστήσεις ἐπὶ τῆς σκηνῆς* (15 *a*)
— 32. *καθεσταμένος φυλάσσειν τὰς φυλακάς* (15 *e*)
4. 19. *καὶ καταστήσουσιν αὐτούς* (19)
21. 15. *τοὺς χειμάρρους κατέστησε κατοικίσαι* Ηρ †
31. 48. *πάντες οἱ καθεσταμένοι εἰς τὰς χιλιαρχίας* (15 *a*)
De. 1. 13. *καταστήσω . . . ἡγουμένους ὑμῶν* (19)
— 15. *κατέστησα αὐτοὺς ἡγεῖσθαι* (13)
16. 18. **A** *κριτὰς . . . καταστήσεις* [**B** *ποιήσ.*] *σεαυτῷ* (13)
17. 14. *καταστήσω ἐπ' ἐμαυτὸν ἄρχοντα* [**A** *-ας*] (19)
— 15. *καθιστῶν καταστήσεις* [**A** *καθιστ.*] *ἐπὶ σεαυτὸν ἄρχοντα* (19, 19)
— 15. *καταστήσεις ἐπὶ σεαυτὸν ἄρχοντα* (19)
— 15. *οὐ δυνήσῃ καταστῆσαι ἐπὶ σεαυτὸν ἄνθρωπον ἀλλότριον* (13)
19. 16. *ἐὰν δὲ καταστῇ μάρτυς ἄδικος* (18 *a*)
20. 9. *καταστήσουσιν ἄρχοντας τῆς στρατιᾶς* (15 *a*)
25. 6. *κατασταθήσεται ἐκ τοῦ ὀνόματος τοῦ τετελευτηκότος* (18 *a*)
28. 13. *καταστήσαι σε κύριος . . . εἰς κεφαλήν* (13)
— 36. *οὓς ἂν καταστήσῃς* [**B**^{1} *-σει,* **A**^{2} *-σεις*] *ἐπὶ σεαυτόν* (18 *b*)
32. 25. *θηλάζων μετὰ καθεστηκότος πρεσβύτου* [**A** *-τέρου*] †
Jo. 6. 22 (23). *κατέστησαν αὐτὴν ἔξω τῆς παρεμβολῆς Ἰσρ.* (10)
8. 2. *κατάστησον δὲ σεαυτῷ ἔνεδρα τῇ πόλει* (19)
9. 27. *κατέστησεν αὐτοὺς Ἰ. . . . ξυλοκόπους* (13)
10. 18. *καταστήσατε* [**A** *-σετε ἐπ' αὐτοῦ*] *ἄνδρας* (15 *c*)
20. 3. *ἕως ἂν καταστῇ . . . εἰς κρίσιν* –
— 9. *ἕως ἂν καταστῇ . . . εἰς κρίσιν* (14 *a*)
Jd. 11. 11. **A** *κατέστησαν ὁ λαὸς αὐτὸν* [**B** *ἔθηκαν αὐ. ὁ λ.*] (19)
I Ki. 1. 9. *κατέστη ἐνώπιον κυρίου* –
— 26. *ἡ γυνὴ ἡ καταστᾶσα ἐνώπιόν σου* (12)
3. 10. *καὶ κατέστη* (4)
5. 3. *κατέστησαν* [**A** *add. αὐτὸν*] *εἰς τὸν τόπον αὐτοῦ* (20 *b*)
8. 1. *κατέστησε τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ δικαστάς* (19)
— 5. *κατάστησον ἐφ' ἡμᾶς βασιλέα* (19)
10. 19. **B**^{2}**R** *βασιλέα καταστήσεις* [**A B**^{1} *στ.*] *ἐφ' ἡμῶν* (19)
— 19. *κατάστητε ἐνώπιον κυρίου* (4)
— 23. *καὶ κατέστησεν ἐν μέσῳ τοῦ λαοῦ* (4)
12. 7, 16. *καὶ νῦν κατάστητε* (4)
18. 5. **A** *κατέστησεν αὐτὸν Σαοὺλ ἐπὶ τοὺς ἄνδρας* (19)
— 13. *κατέστησεν αὐτὸν ἑαυτῷ χιλίαρχον* (19)
19. 20. *καὶ Σαμ. εἱστήκει καθεστηκὼς ἐπ' αὐτῶν* (12)
22. 9. *ὁ καθεστηκὼς ἐπὶ τὰς ἡμιόνους Σ.* (12)
29. 4. *οὗ κατέστησας αὐτὸν ἐκεῖ* (15 *c*)
— 10. *οὗ κατέστησα ὑμᾶς ἐκεῖ* [**A** *om.*] –
30. 12. *κατέστη τὸ πνεῦμα αὐτοῦ* (20 *a*)
II Ki. 3. 39. *καὶ καθεσταμένος ὑπὸ βασιλέως* (7)
6. 21. **A R** *τοῦ* [**B** *om.*] *καταστῆσαί με εἰς ἡγούμενον* (16)
15. 4. *τίς με καταστήσει κριτήν* (19)
17. 25. *τὸν Ἀμ. κατέστησεν Ἀβ.* (19)
18. 1. *κατέστησεν ἐπ' αὐτῶν χιλιάρχους* (19)
III Ki. 3. 1 (5. 16 [30]). *οἱ καθεσταμένοι ἐπὶ τὰ ἔργα τοῦ Σαλ.* (12)
4. 5. *Ὀρνία υἱὸς Νάθαν ἐπὶ τῶν καθεσταμένων* (12)
III Ki. 4. 7. *τῷ Σαλ. δώδεκα καθεσταμένοι ἐπὶ πάντα Ἰσρ.* (12)
— 27 (5. 7). *ἐχορήγουν οἱ καθεσταμένοι οὗτος τῷ βασ.* (12)
5. 16 (30). *χωρὶς ἀρχόντων τῶν* [**A** *om.*] *καθεσταμένων ἐπὶ τῶν ἔργων τῷ Σαλ.* (12)
11. 28. *κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ τὰς ἄρσεις* (15 *c*)
IV Ki. 7. 17. *ὁ βασ. κατέστησε τὸν τριστάτην* (15 *c*)
10. 3. *καταστήσετε* [**A** *-σατε*] *αὐτὸν ἐπὶ τὸν θρόνον τοῦ πατρός* (19)
22. 5. *τῶν καθεσταμένων ἐν οἴκῳ κυρίου* (15 *d*)
— 9. *τὰ ἔργα* [**A** *add. τῶν*] *καθεσταμένων ἐν οἴκῳ κυρίου* (15 *d*)
25. 22. *κατέστησεν ἐπ' αὐτῶν τὸν Γοδ.* (15 *c*)
— 23. *κατέστησε βασ. Βαβ. τὸν Γοδ.* (15 *c*)
I Ch. 6. 31 (16). *οὓς κατέστησε Δ. ἐπὶ χεῖρας ᾀδόντων* (14 *b*)
9. 29. *ἐξ αὐτῶν καθεσταμένοι ἐπὶ τὰ σκεύη* (6 *b*)
11. 25. *κατέστησεν αὐτὸν Δ. ἐπὶ τὴν πατριὰν αὐτοῦ* (19)
12. 18. *κατέστησεν αὐτοὺς ἄρχοντας τῶν δυνάμεων* (13)
22. 2. *καὶ κατέστησε λατόμους* (14 *b*)
26. 32. *κατέστησεν αὐτοὺς Δ. . . . ἐπὶ τοῦ Ρ.* (15 *c*)
II Ch. 11. 15. *κατέστησεν αὐτῷ ἱερεῖς* (15 *c*)
— 22. *κατέστησεν εἰς ἄρχοντα Ἀβ.* (15 *c*)
12. 10. *κατέστησεν ἐπ' αὐτὸν Σ. ἄρχοντας* (15 *c*)
17. 2. *καὶ κατέστησεν ἡγουμένους* (13)
19. 5. *καὶ κατέστησε κριτάς* (14 *b*)
— 8. *κατέστησεν Ἰωσ. τῶν ἱερέων* (14 *b*)
21. 5. *κατέστη Ἰ. ἐπὶ τὴν βασιλείαν αὐτοῦ* –
24. 11. *καὶ κατέστησαν εἰς τὸν τόπον αὐτοῦ* (20 *b*)
25. 3. *ὡς κατέστη ἡ βασιλεία ἐν χειρὶ αὐτοῦ* (3)
— 23. **A** *καὶ κατέστησεν* [**B** *-έσπασεν*] *ἀπὸ τοῦ τείχους Ἰερ.* †
28. 15. *κατέστησαν αὐτοὺς εἰς Ἰερ.* (2 *b*)
29. 4. *κατέστησεν αὐτοὺς εἰς τὸ κλίτος* (1)
31. 13. *καὶ οἱ υἱοὶ αὐτοῦ καθεσταμένοι* (15 *f*)
33. 14. *κατέστησεν ἄρχοντας τῆς δυνάμεως* (19)
34. 10. *οἱ καθεσταμένοι* [**A** *καθιστ.*] *ἐν οἴκῳ κυρίου* (15 *d*)
36. 1. **R** *καὶ κατέστησαν αὐτόν* [**AB** *al.*] (23)
— 4. **A R** *κατέστησε Φαρ. Νεχ. τὸν Ἐλιακὶμ . . . βασιλέα* [**B** *al.*] (24)
I Es. 2. 8. *καταστήσαντες* [**A** *-στάντες*] *οἱ ἀρχίφυλοι*
5. 48. *καὶ καταστὰς Ἰησοῦς*
II Es. 7. 25. *κατάστησον γραμματεῖς* (6 *c*)
Ne. 12. 44. *κατέστησαν* [**S**^{1} *-εν*] *. . . ἄνδρας ἐπὶ τῶν γαζοφυλακίων* (15 *b*)
13. 19. *ἠνίκα κατέστησαν πύλαι* (17 ?)
To. 1. 15. **A** *αἱ ὁδοὶ αὐ. κατέστησαν* [**B S** *al.*]
— 22. *κατέστησεν αὐτὸν ὁ Σ.*
Ju. 1. 3. **S** *τοὺς πύργους αὐτῆς κατέστησεν* [**A B** *-οῦ ἔστ.*]
5. 3. **S** *τίς καθέστηκεν* [**A B** *ἀνέστ.*] *ἐπ' αὐτῶν βασ.*
6. 14. *κατέστησαν αὐτὸν ἐπὶ* [**A** *εἰς*] *τοὺς ἄρχοντας*
Es. 2. 3. *καταστήσει ὁ βασ. κωμάρχας* (15 *c*)
3. 13. **A B**^{1}**S** *τοὺς τῶν ὑποτεταγμένων ἀκυμάτους* [**B**^{2}**R** *-άντους*] *. . . καταστῆσαι βίους*
5. 1. *κατέστη* [**A S**^{2} *ἔστη*] *ἐνώπιον* [**S**^{2} *κατεν.*] *τοῦ βασ.* (14 *a* ?)
— 1. *μέχρις οὗ κατέστη*
8. 2. *κατέστησεν Ἐσθὴρ Μαρδοχαῖον* (19)
— 13. *πολλάκις δὲ καὶ πολλοὺς . . . καταστήσασα* [**A** *-ήσας*]
— 13. *ἔχθιστος* [**A S**^{1} *αἴσχιστος*] *κατασταθήσεται* [**S**^{1} *αὐτὰ σταθ.*]
Jb. 16. 13 (12). *κατέστησέ με ὥσπερ σκοπόν* (18 *b*)
Ps. 2. 6. **A R** *ἐγὼ δὲ κατεστάθην βασιλεὺς* [**B S** *om.*] *ὑπ' αὐτοῦ* (11)
8. 6. *κατέστησας αὐτὸν ἐπὶ τὰ ἔργα τῶν χειρῶν σου* (8)
9. 20. *κατάστησον, κύριε, νομοθέτην ἐπ' αὐτούς* (21)
17 (18). 43. *καταστήσεις με εἰς κεφαλὴν ἐθνῶν* (19)
44 (45). 16. *καταστήσεις αὐτοὺς ἄρχοντας* (21)
96 (97). *tit. τῷ Δαυὶδ ὅτε ἡ γῆ αὐ. καθίσταται* –
104 (105). 21. *κατέστησεν αὐτὸν κύριον τοῦ οἴκου αὐτοῦ* (19)
108 (109). 6. *κατάστησον ἐπ' αὐτὸν ἁμαρτωλόν* (15 *c*)
Pr. 29. 14. *ὁ θρόνος αὐτοῦ εἰς μαρτύριον καταστα θήσεται* (5)
Wi. 10. 7. *ἧς ἔτι μαρτύριον τῆς πονηρίας καπνιζομένη καθέστηκε χέρσος*
Si. 17. 17. *ἑκάστῳ ἔθνει κατέστησεν ἡγούμενον*
30. 38 (33. 28). *εἰς ἔργα κατάστησον καθὼς πρέπει αὐτῷ*
Si. 35 (32). 1. *ἡγούμενόν σε κατέστησαν*
46. 13. **A S R** *Σαμουὴλ* [**B** *om.*] *προφήτης κυρίου κατέστησε βασιλείαν* [**B** *-λέα*]
48. 10. *καταστῆσαι φυλὰς Ἰακώβ*
Is. 3. 13. *καταστήσεται εἰς κρίσιν κύριος* (12)
49. 8. *τοῦ καταστῆσαι τὴν γῆν* (18 *b*)
62. 6. *κατέστησα φύλακας ὅλην τὴν ἡμέραν* (15 *c*)
Je. 1. 10. *καθέστακά σε σήμερον ἐπὶ ἔθνη* (15 *c*)
6. 17. *καθέστακα ἐφ' ὑμᾶς σκοπούς* (18 *b*)
20. 1. *οὗτος ἦν καθεσταμένος ἡγούμενος οἴκου κυρίου* (15 *f*)
23. 3. *καταστήσω αὐτοὺς εἰς τὴν νομὴν αὐτῶν* (20 *b*)
26 (46). 4. *κατάστητε ἐν ταῖς περικεφαλαίαις ὑμῶν* (4)
36 (29). 15. *κατέστησεν ἡμῖν κ. προφήτας* [**A** *-ην*] (18 *b*)
37 (30). 24. *ἕως καταστήσῃ* [**S**^{1} *om. ἕ. κ.*] *ἐγχείρημα καρδίας αὐτοῦ* (18 *b*)
47 (40). 5. *ὃν κατέστησε βασιλεὺς Βαβ. ἐν γῇ Ἰ.* (15 *c*)
— 7. *κατέστησε βασιλεὺς Βαβυλῶνος τὸν Γοδ.* (15 *c*)
— 11. *κατέστησεν ἐπ' αὐτοὺς τὸν Γοδολίαν* (15 *c*)
48 (41). 2. *ὃν κατέστησε βασιλεὺς Βαβυλῶνος ἐπὶ τῆς γῆς* (15 *c*)
— 18. *ὃν κατέστησε βασιλεὺς Βαβ. ἐν τῇ γῇ* (15 *c*)
51 (44). 28. *οἱ καταστάντες* [**A** *-βαίνοντες*, **S** *παροικοῦντες*] *ἐν γῇ Αἰγ.* (2 *a*)
Ep. Je. 34. *οὔτε καταστῆσαι βασιλέα δύνανται*
Ez. 34. 18. *τὸ καθεστηκὸς ὕδωρ ἐπίνετε* (9)
Da. LXX. Su. 60. *κατέστησεν ἀμφοτέρους ψευδομάρτυρας*
1. 20. *κατέστησεν αὐτοὺς ἄρχοντας* –
2. 21. *μεθιστῶν βασιλεῖς καὶ καθιστῶν* (18 *c*)
— 24. *τὸν Ἀ. τὸν κατασταθέντα ὑπὸ τοῦ βασ.* (6 *c*)
— 48. *κατέστησεν ἐπὶ τῶν πραγμάτων τῆς Βαβυλωνίας* (22)
— 49. *ἵνα καταστᾶσιν ἐπὶ τῶν πραγμάτων τῆς Βαβ.* (6 *c*)
3. 12. *οὓς κατέστησας ἐπὶ τῆς χώρας τῆς Βαβ.* (6 *c*)
— 30 (97). *κατέστησεν αὐτοὺς ἄρχοντας* †
4. 28. *καθίστημι αὐτὸν ἐπὶ τῆς βασιλείας σου* –
— 34. *καθιστῶν ἑτέρους ἀντ' αὐτῶν* –
6. 1 (2). *κατέστησε σατράπας ἑκατὸν εἴκοσι ἑπτά* (18 *c*)
— 3 (4). *καταστῆσαι τὸν Δ. ἐπὶ πάσης τῆς βασιλείας αὐτοῦ* (18 *c*)
— 3 (4). *οὓς κατέστησε μετ' αὐτοῦ* –
— 3 (4). *καταστῆσαι τὸν Δ. ἐπὶ πάσης τῆς βασιλείας αὐτοῦ* (18 *c*)
— 28 (29). *Δαν. κατεστάθη ἐπὶ τῆς βασ. Δ.* †
Bel 13. *καταστῆσαι ὅλον τὸν ναὸν σποδῷ*
— 38. *ὁ δὲ ἄγγελος κυρίου κατέστησε τὸν Ἀμβ.*
Da. TH. 1. 11. *ὃν κατέστησεν ὁ ἀρχιευνοῦχος ἐπὶ Δαν.* (6 *a*)
2. 21. *καθιστᾷ βασιλεῖς καὶ μεθιστᾷ* (18 *c*)
— 24. *ὃν κατέστησεν ὁ βασ.* (6 *c*)
— 38. **A R** *κατεστησέ σε* [**B** *om.*] *κύριον πάντων* (22)
— 48. *κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ πάσης χώρας* (22)
— 49. *κατέστησεν ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς χώρας* (6 *c*)
3. 12. *οὓς κατέστησας ἐπὶ τὰ ἔργα τῆς χώρας* (6 *c*)
5. 11. *ὁ βασ. Ναβ. . . . κατέστησεν αὐτόν* (18 *c*)
6. 1 (2). *κατέστησεν ἐπὶ τῆς βασιλείας σατράπας* (18 *c*)
— 3 (4). *ὁ βασ. κατέστησεν αὐτόν* (18 *c*)
I Ma. 3. 55. *κατέστησεν Ἰούδας ἡγουμένους*
6. 14. *κατέστησεν αὐτὸν ἐπὶ πάσης τῆς βασ. αὐ.*
— 17. *κατέστησε βασιλεύειν Ἀντίοχον*
— 55. *ὃν κατέστησεν ὁ βασ.*
7. 20. *κατέστησε τὴν χώραν τῷ Ἀλκίμῳ* [**S**^{1} *τὸν* Α.]
9. 25. *κατέστησεν αὐτοὺς κυρίους τῆς χώρας*
10. 20. *καθεστάκαμέν σε σήμερον ἀρχιερέα*
— 32. **S R** *ὅπως ἂν καταστήσῃ* [**A** *-στῇ*] *ἐν αὐτῇ ἄνδρας*
— 37. **A R** *κατασταθήσεται ἐξ αὐτῶν ἐν τοῖς ὀχυρώμασι*
— 37. **A R** *ἐκ τούτων κατασταθήσεται* [**S** *al.*]
— 69. *κατέστησε Δημ. Ἀπολλώνιον*
11. 57. *καθίστημί σε ἐπὶ τῶν τεσσάρων νομῶν*
— 59. *Σίμωνα . . . κατέστησε στρατηγόν*
14. 42. **S R** *καθιστάναι αὐτοὺς* [**A** *δι' αὐτοῦ*] *ἐπὶ τῶν ἔργων αὐτῶν*
15. 9. **A** *ὡς δ' ἂν καταστήσωμεν τὴν βασ.* [**S R** *al.*]
— 38. *κατέστησεν ὁ βασ. τὸν Κενδ. ἐπιστράτηγον*
16. 11. *Πτολ. . . . ἦν καθεσταμένος στρατηγός*
II Ma. 3. 4. *προστάτης τοῦ ἱεροῦ καθεσταμένος*
— 28. **R** *ἔφερον ἀβοήθητον ἑαυτῷ* [**A** *αὐτὸν τοῖς ὅπλοις*] *καθεστῶτα*

II Ma. 4. 1. τῶν κακῶν δημιουργὸς καθεστηκώς
— 50. μέγας τῶν πολιτῶν ἐπίβουλος καθεστώς
5. 22. τὸν δὲ τρόπον βαρβαρώτερον ἔχοντα τοῦ καταστήσαντος
— 26. A ἱκανὰ κατέστησεν [B -έστρωσε] πλήθη
12. 20. κατέστησεν αὐτοὺς ἐπὶ τῶν σπειρῶν
— 27. νεανίαι δὲ πρὸ τῶν τειχῶν καθεστῶτες
— 30. A τῶν ἐκεῖ καθεστώτων [B κατοικούντων] Ἰουδαίων
13. 3. οἰόμενος δὲ ἐπὶ τῆς ἀρχῆς κατασταθήσεσθαι
14. 5. B ἐν τίνι διαθέσει . . . καθεστήκασιν [A -κεν] οἱ Ἰ.
— 13. κατασταῖσαι δὲ Ἄλκ. ἀρχιερέα
15. 9. προθυμοτέρους αὐτοὺς κατέστησε
III Ma. 1. 7. εὐθαρσεῖς τοὺς ὑποτεταγμένους κατέστησε
2. 5. παράδειγμα τοῖς ἐπιγινομένοις καταστήσας
— 33. εὐέλπιδές τε καθειστήκεισαν
3. 5. ἅπασιν ἀνθρώποις εὐδόκιμοι καθειστήκεισαν
— 19. τὴν δὲ αὐτῶν εἰς ἡμᾶς δυσμένειαν ἔκδηλον καθιστάντες
— 21. μετόχους τῶν ἀεὶ ἱερέων καταστῆσαι
— 26. τὰ πράγματα ἐν εὐσταθείᾳ . . . κατασταθήσεσθαι
4. 11. B ἁπλέτῳ [A ἁπλάτῳ] καθεστῶτι περιμέτρῳ καὶ . . . ἄγαν εὐκαιροτάτῳ καθεστῶτι
— 18. B ὡς ἀδυνάτου [A δυν.] καθεστῶτος πᾶσι τοῖς . . . στρατηγοῖς
5. 43. B ἔρημον τὸν ἅπαντα χρόνον καταστήσειν [A al.]
— 51. αὐτοὺς ἤδη πρὸς πύλαις ᾄδου καθεστῶτας
IV Ma. 1. 11. αἴτιοι κατέστησαν τοῦ καταλυθῆναι τὴν . . . τυραννίδα
— 18. AB τῆς δὲ σοφίας ἰδέαι καθεστᾶσι [S -ήκασι]
4. 16. Ἰάσ. τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ κατέστησεν ἀρχιερέα
5. 25. S B θεοῦ καθεστάναι [A -ιστ.] τὸν νόμον
13. 23. καθεστηκυίας τῆς φιλαδελφίας συμπαθοῦς [A -θούσης]
15. 4. B τὰς μητέρας τῶν πατέρων [A om. τ. π., S παθῶν] καθεστάναι συμπαθεστέρας
17. 5. οὐχ οὕτω σελήνη . . . σεμνὴ καθέστηκεν
— 5. ἔντιμος καθέστηκας θεῷ
[Aq. Je. 52. 25 : Ez. 7. 12 : 32. 30 : Mi. 5. 5 (4).]
[Sm. Ex. 7. 1 : 18. 25 : IV Ki. 23. 5 : Ps. 81 (82). 1 : Ca. 1. 6 : Je. 37 (44). 1 : 52. 25.]
[Th. Ps. 9. 21 : Da. 2. 38 : 6. 3.]
[Al. Hb. 3. 19.]
[Quint. IV Ki. 23. 5.]

καθό.

Le. 9. 5†, 15†.
I Es. 1. 50†.
Si. 16. 20†.
Ba. 1. 6†.
II Ma. 4. 16†.

καθοδηγεῖν. (1) הָלַךְ hi. (2) נָחָה hi. (3) שָׁשָׁא pi.

Jb. 12. 23. καὶ καθοδηγῶν αὐτά (2)
Je. 2. 6. ὁ καθοδηγήσας ἡμᾶς ἐν τῇ ἐρήμῳ (1)
Ez. 39. 2. καθοδηγήσω σε (3)
[Aq. Jb. 12. 23 : 38. 32 : Ps. 30 (31). 4 : 60 (61). 3 : 77 (78). 53, 72 : Is. 57. 18.]
[Th. Jb. 12. 23 : Ps. 79 (80). 2.]

καθοδήγησις.

[Th. Is. 38. 15.]

κάθοδος. (1) פֶּתַח

III Ki. 9. 25. A ἀνεβίβασεν Σαλ. τρεῖς κ. (1)
I Es. 2. 24. AB κάθοδος [B ἔξοδος] οὐκέτι σοι ἔσται
Ec. 6. 6. ἔζησε χιλίων ἐτῶν καθόδους (1)
7. 23 (22). A S B καθόδους πολλὰς [S¹ -ὰ] κακόωσει καρδίαν [B -ία] σου (1)
[Aq. Ex. 34. 24 : Dt. 9. 19 : 16. 16 : I Ki. 3. 10 *bis* : III Ki. 9. 25 : 22. 16 : Is. 41. 7.]

καθόλου. (1) לְבִלְתִּי

Ex. 22. 11 (10). μὴ αὐτὸν πεπονηρεῦσθαι καθόλου [A ἐφ' ὅλης] τῆς παρακαταθήκης –
Am. 3. 3. εἰ πορεύσονται δύο ἐπὶ τὸ αὐτὸ καθόλου –
— 4. εἰ δώσει σκύμνος φωνὴν αὐτοῦ . . . καθόλου –
Ez. 13. 3. καὶ τὸ κ. μὴ βλέπουσιν (1)
— 22. τὸ κ. μὴ ἀποστρέψαι [A add. τὸν] ἀπὸ τῆς ὁδοῦ αὐτοῦ τῆς πονηρᾶς (1)
Ez. 17. 14. τὸ κ. μὴ ἐπαίρεσθαι (1)
Da. LXX. 3. (50). οὐχ ἥψατο αὐτῶν κ. τὸ πῦρ
Da. TH. 3. (50). οὐχ ἥψατο αὐτῶν τὸ κ. τὸ πῦρ
[Aq., Sm. Ez. 13. 22.]

καθομολογεῖν. (1) יָעַד

Ex. 21. 8. ἡ αὐτῷ καθωμολογήσατο [A ἣν οὐ κ. αὐ.] (1)
— 9. ἐὰν δὲ τῷ υἱῷ καθομολογήσηται [A -σεται] αὐτήν (1)
[Aq., Sm., Th. Ex. 21. 8.]

καθοπλίζειν. (1) חָמַשׁ

Je. 26 (46). 9. Λίβυες καθωπλισμένοι ὅπλοις (1)
II Ma. 4. 40. καθοπλίσας ὁ Λυσ. πρὸς τρισχιλίους
15. 11. B ἕκαστον [A -ος] δὲ αὐτῶν καθοπλίσας
III Ma. 5. 23. τὰ θηρία καθωπλικὼς ὁ Ἕρμων
— 38. τοὺς ἐλέφαντας ἔτι καὶ νῦν καθόπλισον
IV Ma. 3. 12. A R τὰς πανοπλίας [S παντευχίας] καθωπλίσαντο
4. 10. μετὰ καθωπλισμένης τῆς στρατιᾶς
7. 11. τῷ θυμιατηρίῳ καθωπλισμένος
11. 22. καλοκἀγαθίᾳ καθωπλισμένος τεθνήξομαι
13. 16. A R καθοπλισώμεθα . . . τῇ . . . παθοκρατείᾳ [S τὴν . . . π.]

καθορᾶν. (1) רָאָה

Nu. 24. 2. καθορᾷ τὸν Ἰσραὴλ ἐστρατοπεδευκότα (1)
Jb. 10. 4. ἢ ὥσπερ βροτὸς ὁρᾷ καθορᾷς †
39. 26. ἱέραξ . . . καθορῶν τὰ πρὸς νότον –
III Ma. 3. 11. οὐ καθορῶν τὸ τοῦ μεγίστου θεοῦ κράτος

καθόρμιον. (1) חֻלְיָה

Ho. 2. 13 (15). καὶ περιετίθετο τὰ ἐνώτια αὐτῆς καὶ τὰ κ. αὐτῆς (1)

καθόσον, *vid. sub* **κατά** *et* **ὅσος.**

καθότι. * καθότι ἄν, καθότι ἐάν.

Ge. 26. 29 : 34. 12*.
Ex. 1. 12, 17 : 10. 10 : 12. 25 : 21. 22* : 34. 4†.
Le. 14. 30 : 24. 20* : 25. 16* *bis* : 27. 12 (*ind.*)*.
Nu. 12. 11 : 33. 56.
De. 1. 11, 19 : 2. 14, 37 : 6. 25† : 10. 9† : 12. 7 : 15. 8†, 10† : 16. 10† *bis* : 18. 2, 6, 18* : 19. 21*† : 26. 14† : 30. 9 : 31. 4, 5† : 34. 9.
Jo. 1. 7, 18* : 3. 7 : 4. 8 : 9. 2 (8. 31), 2 (8. 33)† : 11. 9†, 23 : 21. 42.
Jd. 9. 28†.
I Ki. 15. 33.
II Ki. 20. 12.
III Ki. 12. 12.
IV Ki. 17. 26.
I Ch. 10. 14†.
I Es. 1. 50†.
To. 1. 12† : 13. 4.
Ju. 2. 13, 15 : 8. 29 : 10. 9.
Ec. 2. 16 : 7. 3 (2).
Mi. 7. 20.
Jl. 2. 32 (3. 5).
Hg. 1. 12.
Za. 7. 3 : 10. 8.
Ma. 4. 4 (3. 22).
Is. 54. 9.
Je. 42 (35). 18† : 49 (42). 2†.
Ep. Je. 1.
Ez. 37. 10† : 43. 22†.
Da. LXX. 4. 19 : 6. 3 (4), 22 (23) : 9. 12.
Da. TH. 2. 8, 10 : 3. 29 (96).
[Th. Je. 39 (46). 12* : Da. 2. 10.]
[Al. Le. 24. 23 : I Ki. 28. 18.]

καθυβρίζειν. (1) זָרָה pi. (2) לוּץ hi.

Pr. 19. 28. ὁ ἐγγυώμενος παῖδα ἄφρονα καθυβρίζει δικαίωμα (2)
Je. 28 (51). 2. καθυβρίσουσιν [A -ιοῦσιν] αὐτήν (1?)
III Ma. 2. 14. καθυβρίσαι τὸν . . . ἅγιον τόπον
[Al. Le. 20. 9 : 24. 14, 15, 23.]

κάθυγρος.

[Aq., Sm., Th. Jb. 40. 16 (21).]

καθυμνεῖν. (1) הָלַל pi.

II Ch. 30. 21. καθυμνοῦντες τῷ κυρίῳ (1)

καθύπερθε.

III Ma. 4. 10. τῷ κ. πυκνῷ σανιδώματι

καθυπνοῦν. (1) תְּנוּמָה

Pr. 24. 48 (33). ὀλίγον δὲ καθυπνῶ (1)

καθυστερεῖν. (1) אָחַר pi. (2) c. neg. חָנַק pi.

Ex. 22. 29 (28). ἀπαρχὰς ἁλωνος . . . οὐ καθυστερήσεις (1)
I Ch. 26. 27. τοῦ μὴ καθυστερῆσαι τὴν οἰκοδομήν (2)
Si. 16. 13. οὐ μὴ καθυστερήσει [S -σῃ] ὑπομονὴν [A S -ή] εὐσεβοῦς
37. 20. οὗτος πάσης τροφῆς [S¹ σοφίας] καθυστερήσει

καθυφαίνειν. (1) טָלָא pi.

Ex. 28. 17. καθυφανεῖς ἐν αὐτῷ ὕφασμα (1)
Ju. 10. 21. ὃ ἦν ἐκ . . . λίθων πολυτελῶν καθυφασμένων [S -ον]

καθώς. * καθὼς ἄν, καθὼς ἐάν.

Ge. 8. 21 : 18. 5 : 41. 13 : 44. 2 : 50. 12†.
Ex. 16. 24† : 34. 1.
Le. 9. 5†.
Nu. 8. 22† : 21. 34 : 26. 54.
De. 2. 29 : 4. 38 : 11. 21 : 13. 17 (18)† : 16. 10† : 26. 19 : 31. 4†.
Jd. 1. 7, 20† : 2. 15 *bis* : 5. 27†, 31† : 6. 5†, 36†, 37† : 7. 17*† : 8. 2, 3†, 33† : 9. 16† : 13. 23 : 16. 20†, 22† : 20. 30†, 31†, 32†, 39†.
Ru. 1. 8.
I Ki. 4. 9† : 20. 3, 13, 35 : 23. 11 : 24. 14, 20 : 25. 26 : 26. 20, 24 : 28. 17 : 29. 9†.
II Ki. 3. 9 : 5. 25 : 6. 20 : 7. 10, 15, 25, 25† : 9. 11 : 14. 17, 20 : 17. 10 : 19. 3 (4).
III Ki. 1. 30, 37 : 2. 24, 31 : 3. 6 : 5. 5 (19), 6 (20), 7 (21), 12 (26) : 8. 20, 25, 39*, 43, 53, 57 : 9. 2, 4, 5 : 10. 7 : 11. 4, 38 *bis* : 12. 24† *bis* : 13. 6, 18 : 14. 10† : 15. 13 : 16. 7† : 19. 2 : 20 (21). 11† : 21 (20). 4, 34 : 22. 5 *ter*.
IV Ki. 2. 19 : 7. 17†, 18† : 8. 18, 19, 27 : 10. 15 : 13. 5 : 14. 6 : 17. 11, 23 : 21. 3, 13, 20 : 23. 21, 27.
I Ch. 14. 16 : 17. 9, 24† : 24. 31 *bis* : 26. 12.
II Ch. 6. 10 : 14. 7 (6) : 21. 19 : 23. 3, 18† : 24. 9 : 25. 4 : 30. 7 *bis* : 31. 13 : 35. 19.
I Es. 3. 9 : 6. 30*.
Ne. 5. 6, 12 : 6. 1.
To. 1. 6, 8† : 2. 6† : 4. 19† : 6. 14† : 8. 16 : 14. 5.
Ju. 2. 1 : 3. 2† : 6. 2 : 7. 11, 16† : 8. 27.
Es. 2. 20 : 6. 10† : 9. 23, 24†.
Jb. 6. 17 : 10. 4 : 42. 9.
Ps. 38 (39). 12 : 77 (78). 57 : 102 (103). 13.
Ec. 5. 3*†, 14 : 7. 1 (6. 12)† : 8. 4†, 7 : 9. 2.
Si. 7. 28, 31 : 14. 11* : 27. 18 : 30. 37 (33. 28) : 36 (33). 16 : 43. 31.
Ho. 2. 3 (5) : 3. 1 : 4. 9 : 7. 12*, 12 : 9. 1 : 10. 5 : 11. 2 : 12. 9 (10).
Am. 2. 9 : 4. 11 : 9. 11.
Mi. 7. 14.
Jl. 2. 23.
Ob. 1. 16.
Jn. 3. 3†.
Na. 2. 2 (3), 7 (8).
Hb. 2. 5.
Hg. 2. 4 (3).
Za. 1. 4, 6 : 12. 7 : 14. 3, 5† *bis*.
Ma. 3. 4 *bis*.
Je. 2. 36 : 7. 14, 15 : 11. 5† : 12. 16 : 13. 5, 21† : 17. 22 : 18. 4, 6 : 19. 11, 13 : 20. 11 : 27 (50). 15, 18, 40 : 31 (48). 8 : 33 (26). 11 : 40 (33). 7† : 49 (42). 2†, 18.
La. 5. 21.
Ez. 1. 16 (*opt.*)* : 2. 8 : 3. 23 *bis* : 9. 11† : 16. 7, 44, 50, 55, 55†, 55, 59 : 22. 20 : 24. 18† : 37. 7, 10† : 40. 22, 25 : 42. 6 : 43. 22† : 45. 25 *quater* : 46. 7*, 11* : 47. 3, 14 : 48. 8.
Da. LXX. Su. 42, 61 : 1. 13* : 3. (30) : 4. 34 : 6. 10 (11), 12 (13) : 11. 3*.
Da. TH. Su. 15, 18 : 1. 13* : 2. 43 : 3. (30) : 6. 10 (11) : 9. 13.
I Ma. 2. 26, 41† : 4. 6† : 6. 7†, 8 : 10. 37†, 56, 58, 64, 81 : 11. 26 : 12. 46.
II Ma. 1. 29, 31 : 2. 10, 18 : 6. 2 : 10. 26 : 11. 3 : 15. 21 (*opt.*)* †.
III Ma. 3. 20 : 4. 11 : 6. 15, 35 : 7. 2.

[Aq. II Ki. 7. 15: III Ki. 14. 10: Je. 44 (51). 23: Ez. 16. 50.]
[Sm. II Ki. 7. 15: III Ki. 18. 28: Jb. 29. 25: Is. 30. 19*: Je. 44 (51). 23: Ez. 16. 50: Ho. 10. 14: Am. 1. 3.]
[Th. Jd. 5. 31: II Ki. 7. 15: 12. 8: III Ki. 18. 28: Jb. 10. 4: 42. 8: Is. 59. 18: Je. 44 (51). 23: 46 (26). 26: Ez. 16. 50: 35. 15.]
[Al. Ex. 18. 11: Dt. 1. 10: Is. 25. 11 (*opt.*).]

καί, *passim.*

καίγε, *vid. sub* γε.

καιδδά.

[Th. Ez. 27. 19.]

καίειν. (1) אָבַל (2) בָּעַר *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. (3) *a.* דָּלַק *b.* דְּלַק (4) יָצָת *a.* qal. *b.* hi. (5) יָקַד *a.* qal. *b.* ho. *c.* יְקוֹד *d.* יָקַד (6) לָהַבָּה (7) נָפַח (8) נָשַׁק hi. (9) עָלָה hi. (10) עָרַף (11) קָרַח (12) שָׂרַף *a.* qal. *b.* ni. (13) אֲנָא

Ex. 8. 2. ὁ βάτος καίεται πυρί (2 *a*)
27. 20. ἔλαιον . . . εἰς φῶς καῦσαι [A *om.*] –
— 20. ἵνα καίηται λύχνος διὰ παντός (9)
— 21. καύσει αὐτὸ [A -όν] Ἀαρών (10)
35. 3. οὐ καύσετε πῦρ ἐν πάσῃ κατοικίᾳ ὑμῶν (2 *b*)
Le. 4. 12. ἐπὶ τῆς ἐκχύσεως τῆς σποδιᾶς καυθήσεται (12 *b*)
6. 9 (2). τὸ πῦρ τοῦ θυσιαστηρίου καυθήσεται ἐπ' αὐτοῦ (5 *b*)
— 12 (5). πῦρ ἐπὶ τὸ θυσιαστ. καυθήσεται (5 *b*)
— 12 (5). καύσει ὁ ἱερεὺς ἐπ' αὐτὸ ξύλα (2 *b*)
— 13 (6). πῦρ διὰ παντὸς καυθήσεται (5 *b*)
13. 56. A μετὰ τὸ καυθῆναι αὐτόν [B πλυθῆναι αὐτό] †
24. 2. καῦσαι λύχνον διὰ παντός (9)
— 3. καύσουσιν αὐτὸ [B¹ -όν] Ἀαρὼν καὶ οἱ υἱοὶ αὐτοῦ (10)
— 4. καύσετε τοὺς λύχνους (10)
De. 4. 11: 5. 23 (20). τὸ ὄρος ἐκαίετο πυρί (2 *a*)
7. 25. τὰ γλυπτὰ . . . καύσετε [A κατακ.] (12 *a*)
9. 15. τὸ ὄρος ἐκαίετο πυρί (2 *a*)
32. 22. καυθήσεται ἕως ᾅδου κάτω (5 *a*)
Jd. 15. 5. ἐκάησαν ἀπὸ ἅλωνος [A *al.*] (2 *c*)
II Ki. 23. 7. καὶ ἐν πυρὶ καύσει (12 *a*)
— 7. A καυθήσεται [R -σονται, B θήσονται] αἰσχύνην αὐτῶν (12 *b*)
III Ki. 13. 2. B ὀστᾶ ἀνθρώπων καύσει ἐπὶ σέ (12 *a*)
Ne. 4. 2 (3. 34). R μετὰ τὸ χῶμα γενέσθαι γῆς καυθέντας (12 *a*)
To. 14. 4. S καὶ καυθήσεται [A B *al.*]
Jb. 15. 34. πῦρ δὲ καύσει [A κατακ.] οἴκους δωροδεκτῶν (1)
31. 12. πῦρ γάρ ἐστι καιόμενον ἐπὶ [A ἐκ] πάντων τῶν μερῶν (1)
41. 10 (11). ἐκπορεύονται λαμπάδες καιόμεναι –
— 11 (12). καπνὸς καμίνου καιομένης πυρὶ [A φλογὶ] ἀνθράκων (7 ?)
Ps. 7. 13. τὰ βέλη αὐ. τοῖς καιομ. ἐξειργάσατο (3 *a*)
49 (50). 3. πῦρ ἐναντίον αὐτοῦ καυθήσεται (1)
Si. 23. 16. ψυχὴ θερμὴ ὡς πῦρ καιόμενον
28. 22. ἐν τῇ φλογὶ αὐ. οὐ [A S οὐ μὴ] καήσονται
40. 30. ἐν κοιλίᾳ αὐτοῦ πῦρ καήσεται
48. 1. ὁ λόγος αὐτοῦ ὡς λαμπὰς ἐκαίετο
Ho. 7. 4. ὡς κλίβανος καιόμενος εἰς πέψιν καταμάτος (2 *a*)
— 7. ὡς κλίβανος [A *add.* πυρὸς καιομένου] –
Ma. 4. 1 (3. 19). ἔρχεται καιομένη ὡς κλίβανος (2 *a*)
Is. 4. 5. ὡς καπνοῦ καὶ φωτὸς πυρὸς καιομένου νυκτός (6)
5. 24. καυθήσεται καλάμη ὑπὸ ἄνθρακος πυρός (1)
9. 18 (17). καυθήσεται ὡς πῦρ ἡ ἀνομία . . . καυθήσεται ἐν τοῖς δάσεσι τοῦ δρυμοῦ (2 *a*, 4 *a*)
10. 16. εἰς τὴν σὴν δόξαν πῦρ καιόμενον καυθήσεται (5 *a*, 5 *c*)
— 17. ἁγιάσει αὐτὸν ἐν πυρὶ καιομένῳ (2 *a*)
— 18. ἔσται ὁ φεύγων ὡς ὁ φεύγων ἀπὸ φλογὸς καιομένης †
30. 27. τὸ ὄνομα κυρίου ἔρχεται . . . καιόμενος θυμός (2 *a*)
Is. 30. 33. ὡς φάραγξ ὑπὸ θείου καιομένη (2 *a*)
33. 14. πῦρ καίεται [S¹ *al.*] (1)
34. 9. ἔσται ἡ γῆ αὐτῆς ὡς πίσσα καιομένη (2 *a*)
44. 15. καύσαντες ἔπεψαν ἄρτους ἐπ' αὐτῶν (8)
— 16. A S¹ καύσαντες ἔπεψαν ἄρτους ἐπ' αὐτῶν [B S² *al.*] –
50. 11. ἰδοὺ πάντες ὑμεῖς πῦρ καίετε (11)
62. 1. τὸ δὲ σωτήριόν μου ὡς λαμπὰς καυθήσεται (2 *a*)
65. 5. A S² R πῦρ καίεται [B S¹ -τε] ἐν αὐτῷ πάσας τὰς ἡμέρας (5 *a*)
Je. 7. 18. οἱ πατέρες αὐτῶν καίουσι πῦρ (2 *b*)
— 20. καυθήσεται [S ἐκκ.] καὶ οὐ σβεσθήσεται (2 *a*)
15. 14. ἐφ' ὑμᾶς καυθήσεται (5 *b*)
20. 9. ἐγένετο ὡς πῦρ καιόμενον φλέγον ἐν τοῖς ὀστοῖς μου (2 *a*)
21. 12. καυθήσεται καὶ οὐκ ἔσται ὁ σβέσων (2 *a*)
30 (49). 27. καύσω πῦρ ἐν τείχει Δαμασκοῦ (4 *b*)
39 (32). 29. καύσουσι τὴν πόλιν ταύτην ἐν πυρὶ καὶ κατακαύσουσι [A καύσωσιν] τὰς οἰκίας [S¹ τὴν οἰ.] (4 *b*, 12 *a*)
41 (34). 2. καύσει αὐτὴν ἐν πυρί (12 *a*)
43 (36). 27. A S μετὰ τὸ καῦσαι [B κατακ.] τὸν βασιλέα τὸ χαρτίον (12 *a*)
44 (37). 8. A R καύσουσιν αὐτὴν ἐν [B S *om.*] πυρί (12 *a*)
— 10. καύσουσι τὴν πόλιν ταύτην ἐν πυρί (12 *a*)
45 (38). 18. καύσουσιν αὐτὴν ἐν πυρί (12 *a*)
50 (43). 12. καύσει πῦρ ἐν οἰκίαις (4 *b*)
Ep. Je. 19. λύχνους καίουσι
— 21. A ἀπὸ τοῦ καπνοῦ τοῦ ἐκ τῆς γῆς καιομένου [B τῆς οἰκίας]
Ez. 1. 13. ἐν μέσῳ τῶν ζῴων ὅρασις ὡς [A *om.*] ἀνθράκων πυρὸς καιομένων (2 *a*)
39. 9. καύσουσιν ἐν τοῖς ὅπλοις (2 *b* + 8)
— 9. καύσουσιν ἐν αὐτοῖς πῦρ ἑπτὰ ἔτη (2 *b*)
Da. LXX. 3. 6, 11, 15. τὴν κάμινον τοῦ πυρὸς τὴν καιομένην (5 *d*)
— 17. τῆς καμίνου τοῦ πυρὸς τῆς καιομένης (5 *d*)
— 19. ἐπέταξε καῆναι τὴν κάμινον ἑπταπλασίως παρ' ὃ ἔδει αὐτὴν καῆναι (13, 13)
— 20, 21. τὴν κάμινον τοῦ πυρὸς τὴν καιομένην (5 *d*)
— (46). οὐ διέλιπον . . . καίοντες τὴν κάμινον
— (88). ἐκ μέσου καιομένης φλογός
— 26 (93). τὴν θύραν τῆς καμίνου καιομένης τῷ πυρί (5 *d*)
7. 9. τροχοὶ αὐτοῦ πῦρ καιόμενον (3 *b*)
Da. TH. 3. 6, 11, 15. τὴν κάμινον τοῦ πυρὸς τὴν καιομένην (5 *d*)
— 17. τῆς καμίνου τοῦ πυρὸς τῆς καιομένης (5 *d*)
— 20. τὴν κάμινον τοῦ πυρὸς τὴν καιομένην (5 *d*)
— 21. τῆς καμίνου τοῦ πυρὸς τῆς καιομένης (5 *d*)
— 23. τῆς καμίνου [A κ. τοῦ πυρὸς] τῆς καιομένης (5 *d*)
— (46). οὐ διέλειπον . . . καίοντες τὴν κάμινον
— (88). ἐκ μέσου καμίνου καιομένης φλογός [A *al.*]
— 26 (93). τῆς καμίνου τοῦ πυρὸς τῆς καιομένης (5 *d*)
I Ma. 12. 29. ἔβλεπον γὰρ τὰ φῶτα καιόμενα
IV Ma. 6. 26. S μέχρι τῶν ὀστέων ἤδη κεκαυμένος [A R κατακ.]
13. 9. S οἱ τῆς ἰσοπολιτίδου καιομένης [A R ἰσοπαλίδος καμίνου] κατεφρόνησαν

[Aq. Pr. 26. 23: Is. 43. 2.]
[Sm. Ps. 7. 14.]
[Th. Pr. 16. 27: 26. 23: Da. 3. 21, 23, (46).]
[Al. Le. 10. 16: Dt. 8. 15: I Ki. 2. 15: II Ch. 16. 14.]
[Heb. Ez. 20. 47 (21. 3).]

καινίζειν. (1) חָדַשׁ pi.

Wi. 7. 27. μένουσα ἐν αὐτῇ τὰ πάντα καινίζει
Si. 38. 28. φωνὴ σφύρης καινιεῖ [A κενιεῖ] τὸ οὖς αὐτοῦ
Ze. 3. 17. καὶ καινιεῖ σε ἐν τῇ ἀγαπήσει αὐτοῦ †
Is. 61. 4. καινιοῦσι πόλεις ἐρήμους [S¹ αἰωνίους] (1)
I Ma. 10. 10. καὶ καινίζειν τὴν πόλιν
II Ma. 4. 11. παρανόμους ἐθισμοὺς ἐκαίνιζεν

καινοποιεῖν.

[Sm. Is. 61. 4.]

καινός (κενός). (1) אַחֵר (2) חָדָשׁ

De. 20. 5. ὁ οἰκοδομήσας οἰκίαν κ. (2)
22. 8. ἐὰν οἰκοδομήσῃς οἰκίαν κ. (2)
De. 32. 17. AB καινοὶ καὶ [B *om.*] πρόσφατοι ἥκασιν (2)
— 47. A οὐχὶ λόγος κ. [B κενὸς] οὗτος ὑμῖν †
Jo. 9. 13. οὓς ἐπλήσαμεν καινούς (2)
Jd. 5. 8. ἐξελέξαντο [A ᾑρέτισαν] θεοὺς κ. (2)
15. 13. ἐν δυσὶ [A δύο] καλωδίοις κ. (2)
16. 11. ἐν [A *add.* ἑπτὰ] καλωδίοις κ. [A *om.*] (2)
— 12. ἔλαβε Δαλιδὰ καλώδια [A αὐτῷ Δ.] κ. (2)
I Ki. 6. 7. ποιήσατε ἅμαξαν κ. (2)
23. 15. ἐν τῇ κ. Ζίφ [B¹ *add.* τῇ κ., A *al.*] †, †
— 16. ἐπορεύθη πρὸς Δ. εἰς Καινήν †
— 18. ἐκάθητο Δ. ἐν Καινῇ †
— 19. οὐκ ἰδοὺ Δαυὶδ κέκρυπται . . . ἐν τῇ Κ. †
II Ki. 6. 3. ἐπεβίβασεν . . . ἐφ' ἅμαξαν κ. [A κενήν] (2)
— 3. A ἦγον τὴν ἅμαξαν τὴν κ. [B *om.* τ. κ.] (2)
III Ki. 11. 29. περιβεβλημένος ἱματίῳ κ. (2)
— 30. ἐπελάβετο Ἀ. τοῦ ἱματίου αὐτοῦ τοῦ κ. (2)
12. 24. B λάβε σεαυτῷ ἱμάτιον κ. –
IV Ki. 2. 20. λάβετέ μοι ὑδρίσκην κ. (2)
I Ch. 13. 7. ἐπέθηκαν τὴν κιβωτὸν . . . ἐπὶ ἅμαξαν κ. (2)
II Ch. 20. 5. κατὰ πρόσωπον τῆς αὐλῆς τῆς κ. (2)
I Es. 6. 9. οἶκον . . . κ. διὰ λίθων ξυστῶν
— 25. καὶ δόμου ξυλίνου ἐγχωρίου κ. ἑνός
Ju. 16. 2. A R ἐναρμόσασθε αὐτῷ ψαλμὸν κ. [B S καὶ αἶνον]
— 13. ὑμνήσω τῷ θεῷ μου [A τ. κυρίῳ] ὕμνον κ.
Jb. 6. 6. A S εἰ δὲ καὶ ἔστι γεῦμα ἐν ῥήμασι κ. [B κενοῖς] †
7. 3. A S ὑπέμεινα μῆνας κ. [B κενούς] †
— 6. S ἀπόλωλε δὲ ἐν κ. [A B κενῇ] ἐλπίδι †
— 16. A S καινὸς [B κενὸς] γάρ μου ὁ βίος †
20. 18. S εἰς καινὰ [A B κενὰ] καὶ μάταια ἐκοπίασε †
33. 21. S ἀποδείξῃ τὰ ὀστᾶ αὐ. κ. [A B κενά] †
Ps. 32 (33). 3. ᾄσατε αὐτῷ ᾆσμα καινόν (2)
39 (40). 3. ἐνέβαλεν εἰς τὸ στόμα μου ᾆσμα κ. (2)
95 (96). 1: 97 (98). 1. ᾄσατε τῷ κυρίῳ ᾆσμα κ. (2)
143 (144). 9. ᾠδὴν καινὴν ᾄσομαί σοι (2)
149. 1. ᾄσατε τῷ κυρίῳ ᾆσμα καινόν (2)
Ec. 1. 10. ἴδε τοῦτο καινόν ἐστιν (2)
Is. 8. 1. λάβε σεαυτῷ τόμον [A *add.* χάρτου] καινοῦ –
41. 15. ἐποίησά σε ὡς τροχοὺς ἁμάξης ἀλοῶντας καινούς (2)
42. 9. καινὰ ἃ [A *om.*] ἐγὼ ἀναγγέλλω (2)
— 10. ὑμνήσατε τῷ κυρίῳ ὕμνον καινόν (2)
43. 19. ἐγὼ ποιῶ καινά (2)
48. 6. ἀκουστά σοι ἐποίησα τὰ κ. ἀπὸ τοῦ νῦν (2)
62. 2. καλέσει σε τὸ ὄνομα [A S *add.* σου] τὸ κ. (2)
65. 15. τοῖς δὲ δουλεύουσί μοι [A αὐτῷ] κληθήσεται ὄνομα καινόν [S¹ αἰώνιον] (1)
— 17. ἔσται γὰρ ὁ οὐρανὸς κ. [S¹ καπνὸς] καὶ ἡ γῆ καινή (2, 2)
66. 22. ὃν τρόπον γὰρ ὁ οὐρανὸς κ. καὶ ἡ γῆ καινή (2, 2)
Je. 33 (26). 10. ἐκάθισαν ἐν προθύροις πύλης [A *add.* κυρίου] τῆς κ. (2)
38 (31). 22. ἔκτισε κύριος σωτηρίαν εἰς καταφύτευσιν καινήν (2)
— 31. διαθήσομαι . . . διαθήκην καινήν (2)
43 (36). 10. ἐν προθύροις πύλης τοῦ [A *om.* π. τ.] οἴκου κυρίου τῆς κ. (2)
La. 3. 23. R καιναὶ εἰς τὰς πρωΐας (2)
Ez. 11. 19. πνεῦμα καινὸν δώσω ἐν αὐτοῖς (2)
18. 31. ποιήσατε ἑαυτοῖς καρδίαν καινὴν καὶ πνεῦμα καινόν (2, 2)
36. 26. δώσω ὑμῖν καρδίαν καινὴν καὶ πνεῦμα καινὸν δώσω (2, 2)
I Ma. 4. 47. ᾠκοδόμησαν τὸ θυσιαστήριον κ.
— 49. ἐποίησαν σκεύη ἅγια κ.
— 53. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τῶν ὁλοκαυτωμάτων τὸ κ.
II Ma. 2. 29. τῆς κ. οἰκίας ἀρχιτέκτονι

[Aq. Ex. 1. 8: Dt. 24. 7 (5): II Ki. 21. 16: Ec. 1. 9: Is. 42. 9: 48. 6: 65. 17: Je. 31 (38). 22.]
[Sm. Ex. 1. 8: Ec. 1. 9: Is. 42. 9: 62. 2: 65. 17.]
[Th. Ex. 1. 8: Jb. 29. 20: Is. 42. 9: 48. 6: 65. 17: Je. 31 (38). 22.]

καινότης.

III Ki. 8. 53. τοῦ κατοικεῖν ἐπὶ καινότητος [A κεν.] –
Ez. 47. 12. τῆς κ. αὐτοῦ πρωτοβολήσει †

καινουργός.

IV Ma. 11. 23. καινουργὲ τῶν βασάνων

καίπερ.
Pr. 6. 8.
Wi. 11. 9.
Jn. 1. 13†.
II Ma. 4. 34.
III Ma. 4. 18 : 5. 32.
IV Ma. 3. 10, 15† : 4. 13 : 12. 2 : 13. 27 : 15. 11, 24 : 16. 5.
[Aq. Le. 26. 39: IV Ki. 2. 14 : 10. 10 : Ps. 43 (44). 10 : 67 (68). 19 : Pr. 21. 27.]
[Sm. Ec. 4. 14.]

καίπερτοι.
[Aq. Is. 22. 1.]

καιρίμος.
[Al. Le. 16. 21.]

καιρινός (?).
[Sm. Je. 50 (27). 8.]

καίριος. (1) בְּעִתּוֹ
Pr. 15. 23. *οὐδὲ μὴ εἴπῃ καίριόν τι* (1)
[Aq., Sm., Th. Ps. 65 (66). 15.]

καιρίως.
[Aq. Dt. 32. 35.]

καιρός. (1) אַחֲרִית (2) זְמַן (3) יוֹם (4) מוֹעֵד (5) עֵד (6) עִדָּן (7) עֶצֶם (8) עֵת (9) פַּעַם (10) צֵל (11) קֵץ (12) רֶגֶל (13) שָׁנָה (14) תּוֹר (15) תְּשׁוּעָה (16) תְּקוּפָה (17) *ἐν τῷ νῦν κ. a.* עָתָּה הַפַּעַם *b.* הַפַּעַם *c.* בַּפַּעַם הַזֹּאת (18) καιροὶ ὡρῶν (19) ὧραι καιρῶν מוֹעֵד

Ge. 1. 14. *ἔστωσαν εἰς σημεῖα καὶ εἰς καιρούς* (4)
6. 13. *καιρὸς παντὸς ἀνθρώπου ἥκει ἐναντίον μου* (11)
17. 21. *τέξεταί σοι Σ. εἰς τὸν κ. τοῦτον* (4)
— 23. *περιέτεμε . . . ἐν τῷ κ. τῆς ἡμέρας ἐκ.* (7)
— 26. *ἐν δὲ τῷ κ. τῆς ἡμέρας ἐκ.* (4)
18. 10. *ἥξω πρὸς σὲ κατὰ τὸν κ. τοῦτον* (8)
— 14. *εἰς τὸν κ. τοῦτον ἀναστρέψω* (4)
21. 2. *ἔτεκε . . . εἰς τὸν κ.* (4)
— 22. *ἐγένετο δὲ ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
26. 1. **B** *ἐν τῷ κ.* [**A** *χρόνῳ*] *τοῦ Ἀβραάμ* (3)
29. 34. *ἐν τῷ νῦν κ. πρὸς ἐμοῦ ἔσται ὁ ἀνήρ μου* (17 *a*)
30. 20. *δεδώρηται . . . ἐν τῷ νῦν κ.* (17 *b*)
— 41. *ἐν τῷ κ. ᾧ ἐνεκίσσων* –
38. 1. *ἐγένετο δὲ ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
Ex. 8. 32 (28). *ἐβάρυνε Φ. . . . καὶ ἐπὶ τοῦ κ. τούτου* (9)
9. 4. *παραδοξάσω ἐγὼ ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* –
— 14. *ἐν τῷ γὰρ νῦν κ. ἐγὼ ἐξαποστέλλω* (17 *c*)
13. 10. **AR** *φυλάξασθε . . . κατὰ καιροὺς ὡρῶν* [**B** *al.*] (18)
23. 14. *τρεῖς καιροὺς τοῦ ἐνιαυτοῦ* (12)
— 15. *κατὰ τὸν κ. τοῦ μηνὸς τῶν νέων* (4)
— 17. *τρεῖς καιροὺς τοῦ ἐνιαυτοῦ ὀφθήσεται* (9)
34. 18. *εἰς τὸν κ. ἐν μηνὶ τῶν νέων* (4)
— 23. *τρεῖς καιροὺς τοῦ ἐνιαυτοῦ ὀφθήσεται* (9)
— 24. *τρεῖς καιροὺς τοῦ ἐνιαυτοῦ* (9)
Le. 15. 25. *οὐκ ἐν καιρῷ τῆς ἀφέδρου αὐτῆς* (8)
23. 4. **AB**^{1} *καλέσατε* [**B**^{2}**R** *-σετε*] *αὐτὰς ἐν τοῖς κ. αὐτῶν* (4)
26. 4. *δώσω τὸν ὑετὸν ὑμῖν ἐν καιρῷ αὐτοῦ* (8)
Nu. 9. 3. *ποιήσεις αὐτὸ κατὰ καιροὺς* [**A** *al.*] (4)
— 7. *προσενέγκαι τὸ δῶρον κυρίῳ κατὰ καιρὸν αὐτοῦ* (4)
— 13. *τὸ δῶρον . . . οὐ προσήνεγκε κατὰ τὸν κ. αὐτοῦ* (4)
14. 9. *ἀφέστηκε γὰρ ὁ κ. ἀπ' αὐτῶν* (10 ?)
16. 14. **B** *ἔδωκας ἡμῖν καιρὸν* [**AR** *κλῆρον*] *ἀγροῦ* †
22. 4. *βασιλεὺς Μωὰβ ἦν κατὰ τὸν κ. ἐκεῖνον* (8)
23. 23. *κατὰ καιρὸν ῥηθήσεται Ἰακώβ* (8)
De. 1. 9, 16, 18 : 2. 34 : 3. 4, 8, 12, 18, 21, 23 : 4. 14 : 5. 5. *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
9. 19. *ἐν τῷ κ. τούτῳ* [**A** *ἐκείνῳ*] (9)
— 20. *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
10. 1, 8. *ἐν ἐκείνῳ τῷ κ.* (8)
— 10. *ἐν τῷ κ. τούτῳ* (9)
De. 16. 6. *ἐν τῷ κ. ᾧ ἐξῆλθες ἐξ* [**A** *ἐκ γῆς*] *Αἰγ.* (4)
— 16. *τρεῖς καιροὺς τοῦ ἐνιαυτοῦ* (9)
28. 12. *δοῦναι τὸν ὑετὸν τῇ γῇ σου ἐπὶ καιροῦ* (8)
31. 10. *ἐν καιρῷ ἐνιαυτοῦ ἀφέσεως* (4)
32. 35. **A** *ἐν καιρῷ* [**B** *om. ἐν κ.*] *ὅταν σφαλῇ ὁ ποὺς αὐτῶν* (8)
Jo. 5. 2. *ὑπὸ δὲ τοῦτον τὸν κ.* (8)
11. 10, 21. *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
Jd. 3. 29. **A** *ἐν τῷ κ. ἐκ.* [**B** *τῇ ἡμέρᾳ ἐκ.*] (8)
4. 4. *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
10. 8. *ἐν τῷ κ.* [**A** *ἐνιαυτῷ*] *ἐκείνῳ* (13)
— 14. *ἐν καιρῷ θλίψεως ὑμῶν* (8)
11. 26. *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
12. 6. *ἐν* [**A** *om.*] *τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
13. 23. *καθὼς καιρός* [**A** *ὁ κ.*] (8)
14. 4 : 21. 14. *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
21. 22. **A** *κατὰ τὸν κ.* [**B** *ὡς κλῆρος*] *πλημμελήσατε* (8)
— 24. *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
I Ki. 1. 20. *καὶ ἐγενήθη τῷ* [**A** *ἐν τῷ*] *κ. τῶν ἡμερῶν* (16)
4. 20. *ἐν τῷ κ. αὐτῆς ἀποθνήσκει* (8)
9. 16. *ὡς ὁ κ.* (8)
18. 19. **A** *ἐν τῷ κ. τοῦ δοθῆναι τὴν Μ.* (8)
20. 12. *ὡς ἂν ὁ κ. τρισσῶς* (8)
II Ki. 11. 1. *εἰς τὸν κ. τῆς ἐξοδίας τῶν βασ.* (8)
20. 5. *ἐχρόνισεν ἀπὸ τοῦ κ.* (4)
23. 5. *διαθήκην . . . ἐν παντὶ κ. πεφυλαγμένην* –
III Ki. 11. 4. *ἐν καιρῷ γήρους Σαλ.* (8)
— 29. *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
14. 1. **A** *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
15. 23. *ἐν τῷ κ. τοῦ γήρως αὐτοῦ* (8)
16. 22. *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* –
18. 29. *ὡς ὁ κ. τοῦ ἀναβῆναι τὴν θυσίαν* –
IV Ki. 4. 16, 17. *εἰς τὸν κ. τοῦτον ὡς ἡ ὥρα* (4)
8. 22 : 16. 6 : 18. 16 : 20. 12 : 24. 10. *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
I Ch. 9. 25. *κατὰ ἑπτὰ ἡμέρας ἀπὸ καιροῦ εἰς καιρόν* (8, 8)
11. 11. *ἐπὶ τριακοσίους τραυματίας ἐν κ. ἑνί* (9)
— 20. *ἐπὶ τριακοσίους* [**A** *ἑξακοσ.*] *τραυματίας ἐν κ. ἑνί* –
12. 32. *γινώσκοντες σύνεσιν εἰς τοὺς κ.* (8)
21. 28, 29. *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
29. 30. **A R** *καὶ οἱ κ.* [**B** *om. κ. οἱ κ.*] *οἳ ἐγένοντο ἐπ' αὐτῷ* (8)
II Ch. 7. 2. *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* –
— 8. *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
8. 13. *τρεῖς καιροὺς τοῦ ἐνιαυτοῦ* (9)
15. 5. *ἐν ἐκείνῳ τῷ κ.* (8)
16. 7, 10 : 21. 10. *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
21. 19. *ἦλθε καιρὸς* [**A** *ὁ κ.*] *τῶν ἡμερῶν* (8+11)
25. 27. *ἐν τῷ κ. ᾧ ἀπέστη Ἀμ. ἀπὸ κυρίου* (8)
28. 16 : 30. 3. *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
35. 17. *ἐν* [**B**^{1} *om.*] *τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
I Es. 1. 19. *οἱ εὑρεθέντες ἐν τῷ κ. τούτῳ*
5. 50. *ἀνέφερον θυσίας κατὰ τὸν κ.*
8. 79. *ἐν τῷ κ. τῆς δουλείας ἡμῶν*
II Es. 5. 3. *ἐν αὐτῷ τῷ κ.* (2)
8. 35 (34). *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
10. 13. **A S R** *καὶ ὁ κ.* [**B** *τόπος*] *χειμερινός* (8)
— 14. *ἐλθέτωσαν εἰς καιρούς* (8)
Ne. 4. 22 (16). *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
6. 1. *ἕως τοῦ κ.* [**S**^{1} *λαοῦ*] *ἐκείνου* (8)
9. 27. *ἐν καιρῷ θλίψεως αὐτῶν* (8)
10. 34 (35). **A S R** *εἰς καιροὺς ἀπὸ* [**B** *om.*] *χρόνων* (8)
12. 17. **S**^{2} *τῷ Βεν. ἐν καιροῖς* (4)
13. 21. *ἀπὸ τοῦ κ. ἐκείνου* (8)
— 31. *ἐν καιροῖς ἀπὸ χρόνων* (8)
To. 3. 11, 16. **S** *ἐν αὐτῷ τῷ κ.*
— 17. *ἐν αὐτῷ* [**S** *ἐκείνῳ*] *τῷ κ.*
4. 19. **A B** *ἐν παντὶ κ. εὐλόγει κύριον τὸν θεόν*
14. 4. **S** *πάντα συμβήσεται τοῖς κ. αὐτῶν* [**A B** *al.*]
— 4. *ἐν δὲ τῇ Μηδίᾳ ἔσται εἰρήνη μᾶλλον ἕως καιροῦ* [**S** *al.*]
— 5. *ἕως πληρωθῶσι καιροὶ τοῦ αἰῶνος* [**A S** *al.*]
— 7. **S** *καὶ εὐλογῶσιν τὸ ὄνομα αὐτοῦ ἐν παντὶ κ.*
Ju. 12. 16. *ἐτήρει καιρὸν τοῦ ἁπατῆσαι αὐτήν*
13. 5. *νῦν καιρὸς ἀντιλαβέσθαι τῆς κληρονομίας σου*
16. 21. *ἐγένετο κατὰ τὸν κ. αὐτῆς ἔνδοξος*
Es. 2. 12. *οὗτος δὲ ἦν* [**A** *καὶ ὅταν ᾖ*] *καιρός* (14)
— 12. **A** *ὅταν ἀναπληρωθῇ καιρὸς κοράσια* [**B S** *al.*] –
4. 14. *ἐν τούτῳ τῷ κ.* (8)
— 14. *εἰς τὸν κ. τοῦτον ἐβασίλευσας* (8)
Es. 4. 17. *γνώσθητι ἐν καιρῷ θλίψεως ἡμῶν*
8. 9. **S**^{2} *ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ* (8)
— 13. *τοὺς ἐν καιρῷ θλίψεως ἐπιθεμένους*
10. 3. **R** *εἰς ὥραν καὶ καιρόν* [**A B**^{2} **S** *κλῆρον*]
Jb. 5. 26. *ὥσπερ σῖτος ὥριμος κατὰ καιρὸν θεριζόμενος* –
19. 4. *τὰ δὲ ῥήματά μου πλανᾶται καὶ οὐκ ἐπὶ καιροῦ* –
28. 3. **A** *καιρῶν πέρας αὐτοὺς ἐξακριβάζεται* [**BS** *al.*] †
38. 32. *ἢ διανοίξεις μαζουρὼθ ἐν καιρῷ αὐτοῦ* (8)
39. 1. *εἰ ἔγνως καιρὸν τοκετοῦ τραγελάφων* (8)
— 18. *κατὰ καιρὸν* [**A** *-ὼν*] *ἐν ὕψει ὑψώσει* [**S** *al.*] (8)
Ps. 1. 3. *ὃ τὸν καρπὸν αὐ. δώσει ἐν καιρῷ αὐ.* (8)
9. 26 (10. 5). *βεβηλοῦνται αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ ἐν παντὶ καιρῷ* (8)
20 (21). 9. *εἰς καιρὸν τοῦ προσώπου σου* (8)
31 (32). 6. *προσεύξεται πρὸς σὲ πᾶς ὅσιος ἐν καιρῷ εὐθέτῳ* (8)
33 (34). 1. *εὐλογήσω τὸν κύριον ἐν παντὶ κ.* (8)
36 (37). 19. *οὐ καταισχυνθήσονται ἐν καιρῷ πονηρῷ* (8)
— 39. *ὑπερασπιστὴς αὐτῶν ἐστιν* [**S**^{1} *om.*] *ἐν καιρῷ θλίψεως* (8)
68 (69). 13. *ἐγὼ δὲ τῇ προσευχῇ μου πρὸς σέ, κύριε, καιρὸς εὐδοκίας* (8)
70 (71). 9. *μὴ ἀπορρίψῃς με εἰς καιρὸν γήρους* (8)
74 (75). 2. *ὅταν λάβω καιρόν* (4)
80 (81). 15. *ἔσται ὁ κ. αὐτῶν εἰς τὸν αἰῶνα* (8)
101 (102). 13. *ὅτι καιρὸς τοῦ οἰκτειρῆσαι αὐτὴν ὅτι ἥκει καιρός* (8, 4)
103 (104). 19. *ἐποίησε σελήνην εἰς καιρούς* (4)
— 27. **A** *δοῦναι τὴν τροφὴν αὐτῶν εἰς καιρόν* [**B S** *al.*] (8)
105 (106). 3. *ποιοῦντες δικαιοσύνην ἐν παντὶ κ.* (8)
118 (119). 20. *τοῦ ἐπιθυμῆσαι τὰ κρίματά σου ἐν παντὶ κ.* [**S**^{1} *al.*] (8)
— 126. *καιρὸς τοῦ ποιῆσαι τῷ κυρίῳ* (8)
Pr. 5. 3. *ἡ πρὸς καιρὸν λιπαίνει σὸν φάρυγγα* †
— 14. *ἐγενόμην ἐν παντὶ κακῷ* [**S**^{1} *καιρῷ*] †
— 19. *συνέστω σοι ἐν παντὶ καιρῷ* (8)
6. 14. *τεκταίνεται κακὰ ἐν παντὶ καιρῷ* (8)
8. 30. *εὐφραινόμην ἐν προσώπῳ αὐ. ἐν παντὶ κ.* (8)
17. 17. *εἰς πάντα καιρὸν φίλος ὑπαρχέτω σοι* (8)
18. 1. *ἐν παντὶ δὲ καιρῷ ἐπονείδιστος ἔσται* (15 ?)
Ec. 3. 1. *καιρὸς τῷ παντὶ πράγματι ὑπὸ τὸν οὐρανόν* [**S**^{2} *ἥλιον*] (8)
— 2. *καιρὸς τοῦ τεκεῖν καὶ καιρὸς τοῦ ἀποθανεῖν καιρὸς τοῦ φυτεῦσαι καὶ καιρὸς τοῦ ἐκτίλαι* (8 *quater*)
— 3. *καιρὸς τοῦ ἀποκτεῖναι καὶ καιρὸς τοῦ ἰάσασθαι καιρὸς τοῦ καθελεῖν καὶ καιρὸς τοῦ οἰκοδομεῖν* [**A S** *-ῆσαι*] (8 *quater*)
— 4. *καιρὸς τοῦ κλαῦσαι καὶ καιρὸς τοῦ γελάσαι καιρὸς τοῦ κόψασθαι καὶ καιρὸς τοῦ ὀρχήσασθαι* (8 *quater*)
— 5. *καιρὸς τοῦ βαλεῖν λίθους καὶ καιρὸς τοῦ συναγαγεῖν λίθους καιρὸς τοῦ περιλαβεῖν καὶ καιρὸς τοῦ μακρυνθῆναι ἀπὸ περιλήψεως* [**A** *-λήμματος*] (8 *quater*)
— 6. *καιρὸς τοῦ ζητῆσαι καὶ καιρὸς τοῦ ἀπολέσαι καιρὸς τοῦ φυλάξαι καὶ καιρὸς τοῦ ἐκβαλεῖν* (8 *quater*)
— 7. *καιρὸς τοῦ ῥῆξαι καὶ καιρὸς τοῦ ῥάψαι καιρὸς τοῦ σιγᾶν καὶ καιρὸς τοῦ λαλεῖν* (8 *quater*)
— 8. *καιρὸς τοῦ φιλῆσαι καὶ καιρὸς τοῦ μισῆσαι καιρὸς πολέμου καὶ καιρὸς εἰρήνης* (8 *quater*)
— 11. *ἃ* [**S**^{1} *om.*] *ἐποίησε καλὰ ἐν καιρῷ* [**S**^{1} *ἐνώπιον*] *αὐτοῦ* (8)
— 17. *καιρὸς τῷ παντὶ πράγματι* (8)
7. 18 (17). *ἵνα μὴ ἀποθάνῃς ἐν οὐ καιρῷ σου* (8)
8. 5. *καιρὸν κρίσεως γινώσκει καρδία σοφοῦ* (8)
— 6. *παντὶ πράγματι ἐστι καιρὸς καὶ κρίσις* (8)
9. 8. *ἐν παντὶ κ. ἔστωσαν ἱμάτιά σου λευκά* (8)
— 11. *καιρὸς καὶ ἀπάντημα συναντήσεται σύμπασιν* [**A S** *τοῖς πᾶσιν*] *αὐτοῖς* (8)
— 12. *οὐκ ἔγνω ὁ ἄνθρωπος τὸν κ. αὐτοῦ* (8)
— 12. *παγιδεύονται οἱ υἱοὶ τοῦ ἀνθρώπου εἰς κ. πονηρόν* (8)
10. 17. *οἱ ἄρχοντές σου πρὸς καιρὸν φάγονται* (8)
Ca. 2. 12. *καιρὸς τῆς τομῆς ἔφθακε* [**S** *-ασεν*] (8)
Wi. 2. 5. **A**^{1}**B**^{2}**S** *σκιᾶς γὰρ πάροδος ὁ καιρὸς* [**A**^{2}**B**^{1}**R** *βίος*] *ἡμῶν*

Wi. 3. 7. ἐν καιρῷ ἐπισκοπῆς αὐτῶν ἀναλάμψουσι
4. 4. κἂν [S¹ καὶ] γὰρ ἐν κλάδοις πρὸς καιρὸν ἀναθάλῃ
7. 18. τροπῶν ἀλλαγὰς καὶ μεταβολὰς καιρῶν
8. 8. ἐκβάσεις καιρῶν καὶ χρόνων
19. 22. οὐχ ὑπερεῖδες ἐν παντὶ καιρῷ . . . παριστάμενος
Si. 1. 22. ἕως καιροῦ ἀνθέξεται μακρόθυμος
— 23. ἕως καιροῦ κρύψει τοὺς λόγους αὐτοῦ
2. 2. μὴ σπεύσῃς ἐν καιρῷ ἐπαγωγῆς
— 11. σώζει ἐν καιρῷ θλίψεως
3. 31. ἐν καιρῷ πτώσεως εὑρήσει στήριγμα
4. 20. συντήρησον καιρὸν καὶ φύλαξαι ἀπὸ πονηροῦ
— 23. μὴ κωλύσῃς λόγον ἐν καιρῷ σωτηρίας
5. 7. ἐν [S¹ *add.* τῷ] καιρῷ ἐκδικήσεως ἐξολῇ
6. 8. ἔστι γὰρ φίλος ἐν καιρῷ αὐτοῦ
8. 9. ἐν καιρῷ χρείας δοῦναι ἀπόκρισιν
10. 4. τὸν χρήσιμον ἐγερεῖ εἰς καιρὸν ἐπ' αὐτῆς
— 26. μὴ δοξάζου ἐν καιρῷ στενοχωρίας σου
11. 19. οὐκ οἶδε τίς καιρὸς παρελεύσεται
12. 16. ἐὰν εὕρῃ καιρόν
17. 2. ἡμέρας ἀριθμοῦ καὶ καιρὸν ἔδωκεν αὐτοῖς
18. 21. ἐν καιρῷ ἁμαρτημάτων δεῖξον ἐπιστροφήν
— 24. μνήσθητι . . . καιρὸν ἐκδικήσεως
— 25. μνήσθητι καιρὸν [A κατὰ κ.] λιμοῦ ἐν καιρῷ [A ἡμέραις] πλησμονῆς
— 26. ἀπὸ πρωΐθεν ἕως ἑσπέρας μεταβάλλει καιρός
19. 9. ἓν καιρῷ μισήσει [A μασ.] σε
— 28. ἐὰν εὕρῃ καιρὸν κακοποιήσει [A κ. σε]
20. 6. ἔστι σιωπῶν εἰδὼς καιρόν
— 7. ἄνθρωπος σοφὸς σιγήσει ἕως καιροῦ ὁ δὲ λαπιστὴς καὶ ἄφρων ὑπερβήσεται καιρόν [S *al.*]
— 20. οὐ γὰρ μὴ εἴπῃ αὐτὴν ἐν καιρῷ αὐτῆς
22. 6. μάστιγες καὶ παιδεία ἐν παντὶ καιρῷ σοφίας [S¹ -ία]
— 16. καρδία . . . ἐν καιρῷ οὐ δειλιάσει
— 23. ἐν καιρῷ θλίψεως διάμενε αὐτῷ
26. 4. ἐν παντὶ καιρῷ πρόσωπον ἱλαρόν
27. 12. εἰς μέσον ἀσυνέτων συντήρησον καιρόν
29. 2. ἐν καιρῷ χρείας αὐτοῦ
— 2. ἀπόδος τῷ πλησίον εἰς τὸν [A S *om.*] κ.
— 3. ἐν παντὶ καιρῷ εὑρήσεις τὴν χρείαν σου
— 5. ἐν καιρῷ ἀποδόσεως παρελκύσει χρόνον
— 5. καὶ τὸν κ. αἰτιάσεται
30. 24. πρὸ καιροῦ γῆρας [S² -ους] ἄγει μέριμνα [S -αν]
— 32 (33. 23). ἐν καιρῷ τελευτῆς διάδος κληρονομίαν
32 (35). 20. ὡραῖον ἔλεος ἐν καιρῷ θλίψεως αὐτοῦ ὡς νεφέλαι ὑετοῦ ἐν καιρῷ ἀβροχίας
33 (36). 8. σπεῦσον καιρόν
34 (31). 28. οἶνος πινόμενος ἐν καιρῷ αὐτάρκης
36 (33). 8. ἠλλοίωσε καιροὺς καὶ ἑορτάς
37. 4. ἐν καιρῷ θλίψεως ἔσται ἀπέναντι
38. 3. ἐπιστήμη ἰατροῦ [S¹ καιροῦ] ἀνυψώσει κεφαλήν
— 13. S B ἔστι καιρὸς ὅτε καὶ ἐν χερσὶν αὐτῶν εὐωδία [A B -οδία]
39. 16. πᾶν πρόσταγμα ἐν καιρῷ [S¹ κυρίῳ] αὐτοῦ ἔσται
— 17. πάντα γὰρ ἐν καιρῷ αὐτοῦ ζητηθήσεται
— 28. ἐν καιρῷ συντελείας ἰσχὺν ἐκχέουσι
— 31. ἐν τοῖς [A S *om.*] κ. αὐτῶν οὐ παραβήσονται λόγον
— 34. πάντα γὰρ ἐν καιρῷ εὐδοκιμηθήσεται [A -μήσεται, S δοκιμασθήσεται]
40. 5. ἐν καιρῷ ἀναπαύσεως ἐπὶ κοίτης
— 7. ἐν καιρῷ σωτηρίας αὐτοῦ ἐξηγέρθη
— 23. φίλος καὶ ἑταῖρος εἰς καιρὸν ἀπαντῶντες
— 24. ἀδελφοὶ καὶ βοήθεια εἰς καιρὸν θλίψεως
43. 6. ἡ σελήνη ἐν πᾶσιν εἰς καιρὸν αὐτῆς
44. 17. ἐν καιρῷ ὀργῆς ἐγένετο ἀντάλλαγμα
46. 19. πρὸ καιροῦ κοιμήσεως αἰῶνος
47. 10. ἐκόσμησε καιροὺς μέχρι συντελείας
48. 10. ὁ καταγραφεὶς ἐν ἐλεγμοῖς [A κ. ἐλεγμὸς] εἰς [S¹ *om.*] καιρούς
51. 10. A S R ἐν καιρῷ ὑπερηφάνων [B -νιῶν] ἀβοηθησίας
— 12. ἐξείλου με ἐκ καιροῦ πονηροῦ
— 20. A ἐν καιρῷ θερισμοῦ [B S ἐν καθαρισμῷ] εὗρον αὐτήν
— 30. ἐργάζεσθε τὸ ἔργον ὑμῶν πρὸ καιροῦ καὶ δώσει τὸν μισθὸν ὑμῶν ἐν καιρῷ αὐτοῦ
Ho. 2. 9 (11). κομιοῦμαι . . . τὸν οἶνόν μου ἐν καιρῷ αὐτοῦ (4)
Am. 5. 13. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ σιωπήσεται [A¹ B¹ *al.*] (8)
— 13. ὅτι καιρὸς πονηρῶν [A πονηρός] ἐστιν (8)
Mi. 2. 3. ὅτι καιρὸς πονηρός ἐστιν (8)
3. 4. ἀποστρέψει τὸ πρόσωπον αὐτοῦ . . . ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
5. 3 (2). δώσει αὐτοὺς ἕως καιροῦ τικτούσης (8)
Jl. 3 (4). 1. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
Hb. 2. 3. διότι ἔτι ὅρασις εἰς καιρόν (4)
3. 2. ἐν τῷ παρεῖναι τὸν κ. ἀναδειχθήσῃ –
Ze. 3. 16. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ ἐρεῖ κύριος τῇ Ἰερουσ. (3)
— 19. ἐγὼ ποιῶ ἐν σοὶ ἕνεκέν σου ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
— 20. καὶ καταισχυνθήσονται ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
— 20. καὶ ἐν τῷ κ. ὅταν εἰσδέξομαι ὑμᾶς (8)
Hg. 1. 2. οὐχ ἥκει ὁ κ. τοῦ οἰκοδομῆσαι (8)
— 4. εἰ καιρὸς μὲν ὑμῖν ἐστι τοῦ οἰκεῖν ἐν οἴκοις (8)
Is. 8. 22 (23). οὐκ ἀπορηθήσεται . . . ἕως καιροῦ (8)
18. 7. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
30. 8. ἔσται εἰς ἡμέρας ταῦτα καιρῷ [A S καιρὸν τ.] (1?)
33. 2. ἡ δὲ σωτηρία ἡμῶν ἐν καιρῷ θλίψεως (8)
38. 1. ἐγένετο δὲ ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (3)
39. 1. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
49. 8. καιρῷ δεκτῷ ἐπήκουσά σου (8)
50. 4. A τοῦ γνῶναι ἐν καιρῷ [B S *om.* ἐν κ.] ἡνίκα δεῖ εἰπεῖν λόγον †
54. 9. ἐν τῷ χρόνῳ [S² καιρῷ] ἐκ. †
60. 22. ἐγὼ κύριος κατὰ καιρὸν συνάξω αὐτούς (8)
64. 9 (8). μὴ ἐν καιρῷ μνησθῇς ἁμαρτιῶν ἡμῶν (5)
Je. 2. 27. ἐν τῷ κ. τῶν κακῶν αὐτῶν (8)
— 28. ἐν καιρῷ τῆς κακώσεως σου (8)
3. 17. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
4. 11. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ [A τούτῳ] (8)
5. 24. κατὰ καιρὸν πληρώσεως προστάγματος θερισμοῦ (8)
6. 15. ἐν καιρῷ ἐπισκοπῆς [A *add.* αὐτῶν] (8)
— 19. S ἐπάγω ἐπὶ τὸν λαὸν τοῦτον κατὰ τὸν κ. ἀποστροφῆς αὐ. [A B *al.*] †
8. 1. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
— 7. ἡ ἀσίδα ἐν τῷ οὐρανῷ ἔγνω τὸν κ. αὐτῆς (4)
— 7. στρουθία ἐφύλαξαν καιροὺς εἰσόδων ἑαυτῶν (8)
— 15. συνήχθημεν . . . εἰς καιρὸν ἰάσεως (8)
10. 15. ἐν καιρῷ ἐπισκοπῆς αὐτῶν ἀπολοῦνται (8)
11. 12. ἐν τῷ [A *om.*] κ. τῶν κακῶν αὐτῶν (8)
— 14. οὐκ εἰσακούσομαι ἐν τῷ κ. . . . ἐν καιρῷ κακώσεως αὐτῶν (8, 5?)
14. 8. σώζεις ἐν καιρῷ κακῶν (8)
— 19. εἰς καιρὸν ἰάσεως καὶ ἰδοὺ ταραχή (8)
15. 11. παρέστην σοι ἐν καιρῷ τῶν κακῶν αὐτῶν καὶ ἐν καιρῷ θλίψεως αὐτῶν (8, 8)
16. 21. δηλώσω . . . ἐν τῷ κ. τούτῳ τὴν χεῖρά μου (9)
18. 23. ἐν καιρῷ θυμοῦ [S -ῷ] σου (8)
26 (46). 21. ἡμέρα ἀπωλείας ἦλθεν ἐπ' αὐτοὺς [A -οῖς] καὶ κ. ἐκδικήσεως αὐτῶν (8)
27 (50). 4. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
— 16. κατέχοντα δρέπανον ἐν καιρῷ θερισμοῦ (8)
— 20. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
— 26. ἐληλύθασιν οἱ κ. αὐτῆς (11?)
— 27. ἥκει ἡ ἡμέρα αὐ. καὶ κ. ἐκδικήσεως αὐ. (8)
— 31. ἥκει ἡ ἡμέρα σου καὶ ὁ κ. ἐκδικήσεώς σου (8)
28 (51). 6. κ. [S ὁ κ.] ἐκδικήσεως αὐ. ἐστι παρὰ κ. (8)
— 18. ἐν καιρῷ ἐπισκέψεως αὐτῶν ἀπολοῦνται (8)
Ba. 1. 2. ἐν τῷ κ. ᾧ ἔλαβον οἱ Χαλδαῖοι τὴν Ἰερ.
— 14. ἐξαγορεῦσαι ἐν οἴκῳ κυρίου . . . ἐν ἡμέραις καιροῦ
3. 5. μνήσθητι χειρός σου . . . ἐν τῷ κ. τούτῳ
La. 1. 15. ἐκάλεσεν ἐπ' ἐμὲ καιρὸν τοῦ συντρῖψαι ἐκλεκτούς μου (4)
— 21. ἐκάλεσας καιρόν –
4. 18. ἤγγικεν ὁ κ. ἡμῶν . . . πάρεστιν ὁ κ. ἡμῶν (11, 11)
Ez. 4. 10. ἀπὸ καιροῦ ἕως καιροῦ φάγεσαι αὐτά (8, 8)
— 11. τὸ ἕκτον τοῦ εἶν ἀπὸ καιροῦ ἕως καιροῦ πίεσαι (8, 8)
7. 7, 12. ἥκει ὁ κ. (8)
12. 27. εἰς καιροὺς μακροὺς οὗτος προφητεύει (8)
16. 8. ἰδοὺ κ. σου καὶ [A ὡς] κ. καταλυόντων (8, 8)
21. 25 (30), 29 (34). ἥκει ἡ ἡμέρα ἐν καιρῷ ἀδικίας πέρας (8)
22. 3. τοῦ ἐλθεῖν [B¹ εἰσελ.] καιρὸν αὐτῆς (8)
— 4. ἤγαγες καιρὸν ἐτῶν σου †
— 30. A R ἑστῶτα πρὸ προσώπου μου . . . ἐν καιρῷ τῆς ὀργῆς [B γῆς] (5?)
30. 3. A κ. [B *om.*] πέρας ἐθνῶν ἔσται (8)
35. 5. ἐν χειρὶ [A καιρῷ] ἐχθρῶν μαχαίρᾳ [A ἐν χειρὶ μαχαίρας] ἐν καιρῷ ἀδικίας (8, 8)
Da. LXX. 2. 8. καιρὸν ὑμεῖς ἐξαγοράζετε (6)
— 9. ἕως ἂν ὁ κ. ἀλλοιωθῇ (6)
— 21. αὐτὸς ἀλλοιοῖ καιρούς
Da. LXX. 3. 7. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (2)
— 8. ἐν ἐκείνῳ τῷ κ. (2)
— (38). οὐκ ἔστιν ἐν τῷ κ. τούτῳ ἄρχων
4. 23. εἰς καιρὸν καὶ ὥραν –
— 33. ἐν ἐκείνῳ τῷ κ. (2)
— 34. καὶ ἀλλοιοῖ καιροὺς καὶ χρόνους –
— 34. εἰρήνη ὑμῖν πληθυνθείη ἐν παντὶ κ. –
7. 12. ἕως χρόνου καὶ καιροῦ (6)
— 22. καὶ ὁ κ. ἐδόθη (2)
— 25. ἀλλοιῶσαι καιροὺς καὶ νόμον (2)
— 25. ἕως καιροῦ καὶ καιρῶν καὶ ἕως ἡμίσους καιροῦ (6 *ter*)
8. 17. εἰς ὥραν καιροῦ τοῦτο τὸ ὅραμα (11)
— 19. εἰς ὥρας καιροῦ συντελείας μενεῖ (19)
9. 26. καὶ ἕως [*cod. om.*] καιροῦ (11?)
— 27. καὶ κατὰ συντέλειαν καιρῶν καὶ μετὰ ἑπτὰ καὶ ἑβδομήκοντα καιρούς –, –
— 27. ἕως καιροῦ συντελείας πολέμου –
11. 13. κατὰ συντέλειαν καιροῦ ἐνιαυτοῦ (8)
— 14. ἐν τοῖς κ. ἐκείνοις (8)
— 27. ἔτι γὰρ συντέλεια εἰς καιρόν (4)
— 29. εἰς καιρὸν ἐπιστρέψει (4)
— 35. ἕως καιροῦ συντελείας ἔτι γὰρ καιρὸς εἰς ὥρας (8, –)
12. 4. ἕως καιροῦ συντελείας (8)
— 7. ἕως καιροῦ συντελείας –
— 7. εἰς καιρὸν καὶ καιροὺς καὶ ἥμισυ καιροῦ (4, 4, –)
— 8. οὐ διενοήθην παρ' αὐτὸν τὸν κ. –
Da. TH. Su. 14. κοινῇ συνετάξαντο καιρόν
2. 8. καιρὸν ὑμεῖς ἐξαγοράζετε (6)
— 9. ἕως οὗ ὁ κ. παρέλθῃ (6)
— 21. αὐτὸς ἀλλοιοῖ καιροὺς καὶ χρόνους (6)
3. (38). οὐκ ἔστιν ἐν τῷ κ. τούτῳ ἄρχων
4. 13. ἑπτὰ καιροὶ ἀλλαγήσονται ἐπ' αὐτόν (6)
— 20. ἕως οὗ ἑπτὰ καιροὶ ἀλλοιωθῶσιν ἐπ' αὐτόν (6)
— 22, 29. ἑπτὰ καιροὶ ἀλλαγήσονται ἐπὶ σέ (6)
— 33. αὐτῷ τῷ κ. αἱ φρένες μου ἐπεστράφησαν (2)
6. 10 (11), 13 (14). καιροὺς τρεῖς τῆς ἡμέρας (2)
7. 12. ἕως καιροῦ καὶ καιροῦ (2, 6)
— 22. ὁ κ. ἔφθασε (2)
— 25. τοῦ ἀλλοιῶσαι καιροὺς καὶ νόμον (2)
— 25. A ἕως καιροῦ καὶ καιροῦ [B *om.* καὶ κ.] καὶ καιρῶν καὶ ἥμισυ καιροῦ (6, –, 6, 6)
8. 17. ἔτι γὰρ εἰς καιροῦ πέρας ἡ ὅρασις (8)
— 19. ἔτι γὰρ ὡς καιροῦ πέρας ἡ ὅρασις (4)
9. 25. ἐκκενωθήσονται οἱ κ. (8)
— 27. ἕως τῆς συντελείας καιροῦ –
11. 6. R ἐν τοῖς κ. ἀναστήσεται [A B *al.*] (8)
— 13. εἰς τὸ τέλος τῶν κ. ἐνιαυτῶν (8)
— 14. ἐν τοῖς κ. ἐκείνοις (8)
— 24. καὶ ἕως καιροῦ (8)
— 27. ὅτι ἔτι πέρας εἰς καιρόν (4)
— 29. εἰς τὸν κ. ἐπιστρέψει (4)
— 35. τοῦ ἀποκαλυφθῆναι ἕως καιροῦ πέρας ὅτι ἔτι εἰς καιρόν (8, 4)
— 40. ἐν καιροῦ [A τῷ κ.] πέρατι (8)
12. 1. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
— 1. ἔσται καιρὸς θλίψεως (8)
— 1. ἕως τοῦ κ. ἐκείνου (8)
— 1. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ (8)
— 4. ἕως καιροῦ συντελείας (8)
— 7. εἰς καιρὸν καιρῶν [A καὶ καιροὺς] καὶ ἥμισυ [A εἰς ἥ.] καιροῦ (4, 4, –)
— 9. ἕως καιροῦ πέρας (8)
— 11. ἀπὸ καιροῦ παραλλάξεως τοῦ ἐνδελεχισμοῦ (8)
1 Ma. 2. 25. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ
— 49. ἐλεγμὸς καὶ καιρὸς καταστροφῆς
— 53. Ἰωσὴφ ἐν καιρῷ στενοχωρίας αὐτοῦ
4. 54. κατὰ τὸν κ. καὶ κατὰ τὴν ἡμέραν
— 59. ἐν τοῖς κ. αὐτῶν
— 60. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ
6. 36. οὗτοι πρὸ καιροῦ . . . ἦσαν
8. 25. ὡς ἂν ὁ κ. ὑπογραφῇ αὐτοῖς
— 27. ὡς ἂν αὐτοῖς ὁ κ. ὑπογραφῇ
9. 7. οὐκ εἶχε καιρὸν συναγαγεῖν αὐτούς
— 10. ἤγγικεν ὁ κ. ἡμῶν
— 31, 55, 56. ἐν τῷ κ. ἐκείνῳ
11. 14. κατὰ τοὺς κ. ἐκείνους
12. 1. ὁ κ. αὐτῷ [S¹ -ῶν] συνεργεῖ
— 10. πολλοὶ γὰρ κ. διῆλθον
— 11. ἐν παντὶ κ. ἀδιαλείπτως
13. 5. ἐν παντὶ κ. θλίψεως
15. 33. ἀκρίτως ἔν τινι κ. κατεκρατήθη

I Ma. 15. 34. ἡμεῖς δὲ καιρὸν ἔχοντες
II Ma. 1. 5. μὴ ὑμᾶς ἐγκαταλείποι ἐν κ. πονηρῷ
3. 5. κατ' ἐκεῖνον τὸν κ.
4. 17. ταῦτα ὁ ἀκόλουθος κ. δηλώσει
— 32. εἰληφέναι καιρὸν εὐφυῆ
5. 1. περὶ δὲ τὸν κ. τοῦτον
7. 20. μιᾶς ὑπὸ καιρὸν ἡμέρας
9. 1. περὶ δὲ τὸν κ. ἐκεῖνον
— 23. καθ' οὓς κ. . . . ἐστρατοπέδευσεν
— 25. τοῖς κ. ἐπέχοντας
12. 30. ἐν τοῖς τῆς ἀτυχίας κ.
14. 5. καιρὸν δὲ λαβὼν τῆς ἰδίας ἀνοίας συνεργόν
15. 37. ἀπ' ἐκείνων τῶν κ. κρατηθείσης τῆς πόλεως
III Ma. 4. 14. μιᾶς ὑπὸ καιρὸν ἡμέρας
5. 15. ὑπέδειξε τὸν τῆς συμποσίας κ. ἤδη παρατρέχοντα
IV Ma. 1. 10. τοὺς κατὰ τοῦτον τὸν κ. . . . ἀποθανόντας
3. 19. ὁ κ. ἡμᾶς καλεῖ
14. 19. περὶ τὸν τῆς κηρογονίας κ.
18. 9. τὸν τῆς ἀτεκνίας οὐκ ὠδυνήθη κ.

[**Aq.** Dt. 11. 14 : I Ki. 9. 24 : III Ki. 14. 1 : Jb. 24. 1 : Ps. 4. 8 : 9. 22 (10. 1) : 30 (31). 16 : 31 (32). 6 : 61 (62). 9 : Ec. 7. 18 (17), 23 (22) : 8. 9 : Je. 5. 24 : 14. 8 : 15. 11 *bis* : 46 (26). 17 : 51 (28). 33 : Ez. 16. 8 : 35. 5 *bis*.]
[**Sm.** Dt. 11. 14 : I Ki. 4. 20 : Jb. 22. 16 : 38. 32 : Ps. 4. 8 : 9. 22 (10. 1) : 30 (31). 16 : 31 (32). 6 : 61 (62). 9 : 68 (69). 14 : 70 (71). 9 : 80 (81). 16 : 118 (119). 126 : Pr. 25. 11 : Ec. 3. 11 : 7. 23 (22) : 8. 6 : Ca. 2. 12 : Is. 33. 6 : Je. 5. 24 : 15. 11 : 46 (26). 17 : 51 (28). 33 : Ez. 4. 10 : 12. 23 : 16. 8 : 23. 43 : 35. 5 *bis*.]
[**Th.** Dt. 11. 14 : I Ki. 13. 8 : Jb. 24. 1 : 38. 32 : 39. 1, 18 : Ps. 4. 8 : 30 (31). 16 : 78 (74). 8 : Je. 8. 12 : 33 (40). 15, 20 : Ez. 16. 8 : 30. 3 : 35. 5 *bis* : Da. 9. 27 : 11. 13, 29 : 12. 7 *bis*.]
[**Al.** Ex. 9. 27 : 13. 10 : Le. 16. 2 : Nu. 16. 2 : 28. 2 : I Ki. 20. 35 : Ps. 118 (119). 126 : Da. 11. 13.]
[**Heb.** Ez. 16. 8.]
[**Quint.** Ps. 30 (31). 16.]

καίτοι.
IV Ma. 2. 6.

καιφάζ, κεφάζ. (1) פֶּצַח
Ca. 5. 11. **R** κεφαλὴ αὐτοῦ χρυσίον κεφάζ [**A B** καιφάζ] (1)

καιχάρ, κεχάρ. (1) כִּפֹּר
II Ki. 18. 23. ὀδὸν τὴν τοῦ κ. (1)

κἀκεῖ, *vid.* **ἐκεῖ.**

κἀκεῖθεν, *vid.* **ἐκεῖθεν.**

κἀκεῖνος, *vid.* **ἐκεῖνος.**

κακηγορεῖν.
IV Ma. 9. 14. **S R** κατὰ πᾶν μέλος κλώμενος ἐκακηγόρει [**A** κατηγόρει]

κακία. (1) אֱוִלֶת (2) אָוֶן (3) *a.* דֶּרֶךְ *b.* דֶּרֶךְ רָעָה (4) חַטָּאת (5) כְּזָב (6) מִשְׁגֶּה (7) עָוֹן (8) עָנָה pi. (9) עָנִי (10) עֲרָוָה (11) *a.* רָעַע hi. *b.* רַע *c.* רֹעַ *d.* רָעָה

Ge. 6. 5. ἐπληθύνθησαν αἱ κ. τῶν ἀνθρώπων (11 *d*)
31. 52. μηδὲ σὺ διαβῇς . . . ἐπὶ κακίᾳ (11 *d*)
Ex. 22. 23 (22). ἐὰν δὲ κακίᾳ κακώσητε αὐτούς (8)
23. 2. οὐκ ἔσῃ μετὰ πλειόνων ἐπὶ [**B**1 ἐν] κακίᾳ (11 *d*)
32. 12. ἵλεως γενοῦ ἐπὶ τῇ κ. τοῦ λαοῦ σου (11 *d*)
— 14. **A** ἱλάσθη κύριος περὶ τῆς κ. [**B** *om.* π. τ. κ.] (11 *d*)
De. 31. 18. διὰ πάσας τὰς κ. ἃς ἐποίησαν (11 *d*)
Jd. 9. 56. **A** ἀπέστρεψεν . . . τὴν κ. Ἀβ. [**B** *al.*] (11 *d*)
— 57. **A** πᾶσαν κ. ἀνδρῶν Συκ. [**B** *al.*] (11 *d*)
16. 18. **A** ἀνήγγειλέν μοι πᾶσαν τὴν κ. αὐ. [**B** *al.*] †
20. 3. **A** ποῦ ἐγένετο ἡ κ. [**B** πονηρία] αὕτη (11 *d*)
— 12. **A** τίς ἡ κ. [**B** πονηρία] αὕτη (11 *d*)
— 13. **A** ἐξαροῦμεν κακίαν ἐξ Ἰσραήλ [**B** *al.*] (11 *d*)
— 34. φθάνει ἐπ' αὐτοὺς ἡ κ. [**A** *al.*] (11 *d*)
— 41. **A** ἦρται αὐτοῦ ἡ κ. [**B** *al.*] (11 *d*)
I Ki. 6. 9. πεποίηκεν ἡμῖν τὴν κ. τὴν μεγ. τ. (11 *d*)
I Ki. 12. 17. ἡ κ. ὑμῶν μεγάλη (11 *d*)
— 19. **B** ὅτι προστεθείκαμεν . . . κακίαν (11 *d*)
— 20. **B** ὑμεῖς πεποιήκατε τὴν πᾶσαν κ. ταύτην (11 *d*)
— 25. **B** ἐὰν κακίᾳ κακοποιήσητε (11 *a*)
17. 28. **A** ἐγὼ οἶδα . . . τὴν κ. τῆς καρδίας σου (11 *c*)
20. 7. συντετέλεσται ἡ κ. παρ' αὐτοῦ (11 *d*)
— 9. συντετέλεσται ἡ κ. παρὰ τοῦ πατρός μου (11 *d*)
— 33. συντετέλεσται ἡ κ. αὐτῆ παρὰ τοῦ πατρὸς αὐτοῦ †
23. 9. οὐ παρασιωπᾷ **Σ.** περὶ αὐτοῦ τὴν κ. (11 *d*)
24. 12. οὐκ ἔστι κακία ἐν τῇ χειρί μου (11 *d*)
25. 17. συντετέλεσται ἡ κ. εἰς τὸν κύριον ἡμῶν (11 *d*)
— 28. κακία οὐχ εὑρεθήσεται ἐν σοὶ πώποτε (11 *d*)
— 39. τὴν κ. Νάβαλ ἀπέστρεψε κύριος (11 *d*)
29. 6. οὐχ εὕρηκα κατὰ σοῦ [**A** ἐν σοὶ] κακίαν (11 *d*)
— 7. οὐ μὴ ποιήσεις κακίαν (11 *b*)
II Ki. 3. 25. σὺκ οἶδας τὴν κ. Ἀβ. –
— 39. ἀποδῷ [**A** ἀνταποδοῖ] κύριος . . . κατὰ τὴν κ. αὐτοῦ (11 *d*)
13. 15. **B** μείζων ἡ κ. ἡ ἐσχάτη –
— 16. περὶ τῆς κ. τῆς μεγάλης ταύτης (11 *d*)
15. 14. καὶ ἐξώσῃ ἐφ' ἡμᾶς τὴν κ. (11 *d*)
16. 8. καὶ ἰδοὺ σὺ ἐν τῇ κ. σου (11 *d*)
24. 16. παρεκλήθη κύριος ἐπὶ [**A** ἐν] τῇ κ. (11 *d*)
III Ki. 1. 52. ἐὰν κακία εὑρεθῇ ἐν αὐτῷ (11 *d*)
3. 1 (2. 44). οἶδας [**A** ἔγνως] πᾶσαν τὴν κ. σου (11 *d*)
— 1 (2. 44). ἀνταπέδωκε κύριος τὴν κ. σου (11 *d*)
9. 9. ἐπήγαγε . . . τὴν [**A** σύμπασαν τ.] κ. ταύτην (11 *d*)
11. 25. **A** αὕτη ἡ κ. Ἀδέρ [**B** ἣν ἐποίησεν Α.] (11 *d*)
13. 33. οὐκ ἐπέστρεψεν Ἱερ. ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ (3 *b*)
14. 10. **A** ἐγὼ ἄγω κακίαν πρὸς σέ (11 *d*)
16. 7. ἐλάλησε . . . πᾶσαν [**A** *om.*] τὴν κ. (11 *d*)
20 (21). 29. οὐκ ἐπάξω τὴν κ. ἐν ταῖς ἡμ. αὐ. (11 *d*)
— 29. ἐπάξω τὴν κ. (11 *d*)
21 (20). 7. κακίαν οὗτος ζητεῖ (11 *d*)
IV Ki. 6. 33. αὕτη ἡ κ. παρὰ κυρίου (11 *d*)
14. 10. ἵνα τί ἐρίζεις ἐν τῇ κ. σου [**A** *al.*] (11 *d*)
I Ch. 21. 8. περίελε δὴ τὴν κ. παιδός σου (7)
— 15. μετεμελήθη ἐπὶ τῇ κ. (11 *d*)
II Ch. 7. 22. ἐπήγαγεν . . . πᾶσαν τὴν κ. τ. (11 *d*)
25. 19. ἵνα τί συμβάλλεις ἐν κακίᾳ (11 *d*)
I Es. 2. 29. καὶ μὴ προβῇ ἐπὶ πλεῖον τὰ τῆς κ.
Ne. 9. 9. **S**2 εἶδες τὴν κ. [**A B S**1 ταπείνωσιν] τῶν πατέρων (9)
Ju. 2. 2. συντετέλεσε πᾶσαν τὴν κ. τῆς γῆς
Es. 8. 3. ἀφελεῖν τὴν Ἀμὰν κ. (11 *d*)
Jb. 4. 6. ἡ ἐλπίς σου καὶ ἡ κ. τῆς ὁδοῦ σου †
17. 5. **A B S**2 τῇ μερίδι ἀναγγελεῖ κακίας †
20. 12. ἐὰν γλυκανθῇ ἐν στόματι αὐτοῦ κακία [**A** *al.*] (11 *d*)
22. 5. πότερον οὐχ ἡ κ. σου ἐστὶ πολλή (11 *d*)
27. 5. **S** οὐ γὰρ ἀπαλλάξω μου τὴν κ. [**A B** ἀκακ.] †
Ps. 35 (36). 4. τῇ δὲ κ. [**A S**2 κακίᾳ δὲ] οὐ προσώχθισε (11 *b*)
49 (50). 19. τὸ στόμα σου ἐπλεόνασε κακίαν (11 *d*)
51 (52). 1. τί ἐγκαυχᾷ ἐν κακίᾳ ὁ δυνατὸς ἀνομίαν (11 *d*)
— 3. ἠγάπησας κακίαν ὑπὲρ ἀγαθωσύνην (11 *b*)
106 (107). 34. ἀπὸ κακίας τῶν κατοικούντων ἐν αὐτῇ (11 *d*)
Pr. 1. 16. **A S**2 οἱ γὰρ πόδες αὐτῶν εἰς κακίαν τρέχουσιν (11 *b*)
13. 16. ὁ δὲ ἄφρων ἐξεπέτασεν ἑαυτοῦ κακίαν (1)
14. 18. μεριοῦνται ἄφρονες κακίαν (1)
— 32. ἐν κακίᾳ αὐτοῦ ἀπωσθήσεται ἀσεβής (11 *d*)
16. 30. οὗτος κάμινός ἐστι κακίας [**A** κακῶν] (11 *d*)
19. 7. ὁ πολλὰ κακοποιῶν τελεσιουργεῖ κακίαν –
— 9. ὃς δ' ἂν ἐκκαύσῃ κακίαν (5)
26. 11. οὕτως ἄφρων τῇ ἑαυτοῦ κ. ἀναστρέψας ἐπὶ τὴν ἑαυτοῦ ἁμαρτίαν (4 ?)
Ec. 5. 12. πλοῦτον φυλασσόμενον τῷ παρ' αὐτοῦ εἰς κακίαν αὐτῷ [**A S** -οῦ] (11 *d*)
7. 4 (3). **A S R** ἐν κακίᾳ προσώπου ἀγαθυνθήσεται καρδία [**B** *om.*] (11 *c*)
— 15 (14). ἴδε ἐν ἡμέρᾳ κακίας (11 *b*)
— 16 (15). ἔστιν ἀσεβὴς μένων ἐν κακίᾳ αὐτοῦ (11 *d*)
12. 1. ἕως ὅτου μὴ ἔλθωσιν αἱ ἡμέραι τῆς κ. (11 *d*)
Wi. 2. 22. ἀπετύφλωσε [**S** ἐτ.] γὰρ αὐτοὺς ἡ κ. αὐτῶν
4. 11. ἡρπάγη μὴ κακία [**S** ἡ κ.] ἀλλάξῃ σύνεσιν
5. 13. ἐν δὲ τῇ κ. ἡμῶν κατεδαπανήθημεν
7. 30. σοφίας [**A** -ίαν, **S**1 -ία] δὲ οὐκ ἀντισχύει [**A S** οὐ κατισχ.] κακία
12. 2. ἀπαλλαγέντες τῆς κ.
— 10. ἔμφυτος ἡ κ. αὐτῶν
Wi. 12. 20. δι' ὧν ἀπαλλαγῶσι τῆς κ.
16. 14. ἄνθρωπος δὲ ἀποκτέννει μὲν τῇ κ. αὐτοῦ
Si. 14. 6. τοῦτο ἀνταπόδομα τῆς κ. αὐτοῦ
— 7. ἐπ' ἐσχάτων ἐκφαίνει τὴν κ. αὐτοῦ
19. 6. ὁ μισῶν λαλιὰν ἐλαττονοῦται [**S** -αττοῦται] κακίᾳ [**A** καρδίᾳ]
25. 19. μικρὰ πᾶσα κακία πρὸς κακίαν γυναικός
30. 37 (33. 27). πολλὴν γὰρ κακίαν ἐδίδαξεν ἡ ἀργία
Ho. 7. 1. ἀποκαλυφθήσεται . . . ἡ κ. **Σ.** (11 *d*)
— 2. πάσας τὰς κ. αὐτῶν ἐμνήσθην (11 *d*)
— 3. ἐν ταῖς κ. αὐτῶν εὐφραναν βασιλεῖς (11 *d*)
9. 15. πᾶσαι αἱ κ. αὐτῶν ἐν [**A** εἰς] Γ. (11 *d*)
— 15. διὰ τὰς κ. τῶν ἐπιτηδευμ. (11 *c*)
10. 15. ἀπὸ προσώπου ἀδικίας [**A** *om.*] κακιῶν ὑ. (11 *d*)
Am. 3. 6. εἰ ἔσται κακία ἐν πόλει (11 *d*)
Jl. 2. 13. πολυέλεος καὶ μετανοῶν ἐπὶ ταῖς κ. (11 *d*)
Jn. 1. 2. ἀνέβη ἡ κραυγὴ τῆς κ. αὐτῆς πρὸς μέ (11 *d*)
— 7. τίνος ἕνεκεν ἡ κ. αὕτη ἐστὶν ἐν ἡμῖν (11 *d*)
— 8. **A** τίνος ἕνεκεν ἡ κ. αὕτη ἐστὶν ἐν ἡμῖν (11 *d*)
3. 10. μετενοήσεν ὁ θ. ἐπὶ τῇ κακίᾳ [**A** τὰ κακά] (11 *d*)
4. 2. καὶ πολυέλεος καὶ μετανοῶν ἐπὶ ταῖς κ. (11 *d*)
Na. 3. 19. ἐπὶ τίνα οὐκ ἐπῆλθεν ἡ κακία σου διὰ παντός (11 *d*)
Za. 7. 10. κακίαν ἕκαστος τοῦ ἀδ. αὐ. μὴ μνησικακείτω (11 *d*)
8. 17. ἕκαστος τὴν κ. τοῦ πλησίον αὐ. μὴ λογίζεσθε (11 *d*)
Is. 29. 20. ἐξωλεθρεύθησαν οἱ ἀνομοῦντες ἐπὶ κακίᾳ (2)
Je. 1. 16. λαλήσω πρὸς αὐτοὺς μετὰ κρίσεως περὶ πάσης τῆς κ. αὐτῶν (11 *d*)
2. 19. ἡ κ. σου ἐλέγξει σε (6)
3. 2. **B S** καὶ ἐν ταῖς κ. σου (11 *d*)
4. 14. ἀπόπλυνε ἀπὸ κακίας τὴν καρδίαν σου (11 *d*)
— 18. αὕτη ἡ κ. σου ὅτι πικρά (11 *d*)
6. 7. οὕτω ψύχει κακία αὐτῆς (11 *d*)
7. 12. ἀπὸ προσώπου κακίας λαοῦ μου Ἰσραήλ (11 *d*)
8. 6. οὐκ ἔστιν ἄνθρ. μετανοῶν ἀπὸ τῆς κ. αὐ. (11 *d*)
11. 15. ἀφελοῦσιν ἀπὸ σοῦ τὰς κ. σου (11 *d*)
— 17. ἐλάλησεν ἐπὶ σὲ κακὰ ἀντὶ τῆς κ. οἴκου Ἰσραήλ (11 *d*)
12. 4. ξηρανθήσεται ἀπὸ κακίας τῶν κατοικούντων ἐν αὐτῇ [**A** κ. αὐτῶν] (11 *d*)
13. 22. **A** διὰ τὸ πλῆθος τῆς κ. [**B S** ἀδικίας] σου (7)
15. 7. ἀπώλεσαν τὸν λαόν μου διὰ τὰς κ. αὐ. [**S** *al.*] (3 *a*)
— 13. **A** διὰ πάσας τὰς κ. [**B S** ἁμαρτίας] σου (4)
16. 18. διὰ πάσας τὰς κ. αὐτῶν [**A S** *al.*] (7)
28 (51). 24. ἀνταποδώσω τῇ Βαβ. . . . πάσας τὰς κ. [**A** ἀδικίας] αὐ. (11 *d*)
La. 1. 22. εἰσέλθοι πᾶσα ἡ κ. αὐτῶν κατὰ πρόσωπόν σου (11 *d*)
Ez. 6. 9. **A** κόψονται τὰ πρόσωπα αὐτῶν περὶ τῶν κ. [**B** *om.* π. τ. κ.] (11 *d*)
16. 23. ἐγένετο μετὰ πάσας τὰς κ. σου (11 *d*)
— 37. ἀποκαλύψω τὰς κ. σου πρὸς αὐτούς (10)
— 57. πρὸ τοῦ ἀποκαλυφθῆναι τὰς κ. σου (11 *d*)
20. 43. κόψεσθε [**A**2 ὄψεσθαι] τὰ πρόσωπα ὑμῶν ἐν πάσαις ταῖς κ. ὑμῶν (11 *d*)
22. 12. συντελέσω συντέλειαν κακίας σου †
Da. TH. 9. 14. **A** ἐγρηγόρησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἐπὶ τὴν κ. [**B** *om.* ὁ θ. ἡ. ἐ. τ. κ.] (11 *d*)
I Ma. 5. 4. ἐμνήσθη τῆς κ. υἱῶν Βαιάν
7. 23. εἶδεν Ἰούδας πᾶσαν τὴν κ.
— 42. κρίνον αὐτὸν κατὰ τὴν κ. αὐτοῦ
9. 61. τῶν ἀνδρῶν τῆς χώρας τῶν ἀρχηγῶν τῆς κ.
10. 46. **A R** ἐπεμνήσθησαν [**S** ἐμν.] τῆς κ. τῆς μεγ.
II Ma. 4. 4. συναύξοντα τὴν κ. τοῦ Σίμωνος
— 47. τὸν μὲν τῆς ὅλης κ. αἴτιον
— 50. ἐπιφυόμενος τῇ κ.
6. 3. δυσχερὴς ἡ ἐπίστασις τῆς κ.
7. 31. σὺ δὲ πάσης κ. εὑρετὴς γενόμενος
9. 4. **R** τὴν [**A** *om.*] τῶν πεφυγαδευκότων αὐτὸν κ.
III Ma. 2. 5. **R** διαδήλους [**A** ἀδ.] ταῖς κ. γενομένους
— 25. τὰ τῆς κ. ἐπαύξων
IV Ma. 2. 11. **S** διὰ κακίαν αὐτοὺς [**A** -ὼν, **R** -ὰ] κολάζων

[**Aq.** Ge. 39. 9 : 50. 17 : I Ki. 24. 10 : III Ki. 14. 10 : Ps. 27 (28). 3 : 37 (38). 13 : 39 (40). 15 : 70 (71). 24 : 90 (91). 10 : 140 (141). 5 : Pr. 6. 18 : 11. 19 : 22. 3 : Is. 57. 1 : Je. 17. 16 : 26 (33). 3 : 41 (48). 11 : 51 (28). 24 : Ho. 7. 2 : Na. 1. 11 : Za. 8. 17.]

[Sm. I Ki. 24. 10 : Jb. 17. 5 : 42. 11 : Ps. 140 (141). 5 : Pr. 6. 18 : 11. 19 : 26. 26 : Is. 57. 1 : Je. 9. 3 (2) *bis* : 17. 16 : 51 (28). 24 : Za. 8. 17.]
[Th. I Ki. 24. 10 : Jb. 17. 5 : Pr. 6. 18 : 11. 19 : 22. 3 : Is. 57. 1 : Ez. 7. 5 *bis* : Da. 9. 14† : Za. 8. 17.]
[Al. Ps. 48 (44). 25.]

κακίζεσθαι.

IV Ma. 12. 2. *καίπερ δεινῶς ὑπὸ τῶν ἀδελφῶν αὐτοῦ κακισθείς*
[Aq. Ex. 21. 8.]

κακοβουλία.

[Quint. Ps. 138 (139). 20.]

κακογνωμοσύνη.

[Th. Ps. 25 (26). 10.]

κακογνωμονεῖν.

[Quint. Ps. 30 (31). 14.]

κακογνώμων.

[Sm. I Ki. 25. 3.]

κακοήθεια.

Es. 8. 13. *τῷ τῆς κ. ψευδεῖ παραλογισμῷ* [A S *al.*]
III Ma. 3. 22. *τῇ συμφύτῳ κ. τὸ καλὸν ἀπωσάμενοι*
7. 3. A *κατὰ κακοήθειαν πυκνότερον ἡμῖν παρακείμενοι* [R *al.*]
IV Ma. 1. 4. *τῶν . . . παθῶν κυριεύειν ἀναφαίνεται οἷον κακοηθείας*
3. 4. *κακοήθειάν τις ὑμῶν οὐ δύναται ἐκκόψαι*
— 4. *τὸ μὴ καμφθῆναι τῇ κ.*

κακοήθης.

IV Ma. 1. 25. A R *ἐν δὲ τῇ ἡδονῇ ἐστι* [S *ἔνεστιν*] *καὶ ἡ κ. διάθεσις*
2. 16. A R *πάντα γὰρ ταῦτα τὰ* [S *om.*] *κ. πάθη*

κακοηθίζεσθαι.

[Aq. Pr. 26. 18.]

κακολογεῖν. (1) קָלַל *a.* pi. *b.* hi.

Ex. 21. 16 (17). *ὁ κακολογῶν πατέρα αὐτοῦ* (1 *a*)
22. 28 (27). *θεοὺς οὐ κακολογήσεις* (1 *a*)
I Ki. 3. 13. *κακολογοῦντες θεὸν υἱοὶ αὐτοῦ* (1 *a*)
Pr. 20. 20. *κακολογοῦντος πατέρα ἢ μητέρα σβεσθήσεται λαμπτήρ* (1 *a*)
Ez. 22. 7. *πατέρα καὶ μητέρα ἐκακολόγουν ἐν σοί* (1 *b*)
II Ma. 4. 1. *ὁ δὲ προειρημένος* Σ. . . . *ἐκακολόγει τὸν* Ὀ.

κακόμοχθος.

Wi. 15. 8. *κακόμοχθος θεὸν μάταιον ἐκ τοῦ αὐτοῦ πλάσσει πηλοῦ*

κακοπάθεια. (1) תְּלָאָה

Ma. 1. 13. *ταῦτα ἐκ κακοπαθείας ἐστί* (1)
II Ma. 2. 26. *τοῖς τὴν κ. ἐπιδεδεγμένοις τῆς ἐπιτομῆς*
— 27. *ἡδέως τὴν κ. ὑποίσομεν*
IV Ma. 9. 8. *διὰ τῆσδε τῆς κ. καὶ ὑπομονῆς*
[Sm. Ge. 3. 18 (17) : Ps. 11 (12). 6 : 15 (16). 4.]

κακοπαθεῖν. (1) עָמַל

Jn. 4. 10. *ὑπὲρ ἧς οὐκ ἐκακοπάθησας ἐπ' αὐτὴν* [A S *al.*] (1)
[Sm. Ps. 126 (127). 2.]

κακοποιεῖν. (1) נָזַק aph. (2) עָוָה hi. (3) *a.* רָעַע hi. *b.* עָשָׂה רַע *c.* רָעָה *d.* רוּעַ ni.

Ge. 31. 7. *κακοποιῆσαί με* (3 *a*)
— 29. *κακοποιῆσαί σε* (3 *b*)
43. 6. R *τί ἐκακοποιήσατέ με* [A *μοι*] (3 *a*)
Le. 5. 4. *ἡ διαστέλλουσα τοῖς χείλεσι κακοποιῆσαι* (3 *a*)
Nu. 35. 23. *οὐδὲ ζητῶν κακοποιῆσαι αὐτόν* (3 *c*)
Jd. 19. 23. *μὴ κακοποιήσητε* [A *πονηρεύσησθε*] *δή* (3 *a*)
I Ki. 12. 25. B *ἐὰν κακίᾳ κακοποιήσητε* (3 *a*)
25. 34. *ὃς ἀπεκώλυσέ με . . . τοῦ κακοποιῆσαί σε* (3 *a*)
26. 21. *οὐ κακοποιήσω σε* [A *σε ἔτι*] (3 *a*)
II Ki. 20. 6. *νῦν κακοποιήσει ἡμᾶς* Σ. (3 *a*)
24. 17. A *καὶ ἐγὼ ὁ ποιμὴν ἐκακοποίησα* [B *al.*] (2)
III Ki. 16. 33. *ἐκακοποίησεν* [A *om.*] *ὑπὲρ πάντας τοὺς βασ.* –
I Ch. 21. 17. *κακοποιῶν ἐκακοποίησα* (3 *a*, 3 *a*)
I Es. 6. 33. *ἢ κακοποιῆσαι τὸν οἶκον κυρίου*
II Es. 4. 13. *καὶ τοῦτο βασιλεῖς κακοποιεῖ* (1)
— 15. *καὶ κακοποιοῦσα βασιλεῖς* (1)
Es. 1. 1. *ἐζήτησε κακοποιῆσαι τὸν Μαρδ.*
8. 13. *τοὺς ὑποτεταγμένους . . . κακοποιεῖν*
Pr. 4. 16. *οὐ γὰρ μὴ ὑπνώσωσιν ἐὰν μὴ κακοποιήσωσιν* (3 *a*)
6. 18. *πόδες ἐπισπεύδοντες κακοποιεῖν* (3 *c*)
11. 15. *πονηρὸς κακοποιεῖ ὅταν συμμίξῃ δικαίῳ* (3 *d*)
19. 7. *ὁ πολλὰ κακοποιῶν τελεσιουργεῖ κακίαν* –
Si. 19. 28. *ἐὰν εὕρῃ καιρὸν κακοποιήσει* [A² *κ. σε*]
Is. 11. 9. *οὐ μὴ κακοποιήσουσιν* [A *-σωσιν*] (3 *a*)
Je. 4. 22. *σοφοί εἰσι τοῦ κακοποιῆσαι* (3 *a*)
10. 5. *οὐ μὴ* [A *om.*] *κακοποιήσωσι* [AS *-σουσιν*] (3 *a*)
I Ma. 5. 48. *οὐδεὶς κακοποιήσει ὑμᾶς*
[Aq. Je. 7. 26.]
[Sm. Ps. 88 (89). 24 : Je. 7. 26.]

κακοποίησις. (1) נָזַק aph.

II Es. 4. 22. *εἰς κακοποίησιν βασιλεῦσι* (1)
III Ma. 3. 2. *ἀνθρώποις συμφρονοῦσιν εἰς κακοποίησιν*

κακοποιός. (1) γυνὴ κ. בּוּשׁ hi. (2) רָעַע hi.

Pr. 12. 4. *οὕτως ἄνδρα ἀπόλλυσι γυνὴ κακοποιός* (1)
24. 19. *μὴ ζηλοῦ ἐπὶ κακοποιοῖς* [S¹ *κακότητι*] (2)

κακοπραγία (-εια).

Wi. 5. 23. *ἡ κ. περιτρέψει θρόνους δυναστῶν*

κακός. (1) אָוֶלֶת (2) אָוֶן (3) אֱוִיל (4) זִמָּה (5) לוּץ (6) מָרוֹן (7) מַעֲשֶׂה (8) מַצָּה (9) מְרִירָה (10) עָמָל (11) *a.* צַר *b.* צָרָה (12) רִיב (13) *a.* רָעַע hi. *b.* רַע *c.* רָעָה (14) רֶשַׁע (15) שׁוֹד (16) עַוְלָה (17) ὁδὸς κ. רַע (18) κ. ὁδοιπόρος הָלַךְ pi. (19) κ. ἀποβαίνειν לוּץ

Ge. 19. 19. R *μή ποτε* [A *om.*] *καταλάβῃ με τὰ κ.* (13 *c*)
24. 50. R *ἀντειπεῖν κακὸν ἢ καλόν* [A *κακὸν καλῷ*] (13 *b*)
26. 29. A¹R *μὴ ποιῆσαι* [A *-ήσειν*] *μεθ' ἡμῶν κακόν* [A² *-κά*] (13 *c*)
44. 34. *ἵνα μὴ ἴδω τὰ κ.* (13 *b*)
48. 16. *ὁ ἄγγελος ὁ ῥύομένος με ἐκ πάντων τῶν κ.* (13 *b*)
50. 15. *μή ποτε . . . ἀνταποδῷ ἡμῖν πάντα τὰ κ.* (13 *c*)
Ex. 5. 19. *ἑώρων δὲ οἱ γραμματεῖς . . . ἑαυτοὺς ἐν κακοῖς* (13 *b*)
Le. 25. 36. A *οὐ λήψῃ παρ' αὐτοῦ τὸ κ.* [B *τόκον*] †
Nu. 14. 23. *ὅσοι οὐκ οἴδασιν ἀγαθὸν οὐδὲ* [A ⟋ *ἢ*] *κακόν* –
32. 11. *οἱ ἐπιστάμενοι τὸ ἀγαθὸν καὶ τὸ κ.* –
— 23. *ὅταν ὑμᾶς καταλάβῃ τὰ κ.* –
De. 1. 39. *ὅστις οὐκ οἶδε σήμερον ἀγαθὸν ἢ κακόν* (13 *b*)
29. 21 (20). *διαστελεῖ αὐτὸν κύριος εἰς κακά* (13 *c*)
30. 15. *δέδωκα . . . τὸ ἀγαθὸν καὶ τὸ κ.* (13 *b*)
31. 17. *εὑρήσουσιν αὐτὸν κ. πολλά* (13 *c*)
— 17. *εὕροσάν με τὰ κ. ταῦτα* (13 *c*)
— 21. A *ὅταν εὕρωσιν αὐτὸν κ. πολλά* (13 *c*)
— 29. *τὰ κ. ἔσχατον τῶν ἡμερῶν* (13 *c*)
32. 23. *συνάξω εἰς αὐτοὺς κακά* (13 *c*)
Jo. 23. 15. *πάντα τὰ ῥήματα τὰ καλὰ* [A¹ *κακά*] †
Jd. 2. 15. *ἦν ἐπ' αὐτοὺς* [A *ἦν αὐτοῖς*] *εἰς κακά* (13 *c*)
6. 13. *εἰς τί εὗρεν ἡμᾶς τὰ κ. ταῦτα* [A *al.*] –
15. 3. A *ἐγὼ ποιῶ μεθ' ὑμῶν κακά* [B *al.*] (13 *c*)
I Ki. 10. 19. *σωτὴρ ἐκ πάντων τῶν κ. ὑμῶν* (13 *c*)
20. 13. *ἀνοίσω τὰ κ. ἐπὶ σέ* (13 *c*)
24. 18. *ἐγὼ δὲ ἀνταπέδωκά σοι κακά* (13 *c*)
25. 26. *οἱ ζητοῦντες τῷ κυρίῳ μου κακά* (13 *c*)
— 39. *τὸν δοῦλον αὐτοῦ περιεποιήσατο ἐκ χειρὸς κακῶν* (13 *c*)
II Ki. 12. 11. *ἐξεγείρω ἐπὶ σὲ κακά* (13 *c*)
— 18. *καὶ ποιήσει κακά* (13 *c*)
17. 14. *ὅπως ἂν ἐπαγάγῃ κύριος . . . τὰ κ. πάντα* (13 *c*)
18. 32. *ὅσοι ἐπανέστησαν ἐπ' αὐτὸν εἰς κακά* (13 *c*)
II Ki. 19. 7 (8). *κακὸν σοι τοῦτο ὑπὲρ πᾶν τὸ κ. τὸ ἐπελθόν σοι* (13 *c*, 13 *c*)
— 35 (36). *ἀνὰ μέσον ἀγαθοῦ καὶ κακοῦ* (13 *b*)
III Ki. 3. 9. *ἀνὰ μέσον ἀγαθοῦ καὶ κακοῦ* (13 *b*)
20 (21). 21. *ἐπάγω ἐπὶ σὲ κακά* (13 *c*)
22. 8. *οὐ λαλεῖ περὶ ἐμοῦ καλὰ ἀλλ' ἢ κακά* (13 *b*)
— 18. *οὐ προφητεύει οὗτός μοι καλὰ διότι ἀλλ' ἢ κακά* (13 *b*)
— 23. *κύριος ἐλάλησεν ἐπὶ σὲ κακά* (13 *c*)
IV Ki. 8. 12. *ὅσα ποιήσεις τοῖς υἱοῖς* Ἰσρ. *κακά* [A *om.*] (13 *c*)
21. 12. *φέρω κακὰ ἐπὶ* Ἰερ. (13 *c*)
22. 16. *ἐπάγω κακὰ ἐπὶ τὸν τόπον τοῦτον* (13 *c*)
— 20. *ἐν πᾶσι τοῖς κ. οἷς ἐγὼ εἰμι ἐπάγω* (13 *c*)
I Ch. 7. 23. *ἐν κακοῖς ἐγένετο ἐν οἴκῳ μου* (13 *c*)
II Ch. 18. 7. *πᾶσαι αἱ ἡμέραι αὐτοῦ εἰς κακά* (13 *c*)
— 17. *οὐ προφητεύει περὶ ἐμοῦ ἀγαθὰ ἀλλ' ἢ κακά* (13 *b*)
— 22. *κύριος ἐλάλησεν ἐπὶ σὲ κακά* (13 *c*)
20. 9. *ἐὰν ἐπέλθῃ ἐφ' ἡμᾶς κακά* (13 *c*)
34. 24. *ἐπάγω κακὰ ἐπὶ τὸν τόπον τοῦτον* (13 *c*)
— 28. *οὐκ ὄψονται . . . ἐν πᾶσι τοῖς κ.* (13 *c*)
Ne. 13. 18. *ἤνεγκεν . . . ἐφ' ἡμᾶς πάντα τὰ κ. ταῦτα* (13 *c*)
To. 3. 10. S *ἀπήγξατο ἀπὸ τῶν κ.*
7. 7. S *ὦ ταλαιπώρων κακῶν*
8. 14. S *καὶ οὐδὲν κ. ἐστιν*
12. 7. B S *κακὸν οὐχ εὑρήσει ὑμᾶς*
Es. 1. 1. *φοβούμενοι τὰ ἑαυτῶν κ.*
3. 13. *τὰ* [S¹ *om.*] *χείριστα συντελοῦν κ.*
7. 7. *ἑώρα γὰρ ἑαυτὸν ἐν κακοῖς ὄντα* (13 *c*)
9. 25. *ὅσα δὲ ἐπεχείρησεν ἐπάξαι . . . κ.* (13 *c*)
10. 3. *ἐρρύσατο κύριος ἡμᾶς ἐκ πάντων τῶν κ. τ.*
Jb. 1. 5. *μή ποτε οἱ υἱοί μου . . . κακὰ ἐνενόησαν πρὸς θεόν* †
2. 3. *ἄνθρωπος . . . ἀπεχόμενος ἀπὸ παντὸς κακοῦ* (13 *b*)
— 10. *τὰ κ. οὐχ ὑποίσομεν* (13 *b*)
— 11. *ἀκούσαντες δὲ . . . τὰ κ. πάντα τὰ ἐπελθόντα αὐτῷ* (13 *c*)
4. 12. *οὐθὲν ἄν σοι τούτων κακὸν ἀπήντησε* [A *al.*] †
5. 5. *αὐτοὶ δὲ ἐκ κακῶν οὐκ ἐξαίρετοι ἔσονται* [A *οὐκ ἐξαιρεθήσονται*] †
— 19. *ἐν δὲ τῷ ἑβδόμῳ οὐ μὴ ἅψηταί σου κακόν* (13 *b*)
— 21. *οὐ μὴ φοβηθῇς ἀπὸ κακῶν ἐρχομένων* [S *ἐπερχ.*] (15)
6. 23. A *ὥστε σῶσαί με ἐκ χειρὸς κακῶν* [B.S *ἐξ ἐχθρῶν*] (11 *a*)
13. 4. *ὑμεῖς δέ ἐστε . . . ἰαταὶ κακῶν πάντες* (3)
— 26. *κατέγραψας κατ' ἐμοῦ κακά* (9)
16. 2. *παρακλήτορες κακῶν πάντες* (10)
22. 23. *πόρρω ἐποίησας . . . ἄδικον* [A S⁴ *τὸ ἄ.*, S¹ *κακόν*] (16)
27. 15. A *οἱ δὲ περιόντες αὐτῶν κακῷ θανάτῳ τελευτήσουσιν* [B S *al.*] –
28. 28. *τὸ δὲ ἀπέχεσθαι ἀπὸ κακῶν ἐστιν ἐπιστήμη* (13 *b*)
30. 26. *συνήντησάν μοι μᾶλλον ἡμέραι κακῶν* (13 *b* ?)
Ps. 7. 4. *εἰ ἀνταπέδωκα τοῖς ἀνταποδιδοῦσί μοι κακά* (13 *b*)
9. 27 (10. 6). *οὐ μὴ σαλευθῶ ἀπὸ γενεᾶς εἰς γενεὰν ἄνευ κακοῦ* (13 *b*)
11 (12). 2. A S² *ἐν καρδίᾳ ἐλάλησαν κακά* [B S¹ *om.*] –
14 (15). 3. *οὐδὲ ἐποίησε τῷ πλησίον αὐτοῦ κακόν* [S¹ *om.*] (13 *c*)
20 (21). 11. *ἔκλιναν εἰς σὲ κακά* (13 *c*)
22 (23). 4. *οὐ φοβηθήσομαι κακά* (13 *b*)
26 (27). 5. *ἔκρυψέ με . . . ἐν ἡμέρᾳ κακῶν μου* (13 *c*)
27 (28). 3. *κακὰ δὲ ἐν ταῖς καρδίαις αὐτῶν* (13 *c*)
33 (34). 13. *παῦσον τὴν γλῶσσάν σου ἀπὸ κακοῦ* (13 *b*)
— 14. *ἔκκλινον ἀπὸ κακοῦ* (13 *b*)
— 16. *πρόσωπον δὲ κυρίου ἐπὶ ποιοῦντας κακά* (13 *b*)
34 (35). 4. *οἱ λογιζόμενοί μοι κακά* (13 *c*)
— 26. *οἱ ἐπιχαίροντες τοῖς κ. μου* (13 *c*)
36 (37). 27. *ἔκκλινον ἀπὸ κακοῦ* (13 *b*)
37 (38). 12. *οἱ ζητοῦντες τὰ κ. μοι* (13 *c*)
— 20. *οἱ ἀνταποδιδόντες κακὰ* [A S² *μοι κακά*] *ἀντὶ ἀγαθῶν* (13 *c*)
39 (40). 12. *περιέσχον με κακά* (13 *c*)
— 14. *οἱ θέλοντές μοι κακά* (13 *c*)
40 (41). 5. *οἱ ἐχθροί μου εἶπαν κακά μοι* (13 *b*)
— 7. *ἐλογίζοντο κακά μοι* (13 *c*)
53 (54). 5. *ἀποστρέψει τὰ κ. τοῖς ἐχθροῖς μου* (13 *b*)

Ps. 55 (56). 5. κατ' ἐμοῦ πάντες οἱ διαλογισμοὶ αὐτῶν εἰς κακόν [S² κακά] (13 *b*)
69 (70). 2. οἱ βουλόμενοί μοι κακά (13 *c*)
70 (71). 13. οἱ ζητοῦντες τὰ κ. μοι (13 *c*)
— 20. B ἔδειξάς μοι θλίψεις πολλὰς καὶ κακά [S R -άς] (13 *c*)
— 24. οἱ ζητοῦντες τὰ κ. μοι (13 *c*)
72 (73). 18. ἔθου αὐτοῖς [S² *add.* κακά] –
87 (88). 3. ἐπλήσθη κακῶν ἡ ψυχή μου (13 *c*)
89 (90). 15. ἐτῶν ὧν εἴδομεν κακά (13 *c*)
90 (91). 10. οὐ προσελεύσεται πρὸς σὲ κακά (13 *c*)
106 (107). 26. ἡ ψυχὴ αὐτῶν ἐν κακοῖς ἐτήκετο (13 *c*)
— 39. ἐκακώθησαν ἀπὸ θλίψεως κακῶν (13 *c*)
108 (109). 5. ἔθεντο κατ' ἐμοῦ κακὰ ἀντὶ ἀγαθῶν (13 *c*)
120 (121). 7. φυλάξει σε ἀπὸ παντὸς κ. (13 *b*)
139 (140). 11. ἄνδρα ἄδικον κακὰ θηρεύσει εἰς καταφθοράν [A S διαφθ.] (13 *b*)
Pr. 1. 18. θησαυρίζουσιν ἑαυτοῖς κακὰ ἡ δὲ καταστροφὴ ἀνδρῶν παρανόμων κακή (†,†)
— 28. ζητήσουσί με κακοί –
— 33. ἡσυχάσει ἀφόβως ἀπὸ παντὸς κακοῦ (13 *c*)
2. 12. ἵνα ῥύσηταί σε ἀπὸ ὁδοῦ κακῆς (13 *b*)
— 14. οἱ εὐφραινόμενοι ἐπὶ κακοῖς καὶ χαίροντες ἐπὶ διαστροφῇ κακῇ (13 *b*, 13 *b*)
— 16. μή σε καταλάβῃ κακὴ βουλή †
3. 7. ἔκκλινε ἀπὸ παντὸς κακοῦ (13 *b*)
— 29. μὴ τεκτήνῃ ἐπὶ σὸν φίλον κακά (13 *c*)
— 30. μήτι σε [A S² εἰς σὲ] ἐργάσηται κακόν (13 *c*)
— 31. μὴ κτήσῃ κακῶν ἀνδρῶν ὀνείδη †
4. 27. ἀπόστρεψον δὲ σὸν πόδα ἀπὸ ὁδοῦ κακῆς (17)
5. 14. παρ' ὀλίγον ἐγενόμην ἐν παντὶ κ. [S¹ καιρῷ] (13 *b*)
6. 3. ἥκεις γὰρ εἰς χεῖρας κακῶν διὰ σὸν φίλον –
— 11. ἐμπαραγίνεταί σοι ὥσπερ κακὸς ὁδοιπόρος ἡ πενία (18)
— 11. ἡ δὲ ἔνδεια ὥσπερ κακὸς δρομεὺς ἀπαντομολήσει [A *al.*] †
— 14. τεκταίνεται [B² κατασκευάζει] κακὰ ἐν παντὶ καιρῷ (13 *b*)
— 18. καρδία τεκταινομένη λογισμοὺς κακούς (2)
8. 13. μεμίσηκα δὲ ἐγὼ διεστραμμένας ὁδοὺς κακῶν (13 *b*)
9. 7. ὁ παιδεύων κακοὺς λήψεται ἑαυτῷ ἀτιμίαν (5)
— 8. μὴ ἔλεγχε κακούς (5)
— 12. ἐὰν δὲ κακὸς ἀποβῇς [S¹ *om.*] μόνος ἂν ἀντλήσεις κακά (19 [5], –)
10. 23. ἐν γέλωτι ἄφρων πράσσει κακά (4)
— 29. συντριβὴ δὲ τοῖς ἐργαζομένοις κακά (2)
11. 27. ἐκζητοῦντα δὲ κακὰ καταλήψεται αὐτόν (13 *c*)
12. 12. ἐπιθυμίαι ἀσεβῶν κακαί (13 *b*)
— 20. δόλος ἐν καρδίᾳ τεκταινομένου κακά (13 *b*)
— 21. οἱ δὲ ἀσεβεῖς πλησθήσονται κακῶν (13 *b*)
— 26. A B S¹ ἁμαρτάνοντας δὲ καταδιώξεται κακά –
13. 10. κακὸς μεθ' ὕβρεως πράσσει κακά (†, 8)
— 12. A δένδρον γὰρ ζωῆς ἐπιθυμία κακή [B S *al.*] †
— 17. βασιλεὺς θρασὺς ἐμπεσεῖται εἰς κακά (13 *b*)
— 21. ἁμαρτάνοντας καταδιώξεται κακά (13 *c*)
14. 6. ζητήσεις σοφίαν παρὰ κακοῖς (5)
— 16. σοφὸς φοβηθεὶς ἐξέκλινεν ἀπὸ κακοῦ (13 *b*)
— 19. ὀλισθήσουσι κακοὶ ἔναντι ἀγαθῶν (13 *b*)
— 22. πλανώμενοι τεκταίνουσι κακά (13 *b*)
— 22. οὐκ ἐπίστανται ἔλεον καὶ πίστιν τέκτονες κακῶν –
— 24. ἡ δὲ διατριβὴ ἀφρόνων κακή (1)
— 25. ῥύσεται ἐκ κακῶν ψυχὴν μάρτυς πιστός –
15. 2. στόμα δὲ ἀφρόνων ἀναγγέλλει κακά (1)
— 3. σκοπεύουσι κακούς τε καὶ ἀγαθούς (13 *b*)
— 14. στόμα δὲ ἀπαιδεύτων [S¹ ἀσεβῶν] γνώσεται κακά (1)
— 15. πάντα τὸν χρόνον οἱ ὀφθαλμοὶ τῶν κ. προσδέχονται κακά (13 *b*, –)
— 23. οὐ μὴ ὑπακούσῃ ὁ κ. [S² ἄκακος] αὐτῇ †
— 27 (16. 6). τῷ δὲ φόβῳ κυρίου ἐκκλίνει πᾶς ἀπὸ κακοῦ (13 *b*)
— 28. στόμα δὲ ἀσεβῶν ἀποκρίνεται κακά (13 *c*)
16. 2 (4). οἱ δὲ ἀσεβεῖς ἐν ἡμέρᾳ κακῇ ὀλοῦνται (13 *c* ?)
— 5 (4). φυλάσσεται δὲ ὁ ἀσεβὴς εἰς ἡμέραν κακήν (13 *c* ?)
— 12. βδέλυγμα βασιλεῖ ὁ ποιῶν κακά (14)
— 17. τρίβοι ζωῆς ἐκκλίνουσιν [S -κινοῦσιν] ἀπὸ κακῶν (13 *b*)
— 22. παιδεία δὲ ἀφρόνων κακή (1)
— 27. ἀνὴρ ἄφρων ὀρύσσει ἑαυτῷ κακά (13 *c*)
Pr. 16. 28. ἀνὴρ σκολιὸς διαπέμπεται κακὰ καὶ λαμπτῆρα δόλου [S χόλου] πυρσεύσει κακοῖς (6, †)
— 30. ὁρίζει [A ὀργίζει] δὲ τοῖς χείλεσιν αὐτοῦ παντὰ τὰ κ. (13 *c*)
— 30. A οὗτος κάμινός ἐστι κακῶν [B S κακίας] –
17. 4. κακὸς ὑπακούει γλώσσης παρανόμων (13 *a*)
— 11. ἀντιλογίας ἐγείρει πᾶς κακός (13 *b*)
— 12. οἱ δὲ ἄφρονες διαλογιοῦνται κακά (1)
— 13. ὃς ἀποδίδωσι κακὰ ἀντὶ ἀγαθῶν οὐ κινηθήσεται κακὰ ἐκ τοῦ οἴκου [A εἰς τοὺς οἴκους] αὐτοῦ (13 *c*, 13 *c*)
— 16 (20). ὁ δὲ σκολιάζων τοῦ μαθεῖν ἐμπεσεῖται εἰς κακά (13 *c*)
— 20. ἀνὴρ εὐμετάβολος γλώσσῃ ἐμπεσεῖται εἰς κακά (13 *c*)
18. 3. ὅταν ἔλθῃ ἀσεβὴς εἰς βάθος κακῶν –
— 6. χείλη ἄφρονος ἄγουσιν αὐτὸν εἰς κακά (12)
19. 6. πᾶς δὲ ὁ [A B² S² *om.*] κ. γίνεται ὄνειδος [A ἄδικος] ἀνδρί †
— 27. μελετήσει ῥήσεις κακάς †
20. 30. ὑπώπια καὶ συντρίμματα συναντᾷ κακοῖς (13 *b*)
21. 12. φαυλίζει ἀσεβεῖς ἐν κακοῖς (13 *b*)
— 26. ἀσεβὴς ἐπιθυμεῖ ὅλην τὴν ἡμέραν ἐπιθυμίας κακάς –
22. 8. ὁ σπείρων φαῦλα θερίσει κακά (2)
— 14. εἰσὶν ὁδοὶ κακαὶ ἐνώπιον ἀνδρός –
— 14. ἀποστρέφειν δὲ δεῖ ἀπὸ ὁδοῦ σκολιᾶς καὶ κακῆς –
— 16. A S² πολλὰ ποιεῖ τὰ ἑαυτοῦ κ. [B S¹ *om.*] –
24. 1. μὴ ζηλώσῃς κακοὺς ἄνδρας (13 *c*)
— 10. ἐν ἡμέρᾳ κακῇ καὶ ἐν ἡμ. θλίψεως (11 *b*)
— 16. οἱ δὲ ἀσεβεῖς ἀσθενήσουσιν ἐν κακοῖς (13 *c*)
— 34 (30. 11). ἔκγονον κακὸν πατέρα καταρᾶται –
— 35 (30. 12). ἔκγονον κακὸν δίκαιον ἑαυτὸν κρίνει –
— 36 (30. 13). ἔκγονον κακὸν ὑψηλοὺς ὀφθαλμοὺς ἔχει –
— 37 (30. 14). ἔκγονον κακὸν μαχαίρας τοὺς ὀδόντας ἔχει –
25. 19. ὁδὸς [A ὀδοὺς] κακοῦ καὶ ποὺς παρανόμου ὀλεῖται ἐν ἡμέρᾳ κακῇ (†, 11 *b*)
27. 12. πανοῦργος κακῶν ἐπερχομένων ἀπεκρύβη (13 *c*)
— 21. καρδία ἀνόμου ἐκζητεῖ κακά –
28. 5. ἄνδρες κακοὶ οὐ συνήσουσι [B² S νοήσουσιν] κρίμα (13 *b*)
— 10. ὃς πλανᾷ εὐθεῖς ἐν ὁδῷ κακῇ (13 *b*)
— 14. ὁ δὲ σκληρὸς τὴν καρδίαν ἐμπεσεῖται κακοῖς (13 *c*)
— 20. ὁ δὲ κ. οὐκ ἀτιμώρητος ἔσται †
31. 12. A ἐνεργεῖ γὰρ τῷ ἀνδρὶ ἀγαθὸν καὶ οὐ κακὸν πάντα τὸν βίον [B S *al.*] (13 *b*)
Ec. 4. 17. οὐκ εἰσὶν εἰδότες τοῦ ποιῆσαι κακόν [S τὸ καλόν] (13 *b*)
9. 2. συνάντημα ἓν . . . τῷ ἀγαθῷ καὶ τῷ κ. –
— 12. A S R οἱ ἰχθύες οἱ θηρευόμενοι ἐν ἀμφιβλήστρῳ κ. [B καλῷ] (13 *b*)
Wi. 14. 22. τὰ τοσαῦτα κ. εἰρήνην προσαγορεύουσιν
— 27. ἡ γὰρ τῶν ἀνωνύμων εἰδώλων θρησκεία παντὸς ἀρχὴ κακοῦ
15. 6. κακῶν ἐρασταὶ . . . καὶ οἱ δρῶντες καὶ οἱ ποθοῦντες
— 12. κἂν ἐκ κακοῦ πορίζειν
16. 8. σὺ εἶ ὁ ῥυόμενος ἐκ παντὸς κακοῦ
Si. 7. 1. μὴ ποίει κακὰ καὶ οὐ μή σε [S *om.*] καταλάβῃ κακόν
11. 14. ἀγαθὰ καὶ κακὰ . . . παρὰ κυρίου ἐστί
— 25. ἐν ἡμέρᾳ ἀγαθῶν [A -θῇ] ἀμνησία κακῶν καὶ ἐν ἡμέρᾳ κακῶν οὐ μνησθήσεται ἀγαθῶν
— 31. τὰ γὰρ ἀγαθὰ εἰς κακὰ μεταστρέφων ἐνεδρεύει
12. 3. οὐκ ἔστιν ἀγαθὰ τῷ ἐνδελεχίζοντι εἰς κακά
— 5. διπλάσια γὰρ κακὰ εὑρήσεις ἐν πᾶσιν ἀγαθοῖς
— 8. οὐ κρυβήσεται ἐν κακοῖς ὁ ἐχθρός
— 9. ἐν τοῖς κ. αὐτοῦ καὶ ὁ φίλος διαχωρισθήσεται
— 17. κακὰ ἂν ὑπαντήσῃ σοι
13. 25. ἐὰν [A S ἐάν τε] εἰς ἀγαθὰ ἐάν τε εἰς κακά
17. 7. ἀγαθὰ καὶ κακὰ ὑπέδειξεν αὐτοῖς
18. 8. τί τὸ ἀγαθὸν αὐτοῦ καὶ τί τὸ κ. αὐτοῦ
20. 9. ἔστιν εὐοδία [A εὐωδ.] ἐν κακοῖς ἀνδρί
— 18. πτῶσις κακῶν κατὰ σπουδὴν ἥξει
21. 4. καταπλαγμὸς [B² κακῶν πλῆθος] καὶ ὕβρις
22. 26. εἰ κακά μοι συμβῇ δι' αὐτόν
27. 22. διανεύων [A καὶ ἐννεύων] ὀφθαλμῷ τεκταίνει [S² -εται, B² κατασκευάζει] κακά
Si. 34 (31). 10. τίς ἐδύνατο . . . ποιῆσαι κακὰ καὶ οὐκ ἐποίησε
— 13. κακὸν ὀφθαλμὸς πονηρός
36 (33). 1. τῷ φοβουμένῳ κύριον οὐκ ἀπαντήσει κακόν
— 14. ἀπέναντι τοῦ κ. τὸ ἀγαθόν
37. 18. τέσσαρα μέρη ἀνατέλλει ἀγαθὸν καὶ κακὸν ζωὴ καὶ θάνατος
39. 4. ἀγαθὰ γὰρ καὶ κακὰ ἐν [A *om.*] ἀνθρώποις ἐπείρασε
— 25. οὕτως τοῖς ἁμαρτωλοῖς κακά
— 27. τοῖς ἁμαρτωλοῖς τραπήσεται εἰς κακά
Am. 6. 3. οἱ ἐρχόμενοι [A εὐχ.] εἰς ἡμέραν κακήν (13 *b*)
9. 4. στηριῶ τοὺς ὀφθαλμούς μου . . . εἰς κακά (13 *c*)
— 10. οὐδὲ μὴ γένηται ἐφ' ἡμᾶς τὰ κακά (13 *c*)
Mi. 1. 12. κατέβη κακὰ παρὰ κυρίου (13 *b*)
2. 1. ἐργαζόμενοι κακὰ ἐν ταῖς κοίταις αὐτῶν (13 *b*)
— 3. λογίζομαι ἐπὶ τὴν φυλὴν τ. κακά (13 *c*)
3. 11. οὐ μὴ ἐπέλθῃ ἐφ' ἡμᾶς κακά [A τὰ κακά] (13 *c*)
4. 9. καὶ νῦν ἵνα τί ἔγνως κακά †
7. 3. ἐπὶ τὸ κ. τὰς χεῖρας αὐτῶν ἑτοιμάζουσιν (13 *b*)
Jl. 3 (4). 13. ὅτι πεπλήθυνται τὰ κακὰ αὐτῶν (13 *c*)
Jn. 3. 10. μετενόησεν ὁ θ. ἐπὶ τῇ κακίᾳ [A τὰ κακά] (13 *c*)
4. 6. τοῦ σκιάζειν αὐτῷ ἀπὸ τῶν κ. αὐ. (13 *c*)
Hb. 2. 9. ὁ πλεονεκτῶν πλεονεξίαν κακὴν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ (13 *b*)
— 9. τοῦ ἐκσπασθῆναι ἐκ χειρὸς κακῶν (13 *b*)
Ze. 3. 15. οὐκ ὄψῃ κακὰ οὐκέτι (13 *b*)
Za. 1. 15. αὐτοὶ δὲ συνεπέθεντο εἰς κακά (13 *c*)
Ma. 1. 8. ἐὰν προσαγάγητε τυφλὸν . . . οὐ κακόν; καὶ ἐὰν προσαγ. χωλὸν . . . οὐ κακόν (13 *b*, 13 *b*)
Is. 7. 16. πρὶν ἢ γνῶναι τὸ παιδίον ἀγαθὸν ἢ κακόν (13 *b*)
13. 11. ἐντελοῦμαι τῇ οἰκουμένῃ ὅλῃ κακά (13 *c*)
26. 15. πρόσθες αὐτοῖς κακά, κύριε, πρόσθες κακά [S *al.*] –, –
28. 9. τίνι ἀνηγγείλαμεν κακά †
31. 2. ἦγεν ἐπ' αὐτοὺς κακά (13 *b*)
45. 7. ὁ ποιῶν εἰρήνην καὶ κτίζων κακά (13 *b*)
46. 7. ἀπὸ κακῶν οὐ μὴ σώσῃ αὐτόν (11 *b*)
57. 12. ἀπαγγελῶ . . . τὰ κ. σου (7)
Je. 1. 14. ἀπὸ προσώπου βορρᾶ ἐκκαυθήσεται τὰ κ. (13 *c*)
2. 3. κακὰ ἥξει ἐπ' αὐτούς (13 *c*)
— 27. ἐν τῷ καιρῷ τῶν κ. αὐτῶν (13 *c*)
4. 6. κακὰ ἐγὼ ἐπάγω ἀπὸ βορρᾶ (13 *c*)
5. 12. οὐχ ἥξει ἐφ' ἡμᾶς κακά (13 *c*)
6. 1. κακὰ ἐκκέκυφεν ἀπὸ βορρᾶ (13 *c*)
— 19. ἐπάγω ἐπὶ τὸν λαὸν τοῦτον κακά [S *al.*] (13 *c*)
7. 6. ὀπίσω θεῶν ἀλλοτρίων μὴ πορεύησθε εἰς κακὸν ὑμῖν (13 *b*)
— 24. τοῖς ἐνθυμήμασι [A ἐπιθ.] τῆς καρδίας αὐτῶν τῆς κ. (13 *b*)
9. 3 (2). ἐκ κακῶν εἰς κακὰ ἐξῆλθοσαν (13 *c*, 13 *c*)
— 14 (13). τῶν ἀρεστῶν [A ἔρασ.] τῆς καρδίας αὐτῶν τῆς κ. –
11. 11. ἐπάγω ἐπὶ τὸν λαὸν τοῦτον κακά (13 *c*)
— 12. ἐν τῷ καιρῷ τῶν κ. αὐτῶν (13 *c*)
— 17. ἐλάλησεν ἐπὶ σὲ κακά (13 *c*)
— 23. ἐπάξω κακὰ ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἀναθώθ (13 *c*)
13. 23. δυνήσεσθε εὖ ποιῆσαι μεμαθηκότες τὰ κ. (13 *a*)
14. 8. σώζεις ἐν καιρῷ κακῶν (11 *b*)
— 16. ἐκχεῶ ἐπ' αὐτοὺς τὰ κ. αὐτῶν (13 *c*)
15. 11. παρέστην σοι ἐν καιρῷ τῶν κ. αὐτῶν (13 *c*)
16. 10. ἐλάλησε κύριος ἐφ' ἡμᾶς πάντα τὰ κ. ταῦτα (13 *c*)
— 19. καταφυγή μου ἐν ἡμέραις κακῶν (11 *b*)
18. 8. ἐπιστραφῇ τὸ ἔθνος ἐκεῖνο ἀπὸ πάντων τῶν κ. αὐ. καὶ μετανοήσω περὶ [A S *add.* πάντων] τῶν κ. (13 *c*, 13 *c*)
— 11. πλάσσω ἐφ' ὑμᾶς κακά (13 *c*)
— 20. εἰ ἀνταποδίδοται ἀντὶ ἀγαθῶν κακά (13 *c*)
19. 3. ἐπάγω ἐπὶ τὸν τόπον τοῦτον κακά (13 *c*)
— 15. ἐπάγω ἐπὶ τὴν πόλιν ταύτην [A *add.* κακὰ] . . . καὶ ἐπὶ τὰς κώμας αὐτῆς ἅπαντα τὰ κ. (–, 13 *c*)
21. 10. ἐστήρικα τὸ πρόσωπόν μου ἐπὶ τὴν πόλιν ταύτην εἰς κακά (13 *c*)
23. 12. ἐπάξω ἐπ' αὐτοὺς κακά (13 *c*)
— 17. οὐχ ἥξει ἐπὶ σὲ κακά (13 *c*)

Je. 25. 16 (49. 37). S ἐπάξω ἐπ' αὐτοὺς κακά [A B *om.*] (13 *c*)
28 (51). 60. ἔγραψεν Ἱερεμίας πάντα τὰ κ. (13 *c*)
— 64. A S R οὐ μὴ ἀναστῇ ἀπὸ προσώπου τῶν κ. [B Χαλδαίων] (13 *c*)
31 (48). 2. ἐλογίσατο ἐπ' αὐτὴν κακά [S *al.*] (13 *c*)
32 (25). 32. κακὰ ἔρχεται ἀπὸ ἔθνους ἐπὶ [A S εἰς] ἔθνος (13 *c*)
33 (26). 3. παύσομαι ἀπὸ τῶν κ. (13 *c*)
— 13. παύσεται κύριος ἀπὸ τῶν κ. (13 *c*)
— 19. ἐπαύσατο κύριος ἀπὸ τῶν κ. . . . ἐποιήσαμεν κακὰ μεγάλα ἐπὶ ψυχὰς [A -αῖς] ἡμῶν (13 *c*, 13 *c*)
36 (29). 11. λογιοῦμαι ἐφ' ὑμᾶς λογισμὸν εἰρήνης καὶ οὐ κακά (13 *c*)
39 (32). 23. συμβῆναι αὐτοῖς πάντα τὰ κ. τ. (13 *c*)
— 42. ἐπήγαγον ἐπὶ τὸν λαὸν τοῦτον πάντα τὰ κ. τὰ μεγάλα ταῦτα (13 *c*)
42 (35). 17. B S φέρω ἐπὶ Ἰούδαν . . . πάντα τὰ κακά (13 *c*)
43 (36). 3. ἴσως ἀκούσεται ὁ οἶκος Ἰούδα πάντα τὰ [A σὰ] κ. (13 *c*)
— 31. ἐπάξω ἐπ' αὐτὸν . . . πάντα τὰ κ. (13 *c*)
46 (39). 16. φέρω τοὺς λόγους μου . . . εἰς κακά (13 *c*)
47 (40). 2. ὁ θεός σου ἐλάλησε τὰ κ. ταῦτα ἐπὶ τὸν τόπον τοῦτον (13 *c*)
48 (41). 11. ἤκουσεν Ἰωάναν . . . πάντα τὰ κ. ἃ ἐποίησεν Ἰσμαήλ (13 *c*)
49 (42). 6. ἐὰν ἀγαθὸν καὶ ἐὰν κακόν (13 *b*)
— 10. ἀναπέπαυμαι ἐπὶ τοῖς κ. [A S ἀπὸ τῶν κ.] (13 *c*)
— 17. οὐκ ἔσται αὐτῶν οὐθεὶς σωζόμενος ἀπὸ τῶν κ. (13 *c*)
51 (44). 2. ἑωράκατε πάντα τὰ κ. (13 *c*)
— 5. ἀποστρέψαι ἀπὸ τῶν κ. αὐτῶν (13 *c*)
— 7. ἵνα τί ὑμεῖς ποιεῖτε κακὰ μεγάλα ἐπὶ ψυχαῖς [S¹ -ὰς] ὑμῶν (13 *c*)
— 9. μὴ ἐπιλέλησθε ὑμεῖς τῶν κ. [A ἔργων] τῶν πατ. ὑμῶν καὶ τῶν κ. τῶν βασ. Ἰ. καὶ τῶν κ. τῶν ἀρχόντων ὑμῶν καὶ τῶν κ. τῶν γυναικῶν ὑμῶν (13 *c quater*)
— 17. κακὰ οὐκ εἴδομεν (13 *c*)
— 23. ἐπελάβετο ὑμῶν τὰ κ. ταῦτα (13 *c*)
— 35 (45. 5). ἐπάγω κακὰ ἐπὶ πᾶσαν σάρκα (13 *c*)
Ba. 1. 20. ἐκολλήθη εἰς ἡμᾶς τὰ κ:
— 22. ποιῆσαι τὰ κ. κατ' ὀφθαλμοὺς κυρίου θεοῦ ἡμῶν
2. 2. A R τοῦ ἀγαγεῖν ἐφ' ἡμᾶς κακὰ μεγάλα
— 7. πάντα τὰ κ. ταῦτα ἃ ἦλθεν ἐφ' ἡμᾶς
— 9. ἐγρηγόρησε κύριος ἐπὶ τοῖς κ.
3. 4. ἐκολλήθη [A προσεκ.] ἡμῖν τὰ κ.
4. 18. ὁ γὰρ ἐπαγαγὼν τὰ κ. [A *add.* ὑμῖν]
— 29. ὁ γὰρ ἐπαγαγὼν ὑμῖν τὰ κ.
La. 1. 21. πάντες οἱ ἐχθροί μου ἤκουσαν τὰ κ. μου (13 *c*)
3. 38. ἐκ στόματος ὑψίστου οὐκ ἐξελεύσεται τὰ κ. καὶ τὸ ἀγαθόν (13 *c*)
Ep. Je. 34. ἐὰν κακὸν πάθωσιν ὑπό τινος
— 48. ὅταν γὰρ ἐπέλθῃ [A *om.*] ἐπ' αὐτὰ [A -οὺς] πόλεμος καὶ κακά
— 49. οὔτε σώζουσιν ἑαυτοὺς ἐκ πολέμου [A -μων] οὔτε ἐκ κακῶν
Ez. 6. 10. A τοῦ ποιῆσαι αὐτοῖς ἅπαντα τὰ κ. ταῦτα (13 *c*)
14. 22. A B²R μεταμεληθήσεσθε ἐπὶ τὰ κ. . . . πάντα τὰ κ. (13 *c*, –)
20. 44. κατὰ τὰς ὁδοὺς ὑμῶν τὰς κ. (13 *b*)
Da. LXX. Su. 10. οὐ προσεποιεῖτο τὸ κ.
— 52. πεπαλαιωμένε ἡμερῶν κακῶν
3. (44). οἱ ἐνδεικνύμενοι τοῖς δούλοις σου κακά
7. 24. αὐτὸς διοίσει κακοῖς –
9. 12. ἐπαγαγεῖν ἐφ' ἡμᾶς κ. μεγάλα (13 *c*)
— 13. πάντα τὰ κ. ἐπῆλθεν ἡμῖν (13 *c*)
— 14. ἠγρύπνησε κύριος ὁ θεὸς ἐπὶ τὰ κ. (13 *c*)
Da. TH. Su. 52. πεπαλαιωμένε ἡμερῶν κακῶν
3. (44). οἱ ἐνδεικνύμενοι τοῖς δούλοις σου κακά
7. 24. ὃς ὑπεροίσει κακοῖς πάντας τοὺς ἔμπροσθεν –
9. 12. ἐπαγαγεῖν ἐφ' ἡμᾶς κ. μεγάλα (13 *c*)
— 13. πάντα τὰ κ. ταῦτα ἦλθεν ἐφ' ἡμᾶς (13 *c*)
I Ma. 1. 9. ἐπλήθυναν κακὰ ἐν τῇ γῇ
— 11. εὕρεν ἡμᾶς κ. πολλά
— 52. ἐποίησαν κακὰ ἐν τῇ γῇ
2. 30. A S ἐσκληρύνθη [R ἐπληθύνθη] ἐπ' αὐτοὺς τὰ κ.
— 43. πάντες οἱ φυγαδεύοντες ἀπὸ τῶν κ.
3. 42. ἐπληθύνθη τὰ κ.
— 59. ἢ ἐπιδεῖν ἐπὶ τὰ κ. τοῦ ἔθνους ἡμῶν
I Ma. 6. 12. *μνήσκομαι τῶν κ.*
— 13. εὑρόν με τὰ κ. ταῦτα
— 18. καὶ ζητοῦντες κακά
7. 15. οὐκ ἐκζητήσομεν ὑμῖν κακόν
8. 31. περὶ τῶν κ. ὧν ὁ βασ. Δ. συντελεῖται
9. 71. μὴ ἐκζητῆσαι αὐτῷ κακόν
10. 5. μνησθήσεται γὰρ πάντων τῶν κ.
15. 12. A S ἐπισυνῆκται [R συν.] ἐπ' αὐτὸν κακά
— 19. ὅπως μὴ ἐκζητήσωσιν αὐτοῖς κακά [S¹ *om.* αὐ. κ.]
16. 17. S R ἀπέδωκε [A ἀνταπ.] κακὰ ἀντὶ ἀγαθῶν
II Ma. 1. 25. ὁ διασώζων τὸν Ἰσρ. ἐκ παντὸς κ.
2. 18. ἐξείλατο γὰρ ἡμᾶς ἐκ μεγάλων κ.
4. 1. τῶν κ. δημιουργὸς καθεστηκώς
5. 8. πέρας οὖν κ. ἀναστροφῆς [A καταστρ.] ἔτυχεν
10. 4. R μηκέτι περιπεσεῖν [A παραπ.] τοιούτοις κ.
— 10. R συντέμνοντες τὰ τῶν πολέμων [A τὰ συνέχοντα τῶν πόλεων] κ.
13. 4. τοῦτον αἴτιον τῶν κ. εἶναι πάντων
— 6. ἢ καί τινων ἄλλων κ. ὑπεροχὴν πεποιημένον
III Ma. 2. 12. A ἐρρύσω αὐτοὺς ἐκ μεγάλων κ. [R κινδύνων]
IV Ma. 6. 14. *τί τοῖς κ. τούτοις σεαυτὸν . . . ἀπόλλεις*
11. 5. A R ἢ κακὸν σοι δοκεῖ
12. 15. R σὺ δὲ κ. [A S *om.*] κακῶς οἰμώξεις
17. 2. *ἀκυρώσασα τὰς κ. ἐπινοίας αὐτοῦ*
[Aq. IV KI. 17. 11 : PS. 35 (36). 5 : 70 (71). 20 : PR. 11. 21 : 13. 19 : IS. 7. 15 : 59. 7, 15 : JE. 15. 11 : 24. 9 : 44 (51). 9, 23, 29 *bis*.]
[Sm. I KI. 20. 9 : JB. 17. 5 : 30. 26 : PS. 20 (21). 12 : 29 (30). 8 : 35 (36). 5 : 40 (41). 6, 8 : 53 (54). 7 : 55 (56). 6 : 89 (90). 15 : 90 (91). 10 : 96 (97). 10 : 106 (107). 39 : PR. 21. 12 : EC. 2. 17 : 4. 3, 17 : 5. 12, 13 : 8. 9 : 10. 5 : 12. 14 : IS. 7. 15 : 33. 15 : 35. 9 : 56. 11 : 59. 7, 15 : JE. 15. 11 : 18. 8 : 24. 9 : 41 (48). 11 : 44 (51). 9, 23 : HB. 1. 13.]
[Th. PS. 35 (36). 5 : IS. 59. 7, 15 : JE. 39 (46). 12 : 44 (51). 11, 29 *bis* : 50 (27). 21 : EZ. 6. 10.]
[Al. PS. 48 (49). 6 : 111 (112). 7 : PR. 14. 13 : 16. 30.]

κακοτεχνεῖν.

III Ma. 7. 9. *ἐάν τι κακοτεχνήσωμεν πονηρόν*

κακότεχνος.

Wi. 1. 4. *εἰς κ. ψυχὴν οὐκ εἰσελεύσεται σοφία*
15. 4. *οὔτε γὰρ ἐπλάνησεν ἡμᾶς ἀνθρώπων κακότεχνος ἐπίνοια*
IV Ma. 6. 25. *διὰ κ. ὀργάνων καταφλέγοντες αὐτόν*

κακότης. (1) רָעָע hi.
Pr. 24. 19. S¹ *μὴ χαίρε ἐπὶ κακότητι* [A B S² *κακοποιοῖς*] (1)

κακοῦν. (1) דָּכָא pu. (2) יָנָה hi. (3) כָּשַׁל ni. (4) לָחַץ (5) עָנָה *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* hithpa. (6) גּוּר ni. (7) רָעַע *a.* qal. *b.* hi. *c.* רַע *d.* רָעָה (8) רָשַׁע hi. (9) שָׁחַח (10) יָנַע pi.

Ge. 15. 13. R *κακώσουσιν αὐτούς* [A -ό] (5 *c*)
16. 6. R *ἐκάκωσεν αὐτὴν Σάρα* (5 *c*)
19. 9. R *νῦν οὖν σε κακώσωμεν* [A -ομεν] (7 *b*)
Ex. 1. 11. *ἵνα κακώσωσιν* [A -σουσιν] *αὐτοὺς ἐν τοῖς ἔργοις* (5 *c*)
5. 22. *τί ἐκάκωσας τὸν λαὸν τοῦτον* (7 *b*)
— 23. *ἐκάκωσε τὸν λαὸν τοῦτον* (7 *b*)
22. 21 (20). *προσήλυτον οὐ κακώσετε* (2)
— 22 (21). *πᾶσαν χήραν . . . οὐ κακώσετε* (5 *c*)
— 23 (22). *ἐὰν δὲ κακίᾳ κακώσητε αὐτούς* (5 *c*)
23. 9. A *προσήλυτον οὐ κακώσετε* [B *om.*] (4)
Nu. 11. 11. *ἵνα τί ἐκάκωσας τὸν θεράποντά σου* (7 *b*)
16. 15. *οὐδὲ ἐκάκωσα οὐδένα αὐτῶν* (7 *b*)
20. 15. *ἐκάκωσαν ἡμᾶς οἱ Αἰγύπτιοι* (7 *b*)
24. 24. *καὶ κακώσουσιν Ἀσσοὺρ καὶ κακώσουσιν Ἑβραίους* (5 *c*, 5 *c*)
29. 7. *κακώσετε τὰς ψυχὰς ὑμῶν* (5 *c*)
30. 14. *πᾶς ὅρκος δεσμοῦ κακῶσαι ψυχήν* [A *αὐτήν*] (5 *c*)
De. 8. 2. *ὅπως* [B¹ *ὡς*] *ἂν* [A *om.*] *κακώσῃ σε* (5 *c*)
— 3. *καὶ ἐκάκωσέ σε* (5 *c*)
— 16. *ἵνα κακώσῃ σε* (5 *c*)
26. 6. *ἐκάκωσαν ἡμᾶς οἱ Αἰγύπτιοι* (7 *b*)
Jo. 24. 4. *ἐκάκωσαν αὐτοὺς οἱ Αἰγύπτιοι* –
— 20. *καὶ ἐπελθὼν κακώσει ὑμᾶς* (7 *b*)
Ru. 1. 21. B *ὁ ἱκανὸς ἐκάκωσέ με* (7 *b*)
III Ki. 17. 20. *κεκάκωκας τοῦ θανατῶσαι τὸν υἱὸν αὐτῆς* (7 *b*)
Ju. 11. 1. *οὐκ ἐκάκωσα ἄνθρωπον*
Jb. 20. 26. *κακώσαι δὲ αὐτοῦ ἐπήλυτος τὸν οἶκον* (7 *b*)
22. 9. *ὀρφανοὺς δὲ ἐκάκωσας* (1)
24. 24. *πολλοὺς γὰρ ἐκάκωσε τὸ ὕψωμα αὐτοῦ* †
30. 11. *ἀνοίξας γὰρ φαρέτραν αὐ. ἐκάκωσέ με* (5 *c*)
31. 30. *θρυληθείην δὲ ἄρα ὑπὸ λαοῦ μου κακούμενος* †
Ps. 26 (27). 2. *ἐν τῷ ἐγγίζειν ἐπ' ἐμὲ κακοῦντας* (7 *b*)
37 (38). 8. *ἐκακώθην καὶ ἐταπεινώθην ἕως σφόδρα* (6)
43 (44). 2. *ἐκάκωσας λαοὺς καὶ ἐξέβαλες αὐτούς* (7 *b*)
88 (89). 22. *υἱὸς ἀνομίας οὐ προσθήσει τοῦ κακῶσαι* [A¹ S *οὐ κακώσει*] *αὐτόν* (5 *c*)
93 (94). 5. *τὴν κληρονομίαν σου ἐκάκωσαν* (5 *c*)
105 (106). 32. *ἐκακώθη Μωυσῆς δι' αὐτούς* (7 *a*)
106 (107). 39. *ἐκακώθησαν ἀπὸ θλίψεως κακῶν* (9)
Ec. 7. 23 (22). A S² R *καθόδους πολλὰς κακώσει καρδίαν σου* [B S¹ *al.*] †
8. 9. *τοῦ κακῶσαι αὐτόν* (7 *c*)
10. 15. *μόχθος τῶν ἀφρόνων κακώσει αὐτούς* [A S *al.*] (10)
Wi. 19. 16. *τοὺς ἤδη τῶν αὐτῶν μετεσχηκότας δικαίων δεινοῖς ἐκάκωσαν πόνοις* [S *al.*]
Si. 3. 26. *καρδία σκληρὰ κακωθήσεται ἐπ' ἐσχάτων*
7. 20. *μὴ κακώσῃς οἰκέτην ἐργαζόμενον ἐν ἀληθείᾳ*
11. 24. *τί ἀπὸ τοῦ νῦν κακωθήσομαι*
30. 40 (33. 31). *ἐὰν κακώσῃς αὐτόν*
33 (36). 9. A² R *οἱ κακοῦντες* [A¹ *κατοικ.*, B S *ἀδικ.*] *τὸν λαόν σου εὗροισαν ἀπώλειαν*
38. 21. *τοῦτον οὐκ ὠφελήσεις καὶ σεαυτὸν κακώσεις*
49. 7. *ἐκάκωσαν γὰρ αὐτὸν καὶ αὐτὸς ἐν μήτρᾳ ἡγιάσθη προφήτης ἐκριζοῦν καὶ κακοῦν*
Ho. 9. 7. *καὶ κακωθήσεται Ἰ.* †
Ze. 1. 12. *οὐδὲ μὴ κακώσῃ* [S -σει] (7 *b*)
Za. 8. 14. *ὃν τρόπον διενοήθην τοῦ κακῶσαι ὑμᾶς* (7 *b*)
10. 2. *καὶ ἐκακώθησαν διότι οὐκ ἦν ἴασις* (5 *a*)
Is. 41. 23. *εὖ ποιήσατε καὶ κακώσατε* (7 *b*)
50. 9. *τίς κακώσει με* (8)
53. 7. *διὰ τὸ κεκακῶσθαι οὐκ ἀνοίγει τὸ στόμα* (5 *b*)
Je. 25. 6. *τοῦ κακῶσαι ὑμᾶς* (7 *b*)
32 (25). 29. *ἐγὼ ἄρχομαι* [A *ἔρ.*] *κακῶσαι* (7 *b*)
38 (31). 28. *καθαιρεῖν καὶ κ.* (7 *b*)
51 (44). 27. *τοῦ κακῶσαι αὐτοὺς καὶ οὐκ ἀγαθῶσαι* [A -θῦναι] (7 *d*)
Ba. 4. 31. *δείλαιοι οἱ σὲ κακώσαντες*
Ez. 33. 12. *ἀνομία ἀσεβοῦς οὐ μὴ κακώσῃ αὐτόν* (3)
Da. TH. 10. 12. *τοῦ συνεῖναι καὶ κακωθῆναι* (5 *d*)
II Ma. 5. 22. *τοῦ κακοῦν τὸ γένος*
IV Ma. 4. 1. *οὐκ ἴσχυσε κακῶσαι*
[Aq. GE. 48. 17 : PS. 14 (15). 4 : 43 (44). 3 : PR. 13. 20 : IS. 65. 25 : EZ. 19. 7.]
[Sm. III KI. 17. 20 : PS. 77 (78). 49 : 87 (88). 8 : 88 (89). 23 : 89 (90). 15 : 101 (102). 24 : 115. 1 (116. 10) : 118 (119). 71, 75 : 128 (129). 3 : EC. 10. 9 : IS. 58. 5 : JE. 15. 12 : HO. 2. 15 (17).]
[Th. I KI. 1. 15 : PS. 14. (15). 4 : 93 (94). 6 : PR. 13. 20 : EZ. 18. 7.]
[Al. EX. 22. 21 (20) : LE. 16. 29, 31 : 19. 33 : 23. 27 : 25. 14 : NU. 35. 23 : I KI. 1. 8 : II KI. 7. 10.]

κακουργεῖν.

[Sm. II KI. 10. 6 : PR. 13. 20 : EC. 8. 11.]

κακουργία. (1) שְׁוְאָה
Ps. 34 (35). 17. *ἀποκατάστησον τὴν ψυχήν μου ἀπὸ τῆς κ. αὐτῶν* (1)
II Ma. 3. 32. *κ. τινὰ περὶ τὸν Ἡλ. . . . συντετελέσθαι*
14. 22. *μή ποτε . . . αἰφνιδίως κακουργία γένηται*

κακοῦργος. (1) פֹּעֵל אָוֶן
Es. 8. 13. *εὑρίσκομεν οὐ κ. ὄντας*
Pr. 21. 15. *ὅσιος δὲ ἀκίνδυνος παρὰ κακούργοις* (1)
Si. 11. 33. *πρόσεχε ἀπὸ κακούργου*
30. 35 (33. 26). *οἰκέτῃ κακούργῳ στρέβλαι*
[Sm. JB. 8. 20 : PS. 26 (27). 2 : 36 (37). 1 : 63 (64). 3 : 93 (94). 16 : EC. 8. 12.]

κακουχεῖν. (1) עָנָה *a.* pi. *b.* hithp.
III Ki. 2. 26. *ἐκακουχήθης ἐν πᾶσιν οἷς ἐκακουχήθη ὁ πατήρ μου* (1 *b*, 1 *b*)
11. 39. A *κακουχήσω τὸ σπέρμα Ἰσρ.* (1 *a*)
[Aq. GE. 16. 6 : EX. 22. 22 (21) : DT. 21. 14 : 22. 29 : II KI. 7. 10 : III KI. 11. 39 : JB. 37. 23 : PS. 118 (119). 75 : IS. 58. 3, 5, 10.]
[Th. PS. 88 (89). 23.]

κακουχία.

[Aq. Dt. 16. 3 : Ps. 9. 14 : 30 (31). 8 : 131 (132). 1.]
[Sm. Ps. 43 (44). 25.]

κακοφρονίζειν.

[Aq. II Ki. 15. 31.]

κακοφροσύνη. (1) גַּבְהוּת רוּחַ

Pr. 16. 18. *πρὸ δὲ πτώματος κακοφροσύνη* (1)

κακόφρων. (1) *a.* גְּרַל־חֵמָה *b.* גְּרַל חֵמָה (2) סָרַת טַעַם

Pr. 11. 22. *οὕτως γυναικὶ κακόφρονι κάλλος* (2)
19. 19. BS *κακόφρων ἀνὴρ ζημιωθήσεται* [AR *πολλὰ ζ.*] (1 *a* *, 1 *b*)
[Sm., Th. Pr. 11. 22.]

κακωνυμία.

[Sm. Ex. 32. 25.]

κακῶς. (1) κ. εἰπεῖν קָלַל pi. (2) κ. ἐρεῖν *a.* אָרַר *b.* קָלַל pi. (3) κακῶς ἔχειν חָלָה

Ex. 22. 28 (27). A R *ἄρχοντα* [B -as] *τοῦ λαοῦ σου οὐ κ. ἐρεῖς* (2 *a*)
Le. 19. 14. *οὐ κ. ἐρεῖς κωφόν* (2 *b*)
20. 9. *ὃς ἂν* [A *om.*] *κ. εἴπῃ τὸν πατέρα αὐτοῦ* (1)
— 9. *μητέρα αὐτοῦ κ. εἶπεν* (1)
Wi. 14. 29. *κ. ὀμόσαντες ἀδικηθῆναι οὐ προσδέχονται*
— 30. *κ. ἐφρόνησαν περὶ θεοῦ*
18. 19. *δι' ὃ κ. πάσχουσιν*
Is. 8. 21. *κ. ἐρεῖτε τὸν ἄρχοντα* (2 *b*)
Je. 7. 9. *τοῦ κ. εἶναι ὑμῖν* –
Ez. 34. 4. *τὸ κ. ἔχον οὐκ ἐσωματοποιήσατε* (3)
I Ma. 7. 42. *κ. ἐλάλησεν ἐπὶ τὰ ἁγιά σου*
III Ma. 1. 14. *κ. αὐτὸ τοῦτο τερατεύεσθαι*
— 16. *τὴν ὁρμὴν τοῦ κ. ἐπιβαλλομένου μεταθεῖναι*
IV Ma. 6. 17. *μὴ οὕτως κ. φρονήσαιμεν*
12. 15. *σὺ δὲ κ. οἰμώξεις*

κάκωσις. (1) אֵיד (2) *a.* עָנָה pu. *b.* עֳנִי (3) רָעָה (4) תֵּן

Ex. 3. 7. *εἶδον τὴν κ. τοῦ λαοῦ μου* (2 *b*)
— 17. *ἀναβιβάσω ὑμᾶς ἐκ τῆς κ. τῶν Αἰγ.* (2 *b*)
Nu. 11. 15. *ἵνα μὴ ἴδω τὴν κ. μου* (3)
De. 16. 3. *φάγῃ . . . ἄζυμα ἄρτον κακώσεως* (2 *b*)
Es. 1. 1. *κάκωσις καὶ τάραχος*
8. 6. *ἰδεῖν* [A *ἐπιδ.*] *τὴν κ. τοῦ λαοῦ μου* (3)
Ps. 17 (18). 18. *προέφθασάν με ἐν ἡμέρᾳ κακώσεώς μου* (1)
43 (44). 19. *ἐταπείνωσας ἡμᾶς ἐν τόπῳ κακώσεως* (4 ?)
Wi. 3. 2. *ἐλογίσθη κάκωσις ἡ ἔξοδος αὐτῶν*
Si. 11. 27. *κάκωσις ὥρας ἐπιλησμονὴν ποιεῖ τρυφῆς*
13. 12. *οὐ μὴ φείσηται περὶ κακώσεως καὶ δεσμῶν*
29. 12. *αὕτη ἐξελεῖται σε ἐκ πάσης κακώσεως*
Is. 53. 4. *ἐλογισάμεθα αὐτὸν εἶναι . . . ἐν κακώσει* (2 *a*)
Je. 2. 28. *ἐν καιρῷ τῆς κ. σου* (3)
11. 14. *ἐν καιρῷ κακώσεως αὐτῶν* (3)
28 (51). 2. *ἐν ἡμέρᾳ κακώσεως αὐτῆς* (3)
Ba. 5. 1. *ἔκδυσαι . . . τὴν στολὴν τοῦ πένθους καὶ τῆς* [A *om.* κ. τ.] *κ. σου*
II Ma. 3. 39. *τοὺς παραγινομένους ἐπὶ κακώσει*
[Aq. Ec. 7. 3 (2).]
[Sm. I Ki. 28. 10 : Jb. 31. 29 : Ps. 7. 10 : 9. 27 (10. 6) : 26 (27). 5 : 30 (31). 8, 11 : 39 (40). 15 : 40 (41). 2 : 43 (44). 25 : 48 (49). 6 : 70 (71). 20, 24 : 87 (88). 10 : 106 (107). 41 : 131 (132). 1 : Pr. 27. 10 : Ec. 2. 21 : 4. 6 : 6. 9 : 8. 6 : 12. 1 : Ez. 7. 5.]
[Th. I Ki. 28. 10 : Ec. 7. 3 (2).]
[Al. Ex. 6. 6 : I Ki. 1. 11.]

καλαβώτης. (1) לְטָאָה (2) שְׁמָמִית

Le. 11. 30. A B *ταῦτα ὑμῖν ἀκάθαρτα . . . καλαβώτης* [R χαλ.] (1)
Pr. 24. 63 (30. 28). *καλαβώτης χερσὶν ἐρειδόμενος καὶ εὐάλωτος ὤν* (2)

κάλαθος. (1) *a.* דּוּד *b.* הוּבַי

Je. 24. 1. *ἔδειξέ μοι κύριος δύο καλάθους σύκων* (1 *b*)
— 2. *ὁ κ. ὁ εἷς σύκων χρηστῶν σφόδρα . . . καὶ ὁ κ. ὁ ἕτερος σύκων πονηρῶν σφόδρα* (1 *a*, 1 *a*)
[Aq. Am. 8. 1.]

καλαμᾶσθαι. (1) נָקַף (2) *a.* עָלַל po. *b.* עֹלֲלוֹת (3) פָּאַר pi.

De. 24. 20. *καλαμήσασθαι τὰ ὀπίσω σου* (3)
Jd. 20. 45. *ἐκαλαμήσαντο . . . πεντακισχιλίους ἄνδρας* [A *al.*] (2 *a*)
Si. 30. 25 (33. 16). *ὡς καλαμώμενος ὀπίσω τρυγητῶν*
Is. 3. 12. *οἱ πράκτορες ὑμῶν καλαμῶνται ὑμᾶς* (2 *a*)
24. 13. *ὃν τρόπον ἐάν τις καλαμήσηται* [S -μᾶται] *ἐλαίαν οὕτως καλαμήσονται αὐτούς* (1, 2 *b*)
Je. 6. 9. *καλαμᾶσθε καλαμᾶσθε ὡς ἄμπελον τὰ κατάλοιπα* (2 *a*, 2 *a*)
[Aq. Ex. 5. 7 : Je. 6. 9.]
[Sm., Th. Ex. 5. 7.]

καλάμη. (1) עֹלֲלוֹת (2) עָמִיר (3) קַשׁ (4) שִׁבֹּלֶת שִׁבֹּלֶת נְעָרֹת (5) שַׁיִת (6) κ. στιππύου

Ex. 5. 12. *συναγαγεῖν καλάμην εἰς ἄχυρα* (3)
15. 7. *κατέφαγεν αὐτοὺς ὡς καλάμην* (3)
Jb. 24. 24. *ὥσπερ στάχυς ἀπὸ καλάμης αὐτόματος ἀποπεσών* (4)
41. 20 (21). *ὡς καλάμη ἐλογίσθησαν* [S -ίσατο] *σφυρά* [S *al.*] (3)
Ps. 82 (83). 13. *ὡς καλάμην κατὰ πρόσωπον ἀνέμου* [S^1 *πυρός*] (3)
Wi. 3. 7. *ὡς σπινθῆρες ἐν καλάμῃ διαδραμοῦνται*
Am. 2. 13. *κυλίεται ἡ ἅμαξα ἡ γέμουσα καλάμης* (2)
Mi. 7. 1. *ὡς συνάγων καλάμην ἐν ἀμητῷ* †
Jl. 2. 5. *ὡς φωνὴ φλογὸς πυρὸς κατεσθιούσης καλάμην* (3)
Ob. 1. 18. *ὁ δὲ οἶκος Ἡσαῦ εἰς* [S *om.*] *καλάμην* (3)
Na. 1. 10. *καὶ ὡς καλάμη ξηρασίας μεστή* (3)
Za. 12. 6. *ὡς λαμπάδα πυρὸς ἐν καλάμῃ* [S^1 *al.*] (2)
Ma. 4. 1 (3. 19). *ἔσονται . . . πάντες οἱ ποιοῦντες ἄνομα καλάμη* (3)
Is. 1. 31. *ἔσται ἡ ἰσχὺς αὐτῶν ὡς κ. στιππύου* (6)
5. 24. *καυθήσεται κ. ὑπὸ ἄνθρακος πυρός* (3)
17. 6. *καταλειφθῇ ἐν αὐτῇ κ.* (1)
27. 4. *τίς με θήσει φυλάσσειν καλάμην ἐν ἀγρῷ* (5 ?)
[Aq. Jb. 41. 21 : Is. 40. 24 : Je. 6. 9 : 13. 24.]
[Sm. Je. 13. 24.]
[Th. Jb. 41. 21 : Is. 33. 11 : 40. 24.]

καλάμημα.

[Th. Ob. 1. 5.]

καλάμινος. (1) קָנֶה

IV Ki. 18. 21. *πέποιθας σαυτῷ ἐπὶ τὴν ῥάβδον τὴν κ.* (1)
Is. 36. 6. *πεποιθὼς εἶ ἐπὶ τὴν ῥάβδον τὴν κ. τὴν τεθλασμένην ταύτην* (1)
Ez. 29. 6. *ἐγενήθης ῥάβδος κ. τῷ οἴκῳ Ἰσ.* (1)

καλαμίσκος. (1) קָנֶה

Ex. 25. 30 (31). *οἱ κ. . . . ἐξ αὐτῆς ἔσται* (1)
— 31 (32). *ἐξ δὲ καλαμίσκοι ἐκπορευόμενοι ἐκ πλαγίων* (1)
— 31 (32). *τρεῖς καλαμίσκοι τῆς λυχνίας* (1)
— 31 (32). *καὶ τρεῖς κ.* (1)
— 32 (33). *ἐν τῷ ἑνὶ κ. σφαιρωτὴρ καὶ κρίνον* (1)
— 32 (33). *τοῖς ἓξ κ. τοῖς ἐκπορευομένοις ἐκ τῆς λυχνίας* (1)
— 33 (34). *ἐν τῷ ἑνὶ κ. σφαιρωτῆρες* [A -τήρ] –
— 33 (34). A *τοῖς ἓξ κ. τοῖς ἐκπορευομένοις ἐκ τῆς λυχνίας* –
— 34 (35). *ὁ σφαιρωτὴρ ὑπὸ τοὺς δύο κ.* (1)
— 34 (35). *σφαιρωτὴρ ὑπὸ τοὺς τέσσαρας κ.* (1)
— 34 (35). *τοῖς ἓξ κ. τοῖς ἐκπορευομένοις ἐκ τῆς λυχνίας* (1)
— 35 (36). *οἱ κ. ἐξ αὐτῆς ἔστωσαν* (1)
38. 14 (37. 17). *τὸν καυλὸν καὶ τοὺς κ.* (1)
— 15 (37. 18). *ἐκ τῶν κ. αὐτῆς οἱ βλαστοὶ ἐξέχοντες* (1)

κάλαμος. (1) חָגִין (2) עֵט (3) קָנֶה

Ex. 30. 23. A^2 B *καλάμου εὐώδους διακοσίους πεντήκοντα* (3)
Jb. 40. 16 (21). *κοιμᾶται παρὰ πάπυρον καὶ κάλαμον* (3)
Ps. 44 (45). 1. *ἡ γλῶσσά μου κάλαμος γραμματέως ὀξυγράφου* (2)
67 (68). 30. *ἐπιτίμησον τοῖς θηρίοις τοῦ κ.* (3)
Ca. 4. 14. *νάρδος καὶ κρόκος κάλαμος* [S^1 -ον] *καὶ κιννάμωμον* (3)
Is. 19. 6. *ἐν παντὶ ἕλει καλάμου καὶ παπύρου* (3)
35. 7. *ἐπαύλεις καλάμου* [S *ποιμνίων*] *καὶ ἕλη* (3)
42. 3. *κάλαμον τεθλασμένον* [A *συντ.*] *οὐ συντρίψει* (3)
Ez. 40. 3. *κ. μέτρον* [A *add. ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ*] (3)
— 5. *ἐν τῇ χειρὶ τοῦ ἀνδρὸς κ. . . . πλάτος ἴσον τῷ κ. καὶ τὸ ὕψος αὐτοῦ ἴσον τῷ κ.* (3 *ter*)
— 6. *διεμέτρησε . . . ἴσον τῷ κ.* (3)
— 7. *τὸ θεὲ ἴσον τῷ κ. τὸ μῆκος καὶ ἴσον τῷ κ. τὸ πλάτος . . . τὸ θεὲ τὸ δεύτερον ἴσον τῷ κ. πλάτος καὶ ἴσον τῷ κ. μῆκος* [A *om.* κ. ἴ. τ. κ. μ.] (3, 3, –, 3)
— 8. *τὸ θεὲ τὸ τρίτον ἴσον τῷ κ. μῆκος καὶ ἴσον τῷ κ. πλάτος* (–, 3)
— 9. A *τὸ αἰλὰμ . . . ἴσον τῷ κ.* [B *om.* ἴ. τ. κ.] –
41. 8. *διάστημα τῶν πλευρῶν ἴσον τῷ κ. πήχεων ἓξ* [A *om.*] (3)
42. 12. *ὡς ἐπὶ φῶς διαστήματος καλάμου* (1 ?)
— 16. *διεμέτρησε πεντακοσίους ἐν τῷ κ. τοῦ μέτρου* (3)
— 17. *πήχεις πεντακοσίους ἐν τῷ κ. τοῦ μέτρου* (3)
— 18, 19. *πεντακοσίους ἐν τῷ κ. τοῦ μέτρου* (3)
— 20. *τὰ τέσσαρα μέρη τοῦ αὐτοῦ κ.* [A *al.*] –
III Ma. 2. 21. *κραδάνας αὐτὸν ὡς κάλαμον ὑπὸ ἀνέμου*
4. 20. *τοὺς γραφικοὺς κ. . . . ἐκλελοιπέναι*
[Aq. Ge. 41. 5, 22 : III Ki. 14. 15 : Is. 35. 7 : Je. 6. 20 : Ez. 27. 19.]
[Sm. Ge. 41. 5, 22 : Is. 35. 7 : Ez. 27. 19.]
[Th. Is. 35. 7 : Ez. 27. 19.]
[Heb. Ez. 9. 2.]

καλεῖν. (1) *a.* אָמַר ni. *b.* אֲמַר (2) בּוֹא *a.* qal. *b.* hi. (3) דָּבַר pi. (4) הָיָה (5) זָבַר hi. (6) זָעַק *a.* hi. *b.* זְעַק (7) לָקַח (8) עָלַל aph. (9) קָרָא *a.* qal. *b.* ni. *c.* pu. *d.* קָרָא pe. *e.* ithpe. *f.* מִקְרָא (10) רוּם hi. (11) שֵׁם

Ge. 1. 5. *ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὸ φῶς ἡμέραν* (9 *a*)
— 5. *τὸ σκότος ἐκάλεσε νύκτα* (9 *a*)
— 8. *ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὸ στερέωμα οὐρανόν* (9 *a*)
— 10. *ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὴν ξηρὰν γῆν* (9 *a*)
— 10. *τὰ συστήμ. τῶν ὑδ. ἐκάλεσε θαλάσσας* (9 *a*)
2. 19. *ἰδεῖν τί καλέσει αὐτά* (9 *a*)
— 19. *πᾶν ὃ ἐὰν ἐκάλεσεν αὐτὸ Ἀ.* (9 *a*)
— 20. *ἐκάλεσεν Ἀ. ὀνόματα* (9 *a*)
— 23. *αὕτη κληθήσεται Γυνή* (9 *b*)
3. 9. *ἐκάλεσεν κύριος . . . τὸν Ἀδάμ* (9 *a*)
— 20. *ἐκάλεσεν Ἀ. τὸ ὄνομα τῆς γυναικὸς αὐτοῦ* [A *om.*] *Ζωή* (9 *a*)
11. 9. R *ἐκλήθη τὸ ὄνομα αὐ. Σύγχυσις* (9 *a*)
12. 18. *καλέσας δὲ Φαραὼ τὸν Ἄβραμ* (9 *a*)
16. 11. *καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰσμαήλ* (9 *a*)
— 13. *ἐκάλεσε τὸ ὄνομα κυρίου* (9 *a*)
— 14. *ἐκάλεσε τὸ φρέαρ* (9 *a*)
— 15. *ἐκάλεσεν Ἄ. τὸ ὄνομα τοῦ υἱοῦ αὐτοῦ* (9 *a*)
17. 5. *οὐ κληθήσεται ἔτι τὸ ὄνομά σου Ἄ.* (9 *b*)
— 15. *οὐ κληθήσεται τὸ ὄνομα αὐτῆς Σ.* (9 *a*)
— 19. *καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰσαάκ* (9 *a*)
19. 22. R *ἐκάλεσε* [A *ἐπωνόμασεν*] *τὸ ὄνομα* (9 *a*)
— 37. *ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Μωάβ* (9 *a*)
— 39 (38). *ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἀμμάν* (9 *a*)
20. 8. *ἐκάλεσε πάντας τοὺς παῖδας αὐτοῦ* (9 *a*)
— 9. *ἐκάλεσεν Ἀβιμέλεχ τὸν Ἀβραάμ* (9 *a*)
21. 3. *ἐκάλεσεν Ἄ. τὸ ὄνομα τοῦ υἱοῦ αὐτοῦ* (9 *a*)
— 12. *ἐν Ἰσαὰκ κληθήσεταί σοι σπέρμα* (9 *b*)
— 17. *ἐκάλεσεν ἄγγελος θεοῦ τὴν Ἄγαρ* (9 *a*)
22. 11. *ἐκάλεσεν αὐτὸν ἄγγελος κυρίου* (9 *a*)
— 14. *ἐκάλεσεν Ἄ. τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ.* (9 *a*)
— 15. *ἐκάλεσεν ἄγγελος κυρ. τὸν Ἄ. δεύτερον* (9 *a*)
24. 57. *καλέσωμεν τὴν παῖδα* (9 *a*)
— 58. *ἐκάλεσαν τὴν Ῥεβέκκαν* (9 *a*)
25. 26. *ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰακώβ* (9 *a*)
— 30. *ἐκλήθη τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἐδώμ* (9 *a*)
26. 9. *ἐκάλεσε δὲ Ἀβιμέλεχ τὸν Ἰ.* (9 *a*)
— 20. R *ἐκάλεσαν* [A *-εν*] *τὸ ὄνομα τοῦ φρέατος* (9 *a*)
— 33. R *ἐκάλεσεν αὐτὸ* [A *ἐ. τὸ ὄνομα αὐτοῦ*] *Ὅρκος* (9 *a*)
— 33. *ἐκάλεσεν ὄνομα τῇ πόλει* –
27. 1. *ἐκάλεσεν Ἡσαῦ τὸν υἱὸν αὐτοῦ* (9 *a*)
— 36. *δικαίως ἐκλήθη τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰακώβ* (9 *a*)
— 42. *πέμψασα ἐκάλεσεν Ἰακώβ* (9 *a*)

Ge. 28. 19. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. (9 a)
29. 32. ἐκάλεσε δὲ τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ῥουβήν (9 a)
— 33. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Συμεών (9 a)
— 34. B ἐκάλεσε [A ἐκλήθη] τὸ ὄνομα αὐτοῦ Λευεί (9 a)
— 35. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰούδαν (9 a)
30. 6. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Δάν (9 a)
— 8. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Νεφθαλεί (9 a)
— 13. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἀσήρ (9 a)
— 18. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰσσάχαρ (9 a)
— 20. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ζαβουλών (9 a)
— 21. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτῆς Δεῖνα (9 a)
— 24. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰωσήφ (9 a)
31. 4. ἐκάλεσε Λείαν καὶ Ῥαχήλ (9 a)
— 47. ἐκάλεσεν αὐτὸν Λάβαν (9 a)
— 47. Ἰακὼβ δὲ ἐκάλεσεν αὐτόν (9 a)
— 48. ἐκλήθη τὸ ὄνομα (9 a)
— 54. ἐκάλεσε τοὺς ἀδελφοὺς αὐτοῦ (9 a)
32. 2 (3). ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. (9 a)
— 28 (29). οὐ κληθήσεται ἔτι τὸ ὄνομά σου Ἰακώβ (1 a)
— 30 (31). ἐκάλεσεν Ἰ. τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. (9 a)
33. 17. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. (9 a)
35. 7. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου (9 a)
— 8. ἐκάλεσεν Ἰακὼβ τὸ ὄνομα αὐτῆς (9 a)
— 10. τὸ ὄνομά σου οὐ κληθήσεται ἔτι Ἰακώβ (9 b)
— 10. B ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰσραήλ (9 a)
— 15. ἐκάλεσεν Ἰακὼβ τὸ ὄνομα τοῦ τόπου (9 a)
— 18. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ (9 a)
— 18. B ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ [A ἐ.αὐτόν] (9 a)
38. 3. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἦρ (9 a)
— 4. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Αὐνάν (9 a)
— 5. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Σηλώμ (9 a)
— 29. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Φαρές (9 a)
— 30. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ζαρά (9 a)
39. 14. ἐκάλεσε τοὺς ὄντας ἐν τῇ οἰκίᾳ (9 a)
41. 8. ἐκάλεσε πάντας τοὺς ἐξηγητὰς Αἰγύπτου (9 a)
— 14. ἐκάλεσε τὸν Ἰωσήφ (9 a)
— 45. ἐκάλεσε Φαραὼ τὸ ὄνομα Ἰωσήφ (9 a)
— 51. ἐκάλεσε δὲ Ἰ. τὸ ὄν. τοῦ πρωτοτόκου (9 a)
— 52. τὸ δὲ ὄνομα τοῦ δευτέρου ἐκάλεσεν (9 a)
46. 33. ἐὰν οὖν καλέσῃ ὑμᾶς Φαραώ (9 a)
47. 29. ἐκάλεσε τὸν υἱὸν αὐτοῦ Ἰωσήφ (9 a)
48. 6. κληθήσονται ἐπὶ [A ἐν] τοῖς ἐκείνων κλήροις (9 b)
49. 1. ἐκάλεσε δὲ Ἰ. τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ (9 a)
50. 11. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ [A *al.*] (9 a)
Ex. 1. 18. ἐκάλεσε δὲ ὁ βασ. Αἰγ. τὰς μαίας (9 a)
2. 7. θέλεις καλέσω σοι γυναῖκα τροφεύουσαν (9 a)
— 8. ἐκάλεσε τὴν μητέρα τοῦ παιδίου (9 a)
— 20. καλέσατε οὖν αὐτόν (9 a)
3. 4. ἐκάλεσεν αὐτὸν κύριος ἐκ τοῦ βάτου (9 a)
8. 8 (4). ἐκάλεσε Φαραὼ Μωυσῆν (9 a)
— 25 (21). ἐκάλεσε δὲ Φαραὼ Μωυσῆν (9 a)
9. 27. ἀποστείλας δὲ Φ. ἐκάλεσε Μωυσῆν (9 a)
10. 16. κατέσπευδε δὲ Φ. καλέσαι Μωυσῆν (9 a)
— 24. ἐκάλεσε Φαραὼ Μωυσῆν (9 a)
12. 16. ἡ ἡμέρα ἡ πρώτη κληθήσεται [A κεκλήσ.] ἁγία (9 f)
— 21. ἐκάλεσε δὲ Μ. πᾶσαν γερουσίαν (9 a)
— 31. ἐκάλεσε Φαραὼ Μωυσῆν (9 a)
19. 3. ἐκάλεσεν αὐτὸν ὁ θεός (9 a)
— 7. ἐκάλεσε [B¹ ἐλάλησε πρὸς] τοὺς πρεσβυτέρους (9 a)
— 20. ἐκάλεσε κύριος Μωυσῆν (9 a)
24. 16. ἐκάλεσε κύριος τὸν Μωυσῆν (9 a)
33. 7. ἐκλήθη Σκηνὴ μαρτυρίου (9 a)
— 19. A καλέσω τῷ ὀνόματι κυρίου [B R *al.*] (9 a)
34. 5. ἐκάλεσε τῷ ὀνόματι κυρίου (9 a)
— 6. καὶ ἐκάλεσε, Κύριος ὁ θεός (9 a)
— 15. καὶ καλέσωσί σε καὶ φάγῃς (9 a)
— 31. ἐκάλεσεν αὐτοὺς M. (9 a)
36. 2. ἐκάλεσε M. Βεσελεήλ (9 a)
Le. 9. 1. ἐκάλεσε M. Ἀαρών (9 a)
10. 4. ἐκάλεσε M. τὸν Μισ. (9 a)
13. 45. καὶ ἀκάθαρτος κεκλήσεται (9 a)
23. 2. ἃς καλέσετε αὐτὰς κλητὰς ἁγίας (9 a)
— 4. A B καλέσατε [R -σετε] αὐτὰς ἐν τοῖς καιροῖς αὐτῶν (9 a)
— 21. καλέσετε ταύτην τὴν ἡμ. κλητήν [A -ή] (9 a)
— 37. ἃς καλέσετε κλητὰς ἁγίας (9 a)
Nu. 11. 3, 34. ἐκλήθη τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκ. (9 a)
12. 5. ἐκλήθησαν Ἀαρὼν καὶ Μαριάμ (9 a)
16. 12. ἀπέστειλε Μωυσῆς καλέσαι Δάθαν (9 a)
22. 5. ἀπέστειλε πρέσβεις . . . καλέσαι αὐτόν (9 a)
— 20. εἰ καλέσαι σε πάρεισιν (9 a)
Nu. 22. 37. οὐχὶ ἀπέστειλα πρὸς σὲ καλέσαι σε (9 a)
23. 11. εἰς κατάρασιν ἐχθρῶν μου κέκληκά σε (7)
24. 10. καταρᾶσθαι . . . κέκληκά σε (9 a)
25. 2. A R ἐκάλεσαν αὐτοὺς εἰς τὰς θυσίας [B ἐπὶ ταῖς θ.] (9 a)
De. 5. 1. ἐκάλεσε Μωυσῆς πάντα Ἰσραήλ (9 a)
25. 8. καλέσουσιν αὐτὸν ἡ γερουσία (9 a)
— 10. κληθήσεται τὸ ὄνομα αὐτοῦ ἐν Ἰσρ. (9 b)
29. 2 (1). ἐκάλεσε M. πάντας τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (9 a)
31. 7. ἐκάλεσε Μωυσῆς Ἰησοῦν (9 a)
— 14. κάλεσον Ἰησοῦν (9 a)
32. 3. τὸ ὄνομα κυρίου ἐκάλεσα (9 a)
Jo. 5. 3. ἐπὶ τοῦ καλουμένου τόπου –
— 8 (9). ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου (9 a)
19. 47. καὶ ἐκάλεσαν τὸ ὄνομα αὐτῆς (9 a)
24. 9. ἐκάλεσε τὸν Βαλαάμ (9 a)
Jd. 1. 17. ἐκάλεσε [A -αν] τὸ ὄνομα τῆς πόλεως (9 a)
— 26. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτῆς Λ. (9 a)
2. 5. A ἐκλήθη [B ἐπωνόμασαν] τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου (9 a)
4. 6. ἐκάλεσε τὸν Βαράκ (9 a)
— 13. ἐκάλεσε Σισάρα πάντα τὰ ἅρματα αὐ. (6 a)
6. 24. A καὶ ἐκάλεσεν αὐτό [B ἐπεκάλ. αὐτῷ] (9 a)
— 32. καὶ ἐκάλεσεν αὐτό (9 a)
8. 1. τοῦ μὴ καλέσαι ἡμᾶς (9 a)
10. 4. ἐκάλουν [A -λεσεν] αὐτὰς ἐπαύλεις Ἰαΐρ (9 a)
12. 1. ἡμᾶς οὐ κέκληκας πορευθῆναι μετὰ σοῦ (9 a)
13. 24. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ (9 a)
14. 15. ἢ ἐκβιάσαι ἡμᾶς κεκλήκατε [A *al.*] (9 a)
15. 17. ἐκάλεσε τὸν τόπον ἐκεῖνον (9 a)
— 19. ἐκλήθη τὸ ὄνομα αὐτῆς [A *al.*] (9 a)
16. 18. ἐκάλεσε τοὺς ἄρχοντας τῶν ἀλλοφύλων [A *al.*] (9 a)
— 19. ἐκάλεσεν ἄνδρα [A τὸν κουρέα] (9 a)
— 25. καλέσατε τὸν Σαμψών (9 a)
— 25. καὶ ἐκάλεσαν τὸν Σαμψών (9 a)
18. 12. ἐκλήθη ἐν [A *om.*] ἐκείνῳ τῷ τόπῳ (9 a)
— 29. ἐκάλεσαν τὸ ὄνομα τῆς πόλεως Δάν (9 a)
21. 13. ἐκάλεσαν αὐτοὺς εἰς εἰρήνην (9 a)
Ru. 1. 20. μὴ δὴ καλεῖτέ με N. καλέσατέ με Πικράν [A -ίαν] (9 a, 9 a)
— 21. ἵνα τί καλεῖτέ με N. (9 a)
4. 14. καὶ καλέσαι τὸ ὄνομά σου ἐν Ἰσρ. (9 b)
— 17. ἐκάλεσαν αὐτοῦ αἱ γείτονες ὄνομα (9 a)
— 17. ἐκάλεσαν τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ὠβήδ (9 a)
I Ki. 1. 20. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Σαμουήλ (9 a)
3. 4. καὶ ἐκάλεσε κύριος (9 a)
— 5. ὅτι κέκληκάς με (9 a)
— 5. οὐ κέκληκά σε (9 a)
— 6. καὶ ἐκάλεσε [A *add.* ἔτι] (9 a)
— 6. ὅτι κέκληκάς με (9 a)
— 6. οὐ κέκληκά σε (9 a)
— 8. προσέθετο κύριος καλέσαι [A *add.* ἐπὶ] Σαμ. (9 a)
— 8. ὅτι κέκληκάς με (9 a)
— 8. κύριος κέκληκε τὸ παιδάριον (9 a)
— 9. ἐὰν καλέσῃ σε (9 a)
— 10. καὶ ἐκάλεσεν αὐτόν (9 a)
4. 21. καὶ ἐκάλεσε τὸ παιδάριον (9 a)
6. 2. καλοῦσιν ἀλλόφυλοι τοὺς ἱερεῖς (9 a)
7. 12. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ (9 a)
9. 9. τὸν προφήτην ἐκάλει ὁ λαὸς ἔμπροσθεν (9 b)
— 22. ἐν πρώτοις τῶν κεκλημένων (9 a)
— 26. ἐκάλεσε Σαμ. τὸν Σαούλ (9 a)
16. 3. καὶ καλέσεις τὸν Ἰεσσαί (9 a)
— 5. ἐκάλεσεν αὐτοὺς εἰς τὴν θυσίαν (9 a)
— 8. καὶ ἐκάλεσεν Ἰ. τὸν Ἀμιν. (9 a)
19. 7. ἐκάλεσεν Ἰωνάθαν τὸν Δαυίδ (9 a)
22. 11. καλέσαι τὸν Ἀβ. (9 a)
26. 14. τίς εἶ σὺ ὁ καλῶν (9 a)
28. 15. κέκληκά σε γνωρίσαι μοι (9 a)
29. 6. ἐκάλεσεν Ἀγχοῦς τὸν Δαυίδ (9 a)
II Ki. 1. 7. καὶ ἐκάλεσέ με (9 a)
— 15. ἐκάλεσε Δ. ἓν τῶν παιδαρίων αὐτοῦ (9 a)
2. 16. ἐκλήθη τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου (9 a)
— 26. ἐκάλεσεν Ἀβ. Ἰωάβ (9 a)
5. 9. ἐκλήθη αὕτη ἡ πόλις Δαυίδ (9 a)
— 20. ἐκλήθη τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου (9 a)
6. 8. ἐκλήθη ὁ τόπος ἐκεῖνος (9 a)
9. 2. καλοῦσιν αὐτὸν πρὸς Δαυίδ (9 a)
— 9. ἐκάλεσεν ὁ βασ. Σιβά (9 a)
11. 13. ἐκάλεσεν αὐτὸν Δ. (9 a)
12. 24. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Σαλωμών (9 a)
— 25. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰ. (9 a)
— 28. καὶ κληθῇ τὸ ὄνομά μου [A αὐτοῦ] ἐπ' αὐτήν (9 b)
II Ki. 13. 17. ἐκάλεσε τὸ παιδάριον αὐτοῦ (9 a)
— 23. ἐκάλεσεν Ἀβ. πάντας τοὺς υἱοὺς τοῦ βασ. (9 a)
14. 33. καὶ ἐκάλεσε τὸν Ἀβ. (9 a)
17. 5. καλέσατε δὴ καί γε τὸν Χ. (9 a)
18. 18. A ἐκάλεσεν τὴν στήλην ἐπὶ τῷ ὀνόματι αὐτοῦ (9 a)
— 18. ἐκάλεσε τὴν στήλην Χειρ Ἀβ. (9 b)
21. 2. ἐκάλεσεν ὁ βασ. Δ. τοὺς Γαβ. (9 a)
III Ki. 1. 9. ἐκάλεσε πάντας τοὺς ἀδ. αὐ. (9 a)
— 10. τὸν Σαλ. ἀδελφὸν αὐτοῦ οὐκ ἐκάλεσε (9 a)
— 19. ἐκάλεσε πάντας τοὺς υἱοὺς τοῦ βασ. (9 a)
— 19. τὸν Σαλ. τὸν δοῦλόν σου οὐκ ἐκάλεσε (9 a)
— 25. ἐκάλεσε πάντας τοὺς υἱοὺς τοῦ βασ. (9 a)
— 26. Σαλ. τὸν δοῦλόν σου οὐκ ἐκάλεσεν (9 a)
— 28. καλέσατέ μοι τὴν Βηρσαβεέ (9 a)
— 32. καλέσατέ μοι Σαδώκ (9 a)
2. 28. B Ἰωὰβ ἦν κεκληκὼς [A B -ικὼς] ὀπίσω Ἀδ. †
3. 1 (2. 36). ἐκάλεσεν ὁ βασ. τὸν Σεμ. (9 a)
— 1 (2. 42). ἐκάλεσε τὸν Σεμ. (9 a)
9. 13. ἐκάλεσεν αὐτὰς Ὄριον (9 a)
12. 3. A καὶ ἐκάλεσαν αὐτόν (9 a)
— 20. B ἐκάλεσεν [B -αν, A εἰσήγαγεν] αὐτὸν εἰς τὴν συναγωγήν (9 a)
18. 3. ἐκάλεσεν Ἀχ. τὸν Ἀβδ. (9 a)
20 (21). 12. A B ἐκάλεσαν νηστείαν (9 a)
21 (20). 7. ἐκάλεσεν ὁ βασ. Ἰσρ. πάντας τοὺς πρεσβυτέρους (9 a)
22. 9. ἐκάλεσεν ὁ βασ. Ἰσρ. εὐνοῦχον ἕνα (9 a)
— 13. ὁ πορευθεὶς καλέσαι τὸν M. (9 a)
IV Ki. 1. 3. ἄγγελος κυρίου ἐκάλεσεν Ἠ. (3)
— 9. ὁ βασιλεὺς ἐκάλεσέ σε (3)
3. 10, 13. κέκληκε κύριος τοὺς τρεῖς βασιλεῖς (9 a)
4. 12. κάλεσόν μοι τὴν Σ. ταύτην (9 a)
— 12. καὶ ἐκάλεσεν αὐτήν (9 a)
— 15. A κάλεσον αὐτήν (9 a)
— 15. καὶ ἐκάλεσεν αὐτήν (9 a)
— 22. ἐκάλεσε τὸν ἄνδρα αὐτῆς (9 a)
— 36. κάλεσον τὴν Σ. ταύτην (9 a)
— 36. καὶ ἐκάλεσε [A *add.* αὐτήν] (9 a)
6. 11. ἐκάλεσε τοὺς παῖδας αὐτοῦ (9 a)
8. 1. κέκληκε [A -ικεν] κ. λιμὸν ἐπὶ τὴν γῆν (9 a)
— 12. A ὁ κύριός μου καλεῖ [B κλαίει] †
9. 1. ἐκάλεσεν ἕνα τῶν υἱῶν τῶν προφητῶν (9 a)
10. 19. τοὺς ἱερεῖς αὐτοῦ καλέσατε πρὸς μέ (9 a)
12. 7 (8). ἐκάλεσεν Ἰ. ὁ βασ. Ἰ. τὸν ἱερέα (9 a)
14. 7. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτῆς Ἰ. (9 a)
18. 4. καὶ ἐκάλεσεν αὐτὸν [A -οὺς] N. (9 a)
I Ch. 4. 9. ἡ μήτηρ ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰ. (9 a)
6. 65 (50). ἃς ἐκάλεσεν αὐτὰς ἐπ' ὀνόματος [B¹ *om.* ἐπ' ὀ.] (9 a)
7. 16, 23. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ (9 a)
11. 7. ἐκάλεσεν αὐτὴν πόλιν Δαυίδ (9 a)
13. 11. ἐκάλεσε τὸν τόπον ἐκεῖνον (9 a)
14. 11. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου (9 a)
15. 11. ἐκάλεσε Δ. τὸν Σαδώκ (9 a)
22. 6. ἐκάλεσε Σαλ. τὸν υἱὸν αὐτοῦ (9 a)
23. 14. ἐκλήθησαν εἰς φυλὴν τοῦ Λευί (9 b)
II Ch. 3. 17. καὶ ἐκάλεσε τὸ ὄνομα (9 a)
10. 3. A R καὶ ἐκάλεσαν [B -εν] αὐτόν (9 a)
18. 8. ἐκάλεσεν . . . εὐνοῦχον ἕνα (9 a)
— 12. ὁ πορευθεὶς τοῦ καλέσαι τὸν M. (9 a)
20. 26. ἐκάλεσαν τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου (9 a)
24. 6. ἐκάλεσεν ὁ βασ. Ἰ. τὸν Ἰωδαέ (9 a)
I Es. 3. 7. συγγενὴς Δαρείου κληθήσεται
— 14. ἐκάλεσε πάντας τοὺς μεγιστᾶνας τῆς Π.
— 16. καλέσατε τοὺς νεανίσκους . . . καὶ ἐκλήθησαν
4. 36. πᾶσα ἡ γῆ τὴν ἀλήθειαν καλεῖ
— 42. συγγενής μου κληθήσῃ
5. 38. καὶ ἐκλήθη ἐπὶ τῷ ὀνόματι αὐτοῦ
9. 23. B οὗτος καλεῖται Σκεπαθαῖος [?, A R *al.*]
II Es. 2. 61. A R καὶ ἐκλήθη ἐπὶ τῷ [B ἐν] ὀνόματι αὐτῶν (9 b)
4. 18. ἐκλήθη ἔμπροσθεν ἐμοῦ (9 d)
8. 21. ἐκάλεσα ἐκεῖ νηστείαν (9 a)
Ne. 5. 12. καὶ ἐκάλεσα τοὺς ἱερεῖς (9 a)
7. 63. ἐκλήθη ἐπ' [A τῷ?] ὀνόματι αὐτῶν (9 b)
To. 1. 9. S καὶ ἐκάλεσα τὸ ὄνομα αὐτοῦ
2. 13. S καὶ ἐκάλεσα αὐτὴν καὶ εἶπα [A B *al.*]
4. 2. τί οὐ καλῶ Τωβίαν τὸν υἱόν μου
— 3. καλέσας αὐτὸν εἶπε [S *al.*]
5. 8. S κάλεσόν μοι τὸν ἄνθρωπον [A B *al.*]
— 9. S ὁ πατὴρ καλεῖ σε
— 9. A B ἐκάλεσεν αὐτόν
— 16. S ἐκάλεσεν τὸν υἱὸν αὐτοῦ

To. 7. 13. ἐκάλεσε Σ. τὴν θυγ. αὐτοῦ
— 14. ἐκάλεσεν Ἔδναν τὴν γυναῖκα αὐτοῦ [S *al.*]
— 16. ἐκάλεσε Ῥαγουὴλ Ἔδναν τὴν γυναῖκα αὐτοῦ
8. 9. S ἐκάλεσεν τοὺς οἰκέτας
— 11. S καὶ ἐκάλεσεν τὴν γυναῖκα αὐτοῦ
— 20. S καὶ ἐκάλεσεν Τωβείαν
9. 1. ἐκάλεσε Τωβίας τὸν Ῥαφαήλ
— 5. S καλεῖ αὐτὸν εἰς τὸν γάμον
12. 1. ἐκάλεσε Τωβὶτ Τωβίαν
— 5. ἐκάλεσε τὸν ἄγγελον [S *al.*]
— 6. καλέσας [S ἐκάλεσεν] τοὺς δύο κρυπτῶς
14. 3. ἐκάλεσε τὸν υἱὸν αὐτοῦ
Ju. 2. 4. ἐκάλεσε Ναβ. βασ. Ἀσσ. τὸν Ὀλ.
— 14. ἐκάλεσε πάντας τοὺς δυνάστας
5. 2. ἐκάλεσε πάντας τοὺς ἄρχοντας Μ.
8. 10. ἐκάλεσεν Χαβρὶν καὶ Χαρμίν
10. 2. ἐκάλεσε τὴν ἄβραν αὐτῆς
12. 10. οὐκ ἐκάλεσεν . . . οὐδένα τῶν πρὸς ταῖς χρείαις
14. 5. καλέσατέ μοι Ἀχ.
— 6. καὶ ἐκάλεσαν [S -εν] τὸν Ἀχ.
Es. 2. 14. ἐὰν μὴ κληθῇ ὀνόματι [A -αστί] (9 *b*)
3. 12. ἐκλήθησαν οἱ γραμματεῖς τοῦ βασ. (9 *b*)
4. 11. οὐ κέκλημαι εἰσελθεῖν πρὸς τὸν βασ. [A S *al.*] (9 *b*)
5. 10. ἐκάλεσε τοὺς φίλους (2 *b*)
— 12. οὐ κέκληκεν ἡ βασίλισσα . . . οὐδένα [A *al.*] (2 *b*)
— 12. εἰς τὴν αὔριον κέκλημαι [A -ηκεν] (9 *a*)
6. 5. καλέσατε αὐτόν (2 *a*)
8. 9. ἐκλήθησαν δὲ οἱ γραμματεῖς (9 *b*)
9. 26. τῇ διαλέκτῳ αὐτῶν καλοῦνται Φρουραί –
Jb. 9. 16. ἐάν τε καλέσω (9 *a*)
13. 22. καλέσεις [S¹ -σῃ] ἐγὼ δέ σοι ὑπακούσομαι (9 *a*)
14. 15. εἶτα καλέσεις [A *add.* με] (9 *a*)
19. 16. θεράποντά μου ἐκάλεσα (9 *a*)
38. 34. καλέσεις δὲ νέφος φωνῇ (10)
42. 11. παρεκάλεσαν [S¹ ἐκ.] αὐτόν †
— 14. ἐκάλεσε τὴν μὲν πρώτην Ἡμέραν (9 *a*)
— 18. Ἰωβὰβ ὁ καλούμενος Ἰώβ –
Ps. 49 (50). 1. ἐκάλεσε τὴν γῆν (9 *a*)
103 (104). 5. B S² οὐ κλιθήσεται [S¹ κληθ., A κινηθ.] εἰς τὸν αἰ. †
104 (105). 16. ἐκάλεσε λιμὸν ἐπὶ τὴν γῆν (9 *a*)
146 (147). 4. καὶ πᾶσιν αὐτοῖς ὀνόματα καλῶν (9 *a*)
Pr. 1. 24. ἐπειδὴ ἐκάλουν (9 *a*)
16. 21. τοὺς σοφοὺς . . . φαύλους καλοῦσιν (9 *b*)
21. 24. αὐθάδης καὶ ἀλαζὼν λοιμὸς καλεῖται (11)
27. 16. ὀνόματι δὲ ἐπιδέξιος καλεῖται (9 *a*)
Ec. 6. 10. κέκληται [A -ηκεν] ὄνομα αὐ. (9 *b*)
Ca. 3. 1, 2 (A). ἐκάλεσα αὐτόν –
5. 6. ἐκάλεσα αὐτόν (9 *a*)
Wi. 11. 25. ἢ τὸ μὴ κληθὲν ὑπὸ σοῦ διετηρήθη
13. 10. οἵτινες ἐκάλεσαν θεοὺς ἔργα χειρῶν ἀνθρώπων
Si. 5. 14. μὴ κληθῇς ψίθυρος
36. 17 (14). λαὸν . . . κεκλημένον ἐπ' ὀνόματί σου
Ho. 1. 4. κάλεσον τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰ. (9 *a*)
— 6. κάλεσον τὸ ὄνομα αὐτῆς Οὐκ ἠλεημένη (9 *a*)
— 9. κάλεσον τὸ ὄνομα αὐτοῦ Οὐ λαός μου (9 *a*)
— 10 (2. 1). κληθήσονται καὶ αὐτοὶ υἱοὶ θεοῦ ζῶντος [A *al.*] (1 *a*)
2. 16 (18). καλέσει με Ὁ ἀνήρ μου καὶ οὐ καλέσει με ἔτι Β. (9 *a*, 9 *a*)
11. 12 (12. 1). καὶ λαὸς ἅγιος κεκλήσεται [A κληθήσ.] θεοῦ †
Am. 5. 16. κληθήσεται γεωργὸς εἰς πένθος (9 *a*)
7. 4. ἰδοὺ ἐκάλεσε τὴν δίκην ἐν πυρὶ κύριος (9 *a*)
Za. 8. 3. κληθήσεται Ἱερ. πόλις ἀληθινή (9 *b*)
11. 7. τὴν μὲν μίαν ἐκάλεσα Κάλλος καὶ τὴν ἑτέραν ἐκάλεσα Σχοίνισμα (9 *a*, 9 *a*)
Is. 1. 26. κληθήσῃ πόλις δικαιοσύνης (9 *b*)
4. 1. τὸ ὄνομα τὸ σὸν κεκλήσθω ἐφ' ἡμᾶς (9 *b*)
— 3. ἅγιοι κληθήσονται πάντες οἱ γραφέντες εἰς ζωήν (1 *a*)
7. 14. καλέσεις [S -σει] τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἐ. (9 *a*)
8. 3. κάλεσον τὸ ὄνομα αὐ. Ταχέως σκύλευσον (9 *a*)
— 4. πρὶν ἢ γνῶναι τὸ παιδίον κ. πατέρα (9 *a*)
9. 6 (5). καλεῖται [A -έσει] τὸ ὄνομα αὐτοῦ (9 *a*)
13. 19. ἢ καλεῖται ἔνδοξος –
19. 18. πόλις ἀσεδὲκ κληθήσεται ἡ μία πόλις [S¹ *al.*] (1 *a*)
21. 8. κάλεσον Οὐρίαν εἰς τὴν σκοπιάν (9 *a*)
— 11. πρὸς ἐμὲ κάλει [? -εῖ, A -εῖτε] παρὰ τοῦ Σηείρ (9 *a*)
Is. 22. 12. ἐκάλεσε κύριος κύριος σαβαὼθ . . . κλαυθμόν (9 *a*)
— 20. καλέσω τὸν παῖδά μου Ἐλιακείμ (9 *a*)
35. 8. ὁδὸς ἁγία κληθήσεται (9 *b*)
40. 26. πάντας [A -τα] ἐπ' ὀνόματι καλέσει (9 *a*)
41. 2. ἐκάλεσεν αὐτὴν κατὰ πόδας αὐτοῦ (9 *a*)
— 4. ἐκάλεσεν αὐτὴν ὁ καλῶν αὐτὴν ἀπὸ γενεῶν ἀρχῆς (–, 9 *a*)
— 9. ἐκ τῶν σκοπιῶν αὐτῆς ἐκάλεσά σε (9 *a*)
— 25. κληθήσονται [A κλήσ.] τῷ ὀνόματί μου (9 *a*)
42. 6. ἐκάλεσά σε ἐν δικαιοσύνῃ (9 *a*)
43. 1. ἐκάλεσά σε τὸ ὄνομά σου (9 *a*)
— 22. οὐ νῦν ἐκάλεσά σε, Ἰακώβ (9 *a*)
44. 7. στήτω καὶ καλεσάτω [S *al.*] (9 *a*)
45. 3. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὁ καλῶν τὸ ὄν. σου (9 *a*)
— 4. S¹ R ἐγὼ καλέσω σε τῷ ὀνόματί σου [A B S³ μου] (9 *a*)
46. 11. καλῶν ἀπ' ἀνατολῶν πετεινόν (9 *a*)
47. 1. οὐκέτι προστεθήσῃ κληθῆναι ἁπαλή (9 *a*)
— 5. οὐκέτι μὴ κληθήσῃ [S -θῇς] ἰσχὺς βασιλείας (9 *a*)
48. 1. οἱ κεκλημένοι ἐπὶ [A S² *om.*] τῷ ὀνόματι Ἰσραήλ (9 *b*)
— 8. ἄνομος ἔτι ἐκ κοιλίας κληθήσῃ (9 *c*)
— 12. Ἰσραὴλ ὃν ἐγὼ καλῶ (9 *c*)
— 13. καλέσω αὐτούς (9 *a*)
— 15. ἐγὼ ἐλάλησα ἐγὼ ἐκάλεσα (9 *a*)
49. 1. ἐκ κοιλίας μητρός μου ἐκάλεσε τὸ ὄνομά μου (5)
— 6. μέγα σοί ἐστι τοῦ [S¹ τὸ] κληθῆναί σε παῖδά μου (4)
50. 2. ἐκάλεσα καὶ οὐκ ἦν ὁ ὑπακούων [A S¹ *al.*] (9 *a*)
51. 2. ἐκάλεσα αὐτόν (9 *a*)
54. 5. θεὸς Ἰσραὴλ πάσῃ τῇ γῇ κληθήσεται (9 *b*)
— 6. κέκληκέ σε ὁ κύριος (9 *a*)
56. 7. ὁ γὰρ οἶκός μου οἶκος προσευχῆς κληθήσεται πᾶσι τοῖς ἔθνεσι (9 *b*)
58. 5. οὐδ' οὕτω καλέσετε νηστείαν δεκτήν (9 *a*)
— 12. κληθήσῃ οἰκοδόμος φραγμῶν (9 *c*)
— 13. καλέσεις τὰ σάββατα τρυφερά (9 *a*)
60. 14. κληθήσῃ Πόλις κυρίου Σιών (9 *a*)
— 18. κληθήσεται [S -σονται] Σωτήριον τὰ τείχη σου (9 *a*)
61. 2. καλέσαι ἐνιαυτὸν κυρίου δεκτόν (9 *a*)
— 3. κληθήσονται γενεαὶ δικαιοσύνης (9 *c*)
— 6. ἱερεῖς κυρίου κληθήσεσθε (1 *a*)
62. 2. καλέσει σε τὸ ὄνομα τὸ καινόν (9 *c*)
— 4. οὐκέτι κληθήσῃ [S¹ κληρονομηθ.] Καταλελειμμένη καὶ ἡ γῆ σου οὐ κληθήσεται ἔτι Ἔρημος σοὶ γὰρ κληθήσεται [S² -σῃ] Θέλημα ἐμόν (1 *a*, 1 *a*, 9 *b*)
— 12. καλέσει αὐτὸν Λαὸν ἅγιον . . . σὺ δὲ κληθήσῃ [S¹ συνεκλήθη] Ἐπιζητουμένη πόλις (9 *a*, 9 *b*)
63. 19. οὐδὲ ἐκλήθη [A ἐνεκλ.] τὸ ὄνομά σου ἐφ' ἡμᾶς (9 *b*)
65. 1. τῷ ἔθνει οἳ οὐκ ἐκάλεσάν μου τὸ ὄνομα (9 *c*)
— 12. ἐκάλεσα ὑμᾶς καὶ οὐχ ὑπηκούσατε (9 *a*)
— 15. τοῖς δὲ δουλεύουσί μοι [A αὐτῷ] κληθήσεται ὄνομα καινόν (9 *a*)
66. 4. ἐκάλεσα αὐτούς (9 *a*)
Je. 3. 4. οὐχ ὡς οἰκόν με ἐκάλεσας (9 *a*)
— 17. καλέσουσι τὴν Ἱερουσαλὴμ Θρόνος κυρίου (9 *a*)
— 19. πάτερα καλέσετέ με [A S¹ *al.*] (9 *a*)
6. 30. ἀργύριον ἀποδεδοκιμασμένον καλέσατε αὐτούς (9 *a*)
7. 13. ἐκάλεσα ὑμᾶς καὶ οὐκ ἀπεκρίθητε (9 *a*)
9. 17 (16). καλέσατε τὰς θρηνούσας (9 *a*)
11. 16. ἐλαίαν ὡραίαν εὔσκιον τῷ εἴδει ἐκάλεσε [S *add.* σε] κύριος τὸ ὄνομά σου (9 *a*)
19. 6. οὐ κληθήσεται τῷ τόπῳ τούτῳ ἔτι Διάπτωσις [A B¹ *al.*] (9 *b*)
20. 3. οὐχὶ Πασχὼρ ἐκάλεσε κύριος τὸ ὄνομά σου (9 *a*)
23. 6. ὃ καλέσει αὐτὸν κύριος (9 *a*)
26 (46). 17. καλέσατε τὸ ὄνομα Φαραὼ Νεχαώ (9 *a*)
— 19. κληθήσεται Οὐαί †
30. 7 (49. 29). καλέσατε ἐπ' [A *om.*] αὐτοὺς ἀπώλειαν κυκλόθεν (9 *a*)
32 (25). 29. μάχαιραν ἐγὼ καλῶ [A -λέσω] ἐπὶ τοὺς καθημένους ἐπὶ τῆς γῆς (9 *a*)
37 (30). 17. ἐσπαρμένη ἐκλήθης (9 *a*)
41 (34). 8. τοῦ καλέσαι ἄφεσιν (9 *a*)
— 15. τοῦ καλέσαι ἄφεσιν ἕκαστον τοῦ [A -ος τῷ] πλησίον αὐτοῦ (9 *a*)
Je. 41. 17. οὐκ ἠκούσατέ μου τοῦ [A S *om.*] καλέσαι ἄφεσιν . . . ἰδοὺ ἐγὼ καλῶ ἄφεσιν ὑμῖν (9 *a*, 9 *a*)
42 (35). 2. A κάλεσον αὐτούς (3)
43 (36). 4. ἐκάλεσεν Ἱερεμίας τὸν Βαρούχ (9 *a*)
44 (37). 17. ἐκάλεσεν αὐτόν (7)
45 (38). 14. ἐκάλεσεν αὐτὸν πρὸς ἑαυτόν (7)
49 (42). 8. ἐκάλεσε τὸν Ἰωάναν (9 *a*)
Ba. 3. 33. ἐκάλεσεν αὐτό
— 34. ἐκάλεσεν αὐτούς
5. 4. κληθήσεται γάρ σου τὸ ὄνομα
La. 1. 15. ἐκάλεσεν ἐπ' ἐμὲ καιρόν (9 *a*)
— 19. ἐκάλεσα τοὺς ἐραστάς μου (9 *a*)
— 21. ἐκάλεσας καιρόν (9 *a*)
2. 22. ἐκάλεσεν ἡμέραν ἑορτῆς παροικίας μου κυκλόθεν (9 *a*)
4. 15. καλέσατε αὐτούς (9 *a*)
Ep. Je. 30. πόθεν γὰρ κληθείησαν [A -θήσονται] θεοί
Ez. 8. 18. A καλέσουσιν ἐν τοῖς ὠσίν μου (9 *a*)
9. 3. ἐκάλεσε τὸν ἄνδρα τὸν ἐνδεδυκότα τὸν ποδήρη (9 *a*)
36. 29. καλέσω τὸν σῖτον (9 *a*)
38. 21. καλέσω ἐπ' αὐτό [A *al.*] (9 *a*)
39. 11. κληθήσεται τότε [A τὸ γαὶ] Τὸ πολυάνδριον τοῦ Γώγ (9 *a*)
Da. LXX. Su. 29. οἱ δὲ εὐθέως ἐκάλεσαν αὐτήν
— 52. ἐκάλεσε τὸν ἕνα αὐτῶν
3. 26 (93). ἐκάλεσεν αὐτοὺς ἐξ ὀνόματος (1 *b*)
4. 15. ἐκάλεσα τὸν Δαν. τὸν ἄρχοντα τῶν σοφιστῶν –
— 27. οἶκος βασιλείας μου . . . κληθήσεται –
— 32. ἄγγελος εἷς ἐκάλεσέ με ἐκ τοῦ οὐρανοῦ –
5. 1. ἐκάλεσεν ἄνδρας δισχιλίους –
— 7. καλέσαι τοὺς ἐπαοιδούς (8)
— 10. ὁ βασιλεὺς ἐκάλεσε τὴν βασίλισσαν †
6. 20 (21). ἐκάλεσε τὸν Δαν. φωνῇ μεγάλῃ (6 *b*)
8. 16. καὶ ἐκάλεσε καὶ εἶπεν (9 *a*)
Bel 7. ἐκάλεσε τοὺς προεστηκότας τοῦ ἱεροῦ
— 29. ἐκάλεσε τοὺς συμβιωτὰς αὐτοῦ
Da. TH. Su. 52. ἐκάλεσε τὸν ἕνα αὐτῶν
2. 2. εἶπεν ὁ βασ. καλέσαι τοὺς ἐπαοιδούς (9 *a*)
5. 12. νῦν οὖν κληθήτω (9 *e*)
8. 16. καὶ ἐκάλεσε καὶ εἶπε (9 *a*)
Bel 8. ἐκάλεσε τοὺς ἱερεῖς αὐτοῦ
I Ma. 1. 6. ἐκάλεσε τοὺς παῖδας αὐτοῦ
2. 3. A R Σίμων ὁ [S *om.*] καλούμενος Θασσί
— 4. A S Ἰούδας ὁ καλούμενος [R ἐπικαλ.] Μακκαβαῖος
— 5. A S Ἐλεάζαρ ὁ [S *om.*] καλούμενος [R ἐπικαλ.] Αὐαρὰν Ἰωνάθαν ὁ καλούμενος [R ἐπικαλ.] Ἀπφοῦς
3. 1. Ἰούδας ὁ καλούμενος Μακκαβαῖος
6. 10. ἐκάλεσε πάντας τοὺς φίλους αὐτοῦ
— 14. καὶ ἐκάλεσε Φίλιππον
— 17. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Εὐπάτωρ
10. 20. A R καὶ φίλον βασιλέως καλεῖσθαι [S¹ κεῖσθαι, S *add.* σε]
11. 7. ἕως τοῦ ποταμοῦ τοῦ καλουμένου Ἐλευθέρου
— 47. ἐκάλεσεν ὁ βασ. τοὺς Ἰουδαίους
12. 31. τοὺς Ἄραβας τοὺς καλουμένους Ζαβαδαίους
— 37. A R ἐπεσκεύασεν τὸ [S -τὸν] καλούμενον Χαφεναθά
16. 2. ἐκάλεσε Σίμων τοὺς δύο υἱοὺς αὐτοῦ
— 15. AR τὸ ὀχυρωμάτιον τὸ [S εἰς τὸ] καλούμ. Δώκ
II Ma. 1. 36. καλεῖται δὲ παρὰ τοῖς πολλοῖς Νεφθ.
7. 11. A ἐξ οὐρανοῦ ταῦτα κέκληται [R κέκτημαι]
10. 12. Πτολ. γὰρ ὁ καλουμένος Μάκρων
III Ma. 5. 26. R ἐκάλει [A ἐπικαλεῖ] πρὸς τὴν ἔξοδον
IV Ma. 3. 19. ὁ καιρὸς ἡμᾶς καλεῖ
8. 5. καὶ πλησίον καλέσας ἔφη
— 17. S βασιλέως ἡμᾶς καλοῦντος [A R παρακ.]
11. 20. ἐφ' ὃν . . . ἀδελφοὶ τοσοῦτοι κληθέντες
16. 9. οὐδὲ μάμμη κληθεῖσα μακαρισθήσομαι
— 16. ὁ ἀγὼν ἐφ' ὃν κληθέντες

[Aq. GE. 1. 5 *bis*, 8, 10 *bis*: 4. 26: DT. 3. 13: I KI. 9. 13, 24: II KI. 12. 25: III KI. 12. 3: IV KI. 4. 15: PS. 3. 5: 27 (28). 1: 30 (31). 18: 48 (49). 12: 49 (50). 1: 54 (55). 17: PR. 7. 4: 12. 23: 27. 16: IS. 7. 14: 9. 6 (5): 13. 3: 21. 11: 32. 5: 34. 12, 14: 40. 3: 43. 22: 46. 11: 58. 12: 65. 15: JE. 7. 27: 31 (38). 6: 33 (40). 3: 36 (43). 9: 43 (50). 10: 44 (51). 26: HO. 11. 1: ZA. 11. 7 *bis*.]

[Sm. GE. 1. 5 *bis*, 8, 10 *bis*: 2. 23: I KI. 9. 9: II KI. 5. 9: 12. 25: PS. 49 (50). 1: 79 (80). 19: 129 (130). 1: 146 (147). 4: PR. 27. 16: IS. 7. 14: 9. 6 (5): 21. 11: 34. 14, 15: 43.

22 : 44. 5 : 46. 11 : 55. 6 : 58. 12 : 65. 15 : Je. 31 (38). 6 : 44 (51). 26 : Ho. 11. 1 : Za. 11. 7 *bis*.]
[**Th.** Ge. 1. 5 *bis*, 8, 10 *bis* : Dt. 3. 9 : Jd. 2. 5 : 10. 4 : I Ki. 9. 24 : II Ki. 12. 25 : III Ki. 21. 12 : Ps. 49 (50). 1 : Pr. 7. 4 : 12. 23 : 27. 16 : Is. 7. 14 : 13. 3 : 21. 11 : 34. 12, 14 : 41. 4 : 43. 22 : 46. 11 : 58. 12, 13 : Je. 33 (40). 16 : 35 (42). 17 : 44 (51). 26 : Ez. 8. 18 : Da. 8. 16 : Ho. 11. 1.]
[**Al.** Ge. 31. 47 *bis* : Le. 25. 10 : Nu. 16. 2 : Dt. 3. 13 : I Ki. 28. 15 : Ps. 146 (147). 4.]
[**Quint.** IV Ki. 4. 15.]

καλιά.

[**Sm.** Ge. 6. 15 (14).]

καλλιεργεῖν.

[**Quint.** Ps. 140 (141). 7.]

καλλίκαρπος.

[**Al.** Ge. 49. 11.]

καλλιοῦσθαι. (1) טוֹב (2) יָפָה

Ca. 4. 10. *τί ἐκαλλιώθησαν μαστοί σου* (2)
— 10. **A** B^2 **S R** *τί ἐκαλλιώθησαν μαστοί σου* (1)
[**Aq.** Ps. 44 (45). 3.]

καλλίπαις.

IV Ma. 16. 10. *ὦ ἡ πολύπαις καὶ κ. ἐγὼ γυνή*

καλλονή. (1) נָאוֹן (2) תִּפְאֶרֶת

Ps. 46 (47). 4. *τὴν κ. Ἰακὼβ ἣν ἠγάπησε* (1)
77 (78). 61. *καὶ τὴν κ. αὐ. εἰς χεῖρας ἐχθροῦ* (2)
Wi. 13. 3. *εἰ μὲν τῇ κ. τερπόμενοι*
— 5. **A R** *ἐκ γὰρ μεγέθους καλλονῆς* [**B** S^1 *κ. καὶ*, S^2 *καὶ κ.*] *κτισμάτων*
Si. 6. 15. *οὐκ ἔστι σταθμὸς τῆς κ. αὐτοῦ*
34 (31). 23. *μαρτυρία τῆς κ. αὐτοῦ πιστή*
I Ma. 2. 12. *ἡ κ. ἡμῶν καὶ ἡ δόξα ἡμῶν ἠρημώθη*
[**Aq.** Ge. 49. 21.]
[**Sm.** Ps. 78 (79). 7.]

κάλλος. (1) הָדָר (2) *a.* חֶמֶד *b.* חֶמְדָּה (3) *a.* יָפֶה *b.* יְפִי, יֹפִי *c.* **ὡραῖος κάλλει** יָפֶה pealal (4) יְפָעָה (5) מִבְחָר (6) נֹעַם (7) שֶׁפֶר (8) תִּפְאֶרֶת

Ge. 49. 21. *ἐπιδιδοὺς ἐν τῷ γεννήμ. κάλλος* (7)
De. 33. 17. *πρωτότοκος ταύρου τὸ κ. αὐτοῦ* (1)
I Ki. 16. 12 : 17. 42. *πυρράκης μετὰ κάλλους ὀφθαλμῶν* (3 *a*)
I Es. 4. 18. *γυναῖκα μίαν καλὴν τῷ εἴδει καὶ τῷ κ.*
Ju. 10. 7. *ἐθαύμασαν ἐπὶ τῷ κ. αὐτῆς*
— 14. *θαυμάσιον* [**A** *-ία*] *τῷ κ. σφόδρα* [**S** *al.*]
— 19. A^2 **B S** *ἐθαύμαζον ἐπὶ τῷ κ. αὐτῆς*
— 23. *ἐθαύμασαν πάντες ἐπὶ τῷ κ. τοῦ προσώπου*
16. 7. *ἀλλὰ Ἰ. . . . ἐν κάλλει προσώπου αὐτῆς*
— 9. *τὸ κ. αὐτῆς ᾐχμαλώτισε ψυχὴν αὐτοῦ*
Es. 1. 11. *δεῖξαι . . . τοῖς ἔθνεσι τὸ κ. αὐτῆς* (3 *b*)
5. 1. *ἀκμῇ κάλλους αὐτῆς*
Ps. 29 (30). 7. *παράσχου τῷ κ. μου δύναμιν* †
44 (45). 2. *ὡραῖος κάλλει παρὰ τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων* (3 *c*)
— 3. *τῇ ὡραιότητί σου καὶ τῷ κ. σου* (1)
— 11. *ἐπεθύμησεν* [**A** S^2 *ἐπιθυμήσει*] *ὁ βασιλεὺς τοῦ κ. σου* (3 *b*)
Pr. 6. 25. *μή σε νικήσῃ κάλλους ἐπιθυμία* (3 *b*)
11. 22. *οὕτως γυναικὶ κακόφρονι κάλλος* (3 *a*)
31. 30. *μάταιον κάλλος γυναικός* (3 *b*)
Wi. 5. 16. *λήψονται . . . τὸ διάδημα τοῦ κ. ἐκ χειρὸς κυρίου*
8. 2. *ἐραστὴς ἐγενόμην τοῦ κ. αὐτῆς*
13. 3. *ὁ γὰρ τοῦ κ.* [S^2 *κόσμου*] *γενεσιάρχης*
Si. 9. 8. *μὴ καταμάνθανε κάλλος ἀλλότριον*
— 8. *ἐν κάλλει γυναικὸς πολλοὶ ἐπλανήθησαν*
11. 2. *μὴ αἰνέσῃς ἄνδρα ἐν κάλλει αὐτοῦ*
25. 21. **A S** *μὴ προσπέσῃς ἐπὶ κάλλος* [S^2 *-ους*] *γυναικὸς καὶ γυναῖκα ἐν κάλλει* [**B** *om. ἐν κ.*] *μὴ ἐπιποθήσῃς*
26. 16. *κάλλος ἀγαθῆς γυναικὸς ἐν κόσμῳ οἰκίας αὐ.*
— 17. *κάλλος προσώπου ἐπὶ ἡλικίᾳ στασίμῃ*
36. 27 (24). *κάλλος γυναικὸς ἱλαρύνει πρόσωπον*
40. 22. *χάριν καὶ κάλλος ἐπιθυμήσει ὁ ὀφθ. σου*
42. 12. *παντὶ ἀνθρώπῳ μὴ ἔμβλεπε ἐν κάλλει*
43. 9. *κάλλος οὐρανοῦ δόξα ἄστρων*
Si. 43. 18. *κάλλος λευκότητος αὐτῆς ἐκθαυμάσει ὀφθαλμός*
Za. 11. 7. *τὴν μὲν μίαν ἐκάλεσα Κάλλος* (6)
Ma. 2. 15. **A** *οὐ κάλλος* [*? οὐκ ἄλλος*, **B** S^1 *οὐ καλὸν*, S^2 *οὐ καλὸς*] *ἐποίησε* †
Is. 2. 16. *ἐπὶ πᾶσαν θέαν πλοίων κάλλους* (2 *b*)
37. 24. *ἔκοψα . . . τὸ κ. τῆς κυπαρίσσου* (5)
53. 2. *οὐκ εἶχεν εἶδος οὐδὲ κ.* (2 *a*)
62. 3. *ἔσῃ στέφανος κάλλους ἐν χειρὶ κυρίου* (8)
Ep. Je. 24. *τὸ γὰρ χρυσίον ὃ περίκεινται εἰς κ.*
Ez. 16. 14. *ἐξῆλθέ σου ὄνομα ἐν τοῖς ἔθνεσιν ἐν* [**A** *ἐπὶ*] *τῷ κ. σου* (3 *b*)
— 15. *κατεπεποίθεις ἐν* [**A** *ἐπὶ*] *τῷ κ. σου* (3 *b*)
— 25. *ἐλυμήνω τὸ κ. σου* (3 *b*)
27. 3. *περιέθηκα ἐμαυτῇ κ. μου* (3 *b*)
— 4. *τῷ βεελειμ υἱοί σου περιέθηκάν σοι κ.* (3 *b*)
— 11. *οὗτοι ἐτελείωσάν σου τὸ κ.* (3 *b*)
28. 7. *ἐπὶ τὸ κ. τῆς ἐπιστήμης σου καὶ στρώσουσι τὸ κ. σου εἰς ἀπώλειαν* (3 *b*, 4)
— 12. *στέφανος κάλλους . . . ἐγενήθης* (3 *b*)
— 17. *ὑψώθη ἡ καρδία σου ἐπὶ τῷ κ. σου διεφθάρη ἡ ἐπιστήμη σου μετὰ τοῦ κ. σου* (3 *b*, 4)
31. 8. *οὐχ ὡμοιώθη αὐτῷ ἐν τῷ κ. αὐτοῦ* (3 *b*)
Da. LXX. Su. 32. *ἵνα ἐμπλησθῶσι κάλλους ἐπιθυμίας αὐτῆς*
— 56. *τὸ κ. σε ἠπάτησεν*
Da. TH. Su. 32. *ὅπως ἐμπλησθῶσι τοῦ κ. αὐτῆς*
— 56. *τὸ κ. ἐξηπάτησέ σε*
I Ma. 1. 26. *τὸ κ. τῶν γυναικῶν ἠλλοιώθη*
II Ma. 9. 16. **A** *κάλλει τοῖς* [**R** *καλλίστοις*] *ἀναθήμασι κοσμήσειν*
IV Ma. 2. 1. *πρὸς τὴν τοῦ κ. μετουσίαν ἀκυροῦνται*
8. 5. *καθ' ἑνὸς ἑκάστου ὑμῶν θαυμάζω τὸ κ.*
[**Aq.** Ps. 44 (45). 3 : 49 (50). 2 : Pr. 6. 25 : Is. 3. 24 : 33. 17 : Ez. 28. 13 : Ho. 10. 11.]
[**Sm.** Ps. 26 (27). 4 : 44 (45). 3 : 89 (90). 17 : Pr. 6. 25 : Is. 33. 17 : Ez. 7. 11 : 27. 4 : Ho. 10. 11.]
[**Th.** Pr. 6. 25 : Is. 33. 17 : Ez. 27. 3 : 28. 13.]
[**Quint.** Ps. 44 (45). 3 : Ca. 4. 1.]

κάλλυνθρον. (1) כֹּף

Le. 23. 40. *λήψεσθε . . . κάλλυνθρα φοινίκων* (1)

καλλωπίζειν. (1) זָוָה (2) *a.* יָפָה pi. *b.* יַפֶּה־פְּיָה (3) עָלַף hithpa.

Ge. 38. 14. *ἐκαλλωπίσατο* (3)
Ju. 10. 4. *καὶ ἐκαλλωπίσατο σφόδρα*
Ps. 143 (144). 12. *αἱ θυγατέρες αὐτῶν κεκαλλωπισμέναι* (1)
Je. 10. 4. *ἀργυρίῳ καὶ χρυσίῳ κεκαλλωπισμένα* [S^1 *κεκολαμμένα*, **AS** *add. ἐστὶν*] *ἐν σφύραις* (2 *a*)
26 (46). 20. *δάμαλις κεκαλλωπισμένη Αἴγυπτος* (2 *b*)
[**Aq.** Ps. 44 (45). 3 : Ca. 4. 10.]
[**Th.** Pr. 7. 17.]

καλλωπισμός.

[**Al.** Is. 3. 24.]
[**Heb.** Ez. 16. 7.]

καλοκἀγαθία.

IV Ma. 1. 8. **S** *τοῦτο ἀποδείξαιμι ἀπὸ τῆς κ.* [**A R** *ἀνδραγαθίας*]
— 10. *τοὺς . . . ὑπὲρ τῆς κ. ἀποθανόντας*
3. 18. **S R** *τῇ κ.* [**A** *τῆς κ.*] *τοῦ λογισμοῦ*
11. 22. *καλοκἀγαθίᾳ καθωπλισμένος τεθνήξομαι*
13. 25. *ἡ γὰρ ὁμοζηλία τῆς κ.*
15. 9. *διὰ τὴν κ. τῶν υἱῶν*

καλός. (1) חֲמֻדוֹת (2) *a.* טוֹב, טוּבָה subst. *et* adj. *b.* טוֹב verb. *c.* טוֹב מַרְאֶה *d.* יָטַב hi. *e.* טוּב (3) *a.* יָפֶה *b.* יְפִי *c.* יְפַת מַרְאֶה (4) יָשָׁר (5) כָּבוֹד (6) נָאוָה (7) *a.* נָעִים *b.* נֹעַם (8) **καλὸς εἶναι δοκεῖν** נָעִם (9) **βουλὴ κ.** מְזִמָּה (10) **ὄνομα κ.** שֵׁם (11) **καλὸς εἶναι** יָטַב hi. (12) **καλὸν ποιεῖν, κάλλιον ποιεῖν** יָטַב hi. (13) **καλὸν ἐπιτηδεύειν** יָטַב hi. (14) **καλὸς γίνεσθαι** יָפֶה (15) **καλὸς τῷ εἴδει** יָפֶה

Ge. 1. 4. *εἶδεν ὁ θεὸς τὸ φῶς ὅτι καλόν* (2 *a*)
Ge. 1. 8. *εἶδεν ὁ θεὸς ὅτι καλόν* –
— 10, 12, 18. *εἶδεν ὁ θεὸς ὅτι καλόν* (2 *a*)
— 21, 25. *εἶδεν ὁ θεὸς ὅτι καλά* (2 *a*)
— 31. *ἰδοὺ καλὰ λίαν* (2 *a*)
2. 9. *ξύλον . . . καλὸν εἰς βρῶσιν* (2 *a*)
— 9. *τοῦ εἰδέναι γνωστὸν καλοῦ καὶ πονηροῦ* (2 *a*)
— 12. *τὸ δὲ χρυσίον τῆς γῆς ἐκείνης καλόν* (2 *a*)
— 17. *τοῦ γινώσκειν καλὸν καὶ πονηρόν* (2 *a*)
— 18. *οὐ καλὸν εἶναι τὸν ἄνθρωπον μόνον* (2 *a*)
3. 5. *γινώσκοντες καλὸν καὶ πονηρόν* (2 *a*)
— 6. *καλὸν τὸ ξύλον εἰς βρῶσιν* (2 *a*)
— 22. *τοῦ γινώσκειν καλὸν καὶ πονηρόν* (2 *a*)
6. 2. *ἰδόντες . . . τὰς θυγατέρας . . . ὅτι καλαί εἰσιν* (2 *a*)
12. 14. *ἰδόντες . . . τὴν γυναῖκα αὐ. ὅτι καλὴ ἦν* (3 *a*)
15. 15. *τραφεὶς ἐν γήρᾳ καλῷ* (2 *a*)
18. 7. *ἁπαλὸν μοσχάριον καὶ καλόν* (2 *a*)
24. 16. *ἦν καλὴ τῇ ὄψει σφόδρα* (2 *a*)
— 50. **R** *ἀντειπεῖν κακὸν ἢ καλόν* [**A** *κακὸν καλῷ*] (2 *a*)
25. 8. *ἀπέθανεν Α. ἐν γήρᾳ καλῷ* (2 *a*)
27. 9. *δύο ἐρίφους ἁπαλοὺς καὶ καλούς* (2 *a*)
— 15. *τὴν στολὴν Ἡσαῦ . . . τὴν κ.* (1)
29. 17. *Ῥαχὴλ δὲ ἦν καλὴ τῷ εἴδει* (3 *a*)
30. 20. *δεδώρηται ὁ θεός μοι δῶρον καλόν* (2 *a*)
39. 6. *ἦν Ἰωσὴφ καλὸς τῷ εἴδει* (3 *a*)
41. 2. *ἑπτὰ βόες καλαὶ τῷ εἴδει* (3 *a*)
— 4. *τὰς ἑπτὰ βόας τὰς κ. τῷ εἴδει* (3 *a*)
— 5. *ἑπτὰ στάχυες . . . ἐκλεκτοὶ καὶ καλοί* (2 *a*)
— 18. *ἑπτὰ βόες καλαὶ τῷ εἴδει* (3 *a*)
— 20. *τὰς ἑπτὰ βόας τὰς πρώτας τὰς κ.* –
— 22. *ἑπτὰ στάχυες . . . πλήρεις καὶ καλοί* (2 *a*)
— 24. *τοὺς ἑπτὰ στάχυας τοὺς κ.* (2 *a*)
— 26. *αἱ ἑπτὰ βόες αἱ κ.* (2 *a*)
— 26. *οἱ ἑπτὰ στάχυες οἱ κ.* (2 *a*)
— 35. *τῶν ἑπτὰ ἐτῶν . . . τῶν κ. τούτων* (2 *a*)
44. 4. *τί ὅτι ἀνταπεδώκατε* [**A** *ἀ. μοι*] *πονηρὰ ἀντὶ καλῶν* (2 *a*)
49. 14. *Ἰσσάχαρ τὸ κ. ἐπεθύμησεν* †
— 15. *ἰδὼν τὴν ἀνάπαυσιν ὅτι καλή* (2 *a*)
Le. 27. 10. *οὐκ ἀλλάξει αὐτὸ καλὸν πονηρῷ οὐδὲ πονηρὸν καλῷ* (2 *a*, 2 *a*)
— 12. *ἀνὰ μέσον καλοῦ καὶ ἀνὰ μέσον πονηροῦ* (2 *a*)
— 14. *ἀνὰ μέσον καλῆς καὶ ἀνὰ μέσον πονηρᾶς* (2 *a*)
— 33. **R** *οὐκ ἀλλάξεις καλὸν πονηρῷ οὐδὲ πονηρὸν καλῷ* [**A B** *om. οὐδὲ π. κ.*] (2 *a*, –)
Nu. 10. 29. *κύριος ἐλάλησε καλὰ περὶ Ἰσραήλ* (2 *a*)
11. 18. *καλὸν ἡμῖν ἦστιν ἐν Αἰγύπτῳ* (2 *a*)
13. 20 (19). *ἢ* [**A** *εἰ*] *καλή ἐστιν ἢ πονηρά* (2 *a*)
24. 1. **A R** *καλὸν ἐστιν ἐναντίον* [**B** *-τι*] *κυρίου* (2 *a*)
— 5. *ὡς καλοὶ οἱ οἶκοί σου, Ἰακὼβ* (2 *b*)
— 13. *ποιῆσαι αὐτὸ κ. ἢ πονηρόν* (2 *a*)
De. 1. 14. *κ. τὸ ῥῆμα ὃ ἐλάλησας ποιῆσαι* (2 *a*)
6. 10. *δοῦναί σοι πόλεις μεγάλας καὶ κ.* (2 *a*)
— 18. *ποιήσεις τὸ ἀρεστὸν καὶ τὸ κ.* [**A** *κ. καὶ τὸ ἀ.*] (2 *a* [4])
8. 12. *οἰκίας κ. οἰκοδομήσας* (2 *a*)
12. 25. *ἐὰν ποιήσῃς τὸ κ. καὶ τὸ ἀρεστόν* (4 ?)
— 28. *ἐὰν ποιήσῃς τὸ κ. καὶ τὸ ἀρεστόν* (2 *a*)
13. 18 (19). *ποιεῖν τὸ ἀρεστὸν καὶ τὸ κ.* (4 ?)
21. 9. *ἐὰν ποιήσῃς τὸ κ. καὶ τὸ ἀρεστόν* (4)
— 11. *γυναῖκα κ. τῷ εἴδει* (3 *a*)
Jo. 7. 21. **A** *εἶδον ἐν τῇ προνομῇ ψιλὴν ποικίλην κ.* [**B** *om.*] (2 *a*)
21. 43. *οὐ διέπεσεν ἀπὸ πάντων τῶν ῥημάτων τῶν κ.* (2 *a*)
23. 15. *πάντα τὰ ῥήματα τὰ κ.* [A^1 *κακά*] (2 *a*)
I Ki. 25. 3. **A** *καὶ καλὴ* [**B** *ἀγαθὴ*] *τῷ εἴδει σφόδρα* (3 *a*)
II Ki. 11. 2. *ἡ γυνὴ κ. τῷ εἴδει σφόδρα* (2 *a*)
13. 1. *ἀδελφὴ κ. τῷ εἴδει σφόδρα* (15)
14. 25. **A** *οὐκ ἦν ἀνὴρ κ.* [**B** *om.*] *ἐν παντὶ Ἰσρ.* (3 *a*)
— 27. *αὕτη ἦν* [**A** *ἡ*] *γυνὴ κ. σφόδρα* (3 *c*)
19. 27 (28). *ὁ κύριός μου ὁ βασ. ἐποίησεν τὸ κ.* –
III Ki. 1. 3. *ἐζήτησαν νεάνιδα κ.* (3 *a*)
— 4. *καὶ ἡ νεᾶνις κ. ἕως σφόδρα* (3 *a*)
12. 24 (**B** *cf.* **A** 14. 13). *εὑρέθη ἐν αὐτῷ ῥῆμα κ.* (2 *a* ?)
14. 13. **A** *εὑρέθη ἐν αὐτῷ ῥῆμα κ.* (2 *a*)
18. 24. *κ. τὸ ῥῆμα ὃ ἐλάλησας* (2 *a*)
21 (20). 3. **A** *τὰ τέκνα σου τὰ κ.* [**B** *om. τ. κ.*] *ἐμά ἐστι* (2 *a*)
22. 8. *οὐ λαλεῖ περὶ ἐμοῦ καλά* (2 *a*)
— 13. *λαλοῦσι πάντες οἱ προφῆται . . . καλά* (2 *a*)
— 13. *καὶ λάλησον καλά* (2 *a*)
— 18. *οὐ προφητεύει οὗτός μοι καλά* (2 *a*)

I Ch. 29. 28. ἐτελεύτησεν ἐν γήρει κ. (2 *a*)
II Ch. 14. 2 (1). ἐποίησε τὸ κ. (2 *a*)
31. 20. καὶ ἐποίησε τὸ κ. (2 *a*)
I Es. 4. 18. γυναῖκα μίαν κ. τῷ εἴδει
To. 2. 1. ἐγενήθη ἄριστον καλόν μοι
5. 13. σὺ τυγχάνεις ἀδελφός μου ἐκ τῆς κ. καὶ ἀγαθῆς γενεᾶς
— 13. ἐκ ῥίζης κ. [A μεγάλης, S ἀγαθῆς] εἶ
6. 12. τὸ κοράσιον κ. καὶ φρόνιμόν ἐστι
— 12. S καὶ ὁ πατὴρ αὐτῆς κ.
7. 7. ὁ τοῦ κ. καὶ ἀγαθοῦ ἀνθρώπου υἱός [S *al.*]
— 12. ὁ δὲ ἐλεήμων θεὸς εὐοδώσει ὑμῖν τὰ κάλλιστα [S *al.*]
8. 6. οὐ καλὸν εἶναι τὸν ἄνθρωπον μόνον
9. 6. S καλὲ καὶ ἀγαθὲ ἀνδρὸς κ. καὶ ἀγαθοῦ
10. 13. ἀκούσαιμί σου ἀκοὴν κ. [S ἀγαθήν]
12. 7. μυστήριον βασιλέως καλὸν κρύψαι
— 8. καλὸν ποιῆσαι ἐλεημοσύνην
— 11. μυστήριον βασιλέως κρύψαι καλόν
Ju. 8. 7. καὶ ἦν καλὴ τῷ εἴδει
10. 19. οὐ [S^1 *om.*] καλόν ἐστιν [S *om.*] ὑπολείπεσθαι
11. 21. AB οὐκ ἔστι τοιαύτη γύνη . . . ἐν κ. προσώπῳ
12. 13. μὴ ὀκνησάτω δὴ ἡ παιδίσκη ἡ κ. αὕτη
Es. 1. 11. ὅτι καλὴ ἦν (2 *c*)
2. 2. κοράσια . . . καλὰ τῷ εἴδει [S^1 ἰδεῖν] (2 *a*)
— 3. κοράσια . . . κ. τῷ εἴδει (2 *a*)
— 7. ἦν τὸ κοράσιον καλὸν [S -ὴ] τῷ εἴδει (3 *a*)
8. 13. τοῦ κατευθύνοντος . . . ἐν τῇ καλλίστῃ διαθέσει
Jb. 10. 3. ἡ καλόν σοι ἐὰν ἀδικήσω [A *al.*] (2 *b*)
13. 9. S R καλὸν γὰρ ἐὰν [B *om.*] ἐξιχνιάσῃ ὑμᾶς [A *al.*] (2 *b*)
33. 31. A ἐπιστάμενοι ἐνωτίζεσθε τὸ κ. –
34. 2. A S^2 ἐπιστάμενοι ἐνωτίζεσθε τὸ κ. [B S^1 *om.* τὸ κ.] –
— 4. γνῶμεν ἀνὰ μέσον ἑαυτῶν ὅτι [A τί] καλόν (2 *a*)
Ps. 34 (35). 12. ἀνταπεδίδοσάν μοι πονηρὰ ἀντὶ καλῶν [A ἀγαθῶν] (2 *a*)
132 (133). 1. ἰδοὺ δὴ τί καλὸν ἢ τί τερπνόν (2 *a*)
134 (135). 3. ψάλατε τῷ ὀνόματι αὐτοῦ ὅτι καλόν [A^2 ἡδύ] (7 *a*)
151. 5. οἱ ἀδελφοί μου καλοὶ καὶ μεγάλοι –
Pr. 2. 10. ἡ δὲ αἴσθησις τῇ σῇ ψυχῇ καλὴ εἶναι [A^1 εἴη] δόξῃ (8)
— 11. βουλὴ καλὴ φυλάξει σε (9)
3. 4. προνοοῦ καλὰ ἐνώπιον κυρίου (2 *a*)
— 17. αἱ ὁδοὶ αὐτῆς ὁδοὶ καλαί (7 *b*)
15. 2. γλῶσσα σοφῶν καλὰ ἐπίσταται (2 *d*)
— 23. οὐδὲ μὴ εἴπῃ καίριόν τι καὶ καλὸν τῷ κοινῷ (2 *a*)
16. 2 (15. 30). θεωρῶν ὀφθαλμὸς καλὰ εὐφραίνει καρδίαν –
— 24. κηρία μέλιτος λόγοι καλοί (7 *b*)
17. 26. ζημιοῦν ἄνδρα δίκαιον οὐ καλόν (2 *a*)
18. 5. θαυμάσαι πρόσωπον ἀσεβοῦς οὐ καλόν (2 *a*)
20. 23. ζυγὸς δόλιος οὐ καλὸν ἐνώπιον αὐτοῦ (2 *a*)
22. 1. αἱρετώτερον ὄνομα καλὸν ἢ πλοῦτος πολύς (10)
— 18. ἵνα γνῷς ὅτι καλοί εἰσι (7 *a*)
23. 8. λυμανεῖται τοὺς λόγους σου τοὺς κ. (7 *a*)
24. 4. ἐμπίμπλανται ταμιεῖα ἐκ παντὸς πλούτου τιμίου καὶ καλοῦ (7 *a*)
— 14. ἔσται καλὴ ἡ τελευτή σου –
— 38 (23). A B αἰδεῖσθαι πρόσωπον ἐν κρίσει οὐ καλόν (2 *a*)
25. 27. ἐσθίειν μέλι πολὺ οὐ καλόν (2 *a*)
31. 11. ἡ τοιαύτη καλῶν σκύλων οὐκ ἀπορήσει –
— 18. καλόν ἐστι τὸ ἐργάζεσθαι (2 *a*)
Ec. 3. 11. τὰ [A S^2 *om.*] σύμπαντα ἃ [S^1 *om.*] ἐποίησε καλά (3 *a*)
4. 17. S οὐκ εἰσὶν εἰδότες τοῦ ποιῆσαι τὸ κ. [A B π. κακόν] †
5. 17. ἔστι καλὸν τοῦ φαγεῖν (3 *a*)
9. 12, B οἱ ἰχθύες οἱ θηρευόμενοι ἐν ἀμφιβλήστρῳ κ. [A S R κακῷ] †
Ca. 1. 5. μέλαινά εἰμι καὶ καλή (6)
— 8. ἐὰν μὴ γνῷς σεαυτὴν, ἡ κ. ἐν γυναιξίν (3 *a*)
— 15. ἰδοὺ εἶ καλὴ, ἡ πλησίον μου, ἰδοὺ εἶ καλή (3 *a*, 3 *a*)
— 16. ἰδοὺ εἶ καλὸς, ἀδελφιδός μου (3 *a*)
2. 10, 13. ἀνάστα, ἐλθέ, ἡ πλησίον μου, καλή μου (3 *a*)
4. 1. ἰδοὺ εἶ καλή, ἡ πλησίον μου, ἰδοὺ εἶ καλή (3 *a*, 3 *a*)
— 7. ὅλη καλὴ εἶ, πλησίον μου (3 *a*)
5. 9, 17 (6. 1). ἡ καλὴ ἐν γυναιξί (3 *a*)
6. 3 (4). καλὴ εἶ [S *om.*], ἡ πλησίον μου (3 *a*)
Ca. 6. 9 (10). τίς αὕτη . . . καλὴ ὡς σελήνη (3 *a*)
Wi. 4. 12. βασκανία γὰρ φαυλότητος ἀμαυροῖ τὰ κ.
10. 8. ἐβλάβησαν τοῦ μὴ γνῶναι τὰ κ.
13. 7. καλὰ τὰ βλεπόμενα
14. 19. ἐξεβιάσατο τῇ τέχνῃ τὴν ὁμοιότητα ἐπὶ τὸ κάλλιον
15. 19. ὡς ἐν ζῴῳν ὄψει καλὰ τυγχάνει
Si. 12. 16. B^2 ἐρεῖ σοι καλὰ λέγων
13. 6. λαλήσει σοι [S *om.*] καλὰ καὶ ἐρεῖ [A -εῖς]
14. 3. ἀνδρὶ μικρολόγῳ οὐ καλὸς ὁ πλοῦτος
20. 2. ὡς καλὸν ἔλεγξαι ἢ θυμοῦσθαι
36. 23 (20). ἔστι δὲ βρῶμα βρώματος κάλλιον
37. 9. καλὴ ἡ ὁδός σου
39. 16. τὰ ἔργα κυρίου πάντα ὅτι καλὰ σφόδρα
41. 2. καλόν [S^2 ὡς κ.] σου τὸ κρίμα ἐστίν
— 12. S^2 φρόντισον περὶ ὀνόματος καλοῦ [ABS^1 *om.*]
— 16. οὐ γάρ ἐστι πᾶσαν αἰσχύνην διαφυλάξαι [S^2 ἀποκαλύψαι] καλόν
42. 6. ἐπὶ γυναικὶ πονηρᾷ καλὸν σφραγίς
46. 10. καλὸν τὸ [S *om.*] πορεύεσθαι ὀπίσω κυρίου
Ho. 4. 13. ὅτι καλὸν σκέπη (2 *a*)
10. 11. ἐπελεύσομαι ἐπὶ τὸ κάλλιστον τοῦ τραχήλου (2 *e*)
Am. 5. 14. ἐκζητήσατε τὸ κ. (2 *a*)
— 15. ἠγαπήκαμεν τὰ κ. [A τὸ κ.] (2 *a*)
8. 13. ἐκλείψουσιν αἱ παρθένοι αἱ καλαί (3 *a*)
Mi. 2. 7. οὐχ οἱ λόγοι αὐτοῦ εἰσι καλοὶ μετ' αὐτοῦ (11)
3. 2. μισοῦντες τὰ κ. καὶ ζητοῦντες τὰ πονηρά (2 *a*)
6. 8. εἰ ἀνηγγέλη σοι, ἄνθρωπε, τὸ καλόν (2 *a*)
Jl. 3 (4). 5. τὰ ἐπίλεκτά μου καὶ τὰ καλὰ εἰσηνέγκατε (2 *a*)
Jn. 4. 3. ὅτι καλὸν τὸ ἀποθανεῖν με [S^2 *add.* μᾶλλον] ἢ ζῆν με (2 *a*)
— 8. καὶ εἶπε, Καλόν μοι ἀποθανεῖν με ἢ ζῆν (2 *a*)
Na. 3. 4. πόρνη καλὴ καὶ ἐπίχαρις (2 *a*)
Za. 1. 13. τῷ λαλοῦντι ἐν ἐμοὶ ῥήματα καλά (2 *a*)
9. 17. καὶ εἴ τι καλὸν αὐτοῦ [A παρ' αὐτοῦ] (3 *b*)
11. 10. καὶ λήψομαι τὴν ῥάβδον μου τὴν κ. (7 *b*)
— 12. εἰ καλὸν ἐνώπιον ὑμῶν ἐστι (2 *a*)
Ma. 2. 15. καὶ οὐ καλὸν ἐποίησε [A S^2 *al.*] †
— 17. πᾶς ποιῶν πονηρὸν καλὸν ἐνώπιον κυρίου (3 *a*)
Is. 1. 17. μάθετε καλὸν ποιεῖν (12)
3. 25 (24). ὁ υἱός σου ὁ κάλλιστος ὃν ἀγαπᾷς (3 *b* ?)
5. 9. εἰς ἔρημον ἔσονται μεγάλαι καὶ καλαί (2 *a*)
— 20. οὐαὶ οἱ λέγοντες τὸ πονηρὸν καλὸν καὶ τὸ κ. πονηρόν (2 *a*, 2 *a*)
22. 18. θήσει τὸ ἅρμα σου τὸ καλὸν εἰς ἀτιμίαν (5)
27. 2. ἀμπελὼν καλὸς ἐπιθύμημα ἐξάρχειν κατ' αὐτῆς †
41. 7. σύμβλημα καλόν ἐστιν (2 *a*)
65. 2. τοῖς πορευομ. ὁδῷ οὐ καλῇ [A S *al.*] (2 *a*)
Je. 2. 33. τί ἔτι καλὸν ἐπιτηδεύσεις ἐν ταῖς ὁδοῖς σου (13)
4. 22. A S τὸ δὲ κ. [B -λῶς] ποιοῦντες οὐκ ἔγνωσαν [B S ποιῆσαι οὐκ ἐπέγ.] (12)
12. 6. λαλήσουσι πρὸς [A ἐπὶ] σὲ καλά (2 *a*)
18. 11. B S καλλίονα ποιήσετε [A R -ατε] τὰ ἐπιτηδεύματα ὑμῶν (12)
22. 15. A ποιεῖν κρίμα καὶ δικαιοσύνην καλήν [B S *om.*] (2 *a*)
— 17. οὐδὲ ἡ καρδία σου καλή –
47 (40). 4. εἰ καλὸν ἐναντίον σου ἐλθεῖν (2 *a*)
La. 4. 9. καλοὶ ἦσαν οἱ τραυματίαι ῥομφαίας (2 *a*)
Ez. 16. 13. ἐγένου καλὴ σφόδρα [A *add.* σφόδρα] (14)
17. 8. εἰς πεδίον καλὸν ἐφ' ὕδατι πολλῷ (2 *a*)
20. 25. ἔδωκα αὐτοῖς προστάγματα οὐ καλά (2 *a*)
24. 4. πᾶν διχοτόμημα καλόν (2 *a*)
31. 3. κυπάρισσος . . . κ. ταῖς παραφυάσι (3 *a*)
— 7. ἐγένετο κ. ἐν τῷ ὕψει αὐτοῦ (14)
34. 18. τὴν καλὴν νομὴν ἐνέμεσθε (2 *a*)
Da. LXX. Su. 2. καλὴ σφόδρα καὶ φοβουμένη τὸν κύριον
— 23. κάλλιον δέ με μὴ πράξασαν ἐμπεσεῖν
1. 15. ἐφάνη ἡ ὄψις αὐτῶν κ. (2 *a*)
Da. TH. Su. 2. καλὴ σφόδρα καὶ φοβουμένη τὸν κύριον
— 31. ἡ δὲ Σουσάννα ἦν . . . κ. τῷ εἴδει
1. 4. νεανίσκους . . . κ. [A καλοὶ] τῇ ὄψει (2 *a*)
I Ma. 4. 24. S R ὅτι καλὸν ὅτι [A *om.*] εἰς τὸν αἰῶνα τὸ ἔλεος αὐτοῦ
8. 8. ἀπὸ τῶν καλλίστων χωρῶν αὐτῶν
II Ma. 3. 25. καλλίστῃ σαγῇ διακεκοσμημένος
— 26. R κάλλιστοι δὲ τῇ δόξῃ [A τὴν γλῶσσαν]
4. 15. R τὰς δὲ Ἑλληνικὰς δόξας καλλίστας [A -οις] ἡγούμενοι
II Ma. 6. 18. τὴν πρόσοψιν τοῦ προσώπου κάλλιστος
— 23. R τῆς ἐκ παιδὸς καλλίστης ἀνατροφῆς [A ἀναστρ.]
9. 16. R καλλίστοις ἀναθήμασι κοσμήσειν [A *al.*]
12. 45. R κάλλιστον ἀποκείμενον χαριστήριον [A εὐχαρ.]
15. 12. Ὀνίαν . . . ἄνδρα κ. καὶ ἀγαθόν
— 17. τοῖς Ἰούδα λόγοις πάνυ κ.
III Ma. 3. 17. R τοῖς ἐκπρεπέσι καὶ καλλίστοις ἀναθήμασι [A ἀνθ.]
— 22. τῇ συμφύτῳ κακοηθείᾳ τὸ κ. ἀπωσάμενοι
5. 11. τὸ δὲ ἀπ' αἰῶνος χρόνου κτίσμα κ.
IV Ma. 4. 1. καλὸν καὶ ἀγαθὸν ἄνδρα
5. 7. καλλίστην τὴν τοῦδε τοῦ ζῴου σαρκοφαγίαν
8. 3. ἑπτὰ ἀδελφοὶ καλοί τε καὶ αἰδήμονες
11. 12. καλὰς . . . χάριτας ἡμῖν χαρίζῃ
[Aq. III Ki. 14. 13: Ps. 47 (48). 3: Ez. 31. 9, 16.]
[Sm. Ge. 1. 31: 3. 23 (22): Ex. 2. 2: Ps. 15 (16. 6): 44 (45). 3: 132 (133). 2: Pr. 11. 22: Ec. 3. 11: Ca. 6. 5 (6): Is. 27. 10: 41. 7: Ez. 31. 16.]
[Th. Jb. 34. 4: Pr. 11. 22: Ez. 31. 9, 16.]
[Al. Le. 27. 33: Ps. 132 (133). 1: 146 (147). 1.]
[Sam. Le. 27. 14.]

κάλος. (1) מִיתָר

Nu. 3. 37: 4. 32. καὶ τοὺς κ. [A κλάδους] αὐτῶν (1)
[Aq. Ps. 20 (21). 13: Is. 54. 2.]
[Sm. Is. 54. 2: Je. 10. 20.]

καλπάζειν.

[Aq. Je. 8. 6.]

κάλπη (SR), **κάλπις** (A).

IV Ma. 3. 12. S R καὶ κάλπην [A -ιν] λαβόντες

καλύκωσις.

[Aq. Ca. 2. 1: Is. 35. 1.]

κάλυμμα. (1) *a.* פָּסוּי *b.* מְכֻסֶּה (2) מַסֵּוָה (3) מְשֻׁבָּץ (4) מְסָךְ

Ex. 26. 14. B^1 ποιήσεις κάλυμμα [A B^2 R κατακ.] τῇ σκηνῇ (1 *b*)
27. 16. τῇ πύλῃ τῆς αὐλῆς κάλυμμα (3)
34. 33. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸ πρόσωπον αὐτοῦ κάλυμμα (2)
— 34. περιῃρεῖτο τὸ κ. (2)
— 35. περιέθηκε M. κάλυμμα [A τὸ κ.] (2)
39. 20 (34). B τὰ κ. δέρματα ὑακίνθινα [A R *al.*] (1 *b*)
40. 5. ἐπιθήσεις κάλυμμα καταπετάσματος [A *al.*] (3)
Nu. 3. 25. ἡ σκηνὴ καὶ τὸ κ. (1 *b*)
4. 8. καλύψουσιν αὐτὴν κ. δερματίνῳ (1 *b*)
— 10. ἐμβαλοῦσιν αὐτὴν . . . εἰς κ. δερμάτινον (1 *b*)
— 11. καλύψουσιν αὐτὸ κ. δερματίνῳ [A *al.*] (1 *b*)
— 12. καλύψουσιν αὐτὰ κ. δερματίνῳ [A δέρματι] (1 *b*)
— 14. ἐπιβαλοῦσιν ἐπ' αὐτὸ κ. δερμάτινον (1 *a*)
— 14. ἐμβαλοῦσιν αὐτὸ εἰς κ. δερμάτινον (1 *a* ?)
— 25. B καὶ τὸ κ. [A B^2 κατάκ.] αὐτῆς καὶ τὸ κ. [A R κατακαλ.] τὸ ὑακίνθινον (1 *b*, 1 *b*)
— 25. καὶ τὸ κ. [A κατακ.] τῆς θύρας (3)
— 31. A B^2 καὶ τὸ κ. [B^1 R κατακάλ.] τῆς θύρας –
I Ch. 17. 5. B ἤμην . . . ἐν καλύμματι [A S καταλύματι] (4)
I Ma. 4. 6. καλύμματα καὶ μαχαίρας οὐκ εἶχον
6. 2. A R καὶ ἐκεῖ [S ἔχει] κ. χρυσᾶ
[Aq. Ge. 8. 13: Ca. 5. 7.]
[Sm. Ge. 8. 13: Ca. 4. 3: 6. 6 (7).]
[Al. Ca. 5. 7.]

κάλυξ.

Wi. 2. 8. στεψώμεθα ῥόδων κάλυξι

καλύπτειν. (1) כָּסָה *a.* ni. *b.* pi. *c.* pu. (2) סָתַם (3) צָפָה *a.* pi. *b.* pu.

Ge. 7. 19. R ἐκάλυψε [A ἐπεκ.] πάντα τὰ ὄρη (1 *c*)
Ex. 8. 6 (2). ἐκάλυψε τὴν γῆν Αἰγύπτου (1 *b*)
10. 5. καλύψει τὴν ὄψιν τῆς γῆς (1 *b*)
— 15. ἐκάλυψε τὴν ὄψιν τῆς γῆς (1 *b*)
14. 28. ἐκάλυψε τὰ ἅρματα (1 *b*)

Ex. 15. 5. πόντῳ ἐκάλυψεν αὐτούς (1 *b*)
— 10. ἐκάλυψεν αὐτοὺς θάλασσα (1 *b*)
16. 13. ἐκάλυψε τὴν παρεμβολήν (1 *b*)
21. 33. καὶ μὴ καλύψῃ αὐτόν (1 *b*)
24. 15. ἐκάλυψεν ἡ νεφέλη τὸ ὄρος (1 *b*)
— 16. ἐκάλυψεν αὐτὸ ἡ νεφέλη (1 *b*)
26. 13. ἵνα καλύπτῃ (1 *b*)
27. 2. καλύψεις αὐτὰ χαλκῷ (3 *a*)
28. 38 (42). καλύψαι ἀσχημοσύνην χρωτὸς αὐ. (1 *b*)
40. 34. ἐκάλυψεν ἡ νεφέλη τὴν σκηνήν (1 *b*)
Le. 8. 14. **A** τὸ στέαρ τὸ καλύπτον [**B** κατακαλ.] τὴν κοιλίαν (1 *b*)
13. 12. καὶ καλύψῃ [**A** -ει] ἡ λέπρα πᾶν τὸ δέρμα (1 *b*)
— 13. ἐκάλυψεν ἡ λέπρα πᾶν τὸ δέρμα (1 *b*)
16. 13. καλύψει ἡ ἀτμὶς . . . τὸ ἱλαστήριον (1 *b*)
17. 13. καὶ καλύψει αὐτὸ τῇ γῇ (1 *b*)
Nu. 4. 8. καλύψουσιν αὐτὴν καλύμματι (1 *b*)
— 9. καλύψουσι τὴν λυχνίαν τὴν φωτίζουσαν (1 *b*)
— 11. καλύψουσιν [**A** ἐπικ.] αὐτὸ καλύμματι (1 *b*)
— 12. καλύψουσιν αὐτὰ καλύμματι (1 *b*)
— 15. καλύπτοντες τὰ ἅγια (1 *b*)
9. 15. ἐκάλυψεν ἡ νεφέλη τὴν σκηνήν (1 *b*)
— 16. ἡ νεφέλη ἐκάλυπτεν αὐτὴν ἡμέρας (1 *b*)
16. 33. ἐκάλυψεν αὐτοὺς ἡ γῆ (1 *b*)
— 42 (17. 7). τήνδε ἐκάλυψεν αὐτὴν ἡ νεφ. (1 *b*)
22. 11. κεκάλυφεν [**A** ἐκάλυψεν] τὴν ὄψιν τῆς γῆς (1 *b*)
De. 23. 13 (14). καλύψεις τὴν ἀσχημοσύνην σου (1 *b*)
Jo. 24. 7. καὶ ἐκάλυψεν αὐτούς [**A** ἐπ' αὐ.] (1 *b*)
I Ki. 19. 13. καὶ ἐκάλυψεν αὐτὰ ἱματίῳ (1 *b*)
III Ki. 7. 41. τοῦ καλύπτειν ἀμφότερα τὰ στρεπτά (1 *b*)
Ne. 4. 5 (3. 37). μὴ καλύψῃς ἐπὶ ἀνομίαν [**S** -ιᾳ] (1 *b*)
Ju. 2. 7. καλύψω πᾶν τὸ πρόσωπον τῆς γῆς
— 19. καλύψαι πᾶν τὸ πρόσωπον τῆς γῆς
5. 10. ἐκάλυψε γὰρ τὸ πρόσωπον τῆς γῆς **X.** λιμός
7. 18. ἐκάλυψαν [**A** -εν, **S** ἐπεκ.] πᾶν τὸ πρόσωπον τῆς γῆς
16. 4. ἡ ἵππος αὐτῶν ἐκάλυψε βουνούς
Jb. 15. 27. ἐκάλυψε τὸ πρόσωπον αὐτοῦ ἐν στέατι αὐτοῦ (1 *b*)
21. 26. σαπρία δὲ αὐτοὺς ἐκάλυψεν (1 *b*)
22. 11. κοιμηθέντα δὲ ὕδωρ σε ἐκάλυψε (1 *b*)
23. 17. πρὸ προσώπου δέ μου ἐκάλυψε γνόφος [**A** *al.*] (1 *b*)
36. 30. ῥιζώματα τῆς θαλάσσης ἐκάλυψεν (1 *b*)
— 32. ἐπὶ χειρῶν ἐκάλυψε φῶς (1 *b*)
Ps. 31 (32). 5. τὴν ἀνομίαν [**A** **S**^{2} ἁμαρτίαν] μου οὐκ ἐκάλυψα (1 *b*)
43 (44). 15. ἡ αἰσχύνη τοῦ προσώπου μου ἐκάλυψέ με (1 *b*)
54 (55). 5. **B**^{2} **S** **R** ἐκάλυψέ με σκότος (1 *b*)
68 (69). 7. ἐκάλυψεν ἐντροπὴ τὸ πρόσωπόν μου (1 *b*)
77 (78). 53. τοὺς ἐχθροὺς αὐτῶν ἐκάλυψε θάλασσα (1 *b*)
79 (80). 10. ἐκάλυψεν ὄρη ἡ σκιὰ αὐτῆς (1 *c*)
84 (85). 2. ἐκάλυψας πάσας τὰς ἁμαρτίας αὐ. (1 *b*)
103 (104). 9. καλύψαι τὴν γῆν (1 *b*)
105 (106). 11. ἐκάλυψεν ὕδωρ τοὺς θλίβοντας αὐτούς (1 *b*)
— 17. ἐκάλυψεν ἐπὶ τὴν συναγωγὴν Ἀβειρών (1 *b*)
139 (140). 9. **A**^{2} **B** **S** κόπος τῶν χειλέων αὐτῶν καλύψει αὐτούς (1 *b*)
Pr. 10. 6. στόμα δὲ ἀσεβῶν καλύψει πένθος ἄωρον (1 *b*)
— 11. στόμα δὲ ἀσεβοῦς καλύψει ἀπώλεια (1 *b*)
— 12. πάντας δὲ τοὺς μὴ φιλονεικοῦντας καλύπτει [**A** -ψει] φιλία (1 *b*)
— 18. καλύπτουσιν ἔχθραν χείλη δίκαια (1 *b*)
26. 23. χείλη λεῖα [**S** δόλια] καρδίαν καλύπτει λυπηράν (3 *b* ?)
Ec. 6. 4. ἐν σκότει ὄνομα αὐτοῦ καλυφθήσεται (1 *c*)
Si. 13. 7. **S** καὶ καλύψει [**A** **B** καταλείψει] σε
16. 30. ψυχὴν [**S** -ῆ] παντὸς ζῴου ἐκάλυψε τὸ πρόσωπον αὐτῆς
23. 18. οἱ τοῖχοί με καλύπτουσι
29. 21. οἶκος καλύπτων ἀσχημοσύνην [**S**^{2} ἀ. ἀνδρός]
37. 3. καλύψαι τὴν ξηρὰν ἐν δολιότητι
40. 27. ὑπὲρ πᾶσαν δόξαν ἐκάλυψαν [**A** **S** -εν] αὐτόν
Ho. 2. 9 (11). τοῦ μὴ καλύπτειν τὴν ἀσχημοσ. (1 *b*)
10. 8. καλύψατε ἡμᾶς (1 *b*)
Ob. 1. 10. καλύψει σε αἰσχύνη (1 *b*)
Hb. 2. 17. ἀσέβεια [**S**^{1} -αν] τοῦ Λιβ. καλύψει σε (1 *b*)
3. 3. ἐκάλυψεν οὐρανοὺς ἡ ἀρετὴ αὐτοῦ (1 *b*)
Ma. 2. 13. ἐκαλύπτετε δάκρυσι τὸ θυσιαστήριον (1 *b*)
— 16. καλύψει ἀσέβεια ἐπὶ τὰ ἐνθυμήματά σου (1 *b*)
Is. 20. 4. **B** ἅμα κεκαλυμμένους [**A** **S** **R** ἀνακεκ.] τὴν αἰσχύνην †
60. 2. σκότος καλύψει [**A** -ύπτει] γῆν (1 *b*)
— 6. καλύψουσί σε κάμηλοι Μαδιάμ (1 *b*)
Ez. 7. 18. καλύψει αὐτοὺς θάμβος (1 *b*)
16. 8. ἐκάλυψα τὴν ἀσχημοσύνην σου (1 *b*)
24. 7. τοῦ καλύψαι ἐπ' αὐτὸ γῆν [**A**^{1} *al.*] (1 *b*)
— 8. τοῦ μὴ καλύψαι αὐτό (1 *a*)
26. 10. **A** καλύψει [**B** κατακ.] σε ὁ κονιορτὸς αὐτῶν (1 *b*)
30. 18. ταύτην νεφέλη καλύψει (1 *b*)
32. 7. ἥλιον ἐν νεφέλῃ καλύψω (1 *b*)
38. 16. ὡς νεφέλη καλύψαι γῆν (1 *b*)
40. 43. τοῦ καλύπτεσθαι ἀπὸ τοῦ ὑετοῦ †
44. 20. καλύπτοντες καλύψουσι [**A** **B**^{1} -ψωσιν] τὰς κεφαλὰς αὐτῶν †, †
Da. LXX. 12. 4. κάλυψον τὰ προστάγματα (2)
[**Aq.** Jb. 22. 11 : Is. 29. 10 : Ez. 27. 6 : 31. 15 : Ma. 2. 13.]
[**Sm.** Ps. 43 (44). 16 : 68 (69). 8 : Pr. 12. 23 : 26. 26 : Is. 30. 20 : 47. 2 : Ez. 31. 15 : Ma. 2. 13.]
[**Th.** Jb. 15. 27 : 22. 11 : Pr. 12. 16 : Ez. 31. 15 : Ma. 2. 13.]
[**Al.** III Ki. 20. 38 : Ps. 138 (139). 11 : Hb. 3. 3.]

καλυπτήρ. (1) יָעָ (2) מְזָרָק (3) τὸν κ. ἐπιτιθέναι דָּשֵׁן

Ex. 27. 3. τὸν κ. αὐτοῦ . . . ποιήσεις χαλκᾶ (1 ?)
Nu. 4. 13. τὸν κ. ἐπιθήσει [**A** -εις] ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον (3)
— 14. τὰς φιάλας καὶ τὸν κ. (2)
[**Aq.**, **Sm.** Ex. 26. 7.]

καλώδιον. (1) עֲבֹת

Jd. 15. 13. ἐν δυσὶ [**A** δύο] κ. καινοῖς (1)
— 14. ἐγενήθη τὰ κ. . . . ὡσεὶ στιππύον (1)
16. 11. ἐὰν . . . δήσωσί με ἐν κ. καινοῖς [**A** *al.*] (1)
— 12. ἔλαβε Δ. κ. καινά [**A** *al.*] (1)

καλῶς. (1) *a.* יָטַב hi. *b.* טוֹב *c.* טוֹב hi. (2) κ. ποιεῖν *a.* טוֹב hi. *b.* יָטַב hi. (3) κ. εἶναι *a.* יָטַב *b.* טוֹב

Ge. 26. 29. ἐχρησάμεθά σοι κ. (1 *b*)
32. 12 (13). **A** κ. [**R** *om.*] εὖ σε ποιήσω (1 *a*)
Le. 5. 4. κακοποιῆσαι ἢ κ. ποιῆσαι (2 *b*)
II Ki. 3. 13. ἐγὼ κ. διαθήσομαι (1 *b*)
III Ki. 2. 18. καὶ εἶπε Βηρσ., Κ. (1 *b*)
8. 18. κ. ἐποίησας (2 *a*)
IV Ki. 25. 24. καὶ κ. ἔσται ὑμῖν (3 *a*)
II Ch. 6. 8. κ. ἐποίησας ὅτι [**B**^{1} *om.* ἐ. ὅ.] ἐγένετο (2 *a*)
I Es. 2. 20. κ. ἔχειν ὑπολαμβάνομεν
To. 4. 3. **S** θάψον με κ. [**A** **B** *om.*]
7. 1. **S** καὶ κ. ἤλθατε
14. 9. **A** **B**^{3} **R** ἵνα σοι κ. ᾖ [**B**^{1} ἦν]
— 10. θάψον με κ. [**S** *al.*]
Es. 2. 9. καὶ ἐχρήσατο αὐτῇ κ. (1 *b*)
6. 10. κ. [**S**^{3} καθὼς] ἐλάλησας †
8. 13. κ. οὖν ποιήσετε [**A** -ατε, **S** -ητε]
Jb. 13. 9. κ. γε λαλοῦντες [**B** **S** *al.*] (1 *b* ?)
Ps. 32 (33). 3. κ. ψάλατε [**S**^{2} ψ. αὐτῷ] ἐν ἀλαλαγμῷ (1 *a*)
127 (128). 2. μακάριος εἶ καὶ κ. σοι ἔσται (3 *b*)
Pr. 23. 24. κ. ἐκτρέφει πατὴρ δίκαιος †
24. 64 (30. 29). τέταρτον ὃ κ. διαβαίνει (1 *c*)
Wi. 8. 20. **A** οὐ καλῶς [**B** **S** οὐκ ἄλλως] ἔσομαι ἐγκρατής
Ho. 2. 7 (9). ὅτι καλῶς μοι ἦν τότε ἢ νῦν (3 *b*)
Mi. 1. 10. κατοικοῦσα καλῶς τὰς πόλεις αὐτῆς †
Ze. 3. 20. ὅταν καλῶς ὑμῖν ποιήσω †
Za. 8. 15. τοῦ καλῶς ποιῆσαι τὴν Ἱερουσ. (2 *b*)
Is. 23. 16. κ. κιθάρισον (1 *a*)
Je. 1. 12. **A** **B** **S**^{2} κ. ἑώρακας (1 *a*)
4. 22. τὸ καλῶς ποιῆσαι οὐκ ἐπέγνωσαν [**A** *al.*] (2 *b*)
I Ma. 8. 23. κ. γενοίτω Ῥωμαίοις
12. 18. **S** **R** καὶ νῦν κ. ποιήσετε [**A** ἐποιήσατε]
— 22. κ. ποιήσετε γράφοντες ἡμῖν
II Ma. 2. 16. κ. οὖν ποιήσετε
II Ma. 3. 1. **A** τῶν νόμων ὅτι [**R** ἔτι] κάλλιστα συντηρουμένων
12. 43. πάνυ κ. καὶ ἀστείως πράττων
14. 37. ἀνὴρ . . . σφόδρα κ. ἀκούων
15. 38. **R** εἰ μὲν κ. καὶ εὐθίκτως τῇ συντάξει [**A** *al.*]
III Ma. 3. 24. τεκμηρίοις κ. πεπεισμένοι
IV Ma. 3. 20. καὶ ἔπραττον κ.
[**Aq.** Je. 7. 23 : Jn. 4. 4.]
[**Sm.** I Ki. 16. 17 : Ps. 48 (49). 19 : 127 (128). 2 : Je. 44 (51). 17.]
[**Th.** Ez. 33. 32 : Jn. 4. 4.]

κάμαξ.

II Ma. 5. 3. **R** καὶ καμάκων [**A** -των] πλήθη

καμάρα. (1) דַּלְתּ

Is. 40. 22. ὁ στήσας ὡς καμάραν τὸν οὐρανόν (1)

κάματος.

II Ma. 5. 3. **A** καὶ καμάτων [**R** καμάκων] πλήθη

καμηλοπάρδαλις. (1) נָמֵר

De. 14. 5. ὄρυγα καὶ καμηλοπάρδαλιν (1)

κάμηλος. (1) בֶּכֶר (2) גָּמָל

Ge. 12. 16. ἐγένοντο αὐτῷ . . . κάμηλοι (2)
24. 10. ἔλαβεν ὁ παῖς δέκα καμήλους ἀπὸ τῶν κ. τοῦ κυρίου αὐτοῦ (2, 2)
— 11. **S** **R** ἐκοίμισε [**A** -μησεν] τὰς κ. (2)
— 14. τὰς κ. σου ποτιῶ (2)
— 19. καὶ ταῖς κ. σου ὑδρεύσομαι (2)
— 20. ὑδρεύσατο πάσαις ταῖς κ. (2)
— 22. ἡνίκα ἐπαύσαντο πᾶσαι αἱ κ. πίνουσαι (2)
— 30. ἑστηκότος αὐτοῦ ἐπὶ τῶν κ. (2)
— 31. ἐγὼ δὲ ἡτοίμασα . . . τόπον ταῖς κ. (2)
— 32. **R** ἀπέσαξε [**A** ἐπ.] τὰς κ. (2)
— 32. ἔδωκεν ἄχυρα . . . ταῖς κ. (2)
— 35. ἔδωκεν αὐτῷ . . . καμήλους καὶ ὄνους (2)
— 44. ταῖς κ. σου ὑδρεύσομαι (2)
— 46. τὰς κ. σου ποτιῶ (2)
— 46. **R** τὰς κ. [**A** κ. μου] ἐπότισε (2)
— 61. ἐπέβησαν ἐπὶ τὰς κ. (2)
— 63. εἶδε καμήλους ἐρχομένας (2)
— 64. κατεπήδησεν ἀπὸ τῆς κ. (2)
30. 43. ἐγένετο αὐτῷ . . . κάμηλοι καὶ ὄνοι (2)
31. 17. ἔλαβε τὰς γυναῖκας . . . ἐπὶ τὰς κ. (2)
— 34. εἰς τὰ σάγματα τῆς κ. (2)
32. 7 (8). **R** διείλε . . . τὰς κ. [**A** *om.* τ. κ.] (2)
— 15 (16). ἐξαπέστειλεν . . . καμήλους θηλαζούσας (2)
37. 25. **R** αἱ [**A** οἱ] κ. αὐ. ἔγεμον θυμιαμάτων (2)
Ex. 9. 3. χεὶρ κυρίου ἐπέσται [**A** ἔσ.] ἐν . . . ταῖς [**A** τοῖς] κ. (2)
Le. 11. 4. τὸν κ. ὅτι ἀνάγει μηρυκισμόν (2)
De. 14. 7. ταῦτα οὐ φάγεσθε . . . τὸν κ. (2)
Jd. 6. 5. **B** τοῖς [**A** **R** ταῖς] κ. αὐτῶν οὐκ ἦν ἀριθμός (2)
7. 12. ταῖς κ. αὐτῶν [**A** *om.*] οὐκ ἦν ἀριθμός (2)
8. 21. τοὺς μηνίσκους τοὺς ἐν τοῖς τραχήλοις τῶν κ. αὐτῶν (2)
— 26. ἐν τοῖς τραχήλοις τῶν κ. αὐτῶν (2)
I Ki. 15. 3. καὶ ἀπὸ καμήλου ἕως ὄνου (2)
27. 9. καὶ ὄνους καὶ καμήλους καὶ ἱματισμόν (2)
30. 17. ἃ ἦν ἐπεβεβηκότα ἐπὶ τὰς κ. (2)
III Ki. 10. 2. καὶ κ. αἴρουσαι ἡδύσματα (2)
IV Ki. 8. 9. ἄρσιν τεσσαράκοντα καμήλων (2)
I Ch. 5. 21. τὴν ἀποσκευὴν αὐτῶν κ. πεντακισχιλίας (2)
12. 40. ἔφερον αὐτοῖς ἐπὶ τῶν κ. . . . βρώματα (2)
27. 30. ἐπὶ δὲ τῶν κ. Ἀβ. (2)
II Ch. 9. 1. καὶ κάμηλοι αἴρουσαι ἀρώματα (2)
14. 15 (14). ἔλαβον πρόβατα πολλὰ καὶ καμήλους (2)
I Es. 5. 43. κάμηλοι τετρακόσιοι τριάκοντα πέντε
II Es. 2. 67. κάμηλοι αὐτῶν τετρακόσιοι τριάκοντα πέντε (2)
Ne. 7. 69. **A** **S** κάμηλοι τετρακόσιοι τριάκοντα πέντε (2)
To. 9. 2. λάβε . . . δύο καμήλους
— 5. **S** οἱ τέσσαρες οἰκέται καὶ αἱ δύο κ.
10. 11. **S** ὄνους καὶ καμήλους
Ju. 2. 17. καὶ ἔλαβε καμήλους
Jb. 1. 3. ἦν τὰ κτήνη αὐτοῦ . . . κάμηλοι τρισχίλιαι [**A** -οι] (2)
— 17. ἐκύκλωσαν τὰς κ. (2)
42. 12. ἦν δὲ τὰ κτήνη αὐτοῦ . . . κάμηλοι ἑξακισχίλιαι (2)

Si. 26. 29. οὐ δικαιωθήσεται κάπηλος [B¹ κάμ.] ἀπὸ ἁμαρτίας
Za. 14. 15. αὕτη ἔσται ἡ πτῶσις . . . τῶν κ. (2)
Is. 21. 7. εἶδον . . . ἀναβάτην καμήλου (2)
30. 6. ἔφερον ἐπὶ ὄνων καὶ καμήλων τὸν πλοῦτον αὐτῶν (2)
60. 6. ἥξουσί σοι ἀγέλαι καμήλων καὶ καλύψουσί σε κάμηλοι Μαδιάμ (2, 1)
Je. 30. 7 (49. 29). καμήλους αὐτῶν λήψονται ἑαυτοῖς (2)
— 10 (49. 32). ἔσονται κάμηλοι [A οἱ κ.] αὐτῶν εἰς προνομήν (2)
Ez. 25. 5. δώσω τὴν πόλιν τοῦ 'A. εἰς νομὰς καμήλων (2)
27. 21. καμήλους καὶ ἀμνοὺς [A *om.* κ. ἀ.] καὶ κριούς (1?)
[Th. Is. 30. 6.]

καμιναῖος (B -μει.), **καμινιαῖος** (A²). (1) כִּבְשָׁן

Ex. 9. 8. πλήρεις τὰς χεῖρας αἰθάλης καμιναίας (1)
— 10. ἔλαβε [A -βον] τὴν αἰθάλην τῆς κ. (1)

κάμινος. (1) אַתּוּן (2) דּוּד (3) כִּבְשָׁן (4) כּוּר (5) קֻבָּה

Ge. 19. 28. ὡσεὶ ἀτμὶς καμίνου (3)
Ex. 19. 18. ὡς καπνὸς καμίνου (3)
Nu. 25. 8. εἰσῆλθεν . . . εἰς τὴν κ. (5)
De. 4. 20. ἐξήγαγεν ὑμᾶς . . . ἐκ τῆς κ. τῆς σιδηρᾶς (4)
Jb. 41. 11 (12). ἐκπορεύεται καπνὸς καμίνου καιομένης (2?)
Pr. 16. 30. οὗτος κάμινός ἐστι κακίας [A κακῶν] –
17. 3. ὥσπερ δοκιμάζεται ἐν καμίνῳ ἄργυρος (4?)
Si. 2. 5. ἄνθρωποι δεκτοὶ ἐν καμίνῳ ταπεινώσεως
22. 24. πρὸ πυρὸς ἀτμὶς καμίνου καὶ καπνός
27. 5. σκεύη κεραμέως δοκιμάζει κάμινος
34 (31). 26. κάμινος δοκιμάζει στόμωμα ἐν βαφῇ
38. 28. ἐν θέρμῃ καμίνου διαμαχήσεται
— 30. ἡ ἀγρυπνία αὐτοῦ καθαρίσαι κάμινον
43. 4. A S² R κάμινον φυσῶν [B S¹ φυλάσσων] ἐν ἔργοις καύματος
Is. 48. 10. ἐξειλάμην δέ σε ἐκ καμίνου πτωχείας (4)
Je. 11. 4. ἀνήγαγον αὐτοὺς . . . ἐκ καμίνου [S² τῆς κ.] τῆς σιδηρᾶς (4)
Ez. 22. 20. εἰσδέχεται . . . μόλιβος εἰς μέσον καμίνου [A *add.* πυρός] (4)
— 22. χωνεύεται ἀργύριον ἐν μέσῳ καμίνου (4)
Da. LXX. 3. 6. ἐμβαλοῦσιν αὐτὸν εἰς τὴν κ. τοῦ πυρός (1)
— 11. ἐμβληθήσεται εἰς τὴν κ. τοῦ πυρός (1)
— 15. ἐμβληθήσεσθε εἰς τὴν κ. τοῦ πυρός (1)
— 17. ἐξελέσθαι ἡμᾶς ἐκ τῆς κ. τοῦ πυρός (1)
— 19. ἐπέταξε καῆναι τὴν κ. ἑπταπλασίως (1)
— 20, 21. εἰς τὴν κ. τοῦ πυρὸς τὴν καιομ. (1)
— 22. ἡ κ. ἐξεκαύθη ὑπὲρ τὸ πρότερον ἑπταπλασίως (1)
— 23. καὶ προσαγαγόντες τῇ κ. (1?)
— 23. ἐξελθοῦσα ἡ φλὸξ ἐκ τῆς κ. –
— (24). ἐμβληθῆναι εἰς τὴν κ. –
— (25). ἐν μέσῳ τῷ πυρὶ ὑποκαιομένης τῆς κ. –
— (46). οὐ διέλιπον . . . καίοντες τὴν κ.
— (46). ἐνεβάλοσαν τοὺς τρεῖς . . . εἰς τὴν κ. καὶ ἡ κ. ἦν διάπυρος
— (47). διεχεῖτο ἡ φλὸξ ἐπάνω τῆς κ.
— (48). οὓς εὗρε περὶ τὴν κ. τῶν Χαλδαίων
— (49). ἄγγελος δὲ κυρίου συγκατέβη . . . εἰς τὴν κ. καὶ ἐξετίναξε τὴν φλόγα τοῦ πυρὸς ἐκ τῆς κ.
— (50). καὶ ἐποίησε τὸ μέσον τῆς κ. ὡσεὶ πνεῦμα δρόσου
— (51). ἐξύψουν τὸν θεὸν ἐν τῇ κ.
— 26 (93). τὴν θύραν τῆς κ. καιομένης
Da. TH. 3. 6, 11. ἐμβληθήσεται εἰς τὴν κ. τοῦ πυρός (1)
— 15. ἐμβληθήσεσθε εἰς τὴν κ. τοῦ πυρός (1)
— 17. ἐξελέσθαι ἡμᾶς ἐκ τῆς κ. τοῦ πυρός (1)
— 19. εἶπεν ἐκκαῦσαι τὴν κ. ἑπταπλασίως (1)
— 20. ἐμβαλεῖν εἰς τὴν κ. τοῦ πυρός (1)
— 21. εἰς τὸ μέσον τῆς κ. τοῦ πυρός (1)
— 22. ἡ κ. ἐξεκαύθη ἐκ περισσοῦ (1)
— 23. εἰς μέσον τῆς κ. [A κ. τοῦ πυρός] (1)
— (46). οὐ διέλειπον . . . καίοντες τὴν κ.
— (47). διεχεῖτο ἡ φλὸξ ἐπάνω τῆς κ.
— (48). οὓς εὗρε περὶ τὴν κ. τῶν Χαλδαίων
— (49). ὁ δὲ ἄγγελος κυρίου συγκατέβη . . . εἰς τὴν κ.
— (49). ἐξετίναξε τὴν φλόγα τοῦ πυρὸς ἐκ τῆς κ.
Da. TH. 3. (50). καὶ ἐποίησε τὸ μέσον τῆς κ. ὡς πνεῦμα δρόσου
— (51). ηὐλόγουν τὸν θεὸν ἐν τῇ κ.
— (88). ἐκ μέσου καμίνου καιομένης φλογός [A *al.*]
— 26 (93). πρὸς τὴν θύραν τῆς κ. τοῦ πυρός (1)
III Ma. 6. 6. διάπυρον δροσίσας κάμινον
IV Ma. 13. 9. A R οἱ τῆς ἰσοπαλίδος καμίνου κατεφρόνησαν [S *al.*]
16. 3. S R ἡ [A *om.*] Μισαὴλ ἐκφλεγομένη κάμινος
— 21. εἰς κάμινον πυρὸς ἀπεσφενδονήθησαν
[Aq., Sm. Ez. 22. 18.]
[Th. Ez. 22. 18: Da. 3. 11, 23, (46).]

καμμύειν. (1) עָצַם *a.* qal. *b.* pi. (2) שָׁעַע hi.

Is. 6. 10. τοὺς ὀφθαλμοὺς ἐκάμμυσαν (2)
29. 10. καμμύσει τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτῶν (1 *b*)
33. 15. καμμύων τοὺς ὀφθαλμούς (1 *a*)
La. 3. 44. A R καμμύσαι [B καμβ.] με καὶ ἀπωσθῆναι †

κάμνειν. (1) קוּם ni.

Jb. 10. 1. B S² κάμνων [A -ω δὲ] τῇ ψυχῇ μου (1)
17. 2. A B S² λίσσομαι κάμνων †
Wi. 4. 16. κατακρινεῖ δὲ δίκαιος καμὼν [A B² θανὼν] τοὺς ζῶντας ἀσεβεῖς
15. 9. ἔστιν αὐτῷ φροντὶς οὐχ ὅτι μέλλει κάμνειν
IV Ma. 3. 8. ἰδρῶν καὶ σφόδρα κεκμηκώς
7. 13. κεκμηκότων δὲ καὶ τῶν νεύρων

καμπή. (1) פְּנָה

Ne. 3. 24. καὶ ἕως τῆς κ. Φαλάχ (1)
— 31. A S R ἕως ἀναβάσεως [B ἀνὰ μέσον] τῆς κ. (1)
[Aq. I Ki. 26. 5, 7: Pr. 2. 15, 18: 4. 11, 26: 5. 6, 21.]

κάμπη. (1) גָּזָם

Am. 4. 9. ἐλαιῶνας ὑμῶν κατέφαγεν ἡ κ. (1)
Jl. 1. 4. τὰ κατάλοιπα τῆς κ. κατέφαγεν ἡ ἀκρίς (1)
2. 25. ὃν κατέφαγεν . . . ἡ ἐρυσίβη καὶ ἡ κ. (1)

κάμπτειν. (1) בָּרַךְ (2) כָּפַף (3) כָּרַע *a.* qal. *b.* hi. (4) שָׁחַח (5) **κάμπτειν τὸ γόνυ** קָדַר

Jd. 5. 27.' A ἐν ᾧ ἔκαμψεν [B *al.*] (3 *a*)
7. 5. A ὃς ἂν κάμψῃ [B ἐὰν κλίνῃ ἐπὶ] τὰ γόνατα (3 *a*)
— 6. A ἔκαμψαν [B ἔκλιναν] ἐπὶ τὰ γόνατα (3 *a*)
II Ki. 22. 40. κάμψεις [A -ει] τοὺς ἐπανιστανομένους μοι (3 *b*)
IV Ki. 1. 13. καὶ ἔκαμψεν ἐπὶ τὰ γόνατα αὐτοῦ (3 *a*)
9. 24. ἔκαμψεν ἐπὶ τὰ γόνατα αὐτοῦ (3 *a*)
I Ch. 29. 20. κάμψαντες τὰ γόνατα (5)
II Ch. 29. 29. ἔκαμψεν ὁ βασιλεύς (3 *a*)
I Es. 8. 73. κάμψας τὰ γόνατα
Jb. 9. 13. ὑπ' αὐτοῦ ἐκάμφθησαν [A -η] κήτη τὰ ὑπ' οὐρανόν (4)
Si. 7. 23. κάμψον ἐκ νεότητος τὸν τράχηλον αὐτῶν
30. 12. R κάμψον τὸν τράχηλον αὐτοῦ ἐν νεότητι
— 35 (33. 26). ζυγὸς καὶ ἱμὰς κάμψουσι τράχηλον
38. 18. λύπη καρδίας κάμψει [S¹ κάμπτει] ἰσχύν
— 30. πρὸ ποδῶν κάμψει ἰσχὺν αὐτοῦ
Is. 45. 24 (23). ἐμοὶ κάμψει πᾶν γόνυ (3 *a*)
58. 5. οὐδ' ἂν κάμψῃς ὡς κρίκον τὸν τράχηλόν σου (2)
Da. TH. 6. 10 (11). ἦν κάμπτων ἐπὶ τὰ γόνατα αὐτοῦ (1)
III Ma. 2. 1. κάμψας τὰ γόνατα
IV Ma. 3. 4. τὸ μὴ καμφθῆναι τῇ κακοηθείᾳ
[Aq. Ge. 49. 9: Jd. 5. 27: 7. 5: 11. 35 *bis*: I Ki. 4. 19: Ps. 16 (17). 13: 17 (18). 40: 21 (22). 30: 71 (72). 9.]
[Sm. Ge. 27. 40: Jb. 9. 13: Ps. 9. 31 (10. 10): 29 (30). 8.]
[Th. Jd. 5. 27: 7. 5: Is. 10. 4: 44. 15.]

καμπτός.
[Aq. Pr. 2. 9.]

καμπύλος. (1) לוּז ni.

Pr. 2. 15. καμπύλαι αἱ τροχιαὶ αὐτῶν (1)

καμψάκης, *vid.* **καψάκης.**

κάμψις.
[Aq. IV Ki. 10. 12.]

κᾶν, *vid.* **ἄν.**

κανανί.
[Heb. Pr. 8. 22.]

κανθαρίς.
[Sm. Ho. 13. 3.]

κάνθαρος. (1) פֻּפִּים

Hb. 2. 11. καὶ κάνθαρος ἐκ ξύλου φθέγξεται αὐτά (1)

κανθός.
To. 11. 13. ἐλεπίσθη ἀπὸ τῶν κ. τῶν ὀφθαλμῶν αὐτοῦ τὰ λευκώματα [S *al.*]

κανοῦν. (1) סַל

Ge. 40. 16. τρία κανᾶ χονδριτῶν (1)
— 17. R ἐν δὲ κανῷ [A τῷ κ.] τῷ ἐπάνω (1)
— 17. ἀπὸ τοῦ κ. τοῦ ἐπάνω τῆς κεφαλῆς μου (1)
— 18. τὰ τρία κ. τρεῖς ἡμέραι εἰσίν (1)
Ex. 29. 3. ἐπιθήσεις αὐτὰ [A *om.* ἐ. αὐ.] ἐπὶ κανοῦν ἕν (1)
— 3. προσοίσεις [B¹ -σει] αὐτὰ ἐπὶ τῷ κ. (1)
— 23. λάγανον ἓν [B² ἕνα] ἀπὸ τοῦ κ. τῶν ἀζύμων (1)
— 32. ἔδονται . . . τοὺς ἄρτους τοὺς ἐν τῷ κ. (1)
Le. 8. 2. καὶ τὸ κ. τῶν ἀζύμων (1)
— 25 (26). ἀπὸ τοῦ κανοῦ τῆς τελειώσεως (1)
— 31. τοὺς ἄρτους τοὺς [B¹ *om.*] ἐν τῷ κ. (1)
Nu. 6. 15. καὶ κανοῦν ἀζύμων σεμιδάλεως (1)
— 17. ποιήσει θυσίαν . . . ἐπὶ τῷ κ. τῶν ἀζύμων (1)
— 19. ἄρτον ἕνα ἄζυμον ἀπὸ τοῦ κ. (1)
Jd. 6. 19. A ἐπέθηκεν ἐπὶ τὸ κ. [B *al.*] (1)
[Sm. Ge. 40. 16.]

κανών.
Ju. 13. 6. προσελθοῦσα τῷ κ. τῆς κλίνης
Mi. 7. 4. βαδίζων ἐπὶ κανόνος †
IV Ma. 7. 21. πρὸς ὅλον τὸν τῆς φιλοσοφίας κ.
[Aq. Jb. 38. 5: Ps. 18 (19). 5.]

κάπηλος.
Si. 26. 29. οὐ δικαιωθήσεται κάπηλος [B¹ κάμ.] ἀπὸ ἁμαρτίας
Is. 1. 22. οἱ κ. σου μίσγουσι τὸν οἶνον ὕδατι –

καπνίζειν. (1) כָּהָה (2) *a.* עָשַׁן *b.* עָשַׁן verb. *c.* עָשֵׁן adj.

Ge. 15. 17. ἰδοὺ κλίβανος καπνιζόμενος (2 *a*)
Ex. 19. 18. τὸ δὲ ὄρος τὸ Σ. ἐκαπνίζετο ὅλον (2 *b*)
20. 18. ὁ λαὸς ἑώρα . . . τὸ ὄρος τὸ καπνίζον (2 *c*)
To. 6. 7. B ταῦτα δὲ καπνίσαι ἐνώπιον ἀνθρώπου [A S R *al.*]
— 16. καπνίσεις καὶ ὀσφρανθήσεται τὸ δαιμόνιον [S *al.*]
8. 2. A B καὶ ἐκάπνισεν –
Ps. 103 (104). 32. καὶ καπνίζονται (2 *b*)
143 (144). 5. καὶ καπνισθήσονται (2 *b*)
Wi. 10. 7. ἐπὶ μαρτύριον τῆς πονηρίας καπνιζομένη καθέστηκε χέρσος
Is. 7. 4. ἀπὸ τῶν δύο ξύλων τῶν δαλῶν τῶν καπνιζομ. τούτων (2 *c*)
42. 3. λίνον καπνιζόμενον οὐ σβέσει (1)
[Al. Ps. 143 (144). 5.]

καπνοδόχη. (1) אֲרֻבָּה

Ho. 13: 3. A ὡς ἀτμὶς ἐκ καπνοδόχης [B ἀπὸ δακρύων]
[Th. Ho. 13. 3.]

καπνός. (1) עָשָׁן

Ex. 19. 18. καὶ ἀνέβαινεν ὁ κ. (1)
— 18. ὡς καπνὸς καμίνου (1)
Jo. 8. 20. ἐθεώρουν καπνὸν ἀναβαίνοντα [A *al.*] (1)
— 21. B ἀνέβη ὁ κ. τῆς πόλεως (1)
Jd. 20. 38. σύσσημον [A πύργον τοῦ] καπνοῦ ἀπὸ τῆς πόλεως (1)
— 40. ὡς [A *om.*] στῦλος καπνοῦ (1)
II Ki. 22. 9. ἀνέβη καπνὸς ἐν τῇ ὀργῇ αὐτοῦ (1)
Jb. 41. 11 (12). ἐκ μυκτήρων αὐτοῦ ἐκπορεύεται καπνὸς καμίνου (1)
Ps. 17 (18). 8. ἀνέβη καπνὸς ἐν ὀργῇ αὐτοῦ (1)
36 (37). 20. ἐκλείποντες ὡσεὶ καπνὸς ἐξέλιπον (1)
67 (68). 2. ὡς ἐκλείπει καπνὸς ἐκλιπέτωσαν (1)
101 (102). 3. ἐξέλιπον ὡσεὶ καπνὸς αἱ ἡμέραι μου (1)
Pr. 10. 26. ὥσπερ ὄμφαξ ὀδοῦσι βλαβερὸν καὶ καπνὸς ὄμμασιν (1)

Ca. 3. 6. ὡς στελέχη καπνοῦ (1)
Wi. 2. 2. καπνὸς ἡ πνοὴ ἐν ῥισὶν ἡμῶν
5. 14. ὡς καπνὸς ὑπὸ ἀνέμου διεχύθη
11. 18. βρόμους [AS -μον] λικμωμένους καπνοῦ
Si. 22. 24. πρὸ πυρὸς ἀτμὶς καμίνου καὶ καπνός
Jl. 2. 30 (3. 3). ἐπὶ τῆς γῆς αἷμα . . . καὶ ἀτμίδα καπνοῦ (1)
Na. 2. 13 (14). καὶ ἐκκαύσω ἐν καπνῷ πλῆθός σου (1)
Is. 4. 5. καὶ ὡς καπνοῦ . . . καιομένου νυκτός (1)
6. 4. ὁ οἶκος ἐνεπλήσθη [A S ἑπλ.] καπνοῦ (1)
14. 31. ἀπὸ βορρᾶ κ. ἔρχεται (1)
34. 10. ἀναβήσεται ὁ κ. αὐτῆς ἄνω (1)
51. 6. ὁ οὐρανὸς ὡς κ. ἐστερεώθη (1)
65. 5. οὗτος κ. τοῦ θυμοῦ μου (1)
— 17. ἔσται γὰρ ὁ οὐρ. καινὸς [S¹ καπνός] †
Ep. Je. 21. ἀπὸ τοῦ κ. τοῦ ἐκ τῆς οἰκίας [A *al.*]
I Ma. 4. 20. ὁ γὰρ κ. ὁ θεωρούμενος
[Aq. Ca. 3. 6 : Is. 4. 5 : Ho. 13. 3.]
[Sm., Th. Is. 4. 5.]
[Quint. Ps. 118 (119). 83.]

κάπναρις. (1) אֲבִיוֹנָה

Ec. 12. 5. καὶ διασκεδασθῇ ἡ κ. (1)
[Aq. Ec. 12. 5.]

κάπτειν. (1) אָכַל

Da. LXX. 1. 12. ὥστε κάπτειν καὶ ὑδροποιεῖν (1)

καπυρός.
[Sm. Jo. 9. 5 (11).]

καραδοκεῖν.
[Aq. Ps. 129 (130). 5.]

καραδοκία.
[Aq. Ps. 38 (39). 8 : Pr. 10. 28.]

καραθί.
[Heb. Ho. 11. 1.]

καραισείμ (A), **καρασείμ** (B), **καρησίμ** (R).
II Ch. 35. 19. καὶ τὰ κ. ἃ ἦν ἐν γῇ Ἰ. –

καρδία. (1) בֶּטֶן (2) דֶּרֶךְ (3) חַפְאַת (4) *a.* לֵב *b.* לְבָב *c.* לִבַּב *d.* τὰ ἀπὸ καρδίας לֵב (5) מְעִי (6) נֶפֶשׁ (7) עֹרֶף (8) קֶרֶב (9) ἐκδέχεσθαι τῇ κ. בִּין hi.

Ge. 6. 5. διανοεῖται ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 *a*)
20. 5. ἐν καθαρᾷ καρδίᾳ . . . ἐποίησα τοῦτο (4 *b*)
— 6. ἐν καθαρᾷ καρδίᾳ ἐποίησας τοῦτο (4 *b*)
42. 28. ἐξέστη ἡ κ. αὐτῶν (4 *a*)
50. 21. ἐλάλησεν αὐτῶν εἰς τὴν κ. (4 *a*)
Ex. 4. 21. σκληρυνῶ τὴν κ. αὐτοῦ (4 *a*)
7. 3. σκληρυνῶ τὴν κ. Φαραώ (4 *a*)
— 13. κατίσχυσεν ἡ κ. Φαραώ (4 *a*)
— 14. βεβάρηται ἡ κ. Φαραώ (4 *a*)
— 22. AR ἐσκληρύνθη [B -ρυνεν] ἡ κ. Φαραώ (4 *a*)
8. 15 (11). ἐβαρύνθη ἡ κ. αὐτοῦ (4 *a*)
— 19 (15). ἐσκληρύνθη ἡ κ. Φαραώ (4 *a*)
— 32 (28). ἐβάρυνε Φαραὼ τὴν κ. αὐτοῦ (4 *a*)
9. 7. A^2 B ἐβαρύνθη ἡ κ. Φαραώ (4 *a*)
— 12. A^2 B ἐσκλήρυνε δὲ κύριος τὴν κ. Φαραώ (4 *a*)
— 14. ἐξαποστέλλω . . . εἰς τὴν κ. σου (4 *a*)
— 34. ἐβάρυνεν αὐτοῦ τὴν κ. (4 *a*)
— 35. ἐσκληρύνθη ἡ κ. Φαραώ (4 *a*)
10. 1. ἐσκλήρυνα [A ἐβάρυνα] αὐτοῦ τὴν κ. (4 *a*)
— 20. ἐσκλήρυνε κύριος τὴν κ. Φαραώ (4 *a*)
— 27 : 11. 10. ἐσκλήρυνε δὲ κύριος τὴν κ. Φ. (4 *a*)
14. 4. σκληρυνῶ τὴν κ. Φαραώ (4 *a*)
— 5. AR μετεστράφη ἡ κ. Φ. καὶ [B *add.* ἡ κ.] τῶν θεραπόντων (4 *b*, –)
— 8. ἐσκλήρυνε κύριος τὴν κ. Φαραὼ . . . καὶ [A^2 *add.* τὴν κ.] τῶν θεραπόντων (4 *a*, –)
— 17. σκληρυνῶ τὴν κ. Φαραώ (4 *a*)
25. 2. παρὰ πάντων οἷς ἂν δόξῃ τῇ κ. (4 *a*)
31. 6. παντὶ συνετῷ καρδίᾳ δέδωκα σύνεσιν (4 *a*)
35. 5. πᾶς ὁ καταδεχόμενος τῇ καρδίᾳ (4 *a*)
— 10. πᾶς σοφὸς τῇ κ. [A διανοίᾳ] (4 *a*)
— 21. ὃν ἔφερεν ἡ κ. αὐτῶν (4 *a*)
36. 2. ᾧ ἔδωκεν ὁ θεὸς ἐπιστήμην ἐν τῇ κ. (4 *a*)
Le. 26. 36. ἐπάξω δουλείαν [A δειλίαν] εἰς τὴν κ. αὐτῶν (4 *b*)
— 41. ἐντραπήσεται ἡ κ. αὐτῶν ἡ ἀπερίτμητος (4 *b*)
Nu. 22. 38. A ὃ ἐὰν ἐμβάλῃ εἰς τὴν κ. μου [B R *al.*] †
32. 7. A ἵνα τί διαστρέφετε τὰς κ. [B διανοίας] (4 *a*)
Nu. 32. 9. ἀπέστησαν τὴν κ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (4 *a*)
De. 1. 28. ἀπέστησαν τὴν κ. ὑμῶν (4 *b*)
2. 30. κατίσχυσε τὴν κ. αὐτοῦ (4 *b*)
4. 9. μὴ ἀποστήτωσαν ἀπὸ τῆς κ. σου (4 *b*)
— 29. ὅταν ἐκζητήσητε αὐτὸν ἐξ ὅλης τῆς κ. σου (4 *b*)
5. 29 (26). εἶναι οὕτω τὴν κ. αὐτῶν ἐν αὐτοῖς (4 *b*)
6. 5. A ἐξ ὅλης τῆς κ. [B διανοίας] σου (4 *b*)
— 6. ἔσται τὰ ῥήματα ταῦτα . . . ἐν τῇ κ. σου (4 *b*)
— 12. A πλατυνθῇ ἡ κ. σου –
8. 2. καὶ διαγνωσθῇ τὰ ἐν τῇ κ. σου (4 *b*)
— 5. γνώσῃ τῇ κ. σου (4 *b*)
— 14. ὑψωθῇς τῇ κ. [A κ. σου] (4 *b*)
— 17 : 9. 4. μὴ εἴπῃς ἐν τῇ κ. σου (4 *b*)
9. 5. διὰ τὴν ὁσιότητα τῆς κ. σου (4 *b*)
10. 12. λατρεύειν κυρίῳ . . . ἐξ ὅλης τῆς κ. σου (4 *b*)
11. 13. λατρεύειν αὐτῷ ἐξ ὅλης τῆς κ. σου (4 *b*)
— 16. μὴ πλατυνθῇ ἡ κ. σου (4 *b*)
— 18. ἐμβαλεῖτε τὰ ῥήματα ταῦτα εἰς τὴν κ. ὑμῶν (4 *b*)
12. 20. A ἐν πάσῃ ἐπιθυμίᾳ τῆς κ. [B ψυχῆς] σου (6)
13. 3 (4). εἰ ἀγαπᾶτε . . . ἐξ ὅλης τῆς κ. ὑμῶν (4 *b*)
15. 7. οὐκ ἀποστερήξεις [A -στρέψεις] τὴν κ. σου (4 *b*)
— 9. μὴ γένηται ῥῆμα κρυπτὸν ἐν τῇ κ. σου (4 *b*)
— 10. οὐ λυπηθήσῃ τῇ κ. σου (4 *b*)
17. 17. AR ἵνα μὴ μεταστῇ [B^2 οὐδὲ μεταστήσεται] αὐτοῦ ἡ κ. (4 *b*)
— 20. AR ἵνα μὴ ὑψωθῇ ἡ κ. αὐτοῦ [B σου] (4 *b*)
18. 21. ἐὰν δὲ εἴπῃς ἐν τῇ κ. σου (4 *b*)
19. 6. παρατεθέρμανται τῇ κ. [A *add.* αὐτοῦ] (4 *b*)
20. 3. μὴ ἐκλυέσθω ἡ κ. ὑμῶν (4 *b*)
— 8. καὶ δειλὸς τῇ κ. (4 *b*)
— 8. ἵνα μὴ δειλιάνῃ τὴν κ. (4 *b*)
26. 16. ποιήσετε αὐτὰ ἐξ ὅλης τῆς κ. ὑμῶν (4 *b*)
28. 47. A ἐν εὐφροσύνῃ καὶ [A^2 *add.* ἐν] ἀγαθῇ κ. [B διανοίᾳ] (4 *b*)
— 65. δώσει σοι . . . κ. ἑτέραν [A *om.*] (4 *a*)
— 67. ἀπὸ τοῦ φόβου τῆς κ. σου (4 *b*)
29. 4 (3). οὐκ ἔδωκε κύριος . . . καρδίαν εἰδέναι (4 *a*)
— 19 (18). ἐπιφημίσηται ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 *b*)
— 19 (18). ἐν τῇ ἀποπλανήσει τῆς κ. μου (4 *a*)
30. 1. καὶ δέξῃ εἰς τὴν κ. σου (4 *b*)
— 2. ἐξ ὅλης τῆς κ. σου καὶ ἐξ ὅλης τῆς ψυχῆς σου (4 *b*)
— 6. περικαθαριεῖ κύριος τὴν κ. σου καὶ τὴν κ. τοῦ σπέρματός σου (4 *b*, 4 *b*)
— 6, 10. ἐξ ὅλης τῆς κ. σου καὶ ἐξ ὅλης τῆς ψυχῆς σου (4 *b*)
— 14. ἐν τῷ στόματί σου καὶ ἐν τῇ κ. σου (4 *b*)
— 17. ἐὰν μεταστῇ ἡ κ. σου (4 *b*)
32. 46. προσέχετε τῇ κ. [A *add.* ὑμῶν] (4 *b*)
Jo. 2. 11. ἐξέστημεν τῇ κ. ἡμῶν (4 *b*)
7. 5. ἐπτοήθη ἡ κ. τοῦ λαοῦ (4 *b*)
11. 20. κατισχῦσαι αὐτῶν τὴν κ. (4 *a*)
14. 8. μετέστησαν τὴν κ. [A διάνοιαν] τοῦ λαοῦ (4 *a*)
22. 5. A ἐξ ὅλης τῆς κ. [B διανοίας] ὑμῶν (4 *b*)
23. 14. γνώσεσθε τῇ κ. ὑμῶν (4 *b*)
24. 23. εὐθύνατε τὴν κ. ὑμῶν (4 *b*)
Jd. 1. 15. ἔδωκεν αὐτῇ X. κατὰ τὴν κ. αὐτῆς –
5. 9. ἡ κ. μου εἰς τὰ διατεταγμένα τῷ Ἰσρ. (4 *a*)
— 15. μεγάλοι ἐξικνούμενοι καρδίαν [A ἀκριβασμοὶ καρδίας] (4 *a*)
— 16. μεγάλοι ἐξετασμοὶ [A ἐξιχνιασμοί] καρδίας (4 *a*)
9. 3. ἔκλινεν ἡ [A *om.*] κ. αὐτῶν ὀπίσω Ἀβ. (4 *a*)
16. 15. ἡ κ. σου οὐκ [A *om.*] ἔστι μετ' ἐμοῦ (4 *a*)
— 17. ἀνήγγειλεν αὐτῇ πᾶσαν τὴν κ. αὐτοῦ [A ἀπ. αὐ. πάντα τὰ ἀπὸ καρδίας] (4 *a* [4 *d*])
— 18. ἀπήγγειλεν αὐτῇ πᾶσαν τὴν κ. [A ἀν. πάντα τὰ ἀπὸ καρδίας] αὐτοῦ (4 *a* [4 *d*])
— 18. ἀπήγγειλέ [A ἀν.] μοι πᾶσαν τὴν κ. [A κακίαν] αὐτοῦ (4 *a*)
— 25. ὅτε ἠγαθύνθη ἡ κ. αὐτῶν (4 *a*)
18. 20. ἠγαθύνθη ἡ κ. τοῦ ἱερέως (4 *a*)
19. 3. τοῦ λαλῆσαι ἐπὶ [A *add.* τὴν] καρδίαν αὐτῆς (4 *a*)
— 5. στήρισον τὴν κ. σου (4 *a*)
— 6. ἀγαθυνθήσεται [A -ήτω] ἡ κ. σου (4 *a*)
— 8. στήρισον δὴ τὴν κ. σου (4 *b*)
— 9. ἀγαθυνθήσεται [A -ήτω] ἡ κ. σου (4 *b*)
— 22. αὐτοὶ δὲ ἀγαθύνοντες καρδίαν [A -ῶν δὲ ἀγαθυνθέντων τῇ κ.] αὐτῶν (4 *a*)
Ru. 2. 13. ἐλάλησας ἐπὶ καρδίαν τῆς δούλης σου (4 *a*)
3. 7. ἠγαθύνθη ἡ κ. αὐτοῦ (4 *a*)
I Ki. 1. 8. ἵνα τί τύπτει σε ἡ κ. σου [A *al.*] (4 *b*)
I Ki. 1. 13. ἐλάλει ἐν τῇ κ. αὐτῆς (4 *a*)
2. 1. ἐστερεώθη ἡ κ. μου ἐν κυρίῳ (4 *a*)
— 35. ὃς πάντα τὰ ἐν τῇ κ. μου . . . ποιήσει (4 *b*)
4. 13. ἦν καρδία [A ἡ κ.] αὐτοῦ ἐξεστηκυῖα (4 *a*)
— 20. οὐκ ἐνόησεν ἡ κ. αὐτῆς (4 *a*)
6. 6. ἵνα τί βαρύνετε τὰς κ. ὑμῶν ὡς ἐβάρυνεν [A -ύνθη] Αἴγ. . . . τὴν κ. αὐ. (4 *b*, 4 *a*)
7. 3. εἰ ἐν ὅλῃ κ. ὑμῶν ὑμεῖς ἐπιστρέφετε (4 *b*)
— 3. ἑτοιμάσατε τὰς κ. ὑμῶν πρὸς κύριον (4 *b*)
9. 19. πάντα τὰ ἐν τῇ κ. σου ἀπαγγελῶ σοι (4 *b*)
— 20. μὴ θῇς τὴν κ. σου αὐταῖς (4 *a*)
10. 9. μετέστρεψεν αὐτῷ ὁ θεὸς κ. ἄλλην (4 *a*)
— 26. ὧν ἥψατο κύριος καρδίας αὐτῶν (4 *a*)
12. 20. B δουλεύσατε τῷ κυρίῳ ἐν ὅλῃ κ. ὑμῶν (4 *b*)
— 24. B δουλεύσατε αὐτῷ . . . ἐν ὅλῃ κ. ὑμῶν (4 *b*)
13. 14. B ἄνθρωπον κατὰ τὴν κ. αὐτοῦ (4 *b*)
14. 7. B ὃν ἐὰν ἡ κ. σου ἐκκλίνῃ (4 *b*)
— 7. B ὡς ἡ κ. σου καρδία μου (4 *b*, –)
16. 7. ὁ δὲ θεὸς ὄψεται εἰς καρδίαν (4 *b*)
17. 28. A ἐγὼ οἶδα . . . τὴν κακίαν τῆς κ. σου (4 *b*)
— 32. μὴ δὴ συμπεσέτω καρδία [A ἡ κ.] τοῦ κυρίου μου (4 *a*)
21. 12 (13). ἔθετο Δ. τὰ ῥήματα ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 *b*)
24. 6. ἐπάταξε καρδία Δαυὶδ αὐτόν (4 *a*)
25. 25. μὴ δὴ θέσθω ὁ κύριός μου καρδίαν αὐτοῦ (4 *a*)
— 31. A βδελυγμὸς καὶ σκάνδαλον καρδίας [B *om.*] (4 *a*)
— 36. ἡ κ. Νάβαλ ἀγαθὴ ἐπ' αὐτόν (4 *a*)
— 37. ἐναπέθανεν ἡ κ. αὐτοῦ ἐν αὐτῷ (4 *a*)
27. 1. εἶπε Δαυὶδ ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 *a*)
28. 5. ἐξέστη ἡ κ. αὐτοῦ σφόδρα (4 *a*)
29. 10. λόγον λοιμὸν μὴ θῇς ἐν καρδίᾳ σου [A *om.* ἐν κ. σ.] –
II Ki. 6. 16. ἐξουδένωσεν αὐτὸν ἐν τῇ κ. αὐτῆς (4 *a*)
7. 3. ὅσα ἂν [A *om.*] ἐν τῇ κ. σου (4 *b*)
— 21. κατὰ τὴν κ. σου ἐποίησας (4 *a*)
— 27. εὗρεν ὁ δοῦλός σου τὴν κ. ἑαυτοῦ (4 *a*)
13. 20. μὴ θῇς τὴν κ. σου (4 *a*)
— 28. ὡς ἂν ἀγαθυνθῇ ἡ κ. Ἀμ. (4 *a*)
— 33. μὴ θέσθω . . . ἐπὶ τὴν κ. αὐ. ῥῆμα (4 *a*)
14. 1. ἡ κ. τοῦ βασ. ἐπὶ Ἀβ. (4 *a*)
15. 6. ἰδιοποιεῖτο Ἀβ. τὴν κ. ἀνδρῶν Ἰσρ. (4 *a*)
— 13. ἐγενήθη ἡ κ. ἀνδρῶν Ἰσρ. ὀπίσω Ἀβ. (4 *a*)
17. 10. οὗ ἡ κ. καθὼς ἡ κ. τοῦ λέοντος (4 *a*, 4 *a*)
18. 3 *bis*. οὐ θήσουσιν ἐφ' ἡμᾶς καρδίαν (4 *a*)
— 14. ἐνέπηξεν αὐτὰ ἐν τῇ κ. [A εἰς τὴν κ.] Ἀβ. ἔτι αὐτοῦ ζῶντος ἐν τῇ κ. τῆς δρυός (4 *a*, 4 *a*)
19. 7 (8). λάλησον εἰς τὴν κ. τῶν δούλων σου (4 *a*)
— 14 (15). ἔκλινε τὴν κ. παντὸς ἀνδρός (4 *b*)
— 19 (20). τοῦ θέσθαι τὸν βασ. εἰς τὴν κ. αὐτοῦ (4 *a*)
24. 10. ἐπάταξε καρδία Δαυὶδ αὐτόν (4 *a*)
III Ki. 2. 4. ἐὰν φυλάξωσιν . . . ἐν ὅλῃ κ. αὐτῶν (4 *b*)
3. 1 (4. 29 [5. 9]). ἔδωκε κύριος . . . πλάτος καρδίας (4 *a*)
— 1 (2. 44). ἦν ἔγνω ἡ κ. σου (4 *b*)
— 6. καὶ ἐν εὐθύτητι καρδίας (4 *b*)
— 9. δώσεις τῷ δούλῳ σου καρδίαν ἀκούειν (4 *a*)
— 12. δέδωκά σοι κ. φρονίμην καὶ σοφήν (4 *a*)
4. 29 (5. 9). καὶ χύμα καρδίας (4 *a*)
8. 17. ἐγένετο ἐπὶ τῆς κ. τοῦ πατρός μου (4 *b*)
— 18. ἦλθεν ἐπὶ τὴν κ. σου (4 *b*)
— 18. ἐγενήθη ἐπὶ τὴν κ. σου (4 *b*)
— 23. φυλάσσων διαθήκην . . . ἐν ὅλῃ τῇ [A *om.*] κ. (4 *a*)
— 38. ὡς ἂν γνῶσιν ἕκαστος ἁφὴν καρδίας αὐ. (4 *b*)
— 39. καθὼς ἂν γνῷς τὴν κ. αὐτοῦ (4 *b*)
— 39. οἶδας τὴν κ. πάντων υἱῶν ἀνθρώπων (4 *b*)
— 47. ἐπιστρέψουσι καρδίας αὐτῶν (4 *a*)
— 48. καὶ ἐπιστρέψωσι πρὸς σὲ ἐν ὅλῃ κ. αὐτῶν (4 *b*)
— 58. ἐπικλίναι καρδίας ἡμῶν ἐπ' [A πρὸς] αὐτόν (4 *b*)
— 61. ἔστωσαν αἱ κ. ἡμῶν τέλειαι (4 *b*)
— 66. ἀγαθὴ ἡ [A *om.*] κ. ἐπὶ τοῖς [A πᾶσιν τ.] ἀγαθοῖς (4 *a*)
9. 3. καὶ ἡ κ. μου πάσας τὰς ἡμέρας (4 *a*)
— 4. ἐὰν πορευθῇς . . . ἐν ὁσιότητι καρδίας (4 *b*)
10. 2. ὅσα ἦν ἐν τῇ κ. αὐτῆς (4 *b*)
— 24. ἧς ἔδωκε κύριος τῇ κ. αὐτοῦ (4 *a*)
11. 2. μὴ ἐκκλίνωσι τὰς κ. ὑμῶν [A αὐτῶν] (4 *b*)
— 3. A ἔκλιναν γυναῖκες αὐτοῦ τὴν κ. αὐτοῦ (4 *a*)
— 4. οὐκ ἦν ἡ κ. αὐτοῦ τελεία . . . καθὼς ἡ κ. Δ. (4 *b*, 4 *b*)
— 3. ἐξέκλιναν αἱ γυναῖκες . . . τὴν κ. αὐτοῦ (4 *b*)
— 9. ἐξέκλινε καρδίαν αὐτοῦ ἀπὸ κυρίου (4 *b*)

III Ki. 11. 10. B οὐδ' ἦν ἡ κ. αὐτοῦ τελεία . . . κατὰ τὴν κ. Δ. –, –
12. 26. εἶπεν Ἱερ. ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 a)
— 27. ἐπιστραφήσεται καρδία τοῦ λαοῦ (4 a)
— 33. ᾗ ἐπλάσατο ἀπὸ καρδίας αὐτοῦ (4 a, †*)
14. 8. ὃς ἐπορεύθη ὀπίσω μου ἐν πάσῃ κ. αὐτοῦ (4 b)
15. 3. οὐκ ἦν ἡ κ. αὐτοῦ τελεία . . . ὡς ἡ κ. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (4 b, 4 b)
— 14. ἡ [A *om.*] κ. Ἀσὰ ἦν τελεία (4 b)
18. 37. ἔστρεψας [A ἐπέστρ.] τὴν κ. τοῦ λαοῦ τούτου (4 a)
IV Ki. 5. 26. οὐχὶ ἡ κ. μου ἐπορεύθη (4 a)
9. 24. ἐξῆλθε τὸ βέλος αὐτοῦ διὰ τῆς κ. αὐτοῦ (4 a)
10. 15. εἰ ἔστι καρδία σου μετὰ καρδίας μου εὐθεῖα καθὼς ἡ κ. μου μετὰ τῆς κ. σου [A *al.*] (4 b, –, 4 b, 4 b)
— 30. κατὰ πάντα ὅσα ἐν τῇ κ. μου (4 b)
— 31. πορεύεσθαι ἐν νόμῳ . . . ἐν ὅλῃ κ. αὐτοῦ (4 b)
12. 4 (5). AR ὃ ἐὰν ἀναβῇ [B λάβῃ] ἐπὶ καρδίαν ἀνδρός (4 a)
14. 10. ἐπῆρέ σε καρδία [A ἡ κ.] σου (4 a)
20. 3. ἐν ἀληθείᾳ καὶ καρδίᾳ [A ἐν κ.] πλήρει (4 b)
22. 19. ἠπαλύνθη ἡ κ. σου (4 b)
23. 3. ἐν πάσῃ κ. καὶ ἐν πάσῃ ψυχῇ (4 a)
— 25. ἐν ὅλῃ κ. αὐτοῦ καὶ ἐν ὅλῃ ψυχῇ αὐτοῦ (4 b)
I Ch. 12. 17. εἴη μοι [A εἰ ἐμοὶ] καρδία [S ἡ κ.] καθ' ἑαυτήν (4 b)
16. 10. εὐφρανθήσεται καρδία ζητοῦσα τὴν εὐδοκίαν αὐτοῦ (4 a)
17. 19. κατὰ τὴν κ. σου ἐποίησας τὴν πᾶσαν μεγαλωσύνην (4 a)
22. 19. νῦν δότε καρδίας ὑμῶν (4 b)
28. 2. ἐμοὶ ἐγένετο ἐπὶ καρδίαν (4 b)
— 9. AR δούλευε αὐτῷ [B *om.*] ἐν κ. τελείᾳ (4 a)
— 9. πάσας κ. ἐτάζει [A ἔξετ.] κύριος (4 b)
29. 9. ἐν κ. πλήρει προεθυμήθησαν τῷ κυρίῳ (4 a)
— 17. σὺ εἶ ὁ ἐτάζων καρδίας (4 b)
— 17. ἐν ἁπλότητι καρδίας προεθυμήθην ταῦτα πάντα (4 b)
— 18. ἐν διανοίᾳ καρδίας λαοῦ σου (4 b)
— 18. κατεύθυνον τὰς κ. αὐτῶν πρὸς σέ (4 b)
— 19. τῷ υἱῷ μου δὸς κ. ἀγαθήν (4 b)
II Ch. 1. 11. ἐγένετο τοῦτο ἐν τῇ κ. σου (4 b)
6. 7. ἐγένετο ἐπὶ καρδίαν Δαυίδ (4 b)
— 8. διότι ἐγένετο ἐπὶ καρδίαν σου (4 b)
— 8. ἐγένετο ἐπὶ τὴν [B¹ *om.*] κ. σου (4 b)
— 14. τοῖς πορευομένοις ἐναντίον σου ἐν ὅλῃ κ. (4 a)
— 30. ὡς ἂν γνῷς τὴν κ. αὐτοῦ (4 b)
— 30. γινώσκεις τὴν κ. υἱῶν ἀνθρώπων (4 b)
— 37. καὶ ἐπιστρέψωσι καρδίαν αὐτῶν (4 b)
— 38. καὶ ἐπιστρέψωσι πρὸς σὲ ἐν ὅλῃ κ. (4 a)
7. 10. εὐφραινομένους καὶ ἀγαθῇ κ. (4 a)
— 16. ἔσονται οἱ ὀφθαλμοί μου καὶ ἡ κ. μου ἐκεῖ (4 a)
9. 23. ἧς ἔδωκεν ὁ θεὸς ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 a)
11. 16. οἱ ἔδωκαν καρδίαν αὐτῶν (4 b)
12. 14. οὐ κατεύθυνε τὴν κ. αὐτοῦ (4 a)
13. 7. Ῥοβοὰμ ἦν . . . δειλὸς τῇ κ. (4 b)
15. 12. ζητῆσαι κύριον . . . ἐξ ὅλης τῆς κ. (4 b)
— 17. ἡ κ. Ἀσὰ ἐγένετο πλήρης (4 b)
16. 9. κατισχῦσαι ἐν πάσῃ κ. πλήρει (4 b)
17. 6. ὑψώθη καρδία αὐτοῦ ἐν ὁδῷ κυρίου (4 a)
19. 3. κατηύθυνας τὴν κ. σου (4 b)
— 9. ἐν ἀληθείᾳ καὶ ἐν πλήρει κ. [A πλήρεις καρδίας] (4 b)
20. 33. ὁ λαὸς οὐ κατεύθυνε τὴν κ. (4 b)
22. 9. ἐν ὅλῃ τῇ [A *om.*] κ. (4 b)
24. 4. ἐγένετο ἐπὶ καρδίαν Ἰ. (4 a)
25. 2. ἀλλ' οὐκ ἐν κ. πλήρει (4 b)
— 19. ἐπαίρει σε ἡ κ. ἡ βαρεῖα (4 a)
26. 16. ὑψώθη ἡ κ. αὐτοῦ (4 a)
29. 10. νῦν ἐστιν ἐπὶ καρδίας (4 b)
— 31. καὶ πᾶς πρόθυμος τῇ κ. ὁλοκαυτώσεις (4 a)
30. 8. μὴ σκληρύνητε τὰς κ. [A τοὺς τραχήλους] ὑμῶν (7)
— 12. δοῦναι αὐτοῖς κ. μίαν (4 a)
— 19. ἐξιλάσθω ὑπὲρ πάσης κ. (4 b)
— 22. ἐλάλησεν Ἐζ. ἐπὶ πᾶσαν κ. τῶν Λ. (4 a)
32. 6. ἐλάλησεν ἐπὶ καρδίαν [A τὴν κ.] αὐτῶν (4 b)
— 25. ὑψώθη ἡ κ. αὐτοῦ (4 a)
— 26. ἀπὸ τοῦ ὕψους τῆς κ. αὐτοῦ (4 a)
— 31. εἰδέναι τὰ ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (4 b)
34. 27. καὶ ἐνετράπη ἡ κ. σου (4 b)
— 31. ἐν ὅλῃ κ. καὶ ἐν ὅλῃ ψυχῇ (4 b)
35. 19. ἐν ὅλῃ κ. αὐτοῦ καὶ ἐν ὅλῃ ψυχῇ αὐτοῦ –
36. 13. τὴν κ. αὐτοῦ κατίσχυσε (4 b)

I Es. 1. 23. ἐν καρδίᾳ πλήρει εὐσεβείας
— 48. σκληρύνας . . . τὴν κ. αὐτοῦ
3. 21. πάσας κ. [A τὰς κ.] ποιεῖ πλουσίας
8. 25. ὁ δοὺς ταῦτα εἰς τὴν κ.
II Es. 6. 22. AR ἐπέστρεψε καρδίαν [B -α] βασιλέως Ἀσσούρ (4 a)
7. 10. Ἔ. ἔδωκεν ἐν καρδίᾳ [A ἔδ. καρδίαν] αὐτοῦ (4 b)
— 27. ὃς ἔδωκεν οὕτως ἐν καρδίᾳ τοῦ βασ. (4 a)
Ne. 2. 2. οὐκ ἔστι τοῦτο εἰ μὴ πονηρία καρδίας (4 a)
— 12. τί ὁ θεὸς δίδωσιν εἰς καρδίαν [S τὴν κ.] μου (4 a)
5. 7. ἐβουλεύσατο καρδία μου ἐπ' ἐμέ (4 a)
6. 8. ἀπὸ καρδίας σου σὺ ψεύδῃ αὐτούς (4 a)
7. 5. ἔδωκεν ὁ θεὸς εἰς τὴν κ. μου (4 a)
9. 8. εὗρες τὴν κ. αὐτοῦ πιστήν (4 b)
To. 2. 2. S ἐν ὅλῃ κ. αὐτοῦ
4. 2. S εἶπεν ἐν τῇ κ. αὐτοῦ [A B *al.*]
— 13. AB μὴ ὑπερηφανεύου τῇ κ. σου
— 19. μὴ ἐξαλειφθήτωσαν ἐκ τῆς κ. σου
6. 4. λαβὼν τὴν κ. καὶ τὸ ἧπαρ καὶ τὴν χολήν [S *al.*]
— 4. S ἡ χολὴ καὶ ἡ κ. καὶ τὸ ἧπαρ αὐτοῦ
— 5. S τὴν χολὴν καὶ τὴν κ. καὶ τὸ ἧπαρ
— 6. τί ἐστιν ἡ κ. . . . τοῦ ἰχθύος [S *al.*]
— 7. ἡ κ. καὶ τὸ ἧπαρ
— 16. ἐπιθήσεις ἀπὸ τῆς κ. [S *al.*]
— 17. S ἡ κ. [AB ψυχὴ] αὐτοῦ ἐκολλήθη
8. 2. ἐπέθηκε τὴν κ. τοῦ ἰχθύος καὶ τὸ ἧπαρ [S *al.*]
13. 6. A S R ἐὰν ἐπιστρέψητε πρὸς αὐτὸν ἐν ὅλῃ τῇ [B *om.*] κ. ὑμῶν
Ju. 6. 9. εἶπερ ἐλπίζεις τῇ κ. σου
8. 14. βάθος καρδίας ἀνθρώπου οὐχ εὑρήσετε
— 27. εἰς ἐτασμὸν τῆς [S¹ *om.*] κ. αὐτῶν
— 28. AS πάντα . . . ἐν [B *om.*] ἀγαθῇ κ. ἐλάλησας
— 29. ἀγαθόν ἐστι τὸ πλάσμα τῆς κ. σου
10. 16 : 11. 1. μὴ φοβηθῇς τῇ κ. σου
11. 10. κατάθου αὐτὸν ἐν τῇ κ. σου
12. 16. A B ἐξέστη ἡ κ. Ὀλ.
13. 4. A B εἶπεν ἐν τῇ κ. αὐτῆς
— 19. οὐκ ἀποστήσεται ἡ ἐλπίς σου ἀπὸ καρδίας ἀνθρώπων
Es. 1. 1. εἶχεν αὐτὸ ἐν τῇ κ.
4. 17. μετάθες τὴν κ. αὐ.
5. 1. ἡ δὲ κ. αὐτῆς ἀπεστενωμένη ἀπὸ τοῦ φόβου
— 2. ἐταράχθη ἡ κ. μου
— 9. S³ ὑπερχαρὴς εὐφραινόμενος τῇ κ. [ABS¹ *om.* τ. κ.] (4 a)
Jb. 1. 5. A ἐν τῇ κ. [B S διανοίᾳ] αὐτῶν ἐνενόησαν (4 b)
8. 10. ἐκ καρδίας ἐξάξουσι [A σε διδάξουσιν] ῥήματα (4 a)
11. 13. εἰ γὰρ σὺ καθαρὰν ἔθου τὴν κ. σου (4 a)
12. 3. κἀμοὶ μὲν καρδία καθ' ὑμᾶς ἐστι (4 b)
— 24. διαλλάσσων καρδίας ἀρχόντων γῆς (4 a)
15. 12. τί [A τί ὅτι] ἐτόλμησεν ἡ κ. σου (4 a)
17. 4. B S² καρδίαν αὐτῶν ἔκρυψας [A -αν] ἀπὸ φρονήσεως (4 a)
— 11. ABS² ἐρράγη δὲ τὰ ἄρθρα τῆς κ. μου (4 b)
22. 22. ἀνάλαβε τὰ ῥήματα αὐτοῦ ἐν καρδίᾳ σου (4 b)
23. 16. κύριος δὲ ἐμαλάκυνε τὴν κ. μου (4 a)
31. 7. εἰ δὲ καὶ τῷ ὀφθαλμῷ ἐπηκολούθησεν ἡ κ. μου (4 a)
— 9. εἰ ἐξηκολούθησεν ἡ κ. μου γυναικὶ ἀνδρὸς ἑτέρου (4 a)
— 27. εἰ ἠπατήθη λάθρα ἡ κ. μου (4 a)
— 29. εἶπεν ἡ κ. [A εἰ εἶπον τῇ κ.] μου, Εὖγε †
33. 3. καθαρά μου ἡ κ. ῥήμασι [A ἐν ῥήμασιν] (4 a)
— 23. ἐὰν νοήσῃ τῇ κ. ἐπιστραφῆναι πρὸς κύριον [S ἐπὶ κ., A ἐπὶ τὸν κ.] –
34. 10. συνετοὶ καρδίας [A -ίᾳ] ἀκούσατέ μου (4 b)
— 34. συνετοὶ καρδίας [AS² -ίᾳ] ἐροῦσι ταῦτα (4 b)
36. 5. ὁ κύριος . . . δυνατὸς ἰσχύϊ καρδίας (4 a)
— 13. ὑποκριταὶ καρδίᾳ τάξουσι θυμόν (4 a)
— 28. οὐδὲ διαλλάσσεταί σου ἡ κ. ἀπὸ σώματος –
37. 1. ἐταράχθη ἡ κ. μου (4 a)
— 24. φοβηθήσονται δὲ αὐτὸν καὶ οἱ σοφοὶ καρδίᾳ [A τῇ κ.] (4 a)
38. 2. συνέχων δὲ ῥήματα ἐν καρδίᾳ –
41. 15 (16). ἡ κ. αὐτοῦ πέπηγεν ὡς λίθος (4 a)
Ps. 4. 4. ἃ λέγετε ἐν ταῖς κ. ὑμῶν [B¹ ἐν καρδίᾳ] (4 b)
— 7. ἔδωκας εὐφροσύνην εἰς τὴν κ. μου (4 a)
5. 9. ἡ κ. αὐτῶν ματαία (8)
7. 9. ἐτάζων καρδίας καὶ νεφροὺς ὁ θεός (4 a)
— 10. τοῦ θεοῦ τοῦ σώζοντος τοὺς εὐθεῖς τῇ κ. (4 a)
9. 1. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε, ἐν ὅλῃ κ. μου (4 a)

Ps. 9. 27 (10. 6). εἶπε γὰρ ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 a)
— 32 (10. 11). εἶπε γὰρ ἐν τῇ [AS *om.*] κ. αὐτοῦ (4 a)
— 34 (10. 13). εἶπε γὰρ ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 a)
— 38 (10. 17). τὴν ἑτοιμασίαν τῆς κ. αὐτῶν προσέσχε τὸ οὖς σου [A αὐτοῦ] (4 a)
10 (11). 3. τοῦ κατατοξεῦσαι . . . τοὺς εὐθεῖς τῇ κ. (4 a)
11 (12). 2. χείλη δόλια ἐν καρδίᾳ καὶ ἐν καρδίᾳ ἐλάλησαν [AS² ἐλ. κακά] (4 a, 4 a)
12 (13). 2. ἕως τίνος θήσομαι . . . ὀδύνας ἐν καρδίᾳ μου (4 b)
— 5. AS ἀγαλλιάσεται ἡ κ. μου ἐπὶ [B ἐν] τῷ σωτηρίῳ σου (4 a)
13 (14). 1. εἶπεν ἄφρων ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 a)
14 (15). 2. λαλῶν ἀλήθειαν ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 b)
15 (16). 9. ηὐφράνθη ἡ κ. μου (4 a)
16 (17). 3. ἐδοκίμασας τὴν κ. μου (4 a)
18 (19). 8. τὰ δικαιώματα κυρίου εὐθέα εὐφραίνοντα καρδίαν (4 a)
— 14. ἡ μελέτη τῆς κ. σου ἐνώπιόν σου (4 a)
19 (20). 4. δῴη σοι κατὰ τὴν κ. σου (4 b)
20 (21). 2. S² τὴν ἐπιθυμίαν τῆς κ. [A B S¹ ψυχῆς] αὐτοῦ ἔδωκας αὐτῷ (4 a)
21 (22). 14. ἐγενήθη ἡ κ. μου ὡσεὶ κηρὸς τηκόμ. (4 a)
— 26. ζήσονται αἱ κ. αὐτῶν εἰς αἰῶνα αἰῶνος (4 b)
23 (24). 4. ἀθῷος χερσὶ καὶ καθαρὸς τῇ κ. (4 b)
24 (25). 17. αἱ θλίψεις τῆς κ. μου ἐπληθύνθησαν (4 b)
25 (26). 2. πύρωσον . . . τὴν κ. μου (4 a)
26 (27). 3. οὐ φοβηθήσεται ἡ κ. μου (4 a)
— 8. σοὶ εἶπεν ἡ κ. μου (4 a)
— 14. κραταιούσθω ἡ κ. σου [A μου] (4 a)
27 (28). 3. κακὰ δὲ ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (4 b)
— 7. ἐπ' αὐτῷ ἤλπισεν ἡ κ. μου (4 a)
30 (31). 12. ἐπελήσθην ὡσεὶ νεκρὸς ἀπὸ καρδίας (4 a)
— 24. κραταιούσθω ἡ κ. ὑμῶν (4 b)
31 (32). 5. σὺ ἀφῆκας τὴν ἀσέβειαν τῆς κ. μου (3 ?)
— 11. καυχᾶσθε πάντες οἱ εὐθεῖς τῇ κ. (4 a)
32 (33). 11. λογισμοὶ τῆς κ. αὐτοῦ ἀπὸ γενεῶν εἰς γενεάς (4 a)
— 15. ὁ πλάσας κατὰ μόνας τὰς κ. αὐτῶν (4 a)
— 21. ἐν αὐτῷ εὐφρανθήσεται ἡ κ. ἡμῶν (4 a)
33 (34). 18. ἐγγὺς κ. τοῖς συντετριμμ. τὴν κ. (4 a)
34 (35). 25. μὴ εἴποισαν ἐν καρδίαις αὐτῶν (4 a)
35 (36). 10. καὶ τὴν δικαιοσύνην σου τοῖς εὐθέσι τῇ κ. (4 a)
36 (37). 4. δώσει σοι τὰ αἰτήματα τῆς κ. σου (4 a)
— 14. τοῦ σφάξαι τοὺς εὐθεῖς τῇ κ. (2 ?)
— 15. εἰσέλθοι εἰς τὴν κ. [S¹ εἰς ψυχήν, S² εἰς τὰς κ.] αὐ. (4 a)
— 31. ὁ νόμος τοῦ θεοῦ αὐτοῦ ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 a)
37 (38). 8. ὠρυόμην ἀπὸ στεναγμοῦ τῆς κ. μου (4 a)
— 10. ἡ κ. μου ἐταράχθη (4 a)
38 (39). 3. ἐθερμάνθη ἡ κ. μου ἐντός μου (4 a)
39 (40). 8. καὶ τὸν νόμον σου ἐν μέσῳ τῆς κ. [AS κοιλίας] μου (5)
— 10. οὐκ ἔκρυψα ἐν τῇ κ. μου τὴν ἀλήθειάν σου (4 a)
— 12. ἡ κ. μου ἐγκατέλιπέ με (4 a)
40 (41). 6. ἡ κ. αὐτοῦ συνήγαγεν ἀνομίαν ἑαυτῷ (4 a)
43 (44). 18. οὐκ ἀπέστη εἰς τὰ ὀπίσω ἡ κ. ἡμῶν (4 a)
— 21. αὐτὸς γὰρ γινώσκει τὰ κρύφια τῆς κ. (4 a)
44 (45). 1. ἐξηρεύξατο ἡ κ. μου λόγον ἀγαθόν (4 a)
— 5. ἐν καρδίᾳ τῶν ἐχθρῶν τοῦ βασιλέως (4 a)
45 (46). 2. μετατίθεσθαι ὄρη ἐν καρδίαις θαλασσῶν (4 a)
47 (48). 13. θέσθε τὰς κ. ὑμῶν εἰς τὴν δύναμιν αὐτῆς (4 a)
48 (49). 3. ἡ μελέτη τῆς κ. μου σύνεσιν [B² -σεις] (4 a)
50 (51). 10. καρδίαν καθαρὰν κτίσον ἐν ἐμοί (4 a)
— 17. καρδίαν συντετριμμένην . . . οὐκ ἐξουδενώσει (4 a)
52 (53). 1. εἶπεν ἄφρων ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ (4 a)
54 (55). 4. ἡ κ. μου ἐταράχθη ἐν ἐμοί (4 a)
— 21. ἤγγισεν ἡ κ. αὐτοῦ [S² -ῶν] (4 a)
56 (57). 7. ἑτοίμη ἡ κ. μου, ὁ θεός, ἑτοίμη ἡ κ. μου (4 a, 4 a)
57 (58). 2. ἐν καρδίᾳ ἀνομίας ἐργάζεσθε ἐν τῇ γῇ (4 a)
60 (61). 2. ἐν τῷ ἀκηδιᾶσαι τὴν κ. μου (4 a)
61 (62). 4. τῇ κ. αὐτῶν κατηρῶντο (8)
— 8. ἐκχέετε ἐνώπιον αὐτοῦ τὰς κ. ὑμῶν [B¹ *al.*] (4 b)
— 10. μὴ προστίθεσθε καρδίαν [S² -α] (4 a)
63 (64). 6. καὶ καρδία βαθεῖα (4 a)
— 10. ἐπαινεθήσονται πάντες οἱ εὐθεῖς τῇ κ. (4 a)

Ps. 65 (66). 18. ἀδικίαν εἰ ἐθεώρουν ἐν καρδίᾳ (4 a)
68 (69). 20. ὀνειδισμὸν προσεδόκησεν ἡ ψυχή [S¹ καρδία] μου (4 a)
72 (73). 1. ὡς ἀγαθὸς ὁ θεὸς τῷ Ἰσραὴλ τοῖς εὐθέσι τῇ κ. (4 b)
— 7. διῆλθον εἰς διάθεσιν καρδίας (4 b)
— 13. ἄρα ματαίως ἐδικαίωσα τὴν κ. μου (4 b)
— 21. ηὐφράνθη [S² ἐξεκαύθη] ἡ κ. μου (4 b)
— 26. ἐξέλιπεν ἡ κ. μου καὶ ἡ σάρξ μου, ὁ θεὸς τῆς κ. μου (4 b, 4 b)
73 (74). 8. εἶπαν ἐν τῇ κ. αὐτῶν (4 a)
75 (76). 5. ἐταράχθησαν πάντες οἱ ἀσύνετοι τῇ κ. (4 a)
— 9. πάντες τοὺς πραεῖς τῆ κ. [B² S· τῆς γῆς] †
76 (77). 6. νυκτὸς μετὰ τῆς κ. μου ἠδολέσχουν (4 a)
77 (78). 8. γενεὰ ἥτις οὐ κατεύθυνεν ἐν τῇ κ. [S² τὴν κ.] (4 a)
— 18. ἐξεπείρασαν τὸν θεὸν ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (4 b)
— 37. ἡ δὲ κ. αὐτῶν οὐκ εὐθεῖα (4 a)
— 72. ἐν τῇ ἀκακίᾳ τῆς κ. αὐτοῦ (4 b)
80 (81). 12. κατὰ τὰ ἐπιτηδεύματα τῶν κ. αὐτῶν (4 a)
83 (84). 2. ἡ κ. μου καὶ ἡ σάρξ μου ἠγαλλιάσαντο (4 a)
— 5. ἀναβάσεις ἐν τῇ κ. αὐτοῦ διέθετο (4 b)
84 (85). 8. τοὺς ἐπιστρέφοντας πρὸς [S² ἐπ'] αὐτὸν καρδίαν †
85 (86). 11. εὐφρανθήτω ἡ κ. μου (4 b)
— 12. ἐξομολογήσομαί σοι . . . ἐν ὅλῃ [S² add. τῇ] καρδίᾳ μου (4 b)
89 (90). 12. καὶ τοὺς πεπαιδευμένους [A S² πεπεδημένους ?] τῇ κ. ἐν σοφίᾳ (4 b)
93 (94). 15. ἐχόμενοι αὐτῆς πάντες οἱ εὐθεῖς τῇ κ. (4 a)
— 19. S¹ κατὰ τὸ πλῆθος τῶν ὀδυνῶν μου ἐν τῇ κ. μου αἱ παρακλήσεις σου ἠγάπησαν [A B³ S² ψυχήν] μου (8, 6)
94 (95). 8. μὴ σκληρύνητε τὰς κ. ὑμῶν (4 b)
— 10. ἀεὶ πλανῶνται τῇ κ. (4 b)
96 (97). 11. καὶ τοῖς εὐθέσι τῇ κ. εὐφροσύνη (4 a)
100 (101). 2. διεπορευόμην ἐν ἀκακίᾳ καρδίας μου (4 b)
— 3 (4). οὐκ ἐκολλήθη μοι καρδία σκαμβή (4 b)
— 5. ὑπερηφάνῳ ὀφθαλμῷ καὶ ἀπλήστῳ καρδίᾳ (4 b)
101 (102). 4. ἐξηράνθη ἡ κ. μου (4 a)
103 (104). 15. οἶνος εὐφραίνει καρδίαν ἀνθρώπου (4 b)
— 15. ἄρτος καρδίαν ἀνθρώπου στηρίζει (4 b)
104 (105). 3. εὐφρανθήτω καρδία ζητούντων τὸν κύριον (4 a)
— 25. μετέστρεψε τὴν κ. αὐ. (4 a)
106 (107). 12. ἐταπεινώθη ἐν κόποις ἡ κ. αὐτῶν (4 a)
107 (108). 1. ἑτοίμη ἡ κ. μου, ὁ θεὸς, ἑτοίμη ἡ κ. μου (4 a, —)
108 (109). 16. κατανενυγμένον τῇ κ. (4 b)
— 22. ἡ κ. μου τετάρακται ἐντός μου (4 a)
110 (111). 1. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε, ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου (4 b)
111 (112). 7. ἑτοίμη ἡ κ. αὐτοῦ ἐλπίζειν ἐπὶ κύριον (4 a)
— 8. ἐστήρικται ἡ κ. αὐτοῦ (4 a)
118 (119). 2. ἐν ὅλῃ καρδίᾳ ἐκζητήσουσιν αὐτόν (4 a)
— 7. ἐξομολογήσομαί σοι ἐν εὐθύτητι καρδίας (4 b)
— 10. S² R ἐν ὅλῃ κ. μου [A S¹ om.] ἐξεζήτησά σε (4 a)
— 11. ἐν τῇ κ. μου ἔκρυψα τὰ λόγιά σου (4 a)
— 32. ὅταν ἐπλάτυνας τὴν κ. μου (4 a)
— 34. φυλάξω αὐτὸν ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου (4 a)
— 36. κλῖνον τὴν κ. μου εἰς τὰ μαρτύριά σου (4 a)
— 58. ἐδεήθην τοῦ προσώπου σου ἐν ὅλῃ κ. μου (4 a)
— 69. ἐν ὅλῃ κ. μου ἐξερευνήσω τὰς ἐντ. σου (4 a)
— 70. ἐτυρώθη ὡς γάλα ἡ κ. αὐτῶν (4 a)
— 80. γενηθήτω ἡ κ. μου ἄμωμος (4 a)
— 111. ἀγαλλίαμα τῆς κ. μού εἰσιν (4 a)
— 112. ἔκλινα τὴν κ. μου (4 a)
— 145. ἐκέκραξα ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου [S¹ om.] (4 a)
— 161. ἀπὸ τῶν λόγων σου ἐδειλίασεν ἡ κ. μου (4 a)
124 (125). 4. ἀγάθυνον . . . τοῖς εὐθέσι τῇ κ. (4 a)
130 (131). 1. κύριε, οὐχ ὑψώθη ἡ καρδία μου (4 a)
— 2. A ὕψωσα τὴν κ. [S R ψυχήν] μου (6)
137 (138). 1. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε, ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου (4 a)
138 (139). 23. γνῶθι τὴν κ. μου (4 b)
139 (140). 2. οἵτινες ἐλογίσαντο ἀδικίας ἐν καρδίᾳ (4 a)
140 (141). 4. μὴ ἐκκλίνῃς τὴν κ. μου (4 a)
142 (143). 4. ἐν ἐμοὶ ἐταράχθη ἡ κ. μου (4 a)

Ps. 146 (147). 3. τοὺς συντετριμμένους τὴν κ. [S² τῇ κ.] (4 a)
Pr. 2. 2. παραβαλεῖς καρδίαν σου εἰς σύνεσιν (4 a)
3. 1. τὰ δὲ ῥήματά μου τηρείτω σὴ κ. (4 a)
— 4 (3). A γράψον δὲ αὐτὰς ἐπὶ τὸ πλάτος τῆς κ. σου (4 a)
— 5. ἴσθι πεποιθὼς ἐν ὅλῃ τῇ [A S² om.] κ. ἐπὶ θεῷ (4 a)
4. 4. ἐρειδέτω ὁ ἡμέτερος λόγος εἰς σὴν κ. [S διάνοιαν] (4 a)
— 21. φύλασσε αὐτοὺς ἐν [A S² ἐν σῇ] καρδίᾳ (4 b)
— 23. πάσῃ φυλακῇ τήρει σὴν κ. (4 a)
5. 12. ἐλέγχους ἐξέκλινεν ἡ κ. μου (4 a)
6. 14. διεστραμμένῃ καρδίᾳ τεκταίνεται [B² κατασκευάζει] κακά (4 a)
— 18. καρδία τεκταινομένη λογισμοὺς κακούς (4 a)
7. 3. ἐπίγραψον δὲ ἐπὶ τὸ πλάτος τῆς κ. σου (4 a)
— 10. ἦ ποιεῖ νέων ἐξίπτασθαι καρδίας (4 a)
— 25. μὴ ἐκκλινάτω εἰς τὰς ὁδοὺς αὐ. ἡ κ. σου (4 a)
8. 5. οἱ δὲ ἀπαίδευτοι ἔνθεσθε καρδίαν (4 a)
10. 8. σοφὸς καρδίᾳ δέξεται ἐντολάς (4 a)
— 20. καρδία δὲ ἀσεβοῦς ἐκλείψει (4 a)
— 22. οὐ μὴ προστεθῇ αὐτῇ λύπη ἐν καρδίᾳ †
— 24. A καρδία δὲ ἀσεβοῦς ἐκλείψει –
12. 20. δόλος ἐν καρδίᾳ τεκταινομένου κακά (4 a)
— 23. καρδία δὲ ἀφρόνων συναντήσεται ἀραῖς (4 a)
— 25. φοβερὸς λόγος καρδίαν ταράσσει (4 a)
13. 12. κρείσσων ἐναρχόμενος βοηθῶν [A S² -θεῖν] καρδίᾳ (4 a)
14. 10. καρδία ἀνδρὸς αἰσθητικὴ λυπηρὰ ψυχὴ αὐτοῦ (4 a)
— 30. πραΰθυμος ἀνὴρ καρδίας ἰατρὸς σὴς δὲ ὀστέων καρδία αἰσθητική (4 a, †)
— 33. ἐν καρδίᾳ ἀγαθῇ ἀνδρὸς [S² ἀναπαύσεται] σοφία ἐν δὲ καρδίᾳ ἀφρόνων οὐ διαγινώσκεται (4 a, 8)
15. 7. καρδίαι δὲ ἀφρόνων οὐκ ἀσφαλεῖς (4 a)
— 11. πῶς οὐχὶ καὶ αἱ κ. τῶν ἀνθρώπων (4 a)
— 13. καρδίας εὐφραινομένης πρόσωπον θάλλει (4 a)
— 14. καρδία ὀρθὴ ζητεῖ αἴσθησιν (4 a)
— 22. ἐν δὲ καρδίαις βουλευομένων μένει βουλή †
— 28. καρδίαι [S¹ -ᾳ] δικαίων μελετῶσι πίστεις (4 a)
16. 1 (9). καρδία ἀνδρὸς λογιζέσθω δίκαια (4 a)
— 2 (15. 30.) θεωρῶν ὀφθαλμὸς κυλὰ εὐφραίνει καρδίαν (4 a)
— 23. καρδία σοφοῦ νοήσει τὰ ἀπὸ τοῦ ἰδίου στόματος (4 a)
17. 3. οὕτως ἐκλεκταὶ καρδίαι [S¹ καρδία ἐκλέγεται] παρὰ κυρίῳ (4 a)
— 10. συντρίβει ἀπειλὴ καρδίαν φρονίμου †
— 21. καρδία δὲ ἄφρονος ὀδύνη †
— 22. καρδία εὐφραινομένη εὐεκτεῖν ποιεῖ (4 a)
18. 4. ὕδωρ βαθὺ λόγος ἐν καρδίᾳ ἀνδρός †
— 12. πρὸ συντριβῆς ὑψοῦται καρδία ἀνδρός (4 a)
— 15. καρδία φρονίμου κτᾶται αἴσθησιν (4 a)
— 22 (19. 3). τὸν δὲ θεὸν αἰτιᾶται τῇ κ. αὐ. (4 a)
19. 21. πολλοὶ λογισμοὶ ἐν καρδίᾳ ἀνδρός (4 a)
20. 5. ὕδωρ βαθὺ βουλὴ ἐν καρδίᾳ ἀνδρός (4 a)
— 9. τίς καυχήσεται ἁγνὴν ἔχειν τὴν κ. (4 a)
21. 1. οὕτως καρδία βασιλέως ἐν χειρὶ θεοῦ (4 a)
— 2. κατευθύνει δὲ καρδίας κύριος (4 a)
— 12. συνίει δίκαιος καρδίας ἀσεβῶν †
22. 11. ἀγαπᾷ κύριος ὁσίας καρδίας (4 a)
— 15. ἄνοια ἐξῆπται καρδίας [A B² S¹ -ᾳ, S² ἐν κ.] νέου (4 a)
— 17. τὴν δὲ σὴν κ. ἐπίστησον (4 a)
— 18. ἐὰν ἐμβάλῃς αὐτοὺς εἰς τὴν κ. σου (1)
— 20. A R ἐπὶ τὸ πλάτος τῆς κ. [B S ψυχῆς] σου –
23. 12. δὸς εἰς παιδείαν τὴν κ. σου (4 a)
— 15. ἐὰν σοφὴ γένηταί σου ἡ κ. εὐφρανεῖς καὶ τὴν ἐμὴν κ. (4 a, 4 a)
— 17. μὴ ζηλούτω ἡ κ. σου ἁμαρτωλούς (4 a)
— 19. κατεύθυνε εὐνοίας σῆς κ. (4 a)
— 26. δός μοι, υἱέ, σὴν κ. (4 a)
— 34. κατακείσῃ ὥσπερ ἐν καρδίᾳ θαλάσσης (4 a)
24. 2. ψευδῆ γὰρ μελετᾷ ἡ κ. αὐτῶν (4 a)
— 6. βοήθεια δὲ μετὰ καρδίας βουλευτικῆς †
— 12. κύριος καρδίας πάντων γινώσκει (4 a)
25. 3. καρδία δὲ βασιλέως ἀνεξέλεγκτος (4 a)
— 20. οὕτως προσπεσὸν πάθος . . . καρδίαν λυπεῖ –
— 20. οὕτως λύπη ἀνδρὸς βλάπτει καρδίαν (4 a)

Pr. 26. 23. χείλη λεῖα [S δόλια] καρδίαν καλύπτει λυπηράν (4 a)
— 24. ἐν δὲ τῇ κ. τεκταίνεται δόλους [A¹ S al.] (8)
— 25. A ἑπτὰ γάρ εἰσι πονηρίαι ἐν τῇ κ. [B S ψυχῇ] αὐτοῦ (4 a)
27. 9. μύροις καὶ οἴνοις . . . τέρπεται καρδία (4 a)
— 11. ἵνα σου εὐφραίνηται ἡ κ. (4 a)
— 19. A S² οὕτως οὐδὲ αἱ κ. [B S¹ διάνοιαι, S¹ add. ὅμοιαι] τῶν ἀνθρώπων (4 a)
— 21. A S καρδία ἀνόμου ἐκζητεῖ κακὰ καρδία δὲ εὐθὴς ἐκζητεῖ [B ζητεῖ] γνῶσιν –, –
— 23. ἐπιστήσεις καρδίαν σου σαῖς ἀγέλαις (4 a)
28. 14. ὁ δὲ σκληρὸς τὴν κ. ἐμπεσεῖται κακοῖς (4 a)
— 26. ὃς πέποιθε θρασείᾳ κ. ὁ τοιοῦτος ἄφρων (4 a)
31. 11. A S θαρσεῖ ἐπ' αὐτὴν [B -ῇ] ἡ κ. τοῦ ἀνδρὸς αὐτῆς (4 a)
Ec. 1. 13. ἔδωκα τὴν κ. μου τοῦ ἐκζητῆσαι (4 a)
— 16. ἐλάλησα ἐγὼ ἐν τῇ κ. μου (4 a)
— 16 (17). ἔδωκα καρδίαν μου τοῦ γνῶναι [S ἐπιγν.] (4 a)
— 17 (16). καὶ καρδία [S¹ -αν] μου εἶδε πολλά (4 a)
2. 1. εἶπον ἐγὼ ἐν καρδίᾳ μου (4 a)
— 3. ἡ κ. μου ἑλκύσει . . . τὴν σάρκα μου (4 a)
— 3. καρδία μου ὡδήγησεν [S² ὡδ. με] ἐν σοφίᾳ (4 a)
— 10. οὐκ ἀπεκώλυσα τὴν κ. μου (4 a)
— 10. καρδία μου εὐφράνθη (4 a)
— 15. εἶπα ἐγὼ ἐν καρδίᾳ μου (4 a)
— 15. ἐλάλησα ἐν καρδίᾳ μου (4 a)
— 20. τοῦ ἀποτάξασθαι τὴν κ. [A S τῇ κ.] μου (4 a)
— 22. ἐν προαιρέσει καρδίας αὐτοῦ (4 a)
— 23. ἐν νυκτὶ οὐ κοιμᾶται ἡ κ. αὐτοῦ (4 a)
3. 11. σύμπαντα [A S σὺν] τὸν αἰῶνα ἔδωκεν ἐν καρδίᾳ αὐτῶν [A -οῦ] (4 a)
— 17. εἶπα ἐγὼ ἐν καρδίᾳ μου (4 a)
— 18. εἶπα ἐγὼ [S¹ ἐπάγω] ἐν καρδίᾳ μου (4 a)
5. 1. καρδία σου μὴ ταχυνάτω (4 a)
— 19. ὁ θεὸς περισπᾷ αὐτὸν ἐν εὐφροσύνῃ καρδίας αὐτοῦ (4 a)
7. 3 (2). δώσει ἀγαθὸν εἰς καρδίαν [A ἐν καρδίᾳ] αὐτοῦ (4 a)
— 4 (3). A S R ἀγαθυνθήσεται καρδία [B om.] (4 a)
— 5 (4). καρδία σοφῶν ἐν οἴκῳ πένθους (4 a)
— 5 (4). καρδία ἀφρόνων ἐν οἴκῳ εὐφροσύνης (4 a)
— 8 (7). ἀπόλλυσι τὴν κ. εὐγενείας [A S² εὐτονίας] αὐτοῦ (4 a)
— 22 (21). μὴ θῇς [S δῷς] καρδίαν σου (4 a)
— 23 (22). A S R καθόδους πολλὰς κακώσει καρδίαν [B -ία] σου (4 a)
— 26 (25). ἐκύκλωσα ἐγὼ καὶ ἡ κ. μου (4 a)
— 27 (26). σαγῆναι καρδία αὐτῆς (4 a)
8. 5. καιρὸν κρίσεως γινώσκει καρδία σοφοῦ (4 a)
— 9. ἔδωκα τὴν κ. μου εἰς πᾶν τὸ ποίημα (4 a)
— 11. ἐπληροφορήθη καρδία υἱῶν τοῦ ἀνθρ. (4 a)
— 16. ἔδωκα τὴν κ. μου (4 a)
— 17 (9. 1). B σύμπαν τοῦτο ἔδωκα εἰς καρδίαν μου καὶ καρδίᾳ μου σύμπαν ἴδον τοῦτο [A S R al.] (4 a, †)
9. 3. καί γε καρδία υἱῶν τοῦ ἀνθρώπου ἐπληρώθη πονηροῦ καὶ περιφέρεια ἐν καρδίᾳ αὐτῶν (4 a, 4 b)
— 7. πίε ἐν καρδίᾳ ἀγαθῇ οἶνόν σου (4 a)
10. 2. καρδία σοφοῦ εἰς δεξιὸν αὐ. καὶ καρδία ἄφρονος εἰς ἀριστερὸν αὐ. (4 a, 4 a)
— 3. καρδία αὐτοῦ ὑστερήσει (4 a)
11. 9. ἀγαθυνάτω σε ἡ κ. σου (4 a)
— 9. A S R περιπάτει ἐν ὁδοῖς καρδίας σου [B om. κ. σου] ἄμωμος (4 a)
— 10. ἀπόστησον θυμὸν ἀπὸ καρδίας σου (4 a)
Ca. 3. 11. ἐν ἡμέρᾳ εὐφροσύνης καρδίας αὐ. (4 a)
5. 2. ἐγὼ καθεύδω καὶ ἡ κ. μου ἀγρυπνεῖ (4 a)
8. 6. θές με ὡς σφραγῖδα ἐπὶ τὴν κ. σου (4 a)
Wi. 1. 1. ἐν ἁπλότητι καρδίας ζητήσατε αὐτόν
— 6. τῆς κ. αὐτοῦ ἐπίσκοπος ἀληθής
2. 2. ὁ λόγος σπινθὴρ ἐν κινήσει καρδίας ἡμῶν
8. 17. φροντίσας ἐν καρδίᾳ μου
— 20. εἶπον ἐξ ὅλης τῆς κ. μου
15. 10. σποδὸς ἡ κ. αὐτοῦ
Si. 1. 12. φόβος κυρίου τέρψει καρδίαν
— 27. μὴ προσέλθῃς αὐτῷ ἐν καρδίᾳ δισσῇ
— 30. ἡ κ. σου πλήρης δόλου
2. 2. εὔθυνον τὴν κ. σου
— 12. οὐαὶ καρδίαις δειλαῖς καὶ χερσὶ παρειμέναις
— 13. οὐαὶ καρδίᾳ παρειμένῃ
— 17. ἑτοιμάσουσι καρδίας αὐτῶν

Si. 3. 26. καρδία σκληρὰ κακωθήσεται ἐπ' ἐσχάτων
— 26. B κ. σκληρὰ βαρυνθήσεται ἐπ' ἐσχάτων
— 27. καρδία σκληρὰ βαρυνθήσεται πόνοις
— 29. καρδία συνετοῦ διανοηθήσεται παραβολήν [S^1 ἐν παραβολῇ]
4. 3. καρδίαν παροργισμένην μὴ προσταράξῃς
5. 2. B S^2 τοῦ πορευεσθαι ἐν ἐπιθυμίαις καρδίας σου
6. 37. αὐτὸς στηριεῖ τὴν κ. σου
7. 27. ἐν ὅλῃ καρδίᾳ [A δυνάμει, A S *add.* σου] δόξασον τὸν πατέρα σου
8. 2. καρδίας βασιλέων ἐξέκλινε
— 19. παντὶ ἀνθρώπῳ μὴ ἔκφαινε σὴν κ. [A S κ. σου]
9. 1. S μηδὲ διδάξῃς ἐπὶ σεαυτὸν καρδίαν [A B παιδείαν] πονηράν
10. 12. ἀπὸ τοῦ ποιήσαντος αὐτὸν ἀπέστη ἡ κ. αὐ.
11. 30. οὕτως καρδία ὑπερηφάνου
12. 16. ἐν τῇ [S^1 *om.*] κ. αὐτοῦ βουλεύσεται
13. 25. καρδία ἀνθρώπου ἀλλοιοῖ τὸ πρόσωπον αὐ.
— 26. ἴχνος καρδίας ἐν ἀγαθοῖς πρόσωπον ἱλαρόν
14. 21. ὁ διανοούμενος τὰς ὁδοὺς αὐ. ἐν καρδίᾳ αὐ.
16. 20. ἐπ' αὐτοῖς οὐ διανοηθήσεται καρδία
— 23. ἐλαττούμενος καρδίᾳ διανοεῖται ταῦτα
— 24. ἐπὶ τῶν λόγων μου πρόσεχε τῇ κ. σου
17. 6. καρδίαν ἔδωκε διανοεῖσθαι αὐτοῖς
— 8. ἔθηκε τὸν ὀφθ. αὐ. ἐπὶ τὰς κ. αὐ.
19. 4. ὁ ταχὺ ἐμπιστεύων κοῦφος καρδίᾳ
— 5. ὁ εὐφραινόμενος καρδίᾳ [S^1 πονηρὰ] καταγνωσθήσεται
— 6. A ὁ μισῶν λαλιὰν ἐλαττονοῦται καρδίᾳ [B S κακίᾳ]
21. 6. ἐπιστρέψει ἐν καρδίᾳ
— 17. τοὺς λόγους αὐ. διανοηθήσεται ἐν καρδίᾳ
— 26. ἐν στόματι μωρῶν ἡ [B^1 ἐν] κ. αὐ. καρδία δὲ σοφῶν [A φρονίμων] στόμα αὐτῶν
22. 16. κ. ἐστηριγμένη ἐπὶ διανοήματος βουλῆς
— 17. κ. ἡδρασμένη ἐπὶ διανοίας [AS^2 -ᾳ] συνέσεως
— 18. καρδία δειλὴ ἐπὶ διανοήματος μωροῦ
— 19. ὁ νύσσων καρδίαν ἐκφαίνει αἴσθησιν
23. 2. τίς ἐπιστήσει . . . ἐπὶ τῆς κ. μου παιδείαν σοφίας
25. 7. ἐννέα ὑπονοήματα ἐμακάρισα ἐν καρδίᾳ [A τῇ κ., A S *add.* μου]
— 13. πᾶσαν πληγὴν καὶ μὴ πληγὴν καρδίας
— 23. καρδία ταπεινὴ . . . καὶ πληγὴ καρδίας γυνὴ πονηρά
26. 4. πλουσίου δὲ καὶ πτωχοῦ καρδία ἀγαθή
— 5. ἀπὸ τριῶν εὐλαβήθη ἡ [A *om.*] κ. μου
— 6. ἄλγος καρδίας καὶ πένθος γυνὴ ἀντίζηλος ἐπὶ γυναικί
— 28. ἐπὶ δυσὶ λελύπηται ἡ κ. μου
27. 6. οὕτως λόγος ἐνθυμήματος καρδίας [A -α] ἀνθρώπου
30. 16. οὐκ ἔστιν εὐφροσύνη ὑπὲρ χαρὰν [A S^1 χάριν] καρδίας
— 22. εὐφροσύνη καρδίας ζωὴ ἀνθρώπου
— 23. παρακάλει τὴν κ. σου
31 (34). 5. ὡς ὠδινούσης φαντάζεται καρδία
— 6. μὴ δῷς εἰς αὐτὰ τὴν κ. σου
33. 13 (30. 27). λαμπρὰ καρδία καὶ ἀγαθή
34 (31). 26. οὕτως οἶνος καρδίας ἐν μάχῃ ὑπερηφάνων
— 28. ἀγαλλίαμα καρδίας καὶ εὐφροσύνη ψυχῆς
36. 24 (21). οὕτως καρδία συνετὴ λόγους ψευδεῖς
— 25 (22). καρδία στρεβλὴ δώσει λύπην
37. 13. βουλὴν καρδίας [S^1 -αν] στῆσον
— 17. ἴχνος ἀλλοιώσεως καρδίας [B^1 S^1 -α]
38. 10. ἀπὸ πάσης ἁμαρτίας καθάρισον καρδίαν
— 18. λύπη καρδίας κάμψει ἰσχύν
— 19. βίος πτωχοῦ κατὰ καρδίας
— 20. μὴ δῷς εἰς λύπην τὴν κ. σου
— 26. καρδίαν αὐτοῦ δώσει ἐκδοῦναι αὔλακας
— 27. καρδίαν αὐ. δώσει εἰς ὁμοιῶσαι ζωγραφίαν
— 28. καρδίαν αὐτοῦ δώσει εἰς συντέλειαν ἔργων
— 30. καρδίαν ἐπιδώσει [S αὐτοῦ δώσει] συντελέσαι τὸ χρίσμα [B^1 χάρισμα]
39. 5. τὴν κ. αὐτοῦ ἐπιδώσει ὀρθρίσαι πρὸς κύριον
— 35. ἐν πάσῃ καρδίᾳ καὶ στόματι ὑμνήσατε
40. 2. τοὺς διαλογισμοὺς αὐτῶν καὶ φόβον καρδίας
— 6. τεθορυβημένος ἐν �ράσει [B^2 θράσει] καρδίας αὐτοῦ
— 20. οἶνος καὶ μουσικὰ εὐφραίνουσι καρδίαν
— 26. χρήματα καὶ ἰσχὺς ἀνυψώσουσι καρδίαν
42. 18. ἄβυσσον καὶ καρδίαν ἐξίχνευσε
43. 18. ἐπὶ τοῦ ὑετοῦ αὐτῆς ἐκστήσεται καρδία
Si. 45. 26. δῴη ὑμῖν σοφίαν ἐν καρδίᾳ ὑμῶν
46. 11. ὅσων οὐκ ἐξεπόρνευσεν ἡ κ.
47. 8. ῥήματι δόξης ἐν πάσῃ καρδίᾳ αὐτοῦ ὕμνησε
48. 10. ἐπιστρέψαι καρδίαν πατρὸς πρὸς υἱόν
— 19. ἐσαλεύθησαν καρδίαι καὶ χεῖρες αὐτῶν
49. 3. κατεύθυνε πρὸς κύριον τὴν κ. [A ὁδὸν] αὐ.
50. 23. δῴη ἡμῖν εὐφροσύνην καρδίας [S^1 -αν]
— 27. ἀνώμβρησε σοφίαν ἀπὸ καρδίας αὐτοῦ
— 28. ὁ θεὶς αὐτὰ ἐπὶ καρδίαν αὐτοῦ
51. 15. εὐφράνθη ἡ κ. μου ἐν αὐτῇ
— 20. καρδίαν ἐκτησάμην μετ' αὐτῶν [A -ῆς]
Ho. 2. 14 (16). καὶ λαλήσω ἐπὶ τὴν κ. αὐτῆς (4 *a*)
4. 11. μέθυσμα ἐδέξατο καρδία λαοῦ μου (4 *a*)
7. 2. ὅπως συνάδωσιν ὡς ᾄδοντες τῇ κ. αὐ. [A *al.*] (4 *b*)
— 6. διότι ἀνεκαύθησαν ὡς κλίβανος αἱ κ. αὐ. (4 *a*)
— 7. ὡς κλίβανος [A *add.* πυρὸς καιομένου αἱ κ. αὐ.] –
— 11. ὡς περιστερὰ ἄνους οὐκ ἔχουσα καρδίαν (4 *a*)
— 14. καὶ οὐκ ἐβόησαν πρὸς μὲ αἱ κ. αὐτῶν (4 *a*)
10. 2. ἐμέρισαν καρδίας αὐτῶν (4 *a*)
11. 8. μετεστράφη ἡ καρδία μου ἐν τῷ αὐτῷ (4 *a*)
13. 6. καὶ ὑψώθησαν αἱ κ. αὐτῶν (4 *a*)
— 8. καὶ διαρρήξω συγκλεισμὸν καρδίας αὐ. (4 *a*)
Am. 2. 16. ὁ κραταιὸς οὗ μὴ [A *om.* ὁ κρ. οὗ μὴ, B^2 *om.* οὗ μὴ] εὑρήσει τὴν κ. αὐτοῦ (4 *a*)
Jl. 2. 12. ἐπιστράφητε πρὸς μὲ ἐξ ὅλης τῆς κ. ὑμῶν (4 *b*)
— 13. καὶ διαρρήξατε τὰς κ. ὑμῶν (4 *b*)
Ob. 1. 3. ὑπερηφανία τῆς κ. σου ἐπῆρέ σε (4 *a*)
— 3. λέγων ἐν καρδίᾳ [A τῇ κ.] αὐτοῦ (4 *a*)
Jn. 2. 4. ἀπέρριψάς με εἰς βάθη καρδίας θαλάσσης (4 *b*)
Na. 2. 7 (8). περιστεραὶ φθεγγόμεναι ἐν καρδίαις [A ταῖς κ.] αὐτῶν (4 *b*)
— 10 (11). ἐκβρασμὸς καὶ καρδίας θραυσμός (4 *a*)
Hb. 1. 15. χαρήσεται ἡ κ. αὐ. [S^2 *om.* ἡ κ. αὐ.] –
2. 16. καρδία σαλεύθητι καὶ σείσθητι [S^2 *al.*] –
3. 16. ἐπτοήθη ἡ κοιλία [S^2 καρδία] μου ἀπὸ φωνῆς (1)
Ze. 1. 12. οἱ δὲ λέγοντες ἐν ταῖς κ. αὐτῶν [A *om.* ἐν τ. κ. αὐ.] (4 *b*)
3. 1 (2. 15). ἡ λέγουσα ἐν καρδίᾳ αὐτῆς (4 *b*)
— 14. κατατέρπου ἐξ ὅλης τῆς καρδίας σου (4 *a*)
Hg. 1. 5. τάξατε δὴ τὰς κ. ὑμῶν εἰς τὰς ὁδοὺς ὑμῶν (4 *b*)
— 7. θέσθε τὰς κ. ὑμῶν εἰς τὰς ὁδοὺς ὑμῶν (4 *b*)
2. 16 (15). θέσθε δὴ εἰς [AS^3 ἐπὶ] τὰς κ. ὑμῶν (4 *b*)
— 19 (18). ὑποτάξατε [AS^2 τάξατε] δὴ τὰς κ. ὑμῶν (4 *b*)
— 19 (18). θέσθε ἐν ταῖς κ. ὑμῶν (4 *b*)
Za. 7. 10. κακίαν . . . μὴ μνησικακείτω ἐν ταῖς κ. ὑμῶν (4 *b*)
— 12. καὶ τὴν κ. [S^1 τὰς κ.] αὐτῶν ἔταξαν ἀπειθῆ (4 *a*)
8. 17. κακίαν . . . μὴ λογίζεσθε ἐν ταῖς κ. ὑμῶν (4 *b*)
10. 7. καὶ χαρήσεται ἡ κ. αὐτῶν ὡς ἐν οἴνῳ (4 *a*)
— 7. καὶ χαρεῖται ἡ κ. αὐτῶν [A αὐτῷ ἡ κ.] ἐπὶ τῷ κυρίῳ (4 *a*)
12. 5. ἐροῦσιν οἱ χιλίαρχοι Ἰ. ἐν ταῖς κ. αὐ. (4 *a*)
Ma. 1. 1. θέσθε δὴ ἐπὶ τὰς κ. ὑμῶν –
2. 2. ἐὰν μὴ θῆσθε εἰς τὴν κ. ὑμῶν [S^2 *al.*] (4 *a*)
— 2. οὐ τίθεσθε εἰς [S^3 ἐπὶ] τὴν κ. ὑμῶν (4 *a*)
4. 6 (3. 24). ἀποκαταστήσει καρδίαν πατρὸς πρὸς υἱὸν καὶ καρδίαν ἀνθρώπου πρὸς τὸν πλησίον αὐ. (4 *a*, 4 *a*)
Is. 1. 5. πᾶσα κ. εἰς λύπην (4 *b*)
6. 10. ἐπαχύνθη γὰρ ἡ κ. τοῦ λαοῦ τούτου . . . καὶ τῇ κ. συνῶσι (4 *a*, 4 *b*)
9. 9 (8). ἐφ' [S ἐν] ὕβρει καὶ ὑψηλῇ καρδίᾳ (4 *b*)
14. 13. S εἶπας ἐν [B *om.*] τῇ κ. [A B διανοίᾳ] σου (4 *b*)
15. 5. ἡ κ. τῆς Μωαβίτιδος βοᾷ ἐν αὐτῇ (4 *a*)
19. 1. ἡ κ. αὐτῶν ἠττηθήσεται ἐν αὐτοῖς [A *al.*] (4 *b*)
21. 4. ἡ κ. μου πλανᾶται (4 *b*)
29. 13. ἡ δὲ κ. αὐτῶν πόρρω ἀπέχει ἀπ' ἐμοῦ (4 *a*)
32. 4. A ἡ κ. τῶν ἀσθενῶν προσέξει τοῦ ἀκούειν [B S *al.*] (4 *b*)
— 6. ἡ κ. αὐ. μάταια νοήσει (4 *a*)
38. 3. ἐπορεύθην . . . ἐν καρδίᾳ ἀληθινῇ (4 *a*)
40. 2. λαλήσατε εἰς τὴν κ. Ἰερουσαλήμ (4 *a*)
44. 18. τοῦ νοῆσαι τῇ κ. αὐτῶν (4 *a*)
— 19. A S οὐκ ἐλογίσατο τῇ κ. [B ψυχῇ] (4 *a*)
— 20. σποδὸς ἡ κ. αὐ. (4 *a*)
Is. 44. 25. τίς ἕτερος διασκεδάσει . . . μαντείας ἀπὸ καρδίας [A *al.*] †
46. 8. ἐπιστρέψατε τῇ κ. (4 *a*)
— 12. ἀκούσατέ μου οἱ ἀπολωλεκότες τὴν κ. (4 *a*)
47. 7. οὐκ ἐνόησας ταῦτα ἐν τῇ κ. σου (4 *a*)
— 8. ἡ λέγουσα ἐν καρδίᾳ [AS^2 τῇ κ.] αὐτῆς (4 *b*)
— 10. εἶπας τῇ κ. σου (4 *a*)
49. 21. ἐρεῖς ἐν τῇ κ. σου, (4 *b*)
51. 7. λαὸς οὗ ὁ νόμος μου ἐν τῇ καρδίᾳ ὑμῶν (4 *a*)
57. 1. οὐδεὶς ἐκδέχεται [S . . . ἐκδ.] τῇ κ. (4 *a* [9])
— 11. οὐδὲ ἔλαβές με . . . εἰς τὴν κ. σου (4 *a*)
— 15. διδοὺς ζωὴν τοῖς συντετριμμένοις τὴν κ. (4 *a*)
— 17. ἐπορεύθη στυγνὸς ἐν ταῖς ὁδοῖς [S^2 τῇ κ.] αὐ. (2+4 *a*)
59. 13. ἐμελετήσαμεν ἀπὸ καρδίας ἡμῶν λόγους ἀδίκους (4 *a*)
— 21. S^1 Ἃ ἔδωκα εἰς τὴν κ. [A B S^2 τὸ στόμα] σου †
60. 5. ἐκστήσῃ τῇ κ. (4 *b*)
61. 1. ἰάσασθαι τοὺς συντετριμμένους τὴν κ. [A S τῇ κ.] (4 *a*)
63. 17. ἐσκλήρυνας τὰς κ. ἡμῶν (4 *a*)
65. 14. κεκράξεσθε διὰ τὸν πόνον τῆς κ. ὑμῶν (4 *a*)
— 16. οὐκ ἀναβήσεται αὐτῶν ἐπὶ τὴν κ. †
— 17. οὐ μὴ ἐπέλθῃ αὐτῶν ἐπὶ τὴν κ. (4 *a*)
66. 14. χαρήσεται ἡ κ. ὑμῶν (4 *a*)
Je. 3. 10. οὐκ ἐπεστράφη [A ἀπ.] . . . ἐξ ὅλης τῆς κ. αὐτῆς (4 *a*)
— 15. δώσω ὑμῖν ποιμένας κατὰ τὴν κ. μου (4 *a*)
— 16. οὐκ ἀναβήσεται ἐπὶ τὴν κ. (4 *a*)
— 17. τῶν ἐνθυμημ. [A ἐπιθ.] τῆς κ. αὐ. τῆς πον. (4 *a*)
4. 9. ἀπολεῖται ἡ κ. τοῦ βασιλέως καὶ ἡ κ. τῶν ἀρχόντων (4 *a*, 4 *a*)
— 14. ἀπόπλυνε ἀπὸ κακίας τὴν κ. σου (4 *a*)
— 18. ἥψατο ἕως τῆς κ. σου (4 *a*)
— 19. τὰ αἰσθητήρια τῆς κ. μου (4 *a*)
— 19. A B S^2 σπαράσσεται ἡ κ. μου (4 *a*)
5. 23. τῷ λαῷ τούτῳ ἐγενήθη κ. ἀνήκοος καὶ ἀπειθής (4 *a*)
— 24. οὐκ εἶπον ἐν τῇ κ. αὐτῶν (4 *b*)
7. 24. τοῖς ἐνθυμήμασι [A ἐπιθ.] τῆς κ. [S^1 τῶν κ.] αὐτῶν τῆς κακῆς (4 *a*)
— 31. οὐ διενοήθην ἐν τῇ κ. μου (4 *a*)
8. 18. μετ' ὀδύνης καρδίας ὑμῶν ἀπορουμένης (4 *a*)
9. 8 (7). A βολὶς τιτρώσκουσα ἡ κ. [B S γλῶσσα] αὐτῶν †
— 14 (13). τῶν ἀρεστῶν [A ἐρασ.] τῆς κ. αὐτῶν τῆς κακῆς (4 *a*)
— 26 (25). πᾶς οἶκος Ἰσραὴλ ἀπερίτμητοι [A S -ος] καρδίας αὐτῶν (4 *a*)
11. 20. δοκιμάζων νεφροὺς καὶ καρδίας (4 *a*)
12. 3. δεδοκίμακας τὴν κ. μου ἐναντίον σου (4 *a*)
— 11. οὐκ ἔστιν ἀνὴρ τιθέμενος ἐν καρδίᾳ (4 *a*)
13. 22. ἐὰν εἴπῃς ἐν τῇ κ. σου (4 *b*)
14. 14. προαιρέσεις καρδίας αὐτῶν (4 *a*)
15. 16. εἰς εὐφροσύνην καὶ χαρὰν καρδίας μου (4 *b*)
16. 12. τῶν ἀρεστῶν [A ἐρασ.] τῆς κ. ὑμῶν τῆς πονηρᾶς (4 *a*)
17. 5. καὶ ἀπὸ κυρίου ἀποστῇ ἡ κ. αὐτοῦ (4 *a*)
— 9. βαθεῖα ἡ κ. παρὰ πάντα (4 *a*)
— 10. ἐγὼ κύριος ἑτάζων καρδίας (4 *a*)
18. 12. τὰ ἀρεστὰ τῆς κ. αὐτοῦ τῆς πονηρᾶς (4 *a*)
19. 5. οὐδὲ διενοήθην ἐν τῇ κ. μου (4 *a*)
20. 12. συνίων νεφροὺς καὶ καρδίας (4 *a*)
22. 17. οὐδὲ ἡ κ. σου καλή (4 *a*)
23. 9. συνετρίβη ἡ κ. μου ἐν ἐμοί (4 *a*)
— 16. ἀπὸ καρδίας αὐτῶν λαλοῦσι (4 *a*)
— 17. παντὶ τῷ πορευομ. πλάνῃ καρδίας αὐ. (4 *a*)
— 20. ἀπὸ ἐγχειρήματος καρδίας αὐτοῦ (4 *a*)
— 26. A R ἕως πότε ἔσται ἐν καρδίᾳ τῶν προφητῶν . . . ἐν τῷ προφητεύειν αὐτοὺς τὰ θελήματα τῆς [B S *om.*] κ. αὐ. (4 *a*, 4 *a*)
24. 7. δώσω αὐτοῖς καρδίαν τοῦ εἰδέναι αὐτοὺς ἐμὲ . . . ἐπιστραφήσονται ἐπ' ἐμὲ ἐξ ὅλης τῆς κ. αὐτῶν (4 *a*, 4 *a*)
28 (51). 50. Ἱερ. ἀναβήτω ἐπὶ τὴν κ. ὑμῶν (4 *b*)
29 (49). 16. ἰταμία καρδίας σου κατέλυσε τρυμαλιὰς πετρῶν (4 *a*)
— 22. ἔσται ἡ κ. τῶν ἰσχυρῶν τῆς Ἰδουμαίας . . . ὡς κ. γυναικὸς ὠδινούσης (4 *a*, 4 *a*)
31 (48). 29. ὑψώθη ἡ κ. αὐτοῦ (4 *a*)
— 36. κ. τοῦ Μωὰβ ὥσπερ αὐλοὶ βομβήσουσι κ. μου ἐπ' ἀνθρώπους . . . βομβήσει (4 *a*, 4 *a*)
36 (29). 13. ἐν ὅλῃ καρδίᾳ ὑμῶν [A *om.*] (4 *b*)

Je. 37 (30). 21. ὃς ἔδωκε τὴν κ. αὐτοῦ ἀποστρέψαι [A ἐπισ.] πρὸς μέ (4 a)
— 24. ἐγχείρημα καρδίας αὐτοῦ (4 a)
38 (31). 21. δὸς καρδίαν σου εἰς τοὺς ὤμους (4 a)
— 33. δώσω νόμους μου εἰς τὴν διάνοιαν [S^1 καρδίαν] αὐ. καὶ ἐπὶ καρδίας [A τὰς κ., S -αν] αὐ. γράψω [A ἐπιγρ.] αὐτούς (8, 4 a)
39 (32). 35. οὐκ ἀνέβη ἐπὶ καρδίαν [A τὴν κ.] μου (4 a)
— 39. δώσω αὐτοῖς . . . καρδίαν ἑτέραν (4 a)
— 40. τὸν φόβον μου δώσω εἰς τὴν κ. αὐτῶν (4 b)
— 41. φυτεύσω αὐτοὺς . . . ἐν πάσῃ κ. [S^1 al.] (4 a)
51 (44). 21. ἀνέβη ἐπὶ τὴν [S^2 om.] κ. αὐτοῦ (4 a)
Ba. 1. 22. ᾠχόμεθα ἕκαστος ἐν διανοίᾳ καρδίας αὐτοῦ [A ἡμῶν] τῆς πονηρᾶς
2. 8. τοῦ ἀποστρέψαι ἕκαστον ἀπὸ τῶν νοημάτων τῆς κ. αὐ. τῆς πονηρᾶς
— 30. ἐπιστρέψουσιν ἐπὶ καρδίαν αὐτῶν
— 31. δώσω αὐτοῖς καρδίαν καὶ ὦτα ἀκούοντα
3. 7. ἔδωκας τὸν φόβον σου ἐπὶ καρδίαν ἡμῶν . . . ἀπεστρέψαμεν ἀπὸ καρδίας [A B^2 ἐπὶ καρδίαν] ἡμῶν πᾶσαν ἀδικίαν
La. 1. 20. ἡ κ. μου ἐστράφη ἐν ἐμοί (4 a)
— 22. ἡ κ. μου λυπεῖται (4 a)
2. 11. ἐταράχθη ἡ κ. μου (5)
— 18. ἐβόησε κ. αὐτῶν πρὸς κύριον (4 a)
— 19. ἔκχεον ὡς ὕδωρ καρδίαν σου (4 a)
3. 21. ταύτην τάξω εἰς τὴν κ. μου (4 a)
— 33. οὐκ ἀπεκρίθη ἀπὸ καρδίας αὐτοῦ (4 a)
— 41. ἀναλάβωμεν καρδίας ἡμῶν ἐπὶ χειρῶν πρὸς ὑψηλόν (4 b)
— 65. ἀποδώσεις αὐτοῖς ὑπερασπισμὸν καρδίας μόχθον (4 a)
5. 15. κατέλυσε χαρὰ καρδίας ἡμῶν (4 a)
— 17. ἐγενήθη ὀδύνη [A om.] ὀδυνηρὰ ἡ κ. ἡμῶν (4 a)
Ep. Je. 20. τὰς δὲ κ. αὐτῶν φασιν ἐκλείχεσθαι τῶν ἀπὸ τῆς γῆς ἑρπετῶν
Ez. 3. 10. πάντας τοὺς λόγους . . . λάβε εἰς τὴν κ. σου (4 b)
6. 9. ὁμώμοκα τῇ κ. αὐτῶν (4 a)
11. 19. δώσω αὐτοῖς κ. ἑτέραν (4 a)
— 19. ἐκσπάσω τὴν κ. τὴν λιθίνην ἐκ τῆς σαρκὸς αὐτῶν (4 a)
— 20. δώσω αὐτοῖς καρδίαν σαρκίνην (4 a)
— 21. εἰς τὴν κ. [A κατὰ τὰς κ.] τῶν βδελυγμάτων αὐτῶν (4 a)
— 21. ὡς ἡ κ. αὐτῶν ἐπορεύετο (4 a)
13. 2. A τοῖς προφήταις τοῖς προφητεύουσιν ἀπὸ καρδίας αὐτῶν (4 a)
— 3. οὐαὶ τοῖς προφητεύουσιν ἀπὸ καρδίας αὐτῶν †
— 17. τὰς προφητευούσας ἀπὸ καρδίας αὐτῶν (4 a)
— 22. διεστρέφετε [A διασ.] καρδίαν δικαίου (4 a)
14. 3. ἔθεντο τὰ διανοήματα αὐ. ἐπὶ τὰς κ. αὐ. (4 a)
— 4. ὃς ἂν θῇ τὰ διανοήματα αὐ. ἐπὶ τὴν κ. αὐ. (4 a)
— 5. κατὰ τὰς κ. αὐ. τὰς ἀπηλλοτριωμένας ἀπ' ἐμοῦ (4 a)
— 7. καὶ θῆται τὰ ἐνθυμήματα αὐτοῦ ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (4 a)
17. 22. A λήψομαι . . . καρδίας αὐ. [B al.] –
— 22. καρδίας αὐτῶν ἀποκνιῶ †
18. 31. ποιήσατε ἑαυτοῖς καρδίαν καινήν (4 a)
20. 16. τῶν ἐνθυμημ. καρδίας [A τῶν κ.] αὐ. (4 a)
21. 7 (12). θρανσθήσεται πᾶσα κ. (4 a)
— 15 (20). ὅπως μὴ θρανσθῇ ἡ κ. [A ὅ. θρανσθήσεται πᾶσα κ.] (4 a)
22. 14. εἰ ὑποστήσεται ἡ κ. σου (4 a)
27. 4. ἐν καρδίᾳ θαλάσσης . . . περιέθηκάν σοι κάλλος (4 a)
— 25. ἐβαρύνθης σφόδρα ἐν καρδίᾳ θαλάσσης (4 a)
— 26. συνέτριψέ σε ἐν καρδίᾳ [A μέσῳ] θαλάσσης
— 27. πεσοῦνται ἐν καρδίᾳ θαλάσσης (4 a)
28. 2. ὑψώθη σου ἡ κ. . . . κατοικίαν θεοῦ κατῴκηκα ἐν καρδίᾳ θαλάσσης . . . ἔδωκας τὴν κ. σου ὡς καρδίαν θεοῦ (4 a quater)
— 5. ὑψώθη ἡ κ. σου ἐν τῇ δυνάμει σου (4 b)
— 6. δέδωκας τὴν κ. σου ὡς καρδίαν θεοῦ (4 b, 4 a)
— 8. ἀποθανῇ θανάτῳ τραυματιῶν ἐν καρδίᾳ θαλάσσης (4 a)
— 17. ὑψώθη ἡ κ. σου ἐπὶ τῷ κάλλει σου (4 a)
29. 16. A ἐν τῷ αὐτοὺς ἀκολουθῆσαι ὀπίσω τῶν κ. [B om. τ. κ.] αὐτῶν –
32. 9. παροργιῶ καρδίαν λαῶν πολλῶν (4 a)
Ez. 33. 31. ὀπίσω τῶν μιασμάτων ἡ κ. αὐτῶν (4 a)
36. 26. δώσω ὑμῖν καρδίαν καινὴν . . . ἀφελῶ τὴν κ. τὴν λιθίνην . . . δώσω ὑμῖν καρδίαν σαρκίνην (4 a ter)
38. 10. ἀναβήσεται ῥήματα ἐπὶ τὴν κ. σου (4 b)
40. 4. τάξον εἰς τὴν κ. σου πάντα (4 a)
44. 5. τάξον εἰς τὴν κ. σου . . . τάξεις τὴν κ. σου (4 a, 4 a)
— 7. τοῦ εἰσαγαγεῖν ὑμᾶς . . . ἀπεριτμήτους καρδίᾳ (4 a)
— 9. πᾶς υἱὸς ἀλλογενὴς ἀπερίτμητος καρδίᾳ (4 a)
Da. LXX. Su. 35. ἡ δὲ κ. αὐτῆς ἐπεποίθει ἐπὶ κυρίῳ
1. 8. ἐνεθυμήθη Δανιὴλ ἐν τῇ κ. (4 a)
2. 30. ἃ ὑπέλαβες τῇ κ. σου ἐν γνώσει (4 c)
3. (41). ἐξακολουθοῦμεν ἐν ὅλῃ κ. ἡμῶν
— (87). ὅσιοι καὶ ταπεινοὶ καρδίᾳ
4. 19. ὑψώθη σού ἡ κ. ὑπερηφανίᾳ –
— 25. τοὺς λόγους ἐν τῇ κ. συνετήρησε –
— 31. ἠλλοιώθη . . . ἡ κ. μου –
5. 2. ἀνυψώθη ἡ κ. αὐτοῦ –
7. 4. ἀνθρωπίνη κ. ἐδόθη αὐτῇ (4 c)
— 28. τὸ ῥῆμα ἐν καρδίᾳ μου ἐστήριξα (4 a)
8. 25. ἡ κ. αὐτοῦ ὑψωθήσεται (4 b)
11. 12. ὑψωθήσεται ἡ κ. (4 b)
— 25. ἐγερθήσεται . . . ἡ κ. αὐ. (4 b)
— 28. ἡ κ. αὐτοῦ ἐπὶ τὴν διαθήκην τοῦ ἁγίου (4 b)
Da. TH. Su. 35. ἦν ἡ κ. αὐτῆς πεποιθυῖα ἐπὶ κυρίῳ
— 56. ἐπιθυμία διέστρεψε τὴν κ. σου
1. 8. ἔθετο Δαν. ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (4 a)
2. 30. ἵνα τοὺς διαλογισμοὺς τῆς κ. σου γνῷς (4 c)
3. (41). ἐξακολουθοῦμεν ἐν ὅλῃ κ.
— (87). ὅσιοι καὶ ταπεινοὶ τῇ [A om.] κ.
4. 13. ἡ κ. αὐτοῦ ἀπὸ τῶν ἀνθρώπων ἀλλοιωθήσεται καὶ καρδία θηρίου δοθήσεται αὐτῷ (4 c, 4 c)
5. 20. ὅτε ὑψώθη ἡ κ. αὐτοῦ (4 c)
— 21. ἡ κ. αὐτοῦ μετὰ τῶν θηρίων ἐδόθη (4 c)
— 22. οὐκ ἐταπείνωσας τὴν κ. σου (4 c)
7. 4. καρδία ἀνθρώπου ἐδόθη αὐτῇ (4 c)
— 28. τὸ ῥῆμα ἐν τῇ κ. μου διετήρησα (4 a)
8. 25. ἐν καρδίᾳ αὐτοῦ μεγαλυνθήσεται (4 b)
10. 12. ἧς ἔδωκας τὴν κ. σου τοῦ συνεῖναι (4 a)
11. 12. ὑψωθήσεται [A ὑπερυψ.] ἡ κ. αὐτοῦ (4 b)
— 25. ἐξεγερθήσεται . . . ἡ κ. αὐτοῦ (4 b)
— 27. αἱ κ. αὐτῶν εἰς πονηρίαν (4 b)
— 28. καὶ ἡ κ. αὐτοῦ ἐπὶ διαθήκην ἁγίαν (4 b)
I Ma. 1. 3. ἐπήρθη ἡ κ. αὐτοῦ
6. 10. συμπέπτωκα τῇ κ.
— 11. εἶπα τῇ κ.
8. 25. ὡς ἂν ὁ καιρὸς ὑπογραφῇ αὐτοῖς κ. πλήρει
9. 7. συνετρίβη τῇ κ.
— 14. πάντες οἱ εὔψυχοι τῇ κ.
12. 28. S R ἔπτηξαν τῇ κ. [A τὴν κ.] αὐτῶν
16. 13. ὑψώθη ἡ κ. αὐτοῦ
II Ma. 1. 3. δῴη ὑμῖν καρδίαν πᾶσιν
— 3. ποιεῖν αὐτοῦ τὰ θελήματα κ. μεγάλῃ
— 4. διανοίξαι τὴν κ. ὑμῶν
2. 3. μὴ ἀποστῆναι τὸν νόμον ἀπὸ τῆς κ. αὐτῶν
3. 17. τὸ κατὰ καρδίαν ἐνεστὸς ἄλγος
5. 21. διὰ τὸν μετεωρισμὸν τῆς κ.
15. 27. R ταῖς δὲ κ. [A om.] πρὸς τὸν θεὸν εὐχόμενοι
III Ma. 4. 2. στεναγμοῖς πεπυρωμένης παντόθεν αὐτῶν τῆς κ.
5. 47. βουλόμενος ἀτρώτῳ κ. . . . θεάσασθαι
IV Ma. 7. 18. ὅσοι τῆς εὐσεβείας προνοοῦσιν ἐξ ὅλης κ.
13. 13. ἑαυτοὺς . . . τῷ θεῷ ἀφιερώσωμεν ἐξ ὅλης τῆς κ.

[Aq. Ge. 6. 7 (6) : 8. 21 : 34. 3 : Ex. 9. 14 : 28. 29, 30 : 35. 22 : 36. 2 : Dt. 8. 14 : 10. 16 : 28. 65 : Jd. 5. 16 : III Ki. 11. 3 : 14. 8 : 15. 14 : Jb. 1. 5 : 31. 27 : Ps. 4. 5 : 9. 38 (10. 17) : 26 (27). 14 : 27 (28). 3, 7 : 31 (32). 11 : 32 (33). 15 : 37 (38). 9 : 54 (55). 5 : 63 (64). 7 : 65 (66). 18 : 68 (69). 21 : 72 (73). 7, 13 : 77 (78). 72 : 80 (81). 13 : 85 (86). 11 : 93 (94). 15 : 118 (119). 70 : Pr. 2. 10 : 6. 25, 32 : 10. 21 : 14. 33 : 17. 3 : 22. 15 : 24. 12, 17 : 26. 25 : Ec. 2. 3 : 7. 3 (2), 23 (22) : Is. 35. 4 : 41. 22 : 65. 14, 17 : Je. 8. 18 : 13. 10 : 17. 1, 9 : 20. 9 : 48 (31). 41 *bis* : 49. 16 (29. 17) : 51 (28). 1 : Ez. 13. 2 : 14. 3 : 20. 16 : 31. 10 : Ho. 7. 2 : Am. 2. 16 : Jn. 2. 4.]
[Sm. Ex. 9. 14 : Jd. 5. 16 : III Ki. 15. 14 : Jb. 15. 12 : 17. 4 : 31. 27 : 37. 1 : Ps. 4. 5 : 9. 27 (10. 6), 38 (10. 17) : 11 (12). 3 : 26 (27). 7, 14 : 27 (28). 7 : 32 (33). 15 : 35 (36). 2, 11 : 38 (39). 4 : 40 (41). 7 : 43 (44). 19 : 44 (45). 2, 6 : 47 (48). 14 : 50 (51). 19 : 54 (55). 5, 22 : 56 (57). 8 : 60 (61). 3 : 61 (62). 11 : 63 (64). 7 : 65 (66). 18 : 68 (69). 21 : 72 (73). 1, 7, 21 : 75 (76). 6 : 76 (77). 7 : 77 (78). 8, 72 : 80 (81). 13 : 85 (86). 11 : 103 (104). 15 *bis* : 111 (112). 7 : 118 (119). 70 : 140 (141). 4 : Pr. 2. 10 : 4. 4 : 6. 25 : 8. 5 : 14. 13 : 15. 21 : 17. 3 : 19. 3 : 20. 9 : 22. 15 : 24. 17 : 25. 20 : 26. 25 : Ec. 1. 13 : 2. 3 *bis* : 7. 22 (21), 23 (22) : 8. 11 : Is. 6. 10 : 32. 4 : 40. 2 : 41. 22 : 63. 4 : 65. 14, 17 : Je. 8. 18 : 16. 12 : 17. 1, 9 : 20. 9 : 32 (39). 41 : 49. 16 (29. 17) : Ez. 16. 30 : 31. 14.]
[Th. Ge. 8. 21 : Ex. 36. 2, 8 : Dt. 8. 14 : III Ki. 15. 14 : Jb. 15. 12 : 17. 4 : 29. 13 : 31. 27 : 36. 5, 13 : 37. 1 : Ps. 7. 10 : 10 (11). 2 : 27 (28). 7 : 63 (64). 7 : 93 (94). 15 : Pr. 2. 10 : 3. 3 : 6. 25 : 10. 13 : 12. 25 : 14. 33 : 17. 3 : 22. 15 : 24. 17 : 26. 25 : Ec. 7. 3 (2) : Is. 41. 22 : 65. 14, 17 : 66. 2 : Je. 10. 8 : 11. 8 : 13. 10 : 17. 1 : 20. 9 : 48 (31). 41 *bis* : Ez. 13. 2 : 20. 16 : 31. 10 : Da. 2. 30 : 3. (41) : Jn. 2. 4.]
[Heb. Ge. 8. 21 : Jb. 15. 27.]
[Al. Ex. 8. 15 (11) : Le. 19. 17 : Dt. 6. 5 : 28. 47, 65 : Ps. 9. 34 (10. 13) : 43 (44). 19 : 44 (45). 6 : 48 (49). 4 : 100 (101). 4 : Pr. 6. 21 : 19. 8.]
[Quint. Ps. 27 (28). 7.]

καρδιοῦν. (1) לָבַב pi.
Ca. 4. 9. ἐκαρδίωσας ἡμᾶς . . . ἐκαρδίωσας ἡμᾶς ἑνὶ [A ἐν?, ἓν?] ἀπὸ ὀφθαλμῶν σου (1, 1)

καρησίμ, *vid.* **καραισείμ.**

κάρος.
[Sm. Ge. 2. 21 : 15. 12 : I Ki. 26. 12.]

καροῦσθαι. (1) עָלָה
Je. 28 (51). 39. μεθύσω αὐτοὺς ὅπως καρωθῶσι [S καθάρωσι] (1?)
[Aq. Hb. 2. 16.]
[Sm. Jd. 4. 21 : Ps. 75 (76). 7.]

καροῦχα.
[Sm. Is. 66. 20.]

καρπάσινος (-σιος). (1) כַּרְפַּס
Es. 1. 6. βυσσίνοις καὶ καρπασίνοις [S^2 -ίοις] (1)
[Aq. Es. 1. 6.]

καρπεύειν.
[Aq. Ec. 12. 5.]

καρπίζεσθαι. (1) אָכַל מִתְּבוּאָה (2) פְּרִי
Jo. 5. 11. A R ἐκαρπίσαντο δὲ τὴν χώραν [B κουράν] (1)
Pr. 8. 19. βέλτιον ἐμὲ καρπίζεσθαι ὑπὲρ χρυσίον (2)

κάρπιμος. (1) פְּרִי
Ge. 1. 11. ξύλον κ. ποιοῦν καρπόν (1)
— 12. ξύλον κ. ποιοῦν καρπόν –
[Aq. Ec. 2. 5.]
[Th. Ps. 75 (76). 5.]

καρπόβρωτος. (1) מַאֲכָל
De. 20. 20. ὅτι οὐ καρπόβρωτόν ἐστι (1)

καρπός (*fructus*). (1) אֵב (2) בְּכוּרִים (3) זְמָרָה (4) יְבוּל (5) יְנִיקָה (6) יְצָהָר (7) *a.* פְּרִי *b.* פְּרָה (8) תְּאֵנָה (9) תְּבוּאָה (10) תְּנוּבָה
Ge. 1. 11, 12. ξύλον κάρπιμον ποιοῦν καρπόν (7 a)
— 29. ὃ ἔχει ἐν ἑαυτῷ καρπὸν σπέρματος (7 a)
3. 2. R ἀπὸ καρποῦ τοῦ ξύλου [A ἀ. παντὸς ξ.] (7 a)
— 3. R ἀπὸ δὲ τοῦ [A om.] κ. τοῦ ξύλου (7 a)
— 6. R λαβοῦσα ἀπὸ [A om.] τοῦ κ. αὐ. (7 a)
4. 3. ἤνεγκε K. ἀπὸ τῶν κ. τῆς γῆς (7 a)
30. 2. ὃς ἐστέρησέ σε καρπὸν κοιλίας (7 a)
43. 11. λάβετε ἀπὸ τῶν κ. τῆς γῆς (3)
Ex. 10. 12. κατέδεται . . . πάντα τὸν κ. τῶν ξύλων –
— 15. κατέφαγε . . . πάντα τὸν κ. τῶν ξύλων (7 a)
Le. 19. 23. ὁ κ. αὐτοῦ [A om. ὁ κ. αὐ.] τρία ἔτη ἔσται ὑμῖν ἀπερικάθαρτος (7 a)

Le. 19. 24. ἔσται πᾶς ὁ κ. αὐτοῦ ἅγιος (7 a)
— 25. φάγεσθε τὸν κ. (7 a)
23. 40. λήψεσθε . . . καρπὸν ξύλου ὡραῖον (7 a)
25. 3. συνάξεις τὸν κ. αὐτῆς (9)
26. 4. τὰ ξύλα τῶν πεδίων ἀποδώσει τὸν κ. αὐτῶν (7 a)
— 20. τὸ ξύλον . . . οὐ δώσει τὸν κ. αὐτοῦ (7 a)
27. 30. πᾶσα δεκάτη τῆς γῆς ἀπὸ . . . τοῦ κ. τοῦ ξυλίνου (7 a)
Nu. 13. 21 (20). λήψεσθε ἀπὸ τῶν κ. τῆς γῆς (7 a)
— 28 (26). ἔδειξαν τὸν κ. τῆς γῆς (7 a)
— 28 (27). οὗτος ὁ κ. αὐτῆς (7 a)
De. 1. 25. ἐλάβοσαν . . . ἀπὸ τοῦ κ. τῆς γῆς (7 a)
7. 13. εὐλογήσει . . . τὸν κ. τῆς γῆς σου (7 a)
11. 17. ἡ γῆ οὐ δώσει τὸν κ. αὐτῆς (4)
26. 2. ἀπὸ τῆς ἀπαρχῆς τῶν κ. τῆς γῆς σου (7 a)
Jd. 6. 4. B κατέφθειραν [A R διέφθ.] τοὺς κ. αὐτῶν (4)
IV Ki. 19. 29. φάγεσθε τὸν κ. αὐτῶν (7 a)
— 30. ποιήσει καρπὸν ἄνω (7 a)
Ne. 9. 36. φαγεῖν τὸν κ. αὐτῆς (7 a)
— 37. R καὶ οἱ κ. αὐτῆς πολλοί (9)
10. 35 (36). καὶ πρωτογενήματα καρποῦ [S² παντὸς κ.] (7 a)
— 37 (38). καὶ τὸν κ. παντὸς ξύλου (7 a)
Jb. 22. 21. ὁ κ. σου ἔσται ἐν ἀγαθοῖς †
Ps. 1. 3. ὃ τὸν κ. αὐτοῦ δώσει ἐν καιρῷ αὐτοῦ (7 a)
4. 7. ἀπὸ καρποῦ σίτου καὶ οἴνου †
20 (21). 10. τὸν κ. αὐτῶν ἀπὸ γῆς ἀπολεῖς (7 a)
57 (58). 11. εἰ ἄρα ἐστὶ καρπὸς τῷ δικαίῳ (7 a)
66 (67). 6. γῆ ἔδωκε τὸν κ. αὐτῆς (4)
71 (72). 16. ὑπεραρθήσεται ὑπὲρ τὸν Λίβανον ὁ κ. αὐτοῦ (7 a)
77 (78). 46. ἔδωκε τῇ ἐρυσίβῃ τὸν κ. αὐτῶν (4)
84 (85). 12. ἡ γῆ ἡμῶν δώσει τὸν κ. αὐτῆς (4)
103 (104). 13. ἀπὸ καρποῦ τῶν ἔργων σου χορτασθήσεται ἡ γῆ (7 a)
104 (105). 35. κατέφαγε [A S² *add.* πάντα] τὸν κ. [S¹ χόρτον] τῆς γῆς αὐτῶν (7 a)
106 (107). 37. ἐποίησαν καρπὸν γεννήματος (7 a)
126 (127). 3. ὁ μισθὸς τοῦ κ. τῆς γαστρός (7 a)
127 (128). 2. A S¹ τοὺς κ. τῶν πόνων [S² R τοὺς πόνους τῶν κ.] σου φάγεσαι (5)
131 (132). 11. A S¹ ἐκ καρποῦ τῆς κοιλίας σου θήσομαι (7 a)
Pr. 1. 31. ἔδονται τῆς ἑαυτῶν ὁδοῦ τοὺς κ. (7 a)
3. 9. ἀπάρχου αὐτῷ ἀπὸ σῶν κ. δικαιοσύνης (9)
10. 16. καρποὶ δὲ ἀσεβῶν ἁμαρτίας [S¹ -ίαι] (9)
11. 30. ἐκ καρποῦ δικαιοσύνης φύεται δένδρον ζωῆς (7 a)
12. 14. ἀπὸ καρπῶν στόματος ψυχὴ ἀνδρὸς πλησθήσεται ἀγαθῶν (7 a)
13. 2. ἀπὸ καρπῶν [A -οῦ] δικαιοσύνης φάγεται ἀγαθός (7 a)
15. 4. πλησθήσεται πνεύματος [S¹ πιότητος, S² τῶν κ. αὐ.] †
— 6. A B S² καρποὶ δὲ ἀσεβῶν ἀπολοῦνται (9)
18. 20. ἀπὸ καρπῶν [A -οῦ] στόματος ἀνὴρ πίμπλησι κοιλίαν αὐ. ἀπὸ δὲ καρπῶν χειλέων αὐ. ἐμπλησθήσεται (7 a, 9)
— 21. οἱ δὲ κρατοῦντες αὐτῆς ἔδονται τοὺς κ. αὐτῆς (7 a)
19. 22. καρπὸς ἀνδρὶ ἐλεημοσύνη (8?)
27. 18. φάγεται τοὺς κ. αὐτῆς (7 a)
31. 16. ἀπὸ δὲ καρπῶν χειρῶν αὐτῆς κατεφύτευσε κτῆμα (7 a)
— 31. δότε αὐτῇ ἀπὸ καρπῶν χειλέων αὐτῆς (7 a)
Ec. 2. 5. ἐφύτευσα ἐν αὐτοῖς ξύλον πᾶν καρποῦ (7 a)
Ca. 2. 3. καρπὸς αὐτοῦ γλυκὺς ἐν λάρυγγί μου (7 a)
4. 13. μετὰ καρποῦ ἀκροδρύων (7 a)
5. 1 (4. 16). φαγέτω καρπὸν ἀκροδρύων αὐτοῦ (7 a)
8. 11. B S ἀνὴρ οἴσει ἐν καρπῷ αὐτοῦ χιλίους ἀργυρίου (7 a)
— 12. τοῖς τηροῦσι τὸν κ. αὐτοῦ (7 a)
Wi. 3. 13. ἕξει καρπὸν ἐν ἐπισκοπῇ ψυχῶν
— 15. ἀγαθῶν γὰρ πόνων καρπὸς [B¹ ὁ κ.] εὐκλεής
4. 5. ὁ κ. αὐτῶν ἄχρηστος
16. 22. τοὺς τῶν ἐχθρῶν [A ἐθνῶν] κ. κατέφθειρε
— 26. οὐχ αἱ γενέσεις τῶν κ. [A ἀνθρώπων] τρέφουσιν ἄνθρωπον
Si. 1. 16. μεθύσκει αὐτοὺς ἀπὸ τῶν κ. αὐτῆς
6. 3. τοὺς κ. σου ἀπολέσεις
— 19. ἀνάμενε τοὺς ἀγαθοὺς κ. αὐτῆς
11. 3. ἀρχὴ γλυκασμάτων ὁ κ. αὐτῆς
23. 25. οἱ κλάδοι αὐτῆς οὐ δώσουσι [A S οὐκ οἴσουσιν] καρπόν
Si. 24. 17. τὰ ἄνθη μου καρπὸς δόξης καὶ πλούτου
27. 6. γεώργιον ξύλου ἐκφαίνει ὁ κ. αὐτοῦ
37. 22. οἱ κ. τῆς συνέσεως αὐτοῦ ἐπὶ στόματος [S -τι] πιστοί
— 23. οἱ κ. τῆς συνέσεως αὐτοῦ πιστοί
50. 10. ὡς ἐλαία ἀναθάλλουσα καρπούς
Ho. 9. 16. καρπὸν οὐκέτι μὴ ἐνέγκῃ (7 a)
10. 1. ὁ κ. εὐθηνῶν αὐτῆς (7 a)
— 1. κατὰ τὸ πλῆθος τῶν κ. αὐ. (7 a)
— 12. τρυγήσατε εἰς καρπὸν ζωῆς †
— 13. ἐφάγετε καρπὸν ψευδῆ (7 a)
14. 3. ἀνταποδώσομεν καρπὸν χειλέων ἡμῶν †
— 9. ἐξ ἐμοῦ ὁ κ. σου εὑρηται (7 a)
Am. 2. 9. καὶ ἐξήρανα τὸν κ. αὐτοῦ ἐπάνωθεν (7 a)
6. 13 (12). ἐξεστρέψατε . . . καρπὸν δικαιοσύνης εἰς πικρίαν (7 a)
9. 14. A R καὶ φάγονται τὸν κ. [B τοὺς κ.] αὐ. (7 a)
Mi. 6. 7. εἰ δῶ . . . καρπὸν κοιλίας μου (7 a)
7. 13. ἀπὸ [A ἐκ] καρπῶν ἐπιτηδευμάτων αὐ. (7 a)
Jl. 2. 22. ξύλον ἤνεγκε τὸν καρπὸν αὐτοῦ (7 a)
Na. 3. 12. συκαῖ σκοποὺς [B² καρποὺς] ἔχουσαι (2)
Hg. 2. 20 (19). τὰ ξύλα [S¹ φύλλα] . . . τὰ οὐ φέροντα καρπόν –
Za. 8. 12. ἡ [S¹ μὴ] ἄμπελος δώσει τὸν κ. αὐ. (7 a)
Ma. 3. 11. οὐ μὴ διαφθείρω ὑμῶν τὸν κ. τῆς γῆς (7 a)
Is. 27. 6. ἐμπλησθήσεται ἡ οἰκουμένη τοῦ κ. αὐτοῦ (10)
37. 30. φάγεσθε τὸν κ. αὐτῶν (7 a)
65. 21. φάγονται τὰ γεννήμ. [B¹ τὸν καρπὸν] αὐ. (7 a)
Je. 2. 7. τοῦ φαγεῖν ὑμᾶς τοὺς κ. αὐτοῦ (7 a)
6. 19. ἐπάγω . . . τὸν κ. ἀποστροφῆς αὐ. [S *al.*] (7 a)
12. 2. καὶ ἐποίησαν [S *om.* κ. ἐ.] καρπόν (7 a)
17. 8. οὐ διαλείψει ποιῶν καρπόν (7 a)
— 10. τοῦ δοῦναι ἑκάστῳ . . . κατὰ τοὺς κ. τῶν ἐπιτηδευμάτων αὐ. (7 a)
27 (50). 27. ἀναξηράνατε αὐτῆς πάντας τοὺς κ. †
36 (29). 5. φάγετε [A -εσθε] τοὺς κ. αὐ. (7 a)
— 28. φάγεσθε τὸν κ. αὐτῶν (7 a)
38 (31). 12. ἐπὶ γῆν σίτου καὶ οἴνου καὶ καρπῶν (6?)
La. 2. 20. εἰ φάγονται γυναῖκες καρπὸν κοιλίας αὐτῶν (7 a)
Ez. 17. 8. τοῦ ποιεῖν βλαστοὺς καὶ φέρειν καρπόν [A ποιῆσαι κ. καὶ ἐνέγκαι βλαστόν] (7 a)
— 9. ὁ κ. σαπήσεται (7 a)
— 23. ἐξοίσει βλαστὸν καὶ ποιήσει καρπόν (7 a)
19. 10. ὁ κ. αὐ. . . . ἐγένετο ἐξ ὕδατος πολλοῦ (7 b)
25. 4. φάγονται τοὺς κ. σου (7 a)
34. 27. τὰ ξύλα τὰ ἐν τῷ πεδίῳ δώσει [A ξ. τοῦ π. ἀποδ.] τὸν κ. αὐτῶν [A -οῖς] καὶ ἡ γῆ δώσει τὴν ἰσχὺν [A τὸν κ.] αὐτῆς (7 a, 4)
36. 8. τὸν κ. ὑμῶν καταφάγεται [A κ. φάγ.] ὁ λαός μου (7 a)
— 30. πληθυνῶ τὸν κ. τοῦ ξύλου (7 a)
47. 12. οὐδὲ μὴ ἐκλείπῃ ὁ κ. αὐτοῦ . . . ἔσται ὁ κ. αὐτῶν εἰς βρῶσιν (7 a, 7 a)
Da. LXX. 4. 9. ὁ κ. αὐτοῦ πολὺς καὶ ἀγαθός (1)
Da. TH. 4. 9. καὶ ὁ κ. αὐτοῦ πολύς (1)
— 11. A ἐκτίλατε τοὺς κ. [B κλάδους] αὐτοῦ †
— 11. διασκορπίσατε τὸν κ. [A τοὺς κ.] αὐτοῦ (1)
— 18. καὶ ὁ κ. αὐτοῦ πολύς (1)
I Ma. 10. 30. ἀντὶ τοῦ ἡμίσους τοῦ κ. τοῦ ξυλίνου
14. 8. A S² R καὶ τὰ ξύλα τῶν [S ἅμα τῶν] πεδίων τὸν [S¹ καὶ τὸν] κ. αὐτῶν

[Aq. Dt. 7. 13: 28. 4 *bis*, 33: Ps. 1. 3: 57 (58). 12: 104 (105). 35: Pr. 8. 19: 11. 30: Is. 27. 9: Je. 6. 19: Ez. 17. 6: 19. 12.]
[Sm. Ge. 1. 29: Jb. 37. 11: Ps. 1. 3: 71 (72). 16: Pr. 8. 19: 11. 30: Ca. 8. 11: Is. 27. 9: Ez. 19. 12.]
[Th. Ge. 1. 29: Jo. 5. 12: Ps. 57 (58). 12: 104 (105). 35: Pr. 11. 30: Is. 27. 9: 57. 19: Je. 32 (39). 19: Ez. 19. 12.]
[Al. Le. 23. 40: 25. 19: Ps. 126 (127). 3: Ca. 6. 10 (11): Hb. 3. 17.]
[Heb. Jb. 14. 9.]

καρπός (*manus*). (1) יָד (2) כַּף

I Ki. 5. 4. ἀμφότεροι οἱ κ. τῶν χειρῶν αὐτοῦ (2)
Ps. 127 (128). 2. S² R τοὺς πόνους τῶν κ. [A S¹ τοὺς κ. τῶν πόνων] (2)
Pr. 31. 20. καρπὸν δὲ ἐξέτεινε πτωχῷ (1)

καρποῦν. (1) אָשָׁה (2) בָּעַר pi.

Le. 2. 11. καρπῶσαι κυρίῳ (1)
De. 26. 14. A B² R οὐκ ἐκάρπωσα ἀπ' αὐτῶν (2?)
I Es. 4. 52. ὁλοκαυτώματα καρποῦσθαι καθ' ἡμέραν
Da. LXX., TH. 3. (38). οὐδὲ τόπος τοῦ καρπῶσαι

καρποφορεῖν. (1) פָּרָה

Wi. 10. 7. ἀτελέσιν ὥραις καρποφοροῦντα φυτά
Hb. 3. 17. διότι συκῆ οὐ καρποφορήσει (1)

[Sm. Ps. 61 (62). 11: 91 (92). 15.]
[Th. Ps. 91 (92). 15.]

καρποφόρος. (1) זֶרַע (2) פְּרִי

Ps. 106 (107). 34. γῆν καρποφόρον εἰς ἅλμην (2)
148. 9. ξύλα καρποφόρα καὶ πᾶσαι κέδροι (2)
Je. 2. 21. ἐφύτευσά σε ἄμπελον καρποφόρον (1)

κάρπωμα. (1) *a.* אֵשׁ *b.* אִשֶּׁה (2) עֹלָה, עוֹלָה

Ex. 29. 25. κάρπωμά ἐστι κυρίῳ (1 b)
— 38. κάρπωμα ἐνδελεχισμοῦ –
— 41. ὀσμὴν εὐωδίας κάρπωμα κυρίου (1 b)
30. 9. θυμίαμα ἕτερον κάρπωμα θυσίαν (2)
40. 6. τὸ θυσιαστήριον τῶν κ. (2)
— 10. χρίσεις τὸ θυσιαστήριον τῶν κ. (2)
— 29. τὸ θυσιαστήριον τῶν κ. ἔθηκε (2)
Le. 1. 4. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ κ. (2)
— 9. κάρπωμά ἐστι θυσία ὀσμὴ εὐωδίας (2)
— 13. A R κάρπωμά ἐστι θυσία [B -ας] (2)
— 14. ἐὰν δὲ ἀπὸ τῶν πετεινῶν κάρπωμα (2)
— 17. κάρπωμά ἐστι θυσία ὀσμὴ εὐωδίας (2)
2. 9. κάρπωμα ὀσμὴ εὐωδίας κυρίῳ (1 b)
— 10. ἅγια τῶν ἁγίων ἀπὸ τῶν κ. κυρίου (1 b)
— 16. κάρπωμά ἐστι κυρίῳ (1 b)
3. 3. προσάξουσιν . . . κάρπωμα κυρίῳ (1 b)
— 5. κάρπωμα ὀσμὴ εὐωδίας κυρίῳ (1 b)
— 9. προσοίσει . . . κάρπωμα τῷ θ. τὸ στέαρ (1 b)
— 11. ὀσμὴ εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ (1 b)
— 14. ἀνοίσει ἐπ' αὐτοῦ κάρπωμα κυρίῳ (1 b)
— 16. κάρπωμα ὀσμὴ εὐωδίας τῷ κυρίῳ (1 b)
6. 15 (8). ἀνοίσει ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κάρπωμα –
— 17 (10), 18 (11). ἀπὸ τῶν κ. κυρίου (1 b)
— 35 (7. 5). κάρπωμα τῷ κυρίῳ (1 b)
7. 15 (25). A R κάρπωμα κυρίῳ [B -ίου] (1 b)
— 20 (30). προσοίσουσι τὰ καρπώματα κυρίῳ (1 b)
— 25 (35). ἀπὸ τῶν κ. κυρίου (1 b)
8. 20 (21), 27 (28). κάρπωμά ἐστι τῷ κυρίῳ (1 b)
10. 12, 13. ἀπὸ τῶν κ. κυρίου (1 b)
— 15. ἐπὶ τῶν κ. τῶν στεάτων (1 b)
22. 27. δεχθήσεται . . . κάρπωμα κυρίῳ (1 b)
23. 37. ὥστε προσενέγκαι καρπώματα τῷ κυρίῳ (1 b)
Nu. 15. 3. A καὶ ποιήσητε κάρπωμα [B *al.*] (1 b)
— 5. κάρπωμα ὀσμὴν εὐωδίας τῷ κυρίῳ –
— 10. κάρπωμα ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (1 b)
— 13. προσενέγκαι καρπώματα εἰς ὀσμήν (1 b)
— 14. ποιήσει κάρπωμα ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (1 b)
— 25. ἤνεγκαν τὰ δῶρα αὐ. κάρπωμα κυρίῳ (1 b)
18. 9. ἀπὸ τῶν ἡγιασμένων ἁγίων τῶν κ. (1 a?)
— 17. κάρπωμα εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (1 b)
28. 2. καρπώματά μου εἰς ὀσμὴν εὐωδίας (1 b)
— 3. ταῦτα τὰ κ. ὅσα προσάξετε κυρίῳ (1 b)
— 13. θυσίαν ὀσμὴν εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ (1 b)
— 19. ὁλοκαυτώματα [A -μα] κάρπωμα [B¹ -ματα] κυρίῳ (2)
— 24. δῶρον κάρπωμα εἰς ὀσμὴν εὐωδίας (1 b)
29. 8. προσοίσετε . . . καρπώματα [A -μα] κυρίῳ [A *om.*] (2)
— 11. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ –
— 13. κάρπωμα [B¹ -ματα, B² *om.*] εἰς ὀσμὴν εὐωδίας (1 b)
— 36. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας καρπώματα κυρίῳ (1
De. 18. 1. καρπώματα κυρίου [A -μα κυρίῳ] ὁ κλῆρος αὐτῶν (1 b)
Jo. 22. 26. οὐχ ἕνεκεν καοπωμάτων (2)
— 27. ἐν τοῖς κ. ἡμῶν καὶ ἐν αἷς θυσίαις ἡμῶν [A *om.*] (2)
— 28. οὐχ ἕνεκεν καρπωμάτων (2)
— 29. θυσιαστήριον τοῖς κ. (2)
Jb. 42. 8. B S ποιήσει καρπώσεις [R -σιν, A -ωμα] περὶ ὑμῶν (2)
Si. 45. 16. S προσαγαγεῖν κάρπωμα [A B -ωσιν] κυρίῳ

[Sm. Le. 2. 3: 24. 9.]
[Al. Le. 5. 13: 6. 20 (13).]

κάρπωσις. (1) אִשֶּׁה (2) עֹלָה

Le. 4. 10. *ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τῆς κ.* (2)
— 18. *πρὸς τὴν βάσιν τοῦ θυσιαστηρίου τῶν κ.* (2)
22. 22. **A**^{2}**B** *εἰς κάρπωσιν οὐ δώσετε ἀπ' αὐτῶν* (1)
Jb. 42. 8. **BS** *ποιήσει καρπώσεις* [**B** -σιν, **A** -ωμα] *περὶ ὑμῶν* (2)
Si. 30. 19. *τί συμφέρει κάρπωσις εἰδώλῳ*
45. 16. *προσαγαγεῖν κάρπωσιν* [**S** -ωμα] *κυρίῳ*
[**Al.** Le. 6. 15 (8) : 7. 9, 10, 37 : 9. 4 : 23. 18.]

καρπωτός. (1) פֶּסַח

II Ki. 13. 18. *ἐπ' αὐτῆς ἦν χιτὼν κ.* (1)
— 19. *τὸν χιτῶνα τὸν κ. τὸν ἐπ' αὐτῆς διέρρηξε* (1)
[**Aq.** II Ki. 13. 18.]
[**Sm.** Ge. 37. 3.]

κάρρον.

I Es. 5. 55. **A** *καὶ κάρρα* [**B** *χάρα*, **R** *χάρρα*] *τοῖς* **Σιδ.**

κάρταλλος. (1) דּוּד (2) טֶנֶא (3) סַלְסִלּוֹת

De. 26. 2. *καὶ ἐμβαλεῖς εἰς κάρταλλον* (2)
— 4. *λήψεται ὁ ἱερεὺς τὸν κ.* (2)
IV Ki. 10. 7. *ἔθηκαν τὰς κεφαλὰς αὐτῶν ἐν καρτάλλοις* (1)
Si. 11. 30. *πέρδιξ θηρευτὴς ἐν καρτάλλῳ*
Je. 6. 9. *ἐπιστρέψατε ὡς ὁ τρυγῶν ἐπὶ τὸν κ. αὐτοῦ* (3)

καρτερεῖν. (1) חָזַק hi. (2) פָּעָה

Jb. 2. 9. *μέχρι τίνος καρτερήσεις* (1)
Si. 2. 2. *εὔθυνον τὴν καρδίαν σου καὶ καρτέρησον*
12. 15. *ἐὰν ἐκκλίνῃς οὐ μὴ καρτερήσῃ*
Is. 42. 14. *ὡς ἡ τίκτουσα ἐκαρτέρησα* (2)
II Ma. 7. 17. *σὺ δὲ καρτέρει*
IV Ma. 9. 9. **SR** *διὰ τὴν ἡμῶν μιαιφονίαν αὐτάρκη καρτερήσεις* [**A** *al.*]
— 28. *ὁ δὲ ταύτην βαρέως τὴν ἀλγηδόνα καρτερῶν*
10. 1. *τούτου τὸν ἀοίδιμον θάνατον καρτερήσαντος*
— 11. *ἀκαταλύτους καρτερήσεις βασάνους*
13. 11. *εὐγενῶς καρτέρησον*
14. 9. **AR** *πάσχοντες ἐκαρτέρουν* [**S** *ἐνεκ.*]
[**Aq.** Za. 12. 5.]
[**Sm.** Mi. 7. 18.]

καρτερία.

IV Ma. 6. 13. **SR** *τὰ δὲ ἐν θαυμασμῷ* [**A** -αστῷ] *τῆς κ.*
8. 26. *ἡ θανατηφόρος ἀρέσκει κ.*
11. 12. **AR** *παρέχων τὴν εἰς τὸν νόμον ἡμῶν κ.* [**S** *τῆς . . . κ.*]
15. 28. **AR** *τῆς θεοσεβοῦς* [**S** -*βίας*] *Ἀβραὰμ κ.*
— 30. *ὦ ἀρρένων πρὸς καρτερίαν γενναιοτέρα*
16. 14. *διὰ καρτερίαν καὶ τύραννον ἐνίκησας*

καρτερός.

II Ma. 10. 29. **R** *γενομένης* [**A** *γιν.*] *δὲ κ. μάχης*
12. 11. *γενομένης δὲ κ. μάχης*
— 35. *Δωσίθεος δέ τις . . . ἔφιππος ἀνὴρ καὶ κ.*
III Ma. 1. 4. *γενομένης δὲ κ. μάχης*
IV Ma. 3. 12. *δύο νεανίσκοι στρατιῶται κ.*
15. 31. **A** *κοσμοφοροῦσα καρτερούς* [**SR** -ῶς] *ὑπήνεγκε* [**S** -*έμεινε*] *τοὺς κλύδωνας*
— 32. *καὶ κ. ἀνέμοις . . . συνεχομένη*
[**Aq.** Am. 2. 16 : Za. 6. 3.]

καρτεροῦν.

[**Aq.** Ps. 30 (31). 25 : Pr. 31. 17 : Is. 35. 3 : 44. 14.]
[**Th.** Pr. 31. 17 : Is. 44. 14.]

καρτεροψυχία.

IV Ma. 9. 26. *θαυμασάντων δὲ πάντων τὴν κ. αὐτοῦ*

καρτερῶς.

IV Ma. 15. 31. **SR** *κοσμοφοροῦσα κ.* [**A** -ρουν] *ὑπήνεγκε* [**S** -*έμεινε*] *τοὺς κλύδωνας*

καρύα. (1) אֱגוֹז

Ca. 6. 10 (11). *εἰς κῆπον καρύας* [**S** -οιας] *κατέβην* (1)

καρύϊνος. (1) לוּז (2) שָׁקֵד

Ge. 30. 37. *ῥάβδον . . . χλωρὰν καὶ καρυΐνην* (1)
Je. 1. 11. *εἶπα, Βακτηρίαν καρυΐνην* (2)

καρυΐσκος. (1) *ἐκτυποῦσθαι καρυΐσκους* שָׁקֵד pu.

Ex. 25. 32 (33). *τρεῖς κρατῆρες ἐκτετυπωμένοι καρυΐσκους* (1)
— 33 (34). *τέσσαρες κρατῆρες ἐκτετυπωμένοι καρυΐσκους* (1)
— 34 (35). *τέσσαρες κρατῆρες ἐκτετυπωμένοι καρυΐσκους* –

κάρυον. (1) שָׁקֵד

Ge. 43. 11. *καταγάγετε . . . τερέβινθον καὶ κάρυα* (1)
Nu. 17. 8 (23). **AR** *καὶ ἐβλάστησε κάρυα* [**B** -*οια*] (1)

καρυωτός. (1) שָׁקֵד pu.

Ex. 38. 16 (37. 19). *τὰ λαμπάδια αὐτῶν . . . καρυωτὰ ἐξ αὐτῶν* (1?)

κάρφος. (1) טָרָף

Ge. 8. 11. *εἶχε φύλλον ἐλαίας κάρφος* (1)

καρχαροῦσθαι.

[**Aq.** II Ki. 6. 16.]

καρχηδόνιον.

[**Sm.** Is. 54. 12.]

κάρωσις.

[**Aq.** Ps. 59 (60). 5 : Is. 51. 17.]
[**Sm.** Is. 29. 10.]

κασία, κασσία. (1) פֶּגֶג (2) קְצִיעָה

Jb. 42. 14. *τὴν δὲ δευτέραν Κασίαν* [**A** Κασσ.] (2)
Ps. 44 (45). 8. *καὶ κασία* [**S**^{2} -*αν*] *ἀπὸ τῶν ἱματίων σου* (2)
Ez. 27. 17. **AR** *οὗτοι ἔμποροί σου ἐν σίτου πράσει . . . καὶ κασίας* [**B** -*ᾳ*] (1?)
[**Al.** Ex. 30. 24.]

κασσιτέρινος. (1) בְּדִיל

Za. 4. 10. *ὄψονται τὸν λίθον τὸν κ.* (1)

κασσίτερος. (1) בְּדִיל

Nu. 31. 22. *πλὴν τοῦ χρυσίου . . . καὶ κασσιτέρου* (1)
Si. 47. 18. *συνήγαγες ὡς κασσίτερον τὸ χρυσίον*
Ez. 22. 18. *ἀναμεμιγμένοι πάντες . . . κασσιτέρῳ* (1)
— 20. *εἰσδέχεται . . . σίδηρος καὶ κ.* (1)
27. 12. *κασσίτερον καὶ μόλιβον ἔδωκαν* (1)
[**Aq.**, **Sm.**, **Th.** Is. 1. 25.]

κάστυ.

[**Aq.**, **Th.** Ez. 9. 2.]

κατά.

I. *c. gen.*

* *in iurisiurandi formulis* ** ὁ κατά

Ge. 22. 16* : 31. 53* : 50. 20.
Ex. 15. 24†: 16. 7, 8 *ter* : 20. 16 : 32. 13* : 37. 12 (38. 14) (*τὸ κ. νότου*).
Le. 5. 5.
Nu. 5. 13†: 12. 1, 8 : 14. 36, 37 : 16. 11 : 21. 5, 7 *bis* : 30. 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12 *bis*, 13.
De. 5. 20 (17) : 9. 27* : 15. 9 : 19. 15, 16, 18, 19†: 24. 15†.
Jo. 9. 20 : 15. 11 (*κ. νότου*) : 18. 12 (*κ. νότου*), 18 (*κ. νότου*) : 24. 22.
Jd. 3. 22, 23†: 4. 14†: 11. 35†.
I Ki. 12. 3 *bis* : 13. 5 (*κ. νότου*)†: 14. 39 : 22. 13, 15 : 27. 11 : 29. 6†: 30. 15*.
II Ki. 1. 16.
III Ki. 2. 23*, 23 : 3. 1 (2. 9)*, 1 (2. 42)*, 1 (2. 43) : 22. 13†.
IV Ki. 4. 4 *bis*, 5 *bis*, 21, 33 : 17. 9 : 22. 13.
II Ch. 36. 13*.
I Es. 2. 16.
II Es. 4. 8.
Ne. 6. 12.
Ju. 1. 12*, 12*†: 9. 13 : 13. 11.
Es. 3. 10 *bis* : 4. 8 : 6. 12†: 9. 31 *bis*.
Jb. 1. 8 : 3. 23 : 4. 18 *bis* : 7. 12†: 9. 7, 7†: 12. 14 : 13. 26 : 15. 15 : 16. 5 : 19. 18 : 22. 13 : 24. 22†: 31. 35 : 32. 3 : 33. 10 : 34. 29 *bis* : 39. 18†: 40. 4 (9)† *bis* : 42. 8.
Ps. 2. 2 *bis* : 30 (31). 18 : 31 (32). 5 : 34 (35). 15 : 40 (41). 7, 7†, 8 : 49 (50). 20 *bis* : 55 (56). 5 : 68 (69). 12 : 74 (75). 5 : 82 (83). 3, 5 : 101 (102). 8 : 108 (109). 2, 5, 20 : 118 (119). 23 : 139 (140). 8.
Pr. 25. 18†.
Wi. 3. 14 : 4. 6 : 5. 22 : 12. 12 *bis* : 16. 24.
Si. 4. 22 : 6. 12 : 8. 15 : 31 (34). 3†.
Ho. 7. 13 : 8. 1.
Am. 3. 1 : 4. 2* : 6. 8* : 7. 10 : 8. 7*, 14*.
Mi. 3. 7 : 6. 5.
Na. 1. 11.
Hb. 2. 6.
Ze. 1. 5*†, 5*.
Ma. 3. 13.
Is. 1. 1 *bis* : 3. 9 : 13. 1 : 15. 1** : 17. 1** : 27. 2†: 45. 23*†: 62. 8* *bis*.
Je. 9. 5 (4)†: 11. 19†: 18. 20 : 22. 5*, 6 : 25. 13 : 28 (51). 14* : 29 (49). 13* : 33 (26). 11 : 47 (40). 16†.
La. 3. 5, 7, 61, 62.
Ez. 16. 44 : 19. 4 : 22. 3 : 40. 18 (*κ. νότου*), 40 (*κ. νότου*) *bis*, 41 (*κ. νότου*), 44 (*κ. νότου*) *bis* : 42. 16 (*κ. νότου*) : 46. 19 (*κ. νότου*).
Da. LXX. Su. 61 : 6. 5 (6) *bis*, 10 (11), 14 (15), 16 (17)†.
Da. TH. Su. 28, 43 : 3. 29 (96) : 6. 4 (5) *bis*, 5 (6) : Bel 12.
I Ma. 8. 32 : 10. 4, 61, 63 : 11. 25, 39†: 16. 13, 13†.
II Ma. 6. 8, 10 : 10. 21.
III Ma. 2. 22, 27 : 3. 2, 11, 24 (*κ. νότου*) : 5. 7**, 27†, 46 : 6. 7 : 7. 9.
IV Ma. 1. 11** : 2. 17 *bis*, 18 : 5. 6**, 28 : 8. 5 : 9. 10 *bis* : 10. 8, 14 : 12. 20 : 17. 1.
[**Aq.** I Ki. 28. 16 : Jb. 15. 27 : Ps. 30 (31). 19 : 82 (83). 4 : Ca. 3. 5 *bis* : Is. 3. 8 : Ho. 7. 12 (?).]
[**Sm.** Ge. 9. 2 : 37. 2 : I Ki. 5. 6 : 25. 17 : II Ki. 1. 16 : 3. 27 : 14. 13 : III Ki. 20. 38 : Jb. 3. 23 : 12. 18 : 15. 27 : 21. 27** : 31. 21 : Ps. 7. 10 : 20 (21). 12 : 31 (32). 4 : 34 (35). 12, 15, 16 : 36 (37). 12 : 40 (41). 8 : 41 (42). 6 : 54 (55). 4 : 55 (56). 6 : 63 (64). 9 : 82 (83). 4 *bis* : 93 (94). 20 : 137 (138). 7 : Pr. 19. 3 : Ec. 7. 15 (14) : 8. 6 : Ca. 2. 8 *bis* : 3. 5 *bis* : Is. 3. 8 : 25. 7 : 26. 21 : 27. 1 *bis* : 29. 3 *ter* : 32. 12 (?), 14 : 59. 13 : 62. 8* : Je. 9. 26 (25) : 13. 21 : 18. 8 : 44 (51). 20 *bis* : 46 (26). 25 : 48 (31). 37 : 50 (27). 45 : 51 (28). 35 : La. 5. 5 : Ez. 33. 4, 5, 10 : Da. 9. 24 : Am. 4. 2*.]
[**Th.** I Ki. 28. 16 : Jb. 34. 29 : Ca. 3. 5 *bis* : Is. 62. 8* : Je. 29 (36). 32 : Da. 6. 4.]
[**Al.** Ge. 27. 42 : 42. 36 : Nu. 14. 9, 36 : 16. 13 : I Ki. 1. 6 : 5. 12 : 28. 16 : Ps. 128 (124). 4.]
[**Heb.** Ge. 38. 29.]
[**Sam.** Nu. 13. 33 (32).]
[**Quint.** Ps. 88 (89). 36* : Ho. 5. 8 (*κ. νότου*).]

II. *c. acc.*

* **κατὰ πρόσωπον, κατὰ τὸ πρόσωπον** †† **ὁ κατά. καθ' ἡμέραν, κατ' ἀνατολάς, κατ' ἐνιαυτόν, κατ' ὀφθαλμούς, κατὰ βορρᾶν, κατὰ δυσμάς, κατὰ θάλασσαν, κατὰ κεφαλήν, κατὰ λίβα, κατὰ νότον, κατὰ σῶμα,** *vid. sub* **ἡμέρα, ἀνατολή, ἐνιαυτός, κ.τ.λ.**

Ge. 1. 11 *ter*, 12 *ter*, 20, 21, 21†, 24 *bis*, 25 *ter*, 26 *bis*, 27 : 2. 8, 18 : 5. 1, 3 *bis* : 6. 20 *ter* : 7. 14 *quater* : 8. 19 : 10. 5, 20, 31, 32 *bis* : 12. 8 *ter* : 15. 8 : 16. 12* : 18. 10, 21 : 20. 6 : 21. 14†, 14, 23 : 23. 17* : 24. 1, 28, 62 : 25. 13, 16, 18* *bis* : 26. 18 : 29. 12 : 30. 34, 40, 41 : 31. 11, 24, 35††: 32. 16 (17) (*κ. μόνας*), 19 (20), 21 (22)* : 33. 14 *bis*, 18* : 34. 3 : 36. 40 : 39. 6††, 17 : 40. 13 : 41. 11 : 43. 7, 32 *bis*, 33 *bis* : 44. 2, 6, 7, 7† : 45. 21, 23 (*κ. τὰ αὐτά*) : 46. 28, 29 : 47. 12, 30 : 48. 7 : 49. 19 (*κ. πόδας*), 28 : 50. *subscr.*†
Ex. 1. 14 : 5. 8, 13 : 6. 16, 19, 25 : 11. 6 : 12. 3 *bis*, 4, 21 : 13. 10†: 14. 16, 22 : 16. 5††, 16 *bis* : 17. 1 : 21. 9, 31 : 22. 5 (4), 9 (8), 17 (16) (*καθ' ὅσον*) : 23. 15, 24, 30 (*κ. μικρόν* †, *κ. μικρὸν μικρόν*†) : 25. 8 (9), 21 (22), 39 (40) : 26. 5, 9*, 10, 22, 24 (*κ. τὸ αὐτό*), 30 : 27. 7, 8, 12†††: 28. 8, 10, 14, 15, 20, 21†, 21 *bis*, 25 (29)*, 33 (37)* : 29. 17, 35, 41 *bis* : 30. 13, 32, 37 : 31. 5, 11 : 32. 18 : 35. 32 : 36. 1 *bis*, 4, 5†, 11 (39. 4), 12 (39. 5)†, 15

(39. 8), 21 (39. 14)†, 26 (39. 18)*, 28 (39. 20)*†, 28 (39. 20)†: 37. 10 (38. 12)††† †, 13 (38. 15): 38. 8 (37. 9)*†: 39. 1 (38. 24) *bis*, 2 (38. 25).

Le. 1. 6, 12, 16: 4. 6: 5. 4: 8. 8, 9*, 19 (20): 9. 13: 10. 7, 18*: 12. 2, 5: 13. 12, 23, 28, 41*, 51: 14. 54: 15. 26 *bis*: 16. 14, 14*, 15*: 18. 3 *bis*: 22. 5, 13, 14, 18 *bis*, 21: 23. 37††: 25. 15†, 15, 24, 52, 54†: 26. 21, 28: 27. 16, 17, 27 *bis*.

Nu. 1. 2 *quater*, 4 *bis*, 16, 18 *quater*, 20 *quinquiens*, 22 *quinquiens*, 26 *quinquiens*, 28 *quinquiens*, 30 *quinquiens*, 32 *quinquiens*, 34 *ter*, 34†, 34, 36 *quinquiens*, 24 *quinquiens*, 38 *quinquiens*, 40 *quinquiens*, 42 *quinquiens*, 44 *bis*, 52, 54: 2. 2 *ter*, 3†, 3, 17, 18†, 31, 32, 34 *ter*: 3. 8, 10††, 15 *bis*, 15†, 18, 19, 20 *bis*, 22, 23†, 27, 29, 34, 38*, 39, 43, 47 *bis*, 50: 4. 2 *bis*, 4† *bis*, 16††, 19, 22, 22†, 27 *ter*, 29 *bis*, 31, 34 *bis*, 36, 38 *bis*, 40 *bis*, 42 *bis*, 44†, 44, 46 *bis*, 49 (*ἄνδρα κατ' ἄνδρα*): 5. 9†: 6. 21 *bis*: 7. 5, 7, 8, 11 *bis*, 13, 19, 25, 31, 37, 43, 49, 55, 61, 67, 73, 79: 8. 2*, 3*, 4: 9. 2, 3 *ter*, 7, 12, 13, 14 *bis*: 11. 10, 10†: 12. 8 (*στόμα κ. στόμα*): 13. 3 (2) *bis*, 23 (22): 14. 14 (*ὀφθαλμοῖς κατ' ὀφθαλμούς*†, *ὀφθαλμοὺς κατ' ὀφθαλμούς*†), 19, 20, 34: 15. 3 (*καθ' ἑκούσιον*), 12 *bis*, 24, 26†: 16. 29 *bis*, 43 (17. 8)*: 17. 2 (17) *bis*, 3 (18), 6 (21) *bis*: 18. 4, 7, 16, 18†: 21. 1, 11*, 11, 19*: 22. 1, 4: 23. 23: 24. 1, 2: 26. 2, 3, 20, 22, 23, 26, 15, 44, 28, 37, 38, 41, 42 *bis*, 43, 48, 55, 57, 63: 28. 8 *bis*, 24: 29. 6, 11, 18 *bis*, 21 *bis*, 24 *bis*, 27 *bis*, 30 *bis*, 33 *bis*, 37 *bis*: 30. 1, 7, 13 *bis*: 31. 12, 16: 32. 20, 38: 33. 48, 49†††, 50, 54 *bis*: 34. 14, 15, 15†: 35. 1, 8, 24: 36. 13.

De. 1. 3, 17 *bis*, 23, 30, 30†, 31, 33, 41: 3. 24, 27: 4. 8, 32, 34, 47, 49: 5. 4*, 33 (30): 7. 10* *bis*, 22 (*κ. μικρὸν μικρόν*), 24*: 9. 2*: 10. 4, 15: 11. 14, 25*: 12. 15, 21: 13. 11 (12): 14. 22 (*ἐνιαυτὸν κατ' ἐνιαυτόν*): 15. 8 (*καθ' ὅσον*)†: 16. 17 *bis*, 18: 17. 10, 10†, 11 *bis*: 18. 8, 9, 16: 19. 15 *ter*, 20: 22. 3: 24. 8, 15†: 25. 2†, 9*†: 26. 13, 16†: 29. 17 (16)†, 21 (20), 27 (26): 30. 2: 31. 19*†, 21*: 32. 8†, 49*: 33. 14, 16: 34. 8, 10 (*πρόσωπον κ. πρόσωπον*).

Jo. 1. 11 (*κ. μέσον*), 17: 2. 21: 3. 15: 4. 5, 18, 19: 5. 7: 6. 5*, 26 (27): 7. 2††, 12*, 12*†, 14 *quater*, 16, 17, 18: 8. 8, 10*, 27: 9. 2 (8. 34): 10. 12 *bis*, 13 (*κ. μέσον*), 42†††: 11. 2††, 8, 23: 12. 2, 3, 3††, 7: 13. 3††*, 8 *bis*, 14, 15, 16*, 23, 24, 25*, 26, 28, 28† *ter*, 29, 31†, 31, 32†† †: 14. 2, 7: 15. 1, 3††, 7, 8*, 12: 16. 1††, 5, 8: 17. 2 *bis*, 7*, 9: 18. 9, 11, 12†, 16*, 20, 21, 28: 19. 8 *bis*, 10, 11*, 16, 22, 23, 24†, 26, 27, 31, 34, 48, 49, 51: 20. 6*††: 21. 7, 33, 36††† †, 38, 40†: 22. 2: 23. 2†.

Jd. 1. 15, 23†: 2. 14*: 4. 3, 10: 7. 5 (*κ. μόνας*), 5†, 21†: 8. 8†, 35: 9. 16†, 37: 10. 15: 11. 10, 18†: 16. 17†: 17. 3 (*κ. μόνας*)†: 18. 6†, 7†, 9†, 23*†, 29†: 19. 11†, 29†, 30†: 20. 2*†, 10, 35*†, 43†: 21. 19, 22†, 23†.

Ru. 3. 6.

I Ki. 1. 6 *bis*, 7 (*ἐνιαυτὸν κατ' ἐνιαυτόν*): 2. 14, 23: 4. 3: 6. 5, 9†, 18†††: 7. 16 (*κατ' ἐνιαυτὸν ἐνιαυτόν*): 8. 8, 20†: 9. 12*, 21: 10. 19 *bis*: 11. 7, 11 (*κ. τὸ αὐτό*): 13. 14†: 14. 13*, 25*: 16. 8*: 17. 23†, 27†, 30† *bis*: 18. 1†, 3†, 10†, 23†, 24: 21. 8 (9)†: 23. 24 (*καθ' ἑσπέραν*): 25. 9†, 12, 25: 26. 1†††*, 11, 12, 23†: 27. 5††, 10 *ter*: 30. 24, 24 (*κ. τὸ αὐτό*): 31. 6 (*κ. τὸ αὐτό*).

II Ki. 2. 16 (*κ. τὸ αὐτό*): 3. 33, 39: 4. 7††: 7. 9, 10, 17 *bis*, 21: 8. 6††: 9. 11: 10. 9††*: 12. 8†, 11: 13. 5, 8, 27, 35: 14. 3, 16 (*κ. τὸ αὐτό*)†, 21, 33*: 15. 6, 15, 26: 16. 22: 17. 6 *bis*: 19. 8 (9)*: 22. 21 *bis*, 25 *bis*: 24. 7, 19 *bis*.

III Ki. 1. 23* *bis*: 2. 3, 6: 3. 12†, 15*, 15†††*, 18 (*κ. τὸ αὐτό*): 4. 28 (5. 8): 5. 6 (20), 11 (25) *bis*: 6. 3*, 3*†, 3*, 18*, 20*† *bis*, 36*†: 7. 19, 36*, 37, 39, 49*, 8 *bis*, 11, 12††*†: 8. 22*, 31*, 32, 39, 43, 50, 56, 64*††: 9. 3, 4: 10. 10, 25 (*τὸ κατ' ἐνιαυτὸν ἐνιαυτῳ* [**A** *-ου*]), 29: 11. 10†: 12. 14, 24, 24†, 32: 13. 5, 26†: 14. 5† *bis*, 18†: 15. 29†: 16. 7†, 12, 34: 17. 3, 5†, 13, 15†, 16: 18. 4 (*κ. πεντήκοντα*), 28†, 31†, 36†: 19. 3: 20 (21). 26: 21 (20). 23 (*κατ' εὐθύ*), 25 *ter*, 25 (*κατ' εὐθύ*): 22. 13, 38, 54.

IV Ki. 1. 17: 2. 22: 4. 44: 5. 14: 6. 18: 7. 16: 8. 2: 9. 26: 10. 4*, 17, 30, 33: 11. 14, 18*: 13. 17: 14. 3, 25: 15. 3, 34: 16. 3†, 11, 14, 16: 17. 15, 33, 34 *quinquiens*: 18. 3: 21. 2, 8: 22. 13: 23. 16, 25, 32, 35, 37: 24. 2, 3, 9, 13, 19: 25. 7, 17.

I Ch. 5. 7, 10, 13: 6. 19 (4), 32 (17), 48 (33), 49 (34), 60 (45), 62 (47), 63 (48), 70 (55), 78 (63): 7. 2†, 2, 4 *bis*, 9, 28: 8. 28: 9. 9 *bis*, 18, 24 *bis*, 25, 32 (*σάββατον κ. σάββατον*)†, 34: 10. 13: 11. 3, 10: 12. 17, 23, 30†: 15. 15: 16. 4*, 27*, 29*, 40: 17. 8, 9, 15 *bis*, 19, 20, 25*: 18. 6††: 19. 9, 10*: 21. 19: 22. 14: 23. 3, 24 *quater*, 31 *bis*: 24. 3 *ter*, 4, 5, 19 *bis*, 30: 25. 1, 8 *bis*: 26. 13 *ter*, 14†, 17†, 31 *bis*: 27. 1 *bis*: 28. 8*, 19, 21: 29. 2, 14.

II Ch. 2. 16 (15): 3. 4*, 17*: 4. 4, 7, 20, 20*: 5. 11, 12†: 6. 23, 28, 30, 33, 34, 36*: 7. 17: 8. 6, 13 *bis*, 14 *bis*, 14†, 14 *bis*: 9. 9, 24 (*τὸ κατ' ἐνιαυτὸν ἐνιαυτόν*†, *τὸ κατ' ἐνιαυτόν*†): 10. 14: 11. 12†, 12: 13. 7*, 8*: 14. 10 (9): 17. 14: 20. 5*, 16: 23. 8: 24. 5 (*ἐνιαυτὸν κατ' ἐνιαυτόν*): 25. 4, 5, 22*: 26. 4: 27. 2, 5 *bis*: 28. 2, 3†: 29. 2, 15, 25: 30. 5, 6, 12, 16 *bis*, 19, 21: 31. 2, 14, 15 *bis*, 15†, 17: 32. 2*†, 15, 23: 33. 8, 14, 14†: 34. 4*††, 21, 22: 35. 4 *ter*, 5, 6, 10, 12 *bis*, 13, 15, 16, 19: 36. 2, 4, 5 *bis*.

I Es. 1. 2, 4, 5 *ter*, 6, 7, 10, 11 *bis*, 15, 18, 24 (*τὰ κατ' αὐτόν*), 33 (*τὸ καθ' ἓν πραχθέν*): 2. 6, 7††, 20††, 30: 4. 51, 52 *bis*: 5. 1, 44 *bis*, 50, 51, 55†, 60, 63: 6. 30 *bis*, 34: 7. 9: 8. 6, 12††, 12†, 16, 17†, 21, 23, 27, 28, 47†, 53†, 61, 74*, 78 (*κ. πόσον τι*), 96: 9. 4, 14, 15, 16, 17††.

II Es. 3. 2, 4, 7: 6. 9, 11 (*τὸ κατ' ἐμέ*), 18: 10. 3†, 5.

Ne. 4. 13: 6. 4, 5†: 8. 15, 18†: 10. 32 (33), 34 (35) (*ἐνιαυτὸν κατ' ἐνιαυτόν*), 35 (36) (*ἐνιαυτὸν κατ' ἐνιαυτόν*): 12. 37†: 13. 22, 24*.

To. 1. 7, 8† *bis*: 3. 6: 4. 8† *bis*: 5. 11††† †: 6. 12: 7. 12†, 13, 13†, 14†: 8. 16: 10. 7, 9 (*τὰ κατὰ σέ*)†: 12. 18†: 14. 10*†.

Ju. 1. 7*: 2. 23*†† †, 25*: 3. 3, 5, 9*: 4. 6*, 11* *bis*, 13*: 5. 1†: 6. 4*: 7. 6*, 28 *ter*, 31: 10. 13, 16, 23*: 11. 5*, 17†, 19†: 12. 7†, 13*†: 13. 3† *bis*, 10: 14. 11: 15. 2*, 5†: 16. 20*, 21.

Es. 1. 8, 12†, 13, 15, 19, 22 *bis*: 2. 11 *bis*: 3. 4, 12 *bis*, 13††, 14: 4. 5*†, 17†: 8. 9 *bis*, 13†, 13, 16: 9. 2*, 27: 10. 3.

Jb. 1. 4, 5, 8†: 2. 3: 4. 8: 5. 26 *bis*: 8. 8: 9. 32: 11. 6 (*τὸ κατὰ σέ*): 12. 3: 16. 4, 9*: 21. 8: 29. 2 (*μῆνα κ. μῆνα*†): 33. 5 *bis*: 36. 22: 39. 18†: 40. 4 (9)† *bis*: 42. 15.

Ps. 4. 8 (*κ. μόνας*): 5. 10: 6. 6: 7. 8 *bis*, 11, 17: 9. 25 (10. 4): 11 (12). 8: 17 (18). 20 *bis*, 24 *bis*, 42*: 19 (20). 4: 24 (25). 7: 27 (28). 4 *ter*: 32 (33). 15 (*κ. μόνας*): 34 (35). 5*, 24: 41 (42). 3, 10: 47 (48). 10: 49 (50). 21*: 50 (51). 1 *bis*: 57 (58). 4: 61 (62). 12: 67 (68). 19 (*ἡμέραν καθ' ἡμέραν*), 33: 68 (69). 16: 78 (79). 11†: 80 (81). 12: 82 (83). 13*: 85 (86). 8: 91 (92). 2: 93 (94). 19, 23† *bis*: 94 (95). 8: 101 (102). 25 (*κατ' ἀρχάς*): 102 (103). 10 *bis*, 11, 12 (*καθ' ὅσον*): 105 (106). 45: 108 (109). 26: 109 (110). 4: 118 (119). 25, 41, 58, 59†, 65, 76†, 88, 107, 116, 124, 124†, 132, 133, 149 *bis*, 152 (*κατ' ἀρχάς*), 156, 169, 170: 138 (139). 9 (*κατ' ὀρθόν*†): 140 (141). 10 (*κ. μόνας*): 144 (145). 2: 147. 6 (17)*: 150. 2.

Pr. 8. 21, 30, 34†: 19. 17: 24. 12: 25. 13: 26. 4†, 5†: 29. 11 (*κ. μέρος*).

Wi. 3. 10†: 5. 1*: 6. 4: 7. 15, 27: 12. 2 (*κατ' ὀλίγον*), 7†, 8 (*κ. βραχύ*), 10 (*κ. βραχύ*): 17. 8 (*κατ' ἀρχάς*) (?)†, 17††: 19. 22.

Si. *prol.* 2††, 14††, 20†: 1. 10: 4. 18 (*κατ' εὐθεῖαν*), 25†: 6. 17, 22: 7. 26: 8. 14, 15: 9. 14: 10. 2 *bis*, 28: 11. 26: 13. 16: 14. 13, 25: 16. 12 *bis*, 14: 17. 3 *bis*, 25*: 18. 25†: 19. 1 (*κ. μικρόν*): 20. 18: 21. 5: 25. 26: 27. 3: 28. 10 *quater*: 29. 9, 11, 20.: 31 (34). 3†: 32 (35). 10 *bis*, 18, 19†: 34 (31). 6*: 35 (32). 17: 36 (33). 13 *bis*: 36. 22 (19), 28 (25), 29 (26): 37. 12: 38. 16, 17, 19: 42. 16: 43. 8, 10, 22, 30 (*καθ' ὅσον*): 45. 3*, 5*, 11, 14: 46. 1: 50. 22, 23: 51. 3.

Ho. 2. 9 (11), 15 (17) *bis*: 4. 7: 8. 9: 9. 9: 10. 1 *bis*: 11. 9: 12. 2 (3) *bis*: 13. 1, 2, 6, 7.

Mi. 1. 10 (?), 10: 7. 14, 15, 20.

Jn. 3. 2.

Na. 3. 6.

Hb. 3. 6†.

Ze. 1. 5†.

Za. 1. 6 *bis*: 8. 11: 10. 1: 12. 6, 12 (*κ. φυλὰς φυλάς*†), 12† *bis*, 12 *quater*, 13 *quater*, 14 *bis*: 14. 10, 15, 16.

Is. 3. 11, 21††: 10. 26, 26†† *bis*: 11. 3 *bis*: 19. 13: 22. 21†: 23. 11: 27. 2†, 12 (*κ. ἕνα*†, *κ. ἕνα ἕνα*†): 29. 7†: 30. 28*: 40. 26: 41. 2 (*κ. πόδας*): 47. 15: 56. 11 (*κ. τὸ αὐτό*†, *κ. τὸ ἑαυτοῦ*†): 60. 22: 63. 7 *bis*: 65. 22.

Je. 1. 7: 2. 28 *bis*: 3. 15: 5. 24: 6. 19†: 9. 26 (25)*††† †: 10. 2: 11. 13 *bis*: 13. 2, 26*†: 15. 17 (*κ. μόνας*): 17. 10 *bis*: 18. 17*, 20*: 19. 10: 21. 2: 23. 2: 24. 1*: 25. 16 (49. 37): 27. (50). 8*, 21, 29 *bis*, 44*: 28 (51). 24: 29 (49). 19*: 32 (25). 23*: 33 (26). 4*, 20: 34 (27). 12: 35 (28). 1, 5 *bis*, 11: 36 (29). 21: 37 (30). 18, 20*: 38 (31). 32, 36*: 39 (32). 12 *ter*, 13, 19, 30: 40. (33). 11 (*κ. τὸ πρότερον*)†: 41 (34). 15*†, 18*: 42 (35). 5*, 10, 19*: 43 (36). 7*, 8, 9*, 22*: 44 (37). 20*: 45 (38). 4, 26, 27: 47 (40). 10*: 49 (42). 2*, 4†, 5, 20: 50 (43). 9: 51 (44). 10*: 52. 7 *bis*, 10, 12*, 22, 33*.

Ba. 1. 18*, 21, 22: 2. 2, 10*, 14*, 19*, 27 *bis*: 3. 8.

La. 1. 5*†, 6*†, 12†, 22*: 3. 28 (*κ. μόνας*), 32, 64.

Ep. Je. 69.

Ez. 1. 12*: 4. 4, 9, 12: 5. 2, 7, 9: 6. 5*†: 7. 27: 8. 4, 16†: 10. 22*: 11. 1, 21†: 12. 4, 7: 14. 5, 10 *bis*: 15. 4: 16. 47, 51, 63: 18. 14, 24, 30: 20. 14, 22, 35 (*πρόσωπον κ. πρόσωπον*), 41, 44 *bis*: 21. 6 (11): 22. 16†: 23. 48: 24. 6, 14 *quater*, 24: 25. 14, 14†: 33. 20†: 35. 11, 11†: 36. 17, 19 *bis*, 23, 31*†, 34: 39. 24 *bis*: 40. 6, 12*†, 18, 19, 21 *bis*, 22, 23, 24 *bis*, 29, 30, 32 *bis*, 33, 35, 40: 41. 4*, 7, 12*, 14*, 15*, 21*, 22*†, 25, 25*: 42. 1, 2*†, 10, 10* *ter*, 11*, 11 *septiens*, 12 *bis*, 13*, 15, 15†, 16, 17†††, 18†††, 19*†: 43. 1, 2, 3 *bis*, 4 *bis*, 17, 25: 44. 1 *bis*, 3 *bis*, 4, 5, 5†, 5: 45. 7* *bis*, 8, 23 *bis*, 25 (*κ. τὰ αὐτά*): 46. 2, 3, 8 *bis*, 9 *quinquiens*, 9 (*κατ' εὐθύ*), 12, 13, 21 *bis*: 47. 1 *bis*, 2 *bis*, 10, 17†: 48. 1 *bis*, 21*†.

Da. LXX. Su. 3, 13, 51: 1. 5: 2. 25: 3. 2, 2††, (28), (42) *bis*, (43), (46): 4. 31*, 34††: 6. 11 (12), 14 (15), 16 (17)†: 7. 2, 10*, 14: 8. 22: 9. 7, 13, 15, 16, 27: 11. 4 *bis*, 7, 10, 13, 16, 18, 36, 40: 12. 1: Bel 2, 3, 5, 31.

Da. TH. Su. 3, 8, 12, 18, 62: 1. 5: 3. (28), (42) *bis*, (43): 4. 5, 32: 8. 4 *bis*: 9. 10*, 12: 10. 15: 11. 3, 4, 16, 16*, 36: Bel 4, 6, 9, 15.

I Ma. 1. 14, 22††*, 40, 42, 50, 51†, 51, 60: 2. 23, 24, 33, 61: 3. 39, 53*, 56, 57: 4. 10*, 47, 47 (*κ. τὸ πρότερον*), 53, 54 *bis*, 57††*, 59 (*ἐνιαυτὸν κατ' ἐνιαυτόν*), 61*: 5. 14, 37*, 44*, 52*, 53, 55*: 6. 33, 57, 63: 7. 16, 31, 36*, 42, 49: 8. 4, 15, 16, 27 (*κ. τὰ αὐτά*), 29: 9. 16*†, 71: 10. 17, 25, 40, 42, 51, 72*: 11. 14, 34, 53†: 12. 2, 3 (*κ. τὸ πρότερον*), 4, 23, 36 (*κ. μόνας*): 13. 13*, 35, 46 *bis*, 52: 14. 38, 46: 15. 4, 21, 35†, 39*: 16. 6*.

II Ma. 1. 1††, 17: 2. 13, 19††, 22, 30††: 3. 4††, 5††, 8††, 12, 14, 16††, 17††, 19, 24, 40††: 4. 5 (*κατ' ἰδίαν*), 16 (*καθ' ἅπαν*), 21††, 36†† *bis*, 38, 39: 5. 2: 6. 7††, 11, 20, 21 (*κατ' ἰδίαν*), 30 *bis*: 7. 6††*, 7: 8. 8 (*κ. μικρόν*), 35††: 9. 1†††, 3, 3††, 8, 11, 18††, 20, 21†††, 22††, 23, 24††, 26 (*κατ' ἰδίαν*): 10. 2††, 5, 8, 10††: 11. 3 (*κατ' ἔτος*), 20††, 25, 31: 12. 2††, 4†, 15, 38, 39, 43: 13. 13, 15††: 14. 1††, 3, 9, 21 (*κατ' ἰδίαν*), 37, 44 (*κ. μέσον*): 15. 1††, 2, 8, 20, 30 (*καθ' ἅπαν*), 33, 37††, 39 (*κ. μόνας*).

III Ma. 1. 1††, 11, 17††, 20††, 20†††: 2. 19, 27††, 30††: 3. 1††, 8††, 11 (*κ. τὸ παρόν*)††, 12†† *bis*, 14, 24, 29: 4. 1, 4††, 13, 18, 18†† *bis*: 5. 1, 5, 20, 24††, 25, 27, 28, 29, 36, 42††: 6. 1††, 6††, 10, 12††, 16, 26, 41††: 7. 1††, 3†, 6, 7, 9, 12, 14, 17, 20.

IV Ma. 1. 10††, 26†, 27, 34†: 2. 23: 3. 13, 18: 4. 17, 22, 24: 5. 17, 18, 25: 6. 5: 7. 3: 8. 1: 9. 14, 26††: 10. 7: 11. 5, 11: 13. 22††: 14. 15, 16, 17: 15. 2, 3, 7††, 12, 14: 17. 5.

[**Aq.** GE. 1. 26: 19. 31: 35. 16: 41. 12: EX. 21. 30: 28. 15: DT. 11. 14: JO. 1. 7: 4. 10: I KI. 18. 3: 20. 35: 22. 13: II KI. 12. 8: III KI. 8. 24: 11. 7*: 13. 26: 14. 5 *bis*, 18: 18. 28, 36: JB. 29. 2 *bis*: 35. 11††: PS. 4. 9 (*κατ' ἰδίαν*): 7. 9 *bis*, 12: 9. 25 (10. 4): 11 (12). 9: 27 (28). 4 *bis*: 44 (45). 18: 50

(51). 3: 61 (62). 13 *bis*: 77 (78). 72: 118 (119). 41, 156: Ca. 6. 3 (4): Is. 9. 1 (8. 23)††: 36. 7*: 41. 2*: Je. 7. 25 (*καθ' ἡμέρας*): 21. 14: 25. 14 *bis*, 18 (32. 4): 26 (33). 14 *bis*: 34 (41). 5: 46 (26). 26: Ez. 10. 19: 23. 48: 31. 11: 33. 20: Ho. 7. 12 (?).]

[**Sm.** Ge. 1. 20*, 26: 6. 17 (16): 47. 12: Ex. 15. 11: Nu. 1. 45, 47: 2. 17: 3. 7*: Dt. 11. 14: 18. 8: 32. 8: Jo. 1. 7: 4. 10: Jd. 3. 20 (*κ. μόνας*): I Ki. 9. 9: 13. 18 *bis*; 20. 35: 23. 20: 28. 20: IV Ki. 6. 8: Je. 16. 8*: 29. 2 *bis*: 34. 11: 36. 9: 38. 32: Ps. 3. 8: 7. 9 *bis*: 9. 24 (10. 3): 12 (13). 3: 20 (21). 13*: 24 (25). 7: 27 (28). 4: 30 (31). 14, 17: 32 (33). 15 (*κ. μόνας*): 41 (42). 9 *bis*: 43 (44). 9: 44 (45). 6, 18: 50 (51). 3: 51 (52). 3: 55 (56). 3: 58 (59). 17: 60 (61). 9: 62 (63). 7: 70 (71). 8, 15: 72 (73). 14 *bis*: 73 (74). 5: 77 (78). 72: 85 (86). 3: 86 (87). 5 (*καθ' ἕκαστον*): 87 (88). 10, 14: 89 (90). 11: 109 (110). 3: 118 (119). 116: 139 (140). 3: 147. 6 (17)*: Pr. 12. 8: 17. 24*: 19. 17: Ec. 8. 14 *bis*: Ca. 1. 8: Is. 9. 1 (8. 23)††: 16. 6 *bis*: 28. 19 (?): 36. 7*, 17: 41. 2*: 51. 9: 58. 2: Je. 7. 25 (*καθ' ἡμέρας*): 9. 26 (25): 15. 8: 30 (37). 18: 31 (38). 40: 39 (46). 5††: 46 (26). 26: 52. 7: La. 1. 19: Ez. 1. 6: 7. 3: 23. 48: 25. 15: 31. 11: 33. 20: 40. 10, 16: Ho. 13. 6: Mi. 5. 1 (4. 14).]

[**Th.** Ge. 1. 20*: Ex. 21. 30: 28. 27††*, 27: Nu. 3. 7*: Dt. 11. 14: 23. 14 (15)*: 32. 8: Jo. 1. 7: 4. 10: Jd. 9. 16: 16. 17: 18. 29: I Ki. 20. 35: 22. 13: III Ki. 13. 26: 18. 36: Je. 35. 11††: 39. 18: Ps. 7. 9: 44 (45). 18: 118 (119). 41, 116: Pr. 17. 1: 19. 17: 22. 6: Is. 9. 1 (8. 23)††: 36. 7*: 41. 2*: 54. 9: Je. 13. 14 (*κ. τὸ αὐτό*): 21. 14: 25. 14 *bis*, 18 (32. 4): 32 (39). 19: 39 (46). 6: Ez. 6. 5*, 9*: 7. 3: 8. 16 *bis*: 10. 19: 23. 48: 31. 11: 33. 20: 35. 11: 47. 17, 18*: 48. 21*: Ho. 8. 9.]

[**Al.** Ge. 43. 33: Le. 3. 8*: 4. 17*: 5. 10: 8. 20: 13. 46 (*κ. μόνας*): 25. 28, 50: 27. 18: Nu. 2. 34 *bis*: 3. 16, 23, 29: 9. 5: 34. 14: 35. 5: Dt. 3. 24: 12. 8: 32. 8: 33. 28 (*κ. μόνας*): Jo. 1. 5*; Jd. 18. 7: Ps. 9. 20*: 44 (45). 6: Pr. 27. 4*: Je. 25. 14 *bis*: Ez. 41. 8: Hb. 3. 5, 11 *bis*, 16.]

[**Sam.** Ex. 26. 5: Dt. 32. 8.]

[**Heb.** Ge. 6. 6 (5).]

[**Quint.** Ps. 8. 5 (*ὁ κατ' ἄνδρα*): 30 (31). 17: Ho. 8. 9.]

III. *anomal.*, *cf.* καθεῖς.

III Ma. 3. 16. *τοῖς κατὰ πόλεσιν ἱεροῖς* καταβαίνειν. (1) בּוֹא (2) דָּבַק hi. (3) דֶּרֶךְ (4) הָלַךְ (5) חָבָא hithp. (6) חָרַץ (7) יָצָא hi. (8) יָרַד *a.* qal. *b.* hoph. (9) יֵשׁ (10) לוּץ (11) נָגַע hi. (12) נָדַד (13) נָזַל (14) *a.* נָחַת *b.* נָחַת (15) פָּנָה (16) רָאָה ni. (17) רָדַף (18) שׁוּב (19) שָׁבַן (20) שָׁקַע *a.* qal. *b.* ni. (21) ὑετὸς καταβαίνει נִגַּשׁם pu.

Ge. 11. 5. *κατέβη κύριος ἰδεῖν τὴν πόλιν* (8 *a*)
— 7. *δεῦτε καὶ καταβάντες συγχέωμεν* (8 *a*)
12. 10. *κατέβη Ἄβραμ εἰς Αἴγυπτον* (8 *a*)
15. 11. *κατέβη δὲ ὄρνεα ἐπὶ τὰ σώματα* (8 *a*)
18. 21. *καταβὰς οὖν ὄψομαι* (8 *a*)
24. 16. *καταβᾶσα δὲ ἐπὶ τὴν πηγήν* (8 *a*)
— 45. *κατέβη ἐπὶ τὴν πηγήν* (8 *a*)
26. 2. *μὴ καταβῇς εἰς Αἴγυπτον* (8 *a*)
28. 12. **R** *κατέβαινον ἐπ' αὐτῇ* [**A** *-ῆς*] (8 *a*)
37. 35. *καταβήσομαι . . . εἰς ᾅδου* (8 *a*)
38. 1. *κατέβη Ἰούδας ἀπὸ τῶν ἀδελφῶν αὐτοῦ* (8 *a*)
42. 2. *κατάβητε ἐκεῖ* (8 *a*)
— 3. *κατέβησαν δὲ οἱ ἀδελφοὶ Ἰ.* (8 *a*)
— 38. *οὐ καταβήσεται ὁ υἱός μου* (8 *a*)
43. 3. **A** *ἐὰν μὴ ὁ ἀδ. . . . καταβῇ* [**R** *al.*] †
— 4. *καταβησόμεθα καὶ ἀγοράσομέν σοι* (8 *a*)
— 13. *ἀναστάντες κατάβητε* (18)
— 15. *ἀναστάντες κατέβησαν εἰς Αἴγ.* (8 *a*)
— 20. *κατέβημεν . . . πρίασθαι βρώματα* (8 *a*)
44. 23. *ἐὰν μὴ καταβῇ ὁ ἀδελφὸς ὑμῶν* (8 *a*)
— 26. *οὐ δυνησόμεθα καταβῆναι* (8 *a*)
— 26. *εἰ μὲν ὁ ἀδελφὸς ἡμῶν . . . καταβαίνει μεθ' ἡμῶν καταβησόμεθα* (9, 8 *a*)
Ge. 45. 9. *κατάβηθι οὖν πρὸς μέ* (8 *a*)
46. 3. *καταβῆναι εἰς Αἴγυπτον* (8 *a*)
— 4. *καταβήσομαι μετὰ σοῦ εἰς Αἴγυπτον* (8 *a*)
Ex. 2. 5. *κατέβη δὲ ἡ θυγάτηρ Φ. λούσασθαι* (8 *a*)
3. 8. *κατέβην ἐξελέσθαι αὐτούς* (8 *a*)
11. 8. *καταβήσονται πάντες οἱ παῖδές σου* (8 *a*)
19. 10. *καταβὰς διαμάρτυραι τῷ λαῷ* (4)
— 11. *καταβήσεται κύριος ἐπὶ τὸ ὄρος* (8 *a*)
— 14. *κατέβη δὲ Μ. ἐκ* [**A** *ἀπὸ*] *τοῦ ὄρους* (8 *a*)
— 18. *διὰ τὸ καταβεβηκέναι ἐπ' αὐτὸ τὸν θ.* (8 *a*)
— 20. *κατέβη δὲ κύριος ἐπὶ τὸ ὄρος* (8 *a*)
— 21. *καταβὰς διαμάρτυραι τῷ λαῷ* (8 *a*)
— 24. *βάδιζε κατάβηθι* (8 *a*)
— 25. *κατέβη δὲ Μ. πρὸς τὸν λαόν* (8 *a*)
24. 16. *κατέβη ἡ δόξα τοῦ θεοῦ ἐπὶ τὸ ὄρος* (19)
32. 1. *καταβῆναι ἐκ τοῦ ὄρους* (8 *a*)
— 7. *κατάβηθι ἐντεῦθεν* (8 *a*)
— 15. *κατέβη ἀπὸ τοῦ ὄρους* (8 *a*)
— 34. *βάδιζε κατάβηθι* [**A** *om.*] –
33. 9. *κατέβαινεν ὁ στῦλος τῆς νεφέλης* (8 *a*)
34. 5. *κατέβη κύριος ἐν νεφέλῃ* (8 *a*)
— 29. *ὡς δὲ κατέβαινε Μ.* (8 *a*)
— 29. *καταβαίνοντος δὲ αὐτοῦ* (8 *a*)
Le. 9. 22. *κατέβη ποιήσας τὸ περὶ τῆς ἁμαρτίας* (8 *a*)
Nu. 11. 9. *καὶ ὅταν κατέβη ἡ δρόσος* (8 *a*)
— 9. *κατέβαινε τὸ μάννα ἐπ' αὐτῆς* (8 *a*)
— 17. *καὶ καταβήσομαι* (8 *a*)
— 25. *κατέβη κύριος ἐν νεφέλῃ* (8 *a*)
12. 5. *κατέβη κύριος ἐν στύλῳ νεφέλης* (8 *a*)
14. 45. *καὶ κατέβη ὁ Ἀμαλήκ* (8 *a*)
16. 30. *καταβήσονται ζῶντες εἰς ᾅδου* (8 *a*)
— 33. *καὶ κατέβησαν αὐτοί* (8 *a*)
20. 15. *κατέβησαν οἱ πατέρες ἡμῶν εἰς Αἴγυπτον* (8 *a*)
— 28. *καὶ κατέβη Μωυσῆς* (8 *a*)
34. 11 *bis*, 12. *καταβήσεται τὰ ὅρια* (8 *a*)
De. 9. 12. *κατάβηθι τὸ τάχος ἐντεῦθεν* (8 *a*)
— 15. *κατέβην ἐκ τοῦ ὄρους* (8 *a*)
— 21. *τὸν καταβαίνοντα ἐκ* [**A** *ἀπὸ*] *τοῦ ὄρους* (8 *a*)
10. 5. *κατέβην ἐκ τοῦ ὄρους* (8 *a*)
— 22. *κατέβησαν οἱ πατέρες σου εἰς Αἴγυπτον* (8 *a*)
26. 5. *καὶ κατέβη εἰς Αἴγυπτον* (8 *a*)
28. 24. *καὶ χοῦς ἐκ τοῦ οὐρανοῦ καταβήσεται* (8 *a*)
— 43. *σὺ δὲ καταβήσῃ κάτω κάτω* (8 *a*)
31. 15. *καὶ κατέβη κύριος* (16)
32. 2. *καταβήτω ὡς δρόσος τὰ ῥήματά μου* (13)
Jo. 2. 23. *καὶ κατέβησαν ἐκ τοῦ ὄρους* (8 *a*)
3. 13. *τὸ δὲ ὕδωρ τὸ καταβαῖνον στήσεται* (8 *a*)
— 16. *ἔστη τὰ ὕδατα τὰ καταβαίνοντα ἄνωθεν* (8 *a*)
— 16. *τὸ δὲ καταβαῖνον κατέβη εἰς τὴν θάλασσαν* (8 *a*, –)
15. 7. *καὶ καταβαίνει ἐπὶ* [**A** *ἀπὸ*] *Γ.* (15)
— 10. *καὶ καταβήσεται ἐπὶ πόλιν ἡλίου* (8 *a*)
17. 9 : 18. 13, 16. *καταβήσεται τὰ ὅρια* (8 *a*)
18. 16. *καταβήσεται Γ.* [**A** *ἐπὶ Γ.*] (8 *a*)
— 16. *καταβήσεται ἐπὶ πηγὴν Ῥ.* (8 *a*)
— 18 (17). *καταβήσεται ἐπὶ λίθον Β.* (8 *a*)
— 18. *καὶ καταβήσεται* (8 *a*)
19. 48. *καταβῆναι* [**A** *-βαίνειν*] *εἰς τὴν κοιλάδα* –
24. 4. *κατέβησαν εἰς Αἴγυπτον* (8 *a*)
Jd. 1. 9. *κατέβησαν οἱ υἱοὶ Ἰ.* (8 *a*)
— 34. *καταβῆναι εἰς τὴν κοιλάδα* (8 *a*)
3. 27. *καὶ κατέβησαν σὺν αὐτῷ* (8 *a*)
— 28. *κατάβητε* [**A** *-βαίνετε*] *ὀπίσω μου* (17)
— 28. *κατέβησαν ὀπίσω αὐτοῦ* (8 *a*)
4. 14. *καὶ κατέβη Βαράκ* (8 *a*)
— 15. *καὶ κατέβη Σισάρα* (8 *a*)
5. 11. *κατέβη εἰς τὰς πόλεις λαός* (8 *a*)
— 13. **R** *κατέβη κατάλειμμα* [**B** *-λημμα*] *τοῖς ἰσχυροῖς* [**A** *al.*] (8 *a*)
— 13. *λαὸς κυρίου κατέβη αὐτῷ* [**A** *al.*] (8 *a*)
— 14. *ἐν ἐμοὶ* [**A** *ἐξ ἐμοῦ*] *Μ. κατέβησαν* (8 *a*)
7. 9. *κατάβηθι ἐν τῇ παρεμβολῇ* [**A** *al.*] (8 *a*)
— 9 (10). *εἰ φοβῇ σὺ καταβῆναι κατάβηθι σύ* (8 *a*, 8 *a*)
— 10 (11). *καταβήσῃ ἐν τῇ παρεμβολῇ* (8 *a*)
— 11. *καὶ κατέβη αὐτός* (8 *a*)
— 24. *κατάβητε εἰς συνάντησιν Μ.* (8 *a*)
9. 36. *ἰδοὺ λαὸς καταβαίνει* [**A** *-νων*] (8 *a*)
— 37. *ἰδοὺ λαὸς καταβαίνων* (8 *a*)
11. 37. *καὶ καταβήσομαι ἐπὶ τὰ ὄρη* (8 *a*)
14. 1. *κατέβη Σαμψὼν εἰς Θ.* (8 *a*)
— 5. *καὶ κατέβη Σαμψών* (8 *a*)
— 7. *καὶ κατέβησαν* (8 *a*)
— 10. *καὶ κατέβη ὁ πατὴρ αὐτοῦ* (8 *a*)
— 19. *καὶ κατέβη εἰς Ἀσκάλωνα* (8 *a*)
15. 8. *καὶ κατέβη* (8 *a*)
Jd. 15. 8. **A** *καὶ κατέβη παρὰ τῷ χειμάρρῳ* [**B** *al.*] †
— 11. *καὶ κατέβησαν τρισχίλιοι* [**A** *al.*] (8 *a*)
— 12. *δῆσαί* [**A** *τοῦ δ.*] *σε κατέβημεν* (8 *a*)
16. 31. *κατέβησαν οἱ ἀδελφοὶ αὐτοῦ* (8 *a*)
20. 45. *κατέβησαν ὀπίσω αὐτῶν* [**A** *al.*] (2)
Ru. 3. 6. *κατέβη εἰς τὸν ἅλω* (8 *a*)
I Ki. 6. 21. *κατάβητε καὶ ἀναγάγετε αὐτήν* (8 *a*)
9. 25. *καὶ κατέβη ἐκ τῆς Βαμά* (8 *a*)
— 27. *αὐτῶν καταβαινόντων εἰς μέρος τῆς πόλεως* (8 *a*)
10. 5. *προφητῶν καταβαινόντων ἐκ τῆς Βαμά* (8 *a*)
— 8. *καταβήσῃ ἔμπροσθεν τῆς Γ.* (8 *a*)
— 8. *καταβαίνω πρὸς σέ* (8 *a*)
13. 12. **B** *νῦν καταβήσονται οἱ ἀλλόφυλοι* (8 *a*)
— 20. **B** *καὶ κατέβαινον πᾶς Ἰισρ.* (8 *a*)
14. 36. *καταβῶμεν ὀπίσω τῶν ἀλλοφύλων* (8 *a*)
— 37. *εἰ καταβῶ ὀπίσω τῶν ἀλλοφύλων* (8 *a*)
15. 12. *καὶ κατέβη εἰς Γ.* (8 *a*)
17. 8. *καταβήτω πρὸς μέ* (8 *a*)
— 28. **A** *ἵνα τί τοῦτο κατέβης* (8 *a*)
— 28. **A** *ἕνεκεν τοῦ ἰδεῖν τὸν πόλεμον κατέβης* (8 *a*)
22. 1. *καταβαίνουσι πρὸς αὐτὸν ἐκεῖ* (8 *a*)
23. 4. *κατάβηθι εἰς Κ.* (8 *a*)
— 6. *αὐτὸς μετὰ Δ. εἰς Κ. κατέβη* (8 *a*)
— 8. *καταβαίνειν εἰς πόλεμον* (8 *a*)
— 11. *εἰ καταβήσεται Σαούλ* (8 *a*)
— 20. *εἰς κατάβασιν καταβαινέτω* (8 *a*)
— 25. *καὶ κατέβη εἰς τὴν πέτραν* (8 *a*)
24. 8. *καὶ κατέβη τὴν* [**A** *εἰς τ.*] *ὁδόν* (4)
25. 1. *κατέβη εἰς τὴν ἔρημον Μ.* (8 *a*)
— 20. *αὐτῆς . . . καταβαινούσης ἐν σκέπῃ τοῦ ὄρους* (8 *a*)
— 20. *κατέβαινον* [**A** *-αν*] *εἰς συνάντησιν αὐτῆς* (8 *a*)
26. 2. **A** *καὶ κατέβη* [**B** *ἀνέστη*] *Σαούλ* †
— 2. *καὶ κατέβη* [**A** *ἐπορεύθη*] *εἰς τὴν ἔρημον Ζίφ* (8 *a*)
— 10. *ἢ εἰς πόλεμον καταβῇ* (8 *a*)
30. 24. *κατὰ τὴν μερίδα τοῦ καταβαίνοντος* (8 *a*, 8 *b**)
II Ki. 1. 21. **R** *μὴ καταβάτω* [**B** *-βοῖ*, **A**^{2} *-βήτω*] *δρόσος* –
5. 17. *κατέβη εἰς τὴν περιοχήν* (8 *a*)
— 24. **A** **B**^{2} **R** *καταβήσῃ* [**B**^{1} *-σει*] *πρὸς αὐτούς* (6)
11. 8. *κατάβηθι εἰς τὸν οἶκόν σου* (8 *a*)
— 9. *οὐ κατέβη εἰς τὸν οἶκον αὐτοῦ* (8 *a*)
— 10. *οὐ κατέβη Οὐρίας εἰς τὸν οἶκον αὐτοῦ* (8 *a*)
— 10. *τί ὅτι οὐ κατέβης* [**A**^{1} *καταβῇ*, **A**^{2} *καταβῆς*] *εἰς τὸν οἶκόν σου* (8 *a*)
— 13. *εἰς τὸν οἶκον αὐτοῦ οὐ κατέβη* (8 *a*)
17. 18. *καὶ κατέβησαν ἐκεῖ* (8 *a*)
19. 16 (17). *καὶ κατέβη μετὰ ἀνδρὸς Ἰούδα* (8 *a*)
— 20 (21). **A** **R** *τοῦ καταβῆναί με* [**B** *om.*] (8 *a*)
— 24 (25). *κατέβη εἰς ἀπαντὴν τοῦ βασ.* (8 *a*)
— 31 (32). Βερζ. ὁ Γαλ. *κατέβη ἐκ Ῥ.* (8 *a*)
21. 15. *καὶ κατέβη Δαυίδ* (8 *a*)
22. 10. *καὶ κατέβη* (8 *a*)
23. 13. *κατέβησαν τρεῖς ἀπὸ τῶν τριάκοντα* (8 *a*)
— 13. *κατέβησαν εἰς Κ.* (1)
— 20. **B** *καὶ αὐτὸς κατέβη* (8 *a*)
— 21. **B** *καὶ κατέβη πρὸς αὐτόν* (8 *a*)
III Ki. 1. 25. *ὅτι κατέβη σήμερον* (8 *a*)
— 38. *καὶ κατέβη Σαδώκ* (8 *a*)
2. 8. *κατέβη εἰς ἀπαντήν μου* (8 *a*)
3. 1 (2. 8). *κατέβαινεν εἰς ἀπαντήν μοι* (8 *a*)
6. 32. **A** *κατέβαινεν ἐπὶ τὰ χερ.* †
18. 44. *ζεῦξον τὸ ἅρμα σου καὶ κατάβηθι* (8 *a*)
20 (21). 16. *κατέβη Ἀχ. εἰς τὸν ἀμπελῶνα Ναβ.* (8 *a*)
— 18. *κατάβηθι εἰς ἀπαντὴν Ἀχ.* (8 *a*)
— 18. *καταβέβηκεν ἐκεῖ κληρονομῆσαι αὐτόν* (8 *a*)
22. 2. *κατέβη Ἰωσ. . . . πρὸς βασιλέα Ἰσρ.* (8 *a*)
IV Ki. 1. 4, 6. *οὐ καταβήσῃ ἀπ' αὐτῆς* (8 *a*)
— 9. *ὁ βασιλεὺς ἐκάλεσέ σε, κατάβηθι* (8 *a*)
— 10. *καταβήσεται πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ* (8 *a*)
— 10. *κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ* (8 *a*)
— 11. *ταχέως κατάβηθι* (8 *a*)
— 12. *καταβήσεται πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ* (8 *a*)
— 12. *καὶ κατέβη πῦρ* (8 *a*)
— 14. *κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ* (8 *a*)
— 15. *κατάβηθι μετ' αὐτοῦ* (8 *a*)
— 15. *κατέβη μετ' αὐτοῦ πρὸς τὸν βασ.* (8 *a*)
— 16. *οὐ καταβήσῃ ἀπ' αὐτῆς* (8 *a*)
3. 12. *καὶ κατέβη* [**A** *-ησαν*] *πρὸς αὐτόν* (8 *a*)
5. 14. *καὶ κατέβη Ναιμάν* (8 *a*)
6. 18. *κατέβησαν πρὸς αὐτόν* (8 *a*)
— 33. *ἄγγελος κατέβη πρὸς αὐτόν* (8 *a*)
7. 17. *ἐν τῷ καταβῆναι τὸν ἄγγελον πρὸς αὐτόν* (8 *a*)
8. 29. *κατέβη τοῦ ἰδεῖν τὸν Ἰ.* (8 *a*)

IV Ki. 9. 16. A R καὶ κατέβη εἰς Ἰεζρ. [B ἐν Ἰσρ.] (4 ?)
— 16. κατέβη ἰδεῖν τὸν Ἰ. (8 a)
— 32. κατάβηθι μετ' ἐμοῦ †
10. 13. κατέβημεν εἰς εἰρήνην τῶν υἱῶν τοῦ βασ. (8 a)
13. 14. κατέβη πρὸς αὐτὸν Ἰωάς (8 a)
20. 11. A κατέβη ἐν ἀναβαθμοῖς Ἄχαζ (8 a)
I Ch. 7. 21. κατέβησαν τοῦ [A om.] λαβεῖν τὰ κτήνη αὐτῶν (8 a)
11. 15. καὶ κατέβησαν τρεῖς (8 a)
— 22. καὶ οὗτος κατέβη (8 a)
— 23. καὶ κατέβη ἐπ' αὐτὸν Βαν. (8 a)
II Ch. 7. 1. τὸ πῦρ κατέβη ἐκ τοῦ οὐρανοῦ (8 a)
— 3. ἑώρων καταβαίνον τὸ πῦρ (8 a)
18. 2. κατέβη διὰ τέλους ἐτῶν πρὸς Ἀχ. (8 a)
20. 16. κατάβητε ἐπ' αὐτούς (8 a)
22. 6. Ὀχ. υἱὸς Ἰωρὰμ βασ. Ἰούδα κατέβη (8 a)
I Es. 1. 29. καὶ κατέβησαν οἱ ἄρχοντες
Ne. 3. 15. ἕως τῶν κλιμάκων τῶν καταβαινουσῶν (8 a)
6. 3. οὐ δυνήσομαι καταβῆναι (8 a)
— 3. καταβήσομαι πρὸς ὑμᾶς (8 a)
9. 13. ἐπὶ ὄρος Σινὰ κατέβης (8 a)
To. 3. 17. κατέβη ἐκ τοῦ ὑπερῴου
6. 2. τὸ δὲ παιδάριον κατέβη περικλύσασθαι [S al.]
14. 10. αὐτὸς κατέβη εἰς τὸ σκότος [S al.]
Ju. 2. 27. κατέβη εἰς πεδίον Δαμασκοῦ
3. 6. κατέβη ἐπὶ τὴν παραλίαν [A ἐπαρχίαν]
5. 10. καὶ κατέβησαν εἰς Αἴγ.
6. 14. καταβάντες δὲ οἱ υἱοὶ Ἰσρ.
10. 2. κατέβη εἰς τὸν οἶκον
— 10. ἕως οὗ κατέβη τὸ ὄρος
— 15. σπεύσασα καταβῆναι
13. 12. ἐσπούδασαν τοῦ [S om.] καταβῆναι
14. 2. ὡς καταβαίνοντες ἐπὶ τὸ πεδίον
— 2. καὶ οὐ καταβήσεσθε
— 13. ἐτόλμησαν οἱ δοῦλοι καταβαίνειν [S -βῆναι]
Jb. 7. 9. ἐὰν γὰρ ἄνθρωπος καταβῇ εἰς ᾅδην (8 a)
17. 16. ἢ μετ' ἐμοῦ εἰς ᾅδην καταβήσονται [A -σεται] (8 a)
— 16. ἢ ὁμοθυμαδὸν ἐπὶ χώματος καταβησόμεθα (14 a ?)
36. 16. κατέβη τράπεζά σου πλήρης πιότητος (14 a ?)
38. 30. ἢ καταβαίνει ὥσπερ ὕδωρ ῥέον (5 ?)
Ps. 7. 16. ἐπὶ κορυφὴν αὐ. ἡ ἀδικία αὐ. καταβήσεται (8 a)
17 (18). 9. ἔκλινεν οὐρανὸν [S2 -οὺς] καὶ κατέβη (8 a)
21 (22). 29. πάντες οἱ καταβαίνοντες εἰς τὴν γῆν (8 a)
27 (28). 1. ὁμοιωθήσομαι τοῖς καταβαίνουσιν εἰς λάκκον (8 a)
29 (30). 3. τῶν καταβαινόντων εἰς λάκκον (8 a)
— 9. ἐν τῷ καταβῆναί [S2 -βαίνειν] με εἰς διαφθοράν (8 a)
54 (55). 15. καταβήτωσαν εἰς ᾅδου ζῶντες (8 a)
71 (72). 6. καταβήσεται ὡς ὑετὸς ἐπὶ πόκον (8 a)
87 (88). 4. μετὰ τῶν καταβαινόντων εἰς λάκκον (8 a)
103 (104). 8. καταβαίνουσι πεδία εἰς τόπον (8 a)
106 (107). 23. οἱ καταβαίνοντες εἰς τὴν θάλ. (8 a)
— 26. καταβαίνουσιν ἕως τῶν ἀβύσσων (8 a)
113. 25 (115. 17). οὐδὲ πάντες οἱ καταβαίνοντες εἰς ᾅδου (8 a)
118 (119). 136. διεξόδους ὑδάτων κατέβησαν [A διέβ.] (8 a)
132 (133). 2. ὡς μύρον . . . τὸ καταβαῖνον ἐπὶ πώγωνα . . . τὸ καταβαῖνον ἐπὶ τὴν ὥαν τοῦ ἐνδύματος αὐ. (8 a, 8 a)
— 3. ὡς δρόσος Ἀερμὼν ἡ καταβαίνουσα ἐπὶ τὰ ὄρη Σιών (8 a)
138 (139). 8. ἐὰν καταβῶ εἰς τὸν ᾅδην (7)
142 (143). 7. ὁμοιωθήσομαι τοῖς καταβαίνουσιν εἰς λάκκον (8 a)
143 (144). 5. κλῖνον οὐρανούς σου καὶ κατάβηθι (8 a)
Pr. 24. 27 (30. 4). τίς ἀνέβη εἰς τὸν οὐρανὸν καὶ κατέβη (8 a)
Ec. 3. 21. εἰ καταβαίνει αὐτὸ κάτω εἰς γῆν (8 a)
Ca. 5. 1 (4. 16). S ἵνα καταβῇ ὁ νυμφίος –
— 1 (4. 16). καταβήτω ἀδελφιδός μου εἰς κῆπον αὐτοῦ [A μου] (1)
6. 1 (2). κατέβη εἰς κῆπον αὐτοῦ [A μου] (8 a)
— 10 (11). εἰς κῆπον καρύας κατέβην (8 a)
Si. 32 (35). 15. οὐχὶ δάκρυα χήρας ἐπὶ σιαγόνα [S -ας, A -ι] καταβαίνει
50. 20. καταβὰς ἐπῆρε χεῖρας αὐ. [A al.]
Am. 6. 2. κατάβητε ἐκεῖθεν εἰς Γέθ (8 a)
8. 8. καὶ καταβήσεται ὡς ποταμὸς Αἰγ. (20 b)
9. 5. καὶ καταβήσεται ὡς ποταμὸς Αἰγ. (20 a)
Mi. 1. 3. B καὶ καταβήσεται (8 a)
— 12. κατέβη κακὰ παρὰ κυρίου ἐπὶ πύλας (8 a)
Ob. 1. 16. καὶ καταβήσονται (10 ?)
Jn. 1. 3. καὶ κατέβη εἰς Ἰόππην (8 a)
— 5. κατέβη εἰς τὴν κοίλην τοῦ πλοίου (8 a)
2. 7. κατέβην εἰς γῆν (8 a)
Na. 3. 7. πᾶς ὁ ὁρῶν σε καταβήσεται ἀπὸ σοῦ (12)
Hg. 2. 23 (22). καὶ καταβήσονται ἵπποι [A al.] (8 a)
Is. 5. 14. καταβήσονται οἱ ἔνδοξοι (8 a)
14. 11. κατέβη εἰς ᾅδου ἡ δόξα σου (8 b)
— 15. νῦν δὲ εἰς ᾅδην [A S -δου] καταβήσῃ (8 b)
— 19. μετὰ . . . καταβαινόντων εἰς ᾅδου (8 a)
25. 12. A S R καταβήσεται [B -σονται] ἕως τοῦ ἐδάφους (11)
30. 2. οἱ πορευόμενοι καταβῆναι εἰς Αἴγυπτον (8 a)
31. 1. οὐαὶ οἱ καταβαίνοντες εἰς Αἴγυπτον (8 a)
— 4. οὕτως καταβήσεται κύριος σαβαὼθ (8 a)
32. 19. ἡ δὲ χάλαζα ἐὰν καταβῇ (8 a)
34. 5. ἐπὶ τὴν Ἰδουμαίαν καταβήσεται (8 a)
38. 8. οὓς κατέβη τοὺς δέκα ἀναβαθμούς [S al.] (8 a)
— 8. οὓς κατέβη ἡ σκιά (8 a)
42. 10. οἱ καταβαίνοντες εἰς τὴν θάλασσαν (8 a)
47. 1. κατάβηθι κάθισον ἐπὶ τὴν γῆν (8 a)
52. 4. εἰς Αἴγυπτον κατέβη ὁ λαός μου (8 a)
55. 10. ὡς γὰρ ἂν καταβῇ ὁ ὑετός (8 a)
63. 14. κατέβη πνεῦμα παρὰ κυρίου (8 a)
Je. 18. 2. κατάβηθι εἰς οἶκον τοῦ κεραμέως (8 a)
— 3. κατέβην εἰς τὸν οἶκον τοῦ κεραμέως (8 a)
22. 1. κατάβηθι εἰς τὸν [S1 ἐπ'] οἶκον τοῦ βασ. Ἰ. (8 a)
27 (50). 27. καταβήτωσαν εἰς σφαγήν (8 a)
28 (51). 14. φθέγξονται ἐπὶ σὲ οἱ καταβαίνοντες [A -βέν.] †
31 (48). 15. κατέβησαν εἰς σφαγήν (8 a)
— 18. A B S2 κατάβηθι ἀπὸ δόξης (8 a)
43 (36). 12. κατέβη εἰς οἰκίαν [A S -κον] τοῦ βασ. (8 a)
— 14. κατέβη πρὸς αὐτούς (1)
51 (44). 28. A οἱ καταβαίνοντες [S παροικοῦντες, R καταστάντες] ἐν γῇ Αἰγ. (1)
Ba. 3. 19. εἰς ᾅδου κατέβησαν
Ez. 22. 24. A οὐδὲ ὑετὸς καταβήσεταί σοι [B al.] (21) †
24. 8. τοῦ ἀναβῆναι [A1 καταβ.] θυμόν †
26. 16. καταβήσονται . . . πάντες οἱ ἄρχοντες (8 a)
— 20. πρὸς τοὺς καταβαίνοντας εἰς βόθρον (8 a)
— 20. μετὰ καταβαινόντων εἰς βόθρον (8 a)
27. 29. καταβήσονται . . . πάντες οἱ κωπηλάται (8 a)
30. 6. καταβήσεται ἡ ὕβρις τῆς ἰσχύος αὐτῆς (8 a)
31. 12. κατέβησαν . . . πάντες οἱ λαοί (8 a)
— 14. πρὸς καταβαίνοντας [? προσκ.] εἰς βόθρον (8 a)
— 15. ἐν ᾗ ἡμέρᾳ κατέβη εἰς ᾅδου (8 a)
— 16. μετὰ τῶν καταβαινόντων εἰς λάκκον (8 a)
— 17. κατέβησαν μετ' αὐτοῦ εἰς ᾅδου (8 a)
— 18. κατάβηθι καὶ καταβιβάσθητι †
32. 18. πρὸς τοὺς καταβαίνοντας εἰς βόθρον (8 a)
— 19. A ἐξ ὑδάτων εὐπρεποῦς κατάβηθι (8 a)
— 20. κατάβηθι καὶ κοιμήθητι (8 a ?)
— 24. οἱ καταβαίνοντες ἀπερίτμητοι εἰς γῆς βάθος [A γῆν βάθους] (8 a)
— 24. μετὰ τῶν καταβαινόντων εἰς βόθρον (8 a)
— 27. κατέβησαν εἰς ᾅδου ἐν ὅπλοις πολεμικοῖς (8 a)
— 29. μετὰ καταβαινόντων εἰς βόθρον (8 a)
— 30. στρατηγοὶ Ἀσσοὺρ οἱ καταβαίνοντες τραυματίαι (8 a)
— 30. μετὰ τῶν καταβαινόντων εἰς βόθρον (8 a)
47. 1. κατέβαινεν ἀπὸ τοῦ κλίτους τοῦ δεξιοῦ (8 a)
— 8. κατέβαινεν ἐπὶ τὴν Ἀραβίαν (8 a)
— 15. ἀπὸ θαλάσσης τῆς μεγάλης τῆς καταβαινούσης (8 ?)
Da. TH. 4. 10. καὶ ἅγιος ἀπ' οὐρανοῦ κατέβη (14 b)
— 20. ἅγιον καταβαίνοντα ἀπὸ [A ἐκ] τοῦ οὐρανοῦ (14 b)
I Ma. 2. 29. τότε κατέβησαν πολλοί
— 31. κατέβησαν ἄνδρες
10. 71. κατάβηθι πρὸς ἡμᾶς εἰς τὸ πεδίον
16. 14. καὶ κατέβη εἰς Ἰεριχώ
II Ma. 2. 10. κατέβη πῦρ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ
— 10. καταβὰν τὸ πῦρ ἀνήλωσε τὰ ὁλοκαυτώματα
III Ma. 6. 18. δύο φοβεροειδεῖς ἄγγελοι κατέβησαν

[Aq. I Ki. 20. 19: 23. 11: IV Ki. 12. 20 (21): Ps. 21 (22). 30: 27 (28). 1: 29 (30). 4: 71 (72). 6: 132 (133). 2 bis: 142 (143). 7: Pr. 26. 22: Is. 38. 18: 64. 1 (63. 19): Ez. 32. 21, 24, 25: Hg. 2. 23 (22).]
[Sm. I Ki. 20. 19: 23. 11, 20 bis: IV Ki. 12. 20 (21): Ps. 21 (22). 30: 27 (28). 1: 71 (72). 6: Pr. 26. 22: Is. 38. 8, 18: 64. 1 (63. 19), 3 (2): Ez. 32. 25: Hg. 2. 23 (22).]
[Th. I Ki. 20. 19: 23. 11: Jb. 36. 16: Pr. 26. 22: Is. 64. 1 (63. 19), 3 (2): Ez. 32. 19, 25: Jn. 1. 6: Hg. 2. 23 (22).]
[Al. Ge. 43. 5, 20 bis: Ps. 143 (144). 5.]

καταβάλλειν. (1) הָרַס (2) לָקַח (3) נָטַשׁ (4) נָפַל a. qal. b. hi. (5) נָתַץ (6) פָּרַץ (7) שָׁטַם (8) שָׁחַת pi. (9) שָׁפֵל hi.

II Ki. 20. 15. ἐνοοῦσαν καταβαλεῖν τὸ τεῖχος (4 b)
IV Ki. 3. 19. πᾶν ξύλον ἀγαθὸν καταβαλεῖτε (4 b)
— 25. πᾶν ξύλον ἀγαθὸν κατέβαλον (4 b)
6. 5. ὁ εἷς καταβάλλων [A -βαλὼν] τὴν δοκόν (4 b)
19. 7. καταβαλῶ [A -βάλλω] αὐτὸν ἐν ῥομφαίᾳ (4 b)
II Ch. 32. 21. κατέβαλον [A1 -έλαβον] αὐτὸν ἐν ῥομφαίᾳ (4 b)
Ju. 9. 8. καταβαλεῖν σιδήρῳ κέρας θυσιαστηρίου σου
Jb. 12. 14. ἐὰν καταβάλῃ [A -στρέψῃ] τίς οἰκοδομήσει (1)
16. 10 (9). ὀργῇ χρησάμενος κατέβαλέ με (7)
— 15 (14). κατέβαλόν με πτῶμα [S1 om.] ἐπὶ πτώματι (6)
Ps. 36 (37). 14. τοῦ καταβαλεῖν πτωχόν (4 b)
72 (73). 18. B2 S R κατέβαλες αὐτούς (4 b)
105 (106). 26. τοῦ καταβαλεῖν αὐτοὺς ἐν τῇ ἐρήμῳ (4 b)
— 27. τοῦ καταβαλεῖν τὸ σπέρμα αὐτῶν (4 b)
139 (140). 10. καὶ καταβαλεῖς αὐτούς (4 b)
Pr. 7. 26. πολλοὺς γὰρ τρώσασα καταβέβληκε (4 b) †
18. 8. ὀκνηροὺς καταβάλλει φόβος
25. 28. ὥσπερ πόλις τὰ τείχη καταβεβλημένη (6)
Si. 1. 30. ἐν μέσῳ συναγωγῆς καταβαλεῖ σε
7. 7. μὴ καταβάλῃς σεαυτὸν ἐν ὄχλῳ
8. 16. ὅπου οὐκ ἔστι βοήθεια καταβαλεῖ [S1 -βάλλει] σε
14. 18. τὰ μὲν καταβάλλει ἄλλα δὲ φύει
47. 4. καταβαλεῖν [S -έβαλεν] γαυρίαμα τοῦ Γολιάθ
Hg. 2. 23 (22). A καταβαλῶ τὰ ὄρια αὐτῶν –
Is. 16. 9. τὰ δένδρα σου κατέβαλεν [S1 -έλαβεν] Ἐσ. †
26. 5. πόλεις ὀχυρὰς καταβαλεῖς (9)
Je. 19. 7. καταβαλῶ αὐτοὺς ἐν μαχαίρᾳ (4 b)
Ba. 2. 19. καταβάλλομεν τὸν ἔλεον
Ez. 6. 4. καταβαλῶ τραυματίας ὑμῶν (4 b)
23. 25. τοὺς καταλοίπους σου ἐν ῥομφαίᾳ καταβαλοῦσιν (4 a)
26. 4. καταβαλοῦσι τὰ τείχη Σὸρ καὶ καταβαλοῦσι [A καθελοῦσιν] τοὺς πύργους σου (8, 1)
— 9. τοὺς πύργους σου καταβαλεῖ (5)
— 12. καταβαλεῖ τὰ τείχη σου (1)
29. 5. καταβαλῶ σε ἐν τάχει (3)
30. 22. καταβαλῶ τὴν μάχαιραν αὐτοῦ (4 b)
31. 12. κατέβαλον αὐτὸν ἐπὶ τῶν ὀρέων (3)
32. 12. καταβαλῶ τὴν ἰσχύν σου (4 b)
33. 4. A ἐλθοῦσα ἡ ῥομφαία καταβάλῃ αὐτόν [B al.] (2)
39. 3. καταβαλῶ σε ἐπὶ τὰ ὄρη τὰ Ἰσ. (4 b)
Da. TH. 11. 12. καὶ καταβαλεῖ μυριάδας (4 b)
I Ma. 4. 33. κατάβαλε αὐτοὺς ῥομφαίᾳ ἀγαπώντων σε
II Ma. 2. 13. ὡς καταβαλλόμενος βιβλιοθήκην
4. 42. τινὰς δὲ κατέβαλον
5. 6. δοκῶν δὲ . . . τρόπαια καταβάλλεσθαι
8. 18. R τὸν ὅλον κόσμον . . . καταβαλεῖν [A -λαβεῖν]
IV Ma. 12. 1. καταβληθεὶς εἰς λέβητα
[Sm. Jb. 41. 1: Ps. 72 (73). 18: 139 (140). 11.]
[Th. Ps. 139 (140). 11.]
[Al. Pr. 21. 25: Ez. 32. 4.]
[Quint., Sext. Ps. 139 (140). 11.]

καταβαρύνειν. (1) כָּבַד

II Ki. 13. 25. οὐ μὴ καταβαρυνθῶμεν ἐπὶ σέ (1)
14. 26. κατεβαρύνετο ἐπ' αὐτόν (1)
Si. 8. 15. B ἵνα μὴ καταβαρύνηται [A S R βαρ., S1 -νῃ τὰ] κατὰ σοῦ
Jl. 2. 8. καταβαρυνόμενοι ἐν τοῖς ὅπλοις αὐ. †
[Th. Is. 24. 20.]

καταβάσιος.

Wi. 10. 6. ἐρρύσατο φυγόντα πῦρ καταβάσιον πενταπόλεως

κατάβασις. (1) דֶּרֶךְ (2) *a.* יָרַד *b.* מוֹרָד

Jo. 8. 24. καὶ ἐν τῷ ὄρει ἐπὶ [A *om.*] τῆς κ. †
10. 11. ἐπὶ τῆς κ. Ὡρωνίν (2 *b*)
Jd. 1. 16. ἥ ἐστιν [A *om.* ἥ ἐ.] ἐπὶ καταβάσεως Α. †
I Ki. 23. 20. εἰς κατάβασιν καταβαινέτω (2 *a*)
II Ki. 13. 34. λαὸς πολὺς πορευόμενος . . . ἐν τῇ κ. –
III Ki. 7. 29. ἔργον καταβάσεως (2 *b*)
Si. 43. 17. ὡς ἀκρὶς καταλύουσα ἡ κ. αὐτῆς
46. 6. ἐν καταβάσει ἀπώλεσεν ἀνθεστηκότας
Mi. 1. 4. ὡς ὕδωρ κατιφερόμ. ἐν καταβάσει (2 *b*)
Ez. 48. 1. κατὰ τὸ μέρος [A μέτρον] τῆς κ. (1)
I Ma. 3. 24. ἐν τῇ κ. Βαιθωρῶν
[Aq., Sm., Is. 32. 19.]
[Al. Le. 19. 14.]

καταβέννειν.

Je. 28 (51). 14. A φθέγξονται ἐπὶ σὲ οἱ καταβέννοντες [B S -βαίν.] †

καταβιάζεσθαι. (1) חָזַק (2) פָּצַר

Ge. 19. 3. R κατεβιάσατο [A παρεβιάζετο] αὐτούς (2)
Ex. 12. 33. κατεβιάζοντο οἱ Αἰγ. τὸν λαόν (1)

καταβιβάζειν. (1) יָרַד *a.* qal. *b.* hi. *c.* hoph.

De. 21. 4. καταβιβάσουσιν . . . δάμαλιν (1 *b*)
Jo. 2. 18. δι' ἧς κατεβίβασας ἡμᾶς (1 *b*)
Jd. 7. 5. A κατεβίβασεν [B -ήνεγκε] τὸν λαόν (1 *b*)
Je. 28 (51) 40. καταβίβασον [S¹ -σω] αὐτοὺς ὡς ἄρνας (1 *b*)
Ba. 3. 29. κατεβίβασεν αὐτὴν ἐκ τῶν νεφελῶν
La. 1. 9. κατεβίβασεν ὑπέρογκα (1 *a*)
Ez. 26. 20. καταβιβάσω [A -βιβῶ] σε πρὸς τοὺς καταβαίνοντας (1 *b*)
28. 8. καταβιβάσουσί σε (1 *b*)
31. 16. κατεβίβαζον αὐτὸν εἰς ᾅδου (1 *b*)
— 18. καταβιβάσθητι μετὰ τῶν ξύλων τῆς τρυφῆς (1 *c*)
32. 18. καταβιβάσουσιν αὐτῆς τὰς θυγατέρας τὰ ἔθνη νεκράς (1 *b*)
[Aq. Ge. 27. 40 : Ps. 55 (56). 8 : Pr. 30. 4.]

καταβιβρώσκειν. (1) *a.* אָכַל pu. *b.* אֲכָלָה

Ne. 2. 3. αἱ πύλαι αὐτῆς κατεβρώθησαν [A καὶ ἐβρ.] ἐν πυρί (1 *a*)
— 13. καὶ πύλαι αὐτῆς κατεβρώθησαν πυρί [A S ἐν π.] (1 *a*)
Si. 33 (36). 9. καταβρωθήτω ὁ [S¹ ὁ μὴ, S² ὁ ἀσεβὴς ὁ] σωζόμενος
Ez. 39. 4. δέδωκά σε καταβρωθῆναι (1 *b*)
Da. LXX. Bel 30. ἵνα καταβρωθῇ
— 41. καὶ κατεβρώθησαν
Da. TH. Bel 42. καὶ κατεβρώθησαν παραχρῆμα

καταβιοῦν. (1) אָכַל לֶחֶם

Am. 7. 12. καὶ ἐκεῖ καταβίου (1)

καταβλάπτειν.

III Ma. 7. 8. μηθενὸς αὐτοὺς τὸ σύνολον καταβλάπτοντος

καταβλέπειν. (1) שָׁקַף hi.

Ge. 18. 16. κατέβλεψαν ἐπὶ πρόσωπον Σοδ. (1)

καταβοᾶν. (1) צָעַק (2) קָרָא

Ex. 5. 15. κατεβόησαν πρὸς Φαραώ (1)
22. 23 (22). κεκράξαντες καταβοήσωσι πρὸς μέ (1)
— 27 (26). ἐὰν οὖν καταβοήσῃ πρὸς μέ (1)
De. 15. 9. καταβοήσεται [A β.] κατὰ σοῦ πρὸς κ. (2)
24. 15. καταβοήσεται κατὰ [A οὐ κ. περὶ] σοῦ (2)
II Ma. 8. 3. τῶν καταβοώντων πρὸς αὐτὸν αἱμάτων
[Sm. I Ki. 26. 14.]

καταβόησις.

Si. 32 (35). 15. ἡ κ. [S -πτωσις] ἐπὶ τῷ καταγαγόντι αὐτά

καταβολή.

II Ma. 2. 29. τῆς ὅλης κ. φροντιστέον

καταβόσκειν. (1) בָּעַר *a.* pi. *b.* hi.

Ex. 22. 5 (4). ἐὰν δὲ καταβοσκήσῃ τις ἀγρόν (1 *b*)
— 5 (4). ἀφῇ τὸ κτῆνος αὐτοῦ καταβοσκῆσαι (1 *a*)
— 5 (4). ἐὰν δὲ πάντα τὸν ἀγρὸν καταβοσκήσῃ –
[Sm., Al. Ps. 79 (80). 14.]

καταβόσκησις.

[Sm. Is. 6. 13.]

καταβροχή.

[Th. Pr. 3. 8.]

κατάβρωμα. (1) *a.* אָכַל *b.* אֲכָלָה *c.* מַאֲכָל (2) לֶחֶם

Nu. 14. 9. κατάβρωμα ἡμῖν ἐστιν (2)
De. 28. 26. ἔσονται οἱ νεκροὶ ὑμῶν κατάβρωμα (1 *c*)
31. 17. καὶ ἔσται κατάβρωμα (1 *a*)
Ju. 5. 24. B ἔσονται εἰς κατάβρωμα [A S -ωσιν]
10. 12. δίδοσθαι ὑμῖν εἰς κατάβρωμα
Je. 7. 33. A εἰς κατάβρωμα πᾶσιν [B S εἰς βρῶσιν] τοῖς πετεινοῖς (1 *c*)
Ez. 21. 32 (37). ἐν πυρὶ ἔσῃ κ. (1 *b*)
29. 5. δέδωκά σε εἰς κ. [A βρῶσιν] (1 *b*)
33. 27. δοθήσονται εἰς κ. (1 *a*)
34. 5. ἐγενήθη εἰς κ. πᾶσι τοῖς θηρίοις (1 *b*)
— 8. εἰς κ. πᾶσι τοῖς θηρίοις (1 *b*)
— 10. οὐκ ἔσονται αὐτοῖς ἔτι εἰς κ. (1 *b*)
35. 12. ἡμῖν δέδοται εἰς κ. [A κατάσχεσιν] (1 *a*)
[Aq. Ez. 29. 5.]
[Sm. Is. 9. 5 (4).]

κατάβρωσις. (1) אָכַל

Ge. 31. 15. κατέφαγε καταβρώσει τὸ ἀργύριον ἡμῶν (1)
Ju. 5. 24. A S ἔσονται εἰς κατάβρωσιν [B -ωμα]

κατάγαιος. (1) תַּחְתִּי

Ge. 6. 16. κατάγαια διώροφα . . . ποιήσεις αὐτήν (1)

καταγγέλλειν.

Pr. 17. 5. A ὁ καταγγέλλων [B S καταγελῶν] πτωχοῦ †
II Ma. 8. 36. R κατήγγελλεν ὑπέρμαχον ἔχειν τὸν θεὸν [A *om.* τ. θ.] τοὺς Ἰουδ.
9. 17. R καταγγέλλοντα [A -ας] τὸ τοῦ θεοῦ κράτος
[Sm. Ps. 39 (40). 6.]
[Sext. Ps. 2. 7.]

κατάγειν, *cf.* **καταγνύναι.** (1) בּוֹא hi. (2) דָּמַם (3) יָרַד *a.* qal. *b.* hi. *c.* hoph. (4) יָשַׁר pu. (5) נָגַע hi. (6) נָוָה (7) נָכָה hi. (8) רָדָה (9) שׁוּם (10) שָׁחַח hi. (11) שָׁפַת

Ge. 37. 25. ἐπορεύοντο δὲ καταγαγεῖν εἰς Αἴγ. (3 *b*)
— 28. κατήγαγον τὸν Ἰωσὴφ εἰς Αἴγ. (1)
39. 1. Ἰωσὴφ δὲ κατήχθη εἰς Αἴγ. (3 *c*)
— 1. οἱ κατήγαγον αὐτὸν ἐκεῖ (3 *b*)
42. 20. A τὸν ἀδ. ὑμῶν . . . καταγάγετε [R ἀγ.] (1)
— 38. κατάξετέ μου τὸ γῆρας (3 *b*)
43. 11. καταγάγετε τῷ ἀνθρώπῳ δῶρα (3 *b*)
44. 21. καταγάγετε αὐτὸν πρὸς μέ (3 *b*)
— 29. κατάξετέ μου τὸ γῆρας (3 *b*)
— 31. κατάξουσιν . . . τὸ γῆρας τοῦ παιδός σου (3 *b*)
45. 13. καταγάγετε τὸν πατέρα μου ὧδε (3 *b*)
Jd. 7. 4. A κατάγαγε [B κατένεγκον] αὐτούς (3 *b*)
16. 21. A κατήγαγον [B -ήνεγκαν] αὐτὸν εἰς Γ. (3 *b*)
I Ki. 2. 6. κατάγει εἰς ᾅδου καὶ ἀνάγει (3 *b*)
19. 12. κατάγει ἡ Μ. τὸν Δαυίδ (3 *b*)
30. 15. εἰ κατάξεις με ἐπὶ τὸ γεδδοὺρ τοῦτο (3 *b*)
— 15. κατάξω σε ἐπὶ τὸ γεδδοὺρ τοῦτο (3 *b*)
— 16. κατήγαγεν [A -ῆγεν] αὐτὸν ἐκεῖ (3 *b*)
III Ki. 1. 33. καταγάγετε αὐτὸν εἰς τὴν Γ. (3 *b*)
2. 6. A R οὐ κατάξεις τὴν πολιὰν αὐ. [B *al.*] (3 *b*)
— 9. A R κατάξεις τὴν πολιὰν [B πόλιν] αὐ. (3 *b*)
3. 1 (2. 9). A R κατάξεις τὴν πολιὰν [B πόλιν] αὐ. (3 *b*)
5. 9 (23). οἱ δοῦλοί μου κατάξουσιν αὐτά (3 *b*)
6. 35. χρυσίῳ καταγομένῳ ἐπὶ τὴν ἐκτύπωσιν (4)
17. 23. κατήγαγεν αὐτὸν ἀπὸ τοῦ ὑπερῴου (3 *b*)
18. 40. καὶ κατάγει αὐτοὺς Ἠ. (3 *b*)
IV Ki. 11. 19. κατήγαγον τὸν βασ. ἐξ οἴκου κ. (3 *b*)
To. 3. 10. τὸ γῆρας αὐτοῦ κατάξω
6. 14. κατάξω τὴν ζωὴν τοῦ πατρός μου
13. 2. κατάγει εἰς ᾅδην καὶ ἀνάγει [S *al.*]
Ps. 21 (22). 15. εἰς χοῦν θανάτου κατήγαγές με (11)
30 (31). 17. καταχθείησαν εἰς ᾅδου (2)
54 (55). 23. κατάξεις αὐτοὺς εἰς φρέαρ διαφθορᾶς (3 *b*)
55 (56). 7. ἐν ὀργῇ λαοὺς κατάξεις (3 *b*)
58 (59). 11. κατάγαγε αὐτούς (3 *b*)
77 (78). 16. κατήγαγον ὡς ποταμοὺς ὕδατα (3 *b*)
Pr. 5. 5. κατάγουσι τοὺς χρωμένους αὐτῇ (3 *a*)
Pr. 7. 27. κατάγουσαι εἰς τὰ [S¹ τὰ εἰς] ταμιεῖα τοῦ θανάτου (3 *a*)
Wi. 16. 13. κατάγεις εἰς πύλας ᾅδου
Si. 22. 19. ὁ νύσσων ὀφθαλμὸν κατάξει δάκρυα
32 (35). 15. ἡ καταβόησις [S -πτωσις] ἐπὶ τῷ καταγαγόντι αὐτά
38. 16. τέκνον, ἐπὶ νεκρῷ κατάγαγε [S κάταγε] δάκρυα
48. 3. κατήγαγεν οὕτως [S² *om.*] τρὶς πῦρ
— 6. ὁ καταγαγὼν βασιλεῖς εἰς ἀπώλειαν
Ho. 7. 12. καθὼς τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ κατάξω αὐτούς (3 *b*)
Am. 3. 11. κατάξει ἐκ σοῦ ἰσχύν σου (3 *b*)
9. 2. ἐκεῖθεν κατάξω αὐτούς (3 *b*)
Jl. 2. 17. τοῦ κατάρξαι αὐτῶν [S¹ -άξαι αὐτοὺς] ἔθνη †
3 (4). 2. καὶ κατάξω αὐτὰ εἰς τὴν κοιλάδα Ἰ. (3 *b*)
Ob. 1. 3. τίς με κατάξει ἐπὶ τὴν γῆν (3 *b*)
— 4. ἐκεῖθεν κατάξω σε, λέγει κύριος (3 *b*)
Za. 9. 4. AS¹ κατάξει [B S² πατάξει] εἰς θάλασσαν δύναμιν (7)
— 10. S¹ κατάξει [A B S² κατάρξει] ὑδάτων †
12. 4. S¹ τοὺς ἵππους . . . κατάξω [A B S² πατάξω] (7)
Is. 9. 3 (2). ὃ κατήγαγες ἐν εὐφροσύνῃ σου †
26. 5. κατήγαγες τοὺς ἐνοικοῦντας ἐν ὑψηλοῖς (10)
— 5. πόλεις ὀχυρὰς . . . κατάξεις [A *al.*] (5)
63. 3. κατήγαγον τὸ αἷμα [S τὰ ἱμάτια] αὐτῶν εἰς γῆν (6 ?)
— 6. κατήγαγον τὸ αἷμα αὐτῶν εἰς γῆν (3 *b*)
Je. 9. 18 (17). καταγαγέτωσαν οἱ ὀφθαλμοὶ ὑμῶν δάκρυα (3 *a*)
13. 17. κατάξουσιν οἱ ὀφθαλμοὶ ὑμῶν δάκρυα (3 *a*)
14. 17. καταγάγετε ἐπ' ὀφθαλμοὺς ὑμῶν δάκρυα (3 *a*)
19. 8. κατάξω [A τάξω] τὴν πόλιν ταύτην εἰς ἀφανισμόν (9)
37 (30). 6. καθέξουσιν [S¹ κατάξ.] ὀσφύν –
La. 1. 13. ἐν τοῖς ὀστέοις μου κατήγαγεν αὐτό (8 ?)
— 16. ὁ ὀφθαλμός μου κατήγαγεν ὕδωρ (3 *a*)
2. 10. κατήγαγον εἰς γῆν ἀρχηγούς (3 *b*)
— 18. καταγάγετε [A -τωσαν] ὡς χειμάρρους δάκρυα (3 *b*)
3. 48. ἀφέσεις ὑδάτων κατάξει ὁ ὀφθαλμός μου (3 *a*)
Ez. 26. 11. τὴν ὑπόστασιν τῆς ἰσχύος σου . . . κατάξει (3 *a*)
44. 14. κατάξουσιν αὐτοὺς φυλάσσειν [A *al.*] †
III Ma. 4. 9. κατήχθησαν δὲ θηρίων τρόπον
7. 5. δεσμίους καταγαγόντες αὐτούς
— 19. καταχθέντες δὲ μετ' εἰρήνης
[Aq. Je. 14. 17 : 51 (28). 40.]
[Sm. Ps. 55 (56). 8 : 87 (88). 5 : Je. 14. 17 : 51 (28). 40.]
[Th. Ps. 48 (49). 15.]

καταγελᾶν. (1) הָיָה לָבוּז (2) חָפַר (3) לָעַג (4) עָלַז (5) שָׂחַק *a.* qal. *b.* hi.

Ge. 38. 23. μή ποτε καταγελασθῶμεν (1)
II Ch. 30. 10. ἐγένοντο ὡς καταγελῶντες αὐτῶν (5 *b*)
To. 2. 8. S οἱ πλησίον μου κατεγέλων [A B *al.*]
Ju. 12. 12. καταγελάσεται ἡμῶν
Es. 4. 17. μὴ καταγελασάτωσαν [A γελ.] ἐν τῇ πτώσει ἡμῶν
Jb. 5. 22. ἀδίκων καὶ ἀνόμων καταγελάσῃ (5 *a*)
9. 23. ἀλλὰ δίκαιοι καταγελῶνται (3 *a*)
21. 3. εἶτ' οὐ καταγελάσετέ μου [A S *al.*] (3 *b*)
30. 1. νυνὶ δὲ κατεγέλασάν μου (5 *a*)
39. 7. καταγελῶν πολυοχλίας πόλεως (5 *a*)
— 18. καταγελάσεται ἵππου [S¹ αὐτοῦ] (5 *a*)
— 22. συναντῶν βασιλεῖ [AS⁴ βέλει] καταγελᾷ (5 *a*)
41. 20 (21). καταγελᾷ δὲ σεισμοῦ πυρφόρου (5 *a*)
Ps. 24 (25). 2. μηδὲ καταγελασάτωσάν μου οἱ ἐχθροί μου (4)
Pr. 17. 5. ὁ καταγελῶν [A -αγγέλλων] πτωχοῦ (3 *a*)
24. 52 (30. 17). ὀφθαλμὸν καταγελῶντα πατρός (3 *a*)
29. 9. ἀνὴρ δὲ φαῦλος ὀργιζόμ. καταγελᾶται (5 *a*)
Si. 7. 11. μὴ καταγέλα ἀνθρώπου [S -ου] ὄντα [S *om.*] ἐν πικρίᾳ ψυχῆς αὐτοῦ
20. 17. ποσάκις καὶ ὅσοι καταγελάσονται αὐτοῦ
Mi. 3. 7. καταγελασθήσονται οἱ μάντεις (2 ?)
I Ma. 7. 34. καὶ κατεγέλασεν αὐτῶν
IV Ma. 6. 20. A R καταγελώμενοι πρὸς ἁπάντων [S ὑπὸ π.] ἐπὶ δειλίᾳ
[Sm. Ps. 2. 4 : 36 (37). 13 : 58 (59). 9 : La. 1. 7.]

καταγέλαστος.

Wi. 17. 8. *οὗτοι καταγέλαστον εὐλάβειαν ἐνόσουν*

κατάγελως. (1) קֶלֶס

To. 8. 10. S *καὶ γενώμεθα κατάγελως*
Ps. 43 (44). 13. *καταγέλωτα* [A S^2 *χλευασμὸν*] *τοῖς κύκλῳ ἡμῶν* (1)
Mi. 1. 10. *μὴ ἀνοικοδομεῖτε . . . καταγέλωτα* [? *κατὰ γ.*] †
I Ma. 10. 70. *ἐγὼ δὲ ἐγενήθην εἰς καταγέλωτα*
[Sm. Je. 20. 7.]
[Sext. Ps. 43 (44). 14.]

καταγηράσκειν. (1) שֵׂיבָה

Is. 46. 4. *ἕως ἂν καταγηράσητε ἐγώ εἰμι* (1)

καταγίνεσθαι. (1) *a.* יָשַׁב *b.* מוֹשָׁב (2) שָׁכַן

Ex. 10. 23. *ἐν πᾶσιν οἷς κατεγίνοντο* (1 *b*)
Nu. 5. 3. *ἐν οἷς ἐγὼ καταγίνομαι ἐν αὐτοῖς* (2)
De. 9. 9. *κατεγινόμην ἐν τῷ ὄρει* (1 *a*)
Da. LXX. Bel 20. *ἐν ᾧ ἦσαν οἱ ἱερεῖς καταγινόμενοι*

καταγινώσκειν. (1) חָקַר (2) רָשַׁע hi.

De. 25. 1. *καὶ καταγνῶσι τοῦ ἀσεβοῦς* (2)
Pr. 28. 11. *πένης δὲ νοήμων καταγνώσεται αὐτοῦ* (1)
Si. 14. 2. *οὗ οὐ κατέγνω ἡ ψυχὴ αὐτοῦ*
19. 5. *ὁ εὐφραινόμενος καρδίᾳ* [S^1 *πονηρὰ*] *καταγνωσθήσεται*
[Sm. Jb. 42. 6: Ez. 16. 61.]

κάταγμα.

[Sm. Ps. 146 (147). 3: Ez. 21. 6 (11).]

καταγνύναι, *cf.* **κατάγειν.** (1) גָּדַע ni. (2) דּוּשׁ (3) מָחַץ (4) נָתַת pi. (5) נָכָה hi. (6) רָדַף

De. 33. 11. *κάταξον ὀσφὺν ἐχθρῶν* (3)
II Ki. 22. 35. *καὶ κατάξας τόξον χαλκοῦν* (4)
Ju. 9. 8. *κάταξον τὸ κράτος αὐτῶν*
Hb. 3. 12. *καὶ ἐν θυμῷ κατάξεις ἔθνη* (2)
Za. 1. 21 (2. 4). *καὶ τὸν Ἰσραὴλ κατέαξαν* †
9. 4. *πατάξει* [A S^1 *κατάξει*] *εἰς θάλασσαν* (5)
— 10. *κατάρξει* [S^1 *κατάξει*] *ὑδάτων* †
12. 4. *τοὺς ἵππους . . . πατάξω* [S^1 *κατάξω*] (5)
Je. 31 (48). 25. *κατεάχθη κέρας Μωάβ* (1)
La. 3. 66. A *αὐτοὺς κατάξεις* [B *καταδιώξ.*] *ἐν ὀργῇ* (6)
[Aq. Dt. 9. 17.]
[Sm. Ps. 47 (48). 8: 50 (51). 19: 68 (69). 21.]
[Al. Le. 24. 20: Ps. 146 (147). 3.]

κατάγνωσις.

Si. 5. 14. *κατάγνωσις πονηρὰ ἐπὶ διγλώσσου*

καταγογγύζειν.

I Ma. 11. 39. *καταγογγύζουσι κατὰ τοῦ Δημητρ.*

καταγράφειν. (1) כָּתַב (2) עָלָה hoph.

Ex. 17. 14. *κατάγραψον τοῦτο . . . εἰς βιβλίον* [A *ἐν βιβλίῳ*] (1)
32. 15. *πλάκες λίθιναι καταγεγραμμ.* [A *γεγρ.*] (1)
Nu. 11. 26. *οὗτοι ἦσαν τῶν καταγεγραμμένων* (1)
I Ch. 9. 1. *καὶ οὗτοι καταγεγραμμένοι ἐν βιβλίῳ* (1)
II Ch. 20. 34. *ὃς κατέγραψε βιβλίον* [B^1 *-ου*] *βασιλέως Ἰσρ.* (2)
I Es. 2. 16. A R *κατέγραψεν αὐτῷ* [B *-ὼν*] *κατὰ τῶν κατοικούντων*
Jb. 13. 26. *κατέγραψας κατ' ἐμοῦ κακά* (1)
Si. 48. 10. *ὁ καταγραφεὶς ἐν ἐλεγμοῖς* [A *κ. ἐλεγμὸς*] *εἰς* [S^1 *om.*] *καιρούς*
Ho. 8. 12. *καταγράψω αὐτῷ πλῆθος* (1)
I Ma. 9. 22. *τῆς μεγαλωσύνης αὐτοῦ οὐ κατεγράφη*
14. 27. S R *καὶ κατέγραψαν* [A *-εν*] *ἐν δέλτοις χαλκαῖς*
[Sm. Ez. 8. 10.]

κατάγχειν.

[Th. Jd. 11. 35 *bis.*]

καταδαμάζειν. (1) חָרַשׁ

Jd. 14. 18. A *εἰ μὴ κατεδαμάσατέ μου τὴν δάμαλιν* [B *al.*]

καταδαπανᾶσθαι.

Wi. 5. 13. *ἐν δὲ τῇ κακίᾳ ἡμῶν κατεδαπανήθημεν*

καταδεής.

[Sm. Jb. 13. 2.]

καταδεικνύναι. (1) בָּרָא (2) יָצַר (3) תָּפַשׂ

Ge. 4. 21. *οὗτος ἦν ὁ καταδείξας ψαλτήριον* (3)
Is. 40. 26. *τίς κατέδειξε πάντα ταῦτα* (1)
41. 20. *ὁ ἅγιος τοῦ Ἰσραὴλ κατέδειξεν* (1)
43. 15. *ὁ καταδείξας Ἰσραὴλ βασιλέα ὑμῶν* (1)
45. 18. *οὗτος ὁ θεὸς ὁ καταδείξας τὴν γῆν* (2)

καταδεῖν. (1) חָבַשׁ (2) חָפַשׂ hithp. (3) עָמַם (4) צָמִיד

Nu. 19. 15. B^2R *ὅσα οὐχὶ* [A B^1 *οὐκ ἔχει*] *δεσμὸν καταδέδεται* (4 *?*)
III Ki. 21 (20). 38. *κατεδήσατο τελαμῶνι τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ* (3 *?*)
Si. 27. 21. *τραυμὰ ἐστι καταδῆσαι*
28. 24. *τὸ ἀργύριόν σου καὶ τὸ χρυσίον κατάδησον*
Is. 46. 1. *αἴρετε* [A *ἔδεται*] *αὐτὰ καταδεδεμένα* (2)
Ez. 34. 4. *τὸ συντετριμμένον οὐ κατεδήσατε* (1)
— 16. *τὸ συντετριμμένον καταδήσω* (1)
[Aq. Ge. 30. 41.]
[Sm. Jb. 16. 8.]
[Th. Is. 61. 1: Ez. 30. 21.]

καταδεῖσθαι. (1) חָלָה (2) חָנַן hithp.

Ge. 42. 21. *ὅτε κατεδέετο ἡμῶν* (2)
Is. 57. 10. *οὐ* [S^1 *ὃ*] *κατεδέήθης μου σύ* (1)
Ez. 30. 21. *οὐ κατεδέήθη* [A *add. μου*] †

καταδεσμεύειν.

Si. 7. 8. *μὴ καταδεσμεύσῃς δὶς ἁμαρτίαν*
30. 7. *καταδεσμεύσει τραύματα αὐ.*

κατάδεσμος. (1) חָבַשׁ pu.

Is. 1. 6. *οὐκ ἔστι μάλαγμα . . . οὔτε καταδέσμους* (1)

καταδέχεσθαι. (1) בִּין (2) נָדִיב

Ex. 35. 5. *πᾶς ὁ καταδεχόμενος τῇ καρδίᾳ* (2)
De. 32. 29. *ταῦτα καταδεξάσθωσαν* (1)

καταδιαιρεῖν. (1) גָּזַר (2) חָלַק pi. (3) פָּלַג pi. (4) פָּסַג pi.

Ps. 47 (48). 13. A B S^2 *καταδιέλεσθε τὰς βάρεις αὐτῆς* (4)
54 (55). 9. *καταδιέλε τὰς γλώσσας αὐτῶν* (3)
135 (136). 13. *τῷ καταδιελόντι τὴν ἐρυθρὰν θάλασσαν* (1)
Jl. 3 (4). 2. *καὶ τὴν γῆν μου κατεδιείλαντο* (2)
[Sm. Ps. 28 (29). 7.]
[Al. Is. 14. 2.]

καταδικάζειν. (1) חוּב pi. (2) עָוַת pi. (3) *a.* רָשַׁע hi. *b.* רָשָׁע

Jb. 34. 29. *καὶ τίς καταδικάσεται* (3 *a*)
Ps. 36 (37). 33. A S *οὐδὲ μὴ καταδικάσηται* [B *-σαι*] *αὐτόν* (3 *a*)
93 (94). 21. *αἷμα ἀθῷον καταδικάσονται* (3 *a*)
108 (109). 7. *ἐξέλθοι καταδεδικασμένος* (3 *b*)
Wi. 2. 20. *θανάτῳ ἀσχήμονι καταδικάσωμεν αὐτόν*
11. 10. *ἐκείνους δὲ . . . καταδικάζων ἐξήτασας*
12. 15. *αὐτὸν τὸν μὴ ὀφείλοντα κολασθῆναι καταδικάσαι*
17. 11. *δειλὸν γὰρ ἰδίως πονηρία μαρτυρεῖ* [A S *-υρι*] *καταδικαζομένη*
La. 3. 36. *καταδικάσαι ἄνθρωπον ἐν τῷ κρίνεσθαι αὐτόν* (2)
Da. TH. 1. 10. *καὶ καταδικάσητε τὴν κεφαλήν μου τῷ βασ.* (1)
[Aq. Jb. 9. 20: 10. 2: Is. 54. 17.]
[Sm. Jb. 9. 20: Ps. 36 (37). 33.]
[Th. Jb. 9. 20: 34. 29.]

καταδίκη.

Wi. 12. 27. *τὸ τέρμα τῆς κ. ἐπ' αὐτοὺς ἐπῆλθε*
[Sm. Ps. 89 (90). 3.]

καταδιώκειν. (1) דָּבַק hi. (2) דָּלַק (3) דָּפַק (4) הָלַךְ (5) יָצָא (6) רָדַף *a.* qal. *b.* pi. (7) רוּץ (8) שָׁפַט

Ge. 14. 14. *κατεδίωξεν ὀπίσω αὐτῶν* (6 *a*)
— 15. R *κατεδίωξεν αὐτούς* (6 *a*)
31. 36. *κατεδίωξας ὀπίσω μου* (2)
Ge. 33. 13. R *ἐὰν οὖν καταδιώξω αὐτά* [A *-ούς*] (3)
35. 5. *οὐ κατεδίωξαν ὀπίσω τῶν υἱῶν Ἰσρ.* (6 *a*)
Ex. 14. 4. *καταδιώξεται ὀπίσω αὐτῶν* (6 *a*)
— 8. *κατεδίωξεν* [A^2 *-αν*] *ὀπίσω τῶν υἱῶν Ἰσρ.* (6 *a*)
— 9. *κατεδίωξαν οἱ Αἰγύπτιοι ὀπίσω αὐτῶν* (6 *a*)
— 23. *καὶ κατεδίωξαν οἱ Αἰγ.* (6 *a*)
De. 1. 44. B *καὶ κατεδίωξαν* [A R *-εν*] *ὑμᾶς* (6 *a*)
11. 4. *καταδιωκόντων αὐτῶν ἐκ τῶν ὀπίσω ὑμῶν* (6 *a*)
28. 22, 45. *καὶ καταδιώξονταί σε* (6 *a*)
Jo. 2. 5. *καταδιώξατε ὀπίσω αὐτῶν* (6 *a*)
— 7. *καὶ οἱ ἄνδρες κατεδίωξαν ὀπίσω αὐτῶν* (6 *a*)
— 8 (7). A *ὡς ἐξῆλθον οἱ καταδιώκοντες* [B *δι.*] (6 *a*)
— 16. *μὴ συναντήσωσιν ὑμῖν οἱ καταδιώκοντες* (6 *a*)
— 16. *ἀποστρέψωσιν* [A *ἀναστρ.*] *οἱ καταδιώκοντες* (6 *a*)
— 22. *ἐξεζήτησαν οἱ καταδιώκοντες* (6 *a*)
7. 5. *κατεδίωξαν αὐτοὺς ἀπὸ τῆς πύλης* (6 *a*)
8. 16. *καὶ κατεδίωξαν ὀπίσω τῶν υἱῶν Ἰσρ.* (6 *a*)
— 17. *ὃς οὐ κατεδίωξεν ὀπίσω Ἰσρ.* (5)
— 17. B *κατεδίωξαν ὀπίσω Ἰσρ.* (6 *a*)
— 24. *οὓς κατεδίωξαν αὐτούς* (6 *a*)
10. 10. *καὶ κατεδίωξαν αὐτούς* (6 *a*)
— 19. *μὴ ἐστήκατε καταδιώκοντες* (6 *a*)
11. 8. *κόπτοντες αὐτοὺς κατεδίωκον* (6 *a*)
24. 6. *κατεδίωξαν οἱ Αἰγύπτιοι* (6 *a*)
Jd. 7. 23. A *κατεδίωξαν* [B *ἐδ.*] *ὀπίσω* M. (6 *a*)
— 25. *καὶ κατεδίωξαν* M. (6 *a*)
9. 40. A *καὶ κατεδίωξεν* [B *ἐδ.*] *αὐτὸν Ἀβ.* (6 *a*)
I Ki. 7. 11. B *κατεδίωξαν τοὺς ἀλλοφύλους* (6 *a*)
17. 52. *κατεδίωξαν ὀπίσω αὐτῶν* (6 *a*)
23. 25. *καὶ κατεδίωξεν ὀπίσω Δαυίδ* (6 *a*)
— 28. *μὴ καταδιώκειν ὀπίσω Δαυίδ* (6 *a*)
24. 15. *ὀπίσω τίνος καταδιώκεις* (6 *a*)
25. 29. *ἄνθρωπος καταδιώκων σε* (6 *a*)
26. 18. *ἵνα τί τοῦτο καταδιώκει ὁ κύριος* (6 *a*)
— 20. *καθὼς καταδιώκει ὁ νυκτικόραξ* (6 *a*)
30. 8. *εἰ καταδιώξω ὀπίσω τοῦ γεδδοὺρ τ.* (6 *a*)
— 8. *καὶ εἶπεν αὐτῷ καταδίωκε* (6 *a*)
— 10. R *κατεδίωξεν ἐν τετρακοσίοις ἀνδράσιν* [A B *al.*] (6 *a*)
— 22. *οὐ κατεδίωξαν μεθ' ἡμῶν* (4)
II Ki. 2. 19. *κατεδίωξεν Ἀσ. ὀπίσω Ἀβ.* (6 *a*)
— 24. *κατεδίωξεν Ἰ. καὶ Ἀβ. ὀπίσω Ἀβ.* (6 *a*)
— 28. *οὐ κατεδίωξαν ὀπίσω τοῦ Ἰσρ.* (6 *a*)
17. 1. *καταδιώξω ὀπίσω Δαυίδ* (6 *a*)
20. 6. *καταδίωξον ὀπίσω αὐτοῦ* (6 *a*)
III Ki. 21 (20). 20. *κατεδίωξεν αὐτοὺς Ἰσρ.* (6 *a*)
I Ch. 10. 2. *κατεδίωξαν ἀλλόφυλοι ὀπίσω Σ.* (1)
II Ch. 13. 19. *κατεδίωξεν Ἀβ. ὀπίσω Ἱερ.* (6 *a*)
14. 13 (12). *καὶ κατεδίωξεν Ἀσά* (6 *a*)
Ne. 9. 11. R *τοὺς καταδιώξοντας* [B S *-αντας*, A *-κοντας*] *αὐτοὺς ἔρριψας* (6 *a*)
Ju. 16. 3. *ἐκ χειρὸς καταδιωκόντων με*
Ps. 7. 5. *καταδιώξαι ἄρα ὁ ἐχθρὸς τὴν ψυχήν μου* (6 *a*)
17 (18). 37. *καταδιώξω τοὺς ἐχθρούς μου* (6 *a*)
22 (23). 6. *τὸ ἔλεός σου καταδιώξεταί* [S^2 *-ξει*] *με* (6 *a*)
30 (31). 15. *ῥῦσαί με . . . ἐκ τῶν καταδιωκόντων με* (6 *a*)
34 (35). 3. *ἐξ ἐναντίας τῶν καταδιωκόντων με* (6 *a*)
— 6. *ἄγγελος κυρίου καταδιώκων αὐτούς* (6 *a*)
37 (38). 20. *κατεδίωκον δικαιοσύνην* [S^2 *ἀγαθωσ.*] (6 *a*)
68 (69). 26. *ὃν σὺ ἐπάταξας αὐτοὶ κατεδίωξαν* (6 *a*)
70 (71). 11. *καταδιώξατε καὶ καταλάβετε αὐτόν* (6 *a*)
82 (83). 15. *οὕτως καταδιώξεις αὐτούς* (6 *a*)
108 (109). 16. *κατεδίωξεν ἄνθρωπον* [S^1 *om.*] *πένητα* (6 *a*)
— 31. *ἐκ τῶν καταδιωκόντων* [S^1 *διωκ.*] *τὴν ψυχήν μου* (8)
118 (119). 84. *ἐκ τῶν καταδιωκόντων με κρίσιν* (6 *a*)
— 86. *ἀδίκως κατεδίωξάν με* (6 *a*)
— 150. *οἱ καταδιώκοντές με ἀνομίᾳ* (6 *a*)
— 161. *ἄρχοντες κατεδίωξάν με δωρεάν* (6 *a*)
141 (142). 6. *ῥῦσαί με ἐκ τῶν καταδιωκόντων με* (6 *a*)
142 (143). *tit. ὅτε αὐτὸν ὁ υἱὸς καταδιώκει* [A *-εδίωξεν*] –
— 3. A B^2 S^2 R *κατεδίωξεν ὁ ἐχθρὸς τὴν ψυχήν μου* (6 *a*)

Pr. 12. 26. ἁμαρτάνοντας δὲ καταδιώξεται κακά [S^2 *om.* ἁ. . . . κ.] –
13. 21. ἁμαρτάνοντας καταδιώξεται κακά (6 *b*)
Si. 27. 17. οὐ [A S^3 *om.*] μὴ καταδιώξῃς ὀπίσω αὐτοῦ
Ho. 2. 7 (9). καταδιώξεται τοὺς ἐραστὰς αὐ. (6 *b*)
8. 3. ἐχθρὸν κατεδίωξαν (6 *a*)
Mi. 2. 11. κατεδιώχθητε οὐδενὸς διώκοντος †
Jl. 2. 4. καὶ ὡς [A οἱ] ἱππεῖς οὕτως καταδιώξονται (7)
Je. 15. 15. ἀπὸ [S ἐκ] τῶν καταδιωκόντων με (6 *a*)
52. 8. κατεδίωξεν ἡ δύναμις τῶν Χαλδ. (6 *a*)
Ba. 4. 25. κατεδίωξέ σε ὁ ἐχθρός
La. 1. 3. πάντες οἱ καταδιώκοντες [S δι.] αὐτήν (6 *a*)
3. 11. κατεδίωξεν ἀφεστηκότα †
— 66. αὐτοὺς καταδιώξεις [A κατάξ.] ἐν ὀργῇ (6 *a*)
I Ma. 7. 45. καὶ κατεδίωκον αὐτούς
10. 78. κατεδίωξεν ὀπίσω αὐτοῦ
12. 30. S R κατεδίωξεν Ἰωνάθαν [A -ξαν] ὀπίσω αὐτῶν
16. 9. Ἰωάννης δὲ κατεδίωξεν αὐτούς
[Aq., Sm. Ps. 34 (35). 3 : Pr. 11. 19.]
[Th. Jd. 7. 23 : Ps. 34 (35). 3 : Pr. 11. 19 : 19. 7 : Je. 39 (46). 5.]
[Quint. Ps. 34 (35). 3.]

καταδολεσχεῖν. (1) שׂוּחַ *a.* qal. *b.* hi.

La. 3. 20. καταδολεσχήσει ἐπ' ἐμὲ ἡ ψυχή μου (1 *a*, 1 *b**)

καταδουλοῦν. (1) עָבַד *a.* qal. *b.* hi. (2) רָמָא

Ge. 47. 21. R τὸν λαὸν κατεδουλώσατο αὐτῷ [A -ὼν] †
Ex. 1. 14. ἔργα ὧν κατεδουλοῦντο αὐτούς (1 *a*)
6. 5. ὃν οἱ Αἰγ. καταδουλοῦνται [A -λῶσιν] αὐτούς (1 *b*)
II Es. 7. 24. οὐκ ἐξουσιάσεις καταδουλοῦσθαι αὐτούς (2)
Je. 15. 14. καταδουλώσω [A -σουσίν] σε κύκλῳ †
Ez. 29. 18. κατεδουλώσατο τὴν δύναμιν αὐτοῦ (1 *b*)
34. 27. ἐκ χειρὸς τῶν καταδουλωσαμ. αὐτούς (1 *a*)
I Ma. 8. 10. καὶ κατεδουλώσαντο αὐτούς
— 18. A R καταδουλουμένους τὸν Ἰσρ. δουλείαν [S -ᾳ]
III Ma. 2. 6. Φαραὼ καταδουλωσάμενον τὸν λαόν σου
[Sm. Is. 43. 23 : Je. 17. 4 : 25. 14.]
[Th. Is. 43. 23.]
[Al. Le. 19. 20.]

καταδρομή.

II Ma. 5. 3. καὶ καταδρομὰς ἑκατέρων

καταδύειν (-δύνειν). (1) יָרַד (2) כָּבַשׁ (3) סָתַר ni. (4) שָׁקַע

Ex. 15. 5. κατέδυσαν εἰς βυθὸν ὡσεὶ λίθος (1)
Am. 9. 3. ἐὰν καταδύσωσιν ἐξ ὀφθαλμῶν μου (3)
Mi. 7. 19. καταδύσει τὰς ἀδικίας ἡμῶν (2)
Je. 28 (51). 64. οὕτως καταδύσεται Βαβυλών (4)
[Aq. Je. 38 (45). 22.]
[Sm. Ps. 118 (119). 136.]
[Al. Hb. 3. 13.]
[Sext. Ps. 88 (89). 45.]

καταδυναστεία. (1) גְּרֵשָׁה (2) סִבְלָה (3) *a.* עֲשֻׁקִים *b.* עֹשֶׁק

Ex. 6. 7. ὁ ἐξαγαγὼν ὑμᾶς ἐκ τῆς κ. τῶν Αἰγ. (2)
Am. 3. 9. ἴδετε . . . καταδυναστείαν [A τὴν κ.] τὴν ἐν αὐτῇ (3 *a*)
Je. 6. 6. ὅλη κ. ἐν αὐτῇ (3 *b*)
Ez. 22. 12. συντέλειαν κακίας σου τὴν ἐν καταδυναστείᾳ (3 *b*)
45. 9. ἐξάρατε καταδυναστείαν (1)

καταδυναστεύειν. (1) בָּקַע (2) חָזַק hi. (3) יָנָה hi. (4) כָּבַשׁ *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. (5) כָּתַר hi. (6) נָשָׂא (7) עָבַד hi. (8) עָמַר hithpa. (9) עָרִיץ (10) עָשַׁק (11) רָצַץ (12) שָׁבַת hi.

Ex. 1. 13. κατεδυνάστευον οἱ Αἰγ. τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (7)
21. 17 (16). καταδυναστεύσας αὐτὸν ἀποδῶται –
De. 24. 7. καὶ καταδυναστεύσας αὐτὸν ἀποδῶται (8)
I Ki. 12. 3. τίνα κατεδυνάστευσα ὑμῶν [A *om.*] (10)
— 4. οὐ κατεδυνάστευσας ἡμᾶς (11)
II Ki. 8. 11. ἐκ πασῶν τῶν πόλεων ὧν κατεδυνάστευσεν (4 *c*)
II Ch. 21. 17. καὶ κατεδυνάστευον (1)
Ne. 5. 5. καταδυναστεύομεν τοὺς υἱοὺς [A τοῖς υἱ.] ἡμῶν (4 *a*)
— 5. εἰσὶν ἀπὸ θυγατέρων ἡμῶν καταδυναστευόμεναι (4 *b*)
Wi. 2. 10. καταδυναστεύσωμεν πένητα δίκαιον
15. 14. B^2S^1R οἱ ἐχθροὶ τοῦ λαοῦ σου καταδυναστεύσαντες [A B^1S^2 οἱ κατ.] αὐτόν [S^2 -ῶν]
17. 2. ὑπειληφότες γὰρ καταδυναστεύειν ἔθνος ἅγιον
Si. 48. 12. οὐ κατεδυνάστευσεν [S οὐκ ἐδυνάστευσεν] αὐτὸν οὐδείς
Ho. 5. 11. κατεδυνάστευσεν Ἐ. τὸν ἀντίδικον αὐτοῦ (10)
12. 7 (8). καταδυναστεύειν ἠγάπησε (10)
Am. 4. 1. αἱ καταδυναστεύουσαι πτωχούς (10)
8. 4. καταδυναστεύοντες πτωχοὺς ἀπὸ τῆς γῆς (12)
Mi. 2. 2. καὶ οἶκους κατεδυνάστευον (6)
Hb. 1. 4. ἀσεβὴς καταδυναστεύει τὸν δίκαιον (5)
Za. 7. 10. πένητα μὴ καταδυναστεύετε (10)
Ma. 3. 5. καὶ τοὺς καταδυναστεύοντας χήραν –
Is. 29. 5. B τὸ πλῆθος τῶν καταδυναστευόντων σε (9)
Je. 7. 6. ὀρφανὸν καὶ χήραν μὴ καταδυναστεύσητε (10)
22. 3. ὀρφανὸν καὶ χήραν μὴ καταδυναστεύετε [S -σητε] (3)
27 (50). 33. καταδεδυνάστευνται οἱ υἱοὶ Ἰσ. (10)
— 33. A B S^2 κατεδυνάστευσαν αὐτούς (2)
Ez. 18. 7. ἄνθρωπον οὐ μὴ καταδυναστεύσῃ (3)
— 12. πτωχὸν καὶ πένητα κατεδυνάστευσε (3)
— 16. ἄνθρωπον οὐ κατεδυνάστευσε (3)
22. 7. ὀρφανὸν καὶ χήραν κατεδυνάστευον (3)
— 29. πτωχὸν καὶ πένητα καταδυναστεύοντες (3)
45. 8. οὐ καταδυναστεύσουσιν οὐκέτι . . . τὸν λαόν μου (3)
46. 18. τοῦ [A B^1 *om.*] καταδυναστεῦσαι αὐτούς (3)
II Ma. 1. 28. βασάνισον τοὺς καταδυναστεύοντας
[Aq. Is. 29. 20 : Je. 50 (27). 17.]
[Sm. Jd. 10. 8 : Jb. 13. 25 : 36. 9 : Ps. 64 (65). 4 : Is. 29. 5, 20.]
[Th. Is. 29. 5, 20.]

κατάδυσις. (1) מִפְלָצֶת

III Ki. 15. 13. ἐξέκοψεν Ἀσὰ τὰς κ. αὐτῆς (1)
[Aq. Ps. 16 (17). 14 : 38 (39). 6 : 48 (49). 2.]
[Sm. Ps. 48 (49). 2 : 68 (69). 3.]

κατάδυτος.

[Al. Ps. 48 (49). 2.]
[Quint. Ps. 87 (88). 7.]

καταθαρσεῖν. (1) סָמַךְ ni.

II Ch. 32. 8. κατεθάρσησεν ὁ λαὸς ἐπὶ τοῖς λόγοις Ἐζ. (1)

καταθλᾶν. (1) רָמַס (2) רָצַח

Ps. 41 (42). 10. ABS^1 ἐν τῷ καταθλάσαι [S^2R -ᾶσθαι] τὰ ὀστᾶ μου (2)
Is. 63. 3. κατέθλασα αὐτοὺς ὡς γῆν (1)
[Sm. Jb. 19. 2 : 40. 7 (12).]

καταθύμιος. (1) הַוָּה (2) חֶמְדָּה

Mi. 7. 3. καταθύμιον ψυχῆς αὐτοῦ ἐστιν (1)
Is. 44. 9. ποιοῦντες τὰ κ. αὐτῶν (2)
[Sm. Ge. 34. 3 : Jb. 30. 15.]

καταιγίζειν.

[Sm. Is. 54. 11 : Ez. 1. 4 *bis.*]
[Th., Sept. Ps. 49 (50). 3.]

καταιγίς. (1) בָּרָד (2) הֶבֶל (3) זַלְעָפָה, זַלְעָפָה (4) סוּפָה (5) *a.* סַעַר *b.* סְעָרָה (6) רַעַם (7) שָׂעַר ni. (8) שִׁבֹּלֶת (9) *a.* שׁוֹט *b.* שִׁיט

Ps. 10 (11). 7. πνεῦμα καταιγίδος ἡ μερὶς τοῦ ποτηρίου αὐτῶν (3)
49 (50). 3. κύκλῳ αὐτοῦ καταιγὶς σφόδρα (7)
54 (55). 8. ἀπὸ ὀλιγοψυχίας καὶ καταιγίδος (5 *a*)
68 (69). 2. καταιγὶς κατεπόντισέ με (8)
— 15. μή με καταποντισάτω καταιγὶς ὕδατος (8)
80 (81). 7. ἐπήκουσά σου ἐν ἀποκρύφῳ καταιγίδος (6)
82 (83). 15. καταδιώξεις αὐτοὺς ἐν τῇ κ. σου (5 *a*)
106 (107). 25. ἔστη πνεῦμα καταιγίδος (5 *b*)
Ps. 106 (107). 29. A S^3 R ἐπέταξε [S^2 ἐπετίμησεν] τῇ κ. καὶ ἔστη εἰς αὔραν [S^1 ἔστησεν καταιγίδα αὐτῆς] (5 *b*)
148. 8. χιὼν κρύσταλλος πνεῦμα καταιγίδος (5 *b*)
Pr. 1. 27. ἡ δὲ καταστροφὴ ὁμοίως καταιγίδι παρῇ (4)
10. 25. A B S^3 παραπορευομένης καταιγίδος ἀφανίζεται ἀσεβής (4)
Si. 16. 21. καταιγὶς ἣν οὐκ ὄψεται ἄνθρωπος
36 (33). 2. ὡς ἐν καταιγίδι πλοῖον
43. 17. καταιγὶς βορέου καὶ συστροφὴ πνεύματος
Is. 5. 28. οἱ τροχοὶ τῶν ἁρμάτων αὐτῶν ὡς κ. (4)
17. 13. ὡς κονιορτὸν τροχοῦ κ. φέρουσα (4)
21. 1. ὡς κ. δι' ἐρήμου διέλθοι ἐξ ἐρήμου (4)
28. 15. κ. φερομένη ἐὰν παρέλθῃ (9 *a*, 9 *b**)
— 17. οὐ μὴ παρέλθῃ ὑμᾶς κ. (1 ?)
— 18. κ. φερομένη ἐὰν ἐπέλθῃ (9 *a*)
29. 6. κ. φερομένη καὶ φλὸξ πυρὸς κατεσθίουσα (4)
40. 24. κ. ὡς φρύγανα λήψεται [A S^3 ἀναλ.] αὐτούς (5 *b*)
41. 16. κ. διασπερεῖ αὐτούς (5 *b*)
57. 13. ἀποίσει καταιγὶς [S *al.*] (2)
66. 15 : Je. 4. 13. ὡς κ. τὰ ἅρματα αὐτοῦ (4)
La. 5. 10. συνεσπάσθησαν ἀπὸ προσώπου καταιγίδων λιμοῦ (3)
[Aq. Ez. 1. 4.]
[Sm. Jb. 9. 17 . 21. 18 : 37. 9 : Ps. 41 (42). 8 : 87 (88). 8 : 106 (107). 29 : Ez. 13. 11, 13.]
[Th. Jb. 37. 9 : Ps. 106 (107). 29 : Is. 28. 2 : Ez. 1. 4 : 13. 13.]
[Al. Is. 28. 2.]

καταιδεῖσθαι.

IV Ma. 3. 12. καταιδεσθέντες τὴν τοῦ βασ. ἐπιθυμίαν

καταικίζειν.

IV Ma. 6. 3. μάστιξι κατῆκιζον
7. 2. καταικιζόμενος ταῖς τοῦ τυράννου ἀπειλαῖς
9. 15. A R οὐκ ἀνδροφονήσαντά με τοῦτον καταικίζεις [S βασανίζεις] τὸν τρόπον
11. 1. οὗτος ταῖς βασάνοις καταικισθεὶς ἐναπέθανεν
12. 13. A R καὶ τοῦτον καταικίσας [S κατακαύσας]
13. 27. A R τοὺς καταικιζομένους [S κατοικτιζ.] ὁρῶντες . . . βασανιζομένους

καταισχυμμός.

[Sm. Ps. 43 (44). 16 : Mi. 2. 6.]

καταισχύνειν. (1) בּוֹשׁ *a.* qal. *b.* hi. *c.* בִּשֶּׁת (2) חָפֵר (3) טָחַן (4) כָּלַם *a.* ni. *b.* hi.

Jd. 18. 7. ἢ καταισχύνων λόγον ἐν τῇ γῇ [A *al.*] (4 *b*)
Ru. 2. 15. μὴ καταισχύνητε αὐτήν (4 *b*)
II Ki. 10. 6. κατῃσχύνθησαν ὁ λαὸς Δ. [A ἐν Δ.] †
16. 21. κατῄσχυνας [A ᾔσχ.] τὸν πατέρα σου †
19. 5 (6). κατῄσχυνας . . . τὸ πρόσωπον πάντων (1 *b*)
IV Ki. 19. 26. καὶ κατῃσχύνθησαν (1 *a*)
To. 10. 2. μή ποτε κατῄσχυνται [S *al.*]
Ps. 6. 10. A S^2 καταισχυνθείησαν [B S^1 αἰσχ.] σφόδρα διὰ τάχους (1 *a*)
13 (14). 6. βουλὴν πτωχοῦ κατῃσχύνατε (1 *b*)
21 (22). 5. καὶ οὐ κατῃσχύνθησαν (1 *a*)
24 (25). 2. ἐπὶ σοὶ πέποιθα μὴ καταισχυνθείην (1 *a*)
— 3. οὐ μὴ καταισχυνθῶσιν (1 *a*)
— 20. μὴ καταισχυνθείην ὅτι ἤλπισα ἐπὶ σέ (1 *a*)
30 (31). 1. μὴ καταισχυνθείην εἰς τὸν αἰῶνα (1 *a*)
— 17. κύριε, μὴ καταισχυνθείην (1 *a*)
33 (34). 5. τὰ πρόσωπα ὑμῶν οὐ μὴ καταισχυνθῇ (2)
34 (35). 4. AS καταισχυνθήτωσαν [B -θείησαν] οἱ λογιζόμενοί μοι κακά (2)
36 (37). 19. οὐ καταισχυνθήσονται ἐν καιρῷ πονηρῷ (1 *a*)
39 (40). 14. καταισχυνθείησαν . . . οἱ ζητοῦντες τὴν ψυχήν μου (1 *a*)
— 14. AS^2 καταισχυνθείησαν [BS^1 ἐντραπείησαν] οἱ θέλοντές μοι κακά (4 *a*)
43 (44). 7. AB^3S τοὺς μισοῦντας ἡμᾶς κατῃσχυνας (1 *b*)
— 9. ἀπώσω καὶ κατῃσχυνας ἡμᾶς (4 *b*)
52 (53). 5. κατῃσχύνθησαν ὅτι ὁ θεὸς ἐξουδένωσεν αὐτούς (1 *b*)
69 (70). 2. καταισχυνθείησαν οἱ βουλόμενοί μοι κακά (4 *a*)
70 (71). 1. μὴ καταισχυνθείην εἰς τὸν αἰῶνα (1 *a*)
73 (74). 21. μὴ ἀποστραφήτω . . . κατῃσχυμμένος (4 *a*)
118 (119). 31. μή με καταισχύνῃς (1 *b*)

Ps. 118 (119). 116. μὴ καταισχύνῃς με ἀπὸ τῆς προσδοκίας μου (1 *b*)
126 (127). 5. **B** οὐ καταισχυνθήσονται [**S** -σεται, **A** -θῶσιν] ὅταν λαλῶσι (1 *a*)
Pr. 19. 26. ὁ ἀτιμάζων πατέρα . . . καταισχυνθήσεται (1 *b*)
20. 4. **S** ὀνειδιζόμενος ὀκνηρὸς οὐ καταισχύνεται [**A B** οὐκ αἰσχ.] †
Si. 2. 10. τίς ἐνεπίστευσε κυρίῳ καὶ κατῃσχύνθη
15. 4. καὶ οὐ μὴ καταισχυνθῇ
22. 4. ἡ καταισχύνουσα εἰς λύπην γεννήσαντος [**S**^{1} ἐγγ.]
— 5. πατέρα καὶ ἄνδρα καταισχύνει ἡ θρασεῖα [**A** θρησκεία]
— 25. φίλον σκεπάσαι οὐκ αἰσχυνθήσομαι [**S**^{1} οὐ καταισχ.]
24. 22. **S**^{1} ὁ ὑπακούων μου οὐ καταισχυνθήσεται [**A B S**^{2} οὐκ αἰσχ.]
42. 11. **S** μή ποτε . . . καταισχύνῃ [**A B** -εῖ] σε ἐν πλήθει πολλῶν
— 14. γυνὴ καταισχύνουσα εἰς ὀνειδισμόν
Ho. 2. 5 (7). κατῄσχυνεν ἡ τεκοῦσα αὐτά (1 *b*)
4. 19. καὶ καταισχυνθήσονται ἐκ τῶν θυσιαστηρίων (1 *a*)
Mi. 3. 7. καταισχυνθήσονται οἱ ὁρῶντες τὰ ἐνύπνια (1 *a*)
7. 16. ὄψονται ἔθνη καὶ καταισχυνθήσονται (1 *a*)
Jl. 1. 11. ἐξηράνθησαν [**S**^{2} κατῃσχύνθησαν] γεωργοί (1 *b*)
2. 26. οὐ μὴ καταισχυνθῇ ὁ λαός μου (1 *a*)
— 27. οὐ μὴ καταισχυνθῶσιν [**A S**^{2} -θῇ] ἔτι ὁ λαός μου (1 *a*)
Ze. 3. 11. οὐ μὴ καταισχυνθῇς ἐκ πάντων τῶν ἐπιτηδευμ. (1 *a*)
— 20 (19). καταισχυνθήσονται ἐν τῷ καιρῷ ἐκείνῳ (1 *c*)
Za. 10. 5. καὶ καταισχυνθήσονται ἀναβάται ἵππων (1 *b*)
13. 4. καταισχυνθήσονται οἱ προφῆται (1 *a*)
Is. 1. 29. **A** καταισχυνθήσονται ἐπὶ τοῖς εἰδώλοις αὐτῶν [**B S** *al.*] (1 *a*)
3. 15. τὸ πρόσωπον τῶν πτωχῶν καταισχύνετε (3)
28. 16. ὁ πιστεύων [**A S** *add.* ἐπ' αὐτῷ] οὐ μὴ καταισχυνθῇ †
50. 7. οὐ μὴ αἰσχυνθῶ [**S**^{1} καταισχυνθῇ] (1 *a*)
54. 4. μὴ φοβοῦ ὅτι κατῃσχύνθης (1 *a*)
Je. 2. 36. ἀπὸ Αἰγύπτου καταισχυνθήσῃ καθὼς κατῃσχύνθης ἀπὸ Ἀσσούρ (1 *a*, 1 *a*)
6. 15. κατῃσχύνθησαν ὅτι ἐξελίποσαν καὶ οὐδ' ὡς καταισχυνόμενοι κατῃσχύνθησαν [**A S** ᾐσχ.] (1 *b*, 1 *a*, 1 *a*)
7. 19. ὅπως καταισχυνθῇ τὰ πρόσωπα αὐτῶν (1 *c*)
9. 19. κατῃσχύνθημεν σφόδρα (1 *a*)
10. 14. κατῃσχύνθη πᾶς χρυσοχόος (1 *b*)
15. 9. κατῃσχύνθη [**S**^{1} -ην] καὶ ὠνειδίσθη (1 *a*)
17. 13. πάντες οἱ καταλιπόντες σε καταισχυνθήτωσαν [**S**^{1} *al.*] (1 *a*)
— 18. καταισχυνθήτωσαν οἱ διώκοντές με καὶ μὴ καταισχυνθείην [**A** πτοηθ.] ἐγώ (1 *a*, 1 *a*)
26 (46). 24. κατῃσχύνθη ἡ θυγάτηρ Αἰγύπτου (1 *b*)
27 (50). 2. κατῃσχύνθη Βῆλος (1 *b*)
— 38. καὶ καταισχυνθήσονται †
28 (51). 17. κατῃσχύνθη πᾶς χρυσοχόος (1 *b*)
30. 12 (49. 23). κατῃσχύνθη Ἡμάθ (1 *a*)
31 (48). 13. καταισχυνθήσεται Μωὰβ ἀπὸ Χαμὼς ὥσπερ κατῃσχύνθη οἶκος Ἰσραὴλ ἀπὸ Βαιθήλ [**A** *al.*] (1 *a*, 1 *a*)
— 20. κατῃσχύνθη Μωάβ (1 *b*)
Ep. Je. 39. οἱ δὲ θεραπεύοντες αὐτὰ καταισχυνθήσονται
Ez. 24. 13. καταισχυνθήσεται ὁ ἰὸς αὐτῆς †
Da. LXX. 3. (42). μὴ καταισχύνῃς ἡμᾶς
— (44). καταισχυνθείησαν ἀπὸ πάσης δυναστείας
Da. TH. Su. 27. κατῃσχύνθησαν οἱ δοῦλοι σφόδρα
3. (42). μὴ καταισχύνῃς ἡμᾶς
—(44). καταισχυνθείησαν ἀπὸ πάσης τῆς δυναστείας
IV Ma. 5. 35. οὐδὲ καταισχυνῶ σε
13. 18. μὴ καταισχύνῃς ἡμᾶς, ἀδελφέ
[**Aq.** Je. 18. 7: Ps. 18 (14). 6: 24 (25). 3: 70 (71). 24: Je. 8. 9.]
[**Sm.** II Ki. 8. 1: Je. 19. 3: Ps. 24 (25). 3 *bis*: 30 (31). 18: 52 (53). 6: 68 (69). 7: 70 (71). 13, 24: Pr. 17. 2: Ez. 16. 54: Jl. 1. 11.]
[**Th.** I Ki. 20. 34: 25. 7: Je. 19. 3: Pr. 14. 35: 17. 2: Is. 1. 29: 20. 5: 25. 5: 42. 17: Je. 8. 12.]
[**Quint.** Ps. 24 (25). 3.]

κατακαίειν. (1) אָכַל *a.* qal. *b.* pu. *c.* מַאֲכֶלֶת (2) בָּעָה (3) בָּעַר *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. (4) חָרַךְ ithpa. (5) יָצַת *a.* qal. *b.* hi. (6) נָוָה ni. (7) לָהַט pi. (8) צָרַב ni. (9) שָׂרַף *a.* qal. *b.* ni. *c.* שְׂרֵפָה *d.* מִשְׂרֶפוֹת (10) שָׁבַת hi.

Ge. 38. 24. ἐξαγάγετε αὐτὴν καὶ κατακαυθήτω (9 *b*)
Ex. 3. 2. ὁ δὲ βάτος οὐ κατεκαίετο (1 *b*)
— 3. οὐ κατακαίεται ὁ βάτος (3 *a*)
12. 10. τὰ δὲ καταλειπόμενα . . . κατακαύσετε (9 *a*)
29. 14. τὰ δὲ κρέα . . . κατακαύσεις πυρί (9 *a*)
— 34. κατακαύσεις τὰ λοιπὰ πυρί (9 *a*)
32. 20. κατέκαυσεν αὐτὸν ἐν [**A** *om.* αὐ. ἐν] πυρί (9 *a*)
34. 13. τὰ γλυπτὰ . . . κατακαύσετε ἐν [**A** *om.*] πυρί –
Le. 4. 12. κατακαύσουσιν αὐτὸν ἐπὶ ξύλων (9 *a*)
— 21. κατακαύσουσι τὸν μόσχον ὃν τρόπον κατέκαυσαν τὸν μόσχον τὸν πρότερον (9 *a*, 9 *a*)
6. 30 (23): 7. 7 (17), 9 (19). ἐν πυρὶ κατακαυθήσεται (9 *b*)
8. 17. κατέκαυσεν αὐτὰ πυρί (9 *a*)
— 32. ἐν πυρὶ κατακαυθήσεται (9 *a*)
9. 11. κατέκαυσεν αὐτὰ πυρί (9 *a*)
13. 52. κατακαύσει τὸ ἱμάτιον (9 *a*)
— 52. ἐν πυρὶ κατακαυθήσεται (9 *b*)
— 55, 57. ἐν πυρὶ κατακαυθήσεται (9 *a*)
16. 27. κατακαύσουσιν αὐτὰ ἐν πυρί (9 *a*)
— 28. ὁ δὲ κατακαίων αὐτά (9 *a*)
19. 6. ἐν πυρὶ κατακαυθήσεται (9 *b*)
20. 14. ἐν πυρὶ κατακαύσουσιν αὐτὸν καὶ αὐτάς (9 *a*)
21. 9. ἐπὶ πυρὸς κατακαυθήσεται (9 *b*)
Nu. 16. 37 (17. 2). ἀνέλεσθε . . . ἐκ μέσου τῶν κατακεκαυμένων (9 *c*)
— 39 (17. 4). ὅσα προσήνεγκαν οἱ κατακεκαυμ. (9 *a*)
19. 5. κατακαύσουσιν αὐτὴν ἐναντίον αὐτοῦ (9 *a*)
— 5. τὸ δέρμα . . . κατακαυθήσεται (9 *a*)
— 8. ὁ κατακαίων αὐτὴν πλυνεῖ τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (9 *a*)
— 17. ἀπὸ τῆς σποδιᾶς τῆς κατακεκαυμένης (9 *c*)
De. 7. 5. τὰ γλυπτὰ . . . κατακαύσετε πυρί (9 *a*)
— 25. **A** τὰ γλυπτὰ . . . κατακαύσετε [**B** καύσετε] (9 *a*)
9. 21. κατέκαυσα αὐτὸν ἐν πυρί (9 *a*)
12. 3. **A R** τὰ γλυπτὰ . . . κατακαύσετε [**B** -σατε] πυρί (9 *a*)
— 31. τὰς θυγατ. αὐ. κατακαίουσιν ἐν πυρί (9 *a*)
29. 23 (22). θεῖον καὶ ἅλα κατακεκαυμένον (9 *c*)
Jo. 7. 15. κατακαυθήσεται ἐν πυρί (9 *b*)
11. 6. τὰ ἅρματα αὐτῶν κατακαύσεις (9 *a*)
— 9. **A** τὰ ἅρματα αὐτῶν κατέκαυσεν [**B** ἐνέπρησεν] ἐν πυρί (9 *a*)
Jd. 2. 2. **A** τὰ θυσιαστήρια αὐτῶν κατακαύσετε [**B** καθελεῖτε] †
14. 15. μή ποτε κατακαύσωμέν [**A** ἐμπυρίσωμέν] σε (9 *a*)
I Ki. 31. 12. κατακαίουσιν αὐτοὺς ἐκεῖ (9 *a*)
IV Ki. 17. 31. ἡνίκα κατέκαιον τοὺς υἱοὺς αὐτῶν (9 *a*)
23. 4. καὶ κατέκαυσεν αὐτά (9 *a*)
— 5. κατέκαυσε τοὺς χωμαρίμ (10)
— 6. **B** καὶ κατέκαυσεν αὐτόν (9 *a*)
— 11. κατέκαυσε [**A** -αν] τοὺς ἵππους (10)
— 11. τὸ ἅρμα τοῦ ἡλίου κατέκαυσε πυρί (9 *a*)
— 15. καὶ κατέκαυσε τὸ ἄλσος (9 *a*)
— 16. καὶ κατέκαυσεν ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον (9 *a*)
— 20. καὶ κατέκαυσε τὰ ὀστᾶ τῶν ἀνθρώπων (9 *a*)
I Ch. 14. 12. εἶπε Δ. κατακαῦσαι [**A** κ. αὐτοὺς] ἐν πυρί (9 *b*)
II Ch. 15. 16. καὶ κατέκαυσεν ἐν χειμάρρῳ Κέδρων (9 *a*)
34. 5. καὶ ὀστᾶ ἱερέων κατέκαυσεν (9 *a*)
To. 14. 4. ὁ οἶκος τοῦ θεοῦ ἐν αὐτῇ κατακαήσεται [**S** *al.*]
Ju. 6. 4. κατακαύσομεν γὰρ αὐτούς
Jb. 1. 16. πῦρ . . . κατέκαυσε [**A** κατέφαγεν] τὰ πρόβατα καὶ τοὺς ποιμένας κατέφαγεν [**A** -έκαυσεν, **S** -έφλεξεν] (3 *a*, 1 *a*)
15. 34. **A** πῦρ δὲ κατακαύσει [**B S** καύσει] οἴκους (1 *a*)
Ps. 45 (46). 9. θυρεοὺς κατακαύσει ἐν πυρί (9 *a*)
82 (83). 14. ὡσεὶ φλὸξ κατακαύσαι ὄρη (7)
Pr. 6. 27. τὰ δὲ ἱμάτια οὐ κατακαύσει (9 *b*)
— 28. τοὺς δὲ πόδας οὐ κατακαύσει (6)
Am. 2. 1. κατέκαυσαν τὰ ὀστᾶ βασιλέως τῆς Ἰ. (9 *a*)
Is. 1. 31. κατακαυθήσονται οἱ ἄνομοι (3 *a*)
9. 19 (18). ἔσται ὁ λαὸς ὡς ὑπὸ πυρὸς κατακεκαυμένος (1 *c*)
27. 4. κατακέκαυμαι (5 *b*)
33. 12. ἔσονται ἔθνη κατακεκαυμένα ὡς ἄκανθα ἐν ἀγρῷ ἐρριμμένη καὶ κατακεκαυμένη [**S**^{1} *om.*, **S**^{3} -κεκαλυμμ.] (9 *d*, 5 *a*)
43. 2. οὐ μὴ κατακαυθῇς φλὸξ οὐ καύσει σε (6, 3 *a*)
44. 16, 19. τὸ ἥμισυ αὐτοῦ κατέκαυσεν [**S** -αν] (9 *a*)
47. 14. ἐπὶ πυρὶ κατακαυθήσονται [**A** -καήσ.] (9 *a*)
64. 2 (1). κατακαύσει πῦρ τοὺς ὑπεναντίους (2)
Je. 7. 31. τοῦ κ. τοὺς υἱοὺς αὐτῶν (9 *a*)
19. 5. τοῦ κ. τοὺς υἱοὺς αὐτῶν ἐν πυρί (9 *a*)
21. 10. κατακαύσει αὐτὴν ἐν πυρί (9 *a*)
30 (49). 2. ἐν πυρὶ κατακαυθήσονται (5 *a*)
39 (32). 29. κατακαύσουσι [**A** καύσωσιν] τὰς οἰκίας (9 *a*)
41 (34). 22. κατακαύσουσιν αὐτὴν ἐν πυρί (9 *a*)
43 (36). 25. πρὸς τὸ [**A S**^{2} *add.* μὴ] κατακαῦσαι τὸ χαρτίον [**A** βιβλίον] (9 *a*)
— 27. μετὰ τὸ κατακαῦσαι [**A S** καῦσαι] τὸν βασ. τὸ χαρτίον (9 *a*)
— 28. οὓς κατέκαυσεν ὁ βασ. Ἰωακείμ (9 *a*)
— 29. κατέκαυσας τὸ χαρτίον [**A** βιβλίον] τοῦτο (9 *a*)
— 32. οὓς κατέκαυσεν Ἰωακείμ (9 *a*)
45 (38). 17. ἡ πόλις αὕτη οὐ μὴ κατακαυθῇ (9 *b*)
— 23. ἡ πόλις αὕτη κατακαυθήσεται (9 *a*)
50 (43). 13. τὰς οἰκίας αὐ. κατακαύσει ἐν πυρί (9 *a*)
Ep. Je. 55. αὐτοὶ δὲ ὥσπερ δοκοὶ μέσοι κατακαυθήσονται
Ez. 5. 2. κατακαύσεις αὐτὸ ἐν μέσῳ αὐτῆς (3 *c*?)
— 4. κατακαύσεις αὐτοὺς ἐν πυρί (9 *a*)
20. 47 (21. 3.). κατακαυθήσεται ἐν αὐτῇ πᾶν πρόσωπον (8)
39. 10. τὰ ὅπλα κατακαύσουσι πυρί (3 *b*)
43. 21. κατακαυθήσεται ἐν τῷ ἀποκεχωρισμένῳ τοῦ οἴκου (9 *a*)
Da. LXX. 3. 27 (94). αἱ τρίχες αὐτῶν οὐ κατεκάησαν (4)
Da. TH. 11. 18. **A B** κατακαύσει [**R** -παύσει] ἄρχοντας ὀνειδισμοῦ αὐτῶν (10)
I Ma. 4. 38. **A R** καὶ τὰς πύλας [**S** θύρας] κατακεκαυμένας
5. 68. τὰ γλυπτὰ τῶν θεῶν κατέκαυσε
II Ma. 10. 36. ζῶντας τοὺς βλασφήμους κατέκαιον
IV Ma. 6. 26. **AR** μέχρι τῶν ὀστέων ἤδη κατακεκαυμένος [**S** κεκ.]
12. 13. **S** καὶ τοῦτον κατακαύσας [**A R** καταικίσας]
18. 14. φλὸξ οὐ κατακαύσει σε
[**Aq.** Je. 51 (28). 25.]
[**Sm.** Ps. 73 (74). 8: Is. 43. 2: Je. 51 (28). 25.]
[**Al.** Ps. 45 (46). 10: Je. 32 (39). 29.]
[**Quint.** Ps. 73 (74). 8.]

κατακάλυμμα. (1) *a.* פָּסוּי *b.* מְכַסֶּה *c.* מָכְסֶה (2) סֹכֵךְ (3) פָּרֹכֶת (4) צָמָה

Ex. 26. 14. **A B**^{2} **R** ποιήσεις κατακάλυμμα [**B**^{1} κάλ.] (1 *b*)
35. 11. **B**^{2} **R** ἐργαζέσθω . . . τὰ κ. [**A** γλύμματα, **B**^{1} *om.* τὰ κ.] (1 *b*)
37. 16 (38. 18). **A** τὸ κ. [**B** -πέτασμα] τῆς πύλης (2)
38. 19. εἰς τὸ ἐκτείνειν τὸ κ. [**B**^{1} -κάλλυμα]
39. 21 (34). **A** τὰ κ. δέρματα ὑακίνθινα [**B R** *al.*] (1 *b*)
40. 19. ἐπέθηκε τὸ κ. τῆς σκηνῆς (1 *b*)
— 21. ἐπέθηκε τὸ κ. τοῦ καταπετάσματος (3)
Nu. 3. 25. τὸ καλύμμα καὶ τὸ κ. (2)
— 31. καὶ τὸ κ. καὶ πάντα τὰ ἔργα αὐτῶν (2)
4. 6. ἐπιθήσουσιν ἐπ' αὐτὸ κατακάλυμμα (1 *a*)
— 25. **A B**^{2} καὶ τὸ κ. [**B**^{1} **R** κάλ.] αὐτῆς (1 *b*)
— 25. **A R** τὸ κ. [**B** κάλ.] τὸ ὑακίνθινον (1 *b*)
— 25. **A** καὶ τὸ κ. [**B** κάλ.] τῆς θύρας (2)
— 31. τὰς βάσεις αὐτῆς καὶ τὸ κ. –
— 31. **B**^{1} **R** καὶ τὸ κ. [**A B**^{2} κάλ.] τῆς θύρας –
Is. 14. 11. τὸ κ. σου σκώληξ (1 *c*)
47. 2. ἀποκάλυψαι τὸ κ. σου (4)

κατακαλύπτειν. (1) חָפָה (2) חָפַשׂ hithp. (3) כָּסָה *a.* ni. *b.* pi. (4) נָתַן עַל (5) סָתַם

Ge. 38. 15. κατεκαλύψατο γὰρ τὸ πρόσωπον αὐτῆς (3 *b*)

Ex. 26. 34. κατακαλύψεις . . . τὴν κιβωτὸν τοῦ μαρτ. (4)
29. 22 : Le. 3. 3, 9 (R). τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον τὴν κοιλίαν (3 *b*)
Le. 3. 14. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον [A καλ.] τὴν κοιλίαν (3 *b*)
4. 8. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον τὰ ἐνδόσθια (3 *b*)
6. 33 (7. 3). πᾶν τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον τὰ ἐνδόσθια (3 *b*)
9. 19. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον ἐπὶ τῆς κοιλίας (3 *b*)
Nu. 4. 5. κατακαλύψουσιν . . . τὴν κιβωτόν [A σκηνήν] (3 *b*)
22. 5. κατεκάλυψε τὴν ὄψιν τῆς γῆς (3 *b*)
II Ch. 18. 29. κατακάλυψόν με (2)
Es. 6. 12. S² κατακεκαλυμμένος κεφαλήν [A B S¹ *al.*] (1)
Si. 24. 3. ὡς ὁμίχλη [A -ην] κατεκάλυψα γῆν
Hb. 2. 14. ὡς ὕδωρ κατακαλύψει αὐτούς (3 *b*)
Is. 6. 2. ταῖς μὲν δυσὶ κατεκάλυπτον τὸ πρόσωπον ταῖς δὲ δυσὶ κατεκάλυπτον τοὺς πόδας (3 *b*, 3 *b*)
11. 9. ὡς ὕδωρ πολὺ κατακαλύψαι θαλάσσας (3 *b*)
26. 21. οὐ κατακαλύψει τοὺς ἀνῃρημένους (3 *b*)
33. 12. ὡς ἄκανθα . . . κατακεκαυμένη [S¹ *om.*, S² κατακεκαλυμμ.] †
Je. 26 (46). 8. κατακαλύψω τὴν γῆν (3 *b*)
28 (51). 42. καὶ κατεκαλύφθη (3 *a*)
— 51. κατεκάλυψεν ἀτιμία τὸ πρόσωπον ἡμῶν (3 *b*)
Ez. 26. 10. κατακαλύψει [A καλ.] σε ὁ κονιορτὸς αὐτῶν (3 *b*)
— 19. A R κατακαλύψει [B -η] σε ὕδωρ πολύ (3 *b*)
32. 7. κατακαλύψω ἐν τῷ σβεσθῆναί σε οὐρανόν (3 *b*)
38. 9. ἥξεις ὡς νεφέλη κατακαλύψαι γῆν (3 *b*)
Da. LXX. 12. 9. κατακεκαλυμμένα . . . τὰ προστάγματα (5)
Da. TH. Su. 32. ἦν γὰρ κατακεκαλυμμένη

κατακάμπτειν. (1) כָּפַף (2) שָׁחַח

Ps. 37 (38). 6. κατεκάμφθην ἕως τέλους (2)
56 (57). 6. κατέκαμψαν τὴν ψυχήν μου (1)
IV Ma. 11. 10. τὴν ὀσφὺν αὐτοῦ . . . κατέκαμψαν [Sm. Ps. 41 (42). 6 : 43 (44). 26.]

κατάκαρπος. (1) הוֹד (2) רַעֲנָן

Ps. 51 (52). 8. ἐγὼ δὲ ὡσεὶ ἐλαία κ. (2)
Ho. 14. 7. καὶ ἔσται ὡς ἐλαία κατάκαρπος (1)

κατακάρπως. (1) פְּרִזוֹת

Za. 2. 4 (8). κ. κατοικηθήσεται Ἱερουσ. (1 ?)

κατακάρπωσις. (1) דֶּשֶׁן

Le. 6. 10 (3). ἀφελεῖ τὴν κ. (1)
— 11 (4). ἐξοίσει τὴν κ. ἔξω τῆς παρεμβολῆς (1)

κατάκαυμα. (1) *a.* כְּוִיָּה *b.* מִכְוָה (2) מִשְׂפָּה (3) שְׂרֵפָה

Ex. 21. 25. κατάκαυμα ἀντὶ κατακαύματος (1 *a*, 1 *a*)
Le. 13. 24. κατάκαυμα πυρός (1 *b*)
— 24. τὸ ὑγιασθὲν τοῦ κ. (1 *b*)
— 25. A² B ἐν τῷ κ. ἐξήνθησε (1 *b*)
— 28. οὐλὴ τοῦ κ. ἐστι (1 *b*)
— 28. ὁ γὰρ χαρακτὴρ τοῦ κ. ἐστι (1 *b*)
Nu. 19. 6. ἐμβαλοῦσιν εἰς μέσον τοῦ κ. τῆς δαμάλεως (3)
Ho. 7. 4. ὡς κλίβανος καιόμενος εἰς πέψιν κατακαύματος †
Je. 31 (48). 34. εἰς κ. ἔσται (2 ?)

κατακαυχᾶσθαι. (1) הָלַל hithp. (2) הָלַל hithpo. (3) עָלַז

Za. 10. 12. ἐν τῷ ὀνόματι αὐ. κατακαυχήσονται (1)
Je. 27 (50). 11. κατεκαυχᾶσθε [S κατακ.] διαρπάζοντες τὴν κληρονομίαν μου (3)
— 38. ἐν ταῖς νήσοις οὗ [A *om.*, S σου] κατεκαυχῶντο (2)

κατάκεισθαι. (1) שָׁכַב (2) הָיָה שֹׁכֵב

Ju. 13. 15. ἐν ᾧ κατέκειτο ἐν ταῖς μέθαις αὐτοῦ
Pr. 6. 9. ἕως τίνος ὀκνηρὲ κατάκεισαι (1)
23. 34. κατακείσῃ ὥσπερ ἐν καρδίᾳ θαλάσσης (2)
Wi. 17. 7. μαγικῆς δὲ ἐμπαίγματα κατέκειτο [A -ειντο] τέχνης

κατακενοῦν. (1) יָצַק (2) רוּק hi.

Ge. 42. 35. ἐν τῷ κ. αὐτοὺς τοὺς σάκκους αὐτῶν (2)
II Ki. 13. 9. καὶ κατεκένωσεν ἐνώπιον αὐτοῦ (1)

κατακεντεῖν. (1) בָּרָא pi. (2) דָּקַר pu.

Ju. 16. 12. υἱοὶ κορασίων κατεκέντησαν αὐτούς
Je. 28 (51). 4. πεσοῦνται . . . κατακεκεντημένοι ἔξωθεν αὐτῆς (2)
Ez. 23. 47. κατακέντει [A -τησον] αὐτὰς ἐν τοῖς ξίφεσιν αὐτῶν (1)

κατακλᾶν. (1) נָתַשׁ hoph.

Ez. 19. 12. κατεκλάσθη ἐν θυμῷ (1)
[Sm. JB. 5. 4.]

κατακλείειν. (1) נָבָא

Wi. 17. 2. μακρᾶς πεδῆται νυκτὸς κατακλεισθέντες ὀρόφοις
— 16. ἐφρουρεῖτο εἰς τὴν ἀσίδηρον εἱρκτὴν κατακλεισθείς
Je. 39 (32). 3. A B S² ἐν ᾗ κατέκλεισεν αὐτόν (1)
II Ma. 13. 21. κατελήφθη καὶ κατεκλείσθη
III Ma. 3. 25. ἐνδέσμοις σιδηροῖς παντόθεν κατακεκλεισμένους

κατάκλειστος, *cf.* **κατακλιστός.**

Wi. 18. 4. οἱ κατακλείστους φυλάξαντες τοὺς υἱούς σου
II Ma. 3. 19. αἱ δὲ κ. τῶν παρθένων
III Ma. 1. 18. αἵ τε κ. παρθένοι . . . ἐξώρμησαν

κατακληροδοτεῖν. (1) נָחַל hi.

De. 1. 38. A κατακληροδοτήσει [B -ρονομήσει] αὐτήν (1)
21. 16. A ᾗ ἂν ἡμέρᾳ κατακληροδοτῇ [B -ρονομῇ] . . . τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ (1)
I Ma. 3. 36. S R κατακληροδοτῆσαι [A -ρονομῆσαι] τὴν γῆν αὐτῶν
[Aq. Ez. 22. 16.]

κατακληρονομεῖν. (1) אָחַז ni. (2) חָלַק כּוֹרֵשׁ אֶת־נַחֲלָה (3) יָרַשׁ *a.* qal. *b.* hi. *c.* (4) נוּחַ hi. (5) נָחַל *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. *d.* hithp. *e.* נַחֲלָה (6) נָתַן

Nu. 13. 31 (30). καὶ κατακληρονομήσομεν [A -σωμεν] αὐτήν (3 *a*)
33. 54. A B² R κατακληρονομήσετε τὴν γῆν (5 *d*)
34. 13. ἣν κατακληρονομήσετε αὐτὴν μετὰ κλήρου (5 *d*)
— 18. κατακληρονομῆσαι ὑμῖν τὴν γῆν (5 *a*)
35. 8. A R ἣν κατακληρονομήσουσι [B κληρ.] (5 *a*)
De. 1. 38. κατακληρονομήσει [A -ροδοτήσει] αὐτήν (5 *c*)
2. 21. καὶ κατεκληρονόμησαν (3 *a*)
— 22. A B² R καὶ κατεκληρονόμησαν (3 *a*)
3. 20. A B¹ καὶ κατακληρονομήσουσιν [B² R -σωσιν] καὶ οὗτοι τὴν γῆν (3 *a*)
— 28. κατακληρονομήσει αὐτοῖς πᾶσαν τὴν γῆν (5 *c*)
12. 2. A οὓς ὑμεῖς κατακληρονομεῖτε [B κληρ.] αὐτούς (3 *a*)
— 10. ἧς κύριος . . . κατακληρονομεῖ [A -μήσει] ὑμῖν (5 *c*)
— 29. καὶ κατακληρονομήσῃς [A -εις] αὐτήν [A -ούς] (3 *a*)
15. 4. κατακληρονομεῖν σε [A -μῆσαι] αὐτήν (3 *a*)
18. 14. οὓς σὺ κατακληρονομεῖς αὐτούς (3 *a*)
19. 1. καὶ κατακληρονομήσητε [A -σεις] αὐτούς (3 *a*)
— 14. ᾗ [A ἣν] κατεκληρονόμησας (5 *a*)
21. 16. ᾗ ἂν ἡμέρᾳ κατακληρονομῇ [A -ροδοτῇ] . . . τὰ ὑπάρχοντα (5 *c*)
25. 19. A ἐν κλήρῳ κατακληρονομῆσαι [B *al.*] (3 *a*)
26. 1. A ἐν κλήρῳ κατακληρονομῆσαι [B *al.*] –
— 1. B καὶ κατακληρονομήσῃς αὐτήν (3 *a*)
31. 3. καὶ κατακληρονομήσεις αὐτούς (3 *a*)
— 7. καὶ σὺ κατακληρονομήσεις αὐτοῖς [A αὐτὴν αὐ.] (5 *c*)
Jo. 12. 1. κατεκληρονόμησαν τὴν γῆν αὐτῶν (3 *a*)
13. 32. A² B οὓς κατεκληρονόμησε Μωυσῆς (5 *b*)
14. 1. οὗτοι οἱ κατακληρονομήσαντες υἱῶν Ἰσρ. (5 *a*)
— 1. A R οἷς κατεκληρονόμησαν [B -εν] αὐτοῖς (5 *b*)
18. 2. A οἱ οὐ κατεκληρονόμησαν [B οὐκ ἐκληρ.] (2)
19. 51. ἃς κατεκληρονόμησεν [A -αν] (5 *b*)
21. 3. ἐν τῷ κατακληρονομεῖν [A *add.* αὐτούς] (5 *c*)
— 41. καὶ κατεκληρονόμησαν αὐτήν (3 *a*)
22. 19. καὶ κατακληρονομήσετε [A -σατε] ἐν ἡμῖν (1)
Jo. 23. 5. κατακληρονομήσατε τὴν γῆν αὐτῶν (3 *a*)
24. 8. κατεκληρονομήσατε τὴν γῆν αὐτῶν (3 *a*)
Jd. 2. 6. κατακληρονομῆσαι [A τοῦ κ.] τὴν γῆν (3 *a*)
11. 24 *bis*. A ὅσα κατεκληρονόμησέν σοι [B *al.*] (3 *b*)
18. 9. A τοῦ . . . κατακληρονομῆσαι τὴν γῆν (3 *a*)
I Ki. 2. 8. θρόνον δόξης κατακληρονομῶν αὐτοῖς (5 *c*)
II Ki. 7. 1. κύριος κατεκληρονόμησεν αὐτόν (4)
I Ch. 28. 8. R καὶ κατακληρονομήσητε [A -σετε, B *om.*] τοῖς υἱοῖς ὑμῶν (5 *c*)
I Es. 8. 85. R καὶ κατακληρονομήσητε τοῖς τέκνοις [A B υἱοῖς] ὑμῶν
Ps. 36 (37). 34. τοῦ κατακληρονομῆσαι τὴν γῆν (3 *a*)
81 (82). 8. σὺ κατακληρονομήσεις [S ἐξολεθρεύσεις] ἐν [A³ αὐτοὺς ἐν] πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (5 *a*)
104 (105). 44. A S³ πόνους λαῶν κατεκληρονόμησαν [B S³ ἐκλην.] (3 *a*)
Si. 4. 16. κατακληρονομήσεις [A S -ει] αὐτήν
15. 6. ὄνομα αἰώνιον [A S -ωνος] κατακληρονομήσει [S² *add.* αὐτόν]
24. 8. ἐν Ἰσραὴλ κατακληρονομήθητι [? -μήσεις, A κληρ.]
36. 16 (14). κατεκληρονόμησα [S κατακληρονομήσεις] αὐτοὺς καθὼς ἀπ' ἀρχῆς
44. 21. κατακληρονομῆσαι αὐτοὺς ἀπὸ θαλάσσης ἕως θαλ.
46. 1. A S ὅπως κατακληρονομήσῃ [B κλ.] τὸν Ἰσραήλ
Am. 2. 10. τοῦ κατακληρονομῆσαι τὴν γῆν τῶν Ἀμ. (3 *a*)
Ob. 1. 17. καὶ κατακληρονομήσουσιν ὁ οἶκος Ἰακὼβ τοὺς κατακληρονομήσαντας αὐτούς (3 *a*, 3 *c*)
— 19. κατακληρονομήσουσιν οἱ ἐν ναγὲβ τὸ ὄρος (3 *a*)
— 19. καὶ κατακληρονομήσουσι τὸ ὄρος Ἐφρ. (3 *a*)
Hb. 1. 6. τοῦ κατακληρονομῆσαι σκηνώματα οὐκ αὐτοῦ (3 *a*)
Za. 2. 12 (16). κατακληρονομήσει κύριος τὸν Ἰ. (5 *a*)
8. 12. κατακληρονομήσω τοῖς καταλοίποις τοῦ λαοῦ (5 *c*)
Is. 14. 2. κατακληρονομήσουσι καὶ πληθυνθήσονται (5 *d*)
Je. 3. 18. ἣν κατεκληρονόμησα [A -αν, S¹ -εν] τοὺς πατέρας [A οἱ π.] αὐτῶν (5 *c*)
Ez. 22. 16. κατακληρονομήσω ἐν σοί [A κ. σε] (5 *b*)
45. 8. τὴν γῆν κατακληρονομήσουσιν οἶκος Ἰσραήλ (6)
— 9. A τὸν λαόν μου καὶ τὴν γῆν κατακληρονομήσουσιν –
46. 18. κατακληρονομήσει τοῖς υἱοῖς αὐτοῦ (5 *c*)
47. 13. ταῦτα τὰ ὅρια κατακληρονομήσετε τῆς γῆς (5 *d*)
— 14. κατακληρονομήσετε αὐτήν (5 *a*)
I Ma. 3. 36. A κατακληρονομῆσαι [S R -ροδοτῆσαι] τὴν γῆν αὐτῶν
[Sm. PR. 2. 21.]
[Th. JD. 11. 24 *bis*.]

κατακληροῦσθαι. (1) לָכַד *a.* qal. *b.* ni.

I Ki. 10. 20. κατακληροῦται σκῆπτρον Βεν. (1 *b*)
— 21. κατακληροῦται φυλὴ Ματτ. (1 *b*)
— 21. κατακληροῦται Σαοὺλ υἱὸς Κίς (1 *b*)
14. 42. ὃν ἂν κατακληρώσηται κύριος –
— 42. καὶ κατακληροῦται Ἰωνάθαν (1 *b*)
— 47. κατακληροῦται ἔργον [A *om.* κ. ἔ.] ἐπὶ Ἰσρ. (1 *a* ?)

κατακλίνειν. (1) בָּרַע (2) נָפַל (3) סָבַב

Ex. 21. 18. κατακλιθῇ δὲ ἐπὶ τὴν κοίτην (2)
Nu. 24. 9. κατακλιθεὶς ἀνεπαύσατο (1)
Jd. 5. 27. κατακλιθεὶς ἔπεσε καθὼς κατεκλίθη [A *al.*] (1, 1)
I Ki. 16. 11. οὐ μὴ κατακλιθῶμεν (3)
Ju. 12. 15. εἰς τὸ ἐσθίειν κατακλινομένην ἐπ' αὐτῶν
III Ma. 1. 3. ἄσημόν τινα κατέκλινεν ἐν τῇ σκηνῇ
[Aq. GE. 49. 9 : Is. 11. 7 : 54. 11.]
[Sm., Th. Is. 11. 7.]

κατάκλισις.

[Sm. Ho. 7. 14.]

κατακλιστός (?), **κατάκλιστρον, κατάκλιτον.** (1) דָּרִיךְ

Is. 3. 23. ἀφελεῖ . . . θέριστρα κατάκλιτα [S¹ τὰ κατάκλιστρα, S² τὰ κατακλιστά] (1 ?)
[Th. Is. 3. 23 (κατάκλιτον).]

κατακλύζειν. (1) שָׁטַף *a.* qal. *b.* ni. *c.* שֶׁטֶף
Jb. 14. 19. κατέκλυσεν ὕδατα ὕπτια τοῦ χώμ. (1 *a*)
Ps. 77 (78). 20. χείμαρροι κατεκλύσθησαν (1 *a*)
Wi. 10. 4. κατακλυζομένην γῆν πάλιν διέσωσε [A S ἔσωσεν] σοφία
— 19. τοὺς δὲ ἐχθροὺς αὐτῶν κατέκλυσε [A -σαν, S¹ κατέπαυσεν]
Je. 29 (47). 2. ἔσται εἰς χειμάρρουν κατακλύζοντα καὶ κατακλύσει γῆν (1 *a*, 1 *a*)
Ez. 13. 11. ἔσται ὑετὸς κατακλύζων (1 *a*)
— 13. ὑετὸς κατακλύζων ἐν ὀργῇ μου ἔσται (1 *a*)
38. 22. κρινῶ αὐτὸν . . . ὑετῷ κατακλύζοντι (1 *a*)
Da. TH. 11. 10. ἐλεύσεται [A εἰσελ.] . . . κατακλύζων (1 *a*)
— 22. βραχίονες τοῦ κατακλύζοντος κατακλυσθήσονται [A καὶ κατ.] (1 *c*, 1 *b*)
— 26. καὶ δυνάμεις κατακλύσει (1 *a*)
[Th. JB. 14. 19 : Is. 28. 17 : DA. 11. 10, 26.]

κατάκλυσις.
[Al. DA. 11. 40.]

κατακλυσμός. (1) מַבּוּל (2) שֶׁטֶף, שֵׁטֶף
Ge. 6. 17. ἐπάγω τὸν κ. (1)
7. 6. ὁ κ. τοῦ ὕδατος ἐγένετο [A *al.*] (1)
— 7. διὰ τὸ ὕδωρ τοῦ κ. (1)
— 10. τὸ ὕδωρ τοῦ κ. ἐγένετο ἐπὶ τῆς γῆς (1)
— 17. ἐγένετο ὁ κ. ἐπὶ τῆς γῆς (1)
9. 11. οὐκ ἀποθανεῖται . . . ἀπὸ τοῦ ὕδατος τοῦ κ. (1)
— 11. οὐκέτι ἔσται κατακλυσμὸς ὕδατος (1)
— 15. οὐκ ἔσται . . . εἰς κατακλυσμόν (1)
— 28. ἔζησε δὲ Νῶε μετὰ τὸν κ. (1)
10. 1. ἐγεννήθησαν . . . μετὰ τὸν κ. (1)
— 32. διεσπάρησαν . . . μετὰ τὸν κ. (1)
11. 10. δευτέρου ἔτους μετὰ τὸν κ. (1)
Ps. 28 (29). 10. κύριος τὸν κ. κατοικιεῖ (1)
31 (32). 6. ἐν κατακλυσμῷ ὑδάτων πολλῶν (2)
Si. 21. 13. γνῶσις σοφοῦ ὡς κατακλυσμὸς πληθυνθήσεται
39. 22. ὡς κατακλυσμὸς ξηρὰν ἐμέθυσεν
40. 10. δι' αὐτοὺς ἐγένετο ὁ κ.
44. 17. διὰ τοῦτο [A S² ὅτε] ἐγένετο κατακλυσμός
— 18. ἵνα μὴ ἐξαλειφθῇ κατακλυσμῷ [A *om.*] πᾶσα σάρξ
Na. 1. 8. ἐν κατακλυσμῷ . . . συντέλειαν ποιήσεται (2)
Da. TH. 9. 26. ἐκκοπήσονται ἐν κατακλυσμῷ (2)
IV Ma. 15. 31. A R ἐν τῷ κοσμοπληθεῖ [S ἔθνοπλ.] κ.
— 32. ἐν τῷ τῶν παθῶν περιαντλουμένη κ.
[Aq. JB. 38. 25 : Ps. 28 (29). 10.]
[Sm., Quint., Sext. Ps. 28 (29). 10.]
[Th. JB. 38. 25 : Ps. 28 (29). 10 : Is. 28. 15 : DA. 9. 26.]

κατακνίζειν.
[Sm. PR. 27. 4.]

κατακολουθεῖν. (1) הָלַךְ (2) רָעָה
I Es. 7. 1. κατακολουθήσαντες τοῖς ὑπὸ τοῦ βασ. Δ. προσταγεῖσιν
Ju. 11. 6. ἐὰν κατακολουθήσῃς τοῖς λόγοις τῆς παιδίσκης
Je. 17. 16. οὐκ ἐκοπίασα κατακολουθῶν ὀπίσω σου (2)
Da. LXX. 9. 10. κατακολουθῆσαι τῷ νόμῳ σου (1)
I Ma. 6. 23. κατακολουθεῖν τοῖς προστάγμασιν αὐ.

κατακονδυλίζειν. (1) בָּשַׁס po.
Am. 5. 11. κατεκονδύλιζον πτωχούς [A εἰς κεφαλὰς πτωχῶν] (1)

κατακοντίζειν.
Ju. 1. 15. καὶ κατηκόντισεν αὐτόν
Jb. 30. 13. βέλεσιν [S¹ βέλος γὰρ] αὐτοῦ κατηκόντισέ με †

κατακοπή. (1) עָמֵל
Jd. 5. 26. A εἰς ἀποτομὰς κατακοπῶν [B *al.*] (1 ?)

κατάκοπος. (1) יָגִיעַ (2) κατάκοπον ποιεῖν לָאָה hi.
Jb. 3. 17. ἀνεπαύσαντο κατάκοποι τῷ σώματι (1)
16. 8 (7). κατάκοπόν με πεποίηκε μωρὸν σεσηπότα (2)
II Ma. 12. 36. τῶν δὲ περὶ τὸν Ἔ. . . . κ. ὄντων

κατακόπτειν. (1) גָּדַע pi. (2) דְּקַק aph. (3) כָּרַת (4) כָּתַת *a.* pi. *b.* hi. *c.* hoph. (5) ἡ κατακεκομμένη הַמַּכְתֵּשׁ (6) נָכָה hi. (7) נָפַץ pu. (8) קָצַץ pi. (9) תִּיז hi.
Ge. 14. 5. κατέκοψαν τοὺς γίγαντας (6)
— 7. κατέκοψαν πάντας τοὺς ἄρχοντας Ἀ. (6)
Nu. 14. 45. καὶ κατέκοψαν αὐτούς (4 *b*)
Jo. 10. 10. καὶ κατέκοπτον αὐτούς (6)
11. 8. κατέκοψαν [A -εν] αὐτούς (6)
Jd. 20. 43. κατέκοπτον [A ἔκοψαν] τὸν Βεν. †
II Ch. 15. 16. κατεκόψε τὸ εἴδωλον (3)
28. 24. καὶ κατέκοψεν αὐτά (8)
34. 7. τὰ εἴδωλα κατέκοψε λεπτά (4 *a*)
— 7. A πάντα τὰ ὑψηλὰ κατέκοψεν [B ἔκ.] (1)
Ju. 2. 25. κατέκοψε πάντας τοὺς ἀντιστάντας αὐτῷ
Am. 1. 5. κατακόψω φυλὴν ἐξ ἀνδρῶν Χαρράν †
Mi. 1. 7. πάντα τὰ γλυπτὰ αὐτῆς κατακόψουσι (4 *c*)
4. 3. κατακόψουσι τὰς ῥομφαίας αὐ. εἰς ἄροτρα (4 *a*)
Ze. 1. 11. οἱ κατοικοῦντες τὴν κατακεκομμένην (5 ?)
Za. 11. 6. καὶ κατακόψουσι τὴν γῆν (4 *a*)
Is. 18. 5. A S τὰς κληματίδας . . . κατακόψει [B ἀποκ.] (9)
27. 9. ὅταν θῶσι [A θῶ] πάντας τοὺς λίθους τῶν βωμῶν κατακεκομμένους (7)
Je. 20. 4. κατακόψουσιν ἐν μαχαίραις [A *al.*] (6)
21. 7. κατακόψουσιν αὐτοὺς ἐν στόματι μαχαίρας (6)
Ez. 5. 2. τὸ τέταρτον κατακόψεις ἐν ῥομφαίᾳ (6)
Da. TH. 7. 23. συμπατήσει αὐτὴν καὶ κατακόψει (2)
II Ma. 1. 13. κατεκόπησαν ἐν τῷ τῆς Ναναίας ἱερῷ
10. 30. R κατεκόπτοντο [A διεκ.] ταραχῆς πεπληρωμένοι
[Aq., Sm. Ps. 128 (129). 4.]

κατάκορος.
[Aq. GE. 49. 12 : PR. 23. 29.]

κατακοσμεῖν. (1) חָשַׁק pi. (2) עָדָה
Ex. 39. 6 (38. 28). κατεκόσμησεν αὐτούς (1)
Is. 61. 10. ὡς νύμφην κατεκόσμησέ με κόσμῳ (2)
I Ma. 4. 57. κατεκόσμησαν τὰ κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ

κατακόσμησις.
[Aq., Sm. Ps. 31 (32). 9.]

κατακράζειν. (1) קָלַס hithpa.
IV Ki. 2. 23. B² κατέκραξα [B³ -αζον, B¹ R -έπαιζον, A καταπαίζειν αὐτοῦ] (1)

κατακρατεῖν. (1) אָנַשׁ (2) חָזַק *a.* pi. *b.* hi. *c.* חֶזְקָה (3) לָכַד (4) רוּעַ hi. (5) תָּפַשׂ
I Ki. 14. 42. κατεκράτησε Σαοὺλ τοῦ λαοῦ –
III Ki. 12. 24. B καὶ κατεκράτησε Ῥοβοάμ –
II Ch. 12. 1. καὶ ὡς κατεκρατήθη (2 *c*)
— 4. κατεκράτησαν τῶν πόλεων τῶν ὀχυρῶν (3)
I Es. 4. 2. τὴν θάλασσαν κατακρατοῦντες
Si. 21. 11. κατακρατεῖ [S -τήσει] τοῦ ἐννοήματος [S² νοημ.] αὐ. [S¹ *om.* τοῦ ἐ. αὐ.]
Mi. 1. 9. ὅτι κατεκράτησεν ἡ πληγὴ αὐτῆς (1)
4. 9. κατεκράτησάν σου [A σε] ὠδῖνες (2 *b*)
Na. 3. 14. κατακράτησον τῶν ὀχυρωμάτων σου (2 *a*)
— 14. κατακράτησον ὑπὲρ πλίνθον (2 *b*)
Je. 8. 5. κατεκρατήθησαν ἐν [A *om.*] τῇ προαιρέσει αὐτῶν (2 *b*)
27 (50). 15. κατακρατήσατε [A *add.* ἐπ'] αὐτήν (4)
— 43. θλῖψις κατεκράτησεν αὐτοῦ [A S¹ -ούς] (2 *b*)
47 (40). 10. ἐν ταῖς πόλεσιν αἷς κατεκρατήσατε (5)
I Ma. 6. 54. κατεκράτησεν αὐτῶν ὁ λιμός
7. 22. κατεκράτησαν γῆν Ἰούδα
8. 2. κατεκράτησαν αὐτῶν
— 3. τοῦ κατακρατῆσαι τῶν μετάλλων τοῦ ἀργ.
— 4. κατεκράτησαν τοῦ τόπου παντός
— 5. καὶ κατεκράτησαν αὐτῶν
— 10. κατεκράτησαν [S¹ -εν] τῆς γῆς αὐτῶν
— 12. A R κατεκράτησαν τῶν βασιλειῶν [S -λέων]
11. 1. κατακρατῆσαι τῆς βασιλείας Ἀλ. [S¹ *al.*]
— 49. κατεκράτησαν οἱ Ἰουδαῖοι τῆς πόλεως
— 56. καὶ κατεκράτησεν Ἀντιοχείας
I Ma. 15. 3. κατεκράτησαν τῆς βασιλείας τῶν πατέρων ἡμῶν
— 28. ὑμεῖς κατακρατεῖτε τῆς Ἰόππης
— 33. ἀκρίτως ἔν τινι καιρῷ κατεκρατήθη
16. 13. ἠβουλήθη κατακρατῆσαι τῆς χώρας
III Ma. 1. 6. κατακρατήσας δὲ τῆς ἐπιβουλῆς
[Sm. II KI. 5. 8.]
[Al. Ps. 43 (44). 6.]

κατακρημνίζειν. (1) שָׁלַךְ hi.
II Ch. 25. 12. καὶ κατεκρήμνιζον [A -ισεν] αὐτούς (1)
II Ma. 12. 15. τὸν ἄτερ κριῶν . . . κατακρημνίσαντα τὴν Ἱερ.
14. 43. R κατεκρήμνισεν ἑαυτὸν ἀνδρείως [A ἀνδρωδῶς]
IV Ma. 4. 25. ὥστε καὶ γυναῖκας . . . κατακρήμνισθῆναι

κατάκριμα.
Si. 43. 10. ἐν λόγοις ἁγίου στήσονται κατάκριμα [? κατὰ κρ.]

κατακρίνειν. (1) גָּזַר ni.
Es. 2. 1. ὡς κατέκρινεν [S¹ -αν] αὐτήν [A ὅσα αὐτῇ κατεκρίθη] (1)
Wi. 4. 16. κατακρινεῖ δὲ . . . τοὺς ζῶντας ἀσεβεῖς
Da. LXX. Su. 53. τὸν μὲν ἀθῷον κατέκρινας
4. 34. τούτους κατακρινῶ θανάτῳ
Da. TH. Su. 41. κατέκριναν αὐτὴν ἀποθανεῖν
— 48. κατεκρίνατε θυγατέρα Ἰσραήλ
— 53. τοὺς μὲν ἀθῴους κατακρίνων
[Sm. JB. 10. 2 : 34. 29.]
[Th. DA. 13. 53.]
[Al. ES. 2. 1.]

κατακρούειν. (1) תָּקַע
Jd. 16. 14. A κατέκρουσεν . . . εἰς τὸν τοῖχον [B *al.*] (1)

κατακρύπτειν. (1) חָבָא *a.* ni. *b.* hi. *c.* hithp. (2) חָלַף (3) חָתַר (4) טָמַן *a.* qal. *b.* hi. (5) סָתַר *a.* ni. *b.* hi. (6) צָפַן *a.* qal. *b.* hi.
Ge. 35. 4. κατέκρυψεν αὐτὰ Ἰ. ὑπὸ τὴν τερέβινθον (4 *a*)
Jo. 10. 16. κατεκρύβησαν εἰς τὸ σπήλαιον (1 *a*)
III Ki. 18. 4. R καὶ κατέκρυψεν [A B ἔκρ.] αὐτούς (1 *b*)
IV Ki. 7. 8. καὶ κατέκρυψαν (4 *b*)
II Ch. 18. 24. εἰσελεύσῃ . . . τοῦ κατακρυβῆναι (1 *a*)
22. 12. καὶ ἦν . . . ἐν οἴκῳ τοῦ θεοῦ κατακεκρυμμένος (1 *c*)
Ps. 30 (31). 20. κατακρύψεις αὐτούς (5 *b*)
55 (56). 6. παροικήσουσι καὶ κατακρύψουσιν αὐτοί (6 *a*, 6 *b**)
Am. 9. 2. ἐὰν κατακρυβῶσιν [A κατορυγῶσιν] εἰς ᾅδου (3)
Is. 2. 18. τὰ χειροποίητα πάντα κατακρύψουσιν (2)
Je. 13. 4. κατάκρυψον [S¹ -κυψον] αὐτὸ ἐκεῖ (4 *a*)
— 6. ὃ ἐνετειλάμην σοι τοῦ κατακρύψαι ἐκεῖ (4 *a*)
43 (36). 19. κατακρύβηθι [A κρ.] σὺ καὶ Ἱερ. (5 *a*)
— 26. ABS² καὶ κατεκρύβησαν (5 *b*)
50 (43). 9. κατάκρυψον αὐτοὺς ἐν [S ἐπὶ] προθύροις (4 *a*)
— 10. ὧν κατέκρυψας [S¹ -α] (4 *a*)
Ez. 4. 12. A ἐν βολβίτοις . . . κατακρύψεις [B ἐγκρ.] αὐτά †
II Ma. 1. 19. λαθραίως κατέκρυψαν ἐν κοιλώματι
[Aq. JE. 43 (50). 10.]
[Sm. Ps. 30 (31). 5 : 34 (35). 7 : JE. 43 (50). 10.]
[Th. JB. 21. 19.]

κατακτᾶσθαι. (1) כָּבַשׁ
II Ch. 28. 10. υἱοὺς Ἰούδα . . . λέγετε κατακτήσεσθαι (1)
II Ma. 6. 25. R κηλῖδα τοῦ γήρως κατακτήσομαι [A -ωμαι]

κατακτείνειν.
IV Ma. 11. 3. ὅπως κἀμὲ κατακτείνας
12. 11. τοὺς θεράποντας αὐτοῦ κατακτεῖναι

κατακυλίειν. (1) גָּלַל pilp. (2) כָּרַע
Jd. 5. 27. ἀνὰ μέσον τῶν ποδῶν αὐτῆς κατεκυλίσθη [A *al.*] (2)

I Ki. 14. 8. B κατακυλισθησόμεθα πρὸς αὐτούς †
Je. 28 (51). 25. κατακυλιῶ [A -ίσω] σε ἐπὶ [A S ἀπὸ] τῶν πετρῶν (1)

κατακύπτειν. (1) שָׁקַף hi.

IV Ki. 9. 32. κατέκυψαν πρὸς αὐτὸν δύο [A τρεῖς] εὐνοῦχοι (1)
[Aq. Ps. 41 (42). 6, 12 : 43 (44). 26.]

κατακυριεύειν. (1) בָּעַל (2) יָרַשׁ (3) כָּבַשׁ *a.* qal. *b.* ni. (4) מָשַׁל *a.* qal. *b.* hi. (5) פּוּחַ hi. (6) רָדָה (7) שָׁלַט hi.

Ge. 1. 28. κατακυριεύσατε αὐτῆς (3 *a*)
9. 1. κατακυριεύσατε αὐτῆς –
— 7. R κατακυριεύσατε αὐτῆς [A *al.*] †
Nu. 21. 24. κατεκυρίευσαν τῆς γῆς αὐτοῦ (2)
32. 22. καὶ κατακυριευθῇ ἡ γῆ ἔναντι κυρίου (3 *b*)
— 29. καὶ κατακυριεύσητε τῆς γῆς (3 *b*)
Jo. 24. 33. A καὶ κατεκυρίευσεν [B ἐκυρ.] αὐτῶν –
Ps. 9. 26 (10. 5). πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ κατακυριεύσει (5 ?)
— 31 (10. 10). ἐν τῷ αὐτὸν κατακυριεῦσαι τῶν πενήτων †
18 (19). 13. A B ἐὰν μή μου κατακυριεύσουσιν [S R -σωσι] (4 *a*)
48 (49). 14. κατακυριεύσουσιν [A -σωσιν] αὐτῶν οἱ εὐθεῖς (6)
71 (72). 8. κατακυριεύσει ἀπὸ θαλάσσης (6)
109 (110). 2. κατακυρίευε ἐν μέσῳ τῶν ἐχθρῶν σου (6)
118 (119). 133. A^2SR μὴ κατακυριευσάτω μου πᾶσα ἀνομία (7)
Si. 17. 4. καὶ κατακυριεύειν θηρίων καὶ πετεινῶν
Je. 3. 14. ἐγὼ κατακυριεύσω ὑμῶν (1)
Da. LXX. 11. 39. κατακυριεύσει αὐτοῦ ἐπὶ πολύ (4 *b*)
I Ma. 15. 30. τῶν τόπων ὧν κατεκυριεύσατε
[Th., Quint., Sext. Ps. 109 (110). 2.]

καταλαζονεύεσθαι.
[Sm. Ps. 136 (137). 3.]

καταλαλεῖν. (1) גָּדַף pi. (2) דָּבַר *a.* ni. *b.* pi. (3) כָּלַם hi. (4) לָשׁוֹן po. (5) עָטָה עַל שֵׁם

Nu. 12. 8. καταλαλῆσαι κατὰ τοῦ θεράποντός μου M. (2 *b*)
21. 5. κατελάλει ὁ λαὸς πρὸς τὸν θεόν (2 *b*)
— 7. κατελαλήσαμεν κατὰ τοῦ κυρίου (2 *b*)
Jb. 19. 3. καταλαλεῖτέ μου [A με] (3)
Ps. 43 (44). 16 ἀπὸ φωνῆς . . . καταλαλοῦντος [B S^1 παραλ.] (1)
49 (50). 20. κατὰ τοῦ ἀδ. σου κατελάλεις (2 *b*)
77 (78). 19. κατελάλησαν τοῦ θεοῦ (2 *b*)
100 (101). 5. τὸν καταλαλοῦντα λάθρα τοῦ πλησίον αὐτοῦ (4)
118 (119). 23. κατ' ἐμοῦ κατελάλουν (2 *a*)
Pr. 20. 13. μὴ ἀγάπα καταλαλεῖν †
Ho. 7. 13. αὐτοὶ δὲ κατελάλησαν κατ' ἐμοῦ ψευδῆ (2 *b*)
Mi. 3. 7. καὶ καταλαλήσουσι κατ' αὐτῶν πάντες αὐτοί (5 ?)
Ma. 3. 13. ἐν τίνι κατελαλήσαμεν κατὰ σοῦ (2 *a*)
— 16. ταῦτα κατελάλησαν [A ἐλάλ.] οἱ φοβούμ. τὸν κ. (2 *a*)
[Sm. Ps. 40 (41). 7 : 72 (73). 8.]
[Th. Pr. 30. 10.]

καταλαλιά.
Wi. 1. 11. ἀπὸ καταλαλιᾶς φείσασθε γλώσσης

καταλαμβάνειν. (1) אָחַז (2) בּוֹא (3) בָּעָה ni. (4) דָּבַק *a.* qal. *b.* hi. (5) חָזַק hi. (6) לָכַד (7) לָקַח (8) מָצָא *a.* qal. *b.* ni. (9) נָגַשׂ ni. (10) נָשָׂא (11) נָשַׂג hi. (12) סָגַר (13) עָצַר (14) קָדַם pi. (15) שָׁבַח aph. (16) שָׁלַם pi. (17) תָּפַשׂ (18) κ. τὴν οὐραγίαν זָנַב pi.

Ge. 19. 19. R μή ποτε [A *om.*] καταλάβῃ με τὰ κακά (4 *a*)
Ge. 31. 23. κατέλαβεν αὐτὸν ἐν τῷ ὄρει Γαλαάδ (4 *b*)
— 25. κατέλαβε Λάβαν τὸν Ἰακώβ (11)
44. 4. καταλήψῃ αὐτούς (11)
Ex. 15. 9. διώξας καταλήψομαι (11)
22. 4 (3). A B ἐὰν δὲ καταλημφθῇ [R -λειφθῇ] (8 *b*)
Le. 26. 5. καταλήψεται ὑμῖν ὁ ἀμητὸς τὸν τρυγητὸν καὶ ὁ τρυγητὸς καταλήψεται τὸν σπόρον (11, 11)
Nu. 21. 32. καὶ κατελάβοντο [A -βετο] αὐτήν (6)
32. 23. ὅταν ὑμᾶς καταλάβῃ τὰ κακά (8 *a*)
De. 19. 6. καὶ καταλάβῃ αὐτόν (11)
28. 15, 45. καὶ καταλήψονταί σε (11)
Jo. 2. 5. εἰ καταλήψεσθε αὐτούς (11)
8. 19. καὶ κατέλαβοντο αὐτήν (6)
10. 19. καταλάβετε τὴν οὐραγίαν αὐτῶν (18)
11. 10. καὶ κατελάβετο Ἀσώρ (6)
19. 47. καὶ κατελάβοντο αὐτήν (6)
Jd. 1. 5. κατέλαβον [A εὗρον] τὸν Ἀδ. (8 *a*)
— 6. B^1 κατελάβοσαν [B^2 R ἑλ., A ἔλαβον] αὐτόν (1)
— 8. καὶ κατελάβοντο αὐτήν (6)
7. 24. καταλάβετε ἑαυτοῖς τὸ ὕδωρ (6)
9. 45. καὶ κατέλαβετο τὴν πόλιν (6)
— 50. καὶ κατέλαβεν αὐτήν [A *al.*] (6)
18. 22. κατελάβοντο τοὺς υἱοὺς Δάν [A *al.*] (4 *b*)
I Ki. 30. 8. εἰ [A καὶ] καταλήψομαι αὐτούς (11)
— 8. καταλαμβάνων καταλήψῃ (11, 11)
II Ki. 5. 7. A B κατελάβετο [R προκ.] Δ. τὴν περιοχήν (6)
12. 26. κατέλαβε τὴν πόλιν τῆς βασιλείας (6)
— 27. κατελαβόμην τὴν πόλιν τῶν ὑδάτων (6)
— 29. καὶ κατελάβετο αὐτήν (6)
15. 5. A κατελαμβάνετο [B ἐπελ.] αὐτοῦ (5)
— 14. ἵνα μὴ . . . καταλάβῃ ἡμᾶς (11)
21. 11. κατέλαβεν αὐτοὺς Δάν –
III Ki. 9. 16 (*cf.* B 4. 34). A κατελάβετο τὴν Γαζέρ (6)
18. 44. μὴ καταλάβῃ σε ὁ ὑετός (13)
IV Ki. 10. 11. R τοὺς ἐν τῷ οἴκῳ Ἀχ. καταληφθέντας [A B -λειφθ.] †
18. 10. καὶ κατελάβετο αὐτήν (6)
25. 5. καὶ κατέλαβον αὐτόν (11)
II Ch. 9. 20. πάντα τὰ σκεύη . . . χρυσίῳ κατειλημμένα [A -ημένα] (12)
22. 9. κατέλαβον αὐτὸν ἰατρευόμενον (6)
25. 23. τὸν Ἀμ. . . . κατέλαβεν Ἰωάς (17)
32. 21. A^3B κατέβαλον [A^1 -έλαβον] αὐτὸν ἐν ῥομφαίᾳ †
33. 11. κατέλαβον τὸν [A -βοντο] Μαν. (6)
I Es. 6. 8. κατελάβομεν τῆς αἰχμαλωσίας τοὺς πρεσβυτέρους
Ne. 9. 25. κατελάβοσαν πόλεις ὑψηλάς (6)
Ju. 2. 25. κατελάβετο τὰ ὅρια τῆς K. [S *al.*]
8. 14. S λόγους τῆς διανοίας αὐτοῦ οὐ καταλήψεσθε [A B διαλ., R λήψ.]
11. 11. καὶ κατελάβετο [A καταλάβοι] αὐτοὺς ἁμάρτημα
Es. 4. 17. ἐν ἀγῶνι θανάτου κατειλημμένη [A -ηλιμμ.]
Jb. 5. 13. ὁ καταλαμβάνων σοφούς (6)
34. 24. ὁ καταλαμβάνων ἀνεξιχνίαστα †
Ps. 7. 5. τὴν ψυχήν μου . . . καταλάβοι (11)
17 (18). 37. καὶ καταλήψομαι αὐτούς (11)
39 (40). 12. κατελάβόν με αἱ ἀνομίαι μου (11)
68 (69). 24. ὁ θυμὸς τῆς ὀργῆς σου καταλάβοι αὐτούς [S^1 *al.*] (11)
70 (71). 11. καὶ καταλάβετε αὐτόν (17)
Pr. 1. 13. τὴν κτῆσιν [A κτίσιν] αὐτοῦ . . . καταλαβώμεθα (8 *a*)
2. 16. μή σε καταλάβῃ κακὴ βουλή †
— 19. οὐδὲ μὴ καταλάβωσι τρίβους εὐθείας οὐ γὰρ καταλαμβάνονται [A -ωνται] ὑπὸ ἐνιαυτῶν ζωῆς (11, –)
11. 27. ἐκζητοῦντα δὲ κακὰ καταλήψεται αὐτόν (2)
13. 21. τοὺς δὲ δικαίους καταλήψεται ἀγαθά (16)
16. 32. κρείσσων καταλαμβανομένου [A τοῦ κ.] πόλιν (6)
Si. 7. 1. οὐ μή σε [S *om.*] καταλάβῃ κακόν
11. 10. ἐὰν διώκῃς οὐ μὴ καταλάβῃς
15. 1. ὁ ἐγκρατὴς τοῦ νόμου καταλήψεται αὐτήν [A -όν]
— 7. οὐ μὴ καταλήψονται αὐτὴν ἄνθρωποι ἀσύνετοι
23. 6. μὴ καταλαβέτωσάν με
27. 8. ἐὰν διώκῃς τὸ δίκαιον καταλήψῃ
Si. 48. 15. S κατελήφθη [A B -ελείφθη] ὁ λαὸς ὀλιγοστός
Ho. 2. 7 (9). καὶ οὐ μὴ καταλάβῃ αὐτούς (11)
10. 9. οὐ μὴ καταλάβῃ αὐτοὺς ἐν τῷ βουνῷ πόλεμος (11)
Am. 9. 13. καταλήψεται ὁ ἀμητὸς [A ἀλοητὸς] τὸν τρυγητόν (9)
Mi. 6. 6. ἐν τίνι καταλάβω τὸν κύριον (14)
— 6. εἰ καταλήψομαι αὐτὸν ἐν ὁλοκαυτώμασιν (14)
Ob. 1. 6. κατελήφθη [S κατελείφθη] αὐτοῦ τὰ κεκρυμμένα (3)
Za. 1. 6. οἳ κατελάβοσαν τοὺς πατέρας ὑμῶν (11)
14. 16. ὅσοι ἐὰν καταλειφθῶσιν [A ἂν καταλημφθῶσιν] †
Is. 10. 14. τὴν οἰκουμένην ὅλην καταλήψομαι τῇ χειρί (8 *a*)
16. 9. S τὰ δένδρα σου κατέλαβεν [A B -έβαλεν] Ἐσ. †
20. 1. A S κατελάβετο [B ἔλαβεν] αὐτήν (6)
35. 10. εὐφροσύνη καταλήψεται αὐτούς (11)
37. 8. κατέλαβε τὸν βασιλέα Ἀσσ. [A S *al.*] (8 *a*)
51. 11. εὐφροσύνη καταλήψεται αὐτούς (11)
59. 9. οὐ μὴ καταλάβῃ αὐτοὺς δικαιοσύνη (11)
Je. 3. 8. περὶ πάντων ὧν κατελήφθη †
10. 19. καὶ [A οὐ] κατέλαβέ σε [A με] (10)
28 (51). 34. κατέλαβέ με σκότος λεπτόν –
49 (42). 16. καταλήψεται ὑμᾶς ὀπίσω ὑμῶν (4 *a*)
52. 8. κατέλαβον [A -εν] αὐτὸν ἐν τῷ πέραν Ἱερ. (11)
La. 1. 3. κατέλαβον αὐτὴν ἀνὰ μέσον τῶν θλιβόντων (11)
Ez. 33. 4. καὶ καταλάβῃ αὐτόν [A *al.*] (7)
Da. LXX. Su. 58. ἐν ποίῳ τοῦ κήπου τόπῳ κατέλαβες αὐτούς
1. 20. κατέλαβεν αὐτοὺς σοφωτέρους (8 *a*)
4. 34. ὅσοι ἂν καταληφθῶσι λαλοῦντές τι –
6. 11 (12). κατελάβοσαν αὐτὸν εὐχόμενον (15)
Da. TH. Su. 54. A ὑπὸ τί δένδρον κατέλαβες [B εἶδες] αὐτούς
— 58. ὑπὸ τί δένδρον κατέλαβες αὐτούς
I Ma. 1. 19. κατελάβοντο τὰς πόλεις τὰς ὀχυράς
2. 32. A R καταλαβόντες [S -ελάβοντο] αὐτούς
5. 27. καταλαβέσθαι καὶ ἐξᾶραι πάντας
— 28. κατελάβετο τὴν πόλιν
— 30. καταλαβέσθαι τὸ ὀχύρωμα
— 35. A S καὶ κατελάβετο [R προκατ.] αὐτήν
6. 3. S R ἐζήτει καταλαβέσθαι [A -βεῖν] τὴν πόλιν
— 26. τοῦ καταλαβέσθαι αὐτήν
— 50. κατελάβετο ὁ βασ. τὴν Β.
— 63. κατελάβετο τὴν πόλιν βίᾳ
10. 1. καὶ κατελάβετο Πτολεμαΐδα
— 23. A S τοῦ φιλίαν καταλαβέσθαι [R -θέσθαι] τοῖς Ἰ.
11. 46. A R κατελάβοντο . . . τὰς διόδους [S οἰκίας]
— 66. κατελάβετο τὴν πόλιν
12. 30. S R καὶ οὐ κατέλαβεν [A οὐκ ἐκατ.] αὐτούς
13. 43. ἐπάταξε πύργον ἕνα καὶ κατελάβετο
15. 30. A R τὰς πόλεις ἃς κατελάβεσθε [S παρελάβετε]
16. 20. ἑτέρους ἀπέστειλε καταλαβέσθαι τὴν Ἱερ.
II Ma. 5. 5. τέλος ἤδη καταλαμβανομένης τῆς πόλεως
— 20. A ὁ καταληφθεὶς [R -λειφθεὶς] . . . ἐπανωρθώθη
8. 18. A τὸν ὅλον κόσμον . . . καταλαβεῖν [R -βαλεῖν]
10. 22. τοὺς δύο πύργους κατελάβετο
12. 16. καταλαβόμενοί τε τὴν πόλιν
— 18. Τιμόθεον μὲν . . . οὐ κατέλαβον
13. 21. κατελήφθη καὶ κατεκλείσθη
14. 41. μελλόντων τὸν πύργον καταλαβέσθαι
15. 19. τοῖς ἐν τῇ πόλει κατειλημμένοις
III Ma. 2. 10. καὶ καταλάβῃ ἡμᾶς στενοχωρία
— 23. ὀξείαν ἰδόντες τὴν καταλαβοῦσαν αὐτὸν εὐθυναν
[Aq. Dt. 2. 34 : I Ki. 10. 20 : Is. 56. 12 : Mi. 2. 6 : 6. 14.]
[Sm. II Ki. 1. 6 : Jb. 31. 29 : 41. 18 : Ps. 20 (21). 9 : 118 (119). 143 : Is. 59. 9.]
[Th. Je. 39 (46). 1, 5.]
[Al. Le. 5. 11.]

καταλάμπεσθαι.
Wi. 17. 20. ὅλος γὰρ ὁ κόσμος λαμπρῷ κατελάμπετο φωτί

καταλγηγεῖν (?).
II Ma. 7. 30. A ἔτι δὲ ταύτης καταλγηγούσης [R καταλεγούσης]

καταλεαίνειν. (1) דָּקַק aph.
Da. LXX. 7. 23. καὶ καταλεανεῖ αὐτήν (1)

καταλέγειν. (1) עָנָה
De. 19. 16. καταλέγων αὐτοῦ ἀσέβειαν (1)
II Ma. 7. 30. R ἔτι δὲ ταύτης καταλεγούσης [A καταλγηγούσης]
[Aq. Ex. 15. 21: Nu. 21. 17: Jd. 5. 11: Ps. 146 (147). 7: Je. 25. 30 (32. 16): 51 (28). 14.]
[Sm. Nu. 21. 17: 1 Ki. 21. 11 (12): Ps. 144 (145). 6: 146 (147). 7.]

κατάλεγμα.
[Sm. Je. 25. 30 (32. 16): Ez. 2. 10.]
[Al. Is. 16. 9.]

κατάλειμμα (-λιμμα). (1) יֶתֶר (2) נִיר (3) עֲלֻלוֹת (4) שְׁרִיד (5) *a.* שְׁאָר *b.* שְׁאֵרִית (6) שְׁחִים
Ge. 45. 7. ὑπολείπεσθαι ὑμῖν κατάλειμμα (5 *b*)
Jd. 5. 13. R κατέβη κατάλειμμα [B -λημμα] τοῖς ἰσχυροῖς [A *al.*] (4)
I Ki. 13. 15. B τὸ κ. τοῦ λαοῦ ἀνέβη –
II Ki. 14. 7. ὥστε μὴ θέσθαι . . . κατάλειμμα καὶ ὄνομα [A *al.*] (5 *b*)
III Ki. 12. 24. B καὶ πρὸς τὸ κ. τοῦ λαοῦ –
15. 4. ἔδωκεν αὐτῷ . . . κατάλειμμα (2)
IV Ki. 10. 11. ὥστε μὴ καταλιπεῖν αὐτοῦ κατάλειμμα (4)
19. 31. ἐξ Ἱερ. ἐξελεύσεται κατάλειμμα (5 *b*)
To. 13. 16. S τὸ κ. τοῦ σπέρματός μου
Jb. 22. 20. τὸ κ. αὐτῶν καταφάγεται πῦρ (1)
Si. 44. 17. A B S^2 ἐγενήθη κατάλειμμα τῇ γῇ
47. 22. τῷ Ἰακὼβ ἔδωκε κατάλειμμα
Is. 10. 22. τὸ κ. αὐτῶν σωθήσεται (5 *a*)
14. 22. ἀπολῶ αὐτῶν ὄνομα καὶ κ. καὶ σπέρμα (5 *a*)
— 30. τὸ κ. σου ἀνελεῖ (5 *b*)
37. 30. τῷ δὲ ἐνιαυτῷ τῷ δευτέρῳ τὸ κ. (6 ?)
Je. 27 (50). 26. μὴ γενέσθω αὐτῆς κ. (5 *b*)
29 (49). 9. οἱ οὐ [B^1 *om.*] καταλείψουσί σοι κ. (3 ?)
32 (25). 38. R ἐγκατέλιπεν ὥσπερ λέων κατάλειμμα [A B S -λυμα] αὐ. †
47 (40). 11. ἔδωκε βασιλεὺς Βαβυλῶνος κ. [A τὰ κ.] τῷ Ἰούδᾳ (5 *b*)
I Ma. 3. 35. ἐξᾶραι . . . τὸ κ. Ἱερουσαλήμ
[Aq. Je. 8. 3: 47 (29). 5.]
[Sm. Je. 8. 3.]
[Th. III Ki. 15. 4: Jb. 22. 20.]

καταλειμμάνειν. (1) עָזַב
III Ki. 18. 18. A ἐν τῷ κ. [B -λιμπάνειν] ὑμᾶς τὸν κ. (1)

καταλεῖν. (1) דָּקַק aph. (2) טָחַן
Ex. 32. 20. κατήλεσεν αὐτὸν λεπτόν [A *al.*] (2)
De. 9. 21. συνέκοψα αὐτὸν καταλέσας σφόδρα [A *al.*] (2)
Da. LXX. 2. 34. καὶ κατήλεσεν αὐτά (1)

καταλείπειν. (1) אַחַר (2) הָיָה (3) נָזַל hi. (4) יָצַג hi. (5) יָתַר *a.* ni. *b.* hi. *c.* יֶתֶר (6) לָפַת ni. (7) מְרוּדָה (8) מָצָא ni. (9) נוּחַ hi. (10) נָקָה ni. (11) עָזַב *a.* qal. *b.* ni. (12) פְּלֵיטָה, פַּלְטָה (13) פָּקַד pu. (14) שׂוּם (15) שָׁרִיד (16) שָׁאָה ni. (17) שְׁאָר *a.* ni. *b.* hi. *c.* שְׁאָר *d.* שְׁאֵרִית (18) שָׁכַן *a.* qal. *b.* ni. *c.* שָׁכַן ithp.
Ge. 2. 24. καταλείψει ἄνθρωπος τὸν πατέρα αὐ. (11 *a*)
7. 23. κατελείφθη μόνος Νῶε (17 *a*)
14. 10. οἱ δὲ καταλειφθέντες . . . ἔφυγον (17 *a*)
33. 15. καταλείψω μετὰ σοῦ ἀπὸ τοῦ λαοῦ (4)
39. 12. R καταλιπὼν [A -λείπων] τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (11 *a*)
— 13. R καταλιπὼν [A -ἐλειπεν] τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (11 *a*)
— 15. R καταλιπὼν [A -λείπων] τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (11 *a*)
Ge. 39. 18. R καταλιπὼν [A -ἐλειπεν] τὰ ἱμάτια αὐτοῦ (11 *a*)
42. 38. αὐτὸς μόνος καταλέλειπται (17 *a*)
44. 22. καταλιπεῖν τὸν πατέρα (11 *a*)
— 22. ἐὰν δὲ καταλίπῃ τὸν πατέρα (11 *a*)
Ex. 2. 20. καταλελοίπατε τὸν ἄνθρωπον (11 *a*)
8. 31 (27). οὐ κατελείφθη οὐδεμία (17 *a*)
10. 5. τὸ περισσὸν τῆς γῆς [A *om.* τ. γ.] τὸ καταλειφθέν (12)
— 5. ὃ κατέλιπεν ὑμῖν ἡ χάλαζα (17 *a*)
— 15. A οὐ κατελείφθη [B οὐχ ὑπ.] χλωρὸν οὐδέν (5 *a*)
12. 10. A R τὰ δὲ καταλειπόμενα [B -λιπ.] ἀπ' αὐτοῦ (5 *a*)
— 46. A οὐ καταλείψετε ἀπὸ τῶν κρεῶν –
14. 28. οὐ κατελείφθη ἐξ αὐτῶν οὐδὲ εἷς (17 *a*)
16. 19. A R μηδεὶς καταλειπέτω [B -λιπ.] ἀπ' αὐτοῦ (5 *b*)
— 20. κατέλιπόν [A^2 -λειπ.] τινες ἀπ' αὐτοῦ (5 *b*)
— 23. R καταλείπετε [A -πέτω, B -λίπετε] αὐτό (9)
— 24. κατελίποσαν [A -ἐλειπον] ἀπ' αὐτοῦ (9)
22. 4 (3). R ἐὰν δὲ καταλειφθῇ [A B -λημφ.] †
29. 34. ἐὰν δὲ καταλειφθῇ ἀπὸ τῶν κρεῶν (5 *a*)
39. 13 (1). τὴν καταλειφθεῖσαν ὑάκινθον †
Le. 2. 10. τὸ δὲ καταλειφθὲν ἀπὸ τῆς θυσίας (5 *a*)
5. 13. τὸ δὲ καταλειφθὲν ἔσται τῷ ἱερεῖ –
6. 16 (9). τὸ δὲ καταλειφθὲν ἀπ' αὐτῆς (5 *a*)
7. 5 (15). οὐ καταλείψουσιν ἀπ' αὐτοῦ (9)
— 7 (17). τὸ καταλειφθὲν ἀπὸ τῶν κρεῶν (5 *a*)
8. 32. τὸ καταλειφθὲν τῶν κρεῶν (5 *a*)
10. 6. τοὺς υἱοὺς αὐτοῦ τοὺς καταλελειμμένους –
— 12. τοὺς υἱοὺς Ἀαρὼν τοὺς καταλειφθέντας (5 *a*)
— 12. λάβετε τὴν θυσίαν τὴν καταλειφθεῖσαν (5 *a*)
— 16. τοὺς υἱοὺς Α. τοὺς καταλελειμμένους (5 *a*)
14. 17. τὸ δὲ καταλειφθὲν ἔλαιον (5 *c*)
— 18. τὸ δὲ καταλειφθὲν ἔλαιον (5 *a*)
— 29. τὸ δὲ καταλειφθὲν ἀπὸ τοῦ ἐλαίου (5 *a*)
19. 6. ἐὰν καταλειφθῇ ἕως ἡμέρας τρίτης (5 *a*)
— 10. τῷ προσηλύτῳ καταλείψεις αὐτά (11 *a*)
25. 52. ἐὰν δὲ ὀλίγον καταλειφθῇ ἀπὸ τῶν ἐτῶν (17 *a*)
26. 36. τοῖς καταλειφθεῖσιν ἐξ ὑμῶν (17 *a*)
— 39. οἱ καταλειφθέντες ἀφ' ὑμῶν (17 *a*)
Nu. 9. 12. οὐ καταλείψουσιν ἀπ' αὐτοῦ εἰς τὸ πρωΐ (17 *b*)
11. 26. κατελείφθησαν δύο ἄνδρες (17 *a*)
21. 35. ἕως τοῦ μὴ καταλιπεῖν αὐτοῦ ζωγρείαν (17 *b*)
26. 65. οὐ κατελείφθη ἐξ αὐτῶν οὐδὲ εἷς (5 *a*)
32. 15. καταλιπεῖν αὐτὸν ἐν τῇ ἐρήμῳ (9)
33. 55. οὓς [A ὅσους] ἐὰν καταλίπητε ἐξ αὐτῶν (5 *b*)
De. 2. 34. οὐ κατελίπομεν [A -λείπ.] ζωγρίαν (17 *b*)
3. 3. ἕως τοῦ μὴ καταλιπεῖν αὐτοῦ σπέρμα (17 *b*)
— 11. πλὴν Ὢγ . . . κατελείφθη ἀπὸ τῶν Ῥ. (17 *a*)
4. 27. καταλειφθήσεσθε ὀλίγοι [A -γῳ] ἀριθμῷ (17 *a*)
7. 20. A B^2 R ἕως ἂν ἐκτριβῶσιν οἱ καταλελειμμένοι (17 *a*)
28. 51. ὥστε μὴ καταλιπεῖν σοι σῖτον (17 *b*)
— 54. A R καὶ τὰ καταλελειμμένα [A κ.τ.] τέκνα ἃ ἂν καταλειφθῇ αὐτῷ [B *om.*] (5 *c*, 5 *b*)
— 55. διὰ τὸ μὴ καταλειφθῆναι [A -λελείφθαι] αὐτῷ οὐδέν (17 *b*)
— 62. καταλειφθήσεσθε ἐν ἀριθμῷ βραχεῖ (17 *a*)
29. 25 (24). R κατέλιπον [B -οσαν, A -λειπον] τὴν διαθήκην κυρίου (11 *a*)
31. 16. καὶ καταλείψουσί [A ἐγκατ.] με (11 *a*)
— 17. καὶ καταλείψω αὐτούς (11 *a*)
Jo. 8. 17. οὐ κατελείφθη οὐθεὶς ἐν τῇ Γαί (17 *a*)
— 17. B κατέλιπον τὴν πόλιν ἠνεῳγμένην (11 *a*)
— 22. ἕως τοῦ μὴ καταλειφθῆναι αὐτῶν σεσωσμένον (17 *b*)
10. 28. οὐ κατελείφθη οὐδεὶς ἐν αὐτῇ (17 *b*)
— 30. οὐ κατελείφθη ἐν αὐτῇ (17 *b*)
— 33. ἕως τοῦ μὴ καταλειφθῆναι αὐτῶν [A -ῷ] (17 *b*)
— 39. οὐ κατέλιπον αὐτῇ οὐδένα [A *al.*] (17 *b*)
— 40. οὐ κατέλιπον αὐτῶν [A *al.*] (17 *b*)
11. 8. ἕως τοῦ μὴ καταλειφθῆναι αὐτῶν (17 *b*)
— 11. οὐ κατελείφθη ἐν αὐτῇ ἐμπνέον (5 *a*)
— 14. οὐ κατέλιπον ἐξ αὐτῶν οὐδὲ ἓν ἐμπνέον [A *al.*] (17 *b*)
— 22. οὐ κατελείφθη τῶν [A -ησαν τῷ] Ἐνακίμ (5 *a*)
— 22. ἀλλὰ πλὴν ἐν Γ. . . . κατελείφθη [A -ησαν] (17 *a*)
13. 2. αὕτη ἡ γῆ καταλελειμμένη [A ἡ κ.] (17 *a*)
— 12. οὗτος κατελείφθη ἀπὸ τῶν γιγάντων (17 *a*)
Jo. 17. 6. τοῖς υἱοῖς Μανασσῆ τοῖς καταλελειμμ. (5 *a*)
18. 2. κατελείφθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (5 *a*)
21. 5. τοῖς υἱοῖς Καὰθ τοῖς καταλελειμμένοις (5 *a*)
— 20. τοῖς δήμοις . . . τοῖς καταλελειμμένοις (5 *a*)
— 38. τῶν καταλελειμμένων ἀπὸ τῆς φυλῆς Δ. (5 *a*)
23. 4. τὰ ἔθνη τὰ καταλελειμμένα ὑμῖν ταῦτα (17 *a*)
— 7. τὰ ἔθνη τὰ καταλελειμμένα ταῦτα (17 *a*)
24. 16. μὴ γένοιτο ἡμῖν καταλιπεῖν [A -λείπειν] κύριον (11 *a*)
Jd. 2. 21. ὧν κατέλιπεν [A -λειπ.] Ἰ. (11 *a*)
4. 16. οὐ κατελείφθη ἕως ἑνός (17 *a*)
6. 4. B οὐ κατέλιπον [R -λείποντο, A οὐχ ὑπελείποντο] ὑπόστασιν (17 *b*)
8. 10. πάντες οἱ καταλελειμμένοι [A π. καταλειφθέντες] (5 *a*)
9. 5. καὶ κατελείφθη [A ἀπελ.] Ἰωάθαμ (5 *a*)
Ru. 1. 3. καὶ κατελείφθη αὐτη (17 *a*)
— 5. καὶ κατελείφθη ἡ γυνή (17 *a*)
— 16. μὴ ἀπαντήσαι μοι τοῦ καταλιπεῖν σε (11 *a*)
2. 11. πῶς κατέλιπες [A -λειπ.] τὸν πατέρα σου (11 *a*)
— 14. καὶ κατέλιπε [A -λειπε] (5 *b*)
— 18. ἔδωκεν αὐτῇ ἃ κατέλιπεν [A -λειπεν] (5 *b*)
I Ki. 2. 10. κατέλιπεν [A -λειπον] αὐτὸν ἐκεῖ –
30. 13. κατέλιπέ [A -λειπέ] με ὁ κύριός μου (11 *a*)
31. 7. καταλείπουσι τὰς πόλεις αὐτῶν (11 *a*)
II Ki. 13. 30. οὐ κατελείφθη ἐξ αὐτῶν οὐδὲ εἷς (5 *a*)
14. 7. τὸν ἄνθρακά μου τὸν καταλειφθέντα (17 *a*)
16. 21. A B^1 ἃς κατέλειπεν [B^3 R -λιπε] φυλάσσειν τὸν οἶκον αὐτοῦ (9)
17. 13. ὅπως μὴ καταλειφθῇ ἐκεῖ μηδὲ λίθος (8)
III Ki. 11. 33. B κατέλιπέν [R ἐγκατ., A κατέλειπέν] με (11 *a*)
19. 18. καταλείψεις ἐν Ἰσρ. ἑπτὰ χιλιάδας ἀνδρῶν (17 *b*)
— 20. κατέλιπεν [A -λειπ.] Ἐλ. τὰς βόας (11 *a*)
IV Ki. 2. 2. A B εἰ καταλείψω [R ἐγκατ.] σε (11 *a*)
3. 25. ἕως τοῦ καταλιπεῖν [A -λείπ.] τοὺς λίθους (17 *b*)
4. 43. φάγονται καὶ καταλείψουσι (5 *b*)
— 44. ἔφαγον καὶ κατέλιπον [A -λειπ.] (5 *b*)
7. 13. οἱ κατελείφθησαν ὧδε (17 *a*)
8. 6. ἧς κατέλιπε [A ἐγκατέλειπε] τὴν γῆν (11 *a*)
10. 11. A B τοὺς ἐν τῷ οἴκῳ Ἀχ. καταλειφθέντας [R -ληφθ.] (17 *a*)
— 11. ὥστε μὴ καταλιπεῖν [A -λείπ.] αὐτοῦ κατάλειμμα (17 *b*)
— 14. οὐ κατέλιπεν ἄνδρα ἐξ αὐτῶν (17 *b*)
— 17. πάντας τοὺς καταλειφθέντας τοῦ Ἀχ. (17 *a*)
— 21. οὐ κατελείφθη ἀνήρ (17 *a*)
25. 11. τὸ καταλειφθὲν ἐν τῇ πόλει (17 *a*)
— 22. ὁ λαὸς ὁ καταλειφθείς (17 *a*)
— 22. οὓς κατέλιπε [A -λειπεν] Ναβ. (17 *b*)
I Ch. 4. 43. ἐπάταξαν τοὺς καταλοίπους τοὺς καταλειφθέντας (12)
10. 7. κατέλειπον τὰς πόλεις αὐτῶν (11 *a*)
16. 37. κατέλιπον [A -ἐλειπεν] ἐκεῖ . . . τὸν Ἀσάφ (11 *a*)
28. 9. ἐὰν καταλείψῃς [A -εις] αὐτὸν καταλείψει σε εἰς τέλος (11 *a*, 3)
II Ch. 1. 14. κατέλιπεν [A -λειπεν] αὐτὰ ἐν πόλεσι τῶν ἁρμάτων (9)
8. 7. πᾶς ὁ λαὸς ὁ καταλειφθείς (5 *a*)
— 8. ἐκ τῶν υἱῶν αὐτῶν τῶν καταλειφθέντων (5 *a*)
10. 8. κατέλιπε [A -λειπεν] τὴν βουλὴν τῶν πρεσβυτέρων (11 *a*)
15. 2. B ἐὰν καταλίπητε [A R ἐγκαταλείπ.] αὐτόν (11 *a*)
21. 17. οὐ κατελείφθη αὐτῷ υἱός (17 *a*)
28. 6. ἐν τῷ αὐτοὺς καταλιπεῖν τὸν κύριον θεόν (11 *a*)
30. 6. τοὺς καταλειφθέντας ἀπὸ χειρὸς βασιλέως Ἀσσούρ (17 *a*)
31. 10. καὶ κατελίπομεν [A -λείπ.] (5 *b*)
— 10. καὶ κατελίπομεν ἐπὶ τὸ πλῆθος τοῦτο [A *al.*] (5 *a*)
34. 21. περὶ παντὸς τοῦ καταλειφθέντος [A περιλ.] (17 *a*)
I Es. 8. 78. καταλειφθῆναι ἡμῖν ῥίζαν (17 *a*)
— 88. ἕως τοῦ μὴ καταλιπεῖν [A -λείπ.] ῥίζαν (17 *a*)
— 89. κατελείφθημεν γὰρ ῥίζα ἐν τῇ σήμερον (17 *a*)
II Es. 1. 4. πᾶς ὁ καταλειπόμενος ἀπὸ πάντων τῶν τόπων (17 *a*)
9. 8. τοῦ καταλιπεῖν [A -λείπ.] ἡμῖν εἰς σωτηρίαν (17 *b*)
— 15. κατελείφθημεν [A *om.*, S^2 οὐκ ἐγκατ.] διασῳζόμενοι (17 *a*)
Ne. 1. 2. οἱ κατελείφθησαν [B^1 -λίπησαν] ἀπὸ τῆς αἰχμαλωσίας (17 *a*)

Ne. 1. 3. οἱ καταλειπόμενοι οἱ καταλειφθέντες [A *om.* οἱ κ.] ἀπὸ τῆς αἰχμαλωσίας (17 *a* 17 *a*)
3. 8. καὶ κατέλιπον [A -λειπ.] Ἱερ. (11 *a*)
6. 1. οὐ κατελείφθη ἐν [A *om.*] αὐτοῖς πνοή (5 *a*)
To. 1. 8. ὀρφανὸς κατελείφθην ὑπὸ τοῦ πατρός μου [S *al.*]
— 20. οὐ κατελείφθη μοι οὐδέν
12. 13. οὐκ ὤκνησας . . . καταλιπεῖν [A -λείπ.] τὸ ἄριστόν σου
Ju. 13. 4. οὐδεὶς κατελείφθη ἐν τῷ κοιτῶνι
Jb. 6. 18. οὕτω κἀγὼ κατελείφθην ὑπὸ πάντων (6 ?)
Ps. 48 (49). 10. καταλείψουσιν ἀλλοτρίοις τὸν πλοῦτον αὐτῶν (11 *a*)
Pr. 12. 11. ἐν τοῖς ἑαυτοῦ ὀχυρώμασι καταλείψει ἀτιμίαν [S¹ *al.*] –
14. 26. τοῖς δὲ τέκνοις αὐτοῦ καταλείπει [S² -λείψει] ἔρεισμα (2)
20. 7. μακαρίους τοὺς παῖδας αὐτοῦ καταλείψει (1)
Wi. 2. 9. παντοχῆ καταλίπωμεν [A -λείπωμεν] σύμβολα τῆς εὐφροσύνης
Si. 11. 19. καταλείψει αὐτὰ ἑτέροις καὶ ἀποθανεῖται
13. 4. ἐὰν ὑστερήσῃς καταλείψει σε
— 7. ὄψεταί σε καὶ καταλείψει [S καλύψει] σε
14. 15. οὐχὶ ἑτέρῳ [A S -οις] καταλείψεις τοὺς πόνους σου
17. 25. ἀπόλιπε [S² -λιπε, S¹ κατάλιπε] ἁμαρτίας
23. 8. ἐν τοῖς χείλεσιν αὐτοῦ καταλειφθήσεται ἁμαρτωλός
— 22. οὕτως καὶ γυνὴ καταλιποῦσα [A -λείπ.] τὸν ἄνδρα
— 26. καταλείψει [A -ψις] εἰς κατάραν τὸ μνημόσυνον αὐτῆς
— 27. ἐπιγνώσονται οἱ καταλειφθέντες
24. 33. καταλείψω αὐτὴν εἰς γενεὰς [A S -ὰν] αἰώνων
28. 23. οἱ καταλείποντες [S -λιπ.] κύριον
29. 14. ὁ ἀπολωλεκὼς αἰσχύνην καταλείψει [A S ἐγκατ.] αὐτόν
30. 4. ὅμοιον γὰρ αὐτῷ κατέλιπε μετ' αὐτόν [A *al.*]
— 6. ἐναντίον ἐχθρῶν κατέλιπεν [A -λειπεν] ἔκδικον
39. 11. ἐὰν ἐμμείνῃ ὄνομα καταλείψει ἢ χίλιοι
44. 8. εἰσὶν αὐτῶν οἱ κατέλιπον [A -λειπον, S¹ ἐγκ.] ὄνομα
47. 22. ὁ δὲ κύριος οὐ μὴ καταλίπῃ [A ἐγκαταλείπῃ] τὸ ἔλεος αὐτοῦ
— 23. κατέλιπε [A -λειπεν] μετ' αὐτὸν ἐκ τοῦ σπέρματος αὐτοῦ λαοῦ ἀφροσύνην
48. 15. κατελείφθη [S -λήμφθη] ὁ λαὸς ὀλιγοστός
49. 4. κατέλιπον [A -λειπον] γὰρ τὸν νόμον τοῦ ὑψίστου
Ob. 1. 6. κατελήφθη [S κατελείφθη] αὐτοῦ τὰ κεκρυμμένα †
Za. 11. 17. καταλελοιπότες [A οἱ κ.] τὰ πρόβατα (11 *a*)
14. 16. ὅσοι ἐὰν καταλειφθῶσιν [A καταλημφθῶσιν] (5 *a*)
Is. 3. 26. καταλειφθήσῃ μόνη (10)
4. 2. τοῦ . . . δοξάσαι τὸ καταλειφθὲν τοῦ Ἰσρ. (13)
— 3. ἔσται . . . τὸ καταλειφθὲν ἐν Ἱερουσαλήμ (5 *a*)
6. 11. ἡ γῆ καταλειφθήσεται ἔρημος (16)
— 12. A B S οἱ καταλειφθέντες [R ἐγκ.] πληθυνθήσονται (11 *a*)
7. 3. ἔξελθε . . . σὺ καὶ ὁ καταλειφθεὶς Ἰ. (17 *c*)
— 16. καταλειφθήσεται ἡ γῆ (11 *b*)
— 22. πᾶς ὁ καταλειφθεὶς ἐπὶ τῆς γῆς (5 *a*)
10. 3. ποῦ καταλείσετε τὴν δόξαν ὑμῶν (11 *a*)
— 14. ὡς καταλελειμμένα φὰ ἀρῶ (11 *a*)
— 19. οἱ καταλειφθέντες ἀπ' αὐτῶν ἔσονται ἀριθμός (17 *c*)
— 20. οὐκέτι προστεθήσεται τὸ καταλειφθὲν Ἰσρ. (17 *c*)
— 21. ἔσται τὸ καταλειφθὲν τοῦ Ἰακώβ (17 *c*)
11. 11. τοῦ ζηλῶσαι τὸ καταλειφθὲν ὑπόλοιπον τοῦ λαοῦ ὃ ἂν καταλειφθῇ ὑπὸ [A S³ ἀπὸ, S¹ *om.*] τῶν Ἀσσ. (17 *c*, 17 *a*)
— 16. ἔσται δίοδος [A ὁδ.] τῷ καταλειφθέντι μου λαῷ (17 *c*)
13. 12. ἔσονται οἱ καταλελειμμένοι ἔντιμοι †
— 14. ἔσονται οἱ καταλελειμμένοι ὡς δορκάδιον φεῦγον –
16. 14. καταλειφθήσεται ὀλιγοστός (17 *c*)
17. 2. ἔσται εἰς πτῶσιν καταλελειμμένη (11 *a*)
— 6. καταλειφθῇ ἐν αὐτῇ καλάμη (17 *a*)
— 6. ἢ πέντε ἐπὶ τῶν κλάδων αὐ. καταλειφθῇ †
— 9. κατέλιπον [A S ἐγκατέλειπον] οἱ Ἀμ. (11 *a*)
Is. 17. 10. κατέλιπες [A ἐγκατέλειπες] τὸν θεόν (18 *a*)
18. 6. καταλείψει ἅμα τοῖς πετεινοῖς τοῦ οὐρανοῦ (11 *b*)
21. 10. ἀκούσατε οἱ καταλελειμμένοι (7)
23. 15. καταλειφθήσεται Τύρος ἔτη ἑβδομήκοντα (18 *b*)
24. 6. καταλειφθήσονται ἄνθρωποι ὀλίγοι (17 *a*)
— 12. καταλειφθήσονται πόλεις ἔρημοι (17 *a*)
— 14. οἱ δὲ καταλειφθέντες ἐπὶ τῆς γῆς –
27. 10. ὡς ποίμνιον καταλελειμμένον (11 *b*)
28. 5. τῷ καταλειφθέντι τοῦ λαοῦ [A B³ κ. μου λαῷ] (17 *c*)
— 6. καταλειφθήσονται [S -σεται] ἐπὶ πνεύματι κρίσεως –
30. 17. ἕως ἂν καταλειφθῆτε ὡς ἱστός (5 *a*)
— 18. A S ποῦ καταλείψετε τὴν δόξαν ὑμῶν –
37. 4. περὶ τῶν καταλελειμμένων τούτων (17 *d*)
— 31. ἔσονται οἱ καταλελειμμένοι ἐν τῇ Ἰ. (12)
— 32. ἐξ Ἰερουσαλὴμ ἔσονται [A ἐξελεύσ.] οἱ καταλελειμμένοι (17 *d*)
38. 10. καταλείψω τὰ ἔτη τὰ ἐπίλοιπα (13)
— 12. κατέλιπον τὸ ἐπίλοιπον τῆς ζωῆς μου [A *al.*] †
39. 6. A R οὐδὲν οὐ μὴ καταλείπωσιν [B S -λίπ.] (5 *a*)
49. 21. ἐγὼ δὲ κατελείφθην μόνη (17 *a*)
54. 6. ὡς γυναῖκα καταλελειμμένην (11 *a*)
— 7. R χρόνον μικρὸν κατέλιπόν [A -λειπ., B ἐγκ.] σε (11 *a*)
62. 4. οὐκέτι κληθήσῃ Καταλελειμμένη [S¹ *al.*] (11 *a*)
— 12. S πόλις . . . . οὐ καταλελειμμένη [A B οὐκ ἐγκ.] (11 *b*)
65. 15. καταλείψετε γὰρ τὸ ὄνομα [S² *add.* τοῦ κυρίου] ὑμῶν (9)
66. 19. καταλείψω ἐπ' αὐτῶν σημεῖον [AS³ -εῖα] (14)
Je. 2. 17, 19. τὸ καταλιπεῖν σε ἐμέ (11 *a*)
8. 3. πᾶσι τοῖς καταλοίποις τοῖς καταλειφθεῖσιν (17 *a*)
9. 2 (1). καταλείψω τὸν λαόν μου (11 *a*)
17. 13. πάντες οἱ καταλιπόντες [A -λείπ.] σε (11 *a*)
21. 7. τὸν λαὸν τὸν καταλειφθέντα ἐν τῇ πόλει ταύτῃ (17 *a*)
29 (49). 9. οἱ οὐ καταλείψουσί σοι κατάλειμμα (17 *b*)
31 (48). 28. κατέλιπον [A S² -λειπ.] τὰς πόλεις (11 *a*)
32 (25). 38. A κατέλιπέν με [BS ἐγκατέλιπεν] (11 *a*)
34 (27). 11. καταλείψω αὐτὸν ἐπὶ τῆς γῆς αὐτοῦ (9)
41 (34). 7. A ἐπὶ τὰς πόλεις Ἰούδα τὰς καταλελειμμένας [B S *om.* τ. κ.] (5 *a*)
— 7. κατελείφθησαν ἐν πόλεσιν Ἰούδα (17 *a*)
44 (37). 10. καταλειφθῶσί τινες ἐκκεκεντημένοι (17 *a*)
45 (38). 4. τῶν καταλειπομένων [S -λιπ.] ἐν [A -λελειμμ. ἐπὶ] τῇ πόλει (17 *a*)
— 22. αἱ γυναῖκες αἱ καταλειφθεῖσαι ἐν οἰκίᾳ βασ. (17 *a*)
47 (40). 6. ἐν μέσῳ τοῦ λαοῦ τοῦ καταλειφθέντος (17 *a*)
48 (41). 10. πάντα τὸν λαὸν τὸν καταλειφθέντα (17 *a*)
49 (42). 2. κατελείφθημεν ὀλίγοι ἀπὸ πολλῶν (17 *a*)
50 (43). 6. ἃς κατέλιπε [A B¹ -λειπεν] Ναβ. μετὰ Γ. (9)
51 (44). 7. πρὸς τὸ μὴ καταλειφθῆναι ὑμῶν μηδένα (5 *b*)
52. 16. τοὺς καταλοίπους [S λ.] τοῦ λαοῦ κατέλιπεν [A B¹ -λειπεν] (17 *b*)
Ba. 2. 13. κατελείφθημεν ὀλίγοι ἐν τοῖς ἔθνεσιν
4. 1. οἱ δὲ καταλείποντες αὐτὴν ἀποθανοῦνται
— 12. μηδεὶς ἐπιχαιρέτω μοι τῇ χήρᾳ καὶ καταλειφθείσῃ [A -ήσῃ] ὑπὸ πολλῶν
— 19. ἐγὼ γὰρ κατελείφθην ἔρημος
La. 2. 22. οὐκ ἐγένοντο . . . καταλελειμμένος (15)
5. 20. καταλείψεις ἡμᾶς εἰς μακρότητα ἡμερῶν (11 *a*)
Ep. Je. 42. οὐ δύνανται αὐτοὶ νοήσαντες καταλιπεῖν αὐτά
— 47. κατέλιπον [A -λειπ.] γὰρ ψευδῆ
Ez. 36. 4. ταῖς πόλεσι ταῖς ἐγκαταλελειμμέναις [A καταλ.] (11 *b*)
— 4. εἰς καταπάτημα τοῖς καταλειφθεῖσιν ἔθνεσι (17 *d*)
— 36. ὅσα ἂν καταλειφθῶσι κύκλῳ ὑμῶν (17 *a*)
39. 14. θάψαι τοὺς καταλελειμμένους (5 *a*)
Da. LXX. 2. 35. ὥστε μηδὲν καταλειφθῆναι ἐξ αὐτῶν (18 *c*)
10. 8. ἐγὼ κατελείφθην μόνος (17 *a*)
— 8. οὐ κατελείφθη [*cod.* ἐγκ.] ἐν ἐμοὶ ἰσχύς (17 *a*)
— 13. αὐτὸν ἐκεῖ κατέλιπον (5 *a*)
— 17. πνεῦμα οὐ κατελείφθη ἐν ἐμοί (17 *a*)
Da. TH. 10. 13. αὐτὸν κατέλειπον ἐκεῖ (5 *a*)
Da. TH. 11. 30. τοὺς καταλιπόντας [A -λείπ.] διαθήκην ἁγίαν (11 *a*)
I Ma. 2. 18. οἱ καταλειφθέντες ἐν Ἱερ.
— 21. S R ἵλεως ἡμῖν καταλιπεῖν [A -λείπ.] νόμον
3. 32. S² R καὶ κατέλιπε [A -λειπ., S¹ ἀπέλυσεν] Λυσίαν
— 37. τὰς ἡμίσεις τῶν δυνάμεων τὰς καταλειφθείσας
5. 18. S R κατέλιπεν [A -λειπεν] Ἰώσηφον τὸν τοῦ Ζαχ.
6. 2. S R ἃ κατέλιπεν [A -λειπεν] ἐκεῖ Ἀλέξανδρος
7. 46. οὐ κατελείφθη [S¹ οὐκ ἀπελ.] ἐξ αὐτῶν οὐδὲ εἷς
9. 6. οὐ κατελείφθησαν ἐξ αὐτῶν
— 8. εἶπε τοῖς καταλειφθεῖσιν
— 10. S R μὴ καταλίπωμεν [A -λείπ.] αἰτίαν τῇ δόξῃ ἡμῶν
10. 13. S R κατέλιπεν [A -λειπεν] ἕκαστος τὸν τόπον αὐτοῦ
— 14. S R τινες τῶν καταλιπόντων [A -λειπ.] τὸν νόμον
11. 64. S R Σίμωνα κατέλιπεν [A -λειπεν] ἐν τῇ χώρᾳ
— 70. οὐδὲ εἷς κατελείφθη ἀπ' αὐτῶν
12. 47. S R κατέλιπε [A -λειπεν] δὲ μεθ' ἑαυτοῦ ἄνδρας τρισχιλίους
13. 4. καὶ κατελείφθην ἐγὼ μόνος
15. 10. R τοὺς καταλειφθέντας [A S *om.* τ. κ.] σὺν Τρύφ.
16. 8. οἱ δὲ καταλειφθέντες ἔφυγον
II Ma. 4. 31. Ἡ καταλιπὼν [A -λείπ.] τὸν διαδεχόμενον Ἀνδρ.
5. 20. R ὁ καταλειφθεὶς [A -ληφθεὶς] . . . ἐπανωρθώθη
— 22. R κατέλιπε [A -λειπεν] δὲ καὶ ἐπιστάτας
6. 28. τοῖς δὲ νέοις ὑπόδειγμα γενναῖον καταλελοιπώς
— 31. A μνημόσυνον ἀρετῆς καταλείπων [R -λιπών]
7. 16. τὸ γένος ἡμῶν ὑπὸ τοῦ θεοῦ καταλελεῖφθαι
9. 24. ᾧ καταλέλειπται τὰ πράγματα
12. 18. καταλελοιπότα δὲ φρουράν
— 19. ἀπώλεσαν τοὺς ὑπὸ Τιμ. καταλειφθέντας
13. 24. R κατέλιπε [A -λειπεν] στρατηγὸν ἀπὸ Πτολ.

[Aq. Ps. 9. 35 (10. 14) : 26 (27). 9 : Pr. 9. 6 : Is. 17. 2 : Je. 52. 15 : Ob. 18.]
[Sm. Ex. 39. 1 (13) : Pr. 9. 6 : Is. 1. 4 : 17. 2 : Je. 49. 11 (29. 13).]
[Th. Ex. 39. 1 (13) : Le. 26. 39 : Ps. 9. 35 (10. 14) : Pr. 9. 6 : Is. 11. 11 : 17. 2 : Je. 27 (34). 21 : 39 (46). 9, 10 : 52. 16 : Da. 10. 13 : 11. 30 : Ob. 18.]
[Al. Jo. 10. 37 : Pr. 15. 10.]

καταλείφειν.

Es. 4. 17. A S ἐν ἀγῶνι θανάτου κατηλιμμένη [B -ειλημμ.]

κατάλειψις. (1) פְּלֵיטָה

Ge. 45. 7 ἐκθρέψαι ὑμῶν κατάλειψιν μεγάλην (1)
Si. 23. 26 A κατάλειψις [B S -ψει] εἰς κατάραν τὸ μνημόσυνον αὐτῆς

καταλήγειν.

II Ma. 9. 5. ἄρτι δὲ αὐτοῦ καταλήξαντος τὸν λόγον
III Ma. 6. 32. καταλήξαντες δὲ θρήνων πανόδυρτον μέλος

κατάλημμα.

Jd. 5. 13. B κατέβη κατάλημμα [R -λειμμα] τοῖς ἰσχυροῖς [A *al.*] †

κατάληψις. (1) תָּפַשׂ

De. 20. 19. ἐκπολεμῆσαι αὐτὴν εἰς κατάληψιν αὐτῆς (1)

καταλιθοβολεῖν. (1) סָקַל (2) רָגַם

Ex. 17. 4. καταλιθοβολήσουσί με (1)
Nu. 14. 10. καταλιθοβολῆσαι αὐτοὺς ἐν λίθοις [B¹ *om.* ἐν λ.] (2)

κατάλιθος. (1) אֶבֶן

Ex. 28. 17 : 36. 17 (39. 10). ὕφασμα κατάλιθον τετράστιχον (1)

καταλιμπάνειν. (1) נוּחַ hi. (2) עָזַב

Ge. 39. 16. καταλιμπάνει τὰ ἱμάτια παρ' ἑαυτῇ (1)
II Ki. 5. 21. καταλιμπάνουσιν ἐκεῖ τοὺς θεοὺς αὐτῶν (2)
III Ki. 18. 18. ἐν τῷ καταλιμπάνειν [A -λειμμ.] ὑμᾶς τὸν κύριον (2)

[Aq. Pr. 10. 17.]
[Sm. Pr. 10. 17 : Ec. 11. 6.]

καταλλαγή.
Is. 9. 5 (4). ἱμάτιον μετὰ καταλλαγῆς ἀποτίσουσι †
II Ma. 5. 20. ἐν τῇ τοῦ μεγάλου δεσπότου κ.

καταλλάσσειν. (1) חָתַת
Je. 31 (48). 39. πῶς κατήλλαξε (1)
II Ma. 1. 5. καὶ καταλλαγείη ὑμῖν
7. 33. καταλλαγήσεται τοῖς ἑαυτοῦ δούλοις
8. 29. καταλλαγῆναι τοῖς αὐτοῦ δούλοις

καταλογίζεσθαι. (1) חָשַׁב ni.
Wi. 5. 5. πῶς κατελογίσθη ἐν υἱοῖς θεοῦ
Is. 14. 10. ἐν ἡμῖν δὲ κατελογίσθης (1)
Da. LXX. 5. 17. ἠρίθμηται κατελογίσθη ἐξῆρται –

κατάλοιπος. (1) *a.* אַחֲרִית *b.* אֲחֵרִית (2) דְּלָה (3) *a.* יָתַר ni. *b.* יֶתֶר *c.* מִיתָר (4) שְׂרִיד (5) *a.* שָׁאַר ni. *b.* שְׁאָר *c.* שְׁאֵרִית *d.* שְׁרִית
Le. 5. 9. τὸ δὲ κ. τοῦ αἵματος καταστραγγιεῖ (5 *a*)
Nu. 3. 26. καὶ τὰ κ. πάντων τῶν ἔργων αὐτοῦ (3 *c*)
De. 3. 13. τὸ κ. τοῦ Γ. . . . ἔδωκα (3 *b*)
Jd. 7. 6. πᾶν τὸ κ. τοῦ λαοῦ [A *al.*] (3 *b*)
I Ki. 13. 2. B τὸ κ. τοῦ λαοῦ ἐξαπέστειλεν (3 *b*)
II Ki. 10. 10. τὸ κ. τοῦ λαοῦ ἔδωκεν (3 *b*)
12. 28. συνάγαγε τὸ κ. τοῦ λαοῦ (3 *b*)
III Ki. 12. 23. καὶ τῷ κ. τοῦ λαοῦ (3 *b*)
21 (20). 30. ἔφυγον οἱ κ. εἰς Ἀφεκά (3 *a*)
— 30. ἑπτὰ χιλιάδας ἀνδρῶν τῶν κ. (3 *a*)
I Ch. 4. 43. ἐπάταξαν τοὺς κ. τοὺς καταλειφθέντας (5 *c*)
6. 61 (46). τοῖς υἱοῖς K. τοῖς κ. ἐκ τῶν πατριῶν (3 *a*)
— 70 (55). τοῖς υἱοῖς K. τοῖς κ. (3 *a*)
— 77 (62). τοῖς υἱοῖς M. τοῖς κ. (3 *a*)
7. 24. καὶ ἐν ἐκείνοις τοῖς κ. –
12. 38. καὶ ὁ κ. [S¹ οἱ κ.] Ἰσρ. ψυχὴ μία (5 *d*)
19. 11. τὸ κ. τοῦ λαοῦ ἔδωκεν ἐν χειρὶ Ἀβ. (3 *b*)
24. 20. τοῖς υἱοῖς Λ. τοῖς κ. (3 *a*)
II Ch. 9. 29. οἱ κ. λόγοι Σαλ. οἱ πρῶτοι καὶ οἱ ἔσχατοι (5 *b*)
24. 14. ἤνεγκαν . . . τὸ κ. τοῦ ἀργυρίου (5 *b*)
32. 32. B τὰ κ. [A R λοιπὰ] τῶν λόγων Ἐζ. (3 *b*)
34. 9. ἀπὸ παντὸς κ. ἐν Ἰσρ. (5 *c*)
36. 20. ἀπῴκισε τοὺς κ. εἰς Βαβυλῶνα (5 *c*)
II Es. 3. 8. καὶ οἱ κ. τῶν ἀδελφῶν (5 *b*)
4. 3. καὶ οἱ κ. τῶν ἀρχόντων τῶν πατριῶν (5 *b*)
— 9. καὶ οἱ κ. σύνδουλοι ἡμῶν (5 *b*)
— 10. καὶ οἱ κ. ἐθνῶν (5 *b*)
— 10. καὶ τὸ κ. πέραν τοῦ ποταμοῦ (5 *b*)
— 17. καὶ τοὺς κ. συνδούλους αὐτῶν (5 *b*)
— 17. καὶ τοὺς κ. πέραν τοῦ ποταμοῦ (5 *b*)
6. 16. καὶ οἱ κ. υἱῶν κατοικεσίας (5 *b*)
7. 18. ἐν καταλοίπῳ τοῦ ἀργυρίου (5 *b*)
— 20. καὶ κατάλοιπον [A τὸ κ.] χρείας οἴκου (5 *b*)
Ne. 2. 16. τοῖς κ. [S *om.* τ. κ.] τοῖς ποιοῦσι τὰ ἔργα (3 *b*)
4. 14 (8), 19 (13). καὶ πρὸς τοὺς κ. τοῦ λαοῦ (3 *b*)
6. 1. A S R καὶ τοῖς κ. τῶν ἐχθρῶν [B κ. ἐχθρῶν] ἡμῶν (3 *b*)
— 14. A S καὶ τοῖς [B *om.*] κ. τῶν προφητῶν [B S¹ ἱερέων] (3 *b*)
7. 72. S R ἔδωκαν οἱ κ. τοῦ λαοῦ (5 *c*)
10. 28 : 11. 1. καὶ οἱ κ. τοῦ λαοῦ (5 *b*)
Ps. 16 (17). 14. ἀφῆκαν τὰ κ. τοῖς νηπίοις αὐτῶν (3 *b*)
Am. 1. 8. καὶ ἀπολοῦνται οἱ κ. τῶν ἀλλοφύλων (5 *c*)
6. 10. καὶ ὑπολειφθήσονται οἱ κ. –
9. 1. τοὺς κ. αὐτῶν ἐν ῥομφαίᾳ ἀποκτενῶ (1 *b*)
— 12. ὅπως ἐκζητήσωσιν οἱ κ. τῶν ἀνθρώπων (5 *c*)
Mi. 2. 12. ἐκδεχόμενος ἐκδέξομαι τοὺς κ. (5 *c*)
3. 1, 9. ἀκούσατε δὴ ταῦτα . . . οἱ κ. οἴκου Ἰσ. †
7. 18. τοῖς κ. τῆς κληρονομίας αὐτοῦ (5 *c*)
Jl. 1. 4. τὰ κ. τῆς κάμπης κατέφαγεν ἡ ἀκρὶς καὶ τὰ κ. τῆς ἀκρ. κατέφ. ὁ βροῦχος καὶ τὰ κ. τοῦ βρ. κατέφ. ἡ ἐρυσίβη (3 *b ter*)
Ze. 2. 7. ἔσται τὸ σχοίνισμα . . . τοῖς κ. οἴκου Ἰ. (5 *c*)
— 9. οἱ κ. λαοῦ μου διαρπῶνται αὐτούς (5 *c*)
— 9. οἱ κ. ἔθνους μου κληρονομήσουσιν αὐτούς (3 *b*)
3. 12 (13). εὐλαβηθήσονται . . . οἱ κ. τοῦ Ἰ. (5 *c*)
Hg. 1. 12. ἤκουσε Z. . . . καὶ πάντες οἱ κ. τοῦ λαοῦ (5 *c*)
— 14. τὸ πνεῦμα τῶν κ. παντὸς τοῦ λαοῦ (5 *c*)
2. 3 (2). πρὸς πάντας τοὺς κ. τοῦ λαοῦ (5 *c*)
Za. 8. 6. ἐνώπιον τῶν κ. τοῦ λαοῦ τούτου (5 *c*)
Za. 8. 11. ἐγὼ ποιῶ τοῖς κ. τοῦ λαοῦ τούτου (5 *c*)
— 12. κατακληρονομήσω τοῖς κ. τοῦ λαοῦ μου (5 *c*)
11. 9. A R τὰ κ. [B S λοιπὰ] κατεσθιέτωσαν . . . τὰς σάρκας (5 *a*)
14. 2. οἱ δὲ κ. τοῦ λαοῦ μου οὐ μὴ ἐξολεθρευθῶσιν (3 *b*)
Is. 9. 1 (8. 23). οἱ λοιποὶ [S² κατάλ.] οἱ τὴν παραλίαν [S² *add.* κατοικοῦντες] (1 *a*)
15. 9. ἀρῶ . . . τὸ κατάλοιπον Ἀδαμα (5 *c*)
21. 17. τὸ κ. [S λοιπὸν] τῶν τοξευμάτων . . . ἔσται ὀλίγον (5 *b*)
46. 3. καὶ πᾶν τὸ κ. τοῦ Ἰσραήλ (5 *c*)
Je. 6. 9. καλαμᾶσθε ὡς ἄμπελον τὰ κ. τοῦ Ἰσρ. (5 *c*)
8. 3. καὶ πᾶσι τοῖς κ. τοῖς καταλειφθεῖσιν (5 *c*)
15. 9. τοὺς κ. αὐτῶν εἰς μάχαιραν δώσω (5 *c*)
23. 3. εἰσδέξομαι τοὺς κ. [A τὸ κ.] τοῦ λαοῦ μου (5 *c*)
24. 8. παραδώσω . . . τὸ κ. Ἰερουσαλήμ (5 *c*)
29 (47). 4. ἀφανιῶ . . . πάντας τοὺς κ. τῆς βοηθείας αὐτῶν ὅτι ἐξολεθρεύσει κύριος τοὺς [A τὰς] κ. τῶν νήσων (4, 5 *c*)
— 5. ἀπερρίφη Ἀσκ. καὶ οἱ κ. [A τὰ κ.] Ἐ. (5 *c*)
— 7. ἐνετείλατο αὐτῇ . . . ἐπὶ τὰς κ. ἐπεγερθῆναι †
32 (25). 37. παύσεται τὰ κ. τῆς εἰρήνης †
38 (31). 7. ἔσωσε κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ τὸ [S¹ *om.*] κ. τοῦ Ἰσρ. (5 *c*)
46 (39). 3. οἱ κ. ἡγεμόνες βασιλέως Βαβυλῶνος (5 *c*)
47 (40). 15. ἀπολοῦνται οἱ κ. Ἰούδα (5 *c*)
48 (41). 16. ἔλαβεν Ἰωάναν . . . πάντας τοὺς κ. τοῦ λαοῦ (5 *c*)
49 (42). 2. πρόσευξαι . . . περὶ τῶν κ. τούτων (5 *c*)
— 19. ἃ ἐλάλησε κύριος ἐφ' ὑμᾶς τοὺς κ. Ἰούδα (5 *c*)
50 (43). 5. ἔλαβεν Ἰ. . . . τοὺς κ. [A S λοι.] Ἰ. (5 *c*)
51 (44). 12. τοῦ ἀπολέσαι [S πολεμῆσαι] πάντας τοὺς κ. τοὺς ἐν Αἰγύπτῳ (5 *c*)
— 28. γνώσονται οἱ κ. Ἰούδα (5 *c*)
52. 16. τοὺς κ. [S λ.] τοῦ λαοῦ κατέλιπεν (2)
Ez. 5. 10. διασκορπιῶ πάντας τοὺς κ. σου (5 *c*)
9. 8. ἐξαλείφεις σὺ τοὺς κ. τοῦ Ἰσραήλ (5 *c*)
11. 13. εἰς συντέλειαν σὺ ποιεῖς τοὺς κ. τοῦ Ἰσρ. (5 *c*)
17. 21. τοὺς κ. εἰς πάντα ἄνεμον διασπερῶ (5 *a*)
23. 25. τοὺς κ. σου ἐν ῥομφαίᾳ καταβαλοῦσιν . . . τοὺς κ. σου πῦρ καταφάγεται [A *al.*] (1 *b*, 1 *b*)
25. 16. ἀπολῶ τοὺς κ. (5 *c*)
34. 18. τὰ κ. τῆς νομῆς ὑμῶν κατεπατεῖτε (3 *b*)
36. 3. εἰς κατάσχεσιν τοῖς καταλοίποις ἔθνεσι (5 *c*)
[Aq. Je. 42 (49). 15.]
[Th. Je. 42 (49). 15 : 44 (51). 12.]
[Al. Jo. 10. 20.]

καταλοχία. (1) יָחַשׂ hithp.
II Ch. 31. 18. A ἐν καταλοχίαις [B ἐγκαταλοχίσαι] ἐν πάσῃ ἐπιγονῇ (1)

καταλοχισμός. (1) יָחַשׂ hithp.
I Ch. 4. 33. καὶ ὁ κ. αὐτῶν (1)
5. 7. ἐν τοῖς κ. αὐτῶν κατὰ γενέσεις αὐτῶν (1)
— 17. πάντων ὁ κ. ἐν ἡμέραις Ἰ. (1)
9. 22. οὗτοι ἐν ταῖς αὐλαῖς αὐτῶν ὁ κ. αὐτῶν (1)
II Ch. 31. 17. οὗτος ὁ κ. τῶν ἱερέων (1)
I Es. 5. 39. ζητηθείσης τῆς γενικῆς γραφῆς ἐν τῷ κ.

καταλύειν. (1) נָדַד hithpo. (2) הוֹד (3) חָנָה (4) טָבַע hoph. (5) יָשַׁב *a.* qal. *b.* ni. (6) *a.* לוּן, לִין *b.* מָלַן (7) נָתַץ (8) סְתַר (9) עָבַר (10) פָּגַר (11) רָבַץ (12) שָׁבַת *a.* qal. *b.* hi. (13) שָׁכַב (14) שָׁכַן
Ge. 19. 2. ἐκκλίνατε . . . καὶ καταλύσατε (6 *a*)
— 2. ἐν τῇ πλατείᾳ καταλύσομεν (6 *a*)
24. 23. R τόπος ἡμῖν τοῦ [A *om.*] καταλῦσαι (6 *a*)
— 25. καὶ τόπος τοῦ [S¹ *om.*] καταλῦσαι (6 *a*)
26. 17. κατέλυσεν ἐν τῇ φάραγγι Γεράρων (3)
42. 27. οὗ κατέλυσαν (6 *b*)
43. 21. ἡνίκα ἤλθομεν εἰς τὸ καταλῦσαι (6 *b*)
Nu. 22. 8. καταλύσατε αὐτοῦ τὴν νύκτα (6 *a*)
25. 1. κατέλυσεν Ἰσραὴλ ἐν Σαττείν (5 *a*)
Jo. 2. 1. καὶ κατέλυσαν ἐκεῖ (13)
3. 1. καὶ κατέλυσαν ἐκεῖ (6 *a*)
Jd. 19. 9. A κατάλυσον [B αὐλίσθητι] ὧδε (6 *a*)
— 15. A τοῦ εἰσελθεῖν καταλῦσαι [B αὐλισθῆναι] ἐν Γ. (6 *a*)
Jd. 19. 15. A συνάγων αὐτοὺς εἰς τὸν οἶκον καταλῦσαι [B *al.*] (6 *a*)
— 20. A ἐν τῇ πλατείᾳ μὴ καταλύσῃς [B *al.*] (6 *a*)
20. 4. A καὶ ἡ γυνή μου καταλῦσαι [B *al.*] (6 *a*)
Ru. 4. 14. ὃς οὐ κατέλυσέ [A καταλύσαι] σοι σήμερον τὸν ἀγχιστέα (12 *b*)
II Ki. 17. 8. οὐ μὴ καταλύσῃ τὸν λαόν (6 *a*)
III Ki. 19. 9. καὶ κατέλυσεν ἐκεῖ (6 *a*)
IV Ki. 25. 10. A τὸ τεῖχος . . . κύκλῳ κατέλυσαν [R *al.*] (7)
II Ch. 23. 8. οὐ κατέλυσεν Ἰωδαὲ τὰς ἐφημερίας (10)
II Es. 5. 12. A R τὸν οἶκον τοῦτον κατέλυσε [B *al.*] (8)
Ju. 14. 17. οὗ ἦν Ἰ. καταλύουσα
Ps. 8. 2. τοῦ καταλῦσαι ἐχθρὸν καὶ ἐκδικητήν (12 *b*)
88 (89). 44. κατέλυσας ἀπὸ καθαρισμοῦ αὐτόν (12 *b*)
Si. 14. 24. ὁ καταλύων σύνεγγυς τοῦ οἴκου αὐτῆς
— 25. καταλύσει ἐν καταλύματι ἀγαθῶν
— 27. ἐν τῇ δόξῃ αὐτῆς καταλύσει
27. 9. πετεινὰ πρὸς τὰ ὅμοια αὐτοῖς [A -ῶν] καταλύσει
36. 31 (28). οὕτως ἀνθρώπῳ . . . καταλύοντι οὐ ἐὰν ὀψίσῃ
43. 17. ὡς ἀκρὶς καταλύουσα ἡ κατάβασις αὐτῆς
— 20. ἐπὶ πᾶσαν συναγωγὴν ὕδατος καταλύσει
47. 12. δι' αὐτὸν κατέλυσεν [S -έπαυσεν] ἐν πλατυσμῷ
Ze. 2. 7. καταλύσουσιν ἀπὸ προσώπου υἱῶν Ἰ. (11)
Za. 5. 4. καταλύσει [S -η] ἐν μέσῳ τοῦ οἴκου αὐ. (6 *a*)
Is. 38. 12. ὥσπερ ὁ σκηνὴν καταλύων †
Je. 5. 7. ἐν οἴκοις πορνῶν καταλύνου [A -οντο] (1)
7. 34. καταλύσω [S² -ων] . . . φωνὴν εὐφραινομένων (12 *b*)
16. 9. καταλύω . . . φωνὴν χαρᾶς (12 *b*)
28 (51). 43. οὐδὲ μὴ καταλύσει [S -σῃ] ἐν αὐτῇ υἱὸς ἀνθρώπου (9)
29 (49). 16. κατέλυσε τρυμαλιὰς πετρῶν (14)
30. 9 (49. 31). μόνοι καταλύουσι (14)
32 (25). 24. ἐπότισα . . . τοὺς καταλύοντας ἐν τῇ ἐρήμῳ (14)
44 (37). 13. A παρ' ᾧ κατέλυσε [B S -λυε] Σαρουία †
45 (38). 22. καταλύσουσιν ἐν ὀλισθήμασι πόδα σου (4)
La. 5. 15. κατέλυσε χαρὰ καρδίας ἡμῶν (12 *a*)
Ez. 16. 8. ἰδοὺ καιρός σου καὶ [A ὡς] καιρὸς καταλυόντων (2)
21. 30 (35). μὴ καταλύσῃς ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ †
23. 17. εἰς κοίτην καταλυόντων (2)
26. 13. καταλύσει τὸ πλῆθος τῶν μουσικῶν σου (12 *b*)
— 17. πῶς κατελύθης ἐκ θαλάσσης (5 *b*)
II Ma. 2. 22. τοὺς μέλλοντας καταλύεσθαι νόμους
4. 11. τὰς μὲν νομίμας καταλύων πολιτείας
9. 4. A καταλύειν [R κατανύειν] τὴν πορείαν
IV Ma. 1. 6. οὐχ ὥστε αὐτὰ καταλῦσαι
— 11. τοῦ καταλυθῆναι τὴν κατὰ τοῦ ἔθνους τυραννίδα
4. 16. καταλύσας τὸν Ὀνίαν τῆς ἀρχιερωσύνης
— 20. S R καταλῦσαι [A *om.*] τὴν τοῦ ἱεροῦ κηδεμονίαν
— 24. S R καταλῦσαι . . . τὴν τοῦ ἔθνους εὐνομίαν [A εὔνοιαν]
— 24. τιμωρίας ἑώρα καταλυομένας
5. 33. ὥστε με . . . τὸν πάτριον καταλῦσαι νόμον
7. 9. τὴν ἁγιαστίαν . . . οὐ κατέλυσας
8. 15. τὴν τυραννίδα αὐτοῦ κατέλυσαν
11. 24. A R ἐξ μειράκια κατελύσαμέν [S καταλελύκ.] σου τὴν τυραννίδα
14. 8. τὸν τῶν βασάνων φόβον καταλύοντες
17. 2. καταλύσασα τὴν τοῦ τυράννου βίαν
— 9. τὴν Ἑβραίων πολιτείαν καταλῦσαι θέλοντος
[Aq. IV Ki. 23. 7.]
[Sm. Ps. 10 (11). 3.]
[Th. Jd. 19. 15, 20.]
[Al. Ez. 30. 4.]

κατάλυμα. (1) אֹהֶל (2) *a.* לִין *b.* מָלוֹן סֹךְ (3) לִשְׁכָּה (4) מִשְׁכָּן (5) נָוֶה (6)
Ex. 4. 24. ἐν τῷ κ. συνήντησεν αὐτῷ ἄγγελος (2 *b*)
15. 13. εἰς κατάλυμα ἁγιόν σου (5)
I Ki. 1. 18. εἰσῆλθεν εἰς τὸ κ. αὐτῆς [A *om.*] –
9. 22. εἰσήγαγεν αὐτοὺς εἰς τὸ κ. (3)
II Ki. 7. 6. ἤμην ἐμπεριπατῶν ἐν καταλύματι (1)
I Ch. 17. 5. A S ἤμην . . . ἐν καταλύματι [B καλύμματι] (4)
28. 12. καὶ τῶν ἀποθηκῶν τῶν ἁγίων καὶ τῶν κ. –

Si. 14. 25. καταλύσει ἐν καταλύματι ἀγαθῶν
Je. 14. 8. ὡς αὐτόχθων ἐκκλίνων εἰς κ. (2 *a*)
32 (25). 38. ἐγκατέλιπεν [A κατέλειπέν με] ὥσπερ λέων κ. αὐτοῦ (6)
40 (33). 12. ἐν πάσαις ταῖς πόλεσιν αὐτοῦ καταλύματα ποιμένων (5)
Ez. 23. 21. ἃ ἐποίεις ἐν Αἰγύπτῳ ἐν τῷ κ. σου †
I Ma. 3. 45. κατάλυμα τοῖς [A ἐν τοῖς] ἔθνεσι
[Aq. Je. 9. 2 (1).]
[Th. Is. 10. 29.]

κατάλυσις. (1) נָוֶה (2) שֶׁרֶא

Je. 29 (49). 20. ἐὰν μὴ ἀβατωθῇ ἐπ' αὐτοὺς [A -ῇ] κ. αὐτῶν (1)
Da. LXX. 2. 22. καὶ παρ' αὐτῷ κατάλυσις (2)
II Ma. 8. 17. τὴν τῆς προγονικῆς πολιτείας κ.
IV Ma. 11. 25. οὐ κατάλυσίς ἐστί σου

καταλύτης.

Wi. 5. 14. ὡς μνεία καταλύτου μονοημέρου παρώδευσε [S *al.*]

καταμανθάνειν. (1) יָבַב pi. (2) רָאָה (3) שָׁאָה hithpa. (4) שׁוּר

Ge. 24. 21. ὁ δὲ ἄνθρωπος κατεμάνθανεν αὐτήν (3)
34. 1. καταμαθεῖν τὰς θυγατέρας τῶν ἐγχωρίων (2)
Le. 14. 36. καταμαθεῖν τὴν οἰκίαν (2)
Jd. 5. 28. A κατεμάνθανεν ἡ μήτηρ Σισάρα [B *al.*] (1)
I Es. 8. 41. καὶ κατέμαθον αὐτούς
Jb. 35. 4 (5). κατάμαθε δὲ νέφη (4)
Si. 9. 5. παρθένον μὴ καταμάνθανε
— 8. μὴ καταμάνθανε κάλλος ἀλλότριον
38. 28. χαλκεὺς . . . καταμανθάνων ἀργῷ σιδηρῷ [A S *al.*]
[Sm. Ec. 4. 7 : 7. 14 (13) (!) : 8. 17 : Ca. 6. 10 (11).]

καταμαρτυρεῖν. (1) אֲבַל עֵרַי (2) עוּד hi. (3) עָנָה

III Ki. 20 (21). 10. A R καὶ καταμαρτυρησάτωσαν αὐτοῦ (2)
— 13. καὶ κατεμαρτύρησαν αὐτοῦ [A *om.*] (2)
Jb. 15. 6. τὰ δὲ χείλη σου καταμαρτυρήσουσί [A -σει] σου (3)
Pr. 25. 18. ὁ καταμαρτυρῶν τοῦ [A κατὰ τοῦ] φίλου αὐτοῦ μαρτυρίαν ψευδῆ (3)
Da. LXX. 6. 24 (25). οἱ καταμαρτυρήσαντες τοῦ Δανιήλ (1)
Da. TH. Su. 21. εἰ δὲ μὴ καταμαρτυρήσομέν σου
— 42. ψευδῆ μου κατεμαρτύρησαν
— 49. ψευδῆ γὰρ οὗτοι κατεμαρτύρησαν αὐτῆς
[Th. III Ki. 21. 13.]

καταμεγαλύνεσθαι.

[Aq., Th. Ps. 40 (41). 10.]
[Sm. Ps. 37 (38). 17 : 40 (41). 10.]

καταμένειν. (1) דוּן (2) יָאַל hi. (3) יָשַׁב

Ge. 6. 3. οὐ μὴ καταμείνῃ τὸ πνεῦμά μου (1)
Nu. 20. 1. κατέμεινεν ὁ λαὸς ἐν Κάδης (3)
22. 8. κατέμεινεν οἱ ἄρχοντες Μωάβ (3)
Jo. 2. 22. καὶ κατέμειναν ἐκεῖ (3)
7. 7. εἰ κατεμείναμεν καὶ κατῳκίσθημεν (2)
IV Ki. 12. 20 (21). A τὸν καταμένοντα Γαλαάδ [B R *al.*] †
Ju. 16. 20. καὶ Ἰ. μετ' αὐτῶν κατέμεινε
— 21. καὶ κατέμειναν ἐπὶ τῆς ὑπάρξεως αὐτῆς
[Sm. Ps. 138 (139). 9.]

καταμερίζειν. (1) נָחַל *a.* pi. *b.* hi. *c.* hithp.

Le. 25. 46. καταμεριεῖτε αὐτοὺς τοῖς τέκνοις ὑμῶν (1 *c*)
Nu. 32. 18. ἕως ἂν καταμερισθῶσιν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1 *c*)
34. 29. καταμερίσαι τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. [A *al.*] (1 *a*)
De. 19. 3. ἣν καταμερίζει σοι κύριος ὁ θεός σου (1 *b*)
Jo. 13. 14. ὃν κατεμέρισε M. τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. –
III Ma. 6. 31. A κλισίας κατεμερίσαντο πλήρεις χαρμονῆς [R *al.*]
[Sm. Ps. 67 (68). 15.]

καταμερισμός.

Jo. 13. 14. καὶ οὗτος ὁ κ. –

καταμεστοῦσθαι.

III Ma. 5. 46. τῆς πόλεως ἤδη . . . καταμεμεστωμένης

καταμετρεῖν. (1) אָוָה hithp. (2) חָלַק pu. (3) מוּר hi. (4) נָחַל pi. (5) נָפַל hi. (6) תָּאָה pi.

Nu. 34. 7. καταμετρήσετε ὑμῖν αὐτοῖς (6)
— 8. καταμετρήσετε [A -ηθήσεται] αὐτοῖς (6)
— 10. καταμετρήσετε ὑμῖν αὐτοῖς τὰ ὅρια (1)
— 29. A καταμετρῆσαι τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. [B *al.*] (4)
Am. 7. 17. ἡ γῆ σου ἐν σχοινίῳ καταμετρηθήσεται (2)
Mi. 2. 4. μερὶς λαοῦ μου κατεμετρήθη ἐν σχοινίῳ (3)
Ez. 45. 1. ἐν τῷ καταμετρεῖσθαι ὑμᾶς τὴν γῆν (5)
48. 14. οὐδὲ καταμετρηθήσεται (3)
[Aq. Ps. 59 (60). 8.]
[Sm. Ez. 28. 14.]
[Al. Nu. 35. 5.]

καταμέτρησις.

[Aq. Jb. 28. 25.]

καταμηνιαῖος, καταμήνιος.

Es. 4. 17. ὡς ῥάκος καταμηνίων [S^1 -νιαίων]

καταμηνύειν.

IV Ma. 4. 4. A R κατεμήνυε [S -υσε] τὸν τῶν χρημάτων θησαυρόν

καταμιγνύναι. (1) **καταμεμιγμένος ἐν ἄνθεσι** מְמֻגָּלוֹת

Ex. 28. 14. καταμεμιγμένα ἐν ἄνθεσιν (1)

καταμιμνήσκεσθαι.

IV Ma. 13. 12. ὁ δὲ καταμνησθεὶς [A *om.*] ἔλεγε

καταμόνας, *vid. sub* **κατά** *et* **μόνος.**

καταμωκᾶσθαι. (1) לָעַג hi. (2) עָלַל hithp.

II Ch. 30. 10. ἐγένοντο ὡς . . . καταμωκώμενοι (1)
Si. 13. 7. ἐπ' ἐσχάτῳ [S^2 -ων] καταμωκήσεταί σου
Je. 45 (38). 19. καταμωκήσονταί μου (2)
[Aq. Ge. 27. 12.]
[Sm. Ps. 72 (73). 8.]

καταναγκάζειν.

I Ma. 2. 15. A R οἱ καταναγκάζοντες τὴν ἀποστασίαν [S -σιν]

καταναλίσκειν. (1) אָכַל *a.* qal. *b.* ni. (2) בָּשַׁל (3) נָשַׁל (4) סוּף

Le. 6. 10 (3). ἣν ἂν καταναλώσῃ [A -σει] τὸ πῦρ (1 *a*)
De. 4. 24. κύριος . . . πῦρ καταναλίσκον [B^2 -ων] ἐστί (1 *a*)
7. 22. καταναλώσει κύριος ὁ θεός σου τὰ ἔθνη (3)
9. 3. R πῦρ καταναλίσκον [A B -ων] ἐστίν (1 *a*)
I Ch. 21. 26. κατανάλωσεν τὴν ὁλοκαύτωσιν –
Es. 8. 13. δόρατι καὶ πυρὶ καταναλωθήσεται
Wi. 16. 16. πυρὶ καταναλισκόμενοι
Si. 27. 29. ὀδύνη καταναλώσει αὐτούς
45. 19. καταναλῶσαι ἐν πυρὶ φλογὸς αὐτοῦ [A S -ούς]
Ze. 1. 18 : 3. 8. καταναλωθήσεται πᾶσα ἡ γῆ (1 *b*)
Za. 9. 4. καὶ αὕτη ἐν πυρὶ καταναλωθήσεται (1 *b*)
— 15. καὶ καταναλώσουσιν [A -σωσιν] αὐτούς (1 *a*)
Is. 59. 14. κατηναλώθη [A -αναλωθῇ] ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν ἡ ἀλήθεια (2)
66. 16. A καταναλωθήσεται [B S κριθ.] πᾶσα ἡ γῆ †
— 17. A ἐπὶ τὸ αὐτὸ καταναλωθήσονται [B S ἀναλ.] (4)
Je. 3. 24. ἡ αἰσχύνη κατηνάλωσε τοὺς μόχθους (1 *a*)
27 (50). 7. A B S^2 κατανάλισκον αὐτούς [S^1 R *al.*] (1 *a*)
Ep. Je. 10. χρυσίον καὶ ἀργύριον εἰς ἑαυτοὺς καταναλοῦσι [A -λώσουσιν]
Da. LXX. 11. 26. καταναλώσουσιν αὐτὸν μέριμναι αὐτοῦ (1 *a*)
[Sm. Ps. 68 (69). 10.]
[Al. Le. 26. 38.]

κατανέμεσθαι. (1) רָעָה

Ps. 79 (80). 13. A S^2 μονιὸς [B S^1 ὄνος] ἄγριος κατενεμήσατο αὐτήν (1)
[Sm. Ps. 79 (80). 14.]

κατανιστάναι. (1) נָשָׂא hithp.

Nu. 16. 3. διὰ τί κατανίστασθε ἐπὶ τὴν συναγωγὴν κυρίου (1)

κατανοεῖν. (1) בִּין *a.* hi. *b.* hithpal. (2) חָזָה חָוָה (3) נָבַט hi. (4) צָפָה (5) רָאָה (6) שׂוּם עַל־לֵב (7) שָׂכַל hi. (8) שָׁמַם hithpo.

Ge. 3. 6. ὡραῖόν ἐστι τοῦ κατανοῆσαι (7)
42. 9. κατανοῆσαι τὰ ἴχνη τῆς χώρας (5)
Ex. 2. 11. κατανοήσας δὲ τὸν πόνον αὐτῶν (5)
19. 21. μή ποτε ἐγγίσωσι . . . κατανοῆσαι (5)
33. 8. κατενοοῦσαν [A -νόουν] ἀπιόντος M. (3)
— 10. A κατενόουν ἀπιόντος M. –
Nu. 32. 8. κατανοῆσαι τὴν γῆν (5)
— 9. καὶ κατενόησαν τὴν γῆν (5)
III Ki. 3. 21. κατενόησα αὐτὸν πρωΐ (1 *b*)
Ju. 8. 14. πῶς . . . τὸν λογισμὸν αὐτοῦ κατανοήσετε [A^2 -σατε]
10. 14. κατενόησαν τὸ πρόσωπον αὐτῆς
Jb. 23. 15. κατανοήσω καὶ πτοηθήσομαι ἐξ αὐτοῦ (1 *b*)
30. 20. ἔστησαν δὲ καὶ κατενόησάν με [A μοι] (1 *b*)
Ps. 9. 35 (10. 14). σὺ πόνον [A κόπον] . . . κατανοεῖς [B^1 -ήσεις] (3)
21 (22). 17. αὐτοὶ δὲ κατενόησαν (3)
36 (37). 32. A S R κατανοεῖ [B -ήσει] ὁ ἁμαρτωλὸς τὸν δίκαιον (4)
90 (91). 8. τοῖς ὀφθαλμοῖς σου κατανοήσεις (3)
93 (94). 9. οὐχὶ κατανοεῖ (3)
118 (119). 15. κατανοήσω [S^1 ἐκζητήσω] τὰς ὁδούς σου (3)
— 18. κατανοήσω τὰ θαυμάσιά σου (3)
141 (142). 4. κατενόουν εἰς τὰ δεξιά (3)
Si. 23. 19. κατανοοῦντες εἰς [A *om.*] ἀπόκρυφα μέρη
30. 26 (33. 17). κατανοήσατε ὅτι οὐκ ἐμοὶ μόνῳ ἐκοπίασα
Hb. 3. 2. κατενόησα τὰ ἔργα σου –
Is. 5. 12. τὰ ἔργα τῶν χειρῶν αὐτοῦ οὐ κατανοοῦσι [S^1 -νοήσ.] (5)
57. 1. S^1 οὐδεὶς κατανοεῖ [A B S^2 *al.*] (6)
— 1. οὐδεὶς κατανοεῖ [S *al.*] (1 *a*)
59. 16. κατενόησε καὶ οὐκ ἦν ὁ ἀντιληψόμενος (8)
Da. LXX. 7. 21. κατενόουν τὸ κέρας ἐκεῖνο (2)
II Ma. 9. 25. κατανοῶν τοὺς παρακειμένους δυνάστας
[Aq. Jb. 23. 15 : 37. 14 : 38. 18 : Ps. 118 (119). 100.]
[Th. Jb. 23. 15 : 30. 20.]
[Al. Hb. 3. 6, 7.]
[Quint. Ps. 118 (119). 100.]

κατανόησις.

Si. 41. 21. ἀπὸ κατανοήσεως γυναικὸς ὑπάνδρου

κατανοιγνύναι.

Ps. 4. 4. A ἐπὶ ταῖς κοίταις ὑμῶν κατανοίγητε [B S -νύγητε] †

καταντᾶν. (1) חוּל

II Ki. 3. 29. καταντησάτωσαν ἐπὶ κεφαλὴν Ἰ. (1)
II Ma. 4. 21. κατήντησεν εἰς Ἱεροσόλυμα
— 24. εἰς ἑαυτὸν κατήντησε τὴν ἀρχιερωσύνην
— 44. καταντήσαντος δὲ τοῦ βασ. εἰς Τύρον
6. 14. μέχρι τοῦ καταντήσαντος αὐτοὺς . . . κολάσαι
[Aq. Ps. 31 (32). 6 : 87 (88). 4 : Ez. 7. 12.]
[Sm. Jb. 29. 13 : Ec. 1. 6 : Is. 53. 6.]

κατάντημα. (1) תְּקוּפָה

Ps. 18 (19). 6. τὸ κ. αὐτοῦ ἕως ἄκρου τοῦ οὐρ. (1)

καταντλεῖν.

IV Ma. 7. 2. καταντλούμενος ταῖς τῶν βασάνων τρικυμίαις

κατανύειν.

II Ma. 9. 4. R κατανύειν [A καταλύειν] τὴν πορείαν

κατάνυξις. (1) תַּרְדֵּמָה (2) תַּרְעֵלָה

Ps. 59 (60). 3. ἐπότισας ἡμᾶς οἶνον κατανύξεως (2)
Is. 29. 10. πεπότικεν ὑμᾶς κύριος πνεύματι [S -μα] κατανύξεως (1)

κατανύσσεσθαι. (1) אָלַם ni. (2) *a.* דָּמַם *b.* דּוּמָם (3) כָּאָה ni. (4) כָּנַע ni. (5) עָצַב hithp. (6) רָדַם ni.

Ge. 27. 38. R κατανυχθέντος δὲ Ἰσαάκ –
34. 7. A κατενύχθησαν [R -ύγησαν] οἱ ἄνδρες (5)
Le. 10. 3. καὶ κατενύχθη A. (2 *a*)

III Ki. 20 (21). 27. ὡς [A οὗ] κατενύγη Ἀχ. –
— 29. ὡς κατενύγη Ἀχ. ἀπὸ προσώπου μου (4)
Ps. 4. 4. ἐπὶ ταῖς κοίταις ὑμῶν κατανύγητε [A -νοίγητε] (2 a)
29 (30). 12. καὶ οὐ μὴ κατανυγῶ (2 a)
34 (35). 15. διεσχίσθησαν καὶ οὐ κατενύγησαν (2 a)
108 (109). 16. κατεδίωξεν ἄνθρωπον . . . κατανενυγμένον τῇ καρδίᾳ (3)
Si. 12. 12. μή ποτε . . . ἐπὶ τῶν ῥημάτων μου κατανυγήσῃ
14. 1. οὐ κατενύγη ἐν λύπῃ ἁμαρτίας [A S -ιῶν]
20. 21. ἐν τῇ ἀναπαύσει αὐτοῦ οὐ κατανυγήσεται
47. 20. κατενύγην ἐπὶ τῇ ἀφροσύνῃ σου
Is. 6. 5. ὦ τάλας ἐγώ, ὅτι κατανένυγμαι †
47. 5. κάθισον κατανενυγμένη (2 b)
Da. LXX. Su. 10. ἀμφότεροι ἦσαν κατανενυγμένοι περὶ αὐτῆς
Da. TH. Su. 10. ἦσαν ἀμφότεροι κατανενυγμένοι περὶ αὐτῆς
10. 9. ἤμην κατανενυγμένος (6)
— 15. A B² R καὶ κατενύγην (1)
[Th. Pr. 17. 22 : Is. 28. 1 : Da. 10. 9.]

κατανωτίζεσθαι.

Ju. 5. 4. διὰ τί κατενωτίσαντο

καταξαίνειν. (1) דּוּשׁ

Jd. 8. 7. A καταξανῶ [B ἀλοήσω] τὰς σάρκας ὑμῶν (1)
— 16. A καὶ κατέξανεν αὐτούς –
— 16. A κατέξανεν [B ἠλόησεν] . . . τοὺς ἄνδρας †
[Th. Jd. 8. 7.]

καταξηραίνειν. (1) יָבֵשׁ hi.

Jo. 2. 10. κατεξήρανε κ. . . . τὴν ἐρυθρὰν θάλ. (1)
Ju. 5. 13. κατεξήρανεν ὁ θ. τὴν ἐρυθρὰν θάλ.
Ho. 13. 15. καταξηρανεῖ τὴν γῆν αὐτοῦ †

κατάξηρος. (1) יְבֵשׁ

Nu. 11. 6. ἡ ψυχὴ ἡμῶν κ. (1)
[Th. Is. 29. 8.]

κατάξιος.

Es. 8. 13. τὴν κ. τοῦ . . . θεοῦ . . . ἀποδόντος αὐτῷ κρίσιν

καταξιοῦν.

II Ma. 13. 12. καὶ καταξιωσάντων τὸν ἐλεήμονα κύριον
III Ma. 3. 21. πολιτείας αὐτοὺς Ἀλεξανδρέων καταξιῶσαι
4. 11. μηδὲ τὸ σύνολον καταξιῶσαι περιβόλων
IV Ma. 18. 3. θείας μερίδος κατηξιώθησαν

καταξύειν.

Ep. Je. 8. γλῶσσα γὰρ αὐτῶν ἐστι [A om.] κατεξυσμένη ὑπὸ τέκτονος

καταπαιδεύειν.

[Sm. La. 1. 13.]

καταπαίζειν. (1) קָלַס hithp. (2) תָּלַל hi.

IV Ki. 2. 23. R κατέπαιζον [B² -έκραξαν, B³ -έκραζον, A καταπαίζειν] αὐτοῦ (1)
Je. 2. 16. καὶ κατέπαιζόν [A -αιξάν] σου †
9. 5 (4). ἕκαστος κατὰ [S om.] τοῦ φίλου αὐτοῦ καταπαίζεται [A -φεύξ.] (2)
[Sm. Ge. 27. 12.]

καταπαλαίειν.

IV Ma. 3. 18. τὰς τῶν σωμάτων ἀλγηδόνας . . . καταπαλαῖσαι

καταπανουργεύεσθαι. (1) עָרַם hi.

Ps. 82 (83). 3. κατεπανουργεύσαντο γνώμην (1)

καταπάσσειν. (1) זָרַק (2) פָּלַשׁ hithp.

Es. 4. 1. καὶ κατεπάσατο σποδόν –
Jb. 1. 20. A κατεπάσατο γῆν ἐπὶ τῆς κεφ. αὐ. –
2. 12. καταπασάμενοι γῆν (1)
Mi. 1. 10. γῆν καταπάσασθε (2)
Je. 6. 26. κατάπασαι ἐν σποδῷ [A S σποδόν] (2)
II Ma. 10. 25. γῇ τὰς κεφαλὰς καταπάσαντες
14. 15. καταπασάμενοι γῆν ἐλιτάνευσαν
[Sm. III Ki. 20. 38.]

καταπατάκτης (?).

[Aq. Je. 29 (36). 26.]

καταπατεῖν. (1) בּוּס a. qal. b. pil. c. מְבוּסָה (2) דּוּשׁ a. qal. b. ni. (3) דָּלַח (4) דָּקַק hoph. (5) דָּרַךְ a. qal. b. hi. (6) הָלַם (7) a. עָמַס b. מַעֲמָסָה (8) עָסַס (9) צָרַר (10) רָמַס a. qal. b. ni. c. מִרְמָס (11) a. רָפַס, רָפַשׂ b. רְפַס (12) רָצַץ (13) שָׁאַף (14) שׁוּף (15) שָׁסָה (16) שָׁסַס

Jo. 19. 47. A καὶ κατεπάτησαν [B κατῴκησαν] αὐτήν †
Jd. 5. 21. καταπατήσει αὐτὸν ψυχή μου δυνατή (5 a)
9. 27. A καὶ κατεπάτουν [B ἐπάτησαν] (5 a)
I Ki. 14. 48. ἐκ χειρὸς τῶν καταπατούντων αὐτόν (15)
17. 53. κατεπάτουν τὰς παρεμβολὰς αὐτῶν (16)
23. 1. καταπατοῦσι [A om.] τοὺς ἅλω (15)
II Ch. 25. 18. καὶ κατεπάτησαν τὸν ἀχούχ (10 a)
Jb. 28. 8. S οὐ κατεπάτησαν [A B οὐκ ἐπάτ.] αὐτὸν [A S -ὴν] υἱοὶ ἀλαζόνων (5 b)
39. 15. θηρία ἀγροῦ καταπατήσει (2 a)
Ps. 7. 5. καταπατήσαι εἰς γῆν τὴν ζωήν μου (10 a)
55 (56). 1. κατεπάτησέ με ἄνθρωπος (13)
— 2. κατεπάτησάν με οἱ ἐχθροί μου (13)
56 (57). 3. ἔδωκεν εἰς ὄνειδος τοὺς καταπατοῦντάς με (13)
90 (91). 13. καταπατήσεις λέοντα καὶ δράκοντα (10 a)
138 (139). 11. ἆρα σκότος καταπατήσει με (14)
Ho. 5. 11. κατεπάτησε τὸ κρίμα (12)
Am. 4. 1. δαμάλεις . . . αἱ . . . καταπατοῦσαι πένητας (12)
5. 12. A R καταπατοῦντες [B -οῦσαι] δίκαιον (9)
Za. 12. 3. λίθον καταπατούμενον πᾶσι τοῖς ἔθνεσι (7 b)
— 3. πᾶς ὁ καταπατῶν αὐτὴν ἐμπαίζων ἐμπαίξεται (7 a)
Ma. 4. 3 (3. 21). καταπατήσετε [A -σατε] ἀνόμους (8)
Is. 10. 6. κ. τὰς πόλεις (10 c)
16. 4. ἀπώλετο ὁ καταπατῶν ἀπὸ [A S ἐπὶ] τῆς γῆς (10 a)
— 8. A² R καταπατήσατε [B S -σετε, A¹ -σονται] τὰς ἀμπέλους αὐτῆς ἕως Ἰαζήρ (6)
— 9. ἐπὶ τῷ τρυγητῷ σου καταπατήσω †
18. 2. ἔθνος ἀνέλπιστον καὶ καταπεπατημένον (1 c)
— 7. ἔθνος ἐλπίζον [S ἀνέλπιστον] καὶ καταπεπατημένον (1 c)
25. 10. καταπατηθήσεται ἡ Μωαβῖτις (2 b)
28. 3. τοῖς ποσὶ καταπατηθήσεται ὁ στέφανος (10 b)
— 28. οὐδὲ φωνὴ τῆς πικρίας μου καταπατήσει ὑμᾶς (4)
41. 25. ὡς κεραμεὺς καταπατῶν τὸν πηλὸν οὕτω καταπατηθήσεσθε [S¹ -σεται] (10 a, –)
63. 3. πλήρης [S -ρους] καταπεπατημένης (5 a)
— 3. κατεπάτησα αὐτοὺς ἐν θυμῷ μου [A S om.] (5 a)
— 6. κατεπάτησα αὐτοὺς τῇ ὀργῇ μου (1 a)
— 18. A οἱ ὑπεναντίοι ἡμῶν κατεπάτησαν τὸ ἁγίασμά μου (1 b)
Ez. 26. 11. καταπατήσουσί σου πάσας τὰς πλατείας (10 a)
32. 2. κατεπάτεις τοὺς ποταμούς σου (11 a)
— 13. ἴχνος κτηνῶν οὐ μὴ καταπατήσῃ αὐτό (3)
34. 18. τὰ κατάλοιπα τῆς νομῆς ὑμῶν κατεπατεῖτε (11 a)
Da. LXX. 7. 7. κύκλῳ τοῖς ποσὶ καταπατοῦν (11 b)
— 19. καὶ καταπατοῦντος [cod. -ες] τοῖς ποσί (11 b)
8. 10. ἀπὸ αὐτῶν κατεπατήθη (10 a)
I Ma. 3. 45. καὶ τὸ ἁγίασμα καταπατούμενον
— 51. A R τὰ ἅγιά σου καταπεπάτηται [S -ηνται]
4. 60. A R μή ποτε . . . καταπατήσωσιν [S -σουσιν] αὐτά
II Ma. 8. 2. R τὸν ὑπὸ πάντων καταπατούμενον [A -πονούμ.] λαόν
III Ma. 2. 18. ἡμεῖς κατεπατήσαμεν τὸν οἶκον τοῦ ἁγιασμοῦ ὡς καταπατοῦνται οἱ οἶκοι τῶν προσοχθισμάτων
6. 21. καὶ κατεπάτουν αὐτάς
[Aq., Sm. Je. 12. 10.]
[Al. Is. 16. 9 : 63. 18.]

καταπάτημα. (1) בָּלַע pi. (2) לָעַג (3) מְבוּסָה (4) מִרְמָס (5) εἶναι εἰς κ. בּוּס

Mi. 7. 10. ἔσται εἰς καταπάτημα (4)
Is. 5. 5. ἔσται εἰς κ. [A διαρπαγήν] (4)
Is. 7. 25. εἰς βόσκημα προβάτου καὶ κ. βοός (4)
14. 25. ἔσονται εἰς κ. (5)
22. 5. A S R ἡμέρα ταραχῆς [S¹ -χους] καὶ ἀπωλείας καὶ καταπατήματος [B -μα] (3)
— 18. A S R θήσει . . . τὸν οἶκον τοῦ ἄρχοντός σου εἰς κ. [B om. εἰς κ.] –
28. 18. ἔσεσθε αὐτῇ εἰς κ. (4)
La. 2. 8. A R οὐκ ἀπέστρεψε [B S ἐπ.] χεῖρα αὐτοῦ ἀπὸ καταπατήματος (1)
Ez. 36. 4. εἰς κ. τοῖς καταλειφθεῖσιν ἔθνεσι περικύκλῳ (2)
Da. LXX. 8. 13. τὰ ἅγια ἐρημωθήσεται εἰς καταπάτημα (4)
[Aq., Sm., Th. Is. 57. 20.]

καταπάτησις. (1) דּוּשׁ

IV Ki. 13. 7. ὡς χοῦν εἰς καταπάτησιν (1)

καταπαύειν. (1) אָסַף (2) חָיָה (3) יָשַׁב (4) כָּלָה pi. (5) לִין (6) נָהַל pi. (7) נוּחַ a. qal. b. hi. (8) רָגַע (9) רָפָה pi. (10) שָׁרַף (11) שָׁבַת a. qal. b. hi. (12) שׁוּב a. qal. b. hi. c. תְּשׁוּבָה (13) שָׁכְבָה (14) שָׁכַן (15) שָׁקַט (16) נָפַשׁ ni.

Ge. 2. 2. κατέπαυσε . . . ἀπὸ πάντων τῶν ἔργων αὐτοῦ (11 a)
— 3. κατέπαυσεν ἀπὸ πάντων τῶν ἔργων αὐτοῦ (11 a)
8. 22. ἡμέραν καὶ νύκτα οὐ καταπαύσουσι (11 a)
49. 33. κατέπαυσεν Ἰ. ἐπιτάσσων τοῖς υἱοῖς αὐτοῦ (4)
Ex. 5. 5. μὴ οὖν καταπαύσωμεν αὐτοὺς ἀπὸ τῶν ἔργων (11 b)
10. 14. κατέπαυσεν ἐπὶ πάντα τὰ ὅρια Αἰγ. (7 a)
16. 13. καταπαυομένης τῆς δρόσου (13)
20. 11. κατέπαυσε τῇ ἡμέρᾳ τῇ ἑβδόμῃ (7 a)
31. 17. κατέπαυσε καὶ ἐπαύσατο [A ἐπ. κ. κ.] (11 a [16])
— 18. ἡνίκα κατέπαυσε λαλῶν (4)
33. 14. καταπαύσω σε (7 b)
34. 21. τῇ δὲ ἑβδόμῃ [A ἡμέρᾳ τῇ ἑ.] καταπαύσεις (11 a)
— 21. A τῷ ἀμητῷ καταπαύσεις [B -σις] (11 a)
— 33. ἐπειδὴ κατέπαυσε λαλῶν (4)
35. 2. A τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἑβδόμῃ καταπαύσεις [B -σις] –
Nu. 25. 11. κατέπαυσε τὸν θυμόν μου (12 b)
De. 3. 20. ἕως ἂν καταπαύσῃ . . . τοὺς ἀδ. ὑμῶν (7 b)
5. 33 (30). ὅπως καταπαύσῃ σε (2?)
12. 10. καὶ καταπαύσει ὑμᾶς (7 b)
25. 19. ἡνίκα ἐὰν καταπαύσῃ σε κύριος (7 b)
32. 26. A καταπαύσω δὴ [B π. δέ] . . . τὸ μνημόσυνον αὐτῶν (11 b)
33. 12. ἀνὰ μέσον τῶν ὤμων αὐτοῦ κατέπαυσε (14)
Jo. 1. 13. κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν κατέπαυσεν ὑμᾶς (7 b)
— 15. ἕως ἂν καταπαύσῃ κύριος (7 b)
3. 13. ὡς ἂν καταπεύσωσιν οἱ πόδες τῶν ἱερέων (7 a)
10. 20. ὡς κατέπαυσεν Ἰησοῦς . . . κόπτοντες (4)
11. 23. ἡ γῆ κατέπαυσε πολεμουμένη (15)
21. 42. κατέπαυσεν αὐτοὺς [A -οῖς] κύριος (7 a)
22. 4. κατέπαυσε κύριος . . . τοὺς ἀδ. ἡμῶν (7 b)
23. 1. μετὰ τὸ καταπαῦσαι κύριον τὸν [A τὸν θεὸν] Ἰσρ. (7 b)
Jd. 8. 3. A καὶ κατέπαυσαν –
18. 2. A καὶ κατέπαυσαν ἐκεῖ [B al.] (5)
20. 43. A καταπαῦσαι αὐτὸν κατάπαυσιν [B al.] †
— 43. A καὶ κατέπαυσεν αὐτόν [B al.] †
Ru. 2. 7. οὐ κατέπαυσεν ἐν τῷ ἀγρῷ μικρόν (3)
II Ki. 21. 10. οὐκ ἔδωκε τὰ πετεινὰ . . . καταπαῦσαι (7 a)
III Ki. 12. 24. κατέπαυσαν τοῦ πορευθῆναι (12 a)
I Ch. 23. 25. κατέπαυσε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. τῷ λαῷ αὐ. (7 b)
II Ch. 14. 6 (5). κατέπαυσεν αὐτῷ κύριος (7 b)
— 7 (6). κατέπαυσεν ἡμᾶς κυκλόθεν (7 a)
15. 15. κατέπαυσε κύριος αὐτοῖς κυκλόθεν (7 a)
16. 5. κατέπαυσε τὸ ἔργον αὐτοῦ (11 b)
20. 30. κατέπαυσεν αὐτῷ ὁ θεὸς αὐτοῦ (7 a)
32. 22. καὶ κατέπαυσεν αὐτοὺς κυκλόθεν (6)
II Es. 9. 13. S² κατέπαυσας τὸ σκῆπτρον ἡμῶν †
Ne. 4. 11 (5). καὶ καταπαύσωμεν τὸ ἔργον (11 b)
6. 3. μή ποτε καταπαύσῃ τὸ ἔργον (11 a)

Ju. 6. 1. ὡς κατέπαυσεν ὁ θόρυβος
Jb. 21. 34. τὸ δὲ ἐμὲ καταπαύσασθαι ἀφ' ὑμῶν οὐδέν [A S *al.*] (12 *c*)
26. 12. ἰσχύϊ κατέπαυσε τὴν θάλασσαν (8)
Ps. 54 (55). 6. πετασθήσομαι καὶ καταπαύσω (14)
73 (74). 8. καταπαύσωμεν τὰς ἑορτὰς κυρίου (10)
84 (85). 3. κατέπαυσας πᾶσαν τὴν ὀργήν σου (1)
Ec. 10. 4. ἴαμα καταπαύσει ἁμαρτίας μεγάλας (7 *b*)
Wi. 10. 19. S^1 τοὺς δὲ ἐχθροὺς αὐτῶν κατέπαυσεν [A κατέκλυσαν, B S^2 κατέκλυσε]
Si. 5. 6. ἐπὶ ἁμαρτωλοὺς καταπαύσει [S^1 -σεται] ὁ θυμὸς αὐτοῦ
10. 17. κατέπαυσεν . . . τὸ μνημόσυνον αὐ.
24. 8. ὁ κτίσας με κατέπαυσε τὴν σκηνήν μου
— 11. ἐν πόλει ἠγαπημένῃ ὁμοίως με [S *om.*] κατέπαυσε
38. 23. ἐν ἀναπαύσει νεκροῦ κατάπαυσον τὸ μνημόσυνον αὐτοῦ
43. 5. S^2 ἐν λόγοις αὐτοῦ κατέπαυσεν [A B S^1 -έσπευσε] πορείαν
— 13. S προστάγματι αὐτοῦ κατέπαυσεν [A B -έσπευσε] χιόνα
44. 23. κατέπαυσεν ἐπὶ κεφαλὴν Ἰακώβ
45. 3. ἐν λόγοις αὐτοῦ σημεῖα κατέπαυσεν
47. 12. S δι' αὐτὸν κατέπαυσεν [A B -ἕλυσεν] ἐν πλατυσμῷ
— 13. ᾧ ὁ [S^1 ὡς] θεὸς κατέπαυσε κυκλόθεν
Ho. 1. 4. καὶ καταπαύσω βασιλείαν οἴκου Ἰ. (11 *b*)
11. 6. καὶ κατέπαυσεν ἐν ταῖς χερσὶν αὐτοῦ (4)
La. 3. 11. κατέπαυσέ με [A *om.*] †
5. 14. πρεσβῦται ἀπὸ πύλης κατέπαυσαν ἐκλεκτοὶ ἐκ ψαλμῶν αὐτῶν κατέπαυσαν (11 *a*, –)
Ez. 1. 24. κατέπαυον αἱ πτέρυγες αὐτῶν (9)
30. 13. A καταπαύσω [B *om.*] μεγιστᾶνας ἀπὸ Μέμφεως (11 *b*)
Da. TH. 9. 27. A B^2 καταπαύσει θυσιαστήριον (11 *b*)
11. 18. B καταπαύσει [A B -καύσει] ἄρχοντας ὀνειδισμοῦ αὐτῶν (11 *b*)
I Ma. 9. 73. κατέπαυσε ῥομφαία ἐξ Ἰσρ.
II Ma. 15. 37. B καταπαύσω τὸν λόγον [A *al.*]

[Aq. Je. 31 (38). 36 : 48 (31). 33 : Ez. 5. 13 : 7. 24 : 23. 27.]
[Sm. Ez. 5. 13 : 23. 27.]
[Th. Ez. 5. 13 : 6. 6 : 23. 27.]
[Al. Le. 26. 6 : Da. 9. 27 : Hb. 3. 19.]

κατάπαυμα.

Si. 36. 18 (15). οἰκτείρησον . . . πόλιν [A S τόπον] καταπαύματός σου

κατάπαυσις. (1) אֲחֻזָּה (2) *a.* נוּחַ *b.* נֹחַ *c.* מָנוֹחַ *d.* מְנוּחָה (3) שַׁבָּת

Ex. 34. 21. A B τῇ δὲ ἑβδόμῃ [A ἡμέρᾳ τῇ ἑ.] καταπαύσεις [B -σις] (3)
— 21. τῷ ἀμήτῳ κατάπαυσις [A -σεις] (3)
35. 2. τῇ δὲ ἡμέρᾳ τῇ ἑβδόμῃ κατάπαυσις [A -σεις] –
Le. 25. 28. A B^1 ἀπελεύσεται εἰς τὴν κ. [B^2 R κατάσχεσιν] αὐτοῦ (1)
Nu. 10. 36. ἐν τῇ κ. εἶπεν (2 *a*)
De. 12. 9. οὐ γὰρ ἥκατε . . . εἰς τὴν κ. (2 *d*)
Jd. 20. 43. A καταπᾶσαι αὐτὸν κατάπαυσιν [B *al.*] (2 *d*)
III Ki. 8. 56. ὃς ἔδωκε κατάπαυσιν τῷ λαῷ αὐτοῦ Ἰσρ. (2 *d*)
I Ch. 6. 31 (16). ἐν τῇ κ. τῆς κιβωτοῦ (2 *c*)
II Ch. 6. 41. ἀνάστηθι . . . εἰς τὴν κ. σου (2 *b*)
Ju. 9. 8. τὸ σκήνωμα τῆς κ. τοῦ ὀνόμ. τῆς δόξης σου
Ps. 94 (95). 11. εἰ [A^1 *om.*, A^2 S ἢ] εἰσελεύσονται εἰς τὴν κ. μου (2 *d*)
131 (132). 14. αὕτη ἡ κ. μου εἰς αἰῶνα αἰῶνος (2 *d*)
Is. 66. 1. ποῖος τόπος τῆς κ. μου (2 *d*)
II Ma. 15. 1. τῇ τῆς κ. ἡμέρᾳ

[Sm. Is. 57. 6.]
[Th. Za. 4. 7 *bis*.]
[Al. Le. 14. 10.]

καταπείθειν. (1) בָּטַח

II Ki. 17. 16. μή ποτε καταπείσῃ [A -πίῃ] τὸν βασ. †
Ez. 16. 15. κατεπεποίθεις ἐν [A ἐπὶ] τῷ κάλλει σου (1)

καταπειράζειν.

II Ma. 13. 18. κατεπείρασε διὰ μεθόδων τοὺς τόπους

καταπείρεσθαι.

III Ma. 5. 26. A οὔπω δὲ ἡλίου βολαὶ κατεπείροντο [R κατεσπ.]

καταπελματοῦσθαι. (1) טָלָא pu.

Jo. 9. 5. τὰ σανδάλια . . . καταπεπελματωμένα (1)

καταπέλτης.

IV Ma. 8. 13. καὶ καταπέλτας καὶ λέβητας
9. 26. καταπέλτῃ προσέδησαν αὐτόν
11. 9. εἵλκον ἐπὶ τὸν κ.
— 26. καὶ ἄπονοι οἱ κ.
18. 20. ἀγαγὼν ἐπὶ τὸν κ.

καταπενθεῖν. (1) אָבַל hithpa.

Ex. 33. 4. κατεπένθησεν [A -αν] ἐν πενθικοῖς (1)

καταπετασμνύναι. (1) נָדַר

Pr. 27. 8. ὥσπερ ὅταν ὄρνεον καταπετασθῇ (1)

καταπέτασμα. (1) מָסָךְ (2) פָּרֹכֶת

Ex. 26. 31. ποιήσεις καταπέτασμα ἐξ ὑακίνθου (2)
— 33. θήσεις τὸ κ. ἐπὶ τῶν στύλων [A B^2 τοὺς στ.] (2)
— 33. εἰσοίσεις ἐκεῖ ἐσώτερον τοῦ κ. (2)
— 33. διορεῖ [B^1 -εῖς] τὸ κ. (2)
— 34. κατακαλύψεις τῷ κ. (2)
— 35. B^2 R ἐπιθήσεις [A B^1 θήῃ.] . . . ἔξωθεν τοῦ κ. (2)
— 37. ποιήσεις τῷ κ. πέντε στύλους (1)
27. 21. ἔξωθεν τοῦ κ. τοῦ ἐπὶ τῆς διαθήκης (2)
30. 6. θήσεις αὐτὸ ἀπέναντι τοῦ κ. (2)
35. 12. ἐργαζέσθω . . . τὸ κ. (2 + 1)
37. 3 (36. 35). A R ἐποίησαν [B -σεν] τὸ κ. ἐξ ὑακίνθου (2)
— 5 (36. 37). ἐποίησαν τὸ κ. τῆς θύρας τῆς σκηνῆς (1)
— 16 (38. 18). τὸ κ. [A -κάλυμμα] τῆς πύλης (1)
38. 18 (36. 36). τοὺς στύλους τοῦ κ. †
39. 4 (38. 27). εἰς τὰς κεφαλίδας τοῦ κ. (2)
— 20 (40). τὸ κ. τῆς θύρας τῆς σκηνῆς (1)
40. 3. σκεπάσεις τὴν κιβωτὸν τῷ κ. (2)
— 5. ἐπιθήσεις κάλυμμα καταπετάσματος [A *al.*] (1?)
— 21. ἐπέθηκε τὸ κατακάλυμμα τοῦ κ. (1)
— 22. ἔξωθεν τοῦ κ. τῆς σκηνῆς (2)
— 26. ἀπέναντι τοῦ κ. (2)
Le. 4. 6. κατὰ τὸ κ. τὸ ἅγιον (2)
— 17. κατενώπιον [A ἐν.] τοῦ κ. τοῦ ἁγίου (2)
16. 2. μὴ εἰσπορευέσθω . . . ἐσώτερον τοῦ κ. (2)
— 12. εἰσοίσει ἐσώτερον τοῦ κ. (2)
— 15. εἰσοίσει [A οἴσουσιν] . . . ἐσώτερον τοῦ κ. (2)
21. 23. πρὸς τὸ κ. οὐ προσελεύσεται (2)
24. 3. ἔξωθεν τοῦ κ. (2)
Nu. 3. 10. καὶ ἔσω [A τὰ ἔ.] τοῦ κ. –
— 26. καὶ τὸ κ. τῆς πύλης (1)
4. 5. καθελοῦσι τὸ κ. τὸ συσκιάζον (2)
— 32. τοὺς στύλους τοῦ κ. τῆς πύλης –
18. 7. καὶ τὸ ἔνδοθεν τοῦ κ. (2)
III Ki. 6. 36. B ᾠκοδόμησε καταπέτασμα τῆς αὐλῆς –
II Ch. 3. 14. καὶ ἐποίησε τὸ κ. (2)
Si. 50. 5. ἐν ἐξόδῳ οἴκου καταπετάσματος
I Ma. 1. 22. καὶ τὸ κ. καὶ τοὺς στεφάνους
4. 51. ἐξεπέτασαν τὰ κ.

[Sm. Nu. 4. 25, 26.]
[Th. Ex. 39. 34 (21).]
[Al. Le. 4. 6.]

καταπετέσθαι.

[Aq. Ez. 17. 23.]

καταπηγνύναι. (1) עָמַק hi. (2) תָּקַע

I Ki. 31. 10. τὸ σῶμα αὐτοῦ κατέπηξαν (2)
Jb. 39. 17. S^1 κατέπηξεν [A B S^2 -εσιώπησεν] αὐτῇ ὁ θεὸς σοφίαν †
Ho. 5. 2. ὃ οἱ ἀγρεύοντες τὴν θήραν κατέπηξαν (1)
9. 8 (9). μανίαν ἐν οἴκῳ θεοῦ κατέπηξαν (1)

καταπηδᾶν. (1) יָרַד (2) נָפַל

Ge. 24. 64. κατεπήδησεν ἀπὸ τῆς καμήλου (2)
I Ki. 25. 23. κατεπήδησεν ἀπὸ τῆς ὄνου (1)

[Sm. IV Ki. 5. 21.]

καταπῆξ.

[Sm. Jb. 38. 6.]

κατάπικρος. (1) מַר

II Ki. 17. 8. καὶ κατάπικροι τῇ ψυχῇ αὐτῶν (1)

[Sm. Jb. 6. 3.]

καταπίνειν. (1) בָּלַע *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* pu. *e.* hithp. *f.* בָּלַע (2) טָבַע pu. (3) נָגַר ni. (4) שָׁעַר (5) שָׁמַם ni.

Ge. 41. 7, 24. κατέπιον οἱ ἑπτὰ στάχυες . . . τοὺς ἑ. στάχυας (1 *a*)
Ex. 7. 12. κατέπιεν ἡ ῥάβδος ἡ Ἀ. τὰς ἐκείνων ῥάβδους (1 *a*)
15. 4. κατεπόθησαν [A -επόντισεν] ἐν ἐρυθρᾷ θαλ. (2)
— 12. κατέπιεν αὐτοὺς γῆ (1 *a*)
Nu. 16. 30. ἡ γῆ . . . καταπίεται αὐτούς (1 *a*)
— 32. καὶ κατέπιεν αὐτούς (1 *a*)
— 34. μή ποτε καταπίῃ ἡμᾶς ἡ γῆ (1 *a*)
21. 28. καὶ κατέπιε στήλας Ἀρνών †
26. 10 : De. 11. 6. ἡ γῆ . . . κατέπιεν αὐτούς (1 *a*)
II Ki. 17. 16. A μή ποτε καταπίῃ [B -πείσῃ] τὸν βασ. (1 *d*)
To. 6. 2. ἰχθὺς . . . ἐβουλήθη καταπιεῖν τὸ παιδάριον [S *al.*]
Jb. 7. 19. ἕως ἂν καταπίω τὸν πτύελόν μου (1 *a*)
8. 18. ἐὰν καταπίῃ ὁ τόπος ψεύσεται αὐτόν (1 *c*)
Ps. 34 (35). 25. κατεπίομεν αὐτόν (1 *c*)
57 (58). 9. ὡσεὶ ἐν ὀργῇ καταπίεται ὑμᾶς [S αὐτούς] (4)
68 (69). 15. μηδὲ καταπιέτω με βυθός (1 *a*)
105 (106). 17. ἠνοίχθη ἡ γῆ καὶ κατέπιε Δαθάν (1 *a*)
106 (107). 27. πᾶσα ἡ σοφία αὐτῶν κατεπόθη (1 *e*)
123 (124). 3. ἄρα ζῶντας ἂν κατέπιον ἡμᾶς (1 *a*)
140 (141). 6. κατεπόθησαν ἐχόμενα πέτρας (5)
Pr. 1. 12. καταπίωμεν δὲ αὐτὸν ὥσπερ ᾅδης ζῶντα (1 *a*)
19. 28. στόμα δὲ ἀσεβῶν καταπίεται κρίσεις (1 *c*)
21. 20. ἄφρονες δὲ ἄνδρες καταπίονται αὐτόν (1 *c*)
23. 7. ὃν τρόπον γὰρ εἴ τις καταπίοι τρίχα †
Si. 23. 16. οὐ μὴ σβεσθῇ ἕως ἂν καταποθῇ [S^2 -πίῃ τι]
Ho. 8. 8. κατεπόθη Ἰ. (1 *b*)
Jn. 2. 1. καταπιεῖν [S^1 -έπιεν] τὸν Ἰωνᾶν (1 *a*)
Hb. 1. 13. ἐν τῷ καταπίνειν [S^3 πιεῖν] ἀσεβῆ τὸν δίκαιον (1 *c*)
Is. 9. 16 (15). ὅπως καταπίνωσιν [A S^2 -πίωσιν] αὐτούς (1 *d*)
16. 8. καταπίνοντες τὰ ἔθνη †
25. 8. κατέπιεν ὁ θάνατος ἰσχύσας (1 *c*)
28. 4. θελήσει αὐτὸ καταπιεῖν (1 *a*)
— 7. κατεπόθησαν [A S *om.*] διὰ τὸν οἶνον (1 *b*)
49. 19. μακρυνθήσονται ἀπὸ σοῦ οἱ καταπίνοντές σε (1 *c*)
Je. 28 (51). 34. βασιλεὺς Βαβυλῶνος κατέπιέ με (1 *a*)
— 44. ἃ κατέπιεν ἐκ τοῦ στόματος αὐτῆς (1 *f*)
La. 2. 16. κατεπίομεν [B^2 S -απ., S -ωμεν] αὐτήν (1 *c*)
3. 49. ὁ ὀφθαλμός μου κατεπόθη (3)

[Aq. Jb. 6. 3 : Pr. 20. 25 : Hb. 1. 13.]
[Sm. Jb. 39. 24 : Ps. 51 (52). 6 : 54 (55). 10 : Is. 25. 7, 8 : Hb. 1. 13.]
[Th. Ps. 57 (58). 10 : Is. 25. 7, 8 : Hb. 1. 13.]
[Al. Jb. 37. 20.]

καταπίπτειν. (1) נָפַל (2) עָצַב ni.

Ne. 8. 11. καὶ μὴ καταπίπτετε (2)
Jb. 15. 23. A καταπίπτει δὲ εἰς ἐξάλειψιν –
Ps. 144 (145). 14. ὑποστηρίζει κύριος πάντας τοὺς καταπίπτοντας (1)
Wi. 7. 3. ἐπὶ τὴν ὁμοιοπαθῆ κατέπεσον [S -σα] γῆν
13. 16. ἵνα μὲν οὖν μὴ καταπέσῃ προενόησεν αὐτοῦ
17. 16. ὃς δήποτ' οὖν ἦν ἐκεῖ καταπίπτων
Is. 49. 19. τὰ κατεφθαρμένα [A S^3 διεφθ.] καὶ τὰ πεπτωκότα [S^1 κατεπτ.] †
III Ma. 2. 20. ἐν στόματι τῶν καταπεπτωκότων
IV Ma. 4. 11. καταπεσών γε τοι ἡμιθανὴς ὁ Ἀπ.

καταπιστεύειν. (1) אָמַן hi.

Mi. 7. 5. μὴ καταπιστεύετε ἐν φίλοις (1)

καταπλάσσειν. (1) טָרַח hi. (2) טָרַח

Jb. 37. 11. ἐκλεκτὸν καταπλάσσει [A S^2 -ήσσει] νεφέλη (1)
Is. 38. 21. τρῖψον καὶ κατάπλασαι (2)

[Th. Jb. 37. 11†.]

καταπληγμός.

Si. 21. 4. καταπληγμὸς [B^2 κακῶν πλῆθος] καὶ ὕβρις ἐρημώσουσι πλοῦτον

καταπληκτικός.

[Sext. Ca. 6. 9 (10).]

κατάπληξις. (1) אֵימָה
II Es. 3. 3. **AR** ὅτι ἐν καταπλήξει ἐπ' αὐτούς (1)
[**Aq.**, **Sm.** Ex. 23. 27.]

καταπλήσσειν. (1) בָּעַת pi. (2) טָרַח hi.
Jo. 5. 1. καὶ κατεπλάγησαν –
Jb. 7. 14. ἐν ὁράμασί με καταπλήσσεις (1)
13. 21. ὁ φόβος σου μή με καταπλησσέτω (1)
37. 11. **A** S^2 ἐκλεκτὸν καταπλήσσει [**B** S^1 -άσσει] νεφέλη (2)
II Ma. 3. 24. καταπλαγέντας τὴν τοῦ θεοῦ δύναμιν
8. 16. **R** μὴ καταπλαγῆναι τοὺς πολεμίους [**A** τοῖς δεσμίοις]
15. 24. καταπλαγείσαν οἱ μετὰ βλασφημίας παραγενόμενοι
III Ma. 1. 9. καὶ τῇ σπουδαιότητι . . . καταπλαγείς
2. 23. ὑπερβάλλοντι καταπεπληγμένοι φόβῳ
5. 27. **R** τοῦ δὲ . . . καταπλαγέντος ἐπὶ τῇ παρανόμῳ [**A** ἀν.] ἐξόδῳ
IV Ma. 16. 17. **AR** ὑμᾶς δὲ τοὺς νεωτέρους καταπλαγῆναι τὰς βασάνους [**S** *al.*]
[**Aq.** Je. 48 (31). 37.]
[**Sm.** Jb. 40. 18 (23): Ez. 2. 6.]
[**Th.** Jb. 37. 11†.]

κατάπλους.
III Ma. 4. 10. ὅπως . . . ἀγωγὴν . . . ἐν παντὶ τῷ κ. λαμβάνωσι

καταπολεμεῖν. (1) לָחַם ni.
Jo. 10. 25. οὓς ὑμεῖς καταπολεμεῖτε αὐτούς (1)

κατάπομα.
[**Aq.**, **Sm.** Je. 51 (28). 44.]

καταπονεῖν.
II Ma. 8. 2. **A** τὸν ὑπὸ πάντων καταπονούμενον [**R** -πατούμ.] λαόν
III Ma. 2. 2. πρόσχες ἡμῖν καταπονουμένοις
— 13. διὰ τὰς. . . . ἡμῶν ἁμαρτίας καταπονούμεθα
[**Al.** Jb. 39. 16.]

καταπόνησις.
[**Sm.** Ex. 3. 7: Ps. 31 (32). 10.]

κατάπονος.
III Ma. 4. 14. **R** τὴν . . . τῶν ἔργων κ. [**A** κατάτροπον] λατρείαν

καταποντίζειν. (1) בָּלַע pi. (2) טָבַע pu. (3) שָׁטַף
Ex. 15. 4. **A** κατεπόντισεν [**B** -πόθησαν] ἐν ἐρυθρᾷ θαλ. (2)
II Ki. 20. 19. ἵνα τί καταποντίζεις κληρονομίαν κυρίου (1)
— 20. ἵλεώς μοι εἰ καταποντιῶ (1)
Ps. 54 (55). 9. καταπόντισον, κύριε, . . . τὰς γλώσσας αὐτῶν (1)
68 (69). 2. καταιγὶς κατεπόντισέ με (3)
— 15. μή με καταποντισάτω καταιγὶς ὕδατος (3)
123 (124). 4. ἄρα τὸ ὕδωρ ἂν κατεπόντισεν ἡμᾶς (3)
Ec. 10. 12. χείλη ἄφρονος καταποντιοῦσιν [**A S** -ίσουσιν] αὐτόν (1)
La. 2#2. ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς αὐτοῦ κατεπόντισε κύριος (1)
— 5. κατεπόντισεν Ἰσραὴλ κατεπόντισε τὰς βάρεις αὐτῆς (1, 1)
[**Aq.** Jb. 2. 3: 10. 8: Pr. 19. 28: Is. 25. 7, 8.]
[**Sm.** Is. 25. 7.]
[**Th.** Jb. 10. 8: Pr. 19. 28.]
[**Al.** Ps. 105 (106). 11.]

καταποντισμός. (1) בָּלַע
Ps. 51 (52). 4. ἠγάπησας πάντα τὰ ῥήματα καταποντισμοῦ (1)

καταπορεύεσθαι.
II Ma. 11. 30. τοῖς οὖν καταπορευομένοις μέχρι τριακάδος Ξανθ.
III Ma. 4. 11. πᾶσι τοῖς καταπορευομένοις εἰς τὴν πόλιν

κατάποσις.
[**Aq.** Pr. 23. 2.]

καταπραΰνειν. (1) שָׁבַת pi. (2) שָׁקַט *a.* qal. *b.* hi.
Ps. 82 (83). 1. μηδὲ καταπραΰνῃς ὁ θεός (2 *a*)
88 (89). 9. τὸν δὲ σάλον . . . σὺ καταπραΰνεις (1)
Pr. 15. 18. μακρόθυμος δὲ καὶ τὴν μέλλουσαν καταπραΰνει (2 *b*)
II Ma. 13. 26. συνέπεισε καὶ κατεπράϋνεν
[**Sm.** Pr. 29. 11.]
[**Th.**, **Quint.** Ps. 64 (65). 8.]

καταπρίειν.
Da. LXX. Su. 59. ἵνα καταπρίσῃ σε

καταπροδιδόναι.
IV Ma. 2. 10. μὴ καταπροδιδοὺς τὴν ἀρετὴν δι' αὐτούς

καταπρονομεύειν. (1) שָׁבָה (2) שָׁסַס
Nu. 21. 1. κατεπρονόμευσεν [**A** -αν] ἐξ αὐτῶν αἰχμαλωσίαν (1)
Jd. 2. 14. κατεπρονόμευσαν [**A** ἐπρον.] αὐτούς (2)

καταπτήσσειν. (1) מוּג ni. (2) פָּחַד pi.
Jo. 2. 24. **A** B^1 κατέπτηκεν [B^3 **R** -χε] πᾶς . . . ἀφ' ἡμῶν (1)
Pr. 24. 65 (30. 30). οὐδὲ καταπτήσσει κτῆνος –
28. 14. ὃς καταπτήσσει πάντα (2)
29. 9. ἀνὴρ δὲ φαῦλος ὀργιζόμενος καταγελᾶται καὶ οὐ καταπτήσσει †
Si. 35 (32). 18. ὑπερήφανος οὐ καταπτήξει φόβον
[**Aq.** Hb. 2. 17.]

καταπτύρεσθαι.
[**Aq.** Ge. 41. 8.]

κατάπτωμα. (1) פֶּרֶץ
Ps. 143 (144). 14. οὐκ ἔστι κατάπτωμα φραγμοῦ (1)

κατάπτωσις.
Si. 32 (35). 15. **S** ἡ κ. [**A B** -βόησις] ἐπὶ τῷ καταγαγόντι αὐτά
III Ma. 2. 14. ἐν δὲ τῇ ἡμετέρᾳ κ.

κατάρα. (1) אָלָה (2) בְּהָלָה (3) מְאֵרָה (4) קְבָב (5) קְלָלָה (6) שִׁסְמָה
Ge. 27. 12. ἐπάξω ἐπ' ἐμαυτὸν κατάραν (5)
— 13. ἐπ' ἐμὲ ἡ κ. σου (5)
Nu. 23. 25. οὔτε κατάραις καταράσῃ μοι (4)
De. 11. 26. τὴν εὐλογίαν καὶ τὴν κ. (5)
— 28. **B** καὶ αἱ κ. [**A** τὰς κ., **R** τὴν κ.] (5)
— 29. καὶ τὴν κ. ἐπ' ὄρος Γαιβάλ (5)
23. 5 (6). μετέστρεψε κύριος ὁ θεός σου τὰς κ. (5)
27. 13. οὗτοι στήσονται ἐπὶ τῆς κ. (5)
28. 15, 45. ἐλεύσονται ἐπὶ σὲ πᾶσαι αἱ κ. αὗται (5)
29. 27 (26). κατὰ πάσας τὰς κ. [**A** *al.*] (5)
30. 1. ἡ εὐλογία καὶ ἡ [B^1 εὐ. ἡ] κ. (5)
— 19. τὴν εὐλογίαν καὶ τὴν κ. (5)
Jo. 9. 2 (8. 34). τὰς εὐλογίας καὶ τὰς κ. (5)
Jd. 9. 57. ἐπῆλθεν ἐπ' αὐτοὺς ἡ κ. Ἰωάθαμ (5)
II Ki. 16. 12. ἀγαθὰ ἀντὶ τῆς κ. αὐτοῦ [**A** ταύτης] (5)
III Ki. 2. 8: 3. 1 (2. 35). κατηράσατό με κ. ὀδυνηράν (5)
IV Ki. 22. 19, τοῦ εἶναι . . . εἰς κατάραν (5)
Ne. 13. 2. **BS** ἔστρεψεν [**AR** ἐπέστρ.] . . . τὴν κ. εἰς εὐλογίαν (5)
Jb. 31. 30. ἀκούσαι ἄρα τὸ οὖς μου τὴν κ. μου (1)
Ps. 108 (109). 17. ἠγάπησε κατάραν καὶ ἥξει αὐτῷ (5)
— 18. ἐνεδύσατο κατάραν ὡς ἱμάτιον (5)
Pr. 3. 33. κατάρα θεοῦ ἐν οἴκοις ἀσεβῶν (3)
Si. 3. 9. κατάρα δὲ μητρὸς ἐκριζοῖ θεμέλια
23. 26. καταλείψει [**A** -ψις] εἰς κατάραν τὸ μνημόσυνον αὐτῆς
29. 6. κατάρας καὶ λοιδορίας ἀποδώσει αὐτῷ
41. 9. ἐὰν γεννηθῆτε εἰς κατάραν γεννηθήσεσθε καὶ ἐὰν ἀποθάνητε εἰς κατάραν μεριεσθήσεσθε
— 10. οὕτως ἀσεβεῖς ἀπὸ κατάρας εἰς ἀπώλειαν
Za. 8. 13. ὃν τρόπον ἦτε ἐν κατάρᾳ (5)
Ma. 2. 2. καὶ ἐξαποστελῶ ἐφ' ὑμᾶς τὴν κατάραν (3)
Is. 64. 10 (9). Σ. ὡς ἔρημος ἐγενήθη Ἱερουσαλὴμ εἰς κατάραν (6)
65. 23. οὐδὲ τεκνοποιήσουσιν [**A** τέκνα π.] εἰς κατάραν (2 ?)
Je. 24. 9. **AR** ἔσονται [**BS** *om.*] . . . εἰς κατάραν (5)
29 (49). 13. **A S** εἰς κατάραν [**B** -ρασιν] ἔσῃ ἐν μέσῳ αὐτῆς (5)
33 (26). 6. τὴν πόλιν δώσω εἰς κατάραν (5)
36 (29). 22. λήψονται ἀπ' [**A** ἐπ'] αὐτῶν κατάραν (5)
51 (44). 8. ἵνα γένησθε εἰς κατάραν (5)
— 12. ἔσονται . . . εἰς κατάραν (5)
Da. LXX., TH. 9. 11. ἐπῆλθεν ἐφ' ἡμᾶς ἡ κ. (1)
[**Aq.** Dt. 21. 23: Pr. 26. 2: Is. 8. 21: Je. 25. 18 (32. 4).]
[**Sm.** Ps. 88 (89). 40: Pr. 26. 2.]
[**Th.** Dt. 21. 23: Pr. 26. 2: Is. 8. 21: Je. 25. 18 (32. 4).]
[**Al.** Ps. 9. 28 (10. 7).]

καταράκτης, *vid.* **καταρράκτης.**

καταρᾶσθαι. (1) אָרַר *a.* qal. *b.* pi. *c.* hoph. (2) בָּעַת pi. (3) זָעַם (4) נָקַב (5) קָבַב (6) *a.* קָלַל pi. *b.* pu. *c.* קְלָלָה
Ge. 5. 29. γῆς ἧς κατηράσατο κύριος (1 *b*)
8. 21. **R** οὐ προσθήσω ἔτι καταράσασθαι [**A** τοῦ κ.] τὴν γῆν (6 *a*)
12. 3. τοὺς καταρωμένους σε καταράσομαι (6 *a*, 1 *a*)
27. 29. ὁ καταρώμενός σε ἐπικατάρατος (1 *a*)
Le. 24. 11. ἐπονομάσας . . . τὸ ὄνομα κατηράσατο (6 *a*)
— 14. ἐξάγαγε τὸν καταρασάμενον (6 *a*)
— 15. ὃς ἐὰν καταράσηται θεόν (6 *a*)
— 23. ἐξήγαγον τὸν καταρασάμενον (6 *a*)
Nu. 22. 6. **A** κατάρασαί [**B** ἄρ.] μοι τὸν λαὸν τοῦτον (1 *a*)
— 6. οὓς ἂν καταράσῃ σὺ κεκατήρανται (1 *a*, 1 *c*)
— 12. οὐδὲ καταράσῃ τὸν λαόν (1 *a*)
23. 8. **B** ὃν μὴ καταρᾶται [**AR** ἀρ.] κύριος (5)
— 8. ἢ τί καταράσωμαι [**A** -σομαι] ὃν μὴ καταρᾶται ὁ θεός (3, 3)
— 13. κατάρασαί μοι αὐτὸν ἐκεῖθεν (5)
— 25. οὔτε κατάραις καταράσῃ μοι αὐτόν (4)
— 27. κατάρασαί μοι αὐτὸν ἐκεῖθεν (5)
24. 9. **AR** οἱ καταρώμενοί σε κεκατήρανται [**B** κατ.] (1 *a*, 1 *a*)
— 10. καταρᾶσθαι [**A** -ράσασθαι] τὸν ἐχθρόν μου (5)
De. 21. 23. **AR** κεκατηραμένος [**B** -αρ.] ὑπὸ θεοῦ πᾶς κρεμάμενος (6 *c*)
28. 4 (5). **AR** ἐμισθώσαντο . . . καταρᾶσθαί [**A** -ράσασθαί] σε [**B** *om.*] (6 *a*)
Jd. 5. 23. καταρᾶσθαι [**A** -αράσαιαι] **M.**, εἶπεν ἄγγελος κυρίου, καταρᾶσθε [**A** καταράσει καταράσασθε] (1 *a*, 1 *a*)
9. 27. κατηράσαντο [**A** -ρῶντο] τὸν Ἀβ. (6 *a*)
I Ki. 17. 43. κατηράσατο ὁ ἀλλόφυλος τὸν Δαυίδ (6 *a*)
II Ki. 16. 5. ἐκπορευόμενος καὶ καταρώμενος (6 *a*)
— 7. ἐν τῷ καταρᾶσθαί αὐτόν (6 *a*)
— 9. ἵνα τί καταρᾶται ὁ κύων . . . τὸν κύριόν μου (6 *a*)
— 10. καὶ οὕτως καταράσθω ὅτι κύριος εἶπεν αὐτῷ καταρᾶσθαι τὸν Δ. (6 *a*, 6 *a*)
— 11. ἄφετε αὐτὸν καταρᾶσθαι [**A** -θω, B^2 -σαι] (6 *a*)
— 13. πορευόμενος καὶ καταρώμενος (6 *a*)
19. 21 (22). κατηράσατο τὸν χριστὸν κυρίου (6 *a*)
III Ki. 2. 8. κατηράσατό με κατάραν ὀδυνηράν (6 *a*)
3. 1 (2. 8). κατηράσατό με κατάραν ὀδυνηράν (6 *a*)
IV Ki. 2. 24. κατηράσατο αὐτοῖς ἐν ὀνόματι κ. (6 *a*)
9. 34. ἐπισκέψασθε δὴ τὴν κατηραμένην ταύτην (1 *a*)
Ne. 10. 29 (30). καὶ [**S** *om.*] κατηράσαντο αὐτούς † (6 *a*)
13. 2. ἐμισθώσαντο . . . τὸν Β. καταράσασθαι
— 25. **A S R** καὶ κατηρασάμην [**B** ἐκαταρ.] αὐτούς (6 *a*)
Jb. 3. 1. κατηράσατο τὴν ἡμέραν αὐτοῦ (6 *a*)
— 5. **B** καταραθείη ἡ ἡμέρα [**A** S^2 ἡ. ἐκείνη] (2 ?)
— 8. καταράσαιτο αὐτὴν [**A** -ρασε τοιαύτην] ὁ καταρώμενος τὴν ἡμέραν ἐκείνην (4, 1 *a*)
24. 18. καταραθείη ἡ μερὶς αὐτῶν ἐπὶ γῆς (6 *b*)
Ps. 36 (37). 22. οἱ δὲ καταρώμενοι αὐτὸν ἐξολεθρευθήσονται (6 *b*)
61 (62). 4. τῇ καρδίᾳ αὐτῶν κατηρῶντο (6 *a*)
108 (109). 28. καταράσονται αὐτοί (6 *a*)
Pr. 24. 33 (30. 10). μή ποτε καταράσηταί σε (6 *a*)
— 34 (30. 11). ἔκγονον κακὸν πατέρα καταρᾶται [A^1 -ρήσηται] (6 *a*)
27. 14. καταρωμένου οὐδὲν διαφέρειν δόξει (6 *c*)
Ec. 7. 22 (21). ὅπως μὴ ἀκούσῃς τοῦ δούλου σου καταρωμένου σε (6 *a*)
— 23 (22). ὡς καί γε σὺ κατηράσω ἑτέρους (6 *a*)
10. 20. βασιλέα μὴ καταράσῃ (6 *a*)
— 20. μὴ καταράσῃ πλούσιον (6 *a*)
Wi. 12. 11. σπέρμα γὰρ ἦν κατηραμένον [**S** κεκατ.] ἀπ' ἀρχῆς
Si. 3. 16. κεκατηραμένος ὑπὸ [**A** παρὰ] κυρίου ὁ παροργίζων μητέρα αὐτοῦ
4. 5. μὴ δῷς τόπον ἀνθρώπῳ καταράσασθαί σε
— 6. καταρωμένου γάρ σε ἐν πικρίᾳ ψυχῆς αὐτοῦ

Si. 21. 27. ἐν τῷ καταρᾶσθαι [A -ράσασθαι] ἀσεβῆ τὸν Σατανᾶν αὐτὸς καταρᾶται τὴν ἑαυτοῦ ψυχήν
23. 14. τὴν ἡμέραν τοῦ τοκετοῦ σου καταράσῃ [A *om.*, B[1] μὴ κ.]
28. 13. ψίθυρον καὶ δίγλωσσον καταρᾶσθαι [A -άσασθε, S[1] -άσασθαι]
31 (34). 24. εἰς εὐχόμενος καὶ εἰς καταρώμενος
36 (33). 12. ἀπ' αὐτῶν κατηράσατο
Ma. 2. 2. καὶ καταράσομαι αὐτήν (1 *a*)
Je. 15. 10. ἡ ἰσχύς μου ἐξέλιπεν ἐν τοῖς καταρωμένοις με (6 *a*)
Ep. Je. 66. οὐ μὴ καταράσωνται [A -σονται]
[Aq. Jd. 9. 27: Jb. 5. 3: Pr. 11. 26: Je. 15. 10.]
[Sm. Is. 8. 21: Je. 15. 10.]
[Th. Jd. 5. 23: II Ki. 16. 10: Je. 15. 10.]
[Al. Le. 19. 14: 20. 9: 24. 11: Jo. 6. 26: I Ki. 3. 13: Jb. 2. 9.]

κατάρασις. (1) אָרַר (2) קָבַב (3) קְלָלָה

Nu. 23. 11. εἰς κατάρασιν ἐχθρῶν μου (2)
Jd. 5. 23. A καταράσει καταρᾶσθε τοὺς ἐνοίκους [B *al.*] (1)
Je. 29 (49). 13. εἰς κατάρασιν [A S -ραν] ἔσῃ ἐν μέσῳ αὐτῆς (3)
[Th. Jd. 5. 23.]

καταράσσειν. (1) אָרַב (2) הָלַם (3) טוּל hoph. (4) כָּפַף (5) מָנַר pi. (6) שָׁלַךְ hi.

Ps. 36 (37). 24. ὅταν πέσῃ οὐ καταραχθήσεται (3)
73 (74). 6. ἐν πελέκει . . . κατέρραξαν αὐτήν (2)
88 (89). 44. τὸν θρόνον αὐτοῦ εἰς τὴν γῆν κατέρραξας (5)
101 (102). 10. ἐπάρας κατέρραξάς με (6)
144 (145). 14. ἀνορθοῖ πάντας τοὺς κατεραγμένους (4)
145 (146). 8. κύριος ἀνορθοῖ κατερραγμένους (4)
Wi. 17. 4. A B[2] R ἦχοι δὲ καταράσσοντες [B[1] ἐκταράσσοντες, S ταράσσοντες] αὐτοὺς περιεκόμπουν
Si. 46. 6. κατέρραξεν ἐπ' ἔθνος πόλεμον
Ho. 7. 6. ἐν τῷ καταράσσειν αὐτοὺς ὅλην τὴν νύκτα (1)
[Th. Jb. 18. 7.]

κατάρατος.

II Ma. 12. 35. τὸν κ. λαβεῖν ζωγρίαν
IV Ma. 4. 5. A R μετὰ τοῦ κ. Σίμωνος . . . προσελθών [S προελ.]

καταργεῖν. (1) בָּטַל pa.

II Es. 4. 21. καταργῆσαι τοὺς ἄνδρας ἐκείνους (1)
— 23. καὶ κατήργησαν αὐτούς (1)
5. 5. καὶ οὐ κατήργησαν αὐτούς (1)
6. 8. δαπάνη ἔστω διδομένη . . . τὸ μὴ καταργηθῆναι (1)
[Sm. Ec. 12. 3.]
[Al. Le. 26. 15, 44.]

κατάργησις.

[Sm. La. 1. 7.]

καταργυροῦν. (1) חָשַׁק pu.

Ex. 27. 17. πάντες οἱ στῦλοι . . . κύκλῳ κατηργυρωμένοι (1)

καταρεμβεύειν. (1) נוּעַ hi.

Nu. 32. 13. A καὶ κατερέμβευσεν [B -ρόμβ.] αὐτούς (1)

καταριθμεῖν. (1) יָחַשׁ hithp. (2) מָלֵא (3) מִסְפָּר

Ge. 50. 3. καταριθμοῦνται αἱ ἡμέραι τῆς τάφης (2)
Nu. 14. 29. καὶ οἱ κατηριθμημένοι ὑμῶν (3)
II Ch. 31. 19. καὶ παντὶ καταριθμουμένῳ ἐν τοῖς Λευίταις (1)
[Th. Ho. 4. 14.]

καταρομβεύειν. (1) נוּעַ hi.

Nu. 32. 13. καὶ κατερόμβευσεν [A -ρέμβ.] αὐτούς (1)

καταρράκτης (-αράκ.). (1) אֲרֻבָּה (2) מַהֲפֶכֶת (3) צִנּוֹר (4) קָאַת (5) צִנָּה (6) שָׁלַךְ

Ge. 7. 11. οἱ κ. τοῦ οὐρανοῦ ἠνεῴχθησαν (1)
8. 2. R ἐπεκαλύφθησαν [A ἀπ.] . . . οἱ κ. τοῦ οὐρανοῦ (1)
Le. 11. 17. ταῦτα ἃ βδελύξεσθε . . . καταράκτην (6)
De. 14. 17. ταῦτα οὐ φάγεσθε . . . καταράκτην (5)
IV Ki. 7. 2. ποιήσει κύριος καταράκτας ἐν οὐρανῷ (1)
— 19. κύριος ποιεῖ καταράκτας ἐν τῷ οὐρανῷ (1)
Ps. 41 (42). 7. εἰς φωνὴν τῶν κ. σου (4)
Ma. 3. 10. ἐὰν μὴ ἀνοίξω ὑμῖν τοὺς κ. τοῦ οὐρ. (1)
Je. 20. 2. ἐνέβαλεν αὐτὸν εἰς τὸν κ. (2)
— 3. ἐξήγαγε Πασχὼρ τὸν Ἱερεμίαν ἐκ τοῦ κ. (2)
36 (29). 26. δώσεις αὐτὸν . . . εἰς τὸν κ. (3)
[Aq. Is. 60. 8: Ho. 13. 3.]
[Th. Je. 20. 2.]

καταρρεῖν. (1) אָבַב hi. (2) יָרַד hi. (3) נָבַל

I Ki. 2. 33. καὶ καταρρεῖν τὴν ψυχὴν αὐτοῦ (1)
21. 13 (14). τὰ σίελα αὐτοῦ κατέρρει (2)
Je. 8. 13. τὰ φύλλα κατερρύηκεν (3)
II Ma. 12. 16. A[2] καταρρεῖν [A[1] -εῖ] τὸ αἷμα [R κατάρρυτον αἵματι] πεπληρωμένην φαίνεσθαι
IV Ma. 6. 6. κατερρεῖτο τῷ αἵματι
[Aq. Is. 64. 1 (63. 19).]
[Sm. Ps. 42 (43). 5: 132 (133). 2 *bis*: Is. 64. 1 (63. 19): Je. 13. 17.]

καταρρηγνύναι. (1) בָּקַע *a.* ni. *b.* pu.

Jo. 9. 4. ἀσκοὺς οἴνου . . . κατερρωγότας ἀποδεδεμένους (1 *b*)
Jb. 32. 19. A ὥσπερ φυσητὴρ [S -ὴς] χαλκέως δεδεμένος καὶ κατερρηγώς [B S[2] χ. ἐρρηγώς, S[1] χ.] (1 *a*)
Pr. 27. 9. καταρρήγνυται δὲ ὑπὸ συμπτωμάτων ψυχή †

καταρρίπτειν. (1) שָׁלַךְ hi.

Wi. 17. 19. κτύπος ἀπηνὴς καταρριπτομένων πετρῶν
La. 2. 1. κατέρριψεν . . . δόξασμα Ἰσρ. (1)
[Sm. Ps. 73 (74). 6: Is. 24. 4.]
[Th. Is. 24. 4.]

κατάρροια.

[Aq. Ps. 77 (78). 44: 125 (126). 4.]

καταρροφᾶν.

[Sm. Jb. 39. 30.]

κατάρρυτος.

II Ma. 12. 16. R λίμνην . . . κατάρρυτον αἵματι πεπληρωμένην φαίνεσθαι [A *al.*]

καταρτίζειν. (1) חוּל pil. (2) יָסַד pi. (3) כּוּן *a.* ni. *b.* pil. *c.* hi. (4) כָּלַל schaph. *a.* act. *b.* pass. (5) כָּנַן (6) פָּעַל (7) שָׁוָה pi. (8) שָׁת (9) תָּמַךְ

Ex. 15. 17. R κατοικητήριόν σου ὃ κατηρτίσω [A -ειργάσω] (6)
II Es. 4. 12. καὶ τὰ τείχη αὐτῆς κατηρτισμένοι εἰσι (4 *a*)
— 13. καὶ τὰ τείχη αὐτῆς καταρτισθῶσι [A -ίσωσιν] (4 *b*)
— 16. καὶ τὰ τείχη αὐτῆς καταρτισθῇ (4 *b*)
5. 3. καὶ τὴν χορηγίαν ταύτην καταρτίσασθαι (4 *a*)
— 9. A R τὴν χορηγίαν ταύτην καταρτίσασθαι [B καὶ κατ.] (4 *a*)
— 11. καὶ κατηρτίσατο αὐτὸν αὐτοῖς (4 *a*)
6. 14. καὶ κατηρτίσαντο ἀπὸ γνώμης θεοῦ (4 *a*)
Ps. 8. 2. ἐκ στόματος νηπίων . . . κατηρτίσω αἶνον (2)
10 (11). 4. ἃ κατηρτίσω καθεῖλον (8)
16 (17). 5. κατάρτισαι τὰ διαβήματά μου ἐν ταῖς τρίβοις σου (9)
17 (18). 33. ὁ [S *om.*] καταρτιζόμενος [A -ζων] τοὺς πόδας μου (7)
28 (29). 9. φωνὴ κυρίου καταρτιζομένου [B[3] S[2] -νη] ἐλάφους (1)
39 (40). 6. σῶμα δὲ κατηρτίσω μοι †
67 (68). 9. σὺ δὲ κατηρτίσω αὐτήν (3 *b*)
— 28. τοῦτο ὃ κατηρτίσω [S[2] -ειργάσω] ἡμῖν (6)
73 (74). 16. σὺ κατηρτίσω ἥλιον καὶ σελήνην [S[2] *al.*] (3 *c*)
79 (80). 15. καὶ κατάρτισαι αὐτήν (5)
88 (89). 37. καὶ ὡς ἡ σελήνη κατηρτισμένη εἰς τὸν αἰῶνα (3 *a*)
[Th. Ps. 39 (40). 7.]
[Quint., Sext. Ps. 39 (40). 7: 73 (74). 16.]

καταρτισμός.

[Sm. Is. 38. 12.]

κατάρχειν. (1) *a.* מָשַׁל *b.* מָמְשָׁלָה (2) רָדָה (3) שָׁרַר hithpa.

Nu. 16. 13. ὅτι κατάρχεις ἡμῶν (3)
III Ki. 9. 19 (A), 10. 22 (B). τοῦ μὴ κατάρξαι αὐτοῦ (1 *b*)
12. 24. B κατάρξω ὑμᾶς ἐν σκορπίοις –
Ne. 9. 28. καὶ κατῆρξαν ἐν αὐτοῖς (2)
Jl. 2. 17. τοῦ κατάρξαι αὐτῶν ἔθνη [S[1] *al.*] (1 *a*)
Na. 1. 12. κύριος κατάρχων ὑδάτων πολλῶν †
Za. 6. 13. καὶ κατάρξει [S[1] -άξει] ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐτοῦ (1 *a*)
9. 10. κατάρξει [S[1] κατάξει] ὑδάτων (1 *a*)
II Ma. 1. 23. καὶ πάντες καταρχομένου Ἰωνάθου
4. 40. κατήρξατο χειρῶν ἀδίκων
12. 37. καταρξάμενος . . . τὴν μεθ' ὕμνων κραυγήν

καταρχή (?).

Wi. 17. 8. δείματα καὶ ταραχάς [S[1] καταρχάς ?]

κατασβεννύναι. (1) שָׁקַם hi.

Pr. 15. 18. μακρόθυμος ἀνὴρ κατασβέσει κρίσεις (1)
28. 2. ἀνὴρ δὲ πανοῦργος κατασβέσει αὐτάς †
IV Ma. 16. 4. κατέσβεσε τοσαῦτα καὶ τηλικαῦτα πάθη ἡ μήτηρ

κατασείειν.

Da. TH. Bel 14. A R κατέσεισαν [B -σησαν] ὅλον τὸν ναόν
I Ma. 6. 38. κατασείοντες καὶ καταφρασσόμενοι
[Th. Da. 14. 13†.]

κατασήθειν (?).

Da. TH. Bel 14. B κατέσησαν [A R -έσεισαν] ὅλον τὸν ναόν
[Th. Da. 14. 13†.]

κατασιγᾶν. (1) הָמָה

Ez. 27. 33. A τίς ὥσπερ Τύρος κατασιγηθεῖσα (1 ?)
[Sm. Is. 38. 10.]
[Th. Ez. 27. 32 *bis*.]

κατασιωπᾶν. (1) הָסָה hi. (2) חָשָׁה hi. (3) נָשָׁה hi.

Nu. 13. 31 (30). κατεσιώπησε Χάλεβ τὸν λαόν (1)
Ne. 8. 11. A R κατεσιώπων πάντα [B S *om.*] τὸν λαόν (2)
Jb. 37. 20. ἵνα ἄνθρωπον ἐστηκὼς κατασιωπήσω †
39. 17. κατεσιώπησεν [S[1] -έπηξεν] αὐτῇ ὁ θεὸς σοφίαν (3)
[Aq. Ho. 10. 15.]
[Sm. Ps. 87 (88). 17.]
[Th. Jb. 39. 17.]

κατασκάπτειν. (1) אָבַד pi. (2) גָּדַע ni. (3) הָרַס *a.* qal. *b.* ni. *c.* הָרִיסָה (4) יָצַת ni. (5) נָתַץ *a.* qal. *b.* pi. *c.* pu. (6) עָרַף (7) עָרַר *a.* pil. *b.* hithpal. (8) פָּרַץ (9) שָׁחַת pi.

De. 12. 3. κατασκάψατε [B[1] -σκέψ.] τοὺς βωμοὺς αὐτῶν (5 *b*)
Jd. 6. 28. A κατεσκαμμένον [B καθῃρητο] τὸ θυσιαστήριον (5 *c*)
— 30, 31. A κατέσκαψεν [B καθεῖλε] τὸ θυσιαστήριον (5 *a*)
— 32. A κατέσκαψεν [B καθῃρέθη] τὸ θυσιαστήριον (5 *a*)
8. 9. κατασκάψω τὸν πύργον τοῦτον (5 *a*)
— 17. A τὸν πύργον Φ. κατέσκαψεν [B -έστρεψε] (5 *a*)
III Ki. 18. 32 (A 31). τὸ θυσιαστηριον [A θ. κυρίου] τὸ κατεσκαμμένον (3 *a*)
19. 10. τὰ θυσιαστήριά σου κατέσκαψαν (3 *a*)
IV Ki. 21. 3. A ἃ κατέσκαψεν [B -έσπασεν] Ἐζ. (1)
I Ch. 20. 1. καὶ κατέσκαψεν αὐτήν (3 *a*)
II Ch. 32. 5. πᾶν τὸ τείχος τὸ κατεσκαμμένον [A -εσπασμένον] (8)
36. 19. κατέσκαψε τὸ τείχος Ἱερ. (5 *b*)
To. 14. 4. A ὅτι κατασκαφήσεται [B S *al.*]
Ju. 2. 24. A S κατέσκαψεν [B διέσκ.] πάσας τὰς πόλεις

Ju. 3. 8. κατέσκαψε πάντα τὰ ὄρια αὐτῶν
Pr. 11. 11. στόμασι δὲ ἀσεβῶν κατεσκάφη (3 *b*)
14. 1. ἡ δὲ ἄφρων κατέσκαψε [A -έστρεψεν] (3 *a*)
24. 46 (31). οἱ δὲ φραγμοὶ . . . κατασκάπτονται (3 *b*)
29. 4. ἀνὴρ δὲ παράνομος κατασκάπτει (3 *a*)
Ho. 10. 2. αὐτὸς κατασκάψει τὰ θυσιαστήρια (6)
Am. 3. 14. καὶ κατασκαφήσεται τὰ κέρατα (2)
9. 11. τὰ κατεσκιμμένα [A κατεστραμμένα] αὐτῆς ἀναστήσω (3 *c*)
Jl. 1. 17. κατεσκάφησαν ληνοί (3 *b*)
Je. 1. 10. ἐκριζοῦν καὶ κ. (3 *a*)
2. 15. αἱ πόλεις αὐτοῦ κατεσκάφησαν (4)
5. 10. κατασκάψατε [S -ετε] συντέλειαν δὲ μὴ ποιήσητε (9)
27 (50). 15. κατεσκάφη τὸ τεῖχος αὐτῆς (3 *b*)
28 (51). 58. κατασκαπτόμενον κατασκαφήσεται (7 *a*, 7 *b*)
Ez. 13. 14. κατασκάψω τὸν τοῖχον (3 *a*)
16. 39. κατασκάψουσι τὸ πορνεῖόν σου (3 *a*)
36. 35. αἱ πόλεις . . . κατεσκαμμέναι ὀχυραὶ ἐκάθισαν (3 *b*)
II Ma. 14. 33. τὸ θυσιαστήριον κατασκάψω

κατασκεδαννύναι. (1) זָרַק

Ex. 24. 8. κατεσκέδασε τοῦ λαοῦ (1)

κατασκέπασμα.

[Al. Ex. 26. 36.]

κατασκεπαστός.

[Aq. Nu. 7. 3.]

κατασκέπτεσθαι (-ειν). (1) רָגַל pi. (2) תּוּר

a. qal. *b.* hi. *c.* יָתוּר *d.* עָבַר לָתוּר

Nu. 10. 33. κατασκέψασθαι αὐτοῖς ἀνάπαυσιν (2 *a*)
13. 3 (2). κατασκεψάσθωσαν τὴν γῆν τῶν Χαν. (2 *a*)
— 17 (16). κατασκέψασθαι τὴν γῆν (2 *a*)
— 18 (17). κατασκέψασθαι τὴν γῆν Χαναάν (2 *a*)
— 22 (21). κατεσκέψαντο [A¹ -ατο] τὴν γῆν (2 *a*)
— 24 (23). καὶ κατασκέψαντο αὐτήν –
— 26 (25). κατασκεψάμενοι τὴν γῆν (2 *a*)
— 33 (32). ἣν κατεσκέψαντο αὐτήν (2 *a*)
— 33 (32). ἣν παρήλθομεν αὐτὴν κατασκέψασθαι (2 *a*)
14. 6. τῶν κατασκεψαμένων τὴν γῆν (2 *a*)
— 7. ἣν κατεσκεψάμεθα αὐτήν (2 *d*)
— 34. ὅσας κατεσκέψασθε [B² ἐπεσκ.] τὴν γῆν (2 *a*)
— 36, 38. κατασκέψασθαι τὴν γῆν (2 *a*)
21. 32. κατασκέψασθαι τὴν Ἰαζήρ (1)
De. 12. 3. κατασκάψατε [B¹ -σκέψ.] τοὺς βωμούς †
Jo. 7. 2. κατασκέψασθε τὴν Γαί [A γῆν] (1)
— 2. καὶ κατεσκέψαντο τὴν Γ. [A γῆν Γ.] (1)
Jd. 1. 23. καὶ κατεσκέψαντο Β. [A *al.*] (2 *b*)
18. 2. τοῦ κατασκέψασθαι τὴν γῆν (1)
— 14, 17. κατασκέψασθαι τὴν γῆν (1)
II Ki. 10. 3. καὶ τοῦ κατασκέψασθαι αὐτήν (1 ?)
Jb. 39. 8. κατασκέψεται ὄρη νομὴν αὐτοῦ (2 *c*)
Ec. 1. 13. τοῦ κατασκέψασθαι ἐν τῇ σοφίᾳ (2 *a*)
2. 3. κατεσκεψάμην εἰ ἡ καρδία μου ἑλκύσει (2 *a*)
7. 26 (25). ἐκύκλωσα ἐγὼ . . . τοῦ κατασκέψασθαι (2 *a*)

[Th. Jb. 39. 8.]
[Al. Jd. 1. 23 : I Ch. 17. 17.]

κατασκευάζειν. (1) בָּרָא (2) חָרַשׁ (3) יָצַר

(4) כּוּן hithpa. (5) עָשָׂה (6) צָרַף

Nu. 21. 27. καὶ κατασκευασθῇ πόλις Σηών (4)
II Ch. 32. 5. καὶ κατεσκεύασεν ὅπλα πολλά (5)
I Es. 9. 42. ἐπὶ τοῦ ξυλίνου βήματος τοῦ κατασκευασθέντος
Pr. 6. 14. τεκταίνεται [B² κατασκευάζει] κακά (2)
23. 5. κατεσκεύασται γὰρ αὐτῷ πτέρυγες [S¹ -ας] (5)
Wi. 7. 27. φίλους θεοῦ καὶ προφήτας κατασκευάζει
9. 1. τῇ σοφίᾳ σου κατεσκεύασας [A S κατασκ.] ἄνθρωπον
11. 24. οὐδὲ γὰρ ἂν μισῶν τι κατεσκεύασας
13. 4. πόσῳ ὁ κατασκευάσας αὐτὰ δυνατώτερός ἐστιν
— 11. κατεσκεύασε χρήσιμον σκεῦος εἰς ὑπηρεσίαν ζωῆς
14. 2. τεχνῖτις δὲ σοφία κατεσκεύασεν
Is. 40. 19. ὁμοίωμα κατεσκεύασεν αὐτόν (6 ?)
— 28. ὁ θ. ὁ κατασκευάσας τὰ ἄκρα τῆς γῆς (1)
43. 7. ἐν γὰρ τῇ δόξῃ μου κατεσκεύασα αὐτόν (1)
45. 7. ἐγὼ ὁ κατασκευάσας φῶς (3)
Is. 45. 9. ποῖον βέλτιον κατεσκεύασα ὡς πηλὸν κεραμέως (3 ?)
Je. 26 (43). 9. A κατασκευάσατε [B S παρασκ.] τὰ ἅρματα †
Ba. 3. 32. ὁ κατασκευάσας τὴν γῆν
Ep. Je. 9. κατασκευάζουσι στεφάνους ἐπὶ τὰς κεφαλὰς τῶν θεῶν αὐτῶν
— 45. ὑπὸ τεκτόνων καὶ χρυσοχόων κατεσκευασμένα εἰσίν
— 46. αὐτοί τε οἱ κατασκευάζοντες αὐτὰ οὐ μὴ γένωνται πολυχρόνιοι πῶς τε δὴ μέλλει τὰ ὑπ' αὐτῶν κατασκευασθέντα [A *add.* εἶναι θεοί]
I Ma. 3. 29. ἧς κατεσκεύασεν ἐν τῇ γῇ
10. 6. καὶ κατασκευάζειν ὅπλα
— 21. καὶ κατεσκεύασεν ὅπλα πολλά
15. 3. κατεσκεύασα [S¹ -αν] πλοῖα πολεμικά
— 7. πάντα τὰ ὅπλα ὅσα κατεσκεύασας
III Ma. 5. 45. B φοβεραῖς κατεσκευασμένα σκευαῖς [A *al.*]
IV Ma. 2. 21. ὁ θεὸς τὸν ἄνθρωπον κατεσκεύασε
4. 20. ὥστε μὴ μόνον . . . γυμνάσιον κατασκεύασαι
13. 26. ποθεινοτέραν αὐτοῖς κατεσκεύαζε τὴν φιλαδελφίαν

[Aq. Ec. 12. 9.]
[Sm. Jb. 18. 4 : Ps. 89 (90). 7 : Ec. 12. 10 : Je. 18. 22 : Ez. 28. 13.]

κατασκεύασμα.

Ju. 15. 11. AS καὶ πάντα τὰ κ. [B σκευάσ.] αὐτοῦ
Si. 35 (32). 6. ἐν κατασκευάσματι χρυσῷ σφραγὶς σμαράγδου
II Ma. 12. 43. B ποιησάμενός τε . . . κατασκευάσματα [A *om.*]

[Sm. Ex. 28. 27.]

κατασκευαστός.

[Al. Nu. 7. 3.]

κατασκευή. (1) בִּנְיָה (2) כְּלִי (3) מְלָאכָה

(4) מַעֲשֶׂה (5) עֲבֹדָה (6) שֵׂם

Ex. 27. 19. πᾶσα ἡ κ. [A ἀπο.] . . . χαλκοῖ (2)
35. 24. A B πάντα τὰ ἔργα τῆς κ. [R παρασκ.] (5)
36. 7. ἱκανὰ εἰς τὴν κ. ποιῆσαι (3)
Nu. 8. 4. αὕτη ἡ κ. τῆς λυχνίας (4)
32. 16. A καὶ πόλεις ταῖς κ. [B ἀποσκ.] ἡμῶν †
I Ch. 29. 19. τοῦ ἐπὶ τέλος ἀγαγεῖν τὴν κ. τοῦ οἴκου σου (1 ?)
II Ch. 26. 15. ἠκούσθη ἡ κ. αὐτῶν ἕως πόρρω (7 ?)
II Ma. 4. 20. εἰς τὰς τῶν τριηρέων κ.
15. 39. τὸ τῆς κ. τοῦ λόγου τέρπει τὰς ἀκοάς
III Ma. 5. 45. A φοβερῶς κεκοσμημένα κατασκευαῖς [R *al.*]

[Sm. Ps. 118 (119). 96 : Ez. 1. 16 : 23. 6, 12.]

κατασκήνεσις (?).

Wi. 9. 8. A ἐν πόλει κατασκηνέσεώς [B S -νώσεώς] σου θυσιαστήριον

κατασκηνοῦν. (1) מָלַל aph. (2) יָשַׁב *a.* qal.

b. pi. (3) סָכַךְ hi. (4) רָבַץ hi.

(5) שָׁכַן, שָׁכֵן *a.* qal. *b.* pi. *c.* po. *d.* hi.

e. שָׁכַן pe. *f.* pa. *g.* מִשְׁכָּב

Nu. 14. 30. κατασκηνῶσαι ὑμᾶς ἐπ' αὐτῆς (5 *b*)
35. 34. A B² R ἐφ' ἧς ἐγὼ κατασκηνῶ [B¹ -νώσω] (5 *a*)
— 34. κατασκηνῶν [A ὁ κ.] ἐν μέσῳ τῶν υἱῶν Ἰσρ. (5 *a*)
De. 33. 12. κατασκηνώσει πεποιθώς (5 *a*)
— 28. κατασκηνώσει Ἰσρ. πεποιθὼς μόνος (5 *a*)
Jo. 22. 19. οὗ κατεσκήνωσεν ἐκεῖ ἡ σκηνή [A κιβωτός] (5 *a*)
Jd. 5. 17. A ἐν τῷ πέραν τοῦ Ἰορδ. κατεσκήνωσεν [B *al.*] (5 *a*)
— 17. A ἐπὶ τὰς διακοπὰς αὐτοῦ κατεσκήνωσεν [B *al.*] (5 *a*)
18. 28. κατεσκήνωσαν [A κατῴκησαν] ἐν αὐτῇ (2 *a*)
II Ki. 7. 10. καὶ κατασκηνώσει [A ἐγκ.] καθ' ἑαυτόν (5 *a*)
III Ki. 6. 13. A κατασκηνώσω ἐν μέσῳ υἱῶν Ἰσρ. (5 *a*)
I Ch. 17. 9. κατασκηνώσει καθ' ἑαυτόν (5 *a*)
23. 25. καὶ κατεσκήνωσεν ἐν Ἰερ. (5 *a*)
II Ch. 6. 1. B τοῦ κατασκηνῶσαι [A² κατοικῆσαι] ἐν γνόφῳ (5 *a*)
II Ch. 6. 2. τοῦ κατασκηνῶσαι [A κατοικῆσαι] εἰς τοὺς αἰῶνας (2 *a*)
I Es. 2. 5. ὁ κύριος ὁ κατασκηνώσας ἐν Ἰερ.
II Es. 6. 12. οὗ κατασκηνοῖ τὸ ὄνομα ἐκεῖ (5 *f*)
7. 15. τῷ ἐν Ἰερ. κατασκηνοῦντι (5 *g*)
Ne. 1. 9. κατασκηνῶσαι τὸ ὄνομά μου ἐκεῖ (5 *b*)
Jb. 18. 15. κατασκηνώσει ἐν τῇ σκηνῇ αὐτοῦ (5 *a*)
29. 25. κατεσκήνουν ὡσεὶ βασιλεὺς ἐν μονοζώνοις (5 *a*)
Ps. 5. 11. κατασκηνώσεις ἐν αὐτοῖς (3)
7. 5. τὴν δόξαν μου εἰς χοῦν κατασκηνώσαι (5 *d*)
14 (15). 1. τίς κατασκηνώσει ἐν τῷ ὄρει (5 *a*)
15 (16). 9. ἡ σάρξ μου κατασκηνώσει ἐπ' ἐλπίδι (5 *a*)
22 (23). 2. εἰς τόπον χλόης ἐκεῖ με κατεσκήνωσεν (4)
36 (37). 3. κατασκήνου τὴν γῆν (5 *a*)
— 27. κατασκήνου εἰς αἰῶνα αἰῶνος [S¹ *om.*] (5 *a*)
— 29. κατασκηνώσουσιν . . . ἐπ' αὐτῆς (5 *a*)
64 (65). 4. κατασκηνώσει [S¹ κατοικήσει] ἐν ταῖς αὐλαῖς σου (5 *a*)
67 (68). 16. ὁ κύριος κατασκηνώσει εἰς τέλος (5 *a*)
— 18. καὶ γὰρ ἀπειθοῦντες τοῦ κατασκηνῶσαι (5 *a*)
68 (69). 36. κατασκηνώσουσιν ἐν αὐτῇ (5 *a*)
73 (74). 2. ὃ κατεσκήνωσας ἐν αὐτῷ (5 *a*)
77 (78). 55. B² S R κατεσκήνωσεν . . . τὰς φυλὰς [B¹ ταῖς φ.] τοῦ Ἰσρ. (5 *d*)
— 60. οὗ κατεσκήνωσεν ἐν ἀνθρώποις (5 *b*)
84 (85). 9. τοῦ κατασκηνῶσαι δόξαν ἐν τῇ γῇ ἡμῶν (5 *a*)
101 (102). 28. οἱ υἱοὶ τῶν δούλων σου κατασκηνώσουσι (5 *a*)
103 (104). 12. τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ κατασκηνώσει (5 *a*)
119 (120). 5. κατεσκήνωσα μετὰ τῶν σκηνωμάτων K. (5 *a*)
138 (139). 9. κατασκηνώσω εἰς τὰ ἔσχατα τῆς θαλάσσης (5 *a*)
Pr. 1. 33. A S κατασκηνώσει ἐν [B ἐπ'] ἐλπίδι (5 *a*)
2. 21. εὐθεῖς κατασκηνώσουσι γῆν (5 *a*)
8. 12. ἐγὼ ἡ σοφία κατεσκήνωσα βουλήν (5 *a*)
Si. 4. 15. ὁ προσελθὼν [A S προσέχων] αὐτῇ κατασκηνώσει πεποιθώς
24. 4. ἐγὼ ἐν ὑψηλοῖς κατεσκήνωσα
— 8. ἐν [A *om.*] Ἰακὼβ κατασκήνωσον
28. 16. οὐδὲ κατασκηνώσει μεθ' ἡσυχίας
Mi. 4. 10. καὶ κατασκηνώσεις ἐν πεδίῳ (5 *a*)
7. 14. κατασκηνοῦντας καθ' ἑαυτοὺς δρυμόν (5 *a*)
Jl. 3 (4). 17. ὁ κατασκηνῶν ἐν Σιών (5 *a*)
— 21. κύριος κατασκηνώσει ἐν Σιών (5 *a*)
Ob. 1. 3. κατασκηνοῦντα ἐν ταῖς ὀπαῖς τῶν πετρῶν [S¹ *al.*] (5 *a*)
Za. 2. 10 (14). κατασκηνώσω ἐν μέσῳ σου (5 *a*)
— 11 (15). κατασκηνώσουσιν ἐν μέσῳ σου (5 *a*)
8. 3, 8. κατασκηνώσω ἐν μέσῳ Ἰερ. (5 *a*)
Je. 7. 12. οὗ κατεσκήνωσα τὸ ὄνομά μου ἐκεῖ (5 *b*)
17. 6. κατασκηνώσει ἐν ἁλίμοις (5 *a*)
23. 6. Ἰσρ. [S Ἰερ.] κατασκηνώσει πεποιθώς (5 *a*)
28 (51). 13. κατασκηνοῦντας ἐφ' ὕδασι πολλοῖς (5 *a*, 5 *c* *)
Ez. 25. 4. κατασκηνώσουσιν ἐν [A σὺν] τῇ ἀπαρτίᾳ αὐτῶν ἐν σοί (2 *b*)
43. 7. κατασκηνώσει τὸ ὄνομά μου (5 *a*)
— 9. κατασκηνώσω ἐν μέσῳ αὐτῶν (5 *a*)
Da. TH. 4. 9. ὑποκάτω αὐτοῦ κατέσκηνουν τὰ θηρία τὰ ἄγρια (1)
— 18. κατεσκήνουν [A -φκουν] τὰ ὄρνεα (5 *e*)

[Aq. Jb. 22. 2 : Ps. 67 (68). 19 : Is. 32. 16 : 34. 17 : Je. 49. 16 (29. 17).]
[Sm. Jb. 4. 19 : Ps. 48 (49). 12 : 64 (65). 5 : 67 (68). 17, 19 : Is. 32. 16 : 33. 16 : 34. 17 : Je. 7. 12 : 25. 24 (32. 10) : 49. 16 (29. 17) : Ez. 17. 23.]
[Th. Jb. 18. 15 : 22. 2 : Ps. 67 (68). 7 : 77 (78). 60 : Is. 32. 16 : 34. 17 : Je. 33 (40). 16 : 46 (26). 26 : Ez. 28. 14.]
[Al. Le. 16. 16 : Dt. 33. 28 : Jb. 18. 15.]
[Heb. Jb. 18. 15.]

κατασκήνωσις. (1) בִּנְיָה (2) מִשְׁכָּן

I Ch. 28. 2. τὰ εἰς τὴν κ. ἐπιτήδεια (1)
To. 1. 4. ἠγιάσθη ὁ ναὸς τῆς κ. τοῦ ὑψίστου [S θεοῦ]
Wi. 9. 8. ἐν πόλει κατασκηνώσεώς [A -νέσεώς] σου θυσιαστήριον

Ez. 37. 27. ἔσται ἡ κ. μου ἐν αὐτοῖς (2)
II Ma. 14. 35. **R** ναὸν τῆς σῆς κ. [**A** σκην.]
[**Sm.** Ps. 45 (46). 5 : 48 (49). 12.]
[**Al.** Dt. 12. 5.]

κατάσκιος. (1) בַּמְּצָלָה (2) עָבֹת (3) פְּאֵרָן (4) רַעֲנָן

Hb. 3. 3. ἥξει . . . ὁ ἅγιος ἐξ ὄρους Φ. κατασκίου δασέος (3?)
Za. 1. 8. ἀνὰ μέσον τῶν ὀρέων [**A** δύο ὀ.] τῶν κ. (1)
Je. 2. 20. ὑποκάτω παντὸς ξύλου κατασκίου (4)
Ez. 20. 28. καὶ πᾶν ξύλον κ. (2)

κατασκοπεῖν. (1) רָאָה (2) רָגַל pi.

II Ki. 10. 3. καὶ κατασκοπήσωσιν αὐτήν (2)
I Ch. 19. 3. τοῦ κατασκοπῆσαι τὴν γῆν (2)
Ez. 21. 22 (27). **R** κατασκοπήσασθαι [**A B** ἡπατοσκ.] ἐκ δεξιῶν αὐτοῦ (1)
I Ma. 5. 38. **A** κατασκοπῆσαι [**S R** -εῦσαι] τὴν παρεμβολήν
[**Aq.** Dt. 1. 33.]
[**Al.** Jd. 1. 23.]

κατασκοπεύειν. (1) חָפַר (2) יָצַב hithpa. (3) מַלְאָךְ (4) רָגַל pi.

Ge. 42. 30. ὡς κατασκοπεύοντας τὴν γῆν (4)
Ex. 2. 4. κατεσκόπευεν ἡ ἀδελφὴ αὐ. μακρόθεν (2)
De. 1. 24. καὶ κατεσκόπευσαν αὐτήν (4)
Jo. 2. 1. ἀπέστειλεν Ἰ. . . . δύο νεανίσκους κατασκοπεῦσαι (4)
— 2. εἰσπεπόρευνται . . . κατασκοπεῦσαι τὴν γῆν (1)
— 3. κατασκοπεῦσαι γὰρ τὴν γῆν ἥκασι (1)
6. 21 (22). τοῖς δυσὶ νεανίσκοις τοῖς κατασκοπεύσασιν (4)
— 22 (23). οἱ δύο νεανίσκοι οἱ κατασκοπεύσαντες τὴν πόλιν (4)
— 24 (25). ἔκρυψε τοὺς κατασκοπεύσαντας οὓς ἀπέστειλεν Ἰ. κατασκοπεῦσαι τὴν Ἱερ. (3, 4)
14. 7. κατασκοπεῦσαι τὴν γῆν (4)
I Ma. 5. 38. **S R** κατασκοπεῦσαι [**A** -ῆσαι] τὴν παρεμβολήν

κατάσκοπος. (1) רָגַל pi.

Ge. 42. 9. κατάσκοποί ἐστε (1)
— 11. οὐκ εἰσὶν οἱ παῖδές σου κατάσκοποι (1)
— 14. λέγων ὅτι κατάσκοποί ἐστε (1)
— 16. ἢ μὴν κατάσκοποί ἐστε (1)
— 31. οὐκ ἐσμὲν κατάσκοποι (1)
— 34. ὅτι οὐ κατάσκοποί ἐστε (1)
I Ki. 26. 4. ἀπέστειλε Δαυὶδ κατασκόπους (1)
II Ki. 15. 10. ἀπέστειλεν Ἀβ. κατασκόπους (1)
Si. 11. 30. ὡς ὁ κ. ἐπιβλέπει πτῶσιν
I Ma. 12. 26. καὶ ἀπέστειλε κατασκόπους
[**Aq.**, **Sm.** Nu. 14. 6 : 21. 1.]

κατασμικρύνειν. (1) דָּקַק

II Ki. 7. 19. κατεσμικρύνθην [**A** -η] μικρὸν ἐνώπιόν σου (1)

κατασοφίζεσθαι. (1) חָכַם hithp.

Ex. 1. 10. κατασοφισώμεθα αὐτούς (1)
Ju. 5. 11. καὶ κατεσοφίσαντο [**A S** -ατο] αὐτούς
10. 19. δυνήσονται κατασοφίσασθαι πᾶσαν τὴν γῆν

κατασπᾶν. (1) אָבַר pi. (2) בָּהַל pi. (3) הָרַס (4) יָרַד (5) כָּרַת hi. (6) נָגַר hi. (7) נָסַח (8) נָתַץ *a.* qal. *b.* pi. (9) סוּר hi. (10) פָּרַץ (11) רָצַץ

II Ki. 11. 25. καὶ κατάσπασον αὐτήν (3)
IV Ki. 10. 27. κατέσπασαν τὰς στήλας τοῦ Β. (8 *a*)
11. 18. **A R** καὶ κατέσπασαν [B^2 -εν] αὐτόν (8 *a*)
21. 3. ἃ κατέσπασεν [**A** -έσκαψεν] Ἐζ. (1)
23. 12. καὶ κατέσπασεν ἐκεῖθεν (11)
— 15. τὸ θυσιαστήριον ἐκεῖνο . . . κατέσπασε (8 *a*)
25. 10. **R** τὸ τεῖχος Ἱερ. . . . κατέσπασεν [**A** *al.*] (8 *a*)
II Ch. 23. 17. καὶ κατέσπασαν αὐτόν (8 *a*)
24. 7. κατέσπασαν τὸν οἶκον τοῦ θεοῦ (10)
25. 23. κατέσπασεν [**A** -έστησεν] ἀπὸ τοῦ τείχους Ἱερ. (10)
26. 6. κατέσπασε τὰ τείχη Γέθ (10)
30. 14. πάντα ἐν οἷς ἐθυμίων . . . κατέσπασαν (9)
II Ch. 31. 1. κατέσπασαν τὰ ὑψηλά (8 *b*)
32. 5. **A** πᾶν τὸ τεῖχος τὸ κατεσπασμένον [**B** -εσκαμμένον] (10)
— 18. τοῦ βοηθῆσαι αὐτοῖς καὶ κατασπάσαι (2)
33. 3. ἃ κατέσπασεν Ἐζεκίας (8 *b*)
34. 4. κατέσπασε [**A** -έστρεψαν] . . . τὰ θυσιαστήρια (8 *b*)
— 7. κατέσπασε τὰ ἄλση (8 *b*)
To. 13. 12. **S** καὶ κατασπῶντες τὰ τείχη σου
Pr. 15. 25. οἴκους ὑβριστῶν κατασπᾷ κύριος (7)
Mi. 1. 6. κατασπάσω εἰς χάος τοὺς λίθους αὐτῆς (6)
Ze. 3. 6. κατέσπασα ὑπερηφάνους (5)
Za. 11. 2. κατεσπάσθη ὁ δρυμὸς ὁ σύμφυτος (4)
Da. TH. Bel 28. τὸν Βηλ κατέσπασε [**A** -έστρεψεν]
[**Aq.** Pr. 21. 7 : Je. 1. 10.]
[**Sm.** Je. 33 (40). 4.]
[**Th.** Je. 1. 10.]

καταπαταλᾶν. (1) סָרַח (2) פָּנַק pi.

Pr. 29. 21. ὃς κατασπαταλᾷ ἐκ παιδός (2)
Am. 6. 4. κατασπαταλῶντες ἐπὶ ταῖς στρωμναῖς αὐ. (1)

κατασπείρειν. (1) זָרָה pu. (2) זָרַע

Le. 19. 19. τὸν ἀμπελῶνά σου οὐ κατασπερεῖς διάφορον (2)
De. 22. 9. **A** B^2 **R** οὐ κατασπερεῖς τὸν [B^1 -εῖ σὸν] ἀμπελῶνά σου διάφορον [**B** δίφ.] (2)
Jb. 18. 15. κατασπαρήσονται [**A** -σεται] τὰ εὐπρεπῆ αὐτοῦ θείῳ (1)
III Ma. 5. 26. **R** οὕπω δὲ ἡλίου βολαὶ κατεσπείροντο [**B** κατεπ.]
[**Th.** Jb. 18. 15.]

κατασπεύδειν. (1) אוּץ (2) בָּהַל *a.* pi. *b.* hi. *c.* בָּהַל pa. (3) c. neg. בָּעַת ni. (4) יָפַע hi. (5) יָצָא (6) מָהַר pi. (7) נָתַץ (8) שָׁלַח

Ex. 5. 10. κατέσπευδον δὲ αὐτοὺς οἱ ἐργοδιῶκται (5)
— 13. οἱ δὲ ἐργοδιῶκται κατέσπευδον αὐτούς (1)
9. 19. κατάσπευσον συναγαγεῖν τὰ κτήνη σου (8)
10. 16. κατέσπευδε δὲ Φ. καλέσαι Μωυσῆν (6)
De. 33. 2. κατέσπευσεν ἐξ ὄρους Φαράν (4)
I Ki. 21. 8 (9). **A** ἦν τὸ ῥῆμα τοῦ βασιλέως κατασπεῦδον [**B** κατὰ σπουδήν] (7)
I Ch. 21. 30. οὐ [**A** *om.*] κατέσπευσεν ἀπὸ προσώπου τῆς ῥομφαίας (3)
II Ch. 26. 20. καὶ κατέσπευσαν αὐτὸν ἐκεῖθεν (2 *b*)
35. 21. ὁ θεὸς εἶπε κατασπεῦσαί με (2 *a*)
Es. 5. 5. κατασπεύσατε [**A** -σάτω] Ἀμάν (6)
Si. 18. 14. τοὺς κατασπεύδοντας ἐπὶ τὰ κρίμ. αὐ.
28. 11. ἔρις κατασπευδομένη ἐκκαίει πῦρ καὶ μάχη κατασπεύδουσα ἐκχέει [**S** -αι] αἷμα
35 (32). 10. πρὸ βροντῆς κατασπεύδει ἀστραπή
43. 5. ἐν λόγοις αὐτοῦ κατέσπευσε [S^2 -έπαυσεν] πορείαν
— 13. προστάγματι αὐτοῦ κατέσπευσε [**S** -έπαυσεν] χιόνα
50. 17. **A** B^2 **S** πᾶς ὁ λαὸς κοινῇ κατέσπευσαν [B^1 **R** -σε]
Da. LXX. 4. 16. ὑπόνοια κατέσπευδεν αὐτόν (2 *c*)
5. 6. ὑπόνοιαι αὐτὸν κατέσπευδον (2 *c*)
Da. TH. 4. 16. **A** ἡ σύγκρισις μὴ κατασπευσάτω σε (2 *c*)
I Ma. 6. 57. **A** κατέσπευδον [**S** -εν, **R** -σε] τοῦ ἀπελθεῖν
13. 21. κατασπεύδοντας αὐτὸν τοῦ ἐλθεῖν πρὸς αὐτούς
[**Aq.** Ps. 77 (78). 33 : Je. 49. 19 (29. 20).]
[**Sm.** Pr. 19. 13.]
[**Th.** Da. 4. 16†.]

κατάσπευσις.

[**Th.** Pr. 1. 27.]

κατασπουδάζειν (1) בָּהַל ni.

Jb. 23. 15. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ κατασπουδασθῶ [S^1 -άσω] (1)
[**Aq.** II Ki. 4. 1 : Jb. 23. 15 : Ps. 2. 5 : 6. 11 : 29 (30). 8.]
[**Th.** Jb. 23. 15.]

κατασπουδασμός.

[**Aq.** Ze. 1. 18.]

καταστάζειν.

[**Sm.** Ps. 118 (119). 28.]

κατασταστάζειν.

Ex. 38. 22 (1). τοῖς καταστασιάσασι μετὰ τῆς κ. συναγωγῆς
[**Sm.** Ps. 101 (102). 9.]

κατάστασις.

Wi. 12. 12. τίς εἰς κατάστασίν σοι ἐλεύσεται ἔκδικος

καταστέλλειν.

II Ma. 4. 31. καταστεῖλαι τὰ πράγματα
III Ma. 6. 1. τοὺς περὶ αὐτὸν καταστείλας πρεσβυτέρους
[**Aq.** Ps. 64 (65). 8.]

κατάστεμα, *vid.* **κατάστημα.**

καταστενάζειν. (1) אָנַח ni. (2) חָנַן ni.

Ex. 2. 23. κατεστέναξαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἀπὸ τῶν ἔργων (1)
Je. 22. 23. καταστενάξεις ἐν τῷ ἐλθεῖν σοι ὀδύνας [**A** ὠδῖνας] (2)
La. 1. 11. πᾶς ὁ λαὸς αὐτῆς καταστενάζοντες (1)
Ez. 9. 4. ἐπὶ τὰ μέτωπα τῶν ἀνδρῶν τῶν καταστεναζόντων (1)
21. 6 (11). καταστέναξον ἐν συντριβῇ ὀσφύος σου (1)
III Ma. 6. 34. κατεστέναξαν αἰσχύνην ἐφ' ἑαυτοῖς περιβαλλόμενοι

καταστέφειν.

Je. 20. 16. ἃς κατέστρεψε [S^1 -έστεψε] κύριος †
III Ma. 7. 16. παντοίοις εὐωδεστάτοις ἄνθεσι κατεστεμμένοι

κατάστημα (-εμα).

III Ma. 5. 45. εἰς κ. μανιῶδες ἀγηοχώς

καταστηρίζειν.

Jb. 20. 7. ὅταν γὰρ δοκῇ ἤδη κατεστηρίχθαι [**A** ἐστ.] †

καταστολή. (1) מַעֲטֶה

Is. 61. 3. δοθῆναι . . . καταστολὴν δόξης ἀντὶ πνεύματος ἀκηδίας (1)

καταστραγγίζειν. (1) מָצָה ni.

Le. 5. 9. τὸ δὲ κατάλοιπον τοῦ αἵματος καταστραγγιεῖ (1)

καταστρατοπεδεύειν. (1) חָנָה

Jo. 4. 19. κατεστρατοπέδευσαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (1)
Ju. 3. 10. κατεστρατοπέδευσαν ἀνὰ μέσον Γ.
7. 18. κατεστρατοπέδευσαν ἐν ὄχλῳ πολλῷ
II Ma. 4. 22. εἰς τὴν Φοινίκην κατεστρατοπέδευσε

καταστρέφειν. (1) הָפַךְ *a.* qal. *b.* ni. *c.* מַהְפֵּכָה *d.* תַּהְפּוּכָה (2) *a.* הָרַס *b.* הֲרִיסָה (3) חָלַף (4) מָנַר pa. (5) מָשַׁשׁ (6) נָאַר pi. (7) נָתַץ *a.* qal. *b.* pi. (8) סָלַף pi. (9) עָתַק (10) רָשַׁשׁ pu. (11) שָׁחַת pi.

Ge. 13. 10. πρὸ τοῦ καταστρέψαι τὸν θ. Σ. (11)
19. 21. τοῦ μὴ καταστρέψαι τὴν πόλιν (1 *a*)
— 25. κατέστρεψε τὰς πόλεις ταύτας (1 *a*)
— 29. ἐν τῷ καταστρέψαι κύριον τὰς πόλεις (1 *a*)
De. 29. 23 (22). ὥσπερ κατεστράφη Σόδομα (1 *c*)
— 23 (22). ἃς κατέστρεψε κύριος (1 *a*)
Jd. 7. 13. **A** καὶ κατέστρεψεν [**R** ἀνέστρ.] αὐτὴν ἄνω (1 *a*)
8. 17. τὸν πύργον Φ. κατέστρεψε [**A** -έσκαψεν] (7 *a*)
IV Ki. 21. 13. καὶ καταστρέφεται ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ (1 *a*)
II Ch. 34. 4. **A** κατέστρεψαν [**B** -έπασε] . . . τὰ θυσιαστήρια (7 *b*)
II Es. 6. 12. **A R** καταστρέψαι [**B** -ει] πάντα βασ. (4)
To. 14. 4. ὅτι καταστραφήσεται [**A** -σκαφ., **S** *al.*]
Jb. 9. 5. ὁ καταστρέφων αὐτὰ ὀργῇ [**A** ἐν ὀ.] (1 *a*)
11. 10. ἐὰν δὲ καταστρέψῃ τὰ πάντα (3?)
12. 14. **A** ἐὰν καταστρέψῃ [**B S** -βάλῃ] (2 *a*)
— 15. ἀπώλεσεν αὐτὴν καταστρέψας (1 *a*)
— 19. δυνάστας δὲ γῆς κατέστρεψε (8)

Jb. 18. 4. ἡ καταστραφήσεται ὄρη [A ἡ γῆ] ἐκ θεμελίων (9)
24. 22. θυμῷ δὲ κατέστρεψεν [A -αν] ἀδυνάτους (5)
28. 9. κατέστρεψε δὲ ἐκ ῥιζῶν ὄρη (1 a)
Ps. 88 (89). 39. κατέστρεψας τὴν διαθήκην τοῦ δούλου σου (6)
Pr. 10. 32. S² στόμα δὲ ἀσεβῶν καταστρέφεται [A B S¹ ἀποστρ.] (1 d)
14. 1. A ἡ δὲ ἄφρων κατέστρεψεν [B S -έσκαψε] ταῖς χερσὶν αὐτῆς (2 a)
Si. 10. 13. κατέστρεψεν εἰς τέλος αὐτούς –
— 16. χώρας ἐθνῶν κατέστρεψεν ὁ κύριος
27. 3. ἐν τάχει καταστραφήσεται αὐτοῦ ὁ οἶκος
28. 14. γλῶσσα τρίτη . . . οἰκίας μεγιστάνων κατέστρεψε
Am. 4. 11. κατέστρεψα ὑμᾶς καθὼς κατέστρεψεν ὁ θεὸς Σόδομα (1 a, 1 c)
9. 11. τὰ κατεσκαμμένα [A κατεστραμμένα] αὐ. ἀναστήσω (2 b)
Jn. 3. 4. καὶ Νιν. καταστραφήσεται (1 b)
Hg. 2. 23 (22). καὶ καταστρέψω θρόνους βασιλέων (1 a)
— 23 (22). καὶ καταστρέψω ἅρματα (1 a)
— 23 (22). A καὶ καταστρέψω πᾶσαν τὴν δύναμιν αὐτῶν –
Ma. 1. 4. ἡ Ἰδουμαία κατέστραπται (10)
— 4. καὶ ἐγὼ καταστρέψω (2 a)
Is. 1. 7. ἠρήμωται κατεστραμμένη ὑπὸ λαῶν ἀλλοτρίων (1 c)
13. 19. ὃν τρόπον κατέστρεψεν ὁ θεὸς Σόδομα (1 c)
Je. 20. 16. ἃς κατέστρεψε [S¹ -στεψε] κύριος ἐν θυμῷ (1 a)
27 (50). 40. καθὼς κατέστρεψεν ὁ θεὸς Σόδομα (1 c)
29 (49). 18. ὥσπερ κατεστράφη Σόδομα (1 c)
La. 4. 6. ὑπὲρ ἀνομίας Σοδ. τῆς κατεστραμμένης (1 a)
Da. LXX. 11. 8. τοὺς θεοὺς αὐτῶν καταστρέψει –
Bel 21. τὸν δὲ Βὴλ κατέστρεψεν
— 27. τὸν Βὴλ κατέστρεψε
Da. TH. 11. 8. A B² τοὺς θεοὺς αὐτῶν κατεστρέψει [B¹ R om.] –
Bel 22. καὶ κατέστρεψεν αὐτόν
— 28. A τὸν Βὴλ κατέστρεψεν [B -έσπασε]
II Ma. 9. 28. κατέστρεψε τὸν βίον
III Ma. 3. 23. R ἡμᾶς καταστρέψαι τὰ κατορθώματα [A πράγματα]
[Aq. Ps. 139 (140). 10.]

καταστροφή. (1) אֵיד (2) הֲפֵכָה (3) סוֹף (4) סוּפָה (5) שֹׁדֶד (6) תְּבוּסָה

Ge. 19. 29. ἐξαπέστειλε τὸν Λὼτ ἐκ μέσου τῆς κ. (2)
II Ch. 22. 7. παρὰ τοῦ θεοῦ ἐγένετο καταστροφή (6)
Jb. 8. 19. καταστροφὴ ἀσεβοῦς τοιαύτη †
15. 21. ἥξει αὐτοῦ ἡ κ. (5)
21. 17. ἐπελεύσεται δὲ αὐτοῖς ἡ κ. (1)
27. 7. ὥσπερ ἡ κ. τῶν ἀσεβῶν –
Pr. 1. 18. ἡ δὲ κ. ἀνδρῶν παρανόμων κακή
— 27. ἡ δὲ κ. ὁμοίως καταιγίδι παρῇ (1)
Si. 9. 11. οὐ γὰρ οἶδας τί [A S¹ τίς] ἔσται ἡ κ. αὐτοῦ
18. 12. ἐπέγνω τὴν κ. αὐ. ὅτι πονηρά
Ho. 8. 7. καὶ ἡ κ. αὐτῶν ἐκδέξεται αὐτά (4?)
Da. LXX. 7. 28. ἕως καταστροφῆς τοῦ λόγου (3)
I Ma. 2. 49. ἐλεγμὸς καὶ καιρὸς καταστροφῆς
II Ma. 5. 8. A πέρας οὖν κακῆς κ. [R ἀναστρ.]
III Ma. 3. 4. ἐποίουν ἐπί τινων καὶ καταστροφάς
4. 4. λογιζομένους τὴν ἄδηλον τοῦ βίου κ.
5. 47. τὴν ἐπίπονον καὶ ταλαίπωρον . . . κ.

κατάστρωμα.
[Sm. III Ki. 6. 5, 10.]

καταστρωννύειν (-ύναι). (1) שָׁחַט (2) שָׁטַח
Nu. 14. 16. κατέστρωσεν αὐτοὺς ἐν τῇ ἐρήμῳ (1)
Ju. 7. 14. καταστρωθήσονται ἐν ταῖς πλατείαις
— 25. τοῦ καταστρωθῆναι ἐναντίον αὐτῶν
12. 1. συνέταξε καταστρῶσαι αὐτῇ [A -ήν]
14. 4. καταστρώσατε [S -σετε] αὐτοὺς ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν
Jb. 12. 23. καταστρωννύων ἔθνη (2)
II Ma. 5. 26. R ἱκανὰ κατέστρωσε [A -έστησεν] πλήθη
11. 11. κατέστρωσαν αὐτῶν χιλίους
12. 28. κατέστρωσαν δὲ τῶν ἔνδον εἰς μυριάδας δύο
15. 27. κατέστρωσαν οὐδὲν ἧττον μυριάδων τριῶν
[Aq. Jb. 12. 23 : Is. 63. 1.]
[Sm. Ps. 67 (68). 5.]
[Th. Jb. 12. 23 : Is. 63. 1 : Da. 14. 13†.]

κατασύρειν. (1) חָשַׁף (2) שָׁטַף
Je. 29 (49). 10. κατέσυρα [A -ηραύνησα] τὸν Ἡσαῦ (1)
Da. LXX. 11. 10. εἰσελεύσεται κατ' αὐτὴν κατασύρων (2)
— 26. καὶ κατασυρεῖ (2)
[Sm. II Ki. 14. 14.]

κατασφάζειν. (1) בָּתַק pi. (2) הָרַג
Za. 11. 5. ἃ οἱ κτησάμενοι κατέσφαζον (2)
Ez. 16. 40. κατασφάξουσί σε ἐν τοῖς ξίφεσιν αὐτῶν (1)
Da. TH. Bel 28. τοὺς ἱερεῖς κατέσφαξε [A¹ -έτρεψεν]
II Ma. 5. 12. τοὺς εἰς τὰς οἰκίας ἀναβαίνοντας κατασφάζειν
— 24. τοὺς ἐν ἡλικίᾳ πάντας κατασφάξαι
6. 9. τοὺς δὲ μὴ προαιρουμένους . . . κατασφάζειν
8. 24. κατέσφαξαν . . . ὑπὲρ τοὺς ἐννακισχιλίους
10. 17. κατέσφαζόν τε τοὺς ἐμπίπτοντας
— 31. κατεσφάγησαν δὲ δισμύριοι
— 37. καὶ τὸν Τιμόθεον . . . κατέσφαξαν
12. 26. κατέσφαξε μυριάδας σωμάτων δύο

κατασφαλίζεσθαι.
II Ma. 1. 19. ἐν ᾧ κατησφαλίσαντο
III Ma. 4. 9. τοὺς πόδας ἀρρήκτοις κατησφαλισμένοι πέδαις

κατασφραγίζειν. (1) חָתַם
Jb. 9. 7. κατὰ δὲ ἄστρων κατασφραγίζει (1)
37. 7. ἐν χειρὶ παντὸς ἀνθρώπου κατασφραγίζει (1)
Wi. 2. 5. κατεσφραγίσθη καὶ οὐδεὶς ἀναστρέφει [Th. Jb. 37. 7.]

κατάσχεσις. (1) אֲחֻזָּה (2) מְנֻרָשׁ (3) מוֹרָשָׁה (4) מוֹשָׁב (5) נַחֲלָה
Ge. 17. 8. δώσω σοι . . . εἰς κατάσχεσιν αἰώνιον (1)
47. 11. ἔδωκεν αὐτοῖς κατάσχεσιν ἐν γῇ Αἰγ. (1)
48. 4. δώσω σοι . . . εἰς κατάσχεσιν αἰώνιον (1)
Le. 25. 24. κατὰ πᾶσαν γῆν κατασχέσεως ὑμῶν (1)
— 25. καὶ ἀποδώσεται ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ (1)
— 27. καὶ ἀπελεύσεται εἰς τὴν κ. αὐτοῦ (1)
— 28. B² R ἀπελεύσεται εἰς τὴν κ. [A B¹ κατάπαυσιν] αὐτοῦ (1)
— 32. οἰκίαι τῶν πόλεων κατασχέσεως αὐτῶν (1)
— 33. οἰκιῶν πόλεως κατασχέσεως αὐτῶν (1)
— 33. οἰκίαι τῶν πόλεων τῶν Λευ. κατάσχεσις [A -εις] αὐτῶν (1)
— 34. κ. αἰωνία τοῦτο αὐτῶν ἐστιν (1)
— 41. εἰς τὴν κ. τὴν πατρικὴν ἀποδραμεῖται [A -θανεῖται] (1)
— 45. ἔστωσαν ὑμῖν εἰς κατάσχεσιν (1)
27. 16. ἀπὸ τοῦ ἀγροῦ τῆς κ. αὐτοῦ (1)
— 21. τῷ ἱερεῖ ἔσται κατάσχεσις [B¹ -σεως] (1)
— 22. ἀπὸ τοῦ ἀγροῦ τῆς κ. αὐτοῦ (1)
— 24. οὗ ἦν ἡ κ. τῆς γῆς (1)
— 28. καὶ ἀπὸ ἀγροῦ κατασχέσεως αὐτοῦ (1)
Nu. 13. 3 (2). ἦν ἐγὼ δίδωμι τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. εἰς κατάσχεσιν –
15. 2. A εἰς τὴν γῆν τῆς κ. [B κατοικήσεως] ὑμῶν (4)
20. 24. A ἔδωκα τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. ἐν κατασχέσει [B al.] –
27. 3 (4). δότε ἡμῖν κατάσχεσιν (1)
— 6 (7). δόμα δώσεις αὐταῖς κατάσχεσιν κληρονομίας (1)
— 12. ἣν ἐγὼ δίδωμι . . . ἐν κατασχέσει –
32. 5. δοθήτω ἡ γῆ αὕτη . . . ἐν κατασχέσει (1)
— 22. ἔσται ἡ γῆ αὕτη ὑμῖν ἐν κατασχέσει (1)
— 29. δώσετε αὐτοῖς τὴν γῆν Γ. ἐν κατασχέσει (1)
— 32. δώσετε τὴν κ. ἡμῖν (1+5)
33. 54. πληθυνεῖτε τὴν κ. αὐτῶν (5)
— 54. ἐλαττώσετε τὴν κ. αὐτῶν (5)
35. 2. ἀπὸ τῶν κλήρων κατασχέσεως αὐτῶν (1)
— 8. ἀπὸ τῆς κ. υἱῶν Ἰσρ. (1)
— 28. εἰς τὴν γῆν τῆς κ. αὐτῶν (1)
36. 3. ἀφαιρεθησεται . . . ἐκ τῆς κ. τῶν πατέρων ἡμῶν (5)
De. 32. 49. A δίδωμι τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. εἰς κατάσχεσιν [B om. εἰς κ.] (1)
Jo. 21. 12. ἔδωκεν Ἰησοῦς . . . ἐν κατασχέσει (1)
— 39. ἐν μέσῳ κατασχέσεως υἱῶν Ἰσρ. (1)
22. 4. εἰς τὴν γῆν τῆς κ. ὑμῶν (1)
— 9. εἰς γῆν κατασχέσεως αὐτῶν (1)
— 19. μικρὰ ἡ γῆ ὑμῶν τῆς κ. ὑμῶν (1)
— 19. τὴν γῆν τῆς κ. κυρίου (1)
I Ch. 4. 33. αὕτη κ. [A ἡ κ.] αὐτῶν (4)
I Ch. 7. 28. καὶ κατάσχεσις [A -εις] αὐτῶν . . . Βαιθήλ (1)
9. 2. οἱ κατοικοῦντες πρότερον ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (1)
13. 2. ἐν πόλεσι κατασχέσεως αὐτῶν (2)
II Ch. 11. 14. τὰ σκηνώματα τῆς κ. αὐτῶν (1)
Ne. 11. 3. ἐκάθισαν ἀνὴρ ἐν κατασχέσει αὐτοῦ (1)
Ju. 9. 13. καὶ οἶκου κατασχέσεως υἱῶν σου
Ps. 2. 8. δώσω σοι . . . τὴν κ. σου τὰ πέρατα τῆς γῆς (1)
Si. 4. 16. ἐν κατασχέσει ἔσονται αἱ γενεαὶ αὐ.
Za. 11. 14. διασκεδάσαι τὴν κ. [A διαθήκην μου] †
Ez. 33. 24. ἡμῖν δέδοται ἡ γῆ εἰς κατάσχεσιν (3)
35. 12. A δέδοται εἰς κατάσχεσιν [B κατάβρωμα] †
36. 2. ἔρημα αἰώνια εἰς κατάσχεσιν ἡμῖν ἐγενήθη (3)
— 3. τοῦ εἶναι ὑμᾶς [A ἡμ.] εἰς κατάσχεσιν (3)
— 5. ἔδωκαν τὴν γῆν μου ἑαυτοῖς εἰς κατάσχεσιν (3)
— 12. ἔσεσθε αὐτοῖς εἰς κατάσχεσιν (5)
44. 28. κ. αὐτοῖς οὐ δοθήσεται ἐν τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. ὅτι ἐγὼ κ. αὐτῶν [A -οῖς] (1, 1)
45. 5. εἰς κατάσχεσιν πόλεις τοῦ κατοικεῖν (1)
— 6. τὴν κ. τῆς πόλεως δώσεις (1)
— 7. εἰς κατάσχεσιν τῆς πόλεως . . . καὶ κατὰ πρόσωπον τῆς κ. τῆς πόλεως (1, 1)
— 8. ἔσται αὐτῷ εἰς κατάσχεσιν (1)
46. 16. τοῦτο τοῖς υἱοῖς αὐτοῦ ἔσται κ. ἐν κληρονομίᾳ (1)
— 18. ἐκ τῆς κ. αὐτοῦ [A add. ἀπὸ τῆς κληρονομίας αὐτοῦ] κατακληρονομήσει (1)
— 18. ἕκαστος ἐκ [A ἀπὸ] τῆς κ. αὐτοῦ (1)
48. 20. ἀπὸ τῆς κ. τῆς πόλεως (1)
— 21. εἰς τὴν κ. τῆς πόλεως (1)
— 22. παρὰ [A ἀπὸ τῆς κ.] τῶν Λευιτῶν ἀπὸ τῆς κ. τῆς πόλεως (1, 1)
[Aq., Sm., Th. Le. 14. 34.]
[Al. Le. 25. 10.]

κατασχίζειν.
I Ma. 1. 56. ἐνεπύρισαν πυρὶ [S ἐν π.] κατασχίσαντες

κατατάσσειν. (1) נָדַד (2) נָתַן (3) שִׂים
Jb. 7. 12. κατέταξας ἐπ' ἐμὲ [A κατ' ἐμοῦ] φυλακήν (3)
15. 23. κατατέτακται δὲ εἰς σῖτα γυψίν (1?)
35. 10. ὁ κατατάσσων φυλακὰς νυκτερινάς (2)

κατατείνειν. (1) רָדָה
Le. 25. 43. οὐ κατατενεῖς αὐτὸν ἐν τῷ μόχθῳ (1)
— 46. οὐ κατατενεῖ αὐτὸν [A om.] ἐν τοῖς μόχθοις (1)
— 53. οὐ κατατενεῖς [A -τενίσῃς] αὐτὸν ἐν τῷ μόχθῳ (1)
I Es. 8. 71. B κατέτεινον [A R -έτιλα] τοῦ τριχώματος τῆς κεφαλῆς
IV Ma. 9. 13. περὶ ὃν κατατεινόμενος ὁ εὐγενὴς νεανίας
11. 18. ἐφ' οὗ κατατεινόμενος

κατατέμνειν. (1) נָדַד hithpo. (2) נָדַע (3) גּוּר hithpal. (4) שָׁרַט
Le. 21. 5. οὐ κατατεμοῦσιν ἐντομίδας (4)
III Ki. 18. 28. κατετέμνοντο . . . ἐν μαχαίραις (1)
Ho. 7. 14. ἐπὶ σίτῳ καὶ οἴνῳ κατετέμνοντο (3?)
Is. 15. 2. πάντες βραχίονες κατατετμημένοι (2)
[Aq. Dt. 14. 1 : Je. 41 (48). 5 : 48 (31). 37.]
[Sm. Dt. 14. 1 : Je. 16. 6 : 41 (48). 5.]
[Th. Dt. 14. 1.]

κατατενίζειν.
Le. 25. 53. A οὐ κατατενίσῃς [B -τενεῖς] αὐτὸν ἐν τῷ μόχθῳ †

κατατέρπεσθαι. (1) עָלַז
Ze. 3. 14. κατατέρπου [S¹ τέρ.] ἐξ ὅλης τῆς καρδίας σου (1)

κατατήκειν. (1) דָּקַק hi. (2) מָסַס ni.
Jo. 5. 1. A κατετάκησαν [B ἐτάκ.] αὐτῶν αἱ διάνοιαι (2)
Mi. 4. 13. καὶ κατατήξεις [A λεπτυνεῖς] λαοὺς πολλούς (1)
[Sm. Ps. 41 (42). 7, 12.]

κατατιθέναι. (1) יָצַק (2) נָתַן (3) שׁוּב hi. (4) שָׁלַךְ hi.
I Ch. 21. 27. κατέθηκε [A καθῆκεν] τὴν ῥομφαίαν εἰς τὸν κολεόν (3)

Ju. 11. 10. κατάθου-αὐτὸν ἐν τῇ καρδίᾳ σου
Es. 3. 13. πρὸς τὸ μὴ κατατίθεσθαι τὴν . . . συναρχίαν
Ps. 40 (41). 8. λόγον παράνομον κατέθεντο κατ' ἐμοῦ (1)
Za. 11. 13. κάθες [S¹ κατάθες] αὐτοὺς εἰς τὸ χωνευτήριον (4)
Je. 39 (32). 14. S³ καταθήσεις [S¹ καθ., A B θ.] αὐτὸ [A S om.] εἰς ἀγγεῖον ὀστράκινον (2)
I Ma. 10. 23. R τοῦ φιλίαν καταθέσθαι [A S -λαβέσθαι] τοὶς Ἰ.
II Ma. 4. 19. R εἰς ἑτέραν δὲ καταθέσθαι δαπάνην
III Ma. 5. 17. εἰς εὐφροσύνην καταθέσθαι μέρος

κατατίλλειν.

I Es. 8. 71. A R κατέτιλα [B -έτειναν] τοῦ τριχώματος
[Aq., Sm., Th. Ez. 23. 34.]

κατατιτρώσκειν.

IV Ma. 6. 6. καὶ τὰ πλευρὰ κατετιτρώσκετο
[Sm. Ez. 22. 16.]

κατατολμᾶν.

II Ma. 3. 24. ὥστε πάντας τοὺς κατατολμήσαντας συνελθεῖν
5. 15. κατετόλμησεν εἰς τὸ . . . ἱερὸν εἰσελθεῖν

κατατομή.

[Sm. Je. 48 (31). 37.]

κατατοξεύειν. (1) יָרָה *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. (2) מָחַץ

Ex. 19. 13. βολίδι κατατοξευθήσεται (1 *b*)
Nu. 24. 8. ταῖς βολίσιν αὐτοῦ κατατοξεύσει ἐχθρόν (2)
IV Ki. 9. 16. ὧν κατετόξευσαν αὐτὸν οἱ Ἀρ. –
Ps. 10 (11). 3. τοῦ κατατοξεῦσαι . . . τοὺς εὐθεῖς τῇ καρδίᾳ (1 *a*)
63 (64). 4. τοῦ κατατοξεῦσαι ἐν ἀποκρύφοις ἄμωμον ἐξάπινα κατατοξεύσουσιν αὐτόν (1 *a*, 1 *c*)
[Th. Ps. 10 (11). 2 : 63 (64). 8.]
[Al. Hb. 3. 13.]

κατατρέπειν.

Da. Th. Bel 28. A¹ τοὺς ἱερεῖς κατέτρεψεν [A² B -έσφαξε]

κατατρέχειν. (1) מָלָא hithp. (2) רָדַף (3) רוּץ

Le. 26. 37. οὐθένος κατατρέχοντος (2)
Jd. 1. 6. κατέδραμον ὀπίσω αὐτοῦ (2)
III Ki. 19. 20. κατέδραμεν [A ἐπέδρ.] ὀπίσω Ἠ. (3)
Jb. 16. 11 (10). ὁμοθυμαδὸν δὲ κατέδραμον ἐπ' ἐμοί [A ἐμέ] (1)
Da. Lxx. 4. 21. οἱ ἄγγελοι αὐτοῦ ἐπὶ σὲ κατατρέχουσιν †
II Ma. 8. 26. κατατρέχοντες αὐτούς
[Al. Is. 53. 12.]

κατατρίβειν. (1) בָּלָא pa. (2) בָּלָה (3) בָּלָה

De. 8. 4. A τὰ ἱμάτιά σου οὐ κατετρίβη [B οὐκ ἐπαλαιώθη] (2)
— 4. B τὰ ὑποδήματά σου οὐ κατετρίβη –
29. 5 (4). τὰ ὑποδήματα ὑμῶν οὐ κατετρίβη (2)
Pr. 5. 11. ἡνίκα ἂν κατατριβῶσι σάρκες σώματός σου (3)
Da. Lxx. 7. 25. τοὺς ἁγίους τοῦ ὑψίστου κατατρίψει (1)
[Aq. Ge. 18. 12 : Ps. 31 (32). 3 : 48 (49). 15 : Is. 51. 6 : Ez. 23. 43.]
[Sm. La. 1. 14.]
[Quint. Ps. 31 (32). 3.]

κατατρόπος.

III Ma. 4. 14. A τὴν . . . τῶν ἔργων κ. [R -πυνον] λατρείαν

κατατρυφᾶν. (1) עָנַג hithpa.

Ps. 36 (37). 4. κατατρύφησον τοῦ κυρίου (1)
— 11. κατατρυφήσουσιν ἐπὶ πλήθει εἰρήνης (1)

κατατρώγειν.

Pr. 24. 23 (29. 27). ὀστᾶ ἀνθρώπων κατατρώγει –
[Aq., Sm., Th. Ez. 23. 34.]

κατατυγχάνειν. (1) מָצָא

Jb. 3. 22. ἐὰν κατατύχωσι [A *add.* θανάτου] (1)

κατατυραννεῖν.

[Sm. Nu. 16. 13.]

καταυγάζειν.

Wi. 17. 5. οὔτε [S² οὔτε πυρογενεῖς] ἄστρων . . . φλόγες καταυγάζειν ὑπέμενον τὴν στυγνὴν ἐκείνην νύκτα
I Ma. 6. 39. καὶ κατηύγαζεν ὡς λαμπάδες

καταφαγεῖν, *vid.* **κατεσθίειν.**

καταφαίνεσθαι. (1) בָּעִינַיִן

Ge. 48. 17. βαρὺ αὐτῷ κατεφάνη (1)

καταφανής.

[Aq. Ge. 22. 2 : Dt. 11. 30.]
[Sm., Th. Dt. 11. 30.]

καταφέρειν. (1) בּוֹא hi. (2) יָצָא hi. (3) יָרַד hi. (4) נָגַר *a.* ni. *b.* hoph. (5) נָחַת hoph. (6) נָפָה pi. (7) נָטָה (8) שָׁאוֹן (9) שָׁעַר

Ge. 37. 2. κατήνεγκαν δὲ Ἰωσὴφ ψόγον πονηρόν (1)
De. 1. 25. καὶ κατήνεγκαν πρὸς ἡμᾶς (3)
22. 14. καὶ κατενέγκῃ αὐτῆς ὄνομα πονηρόν (2)
Jd. 7. 4. κατένεγκον [A κατάγαγε] αὐτοὺς (3)
— 5. κατήνεγκε [A κατεβίβασεν] τὸν λαόν (3)
16. 21. κατήνεγκαν [A -ήγαγον] αὐτὸν εἰς Γ. (3)
II Ki. 14. 14. R ὥσπερ τὸ ὕδωρ τὸ καταφερόμενον [A B -φθειρ.] (4 *a*)
III Ki. 1. 53. κατήνεγκεν αὐτὸν ἀπάνωθεν τοῦ θυσιαστηρίου (3)
To. 14. 10. S οὐχὶ ζῶν κατηνέχθη εἰς τὴν γῆν [A B *al.*]
Mi. 1. 4. ὡς ὕδωρ καταφερόμενον ἐν καταβάσει (4 *b*)
Is. 17. 13. A ὡς ὕδατος πολλοῦ βίᾳ καταφερομένου [B S φ.] (9 ?)
28. 2. ὡς χάλαζα καταφερομένη οὐκ ἔχουσα σκέπην βίᾳ καταφερομένη [S¹ *om.* οὐκ . . . κ.] (8, 7 ?)
Ez. 47. 2. τὸ ὕδωρ κατεφέρετο ἀπὸ τοῦ κλίτους τοῦ δεξιοῦ (6)
Da. Th. 5. 20. κατηνέχθη ἀπὸ τοῦ θρόνου (5)
IV Ma. 16. 20. τὴν πατρῴαν χεῖρα . . . καταφερομένην ἐπ' αὐτόν
[Aq. Ps. 75 (76). 7 : Pr. 30. 4 : Da. 10. 9.]
[Sm. Ps. 29 (30). 4, 10 : 54 (55). 3, 24 : Pr. 30. 4 : Ec. 10. 18.]
[Th., Heb. Ge. 37. 2.]
[Al. Jb. 1. 16.]

καταφερής. (1) מוֹרָד

Jo. 7. 5. συνέτριψαν αὐτοὺς ἀπὸ [A ἐπὶ] τοῦ κ. (1)
[Al. Jo. 7. 5.]

καταφεύγειν. (1) אָסַף ni. (2) חָבָא ni. (3) נָסָה pi. (4) לָוָה ni. (5) נוּס (6) נָפַל (7) רוּץ

Ge. 19. 20. τοῦ καταφυγεῖν με ἐκεῖ (5)
Ex. 21. 14. ἐὰν δέ τις ἐπιθῆται . . . καὶ καταφύγῃ –
Le. 26. 25. καταφεύξεσθε εἰς τὰς πόλεις ὑμῶν (1)
Nu. 35. 25. οὗ κατέφυγε (5)
— 26. εἰς ἣν κατέφυγεν ἐκεῖ (5)
De. 4. 42 : 19. 5. καταφεύξεται εἰς μίαν τῶν πόλεων τούτων (5)
Jo. 10. 27. εἰς ὃ κατεφύγοσαν [A -ον] ἐκεῖ (2)
20. 9. αὗται αἱ πόλεις . . . καταφυγεῖν ἐκεῖ (5)
Es. 4. 17. Ἐσθὴρ . . . κατέφυγεν ἐπὶ τὸν κύριον
Ps. 142 (143). 9. πρὸς σὲ κατέφυγον [S² -γα] (3)
Wi. 14. 6. ἡ ἐλπὶς τοῦ κόσμου ἐπὶ σχεδίας καταφυγοῦσα
Za. 2. 11 (15). καταφεύξονται ἔθνη πολλὰ ἐπὶ τὸν κ. (4)
Is. 10. 3. πρὸς τίνα καταφεύξεσθε τοῦ βοηθηθῆναι (5)
17. 3. οὐκέτι ἔσται ὀχυρὰ τοῦ καταφυγεῖν Ἐφραΐμ †
54. 15. ἐπὶ σὲ καταφεύξονται (6)
55. 5. ἐπὶ σὲ καταφεύξονται (7)
Je. 9. 5 (4). A¹ κατὰ τοῦ φίλου αὐ. καταφεύξεται [A² B S *al.*] †
27 (50). 5. καταφεύξονται πρὸς κ. τὸν θεόν (4)
I Ma. 5. 11. τὸ ὀχύρωμα εἰς ὃ κατεφύγομεν [S¹ -ον]

καταφθάνειν. (1) דָּבַק hi.

Jd. 20. 42. A καὶ ὁ πόλεμος κατέφθασεν αὐτόν [B *al.*] (1)

καταφθείρειν. (1) נָקַק (2) חָבַל *a.* pi. *b.* pu. (3) מָקַק ni. (4) נָבַל (5) שָׁחַת *a.* ni. *b.* pi. *c.* hi. (6) שָׁמַם

Ge. 6. 12. καὶ ἦν κατεφθαρμένη (5 *a*)
— 12. κατέφθειρε πᾶσα σὰρξ τὴν ὁδὸν αὐτοῦ (5 *c*)
— 13. καταφθείρω αὐτοὺς καὶ τὴν γῆν (5 *c*)
— 17. καταφθεῖραι πᾶσαν σάρκα (5 *b*)
9. 11. R καταφθεῖραι [A τοῦ κ.] πᾶσαν τὴν γῆν (5 *b*)
Ex. 18. 18. φθορᾷ καταφθαρήσῃ (4)
Le. 26. 39. καταφθαρήσονται διὰ τὰς ἁμαρτίας (3)
Jd. 6. 4. B κατέφθειραν [AR διέφθ.] τοὺς καρποὺς αὐτῶν (5 *c*)
II Ki. 14. 14. A B ὥσπερ τὸ ὕδωρ τὸ καταφθειρόμενον [R -φερ.] †
II Ch. 12. 7. οὐ καταφθερῶ αὐτούς (5 *c*)
24. 23. κατέφθειραν [A -εν] πάντας τοὺς ἄρχοντας (5 *c*)
25. 16. ἐβούλετο ἐπὶ σοὶ τοῦ καταφθεῖραί σε (5 *c*)
26. 16. ὑψώθη ἡ καρδία αὐτοῦ τοῦ καταφθεῖραι (5 *c*)
27. 2. ἔτι ὁ λαὸς κατεφθείρετο (5 *c*)
35. 21. μὴ καταφθείρῃ σε (5 *c*)
Wi. 16. 19. A S ἵνα ἀδίκου γῆς γεννήματα καταφθείρῃ [B διαφθ.]
— 22. τοὺς τῶν ἐχθρῶν [A ἐθνῶν] καρποὺς κατέφθειρε πῦρ
Is. 10. 27. καταφθαρήσεται ὁ ζυγὸς ἀπὸ τῶν ὤμων ὑμῶν (2 *b*)
13. 5. καταφθεῖραι [A S² τοῦ κ.] πᾶσαν τὴν οἰκουμένην (2 *a*)
24. 1. κύριος καταφθείρει τὴν οἰκουμένην (1)
32. 7. καταφθεῖραι ταπεινοὺς ἐν λόγοις ἀδίκοις (2 *a*)
36. 10. S¹ καὶ καταφθεῖρον [B S² *al.*] (5 *c*)
49. 19. τὰ κατεφθαρμένα [A S² διεφθ.] καὶ τὰ πεπτωκότα (6)
Da. Lxx. 4. 11. καὶ καταφθείρατε αὐτό †
— 24. καὶ μὴ καταφθείρῃ σε –
I Ma. 3. 39. καὶ καταφθεῖραι αὐτήν [S¹ *om.*]
8. 11. κατέφθειραν καὶ ἐδούλωσαν αὐτούς
15. 4. μετέλθω τοὺς κατεφθαρκότας τὴν χώραν ἡμῶν
— 31. καὶ τῆς καταφθορᾶς ἧς κατεφθάρκατε
II Ma. 5. 14. ὀκτὼ δὲ μυριάδες . . . κατεφθάρησαν
8. 3. ἐλεῆσαι δὲ καὶ τὴν καταφθειρομένην πόλιν
[Sm. Ps. 106 (107). 39.]

καταφθονεῖν.

Da. Th. Bel 13. A αὐτοὶ δὲ κατεφθόνουν [B -εφρόνουν]

καταφθορά. (1) מַרְחֵפוֹת (2) *a.* שָׁחַת hi. *b.* שַׁחַת

II Ch. 12. 12. καὶ οὐκ εἰς καταφθορὰν εἰς τέλος (2 *a*)
Es. 4. 17. ἐπιβλέπουσιν ἡμῖν εἰς καταφθοράν
Ps. 48 (49). 9. οὐκ ὄψεται καταφθοράν (2 *b*)
139 (140). 11. ἄνδρα ἄδικον κακὰ θηρεύσει εἰς καταφθοράν [A S διαφθ.] (1)
Si. 28. 6. μνήσθητι . . . καταφθορὰν καὶ θάνατον
Ze. 3. 6. ἐν διαφθορᾷ [S¹ καταφθ.] κατέσπασα ὑπερηφάνους –
Da. Lxx. 4. 15. ἡ κ. αὐτοῦ ἐν ὥρᾳ μιᾷ τῆς ἡμέρας –
I Ma. 15. 31. καὶ τῆς κ. ἧς κατεφθάρκατε

καταφιλεῖν. (1) נָשַׁק *a.* qal. *b.* pi. (2) שָׁחָה hithpal.

Ge. 31. 28. καταφιλῆσαι τὰ παιδία μου (1 *b*)
— 55 (32. 1). κατεφίλησε τοὺς υἱούς (1 *b*)
33. 4. R καὶ κατεφίλησεν αὐτόν (1 *a*)
45. 15. καταφιλήσας πάντας τοὺς ἀδ. αὐτοῦ (1 *b*)
Ex. 4. 27. κατεφίλησαν ἀλλήλους (1 *a*)
Ru. 1. 9. καὶ κατεφίλησεν αὐτάς (1 *a*)
— 14. κατεφίλησεν Ὀ. τὴν πενθερὰν αὐτῆς (1 *a*)
I Ki. 20. 41. κατεφίλησεν ἔκ. τὸν πλησίον αὐ. (1 *a*)
II Ki. 14. 33. κατεφίλησεν ὁ βασ. τὸν Ἀβ. (1 *a*)
15. 5. καὶ κατεφίλησεν αὐτόν (1 *a*)
19. 39 (40). κατεφίλησεν ὁ βασ. τὸν Βερζ. (1 *a*)
20. 9. τοῦ καταφιλῆσαι αὐτόν (1 *a*)
III Ki. 2. 19. καὶ κατεφίλησεν αὐτήν (2)
19. 20. καταφιλήσω τὸν πατέρα μου (1 *a*)
I Es. 4. 47. κατεφίλησεν αὐτόν
To. 7. 6. ἀνεπήδησε Ῥαγουὴλ καὶ κατεφίλησεν αὐτόν
10. 13. S καὶ κατεφίλησεν ἀμφοτέρους
Ps. 84 (85). 10. δικαιοσύνη καὶ εἰρήνη κατεφίλησαν (1 *a*)

Si. 29. 5. καταφιλήσει χεῖρα [A S -as] αὐτοῦ
III Ma. 5. 49. κατεφίλουν ἀλλήλους
[Aq. Ps. 2. 11: Ho. 13. 2.]
[Th. Pr. 24. 26.]

καταφλέγειν. (1) אָבַל (2) לָהַב (3) לְהַט pi.
Jb. 1. 16. S¹ καὶ τοὺς ποιμένας κατέφλεξεν [A -έκαυσεν, B S² -έφαγεν] (1)
Ps. 17 (18). 8. S² πῦρ . . . καταφλεγήσεται [A B S¹ κατεφλόγισεν] (1)
104 (105). 32. πῦρ καταφλέγον ἐν τῇ γῇ αὐτῶν (2)
105 (106). 18. φλὸξ κατέφλεξεν ἁμαρτωλούς (3)
Wi. 16. 18. ἵνα μὴ καταφλέξῃ τὰ ἐπ' ἀσεβεῖς ἀπεσταλμένα ζῷα [S¹ om.]
II Ma. 12. 6. τὰ σκάφη κατέφλεξε
III Ma. 2. 5. Σοδομίτας . . . πυρὶ καὶ θείῳ κατέφλεξας
IV Ma. 3. 11. καὶ λύουσα κατέφλεγεν
6. 25. καταφλέγοντες αὐτὸν ὑπερίπτοσαν

καταφλογίζειν. (1) אָבַל
Ps. 17 (18). 8. πῦρ . . . κατεφλόγισεν [S² καταφλεγήσεται] (1)

καταφλυαρεῖν.
[Sm. Je. 20. 7.]

κατάφοβος.
Pr. 29. 16. οἱ δὲ δίκαιοι ἐκείνων πιπτόντων κατάφοβοι γίνονται †

καταφορά.
[Aq. Ge. 2. 21: I Ki. 26. 12: Pr. 19. 15: Is. 29. 10.]

κατάφρακτος.
[Sm. Je. 39. 21.]

καταφράσσεσθαι.
I Ma. 6. 38. καταφρασσόμενοι ἐν ταῖς φάλαγξιν

καταφρονεῖν. (1) בָּגַד (2) בּוּז *a.* verb. *b.* subst. (3) בָּזָה (4) חָבַל ni. (5) תָּעַע pil.
Ge. 27. 12. ἔσομαι ἐναντίον αὐτοῦ ὡς καταφρονῶν (5)
To. 4. 18. A B μὴ καταφρονήσῃς ἐπὶ πάσης συμβουλίας χρησίμης
Ju. 10. 19. τίς καταφρονήσει τοῦ λαοῦ τούτου
Pr. 13. 13. ὃς καταφρονεῖ πράγματος καταφρονηθήσεται ὑπ' αὐτοῦ (2 *a*, 4 ?)
— 15. ὁδοὶ δὲ καταφρονούντων ἐν ἀπωλείᾳ (1)
18. 3. ὅταν ἔλθῃ ἀσεβὴς εἰς βάθος κακῶν καταφρονεῖ (2 *b*)
19. 16. ὁ δὲ καταφρονῶν τῶν ἑαυτοῦ ὁδῶν ἀπολεῖται (3)
23. 22. μὴ καταφρόνει ὅτι γεγήρακέ σου ἡ μήτηρ (2 *a*)
25. 9. μὴ καταφρόνει μή σε ὀνειδίσῃ μὲν ὁ φίλος †
Wi. 14. 30. ἐν δόλῳ καταφρονήσαντες ὁσιότητος
Ho. 6. 8 (7). ἐκεῖ κατεφρόνησέ μου (1)
Hb. 1. 13. ἵνα τί ἐπιβλέπεις ἐπὶ καταφρονοῦντας (1)
Ze. 1. 12. τοὺς καταφρονοῦντας ἐπὶ τὰ φυλάγματα †
Je. 2. 36. κατεφρόνησας σφόδρα τοῦ δευτερῶσαι τὰς ὁδούς σου †
Da. TH. Bel 13. αὐτοὶ δὲ κατεφρόνουν [A -εφθόνουν]
II Ma. 4. 14. R τοῦ μὲν ναοῦ καταφρονοῦντες [A *al.*]
7. 24. ὁ δὲ Ἀντ. οἰόμενος καταφρονεῖσθαι
IV Ma. 4. 9. S R τοῦ ἱεροῦ [A *om.*] καταφρονουμένου τόπου
— 26. τὰ δόγματα αὐτοῦ κατεφρονεῖτο ὑπὸ τοῦ λαοῦ
5. 10. κἀμοῦ καταφρονήσεις ἐπὶ τῇ ἰδίᾳ τιμωρίᾳ
6. 21. ὑπὸ μὲν τοῦ τυράννου καταφρονηθῶμεν
13. 9. A R οἱ τῆς ἰσοπαλίδος καμίνου [S ἰσοπολιτίδου καιομένης] κατεφρόνησαν
[Sm. Jo. 7. 1: Ec. 9. 16: Ez. 20. 27.]

καταφρόνησις.
II Ma. 3. 18. A διὰ τὸ μὴ [R *om.*] μέλλειν εἰς καταφρόνησιν ἔρχεσθαι
[Sm. Pr. 12. 8: Ez. 17. 20: 20. 27.]

καταφρονητής. (1) *a.* בָּגַד *b.* בְּגִדוֹת
Hb. 1. 5. ἴδετε οἱ καταφρονηταί †
2. 5. ὁ δὲ κατοιόμενος καὶ [B¹ *om.*] καταφρονητής (1 *a*)
Ze. 3. 4. οἱ προφῆται αὐτῆς . . . ἄνδρες κ. (1 *b*)

καταφυγή. (1) מַחֲסֶה, מַחֲסֶה (2) מָעוֹז (3) מָעוֹן (4) מְצוּדָה (5) מִקְלָט (6) מִשְׂגָּב (7) *a.* נוּס *b.* מָנוֹס (8) נֵס (9) סֵתֶר
Ex. 17. 15. κύριος καταφυγή μου (8)
Nu. 35. 27. ἔξω τῶν ὁρίων τῆς πόλεως καταφυγῆς αὐτοῦ (5)
— 28. ἐν γὰρ τῇ πόλει τῆς κ. [A κ. αὐτοῦ] (5)
De. 19. 3. ἔσται καταφυγὴ ἐκεῖ παντὶ φονευτῇ (7 *a*)
II Ki. 22. 3. καὶ καταφυγή μου σωτηρίας [A¹ -ία] μου (7 *b*)
Ps. 9. 9. ἐγένετο κύριος καταφυγὴ τῷ πένητι (6)
17 (18). 2. κύριος στερέωμά μου καὶ καταφυγή μου (4)
30 (31). 2. γενοῦ μοι . . . εἰς οἶκον καταφυγῆς (4)
— 3. καταφυγή μου εἶ σύ (4)
31 (32). 7. σύ μου εἶ καταφυγὴ ἀπὸ θλίψεως τῆς περιεχούσης με (9)
45 (46). 1. ὁ θεὸς ἡμῶν καταφυγὴ καὶ δύναμις (1)
58 (59). 16. καὶ καταφυγὴ ἐν ἡμέρᾳ θλίψεώς μου (7 *b*)
70 (71). 3. καταφυγή μου εἶ σύ (4)
89 (90). 1. κύριε, καταφυγὴ ἐγενήθης ἡμῖν (3)
90 (91). 2. ἀντιλήπτωρ μου εἶ καὶ καταφυγή μου (4)
— 9. τὸν ὕψιστον ἔθου καταφυγήν σου (3)
93 (94). 22. ἐγένετό μοι κύριος εἰς καταφυγήν (6)
103 (104). 18. πέτρα καταφυγὴ τοῖς χοιρογρύλλιοις [A S² λαγῴοις] (1)
143 (144). 2. ἔλεός μου καὶ καταφυγή μου (4)
Is. 25. 12. τὸ ὕψος τῆς κ. τοῦ τοίχου σου ταπεινώσει (6)
Je. 16. 19. βοήθειά μου καὶ κ. μου (7 *b*)
Da. TH. 11. 39. τοῖς ὀχυρώμασι τῶν κ. (2)
II Ma. 10. 28. τὴν ἐπὶ τὸν κύριον κ.
[Sm. I Ki. 23. 14: Ps. 70 (71). 3: Is. 28. 15.]
[Th. I Ki. 22. 4: Da. 11. 39.]
[Al. Is. 28. 15.]
[Quint. Ps. 90 (91). 9.]

καταφυτεύειν. (1) נָטַע (2) עָשָׂה (3) שָׁרַשׁ hi. (4) שָׁתַל
Ex. 15. 17. καταφύτευσον αὐτούς (1)
Le. 19. 23. καταφυτεύσετε [A -ητε] πᾶν ξύλον βρώσιμον (1)
De. 6. 11. οὓς οὐ κατεφύτευσας (1)
Jo. 24. 13. A οὓς οὐ κατεφυτεύσατε [B οὐκ ἐφυτ.] (1)
II Ki. 7. 10: I Ch. 17. 9. καταφυτεύσω αὐτόν (1)
Ps. 43 (44). 2. καὶ κατεφύτευσας αὐτούς (1)
79 (80). 8. κατεφύτευσας αὐτήν (1)
— 9. κατεφύτευσας τὰς ῥίζας αὐτῆς (3)
Pr. 31. 16. κατεφύτευσε κτῆμα (1)
Si. 49. 7. οἰκοδομεῖν καὶ καταφυτεύειν [S¹ φυτ.]
Am. 9. 14. R φυτεύσουσιν [A B καταφ.] ἀμπελῶνας (1)
— 14. R καὶ ποιήσουσι [A καταφυτεύσουσιν, B φυτεύσουσιν] κήπους (2)
— 15. καταφυτεύσω αὐτοὺς ἐπὶ τῆς γῆς αὐτῶν (1)
Ze. 1. 13. καὶ καταφυτεύσουσιν [A -σωσιν] ἀμπελῶνας (1)
Is. 65. 21. καταφυτεύσουσιν [S -σωσιν] ἀμπελῶνας (1)
Je. 1. 10. B S ἀνοικοδομεῖν καὶ κ. (1)
11. 17. κύριος ὁ καταφυτεύσας σε (1)
18. 9. τοῦ ἀνοικοδομεῖσθαι καὶ τοῦ καταφυτεύσθαι (1)
24. 6. καταφυτεύσω αὐτοὺς καὶ οὐ μὴ ἐκτίλω (1)
36 (29). 5. S καταφυτεύσατε [A B φυτ.] παραδείσους (1)
38 (31). 28. τοῦ οἰκοδομεῖν καὶ κ. (1)
Ez. 17. 22. καταφυτεύσω ἐγὼ ἐπ' ὄρος ὑψηλόν (4)
— 23. καταφυτεύσω καὶ ἐξοίσει βλαστόν (4)
36. 36. κατεφύτευσα τὰς ἠφανισμένας (1)
II Ma. 1. 29. καταφύτευσον τὸν λαόν σου
[Aq. Je. 45. 4 (51. 34): Mi. 6. 14.]
[Sm. Je. 45. 4 (51. 34).]

καταφύτευσις.
Je. 38 (31). 22. ἔκτισε κύριος σωτηρίαν εἰς καταφύτευσιν καινήν

καταχαίρειν. (1) לָעַג
Pr. 1. 26. καταχαροῦμαι δὲ ἡνίκα ἂν ἔρχηται ὑμῖν ὄλεθρος (1)

καταχαλᾶν. (1) יָרַד hi.
Jo. 2. 15. κατεχάλασεν αὐτοὺς διὰ τῆς θυρίδος (1)

καταχαλκοῦν. (1) צָפָה pi.
II Ch. 4. 9. καὶ θυρώματα αὐτῶν κατακεχαλκωμένα χαλκῷ (1)

καταχεῖν. (1) יָצַק (2) נָטָה (3) עָטָה hi.
Ge. 39. 21. κατέχεεν αὐτοῦ ἔλεος (2)
Jb. 41. 14 (15). καταχέει ἐπ' αὐτόν (1)
Ps. 88 (89). 45. κατέχεας αὐτοῦ [S² -ῳ] αἰσχύνην (3)
II Ma. 1. 31. A ἐκέλευσε λίθους μείζονας καταχεῖν [R κατασχεῖν]
IV Ma. 6. 25. δυσώδεις χυλοὺς εἰς τοὺς μυκτῆρας αὐτοῦ κατέχεον
[Th. Jb. 41. 15.]

καταχρᾶσθαι.
Ep. Je. 28. τὰς δὲ θυσίας αὐτῶν ἀποδόμενοι οἱ ἱερεῖς αὐτῶν καταχρῶνται
III Ma. 4. 5. πρὸς ὀξείαν καταχρωμένων πορείαν
5. 22. εἰς ὕπνον κατεχρήσαντο τὸν χρόνον τῆς νυκτός

κατάχρεος, κατάχρεως.
Wi. 1. 4. οὐδὲ κατοικήσει ἐν σώματι καταχρέῳ [? κατάχρεῳ] ἁμαρτίας

καταχρίειν. (1) חָמַר
Ex. 2. 3. κατέχρισεν αὐτὴν ἀσφαλτοπίσσῃ (1)
Wi. 18. 14. καταχρίσας μίλτῳ
— 14. πᾶσαν κηλῖδα τὴν ἐν αὐτῷ καταχρίσας

καταχρύσεα. (1) דִּי זָהָב
De. 1. 1. ἀνὰ μέσον . . . Αὐλὼν καὶ καταχρύσεα (1)

καταχρυσοῦν. (1) חָפָה pi. (2) צָפָה pi.
Ex. 25. 10 (11). καταχρυσώσεις αὐτὴν χρυσίῳ καθαρῷ (2)
— 12 (13). καταχρυσώσεις αὐτὰ χρυσίῳ (2)
— 27 (28). καταχρυσώσεις αὐτοὺς χρυσίῳ καθαρῷ (2)
26. 29. τοὺς στύλους καταχρυσώσεις χρυσίῳ (2)
— 29. καταχρυσώσεις τοὺς μοχλοὺς χρυσίῳ (2)
30. 3. καταχρυσώσεις αὐτὰ χρυσίῳ καθαρῷ (2)
— 5. καταχρυσώσεις αὐτὰς [A -ὰ] χρυσίῳ (2)
37. 4 (36. 36). στύλους . . . κατακεχρυσωμένους ἐν [A *om.*] χρυσίῳ (2)
— 6 (36. 38). τὰς κεφαλίδας αὐτῶν . . . κατεχρύσωσαν χρυσίῳ (2)
38. 2 (37. 2). κατεχρύσωσεν αὐτὴν χρυσίῳ καθαρῷ (2)
— 11 (37. 15). κατεχρύσωσεν αὐτοὺς χρυσίῳ (2)
— 18. κατεχρύσωσε τοὺς στύλους . . . χρυσίῳ (2 ?)
39. 6 (38. 28). κατεχρύσωσε τὰς κεφαλίδας αὐτῶν (2)
II Ch. 3. 4. καὶ κατεχρύσωσεν αὐτὸν ἔσωθεν (2)
— 5. καὶ κατεχρύσωσε χρυσίῳ καθαρῷ (1)
— 8. A κατεχρύσωσεν [B ἐχρ.] αὐτὸ χρυσίῳ καθαρῷ (1)
9. 17. κατεχρύσωσεν αὐτὸν χρυσίῳ δοκίμῳ (2)
[Th. Ex. 37. 4, 11, 15.]

κατάχυσις. (1) מוֹצָק
Jb. 36. 16. ἄβυσσος κατάχυσις [A -σεις] ὑποκάτω αὐτῆς (1 ?)
[Aq. Dt. 3. 17.]

καταχωννύναι. (1) כָּבַשׁ
Za. 9. 15. καταχώσουσιν αὐτοὺς [S² *om.* κ. αὐ.] ἐν λίθοις σφενδόνης (1)
[Sm. Je. 40. 8 (13).]

καταχωρίζειν. (1) כָּתַב ni. (2) עָלָה
I Ch. 27. 24. οὐ κατεχωρίσθη ὁ ἀριθμὸς ἐν βιβλίῳ λόγων (2)
Es. 2. 23. καταχωρίσαι εἰς μνημόσυνον (1)
III Ma. 2. 29. R οὓς καὶ καταχωρίσαι [A προκατ.] εἰς τὴν . . . αὐθεντίαν

καταψεύδεσθαι.
Wi. 1. 11. στόμα δὲ καταψευδόμενον ἀναιρεῖ ψυχήν
[Sm. Jb. 16. 8.]

καταψευσμός.
Si. 26. 5. καὶ καταψευσμὸν ὑπὲρ θάνατον

καταψύξις.
[Th. Ge. 3. 9 (8).]

καταψύχειν. (1) שָׁעַן ni.
Ge. 18. 4. καταψύξατε ὑπὸ τὸ δένδρον (1)

κατέαγμα.
[Al. Le. 24. 20.]

κατεγχειρεῖσθαι.
III Ma. 1. 21. *ἐπὶ τοῖς ἀνοσίως ὑπ' ἐκείνου κατεγχειρουμένοις*

κατειλεῖν. (1) סָנַר
II Ch. 9. 20. **A** *πάντα τὰ σκεύη . . . χρυσίῳ κατειλημένα* [**B** *-ημμένα*] (1)

κατειπεῖν. (1) הוֹצִיא דִּבָּה
Nu. 14. 37. *οἱ* [**B**¹ *om.*] *κατείπαντες πονηρὰ κατὰ τῆς γῆς* (1)

κατελαύνειν. (1) טָחַן (2) פָּרַץ
De. 9. 21. **A** *καὶ κατήλασα σφόδρα* [**B** *al.*] (1)
Is. 5. 5. **R** *κατελῶ* [**A B S** *καθελῶ*] *τὸν τοῖχον αὐτοῦ* (2)
[**Aq.** Ps. 140 (141). 5 : Is. 28. 1 : 41. 7.]

κατελεεῖν.
IV Ma. 8. 10. *κατελεήσατε οὖν ἑαυτούς*

κατεμβλέπειν. (1) נָבַט hi.
Ex. 3. 6. *κατεμβλέψαι ἐνώπιον τοῦ θεοῦ* (1)

κατέναντι, κατεναντίον. * **ὁ κατέναντι**
Ge. 2. 14 : 4. 16 : 50. 13.
Ex. 19. 2 : 32. 5, 11†.
Nu. 17. 4 (19).
Jd. 19. 10†.
II Ki. 10. 17† : 22. 23.
III Ki. 20 (21). 13†.
IV Ki. 1. 13 : 15. 10†.
I Ch. 5. 11 : 8. 32 : 19. 7, 14 : 24. 6 : 26. 15, 16†, 18.
II Ch. 2. 6 (5) : 4. 10 (*adv.*) : 5. 12† : 6. 12, 22, 24, 28 : 8. 14 : 32. 12 : 34. 27.
Ne. 3. 10, 23 : 12. 24, 37.
To. 11. 1†.
Ju. 12. 15†, 19.
Ps. 5. 5 : 25 (26). 3 : 43 (44). 15†.
Ec. 4. 12 : 6. 8.
Si. 22. 18 *bis* : 26. 12, 12† : 28. 26 : 29. 13 : 31 (34). 3 : 36 (33). 15 : 38. 28 : 42. 24 : 47. 9 : 50. 19.
Am. 3. 12 : 4. 3.
Mi. 2. 8.
Jl. 1. 16.
Za. 14. 4*†.
Is. 38. 20.
Ba. 4. 2.
La. 3. 35.
Ez. 1. 9† : 3. 8 *bis* : 11. 1 (*adv.*)* : 40. 10 (*adv.*), 27, 42 : 41. 13, 14 : 42. 1, 4, 19† : 44. 4 : 47. 20 (*ἕως κ.*).
Da. LXX. 3. 3, 7 : 5. 1, 5, 17 : 6. 10 (11) : 8. 7, 15.
Da. TH. Su. 24 : 5. 1, 5 : 6. 10 (11), 22 (23).
I Ma. 2. 41 : 3. 46 : 13. 28.
II Ma. 15. 33.
[**Aq.** GE. 2. 18 : 33. 12 (*εἰς κ.*) : Ps. 25 (26). 3 (*εἰς κ.*) : 30 (31). 20, 23 (*ἀπὸ κ.*) : PR. 4. 25 : 21. 30 : CA. 6. 4 (5) (*ἀπὸ κ.*).]
[**Sm.** PR. 5. 21 : 21. 30.]
[**Th.** III KI. 21. 13 : PR. 4. 25 : 5. 21 : 21. 30 : EZ. 20. 43 : DA. 4. 15 (*κ. ὅτι*)† : 5. 1, 5, 10† : 6. 3 (*κ. ὅτι*)†, 8†.]
[**Al.** EX. 25. 26 (27) : II KI. 5. 23 (*κ. ἐν*).]

κατενισχύειν. (1) חָזַק hithp.
I Ch. 29. 30 (II Ch. 1. 1). **B** *κατενίσχυσεν* **Σαλ.** . . . *ἐπὶ τῆς βασιλείας* (1)

κατεντευκτής. (1) מְפַגֵּעַ
Jb. 7. 20. *διὰ τί ἔθου με κατεντευκτήν σου* (1)

κατενώπιον.
Le. 4. 17†.
Jo. 1. 5 : 3. 7 : 21. 42 : 23. 9.
Es. 5. 1†.
Ps. 43 (44). 15†.
Da. TH. 5. 22†.

κατεπαίρεσθαι.
[**Sm.** Ps. 60 (61). 3.]

κατεπείγειν. (1) נָשָׂה
Ex. 22. 25 (24). *οὐκ ἔσῃ αὐτὸν κατεπείγων* (1)

κατεπίθεσις.
[**Aq.** Ps. 31 (32). 2 : 119 (120). 3.]

κατεπίθυμος.
Ju. 12. 16. *ἦν κατεπίθυμος σφόδρα*

κατεπικύπτειν.
Es. 5. 1. *κατεπέκυψεν ἐπὶ τὴν κεφαλήν* [**A** *al.*]

κατεργάζεσθαι. (1) חָרַשׁ (2) כָּרַתּוֹת (3) מְשָׂרָה (4) עָבַד *a.* qal. *b.* ni. (5) עָשָׂה (6) פָּעַל (7) צוּק hi. (8) רָדָה
Ex. 15. 17. **A** *κατοικητήριόν σου ὃ κατηργάσω* [**B** *-ηρτίσω*] (6)
35. 33. *κατεργάζεσθαι τὰ ξύλα* (1)
39. 1 (38. 24). *ὃ κατειργάσθη εἰς τὰ ἔργα* (5)
Nu. 6. 3. *ὅσα κατεργάζεται ἐκ σταφυλῆς* (3)
De. 28. 39. *ἀμπελῶνα φυτεύσεις καὶ κατεργᾷ* (4 *a*)
Jd. 16. 16. **A** *ὅτε κατειργάσατο αὐτόν* [**B** *al.*] (7)
III Ki. 6. 36. *στίχος κατειργασμένης κέδρου* (2)
I Es. 4. 4. *κατεργάζονται τὰ ὄρη*
Ps. 67 (68). 28. **S**² *ὃ κατειργάσω* [**B S**¹ *-ηρτίσω*] *ἡμῖν* (6)
Ez. 34. 4. *τὸ ἰσχυρὸν κατειργάσασθε μόχθῳ* (8)
36. 9. *καὶ κατεργασθήσεσθε* (4 *b*)
[**Aq.** JB. 11. 8 : Ps. 10 (11). 3 : 27 (28). 3 : 30 (31). 20.]
[**Al.** LE. 25. 39, 53 : JO. 18. 1.]

κατεργασία. (1) מְלָאכָה
I Ch. 28. 19. *κατὰ τὴν . . . σύνεσιν τῆς κ. τοῦ παραδείγματος* (1)
[**Aq.** Ps. 27 (28). 5 : Is. 40. 10.]

κατέργασμα.
[**Aq.** Ps. 45 (46). 9 : PR. 8. 22.]

κάτεργον. (1) עֲבֹדָה
Ex. 30. 16. **A R** *εἰς τὸ* [**B** *om.*] *κ. τῆς σκηνῆς* (1)
35. 21. *ἤνεγκαν ἀφαίρεμα . . . εἰς πάντα τὰ κ. αὐτῆς* (1)
[**Aq.** JB. 24. 5 : Ps. 27 (28). 4.]

κατερείπειν.
[**Th.** JB. 37. 1.]

κατερευνᾶν. (1) חָשַׂף
Je. 29 (49). 10. **A** *κατηρεύνησα* [*cod. -αύν.*, **B** *-έσυρα*] *τὸν Ἡσαῦ* (1)

κατέρχεσθαι.
To. 1. 22. **S** *κατῆλθον εἰς τὴν Νινευῆ* [**A B** *al.*]
2. 1. *ὅτε δὲ κατῆλθον εἰς τὸν οἶκόν μου* [**S** *al.*]
Es. 3. 13. *εἰς* [**A** *om.*] *τὸν ᾅδην κατελθόντες*
Wi. 11. 22. *ὡς ῥανὶς δρόσου ὀρθρινὴ κατελθοῦσα ἐπὶ γῆν* [**S**² *γῆς*]
II Ma. 11. 29. **R** *κατελθόντας ὑμᾶς γίνεσθαι πρὸς τοῖς ἰδίοις* [**A** *al.*]
[**Sm.** JB. 21. 13.]

κατέσθειν, κατεσθίειν (*incl.* **καταφαγεῖν, κατέδεσθαι**). (1) אָכַל *a.* qal. *b.* ni. *c.* po. *d.* pu. *e.* אֻכַל (2) בָּלַע (3) בָּעַר (4) חָסַל (5) כָּלָה pi. (6) נָשָׂא (7) שָׁבַל pi.
Ge. 31. 15. *κατέφαγε καταβρώσει τὸ ἀργύριον ἡμῶν* (1 *a*)
— 38. *κριοὺς τῶν προβάτων σου οὐ κατέφαγον* (1 *a*)
37. 20, 33. *θηρίον πονηρὸν κατέφαγεν αὐτόν* (1 *a*)
40. 17. *τὰ πετεινὰ . . . κατήσθιεν αὐτά* (1 *a*)
41. 4, 20. *κατέφαγον αἱ ἑπτὰ βόες . . . τὰ ἑ. βόας* (1 *a*)
43. 2. *καταφαγεῖν τὸν σῖτον* (1 *a*)
Ex. 10. 5. **B** *κατέδεται πᾶν τὸ περισσὸν τῆς γῆς* [**A** *om. τ. γ.*] (1 *a*)
— 5. *κατέδεται πᾶν ξύλον* (1 *a*)
— 12. *κατέδεται πᾶσαν βοτάνην* (1 *a*)
— 15. *κατέφαγε πᾶσαν βοτάνην* (1 *a*)
15. 7. *κατέφαγεν αὐτοὺς ὡς καλάμην* (1 *a*)
Le. 9. 24. *κατέφαγε τὰ ἐπὶ τοῦ θυσιαστηρίου* (1 *a*)
10. 2. *καὶ κατέφαγεν αὐτούς* (1 *a*)
26. 22. *καὶ κατέδεται ὑμᾶς* (7)
— 38. *κατέδεται ὑμᾶς ἡ γῆ τῶν ἐχθρῶν ὑμῶν* (1 *a*)
Nu. 11. 1. *κατέφαγε μέρος τι τῆς παρεμβολῆς* (1 *a*)
12. 12. *κατεσθίει τὸ ἥμισυ τῶν σαρκῶν αὐτῆς* (1 *b*)
13. 33 (32). *γῆ κατέσθουσα τοὺς κατοικοῦντας ἐπ' αὐτῆς* (1 *a*)
16. 35. *κατέφαγε τοὺς πεντήκοντα καὶ διακοσίους ἄνδρας* (1 *a*)
21. 28. *καὶ κατέφαγεν ἕως Μωάβ* (1 *a*)
26. 10. *ὅτε κατέφαγε τὸ πῦρ τοὺς πεντήκοντα* (1 *a*)
De. 28. 38. *κατέδεται αὐτὰ ἡ ἀκρίς* (4)
— 39. *καταφάγεται αὐτὰ ὁ σκώληξ* (1 *a*)
— 51. *κατέδεται τὰ ἔγγονα τῶν κτηνῶν σου* (1 *a*)
— 55. *ὃν ἂν κατέσθῃ* (1 *a*)
— 57. *καταφάγεται γὰρ αὐτά* (1 *a*)
32. 22. *καταφάγεται γῆν* (1 *a*)
— 42. **A** *ἡ μάχαιρά μου καταφάγεται* [**R** *φάγ.*] *κρέα* (1 *a*)
Jd. 6. 21. *κατέφαγε τὰ κρέα* (1 *a*)
9. 15. **A R** *καταφάγοι* [**B** *-η*] *τὰς κέδρους τοῦ Λιβάνου* (1 *a*)
— 20. **A R** *καταφάγοι* [**B** *φ.*] *τοὺς ἄνδρας Σικ.* (1 *a*)
— 20. *καταφάγοι τὸν Ἀβ.* (1 *a*)
II Ki. 2. 26. *μὴ εἰς νῖκος καταφάγεται ἡ ῥομφ.* (1 *a*)
11. 25. **A** *καταφάγεται* [**B** *φάγ.*] *ἡ μάχαιρα* (1 *a*)
18. 8. *ἐπλεόνασεν ὁ δρυμὸς τοῦ καταφαγεῖν* (1 *a*)
— 8. *ὑπὲρ οὓς κατέφαγεν ἐν τῷ λαῷ* [**A** *om. ἐν τ. λ.*] *ἡ μάχαιρα* (1 *a*)
22. 9. *πῦρ ἐκ στόματος αὐτοῦ κατέδεται* (1 *a*)
III Ki. 12. 24 (**B** *cf.* **A** 14. 11). *καταφάγονται οἱ κύνες* –
— 24 (**B** *cf.* **A** 14. 11). *καταφάγεται τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ* –
14. 11. **A** *καταφάγονται οἱ κύνες* (1 *a*)
— 11. **A** *καταφάγονται τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρ.* (1 *a*)
16. 4. *καταφάγονται αὐτὸν* [**A** *om.*] *οἱ κύνες* (1 *a*)
— 4. *καταφάγονται αὐτὸν τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρ.* (1 *a*)
18. 38. *κατέφαγε τὰ ὁλοκαυτώματα* (1 *a*)
20 (21). 23. *οἱ κύνες καταφάγονται αὐτήν* (1 *a*)
— 24. **A** *τὸν τεθνηκότα . . . καταφάγονται* [**B** *φάγ.*] *οἱ κύνες* (1 *a*)
— 24. **A** *τὸν τεθνηκότα . . . καταφάγονται* [**B** *φάγ.*] *τὰ πετεινά* (1 *a*)
IV Ki. 1. 10. *καὶ καταφάγεταί σε* (1 *a*)
— 10. *καὶ κατέφαγεν αὐτόν* (1 *a*)
— 12. *καὶ καταφάγεταί σε* (1 *a*)
— 12. *καὶ κατέφαγεν αὐτόν* (1 *a*)
— 14. *κατέφαγε τοὺς δύο πεντηκοντάρχους* (1 *a*)
9. 10. *τὴν Ἰεζ. καταφάγονται οἱ κύνες* (1 *a*)
— 36. *καταφάγονται οἱ κύνες τὰς σάρκας Ἰ.* (1 *a*)
II Ch. 7. 1. *κατέφαγε τὰ ὁλοκαυτώματα* (1 *a*)
— 13. *ἐὰν ἐντείλωμαι τῇ ἀκρίδι καταφαγεῖν τὸ ξύλον* (1 *a*)
Es. 1. 1. *κατέφαγον τοὺς ἐνδόξους*
Jb. 1. 16. **A** *κατέφαγεν* [**B S** *-έκαυσε*] *τὰ πρόβατα* (3)
— 16. *τοὺς ποιμένας κατέφαγεν* [**A** *-έκαυσεν*, **S**¹ *-έφλεξεν*] (1 *a*)
18. 13. *κατέδεται δὲ αὐτοῦ τὰ ὡραῖα* [**A** *ὤμια*] *θάνατος* (1 *a*)
20. 26. *κατέδεται αὐτὸν πῦρ ἄκαυστον* [**A** *ἄσβεστον*] (1 *c*)
22. 20. *τὸ κατάλειμμα αὐτῶν καταφάγεται πῦρ* (1 *a*)
Ps. 13 (14). 4. *οἱ κατέσθοντες* [**A** *-ίοντες*, **S** *ἐσθίοντες*] *τὸν λαόν μου* (1 *a*)
20 (21). 9. *καταφάγεται αὐτοὺς πῦρ* (1 *a*)
52 (53). 4. **R** *οἱ κατεσθίοντες* [**B S**¹ *ἔσθοντες*, **S**² *κατέσθοντες*] *τὸν λαόν μου* (1 *a*)
68 (69). 9. **B**¹ **S**¹ *ὁ ζῆλος τοῦ οἴκου σου καταφάγεταί* [**B**³ **S**² **R** *-έφαγέ*] *με* (1 *a*)
77 (78). 45. *κατέφαγεν αὐτούς* (1 *a*)
— 63. *τοὺς νεανίσκους αὐτῶν κατέφαγε πῦρ* (1 *a*)
78 (79). 7. *κατέφαγον τὸν Ἰακώβ* (1 *a*)
104 (105). 35. *κατέφαγε πάντα τὸν χόρτον* (1 *a*)
— 35. *κατέφαγε τὸν καρπὸν τῆς γῆς αὐτῶν* (1 *a*)
Pr. 24. 37 (30. 14). *κατεσθίειν* [**A** *om.*] *τοὺς ταπεινοὺς ἀπὸ τῆς γῆς* (1 *a*)
— 52 (30. 17). *καταφάγοισαν αὐτὸν νεοσσοὶ ἀετῶν* (1 *a*)
Ec. 6. 2. **S**¹ *ἀνὴρ ξένος καταφάγεται* [**A B S**² *φάγ.*] *αὐτόν* [**A** *-ά*] (1 *a*)
Si. 6. 3. *τὰ φύλλα σου καταφάγεσαι*
43. 21. *καταφάγεται ὄρη καὶ ἔρημον ἐκκαύσει*
Ho. 2. 12 (14). *καὶ καταφάγεται αὐτὰ τὰ θηρία* (1 *a*)
5. 7. *νῦν καταφάγεται αὐτοὺς ἡ ἐρυσίβη* (1 *a*)
7. 7. *καὶ κατέφαγον* [**A** *-εν πῦρ*] *τοὺς κριτὰς αὐτῶν* (1 *a*)

Ho. 7. 9. κατέφαγον ἀλλότριοι τὴν ἰσχὺν αὐτοῦ (1 *a*)
8. 7. ἀλλότριοι καταφάγονται αὐτό (2)
— 14. καὶ καταφάγεται τὰ θεμέλια αὐ. (1 *a*)
13. 8. καταφάγονται [A φάγ.] αὐτοὺς ἐκεῖ σκύμνοι δρυμοῦ (1 *a*)
Am. 1. 4. καταφάγεται θεμέλια υἱοῦ Ἀδ. (1 *a*)
— 7, 10. καταφάγεται θεμέλια αὐτῆς (1 *a*)
— 12. καταφάγεται θεμέλια τειχέων αὐτῆς (1 *a*)
— 14. καταφάγεται θεμέλια αὐτῆς (1 *a*)
2. 2. καταφάγεται τὰ θεμέλια τῶν πόλεων (1 *a*)
— 5. καταφάγεται θεμέλια Ἱερουσ. (1 *a*)
4. 9. ἐλαιῶνας ὑμῶν κατέφαγεν ἡ κάμπη (1 *a*)
5. 6. καὶ καταφάγῃ [A καταφάγεται] αὐτόν (1 *a*)
7. 2. ἐὰν συντελέσῃ τοῦ καταφαγεῖν τὸν χόρτον (1 *a*)
— 4. κατέφαγε τὴν ἄβυσσον τὴν πολλήν (1 *a*)
— 4. καὶ κατέφαγε τὴν μερίδα κυρίου (1 *a*)
Mi. 3. 3. κατέφαγον τὰς σάρκας τοῦ λαοῦ (1 *a*)
Jl. 1. 4. τὰ κατάλοιπα τῆς κάμπης κατέφαγεν ἡ ἀκρίς (1 *a*)
— 4. τὰ κατάλοιπα τῆς ἀκρίδος κατέφαγεν ὁ βροῦχος (1 *a*)
— 4. τὰ κατάλοιπα τοῦ βρούχου κατέφαγεν ἡ ἐρυσίβη (1 *a*)
— 20. πῦρ κατέφαγε τὰ ὡραῖα τῆς ἐρήμου (1 *a*)
2. 5. φλογὸς πυρὸς κατεσθιούσης καλάμην (1 *a*)
— 25. ὃν κατέφαγεν ἡ ἀκρίς (1 *a*)
Ob. 1. 18. καὶ καταφάγονται αὐτούς (1 *a*)
Na. 2. 13 (14). τοὺς λέοντάς σου καταφάγεται (1 *a*)
3. 13. καταφάγεται πῦρ τοὺς μοχλούς σου (1 *a*)
— 15. ἐκεῖ καταφάγεταί σε πῦρ (1 *a*)
— 15. καταφάγεταί σε ὡς ἀκρὶς (1 *a*)
Za. 11. 1. καταφαγέτω πῦρ τὰς κέδρους σου (1 *a*)
— 9. A R τὰ κατάλοιπα [B S λ.] κατεσθιέτωσαν (1 *a*)
— 16. τὰ κρέα τῶν ἐκλεκτῶν καταφάγεται (1 *a*)
12. 6. καταφάγονται . . . τοὺς λαούς (1 *a*)
Is. 1. 7. ἀλλότριοι κατεσθίουσιν αὐτήν (1 *a*)
— 20. μάχαιρα ὑμᾶς κατέδεται (1 *d*)
9. 12 (11). τοὺς κατεσθίοντας τὸν Ἰσρ. (1 *a*)
10. 18. καταφάγεται ἀπὸ ψυχῆς ἕως σαρκῶν (5)
29. 6. φλὸξ πυρὸς κατεσθίουσα (1 *a*)
30. 30. μετὰ . . . φλογὸς κατεσθιούσης (1 *a*)
31. 8. οὐδὲ μάχαιρα ἀνθρώπου καταφάγεται αὐτόν (1 *a*)
33. 11. πῦρ κατέδεται ὑμᾶς (1 *a*)
50. 9. σὴς [A ὡς σ.] καταφάγεται ὑμᾶς (1 *a*)
61. 6. ἰσχὺν ἐθνῶν κατέδεσθε (1 *a*)
Je. 2. 30. μάχαιρα κατέφαγε τοὺς προφήτας ὑμῶν (1 *a*)
5. 14. καταφάγεται αὐτούς (1 *a*)
— 17. A B S^2 κατέδονται τὸν θερισμόν (1 *a*)
— 17. κατέδονται τοὺς υἱοὺς ὑμῶν (1 *a*)
— 17. κατέδονται τὰ πρόβατα ὑμῶν (1 *a*)
— 17. κατέδονται τοὺς ἀμπελῶνας ὑμῶν (1 *a*)
8. 16. καταφάγεται τὴν γῆν (1 *a*)
10. 25. κατέφαγον [S^1 -γεσαν] τὸν Ἰακώβ (1 *a*)
12. 9. A ἐλθάτωσαν τοῦ κ. [B S φ.] αὐτήν (1 *a*)
— 12. μάχαιρα τοῦ κ. καταφάγεται [A -έφαγεν] τῆς γῆς (1 *a*)
17. 27. καταφάγεται ἄμφοδα Ἰερουσαλήμ (1 *a*)
21. 14. A κατέδεται [B S ἔ] πάντα τὰ κύκλῳ αὐτῆς (1 *a*)
26. (46). 10. καταφάγεται ἡ μάχαιρα κυρίου (1 *a*)
— 14. κατέφαγε μάχαιρα τὴν σμίλακά σου (1 *a*)
27 (50). 32. καταφάγεται πάντα τὰ κύκλῳ αὐτῆς (1 *a*)
28 (51). 34. κατέφαγέ με (1 *a*)
30 (49). 27. καταφάγεται ἄμφοδα υἱοῦ Ἀδερ (1 *a*)
La. 2. 3. κατέφαγε πάντα τὰ κύκλῳ (1 *a*)
4. 11. κατέφαγε τὰ θεμέλια αὐτῆς (1 *a*)
Ep. Je. 20. τῶν . . . ἐρπετῶν κατεσθόντων αὐτούς
Ez. 3. 1. κατάφαγε τὴν κεφαλίδα ταύτην (1 *a*)
15. 7. πῦρ αὐτοὺς καταφάγεται (1 *a*)
19. 14. κατέφαγεν αὐτήν (1 *a*)
20. 47 (21. 3). καταφάγεται ἐν σοὶ πᾶν ξύλον χλωρόν (1 *a*)
22. 25. ψυχὰς κατεσθίοντες [A *add.* ἐδυνάστευσαν] ἐν δυνασταίᾳ (1 *a*)
23. 25. τοὺς καταλοίπους σου πῦρ καταφάγεται [A *al.*] (1 *b*)
28. 18. τοῦτο καταφάγεταί σε (1 *a*)
34. 3. τὸ γάλα κατέσθετε [A -θίετε] (1 *a*)
36. 8. τὸν καρπὸν ὑμῶν καταφάγεται [A καρπὸν φάγ.] ὁ λαός μου (6)
— 13. κατέσθουσα ἀνθρώπους εἶ (1 *a*)
Da. LXX. 7. 5. κατάφαγε σάρκας πολλάς (1 *e*)
— 19. κατεσθίοντος [*cod.* -ες] πάντας κυκλόθεν (1 *e*)
— 23. καταφάγεται πᾶσαν τὴν γῆν (1 *e*)
Bel 8. αὐτὸς ὁ Βὴλ ἐστιν ὁ κατεσθίων αὐτά
— 8. οὐκ ἐστὶν ὁ Βὴλ ὁ κατεσθίων ταῦτα
Da. LXX. Bel 14. κατεφάγοσαν πάντα τὰ παρακείμενα
Da. TH. 7. 23. καταφάγεται πᾶσαν τὴν γῆν (1 *e*)
Bel 8. τίς ὁ κατέσθων [A -ίων] τὴν δαπάνην ταύτην
— 9. Βὴλ κατεσθίει αὐτά
— 15. καὶ κατέφαγον πάντα
— 32. ἵνα καταφάγωσι τὸν Δαν.
I Ma. 6. 53. κατέφαγον τὸ ὑπόλειμμα τῆς παραθέσεως [Aq. Dt. 4. 24: III Ki. 14. 11 *bis*: Pr. 30. 14: Ez. 7. 15.] [Sm. Ps. 26 (27). 2: Pr. 30. 14: Is. 10. 17: 50. 9: Hb. 3. 14.] [Th. Jb. 22. 20: Ps. 104 (105). 35: Pr. 30. 14: Je. 48 (31). 45: Da. 7. 23.] [Al. Hb. 3. 14.]

κατευθικτεῖν.

II Ma. 14. 43. τῇ δὲ πληγῇ μὴ κατευθικτήσας

κατευθύνειν. (1) אָשַׁר pi. (2) יָשַׁר *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. *d.* יְשָׁר *e.* מְיֻשָּׁרִים *f.* (3) כּוּל pilp. (4) בִּין *a.* ni. *b.* pil. *c.* pu. *d.* hi. *e.* hithp. (5) נָצַל hi. (6) פָּרַץ (7) צָלַח *a.* qal. *b.* hi. *c.* צָלַח aph. (8) חָכַן *a.* qal. *b.* ni.

Jd. 12. 6. καὶ οὐ κατεύθυνε [A καὶ κατηύθυναν] τοῦ λαλῆσαι (4 *d*)
14. 6. A κατηύθυνεν [B ἥλατο] ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (7 *a*)
— 19. A κατεύθυνεν [B ἥλατο] ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (7 *a*)
15. 14. A κατηύθυνεν [B ἥλατο] ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (7 *a*)
I Ki. 6. 12. κατεύθυναν αἱ βόες ἐν τῇ ὁδῷ (2 *a*)
II Ki. 19. 17 (18). κατεύθυναν τὸν Ἰορδάνην (7 *a*)
III Ki. 11. 43. R κατευθύνει [B -ειν] καὶ ἔρχεται –
I Ch. 29. 18. κατεύθυνον τὰς καρδίας αὐτῶν πρὸς σέ (4 *d*)
II Ch. 12. 14. οὐ κατεύθυνε τὴν καρδίαν αὐτοῦ (4 *d*)
17. 5. κατεύθυνε κύριος τὴν βασιλείαν (4 *d*)
19. 3. κατηύθυνας τὴν καρδίαν σου (4 *d*)
20. 33. ὁ λαὸς οὐ κατεύθυνε τὴν καρδίαν (4 *d*)
30. 19. ὑπὲρ πάσης καρδίας κατευθυνούσης (4 *d*)
32. 30. καὶ κατηύθυνεν αὐτὰ κάτω (2 *b*)
Ju. 8. 23. οὐ κατευθυνθήσεται ἡ δουλεία ἡμῶν
12. 8. κατευθῦναι τὴν ὁδὸν αὐτῆς
13. 18. κατεύθυνέ σε εἰς τραῦμα κεφαλῆς
Es. 3. 13. τὴν ὑφ' ἡμῶν κατευθυνομένην ἀμέμπτως συναρχίαν
8. 13. τοῦ κατευθύνοντος . . . τὴν βασιλείαν [S^1 ἁγίαν]
Ps. 5. 8. κατεύθυνον ἐνώπιόν σου τὴν ὁδόν μου (2 *c*)
7. 9. καὶ κατευθυνεῖς δίκαιον (4 *b*)
36 (37). 23. τὰ διαβήματα ἀνθρώπου [S^1 ἀνδρὶ] κατευθύνεται (4 *c*)
39 (40). 2. κατεύθυνε τὰ διαβήματά μου (4 *b*)
58 (59). 4. ἄνευ ἀνομίας ἔδραμον καὶ κατεύθυνα (4 *e*)
77 (78). 8. ἥτις οὐ κατεύθυνεν ἐν τῇ καρδίᾳ [S^2 τὴν κ.] αὐτῆς (4 *d*)
89 (90). 17. τὰ ἔργα τῶν χειρῶν ἡμῶν κατεύθυνον ἐφ' ἡμᾶς (4 *b*)
— 17. A S τὸ ἔργον τῶν χειρῶν ἡμῶν κατεύθυνον (4 *b*)
100 (101). 7. λαλῶν ἄδικα οὐ κατεύθυνεν (4 *a*)
101 (102). 28. τὸ σπέρμα αὐτῶν . . . κατευθυνθήσεται (4 *a*)
118 (119). 5. ὄφελον κατευθυνθείησαν αἱ ὁδοί μου (4 *a*)
— 133. τὰ διαβήματά μου κατεύθυνον (4 *d*)
139 (140). 11. A B^2 S R ἀνὴρ γλωσσώδης οὐ [S^1 *add.* μὴ, S^2 *om.*] κατευθυνθήσεται (4 *a*)
140 (141). 2. κατευθυνθήτω ἡ προσευχή μου (4 *a*)
Pr. 1. 3. καὶ κρίμα κατευθύνειν (2 *f*)
4. 26. τὰς ὁδούς σου κατεύθυνε (4 *a*)
9. 15. τοὺς . . . κατευθύνοντας ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν (2 *b*)
13. 13. κατευθυνθήσεται ἡ ὁδὸς αὐτοῦ –
15. 8. εὐχαὶ δὲ κατευθυνόντων δεκταὶ παρ' αὐτῷ (2 *d*)
— 21. ἀνὴρ δὲ φρόνιμος κατευθύνων πορεύεται (2 *b*)
21. 2. κατευθύνει δὲ καρδίας κύριος (8 *a*)
23. 19. κατεύθυνε ἐννοίας σῆς καρδίας (1)
29. 27. βδέλυγμα δὲ ἀνόμῳ κατευθύνουσα ὁδός (2 *d*)
Si. 29. 18. ἐγγύη πολλοὺς ἀπώλεσε κατευθύνοντας
39. 7. αὐτὸς κατευθυνεῖ βουλὴν αὐτοῦ καὶ ἐπιστήμην
49. 2. αὐτὸς κατευθύνθη ἐν ἐπιστροφῇ λαοῦ [S^1 αὐτοῦ]
Si. 49. 3. κατεύθυνε πρὸς κύριον τὴν καρδίαν [A ὁδὸν] αὐτοῦ
51. 20. τὴν ψυχήν μου κατεύθυνα εἰς αὐτήν
Ho. 4. 10. ἐπόρνευσαν καὶ οὐ μὴ κατευθύνωσι [A -οῦσιν] (6)
Za. 11. 16. καὶ τὸ ὁλόκληρον οὐ μὴ κατευθύνῃ (3)
Ma. 2. 6. κατευθύνων ἐπορεύθη μετ' ἐμοῦ (2 *e*)
Je. 15. 11. γένοιτο δέσποτα κατευθυνόντων αὐτῶν †
21. 12. κρίνατε πρωὶ κρίμα καὶ κατευθύνατε (5 ?)
Ez. 17. 9. εἰ κατευθυνεῖ [A -υνθήσεται] (7 *a*)
— 10. μὴ κατευθυνεῖ (7 *a*)
— 15. εἰ κατευθυνεῖ (7 *a*)
18. 25. οὐ κατευθύνει [A κατορθοῖ] ἡ ὁδὸς κυρίου . . . μὴ ἡ ὁδός μου οὐ κατευθύνει; οὐχὶ ἡ ὁδὸς ὑμῶν οὐ κατευθύνει (8 *b ter*)
Da. TH. 3. 30 (97). ὁ βασ. κατεύθυνε τὸν Σ. (7 *c*)
6. 28 (29). κατηύθυνεν ἐν τῇ βασιλείᾳ Δαρ. (7 *c*)
8. 24. καὶ κατευθυνεῖ καὶ ποιήσει (7 *b*)
— 25. ὁ ζυγὸς τοῦ κλοιοῦ αὐτοῦ κατευθυνεῖ (7 *b*)
11. 27. καὶ οὐ κατευθυνεῖ (7 *a*)
— 36. λαλήσει ὑπέρογκα καὶ κατευθυνεῖ (7 *b*)
III Ma. 7. 2. κατευθύνοντος ἡμῖν τοῦ μεγάλου θεοῦ [Aq. Ge. 39. 2: Ps. 5. 9: Pr. 9. 6: Is. 55. 11: Je. 5. 28.] [Sm. Pr. 9. 6: Je. 5. 28: Ez. 18. 25.] [Th. Jd. 14. 19: 15. 14: Ps. 7. 10: Je. 5. 28: 32 (39). 5: Da. 3. 30 (97).]

κατευλογεῖν.

To. 11. 1. A B κατευλόγει Ῥαγουὴλ καὶ Ἔδναν
— 17. κατευλόγησεν [S εὐλ.] αὐτήν

κατευοδοῦν. (1) עָמַם (2) צָלַח *a.* qal. *b.* hi.

Jd. 18. 5. A εἰ κατευοδοῖ ἡ ὁδὸς ἡμῶν [B *om.*] (2 *b*)
Ps. 1. 3. πάντα ὅσα ἂν ποιῇ [A -ήσῃ] κατευοδωθήσεται (2 *b*)
36 (37). 7. μὴ παραζήλου ἐν τῷ κατευοδουμένῳ (2 *b*)
44 (45). 4. ἔντεινον καὶ κατευοδοῦ (2 *a*)
67 (68). 19. κατευοδώσει ἡμῖν ὁ θεός (1)
Pr. 17. 23. λαμβάνοντος δῶρα ἐν κόλποις [A S -φ] ἀδίκως οὐ κατευοδοῦνται ὁδοί †
Da. TH. 8. 11. καὶ κατευωδώθη αὐτῷ †
— 12. A καὶ κατευοδώθη [B εὐωδ.] (2 *b*)
I Ma. 2. 47. κατευοδώθη τὸ ἔργον [Sm. Ge. 39. 2.]

κατευφημεῖν.

III Ma. 7. 13. τότε κατευφημήσαντες αὐτόν

κατεύχεσθαι.

II Ma. 15. 12. κατεύχεσθαι τῷ παντὶ τῶν Ἰουδ. συστήματι
IV Ma. 12. 20. καὶ ταῦτα κατευξάμενος

κατέχειν. (1) אָחַז *a.* qal. *b.* ni. (2) אָחַר pi. (3) אָסַף (4) אָסַר *a.* qal. *b.* ni. (5) חָזַק *a.* pi. *b.* hi. (6) חָלַק (7) חָסַן aph. (8) יָרַשׁ (9) יָשַׁב עַל (10) לָבַד (11) נָחַל (12) נָפַל hi. (13) עָנַן ni. (14) עָצַר (15) שָׁנָה hi. (16) תָּפַשׂ (17) תָּקַף

Ge. 22. 13. κατεχόμενος ἐν φυτῷ . . . τῶν κεράτων (1 *b*)
24. 56. μὴ κατέχετέ με (2)
39. 20. τόπον ἐν ᾧ οἱ δεσμῶται . . . κατέχονται (4 *a*)
42. 19. ἀδελφὸς ὑμῶν εἷς κατασχεθήτω (4 *b*)
Ex. 32. 13. καθέξουσιν αὐτὴν εἰς τὸν αἰῶνα (11)
Jo. 1. 11. εἰσελθόντες κατασχεῖν τὴν γῆν (8)
Jd. 13. 15. κατάσχωμεν δέ σε [A *al.*] (14)
— 16. ἐὰν κατάσχῃς [A βιάσῃ] με (14)
19. 4. κατέσχεν [A εἰσήγαγεν] αὐτὸν ὁ γαμβρὸς αὐτοῦ (5 *b*)
Ru. 1. 13. ἢ αὐτοῖς κατασχεθήσεσθε (13)
II Ki. 1. 9. κατέσχε με σκότος δεινόν (1 *a*)
2. 21. κατάσχε σεαυτῷ ἓν τῶν παιδαρίων (1 *a*)
4. 10. καὶ κατέσχον αὐτόν (1 *a*)
6. 6. ἐξέτεινεν . . . κατασχεῖν αὐτήν (1 *a*)
— 6. B τοῦ κατασχεῖν αὐτήν –
III Ki. 1. 51. κατέχει τῶν κεράτων τοῦ θυσιαστηρίου (1 *a*)
2. 28. κατέσχε τῶν κεράτων τοῦ θυσιαστηρίου (5 *b*)
— 29. κατέχει τῶν κεράτων τοῦ θυσιαστηρίου †
IV Ki. 3. 10. A τοὺς τρεῖς βασιλεῖς κατεχομένους [B παρερχομ.] †
12. 12 (13). τοῦ κατασχεῖν τὸ βεδὲκ οἴκου κ. (5 *a*)

I Ch. 13. 9. τοῦ κατασχεῖν τὴν κιβωτόν (1 *a*)
II Ch. 15. 8. τῶν πόλεων ὧν κατέσχεν Ἰερ. (10)
Ne. 3. 4. ἐπὶ χεῖρα [A -ας] αὐτῶν κατέσχεν (5 *b*)
— 4. A S R ἐπὶ χεῖρα αὐτῶν κατέσχε (5 *b*)
— 4. B S ἐπὶ χεῖρα αὐτῶν κατέσχε (5 *b*)
— 5. ἐπὶ χεῖρα αὐτῶν κατέσχοσαν [A S -ον] (5 *b*)
To. 10. 2. S μή ποτε κατεσχέθη ἐκεῖ [A B *al.*]
Ju. 5. 19. κατέσχον τὴν Ἰερ.
Jb. 15. 24. ἀνάγκη δὲ καὶ θλῖψις αὐτὸν καθέξει (17)
23. 9. καὶ οὐ κατέσχον (1 *a*)
27. 17. τὰ δὲ χρήματα αὐτοῦ ἀληθινοὶ καθέξουσιν (6)
34. 14. τὸ πνεῦμα παρ' αὐτῷ κατασχεῖν [S[1] -έσχεν] (3)
Ps. 68 (69). 36. καθέξουσιν αὐτήν (11)
72 (73). 12. εἰς τὸν αἰῶνα κατέσχον πλούτου (15)
118 (119). 53. ἀθυμία κατέσχε με ἀπὸ ἁμαρτωλῶν (1 *a*)
138 (139). 10. καθέξει με ἡ δεξιά σου (1 *a*)
Pr. 18. 22. ὁ δὲ κατέχων μοιχαλίδα ἄφρων –
19. 15. δειλία κατέχει ἀνδρόγυνον (12?)
Ca. 3. 8. πάντες κατέχοντες ῥομφαίαν (1 *a*)
Wi. 17. 4. ὁ κατέχων αὐτοὺς μυχός [A μῦθος]
Si. 46. 9. τὸ σπέρμα αὐτοῦ κατέσχε κληρονομίαν [A *al.*]
Is. 40. 22. ὁ κατέχων τὸν γῦρον τῆς γῆς (9)
Je. 6. 24. θλῖψις κατέσχεν ἡμᾶς (5 *b*)
13. 21. οὐκ ὠδῖνες καθέξουσί σε (1 *a*)
27 (50). 16. κατέχοντα δρέπανον ἐν καιρῷ θερισμοῦ (16)
37 (30). 6. ἐν ᾧ καθέξουσιν [S[1] κατάξ.] ὀσφύν –
Ez. 33. 24. κατέσχε τὴν γῆν (8)
Da. LXX. 7. 18. καὶ καθέξουσι τὴν βασιλείαν (7)
— 22. τὸ βασίλειον κατέσχον οἱ ἅγιοι (7)
Da. TH. 7. 18. καὶ καθέξουσιν αὐτήν (7)
— 22. τὴν βασιλείαν κατέσχον οἱ ἅγιοι (7)
I Ma. 6. 27. οὐ δυνήσῃ τοῦ κατασχεῖν αὐτῶν
II Ma. 1. 31. B ἐκέλευσε λίθους μείζονας κατασχεῖν [A καταχεῖν]
15. 5. οὐ κατέσχεν ἐπιτελέσαι τὸ σχέτλιον αὐτοῦ βούλημα
III Ma. 5. 12. κατεσχέθη τῇ ἐνεργείᾳ τοῦ δεσπότου
[Aq. GE. 47. 27: PS. 76 (77). 5: JE. 49. 24 (30. 13): 50 (27). 43.]
[Sm. EX. 9. 2, 17: PS. 47 (48). 7: 55 (56). 1: 138 (139). 10: PR. 4. 4: JE. 31 (38). 32: 50 (27). 43.]
[Th. JE. 49. 24 (30. 13).]

κατηγορεῖν. (1) עָלָה

Da. LXX. 6. 5 (6). περὶ ἧς κατηγορήσουσιν αὐτοῦ (1?)
I Ma. 7. 6. κατηγόρησαν [S[1] -σαι] τοῦ λαοῦ πρὸς τὸν βασ.
— 25. κατηγόρησεν αὐτῶν πονηρά
II Ma. 4. 47. A Μεν. ἀπέλυσε τῶν κατηγορημένων [B -μάτων]
10. 13. κατηγορούμενος ὑπὸ τῶν φίλων
— 21. κατηγόρησεν ὡς ἀργυρίου πεπράκασι τοὺς ἀδελφούς
IV Ma. 9. 14. A κατὰ πᾶν μέλος κλώμενος κατηγόρει [S B ἐκακηγόρει]

κατηγόρημα.

II Ma. 4. 47. B Μεν. ἀπέλυσε τῶν κ. [A -γορημένων]

κατήγορος. (1) רִיב

Pr. 18. 17. δίκαιος ἑαυτοῦ κατήγορος ἐν πρωτολογίᾳ (1)
II Ma. 4. 5. οὐ γινόμενος τῶν πολιτῶν κατήγορος

κατηφής.

Wi. 17. 4. φάσματα ἀμειδήτοις κατηφῆ προσώποις

κατιδεῖν. (1) רָאָה (2) שָׁקַף hi.

Ex. 10. 5. οὐ δυνήσῃ κατιδεῖν τὴν γῆν (1)
De. 26. 15. κάτιδε ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ ἁγίου σου (2)
Ju. 6. 19. κάτιδε [S ἐπίβλεψον] ἐπὶ τὰς ὑπερηφανίας αὐτῶν
Ba. 2. 16. κάτιδε ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ ἁγίου σου [Th. Is. 63. 15.]

κατιοῦν.

Si. 12. 11. οὐκ εἰς τέλος κατίωσε [A -ωται]

κατίσχειν.

[Th. PR. 12. 25.]

κατισχύειν. (1) אָבַן (2) אוץ hi. (3) אָזַר pi. (4) אָמַץ *a.* qal. *b.* pi. (5) גָּבַר *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. (6) גָּדַל *a.* qal. *b.* hi. (7) חָזַק *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. *d.* hithp. *e.* חֶזְקָה *f.* חָזָק (8) יָצָא (9) כָּבֵד (10) *a.* עָזַז *b.* עֶזּוּז *c.* מָעוֹז (11) עָזַר *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. (12) עָצַם (13) *a.* עָצַר *b.* עָצַר כֹּחַ (14) עָזָה pi. (15) שׁוּר (16) תָּעַב ni.

Ge. 49. 24. ἐκεῖθεν ὁ κατισχύσας Ἰσ. [A κ. σε Ἰ.] (1)
Ex. 1. 7. κατίσχυον [A -χυσαν] σφόδρα σφόδρα (12)
7. 13. κατίσχυσεν ἡ καρδία Φαραώ (7 *a*)
17. 11. κατίσχυεν Ἰσραήλ (5 *a*)
— 11. κατίσχυεν Ἀμαλήκ (5 *a*)
18. 23. κατισχύσει σε ὁ θεός (14?)
De. 1. 38. αὐτὸν κατίσχυσον (7 *b*)
2. 30. κατίσχυσε τὴν καρδίαν αὐτοῦ (4 *b*)
3. 28. καὶ κατίσχυσον [A ἐνίσχ.] αὐτόν (7 *b*)
Jo. 11. 20. κατισχῦσαι αὐτῶν τὴν καρδίαν (7 *b*)
17. 13. ἐπεὶ κατίσχυσαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (7 *a*)
23. 6. κατισχύσατε οὖν σφόδρα φυλάσσειν (7 *a*)
Jd. 6. 2. A κατίσχυσεν [B ἴσχ.] χεὶρ Μαδιάμ (10 *a*)
7. 8. καὶ τοὺς τριακοσίους ἄνδρας κατίσχυσε [A *al.*] (7 *c*)
9. 24. A τοὺς κατισχύσαντας χεῖρας αὐτοῦ [B *al.*] (7 *b*)
I Ki. 19. 8. καὶ κατίσχυσε Δανίδ (8)
IV Ki. 14. 5. ὅτε κατίσχυσεν ἡ βασιλεία (7 *a*)
22. 5. τοῦ κατισχῦσαι τὸ βεδὲκ τοῦ οἴκου (7 *b*)
24. 2. ἐξαπέστειλεν αὐτοὺς . . . τοῦ κατισχῦσαι †
I Ch. 5. 20. καὶ κατίσχυσαν ἐπ' αὐτῶν (11 *b*)
11. 10. οἱ κατισχύοντες μετ' αὐτοῦ (7 *d*)
15. 26. ἐν τῷ κατισχῦσαι τὸν θεὸν τοὺς Λευίτας (11 *a*)
21. 6. κατίσχυσε [A προσώχθισεν ὁ] λόγος τοῦ βασ. τὸν Ἰ. (16?)
22. 12. καὶ κατισχύσαι σε ἐπὶ Ἰσρ. (14)
29. 12. καὶ κατισχῦσαι τὰ πάντα (7 *b*)
II Ch. 8. 3. καὶ κατίσχυσεν αὐτήν (7 *a*)
11. 12. καὶ κατίσχυσεν αὐτάς (7 *b*)
— 17. κατίσχυσαν τὴν βασιλείαν Ἰούδα (7 *b*)
— 17. κατίσχυσε Ῥ. τὸν [A ὁ] τοῦ Σαλ. (4 *b*)
12. 13. κατίσχυσεν Ῥοβ. ἐν Ἰερ. (7 *d*)
13. 18. κατίσχυσαν οἱ υἱοὶ Ἰούδα (4 *a*)
— 21. καὶ κατίσχυσεν Ἀβιά (7 *d*)
14. 11 (10). κατίσχυσον ἡμᾶς, κύριε (11 *a*)
— 11 (10). μὴ κατισχυσάτω πρὸς σὲ ἄνθρωπος (13 *a*)
15. 8. καὶ κατίσχυσε καὶ ἐξέβαλε (7 *d*)
16. 9. κατισχῦσαι ἐν πάσῃ καρδίᾳ πλήρει (7 *d*)
17. 1. κατίσχυσεν Ἰ. ἐπὶ τὸν Ἰσρ. (7 *d*)
22. 9. κατισχῦσαι δύναμιν περὶ τῆς βασιλείας (13 *a*)
24. 5. κατισχῦσαι τὸν οἶκον κυρίου (7 *b*)
25. 8. ἐὰν ὑπολάβῃς κατισχῦσαι ἐν τούτοις (7 *a*)
— 8. A κατισχῦσαι ἐν τούτοις [B καὶ ἰσχῦσαι] (11 *a*)
— 11. καὶ Ἀμασίας κατίσχυσε (7 *d*)
26. 7. κατίσχυσεν αὐτὸν κύριος (11 *a*)
— 8. κατίσχυσεν ἕως ἄνω (7 *c*)
— 9. καὶ κατίσχυσε (7 *b*)
— 15. ἕως οὗ κατίσχυσε (7 *a*)
— 16. καὶ ὡς κατίσχυσεν (7 *c*)
27. 5. καὶ κατίσχυσεν ἐπ' αὐτόν (7 *a*)
— 6. κατίσχυσεν Ἰωάθαμ (7 *d*)
28. 23. αὐτοὶ κατισχύσουσιν αὐτούς [A *om.*] (11 *c*)
31. 4. ὅπως κατισχύσουσιν (7 *a*)
32. 4. μὴ ἔλθῃ . . . καὶ κατισχύσῃ –
— 5. καὶ κατίσχυσεν Ἐζεκίας (7 *d*)
— 5. κατίσχυσε τὸ ἀνάλημμα πόλεως Δανίδ (7 *b*)
34. 10. κατισχῦσαι τὸν οἶκον (7 *b*)
35. 2. καὶ κατίσχυσεν αὐτούς (7 *b*)
36. 13. τὴν καρδίαν αὐτοῦ κατίσχυσε (4 *b*)
I Es. 5. 50. κατίσχυσαν αὐτοὺς πάντα τὰ ἔθνη
7. 15. κατισχῦσαι τὰς χεῖρας αὐτῶν
Ju. 11. 10. οὗ [A ὃς, S οὐδὲ] κατισχύει ῥομφαία ἐπ' αὐτούς
Jb. 18. 9. κατισχύσει [A καὶ κατισχύσουσιν] ἐπ' αὐτὸν διψῶντας [A -ες] (7 *c*)
Ps. 88 (89). 21. ὁ βραχίων μου κατισχύσει αὐτόν (4 *b*)
Wi. 7. 30. A S σοφίας [A -αν, S[1] -α] δὲ οὐ κατισχύει [B οὐκ ἀντισχύει] κακία
10. 11. ἐν πλεονεξίᾳ κατισχυόντων αὐτὸν παρέστη
17. 5. πυρὸς μὲν οὐδεμία βία κατίσχυε φωτίζειν
Si. 49. 3. ἐν ἡμέραις ἀνόμων κατίσχυσε τὴν εὐσέβειαν
Ho. 7. 15. κἀγὼ κατίσχυσα τοὺς βραχίονας αὐ. (7 *b*)
14. 9. καὶ κατισχύσω αὐτόν (15)
Hg. 2. 5 (4). νῦν κατίσχυε, Ζ., λέγει κύριος (7 *a*)
— 5 (4). καὶ κατίσχυε, Ἰ. ὁ τοῦ Ἰ. (7 *a*)
— 5 (4). καὶ κατισχυέτω πᾶς ὁ λαὸς τῆς γῆς (7 *a*)
Za. 8. 9. κατισχυέτωσαν αἱ χεῖρες ὑμῶν (7 *a*)
— 13. θαρσεῖτε καὶ κατισχύετε (7 *a*)
10. 6. καὶ κατισχύσω τὸν οἶκον Ἰούδα (5 *b*)
— 12. καὶ κατισχύσω αὐτοὺς ἐν κυρίῳ (5 *b*)
Is. 22. 4. μὴ κατισχύσητε παρακαλεῖν με (2)
24. 20. κατίσχυσε γὰρ ἐπ' αὐτῆς ἡ ἀνομία (9)
42. 25. κατίσχυσεν [AS[1] *add.* ἐπ'] αὐτοὺς πόλεμος (10 *b*)
50. 11. κατισχύετε [S -ύσατε] φλόγα (3?)
54. 2. τοὺς πασσάλους σου κατίσχυσον (7 *b*)
63. 12. κατίσχυσεν ὕδωρ ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ †
Je. 8. 21. ἀπορίᾳ κατίσχυσάν με [S[1] -σαμεν, S[2] -σάν μου] ὠδῖνες (7 *c*)
15. 18. ἵνα τί οἱ λυποῦντές με κατισχύουσί μου †
Ez. 3. 8. τὸ νῖκός σου κατισχύσω κατέναντι τοῦ νίκους αὐτῶν (7 *f*)
13. 22. τοῦ κατισχῦσαι χεῖρας ἀνόμου (7 *b*)
30. 24. κατισχύσω τοὺς βραχίονας βασ. Βαβ. (7 *b*)
Da. LXX. 8. 8. ὁ τράγος τῶν αἰγῶν κατίσχυσε σφόδρα καὶ ὅτε κατίσχυσε (6 *b*, 12)
— 9. καὶ κατίσχυσε (6 *a*)
9. 27. ἐν τῷ κατισχῦσαι τὴν διαθήκην (5 *c*?)
10. 8. καὶ οὐ κατίσχυσα (13 *b*)
— 18. καὶ κατίσχυσέ με (7 *b*)
11. 2. ἐν τῷ κατισχῦσαι αὐτὸν ἐν τῷ πλούτῳ αὐτοῦ (7 *e*)
— 5. εἷς ἐκ τῶν δυναστῶν κατισχύσει αὐτόν (7 *a*)
— 6. καὶ οὐ μὴ κατισχύσῃ (13 *b*)
— 7. καὶ κατισχύσει (7 *c*)
— 19. εἰς τὸ κατισχῦσαι τὴν χώραν αὐτοῦ (10 *c*)
— 21. κατισχύσει βασιλεὺς ἐν κληροδοσίᾳ αὐτοῦ (7 *c*)
— 32. ὁ δῆμος ὁ γινώσκων ταῦτα κατισχύσουσι (7 *c*)
12. 3. οἱ κατισχύοντες τοὺς λόγους μου †
Da. TH. 11. 6. ἡ νεᾶνις καὶ ὁ κατισχύων αὐτήν (7 *c*)
— 7. καὶ κατισχύσει (7 *c*)
— 12. καὶ οὐ κατισχύσει (10 *a*)
— 21. κατισχύσει βασιλείας ἐν ὀλισθήμασι (7 *c*)
— 32. αὐτοῦ κατισχύσουσι καὶ ποιήσουσι (7 *c*)
[Aq. Is. 29. 23.]
[Sm. Ps. 90 (91). 10.]
[Th. JB. 15. 25.]

κατισχυρεύεσθαι.

[Aq. Ps. 85 (86). 14: 88 (89). 8.]
[Sm. JB. 15. 25.]

κατοδυνᾶν. (1) אָנַק ni. (2) מָרַר pi.

Ex. 1. 14. κατωδύνων αὐτῶν τὴν ζωήν (2)
To. 8. 20. S τὴν ψυχὴν τῆς θυγατρός μου τὴν κατοδυνωμένην
Ez. 9. 4. τῶν ἀνδρῶν . . . τῶν κατωδυνωμένων (1)

κατοίεσθαι.

Hb. 2. 5. ὁ δὲ κατοιόμενος καὶ καταφρονητής †

κατοικεῖν. (1) אָב (2) אֱנוֹשׁ (3) אֶרֶץ (4) אָשִׁישׁ (5) *a.* בָּעַל *b.* בַּעַל (6) גּוּר (7) דּוּר (8) הָיָה (9) *a.* יָרַשׁ *b.* מוֹרָשׁ (10) יֹשׁ (11) יָשַׁב *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. *d.* hoph. *e.* תּוֹשָׁב (12) מָלֵא (13) נָפַל (14) *a.* שָׁכַן *b.* שָׁכֵן *c.* שְׁכֵן

Ge. 9. 27. κατοικησάτω ἐν τοῖς οἴκοις τοῦ Σήμ (14 *a*)
11. 2. κατῴκησαν ἐκεῖ (11 *a*)
— 31. κατῴκησεν ἐκεῖ (11 *a*)
12. 6. οἱ δὲ Χ. τότε κατῴκουν τὴν γῆν –
13. 6. οὐκ ἐχώρει αὐτοὺς ἡ γῆ κ. ἅμα (11 *a*)
— 6. B οὐκ ἐχώρει . . . κατοικεῖν ἅμα [A *al.*] (11 *a*)
— 7. οἱ δὲ Χ. . . . τότε κατῴκουν τὴν γῆν (11 *a*)
— 12. Ἄβραμ δὲ κατῴκησεν ἐν γῇ Χαναάν (11 *a*)
— 12. Λὼτ δὲ κατῴκησεν ἐν πόλει τῶν περιχώρων (11 *a*)
— 18. κατῴκησε παρὰ τὴν δρῦν τὴν Μαμβρῆ (11 *a*)
14. 7. τοὺς Ἀμ. τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἀ. (11 *a*)
— 12. ἦν γὰρ κατοικῶν ἐν Σοδόμοις (11 *a*)
— 13. B κατῴκει παρὰ [A ἐν] τῇ δρυῖ τῇ Μ. (14 *a*)
16. 12. κατὰ πρόσωπον πάντων τῶν ἀδελφῶν αὐτοῦ κατοικήσει (14 *a*)

Ge. 19. 25. A ἐν αἷς κατῴκει ἐν αὐταῖς Λ. –
— 25. πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν ταῖς πόλεσι (11 *a*)
— 29. ἐν αἷς κατῴκει ἐν αὐταῖς Λ. (11 *a*)
— 30. ἐφοβήθη γὰρ κατοικῆσαι ἐν Σ. (11 *a*)
— 30. B κατῴκησεν [A ᾤ.] ἐν τῷ σπηλαίῳ (11 *a*)
20. 15. οὗ ἂν σοι ἀρέσκῃ κατοίκει (11 *a*)
21. 20, 21. κατῴκησεν ἐν τῇ ἐρήμῳ (11 *a*)
22. 19. B κατῴκησεν Ἀ. ἐπὶ τὸ φρέαρ [A τῷ φρ.] (11 *a*)
24. 62. κατῴκει ἐν τῇ γῇ τῇ πρὸς λίβα (11 *a*)
25. 11. κατῴκησεν Ἰ. παρὰ τὸ φρέαρ (11 *a*)
— 18. κατῴκησε δὲ ἀπὸ Εὐϊλὰτ ἕως Σ. (14 *a*)
— 18. κατὰ πρόσωπον πάντων τῶν ἀδελφῶν αὐτοῦ κατῴκησε (13)
26. 2. κατοίκησον δὲ ἐν τῇ γῇ (14 *a*)
— 6. κατῴκησε δὲ Ἰ. ἐν Γεράροις (11 *a*)
— 17. κατῴκησεν ἐκεῖ (11 *a*)
34. 10. ἐν ἡμῖν κατοικεῖτε (11 *a*)
— 10. κατοικεῖτε καὶ ἐμπορεύεσθε ἐπ' αὐτῆς (11 *a*)
— 15. R κατοικήσομεν [A -σωμεν] ἐν ὑμῖν –
— 22. τοῦ κατοικεῖν μεθ' ἡμῶν (11 *a*)
— 30. τοῖς κατοικοῦσι τὴν γῆν (11 *a*)
35. 21 (22). ἡνίκα κατῴκησεν Ἰ. ἐν τῇ γῇ ἐκείνῃ (14 *a*)
36. 8. B κατῴκησε [A ᾤ.] δὲ Ἠ. ἐν τῷ ὄρει Σ. (11 *a*)
— 20. τοῦ κατοικοῦντος τὴν γῆν (11 *a*)
37. 1. κατῴκει δὲ Ἰακὼβ ἐν τῇ γῇ (11 *a*)
45. 10. κατοικήσεις ἐν γῇ Γεσέμ (11 *a*)
46. 34. ἵνα κατοικήσητε ἐν γῇ Γεσέμ (11 *a*)
47. 4. R κατοικήσομεν [A -σω.] ἐν γῇ Γεσέμ (11 *a*)
— 4 (6). κατοικείτωσαν ἐν γῇ Γεσέμ –
— 6. A κατοίκησον [B -κισον] τὸν πατέρα σου (11 *c*)
— 11. A κατῴκησεν [B -ισεν] Ἰ. τὸν πατέρα (11 *c*)
— 27. κατῴκησε δὲ Ἰσρ. ἐν γῇ [A *om.*] Αἰγ. (11 *a*)
49. 13. Ζαβουλὼν παράλιος κατοικήσει (14 *a*)
50. 22. κατῴκησεν Ἰ. ἐν Αἰγ. [A εἰς Αἴγ.] (11 *a*)
Ex. 2. 15. A κατῴκησεν [B ᾤ.] ἐν γῇ Μαδιάμ (11 *a*)
12. 13. A ἐν αἷς ὑμεῖς κατοικεῖτε [B ἐστε] ἐκεῖ –
— 40. κατοίκησις . . . ἣν κατῴκησαν [A *al.*] (11 *a*)
15. 14. ὠδῖνες ἔλαβον κατοικοῦντας Φυλ. (11 *a*)
— 15. πάντες οἱ κατοικοῦντες Χαναάν (11 *a*)
Le. 18. 3. ἐν ᾗ κατῳκήσατε ἐπ' αὐτῇ [A B^2 -ῆς] (11 *a*)
20. 22. κατοικεῖν ἐπ' αὐτῆς (11 *a*)
23. 42. ἐν σκηναῖς κατοικήσετε ἑπτὰ ἡμέρας (11 *a*)
— 42. πᾶς ὁ αὐτόχθων . . . κατοικήσει ἐν σκηναῖς (11 *a*)
— 43. A κατῴκησα [B -κισα] τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (11 *c*)
25. 10. διαβοήσετε . . . πᾶσι τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν (11 *a*)
— 18. B^1 κατοικήσετε [A -σητε, B^{2}R *add.* ἐπὶ τῆς γῆς] πεποιθότες (11 *a*)
— 19. κατοικήσετε πεποιθότες ἐπ' αὐτῆς (11 *a*)
26. 5. κατοικήσετε μετὰ ἀσφαλείας (11 *a*)
— 35. ἡνίκα κατῳκεῖτε αὐτήν (11 *a*)
Nu. 13. 20 (19). εἰς ἃς οὗτοι κατοικοῦσιν ἐν αὐταῖς (11 *a*)
— 29 (28). τὸ ἔθνος τὸ κατοικοῦν ἐπ' αὐτῆς [A κ. τὴν γῆν] (11 *a*)
— 30 (29). Ἀ. κατοικεῖ ἐν τῇ γῇ τῇ πρὸς νότον (11 *a*)
— 30 (29). ὁ Ἀμορραῖος κατοικεῖ ἐν τῇ ὀρεινῇ (11 *a*)
— 30 (29). ὁ Χαν. κατοικεῖ παρὰ θάλασσαν (11 *a*)
— 33 (32). γῆ κατέσθουσα τοὺς κατοικοῦντας ἐπ' αὐτῆς (11 *a*)
14. 14. πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐπὶ τῆς γῆς τ. (11 *a*)
— 25. κατοικοῦσιν ἐν τῇ κοιλάδι (11 *a*)
21. 1. ὁ κατοικῶν κατὰ τὴν ἔρημον (11 *a*)
— 25. κατῴκησεν Ἰσ. ἐν πάσαις ταῖς πόλεσι (11 *a*)
— 31. κατῴκησε δὲ Ἰσ. ἐν πάσαις ταῖς πόλεσι (11 *a*)
— 32. τὸν Ἀμορραῖον τὸν κατοικοῦντα [A ὄντα] ἐκεῖ –
— 34. ὃς κατῴκει ἐν Ἐσεβών (11 *a*)
23. 9. ἰδοὺ λαὸς μόνος κατοικήσει (14 *a*)
32. 17. κατοικήσει ἡ ἀποσκευὴ ἡμῶν (11 *a*)
— 17. διὰ τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 *a*)
— 39. τὸν Ἀμορραῖον τὸν κατοικοῦντα ἐν αὐτῇ –
— 40. καὶ κατῴκησεν ἐκεῖ (11 *a*)
33. 40. οὗτος κατῴκει ἐν γῇ Χαναάν (11 *a*)
— 52. πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ γῇ (11 *a*)
— 53. τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν –
Nu. 33. 53. κατοικήσετε ἐν αὐτῇ (11 *a*)
— 55. τοὺς κατοικοῦντας ἐπὶ τῆς γῆς (11 *a*)
— 55. ἐφ' ἣν ὑμεῖς κατοικήσετε (11 *a*)
35. 2. δώσουσι . . . πόλεις κατοικεῖν (11 *a*)
— 3. ἔσονται αὐτοῖς αἱ πόλεις κατοικεῖν (11 *a*)
— 25. A R καὶ κατοικήσει [B -σῃ] ἐκεῖ (11 *a*)
— 28. ἐν γὰρ τῇ πόλει . . . κατοικείτω (11 *a*)
— 32. τοῦ πάλιν κατοικεῖν ἐπὶ τῆς γῆς (11 *a*)
— 33. εἰς ἣν [A ἐφ' ἧς] ὑμεῖς κατοικεῖτε –
— 34. ἐφ' ἧς κατοικεῖτε ἐπ' αὐτῆς (11 *a*)
De. 1. 4. Σηὼν . . . τὸν κατοικήσαντα ἐν Ἐσ. (11 *a*)
— 4. Ὠγ . . . τὸν κατοικήσαντα ἐν Ἀσταρώθ (11 *a*)
— 6. κατοικεῖν ἐν τῷ ὄρει τούτῳ (11 *a*)
— 44. ὁ κατοικῶν ἐν τῷ ὄρει ἐκείνῳ (11 *a*)
2. 4. οἱ κατοικοῦσιν ἐν Σηείρ (11 *a*)
— 8. τοὺς κατοικοῦντας ἐν Σηείρ (11 *a*)
— 20. κατῴκουν οἱ Ῥαφαῖν τὸ πρότερον (11 *a*)
— 22. τοῖς κατοικοῦσιν ἐν Σηείρ (11 *a*)
— 23. οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἀσηδὼθ (11 *a*)
— 29. οἱ κατοικοῦντες ἐν Σηείρ (11 *a*)
— 29. οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἀροήρ (11 *a*)
3. 2. ὃς κατῴκει ἐν Ἐσεβών (11 *a*)
— 19. κατοικείτωσαν ἐν ταῖς πόλεσιν ὑμῶν (11 *a*)
4. 46. ὃς κατῴκει ἐν Ἐσεβών (11 *a*)
8. 12. καὶ κατοικήσας ἐν αὐταῖς (11 *a*)
9. 28. μὴ εἴπωσιν οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν –
11. 30. τὸ κατοικοῦν ἐπὶ δυσμῶν ἐχόμενον τοῦ Γ. (11 *a*)
— 31. κατοικήσετε ἐν αὐτῇ (11 *a*)
12. 10. καὶ κατοικήσετε ἐπὶ τῆς γῆς (11 *a*)
— 10. καὶ κατοικήσετε μετὰ ἀσφαλείας (11 *a*)
— 29. καὶ κατοικήσῃς [A -εις] ἐν τῇ γῇ αὐτῶν (11 *a*)
13. 12 (13). κατοικεῖν σε [A *om.*] ἐκεῖ (11 *a*)
— 13 (14). πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν [A πόλιν] αὐτῶν (11 *a*)
— 15 (16). πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ γῇ [A πόλει] ἐκείνῃ (11 *a*)
17. 14. καὶ κατοικήσῃς [A -εις] ἐπ' αὐτήν [A -ῆς] (11 *a*)
19. 1. καὶ κατοικήσητε [A -σῃς] ἐν ταῖς πόλεσιν αὐτῶν (11 *a*)
23. 16 (17). μετὰ σοῦ κατοικήσει ἐν ὑμῖν κατοικήσει (11 *a*, †)
25. 5. ἐὰν δὲ κατοικῶσιν ἀδελφοὶ ἐπὶ τὸ αὐτό (11 *a*)
26. 1. καὶ κατοικήσῃς ἐπ' αὐτήν [A -ῆς] (11 *a*)
29. 16 (15). κατῳκήσαμεν ἐν γῇ Αἰγύπτῳ (11 *a*)
30. 20. τὸ [A *om.*] κατοικεῖν σε ἐπὶ τῆς γῆς (11 *a*)
33. 19. ἐμπόρια παράλιον κατοικούντων –
Jo. 1. 14. κατοικείτωσαν ἐν τῇ γῇ (11 *a*)
2. 24. πᾶς ὁ κατοικῶν τὴν γῆν ἐκείνην (11 *a*)
6. 24 (25). A B καὶ κατῴκησεν [R -ισεν] ἐν τῷ Ἰσρ. (11 *a*)
7. 9. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (11 *a*)
8. 5. ὡς ἂν ἐξέλθωσιν οἱ κατοικοῦντες Γ. –
— 20. A περιβλέψαντες οἱ κατοικοῦντες [B κάτοικοι] Γαί (2)
— 25. πάντας τοὺς κατοικοῦντας Γαί (2)
9. 3. οἱ κατοικοῦντες Γαβαὼν ἤκουσαν (11 *a*)
— 7. ὅρα μὴ ἐν ἐμοὶ κατοικεῖς [A -φκ.] (11 *a*)
— 10. ὃς κατῴκει ἐν Ἀσταρώθ –
— 11. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν ἡμῶν (11 *a*)
— 16. ὅτι ἐν αὐτοῖς κατοικοῦσι (11 *a*)
— 22. ἐγγὺς οἰκοῦντες ἐστε τῶν κατοικούντων ἐν ἡμῖν (11 *a*)
— 24. καὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐπ' αὐτῆς (11 *a*)
— 27. B οἱ κατοικοῦντες Γαβαών –
10. 1. ἠτοιμόλησαν οἱ κατοικοῦντες Γ. (11 *a*)
— 6. ἀπέστειλαν οἱ κατοικοῦντες Γ. (2)
— 6. οἱ βασιλεῖς . . . οἱ κατοικοῦντες τὴν ὀρεινήν (11 *a*)
12. 2. ὃς κατῴκει ἐν Ἐσεβών (11 *a*)
—4. ὁ κατοικῶν ἐν Ἀσταρώθ (11 *a*)
13. 6. πᾶς ὁ κατοικῶν τὴν ὀρεινήν (11 *a*)
— 13. καὶ κατῴκει βασιλεὺς Γ. (11 *a*)
— 21. καὶ τοὺς κατοικοῦντας Σιών [A τὴν γῆν] (11 *a*)
14. 4. ἀλλ' ἢ πόλεις κατοικεῖν (11 *a*)
15. 15. ἀνέβη . . . ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Δ. (11 *a*)
— 63. ὁ Ἰεβουσαῖος [B^2 *add.* ὃς] κατῴκει ἐν Ἰ. (11 *a*)
— 63. κατῴκησαν [A -κεισαν] οἱ Ἰεβουσαῖοι ἐν Ἰ. (11 *a*)
16. 10. τὸν Χαναναῖον τὸν κατοικοῦντα ἐν Γ. (11 *a*)
— 10. κατῴκει ὁ Χαναναῖος ἐν τῷ Ἐφραΐμ (11 *a*)
— 10. τοὺς κατοικοῦντας ἐν Γ. –
17. 11. καὶ τοὺς κατοικοῦντας Δώρ (11 *a*)
Jo. 17. 11. καὶ τοὺς κατοικοῦντας Μαγεδδώ (11 *a*)
— 11. A καὶ τοὺς κατοικοῦντας Τανάχ (11 *a*)
— 12. ἤρχετο ὁ Χαναναῖος κατοικεῖν (11 *a*)
— 16. τῷ Χαναναίῳ τῷ κατοικοῦντι ἐν αὐτῷ [A *om.* ἐν αὐ.] (11 *a*)
19. 47. καὶ κατῴκησαν [A κατεπάτησαν] αὐτήν (9 *a*+11 *a*)
— 47. τοῦ κατοικεῖν ἐν Ἐλώμ –
— 50. καὶ κατῴκει ἐν αὐτῇ (11 *a*)
20. 4. A κατοικήσει μετ' αὐτῶν (11 *a*)
— 6. A κατοικήσει ἐν τῇ πόλει ἐκείνῃ (11 *a*)
21. 2. δοῦναι ἡμῖν πόλεις κατοικεῖν (11 *a*)
— 41. καὶ κατῴκησαν ἐν αὐτῇ (11 *a*)
22. 33. καὶ κατῴκησαν ἐπ' αὐτῆς (11 *a*)
24. 2. B πέραν τοῦ ποταμοῦ κατῴκησαν [A R παρῴκ.] (11 *a*)
— 8. Ἀμορραίων τῶν κατοικούντων πέραν τοῦ Ἰορδ. (11 *a*)
— 11. ἐπολέμησαν πρὸς ἡμᾶς οἱ κατοικοῦντες Ἱερ. (5 *b*)
— 15. ἐν οἷς ὑμεῖς κατοικεῖτε ἐπὶ τῆς γῆς αὐ. (11 *a*)
— 18. πάντα τὰ ἔθνη τὰ κατοικοῦντα τὴν γῆν (11 *a*)
— 32. τῶν Ἀμ. τῶν κατοικούντων ἐν Σικ. (1 ?)
Jd. 1. 9. τὸν Χαν. τὸν κατοικοῦντα τὴν ὀρεινήν (11 *a*)
— 10. τὸν Χαν. τὸν κατοικοῦντα ἐν Χ. [A *om.* ἐν Χ.] (11 *a*)
— 11. πρὸς τοὺς κατοικοῦντας Δ. (11 *a*)
— 16. κατῴκησαν [A -εν] μετὰ τοῦ λαοῦ (11 *a*)
— 17. τὸν Χαν. τὸν κατοικοῦντα Σ. (11 *a*)
— 19. τοὺς κατοικοῦντας τὴν κοιλάδα (11 *a*)
— 21. τὸν Ἰεβ. τὸν κατοικοῦντα ἐν Ἱερ. (11 *a*)
— 21. κατῴκησεν ὁ Ἰεβ. . . . ἐν Ἱερ. [A *om.* ἐν Ἱερ.] (11 *a*)
— 27. οὐδὲ τοὺς κατοικοῦντας Δώρ (11 *a*)
— 27. οὐδὲ τὸν κατοικοῦντα Β. [A *al.*] (11 *a*)
— 27. οὐδὲ [A καὶ] τοὺς κατοικοῦντας Μ. (11 *a*)
— 27. οὐδὲ τοὺς κατοικοῦντας Ἰεβλ. (11 *a* ?)
— 27. ἤρξατο ὁ Χαν. κ. ἐν τῇ γῇ ταύτῃ (11 *a*)
— 29. τὸν Χαν. τὸν κατοικοῦντα ἐν Γ. (11 *a*)
— 29. κατῴκησεν [A -κει] ὁ Χαν. ἐν μέσῳ αὐτοῦ (11 *a*)
— 30. τοὺς κατοικοῦντας Κέδρων οὐδὲ τοὺς κατοικοῦντας Δω. καὶ κατῴκησεν ὁ Χαν. ἐν μέσῳ αὐτῶν (11 *a ter*)
— 31. τοὺς κατοικοῦντας Ἀκχώ (11 *a*)
— 31. καὶ τοὺς κατοικοῦντας Δὼρ καὶ τοὺς κατοικοῦντας Σιδῶνα καὶ τοὺς κατοικοῦντας Δαλάφ (–, 11 *a*, –)
— 32. κατῴκησεν ὁ Ἀ. ἐν μέσῳ τοῦ Χαν. τοῦ κατοικοῦντος τὴν γῆν (11 *a*, 11 *a*)
— 33. τοὺς κατοικοῦντας Β. καὶ [A οὐδὲ] τοὺς κατοικοῦντας Β. (11 *a*, 11 *a*)
— 33. κατῴκησε Ν. ἐν μέσῳ τοῦ Χαν. τοῦ κατοικοῦντος τὴν γῆν οἱ δὲ κατοικοῦντες Β. (11 *a ter*)
— 35. ἤρξατο ὁ Ἀμ. κατοικεῖν ἐν τῷ ὄρει (11 *a*)
3. 3. τὸν Εὐαῖον τὸν κατοικοῦντα τὸν Λίβ. (11 *a*)
— 5. οἱ υἱοὶ Ἰσρ. κατῴκησαν ἐν μέσῳ τοῦ Χαν. (11 *a*)
4. 2. κατῴκει ἐν Ἀ. τῶν ἐθνῶν (11 *a*)
5. 15. A ἵνα σοι κατοικῇς ἐν μέσῳ χειλέων [B *al.*] –
— 23. ἐπικατάρατος πᾶς ὁ κατοικῶν αὐτήν [A *al.*] (11 *a*)
8. 11. A ὁδὸν κατοικούντων [B τῶν σκηνούντων] ἐν σκηναῖς (14 *a*)
— 29. A κατῴκησεν ἐν τῷ οἴκῳ αὐτοῦ [B *al.*] (11 *a*)
9. 21. B καὶ κατῴκησεν [B ᾤκ.] ἐκεῖ (11 *a*)
10. 1. A κατῴκει ἐν Σαμαρείᾳ [B *al.*] (11 *a*)
— 18. πᾶσι τοῖς κατοικοῦσι Γ. (11 *a*)
11. 3. A κατῴκησεν [B ᾤκ.] ἐν γῇ Τώβ (11 *a*)
— 8. A R πᾶσι τοῖς κατοικοῦσι [B οἰκ.] Γ. (11 *a*)
— 21. τοῦ κατοικοῦντος τὴν γῆν ἐκείνην [A ἐν τῇ γῇ] (11 *a*)
18. 1. ἐζήτει ἑαυτῇ κληρονομίαν κατοικῆσαι [A *al.*] (11 *a*)
— 7. A τὸν λαὸν τὸν κατοικοῦντα ἐν αὐτῇ [B *om.*] –
— 9. A τὸν λαὸν τὸν κατοικοῦντα ἐν αὐτῇ –
— 28. A κατῴκησαν [B κατεσκήνωσαν] ἐν αὐτῇ (11 *a*)
20. 15. A χωρὶς τῶν κατοικούντων τὴν Γ. [B *al.*] (11 *a*)
21. 10. A τοὺς κατοικοῦντας [B οἰκ.] Ἰ. (11 *a*)
— 12. A ἀπὸ τῶν κατοικούντων [B ἀπὸ οἰκ.] Ἰ. (11 *a*)
— 21. A τῶν κατοικούντων [B οἰκ.] Σ. –
— 23. A κατῴκησαν [B ἐκάθισαν] ἐν αὐταῖς (11 *a*)
Ru. 1. 4. καὶ κατῴκησαν ἐκεῖ (11 *a*)

I Ki. 6. 21. ἀποστέλλουσιν ἀγγέλους πρὸς τοὺς κατοικοῦντας K. (11 *a*)
12. 8. A καὶ κατῴκησεν [B -κισεν] αὐτούς (11 *c*)
— 11. καὶ κατῴκειτε πεποιθότες (11 *a*)
22. 4. καὶ κατῴκουν μετ' αὐτοῦ (11 *a*)
23. 5. ἔσωσε Δ. τοὺς κατοικοῦντας K. (11 *a*)
27. 8. ἰδοὺ ἡ γῆ κατῳκεῖτο (11 *a*)
31. 7. κατοικοῦσιν ἐν αὐταῖς (11 *a*)
— 11. ἀκούουσιν [A *add.* περὶ αὐτοῦ] οἱ κατοικοῦντες Ἰ. (11 *a*)
II Ki. 2. 3. κατῴκουν ἐν ταῖς πόλεσι Χεβρών (11 *a*)
5. 6. τὸν Ἰεβ. τὸν κατοικοῦντα τὴν γῆν (11 *a*)
7. 2. κατοικῶ ἐν οἴκῳ κεδρίνῳ (11 *a*)
— 5. τοῦ κατοικῆσαί με (11 *a*)
— 6. οὐ κατῴκηκα ἐν οἴκῳ (11 *a*)
9. 13. Μεμφιβοσθὲ κατῴκει [A -οικεῖ] ἐν Ἰερ. (11 *a*)
11. 11. κατοικοῦσιν ἐν σκηναῖς (11 *a*)
III Ki. 3. 1 (A 4. 25 [5. 5]). κατῴκει Ἰ. καὶ Ἰσρ. πεποιθότες (11 *a*)
4. 34 (A 9. 16). τὸν Χανανίτην τὸν κατοικοῦντα ἐν M. [A *al.*] (11 *a*)
8. 27. εἰ ἀληθῶς κατοικήσει ὁ θεός (11 *a*)
— 53. A R τοῦ κατοικεῖν ἐν γνόφῳ [B ἐκ γνόφου] –
— 53. τοῦ κατοικεῖν ἐπὶ καινότητος –
12. 25. καὶ κατῴκει ἐν αὐτῇ (11 *a*)
13. 11. A R προφήτης εἷς . . . κατῴκει ἐν [B εἰς] B. (11 *a*)
— 25. οὗ ὁ προφήτης . . . κατῴκει ἐν αὐτῇ (11 *a*)
15. 18. βασ. Συρίας τοῦ κατοικοῦντος ἐν Δαμ. (11 *a*)
17. 20. μεθ' ἧς ἐγὼ κατοικῶ μετ' αὐτῆς (6 *b*)
20 (21). 8. τοὺς κατοικοῦντας μετὰ Ναβ. (11 *a*)
— 11. R οἱ κατοικοῦντες [A καθήμενοι] ἐν τῇ πόλει αὐτοῦ (11 *a*)
IV Ki. 16. 6. καὶ κατῴκησαν ἐκεῖ (11 *a*)
17. 6. A R κατῴκησεν [B -ισεν] αὐτοὺς ἐν Ἀ. (11 *c*)
— 24. B κατῴκησαν [A -κισαν, R -κίσθησαν] ἐν ταῖς πόλεσιν αὐτῆς (11 *a*)
— 27. καὶ κατοικείτωσαν ἐκεῖ (11 *a*)
— 29. ἐν αἷς [A *add.* αὐτοὶ] κατῴκουν ἐν αὐταῖς (11 *a*)
— 32. ἐν ᾗ κατῴκουν ἐν αὐτῇ –
22. 14. αὕτη κατῴκει ἐν Ἰερ. (11 *a*)
23. 2. A R πάντες [B *om.*] οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἰερ. (11 *a*)
I Ch. 2. 55. A R κατοικοῦντες ἐν [B *om.*] Γ. (11 *a*)
4. 22. οἱ κατῴκησαν ἐν Μωάβ (5 *a*)
— 23. οὗτοι κεραμεῖς οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἀ. (11 *a*)
— 23. καὶ κατῴκησαν ἐκεῖ (11 *a*)
— 28. καὶ κατῴκησαν ἐν B. (11 *d*)
— 40. ἐκ τῶν υἱῶν Χὰμ τῶν κατοικούντων ἐκεῖ ἔμπροσθεν (11 *a*)
— 43. A καὶ κατῴκησαν ἐκεῖ (11 *a*)
5. 8. οὗτος κατῴκησεν ἐν Ἀρ. (11 *a*)
— 9. καὶ πρὸς ἀνατολὰς κατῴκησεν (11 *a*)
— 10. κατοικοῦντες ἐν σκηναῖς (11 *a*)
— 11. υἱοὶ Γὰδ . . . κατῴκησαν ἐν τῇ B. (11 *a*)
— 16. A R κατῴκουν [B κατοίκων ?] ἐν Γ. (11 *a*)
— 22. καὶ κατῴκησαν ἀντ' αὐτῶν (11 *a*)
— 23. κατῴκησαν ἀπὸ B. (11 *a*)
7. 29. ἐν ταύτῃ κατῴκησαν οἱ υἱοὶ Ἰωσήφ (11 *a*)
8. 6. τοῖς κατοικοῦσι Γ. (11 *a*)
— 13. τοῖς κατοικοῦσιν Αἰ. (11 *a*)
— 13. οὗτοι ἐξεδίωξαν τοὺς κατοικοῦντας Γέθ (11 *a*)
— 28. οὗτοι κατῴκησαν ἐν Ἰερ. (11 *a*)
— 29. ἐν Γ. κατῴκησε πατὴρ Γ. (11 *a*)
— 32. οὗτοι . . . κατῴκησαν ἐν Ἰερ. (11 *a*)
9. 2. οἱ κατοικοῦντες πρότερον . . . ἐν ταῖς πόλεσιν Ἰσρ. (11 *a*)
— 3. ἐν Ἰερ. κατῴκησαν ἀπὸ τῶν υἱῶν Ἰ. (11 *a*)
— 16. ὁ κατοικῶν ἐν ταῖς κώμαις N. (11 *a*)
— 34. ἄρχοντες οὗτοι κατῴκησαν ἐν Ἰερ. (11 *a*)
— 35. ἐν Γ. κατῴκησε [S -σαν] πατὴρ Γ. (11 *a*)
— 38. οὗτοι . . . κατῴκησαν ἐν Ἰερ. (11 *a*)
10. 7. κατῴκησαν [S -ισαν] ἐν αὐταῖς (11 *a*)
— 11. ἤκουσαν πάντες οἱ κατοικοῦντες Γ. †
11. 4. A R ἐκεῖ οἱ Ἰεβ. οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν [B S *al.*] (11 *a*)
— 4 (5). A εἶπαν δὲ οἱ κατοικοῦντες Ἰ. [B *al.*] (11 *a*)
12. 15. πάντας τοὺς κατοικοῦντας αὐλῶνας –
— 30. S κατοικοῦντες [A B κατ' οἴκους] πατριῶν αὐτῶν †
17. 1. ὡς κατῴκησε Δ. ἐν οἴκῳ αὐτοῦ (11 *a*)
— 1. κατοικῶ ἐν οἴκῳ κεδρίνῳ (11 *a*)
— 4. τοῦ κατοικῆσαί με ἐν αὐτῷ (11 *a*)
I Ch. 17. 5. οὐ κατῴκησα ἐν οἴκῳ (11 *a*)
22. 18. ἔδωκεν . . . τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 *a*)
29. 15. B καὶ κατοικοῦντες [A R παροικ.] ὡς πάντες οἱ πατέρες (11 *e*)
II Ch. 2. 3 (2). οἶκον κατοικῆσαι ἐν αὐτῷ (11 *a*)
6. 1. A² τοῦ κατοικῆσαι [B κατασκηνῶσαι] ἐν γνόφῳ (14 *a*)
— 2. A τοῦ κατοικῆσαι [B κατασκηνῶσαι] εἰς τοὺς αἰῶνας (11 *a*)
— 18. εἰ ἀληθῶς κατοικήσει θεός (11 *a*)
8. 11. οὐ κατοικήσει ἡ γυνή μου ἐν πόλει Δ. (11 *a*)
10. 2. καὶ κατῴκησεν Ἱερ. ἐν Αἰγ. †
— 17. οἱ κατοικοῦντες ἐν πόλεσιν Ἰούδα (11 *a*)
11. 5. κατῴκησε Ῥ. εἰς [A ἐπὶ] Ἱερ. (11 *a*)
15. 5. ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὰς χώρας (11 *a*)
16. 2. τὸν κατοικοῦντα ἐν Δαμασκῷ (11 *a*)
19. 4. καὶ κατῴκησεν Ἰωσαφάτ (11 *a*)
— 8. κρίνειν τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἱερ. †
— 10. A R τῶν [A *om.*] κατοικούντων ἐν ταῖς πόλεσιν αὐτῶν [B *om.* ἐν τ. π. αὐ.] (11 *a*)
20. 7. τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν ταύτην (11 *a*)
— 8. κατῴκησαν ἐν αὐτῇ (11 *a*)
— 15. καὶ οἱ κατοικοῦντες Ἱερ. (11 *a*)
— 18. καὶ οἱ κατοικοῦντες Ἱερ. [A ἐν Ἱερ.] (11 *a*)
— 20. καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἱερ. (11 *a*)
— 23. A² B ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας ὄρος Σηείρ (11 *a*)
— 23. ὡς συνετέλεσαν τοὺς κατοικοῦντας Σηείρ (11 *a*)
21. 11. ἐξεπόρνευσε τοὺς κατοικοῦντας ἐν [A *om.*] Ἱερ. (11 *a*)
— 13. καὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν [A *om.*] Ἱερ. (11 *a*)
22. 1. ἐβασίλευσαν οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἱερ. τὸν Ὀ. (11 *a*)
26. 7. τοὺς Ἀ. τοὺς κατοικοῦντας ἐπὶ τῆς πέτρας (11 *a*)
28. 18. καὶ κατῴκησαν ἐκεῖ (11 *a*)
30. 25. B καὶ οἱ κατοικοῦντες ἀπὸ [A ἐν, R *om.*] Ἰ. (11 *a*)
31. 4. εἶπαν . . . τοῖς κατοικοῦσιν ἐν Ἱερ. (11 *a*)
— 6. οἱ κατοικοῦντες ἐν ταῖς πόλεσιν Ἰούδα (11 *a*)
32. 12. εἶπε . . . τοῖς κατοικοῦσιν ἐν [A *om.*] Ἱερ. †
— 22. καὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν [A *om.*] Ἱερ. (11 *a*)
— 26. καὶ οἱ κατοικοῦντες Ἱερ. (11 *a*)
— 33. καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἱερ. (11 *a*)
33. 9. καὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἱερ. (11 *a*)
34. 22. αὕτη κατῴκει ἐν Ἱερ. (11 *a*)
— 27, 28. καὶ ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας αὐτόν (11 *a*)
— 30. καὶ κατοικοῦντες Ἱερ. (11 *a*)
— 32. οἱ κατοικοῦντες Ἱερ. [A εἰς Ἱερ.] (11 *a*)
35. 18. καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἱερ. (11 *a*)
I Es. 2. 16. κατὰ τῶν κατοικούντων ἐν τῇ Ἰουδαίᾳ
8. 92. B καὶ κατῴκησαν γυναῖκες [A R συνῳκίσαμεν γυναῖκας]
9. 37. καὶ κατῴκησαν οἱ ἱερεῖς
Ne. 3. 13. καὶ οἱ κατοικοῦντες Ζανώ (11 *a*)
8. 14. ὅπως κατοικήσωσιν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν σκηναῖς (11 *a*)
9. 24. τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν τῶν Χαν. (11 *a*)
11. 21. S² οἱ δὲ Ναθ. κατῴκησαν ἐν Ὀ. (11 *a*)
To. 5. 16. A ὁ δὲ ἐν τῷ οὐρ. κατοικῶν [B S *al.*]
14. 4. S οἱ κατοικοῦντες [A B *om.* οἱ κ.] ἐν τῇ γῇ
Ju. 1. 6. A B S² πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν ὀρεινήν
— 6. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὸν Εὐφρ.
— 7. πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν Π.
— 7. πάντας τοὺς κατοικοῦντας [S *om.* τ. κ.] πρὸς δυσμαῖς [S¹ *om.* πρ. δ.] τοὺς κατοικοῦντας Κιλικίαν
— 7. πάντας τοὺς κατοικοῦντας κατὰ πρόσωπον τῆς παραλίας
— 10. A B S² πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν Αἴγ.
— 11. πάντες οἱ κατοικοῦντες πᾶσαν τὴν γῆν
— 12. πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν γῇ M.
2. 28. τοὺς κατοικοῦντας τὴν παραλίαν
— 28. καὶ τοὺς κατοικοῦντας Σούρ
— 28. καὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας Ἰ. [S¹ *al.*]
— 28. οἱ κατοικοῦντες [S τοὺς κατοικοῦντας] ἐν Ἀζ.
3. 4. καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐταῖς
4. 1. οἱ κατοικοῦντες ἐν τῇ Ἰ.
— 6. ἔγραψεν [S¹ ἤκουσεν] . . . τοῖς κατοικοῦσι B.
— 11. A B S² οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἱερ.
5. 3. τίνες ἂς κατοικοῦσι πόλεις
— 4. παρὰ πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν δυσμαῖς
— 5. ὃς κατοικεῖ τὴν ὀρεινὴν ταύτην
— 9. καὶ κατῴκησαν ἐκεῖ
— 14. πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ ἐρήμῳ
Ju. 5. 16. καὶ κατῴκησαν ἐν αὐτῇ
— 22. πάντες [S *om.*] οἱ κατοικοῦντες τὴν παραλίαν
7. 10. A ἐν οἷς αὐτοὶ κατοικοῦσιν [B S ἐνοικ.] ἐν αὐτοῖς
— 13. πάντες οἱ κατοικοῦντες [S ἐνοικ.] B.
— 20. πάντας τοὺς κατοικοῦντας [S τῶν κατοικούντων] B.
8. 11. A S ἄρχοντες τῶν κατοικούντων B. [B ἐν B.]
11. 2. ὁ λαός σου ὁ κατοικῶν τὴν ὀρεινήν
— 14. οἱ ἐκεῖ κατοικοῦντες ἐποίησαν ταῦτα
14. 4. πάντες οἱ κατοικοῦντες πᾶν ὅριον Ἰσρ.
15. 6. οἱ δὲ λοιποὶ οἱ κατοικοῦντες B.
— 8. οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἱερ.
Es. 9. 19. A B² S οἱ δὲ κατοικοῦντες ἐν ταῖς μητροπόλεσιν (11 *a* ?)
Jb. 4. 19. τοὺς δὲ [A ἓα δὲ τοὺς] κατοικοῦντας οἰκίας πηλίνας (14 *a*)
42. 18. ἐν μὲν γῇ κατοικῶν τῇ Αὐσίτιδι –
— 18. A ἐν μέν γῇ κατοικῶν τῇ Αὐσίτιδι –
Ps. 2. 4. ὁ κατοικῶν ἐν οὐρανοῖς (11 *a*)
9. 11. ψάλατε τῷ κυρίῳ τῷ κατοικοῦντι ἐν Σ. (11 *a*)
21 (22). 3. A B S¹ σὺ δὲ ἐν ἁγίοις [S² R -φ] κατοικεῖς (11 *a*)
22 (23). 6. καὶ τὸ κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
23 (24). 1. πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ (11 *a*)
26 (27). 4. τοῦ [A S¹ τὸ] κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
32 (33). 8. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκουμένην (11 *a*)
— 14. ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 *a*)
48 (49). 1. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκουμένην (11 *a*)
64 (65). 4. S¹ κατοικήσει [B S² κατασκηνώσει] ἐν ταῖς αὐλαῖς σου (14 *a*)
— 8. φοβηθήσονται οἱ κατοικοῦντες τὰ πέρατα [S¹ τὴν γῆν] (11 *a*)
67 (68). 6. τοὺς κατοικοῦντας ἐν τάφοις (14 *a*)
— 10. τὰ ζῷά σου κατοικοῦσιν ἐν αὐτῇ (11 *a*)
— 16. ὃ εὐδόκησεν ὁ θεὸς κατοικεῖν ἐν αὐτῷ (11 *a*)
68 (69). 25. μὴ ἔστω ὁ κατοικῶν (11 *a*)
— 35. καὶ κατοικήσουσιν ἐκεῖ (11 *a*)
74 (75). 3. πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτήν [S *add.* ἐν αὐτῇ] (11 *a*)
82 (83). 7. ἀλλόφυλοι μετὰ τῶν κατοικούντων Τύρον (11 *a*)
83 (84). 4. μακάριοι πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν τῷ οἴκῳ σου (11 *a*)
90 (91). 1. ὁ κατοικῶν ἐν βοηθείᾳ τοῦ ὑψίστου (11 *a*)
97 (98). 7. A S οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ [B κατ. αὐτήν] (11 *a*)
100 (101). 7. οὐ κατῴκει ἐν μέσῳ τῆς οἰκίας μου (11 *a*)
106 (107). 34. ἀπὸ κακίας τῶν κατοικούντων ἐν αὐτῇ (11 *a*)
— 36. A¹ κατῴκησεν [A² S R -ισεν] ἐκεῖ πεινῶντας (11 *c*)
112 (113). 5. ὁ ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν (11 *a*)
122 (123). 1. τὸν κατοικοῦντα ἐν τῷ οὐρανῷ (11 *a*)
124 (125). 1. ὁ κατοικῶν Ἰερουσαλήμ (11 *a*)
131 (132). 14. ὧδε κατοικήσω (11 *a*)
132 (133). 1. τὸ κατοικεῖν ἀδελφοὺς ἐπὶ τὸ αὐτό (11 *a*)
134 (135). 21. ὁ κατοικῶν Ἰερουσαλήμ (14 *a*)
139 (140). 13. A S² R κατοικήσουσιν εὐθεῖς σὺν [B S¹ ἐν] τῷ προσώπῳ σου (11 *a*)
Pr. 24. 63 (30. 28). κατοικεῖ ἐν ὀχυρώμασι βασιλέων –
Wi. 1. 4. οὐδὲ κατοικήσει ἐν σώματι καταχρέῳ ἁμαρτίαις
Si. 10. 2. κατὰ τὸν ἡγούμενον τῆς πόλεως πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτήν
33 (36). 9. A² R οἱ κακοῦντες [A¹ κατοικ., B S ἀδικοῦντες] τὸν λαόν σου
50. 26. ὁ λαὸς μωρὸς ὁ κατοικῶν ἐν Σικ.
Ho. 4. 1. κρίσις τῷ κ. πρὸς τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 *a*)
— 3. σὺν πᾶσι τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν (11 *a*)
9. 3. οὐ κατῴκησαν ἐν τῇ γῇ τοῦ κ. κατῴκησεν Ἐ. Αἴγ. (11 *a*, †)
10. 5. A R παροικήσουσιν οἱ [B *om.*] κατοικοῦντες Σ. (14 *c*)
11. 5. κατῴκησεν Ἐ. ἐν Αἰγ. †
Am. 1. 5. ἐξολεθρεύσω κατοικοῦντας ἐκ πεδίου Ὤν (11 *a*)
— 8. ἐξολεθρεύσω κατοικοῦντας ἐξ Ἀζ. (11 *a*)
3. 12. οἱ υἱοὶ Ἰ. οἱ κατοικοῦντες ἐν Σ. (11 *a*)

Am. 5. 11. οὐ μὴ κατοικήσητε ἐν αὐτοῖς (11 *a*)
6. 8. σὺν πᾶσι τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν (12)
8. 8. πᾶς ὁ κατοικῶν ἐν αὐτῇ (11 *a*)
9. 5. πάντες οἱ κατοικοῦντες αὐτήν (11 *a*)
— 14. οἰκοδομήσουσι πόλεις . . . καὶ κατοικήσουσι (11 *a*)
Mi. 1. 10 (11). κατοικοῦσα καλῶς τὰς πόλεις αὐ. (11 *a*)
— 11. οὐκ ἐξῆλθε κατοικοῦσα Σενναάρ (11 *a*)
— 12. τίς ἤρξατο . . . κατοικούσῃ ὀδύνας (11 *a*)
— 13. κατοικοῦσα Λ. ἀρχηγὸς ἁμαρτίας (11 *a*)
— 15. κατοικοῦσα Λ. (11 *a*)
6. 12. οἱ κατοικοῦντες αὐτὴν ἐλάλουν ψεύδη (11 *a*)
— 16. παραδῶ . . . τοὺς κατοικοῦντας αὐτήν (11 *a*)
7. 13. ἡ γῆ . . . σὺν τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν (11 *a*)
Jl. 1. 2. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (11 *a*)
— 14. συναγάγετε . . . πάντας κατοικοῦντας γῆν (11 *a*)
2. 1. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (11 *a*)
3 (4). 20. ἡ δὲ Ἰουδ. εἰς τὸν αἰῶνα κατοικηθήσεται (11 *a*)
Jn. 4. 11. ἐν ᾗ κατοικοῦσι πλείους (10)
Na. 1. 5. καὶ πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ (11 *a*)
3. 8. ἡ κατοικοῦσα ἐν ποταμοῖς (11 *a*)
Hb. 2. 8, 17. πάντων τῶν κατοικούντων αὐτήν (11 *a*)
Ze. 1. 4. ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας Ἱερουσ. (11 *a*)
— 11. οἱ κατοικοῦντες τὴν κατακεκομμένην (11 *a*)
— 13. καὶ οὐ μὴ κατοικήσουσιν ἐν αὐταῖς (11 *a*)
— 18. ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 *a*)
2. 5. οἱ κατοικοῦντες τὸ σχοίνισμα τῆς θαλ. (11 *a*)
3. 1 (2. 15). αὕτη ἡ πόλις . . . ἡ κατοικοῦσα ἐπ' ἐλπίδι (11 *a*)
— 6. παρὰ [A διὰ] τὸ μηδένα . . . κατοικεῖν (11 *a*)
Za. 1. 11. ἰδοὺ πᾶσα ἡ γῆ κατοικεῖται (11 *a*)
2. 4 (8). κατακάρπως κατοικηθήσεται [S¹ -κήσ.] Ἰ. ἀπὸ πλήθους (11 *a*)
— 7 (11). ἀνασώζεσθε οἱ κατοικοῦντες θυγατέρα Βαβ. (11 *a*)
7. 7. ὅτε ἦν Ἰ. κατοικουμένη (11 *a*)
— 7. καὶ ἡ ὀρεινὴ καὶ ἡ πεδινὴ κατῳκεῖτο (11 *a*)
8. 20. λαοὶ . . . κατοικοῦντες [S² οἱ κ.] πόλεις πολλάς (11 *a*)
— 21. συνελεύσονται κατοικοῦντες πέντε πόλεις [S² *om.* σ. . . . π.] (11 *a*)
9. 5. καὶ Ἀσκάλων οὐ μὴ κατοικηθῇ (11 *a*)
— 6. καὶ κατοικήσουσιν ἀλλογενεῖς ἐν Ἀζώτῳ (11 *a*)
11. 6. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 *a*)
12. 5. εὑρήσομεν . . . τοὺς κατοικοῦντας Ἰ. (11 *a*)
— 6. καὶ κατοικήσει Ἰ. ἔτι καθ' ἑαυτήν (11 *a*)
— 7. ἔπαρσις [A ἐπάρξεις] τῶν κατοικούντων Ἰ. (11 *a*)
— 8. ὑπερασπιεῖ κ. ὑπὲρ τῶν κατοικούντων Ἰ. (11 *a*)
— 10. ἐκχεῶ . . . ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Ἰ. (11 *a*)
13. 1. καὶ τοῖς κατοικοῦσιν Ἰερουσαλήμ (11 *a*)
14. 11. κατοικήσουσιν [A -κοῦσιν] ἐν αὐτῇ (11 *a*)
— 11. καὶ κατοικήσει Ἰερ. πεποιθότως (11 *a*)
Is. 6. 11. παρὰ τὸ μὴ κατοικεῖσθαι (11 *a*)
8. 18. ὃς κατοικεῖ ἐν τῷ ὄρει Σιών (14 *a*)
9. 1 (8. 23). A S² οἱ τὴν παράλιον κατοικοῦντες [B S¹ *om.*] –
— 2 (1). οἱ κατοικοῦντες ἐν χώρᾳ [A S² *add.* καὶ] σκιᾷ θανάτου (11 *a*)
10. 14 (13). σείσω πόλεις κατοικουμένας (11 *a* ?)
— 24. ὁ λαός μου οἱ κατοικοῦντες ἐν Σιών (11 *a*)
— 31. καὶ οἱ κατοικοῦντες Γιββεῖρ (11 *a*)
12. 6. εὐφραίνεσθε, οἱ κατοικοῦντες [A S *add.* ἐν] Σιών (11 *a*)
13. 20. οὐ κατοικηθήσεται εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον (11 *a*)
— 22. ὀνοκένταυροι ἐκεῖ κατοικήσουσι –
14. 23. ὥστε κ. ἐχίνους (9 *b*)
16. 7. τοῖς κατοικοῦσι δὲ Σὲθ μελετήσεις (4 ?)
18. 2. ὡς χώρα κατοικουμένη κατοικηθήσεται (11 *a*, 14 *a* ?)
20. 6. ἐροῦσιν οἱ κατοικοῦντες ἐν τῇ νήσῳ ταύτῃ (11 *a*)
23. 6. ὀλολύξατε οἱ κατοικοῦντες [A S ἐνοικ.] ἐν τῇ νήσῳ ταύτῃ (11 *a*)
— 18. ἀλλὰ τοῖς κατοικοῦσιν ἔναντι κυρίου (11 *a*)
24. 5. ἠνόμησε διὰ τοὺς κατοικοῦντας αὐτήν (11 *a*)
— 6. ἠμάρτοσαν οἱ κατοικοῦντες αὐτήν (11 *a*)
— 17. S¹ ἐφ' ὑμᾶς τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ γῇ [A B S² *al.*] (11 *a*)
26. 21. S ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας [A B ἐνοικ.] ἐπὶ τῆς γῆς (11 *a*)
27. 10. τὸ κατοικούμενον ποίμνιον ἀνειμένον ἔσται †
Is. 32. 16. δικαιοσύνη ἐν τῷ Κ. κατοικήσει (11 *a*)
— 18. A S R κατοικήσει [B οἰκ.] ὁ λαὸς αὐτοῦ ἐν πόλει εἰρήνης (11 *a*)
33. 5. ἅγιος ὁ θεὸς ὁ κατοικῶν ἐν ὑψηλῷ [A S -οῖς] (14 *a*)
34. 11. κατοικήσουσιν [A S -σονται] ἐν αὐτῇ (14 *a* [9 *a*])
40. 22. καὶ διατείνας ὡς σκηνὴν κ. (11 *a*)
42. 10. αἱ νῆσοι καὶ οἱ κατοικοῦντες αὐτάς (11 *a*)
— 11. ἐπαύλεις καὶ οἱ κατοικοῦντες Κηδάρ (11 *a*)
— 11. εὐφρανθήσονται οἱ κατοικοῦντες πέτραν (11 *a*)
44. 26. ὁ λέγων Ἱερουσαλήμ, Κατοικηθήσῃ (11 *d*)
45. 18. κατοικεῖσθαι ἔπλασεν αὐτήν [A S *om.* ἔ. αὐ.] (11 *a*)
49. 19. νῦν στενοχωρήσει ἀπὸ τῶν κατοικούντων [A ἐνοικ., S¹ *add.* σε] (11 *a*)
— 20. ποίησόν μοι τόπον ἵνα κατοικήσω (11 *a*)
51. 6. οἱ δὲ κατοικοῦντες [A *add.* τὴν γῆν] . . . ἀποθανοῦνται (11 *a*)
54. 3. πόλεις ἠρημωμένας κατοικιεῖς [A -κήσεις] (11 *c*)
57. 15. ἐν ὑψηλοῖς κατοικῶν τὸν αἰῶνα (14 *a*)
62. 5. οὕτω κατοικήσουσιν οἱ υἱοί σου (5 *a*)
65. 9. κατοικήσουσιν ἐκεῖ (14 *a*)
66. 10. πάντες οἱ ἀγαπῶντες αὐτήν [S² κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ] †
Je. 1. 1. ὃς κατῴκει ἐν Ἀναθὼθ ἐν γῇ Βενιαμείν –
— 14. ἐπὶ πάντας τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (11 *a*)
2. 6. οὐ κατῴκησεν ἄνθρωπος [S υἱὸς ἀνθρώπου] ἐκεῖ (11 *a*)
— 15. παρὰ τὸ μὴ κατοικεῖσθαι (11 *a*)
4. 3. B S τάδε λέγει κύριος . . . τοῖς κατοικοῦσιν Ἰερ. –
— 4. καὶ οἱ κατοικοῦντες [A *add.* ἐν] Ἰερ. (11 *a*)
— 7. τοῦ θεῖναι [S¹ *add.* κατοικεῖσθαι] τὴν γῆν –
— 7. παρὰ τὸ μὴ κατοικεῖσθαι αὐτάς (11 *a*)
— 29. οὐ κατῴκει [A κατοικήσει] ἐν αὐταῖς ἄνθρωπος (11 *a*)
6. 8. A S ἥτις οὐ κατοικηθήσεται [B -κισθῇ] (11 *b*)
— 12. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας [S¹ *om.* τ. κ.] τὴν γῆν ταύτην (11 *a*)
8. 1. τὰ ὀστᾶ τῶν κατοικούντων ἐν [A S *om.* Ἰερ. (11 *a*)
— 16. καὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (11 *a*)
9. 11 (10). παρὰ τὸ μὴ κατοικεῖσθαι (11 *a*)
— 26 (25). τοὺς κατοικοῦντας ἐν τῇ ἐρήμῳ (11 *a*)
10. 17. κατοικοῦσα [A ἡ κ.] ἐν ἐκλεκτοῖς (11 *a*)
— 18. τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν ταύτην (11 *a*)
11. 2. τοὺς κατοικοῦντας ἐν [A *om.*] Ἰερ. (11 *a*)
— 9. εὑρέθη σύνδεσμος . . . ἐν τοῖς κατοικοῦσιν ἐν [A S *om.*] Ἰερουσαλήμ (11 *a*)
— 12. πορεύσονται . . . οἱ κατοικοῦντες Ἰερ. (11 *a*)
— 23. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἀν. (2)
12. 4. ἀπὸ κακίας τῶν κατοικούντων ἐν αὐτῇ [A κ. αὐτῶν] (11 *a*)
13. 13. πληρῶ τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν ταύτην (11 *a*)
— 13. πάντας τοὺς κατοικοῦντας [A καθημένους] ἐν [S *om.*] Ἰερ. (11 *a*)
17. 6. ἐν γῇ ἁλμυρᾷ ἥτις οὐ κατοικεῖται [S¹ -κηθήσεται] (11 *a*)
— 25. εἰσελεύσονται . . . οἱ κατοικοῦντες ἐν [A *om.*] Ἰερ. καὶ κατοικισθήσεται [A -κηθ.] ἡ πόλις αὕτη (11 *a*, 11 *a*)
18. 11. εἰπὸν . . . πρὸς τοὺς κατοικοῦντας [S *add.* ἐν] Ἰερ. (11 *a*)
19. 3. B² S R ἀκούσατε . . . οἱ κατοικοῦντες ἐν [A B¹ *om.*] Ἰερ. (11 *a*)
— 12. τοῖς κατοικοῦσιν ἐν αὐτῷ (11 *a*)
20. 6. πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν τῷ οἴκῳ σου (11 *a*)
21. 6. πατάξω πάντας τοὺς κατοικοῦντας (11 *a*)
— 13. τὸν κατοικοῦντα τὴν κοιλάδα σόρ (11 *a*)
22. 6. πόλεις μὴ κατοικηθησομένας (11 *b*)
— 23. κατοικοῦσα ἐν τῷ Λιβάνῳ (11 *a*)
23. 14. καὶ οἱ κατοικοῦντες αὐτήν (11 *a*)
24. 8. τοὺς κατοικοῦντας ἐν Αἰγύπτῳ (11 *a*)
25. 2. πρὸς τοὺς κατοικοῦντας Ἰερ. (11 *a*)
— 5. κατοικήσετε ἐπὶ τῆς γῆς (11 *a*)
— 9. ἄξω αὐτοὺς . . . ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας αὐτήν (11 *a*)
26 (46). 8. ἀπολῶ τοὺς [A S *om.*] κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (11 *a*)
— 19. κατοικοῦσα θύγατερ [S -ηρ] Αἰγύπτου . . . διὰ τὸ μὴ ὑπάρχειν κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (11 *a*, 11 *a*)
27 (50). 3. οὐκ ἔσται ὁ κατοικῶν ἐν αὐτῇ (11 *a*)
Je. 27 (50). 13. ἔρημος ἀπὸ ὀργῆς κυρίου οὐ κατοικηθήσεται (11 *a*)
— 21. B S² ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐπ' [A *om.*] αὐτήν (11 *a*)
— 34. παροξυνεῖ τοῖς κατοικοῦσι [S παροικ.] Βαβ. μάχαιραν (11 *a*)
— 35. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Βαβυλῶνα (11 *a*)
— 39. κατοικήσουσιν ἰνδάλματα ἐν ταῖς νήσοις καὶ κατοικήσουσιν ἐν αὐτῇ θυγατέρες σειρήνων οὐ μὴ κατοικηθῇ οὐκέτι (11 *a ter*)
— 40. A S R οὐ μὴ κατοικήσει [B -σῃ] ἐκεῖ ἄνθρωπος (11 *a*)
— 40. A οὐ μὴ κατοικήσει [B S παροικ.] ἐκεῖ υἱὸς ἀνθρώπου (6 *a*)
— 45. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Χαλδαίους (3)
28 (51). 1. ἐξεγείρω . . . ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Χαλδ. (11 *a*)
— 12. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Βαβυλῶνα (11 *a*)
— 24. ἀνταποδώσω . . . πᾶσι τοῖς κατοικοῦσι Χαλδ. (11 *a*)
— 29. καὶ μὴ κατοικεῖσθαι αὐτήν (11 *a*)
— 35. ἐρεῖ [S¹ *add.* καὶ] κατοικοῦσα Σιών (11 *a*)
— 35. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Χαλδαίους (11 *a*)
— 37. οὐ κατοικηθήσεται (11 *a*)
— 43. οὐ κατοικήσει ἐν αὐτῇ οὐδὲ εἷς (11 *a*)
— 62. τοῦ μὴ εἶναι ἐν αὐτῷ κατοικοῦντας (11 *a*)
29 (47). 2. πόλιν καὶ τοὺς κατοικοῦντας [A ἐνοικ.] ἐν αὐτῇ (11 *a*)
— 2. ἅπαντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (11 *a*)
29 (49). 8. οἱ κατοικοῦντες [S¹ -ται] ἐν Δαιδάμ (11 *a*)
— 18. οὐ μὴ καθίσῃ [A κατοικήσει] ἐκεῖ ἄνθρωπος (11 *a*)
— 18. R οὐ μὴ κατοικήσει [A καθίσει, B S ἐνοικ.] ἐκεῖ υἱὸς ἀνθρώπου (6 *a*)
— 20. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Θαιμάν (11 *a*)
30. 11 (49. 33). οὐ μὴ κατοικήσει ἐκεῖ υἱὸς ἀνθρώπου (6 *a*)
31 (48). 28. ᾤκησαν ἐν πέτραις οἱ κατοικοῦντες [A π. οἰκ.] Μωάβ (11 *a*)
33 (26). 9. ἐρημωθήσεται ἀπὸ κατοικούντων [A ἐνοικ.] (11 *a*)
— 15. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (11 *a*)
36 (29). 5. καὶ κατοικήσατε (11 *a*)
— 28. οἰκοδομήσατε οἰκίας καὶ κατοικήσατε (11 *a*)
39 (32). 32. καὶ οἱ κατοικοῦντες ἐν [S *om.*] Ἰερ. (11 *a*)
41 (34). 22. ἐρήμους [A εἰς ἄβατον] ἀπὸ κατοικούντων (11 *a*)
42 (35). 7. A ἐν σκηναῖς κατοικήσετε [BS οἰκ.] (11 *a*)
— 9. οἰκίας τοῦ κ. ἐκεῖ (11 *a*)
— 13. εἰπὸν . . . τοῖς κατοικοῦσιν [A *add.* ἐν] Ἰερ. (11 *a*)
— 17. BS φέρω . . . ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Ἰ. (11 *a*)
43 (36). 31. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Ἰερ. (11 *a*)
45 (38). 2. ὁ κατοικῶν ἐν τῇ πόλει ταύτῃ (11 *a*)
47 (40). 9. κατοικήσατε ἐν τῇ γῇ (11 *a*)
49 (42). 15. εἰσέλθητε ἐκεῖ κ. (6 *a*)
— 18. ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας Ἱερουσαλήμ (11 *a*)
— 22. εἰσελθεῖν κ. [S¹ -εῖς] ἐκεῖ (6 *a*)
50 (43). 2. A μὴ εἰσέλθητε εἰς Αἴγυπτον κ. [B S οἰκεῖν] ἐκεῖ (6 *a*)
— 4. κατοικῆσαι ἐν γῇ Ἰούδα (11 *a*)
— 5. τοὺς ἀποστρέψαντας κ. [S εἰς μετοικεσίαν] ἐν τῇ γῇ (6 *a*)
51 (44). 1. τοῖς Ἰ. τοῖς κατοικοῦσιν ἐν γῇ [S *al.*] (11 *a*)
— 1. S καὶ τοῖς κατοικοῦσιν [AB καθημένοις] ἐν M. (11 *a*)
— 8. κ. [A S ἐνοικ.] ἐκεῖ (6 *a*)
— 27. οἱ κατοικοῦντες ἐν γῇ Αἰγ. –
— 28. κατοικῆσαι [A S παροικ.] ἐκεῖ (6 *a*)
Ba. 1. 4. ἐν ὡσὶ . . . πάντων τῶν κατοικούντων ἐν Βαβυλῶνι
— 15. καὶ τοῖς κατοικοῦσιν Ἱερουσαλήμ
3. 13. κατῴκεις ἂν ἐν εἰρήνῃ
— 20. κατῴκησαν ἐπὶ τῆς γῆς
4. 35. κατοικηθήσεται ὑπὸ δαιμονίων
La. 4. 12. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν οἰκουμένην (11 *a*)
— 21. θύγατερ Ἰδουμ. ἡ κατοικοῦσα ἐπὶ γῆς (11 *a*)
5. 19. σὺ δέ, κύριε, εἰς τὸν αἰῶνα κατοικήσεις (11 *a*)
Ez. 2. 6. ἐν μέσῳ σκορπίων σὺ κατοικεῖς (11 *a*)
3. 15. τοὺς κατοικοῦντας ἐπὶ τοῦ ποταμοῦ τοῦ Χ. (11 *a*)
7. 3 (7). ἐπὶ σὲ τὸν κατοικοῦντα τὴν γῆν (11 *a*)
11. 15. οἷς εἶπαν αὐτοῖς οἱ κατοικοῦντες Ἱερ. (11 *a*)
12. 2. ἐν μέσῳ τῶν ἀδικιῶν αὐτῶν σὺ κατοικεῖς (11 *a*)

Ez. 12. 19. τάδε λέγει κύριος τοῖς κατοικοῦσιν Ἰερ. . . . ἐν ἀσεβείᾳ γὰρ πάντες οἱ κατοικοῦντες ἐν αὐτῇ (11 *a*, 11 *a*)
— 20. αἱ πόλεις αὐτῶν αἱ κατοικούμεναι (11 *b*)
15. 6. οὕτως δέδωκα τοὺς κατοικοῦντας [A *add.* ἐν] Ἰερ. (11 *a*)
16. 46. ἡ κατοικοῦσα ἐξ εὐωνύμων σου (11 *a*)
— 46. ἡ κατοικοῦσα ἐκ δεξιῶν σου (11 *a*)
25. 16. τοὺς κατοικοῦντας τὴν παραλίαν [A παραθαλασσίαν] –
26. 17. A αὐτὴ καὶ οἱ κατοικοῦντες αὐτήν (11 *a*)
— 17. πᾶσι τοῖς κατοικοῦσιν αὐτήν (11 *a*)
— 19. AB ὡς τὰς πόλεις τὰς μὴ κατοικηθησομένας [R -κισθ.] (11 *b*)
— 20. ὅπως μὴ κατοικηθῇς (11 *a*)
27. 3. τῇ κατοικούσῃ ἐπὶ τῆς εἰσόδου [A ὁδ.] τῆς θαλάσσης (11 *a*)
— 8. οἱ ἄρχοντές σου οἱ κατοικοῦντες Σιδῶνα (11 *a*)
— 35. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὰς νήσους (11 *a*)
28. 2. κατοικίαν θεοῦ κατῴκηκα [A -σα] (11 *a*)
— 25. κατοικήσουσι ἐπὶ τῆς γῆς αὐτῶν (11 *a*)
— 26. κατοικήσουσιν ἐπ' αὐτῆς ἐν ἐλπίδι . . . καὶ κατοικήσουσιν ἐν ἐλπίδι (11 *a*, 11 *a*)
29. 6. πάντες οἱ κατοικοῦντες Αἴγυπτον (11 *a*)
— 11. οὐ κατοικηθήσεται τεσσαράκοντα ἔτη (11 *a*)
31. 6. κατῴκησε πᾶν πλῆθος ἐθνῶν (11 *a*)
— 17. οἱ κατοικοῦντες ὑπὸ τὴν σκέπην αὐ. (11 *a*)
32. 15. πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐν αὐτῇ (11 *a*)
33. 24. οἱ κατοικοῦντες τὰς ἠρημωμένας (11 *a*)
34. 25. κατοικήσουσιν ἐν τῇ ἐρήμῳ (11 *a*)
— 27. κατοικήσουσιν ἐπὶ τῆς γῆς αὐτῶν (8)
— 28. κατοικήσουσιν ἐν ἐλπίδι (11 *a*)
35. 9. αἱ πόλεις σου οὐ μὴ κατοικηθῶσιν ἔτι (11 *a*, †*)
36. 10. κατοικηθήσονται αἱ πόλεις (11 *b*)
— 17. κατῴκησεν [A -αν] ἐπὶ τῆς γῆς αὐτῶν (11 *a*)
— 28. κατοικήσετε ἐπὶ τῆς γῆς (11 *a*)
37. 25. κατοικήσουσιν ἐπὶ τῆς γῆς αὐτῶν . . . οὗ κατῴκησαν ἐκεῖ οἱ πατέρες αὐτῶν καὶ κατοικήσουσιν ἐπ' αὐτῆς (11 *a ter*)
38. 8. κατοικήσουσιν ἐπ' εἰρήνης ἅπαντες (11 *a*)
— 11. οἰκοῦντας [A κατοικ.] ἐπ' εἰρήνης πάντας κατοικοῦντας γῆν [A πόλεις] (11 *a*, 11 *a*)
— 12. κατοικοῦντας ἐπὶ τὸν ὀμφαλὸν τῆς γῆς (11 *a*)
39. 6. κατοικηθήσονται [A -κισθ.] αἱ νῆσοι ἐπ' εἰρήνης (11 *a*)
— 9. ἐξελεύσονται οἱ κατοικοῦντες τὰς πόλεις Ἰσρ. (11 *a*)
45. 5. εἰς κατάσχεσιν πόλεις τοῦ κ. †
Da. LXX. 3. 1. διοικῶν . . . πάντας τοὺς κατοικοῦντας ἐπὶ τῆς γῆς –
Da. TH. 2. 38. ὅπου κατοικοῦσιν οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων (7)
4. 9. ἐν τοῖς κλάδοις αὐτοῦ κατῴκουν τὰ ὄρνεα (7)
— 18. ὑποκάτω αὐτοῦ κατῴκουν τὰ θηρία (7)
— 18. A κατῴκουν [B -εσκήνουν] τὰ ὄρνεα (14 *c*)
— 32. πάντες οἱ κατοικοῦντες τὴν γῆν (7)
9. 7. A καὶ τοῖς κατοικοῦσιν [B ἐνοικ. ἐν] Ἰερ. (11 *a*)
I Ma. 1. 28. ἐσείσθη ἡ γῆ ἐπὶ τοὺς κατοικοῦντας αὐτήν
3. 34. S R περὶ τῶν [A πάντων τῶν] κατοικούντων τὴν Ἰουδ.
— 36. A R κατοικῆσαι [S -ίσαι] υἱοὺς [S[1] ἀπ' αὐτῶν] ἀλλογενεῖς [A ἀλλοτρίους]
6. 12. ἐξᾶραι τοὺς κατοικοῦντας Ἰούδα
9. 58. ἐν ἡσυχίᾳ κατοικοῦσι πεποιθότες
13. 48. S κατῴκησεν [A R -ισεν] ἐν αὐτῇ ἄνδρας
14. 37. A κατῴκησεν [SR -ισεν] ἐν αὐτῇ ἄνδρας Ἰουδ.
II Ma. 3. 1. τῆς ἁγίας πόλεως κατοικουμένης
12. 8. A τοῖς κατοικοῦσιν [R παροικ.] Ἰουδαίοις
— 13. πόλιν . . . παμμιγέσιν ἔθνεσι κατοικουμένην
— 27. ἐν ᾗ κατῴκει Λυσίας
— 30. R τῶν ἐκεῖ κατοικούντων [A καθεστώτων] Ἰουδαίων
III Ma. 3. 15. R τὰ [A *om.*] κατοικοῦντα κοίλην Συρίαν καὶ Φ. ἔθνη
IV Ma. 13. 20. τὸν ἴσον ἀδελφοὶ κατοικήσαντες χρόνον

[Aq. Ge. 47. 6: Jo. 17. 7: Ps. 48 (49). 2: Is. 8. 18: 23. 2: 38. 11: Je. 23. 8: 25. 29 (32. 15): 44 (51). 1: 48 (31). 19: 49. 8 (29. 9), 30 (30. 8).]
[Sm. Ge. 47. 6: Jo. 17. 7: Ps. 32 (33). 8: 48 (49). 2: 67 (68). 7, 17: 68 (69). 26: 74 (75). 4: 90 (91). 1: 97 (98). 7: Pr. 8. 12: Ca. 8. 13: Is. 5. 8: 8. 18: 23. 2, 18: 24. 5: 26. 21: 30. 7: 38. 11: Je. 25. 29 (32. 15): 44 (51). 1, 2, 22: 48 (31). 19: Ez. 12. 19.]
[Th. Ge. 47. 6: Jd. 5. 17: Ps. 64 (65). 5: Is. 8. 18: 34. 11: 38. 11: Je. 25. 29 (32. 15): 29 (36). 16: 48 (31). 19: Ez. 26. 17.]
[Heb. Ge. 47. 6.]
[Al. Jo. 11. 19: Jd. 5. 16: Hb. 3. 7: Za. 14. 10.]

κατοικεσία. (1) מוֹשָׁב

Ps. 106 (107). 36. συνεστήσαντο πόλεις κατοικεσίας (1)
La. 1. 7. ἐγέλασαν ἐπὶ κατοικεσίᾳ [A[1] μετοικ., A[2] μετοικεσίας] αὐτῆς +
Ez. 6. 14. ἐκ πάσης τῆς κ. αὐτῶν [A κατοικίας] (1)

κατοίκησις. (1) *a.* מוֹשָׁב *b.* יְשֻׁבָה

Ge. 10. 30. ἐγένετο ἡ κ. αὐτῶν ἀπὸ Μ. (1 *a*)
27. 39. ἀπὸ τῆς πιότητος τῆς γῆς ἔσται ἡ κ. σου (1 *a*)
Ex. 12. 40. ἡ δὲ κ. [A παροικ.] τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1 *a*)
Nu. 15. 2. εἰς τὴν γῆν τῆς κ. [A κατασχέσεως] ὑμῶν (1 *a*)
II Ki. 9. 12. πᾶσα ἡ κ. αὐτοῦ οἶκου Σ. (1 *a*)
III Ki. 8. 30. ἐν τῷ τόπῳ τῆς κ. σου (1 *b*)
IV Ki. 2. 19. ἡ κ. τῆς πόλεως ἀγαθή (1 *a*)
II Ch. 6. 21. ἐν τῷ τόπῳ τῆς κ. σου (1 *b*)
I Es. 1. 21. ὁ εὑρεθεὶς [A οἱ εὑρεθέντες] ἐν τῇ κ. αὐτῶν

[Sm. I Ki. 2. 31: Ps. 22 (23). 6: Is. 38. 20: Je. 10. 25: 50 (27). 19.]
[Th. Is. 38. 20.]
[Al. Za. 2. 13 (17).]

κατοικητήριον. (1) זְבֻל (2) *a.* יָשַׁב *b.* מוֹשָׁב (3) מְדָר (4) *a.* מָעוֹן *b.* מְעוֹנָה

Ex. 12. 20. ἐν παντὶ δὲ κ. ὑμῶν ἔδεσθε ἄζυμα (2 *b*)
15. 17. εἰς ἕτοιμον κατοικητήριόν σου (2 *a*)
III Ki. 8. 13. A ᾠκοδόμησα οἶκον κατοικητηρίου σου (1)
— 39, 43, 49: II Ch. 6. 30, 33, 39. ἐξ ἑτοίμου κ. σου (2 *a*)
II Ch. 30. 27. ἦλθεν ἡ προσευχὴ αὐτῶν εἰς τὸ κ. τὸ ἅγιον αὐτοῦ (4 *a*)
Ps. 32 (33). 14. ἐξ ἑτοίμου κ. αὐτοῦ ἐπέβλεψεν (2 *a*)
75 (76). 2. καὶ τὸ κ. αὐτοῦ ἐν Σιών (4 *b*)
106 (107). 4. ὁδὸν πόλεως κατοικητηρίου οὐχ εὗρον (2 *b*)
— 7. τοῦ πορευθῆναι εἰς πόλιν κατοικητηρίου (2 *b*)
Na. 2. 11 (12). ποῦ ἐστι τὸ κ. τῶν λεόντων (4 *a*)
— 12 (13). ἔπλησε . . . τὸ κ. αὐτοῦ ἁρπαγῆς (4 *b*)
Je. 9. 11 (10). δώσω τὴν Ἰερ. . . . εἰς κ. [A -ια] δρακόντων (4 *a*)
21. 13. τίς εἰσελεύσεται πρὸς τὸ κ. ἡμῶν (4 *b*)
Da. LXX. 2. 11. οὗ οὐκ ἔστι κ. μετὰ πάσης σαρκός (3)
III Ma. 2. 15. A τὸ μὲν γὰρ κ. [R οἰκ.] σου οὐρανὸς τοῦ οὐρ.

[Aq. I Ki. 2. 32: III Ki. 8. 13: Ps. 48 (49). 15: Ca. 4. 8: Is. 63. 15: Je. 49. 19 (29. 20): 50 (27). 44, 45.]
[Sm. Is. 63. 15: Je. 50 (27). 44.]
[Th. Is. 63. 15.]
[Quint. Ps. 25 (26). 8: 30 (31). 3.]

κατοικία (-εία). (1) *a.* יָשַׁב *b.* מוֹשָׁב (2) *a.* מְדוֹר *b.* מָדָר *c.* דּוּר

Ex. 35. 3. οὐ καύσετε πῦρ ἐν πάσῃ κ. ὑμῶν (1 *b*)
Le. 3. 17. νόμιμον . . . ἐν πάσῃ κ. ὑμῶν (1 *b*)
7. 16 (26). οὐκ ἔδεσθε ἐν πάσῃ τῇ [B[1] τῇ γῇ] κατοικίᾳ ὑμῶν (1 *b*)
23. 3. σάββατά ἐστι . . . ἐν πάσῃ κ. ὑμῶν (1 *b*)
— 14. νόμιμον αἰώνιον . . . ἐν πάσῃ κ. ὑμῶν (1 *b*)
— 17. ἀπὸ τῆς κ. ὑμῶν προσοίσετε ἄρτους (1 *b*)
— 21. νόμιμον αἰώνιον . . . ἐν πάσῃ τῇ κ. ὑμῶν (1 *b*)
— 31. νόμιμον αἰώνιον . . . ἐν πάσαις κ. ὑμῶν (1 *b*)
Nu. 24. 21. ἰσχυρὰ ἡ κ. σου (1 *b*)
31. 10. A R πάσας τὰς πόλεις αὐτῶν τὰς ἐν ταῖς κ. [B οἰκ.] αὐτῶν (1 *b*)
35. 29. ἐν πάσαις ταῖς κ. ὑμῶν (1 *b*)
I Ch. 6. 54 (39). αὗται αἱ κ. αὐτῶν (1 *b*)
7. 28. καὶ κατοικία αὐτῶν Βαιθήλ (1 *b*)
I Es. 9. 12. πάντες οἱ ἐκ τῶν κ. [A κατοίκων] ἡμῶν
— 37. καὶ οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν ταῖς κ. αὐτῶν
Ps. 86 (87). 7. ὡς εὐφραινομένων πάντων ἡ κ. ἐν σοί +
131 (132). 13. ᾑρετίσατο αὐτὴν εἰς κατοικίαν ἑαυτῷ (1 *b*)
Si. 44. 6. A S εἰρηνεύοντες ἐν κατοικίαις [B παροικίαις] αὐτῶν
Ho. 11. 7. καὶ ὁ λαὸς αὐτοῦ ἐπικρεμάμενος ἐκ τῆς κ. αὐτοῦ †
14. 5. ἰάσομαι τὰς κατοικίας αὐτῶν †
Ob. 1. 3. ὑψῶν κατοικίαν αὐτοῦ (1 *a*)
Ze. 2. 5. καὶ ἀπολῶ ὑμᾶς ἐκ κατοικίας (1 *a*)
Je. 3. 6. εἶδες ἃ ἐποίησέ μου ἡ κ. τοῦ Ἰσραήλ † — 8. ἐν οἷς ἐμοιχᾶτο ἡ κ. τοῦ Ἰσραήλ † — 12. ἐπιστράφηθι πρὸς μὲ ἡ κ. τοῦ Ἰσραήλ †
Ez. 6. 6. ἐν πάσῃ τῇ κ. ὑμῶν (1 *b*)
— 14. A ἐκ πάσης τῆς κ. [B κατοικεσίας] (1 *b*)
28. 2. κατοικίαν θεοῦ κατῴκηκα [A -σα] (1 *b*)
34. 13. ἐν πάσῃ κ. τῆς γῆς (1 *b*)
48. 15. προτείχισμα ἔσται τῇ πόλει εἰς τὴν κ. (1 *b*)
Da. TH. 2. 11. ὧν οὐκ ἔστιν ἡ κ. μετὰ πάσης σαρκός (2 *b*)
4. 22. μετὰ θηρίων ἀγρίων ἔσται ἡ κ. σου (2 *a*)
— 29. μετὰ θηρίων ἀγρίων [A *add.* ἔσται] ἡ κ. σου (2 *a*)
— 32. καὶ ἐν τῇ κ. τῆς γῆς (2 *c*)
5. 21. μετὰ ὀνάγρων ἡ κ. αὐτοῦ (2 *a*)
I Ma. 1. 38. ἐγένετο κατοικία ἀλλοτρίων
II Ma. 3. 39. ὁ τὴν κ. ἐπουράνιον ἔχων

[Aq. Ho. 9. 13.]
[Sm. Ps. 32 (33). 14: Ho. 9. 13: Mi. 1. 15.]
[Al. Ex. 10. 23: Nu. 21. 15.]

κατοικίζειν. (1) נָלָה hoph. (2) יָשַׁב *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. *d.* יָתַב aph. (3) שׁוּב hi. (4) שָׁכַב hi. (5) שָׁכַן *a.* pi. *b.* hi.

Ge. 3. 24. κατῴκισεν αὐτὸν ἀπέναντι τοῦ παραδείσου (5 *b*)
47. 6. ἐν τῇ βελτίστῃ γῇ κατοίκισον [A -ησον] τὸν πατέρα σου (2 *c*)
— 11. κατῴκισεν [A -ησεν] Ἰ. τὸν πατέρα (2 *c*)
Ex. 2. 21. κατῴκίσθη δὲ Μ. παρὰ τῷ ἀνθρώπῳ (2 *a*)
Le. 23. 43. κατῴκισα [A -ησα] τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (2 *c*)
Nu. 21. 15. τοὺς χειμάρρους κατέστησε κατοικίσαι Ἡρ (2 *a*)
De. 2. 12, 21, 22, 23. καὶ κατῴκίσθησαν ἀντ' αὐτῶν (2 *a*)
Jo. 6. 24 (25). R καὶ κατῴκισεν [A B -ησεν] ἐν τῷ Ἰσρ. (2 *a*)
7. 7. εἰ κατεμείναμεν καὶ κατῳκίσθημεν (2 *a*)
15. 63. A κατῴκισαν [B -ησαν] οἱ Ἰεβ. ἐν Ἰερ. (2 *a*)
24. 13. καὶ κατῳκίσθητε ἐν αὐταῖς (2 *a*)
I Ki. 12. 8. καὶ κατῴκισεν [A -ησεν] αὐτούς (2 *c*)
IV Ki. 17. 6. B κατῴκισεν [A R -ησεν] αὐτούς (2 *c*)
— 24. κατῳκίσθησαν ἐν πόλεσι Σαμ. (2 *c*)
— 24. A κατῴκισαν [B -κησαν, R -κίσθησαν] ἐν ταῖς πόλεσιν αὐτῆς (2 *a*)
— 32. κατῴκισαν τὰ βδελύγματα αὐτῶν –
I Ch. 9. 1. B μετὰ τῶν κατοικισθέντων [A R ἀποικ.] εἰς Βαθ. (1)
10. 7. S κατῴκισαν [A B -ησαν] ἐν αὐτοῖς (2 *a*)
II Ch. 8. 2. κατῴκισεν ἐκεῖ τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (2 *c*)
I Es. 5. 46. καὶ κατῳκίσθησαν οἱ ἱερεῖς
II Es. 4. 10. κατῴκισεν αὐτοὺς ἐν πόλεσι τῆς Σομ. (2 *d*)
To. 13. 11. S κατοικιεῖ πάντων τῶν ἐσχάτων τῆς γῆς
Ju. 5. 19. κατῳκίσθησαν ἐν τῇ ὀρεινῇ
Ps. 4. 8. σὺ, κύριε, κατὰ μόνας ἐπ' ἐλπίδι κατῴκισάς με (2 *c*)
28 (29). 10. κύριος τὸν κατακλυσμὸν κατοικιεῖ (2 *a*)
67 (68). 6. ὁ θεὸς κατοικίζει μονοτρόπους ἐν οἴκῳ (2 *c*)
92 (93) *tit.* ὅτε κατῴκισται ἡ γῆ –
106 (107). 36. κατῴκισεν [A[1] -ησεν] ἐκεῖ πεινῶντας (2 *c*)
112 (113). 9. ὁ κατοικίζων στεῖραν ἐν οἴκῳ (2 *c*)
Ho. 2. 18 (20). καὶ κατοικιῶ σε ἐπ' ἐλπίδι (4)
12. 9 (10). ἔτι κατοικιῶ σε ἐν σκηναῖς (2 *c*)
Za. 10. 6. καὶ κατοικιῶ αὐτούς (2 *c*)
Is. 54. 3. πόλεις ἠρημωμένας κατοικεῖς [A -ήσεις] (2 *c*)
Je. 6. 8. ἤτις οὐ κατοικισθῇ [A S -κηθήσεται] (2 *b*)
7. 3. καὶ κατοικιῶ [A οὐ κ.] ὑμᾶς (5 *a*)
— 7. κατοικιῶ ὑμᾶς ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ (5 *a*)
12. 15. καὶ κατοικιῶ αὐτούς (3)
17. 25. κατοικισθήσεται [A -κηθ.] ἡ πόλις αὕτη (2 *a*)
39 (32). 37. A κατοικιῶ [B S καθιῶ] αὐτοὺς πεποιθότας (2 *c*)

Je. 47 (40). 7. A S R οὓς οὐ [S *om.*] κατῴκισεν [B οὐκ ἀπῴκ.] εἰς Βαβυλῶνα (1)
Ez. 26. 19. R ὡς τὰς πόλεις τὰς μὴ κατοικισθησομένας [A B -κηθ.] (2 *b*)
— 20. κατοικιῶ σε εἰς βάθη τῆς γῆς (2 *c*)
29. 14. κατοικίσω [A -ιῶ] αὐτοὺς ἐν γῇ Φ. (3)
36. 11. κατοικιῶ ὑμᾶς ὡς τὸ ἐν ἀρχῇ ὑμῶν (2 *c*)
— 33. κατοικιῶ τὰς πόλεις (2 *c*)
38. 12. εἰς τὴν ἠρημωμένην ἢ κατῳκίσθη (2 *b*)
— 14. ἐν τῷ κατοικισθῆναι τὸν λαόν μου Ἰσρ. (2 *a*)
39. 6. A κατοικισθήσονται [B -κηθ.] αἱ νῆσοι (2 *a*)
— 26. ἐν τῷ κατοικισθῆναι αὐτοὺς ἐπὶ τὴν γῆν αὐτῶν (2 *a*)
I Ma. 3. 36. S κατοικίσαι [A R -ῆσαι] υἱοὺς [S¹ ἀπ' αὐτῶν] ἀλλογενεῖς [A ἀλλοτρίους]
13. 48. A κατῴκισεν [S -ησεν] ἐν αὐτῇ ἄνδρας
14. 34. καὶ κατῴκισεν ἐκεῖ Ἰουδαίους
— 37. S R κατῴκισεν [A -ησεν] ἐν αὐτῇ ἄνδρας Ἰουδ.
[Sm. Ez. 26. 17 : Ho. 2. 18 (20).]
[Th. Ps. 67 (68). 7 : Ho. 2. 18 (20).]
[Quint. Ps. 67 (68). 7.]

κατοικιστής.

[Sm. Je. 50 (27). 7.]

κατοικοδομεῖν. (1) מוּשָׁב

Ge. 36. 43. ἐν ταῖς κατῳκοδομημέναις ἐν τῇ γῇ (1)

κάτοικος. (1) אֱנוֹשׁ (2) יָשַׁב

Ge. 50. 11. εἶδον οἱ κ. τῆς γῆς Χαναάν (2)
Jo. 8. 20. περιβλέψαντες οἱ κ. [A κατοικοῦντες] Γαί (1)
I Ch. 5. 16. B ἄρχων οἴκου πατριῶν κατοίκων [A R -ῴκουν] ἐν Γ. (2)
I Es. 9. 12. A καὶ πάντες οἱ ἐκ τῶν κ. [B -κιῶν] ἡμῶν
Pr. 31. 23. μετὰ τῶν γερόντων κ. τῆς γῆς [A B² S² *al.*] –
I Ma. 1. 38. ἔφυγον οἱ κ. Ἱερουσαλήμ

κατοικτείρειν.

IV Ma. 8. 20. A R κατοικτειρήσωμεν [S -ρωμεν] τὸ τῆς μητρὸς γῆρας
12. 2. A R ὃν κατοικτειρήσας [S -ρας] ὁ τύραννος

κατοικτίζειν.

IV Ma. 13. 27. S τοὺς κατοικτιζομένους [A R καταικιζ.] ὁρῶντες . . . βασανιζομένους

κατόπιν.

[Sm. Jo. 10. 19 : II Ki. 5. 23.]

κατόπισθε, κατόπισθεν. (1) *a.* אַחַר *b.* אַחֲרֵי *c.* מֵאַחֲרֵי *d.* מֵאַחֲרֵי לְ *e.* אֶל־אַחֲרֵי *f.* עַל־אַחֲרֵי (2) תַּחַת

Ge. 37. 17. ἐπορεύθη Ἰ. κ. τῶν ἀδ. αὐ. (1 *a*)
Jd. 18. 12. A ἰδοὺ κ. [B ὀπίσω] Κ. (1 *b*)
19. 3. A καὶ ἐπορεύθη κ. [B ὀπίσω] αὐτῆς (1 *b*)
Ru. 2. 2. κ. οὗ ἐὰν εὕρω χάριν (1 *a*)
— 3. συνέλεξεν . . . κ. [A ὅπ.] τῶν θεριζόντων (1 *b*)
— 9. πορεύσῃ κ. αὐτῶν (1 *b*)
II Ki. 2. 19. τοῦ πορεύεσθαι . . . κ. Ἀβ. (1 *c*)
— 27. ἀνέβη ὁ λαὸς ἕκαστος κ. τοῦ ἀδ. αὐ. (1 *c*)
15. 34. ὁ βασ. κ. μου διελήλυθεν [A *al.*] –
16. 18. κ. οὗ ἐξελέξατο κύριος –
20. 14. ἦλθον κ. αὐτοῦ (1 *b*)
III Ki. 13. 14. ἐπορεύθη κ. τοῦ ἀνθρώπου τοῦ θ. [A *al.*] (1 *b*)
IV Ki. 6. 32. οὐχὶ φωνὴ τῶν ποδῶν . . . κ. αὐτοῦ (1 *b*)
II Ch. 25. 27. ἀπέστειλαν κ. αὐτοῦ (1 *b*)
Ne. 4. 13 (7). ἔστησα . . . κ. τοῦ τείχους (1 *d*)
Pr. 24. 42 (27). πορεύου κ. μου (1 *a*)
Za. 6. 6. οἱ λευκοὶ ἐξεπορεύοντο κ. αὐτῶν [S¹ *om.*] (1 *e*)
7. 14. ἡ γῆ ἀφανισθήσεται κ. αὐτῶν (1 *b*)
Ez. 3. 12. A B² R ἤκουσα κ. μου φωνήν [B¹ *al.*] (1 *b*)
41. 15. τοῦ ἀπολοίπου τῶν κ. τοῦ οἴκου ἐκ. (1 *f*)
44. 10. ἐν τῷ πλανᾶσθαι τὸν Ἰσ. . . . κ. τῶν ἐνθυμημ. αὐ. (1 *b*)
Da. LXX. 8. 8. ἀνέβη ἕτερα τέσσαρα κέρατα κ. αὐτοῦ (2)
I Ma. 10. 79. ἀπέλιπεν Ἀπ. . . . κρυπτῶς κ. αὐτῶν
— 80. ἔστιν ἔνεδρον κ. αὐτοῦ
16. 6. διεπέρασαν κ. αὐτοῦ [S¹ -ὧν]
[Th. Jd. 19. 3 : Je. 39 (46). 5.]
[Al. I Ki. 11. 5.]

κατοπίσω.

Jd. 18. 22. A ἔκραζον κ. Δάν [B *al.*] †

κατοπτεύειν.

Es. 8. 13. τοῦ τὰ πάντα κατοπτεύοντος ἀεὶ θεοῦ

κατόπτης.

II Ma. 15. 21. R τὸν τερατοποιὸν κύριον τὸν κ. [A *om.* τ. κ.]

κάτοπτρον. (1) מַרְאָה

Ex. 38. 26 (8). ἐκ τῶν κ. τῶν νηστευσασῶν (1)

κατορθοῦν. (1) אָשַׁר (2) בָּנָה (3) זָנָה pi. (4) *a.* יָשַׁר pi. *b.* יָשָׁר *c.* מְיֻשָּׁר *d.* מֵישָׁרִים (5) בּוּן *a.* ni. *b.* hi. (6) עָלַץ (7) תָּכַן ni.

III Ki. 2. 35. ἡ βασιλεία κατωρθοῦτο ἐν Ἱερ. –
I Ch. 16. 30. κατορθωθήτω ἡ γῆ (5 *a*)
28. 7. κατορθώσω τὴν βασιλείαν αὐ. (5 *b*)
II Ch. 29. 35. καὶ κατωρθώθη τὸ ἔργον (5 *a*)
33. 16. κατώρθωσε τὸ θυσιαστήριον κυρίου (2)
35. 10. κατωρθώθη ἡ λειτουργία (5 *a*)
— 16. καὶ κατορθώθη (5 *a*)
I Es. 5. 50. A R κατώρθωσαν [B -θώθησαν] τὸ θυσιαστήριον
Ps. 95 (96). 10. κατώρθωσε τὴν οἰκουμένην (5 *a*)
118 (119). 9. ἐν τίνι κατορθώσει νεώτερος τὴν ὁδὸν αὐτοῦ (3)
— 128. πρὸς πάσας τὰς ἐντολάς σου κατωρθούμην (4 *a*)
Pr. 2. 7. θησαυρίζει τοῖς κατορθοῦσι σωτηρίαν (4 *b*)
— 9. κατορθώσεις πάντας ἄξονας [A αὔξονας] ἀγαθούς (4 *d*)
4. 18. ἕως κατορθώσῃ [A -σει] ἡ ἡμέρα (5 *a*)
9. 6. κατορθώσατε ἐν γνώσει σύνεσιν (1)
11. 10. ἐν ἀγαθοῖς δικαίων κατώρθωσε πόλις (6)
12. 3. οὐ κατορθώσει ἄνθρωπος ἐξ ἀνόμου (5 *a*)
— 19. χείλη ἀληθινὰ κατορθοῖ μαρτυρίαν (5 *a*)
14. 11. σκηναὶ δὲ κατορθούντων στήσονται (4 *b*)
25. 5. κατορθώσει ἐν δικαιοσύνῃ ὁ θρόνος αὐ. (5 *a*)
Mi. 7. 2. κατορθῶν ἐν ἀνθρώποις οὐχ ὑπάρχει (4 *b*)
Za. 4. 7. τὸ ὄρος . . . τὸ πρὸ προσώπου Ζ. τοῦ κατορθῶσαι (4 *c*)
Is. 9. 7 (6). ἐπὶ . . . τὴν βασιλείαν αὐτοῦ κατορθῶσαι αὐτήν (5 *b*)
Je. 10. 23. κατορθώσει πορείαν [S¹ πονηρίαν] αὐτοῦ (5 *b*)
Ez. 18. 25. A οὐ κατορθοῖ [B κατευθύνει] ἡ ὁδὸς κυρίου (7)
— 29. οὐ κατορθοῖ ἡ ὁδὸς κυρίου μὴ ἡ ὁδός μου οὐ κατορθοῖ, οἶκος Ἰσραήλ; οὐχὶ ἡ ὁδὸς ὑμῶν οὐ κατορθοῖ (7 *ter*)
II Ma. 8. 36. ἀναδεξάμενος φόρον . . . κατορθώσασθαι
[Sm. Is. 55. 11.]
[Th. Is. 55. 11 : Ez. 38. 20.]
[Al. I Ki. 13. 21 : 20. 31.]

κατόρθωμα.

III Ma. 3. 23. R ἡμᾶς καταστρέψαι τὰ κ. [A πράγματα]

κατόρθωσις. (1) *a.* יְכֹן *b.* מָכוֹן

II Ch. 3. 17. τὸ ὄνομα τοῦ ἐκ δεξιῶν Κατόρθωσις (1 *a*)
Ju. 11. 7. εἰς κατόρθωσιν πάσης ψυχῆς
Ps. 96 (97). 2. δικαιοσύνη καὶ κρίμα κατόρθωσις τοῦ θρόνου αὐτοῦ (1 *b*)
[Al. Ps. 118 (119). 126.]

κατορύσσειν. (1) חָתַר (2) טָמַן (3) קָבַר *a.* qal. *b.* ni.

Ge. 48. 7. κατώρυξα αὐτὴν ἐν τῇ ὁδῷ (3 *a*)
Jo. 24. 32. καὶ κατώρυξαν ἐν [A αὐτὰ ἐν] Σικ. (3 *a*)
— 33. καὶ κατωρύγη [A -ύχθη] ἐν Γαβ. (3 *a*)
To. 14. 6. κατορύξουσι [A -ωσιν] τὰ εἴδωλα αὐ. [S *al.*]
Am. 9. 2. ἐὰν κατακρυβῶσιν [A κατορυγῶσιν] εἰς ᾅδου (1)
Je. 13. 7. οὗ κατώρυξα [S¹ -αν] αὐτὸ ἐκεῖ (2)
32 (25). 33. οὐ μὴ κατορυγῶσιν [A -ύξωσιν] εἰς κόπρια (3 *b*)
Ez. 39. 11. κατορύξουσιν [A -ωσιν] ἐκεῖ τὸν Γώγ (3 *a*)
— 12. κατορύξουσιν [A -ωσιν] αὐτοῖς οἶκος Ἰσραήλ (3 *a*)
— 13. κατορύξουσιν αὐτοὺς πᾶς ὁ λαὸς τῆς γῆς (3 *a*)
[Sm. Je. 3. 16 : Ps. 70 (71). 24.]

κατορχεῖσθαι.

Za. 12. 10. ἀνθ' ὧν κατωρχήσαντο †

κατούλωσις.

[Aq. Is. 58. 8.]

κατοχεύειν. (1) רָבַע hi.

Le. 19. 19. τὰ κτήνη σου οὐ κατοχεύσεις ἑτεροζύγῳ (1)

κατοχεύς.

[Sm. Ex. 26. 17.]

κατοχή.

[Sm. Ca. 8. 11.]

κατόχιμος. (1) κ. εἶναι עָבַד

Le. 25. 46. ἔσονται ὑμῖν κατόχιμοι εἰς αἰῶνα (1?)

κάτοχος. (1) בַּעַר

Jn. 2. 7. ἧς οἱ μοχλοὶ αὐτῆς κάτοχοι αἰώνιοι (1)
[Sam. Ge. 49. 23.]

κάτω, κατώτερον, κατωτάτω. (1) *a.* מַטָּה *b.* לְמַטָּה (2) *a.* מִתַּחַת *b.* תַּחְתִּי *c.* תַּחְתּוֹן

Ge. 35. 8. R ἐτάφη [A *om.*] κατώτερον Βαιθήλ (2 *a*)
Ex. 20. 4. ὅσα ἐν τῇ γῇ κ. (2 *a*)
De. 4. 39. καὶ ἐπὶ τῆς γῆς κ. (2 *a*)
5. 8. ὅσα ἐν τῇ γῇ κ. (2 *a*)
28. 43. σὺ δὲ καταβήσῃ κ. κ. (1 *a*, 1 *a*)
32. 22. καυθήσεται ἕως ᾅδου κ. (2 *b*)
Jo. 2. 11. καὶ ἐπὶ τῆς γῆς κ. (2 *a*)
15. 19. καὶ τὴν Γ. τὴν κ. (2 *b*)
16. 3. ἕως τῶν ὁρίων Βαιθωρὼν τὴν [A τῆς] κ. (2 *c*)
18. 13. ἥ ἐστι πρὸς λίβα Βαιθωρὼν ἡ ι. (2 *c*)
III Ki. 8. 23. καὶ ἐπὶ τῆς γῆς κ. (2 *a*)
IV Ki. 19. 30. προσθήσει . . . τὸ ὑπολειφθὲν ῥίζαν κ. (1 *b*)
I Ch. 7. 24. ᾠκοδόμησε Βαιθ. τὴν κ. (2 *c*)
27. 23. ἀπὸ εἰκοσαετοῦς καὶ κ. (1 *b*)
II Ch. 8. 5. ᾠκοδόμησε . . . τὴν Βαιθ. τὴν κ. (2 *c*)
32. 30. καὶ κατηύθυνεν αὐτὰ κ. (1 *b*)
To. 4. 19. S ἕως ᾅδου κατωτάτω
13. 2. S ἕως ᾅδου κατωτάτω τῆς γῆς [A B εἰς ᾅδην]
Jb. 37. 12. A ἐν τοῖς κατωτάτω θεὶς ἔργα αὐτῶν [B S *al.*] †
Ps. 138 (139). 15. ἐν τοῖς κατωτάτω [A S -οις] τῆς γῆς (2 *b*)
Ec. 3. 21. εἰ καταβαίνει αὐτὸ κ. εἰς γῆν (1 *b*)
5. 1. S¹ σὺ ἐπὶ τῆς γῆς κ. [A B S² *om.*] –
Si. 51. 6. ἡ ζωή μου ἦν σύνεγγυς ᾅδου κάτω [S² κατωτάτου]
Is. 5. 30. εἰς τὴν γῆν [S² *add.* κ.] –
8. 22. εἰς τὴν γῆν κ. ἐμβλέψονται –
37. 31. φυήσουσι ῥίζαν κ. (1 *b*)
51. 6. ἐμβλέψατε εἰς τὴν γῆν κ. (2 *a*)
Je. 38 (31). 37. ἐὰν ταπεινωθῇ τὸ ἔδαφος τῆς γῆς κ. (1 *b*)
Ez. 1. 27. A² B ἀπὸ ὁράσεως ὀσφύος καὶ ἕως κ. (1 *a*)
8. 2. ἀπὸ τῆς ὀσφύος αὐτοῦ καὶ ἕως κ. πῦρ (1 *a*)
31. 16. A παρέκαλουν αὐτὸν ἐν γῇ κ. [B *om.*] πάντα τὰ ξύλα (2 *b*)
[Aq. Jd. 1. 15 : Ez. 31. 16.]
[Sm. Ez. 31. 16.]
[Th. Jb. 37. 12 : Ez. 31. 16 : Ho. 4. 13.]

κατώδυνος. (1) *a.* מַר *b.* מָרַר

I Ki. 1. 10. καὶ αὐτὴ κατώδυνος ψυχῇ (1 *a*)
22. 2. καὶ πᾶς [A *om.*] κ. ψυχῇ (1 *a*)
30. 6. κατώδυνος ψυχὴ παντὸς τοῦ λαοῦ (1 *b*)
IV Ki. 4. 27. ἡ ψυχὴ αὐτῆς κ. αὐτῇ (1 *b*)
[Aq. Is. 54. 6.]
[Sm. Is. 29. 2 : 54. 6.]
[Th. Jd. 18. 25 : Is. 54. 6.]

κάτωθεν. (1) מִלְמַטָּה (2) *a.* מִתַּחַת *b.* מִתַּחַת *c.* תַּחְתִּית

Ex. 26. 24. ἔσται [A ἔσονται] ἐξ ἴσου κ. (1)
27. 5. ὑπὸ τὴν ἐσχάραν τοῦ θυσιαστ. κ. (1)
28. 29 (33). ποιήσεις ὑπὸ [A B² ἐπὶ] τὸ λῶμα . . . κ. [A κυκλόθεν] –

Ex. 36. 28 (39. 20). **A R** ἐπέθηκαν . . . κ. αὐτοῦ [**B** *om.* κ. αὐ.] (1)
— 32 (39. 24). ἐποίησαν ἐπὶ τοῦ λώματος . . . κ. –
38. 24 (4). ἔργον δικτυωτὸν κ. τοῦ πυρείου (2 *a*)
De. 33. 13. ἀπὸ ἀβύσσων πηγῶν κ. (2 *a*)
Is. 14. 9. ὁ ᾅδης κ. ἐπικράνθη (2 *b*)
Ez. 41. 7. ἐκ τῶν κ. ἀναβαίνουσιν ἐπὶ τὰ ὑπερῷα (2 *c*)
[**Th.** Ex. 28. 27.]

κατώτερος, κατώτατος. (1) *a.* תַּחְתּוֹן *b.* תַּחְתִּי
III Ki. 9. 17. **A** καὶ τὴν Βαιθ. τὴν κ. (1 *a*)
Ne. 4. 13 (7). ἔστησα εἰς τὰ κ. τοῦ τόπου (1 *b*)
Ps. 62 (63). 9. εἰσελεύσονται εἰς τὰ κ. τῆς γῆς (1 *b*)
85 (86). 13. ἐρρύσω τὴν ψυχήν μου ἐξ ᾅδου κατωτάτου (1 *b*)
87 (88). 6. ἔθεντό με ἐν λάκκῳ κατωτάτῳ (1 *b*)
138 (139). 15. **A S** ἐν τοῖς κ. [**B** κατωτάτω] τῆς γῆς (1 *b*)
Si. 51. 6. **S**^{2} ἡ ζωή μου ἦν σύνεγγυς ᾅδου κατωτάτου [**A B S**^{1} κάτω]
La. 3. 55. **B S** ἐπεκαλεσάμην . . . ἐκ λάκκου κ. (1 *b*)
[**Aq.** Ps. 138 (139). 15 : Ez. 26. 20 : 43. 14.]
[**Sm.** II Ki. 24. 6 : Ps. 94 (95). 4 : 138 (139). 15 : Ez. 26. 20 : 32. 23.]
[**Th.** Ez. 26. 20.]
[**Al.** De. 32. 22 : Ps. 138 (139). 15.]

καυλακαῦ.
[**Heb.** Is. 28. 13 *bis*.]

καυλός. (1) יְרֵךְ
Ex. 25. 30 (31). ὁ κ. αὐτῆς . . . ἐξ αὐτῆς ἔσται (1)
38. 14 (37. 17). τὸν κ. καὶ τοὺς καλαμίσκους (1)
Nu. 8. 4. ὁ κ. αὐτῆς [**A** *om.*] καὶ τὰ κρίνα αὐτῆς (1)
[**Th.** Ez. 17. 3 : 31. 10, 14.]

καῦμα. (1) חֹם (2) חֹרֶב (3) יְלֶל (4) קַיִץ
Ge. 8. 22. ψῦχος καὶ καῦμα (1)
31. 40. **B** συγκαιόμενος τῷ κ. [**A** -σωνι] (2)
De. 32. 10. ἐν δίψει καύματος (3 ?)
II Ki. 4. 5. εἰσῆλθον ἐν τῷ κ. τῆς ἡμέρας (1)
To. 2. 9. **S** ἀνακεκαλυμμένον διὰ τὸ κ. [**A B** ἀκάλυπτον ἦν]
Jb. 24. 24. ἐμαράνθη δὲ ὥσπερ μολόχη [**A** χλόη] ἐν καύματι †
30. 30. τὰ δὲ ὀστᾶ μου ἀπὸ καύματος [**A** κ. συνεφρύγη] (2)
Pr. 10. 5. διεσώθη ἀπὸ καύματος υἱὸς νοήμων (4)
25. 13. **A S R** ὥσπερ ἔξοδος χιόνος [**B** *om.*] . . . κατὰ καῦμα ὠφελεῖ †
Si. 14. 27. σκεπασθήσεται ὑπ' [**A S**^{1} ἀπ'] αὐτῆς ἀπὸ καύματος
43. 3. ἐναντίον καύματος αὐτοῦ τίς ὑποστήσεται
— 4. **A S**^{2} **R** κάμινον φυσῶν [**B S**^{1} φυλάσσων] ἐν ἔργοις καύματος
50. 11. **A** ἐν τῷ . . . ἐνδιδύσκεσθαι αὐτὸν συντέλειαν καύματος [**B S** καυχήματος]
Is. 4. 6. ἔσται εἰς σκιὰν ἀπὸ καύματος (2)
18. 4. ὡς φῶς καύματος [**A** κύμ.] μεσημβρίας (1)
Je. 17. 8. οὐ φοβηθήσεται ὅταν ἔλθῃ κ. (1)
43 (36). 30. ἔσται ἐρριμμένον ἐν τῷ κ. τῆς ἡμέρας (2)
Ba. 2. 25. ἐστὶν ἐξερριμμένα τῷ κ. τῆς ἡμέρας
Da. LXX. 3. (66). εὐλογεῖτε πῦρ καὶ καῦμα τὸν κύριον
Da. TH. Su. 15. ὅτι καῦμα ἦν
3. (66). εὐλογεῖτε πῦρ καὶ καῦμα τὸν κύριον
— (69). εὐλογεῖτε ψῦχος καὶ καῦμα τὸν κύριον [**A** *al.*]
[**Sm.** Ps. 147. 6 (17).]
[**Th.** Da. 3. (67).]
[**Al.** Ex. 21. 25 : I Ki. 10. 2.]
[**Sext.** Ps. 31 (32). 4.]

καῦσις. (1) בָּעַר pi. (2) *a.* יְקֵדָה *b.* מוֹקָדָה (3) מַעֲרָכָה
Ex. 39. 17 (37). λύχνους τῆς κ. (3)
Le. 6. 9 (2). αὕτη ἡ ὁλοκάτωσις ἐπὶ τῆς κ. αὐτῆς (2 *b*)
II Ch. 13. 11. καὶ οἱ λύχνοι τῆς κ. ἀνάψαι δείλης (1 ?)
Is. 4. 4. ἐν πνεύματι κρίσεως καὶ πνεύματι καύσεως [**A** *om.* κ. πν. κ.] (1)
40. 16. ὁ δὲ Λίβανος οὐχ ἱκανὸς εἰς καῦσιν (1)
44. 15. ἵνα ᾖ ἀνθρώποις εἰς καῦσιν [**S**^{1} *al.*] (1)
Da. LXX. TH. 7. 11. ἐδόθη εἰς καῦσιν πυρός (2 *a*)
[**Aq.** Ps. 101 (102). 4.]
[**Sm.** Is. 9. 5 (4).]
[**Al.** II Ch. 16. 14.]

καῦσος.
[**Sm.** Ps. 31 (32). 4.]

καυστή.
[**Th.** Le. 7. 9.]

καυστικός.
IV Ma. 6. 27. βασάνοις κ. ἀποθνήσκω
10. 14. οὐχ οὕτω καυστικώτερον ἔχετε κατ' ἐμοῦ τὸ πῦρ

καύσων. (1) חֹרֶב (2) קָדִים (3) שָׁרָב
Ge. 31. 40. **A** συγκαιόμενος τῷ κ. [**R** -ματι] (1)
Ju. 8. 3. ὁ κ. ἠλθεν ἐπὶ τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ
Jb. 27. 21. ἀναλήψεται δὲ αὐτὸν καύσων (2)
Si. 18. 16. οὐχὶ καύσωνα ἀναπαύσει δρόσος
31 (34). 16. σκέπη ἀπὸ καύσωνος καὶ σκέπη ἀπὸ μεσημβρίας
43. 22. δρόσος ἀπαντῶσα ἀπὸ καύσωνος ἱλαρώσει
Ho. 12. 1 (2). ἐδίωξε καύσωνα (2)
13. 15. ἐπάξει καύσωνα ἄνεμον κύριος (2)
Jn. 4. 8. προσέταξεν ὁ θ. πνεύματι καύσωνος (2)
Is. 49. 10. οὐδὲ πατάξει αὐτοὺς καύσων (3)
Je. 18. 17. ὡς ἄνεμον καύσωνα διασπερῶ αὐτούς (2)
28 (51). 1. ἐξεγείρω ἐπὶ Βαβυλῶνα . . . ἄνεμον καύσωνα διαφθείροντα –
Ez. 17. 10. ἅμα τῷ ἅψασθαι αὐτῆς ἄνεμον τὸν κ. (2)
19. 12. ἄνεμος ὁ [**A** *om.*] κ. ἐξήρανε τὰ ἐκλεκτὰ αὐτῆς (2)
Da. TH. 3. (67). **A** εὐλογεῖτε ψῦχος καὶ καύσων τὸν κύριον
[**Aq.** Ge 41. 6, 23 : Ex. 10. 13 *bis* : Jd. 5. 21 : Jb. 15. 2 : Ps. 47 (48). 8 : 77 (78). 26.]
[**Sm.** Ex. 10. 13 *bis* : Ps. 67 (68). 7 : Hb. 1. 9.]
[**Th.** Jb. 15. 2 : 27. 21 : Is. 25. 5 : 27. 8.]
[**Sext.** Ps. 31 (32). 4.]

καυτηρία (?), **καυτήριον.**
IV Ma. 15. 22. **A R** τῶν υἱῶν βασανιζομένων . . . καυτηρίοις [**S** -ίαις]

καυχᾶσθαι. (1) אָמַר (2) הָלַל hithp. (3) עָלַז (4) עָלַץ (5) פָּאַר hithp. (6) רָבָה hi. (7) רָנַן hi. (8) שָׁבַח hithp.
Jd. 7. 2. μή ποτε καυχήσηται Ἰσραὴλ (5)
I Ki. 2. 3. μὴ καυχᾶσθε (6)
— 10. μὴ καυχάσθω ὁ φρόνιμος ἐν τῇ φρονήσει αὐ. –
— 10. καὶ μὴ καυχάσθω ὁ δυνατὸς ἐν τῇ δυνάμει αὐ. –
— 10. καὶ μὴ καυχάσθω ὁ πλούσιος ἐν τῷ πλούτῳ αὐ. –
— 10. ἐν τούτῳ καυχάσθω ὁ καυχώμενος –, –
III Ki. 21 (20). 11. μὴ καυχάσθω ὁ κυρτὸς ὡς ὁ ὀρθός (2)
I Ch. 16. 35. καὶ καυχᾶσθαι ἐν ταῖς αἰνέσεσί σου (8)
Ps. 5. 11. καυχήσονται ἐπὶ [**A S** ἐν] σοί (4)
31 (32). 11. καυχᾶσθε πάντες οἱ εὐθεῖς τῇ καρδίᾳ (7)
48 (49). 6. ἐπὶ τῷ πλήθει τοῦ πλούτου αὐτῶν καυχώμενοι (2)
93 (94). 3. ἕως πότε ἁμαρτωλοὶ καυχήσονται (3)
149. 5. καυχήσονται ὅσιοι ἐν δόξῃ (3)
Pr. 20. 9. τίς καυχήσεται ἁγνὴν ἔχειν τὴν καρδίαν (1)
25. 14. **AB**^{2}**S** οἱ καυχώμενοι [**B**^{1}**R** ὁ καυχώμενος] ἐπὶ δόσει ψευδεῖ (2)
27. 1. μὴ καυχῶ τὰ εἰς αὔριον (2)
Si. 11. 4. ἐν περιβολῇ ἱματίων μὴ καυχήσῃ
17. 8. **S**^{2} καυχᾶσθαι ἐν τοῖς θαυμασίοις αὐτοῦ
24. 1. ἐν μέσῳ λαοῦ αὐτῆς καυχήσεται [**A** -σονται]
— 2. ἔναντι δυνάμεως αὐτοῦ καυχήσεται
30. 2. ἀνὰ μέσον γνωρίμων ἐπ' αὐτῷ καυχήσεται
38. 25. ὁ . . . καυχώμενος ἐν δόρατι κέντρου
39. 8. ἐν νόμῳ διαθήκης κυρίου καυχήσεται
48. 4. τίς ὁμοίός σοι καυχᾶσθαι [**A S** -χήσεται]
50. 20. ἐν ὀνόματι αὐτοῦ καυχᾶσθαι [**A S** -χήσασθαι]
Je. 9. 23 (22). μὴ καυχάσθω ὁ σοφὸς ἐν τῇ σοφίᾳ αὐτοῦ (2)
— 23 (22). μὴ καυχάσθω ὁ ἰσχυρὸς ἐν τῇ ἰσχύϊ αὐτοῦ (2)
— 23 (22). μὴ καυχάσθω ὁ πλούσιος ἐν τῷ πλούτῳ αὐτοῦ (2)
— 24 (23). ἐν τούτῳ καυχάσθω ὁ καυχώμενος (2, 2)
Da. LXX. 5. 1. ἐνυψούμενος ἀπὸ τοῦ οἴνου καὶ καυχώμενος –
Da. LXX. 5. 6. οἱ συνεταῖροι κύκλῳ αὐτοῦ ἐκαυχῶντο –
III Ma. 2. 17. ἵνα μὴ καυχήσωνται οἱ παράνομοι
[**Aq.** Ps. 33 (34). 3 : 43 (44). 9 : 55 (56). 11 : 62 (63). 12 : 104 (105). 3 : Is. 41. 16.]
[**Sm.** Je. 50 (27). 38.]
[**Th.** Pr. 20. 14 : Is. 41. 16.]

καύχημα. (1) נַאֲוָה (2) חֶדְוָה (3) שֵׁם (4) תִּפְאֶרֶת (5) תּוֹחֶלֶת (6) תְּהִלָּה
De. 10. 21. οὗτος [**A** αὐτὸς] καύχημά σου (4)
26. 19. ἐποίησέ σε ὀνομαστὸν καὶ καύχημα (3)
33. 29. καὶ ἡ μάχαιρα καύχημά σου (1)
I Ch. 16. 27. ἰσχὺς καὶ καύχημα ἐν τόπῳ αὐτοῦ (2)
29. 11. σοί, κύριε . . . τὸ κ. (6)
Ju. 15. 9. σὺ καύχημα μέγα τοῦ γένους ἡμῶν
Ps. 88 (89). 17. τὸ [**A S**^{2} *om.*] κ. τῆς δυνάμεως αὐτῶν σὺ εἶ (6)
Pr. 11. 7. τὸ δὲ κ. τῶν ἀσεβῶν ὄλλυται (5)
17. 6. καύχημα δὲ τέκνων πατέρες αὐτῶν (6)
19. 11. τὸ δὲ κ. αὐτοῦ ἐπέρχεται παρανόμοις (6)
Si. 1. 11. φόβος κυρίου δόξα καὶ καύχημα
9. 16. ἐν φόβῳ κυρίου ἔστω τὸ κ. σου
10. 22 : 25. 6. τὸ κ. αὐτῶν φόβος κυρίου
44. 7. ἐν ταῖς ἡμέραις αὐτῶν καύχημα
45. 8. ἐνέδυσεν αὐτὸν συντέλειαν καυχήματος
— 12. καύχημα τιμῆς ἔργον ἰσχύος
50. 11. ἐν τῷ . . . ἐνδιδύσκεσθαι αὐτὸν συντέλειαν καυχήματος [**A** καύματος]
Ze. 3. 19. **A S**^{2} **R** καὶ θήσομαι [**B S**^{1} *om.* καὶ θ.] αὐτοὺς εἰς καύχημα (4)
— 20. δώσω ὑμᾶς . . . εἰς καύχημα (4)
Za. 12. 7. ὅπως μὴ μεγαλύνηται καύχημα οἴκου Δ. (6)
Je. 13. 11. τοῦ γενέσθαι μοι . . . εἰς κ. (4)
17. 14. κ. [**S**^{3} τὸ κ.] μου σὺ εἶ (4)
28 (51). 41. ἐθηρεύθη τὸ κ. πάσης τῆς γῆς (4)
[**Aq.** Jd. 4. 9 : Is. 60. 19 : Ez. 24. 21.]
[**Sm.** Is. 55. 5 : 60. 7 : 62. 7 : Je. 13. 18.]
[**Th.** Is. 60. 18 : 61. 3 : 62. 7.]
[**Quint.** Ps. 46 (47). 5.]

καύχησις. (1) תִּפְאֶרֶת
I Ch. 29. 13. αἰνοῦμεν τὸ ὄνομα τῆς κ. σου (1)
Pr. 16. 31. στέφανος καυχήσεως γήρας (1)
Si. 34 (31). 10. ἔστω εἰς καύχησιν
Je. 12. 13. αἰσχύνθητε [**A** *add.* αἰσχύνην] ἀπὸ καυχήσεως ὑμῶν †
Ez. 16. 12. στέφανον καυχήσεως ἐπὶ τὴν κεφαλήν σου (1)
— 17. ἔλαβες τὰ σκεύη τῆς καυχήσεώς σου (1)
— 39 : 23. 26. λήψονται τὰ σκεύη τῆς κ. σου (1)
23. 42. στέφανον καυχήσεως ἐπὶ τὰς κεφ. αὐ. (1)
24. 25. λαμβάνω . . . τὴν ἔπαρσιν τῆς κ. αὐτῶν (1)
[**Aq.** Is. 62. 3 : 63. 14 : Ez. 16. 12.]
[**Sm.** Is. 62. 3.]
[**Th.** Ez. 16. 12.]

καυών, *vid.* **χαυών.**

καφουδήθ (**B**), **καφουρῆ** (**A**). (1) בְּפוּרִי
II Es. 8. 27. **A B** καὶ κ. [**R** χαφουρῆ] χρυσοῖ εἴκοσι (1)

καφφώ.
[**Al.** Le. 23. 40.]

καψάκης (καμψ.). (1) צַפַּחַת
III Ki. 17. 12. καὶ ὀλίγον ἔλαιον ἐν τῷ κ. (1)
— 14. ὁ κ. τοῦ ἐλαίου οὐκ ἐλαττονήσει (1)
— 16. ὁ κ. τοῦ ἐλαίου οὐκ ἠλαττονήθη (1)
19. 6. ἐγκρυφίας ὀλυρίτης καὶ καψάκης ὕδατος (1)
Ju. 10. 5. ἔδωκε . . . καψάκην ἐλαίου

κέγχρος. (1) חִטָּה (2) נִסְמָן
Is. 28. 25. σπείρει . . . κριθὴν καὶ κέγχρον [**A S** *om.* κ. κ.] (2)
Ez. 4. 9. λάβε σεαυτῷ πυροὺς καὶ κριθὰς καὶ κύαμον καὶ φακὸν καὶ κέγχρον (1)
[**Aq., Th.** Is. 28. 25 : 48. 19.]
[**Sm.** Is. 48. 19.]
[**Quint.** Ca. 1. 11.]

κεδέμ. (1) קֶדֶם
Je. 30. 6 (49. 28). πλήσατε τοὺς υἱοὺς κεδέμ (1)
Ez. 25. 4. παραδίδωμι ὑμᾶς τοῖς υἱοῖς κ. (1)
— 10. τοὺς υἱοὺς κ. ἐπὶ τοὺς υἱοὺς Ἀμμὼν δέδωκα αὐτῷ (1)

κέδρινος. (1) אֶרֶז (2) בְּרוֹשׁ

Le. 14. 4. καὶ ξύλον κ. (1)
— 6. καὶ τὸ ξύλον τὸ κ. (1)
— 49. καὶ ξύλον κ. (1)
— 51. τὸ ξύλον τὸ κ. (1)
— 52. καὶ ἐν τῷ ξύλῳ τῷ κ. (1)
Nu. 19. 6. λήψεται ὁ ἱερεὺς ξύλον κ. (1)
II Ki. 5. 11. καὶ ξύλα κ. καὶ τεκτόνας ξύλων (1)
7. 2. κατοικῶ ἐν οἴκῳ κ. (1)
— 7. οὐκ ᾠκοδομήκατέ μοι οἶκον κ. (1)
III Ki. 5. 8 (22). ξύλα κ. καὶ πεύκινα (1)
6. 10. συνέσχε τὸν σύνδεσμον [A ἔνδ.] ἐν ξύλοις κ. (1)
— 15. ᾠκοδόμησε . . . διὰ ξύλων κ. (1)
— 18. A καὶ ἀνάγλυφα πάντα κ. (1)
7. 2. τριῶν στίχων στύλων κ. καὶ ὠμίαι κ. τοῖς στύλοις (1, 1)
9. 11. ἀντελάβετο τοῦ Σαλ. ἐν ξύλοις κ. (1)
I Ch. 14. 1. ξύλα κ. καὶ οἰκοδόμους (1)
17. 1. κατοικῶ ἐν οἴκῳ κ. (1)
— 6. οὐκ ᾠκοδομήκατέ μοι οἶκον κ. (1)
22. 4. καὶ ξύλα κ. οὐκ ἦν ἀριθμός (1)
— 4. ἐφέροσαν . . . ξύλα κ. (1)
II Ch. 2. 8 (7). ἀπόστειλόν μοι ξύλα κ. (1)
3. 5. τὸν οἶκον τὸν μέγαν ἐξύλωσε ξύλοις κ. (2)
I Es. 4. 48. μεταφέρειν ξύλα κ.
5. 55. εἰς τὸ παράγειν αὐτοὺς . . . ξύλα κ.
II Es. 3. 7. ἐνέγκαι ξύλα κ. ἀπὸ τοῦ Λιβ. (1)
Ca. 8. 9. διαγράψωμεν ἐπ' αὐτὴν σανίδα κεδρίνην (1)
[Aq. III Ki. 6. 20: Is. 30. 33.]
[Sm. III Ki. 6. 18, 20: Ca. 8. 9.]
[Th. III Ki. 6. 20.]
[Al. Ge. 6. 15 (14).]

κέδρος. (1) אֶרֶז (2) בְּרוֹשׁ (3) עֵץ אֶרֶז (4) קִדְרוֹן (5) תְּאַשּׁוּר

Nu. 24. 6. ὡσεὶ κέδροι παρ' ὕδατα (1)
Jd. 9. 15. καταφάγοι τὰς κ. τοῦ Λιβάνου (1)
III Ki. 4. 33 (5. 13). ἀπὸ τῆς κ. τῆς ἐν τῷ Λιβάνῳ (1)
5. 10 (24). διδοὺς τῷ Σαλ. κέδρους (3)
6. 9. ἐκοιλοστάθμησε τὸν οἶκον κέδροις [A φατνώσεσιν καὶ διατάξεσιν κ.] (1)
— 18. A διὰ κέδρου . . . ἐπαναστάσεις (1)
— 20. A ἐποίησε θυσιαστήριον κέδρου [B om.] (1)
— 36. στίχος κατειργασμένης κ. (1)
7. 7. A καὶ ὠρόφωσεν ἐν κέδρῳ (1)
— 11. κατὰ τὸ μέτρον ἀπελεκήτων καὶ κέδροις (1)
— 12. A R καὶ στίχος κεκολαμμένης [B κεκολλημένης] κ. (1)
10. 27. τὰς κ. ἔδωκεν ὡς συκαμίνους (1)
15. 13. ἐν τῷ χειμάρρῳ τῶν κ. (4)
IV Ki. 14. 9. ὁ ἄκαν . . . ἀπέστειλε πρὸς τὴν κ. (1)
19. 23. ἔκοψα τὸ μέγεθος τῆς κ. αὐτοῦ (1)
II Ch. 1. 15. καὶ τὰς κ. ἐν τῇ Ἰ. ὡς συκαμίνους (1)
2. 3 (2). ἀπέστειλας αὐτῷ κέδρους (1)
9. 27. καὶ τὰς κ. ὡς συκαμίνους (1)
25. 18. ἀπέστειλε πρὸς τὴν κ. τὴν ἐν τῷ Λιβ. (1)
Ps. 28 (29). 5. φωνὴ κυρίου συντρίβοντος κέδρους συντρίψει κύριος τὰς κ. τοῦ Λιβ. (1, 1)
36 (37). 35. ἐπαιρόμενον ὡς τὰς κ. τοῦ Λιβ. †
79 (80). 10. αἱ ἀναδενδράδες αὐτῆς [A om. αἱ ἀ. αὐ.] τὰς κ. τοῦ θεοῦ (1)
91 (92). 12. ὡς ἡ κ. ἡ ἐν τῷ Λιβάνῳ πληθυνθήσεται (1)
103 (104). 16. αἱ κ. τοῦ Λιβάνου ἃς ἐφύτευσεν [A S² -σας] (1)
148. 9. ξύλα καρποφόρα καὶ πᾶσαι κέδροι (1)
Ca. 1. 17. δοκοὶ οἴκων ἡμῶν κέδροι (1)
5. 15. εἶδος αὐτοῦ ὡς Λίβανος ἐκλεκτὸς ὡς κέδροι (1)
Si. 24. 13. ὡς κέδρος ἀνυψώθην ἐν τῷ Λιβάνῳ
50. 12. ὡς βλάστημα κέδρου [A S -ων] ἐν τῷ Λιβάνῳ
Am. 2. 9. ἦν καθὼς ὕψος κέδρου τὸ ὕψος αὐτοῦ (1)
Ze. 2. 14. διότι κέδρος τὸ ἀνάστημα αὐτῆς (1)
Za. 11. 1. καὶ καταφαγέτω πῦρ τὰς κ. σου (1)
— 2. διότι πέπτωκε κέδρος (1)
Is. 2. 13. ἐπὶ πᾶσαν κ. τοῦ Λιβ. τῶν ὑψηλῶν (1)
9. 10 (9). κόψωμεν [A ἐκκ.] . . . κέδρους (1)
14. 8. καὶ ἡ κ. τοῦ Λιβάνου (1)
Is. 37. 24. ἔκοψα τὸ ὕψος τῆς κ. αὐτοῦ (1)
41. 19. θήσω εἰς τὴν ἄνυδρον γῆν κέδρον [S¹ -ων] (1)
60. 13. ἐν κυπαρίσσῳ καὶ πεύκῃ καὶ κέδρῳ ἅμα (5)
Je. 22. 7. ἐκκόψουσι τὰς ἐκλεκτὰς κ. σου (1)
— 14. ὑπερῷα . . . ἐξυλωμένα ἐν κέδρῳ (1)
— 23. ἐννοσσεύουσα ἐν ταῖς κ. (1)
Ez. 17. 3. ἔλαβε τὰ ἐπίλεκτα [A ἐκλ.] τῆς κ. (1)
— 22. λήψομαι ἐγὼ ἐκ τῶν ἐκλεκτῶν [A ἐπιλ.] τῆς κ. (1)
— 23. ἔσται εἰς κέδρον μεγάλην (1)
27. 5. κ. ἐκ Σενεὶρ ᾠκοδομήθη σοι (2)
[Aq. III Ki. 6. 18 bis, 20: 7. 7 (44): Jb. 40. 12 (17): Is. 44. 14: Ez. 27. 24.]
[Sm. III Ki. 6. 18, 20: Jb. 40. 12 (17): Ca. 5. 15: Is. 44. 14: Je. 22. 15: Ez. 31. 3.]
[Th. III Ki. 6. 18 bis, 20: Jb. 40. 12 (17): Is. 44. 14.]

κειράδες. (1) קִיר־חֶרֶשׂ

Je. 31 (48). 31. βοήσατε ἐπ' ἄνδρας κειράδας [A κιδάρας] (1)
— 36. καρδία μου ἐπ' ἀνθρώπους κειράδας [A κειδάρεις, S¹ κιδάρ, S³ κιδάρας (1)

κείρειν. (1) גָּזַז (2) גָּלַח pi. (3) קָצַב (4) קָצַץ (5) רָאָה ni. (6) רָחֵל

Ge. 31. 19. κεῖραι τὰ πρόβατα αὐτοῦ (1)
38. 12. ἐπὶ τοὺς κείροντας τὰ πρόβατα αὐτοῦ (1)
— 13. κεῖραι τὰ πρόβατα αὐτοῦ (1)
De. 15. 19. οὐ μὴ κείρῃς τὰ πρωτότοκα [A τὸ πρ.] (1)
I Ki. 25. 2. ἐν τῷ κείρειν τὸ ποίμνιον [A τὰ π.] αὐτοῦ (1)
— 4. κείρει N. ὁ Καρμήλιος τὸ ποίμνιον αὐτοῦ (1)
— 7. κείρουσί σοι νῦν οἱ ποιμένες σου (1)
— 11. ἃ τέθυκα τοῖς κείρουσί μου τὰ πρόβατα (1)
II Ki. 13. 23. ἦσαν κείροντες τῷ Ἀβ. (1)
— 24. κείρουσι τῷ δούλῳ σου (1)
14. 26. ἐν τῷ κείρεσθαι αὐτὸν τὴν κεφαλὴν αὐ. (2)
— 26. ὡς ἂν ἐκείρετο (2)
— 26. κειρόμενος αὐτὴν ἔστησε τὴν τρίχα (2)
Jb. 1. 20. ἐκείρατο τὴν κόμην τῆς κεφαλῆς (1)
Pr. 17. 19. A φιλαμαρτήμων κείρει μάχας [B S χαίρει μάχαις] †
27. 25. καὶ κερεῖς πόαν (5)
Ca. 4. 2. ὡς ἀγέλαι τῶν κεκαρμένων (3)
6. 5 (6). ὡς ἀγέλαι τῶν κεκαρμένων (6)
Mi. 1. 16. ξύρησαι καὶ κεῖραι ἐπὶ τὰ τέκνα (1)
Is. 53. 7. ὡς ἀμνὸς ἐναντίον τοῦ κείροντος [A S² -ραντος αὐτόν] (1)
Je. 7. 29. κεῖρε [A -ραι] τὴν κεφαλήν σου (1)
30. 10 (49. 32). B² S R κεκαρμένους [A B¹ κεκραμ.] πρὸ προσώπου αὐτῶν (4)
52. 31. ἔλαβεν . . . [S³ add. καὶ ἔκειρεν] τὴν κεφ. –
— 31. B ἔκειρεν αὐτόν –
[Aq. Je. 7. 29.]

κειρία. (1) מַרְבַּדִּים

Pr. 7. 16. A S² κειρίαις [A κηρ., BS¹ -ᾳ] τέτακα τὴν κλίνην μου (1)

κεῖσθαι. (1) אִישׁ מִלְחֲמוֹת (2) בְּקִרְבְּכֶם (3) יָעַד hoph. (4) מְדוּרָה (5) נְחַת aph. (6) ἐπ' αὐτῶν κείμενος סֹבֶל (7) שִׂים, שׂוּם

Jo. 4. 6. εἰς σημεῖον κείμενον διὰ παντός (2)
II Ki. 8. 10. B κείμενος [A R ἀντικ.] ἦν τῷ Ἀδρ. (1)
13. 32. ἐπὶ στόματος Ἀβ. ἦν κείμενος (7)
I Es. 6. 23. ἐν τοῖς βιβλιοφυλακίοις [A βασιλικοῖς β.] τοῖς κειμένοις ἐν Βαβ.
— 26. οὗ ἦν κείμενα
II Es. 6. 1. ὅπου ἡ γάζα κεῖται ἐν Βαβ. (5)
To. 5. 6. S κεῖνται γὰρ ἐν τῷ ὄρει
— 9. S ἐν τῷ σκότει κεῖμαι
Es. 3. 13. τόδε τὸ ἔθνος . . . παντὶ διὰ παντὸς ἀνθρώπῳ κείμενον [S¹ κινούμ.]
Wi. 17. 2. φυγάδες τῆς αἰωνίου προνοίας ἔκειντο
Si. 22. 18. χάρακες [A χάλικες] ἐπὶ μετεώρου κείμενοι
38. 29. ὃς ἐν μερίμνῃ κεῖται διὰ παντὸς ἐπὶ τὸ ἔργον αὐτοῦ
Is. 9. 4 (3). ὁ ζυγὸς ὁ ἐπ' αὐτῶν κείμενος (6)
Is. 30. 33. ἡτοιμάσθη βασιλεύειν φάραγγα βαθεῖαν ξύλα κείμενα (4?)
Je. 24. 1. δύο καλάθους σύκων κειμένους (3)
Da. LXX. Bel 11. σὺ αὐτὸς ὁρᾷς ὅτι κεῖται ταῦτα
I Ma. 10. 20. S¹ καὶ φίλον βασιλέως κεῖσθαι [AS²R καλεῖσθαι]
II Ma. 3. 11. ἀνδρὸς ἐν ὑπεροχῇ κειμένου
— 31. τῷ παντελῶς ἐν ἐσχάτῃ πνοῇ κειμένῳ
4. 11. τὰ κείμενα τοῖς Ἰουδ. φιλάνθρωπα βασιλικά
— 31. τῶν ἐν ἀξιώματι κειμένων
— 33. Δάφνης τῆς πρὸς Ἀντιόχειαν κειμένης
— 34. καίπερ ἐν ὑποψίᾳ κείμενος
15. 18. R ἦν γὰρ . . . κείμενος αὐτοῖς ἀγών [A om.]
III Ma. 4. 8. παρὰ πόδας ἤδη τὸν ᾅδην ὁρῶντες κείμενον
5. 26. τὸ πρόθυμον τοῦ βασ. ἐν ἑτοίμῳ κεῖσθαι
IV Ma. 13. 15. κίνδυνος ἐν αἰωνίῳ βασάνῳ κείμενος
[Sm. Jb. 34. 23: Ps. 87 (88). 6: Ec. 10. 6.]
[Al. IV Ki. 8. 11.]

κεκρυμμένως. (1) בְּמִסְתָּרִים

Je. 13. 17. κ. κλαύσεται ἡ ψυχὴ ὑμῶν (1)

κελαδεῖν.

[Aq. Is. 49. 13: 52. 9: 54. 1: 55. 12.]

κελεύειν.

I Es. 9. 53. οἱ Λ. ἐκέλευον πάντα [A τὰ π., R παντὶ] τῷ δήμῳ
To. 8. 18. ἐκέλευσε δὲ τοῖς οἰκέταις [S al.]
Ju. 2. 15. B ἐκέλευσεν [A S προσέταξεν] αὐτῷ ὁ κύριος αὐτοῦ
12. 1. ἐκέλευσεν εἰσαγαγεῖν αὐτήν
Da. LXX. Bel 13. ὁ δὲ Δαν. ἐκέλευσε τοὺς παρ' αὐτοῦ
— 13. ἐκέλευσε σφραγίσαι τῷ τοῦ βασ. δακτυλίῳ
Da. TH. Su. 32. ἐκέλευσαν ἀποκαλυφθῆναι αὐτήν
— 56. ἐκέλευσε προσαγαγεῖν τὸν ἕτερον
I Ma. 2. 45. S ἐκέλευσεν [A R ἐκύκλωσε] Ματτ.
11. 23. ἐκέλευσε περικαθῆσθαι
II Ma. 1. 20. ἐκέλευσεν αὐτοὺς ἀποβάψαντας φέρειν
— 21. ἐκέλευσε τοὺς ἱερεῖς Νεεμίας
— 31. R ἐκέλευσε λίθους μείζονας κατασχεῖν [A καταχεῖν]
2. 1. ἐκέλευσε τοῦ πυρὸς λαβεῖν
— 4. τὴν κιβωτὸν ἐκέλευσεν ὁ προφήτης
5. 12. ἐκέλευσε τοῖς στρατιώταις
7. 5. ἐκέλευσε τῇ πυρᾷ προσάγειν
9. 7. κελεύων ἐποξύνειν τὴν πορείαν
13. 12. ἐκέλευσε παραγίνεσθαι
14. 27. κελεύων δὲ τὸν Μακκ. δέσμιον ἐξαποστέλλειν
— 31. ἐκέλευσε παραδιδόναι τὸν ἄνδρα
— 41. κελευόντων πῦρ προσάγειν
15. 4. ὁ κελεύσας ἀσκεῖν τὴν ἑβδομάδα
III Ma. 5. 2. ἐκέλευσεν . . . ἅπαντας τοὺς ἐλέφαντας ποτίσαι
— 16. ἐκέλευσε τοὺς παραγεγονότας
6. 30. ἐκέλευσεν οἴνους τε . . . χορηγεῖν
IV Ma. 8. 2. ἐκέλευσεν ἄλλους . . . ἀγαγεῖν
— 12. A R ἐκέλευσεν . . . προτεθῆναι [S τιθέναι] τὰ βασανιστήρια
9. 11. τὸν πρεσβύτατον αὐτῶν κελευσθέντες παρήγαγον
10. 17. ἐκέλευσε τὴν γλῶτταν αὐτοῦ ἐκτεμεῖν

κέλευσμα.

Pr. 24. 62 (30. 27). στρατεύει [A S ἐκστρ.] ἀφ' ἑνὸς κελεύσματος εὐτάκτως †

κενεών.

II Ma. 14. 44. ἦλθε κατὰ μέσον τὸν κ.
IV Ma. 6. 8. εἰς τοὺς κ. ἐναλλόμενος ἔτυπτεν

κενίζειν.

Si. 38. 28. A φωνὴ σφύρης κενιεῖ [B S καινιεῖ] τὸ οὖς αὐτοῦ

κενοδοξεῖν.

IV Ma. 5. 9. κενοδοξῶν περὶ τὸ ἀληθές
8. 24. μηδὲ κενοδοξήσωμεν ἐπὶ τῇ ἑαυτῶν στρέβλῃ

κενοδοξία.

Wi. 14. 14. κενοδοξίᾳ γὰρ ἀνθρώπων εἰσῆλθεν [AS¹ θάνατος εἰσ.]

IV Ma. 2. 15. κενοδοξίας καὶ ἀλαζονείας καὶ μεγαλαυχίας
8. 19. φευξόμεθα τὴν κ. ταύτην

κενολογεῖν. (1) צָפַף pilp.
Is. 8. 19. ζητήσατε . . . τοὺς κενολογοῦντας (1)

κενός (καινός), *incl.* διὰ κενῆς. (1) אָוֶן (2) אָחוֹר (3) אַבְנֵט (4) אֶפֶס (5) הֶבֶל (6) *a.* בָּזַב pi. *b.* בָּזָה (7) לֹא סָכַן (8) לֹא רָאָה pu. (9) *a.* רִיק *b.* רֵק, רֵיק *c.* רֵיקָם (10) שָׁוְא (11) שָׁקַק (12) שֶׁקֶר (13) εἰς κενόν תֹּהוּ (14) κενὰ ἐπιβάλλειν הָבַל (15) κενὸν ποιεῖν חָסֵר hi. (16) διὰ κενῆς חִנָּם (17) διὰ κενῆς רֵיקָם (18) διὰ κενῆς שָׁוְא (19) εἰς κενὸν ἐλπίζειν שָׁקַק

Ge. 31. 42. νῦν ἂν κενόν με ἐξαπέστειλας (9 *c*)
37. 24. **B** ὁ δὲ λάκκος κενός [**A** ἐκείνος] (9 *b*)
Ex. 3. 21. οὐκ ἀπελεύσεσθε κενοί (9 *c*)
5. 9. μὴ μεριμνάτωσαν [**A** -νάσθ.] ἐν λόγοις κ. (12)
23. 15 : 34. 20. οὐκ ὀφθήσῃ ἐνώπιόν μου κενός (9 *c*)
Le. 26. 16. σπερεῖτε διὰ κενῆς τὰ σπέρματα ὑμῶν (9 *a*)
— 20. ἔσται εἰς κενὸν ἡ ἰσχὺς ὑμῶν (9 *a*)
De. 15. 13. οὐκ ἐξαποστελεῖς αὐτὸν κ. (9 *c*)
16. 16. οὐκ ὀφθήσῃ . . . κενός (9 *c*)
32. 47. οὐχὶ λόγος κ. οὗτος ὑμῖν (9 *b*)
Jd. 5. 8. **A**[1] ᾑρέτισαν θεοὺς κ. [**A**[2] καινούς, **B** *al.*] †
7. 16. καὶ ἔδωκε . . . ὑδρίας κ. (9 *b*)
9. 4. ἐμισθώσατο . . . ἄνδρας κ. (9 *b*)
11. 3. συνεστράφησαν πρὸς Ἰ. ἄνδρες κ. [**A** *al.*] (9 *b*)
Ru. 1. 21. κενὴν ἀπέστρεψέ με ὁ κύριος (9 *c*)
3. 17. μὴ εἰσέλθῃς κενὴ πρὸς τὴν πενθεράν σου (9 *c*)
I Ki. 6. 3. μὴ δὴ ἐξαποστείλητε [**A** ἀπ.] αὐτὴν κ. (9 *c*)
II Ki. 1. 22. τόξον Ἰων. οὐκ ἀπεστράφη κενόν (2 ?)
— 22. ῥομφαία Σαοὺλ οὐκ ἀνέκαμψε κενή (9 *c*)
6. 3. **A** ἐφ' ἅμαξαν κ. [**B** καινήν] †
IV Ki. 4. 3. αἴτησον . . . σκεύη κ. (9 *b*)
Ne. 5. 13. ἔσται οὕτως ἐκτετιναγμένος καὶ κενός (9 *b*)
Ju. 1. 11. **A S** ἀπέστρεψαν [**B** ἀν.] τοὺς ἀγγέλους αὐτοῦ κ.
Jb. 2. 3. τὰ ὑπάρχοντα αὐ. διὰ κενῆς ἀπολέσαι (16)
— 9. οὐς εἰς τὸ κ. ἐκοπίασα μετὰ μόχθων –
6. 5. μὴ διὰ κενῆς κεκράξεται ὄνος ἄγριος –
— 6. εἰ δὲ καὶ ἔστι γεῦμα ἐν ῥήμασι κενοῖς †
7. 3. οὕτως κἀγὼ ὑπέμεινα μῆνας κενούς (10)
— 6. ἀπόλωλε δὲ ἐν κενῇ ἐλπίδι (4)
— 16. κενὸς γάρ μου ὁ βίος (5)
9. 17. πολλὰ δέ μου τὰ συντρίμμ. πεποίηκε διὰ κενῆς (16)
15. 3. **A** ἐλέγχων ἐν ῥήμασιν κενοῖς [**B S** οἷς οὐ δεῖ] (7)
— 31. κενὰ γὰρ ἀποβήσεται αὐτῷ (10)
— 35. ἀποβήσεται δὲ αὐτῷ κενά (1)
20. 18. εἰς κενὰ καὶ μάταια ἐκοπίασε †
21. 34. πῶς δὲ παρακαλεῖτέ με κενά (5)
22. 6. ἠνεχύραζες δὲ τοὺς ἀδ. σου διὰ κενῆς (16)
— 9. χήρας δὲ ἐξαπέστειλας κενάς (9 *c*)
27. 12. κενὰ κενοῖς ἐπιβάλλετε [**A** -εσθε] (5, 14)
29. 20. ἡ δόξα μου κενὴ μετ' ἐμοῦ †
31. 34. ἐξελθεῖν θύραν μου κόλπῳ κενῷ –
33. 21. ἕως ἂν . . . ἀποδείξῃ τὰ ὀστᾶ αὐ. κενά (8)
34. 20. κενὰ δὲ αὐτοῖς ἀποβήσεται †
39. 16. εἰς κενὸν ἐκοπίασεν ἄνευ φόβου (9 *a*)
Ps. 2. 1. ἵνα τί . . . λαοὶ ἐμελέτησαν κενά (9 *a*)
7. 4. ἀποπέσοιμι ἄρα . . . κενός (9 *c*)
24 (25). 3. οἱ ἀνομοῦντες διὰ κενῆς (17)
30 (31). 6. **B S** τοὺς φυλάσσοντας [**A R** διαφ.] ματαιότητας διὰ κενῆς (18)
106 (107). 9. ἐχόρτασε ψυχὴν κενήν (11)
Pr. 23. 29. τίνι συντρίμματα διὰ κενῆς (16)
Wi. 1. 11. φθέγμα λαθραῖον κενὸν οὐ πορεύσεται [**S**[1] *om.* οὐ π.]
3. 11. κενὴ ἡ ἐλπὶς αὐτῶν
Si. 23. 11. εἰ διὰ κενῆς ὤμοσεν
29. 9. μὴ ἀποστρέψῃς αὐτὸν κενόν
31 (34). 1. κεναὶ ἐλπίδες καὶ ψευδεῖς ἀσυνέτῳ ἀνδρί
32 (35). 4. μὴ ὀφθῇς ἐν προσώπῳ κυρίου κενός
Ho. 12. 1 (2). κενὰ καὶ μάταια ἐπλήθυνε (6 *b*)
Mi. 1. 14. εἰς κενὸν [**A** κενὰ] ἐγένοντο τοῖς βασιλεῦσι (3)
Hb. 2. 3. εἰς πέρας καὶ οὐκ εἰς κενόν (6 *a*)
Is. 29. 8. ἡ δὲ ψυχὴ αὐτοῦ εἰς κενὸν ἤλπισεν (19)
30. 7. κενὰ ὠφελήσουσιν ὑμᾶς (9 *a*)
32. 6. τὰς ψυχὰς τὰς διψώσας κενὰς ποιήσει [**A S** -ῆσαι] (15)
43. 19. **R** ἐγὼ ποιῶ κενά [**A B S** καινά] †
45. 18. οὐκ εἰς κενὸν ἐποίησεν αὐτήν (13)
59. 4. λαλοῦσι κενά (10)
65. 23. οἱ ἐκλεκτοί μου οὐ κοπιάσουσιν εἰς κενόν (9 *a*)
Je. 6. 29. εἰς κενὸν ἀργυροκόπος ἀργυροκοπεῖ (10)
14. 3. ἀπέστρεψαν τὰ ἀγγεῖα αὐτῶν κενά (9 *c*)
18. 15. εἰς κενὸν ἐθυμίασαν (10)
26 (46). 11. εἰς τὸ [**A** *om.*] κ. ἐπλήθυνας ἱάματά σου (10)
27 (50). 9. ὡς βολὶς . . . οὐκ ἐπιστρέψει κενή (9 *c*)
28 (51). 58. οὐ κοπιάσουσι λαοὶ εἰς κενόν (9 *a*)
Da. LXX. Bel 17. εἶδοσαν . . . τὰς τραπέζας κ.
I Ma. 6. 12. ἐξᾶραι τοὺς κατοικοῦντας Ἰούδα διὰ κενῆς
9. 68. ἦν ἡ βουλὴ αὐτοῦ . . . κενή
III Ma. 6. 6. εἰς τὸ μὴ λατρεῦσαι τοῖς κ.
IV Ma. 8. 18. **A R** τί βουλήμασι κ. [**S** *om.*] ἑαυτοὺς εὐφραίνομεν
[**Aq.** I Ki. 12. 21 : II Ki. 6. 20 : Pr. 12. 11 : 28. 19 : Is. 29. 8 : 34. 11 : 59. 4 : Ez. 21. 23 (28).]
[**Sm.** II Ki. 1. 22 : Jb. 11. 12 : Is. 29. 8 : 55. 11 : Je. 22. 30.]
[**Th.** Ge. 1. 2 : Jb. 29. 20 : Ps. 72 (73). 13 : Pr. 12. 11 : 28. 19 : Is. 30. 7 : 41. 29 : 55. 11.]

κενοτάφια (καιν.). (1) תַּרְפִּים
I Ki. 19. 13. ἔλαβεν ἡ Μ. τὰ κ. (1)
— 16. ἰδοὺ τὰ κ. ἐπὶ τῆς κλίνης (1)

κενότης.
III Ki. 8. 53. **A** τοῦ κατοικεῖν ἐπὶ κενότητος [**B** καιν.] –

κενοῦν. (1) אָמַל pul.
Je. 14. 2. αἱ πύλαι αὐτῆς ἐκενώθησαν (1)
15. 9. ἐκενώθη [**S**[1] ἐγενήθη] ἡ τίκτουσα ἑπτά (1)
[**Aq.** I Ki. 24. 4.]
[**Sm.** Ez. 12. 20 : 26. 2.]

κεντεῖν. (1) עָרַךְ
Jb. 6. 4. ὅταν ἄρξωμαι λαλεῖν κεντοῦσί με (1)
[**Aq.** Ez. 21. 19 (24).]

κέντημα.
[**Sm.**, **Th.** Pr. 12. 18.]

κέντρον. (1) מָתָג (2) לְמַב
Pr. 26. 3. ὥσπερ μάστιξ ἵππῳ καὶ κέντρον ὄνῳ (1)
Si. 38. 25. καυχώμενος ἐν δόρατι κέντρου
Ho. 5. 12. καὶ ὡς κέντρον τῷ οἴκῳ Ἰ. †
13. 14. ποῦ τὸ κέντρον σου, ᾅδη (2)
IV Ma. 14. 19. καθάπερ σιδήρῳ τῷ κ.

κένωμα.
[**Aq.** Ge. 1. 2 : Dt. 32. 10 : Jb. 26. 7 : Is. 40. 23 : 59. 4.]

κενῶς. (1) לָרִיק
Is. 49. 4. κ. ἐκοπίασα (1)
[**Aq.** Ps. 2. 1 : 72 (73). 13 : Is. 45. 19.]
[**Th.** Is. 45. 19.]

κένωσις.
[**Th.** Is. 34. 11.]

κεφοῦσθαι (κεφφ.). (1) פָּחַם
Pr. 7. 22. ὁ δὲ ἐπηκολούθησεν αὐτῇ κεφωθεὶς (1)

κεραμεύς. (1) יָצַר
I Ch. 4. 23. οὗτοι κ. οἱ κατοικοῦντες ἐν Ἀ. (1)
Ps. 2. 9. ὡς σκεῦος [**A S**[2] σκεύη] κεραμέως συντρίψεις αὐτούς (1)
Wi. 15. 7. κεραμεὺς ἀπαλὴν γῆν θλίβων
Si. 27. 5. σκεύη κεραμέως δοκιμάζει κάμινος
36 (33). 13. ὡς πηλὸς κεραμέως ἐν χειρὶ αὐτοῦ πᾶσαι αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ
38. 29. οὕτω κεραμεὺς καθήμενος ἐν ἔργῳ αὐτοῦ
Is. 29. 16. οὐχ ὡς ὁ πηλὸς τοῦ κ. λογισθήσεσθε (1)
Is. 41. 25. ὡς πηλὸς κεραμέως καὶ ὡς κ. καταπατῶν τὸν πηλόν (–, 1)
45. 9. ποῖον βέλτιον κατεσκεύασα ὡς πηλὸν κεραμέως . . . μὴ ἐρεῖ ὁ πηλὸς τῷ κ. (†, 1)
Je. 18. 2. κατάβηθι εἰς οἶκον τοῦ κ. (1)
— 3. κατέβην εἰς τὸν οἶκον τοῦ κ. (1)
— 6. εἰ καθὼς ὁ κ. οὗτος οὐ δυνήσομαι τοῦ ποιῆσαι ὑμᾶς . . . ὡς ὁ πηλὸς τοῦ κ. (1, 1)
La. 4. 2. ἔργα χειρῶν κεραμέως (1)
[**Sm.** Je. 19. 1.]
[**Th.** Is. 54. 16.]

κεραμικός (-μει.). (1) פֶּחָר
Da. LXX. 2. 41. μέρος μέν τι ὀστράκου κ. (1)

κεράμιον. (1) בַּת (2) גְּבִיעַ
Is. 5. 10. ποιήσει κ. ἕν (1)
30. 14. ἐκ κεραμίου λεπτά [**A** -όν] –
Je. 42 (35). 5. ἔδωκα [**A** ἔστησα] κατὰ πρόσωπον αὐτῶν κ. οἴνου (2)
Da. TH. 2. 41. **A**[2] μέρος μέν τι ὀστράκινον κεραμίου [**A**[1] **B** *om.*] (3)
[**Aq.** Is. 10. 33.]
[**Al.** II Ch. 4. 5.]

κέραμος. (1) יָצַר
II Ki. 17. 28. **B** καὶ σκεύη κεράμου (1)

κεραμύλλιον.
[**Aq.** Is. 63. 3.]

κεραννύναι (-ύειν). (1) מָסַךְ
De. 28. 66. **A** ἔσται ἡ ζωή σου κεκραμένη [**B** κρεμαμένη] †
Pr. 9. 2. ἐκέρασεν εἰς κρατῆρα τὸν ἑαυτῆς οἶνον (1)
— 5. πίετε οἶνον ὃν ἐκέρασα ὑμῖν (1)
Is. 5. 22. οἱ δυνάσται οἱ κεραννύντες [**B**[1] **S**[1] -ύοντες] τὸ σίκερα (1)
19. 14. ἐκέρασεν αὐτοῖς πνεῦμα πλανήσεως (1)
Je. 30. 10 (49. 32). **AB**[1] κεκραμένους [**B**[2] **S R** κεκαρμ.] πρὸ προσώπου αὐτῶν †
Da. LXX. Bel 10. οἶνος κερασθεὶς εἰσηνέχθη
— 32. καὶ στάμνον οἴνου κεκερασμένου
Da. TH. Bel 11. τὸν οἶνον κεράσας θές

κέρας. (1) חָזוּת (2) מְקְצוֹעַ (3) קֶרֶן (4) κέρατα ἐκφέρειν קָרַן hi.
Ge. 22. 13. κατεχόμενος ἐν φυτῷ . . . τῶν κ. (3)
Ex. 27. 2. ποιήσεις τὰ κ. ἐπὶ τῶν τεσσάρων γωνιῶν (3)
— 2. ἐξ αὐτοῦ ἔσται τὰ κ. (3)
29. 12. ἐπὶ τῶν κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
30. 2. ἐξ αὐτοῦ ἔσται τὰ κ. αὐτοῦ (3)
— 3. καταχρυσώσεις . . . τὰ κ. αὐτοῦ (3)
— 10. ἐξιλάσεται . . . ἐπὶ τῶν κ. αὐτοῦ [**A** *al.*] (3)
Le. 4. 7, 18, 25. ἐπιθήσει . . . ἐπὶ τὰ κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
— 30, 34. ἐπιθήσει ἐπὶ τὰ κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
8. 15 : 9. 9. ἐπέθηκεν ἐπὶ τὰ κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
16. 18. ἐπιθήσει ἐπὶ τὰ κ. τοῦ θυσιαστηρίου κύκλῳ (3)
De. 33. 17. κέρατα μονοκέρωτος τὰ κ. αὐτοῦ (3, 3)
I Ki. 2. 1. ὑψώθη κέρας μου ἐν θεῷ μου (3)
— 10. ὑψώσει κέρας χριστοῦ αὐτοῦ (3)
16. 1. πλῆσον τὸ κ. σου ἐλαίου (3)
— 13. ἔλαβε Σαμ. τὸ κ. τοῦ ἐλαίου (3)
II Ki. 22. 3. καὶ κέρας σωτηρίας μου (3)
III Ki. 1. 39. ἔλαβε Σ. ὁ ἱερεὺς τὸ κ. τοῦ ἐλαίου (3)
— 50. ἐπελάβετο τῶν κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
— 51. κατέχει τῶν κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
2. 28. κατέσχε τῶν κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
— 29. κατέχει τῶν κ. τοῦ θυσιαστηρίου †
22. 11. ἐποίησεν ἑαυτῷ . . . κ. σιδηρᾶ (3)
I Ch. 25. 5. ὑψῶσαι κέρας (3)
II Ch. 18. 10. ἐποίησεν ἑαυτῷ . . . κ. σιδηρᾶ (3)
Ju. 9. 8. καταβαλεῖν σιδήρῳ κέρας θυσιαστηρίου σου
Jb. 42. 14. τὴν δὲ τρίτην Ἀμαλθαίας κέρας (3)
Ps. 17 (18). 2. ὑπερασπιστής μου καὶ κέρας σωτηρίας (3)
21 (22). 21. καὶ ἀπὸ κεράτων μονοκερώτων (3)
68 (69). 31. μόσχον νέον κέρατα ἐκφέροντα (4)
74 (75). 4. μὴ ὑψοῦτε κέρας (3)
— 5. μὴ ἐπαίρετε εἰς ὕψος τὸ κ. ὑμῶν (3)

Ps. 74 (75). 10. πάντα τὰ κ. τῶν ἁμαρτωλῶν συγκλάσω [B^{2} συνθλάσω] καὶ ὑψωθήσεται τὰ κ. [S^{2} τὸ κ.] τοῦ δικαίου (3, 3)
75 (76). 3. B^{1} ἐκεῖ συγκλάσει τὰ κέρατα –
88 (89). 17. ἐν τῇ εὐδοκίᾳ σου ὑψωθήσεται τὸ κ. ἡμῶν (3)
— 24. ἐν τῷ ὀνόμ. μου ὑψωθήσεται τὸ κ. αὐ. (3)
91 (92). 10. ὑψωθήσεται ὡς μονοκέρωτος τὸ κ. μου (3)
111 (112). 9. τὸ κ. αὐτοῦ ὑψωθήσεται ἐν δόξῃ (3)
117 (118). 27. ἕως τῶν κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
131 (132). 17. ἐκεῖ ἐξανατελῶ κέρας τῷ Δαυίδ (3)
148. 14. ὑψώσει κέρας λαοῦ αὐτοῦ (3)
Si. 47. 5. A S R ἀνυψῶσαι [B -ει] κέρας λαοῦ αὐτοῦ
— 7. ἕως σήμερον συνέτριψεν αὐτῶν κέρας
— 11. ἀνύψωσεν εἰς αἰῶνα τὸ κ. αὐτοῦ
49. 5. ἔδωκαν γὰρ τὸ κ. αὐτῶν ἑτέροις
Am. 3. 14. καὶ κατασκαφήσεται τὰ κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
6. 14 (13). οὐκ ἐν τῇ ἰσχύϊ ἡμῶν ἔσχομεν κέρατα (3)
Mi. 4. 13. τὰ κέρατά σου θήσομαι σιδηρᾶ (3)
Hb. 3. 4. κέρατα ἐν χερσὶν αὐτοῦ (3)
Za. 1. 18 (2. 1). ἴδον καὶ ἰδοὺ τέσσαρα κέρατα (3)
— 19 (2. 2), 21 (2. 4). ταῦτα τὰ κ. τὰ διασκορπίσαντα τὸν Ἰ. (3)
— 21 (2. 4). ὀξῦναι αὐτὰ εἰς χεῖρας αὐτῶν τὰ τέσσαρα κ. (3)
— 21 (2. 4). τὰ ἐπαιρόμενα κέρας ἐπὶ τὴν γῆν (3)
Is. 5. 1. ἀμπελὼν ἐγενήθη τῷ ἠγαπημένῳ ἐν κέρατι (3)
Je. 31 (48). 12. τὰ κ. αὐτοῦ συγκόψουσι †
— 25. κατεάχθη κ. Μωάβ (3)
La. 2. 3. A S R συνέκλασεν [B -κάλεσεν] . . . πᾶν κ. Ἰσραήλ (3)
— 17. ὕψωσε κ. [A κεφαλὰς] θλίβοντός σε (3)
Ez. 29. 21. ἀνατελεῖ κ. παντὶ τῷ οἴκῳ Ἰσραήλ (3)
34. 21. τοῖς κ. ὑμῶν ἐκερατίζετε (3)
41. 22. κέρατα εἶχε (2)
43. 15. ὑπεράνω τῶν κ. πῆχυς (3)
— 20. ἐπιθήσουσιν ἐπὶ τὰ τέσσαρα κ. τοῦ θυσιαστηρίου (3)
Da. LXX. 7. 7. εἶχε δὲ κέρατα δέκα (3)
— 8. καὶ βουλαὶ πολλαὶ ἐν τοῖς κ. αὐτοῦ (3)
— 8. ἄλλο ἓν κ. ἀνεφύη . . . μικρὸν ἐν τοῖς κ. αὐτοῦ καὶ τρία τῶν κ. τῶν πρώτων ἐξηράνθησαν (3, –, 3)
— 8. ὥσπερ ὀφθαλμοὶ ἀνθρώπινοι ἐν τῷ κ. τούτῳ (3)
— 11. ὃν τὸ κ. ἐλάλει (3)
— 20. περὶ τῶν δέκα κ. αὐ. τῶν ἐπὶ τῆς κεφ.
— 20. τὸ κ. ἐκεῖνο εἶχεν ὀφθαλμούς (3)
— 21. κατενόουν τὸ κ. ἐκεῖνο (3)
— 24. τὰ δέκα κ. τῆς βασιλείας δέκα βασιλεῖς στήσονται (3)
8. 3. καὶ εἶχε κέρατα καὶ τὰ κ. ὑψηλά (3, 3)
— 5. ην τοῦ τράγου κέρας ἓν θεωρητόν (3)
— 6. τὸν κριὸν τὸν τὰ κ. ἔχοντα (3)
— 7. συνέτριψε τὰ δύο κ. αὐτοῦ (3)
— 8. συνετρίβη αὐτοῦ τὸ κ. τὸ μέγα καὶ ἀνέβη ἕτερα τέσσαρα κ. (3, 1?)
— 9. ἀνεφύη κέρας ἰσχυρὸν ἕν (3)
— 20. τὸν κριὸν ὃν εἶδες τὸν ἔχοντα τὰ κ. (3)
— 21. τὸ κ. τὸ μέγα . . . αὐτός ὁ βασιλεὺς ὁ πρῶτος (3)
— 22. ἀναβάντα ὀπίσω αὐτοῦ τέσσαρα κ. –
Da. TH. 7. 7. A κέρατα δέκα αὐτῷ –
— 7. καὶ κέρατα δέκα αὐτῷ (3)
— 8. προσενόουν τοῖς κ. αὐτοῦ (3)
— 8. καὶ ἰδοὺ κ. ἕτερον μικρόν (3)
— 8. καὶ τρία κ. τῶν ἔμπροσθεν αὐτοῦ (3)
— 8. καὶ ἰδοὺ ὀφθαλμοὶ . . . ἐν τῷ κ. τούτῳ (3)
— 11. ὃν τὸ κ. ἐκεῖνο ἐλάλει (3)
— 20. περὶ τῶν κ. αὐτοῦ τῶν δέκα (3)
— 20. A κέρας ἐκεῖνο [B *om.* κ. ἐ.] ᾧ οἱ ὀφθαλμοί (3)
— 21. τὸ κ. ἐκεῖνο ἐποίει πόλεμον (3)
— 24. τὰ δέκα κ. αὐτοῦ δέκα βασιλεῖς (3)
8. 3. A καὶ αὐτῷ κέρατα καὶ τὰ κ. [B *om.* καὶ τὰ κ.] ὑψηλά (3, 3)
— 5. καὶ τῷ τράγῳ κέρας (3)
— 6. τοῦ κριοῦ τοῦ τὰ κ. ἔχοντος (3)
— 7. συνέτριψεν ἀμφότερα τὰ κ. αὐτοῦ (3)
— 8. A R συνετρίβη τὸ κ. αὐτοῦ τὸ μέγα καὶ ἀνέβη ἕτερα [B *om.*] κ. τέσσαρα (3, 1?)
— 9. ἐξῆλθε κ. ἓν ἰσχυρόν (3)
— 20. ὁ κριὸς . . . ὁ ἔχων τὰ κ. (3)
— 21. τὸ κ. τὸ μέγα . . . αὐτός ἐστιν ὁ βασ. ὁ πρῶτος (3)
— 22. οὗ ἔστησαν τέσσαρα κ. ὑποκάτω –
I Ma. 2. 48. οὐκ ἔδωκαν κέρας τῷ ἁμαρτωλῷ
9. 1. καὶ τὸ δεξιὸν κ. μετ' αὐτῶν
— 12. Βακχίδης δὲ ἦν ἐν τῷ δεξιῷ κ.
— 15. A R συνετρίβη τὸ δεξιὸν κ. [S μέρος] ἀπ' αὐτῶν
— 16. οἱ εἰς τὸ ἀριστερὸν κ. ἴδον ὅτι συνετρίβη τὸ δεξιὸν κ.
II Ma. 15. 20. τῆς δὲ ἵππου κατὰ κέρας τεταγμένης
[Aq. Ge. 22. 13 : Ps. 74 (75). 11 : Je. 17. 1 : 48 (31). 12 : Ez. 27. 6, 15.]
[Sm. Ge. 22. 13 : Ps. 74 (75). 5, 6, 11 : 117 (118). 27 : Is. 5. 1 : Je. 17. 1 : Ez. 27. 6, 15.]
[Th. Ge. 22. 13 : Ps. 74 (75). 11 : Je. 17. 1 : Ez. 27. 6, 15 : Da. 7. 8, 20† : 8. 3†, 5.]
[Al. Hb. 3. 4.]

κέρασμα. (1) *a.* מָסֶךְ *b.* מִמְסָךְ

Ps. 74 (75). 8. οἴνου ἀκράτου πλῆρες κεράσματος (1 *a*)
Is. 65. 11. πληροῦντες τῇ τυχῇ κ. (1 *b*)
[Aq., Sm. Is. 65. 11.]
[Th. Pr. 23. 30 : Is. 65. 11.]

κεράστης. (1) צְפַעְנִי

Pr. 23. 32. ὥσπερ ὑπὸ κεράστου διαχεῖται αὐτῷ ὁ ἰός (1)
[Sm. Ps. 68 (69). 32.]

κερατίζειν. (1) גּוֹחַ (2) נָגַח *a.* qal. *b.* pi. (3) נָגַף (4) צָהַל

Ex. 21. 28. ἐὰν δὲ κερατίσῃ ταῦρος ἄνδρα (2 *a*)
— 31. ἐὰν δὲ υἱὸν ἢ θυγατέρα κερατίσῃ (2 *a*)
— 32. ἐὰν δὲ παῖδα κερατίσῃ ὁ ταῦρος (2 *a*)
— 35. ἐὰν δὲ κερατίσῃ τινὸς [B^{1} τίς τ.] ταῦρος (3)
De. 33. 17. ἐν αὐτοῖς ἔθνη κερατιεῖ ἅμα (2 *b*)
III Ki. 22. 11 : II Ch. 18. 10. ἐν τούτοις κερατιεῖς τὴν Συρίαν (2 *b*)
Ps. 43 (44). 5. ἐν σοὶ τοὺς ἐχθροὺς ἡμῶν κερατιοῦμεν (2 *b*)
Je. 27 (50). 11. ἐκερατίζετε ὡς ταῦροι (4)
Ez. 32. 2. ἐκεράτιζες τοῖς ποταμοῖς [A τοὺς π.] σου (1)
34. 21. τοῖς κέρασιν ὑμῶν ἐκερατίζετε (2 *b*)
Da. LXX. TH. 8. 4. εἶδον τὸν κριὸν κερατίζοντα (2 *b*)

κερατίνη. (1) שׁוֹפָר

Jd. 3. 27. ἐσάλπισεν ἐν [A *om.*] κερατίνῃ (1)
6. 34. ἐσάλπισεν ἐν κερατίνῃ (1)
7. 8. ἔλαβον . . . τὰς κ. αὐτῶν (1)
— 16. ἔδωκε κερατίνας ἐν χειρὶ πάντων (1)
— 18. σαλπιῶ ἐν [A *om.*] τῇ κ. (1)
— 18. σαλπιεῖτε ἐν [A *om.*] ταῖς κ. (1)
— 19. ἐσάλπισαν ἐν [A *om.*] ταῖς κ. (1)
— 20. ἐσάλπισαν . . . ἐν ταῖς κ. (1)
— 20. τὰς κ. τοῦ σαλπίζειν [A *al.*] (1)
— 22. ἐσάλπισαν ἐν ταῖς τριακοσίαις κ. [A αἱ κ.] (1)
II Ki. 15. 10. ἐν τῷ ἀκοῦσαι ὑμᾶς τὴν φωνὴν τῆς κ. (1)
18. 16. ἐσάλπισεν Ἰωὰβ ἐν κερατίνῃ (1)
20. 1. ἐσάλπισε τῇ [A ἐν τῇ] κ. (1)
— 22. ἐσάλπισεν ἐν κερατίνῃ [A τῇ κ.] (1)
III Ki. 1. 34. καὶ σαλπίσατε κερατίνῃ (1)
— 39. καὶ ἐσάλπισε τῇ κ. (1)
— 41. ἤκουσεν Ἰ. τὴν φωνὴν τῆς κ. (1)
IV Ki. 9. 13. ἐσάλπισαν ἐν κερατίνῃ (1)
II Ch. 15. 14. A R καὶ ἐν κερατίναις (1)
Ne. 4. 18 (12). ὁ σαλπίζων ἐν τῇ κ. ἐχόμενα αὐτοῦ (1)
— 20 (14). οὗ ἐὰν ἀκούσητε τὴν φωνὴν τῆς κ. (1)
[Aq. Jo. 6. 9 : Jd. 7. 22 : Is. 27. 13 : 58. 1 : Je. 6. 1.]
[Sm. Jo. 6. 9 : Jd. 7. 22 : Ps. 150. 3 : Is. 27. 13 : 58. 1 : Je. 6. 1 : Ez. 33. 4.]
[Th. Jo. 6. 9 : Jd. 7. 22 : Is. 27. 13 : 58. 1.]
[Al. Le. 25. 9 : I Ch. 15. 28.]

κεράτινος. (1) σάλπιγξ κ. שׁוֹפָר

Ps. 97 (98). 6. ἐν . . . φωνῇ σάλπιγγος κερατίνης (1)

κερατιστής. (1) נַגָּח

Ex. 21. 29. ἐὰν δὲ ὁ ταῦρος κερατιστὴς ᾖ (1)
— 36. ὁ ταῦρος ὅτι κερατιστής ἐστι (1)

κεραύνιος.

[Sm. Ex. 28. 17.]

κεραυνός. (1) בָּרָק

Jb. 38. 35. ἀποστελεῖς δὲ κεραυνούς (1)
Wi. 19. 13. οὐκ ἄνευ τῶν γεγονότων [A S προγεγ.] τεκμηρίων τῇ βίᾳ τῶν [S^{2} *om.*] κ.
II Ma. 10. 30. κεραυνοὺς ἐξερρίπτουν

κεραυνοῦν, κεραύνωσις. (1) נָפַץ

Is. 30. 30. A S R κερανώσει βιαίως [B -φ] (1)

κερδαίνειν.

[Sm. Jb. 22. 3.]

κέρδος.

[Aq. Ez. 27. 24.]
[Sm. Ge. 37. 26 : Ps. 29 (30). 10 : Ec. 4. 9 : Mi. 4. 13.]
[Th. Ge. 37. 26.]

κερεῖνός.

[Aq., Sm., Quint. Ps. 49 (50). 9.]

κέρκιον.

[Aq. Le. 7. 3.]
[Sm., Th. Le. 7. 3 : 8. 25.]
[Al. Le. 3. 9.]

κέρκος. (1) זָנָב

Ex. 4. 4. ἐπιλαβοῦ τῆς κ. (1)
— 4. ἐπελάβετο τῆς κ. †
Jd. 15. 4. ἐπέστρεψε [A συνέδησεν] κέρκον πρὸς κέρκον (1, 1)
— 4. ἔθηκε λαμπάδα μίαν ἀνὰ μέσον τῶν δύο κ. (1)
Pr. 26. 17. ὥσπερ ὁ κρατῶν κέρκου κυνός †
[Aq. Le. 3. 9 : 8. 25.]
[Sm., Th. Le. 3. 9.]
[Heb. Ex. 29. 22.]

κέρκωψ. (1) נִרְגָּן

Pr. 26. 22. λόγοι κερκώπων μαλακοί (1?)

κεφάζ, *vid.* **καιφάζ.**

κεφάλαιον. (1) *a.* רֹאשׁ *b.* רֵאשׁ *c.* רֵאשִׁית

Le. 6. 4 (5. 24). ἀποτίσει αὐτὸ τὸ κ. (1 *a*)
Nu. 4. 2. λάβε τὸ κ. τῶν υἱῶν Κ. (1 *a*)
5. 7. τὸ κ. καὶ τὸ ἐπίπεμπτον αὐτοῦ (1 *a*)
31. 26. λάβε τὸ κ. τῶν σκύλων (1 *a*)
— 49. εἰλήφασι τὸ κ. τῶν ἀνδρῶν (1 *a*)
Da. LXX. 7. 1. ἔγραψεν εἰς κεφάλαια λόγων (1 *b*)
11. 41. καὶ κεφάλαιον υἱῶν Ἀμμών (1 *c*)
[Aq. Ge. 1. 1 : 49. 3 : I Ki. 15. 21 : Jb. 8. 7 : 40. 14 (19) : Pr. 8. 22.]
[Sm., Th. Jb. 40. 14 (19).]
[Al. Nu. 4. 22.]

κεφαλαιοῦν.

Si. 35 (32). 8. κεφαλαίωσον λόγον [S *om.*] ἐν ὀλίγοις πολλά

κεφαλή. (1) גֻּלְגֹּלֶת (2) נֶפֶשׁ (3) קָדְקֹד (4) קֶרֶן (5) *a.* רֹאשׁ *b.* רֵאשׁ (6) πρὸς κεφαλῆς מְרַאֲשׁוֹת

Ge. 3. 15. αὐτός σου τηρήσει κεφαλήν (5 *a*)
8. 5. ὤφθησαν αἱ κ. τῶν ὀρέων (5 *a*)
11. 4. οὗ ἔσται ἡ κ. ἕως τοῦ οὐρανοῦ (5 *a*)
28. 11. A ἐπέθηκεν [R ἔθ.] πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (6)
— 12. ἧς ἡ κ. ἀφικνεῖτο εἰς τὸν οὐρανόν (5 *a*)
— 18. R ὃν ὑπέθηκεν [A ἔθ.] ἐκεῖ πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (6)
40. 16. τρία κανᾶ . . . αἴρειν ἐπὶ τῆς κ. μου (5 *a*)
— 17. ἀπὸ τοῦ κανοῦ τοῦ ἐπάνω τῆς κ. μου (5 *a*)
— 19. ἀφελεῖ Φ. τὴν κ. σου ἀπὸ σοῦ (5 *a*)
48. 14. ἐπέβαλεν ἐπὶ τὴν κ. Ἐ. . . . καὶ τὴν ἀριστερὰν ἐπὶ τὴν κ. Μ. (5 *a*, 5 *a*)
— 17. ἐπέβαλεν . . . ἐπὶ τὴν κ. Ἐ. (5 *a*)
— 17. ἀφελεῖν αὐτὴν ἀπὸ τῆς κ. Ἐ. ἐπὶ τὴν κ. Μ. (5 *a*, 5 *a*)
— 18. ἐπίθες τὴν δεξιάν σου ἐπὶ τὴν κ. αὐ. (5 *a*)
49. 26. ἔσονται ἐπὶ κεφαλὴν [A -ῆς] Ἰωσήφ (5 *a*)
Ex. 12. 9. ἔδεσθε . . . κεφαλὴν σὺν τοῖς ποσί (5 *a*)
16. 16. γομὸρ κατὰ κεφαλήν (1)
26. 24. ἔσονται ἴσοι ἐκ τῶν κ. [A -λίδων] (5 *a*)
29. 6. ἐπιθήσεις [B^{1} θή.] τὴν μίτραν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 *a*)
— 7. ἐπιχεεῖς αὐτὸ ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 *a*)
— 10. ἐπιθήσουσιν . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ μόσχου (5 *a*)
— 15. ἐπιθήσουσιν . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ κριοῦ (5 *a*)
— 17. ἐπὶ [B^{1} *om.*] τὰ διχοτομήματα σὺν τῇ κ. (5 *a*)
— 19. ἐπιθήσει . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ κριοῦ (5 *a*)
37. 6 (36. 38). A τὰς κ. [B -λίδας] αὐτῶν (5 *a*)
39. 2 (38. 26). δραχμὴ μία τῇ κ. (1)
Le. 1. 4. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κ. τοῦ καρπώματος (5 *a*)

Le. 1. 8. ἐπιστοιβάσουσιν οἱ υἱοὶ Ἀ.... τὴν κ. (5 a)
— 11. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ –
— 12. καὶ τὴν κ. καὶ τὸ στέαρ (5 a)
— 15. ἀποκνίσει τὴν κ. (5 a)
3. 2, 8. ἐπιθήσει τὰς χεῖρας ἐπὶ τὴν κ. τοῦ δώρου (5 a)
— 13. ἐπιθήσει τὰς χεῖρας ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
4. 4. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα αὐτοῦ ἐπὶ τὴν κ. τοῦ μόσχου (5 a)
— 11. πᾶσαν αὐτοῦ τὴν σάρκα σὺν τῇ κ. (5 a)
— 15. ἐπιθήσουσιν ... ἐπὶ τὴν κ. τοῦ μόσχου (5 a)
— 24. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κ. τοῦ χιμάρου (5 a)
— 29. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ἁμαρτήματος αὐτοῦ (5 a)
— 33. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα ἐπὶ τὴν κ. (5 a)
5. 8. ἀποκνίσει ὁ ἱερεὺς τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
8. 9. ἐπέθηκε τὴν μίτραν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 12. ἐπέχεε Μωυσῆς ... ἐπὶ τὴν κ. Ἀαρών (5 a)
— 14. ἐπέθηκεν Ἀ.... τὰς χεῖρας ἐπὶ τὴν κ. τοῦ μόσχου (5 a)
— 18. ἐπέθηκεν Ἀ.... τὰς χεῖρας αὐτῶν ἐπὶ τὴν κ. τοῦ κριοῦ (5 a)
— 19 (20). ἀνήνεγκε Μωυσῆς τὴν κ. (5 a)
— 21 (22). ἐπέθηκεν Ἀ....τὰς χεῖρας αὐτῶν ἐπὶ τὴν κ. τοῦ κριοῦ (5 a)
9. 13. αὐτὰ καὶ τὴν κ. (5 a)
10. 6. τὴν κ. ὑμῶν οὐκ ἀποκιδαρώσετε (5 a)
13. 12. ἀπὸ κεφαλῆς ἕως ποδῶν (5 a)
— 29. ἀφὴ λέπρας ἐν τῇ κ. (5 a)
— 30. λέπρα [A *add.* ἐστὶν] τῆς κ. (5 a)
— 40. ἐὰν δέ τινι μαδήσῃ ἡ κ. αὐτοῦ (5 a)
— 41. ἐὰν δὲ κατὰ πρόσωπον μαδήσῃ ἡ κ. αὐτοῦ (5 a)
— 44. ἐν τῇ κ. αὐτοῦ ἡ ἀφὴ αὐτοῦ (5 a)
— 45. καὶ ἡ κ. αὐτοῦ ἀκάλυπτος [A ἀκατακ.] (5 a)
14. 9. τὴν κ. αὐτοῦ καὶ τὸν πώγωνα (5 a)
— 18. ἐπιθήσει ὁ ἱερεὺς ἐπὶ τὴν κ. (5 a)
— 29. ἐπιθήσει ἐπὶ τὴν κ. (5 a)
16. 21. ἐπιθήσει [A προσάξει] ... τὰς χεῖρας αὐτοῦ ἐπὶ τὴν κ. (5 a)
— 21. ἐπιθήσει αὐτὰς ἐπὶ τὴν κ. (5 a)
19. 27. ἐκ τῆς κόμης τῆς κ. ὑμῶν (5 a)
21. 5. φαλάκρωμα οὐ ξυρηθήσεσθε τὴν κ. (5 a)
— 10. τοῦ ἐπικεχυμένου ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ἐλαίου (5 a)
— 10. τὴν κ. οὐκ ἀποκιδαρώσει (5 a)
24. 14. ἐπιθήσουσι ... τὰς χεῖρας αὐτῶν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
Nu. 1. 2. λάβετε ἀρχὴν ... κατὰ κεφαλὴν αὐτῶν (1)
— 18, 20, 22. κατὰ κεφαλὴν αὐτῶν (1)
— 26, 28, 30, 32, 34, 36, 24, 38, 40, 42. κατὰ κεφαλὴν αὐτῶν –
3. 47. πέντε σίκλους κατὰ κεφαλήν (1)
5. 18. ἀποκαλύψει τὴν κ. τῆς γυναικός (5 a)
6. 5. ξυρὸν οὐκ ἐπελεύσεται ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 5. τρέφων κόμην τρίχα κεφαλῆς (5 a)
— 7. εὐχὴ θεοῦ αὐτοῦ ... ἐπὶ κεφαλῆς αὐτοῦ (5 a)
— 9. μιανθήσεται ἡ κ. εὐχῆς αὐτοῦ (5 a)
— 9. ξυρήσεται τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 11. ἁγιάσει τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 12. ἐμιάνθη κεφαλὴ εὐχῆς αὐτοῦ –
— 18. ξυρήσεται ὁ ἡγιαμένος ... τὴν κ. τῆς εὐχῆς αὐτοῦ (5 a)
— 19. A μετὰ τὸ ξυρήσασθαι αὐτὸν τὴν κ. [B εὐχὴν] αὐτοῦ †
8. 12. ἐπιθήσουσι τὰς χεῖρας ἐπὶ τὰς κ. τῶν μόσχων (5 a)
De. 21. 6. νίψονται τὰς χεῖρας ἐπὶ τὴν κ. –
— 12. ξυρήσεις τὴν κ. αὐτῆς (5 a)
28. 13. καταστήσαι σε κύριος ... εἰς κεφαλήν (5 a)
— 23. ὁ οὐρανὸς ὁ ὑπὲρ κεφαλῆς σου (5 a)
— 44. οὗτος ἔσται κεφαλή [A εἰς κεφαλήν] (5 a)
32. 42. ἀπὸ κεφαλῆς ἀρχόντων ἐχθρῶν [A ἐθνῶν] (5 a)
33. 16. ἔλθοισαν ἐπὶ κεφαλὴν Ἰωσήφ (5 a)
Jo. 7. 6. ἐπεβάλοντο [A -λον τὸν] χοῦν ἐπὶ τὰς κ. [A τὴν κ.] αὐτῶν (5 a)
Jd. 5. 26. διήλωσε κεφαλὴν αὐ. [A *al.*] (5 a)
— 30. εἰς κεφαλὴν ἀνδρός [A *al.*] (5 a)
7. 25. τὴν κ. Ὠρὴβ ... ἤνεγκαν πρὸς Γ. (5 a)
8. 28. ἆραι κεφαλὴν αὐτῶν (5 a)
9. 25. ἐπὶ τὰς κ. τῶν ὀρέων (5 a)
— 36. A B ἀπὸ τῶν [B *om.*] κ. [A κορυφῶν] τῶν ὀρέων (5 a)
— 53. ἔρριψε ... ἐπὶ κεφαλὴν Ἀβ. (5 a)
— 57. ἐπέστρεψεν ὁ θ. εἰς κεφαλὴν αὐ. [A *al.*] (5 a)
10. 18. A εἰς κεφαλὴν [B ἄρχοντα] πᾶσι τοῖς κατοικοῦσι Γ. (5 a)
Jd. 11. 8. A ἔσῃ ἡμῖν εἰς κεφαλήν [B ἄρχοντα] (5 a)
— 9. A ἐγὼ ὑμῖν ἔσομαι εἰς κεφαλήν [B ἄρχοντα] (5 a)
— 11. εἰς κεφαλὴν καὶ εἰς ἀρχηγόν [A *al.*] (5 a)
13. 5. σίδηρος ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ οὐκ ἀναβήσεται (5 a)
16. 13. τὰς ἑπτὰ σειρὰς τῆς κ. μου (5 a)
— 14. τὰς ἑπτὰ σειρὰς τῆς κ. αὐ. [A *al.*] –
— 17. σίδηρος οὐκ ἀνέβη ἐπὶ τὴν κ. μου [A *al.*] (5 a)
— 19. τὰς ἑπτὰ σειρὰς τῆς κ. αὐ. [A *al.*] (5 a)
— 22. θρὶξ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
I Ki. 1. 11. σίδηρος οὐκ ἀναβήσεται ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
4. 12. γῆ ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
5. 4. κεφαλὴ [A ἡ κ.] Δαγὼν καὶ ἀμφότερα τὰ ἴχνη (5 a)
10. 1. καὶ ἐπέχεεν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
14. 45. εἰ πεσεῖται [A *add.* ἀπὸ τῆς] τριχὸς τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
17. 5. περικεφαλαία ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
— 38. τὴν περικεφαλαίαν χαλκῆν περὶ [A ἐπὶ] τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 46. ἀφελῶ τὴν κ. σου ἀπὸ σοῦ (5 a)
— 51. ἀφεῖλε [A *add.* ἐν αὐτῇ] τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 54. ἔλαβε Δ. τὴν κ. τοῦ ἀλλοφύλου (5 a)
— 57. A καὶ ἡ κ. τοῦ ἀλλοφύλου ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ (5 a)
19. 13. ἦπαρ ... ἔθετο πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (6)
— 16. καὶ ἦπαρ ... πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (6)
25. 39. τὴν κακίαν N. ἀπέστρεψε κύριος εἰς κεφαλὴν αὐτοῦ (5 a)
26. 7. καὶ τὸ δόρυ ... πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (6)
— 11. λάβε δὴ τὸ δόρυ ἀπὸ πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (6)
— 12. ἔλαβε Δ. τὸ δόρυ ... ἀπὸ πρὸς κεφαλῆς (6)
— 16. ποῦ ἐστι τὰ πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ (6)
29. 4. οὐχὶ ἐν ταῖς κ. τῶν ἀνδρῶν ἐκείνων (5 a)
II Ki. 1. 2. καὶ γῆ ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
— 10. τὸ βασίλειον τὸ ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 16. τὸ αἷμά σου ἐπὶ τὴν κ. σου (5 a)
2. 16. ἐκράτησαν ἕκαστος ... τὴν κ. τοῦ πλησίον αὐτοῦ (5 a)
— 25. ἔστησαν ἐπὶ κεφαλὴν βουνοῦ ἑνός (5 a)
3. 8. μὴ κεφαλὴ κυνὸς ἐγώ εἰμι (5 a)
— 29. καταντησάτωσαν ἐπὶ κεφαλὴν Ἰ. (5 a)
4. 7. A B ἀφαιροῦσι [B ἀναφ.] τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 7. ἔλαβον τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 8. ἤνεγκαν τὴν κ. Ἰεβ. τῷ Δ. (5 a)
— 8. ἰδοὺ ἡ [A *om.*] κ. Ἰεβ. (5 a)
— 12. τὴν κ. Ἰεβ. ἔθαψαν (5 a)
12. 30. ἔλαβε τὸν στέφανον Μ. ... ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
— 30. καὶ ἦν ἐπὶ τῆς κ. Δαυίδ (5 a)
13. 19. A B ἐπέθηκεν [B ἐ. σποδὸν] ἐπὶ τὴν κ. [A τῆς κ.] αὐτῆς (5 a)
— 19. ἐπέθηκε τὰς χεῖρας αὐτῆς ἐπὶ τὴν κ. αὐτῆς (5 a)
14. 26. ἐν τῷ κείρεσθαι αὐτὸν τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 26. ἔστησε τὴν τρίχα τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
15. 30. καὶ τὴν κ. ἐπικεκαλυμμένος (5 a)
— 30. ἐπεκάλυψεν ἀνὴρ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 32. καὶ γῆ ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
16. 9. ἀφελῶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
18. 9. A B R περιεπλάκη [B ἐκρεμάσθη] ἡ κ. αὐτοῦ (5 a)
20. 21. ἡ [A *om.*] κ. αὐτοῦ ῥιφήσεται (5 a)
— 22. ἀφεῖλε τὴν κ. Σ. (5 a)
22. 44. φυλάξεις με εἰς κεφαλὴν ἐθνῶν (5 a)
III Ki. 2. 32. ἀπέστρεψε ... τὸ αἷμα ... εἰς κεφαλὴν αὐτοῦ (5 a)
— 33. ἐπεστράφη [A ἀπ.] τὰ αἵματα αὐ. εἰς κεφαλὴν αὐ. καὶ εἰς κεφαλὴν [A τὴν κ.] τοῦ σπέρματος αὐ. (5 a, 5 a)
3. 1 (2. 37). τὸ αἷμά σου ἔσται ἐπὶ τὴν κ. σου (5 a)
— 1 (2. 44). ἀνταπέδωκε ... τὴν κακίαν σου εἰς κεφαλήν σου (5 a)
7. 16. δοῦναι ἐπὶ τὰς κ. τῶν στύλων (5 a)
— 19. ἐπὶ τῶν κ. τῶν στύλων (5 a)
— 22. A ἐπὶ τῶν κ. ἔργου κρίνου (5 a)
— 35 *bis*. ἐπὶ τῆς κ. τῆς μεχωνώθ (5 a)
— 41. ἐπὶ τῶν κ. τῶν στύλων δύο (5 a)
8. 1. A συμπάσας κ. τῶν ῥάβδων (5 a)
— 8. ἐνεβλέποντο αἱ κ. τῶν ἡγιασμένων (5 a)
— 32. δοῦναι τὴν ὁδὸν αὐτοῦ εἰς κεφαλὴν αὐ. (5 a)
19. 6. πρὸς κεφαλῆς αὐτοῦ ἐγκρυφίας ὀλυρίτης (6)
20 (21). 12. A ἐκάθισαν τὸν Ναβ. ἐν κεφαλῇ [R ἀρχῇ] τοῦ λαοῦ (5 a)
21 (20). 31. καὶ σχοινία ἐπὶ τὰς κ. ἡμῶν (5 a)
— 32. ἔθεσαν σχοινία ἐπὶ τὰς κ. αὐτῶν (5 a)
IV Ki. 2. 3. A B² λαμβάνει τὸν κύριόν σου ἐπάνωθεν [B¹ R ἀπ.] τῆς κ. σου (5 a)
— 5. λαμβάνει κύριος τὸν κύριόν σου ἐπάνωθεν [A ἀπ.] τῆς κ. σου (5 a)
4. 19. τὴν κ. μου τὴν κ. μου (5 a, 5 a)
6. 25. ἐγενήθη κεφαλὴ ὄνου πεντήκοντα ἀργυρίου [B² σίκλων ἀ.] (5 a)
— 31. εἰ στήσεται ἡ κ. Ἐλ. ἐπ' αὐτῷ (5 a)
— 32. ἀπέστειλεν ... ἀφελεῖν τὴν κ. μου (5 a)
9. 3. ἐπιχεεῖς ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 6. ἐπέχεε τὸ ἔλαιον ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 30. ἠγάθυνε τὴν κ. αὐτῆς (5 a)
10. 6. λάβετε τὴν κ. ἀνδρῶν (5 a)
— 7. ἔθηκαν τὰς κ. αὐτῶν ἐν καρτάλλοις (5 a)
— 8. A R ἤνεγκαν [B -α] τὰς κ. τῶν υἱῶν τοῦ βασ. (5 a)
19. 21. ἐπὶ σοὶ [A σὲ] κεφαλὴν αὐτῆς [A *om.*] ἐκίνησε (5 a)
25. 27. ὕψωσεν Εὐ. ... τὴν κ. Ἰ. (5 a)
I Ch. 10. 9. ἔλαβον τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 10. τὴν κ. [S¹ *om.*] αὐτοῦ ἔθηκαν ἐν οἴκῳ Δ. (1)
12. 19. ἐν ταῖς κ. τῶν ἀνδρῶν ἐκ. ἐπιστρέψει (5 a)
20. 2. ἔλαβε Δ. τὸν στέφανον Μ. ... ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
— 2. ἦν ἐπὶ τὴν κ. Δ. (5 a)
23. 3. ἐγένετο ὁ ἀριθμὸς αὐ. κατὰ κεφαλὴν αὐ. (1)
— 24. οὗτοι υἱοὶ Λευὶ ... κατὰ κεφαλὴν αὐ. (1)
25. 1. ἐγένετο ὁ ἀριθμὸς αὐτῶν κατὰ κεφαλὴν αὐ. –
II Ch. 3. 15. καὶ τὰς κ. αὐτῶν πήχεων πέντε (5 a)
— 16. καὶ ἔδωκεν [A ἔθηκεν] ἐπὶ τῶν κ. τῶν στύλων (5 a)
4. 12. ἐπὶ τῶν κ. τῶν στύλων δύο (5 a)
— 12. συγκαλύψαι τὰς κ. τῶν χωβαρέθ †
— 12. ἃ ἐστιν ἐπὶ [A ἐπάνω] τῶν κ. τῶν στύλων (5 a)
5. 9. ἐβλέποντο αἱ κ. τῶν ἀναφορέων (5 a)
6. 23. ἀποδοῦναι ὁδοὺς αὐτοῦ εἰς κεφαλὴν αὐ. (5 a)
I Es. 4. 30. ἀφαιροῦσαν τὸ διάδημα ἀπὸ τῆς κ. τοῦ βασ.
8. 71. A R κατέτιλα [B -έτεινον] τοῦ τριχώματος τῆς κ.
— 75. ἐπλεύνασαν ὑπὲρ τὰς κ. ἡμῶν
II Es. 9. 3. ἔτιλλον ἀπὸ τῶν τριχῶν τῆς κ. μου (5 a)
— 6. ἐπληθύνθησαν ὑπὲρ κεφαλῆς ἡμῶν (5 a)
Ne. 4. 4 (3. 36). ἐπίστρεψον ὀνειδισμὸν αὐτῶν εἰς κεφαλὴν αὐτῶν (5 a)
9. 1. R καὶ σποδῷ ἐπὶ κεφαλῆς αὐτῶν –
Ju. 4. 11. ἐσποδώσαντο τὰς κ. αὐτῶν
8. 3. ὁ καύσων ἦλθεν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ
— 22. τὴν ἐρήμωσιν ... ἐπιστρέψει εἰς κεφαλὴν ἡμῶν
9. 1. ἐπέθετο [S² ἔθ.] σποδὸν ἐπὶ τὴν κ. αὐτῆς
— 9. ἀπόστειλον τὴν ὀργήν σου εἰς κεφαλὰς αὐτῶν
— 10. S¹ τὴν ὀργήν σου εἰς κεφαλὰς αὐτῶν
— 10. S¹ ἀπόστειλον τὴν ὀργήν σου εἰς κεφαλὰς αὐτῶν
10. 3. τὰς τρίχας τῆς κ. αὐτῆς
13. 6. δς ἦν πρὸς κεφαλῆς Ὀλ.
— 7. ἐδράξατο τῆς κόμης τῆς κ. αὐτοῦ
— 8. καὶ ἀφεῖλε τὴν κ. αὐτοῦ
— 9. παρέδωκε τῇ ἄβρᾳ αὐτῆς τὴν κ. Ὀλ.
— 15. προελοῦσα τὴν κ. ἐκ τῆς πήρας
— 15. ἰδοὺ ἡ κ. Ὀλ.
— 18. κατεύθυνέ σε εἰς τραῦμα κεφαλῆς
14. 1. λαβόντες τὴν κ. ταύτην
— 6. καὶ εἶδε τὴν κ. Ὀλ.
— 11. ἐκρέμασαν τὴν κ. Ὀλ. ἐκ τοῦ τείχους
— 15. καὶ ἡ κ. αὐτοῦ ἀφῄρητο ἀπ' αὐτοῦ
— 18. καὶ ἡ κ. οὐκ ἔστιν ἐπ' αὐτῷ
Es. 4. 17. κοπριῶν ἔπλησεν τὴν κ.
— 17. ὃ ἐστιν ἐπὶ τῆς κ. μου [A *om.*]
5. 1. ἐπὶ τὴν κ. [A τῆς κ.] τῆς ἄβρας
6. 8. S² διάδημα βασιλείας ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 12. λυπούμενος κατὰ κεφαλῆς [S² λ. κατακεκαλυμμένος κεφαλήν] (5 a)
Jb. 1. 17. οἱ ἱππεῖς ἐποίησαν ἡμῖν κεφαλὰς [A S² ἀρχὰς] τρεῖς (5 a)
— 20. ἐκείρατο τὴν κόμην τῆς κ. [A κ. αὐτοῦ] (5 a)
— 20. A κατεπάσατο γῆν ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ –
2. 7. ἀπὸ ποδῶν ἕως κεφαλῆς (3)
— 12. A καταπασάμενοι γῆν ἐπὶ τὰς κ. αὐτῶν [B S *om.* ἐπὶ τ. κ. αὐ.] (5 a)
16. 5 (4). κινήσω δὲ καθ' ὑμῶν κεφαλήν (5 a)
19. 9. ἀφεῖλε δὲ στέφανον ἀπὸ κεφαλῆς μου (5 a)
29. 3. ἤγγει ὁ λύχνος αὐ. ὑπὲρ κεφαλῆς αὐ. (5 a)
40. 26 (31). ἐν πλοίοις ἁλιέων κεφαλὴν αὐτοῦ (5 a)

Ps. 3. 3. καὶ ὑψῶν τὴν κ. μου (5 a)
7. 16. ἐπιστρέψει ὁ πόνος αὐ. εἰς κεφαλὴν αὐ. (5 a)
17 (18). 43. καταστήσεις με εἰς κεφαλὴν ἐθνῶν (5 a)
20 (21). 3. ἔθηκας ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ στέφανον (5 a)
21 (22). 7. ἐκίνησαν κεφαλήν (5 a)
22 (23). 5. ἐλίπαναs ἐν ἐλαίῳ τὴν κ. μου (5 a)
26 (27). 6. ὕψωσε τὴν [B³ S² om.] κ. μου (5 a)
37 (38). 4. αἱ ἀνομίαι μου ὑπερῆραν τὴν κ. μου (5 a)
39 (40). 12. ἐπληθύνθησαν ὑπὲρ τὰς τρίχας τῆς κ. μου (5 a)
43 (44). 14. κίνησιν κεφαλῆς [A² -ὴν] ἐν τοῖς λαοῖς (5 a)
59 (60). 7. Ἐφραὶμ κραταίωσις τῆς κ. μου (5 a)
65 (66). 12. ἐπεβίβασας ἀνθρώπους ἐπὶ τὰς κ. ἡμῶν (5 a)
67 (68). 21. συνθλάσει κεφαλὰς ἐχθρῶν αὐ. (5 a)
68 (69). 4. ἐπληθύνθησαν ὑπὲρ τὰς τρίχας τῆς κ. μου (5 q)
73 (74). 13. σὺ συνέτριψας τὰς κ. τῶν δρακόντων (5 a)
— 14. B² R συνέτριψας τὰς κ. [S συνέθλασας τὴν κ.] τοῦ δράκοντος (5 a)
82 (83). 2. οἱ μισοῦντές σε ἦραν κεφαλήν (5 a)
107 (108). 8. Ἐφραὶμ ἀντίλημψις τῆς κ. μου (5 a)
108 (109). 25. ἐσάλευσαν κεφαλὰς αὐτῶν (5 a)
109 (110). 6. συνθλάσει κεφαλάς (5 a)
— 7. διὰ τοῦτο ὑψώσει κεφαλήν (5 a)
117 (118). 22. οὗτος ἐγενήθη εἰς κεφαλὴν γωνίας (5 a)
132 (133). 2. A S¹ ὡς μύρον ἐπὶ κεφαλήν [S² R -ῆς] (5 a)
139 (140). 7. ἐπεσκίασας ἐπὶ τὴν κ. μου (5 a)
— 9. ἡ κ. τοῦ κυκλώματος αὐτῶν (5 a)
140 (141). 5. ἔλαιον δὲ ἁμαρτωλοῦ μὴ λιπανάτω τὴν κ. μου (5 a)
Pr. 4. 9. ἵνα δῷ τῇ σῇ κ. στέφανον χαρίτων (5 a)
10. 6. εὐλογία κυρίου ἐπὶ κεφαλὴν [A S¹ -ῆς] δικαίου (5 a)
— 22. A S εὐλογία κυρίου ἐπὶ κεφαλῆς [B -ὴν] δικαίου –
11. 26. εὐλογία δὲ εἰς κεφαλὴν τοῦ μεταδιδόντος (5 a)
25. 22. ἄνθρακας πυρὸς [A om.] σωρεύσεις ἐπὶ τὴν κ. [S¹ τῆς κ.] αὐτοῦ (5 a)
Ec. 2. 14. τοῦ σοφοῦ οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτοῦ ἐν κεφαλῇ αὐτοῦ (5 a)
9. 8. S R ἔλαιον ἐπὶ κεφαλῆς [A B -ήν] σου μὴ ὑστερησάτω (5 a)
Ca. 2. 6. εὐώνυμος αὐτοῦ ὑπὸ τὴν κ. μου (5 a)
4. 8. ἀπὸ κεφαλῆς Σανείρ (5 a)
5. 2. ἡ κ. μου ἐπλήσθη δρόσου (5 a)
— 11. κεφαλὴ αὐτοῦ χρυσίον κεφάζ (5 a)
7. 5 (6). κεφαλή σου ἐπὶ σὲ ὡς K. καὶ πλόκιον κεφαλῆς σου ὡς πορφύρα (5 a, 5 a)
8. 3. εὐώνυμος αὐτοῦ ὑπὸ τὴν κ. μου [A om.] (5 a)
Wi. 18. 24. μεγαλωσύνη σου ἐπὶ διαδήματος κεφαλῆς αὐτοῦ
Si. 4. 7. μεγιστᾶνι [S² πρεσβυτέρῳ] ταπεινοῦ τὴν κ. σου
11. 1. σοφία ταπεινοῦ ἀνύψωσε [A -σει] κεφαλήν
— 13. ἀνύψωσε κεφαλὴν αὐτοῦ
12. 18. κινήσει τὴν κ. αὐτοῦ
13. 7. τὴν κ. αὐτοῦ κινήσει ἐπὶ σοί
17. 23. τὸ ἀνταπόδομα αὐτῶν εἰς κεφαλὴν αὐ. ἀποδώσει [S ἀνταποδ.]
20. 11. ἔστιν δς ἀπὸ ταπεινώσεως ἦρε κεφαλήν
25. 15. οὐκ ἔστι κεφαλὴ ὑπὲρ κεφαλὴν ὄφεως
27. 25. ὁ βάλλων λίθον εἰς ὕψος ἐπὶ κεφαλὴν αὐτοῦ βάλλει
33 (36). 10. σύντριψον κεφαλὰς ἀρχόντων ἐχθρῶν
38. 3. ἐπιστήμη ἰατροῦ [S¹ καιροῦ] ἀνυψώσει κεφαλὴν [S τὴν κ.] αὐτοῦ
44. 23. κατέπαυσεν ἐπὶ κεφαλὴν Ἰακώβ
Am. 2. 7. καὶ ἐκονδύλιζον εἰς κεφαλὰς πτωχῶν (5 a)
5. 11. κατεκονδύλιζον πτωχούς [A εἰς κεφαλὰς πτωχῶν] –
8. 10. καὶ ἐπὶ πᾶσαν κεφαλὴν φαλάκρωμα (5 a)
9. 1. καὶ διάκοψον εἰς κεφαλὰς πάντων (5 a)
Jl. 3 (4). 4, 7. ἀνταποδώσω τὸ ἀνταπόδ. ὑμ. εἰς κεφαλὰς ὑμ. (5 a)
Ob. 1. 15. τὸ ἀνταπόδομά σου ἀνταποδοθήσεται εἰς κεφαλήν σου (5 a)
Jn. 2. 6. ἕδυ ἡ κ. μου εἰς σχισμὰς ὀρέων (5 a)
4. 6. καὶ ἀνέβη ὑπὲρ κεφαλῆς τοῦ Ἰωνᾶ –
Jn. 4. 6. τοῦ εἶναι σκιὰν ὑπεράνω τῆς κ. αὐτοῦ (5 a)
— 8. ἐπάταξεν ὁ ἥλιος ἐπὶ τὴν κ. Ἰ. (5 a)
Hb. 3. 13. βαλεῖς [A S² ἔβαλας] εἰς κεφαλὰς ἀνόμων θάνατον (5 a)
— 14. διέκοψας ἐν ἐκστάσει κεφαλὰς δυναστῶν (5 a)
Za. 1. 21 (2. 4). καὶ οὐδεὶς αὐτῶν ἦρε κεφαλήν (5 a)
3. 6 (5). ἐπίθετε κίδαριν καθαρὰν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
— 6 (5). A B S² ἐπέθηκαν κίδαριν καθαρὰν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ (5 a)
6. 11. ἐπιθήσεις ἐπὶ τὴν κ. Ἰ. (5 a)
Is. 1. 5. πᾶσα κ. εἰς πόνον (5 a)
— 6. ἀπὸ ποδῶν ἕως κεφαλῆς (5 a)
3. 24. ἀντὶ τοῦ κόσμου τῆς κ. τοῦ χρυσίου †
7. 8. ἡ κ. Ἀρὰμ Δαμασκὸς καὶ ἡ κ. Δαμασκοῦ Ῥασὶμ [S¹ om. καὶ . . . P.] (5 a, 5 a)
— 9. ἡ κ. Ἐφραὶμ Σομόρων καὶ ἡ κ. Σομόρων υἱὸς τοῦ P. (5 a, 5 a)
— 20. ξυρήσει . . . τὴν κ. (5 a)
8. 8. ὃς δυνήσεται κεφαλὴν ἆραι †
9. 14 (13). ἀφεῖλε κύριος ἀπὸ Ἰ. κεφαλήν (5 a)
15. 2. ἐπὶ πάσης κεφαλῆς φαλάκρωμα (5 a)
19. 15. ποιήσει κεφαλὴν καὶ οὐράν (5 a)
35. 10. εὐφροσύνη αἰώνιος ὑπὲρ κεφαλῆς αὐτῶν ἐπὶ γὰρ τῆς κ. [B¹ om. ἐπὶ . . . κ.] αὐτῶν αἴνεσις (5 a, –)
37. 22. ἐπὶ σοὶ κεφαλὴν ἐκίνησε θυγάτηρ Ἰερ. (5 a)
43. 4. δώσω . . . ἄρχοντας ὑπὲρ τῆς κ. σου (2)
51. 11. ἐπὶ κεφαλῆς γὰρ [A S é. γὰρ τῆς κ.] αὐτῶν αἴνεσις (5 a)
59. 17. περιέθετο περικεφαλαίαν [S add. ὡς] σωτηρίου ἐπὶ τῆς κ. (5 a)
61. 7. εὐφροσύνη αἰώνιος ὑπὲρ κεφαλῆς αὐτῶν –
Je. 2. 37. αἱ χεῖρές σου ἐπὶ τῆς κ. σου (5 a)
7. 29. κεῖρε [A -ραι] τὴν κ. σου †
9. 1 (8. 23). τίς δώσει κεφαλῇ μου ὕδωρ (5 a)
13. 18. καθηρέθη ἀπὸ κεφαλῆς [A τῆς κ.] ὑμῶν στέφανος †
14. 4. ἐπεκάλυψαν τὰς κ. [A S τὴν κ.] αὐτῶν (5 a)
18. 16. κινήσουσι τὴν [S¹ om.] κ. [A τὰς κ.] αὐτῶν. (5 a)
31 (48). 37. πᾶσαν κεφαλὴν ἐν παντὶ τόπῳ ξυρηθήσονται [A S ξυρήσ.] (5 a)
38 (31). 7. χρεμετίσατε ἐπὶ κεφαλὴν [A -ῆς] ἐθνῶν (5 a)
52. 31. ἔλαβεν Οὐλ. . . . τὴν κ. Ἰωακείμ (5 a)
Ba. 5. 2. ἐπίθου τὴν μίτραν ἐπὶ τὴν κ. σου
La. 1. 5. ἐγένοντο οἱ θλίβοντες αὐτὴν εἰς κεφαλήν (5 a)
2. 10. ἀνεβίβασαν χοῦν ἐπὶ [S εἰς] τὴν κ. αὐ. (5 a)
— 15. ἐκίνησαν τὴν κ. αὐτῶν (5 a)
— 17. A ὕψωσε κεφαλὰς [B S κέρας] θλίβοντός σε (4)
3. 5. ἐκύκλωσε κεφαλήν μου (5 a)
— 54. A R ὑπερεχύθη ὕδωρ ἐπὶ τὴν [B om.] κ. μου (5 a)
5. 16. ἔπεσεν ὁ στέφανος ἡμῶν τῆς κ. (5 a)
Ep. Je. 9. κατασκευάζουσι στεφάνους ἐπὶ τὰς κ. τῶν θεῶν αὐτῶν
— 22. ἐπὶ τὴν κ. αὐτῶν ἐφίπτανται νυκτερίδες χελιδόνες
— 31. τὰς κ. καὶ τοὺς πώγωνας ἐξυρημένους [A -οι]
— 31. ὧν αἱ κ. ἀκάλυπτοί εἰσιν
Ez. 1. 22. ὁμοίωμα ὑπὲρ κεφαλῆς (5 a)
— 25. τοῦ στερεώματος τοῦ ὄντος ὑπὲρ κεφαλῆς αὐτῶν (5 a)
— 26. A τοῦ στερεώματος τοῦ ὑπὲρ κεφαλῆς αὐτῶν (5 a)
5. 1. ἐπάξεις αὐτὴν ἐπὶ τὴν κ. σου (5 a)
7. 18. ἐπὶ πᾶσαν κεφαλὴν φαλάκρωμα (5 a)
9. 10. τὰς ὁδοὺς αὐ. εἰς κεφαλὰς αὐ. δέδωκα (5 a)
10. 1. τοῦ στερεώματος τοῦ ὑπὲρ κεφαλῆς τῶν Χερ. (5 a)
11. 21. τὰς ὁδοὺς αὐ. εἰς τὰς [A om.] κ. αὐ. δέδωκα (5 a)
13. 18. ἐπιβόλαια ἐπὶ πᾶσαν κ. (5 a)
16. 12. ἔδωκα . . . στέφανον καυχήσεως ἐπὶ τὴν κ. σου (5 a)
— 43. τὰς ὁδούς σου εἰς κεφαλήν σου δέδωκα (5 a)
17. 19. δώσω αὐτὴν εἰς κεφαλὴν αὐτοῦ (5 a)
— 22. A δώσω ἀπὸ κεφαλῆς παραφυάδων αὐτῆς (5 a)
22. 31. τὰς ὁδοὺς αὐ. εἰς κεφαλὰς αὐ. δέδωκα (5 a)
Ez. 23. 15. ποικίλματα . . . καὶ ἐπὶ τῶν κ. αὐτῶν (5 a)
— 42. στέφανον καυχήσεως ἐπὶ τὰς κ. αὐτῶν (5 a)
24. 23. αἱ κόμαι ὑμῶν ἐπὶ τῆς κ. ὑμῶν (5 a)
26. 16. ἀφελοῦνται [A¹ καθελ., A² ἑλοῦσιν] τὰς μίτρας ἀπὸ τῶν κ. αὐτῶν –
27. 30. ἐπιθήσουσιν ἐπὶ τὴν κ. αὐτῶν γῆν (5 a)
29. 18. πᾶσα κ. φαλακρά [A -ρωμα] (5 a)
32. 27. ἔθηκαν τὰς μαχαίρας αὐ. ὑπὸ τὰς κ. αὐ. (5 a)
33. 4. τὸ αἷμα αὐτοῦ ἐπὶ τῆς κ. [A τὴν κ.] αὐτοῦ ἔσται (5 a)
44. 18. κιδάρεις λινᾶς ἔξουσιν ἐπὶ ταῖς κ. αὐ. (5 a)
— 20. τὰς κ. αὐτῶν οὐ ξυρήσονται . . . καλύψουσι [A B¹ -ψωσι] τὰς κ. αὐτῶν (5 a, 5 a)
Da. LXX. Su. 34. ἐπέθηκαν τὰς χεῖρας αὐτῶν ἐπὶ τῆς κ. αὐτῆς
2. 32. ἦν κεφαλὴ αὐτῆς ἀπὸ χρυσίου χρηστοῦ (5 b)
— 38. σὺ εἶ ἡ κ. ἡ χρυσῆ (5 b)
3. 21. καὶ τὰς τιάρας αὐ. ἐπὶ τῶν κ. αὐ. –
4. 16. κινήσας τὴν κ. –
7. 1. ὅραμα εἶδε παρὰ κεφαλήν (5 b)
— 6. καὶ τέσσαρες κ. τῷ θηρίῳ (5 b)
— 9. τὸ τρίχωμα τῆς κ. αὐτοῦ (5 b)
— 20. περὶ τῶν δέκα κεράτων αὐτοῦ τῶν ἐπὶ τῆς κ. (5 b)
Bel 35. ἐπιλαβόμενος . . . τῆς κόμης αὐτοῦ τῆς κ.
Da. TH. Su. 34. ἔθηκαν τὰς χεῖρας ἐπὶ τὴν κ. [A τῆς κ.] αὐτῆς
— 55. ὀρθῶς ἔψευσαι εἰς τὴν σεαυτοῦ κ.
— 59. ὀρθῶς ἔψευσαι καὶ σὺ εἰς τὴν σεαυτοῦ κ.
1. 10. καὶ καταδικάσητε τὴν κ. μου τῷ βασ. (5 a)
2. 28. αἱ ὁράσεις τῆς κ. σου (5 b)
— 32. ἦς ἡ κ. χρυσίου χρηστοῦ [A B² καθαροῦ] (5 b)
— 38. σὺ εἶ ἡ κ. ἡ χρυσῆ (5 b)
3. 27 (94). ἡ θρὶξ τῆς κ. αὐτῶν οὐκ ἐφλογίσθη (5 b)
4. 2. αἱ ὁράσεις τῆς κ. μου συνετάραξάν με (5 b)
7. 1. καὶ αἱ ὁράσεις τῆς κ. αὐτοῦ (5 b)
— 6. καὶ τέσσαρες κ. τῷ θηρίῳ (5 b)
— 9. ἡ θρὶξ τῆς κ. αὐτοῦ ὡσεὶ ἔριον καθαρόν (5 b)
— 15. αἱ ὁράσεις τῆς κ. μου ἐτάρασσόν με (5 b)
— 20. περὶ τῶν κεράτων αὐτοῦ τῶν δέκα τῶν ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (5 b)
Bel 36. βαστάσας τῆς κόμης τῆς κ. αὐτοῦ
I Ma. 3. 47. A R καὶ σποδὸν ἐπὶ τὰς κ. [S τὴν κ.] αὐτῶν
4. 39. ἐπέθεντο σποδὸν ἐπὶ τὴν κ. αὐτῶν [S om. ἐπὶ τ. κ. αὐ.]
6. 35. περικεφαλαῖαι χαλκαῖ ἐπὶ τῶν κ. αὐτῶν
7. 47. τὴν κ. Νικάνορος ἀφεῖλον
11. 13. περιέθετο δύο διαδήματα περὶ τὴν κ. αὐτοῦ
— 17. ἀφεῖλε Ζαβδ. . . . τὴν κ. Ἀλεξ.
— 71. ἐπέθετο γῆν ἐπὶ τὴν κ. αὐτοῦ
II Ma. 1. 16. R τὰς κ. ἀφελόντες [A om.] . . . παρέρριψαν [A παραρίψαντες]
7. 7. τὸ τῆς κ. δέρμα . . . περισύροντες
10. 25. γῇ τὰς κ. καταπάσαντες
15. 30. τὴν τοῦ Νικ. κ. ἀποτεμόντας
— 32. τὴν τοῦ μιαροῦ Νικ. κ.
— 35. R ἐξέδησε δὲ τὴν τοῦ Νικ. κ. [A προτομήν]
III Ma. 1. 18. R κόνει τὰς κ. [A κόμας] πασάμεναι
IV Ma. 9. 28. τὴν τῆς κ. δορὰν . . . ἀπέσυραν
15. 15. τὰς τῶν κ. . . . σάρκας ὥσπερ προσωπεῖα προκειμένας
— 20. ἐπὶ κεφαλαῖς κεφαλὰς ἀποδειροτομουμένας

[Aq. Ge. 47. 31 : Ex. 28. 32 : Le. 19. 27 : Dt. 5. 23 (20) : 29. 10 (9), 18 (17) : 32. 33 : I Ki. 11. 11 : 13. 18 : 28. 2 : II Ki. 5. 24 : III Ki. 8. 1 : Jb. 20. 6 : Ps. 23 (24). 7 : 26 (27). 6 : 73 (74). 13, 14 : 82 (83). 3 : 132 (133). 2 : 136 (137). 6 : 138 (139). 17 : 139 (140). 10 : Pr. 1. 9 : Is. 9. 15 (14) : 40. 21 : 51. 20 : 58. 5 : Ez. 6. 13 : 10. 11 : 38. 2.]
[Sm. Le. 19. 27 : Jd. 5. 2, 26 : I Ki. 28. 2 : 31. 9 : II Ki. 1. 16 : 5. 24 : Jb. 16. 4 : 20. 6 : Ps. 26 (27). 6 : 27 (28). 7 : 43 (44). 15 : 82 (83). 3 : 132 (133). 2 : 138 (139). 17 : Ca. 4. 8 *bis* : Is. 9. 15 (14) : 37. 22 : 40. 21 : 58. 5 : Ez. 13. 18 : Za. 4. 2.]
[Th. Le. 19. 27 : Jd. 5. 26 : 10. 18 : I Ki. 28. 2 : Jb. 2. 12 : 20. 6 : Is. 9. 15 (14) : 58. 5 : Je. 14. 3 : Ez. 1. 26 : 17. 22 : Da. 2. 29 : 4. 7†.]
[Al. Jd. 5. 26 : I Ki. 31. 9 : Is. 28. 1 : Hb. 3. 13.]
[Heb. Jb. 4. 15 : Ez. 13. 18.]
[Quint. Ps. 26 (27). 6.]

κεφαλίς. (1) אֶזֶן (2) וָו (3) כֹּתֶרֶת (4) מְנַקְּפָה (5) קְרֶשׁ (6) רֹאשׁ

Ex. 26. 24. A ἔσονται ἴσοι ἐκ τῶν κ. [B -λῶν] (6)
— 32, 37. αἱ κ. αὐτῶν χρυσαῖ (2)
27. 17. αἱ κ. αὐτῶν ἀργυραῖ (2)
37. 4 (36. 36). αἱ κ. αὐτῶν χρυσαῖ (2)
— 6 (36. 38). B τὰς κ. [A -λὰς] αὐτῶν (2)
— 15 (38. 17), 17 (38. 19). αἱ κ. αὐτῶν περιηργυρωμέναι (6?)
38. 20 (36. 36). ἐχώνευσε τὰς κ. τὰς ἀργυρᾶς . . . καὶ τὰς κ. τὰς χαλκᾶς (1?, †)
39. 4 (38. 27). A B εἰς τὴν χώνευσιν τῶν ἑκατὸν [A *om.*] κ. τῆς σκ. καὶ εἰς τὰς [B *add.* ἑκατὸν] κ. τοῦ καταπετάσματος ἑκατὸν κεφαλίδες εἰς τὰ ἑκ. τάλαντα τάλαντον τῇ [A ἐν τ.] κ. (1 *quater*)
— 6 (38. 28). κατεχρύσωσε τὰς κ. αὐ. (6)
40. 18. ἐπέθηκε τὰς κ. [A κ. αὐτῆς] (5)
Nu. 3. 36 : 4. 31. τὰς κ. τῆς σκηνῆς (5)
III Ki. 7. 20. A ἐπὶ τῆς κ. τῆς δευτέρας (3)
— 31. A ἔσωθεν τῆς κ. (3)
II Es. 6. 2. καὶ εὑρέθη . . . κ. μία (4)
Ps. 39 (40). 7. ἐν κεφαλίδι βιβλίου γέγραπται περὶ ἐμοῦ (4)
Ez. 2. 9. ἐν αὐτῇ κ. βιβλίου (4)
3. 1. κατάφαγε τὴν κ. ταύτην (4)
— 2. ἐψώμισέ με τὴν κ. (4)
— 3. ἡ κοιλία σου πλησθήσεται τῆς κ. ταύτης (4)
[Aq. III Ki. 7. 20 (9) : IV Ki. 25. 17 : Is. 8. 1 : Je. 36 (43). 4 : 52. 22.]
[Sm. Je. 52. 22 *bis* : Za. 5. 1.]
[Th. Je. 52. 22.]

κεφφά.

[Th. Is. 19. 15.]

κεφφουρέ (A), **κεφουρέ** (R). (1) כְּפוֹרֵי

I Ch. 28. 17. R καὶ θυισκῶν [A *om.* κ. θ.] κ. (1)

κεφφουρῆς (B), **κεφουρῆς** (R). (1) כְּפוֹרֵי

II Es. 1. 9 (10). κ. [A χεφουρῆ] χρυσοῖ τριάκοντα (1)

κεχάρ, *vid.* **καιχάρ.**

κέχχαρ.

[Aq. Je. 37 (44). 21.]

κηδεία (-δία).

II Ma. 4. 49. τὰ πρὸς τὴν κ. αὐτῶν
5. 10. κηδείας οὐδ' ἡστινοσοῦν . . . μετέσχε

κηδεμονία.

IV Ma. 4. 4. τὸν μὲν Σ. τῆς εἰς τὸν βασ. κ. ἐπῆνει
— 20. S R καταλῦσαι [A *om.*] τὴν τοῦ ἱεροῦ κ.

κηδεμών.

II Ma. 4. 2. τὸν κ. τῶν ὁμοεθνῶν . . . ἐτόλμα λέγειν

κηδιᾶν.

Si. 22. 13. A οὐ μὴ κηδιάσῃς [B S ἀκηδ.] ἐν τῇ ἀπονοίᾳ αὐτοῦ

κηλιδοῦσθαι. (1) כָּתַם ni.

Je. 2. 22. κεκηλίδωσαι ἐν ταῖς ἀδικίαις σου (1)
Da. LXX. 11. 33. ἐν προνομῇ ἡμερῶν κηλιδωθήσονται –

κηλίς.

Wi. 13. 14. πᾶσαν κηλῖδα τὴν ἐν αὐτῷ καταχρίσας
II Ma. 6. 25. κηλῖδα τοῦ γήρως κατακτήσομαι

κημός (κι.). (1) חַח (2) סוּגַר (3) רֶסֶן

Ps. 31 (32). 9. ἐν χαλινῷ καὶ κημῷ (3)
Ez. 19. 4. ἤγαγον αὐτὸν ἐν κημῷ εἰς γῆν Αἰγ. (1)
— 9. ἔθεντο αὐτὸν ἐν κημῷ (2)
[Aq., Th. Pr. 26. 3.]
[Sm. Ps. 31 (32). 9.]

κῆπος. (1) *a.* גַּן *b.* גִּנָּה *c.* גַּנָּה

De. 11. 10. ὡσεὶ κῆπον λαχανίας (1 *a*)
III Ki. 20 (21). 2. ἔσται μοι εἰς κῆπον λαχάνων (1 *a*)
— 2. ἔσται μοι εἰς κῆπον λαχάνων –
IV Ki. 21. 18. ἐτάφη ἐν τῷ [A *om.*] κ. τοῦ οἴκου αὐτοῦ ἐν κήπῳ Ὀζά (1*a*, 1 *a*)
— 26. ἐν τῷ τάφῳ αὐ. ἐν τῷ [A *om.*] κ. Ὀζά (1 *a*)
25. 4. αὕτη ἡ ἔστιν τοῦ κ. τοῦ βασ. (1 *a*)
Ne. 3. 16. ἕως κήπου τάφου Δαυίδ †
Ne. 3. 26. ἕως κήπου πύλης τοῦ ὕδατος †
Es. 7. 7. ἐξανέστη . . . εἰς τὸν κ. (1 *b*)
— 8. ἐπέστρεψεν δὲ ὁ βασ. ἐκ [A ἀπὸ] τοῦ κ. (1 *b*)
Ec. 2. 5. ἐποίησά μοι κήπους (1 *c*)
Ca. 4. 12. κῆπος κεκλεισμένος ἀδελφή μου . . . κῆπος κεκλεισμένος (1 *a*, †)
— 15. πηγὴ κήπου καὶ [A S κήπων] φρέαρ ὕδατος ζῶντος (1 *a*)
— 16. διάπνευσον κῆπόν μου (1 *a*)
5. 1 (4. 16). καταβήτω ἀδελφιδός μου εἰς κῆπον αὐτοῦ [A μου] (1 *a*)
— 1. εἰσῆλθον εἰς κῆπον (1 *a*)
6. 1 (2). κατέβη εἰς κῆπον αὐτοῦ [A μου] (1 *a*)
— 1 (2). ποιμαίνειν ἐν κήποις (1 *a*)
— 10 (11). εἰς κῆπον καρύας κατέβην (1 *b*)
8. 13. ὁ καθήμενος ἐν κήποις (1 *a*)
Si. 24. 31. ποτιῶ μου τὸν κ.
Am. 4. 9. ἐπληθύνατε κήπους ὑμῶν (1 *c*)
9. 14. R καὶ ποιήσουσι [A καταφυτεύσουσιν, B φυτεύσουσιν] κήπους (1 *c*)
Is. 1. 29. ἠσχύνθησαν ἐπὶ τοῖς κ. (1 *c*)
58. 11. ἔσται ὡς κ. μεθύων (1 *a*)
61. 11. ὡς κ. [A -ον] τὰ σπέρματα αὐτοῦ (1 *c*)
65. 3. θυσιάζουσιν [A θυμι.] ἐν τοῖς [S¹ *om.*] κ. (1 *c*)
66. 17. οἱ . . . καθαριζόμενοι εἰς τοὺς κ. (1 *c*)
Je. 36 (29). 28. φυτεύσατε κήπους (1 *c*)
52. 7. ὃ ἦν κατὰ τὸν κ. τοῦ βασιλέως (1 *a*)
Ep. Je. 17. A καθιδρυμένων αὐτῶν ἐν τοῖς κ. [B οἴκοις]
— 71. τὸν αὐτὸν τρόπον καὶ τῇ ἐν κήπῳ ῥάμνῳ
Ez. 36. 35. ἡ γῆ ἐκείνη ἠφανισμένη ἐγενήθη ὡς κ. τρυφῆς (1 *a*)
Da. LXX. Su. 58. ἐν ποίῳ τοῦ κ. τύπῳ κατέλαβες αὐτούς
[Aq. Ge. 2. 8 : 3. 2 (1) : Ca. 8. 13 : Is. 1. 29 : 51. 3 : Je. 31 (38). 12 : Ez. 31. 8.]
[Sm. Ca. 8. 13 : Is. 1. 29 : Je. 31 (38). 12.]
[Th. Ge. 3. 2 (1) : Ca. 8. 13 : Is. 1. 29 : 51. 3 *bis* : Je. 39 (46). 4 : Ez. 28. 13 : 31. 8.]
[Quint. Ca. 8. 13.]

κηρία. (1) מַרְבַּדִּים

Pr. 7. 16. A κηρίαις [B S κειρ.] τέτακα τὴν κλίνην μου (1)

κηρίον. (1) יַעַר (2) נֹפֶת (3) צוּף

I Ki. 14. 27. ἔβαψεν αὐτὸ εἰς τὸ κ. [B¹ σκῆπτρον] τοῦ μέλιτος (1)
Ps. 18 (19). 10. γλυκύτερα ὑπὲρ μέλι καὶ κηρίον (2 + 3)
117 (118). 12. ἐκύκλωσάν με ὡσεὶ μέλισσαι κηρίον –
118 (119). 103. S¹ ὑπὲρ μέλι καὶ κηρίον [A S²R *om.* καὶ κ.] τῷ στόματί μου –
Pr. 16. 24. κηρία μέλιτος λόγοι καλοί (3)
24. 13. φάγε μέλι, υἱὲ, ἀγαθὸν γὰρ κηρίον (2)
27. 7. ψυχὴ ἐν πλησμονῇ οὖσα κηρίοις ἐμπαίζει (2)
Ca. 4. 11. κηρίον ἀποστάζουσι χείλη σου (2)
Si. 24. 20. A ἡ κληρονομία μου ὑπὲρ μέλιτος καὶ κηρίου [B S μ. κηροῦ]
Ez. 20. 6. κ. [B² δυνατή] ἐστὶ παρὰ πᾶσαν τὴν γῆν †
— 15. κ. ἐστὶ παρὰ πᾶσαν τὴν γῆν †

κηρογονία.

IV Ma. 14. 19. περὶ τὸν τῆς κ. καιρόν

κηρός. (1) דּוֹנַג, הוֹנַג

Ju. 16. 15. ὡς κηρὸς τακήσονται
Ps. 21 (22). 14. ἐγενήθη ἡ καρδία μου ὡσεὶ κηρὸς τηκόμενος (1)
57 (58). 8. ὡσεὶ κηρὸς ὁ τακεὶς ἀνταναιρεθήσονται †
67 (68). 2. ὡς τήκεται κηρὸς ἀπὸ προσώπου πυρός (1)
96 (97). 5. τὰ ὄρη ὡσεὶ κηρὸς ἐτάκησαν (1)
Si. 24. 20. ἡ κληρονομία μου ὑπὲρ μέλιτος κηροῦ [A καὶ κηρίου]
Mi. 1. 4. αἱ κοιλάδες τακήσονται ὡς κηρός (1)
Is. 64. 1. A R ὡς κ. ἀπὸ προσώπου [B S *om.*] πυρὸς τήκεται †
[Th. Ps. 57 (58). 9.]

κήρυγμα. (1) קוֹל (2) קְרִיאָה

II Ch. 30. 5. διελθεῖν κήρυγμα ἐν παντὶ Ἰσρ. (1)
I Es. 9. 3. ἐγένετο κήρυγμα ἐν ὅλῃ τῇ Ἰ.
Pr. 9. 3. συγκαλοῦσα μετὰ ὑψηλοῦ κηρύγματος ἐπὶ κρατῆρα †
Jn. 3. 2. κήρυξον ἐν αὐτῇ κατὰ τὸ κ. τὸ ἔμπροσθεν (2)

κῆρυξ. (1) קָרֹז

Ge. 41. 43. ἐκήρυξεν ἔμπροσθεν αὐτοῦ κῆρυξ †
Si. 20. 15. ἀνοίξει τὸ στόμα αὐτοῦ ὡς κῆρυξ
Da. LXX. 3. 4. ὁ κ. ἐκήρυξε τοῖς ὄχλοις (1)
Da. TH. 3. 4. ὁ κ. ἐβόα ἐν ἰσχύϊ (1)
IV Ma. 6. 4. ἑτέρωθεν κ. ἐπιβοῶντος

κηρύσσειν. (1) זָעַק hi. (2) בָּרַז aph. (3) נָתַן קוֹל (4) הֶעֱבִיר קוֹל (5) *a.* קָרָא *b.* רוּעַ hi. (6) קָרָא

Ge. 41. 43. ἐκήρυξεν ἔμπροσθεν αὐτοῦ κῆρυξ (5 *a*)
Ex. 32. 5. ἐκήρυξεν Ἀαρὼν λέγων (5 *a*)
36. 6. ἐκήρυξεν ἐν τῇ παρεμβολῇ (4)
IV Ki. 10. 20. A R καὶ ἐκήρυξαν [B -εν] (5 *a*)
II Ch. 20. 3. A B¹ ἐκήρυξαν [B² R -ε] νηστείαν (5 *a*)
24. 9. κηρυξάτωσαν ἐν Ἰούδᾳ (3)
36. 22. κηρῦξαι [A τοῦ κ.] ἐν πάσῃ τῇ βασ. (4)
I Es. 2. 2. A R ἐκήρυξεν ἐν [B *om.*] ὅλῃ τῇ βασ.
Es. 6. 9. κηρυσσέτω [S¹ -αι, S² -ωσαν] διὰ τῆς πλατείας τῆς πόλεως (5 *a* ?)
— 11. καὶ ἐκήρυσσε λέγων (5 *a*)
Pr. 1. 21. ἐπ' ἄκρων δὲ τειχέων κηρύσσεται (5 *a*)
8. 1. σὺ τὴν σοφίαν κηρύξεις (5 *a*)
Ho. 5. 8. κηρύξατε ἐν τῷ οἴκῳ Ὧν (6)
Mi. 3. 5. καὶ κηρύσσοντας ἐπ' αὐτὸν εἰρήνην (5 *a*)
Jl. 1. 14. κηρύξατε θεραπείαν (5 *a*)
2. 1. κηρύξατε ἐν ὄρει ἁγίῳ μου (6)
— 15. κηρύξατε θεραπείαν (5 *a*)
3 (4). 9. κηρύξατε ταῦτα ἐν τοῖς ἔθνεσιν (5 *a*)
Jn. 1. 2 : 3. 2. καὶ κήρυξον ἐν αὐτῇ (5 *a*)
3. 4. καὶ ἐκήρυξε καὶ εἶπεν (5 *a*)
— 5. καὶ ἐκήρυξαν νηστείαν (5 *a*)
— 7. ἐκηρύχθη . . . ἐν τῇ N. παρὰ τοῦ βασ. (1)
Ze. 3. 14 : Za. 9. 9. κήρυσσε, θύγατερ Ἰερ. (6)
Is. 61. 1. κηρῦξαι αἰχμαλωτοῖς ἄφεσιν (5 *a*)
Da. LXX. 3. 4. ὁ κῆρυξ ἐκήρυξε τοῖς ὄχλοις (5 *b*)
Da. TH. 5. 29. καὶ ἐκήρυξε περὶ αὐτοῦ (2)
I Ma. 5. 49. A R ἐπέταξεν Ἰούδας κηρῦξαι [S τοῦ κ.]
10. 63. κηρύξατε τοῦ μηδένα ἐντυγχάνειν κατ' αὐτοῦ
— 64. R καθὼς ἐκήρυξαν [A S -εν]
[Sm. Ps. 104 (105). 1 : Je. 7. 2 : 20. 8.]

κῆτος. (1) *a.* דָּג *b.* דָּגָה (2) לִוְיָתָן (3) רַהַב (4) תַּנִּין

Ge. 1. 21. ἐποίησεν ὁ θεὸς τὰ κ. τὰ μεγάλα (4)
Jb. 3. 8. ὁ μέλλων τὸ μέγα κ. χειρώσασθαι (2)
9. 13. ὑπ' αὐτοῦ ἐκάμφθησαν κήτη τὰ ὑπ' οὐρανόν (3?)
26. 12. ἐπιστήμῃ δὲ ἔστρωται [A S² -ωσε] τὸ κ. (3)
Si. 43. 25. κτίσις κητῶν [A S κτῆσις κτηνῶν]
Jn. 2. 1. προσέταξε κ. κήτει μεγάλῳ (1 *a*)
— 1. ἦν Ἰ. ἐν τῇ κοιλίᾳ τοῦ κ. (1 *a*)
— 2. προσηύξατο Ἰ. . . . ἐκ τῆς κοιλίας τοῦ κ. [S¹ ἐκ τ. κ. τ. κ.] (1 *b*)
— 11. καὶ προσετάγη . . . τῷ κ. (1 *a*)
Da. LXX., TH. 3. (79). εὐλογεῖτε κήτη . . . τὸν κ.
III Ma. 6. 8. βυθοτρεφοῦς ἐν γαστρὶ κήτους
[Aq. Ex. 7. 9 : Je. 7. 12 : Ps. 73 (74). 13 : Is. 27. 1 : 51. 9.]
[Th. Is. 27. 1.]
[Heb. Ez. 29. 3.]

κίββηλος. (1) שַׁעֲטְנֵז

Le. 19. 19. ἱμάτιον ἐκ δύο ὑφασμένον κ. (1)
De. 22. 11. οὐκ ἐνδύσῃ κίββηλον (1)
Wi. 2. 16. εἰς κίββηλον ἐλογίσθημεν [S¹ ἐγενήθημεν] αὐτῷ
15. 9. δόξαν ἡγεῖται ὅτι κίββηλα πλάσσει

κιβώριον.

[Sm., Th. Am. 9. 1.]

κιβωτός. (1) אָרוֹן (2) מִשְׁכָּן (3) תֵּבָה

Ge. 6. 14. ποίησον οὖν σεαυτῷ κιβωτόν (3)
— 14. νοσσιὰς ποιήσεις τὴν κ. (3)
— 15. οὕτω ποιήσεις τὴν κ. †
— 15. τὸ μῆκος τῆς κ. (3)
— 16. ἐπισυνάγων ποιήσεις τὴν κ. (3)
— 16. τὴν δὲ θύραν τῆς κ. (3)
— 18. εἰσελεύσῃ δὲ εἰς τὴν κ. (3)
— 19. εἰσάξεις εἰς τὴν κ. (3)
7. 1. εἴσελθε σὺ . . . εἰς τὴν κ. (3)

Ge. 7. 7. εἰσῆλθε δὲ Νῶε . . . εἰς τὴν κ. (3)
— 9. δύο δύο εἰσῆλθον . . . εἰς τὴν κ. (3)
— 13. εἰσῆλθε Νῶε . . . εἰς τὴν κ. (3)
— 15. εἰσῆλθον πρὸς Νῶε εἰς τὴν κ. (3)
— 16. ἔκλεισε κύριος . . . τὴν κ. –
— 17. ἐπῆρε τὴν κ. (3)
— 18. ἐπεφέρετο ἡ κ. ἐπάνω τοῦ ὕδατος (3)
— 23. Ν. καὶ οἱ μετ' αὐτοῦ ἐν τῇ κ. (3)
8. 1. ὅσα ἦν μετ' αὐτοῦ ἐν τῇ κ. (3)
— 3 (4). ἐκάθισεν ἡ κ. (3)
— 6. ἠνέῳξε Νῶε τὴν θυρίδα τῆς κ. (3)
— 9. ἀνέστρεψε πρὸς αὐτὸν εἰς τὴν κ. (3)
— 9. εἰσήγαγεν αὐτὴν . . . εἰς τὴν κ. (3)
— 10. ἐξαπέστειλε τὴν περιστερὰν ἐκ τῆς κ. (3)
— 13. ἀπεκάλυψε Ν. τὴν στέγην τῆς κ. (3)
— 16. ἔξελθε ἐκ τῆς κ. (3)
— 19. ἐξήλθοσαν ἐκ τῆς κ. (3)
9. 10. ἀπὸ πάντων τῶν ἐξελθόντων ἐκ τῆς κ. (3)
— 18. οἱ ἐξελθόντες ἐκ τῆς κ. (3)
Ex. 25. 9 (10). ποιήσεις κιβωτὸν μαρτυρίου (1)
— 13 (14). τοὺς ἐν τοῖς κλίτεσι τῆς κ. (1)
— 13 (14). αἴρειν τὴν κ. ἐν αὐτοῖς (1)
— 14 (15). ἐν τοῖς δακτυλίοις τῆς κ. [A διαθήκης] (1)
— 15 (16). ἐμβαλεῖς εἰς τὴν κ. τὰ μαρτύρια (1)
— 20 (21). ἐπιθήσεις τὸ ἱλαστήριον ἐπὶ τὴν κ. (1)
— 20 (21). εἰς τὴν κ. ἐμβαλεῖς τὰ μαρτύρια (1)
— 21 (22). τῶν ὄντων ἐπὶ τῆς κ. (1)
26. 33. εἰσοίσεις ἐκεῖ . . . τὴν κ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 34. κατακαλύψεις . . . τὴν κ. τοῦ μαρτυρίου (1)
30. 6. ἐπὶ τῆς κ. τῶν μαρτυρίων (1)
— 26. B χρίσεις . . . τὴν κ. τοῦ μαρτ. (1)
31. 7. ποιήσουσι [A ποιήσ.] . . . τὴν κ. τῆς διαθήκης (1)
35. 11 (12). ἐργαζέσθω . . . τὴν κ. τοῦ μαρτυρίου (1)
38. 1 (37. 1). ἐποίησε B. τὴν κ. (1)
— 5 (37. 6). τὸ ἱλαστήριον ἐπάνωθεν [A ἄν.] τῆς κ. –
— 11 (37. 15). τοὺς διωστῆρας τῆς κ. –
39. 15 (35). τὴν κ. τῆς διαθήκης (1)
40. 3. A R θήσεις τὴν κ. τοῦ μαρτυρίου (1)
— 3. A R σκεπάσεις τὴν κ. [B κ. τοῦ μαρτυρίου] (1)
— 5. εἰς τὸ θυμιᾶν ἐναντίον [A ἐνώπιον] τῆς κ. (1)
— 20. B ἐνέβαλεν εἰς τὴν κ. [A εἰς αὐτήν] (1)
— 20. ὑπέθηκε τοὺς διωστῆρας ὑπὸ τὴν κ. (1)
— 21. εἰσήνεγκε τὴν κ. εἰς τὴν σκηνήν (1)
— 21. ἐσκέπασε τὴν κ. τοῦ μαρτυρίου (1)
Le. 16. 2. ὃ ἐστιν ἐπὶ τῆς κ. τοῦ μαρτυρίου (1)
Nu. 3. 31. ἡ φυλακὴ αὐτῶν ἡ κ. (1)
4. 5. κατακαλύψουσιν . . . τὴν κ. [A σκηνήν] (1)
7. 89. ὃ ἐστιν ἐπὶ τῆς κ. τοῦ μαρτυρίου (1)
10. 33. ἡ κ. τῆς διαθήκης κυρίου προεπορεύετο (1)
— 35. ἐν τῷ ἐξαίρειν τὴν κ. (1)
14. 44. ἡ δὲ κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
De. 10. 1. ποιήσεις σεαυτῷ κ. ξυλίνην [A λιθίνην] (1)
— 2. A R ἐμβαλεῖς αὐτὰς [B -ὰ] εἰς τὴν κ. (1)
— 3. ἐποίησα κιβωτὸν ἐκ ξύλων ἀσήπτων (1)
— 5. ἐνέβαλον τὰς πλάκας εἰς τὴν κ. (1)
— 8. αἴρειν τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
31. 9, 25. τοῖς αἴρουσι τὴν κ. τῆς διαθήκης κ. (1)
— 26. ἐκ πλαγίων τῆς κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
Jo. 3. 3. ὅταν ἴδητε τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
— 6. ἄρατε τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
— 6. ἦραν οἱ ἱερεῖς τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
— 8. τοῖς αἴρουσι τὴν κ. τῆς διαθήκης (1)
— 11. ἡ κ. διαθήκης . . . διαβαίνει (1)
— 13. τῶν αἱρόντων τὴν κ. τῆς διαθήκης κ. (1)
— 14. A R ἦροσαν τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου [B om.] (1)
— 15. οἱ αἴροντες τὴν κ. τῆς διαθήκης (1)
— 15. τῶν αἱρόντων τὴν κ. (1)
— 17. οἱ αἴροντες τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
4. 7. A²B ἀπὸ προσώπου κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (1)
— 9. τῶν αἱρόντων τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
— 10. οἱ αἴροντες τὴν κ. τῆς διαθήκης (1)
— 11. διέβη ἡ κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
— 16. τοῖς αἴρουσι τὴν κ. τῆς διαθήκης (1)
— 18. οἱ αἴροντες τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
6. 7 (8). ἡ κ. τῆς διαθήκης κυρίου ἐπακολουθείτω (1)
— 8 (9). ὀπίσω τῆς κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
— 10 (11). περιελθοῦσα ἡ κ. τῆς διαθήκης τοῦ θεοῦ (1)
Jo. 6. 11 (12). ἦραν οἱ ἱερεῖς τὴν κ. τῆς διαθήκης [A om. τ. δ.] κυρίου (1)
— 13 (14). ὄπισθεν τῆς κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
9. 2 (8. 33). ἔνθεν καὶ ἔνθεν τῆς κ. ἀπέναντι (1)
— 2 (8. 33). ἦραν τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
22. 19. A οὗ κατασκηνοῖ ἐκεῖ ἡ κ. [B σκηνὴ] κυρίου (2)
24. 33. λαβόντες οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὴν κ. –
Jd. 20. 27. ἐκεῖ κιβωτὸς διαθήκης κυρίου (1)
I Ki. 3. 3. οὗ ἡ κ. τοῦ θεοῦ (1)
4. 3. λάβωμεν τὴν κ. (1)
— 4. αἴρουσιν ἐκεῖθεν τὴν κ. (1)
— 4. ἀμφότεροι οἱ υἱοὶ Ἠλὶ μετὰ τῆς κ. (1)
— 5. ὡς ἦλθεν κιβωτός (1)
— 6. κιβωτὸς κυρίου ἥκει (1)
— 11. κιβωτὸς [A ἡ κ.] τοῦ θεοῦ ἐλήφθη (1)
— 13. ἐξεστηκυῖα περὶ τῆς κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 17. ἡ κ. τοῦ θεοῦ ἐλήφθη (1)
— 18. ὡς ἐμνήσθη τῆς κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 19. ἐλήφθη ἡ κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 21. ὑπὲρ τῆς κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 22. ἐν τῷ ληφθῆναι τὴν κ. κυρίου (1)
— 23. A ἐλήφθη ἡ κ. τοῦ θεοῦ –
5. 1. ἔλαβον τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 2. ἔλαβον . . . τὴν κ. κυρίου (1)
— 3, 4. Δαγὼν πεπτωκὼς . . . ἐνώπιον κιβωτοῦ (1)
— 7. οὐ καθήσεται κιβωτὸς τοῦ θεοῦ (1)
— 8. τί ποιήσωμεν κιβωτῷ θεοῦ (1)
— 8. μετελθέτω κιβωτὸς τοῦ θεοῦ (1)
— 8. καὶ μετῆλθε κιβωτὸς [A ἡ κ.] τοῦ θεοῦ (1)
— 10. ἐξαποστέλλουσι τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 10. B ὡς εἰσῆλθε κιβωτὸς θεοῦ (1)
— 10. τί ἀπεστρέψατε τὴν κ. τοῦ θεοῦ Ἰσρ. (1)
— 11. ἐξαποστείλατε τὴν κ. τοῦ θεοῦ Ἰσρ. (1)
— 12. ὡς εἰσῆλθε κιβωτὸς θεοῦ –
6. 1. ἦν ἡ κ. [A add. κυρίου] ἐν ἀγρῷ τῶν ἀλλοφύλων (1)
— 2. τί ποιήσωμεν τῇ [B¹ om.] κ. κυρίου (1)
— 3. εἰ ἐξαποστέλλετε . . . τὴν κ. διαθήκης (1)
— 8. λήψεσθε τὴν κ. [A add. κυρίου] (1)
— 11. A R ἔθεντο τὴν κ. κυρίου [B om.] ἐπὶ τὴν ἅμαξαν (1)
— 13. εἶδον κιβωτὸν κυρίου (1)
— 15. ἀνήνεγκαν τὴν κ. τοῦ κυρίου (1)
— 18. οὗ ἐπέθηκαν . . . τὴν κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 19. εἶδαν κιβωτὸν κυρίου (1)
— 20. πρὸς τίνα ἀναβήσεται κιβωτὸς κυρίου –
— 21. ἀπεστρόφασιν . . . τὴν κ. κυρίου (1)
7. 1. ἀνάγουσι τὴν κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 1. φυλάσσειν τὴν κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 2. ἀφ' ἧς ἡμέρας ἦν ἡ κ. ἐν Κ. (1)
14. 18. A ἦν ἡ κ. τοῦ θεοῦ [B al.] (1)
II Ki. 6. 2. τοῦ ἀναγαγεῖν ἐκεῖθεν τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 3. ἐπεβίβασεν τὴν κ. κυρίου (1)
— 4. σὺν τῇ κ. (1)
— 4. B ἐπορεύοντο ἔμπροσθεν τῆς κ. (1)
— 6. ἐξέτεινεν . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 7. ἀπέθανεν ἐκεῖ παρὰ τὴν κ. τοῦ κυρίου (1)
— 9. πῶς εἰσελεύσεται πρὸς μὲ ἡ κ. κυρίου (1)
— 10. τοῦ ἐκκλῖναι πρὸς αὐτὸν τὴν κ. (1)
— 11. ἐκάθισεν ἡ κ. τοῦ κυρίου εἰς οἶκον Α. [A al.] (1)
— 12. ἕνεκεν τῆς κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 12. ἀνήγαγε τὴν κ. τοῦ κυρίου (1)
— 13. αἴροντες τὴν κ. (1)
— 15. ἀνήγαγον τὴν κ. κυρίου (1)
— 16. τῆς κ. [A κ. κυρίου] παραγινομένης (1)
— 17. φέρουσι τὴν κ. τοῦ κυρίου (1)
7. 2. ἡ κ. τοῦ θεοῦ κάθηται ἐν μέσῳ τῆς σκηνῆς (1)
11. 11. ἡ κ. καὶ Ἰσρ. . . . κατοικοῦσιν ἐν σκηναῖς (1)
15. 24. αἴροντες τὴν κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 24. ἔστησαν τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 25. ἀπόστρεψον τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 29. A R ἀπέστρεψε . . . τὴν κ. τοῦ θεοῦ [B om. τ. θ.] (1)
III Ki. 2. 26. ἦρας τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
8. 15. τοῦ κατὰ πρόσωπον κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (1)
6. 19. δοῦναι ἐκεῖ τὴν κ. διαθήκης κυρίου (1)
8. 1. τοῦ ἐνεγκεῖν [A ἀνεν.] τὴν κ. διαθήκης (1)
— 3. ἦραν οἱ ἱερεῖς τὴν κ. (1)
— 4. A ἀνεβίβασαν τὴν κ. κυρίου (1)
— 5. ἔμπροσθεν τῆς κ. (1)
— 6. εἰσφέρουσιν οἱ ἱερεῖς τὴν κ. (1)
— 7. ἐπὶ τὸν τόπον τῆς κ. (1)
III Ki. 8. 7. περιεκάλυπτον . . . ἐπὶ [A om.] τὴν κ. (1)
— 9. οὐκ ἦν ἐν τῇ κ. (1)
— 21. ἐθέμην ἐκεῖ τόπον τῇ κ. (1)
IV Ki. 12. 9 (10). ἔλαβεν Ἰ. ὁ ἱερεὺς κ. μίαν (1)
— 10 (11). πολὺ τὸ ἀργύριον ἐν τῇ κ. (1)
I Ch. 6. 31 (16). ἐν τῇ καταπαύσει τῆς κ. (1)
13. 3. μετενέγκωμεν τὴν κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (1)
— 5. τοῦ εἰσενέγκαι τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 6. τοῦ ἀναγαγεῖν ἐκεῖθεν τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 7. ἐπέθηκαν τὴν κ. τοῦ θεοῦ ἐπὶ ἅμαξαν καινήν (1)
— 9. τοῦ κατασχεῖν τὴν κ. (1)
— 10. διὰ τὸ ἐκτεῖναι τὴν χεῖρα αὐτοῦ ἐπὶ τὴν κ. (1)
— 12. πῶς εἰσοίσω τὴν κ. τοῦ θεοῦ πρὸς ἐμαυτόν (1)
— 13. οὐκ. ἀπέστρεψε Δ. τὴν κ. πρὸς ἑαυτόν [S al.] (1)
— 14. ἐκάθισεν ἡ κ. τοῦ θεοῦ ἐν οἴκῳ Ἀβ. (1)
15. 1. ἡτοίμασε τὸν τόπον τῇ κ. [A τῆς κ., S¹ τὴν κ.] τοῦ θεοῦ (1)
— 2. οὐκ ἔστιν ἆραι τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 2. A R αἴρειν τὴν κ. κυρίου (1)
— 3. A² B S τοῦ ἀνενέγκαι τὴν κ. κυρίου (1)
— 12. ἀνοίσετε τὴν κ. τοῦ θεοῦ Ἰσρ. (1)
— 14. τοῦ ἀνενέγκαι τὴν κ. [A κ. κυρίου] θεοῦ Ἰσρ. (1)
— 15. ἔλαβον . . . τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 23. πυλωροὶ τῆς κ. (1)
— 24. ἔμπροσθεν τῆς κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 24. πυλωροὶ τῆς κ. [S τῇ κ.] τοῦ θεοῦ (1)
— 25. τοῦ ἀναγαγεῖν τὴν κ. τῆς διαθήκης (1)
— 26. αἴροντας τὴν κ. τῆς διαθήκης κυρίου (1)
— 27. αἴροντες τὴν κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 28. ἀνάγοντες τὴν κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 29. ἐγένετο κιβωτὸς διαθήκης κυρίου (1)
16. 1. εἰσήνεγκαν τὴν κ. τοῦ θεοῦ (1)
— 4. κατὰ πρόσωπον τῆς κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 6. ἐναντίον [S -τι] τῆς κ. τῆς διαθήκης (1)
— 37. ἔναντι [A -τίον] τῆς κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 37. τοῦ λειτουργεῖν ἐναντίον τῆς κ. (1)
17. 1. ἡ κ. διαθήκης κυρίου ὑποκάτω δέρρεων (1)
22. 19. τοῦ εἰσενέγκαι τὴν κ. διαθήκης κυρίου (1)
28. 2. οἶκον ἀναπαύσεως τῆς κ. διαθήκης κυρίου (1)
— 18. σκιαζόντων ἐπὶ τῆς κ. διαθήκης κυρίου (1)
II Ch. 1. 4. κιβωτὸν τοῦ θεοῦ ἀνήνεγκε Δ. (1)
5. 2. τοῦ ἀνενέγκαι κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (1)
— 4. ἔλαβον πάντες οἱ Λευῖται τὴν κ. (1)
— 5. A καὶ ἀνήνεγκαν τὴν κ. (1)
— 6. οἱ ἐπισυνηγμένοι αὐτῶν ἔμπροσθεν τῆς κ. (1)
— 7. εἰσήνεγκαν οἱ ἱερεῖς τὴν κ. (1)
— 8. διαπετάκοτα τὰς πτέρυγας αὐτῶν ἐπὶ τὸν τόπον τῆς κ. (1)
— 8. A R συνεκάλυπτε τὰ Χερ. ἐπὶ [B om.] τὴν κ. (1)
— 10. οὐκ ἦν ἐν τῇ κ. πλὴν δύο πλάκες (1)
6. 11. ἔθηκα ἐκεῖ τὴν κ. (1)
— 41. σὺ καὶ ἡ κ. τῆς ἰσχύος σου (1)
8. 11. οὗ εἰσῆλθεν ἐκεῖ κιβωτὸς κυρίου (1)
35. 3. ἔθηκαν τὴν κ. τὴν ἁγίαν εἰς τὸν οἶκον (1)
I Es. 1. 3. ἐν τῇ θέσει τῆς ἁγίας κ. τοῦ κυρίου
— 54. καὶ τὰς κ. [A τὰ σκεύη κιβωτοῦ] τοῦ κυρίου
Ps. 131 (132). 8. σὺ καὶ ἡ κ. τοῦ ἁγιάσματός σου (1)
Je. 3. 16. κ. διαθήκης ἁγίου Ἰσραήλ (1)
II Ma. 2. 4. τὴν κ. ἐκέλευσεν ὁ προφήτης
— 5. τὴν σκηνὴν καὶ τὴν κ. . . . εἰσήνεγκεν ἐκεῖ
IV Ma. 15. 31. A R ἡ Νῶε κ. ἐν τῷ κοσμοπληθεῖ [S ἐθνοπλ.] κατακλυσμῷ

[Aq. Ge. 6. 17 (16) : Ex. 2. 3 : Jo. 4. 5 : I Ki. 14. 18 *bis*.]
[Sm. Ex. 2. 3 : Jo. 4. 5 : I Ki. 6. 18 : 14. 18 : III Ki. 6. 19.]
[Th. Ex. 37. 5 : Jo. 4. 5 : I Ki. 14. 18.]
[Al. II Ch. 24. 8.]

κιγκλιδωτός.

[Aq. IV Ki. 1. 2.]

κίδαρις. (1) מִגְבָּעָה (2) מִצְנֶפֶת (3) פְּאֵר (4) צָנִיף

Ex. 28. 4. χιτῶνα κοσυμβωτὸν καὶ κίδαριν (2)
— 35 (39). ποιήσεις κίδαριν βυσσίνην (2)
— 36 (40). κιδάρεις ποιήσεις αὐτοῖς (1)
29. 9. περιθήσεις αὐτοῖς τὰς κ. (1)
36. 36 (39. 28). ἐποίησαν . . . τὰς κ. ἐκ βύσσου (2)
Le. 8. 13. περιέθηκεν αὐτοῖς κιδάρεις (1)

Le. 16. 4. καὶ κ. λινῆν περιθήσεται [A *al.*] (2)
I Es. 8. 6. καὶ κ. βυσσίνην καὶ μανιάκην
Ju. 4. 15. ἦν σποδὸς ἐπὶ τὰς κ. αὐτῶν
Si. 45. 12. στέφανον χρυσοῦν ἐπάνω κιδάρεως
Za. 3. 6 (5). ἐπίθετε κίδαριν καθαράν (4)
— 6 (5). A B S^2 ἐπέθηκαν κίδαριν καθαράν (4)
Ez. 21. 26 (31). ἀφείλου τὴν κ. (2)
44. 18. κ. λινᾶς ἕξουσιν ἐπὶ ταῖς κεφ. αὐ. (3)
[Aq. Ex. 28. 37: Le. 8. 9: Is. 62. 3.]
[Sm. Le. 8. 9: Is. 28. 5: 62. 3.]
[Th. Ex. 28. 37: Le. 8. 9.]

κιθάρα. (1) כִּנּוֹר (2) נֵבֶל (3) נְגִינָה (4) עוּגָב (5) קִיתָרוֹס

Ge. 4. 21. οὗτος ἦν ὁ καταδείξας . . . κιθάραν (4)
31. 27. μετὰ μουσικῶν . . . καὶ κιθάρας (1)
II Ch. 9. 11. καὶ κιθάρας καὶ νάβλας τοῖς ᾠδοῖς (1)
Jb. 21. 12. ἀναλαβόντες [A -λαμβάνοντα] . . . κιθάραν (1)
30. 9. κιθάρα ἐγώ εἰμι αὐτῶν (3)
— 31. A R ἀπέβη δὲ εἰς πένθος [B S *πάθος*] μου ἡ κ. (1)
Ps. 32 (33). 2. ἐξομολογεῖσθε τῷ κυρίῳ ἐν κιθάρᾳ (1)
42 (43). 4. B ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε, ἐν κιθάρᾳ . . . ἐν κιθάρᾳ [A S R *om.* ἐν κ.] (1, –)
56 (57). 8. ἐξεγέρθητι ψαλτήριον καὶ κιθάρα (1)
70 (71). 22. ψαλῶ σοι ἐν κιθάρᾳ (1)
80 (81). 2. ψαλτήριον τερπνὸν μετὰ κιθάρας (2)
91 (92). 3. ἐν δεκαχόρδῳ ψαλτηρίῳ μετ' ᾠδῆς ἐν κιθάρᾳ (1)
97 (98). 5. ψάλατε τῷ κυρίῳ ἐν κιθάρᾳ ἐν κιθάρᾳ καὶ φωνῇ ψαλμοῦ (1, 1)
107 (108). 2. ἐξεγέρθητι ψαλτήριον καὶ κιθάρα (1)
146 (147). 7. ψάλατε τῷ θεῷ ἡμῶν ἐν κιθάρᾳ (1)
150. 3. αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν ψαλτηρίῳ καὶ κιθάρᾳ (1)
Is. 5. 12. μετὰ γὰρ κιθάρας καὶ ψαλτηρίου . . . τὸν οἶνον πίνουσι (1)
16. 11. ἡ κοιλία μου ἐπὶ Μωὰβ ὡς κ. ἠχήσει (1)
23. 16. λάβε κιθάραν (1)
24. 8. πέπαυται φωνὴ κιθάρας (1)
30. 32. μετὰ τυμπάνων [A S αὐλῶν] καὶ κιθάρας (1)
Da. LXX. 3. 5. τῆς σάλπιγγος σύριγγος καὶ κιθάρας (5)
— 7. τῆς σάλπιγγος σύριγγός τε καὶ κιθάρας (5)
— 10. τῆς σάλπιγγος σύριγγός τε καὶ ψαμβύκης κιθάρας (5)
— 15. τῆς σάλπιγγος σύριγγός τε καὶ κιθάρας (5)
Da. TH. 3. 5. σάλπιγγος σύριγγός τε καὶ κιθάρας (5)
— 7, 10, 15. τῆς σάλπιγγος σύριγγός τε καὶ κιθάρας (5)
I Ma. 4. 54. ἐν ᾠδαῖς καὶ κιθάραις
[Aq. I Ki. 16. 23: I Ch. 25. 3: Ps. 70 (71). 22: 80 (81). 3: 91 (92). 4: 136 (137). 2: 146 (147). 7.]
[Sm. I Ki. 10. 5: 16. 16: Jb. 21. 12: Ps. 91 (92). 4: 150. 4.]
[Th. I Ki. 16. 16.]
[Al. Ps. 48 (49). 5: Is. 5. 12.]

κιθαρίζειν. (1) נָגַן pi.

Is. 23. 16. καλῶς κιθάρισον (1)
[Th. Ez. 33. 32.]

κικεών.
[Aq., Th. Jn. 4. 6.]

κινάμωμον, *vid.* κιννάμωμον.

κινδυνεύειν. (1) חוּג pi. (2) חָשַׁב pi. (3) יָקַשׁ ni. (4) סָבַן ni.

Ec. 10. 9. σχίζων ξύλα κινδυνεύσει [S -εύει] ἐν αὐτοῖς (4)
Si. 31 (34). 12. πλεονάκις ἕως θανάτου ἐκινδύνευσα
Jn. 1. 4. τὸ πλοῖον ἐκινδύνευε τοῦ συντριβῆναι [A S^3 διαλυθῆναι] (2)
Is. 28. 13. κινδυνεύσουσι [S -σωσιν] καὶ ἁλώσονται (3)
Da. LXX. 1. 10. κινδυνεύσω τῷ ἰδίῳ τραχήλῳ (1)
II Ma. 15. 17. καὶ τὸ ἱερὸν κινδυνεύειν
III Ma. 5. 41. κινδυνεύει πολλάκις διαρπασθῆναι [Th. Jb. 34. 9.]

κίνδυνος. (1) מֵצַר

To. 4. 4. πολλοὺς κ. ἑώρακεν ἐπὶ σοὶ ἐν τῇ κοιλίᾳ
Es. 4. 17. κίνδυνός μου ἐν χειρί μου
Ps. 114 (116). 3. κίνδυνοι ᾅδου εὗροσάν με (1)
Wi. 18. 9. τῶν αὐτῶν . . . κινδύνων μεταλήψεσθαι τοὺς ἁγίους
Si. 3. 26. ὁ ἀγαπῶν κίνδυνον ἐν αὐτῷ ἐμπεσεῖται [A S ἀπολεῖται]
43. 24. διηγοῦνται τὸν [A *om.*] κ. αὐτῆς
I Ma. 11. 23. ἔδωκεν ἑαυτὸν τῷ κ.
14. 29. ἔδωκαν ἑαυτοὺς τῷ κ.
II Ma. 1. 11. ἐκ μεγάλων κ. ὑπὸ τοῦ θεοῦ σεσωσμένοι
III Ma. 2. 12. R ἐρρύσω αὐτοὺς ἐκ μεγάλων κ. [A κακῶν]
6. 26. τοὺς χειρίστους . . . ἐπιδεδειγμένους κ.
IV Ma. 3. 15. πάνδεινον εἶναι κ. τῇ ψυχῇ
13. 15. μέγας γὰρ ψυχῆς ἀγὼν καὶ κίνδυνος
[Aq. Je. 4. 31.]
[Sm. Ge. 42. 4.]

κινεῖν. (1) חוּשׁ hi. (2) מוּט ni. (3) מוּשׁ, מִישׁ (4) נָדַף ni. (5) נוּד *a.* qal. *b.* hi. (6) נוּס (7) נוּעַ *a.* qal. *b.* hi. (8) נָסַע (9) סוּר (10) פּוּק hi. (11) פָּעַם ni. (12) רָמַשׁ (13) שָׁרַץ

Ge. 7. 14. πᾶν ἑρπετὸν κινούμενον ἐπὶ τῆς γῆς (12)
— 21. πᾶσα σὰρξ κινουμένη ἐπὶ τῆς γῆς (12)
— 21. πᾶν ἑρπετὸν κινούμενον ἐπὶ τῆς γῆς (13)
8. 17, 19. πᾶν ἑρπετὸν κινούμενον ἐπὶ τῆς γῆς (12)
9. 2. ἐπὶ πάντα τὰ κινούμενα ἐπὶ τῆς γῆς (12)
11. 2. ἐν τῷ κινῆσαι αὐτοὺς ἀπὸ ἀνατολῶν (8)
20. 1. ἐκίνησεν ἐκεῖθεν Ἀ. (8)
Le. 11. 44. ἐν πᾶσι τοῖς ἑρπετοῖς τοῖς κινουμένοις ἐπὶ τῆς γῆς (12)
— 46. πάσης ψυχῆς τῆς κινουμένης ἐν τῷ ὕδατι (12)
Nu. 14. 44. οὐκ ἐκινήθησαν ἐκ [A ἐκ μέσου] τῆς παρεμβολῆς (3)
Jd. 6. 18. A μὴ κινηθῇς [B χωρισθῇς] ἐντεῦθεν (3)
9. 9, 11, 13. κινεῖσθαι ἐπὶ τῶν ξύλων [A *al.*] (7 *a*)
20. 37. καὶ τὸ ἔνεδρον ἐκινήθη [A *al.*] (1)
I Ki. 1. 13. τὰ χείλη αὐτῆς ἐκινεῖτο (7 *a*)
II Ki. 15. 20. σήμερον κινήσω σε μεθ' ἡμῶν (7 *b*, 7 *a**)
III Ki. 14. 15. A καθὰ κινεῖται ὁ ἄνεμος (5 *a*)
IV Ki. 19. 21. κεφαλὴν αὐτῆς [A *om.*] ἐκίνησε (7 *b*)
23. 18. μὴ κινησάτωσαν [A -ω] τὰ ὀστᾶ αὐ. (7 *b*)
II Ch. 35. 15. οὐκ ἦν αὐτοῖς κινεῖσθαι (9)
To. 8. 20. S οὐ μὴ κινηθῇς ἐντεῦθεν [A B *al.*]
Es. 3. 13. S^1 παντὶ διὰ παντὸς ἀνθρώπων κινούμενον [A B S^2 *al.*]
Jb. 13. 25. ὡς φύλλον κινούμενον ὑπὸ ἀνέμου (4)
16. 5 (4). κινήσω δὲ καθ' ὑμῶν κεφαλήν (7 *b*)
Ps. 21 (22). 7. ἐκίνησαν κεφαλήν (7 *b*)
103 (104). 5. A οὐ κινηθήσεται [S^1 κληθήσ., B S^2 κλιθήσ.] εἰς τὸν αἰῶνα (2)
Pr. 17. 13. οὐ κινηθήσεται κακὰ ἐκ τοῦ οἴκου [A εἰς τοὺς οἴκους] αὐτοῦ (3)
Ca. 2. 17: 4. 6. ἕως οὗ . . . κινηθῶσιν αἱ σκιαί (6)
Wi. 5. 11. πνεῦμα . . . σχιζόμενον βίᾳ ῥοίζου κινουμένων πτερύγων
Si. 12. 18. κινήσει τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ
13. 7. τὴν κεφαλὴν αὐτοῦ κινήσει ἐπὶ σοί
Ze. 3. 1 (2. 15). καὶ κινήσει τὰς χεῖρας αὐτοῦ (7 *b*)
Is. 22. 25. κινηθήσεται ὁ ἄνθρωπος (3)
33. 20. οὐδὲ μὴ κινηθῶσιν οἱ πάσσαλοι τῆς σκηνῆς αὐτῆς (8)
37. 22. ἐπὶ σοὶ κεφαλὴν ἐκίνησε θυγάτηρ Ἰερ. (7 *b*)
41. 7. οὐ κινηθήσονται (2)
46. 7. οὐ μὴ κινηθῇ (3)
Je. 10. 5 (4). καὶ οὐ κινηθήσονται (10)
14. 10. ἠγάπησαν κ. πόδας αὐτῶν (7 *a*)
18. 16. κινήσουσι τὴν [S *om.*] κεφαλὴν [A τὰς κ.] αὐτῶν (5 *b*)
31 (48). 17. κινήσατε αὐτῷ [A -όν, S^1 *om.*] πάντες κυκλόθεν αὐτοῦ (5 *a*)
Ba. 2. 35. οὐ κινήσω ἔτι τὸν λαόν μου Ἰσραὴλ ἀπὸ τῆς γῆς
La. 2. 15. ἐκίνησαν τὴν κεφαλὴν αὐτῶν (7 *b*)
Ep. Je. 27. μήτε [A μή ποτε] . . . δι' ἑαυτοῦ κινηθήσεται
Da. LXX. 2. 3. ἐκινήθη μου τὸ πνεῦμα (11)
3. (79). πάντα τὰ κινούμενα ἐν τοῖς ὕδασι –
4. 16. κινήσας τὴν κεφαλήν –
11. 38. ἐπὶ τὸν τόπον αὐτοῦ κινήσει +
Da. TH. 3. (79). πάντα τὰ κινούμενα ἐν τοῖς ὕδασι
I Ma. 10. 74. ἐκινήθη τῇ διανοίᾳ
IV Ma. 1. 33. κινούμενοι πρὸς τὰς ἀπειρημένας τροφάς
IV Ma. 14. 6. τοῖς τῆς ψυχῆς ἀφηγήμασι κινοῦνται
— 6. R ὑπὸ ψυχῆς ἀθανάτου τῆς εὐσεβείας κινούμενοι [A S *om.*]
[Aq. Ge. 1. 26, 28: III Ki. 14. 15: Ps. 17 (18). 8: 68 (69). 35: Je. 15. 5: 49. 30 (30. 8).]
[Sm. Ge. 1. 30: Ex. 20. 25: Jb. 16. 4: Ps. 44 (45). 2: Is. 13. 2: 37. 22: Na. 1. 5.]
[Th. Ps. 77 (78). 21: Is. 29. 9: Ez. 21. 10 (15).]
[Quint. Ps. 77 (78). 21.]

κίνημα.
I Ma. 13. 44. καὶ ἐγένετο κ. μέγα ἐν τῇ πόλει
IV Ma. 1. 35. S R φιμοῦται [A φιλοτιμοῦνται] πάντα τὰ τοῦ σώματος κ.
[Th. Is. 28. 19.]

κίνησις. (1) *a.* נִיד *b.* מָנוֹד

Jb. 16. 6 (5). κίνησιν δὲ χειλέων οὐ φείσομαι (1 *a*)
Ps. 43 (44). 14. κίνησιν κεφαλῆς ἐν τοῖς λαοῖς (1 *b*)
Wi. 2. 2. ὁ λόγος σπινθὴρ ἐν κινήσει καρδίας ἡμῶν
7. 24. πάσης γὰρ κ. κινητικώτερον σοφία
II Ma. 5. 3. καὶ ἀσπίδων κινήσεις
[Sm. Jb. 13. 11: 41. 17: Ps. 43 (44). 15.]

κινητικός.
Wi. 7. 24. πάσης γὰρ κινήσεως κινητικώτερον σοφία

κιννάμωμον (κινάμ.). (1) קָנֶה הַטּוֹב (2) קְצִיעָה

Ex. 30. 23. κινναμώμου εὐώδους τὸ ἥμισυ τούτου (2)
Pr. 7. 17. τὸν δὲ οἶκόν μου κινναμώμῳ (2)
Ca. 4. 14. νάρδος καὶ κρόκος κάλαμος καὶ κινάμωμον [S^2 -os] (2)
Si. 24. 15. ὡς κιννάμωμον καὶ ἀσπάλαθος ἀρωμάτων δέδωκα ὀσμήν
Je. 6. 20. κιννάμωμον ἐκ γῆς μακρόθεν (1)
[Th. Je. 6. 20.]

κινύρα. (1) יָד (2) כִּנּוֹר

I Ki. 10. 5. καὶ αὐλὸς καὶ κινύρα (2)
16. 16. ἄνδρα εἰδότα [A ἰδόντα] ψάλλειν ἐν κινύρᾳ (2)
— 16. καὶ ψαλῇ ἐν τῇ κ. αὐτοῦ (1?)
— 23. ἐλάμβανε Δαυὶδ τὴν κ. (2)
II Ki. 6. 5. καὶ ἐν ᾠδαῖς καὶ ἐν κινύραις [A -ᾳ] (2)
III Ki. 10. 12. καὶ νάβλας καὶ κινύρας (2)
I Ch. 13. 8. καὶ ἐν [S *om.*] κινύραις καὶ ἐν νάβλαις (2)
15. 16. ἐν . . . νάβλαις κινύραις καὶ κυμβάλοις (2)
— 21. ἐν κινύραις ἁμασενείθ (2)
— 28. ἀναφωνοῦντες . . . ἐν κινύραις [S^2 -ᾳ] (2)
16. 5. ἐν ὀργάνοις νάβλαις [A ἐν ν. καὶ] κινύραις (2)
25. 1. τοὺς ἀποφθεγγομένους ἐν κινύραις (2)
— 3. ἐν κινύρᾳ ἀνακρουόμενοι ἐξομολόγησιν (2)
— 6. ἐν νάβλαις καὶ ἐν κινύραις (2)
II Ch. 5. 12. ἐν νάβλαις καὶ ἐν κινύραις (2)
20. 28. A R ἐν νάβλαις καὶ [B καὶ ἐν] κινύραις (2)
29. 25. ἐν νάβλαις καὶ ἐν κινύραις (2)
Ne. 12. 27. R καὶ κινύραι [S^2 -αs] (2)
Si. 39. 15. ἐν ᾠδαῖς χειλέων καὶ ἐν κινύραις
I Ma. 3. 45. ἐξέλιπεν αὐλὸς καὶ κινύρα
4. 54. ἐν ᾠδαῖς . . . καὶ κινύραις
18. 51. ἐν κινύραις καὶ ἐν κυμβάλοις

κιρνᾶν. (1) מָסַךְ

Ps. 101 (102). 9. τὸ πόμα μου μετὰ κλαυθμοῦ ἐκίρνων (1)

κιρρός.
[Aq. Pr. 8. 19: Is. 13. 12.]

κισσᾶν. (1) יָחַם pi.

Ps. 50 (51). 5. ἐν ἁμαρτίαις ἐκίσσησέ με ἡ μήτηρ μου (1)

κισσός.
II Ma. 6. 7. κισσοὺς ἔχοντες πομπεύειν τῷ Διον.
[Sm. Jn. 4. 6.]

κισσόφυλλον.
III Ma. 2. 29. παρασήμῳ Διονύσου κ.

κίτριs.
[Aq. Le. 23. 40.]

κιχρᾶν. (1) לָוָה hi. (2) שְׁאַל hi.

I Ki. 1. 28. κιχρῶ αὐτὸν τῷ κυρίῳ (2)
Ps. 111 (112). 5. χρηστὸς ἀνὴρ ὁ οἰκτείρων καὶ κιχρῶν (1)
Pr. 13. 11. δίκαιος οἰκτείρει καὶ κιχρᾷ –
[Sm. Ps. 111 (112). 5.]

κιών. (1) עַמּוּד

Jd. 16. 25. ἔστησαν αὐτὸν ἀνὰ μέσον τῶν κ. [A δύο στύλων] (1)
— 26. ψηλαφήσω τοὺς κ. [A al.] (1)
— 29. περιέλαβε Σ. τοὺς δύο κ. [A στύλους] (1)
III Ki. 15. 15. εἰσήνεγκε τοὺς κ. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ καὶ τοὺς κ. αὐτοῦ εἰσήνεγκεν †, †

κλαγγή.

[Sm. Jb. 39. 19.]

κλάδευσις.

[Aq., Sm. Ca. 2. 12.]

κλάδος. (1) דָּלִית (2) יוֹנֶקֶת (3) כַּף (4) סָעִיף (5) סַרְעַפָּה (6) *a.* עָנָף *b.* עֲנָף (7) פֹּארָה (8) *a.* שׂוֹכָה *b.* שׂוֹכָךְ (9) שִׁבֹּלֶת

Le. 23. 40. λήψεσθε . . . κλάδους ξύλου δασεῖς . . . καὶ ἄγνου κλάδους (6 *a*, –)
Nu. 3. 37 : 4. 32. A καὶ τοὺς κλ. [B κάλους] αὐτῶν †
Jd. 9. 48. ἔκοψε κλάδον ξύλου [A *al.*] (8 *b*)
— 49. καὶ ἔκοψαν . . . κλάδον [A *al.*] (8 *a*)
Wi. 4. 4. κἂν [S¹ καὶ] γὰρ ἐν κλάδοις πρὸς καιρὸν ἀναθάλῃ
17. 18. περὶ ἀμφιλαφεῖς κλάδους ὀρνέων [A ἢ ὀρ.] ἦχος εὐμελής
Si. 1. 20. οἱ κλ. αὐτῆς μακροημέρευσις [S¹ -εύσουσιν]
6. 29. B S οἱ κλ. [A R κλοιοὶ] αὐτῆς εἰς στολὴν δόξης
14. 26. ὑπὸ τοὺς κλ. αὐτῆς αὐλισθήσεται
23. 25. οἱ κλ. αὐτῆς οὐ δώσουσι [A S οὐκ οἴσουσι] καρπόν
24. 16. ὡς τερέμινθος ἐξέτεινα κλάδους μου καὶ οἱ κλ. μου κλάδοι δόξης καὶ χάριτος
40. 15. ἔκγονα ἀσεβῶν οὐ πληθυνεῖ κλάδους
Ho. 14. 7. πορεύσονται οἱ κλ. αὐτοῦ (2)
Za. 4. 12. τί οἱ δύο κλ. τῶν ἐλαιῶν (9)
Is. 17. 6. ἢ πέντε ἐπὶ τῶν κλ. αὐτῶν καταλειφθῇ (4)
55. 12. τὰ ξύλα τοῦ ἀγροῦ ἐπικροτήσει τοῖς κλ. (3)
Je. 11. 16. ἠχρειώθησαν οἱ κλ. αὐτῆς (1)
Ez. 31. 5. ἐπλατύνθησαν οἱ κλ. αὐτοῦ (5 + 7)
— 6. ὑποκάτω τῶν κλ. αὐτοῦ ἐγεννῶσαν πάντα τὰ θηρία (7)
— 7. διὰ τὸ πλῆθος τῶν κλ. αὐτοῦ (1)
— 8. ἐλάται οὐκ ἐγένοντο ὅμοιαι τοῖς κλ. αὐτοῦ (7)
— 9. διὰ τὸ πλῆθος τῶν κλ. αὐτοῦ (1)
— 12. ἐν πάσαις ταῖς φάραγξιν ἔπεσαν οἱ κλ. αὐτοῦ (1)
Da. LXX. 4. 9. οἱ κλ. αὐτοῦ τῷ μήκει ὡς σταδίων τριάκοντα –
— 15. οἱ κλ. αὐτοῦ ἐδόθησαν εἰς πάντα ἄνεμον –
Da. TH. 4. 9. ἐν τοῖς κλ. αὐτοῦ κατῴκουν τὰ ὄρνεα (6 *b*)
— 11. ἐκτίλατε τοὺς κλ. [A καρποὺς] αὐτοῦ (6 *b*)
— 11. καὶ τὰ ὄρνεα ἀπὸ τῶν κλ. αὐτοῦ (6 *b*)
— 18. ἐν τοῖς κλ. αὐτοῦ κατεσκήνουν [A -ῴκουν] τὰ ὄρνεα (6 *b*)
II Ma. 10. 7. θύρσους καὶ κλ. ὡραίους . . . ἔχοντες
[Aq. Ez. 17. 6 : 31. 3, 9, 13.]
[Sm. Jb. 8. 16 : Is. 27. 10 : 53. 2 : Ez. 17. 8 : 19. 11, 14 : 31. 13.]
[Th. Ez. 17. 6 : 19. 14 : 31. 3, 9, 13.]

κλαίειν. (1) *a.* בָּכָה *b.* בֶּכִי *c.* בְּכִי (2) בָּרַךְ (3) בָּרַע (4) סָפַד (5) קָרָא (6) κλ. δάκρυσι נָטַף hi.

Ge. 21. 16. ἀναβοῆσαν δὲ τὸ παιδίον ἔκλαυσεν (1 *a*)
27. 38. R ἀνεβόησε φωνῇ Ἠ. καὶ ἔκλαυσεν (1 *a*)
29. 11. βοήσας τῇ φωνῇ αὐτοῦ ἔκλαυσε (1 *a*)
33. 4. ἔκλαυσαν ἀμφότεροι (1 *a*)
37. 35. ἔκλαυσεν αὐτὸν ὁ πατὴρ αὐτοῦ (1 *a*)
42. 24. ἀποστραφεὶς . . . ἔκλαυσεν Ἰωσήφ (1 *a*)
43. 30. ἐζήτει κλαῦσαι (1 *a*)
— 30. ἔκλαυσεν ἐκεῖ (1 *a*)
45. 14. R ἔκλαυσεν [A ἐπέπεσεν] ἐπ' αὐτῷ (1 *a*)
— 14. ἔκλαυσεν ἐπὶ τῷ τραχήλῳ αὐτοῦ (1 *a*)
— 15. ἔκλαυσεν ἐπ' αὐτοῖς (1 *a*)
46. 29. ἔκλαυσε κλαυθμῷ πίονι [A B² πλείονι] (1 *a*)
50. 1. ἔκλαυσεν αὐτόν [A ἐπ' αὐ.] (1 *a*)
— 17. ἔκλαυσεν Ἰωσὴφ λαλούντων αὐτῶν (1 *a*)
Ex. 2. 6. ὁρᾷ παιδίον κλαῖον (1 *a*)
Le. 10. 6. κλαύσονται τὸν ἐμπυρισμόν (1 *a*)
Nu. 11. 4. καὶ καθίσαντες ἔκλαιον (1 *a*)
— 10. ἤκουσε M. κλαιόντων αὐτῶν (1 *a*)
— 13. κλαίουσιν ἐπ' ἐμοί [A ἐμέ] (1 *a*)
— 18. ἐκλαύσατε ἔναντι κυρίου (1 *a*)
— 20. καὶ ἐκλαύσατε ἐναντίον αὐτοῦ (1 *a*)
14. 1. ἔκλαιεν ὁ λαὸς ὅλην τὴν νύκτα ἐκείνην (1 *a*)
20. 29. καὶ ἔκλαυσαν τὸν Ἀαρών (1 *a*)
25. 6. αὐτοὶ δὲ ἔκλαιον παρὰ τὴν θύραν (1 *a*)
De. 1. 45. καὶ καθίσαντες ἐκλαίετε (1 *a*)
21. 13. καὶ κλαύσεται τὸν πατέρα (1 *a*)
34. 8. ἔκλαυσαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. Μωυσῆν (1 *a*)
Jd. 2. 4. καὶ ἔκλαυσαν (1 *a*)
9. 7. καὶ ἔκλαυσε [A *add.* ἐπ' αὐτοῖς] (5)
11. 37. κλαύσομαι ἐπὶ τὰ παρθένιά μου (1 *a*)
— 38. ἔκλαυσεν ἐπὶ τὰ παρθένια αὐτῆς (1 *a*)
14. 16. ἔκλαυσεν ἡ γυνὴ Σαμψὼν πρὸς αὐτόν (1 *a*)
— 17. καὶ ἔκλαυσε πρὸς [A ἐπ'] αὐτόν (1 *a*)
15. 18. ἔκλαυσε [A ἐβόησεν] πρὸς κύριον (5)
16. 28. ἔκλαυσε [A ἐβόησεν] Σαμψὼν πρὸς κ. (5)
20. 23. καὶ ἔκλαυσαν ἐνώπιον κυρίου (1 *a*)
— 26. καὶ ἔκλαυσαν (1 *a*)
21. 2. καὶ ἔκλαυσαν κλαυθμὸν μέγαν (1 *a*)
Ru. 1. 9. καὶ ἔκλαυσαν (1 *a*)
— 14. καὶ ἔκλαυσαν ἔτι (1 *a*)
I Ki. 1. 7. καὶ ἔκλαιε (1 *a*)
— 8. τί ἐστί σοι ὅτι κλαίεις (1 *a*)
— 10. A R καὶ κλαίουσα [B λέγουσα καὶ] ἔκλαυσε (1 *a*, 1 *a*)
4. 19. καὶ ἔκλαυσε (3)
11. 4. καὶ ἔκλαυσαν (1 *a*)
— 5. τί ὅτι κλαίει ὁ λαός (1 *a*)
13. 16. B καὶ ἔκλαιον –
20. 41. ἔκλαυσεν ἕκ. τῷ [A τὸν] πλησίον αὐ. (1 *a*)
24. 17. καὶ ἔκλαυσε (1 *a*)
30. 4. καὶ ἔκλαυσαν ἕως ὅτου οὐκ ἦν ἐν αὐτοῖς ἰσχὺς ἔτι κλαίειν (1 *a*, 1 *a*)
II Ki. 1. 12. καὶ ἔκλαυσαν (1 *a*)
— 24. B κλαύσατε [A R *om.*] κλαύσατε τὸν ἐνδιδύσκοντα ὑμᾶς (–, 1 *a*)
3. 16. ἐπορεύετο . . . κλαίων ὀπίσω αὐτῆς (1 *a*)
— 32. ἔκλαυσεν ἐπὶ τοῦ τάφου αὐτοῦ (1 *a*)
— 32. ἔκλαυσε πᾶς ὁ λαός (1 *a*)
— 34. συνήχθη πᾶς ὁ λαὸς τοῦ κλαῦσαι αὐτόν (1 *a*)
12. 21. καὶ ἔκλαιες (1 *a*)
— 22. καὶ ἔκλαυσα (1 *a*)
13. 36. καὶ ἔκλαυσαν (1 *a*)
— 36. ἔκλαυσαν κλαυθμὸν μέγαν (1 *a*)
15. 23. πᾶσα ἡ γῆ ἔκλαιε φωνῇ μεγάλῃ (1 *a*)
— 30. A R ἀναβαίνων καὶ κλαίων (1 *a*)
— 30. ἀναβαίνοντες καὶ κλαίοντες (1 *a*)
18. 33 (19. 1). καὶ ἔκλαυσε (1 *a*)
19. 1 (2). ὁ βασιλεὺς κλαίει (1 *a*)
III Ki. 18. 45. A R καὶ ἔκλαιε [B -αεν] †
20 (21). 27. καὶ ἐπορεύετο κλαίων –
IV Ki. 8. 11. καὶ ἔκλαυσεν ὁ ἄνθρωπος τοῦ θεοῦ (1 *a*)
— 12. ὁ κύριός μου κλαίει [A καλεῖ] (1 *a*)
13. 14. ἔκλαυσεν ἐπὶ προσώπου αὐτοῦ (1 *a*)
20. 3. ἔκλαυσεν Ἐζ. κλαυθμῷ μεγάλῳ (1 *a*)
22. 19. καὶ ἔκλαυσας ἐνώπιόν μου (1 *a*)
II Ch. 34. 27. καὶ ἔκλαυσας κατεναντίον μου (1 *a*)
I Es. 8. 91. κλαίων χαμαιπετὴς ἔμπροσθεν τοῦ ἱεροῦ
9. 50. καὶ πάντες ἔκλαιον
II Es. 3. 12. ἔκλαιον φωνῇ μεγάλῃ (1 *a*)
10. 1. ὡς [S¹ *om.*] ἐξηγόρευσε [B¹ προσηγ.] κλαίων (1 *a*)
— 1. ἔκλαυσεν ὁ λαὸς καὶ ὕψωσε κλαίων (1 *a*, 1 *b*)
Ne. 1. 4. ἐκάθισα καὶ ἔκλαυσα (1 *a*)
8. 9. μὴ πενθεῖτε μηδὲ κλαίετε (1 *a*)
— 9. ἔκλαιε πᾶς ὁ λαός (1 *a*)
To. 2. 7. καὶ ἔκλαυσα
3. 1. λυπηθεὶς ἔκλαυσα [S *al.*]
— 10. S καὶ ἔκλαυσεν
5. 17. ἔκλαυσε δὲ Ἄννα ἡ μήτηρ αὐτοῦ
6. 1. ἐπαύσατο [S ἐσίγησεν] κλαίουσα
7. 6. κατεφίλησεν αὐτὸν καὶ ἔκλαυσε
— 7. ἐλυπήθη καὶ ἔκλαυσε [S *al.*]
— 8. ἡ γυνὴ αὐτοῦ καὶ Σ. ἡ θυγάτηρ αὐτοῦ ἔκλαυσαν [S *al.*]
— 17. εἰσήγαγεν αὐτὴν ἐκεῖ καὶ ἔκλαυσε
9. 6. S καὶ ἔκλαυσεν
10. 4. S ἤρξατο κλαίειν καὶ [A B *om.* κλ. κ.] θρηνεῖν
— 7. S ἐθρήνει καὶ ἔκλαιεν [A B *al.*]
11. 9. ἔκλαυσαν ἀμφότεροι [S *al.*]
— 14. ἔκλαυσε καὶ εἶπεν
Ju. 16. 17. καὶ κλαύσονται ἐν αἰσθήσει
Jb. 2. 12. βοήσαντες φωνῇ μεγάλῃ ἔκλαυσαν (1 *a*)
30. 25. ἐγὼ δὲ ἐπὶ παντὶ ἀδυνάτῳ ἔκλαυσα (1 *a*)
31. 38. εἰ δὲ καὶ οἱ αὔλακες αὐτῆς ἔκλαυσαν ὁμοθυμαδόν (1 *a*)
Ps. 77 (78). 64. αἱ χῆραι αὐτῶν οὐ κλαυσθήσονται (1 *a*)
94 (95). 6. κλαύσωμεν [A -ομεν] ἐναντίον [S¹ ἐνώπιον] κυρίου τοῦ ποιήσαντος ἡμᾶς (2)
125 (126). 6. A S¹ ἔκλαιον αἴροντες [S² B βάλλοντες] τὰ σπέρματα αὐ. (1 *a*)
136 (137). 1. ἐκλαύσαμεν ἐν τῷ μνησθῆναι ἡμᾶς τῆς Σιών (1 *a*)
Ec. 3. 4. καιρὸς τοῦ κλαῦσαι (1 *a*)
Wi. 7. 3. πρώτην φωνὴν τὴν ὁμοίαν πᾶσιν ἴσα [S ἅπασι] κλαίων
Si. 7. 34. μὴ ὑστέρει ἀπὸ κλαιόντων
22. 11. ἐπὶ νεκρῷ κλαῦσον ἐξέλιπε γὰρ φῶς καὶ ἐπὶ μωρῷ κλαῦσον . . . ἤδιον [A ἴδιον] κλαῦσον ἐπὶ νεκρῷ
Ho. 12. 4 (5). ἔκλαυσαν καὶ ἐδεήθησάν μου (1 *a*)
Mi. 2. 6. ἐν ἐκκλησίᾳ κυρίου μὴ κλαίετε δάκρυσι (6)
Jl. 1. 5. ἐκνήψατε . . . καὶ κλαύσατε (1 *a*)
— 18. ἔκλαυσαν βουκόλια βοῶν †
2. 17. κλαύσονται οἱ ἱερεῖς . . . κυρίῳ (1 *a*)
Is. 15. 2. ἐκεῖ ἀναβήσεσθε κλαίειν (1 *c*)
— 5. πρὸς σὲ κλαίοντες ἀναβήσονται (1 *c*)
16. 9. κλαύσομαι . . . ἄμπελον Σεβαμά (1 *a*)
22. 4. πικρῶς κλαύσομαι (1 *c*)
30. 19. Ἱερουσαλὴμ κλαυθμῷ ἔκλαυσεν (1 *a*)
33. 7. ἄγγελοι . . . πικρῶς κλαίοντες (1 *a*)
38. 3. ἔκλαυσεν Ἐζεκίας κλαυθμῷ μεγάλῳ (1 *a*)
Je. 9. 1 (8. 23). κλαύσομαι τὸν λαόν μου τοῦτον (1 *a*)
13. 17. κεκρυμμένως κλαύσεται ἡ ψυχὴ ὑμῶν (1 *a*)
22. 10. μὴ κλαίετε τὸν τεθνηκότα . . . κλαύσατε κλαυθμῷ τὸν ἐκπορευόμενον (1 *a*, 1 *a*)
— 18. B S οὐδὲ μὴ κλαύσονται αὐτόν (4)
27 (50). 4. κλαίοντες πορεύσονται (1 *a*)
31 (48). 5. ἀναβήσεται κλαίων ἐν ὁδῷ Ὠρ. (1 *c*)
41 (34). 5. ὡς ἔκλαυσαν τοὺς πατέρας σου . . . κλαύσονται καὶ σέ †, †
— 5. ἕως ᾅδου κόψονταί [A κλαύσ.] σε (4)
48 (41). 6. ἐπορεύοντο καὶ ἔκλαιον (1 *a*)
Ba. 1. 5. ἔκλαιον καὶ ἐνήστευον
La. 1. 1. ἐκάθισεν Ἱερεμίας κλαίων –
— 2. κλαίουσα ἔκλαυσεν [A ἐδάκρυσεν] ἐν νυκτί (1 *a*, 1 *a*)
— 15 (16). ἐπὶ τούτοις ἐγὼ κλαίω (1 *a*)
Ez. 24. 16. οὐδ' οὐ μὴ κλαυσθῇς [B¹ κλαυθῇς] (1 *a*)
— 23. οὔτε μὴ κλαύσητε [A -σθῆτε] (1 *a*)
27. 31. A κλαύσονται περὶ σοῦ (1 *a*)
Da. LXX. Su. 33. ἐκλαίοσαν οἱ παρ' αὐτῆς πάντες
— 35. ἀνακύψασα ἔκλαυσεν ἐν αὐτῇ
Da. TH. Su. 33. ἔκλαιον δὲ οἱ παρ' αὐτῆς
— 35. ἡ δὲ κλαίουσα ἀνέβλεψεν εἰς τὸν οὐρανόν
I Ma. 7. 36. καὶ ἔκλαυσαν καὶ εἶπον
9. 20. καὶ ἔκλαυσαν αὐτόν [A αὐ. ἐκεῖ]
IV Ma. 15. 19. οὐκ ἔκλαυσας
[Aq. Ps. 68 (69). 11 : Is. 30. 19 : 33. 7 : Je. 13. 17 : 41 (48). 6 : Ho. 12. 4 (5).]
[Sm. Jd. 2. 5 : Ps. 68 (69). 11 : 77 (78). 64 : 83 (84). 7 : Is. 30. 19 : 33. 7 : Je. 13. 17 : 41 (48). 6 : 48 (31). 32 : Ho. 12. 4 (5) : Ma. 2. 13.]
[Th. Is. 30. 19 : 33. 7 : Je. 41 (48). 6 : Ez. 27. 31 : Ho. 12. 4 (5) : Ma. 2. 13.]

κλᾶν. (1) נָזַע ni. (2) פָּרַם (3) פָּרַשׂ (4) רָצַץ hi.

Jd. 9. 53. καὶ ἔκλασε [A συνέθλασεν] τὸ κράνιον αὐτοῦ (4)
Je. 16. 7. οὐ μὴ κλασθῇ ἄρτος ἐν πένθει αὐτῶν (2)
27 (50). 23. πῶς ἐκλάσθη [A S συνεκλ.] καὶ συνετρίβη ἡ σφῦρα πάσης τῆς γῆς (1)
La. 4. 4. A ὁ κλῶν [B διακλ.] οὐκ ἔστιν αὐτοῖς (3)
IV Ma. 9. 14. κατὰ πᾶν μέλος κλώμενος
[Aq. Ez. 17. 4 : 23. 3.]
[Sm. Ps. 146 (147). 3.]

κλάνιον.

[Aq. II Ki. 1. 10.]

κλάσμα. (1) פֶּלַח (2) *a.* פַּת *b.* פְּתוֹת

Le. 2. 6. διαθρύψεις αὐτὰ κλάσματα (2 *a*)
6. 21 (14). B θυσίαν ἐκ κλασμάτων (2 *a*)
Jd. 9. 53. R ἔρριψε γυνὴ μία κλάσμα ἐπιμύλιον [B -ου, A μύλου] (1)

Jd. 19. 5. A στήρισον τὴν καρδίαν σου κλάσματι [B ψωμῷ] ἄρτου (2 a)
I Ki. 30. 12. διδάσιν αὐτῷ κλάσμα παλάθης (1)
II Ki. 11. 21. οὐχὶ γυνὴ ἔρριψε κλάσμα μύλου (1)
— 22. οὐχὶ γυνὴ ἔρριψεν . . . κλάσμα μύλου –
Ez. 13. 19. ἐβεβήλουν με ἕνεκεν κλασμάτων ἄρτων [A¹ al.] (2 b)
[Th. Le. 6. 21 (14) : Jd. 19. 5.]

κλαυθμός. (1) אֵבֶל (2) *a.* בְּכָה *b.* בְּכִי (3) מְבוּכָה (4) עֲצַב

Ge. 45. 2. ἀφῆκε φωνὴν μετὰ κλαυθμοῦ (2 b)
46. 29. ἔκλαυσε κλαυθμῷ πίονι [A B² πλείονι] †
De. 34. 8. αἱ ἡμέραι πένθους κλαυθμοῦ Μωυσῆ (2 b)
Jd. 21. 2 : II Ki. 13. 36. καὶ ἔκλαυσαν κλ. μέγαν (2 b)
IV Ki. 20. 3. ἔκλαυσεν Ἐζ. κλ. μεγάλῳ (2 b)
I Es. 5. 63. μετὰ κραυγῆς καὶ κλ. μεγάλου
— 65. διὰ τὸν κλ. τοῦ λαοῦ
8. 91. κλ. γὰρ ἦν μέγας ἐν τῷ πλήθει
II Es. 8. 13. ἀπὸ τῆς φωνῆς [A εὐφροσύνης] τοῦ κλ. (2 b)
Ju. 7. 29. ἐγένετο κλ. μέγας
14. 16. ἐβόησε . . . μετὰ κλαυθμοῦ
Jb. 16. 17 (16). ἡ γαστήρ μου συγκέκαυται ἀπὸ κλαυθμοῦ (2 b)
30. 31. ὁ δὲ ψαλμός μου εἰς κλαυθμὸν ἐμοί (2 a)
Ps. 6. 8. ABS² εἰσήκουσε κ. τῆς φωνῆς τοῦ κλ. μου (2 b)
29 (30). 5. τὸ ἑσπέρας αὐλισθήσεται κλαυθμός (2 b)
101 (102). 9. τὸ πόμα μου μετὰ κλαυθμοῦ ἐκίρνων (2 b)
Si. 38. 17. πίκρανον κλαυθμὸν καὶ θέρμανον κοπετόν
Mi. 7. 4. νῦν ἔσονται κλαυθμοὶ αὐτῶν (3)
Jl. 2. 12. καὶ ἐν κλαυθμῷ καὶ ἐν κοπετῷ (2 b)
Ma. 2. 13. ἐκαλύπτετε δάκρυσι τὸ θυσιαστ. κυρίου καὶ κλαυθμῷ (2 b)
Is. 15. 3. πάντες ὀλολύζετε μετὰ κλαυθμοῦ (2 b)
16. 9. κλαύσομαι ὡς τὸν κλ. Ἰαζήρ (2 b)
22. 12. ἐκάλεσε κύριος . . . κλαυθμόν (2 b)
30. 19. Ἱερουσαλὴμ κλαυθμῷ ἔκλαυσεν (2 a)
38. 3. ἔκλαυσεν Ἐζεκίας κλαυθμῷ μεγάλῳ (2 b)
65. 19. οὐκέτι μὴ ἀκουσθῇ ἐν αὐτῇ φωνὴ κλαυθμοῦ (2 b)
Je. 3. 21. φωνὴ ἐκ χειλέων ἠκούσθη κλαυθμοῦ (2 b)
22. 10. κλαύσατε κλαυθμῷ τὸν ἐκπορευόμενον (2 a)
31 (48). 5. ἐπλήσθη Ἀλὼθ ἐν κλαυθμῷ (2 b)
— 32. ὡς κλαυθμὸν Ἰαζὴρ ἀποκλαύσομαί σοι (2 b)
38 (31). 9. ἐν κλαυθμῷ ἐξῆλθον (2 b)
— 15. φωνὴ . . . ἠκούσθη . . . κλαυθμοῦ (2 b)
— 16. διαλειπέτω ἡ φωνή σου ἀπὸ κλαυθμοῦ (2 b)
Ba. 4. 11. ἐξαπέστειλα δὲ μετὰ κλαυθμοῦ
— 23. ἐξέπεμψα γὰρ ὑμᾶς μετὰ . . . κλαυθμοῦ
La. 5. 13. ἐκλεκτοὶ κλαυθμὸν ἀνέλαβον †
Da. LXX. 6. 20 (21). φωνῇ μεγάλῃ μετὰ κλαυθμοῦ (4)
II Ma. 13. 12. μετὰ κλαυθμοῦ καὶ νηστειῶν
[Aq. Ps. 83 (84). 7 : Is. 15. 5 : Je. 9. 10 (9) : Ma. 2. 13.]
[Sm., Th. Is. 30. 19.]

κλαυθμών. (1) בָּכָא (2) בֹּכִים

Jd. 2. 1. ἀνέβη ἄγγελος κυρίου . . . ἐπὶ τὸν Κλ. (2)
— 5. τὸ ὄνομα τοῦ τόπου ἐκείνου Κλαυθμῶνες [A -μών] (2)
II Ki. 5. 23. παρέσῃ αὐτοῖς πλησίον τοῦ κλ. †
— 24. τοῦ ἄλσους τοῦ κλ. †
Ps. 83 (84). 6. A S²R εἰς τὴν κοιλάδα [B S¹ ἐν τῇ κ.] τοῦ κλ. (1)
[Sm. Jd. 2. 5.]

κλείειν. (1) נוּף hi. (2) נָעַל (3) סָנַר
a. qal. *b.* ni. *c.* pu. *d.* hi.

Ge. 7. 16. ἔκλεισε κύριος . . . τὴν κιβωτόν (3 a)
Jo. 2. 5. ὡς δὲ ἡ πύλη ἐκλείετο (3 a)
— 7. καὶ ἡ πύλη ἐκλείσθη (3 a)
Jd. 9. 51. καὶ ἔκλεισαν ἔξωθεν αὐτῶν [A al.] (3 a)
20. 42. A ἔκλεισαν ἐνώπιον ἀνδρὸς Ἰσρ. [B al.] †
I Ki. 23. 20. κεκλείκασιν αὐτὸν εἰς τὰς χεῖρας τοῦ βασ. (3 d)
II Ch. 28. 24. ἔκλεισε τὰς θύρας οἴκου κυρίου (3 a)
Ne. 6. 10. κλείσωμεν τὰς θύρας αὐτοῦ (3 a)
7. 3. κλειέσθωσαν αἱ θύραι (1)
Ne. 13. 19. A S R ἔκλεισαν [B -α] τὰς πύλας (3 b)
Jb. 12. 14. ἐὰν κλείσῃ [A δὲ καὶ ἀποκλ.] κατὰ ἀνθρώπων (3 a)
Ec. 12. 4. κλείσουσι θύρας [A -αν, S¹ -αι] ἐν ἀγορᾷ (3 c)
Ca. 4. 12. κῆπος κεκλεισμένος ἀδελφή μου . . . κῆπος κεκλεισμένος (2, 2)
Si. 30. 18. ἀγαθὰ ἐκκεχυμένα ἐπὶ στόματι κεκλεισμένῳ
42. 6. ὅπου χεῖρες πολλαὶ κλεῖσον
Is. 22. 22. κλείσει καὶ οὐκ ἔσται ὁ ἀνοίγων (3 a)
24. 10. κλείσει οἰκίαν [S² al.] (3 c)
60. 11. ἡμέρας καὶ νυκτὸς οὐ κλεισθήσονται (3 b)
Ez. 44. 1. αὕτη ἦν κεκλεισμένη (3 a)
— 2. ἡ πύλη αὕτη κεκλεισμένη ἔσται . . . ἔσται κεκλεισμένη (3 a, 3 a)
46. 1. πύλη ἡ ἐν τῇ αὐλῇ . . . ἔσται κεκλεισμένη (3 a)
— 2. ἡ πύλη οὐ μὴ κλεισθῇ ἕως ἑσπέρας (3 b)
— 12. κλείσει τὰς θύρας μετὰ τὸ ἐξελθεῖν αὐτόν (3 a)
Da. LXX. Bel 12. τοῦ ναοῦ ἐπὰν κλεισθῇ
Da. TH. Su. 17. τὰς θύρας τοῦ παραδείσου κλείσατε
— 20. αἱ θύραι τοῦ παραδείσου κέκλεινται
6. 18 (19). ἔκλεισεν ὁ θεὸς τὰ στόματα τῶν λεόντων
Bel 14. ἔκλεισαν τὴν θύραν
[Aq. Is. 22. 22.]
[Sm. Ge. 8. 2 : Ps. 54 (55). 23.]
[Th. Is. 22. 22 : Da. 6. 18†.]

κλεῖθρον. (1) בְּרִיחַ (2) מַנְעוּל

Ne. 3. 3. θύρας αὐτῆς καὶ κλεῖθρα [S² τὰ κλ.] αὐτῆς (2)
— 6. B S κλεῖθρα [S² τὰ κλ.] αὐ. καὶ μοχλοὺς αὐ. (2)
— 13, 14. καὶ κλεῖθρα αὐτῆς καὶ μοχλοὺς αὐτῆς (2)
Jb. 26. 13. κλεῖθρα δὲ οὐρανοῦ δεδοίκασιν αὐτόν † (1)
38. 10. περιθεὶς κλεῖθρα καὶ πύλας
Ca. 5. 5. ἐπὶ χεῖρας τοῦ κλ. ἤνοιξα ἐγὼ τῷ ἀδελφιδῷ μου (2)
Ep. Je. 18. θυρώμασί τε καὶ κλείθροις

κλείς. (1) מַפְתֵּחַ (2) שְׁכֶמָה

Jd. 3. 25. ἔλαβον τὴν κλ. (1)
I Ch. 9. 27. καὶ οὗτοι ἐπὶ τῶν κλ. (1)
Jb. 31. 22. ἀποσταίη ἄρα ὁ ὦμός μου ἀπὸ τῆς κλ. (2)
Is. 22. 22. S R δώσω αὐτῷ [A om.] τὴν κλ. οἴκου Δαυίδ (1)
Da. LXX. Bel 12. ἐπισφραγίσεις τὰς κλ. τοῦ ναοῦ [Aq., Th. Is. 22. 22.]

κλέμμα. (1) *a.* גְּנֵבָה *b.* גְּנֵבָה

Ge. 31. 39. ἀπετίννυον . . . κλέμματα ἡμέρας καὶ κλέμματα νυκτός (1 a, 1 a)
Ex. 22. 3 (2). πραθήτω ἀντὶ τοῦ κλ. (1 b)
— 4 (3). R ἐὰν δὲ καταλειφθῇ [A B -λημφ.] . . . τὸ κλ. (1 b)

κλέος. (1) שֵׁמַע

Jb. 28. 22. ἀκηκόαμεν δὲ αὐτῆς τὸ κλ. (1)
30. 8. κλέος ἐσβεσμένον [S¹ -ων] ἀπὸ γῆς –

κλέπτειν. (1) גָּנַב *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi. *d.* pu. *e.* גְּנֵבָה

Ge. 30. 33. κεκλεμμένον ἔσται παρ' ἐμοί (1 a)
31. 19. ἔκλεψε δὲ Ῥαχὴλ τὰ εἴδωλα (1 a)
— 30. ἵνα τί ἔκλεψας τοὺς θεούς μου (1 a)
— 32. Ῥαχὴλ . . . ἔκλεψεν αὐτούς (1 a)
40. 15. κλοπῇ ἐκλάπην ἐκ γῆς Ἑβραίων (1 d)
44. 5. ἵνα τί ἐκλέψατέ μου τὸ κόνδυ –
— 8. πῶς ἂν κλέψαιμεν . . . ἀργύριον (1 a)
Ex. 20. 14 (15). οὐ κλέψεις (1 a)
21. 17 (16). ὃς ἐὰν κλέψῃ τίς τινα τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1 a)
22. 1 (21. 37). ἐὰν δέ τις κλέψῃ μόσχον (1 a)
— 7 (6). ἐὰν . . . κλαπῇ ἐκ τῆς οἰκίας τοῦ ἀνθρώπου (1 d)
— 7 (6). ἐὰν εὑρεθῇ ὁ κλέψας (1 e)
— 8 (7). ἐὰν δὲ μὴ εὑρεθῇ ὁ κλέψας (1 e)
— 12 (11). ἐὰν δὲ κλαπῇ παρ' αὐτοῦ (1 a + 1 b)
Le. 19. 11. οὐ κλέψετε (1 a)
De. 5. 19 (17). οὐ κλέψεις (1 a)
24. 7. ἄνθρωπος κλέπτων ψυχήν (1 a)
Jo. 7. 11. κλέψαντες ἀπὸ τοῦ ἀναθέματος (1 a)
II Ki. 19. 41 (42). ἔκλεψάν σε οἱ ἀδελφοὶ ἡμῶν (1 a)
21. 12. οἳ ἔκλεψαν [A ἔθαψαν] αὐτούς (1 a)
IV Ki. 11. 2. ἔκλεψεν αὐτὸν ἐκ μέσου τῶν υἱῶν τοῦ βασ. (1 a)
II Ch. 22. 11. ἔκλεψεν αὐτὸν ἐκ μέσου υἱῶν τοῦ βασ. (1 a)
I Es. 4. 23. ἐκπορεύεται . . . λῃστεύειν καὶ κλέπτειν
— 24. καὶ ὅταν κλέψῃ καὶ ἁρπάσῃ
To. 1. 18. ἔθαψα αὐτοὺς κλέπτων [S al.]
— 18. S ἔκλεπτον τὰ σώματα αὐτῶν [A B al.]
Jb. 17. 2. A B S² ἔκλεψαν δέ μου τὰ ὑπάρχοντα ἀλλότριοι †
Pr. 6. 30. οὐ θαυμαστὸν ἐὰν ἁλῷ τις κλέπτων κλέπτει γὰρ ἵνα ἐμπλήσῃ τὴν ψυχὴν πεινῶν [A -ῶσαν] (1 e, 1 a)
24. 32 (30. 9). ἢ πενηθεὶς κλέψω (1 a)
Ob. 1. 5. οὐκ ἂν ἔκλεψαν τὰ ἱκανὰ ἑαυτοῖς (1 a)
Je. 7. 9. A B S² καὶ κλέπτετε (1 a)
23. 30. A S R τοὺς προφήτας . . . τοὺς κλέπτοντας τοὺς λόγους μου (1 c)
Da. LXX. Su. 12. ἐρχόμενοι ἔκλεπτον ἀλλήλους [Aq. Ge. 31. 27.]

κλέπτης. (1) *a.* גָּנַב *b.* גַּנָּב

Ex. 22. 2 (1). ἐὰν δὲ ἐν τῷ διορύγματι εὑρεθῇ ὁ κλ. (1 b)
De. 24. 7. ἀποθανεῖται ὁ κλ. ἐκεῖνος (1 b)
Jb. 24. 14. νυκτὸς ἔσται ὡς κλέπτης (1 b)
30. 5. ἐπανέστησάν μοι κλέπται (1 b)
Ps. 49 (50). 18. εἰ ἐθεώρεις κλέπτην (1 b)
Pr. 29. 24. ὃς μερίζεται [S² συμμερ., S¹ ἐρίζεται] κλέπτῃ (1 b)
Si. 5. 14. ἐπὶ γὰρ τῷ κλ. ἐστὶν αἰσχύνη
20. 25. αἱρετὸν κλέπτης ἢ [A om.] ὁ ἐνδελεχίζων ψεύδει
Ho. 7. 1. καὶ κλέπτης πρὸς αὐτὸν εἰσελεύσεται (1 b)
Jl. 2. 9. διὰ θυρίδων εἰσελεύσονται ὡς κλέπται (1 b)
Ob. 1. 5. εἰ κλέπται εἰσῆλθον πρὸς σέ (1 b)
Za. 5. 3. πᾶς ὁ κλ. ἐκ τούτου (1 a)
— 4. εἰσελεύσεται [A -σομαι] εἰς τὸν οἶκον τοῦ κλ. (1 b)
Is. 1. 23. οἱ ἄρχοντές σου ἀπειθοῦσι κοινωνοὶ κλεπτῶν (1 b)
Je. 2. 26. ὡς αἰσχύνη κλέπτου ὅταν ἁλῷ (1 b)
29 (49). 9. ὡς κλέπται ἐν νυκτὶ ἐπιθήσουσι χεῖρα [A S -ας] αὐτῶν (1 b)
Ep. Je. 57. οὔτε ἀπὸ κλεπτῶν οὔτε ἀπὸ λῃστῶν
[Aq. Pr. 6. 30 : 29. 24.]
[Sm., Quint. Ho. 7. 1.]

κλεψιμαῖος.

To. 2. 13. μὴ κλεψιμαῖόν ἐστιν
— 13. οὐ γὰρ θεμιτόν ἐστι φαγεῖν κλεψιμαῖον [S al.]

κληδονίζεσθαι. (1) עָנַן po.

De. 18. 10. οὐχ εὑρεθήσεται . . . κληδονιζόμενος (1)
IV Ki. 21. 6 : II Ch. 33. 6. καὶ ἐκληδονίζετο (1)
[Aq. Le. 19. 26 : Mi. 5. 12 (11).]
[Sm. Is. 57. 3.]

κληδονισμός. (1) עָנַן po.

De. 18. 14. A οὗτοι κληδονισμῶν [B -όνων] . . . ἀκούσονται (1)
Is. 2. 6. ἐνεπλήσθη ὡς τὸ ἀπ' ἀρχῆς ἡ χώρα αὐτῶν κληδονισμῶν (1)

κληδών. (1) עָנַן po.

De. 18. 14. οὗτοι κληδόνων [A -ονισμῶν] . . . ἀκούσονται (1)
[Aq., Th. Je. 27 (34). 9.]

κλῆμα. (1) דָּלִית (2) זְמוֹרָה (3) נְטִישׁוֹת (4) עָנָף (5) קָצִיר (6) שָׂרִיג

Nu. 13. 24 (23). A R ἔκοψαν ἐκεῖθεν κλῆμα [B -ματα] (2)
Ps. 79 (80). 11. ἐξέτεινε τὰ κλ. αὐτῆς ἕως θαλάσσης (5)
Jl. 1. 7. ἐλεύκανε τὰ [A S om.] κλήματα αὐτῆς (6)
Na. 2. 2 (3). καὶ τὰ κλήματα αὐτῶν διέφθειραν (2)
Ma. 4. 1 (3. 19). οὐ μὴ ὑπολειφθῇ ἐξ αὐτῶν ῥίζα οὐδὲ κλῆμα (4)
Je. 31 (48). 32. κλήματά σου διῆλθε θάλασσαν (3)
Ez. 8. 17. A ἐκτείνουσιν τὸ κλ. (2)
15. 2. ἐκ πάντων τῶν ξύλων τῶν κλ. [B¹ om.τ.κλ.] (2)
17. 6. τοῦ ἐπιφαίνεσθαι αὐτὴν [A -τῇ] τὰ κλ. αὐτῆς (1)
— 7. τὰ κλ. αὐτῆς [A add. καὶ] ἐξαπέστειλεν αὐτῷ [A -ὴν] (1)

Ez. 17. 23. τὰ κλ. αὐτοῦ ἀποκατασταθήσεται (1)
19. 11. εἶδε τὸ μέγεθος αὐτῆς ἐν πλήθει κλημάτων αὐτῆς (1)
[Aq. Ez. 17. 6.]
[Sm. Is. 16. 8.]
[Th. Ps. 79 (80). 12 : Ez. 8. 17.]
[Quint. Ps. 79 (80). 12.]

κληματίζειν.

[Al. Le. 25. 4.]

κληματίς. (1) נְטִישׁוֹת (2) שְׁדֵמָה

De. 32. 32. ἡ κλ. αὐτῶν ἐκ Γομόρρας (2)
Is. 18. 5. τὰς κλ. ἀφελεῖ (1)
Da. LXX. 3. (46). στυππίον καὶ πίσσαν καὶ κληματίδα
Da. TH. 3. (46). πίσσαν καὶ στιππύον καὶ κληματίδα [A -as]
[Aq., Sm. Ge. 40. 10.]
[Th. Is. 25. 5.]

κληροδοσία. (1) נַחֲלָה

Ps. 77 (78). 55. ἐκληροδότησεν αὐτοὺς ἐν σχοινίῳ κληροδοσίας (1)
Ec. 7. 12 (11). A S ἀγαθὴ σοφία μετὰ κληροδοσίας [B -νομίας] (1)
Da. LXX. 11. 21. κατισχύσει βασιλεὺς ἐν κληροδοσίᾳ αὐτοῦ †
— 34. καὶ πολλοὶ ὡς ἐν κληροδοσίᾳ †
I Ma. 10. 89. ἔδωκεν αὐτῷ τὴν Ἀκκ. . . . εἰς κληροδοσίαν
[Aq. De. 4. 20 : Ps. 27 (28). 9 : 32 (33). 12 : 67 (68). 10.]
[Sm. Is. 49. 8.]

κληροδοτεῖν. (1) יָרַשׁ hi. (2) נָפַל hi.

II Es. 9. 12. καὶ κληροδοτήσητε [A -ρονομήσητε] τοῖς υἱοῖς ὑμῶν (1)
Ps. 77 (78). 55. ἐκληροδότησεν αὐτοὺς ἐν σχοινίῳ κληροδοσίας (2)
Si. 17. 11. νόμον ζωῆς ἐκληροδότησεν αὐτοῖς [A S^2 -ούς]
[Aq. De. 32. 8 : Pr. 8. 21 : Is. 57. 13.]
[Sm. Pr. 8. 21 : Is. 49. 8.]
[Th. Pr. 8. 21.]
[Al. Ex. 34. 9 : Pr. 13. 22.]

κληρονομεῖν. (1) אָחַז ni. (2) בָּזַז (3) חָלַק pi. (4) יָדַע (5) יָרַשׁ *a.* qal. *b.* hi. *c.* יְרֻשָּׁה (6) לָכַד (7) נָחַל *a.* qal. *b.* hi. *c.* hithp. *d.* נַחֲלָה *e.* חֶלֶק נַחֲלָה *f.* נָתַן נַחֲלָה

Ge. 15. 3. B ὁ δὲ οἰκογενής μου κληρονομήσει με (5 *a*)
— 4. B οὐ κληρονομήσει σε οὗτος (5 *a*)
— 4. B οὗτος κληρονομήσει σε (5 *a*)
— 7. δοῦναί σοι τὴν γῆν ταύτην κληρονομῆσαι (5 *a*)
— 8. ὅτι κληρονομήσω αὐτήν (5 *a*)
21. 10. οὐ γὰρ μὴ κληρονομήσει ὁ υἱὸς τῆς παιδίσκης (5 *a*)
22. 17 : 24. 60. κληρονομήσει τὸ σπέρμα σου τὰς πόλεις (5 *a*)
28. 4. κληρονομῆσαι τὴν γῆν (5 *a*)
47. 27. ἐκληρονόμησαν [A -μήθησαν] ἐπ' αὐτῆς (1)
Ex. 23. 30. ἕως ἂν . . . κληρονομήσῃς τὴν γῆν (7 *a*)
Le. 20. 24. A R κληρονομήσετε [B -σατε] τὴν γῆν αὐτῶν (5 *a*)
Nu. 14. 24. τὸ σπέρμα αὐτοῦ κληρονομήσει αὐτήν (5 *b*)
— 31. κληρονομήσουσι τὴν γῆν (4)
18. 20. ἐν τῇ γῇ αὐτῶν οὐ κληρονομήσεις (7 *a*)
— 23. οὐ κληρονομήσουσι κληρονομίαν (7 *a*)
— 24. οὐ κληρονομήσουσι κλῆρον (7 *a*)
21. 35. ἐκληρονόμησαν τὴν γῆν αὐτῶν (5 *a*)
26. 53. κληρονομεῖν ἐξ ἀριθμοῦ ὀνομάτων (7 *d*)
— 55. κατὰ φυλὰς πατριῶν αὐτῶν κληρονομήσουσιν (7 *a*)
27. 11. R κληρονομῆσαι [A B -σει] τὰ αὐτοῦ (5 *a*)
32. 19. οὐκέτι κληρονομήσωμεν ἐν αὐτοῖς (7 *a*)
33. 54. κατὰ φυλὰς πατριῶν ὑμῶν κληρονομήσετε (7 *c*)
34. 17. οἳ κληρονομήσουσιν ὑμῖν [A *om.*] τὴν γῆν (7 *a*)
35. 8. B ἣν κληρονομήσουσι [A R κατακλ.] (7 *a*)
De. 1. 8. κληρονομήσατε τὴν γῆν (5 *a*)
— 21. ἀναβάντες κληρονομήσατε [A -μεῖτε] (5 *a*)
De. 1. 39. αὐτοὶ κληρονομήσουσιν αὐτήν (5 *a*)
2. 9. δέδωκα τὴν Ἀρ. κληρονομεῖν (5 *c*)
— 24. ἐνάρχου κληρονομεῖν (5 *a*)
— 31. ἔναρξαι κληρονομῆσαι τὴν γῆν αὐτοῦ (5 *a*)
3. 12. A B^3 R τὴν γῆν ἐκείνην ἐκληρονομήσαμεν [B^1 ἐπρονομεύσ.] (5 *a*)
4. 1. καὶ εἰσελθόντες κληρονομήσητε τὴν γῆν (5 *a*)
— 5. εἰσπορεύεσθε ἐκεῖ κληρονομεῖν αὐτήν (5 *a*)
— 14. A R εἰσπορεύεσθε ἐκεῖ κληρονομῆσαι [B -μεῖν] αὐτήν (5 *a*)
— 22. κληρονομήσετε τὴν γῆν τὴν ἀγαθὴν ταύτην (5 *a*)
— 26. διαβαίνετε . . . ἐκεῖ κληρονομῆσαι [A κλ. αὐτήν] (5 *a*)
— 38. δοῦναί σοι τὴν γῆν αὐτῶν κληρονομεῖν (7 *d*)
— 47. ἐκληρονόμησαν τὴν γῆν αὐτοῦ (5 *a*)
5. 33 (30). A R ἣν [B ἧς] κληρονομήσετε (5 *a*)
6. 1. εἰσπορεύεσθε ἐκεῖ κληρονομῆσαι αὐτήν [A B^2 *om.*] (5 *a*)
— 18. καὶ κληρονομήσῃς [A -σεις] τὴν γῆν (5 *a*)
7. 1. A R εἰσπορεύῃ ἐκεῖ κληρονομῆσαι αὐτήν [B *om.*] (5 *a*)
8. 1. καὶ κληρονομήσητε τὴν γῆν (5 *a*)
9. 1. κληρονομῆσαι ἔθνη μεγάλα (5 *a*)
— 4. κληρονομῆσαι τὴν γῆν τὴν ἀγαθὴν ταύτην (5 *a*)
— 5. εἰσπορεύῃ κληρονομῆσαι τὴν γῆν αὐτῶν (5 *a*)
— 6. δίδωσί σοι τὴν γῆν . . . κληρονομῆσαι (5 *a*)
— 23. κληρονομήσατε τὴν γῆν (5 *a*)
10. 11. κληρονομείτωσαν τὴν γῆν (5 *a*)
11. 8. A R κληρονομήσητε [B -ετε] τὴν γῆν (5 *a*)
— 8. διαβαίνετε τὸν Ἰορδ. ἐκεῖ κληρονομῆσαι αὐτήν (5 *a*)
— 10, 11. εἰς ἣν εἰσπορεύῃ ἐκεῖ κληρονομῆσαι αὐτήν (5 *a*)
— 23. κληρονομήσετε ἔθνη μεγάλα (5 *a*)
— 29. διαβαίνεις ἐκεῖ κληρονομῆσαι αὐτήν (5 *a*)
— 31. εἰσελθόντες κληρονομῆσαι τὴν γῆν (5 *a*)
— 31. A καὶ κληρονομήσετε αὐτήν (5 *a*)
12. 2. οὓς ὑμεῖς κληρονομεῖτε [A κατακλ.] αὐτούς (5 *a*)
— 29. εἰσπορεύῃ ἐκεῖ κληρονομῆσαι τὴν γῆν (5 *a*)
16. 20. καὶ εἰσελθόντες κληρονομήσητε τὴν γῆν (5 *a*)
17. 14. καὶ κληρονομήσῃς αὐτήν [A -ῆς] (5 *a*)
19. 14. A^2 κληρονομῆσαι αὐτήν (5 *a*)
20. 15 (16). δίδωσί σοι κληρονομεῖν τὴν γῆν αὐτῶν (7 *d*)
21. 1. δίδωσί σοι κληρονομῆσαι (5 *a*)
23. 20 (21). A R εἰς ἣν εἰσπορεύῃ ἐκεῖ κληρονομῆσαι [B -μεῖν] αὐτήν (5 *a*)
25. 19. δίδωσί σοι κληρονομῆσαι [A *al.*] (7 *d* + 5 *a*)
26. 1. δίδωσί σοι κληρονομῆσαι [A *al.*] (7 *d*)
28. 21. εἰσπορεύῃ ἐκεῖ κληρονομῆσαι αὐτήν (5 *a*)
— 63. A R εἰσπορεύῃ ἐκεῖ κληρονομῆσαι [B -μεῖν] αὐτήν (5 *a*)
30. 5. ἣν ἐκληρονόμησαν οἱ πατέρες σου (5 *a*)
— 5. καὶ κληρονομήσεις αὐτήν (5 *a*)
— 16. A R εἰσπορεύῃ ἐκεῖ κληρονομῆσαι [B -μεῖν] αὐτήν (5 *a*)
— 18 : 31. 13. A R διαβαίνετε . . . κληρονομῆσαι [B -μεῖν] αὐτήν (5 *a*)
32. 47. διαβαίνετε . . . κληρονομῆσαι [A *add.* αὐτήν] (5 *a*)
33. 23. θάλασσαν καὶ λίβα κληρονομήσει (5 *a*)
Jo. 1. 15. καὶ κληρονομήσωσι [A -σουσιν] (5 *a*)
12. 7. ἔδωκεν αὐτὴν Ἰ. ταῖς φυλαῖς Ἰσρ. κληρονομεῖν [A -μίαν] (5 *c*)
14. 2. κατὰ κλήρους ἐκληρονόμησαν [B^2 -μήθησαν] (7 *d*)
16. 4. ἐκληρονόμησαν οἱ υἱοὶ Ἰωσήφ (7 *a*)
17. 6. ἐκληρονόμησαν κλῆρον (7 *a*)
— 14. διὰ τί ἐκληρονόμησας ἡμῖν κλῆρον ἕνα (7 *f*)
18. 2. οἳ οὐκ ἐκληρονόμησαν [A οὐ κατεκλ.] (7 *e*)
— 3. κληρονομῆσαι τὴν γῆν (5 *a*)
19. 9. ἐκληρονόμησαν οἱ υἱοὶ Συμεών (7 *a*)
22. 9. ἣν ἐκληρονόμησαν αὐτήν [A *om.*] (1)
24. 4. ἔδωκα . . . τὸ ὄρος τὸ Σηεὶρ κληρονομῆσαι [A -νομίαν] αὐτῷ (5 *a*)
Jd. 1. 18. οὐκ ἐκληρονόμησεν Ἰ. τὴν Γάζαν (6)
— 19. ἐκληρονόμησε τὸ ὄρος (5 *b*)
— 19. A οὐκ ἐδύνατο κληρονομῆσαι τοὺς κατοικοῦντας [B *al.*] (5 *b*)
— 20. ἐκληρονόμησεν ἐκεῖθεν τὰς τρεῖς πόλεις (5 *b*)
— 21. τὸν Ἰεβ. . . . οὐκ ἐκληρονόμησαν [A ἐξῆραν] (5 *b*)
— 27. A οὐκ ἐκληρονόμησεν [B ἐξῆρεν] M. τὴν B. (5 *b*)
Jd. 3. 13. ἐκληρονόμησε τὴν πόλιν τῶν φοινίκων (5 *a*)
11. 2. οὐ κληρονομήσεις ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ πατρὸς ἡμῶν (7 *a*)
— 21. ἐκληρονόμησεν Ἰσρ. πᾶσαν τὴν γῆν (5 *a*)
— 21. A ἐκληρονόμησεν πᾶν τὸ ὅριον (5 *a* ?)
— 23. καὶ σὺ κληρονομήσεις αὐτόν (5 *a*)
— 24. ἃ ἐὰν κληρονομήσει σε [A *al.*] (5 *b*)
— 24. οὐχὶ . . . αὐτὰ κληρονομήσεις (5 *a*)
— 24. αὐτοὺς [A -ὰ] κληρονομήσομεν [A -ωμεν] (5 *a*)
18. 9. τοῦ κληρονομῆσαι [A τοῦ . . . κατακλ.] τὴν γῆν (5 *a*)
III Ki. 20 (21). 15. κληρονόμει τὸν ἀμπελῶνα Ναβ. (5 *a*)
— 16. κατέβη Ἀχ. . . . κληρονομῆσαι αὐτόν (5 *a*)
— 18. καταβέβηκεν ἐκεῖ κληρονομῆσαι αὐτόν (5 *a*)
— 19. ὡς σὺ ἐφόνευσας καὶ ἐκληρονόμησας [A -α] (5 *a*)
IV Ki. 17. 24. ἐκληρονόμησαν τὴν Σαμ. (5 *a*)
I Ch. 28. 6. B κληρονομήσει [A R οἰκοδομ.] τὸν οἶκόν μου †
— 8. ἵνα κληρονομήσητε τὴν γῆν τὴν ἀγαθήν (5 *a*)
I Es. 8. 83. εἰς ἣν εἰσέρχεσθε κληρονομῆσαι
II Es. 9. 11. εἰς ἣν εἰσπορεύεσθε κληρονομῆσαι αὐτήν (5 *a*)
— 12. A καὶ κληρονομήσητε [A -ροδοτήσητε] τοῖς υἱοῖς ὑμῶν (5 *b*)
Ne. 9. 15. εἰσελθεῖν κληρονομῆσαι τὴν γῆν (5 *a*)
— 22. ἐκληρονόμησαν τὴν γῆν Σηών (5 *a*)
— 23. καὶ ἐκληρονόμησαν αὐτήν (5 *a*)
— 25. καὶ ἐκληρονόμησαν οἰκίας (5 *a*)
To. 3. 15. ὃ κληρονομήσει αὐτόν [S *al.*]
— 17. διότι Τωβίᾳ ἐπιβάλλει κληρονομῆσαι αὐτήν
4. 12. A B τὸ σπέρμα αὐτῶν κληρονομήσει γῆν
6. 11. S κληρονομῆσαι αὐτήν [A B *al.*]
— 11. S τὰ ὄντα τῷ πατρὶ αὐτῆς σοι δικαιοῦται κληρονομῆσαι
14. 13. ἐκληρονόμησε τὴν οὐσίαν αὐτῶν [S *al.*]
Ju. 5. 15. ἐκληρονόμησαν πᾶσαν τὴν ὀρεινήν
Ps. 5. *tit.* εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῆς κληρονομούσης †
24 (25). 13. τὸ σπέρμα αὐτοῦ κληρονομήσει γῆν (5 *a*)
36 (37). 9. αὐτοὶ κληρονομήσουσι τὴν γῆν (5 *a*)
— 11. οἱ δὲ πραεῖς κληρονομήσουσι γῆν (5 *a*)
— 22. οἱ εὐλογοῦντες αὐτὸν κληρονομήσουσι γῆν (5 *a*)
— 29. δίκαιοι δὲ κληρονομήσουσι γῆν (5 *a*)
43 (44). 3. οὐ γὰρ ἐν τῇ ῥομφαίᾳ αὐτῶν ἐκληρονόμησαν γῆν (5 *a*)
68 (69). 35. καὶ κληρονομήσουσιν αὐτήν (5 *a*)
82 (83). 12. A S κληρονομήσωμεν ἑαυτοῖς τὸ ἁγιαστήριον [B θυσιαστ.] (5 *a*)
104 (105). 44. πόνους λαῶν ἐκληρονόμησαν [A S^2 κατεκλ.] (5 *a*)
118 (119). 111. ἐκληρονόμησα τὰ μαρτύριά σου (7 *a*)
Pr. 3. 35. δόξαν σοφοὶ κληρονομήσουσιν (7 *a*)
11. 29. κληρονομήσει ἄνεμον (7 *a*)
13. 22. ἀγαθὸς ἀνὴρ κληρονομήσει υἱοὺς υἱῶν (7 *b*)
Si. 4. 13. ὁ κρατῶν αὐτῆς κληρονομήσει δόξαν
6. 1. ὄνομα γὰρ πονηρὸν αἰσχύνην καὶ ὄνειδος κληρονομήσει
10. 11. ἐν γὰρ τῷ ἀποθανεῖν ἄνθρωπον κληρονομήσει ἑρπετὰ καὶ θηρία
19. 3. σκώληκες κληρονομήσουσιν αὐτόν [S^1 τὴν γῆν]
20. 25. ἀμφότεροι δὲ ἀπώλειαν κληρονομήσουσιν
22. 4. θυγάτηρ φρονίμη κληρονομήσει ἄνδρα αὐτῆς
24. 8. A ἐν Ἰσραὴλ κληρονομήθητι [B S κατακλ.]
37. 26. ὁ σοφὸς ἐν τῷ λαῷ αὐ. κληρονομήσει πίστιν
39. 23. ὀργὴν αὐτοῦ ἔθνη κληρονομήσει
45. 22. ἐν γῇ λαοῦ οὐ κληρονομήσει
46. 1. ὅπως κληρονομήσῃ [A S κατακλ.] τὸν Ἰσ.
Ho. 9. 6. τὸ ἀργύριον αὐτῶν ὅλεθρος κληρονομήσει αὐτό [A *om.*] (5 *a*)
Ob. 1. 20. κληρονομήσουσι τὰς πόλεις τοῦ ναγέβ (5 *a*)
Ze. 2. 9. οἱ κατάλοιποι . . . κληρονομήσουσιν αὐτούς (7 *a*)
Za. 9. 4. κύριος κληρονομήσει αὐτούς [A S^1 αὐτήν] (5 *b*)
Is. 14. 21. ἵνα μὴ ἀναστῶσι καὶ τὴν γῆν κληρονομήσωσι [S -σουσιν] (5 *a*)
17. 14. κληρονομία τοῖς ὑμᾶς κληρονομήσασιν [S^1 -σουσιν, A *al.*] (2 ?)
34. 17. εἰς τὸν αἰῶνα χρόνον κληρονομήσετε [A -σατε] (5 *a*)
49. 8. κληρονομῆσαι κληρονομίας ἐρήμους [A S *al.*] (7 *b*)
53. 12. κληρονομήσει πολλούς (3)
54. 3. τὸ σπέρμα σου ἔθνη κληρονομήσει (5 *a*)
57. 13. κληρονομήσουσι τὸ ὄρος τὸ ἅγιόν μου (5 *a*)

Is. 58. 11. A κληρονομήσουσι γενεὰς γενεῶν –
60. 21. δι' αἰῶνος κληρονομήσουσι τὴν γῆν (5 *a*)
61. 7. ἐκ δευτέρας κληρονομήσουσι τὴν γῆν [S^1 *al.*] (5 *a*)
62. 4. οὐκέτι κληθήσῃ [S^1 κληρονομηθ.] Κατα-λελειμμένη †
63. 18. ἵνα μικρὸν κληρονομήσωμεν τοῦ ὄρους τοῦ ἁγίου σου (5 *a*)
65. 9. κληρονομήσει τὸ ὄρος τὸ ἅγιόν μου καὶ κληρονομήσουσιν οἱ ἐκλεκτοί μου (5 *b*, 5 *a*)
Ez. 7. 24. A κληρονομήσουσιν τοὺς οἴκους αὐτῶν (5 *a*)
32. 25, 26. A τὴν γῆν κληρονομήσετε (5 *a*)
35. 10. κληρονομήσω αὐτάς (5 *a*)
36. 12. κληρονομήσουσιν ὑμᾶς (5 *a*)
45. 9. A τὴν γῆν κληρονομήσουσιν –
I Ma. 1. 32. τὰ κτήνη ἐκληρονόμησαν [S^1 *om.*, S^2 ἑκλ. ἑαυτοῖς]
2. 10. A R ποῖον ἔθνος οὐκ ἐκληρονόμησε [S *add.* ἐν] βασιλείᾳ
— 57. Δαυὶδ . . . ἐκληρονόμησε θρόνον βασιλείας
[Aq. Pr. 14. 18 : 30. 23 : Is. 34. 11 : 61. 7 : Je. 12. 13 : 32 (39). 23 : 49 (30). 2 : Ez. 33. 24.]
[Sm. Dt. 11. 11 : Pr. 14. 18 : 30. 23 : Is. 34. 11 : 57. 13 : 61. 7 : Je. 32 (39). 23 : 49 (30). 2 : Ez. 33. 24.]
[Th. Pr. 14. 18 : 30. 23 : Is. 34. 11 : 57. 13 : 61. 7 : Ez. 7. 24 : 33. 24, 25, 26.]
[Al. Dt. 2. 12 : 19. 14 : Jo. 22. 9.]

κληρονομία. (1) אֲחֻזָּה (2) גְּבוּל (3) גּוֹרָל (4) חֵלֶק (5) *a.* יְרֻשָּׁה *b.* יְרֻשָּׁה *c.* יְרֻשָּׁה *d.* מוֹרָשָׁה *e.* מוֹרָשָׁת (6) *a.* נַחֲלָה *b.* נַחֲלַת

Ge. 31. 14. μὴ ἔστιν ἡμῖν ἔτι . . . κληρονομία (6 *a*)
Ex. 15. 17. εἰς ὄρος κληρονομίας σου (6 *a*)
Nu. 18. 20. B καὶ κληρονομία σου (6 *a*)
— 23. οὐ κληρονομήσουσι κληρονομίαν (6 *a*)
24. 18. ἔσται Ἐδὼμ κληρονομία καὶ ἔσται κληρονομία Ἡσαῦ (5 *b*, 5 *b*)
26. 54. τοῖς πλείοσι πλεονάσεις τὴν κλ. καὶ τοῖς ἐλάττοσιν ἐλαττώσεις τὴν κλ. αὐτῶν (6 *a*, 6 *a*)
— 54. δοθήσεται ἡ κλ. αὐτῶν (6 *a*)
— 56. ἐκ τοῦ κλήρου μεριεῖς τὴν κλ. αὐτῶν (6 *a*)
27. 7. δόμα δώσεις αὐταῖς κατάσχεσιν κληρονομίας (6 *a*)
— 8. περιθήσετε τὴν κλ. αὐτοῦ τῇ θυγατρὶ αὐ. (6 *a*)
— 9. δώσετε τὴν κλ. τῷ ἀδελφῷ αὐτοῦ (6 *a*)
— 10. δώσετε τὴν κλ. τῷ ἀδ. τοῦ πατρὸς αὐ. (6 *a*)
— 11. δώσετε τὴν κλ. τῷ οἰκείῳ τῷ ἐγγιστα αὐτοῦ (6 *a*)
32. 18. ἕκαστος εἰς τὴν κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
34. 2. A B^2 R αὕτη ἔσται ὑμῖν εἰς [B^1 εἰς τὴν] κληρονομίαν (6 *a*)
35. 8. ἕκαστος κατὰ τὴν κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
36. 2. ἀποδοῦναι τὴν γῆν τῆς κλ. (6 *a*)
— 2. δοῦναι τὴν κλ. Σ. . . . ταῖς θυγατράσιν αυτοῦ (6 *a*)
— 3. προστεθήσεται εἰς [A εἰς τὴν] κληρονομίαν (6 *a*)
— 3. ἐκ τοῦ κλήρου τῆς κλ. ἡμῶν (6 *a*)
— 4. προστεθήσεται ἡ κλ. αὐτῶν ἐπὶ τὴν κλ. τῆς φυλῆς (6 *a*, 6 *a*)
— 4. ἀπὸ τῆς κλ. φυλῆς πατριᾶς ἡμῶν ἀφαιρεθήσεται ἡ κλ. αὐτῶν (6 *a*, 6 *a*)
— 7. οὐχὶ περιστραφήσεται κληρονομία . . . ἀπὸ φυλῆς (6 *a*)
— 7. ἕκαστος ἐν τῇ κλ. τῆς φυλῆς (6 *a*)
— 8. πᾶσα θυγάτηρ ἀγχιστεύουσα κληρονομίαν (6 *a*)
— 8. ἕκαστος τὴν κλ. τὴν πατρικήν (6 *a*)
— 9. ἕκαστος ἐν τῇ κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
— 12. ἐγενήθη ἡ κλ. αὐτῶν ἐπὶ τὴν φυλήν (6 *a*)
De. 2. 12. τὴν γῆν τῆς [A *om.*] κλ. αὐτοῦ (5 *c*)
3. 20. ἕκαστος εἰς τὴν κλ. αὐτοῦ (5 *c*)
9. 26. A καὶ τὴν κλ. [B μερίδα] σου (6 *a*)
12. 9. οὐ γὰρ ἥκατε . . . εἰς τὴν κλ. (6 *a*)
19. 14. ἐν τῇ κλ. ᾗ [A σου ἣν] κατεκληρονομήθης (6 *a*)
32. 9. σχοίνισμα κληρονομίας αὐτοῦ Ἰσρ. (6 *a*)
33. 4. κληρονομίαν συναγωγαῖς Ἰακώβ (5 *d*)
Jo. 1. 15. ἕκαστος εἰς τὴν κλ. αὐτοῦ (5 *c*)
11. 23. ἔδωκεν αὐτοὺς Ἰ. ἐν κληρονομίᾳ Ἰσρ. (6 *a*)
12. 6. ἔδωκεν αὐτὴν Μ. ἐν κληρονομίᾳ [A -ρφ] (5 *c*)
— 7. A ἔδωκεν αὐτὴν Ἰ. . . . κληρονομίαν [B -νομεῖν] (5 *c*)
Jo. 13. 1. ἡ γῆ ὑπολέλειπται πολλὴ εἰς κληρονομίαν (5 *a*)
— 7. μέρισον τὴν γῆν ταύτην ἐν κληρονομίᾳ (6 *a*)
— 14. τῆς φυλῆς [A τῇ φ. τῇ] Λευὶ οὐκ ἐδόθη κληρονομία (6 *a*)
— 14. οὗτος κληρονομία αὐτῶν (6 *a*)
— 23. αὕτη ἡ κλ. υἱῶν Ῥουβήν (6 *a*)
— 28. αὕτη ἡ κλ. υἱῶν Γάδ (6 *a*)
15. 20. αὕτη ἡ κλ. φυλῆς υἱῶν Ἰούδα (6 *a*)
16. 5. ἐγενήθη τὰ ὅρια τῆς κλ. αὐτῶν (6 *a*)
— 8. αὕτη ἡ κλ. φυλῆς [A *add.* υἱῶν] Ἐφραΐμ (6 *a*)
— 9. ἀνὰ μέσον τῆς κλ. υἱῶν Μανασσῆ (6 *a*)
17. 4. δοῦναι ἡμῖν κληρονομίαν (6 *a*)
18. 7. ἐλάβοσαν τὴν κλ. αὐτῶν (6 *a*)
— 20, 28. αὕτη ἡ κλ. υἱῶν Βενιαμίν (6 *a*)
19. 1. καὶ ἐγενήθη ἡ κλ. αὐτῶν (6 *a*)
— 8. αὕτη ἡ κλ. φυλῆς υἱῶν Συμεών (6 *a*)
— 9. ἡ κλ. φυλῆς υἱῶν Συμεών (6 *a*)
— 10. ἔσται τὰ ὁρία τῆς κλ. αὐτῶν (6 *a*)
— 16. αὕτη ἡ κλ. τῆς φυλῆς υἱῶν Ζαβ. (6 *a*)
— 23. αὕτη ἡ κλ. φυλῆς υἱῶν Ἰσσ. (6 *a*)
— 31. αὕτη ἡ κλ. φυλῆς υἱῶν Ἀσήρ (6 *a*)
— 39. αὕτη ἡ κλ. φυλῆς υἱῶν Νεφθ. (6 *a*)
— 48. αὕτη ἡ κλ. φυλῆς υἱῶν Δάν (6 *a*)
24. 4. A ἔδωκα . . . τὸ ὄρος τὸ Σηεὶρ κληρονομίαν [B -μῆσαι] αὐτῷ (5 *a*)
Jd. 2. 6. ἦλθεν [A ἀπῆλθαν] . . . εἰς τὴν κλ. (6 *a*)
— 9. ἐν ὁρίῳ [A ὄρει] τῆς κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
18. 1. ἐζήτει ἑαυτῇ κληρονομίαν (6 *a*)
— 1. οὐκ ἐνέπεσεν αὐτῇ . . . κληρονομία (6 *a*)
20. 6. ἐν παντὶ ὁρίῳ κληρονομίας υἱῶν [A *om.*] Ἰσρ. (6 *a*)
21. 17. κληρονομία διασωζομένων [A σεσωσμένη] (5 *c*)
— 23. ὑπέστρεψαν εἰς [A ἀπ. ἐπὶ] τὴν κλ. αὐτῶν (6 *a*)
— 24. A R ἀνὴρ εἰς τὴν [B *om.*] κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
Ru. 4. 5. ὥστε ἀναστῆσαι [A -σασθαι] . . . ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
— 6. μή ποτε διαφθείρω τὴν κλ. μου (6 *a*)
— 10. τοῦ ἀναστῆσαι . . . ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
I Ki. 10. 1. ἔχρισέ σε κύριος ἐπὶ κληρονομίαν αὐτοῦ (6 *a*)
26. 19. μὴ ἐστηρίσθαι ἐν κληρονομίᾳ κυρίου (6 *a*)
II Ki. 14. 16. ἐξᾶραί με . . . ἀπὸ κληρονομίας θεοῦ (6 *a*)
20. 1. οὐδὲ κληρονομία ἡμῖν ἐν τῷ υἱῷ Ἰ. (6 *a*)
— 19. ἵνα τί καταποντίζεις κληρονομίαν κυρίου (6 *a*)
21. 3. εὐλογήσετε τὴν κλ. κυρίου (6 *a*)
III Ki. 8. 36. ἣν ἔδωκας . . . ἐν κληρονομίᾳ (6 *a*)
— 51. λαός σου καὶ κληρονομία σου (6 *a*)
— 53. A R διέστειλας αὐτοὺς [B *om.*] σαυτῷ εἰς κληρονομίαν (6 *a*)
12. 16. οὐκ ἔστιν ἡμῖν κληρονομία ἐν υἱῷ Ἰ. (6 *a*)
— 24. B οὐδὲ κληρονομία ἐν υἱῷ Ἰ. –
20 (21). 3. δοῦναι κληρονομίαν πατέρων μου σοί (6 *a*)
— 4. A οὐ δώσω σοι κληρονομίαν πατέρων μου (6 *a*)
— 6. οὐ δώσω σοι κληρονομίαν πατέρων μου †
IV Ki. 21. 14. ἀπεώσομαι τὸ ὑπόλειμμα τῆς κλ. μου (6 *a*)
I Ch. 16. 18. σχοίνισμα κληρονομίας ὑμῶν (6 *a*)
21. 12. ἐξολεθρεύων ἐν [A *om.*] πάσῃ κλ. Ἰσρ. (2)
II Ch. 6. 27. ἣν ἔδωκας τῷ λαῷ σου εἰς κληρονομίαν (6 *a*)
10. 16. καὶ κληρονομία ἐν υἱῷ Ἰεσσαί (6 *a*)
20. 11. ἀπὸ [A ἐκ] τῆς κλ. ἡμῶν (5 *c*)
31. 1. ἕκαστος εἰς τὴν κλ. αὐτοῦ (1)
To. 6. 11. σοὶ ἐπιβάλλει ἡ κλ. αὐτῆς [S *al.*]
— 12. τὴν κλ. σοι καθήκει λαβεῖν [S *al.*]
Ju. 4. 12. καὶ τὰς πόλεις τῆς κλ.
8. 22. τὴν ἐρήμωσιν τῆς κλ. ἡμῶν
9. 12. καὶ θεὸς κληρονομίας Ἰσρ.
13. 5. ἀντιλαβέσθαι τῆς κλ. σου
16. 21. ἀνέζευξεν ἕκαστος [A *om.*] εἰς τὴν κλ. αὐτοῦ
Es. 4. 17. ἀπολέσαι τὴν ἐξ ἀρχῆς κλ. σου
— 17. ἔλαβες τὸν Ἰσρ. . . . εἰς κλ. αἰώνιον
— 17. ἀφανίσαι κληρονομίαν σου
10. 3. ἐδικαίωσε τὴν κλ. αὐτοῦ
Jb. 31. 2. καὶ κληρονομία ἱκανοῦ (6 *a*)
42. 15. ἔδωκε δὲ αὐταῖς ὁ πατὴρ κληρονομίαν (6 *a*)
Ps. 2. 8. δώσω σοι ἔθνη τὴν κλ. σου (6 *a*)
15 (16). 5. κύριος ἡ μερὶς τῆς κλ. μου (4)
— 5. σὺ εἶ ὁ ἀποκαθιστῶν τὴν κλ. μου ἐμοί (3)
— 6. ἡ κλ. μου κρατίστη μοί ἐστιν (6 *b*)
27 (28). 9. εὐλόγησον τὴν κλ. σου (6 *a*)
32 (33). 12. ὃν ἐξελέξατο εἰς κληρονομίαν ἑαυτῷ (6 *a*)
Ps. 36 (37). 18. ἡ κλ. αὐτῶν εἰς τὸν αἰῶνα ἔσται (6 *a*)
46 (47). 4. ἐξελέξατο ἡμῖν τὴν κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
60 (61). 5. ἔδωκας κληρονομίαν τοῖς φοβουμένοις τὸ ὄνομά σου (5 *c*)
67 (68). 9. βροχὴν ἑκούσιον ἀφοριεῖς, ὁ θεός, τῇ κλ. σου (6 *a*)
73 (74). 2. ἐλυτρώσω ῥάβδον κληρονομίας σου (6 *a*)
77 (78). 62. τὴν κλ. αὐτοῦ ὑπερεῖδε (6 *a*)
— 71. καὶ Ἰσραὴλ τὴν κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
78 (79). 1. ἦλθοσαν ἔθνη εἰς τὴν κλ. σου (6 *a*)
93 (94). 5. τὴν κλ. σου ἐκάκωσαν (6 *a*)
— 14. τὴν κλ. αὐτοῦ οὐκ ἐγκαταλείψει (6 *a*)
104 (105). 11. σχοίνισμα κληρονομίας ὑμῶν (6 *a*)
105 (106). 5. τοῦ ἐπαινεῖσθαι μετὰ τῆς κλ. [S^1 ἐν τῇ κλ.] σου (6 *a*)
— 40. ἐβδελύξατο τὴν κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
110 (111). 6. τοῦ δοῦναι αὐτοῖς κληρονομίαν ἐθνῶν (6 *a*)
126 (127). 3. ἰδοὺ ἡ κλ. κυρίου υἱοί (6 *a*)
134 (135). 12. A S ἔδωκε τὴν γῆν αὐ. κληρονομίαν κληρονομίαν Ἰσραὴλ δούλῳ αὐ. (6 *a*, 6 *a*)
135 (136). 21. καὶ δόντι τὴν γῆν αὐτῶν κληρονομίαν (6 *a*)
— 22. κληρονομίαν Ἰσραὴλ δούλῳ [S^2 λαῷ] αὐτοῦ (6 *a*)
Ec. 7. 12 (11). ἀγαθὴ σοφία μετὰ κληρονομίας [A S -δοσίας] (6 *a*)
Si. 9. 6. ἵνα μὴ ἀπολέσῃς τὴν κλ. σου [S^1 *al.*]
22. 23. ἵνα ἐν τῇ κλ. αὐτοῦ συγκληρονομήσῃς
23. 12. μὴ εὐρεθήτω ἐν κληρονομίᾳ Ἰακώβ
24. 7. ἐν κληρονομίᾳ τίνος αὐλισθήσομαι
— 12. ἐν μερίδι κυρίου κληρονομίας αὐτοῦ
— 20. ἡ κλ. μου ὑπὲρ μέλιτος κηροῦ [A καὶ κηρίου]
— 23. κληρονομίαν συναγωγαῖς Ἰακώβ
30. 32 (33. 23). ἐν καιρῷ τελευτῆς διάδος κληρονομίαν
41. 6. τέκνων ἁμαρτωλῶν ἀπολεῖται κληρονομία
42. 3. περὶ δόσεως κληρονομίας ἑταίρων [A S ἑτέρων]
44. 11. μετὰ τοῦ σπέρμ. αὐ. διαμενεῖ ἀγαθὴ κλ.
— 23. ἔδωκεν αὐτῷ ἐν κληρονομίᾳ
45. 20. ἔδωκεν αὐτῷ κληρονομίαν
— 22. αὐτὸς γὰρ μερίς σου κληρονομία [A S^2 καὶ κλ.]
— 25. κληρονομία βασιλέως υἱοῦ ἐξ υἱοῦ μόνου κληρονομία Ἀαρὼν [A αὐτῷ, S αὐτῶν] καὶ τῷ σπέρματι αὐτοῦ
46. 8. εἰσαγαγεῖν αὐτοὺς εἰς κληρονομίαν
— 9. τὸ σπέρμα αὐ. κατέσχε κληρονομίαν [A *al.*]
Mi. 1. 14. ἐξαποστελλομένους ἕως κληρονομίας Γ. (5 *c*)
— 15. κληρονομία ἕως Ὀδ. ἥξει †
2. 2. διήρπαζον . . . ἄνδρα καὶ τὴν κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
7. 14. ποίμαινε . . . πρόβατα κληρονομίας σου (6 *a*)
— 18. τοῖς καταλοίποις τῆς κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
Jl. 2. 17. καὶ μὴ δῷς τὴν κλ. σου εἰς ὄνειδος (6 *a*)
3 (4). 2. διακριθήσομαι πρὸς αὐτοὺς . . . ὑπὲρ . . . τῆς κλ. μου (6 *a*)
— 6. ἐκ τῶν ὁρίων [S^3 *add.* τῆς κλ.] αὐτῶν (2 ?)
Za. 4. 7. ἐξοίσω τὸν λίθον τῆς κλ. ἰσότητα χάριτος †
Ma. 1. 3. ἔταξα . . . τὴν κλ. αὐτοῦ εἰς δώματα ἐρήμου (6 *a*)
Is. 17. 14. κλ. τοῖς ὑμᾶς κληρονομήσασιν [A τῶν ὑ. κληρονομησάντων] (3)
19. 25. A S R εὐλογημένος ὁ λαός μου . . . καὶ ἡ [B *add.* γῆ] κλ. μου Ἰσραήλ (6 *a*)
47. 6. ἐμίανας τὴν κλ. μου (6 *a*)
49. 8. κληρονομῆσαι κληρονομίας ἐρήμους [A S *al.*] (6 *a*)
54. 17. ἔστι κλ. τοῖς θεραπεύουσι κύριον [A -ίῳ] (6 *a*)
58. 14. ψωμιεῖ σε τὴν κλ. Ἰακώβ (6 *a*)
63. 17. διὰ τὰς φυλὰς τῆς κλ. σου (6 *a*)
Je. 2. 7. τὴν κλ. μου [A καὶ] ἔθεσθε εἰς βδέλυγμα (6 *a*)
3. 19. δώσω σοι γῆν ἐκλεκτὴν κληρονομίαν θεοῦ (6 *a*)
10. 16. ὁ πλάσας τὰ πάντα αὐτὸς κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
12. 7. ἀφῆκα τὴν κλ. μου (6 *a*)
— 8. ἐγενήθη ἡ κλ. μου ἐμοὶ ὡς λέων (6 *a*)
— 9. μὴ σπήλαιον ὑαίνης [A ληστῶν] ἡ κλ. μου ἐμοί (6 *a*)
— 14. τάδε λέγει κύριος περὶ . . . τῶν ἁπτομένων τῆς κλ. μου (6 *a*)
— 15. κατοικιῶ αὐτοὺς ἕκαστον εἰς τὴν κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
16. 18. ἐπλημμέλησαν τὴν κλ. μου (6 *a*)

Je. 27 (50). 11. διαρπάζοντες τὴν κλ. μου (6 *a*)
28 (51). 19. ὁ πλάσας τὰ πάντα αὐτός ἐστι κλ. αὐτοῦ (6 *a*)
La. 5. 2. κλ. ἡμῶν μετεστράφη ἀλλοτρίοις (6 *a*)
Ez. 11. 15. ἡμῖν δέδοται ἡ γῆ εἰς κληρονομίαν (5 *d*)
25. 4. παραδίδωμι ὑμᾶς τοῖς υἱοῖς κεδὲμ εἰς κληρονομίαν (5 *d*)
— 10. δέδωκα αὐτῷ εἰς κληρονομίαν (5 *d*)
44. 28. ἔσται αὐτοῖς εἰς κληρονομίαν ἐγὼ κλ. αὐτοῖς (6 *a*, 6 *a*)
45. 1. ἐν τῷ καταμετρεῖσθαι ὑμᾶς τὴν γῆν ἐν κληρονομίᾳ (6 *a*)
46. 16. ἐὰν δῷ . . . ἐκ τῆς κλ. αὐτοῦ τοῦτο τοῖς υἱοῖς αὐτοῦ ἔσται κατάσχεσις κλ. [A *al.*] (6 *a*, 6 *a*)
— 17. A ἐὰν δὲ δῷ δόμα ἐκ τῆς κλ. αὐ. [B *al.*] (6 *a*)
— 17. πλὴν τῆς κλ. τῶν υἱῶν αὐτοῦ αὐτοῖς ἔσται (6 *a*)
— 18. οὐ μὴ λάβῃ ὁ ἀφηγούμενος ἐκ τῆς κλ. τοῦ λαοῦ (6 *a*)
— 18. A ἀπὸ τῆς κλ. αὐτοῦ (1)
47. 14. πεσεῖται ἡ γῆ αὕτη ὑμῖν ἐν κληρονομίᾳ (6 *a*)
— 22. μεθ' ὑμῶν φάγονται ἐν κληρονομίᾳ (6 *a*)
— 23. ἐκεῖ δώσετε κληρονομίαν αὐτοῖς (6 *a*)
48. 28. ἀπὸ . . . ὕδατος βαριμὼθ Κάδης κληρονομίας [A -*a*] (6 *a*)
I Ma. 2. 56. A ἔλαβε γῆν [S τὴν, R γῆς] κληρονομίαν
6. 24. αἱ κλ. ἡμῶν διηρπάζοντο
15. 33. ἀλλὰ τῆς κλ. τῶν πατέρων ἡμῶν
— 34. ἀντεχόμεθα τῆς κλ. τῶν [A ἡμῶν καὶ τ.] πατέρων ἡμῶν
II Ma. 2. 4. ἐθεάσατο τὴν τοῦ θεοῦ κλ.
— 17. R ἀποδοὺς τὴν κλ. [A κλ. αὐτοῦ] πᾶσι
[Aq. Ps. 46 (47). 5: 73 (74). 2: Pr. 17. 2: Je. 10. 16.]
[Sm. Jb. 27. 13: Pr. 17. 2: 20. 21.]
[Th. Jb. 27. 13: Pr. 17. 2: 20. 21: Je. 10. 16: 32 (39). 8: Ez. 35. 15.]

κληρονόμος. (1) יָרַשׁ

Jd. 18. 7. B κληρονόμος ἐκπιέζων θησαυρούς (1)
II Ki. 14. 7. ἐξαροῦμεν καί γε τὸν κλ. ὑμῶν (1)
Si. 23. 22. γυνὴ . . . παριστῶσα κληρονόμον ἐξ ἀλλοτρίου
Mi. 1. 15. ἕως τοὺς κλ. ἀγάγωσι (1)
Je. 8. 10. δώσω . . . τοὺς ἀγροὺς αὐτῶν τοῖς κλ. (1)
18. 25. S οὗτος ὁ κλ. [A B κλῆρός] σου καὶ μερίς †
[Aq., Sm. Je. 49 (30). 1: Mi. 1. 15.]

κλῆρος. (1) גּוֹרָל (2) חֶבֶל (3) *a.* חֵלֶק *b.* מַחְלֻקָּת (4) *a.* יְרֻשָּׁה *b.* יְרֻשָּׁה *c.* מוֹרָשָׁה (5) מְשִׁפָּחָה (6) נַחֲלָה (7) פּוּר (8) קַרְנַיִם

Ge. 48. 6. κληθήσονται ἐπὶ [A ἐν] τοῖς ἐκείνων κλ. (6)
49. 14. ἀναπαυόμενος ἀνὰ μέσον τῶν κλ. [A *al.*] †
Ex. 6. 8. δώσω ὑμῖν αὐτὴν ἐν κλήρῳ (4 *c*)
Le. 16. 8. B ἐπιθήσει Α. ἐπὶ τοὺς δύο χιμάρους κλήρους [A B *om.*] κλ. ἕνα τῷ κυρίῳ καὶ κλ. ἕνα τῷ ἀποπομπαίῳ (1 *ter*)
— 9. ἐφ' ὃν ἐπῆλθεν ἐπ' αὐτὸν ὁ κλ. τῷ κ. (1)
— 10. ὁ κλ. τοῦ ἀποπομπαίου (1)
Nu. 16. 14. A R ἔδωκας ἡμῖν κλῆρον [B καιρὸν] ἀγροῦ (6)
18. 21. δέδωκα πᾶν ἐπιδέκατον . . . ἐν κλήρῳ (6)
— 24. δέδωκα τοῖς Λευίταις ἐν κλήρῳ (6)
— 24. οὐ κληρονομήσουσι κλῆρον (6)
— 26. ὃ δέδωκα ὑμῖν παρ' αὐτῶν ἐν κλήρῳ (6)
26. 55. διὰ κλήρων μερισθήσεται ἡ γῆ (1)
— 56. ἐκ τοῦ κλ. μεριεῖς τὴν κληρονομίαν αὐ. (1)
— 62. οὐ δίδοται αὐτοῖς κλῆρος (6)
27. 6 (7). περιθήσεις τὸν κλ. τοῦ πατρὸς αὐτῶν αὐταῖς (6)
32. 19. ἀπέχομεν τοὺς κλ. ἡμῶν (6)
33. 53. δέδωκα τὴν γῆν αὐτῶν ἐν κλήρῳ (4 *a*)
— 54. A B² R κατακληρονομήσετε . . . ἐν κλήρῳ [A κληρωτί] (1)
34. 13. κατακληρονομήσετε αὐτὴν μετὰ κλήρου (1)
— 14. ἀπέλαβον τοὺς κλ. αὐτῶν (6)
— 15. ἔλαβον τοὺς κλ. αὐτῶν (6)
35. 2. ἀπὸ τῶν κλ. κατασχέσεως αὐτῶν (6)
36. 2. ἀποδοῦναι τὴν γῆν . . . ἐν κλήρῳ (1)
— 3. ἀφαιρεθήσεται ὁ κλ. αὐτῶν (6)
— 3. ἐκ τοῦ κλ. τῆς κληρονομίας ἡμῶν (1)
— 9. οὐ [A *om.*] περιστραφήσεται κλῆρος ἐκ φυλῆς (6)
De. 2. 5. ἐν κλήρῳ δέδωκα . . . τὸ ὄρος τὸ Σηείρ (4 *b*)
— 9, 19. οὐ γὰρ μὴ δῶ . . . ἐν κλήρῳ (4 *b*)
— 19. τοῖς υἱοῖς Λὼτ δέδωκα αὐτὴν ἐν κλήρῳ (4 *b*)
3. 18. ἔδωκεν ὑμῖν τὴν γῆν ταύτην ἐν κλήρῳ (4 *a*)
4. 21. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ (6)
5. 31 (28). ἣν ἐγὼ δίδωμι αὐτοῖς ἐν κλήρῳ (4 *a*)
9. 29. οὗτοι λαός σου καὶ κλῆρός σου (6)
10. 9. οὐκ ἔστι [A ἔσται] . . . μερὶς καὶ κλῆρος (6)
— 9. κύριος αὐτὸς κλ. αὐτοῦ (6)
11. 31: 12. 1. δίδωσιν ὑμῖν ἐν κλήρῳ (4 *a*)
12. 12. οὐκ ἔστιν αὐτῷ . . . κλῆρος μεθ' ὑμῶν (6)
14. 27. οὐκ ἔστιν αὐτῷ [A *om.*] . . . κλῆρος μετὰ σοῦ (6)
— 29. οὐκ ἔστιν αὐτῷ . . . κλῆρος μετὰ σοῦ (6)
15. 4. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ (6)
— 7: 17. 14. A δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ [B *om.* ἐν κλ.] –
18. 1. οὐκ ἔσται τοῖς ἱερεῦσι . . . κλῆρος (6)
— 1. καρπώματα κυρίου [A -μα κυρίῳ] ὁ κλ. αὐτῶν (6)
— 2. κλῆρος δὲ οὐκ ἔσται αὐτοῖς [A -ῷ] (6)
— 2. κύριος αὐτὸς κλ. αὐτοῦ (6)
19. 10. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ (6)
— 14. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ (4 *a* ?)
21. 23. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ (6)
24. 4. δίδωσί σοι [A ὑμῖν] ἐν κλήρῳ (6)
25. 15. δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ –
— 19: 26. 1. A δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ [B *om.* ἐν κλ.] (6)
26. 2. A δίδωσί σοι ἐν κλήρῳ [B *om.* ἐν κλ.] –
29. 8 (7). ἔδωκα αὐτὴν ἐν κλήρῳ τῷ Ῥ. (6)
Jo. 12. 6. A ἔδωκεν αὐτὴν Μωυσῆς ἐν κλήρῳ [B -ρονομίᾳ] (4 *b*)
— 7. κληρονομεῖν [A -μίαν] κατὰ κλῆρον αὐ. (3 *b*)
13. 6. διάδος αὐτὴν ἐν κλήρῳ τῷ Ἰσρ. (6)
14. 2. κατὰ κλήρους ἐκληρονόμησαν (6)
— 3. οὐκ ἔδωκε κλῆρον ἐν αὐτοῖς (6)
— 9. ἡ γῆ . . . σοὶ ἔσται ἐν κλήρῳ (6)
— 13. ἔδωκε Χεβρὼν . . . ἐν κλήρῳ (6)
— 14. ἐγενήθη ἡ Χεβρὼν . . . ἐν κλήρῳ (6)
17. 4. ἐδόθη αὐτοῖς . . . κλῆρος (6)
— 6. ἐκληρονόμησαν κλῆρον (6)
— 14. διὰ τί ἐκληρονόμησας ἡμᾶς κλ. ἕνα (1+6)
— 17. οὐκ ἔσται σοι κλ. εἷς (1)
18. 6, 8. ἐξοίσω ὑμῖν κλῆρον (1)
— 10. ἐνέβαλεν αὐτοῖς Ἰ. κλῆρον (1)
— 11. ἐξῆλθεν ὁ κλ. φυλῆς Βεν. (1)
— 11. ἐξῆλθεν ὅρια τοῦ κλ. αὐτῶν (1)
19. 1. ἐξῆλθεν ὁ δεύτερος κλ. [A κλ. ὁ δ.] τῶν υἱῶν-Σ. (1)
— 1. ἀνὰ μέσον κλήρων [A -ου] υἱῶν Ἰούδα (6)
— 2. καὶ ἐγενήθη ὁ κλ. αὐτῶν (6)
— 8. A αὕτη ἡ κληρονομία . . . κατὰ κλήρους [B ὄρη μους] (5)
— 9. ἀπὸ τοῦ κλ. [A τῶν υἱῶν] Ἰούδα (2)
— 9. ἐκληρονόμησαν . . . ἐν μέσῳ τοῦ κλ. αὐ. (6)
— 10. ἐξῆλθεν ὁ κλ. ὁ τρίτος (1)
— 17. ἐξῆλθεν ὁ κλ. ὁ τέταρτος (1)
— 24. ἐξῆλθεν ὁ κλ. ὁ πέμπτος (1)
— 32. ἐξῆλθεν ὁ κλ. ὁ ἕκτος (1)
— 40. ἐξῆλθεν ὁ κλ. ὁ ἕβδομος (1)
— 49. ἔδωκαν οἱ υἱοὶ Ἰσραὴλ κλῆρον (6)
— 51. ἐν ταῖς φυλαῖς Ἰσρ. κατὰ κλήρους (1)
21. 4. ἐξῆλθεν ὁ κλ. τῷ δήμῳ Καάθ (1)
— 10. τούτοις ἐγενήθη ὁ κλ. (1)
23. 4. ἐν τοῖς κλ. εἰς τὰς φυλὰς ὑμῶν (6)
24. 30. πρὸς τοῖς ὁρίοις τοῦ κλ. αὐτοῦ (6)
Jd. 1. 3. ἀνάβηθι μετ' ἐμοῦ ἐν τῷ κλ. μου (1)
— 3. πορεύσομαι . . . ἐν τῷ κλ. σου (1)
20. 9. ἀναβησόμεθα ἐπ' αὐτὴν ἐν κλήρῳ (1)
21. 22. ὡς κλῆρος [A κατὰ τὸν καιρὸν] πλημμελήσατε †
I Ch. 6. 54 (39). αὐτοῖς ἐγένετο ὁ κλ. (1)
— 61 (46). τοῖς υἱοῖς Κ. . . . κλήρῳ πόλεις δέκα (1)
— 63 (48). τοῖς υἱοῖς Μ. . . κλήρῳ πόλεις δέκα δύο (1)
— 65 (50). ἔδωκαν ἐν κλήρῳ . . . τὰς πόλεις ταύτας (1)
24. 5. διεῖλεν αὐτοὺς κατὰ κλ. τούτους (1)
— 7. ἐξῆλθεν ὁ κλ. [A ὁλόκληρος] ὁ πρῶτος (1)
— 31. καὶ ἔλαβον καὶ αὐτοὶ κλήρους (1)
25. 8. ἔβαλον καὶ αὐτοὶ κλήρους ἐφημεριῶν (1)
— 9. ἐξῆλθεν ὁ κλ. [A ὁλόκληρος] ὁ πρῶτος (1)
26. 13. καὶ ἔβαλον κλήρους (1)
— 14. ἔπεσεν ὁ κλ. τῶν πρὸς [A κατὰ] ἀνατολάς (1)
I Ch. 26. 14. ἔβαλον κλήρους (1)
— 14. ἐξῆλθεν ὁ κλ. βορρᾶ (1)
I Es. 4. 56. κλήρους καὶ ὀψώνια
Ne. 10. 34 (35). καὶ κλήρους ἐβάλομεν περὶ κλήρου ξυλοφορίας (1, 8)
11. 1. A S² ἔβαλον [B S¹ ἐλάβοσαν] κλήρους (1)
Es. 8. 7. καὶ ἔβαλε κλήρους (7+1)
— 7. καὶ ἔπεσεν ὁ κλ. –
4. 17. ἱλάσθητι τῷ κλ. σου
9. 24. ἔθετο ψήφισμα καὶ κλῆρον [S² ἔβαλεν Φοὺρ ὅ ἐστιν κλῆρος] (1)
— 26. ἐπεκλήθησαν . . . Φρ. διὰ τοὺς κλ. (7)
10. 3. B S ἐποίησε κλήρους δύο
— 3. A B² S ἦλθον οἱ δύο κλ. . . . εἰς ὥραν καὶ κλῆρον [R καιρόν] (1)
Ps. 21 (22). 18. ἐπὶ τὸν ἱματισμόν μου ἔβαλον κλῆρον (1)
30 (31). 15. ἐν ταῖς χερσί σου οἱ κλ. μου †
67 (68). 13. ἐὰν κοιμηθῆτε ἀνὰ μέσον τῶν κλ. †
124 (125). 3. ἐπὶ τὸν κλ. τῶν δικαίων (1)
Pr. 1. 14. τὸν δὲ σὸν κλ. βάλε ἐν [S¹ *om.*] ἡμῖν (1)
18. 18. S² ἀντιλογίας παύει κλῆρος [A B S¹ σιγηρός] (1)
Wi. 2. 9. αὕτη ἡ μερὶς ἡμῶν καὶ ὁ κλ. οὗτος [A ἡμῶν]
3. 14. κλῆρος ἐν ναῷ κυρίου θυμηρέστερος
5. 5. ἐν ἁγίοις ὁ κλ. αὐτοῦ ἐστιν
Si. 14. 15. τοὺς κόπους σου εἰς διαίρεσιν [A S² -σεις] κλήρου [A -ων]
25. 19. κλῆρος ἁμαρτωλοῦ ἐπιπέσοι αὐτῇ
37. 8. μή ποτε βάλῃ ἐπὶ σοὶ κλῆρον
Ho. 5. 7. καταφάγεται . . . τοὺς κλ. αὐτῶν (3 *a*)
Mi. 2. 5. οὐκ ἔσται σοι βάλλων σχοινίον ἐν κλήρῳ (1)
Jl. 3 (4). 3. ἐπὶ τὸν λαόν μου ἔβαλον κλήρους (1)
Ob. 1. 11. καὶ ἐπὶ Ἰερουσαλὴμ ἔβαλον κλήρους (1)
Jn. 1. 7. δεῦτε βάλωμεν κλήρους (1)
— 7. ἔβαλον κλήρους καὶ ἔπεσεν ὁ κλ. ἐπὶ Ἰ. (1, 1)
Na. 3. 10. ἐπὶ πάντα τὰ ἔνδοξα αὐτῆς βαλοῦσι κλήρους (1)
Is. 34. 17. αὐτὸς ἐπιβαλεῖ αὐτοῖς κλήρους (1)
57. 6. οὗτός σου ὁ κλ. (1)
Je. 12. 13. οἱ κλ. αὐτῶν οὐκ ὠφελήσουσιν αὐτούς †
13. 25. οὗτος ὁ κλ. [S -ρονόμος] σου καὶ μερίς (1)
Ez. 24. 6. A R οὐκ ἔπεσεν [B ἐπέπ.] ἐπ' αὐτὴν κλ. (1)
47. 22. βαλεῖτε αὐτὴν ἐν κλήρῳ (6)
48. 29. ἣν βαλεῖτε ἐν κλήρῳ (6)
Da. TH. 12. 13. ἀναστήσῃ εἰς τὸν κλ. σου (1)
I Ma. 2. 54. S ἔλαβε κλῆρον διαθήκης [A R ἓλ. διαθήκην]
[Aq. Ge. 49. 14: Jo. 21. 20: Jd. 5. 16: II Ki. 2. 16: Pr. 18. 18.]
[Sm. Le. 16. 8 *bis*: Jo. 21. 20: II Ki. 2. 16: Ps. 67 (68). 14: Pr. 18. 18: Je. 16. 19.]
[Th. Pr. 18. 18: Is. 47. 6: Da. 12. 13.]
[Al. Nu. 27. 8: 34. 14: Jo. 21. 4: Pr. 1. 14.]

κληροῦν. (1) לָכַד ni. (2) נָחַל (3) קָרָא ni.

I Ki. 14. 41. καὶ κληροῦται Ἰων. (1)
Es. 4. 11. A οὐκ ἐκληρώθην [B S οὐ κέκλημαι] εἰσελθεῖν [S ἐλ.] (3)
Is. 17. 11. ᾗ ἂν ἡμέρᾳ κληρώσῃ καὶ ὡς πατὴρ ἀνθρώπου κληρώσῃ [S -σει] τοῖς υἱοῖς σου (2 ?, –)

κληρουργία.
[Sm. Ru. 4. 7.]

κληρουχεῖν.
[Sm. Ps. 81 (82). 8.]

κληρουχία. (1) נַחֲלָה
Ne. 11. 20. S² ἕκαστος ἐν τῇ κλ. αὐτοῦ (1)
[Sm. Ps. 46 (47). 5: 73 (74). 2.]

κληρωτί. (1) בְּגוֹרָל, בַּגּוֹרָל
Nu. 33. 54. A κατακληρονομήσετε . . . κλ. [B² R ἐν κλήρῳ] (1)
Jo. 21. 4. κλ. πόλεις δέκα τρεῖς (1)
— 5. κλ. πόλεις δέκα (1)
— 6. A κλ. [B *om.*] πόλεις δέκα τρεῖς (1)
— 7. κλ. πόλεις δώδεκα –
— 8. ἔδωκαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . . κλ. (1)

κλῆσις. (1) קָרָא
Ju. 12. 10. A οὐκ ἐκάλεσεν εἰς τὴν κλ. [B χρῆσιν] οὐδένα

Je. 38 (31). 6. ἔστιν ἡμέρα κλήσεως ἀπολογουμένων (1)
III Ma. 5. 14. ὁ πρὸς ταῖς κλ. τεταγμένος

κλητέος.

Ep. Je. 40. πῶς . . . κλητέον αὐτοὺς ὑπάρχειν θεούς
— 44. πῶς οὖν . . . κλητέον ὡς θεοὺς αὐτοὺς ὑπάρχειν
— 64. οὔτε κλητέον [A ἐκδεκτέον] αὐτοὺς θεούς

κλητός. (1) *a.* קְרָא *b.* מִקְרָא

Ex. 12. 16. κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῖν (1 *b*)
Le. 23. 2. ἃς καλέσετε αὐτὰς κλητὰς ἁγίας (1 *b*)
— 3. κλητὴ ἁγία τῷ κυρίῳ (1 *b*)
— 4. B αὗται αἱ ἑορταὶ . . . κληταὶ ἅγιαι [A B^1 *al.*] (1 *b*)
— 7. ἡ ἡμέρα ἡ πρώτη κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῖν (1 *b*)
— 8. ἡ ἡμέρα ἡ ἑβδόμη κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῖν (1 *b*)
— 21. καλέσετε ταύτην τὴν ἡμέραν κλητήν [A -ή] (1 *b*)
— 24, 27. κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῖν (1 *b*)
— 35. ἡ ἡμέρα ἡ πρώτη κλητὴ ἁγία (1 *b*)
— 36. ἡ ἡμέρα ἡ ὀγδόη κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῖν (1 *b*)
— 37. ἃς καλέσετε κλητὰς ἁγίας (1 *b*)
Nu. 28. 25. κλητὴ ἁγία ἔσται ὑμῖν (1 *b*)
Jd. 14. 11. ἔλαβον τριάκοντα κλητούς †
II Ki. 15. 11. διακόσιοι ἄνδρες ἐξ Ἱερ. κλητοί (1 *a*)
III Ki. 1. 41. Ἀδωνίας καὶ πάντες οἱ κλ. αὐτοῦ (1 *a*)
— 49. πάντες οἱ κλ. τοῦ Ἀδωνίου (1 *a*)
Ze. 1. 7. ἡγίακε τοὺς κλητοὺς αὐτοῦ (1 *a*)
III Ma. 5. 14. ἀθρόους τοὺς κλ. ἰδών
[Aq., Th. Pr. 9. 18 : Is. 1. 13 : 48. 12.]
[Sm. Pr. 9. 18 : Is. 1. 13 : 48. 12.]
[Al. Nu. 28. 16 : 29. 12 : I Ki. 9. 13.]

κλίβανος. (1) תַּנּוּר

Ge. 15. 17. ἰδοὺ κλίβανος καπνιζόμενος (1)
Ex. 8. 3 (7. 28). εἰσελεύσονται . . . ἐν τοῖς κλ. σου (1)
Le. 2. 4. B θυσίαν πεπεμμένην ἐκ κλιβάνου [A B λιβ.] (1)
6. 39 (7. 9). ἥτις ποιηθήσεται ἐν τῷ κλ. (1)
11. 35. κλίβανοι . . . καθαιρεθήσονται (1)
26. 26. πέψουσι δέκα γυναῖκες . . . ἐν κλ. ἑνί (1)
Ps. 20 (21). 9. θήσεις αὐτοὺς ὡς κλίβανον πυρός (1)
Ho. 7. 4. πάντες μοιχεύοντες ὡς κλ. καιόμενος (1)
— 6. διότι ἀνεκαύθησαν ὡς κλίβανος αἱ καρδίαι αὐτῶν (1)
— 7. πάντες ἐθερμάνθησαν ὡς κλίβανος (1)
Ma. 4. 1 (3. 19). ἔρχεται καιομένη ὡς κλίβανος (1)
La. 5. 10. τὸ δέρμα ἡμῶν ὡς κλ. ἐπελιώθη (1)
[Aq., Sm., Th. Is. 31. 9.]

κλίμα. (1) פְּאָה

Jd. 20. 2. A ἔστη τὸ κλ. παντὸς τοῦ λαοῦ [B *al.*] (1)
[Aq. Le. 19. 27.]
[Sm. Nu. 24. 17.]

κλιμακτήρ. (1) *a.* מַעֲלָה *b.* מַעֲלָה

Ez. 40. 22. ἐν ἑπτὰ κλιμακτῆρσιν ἀνέβαινον ἐπ' αὐτόν (1 *a*)
— 26. ἑπτὰ κλιμακτῆρες αὐτῇ (1 *a*)
— 31. ὀκτὼ κλιμακτῆρες (1 *b*)
— 34, 37. ὀκτὼ κλιμακτῆρες αὐτῇ (1 *a*)
43. 17. οἱ κλ. αὐτοῦ βλέποντες κατὰ ἀνατολάς (1 *a*)

κλίμαξ. (1) מַעֲלָה (2) סֻלָּם

Ge. 28. 12. ἰδοὺ κλίμαξ ἐστηριγμένη ἐν τῇ γῇ (2)
Ne. 3. 15. ἕως τῶν κλ. τῶν καταβαινουσῶν ἀπὸ πόλεως Δ. (1)
12. 37. ἀνέβησαν [S^1 -βόησαν] ἐπὶ κλίμακας πόλεως Δ. (1)
I Ma. 5. 30. αἴροντες κλίμακας καὶ μηχανάς
11. 59. ἀπὸ τῆς κλ. Τύρου ἕως τῶν ὁρίων Αἰγ.

κλίνειν. (1) אָמַם (2) יָרַד (3) כָּרַע (4) מוּם *a.* qal. *b.* ni. (5) מוּשׁ (6) נוּעַ (7) נָטָה *a.* qal. *b.* hi. (8) נָטַשׁ (9) עִיט (10) עָשָׂה (11) פָּנָה (12) צָעָה *a.* qal. *b.* pi. (13) רָפָה (14) שָׁכַב hi.

Jd. 7. 5. ὃς ἐὰν κλίνῃ ἐπὶ [A κάμψῃ] τὰ γόνατα (3)
— 6. ἔκλιναν [A ἔκαμψαν] ἐπὶ τὰ γόνατα (3)
9. 3. ἔκλινεν ἡ καρδία αὐ. ὀπίσω 'Αβ. (7 *a*)
16. 30. A ἔκλινεν [B ἐβάσταξεν] ἐν ἰσχύϊ (7 *a*)
19. 8. ἕως κλῖναι τὴν ἡμέραν [A κλίνῃ ἡ ἡ.] (7 *a*)
Jd. 19. 9. A εἰς ἑσπέραν κέκλικεν [B ἠσθένησεν] ἡ ἡμέρα (13)
— 11. A καὶ ἡ ἡμέρα κεκλικυῖα [B προβεβήκει] σφόδρα (2)
I Ki. 4. 2. καὶ ἔκλινεν ὁ πόλεμος (8)
14. 32. ἐκλίθη ὁ λαὸς εἰς τὰ σκῦλα (9, 10*)
II Ki. 19. 14 (15). ἔκλινε τὴν καρδίαν παντὸς ἀνδρός (7 *c*)
22. 10. καὶ ἔκλινεν οὐρανούς (7 *b*)
III Ki. 2. 28. A B Ἰ. ἦν κεκλικὼς [B -ηκὼς] ὀπίσω Ἀδ. (7 *a*)
— 28. ὀπίσω Ἀβ. οὐκ ἔκλινε (7 *a*)
11. 3. A ἔκλιναν γυναῖκες αὐτοῦ τὴν καρδίαν αὐτοῦ (7 *b*)
20 (21). 27. A καὶ ἐπορεύθη κεκλιμένος [B *om.*] (1)
IV Ki. 8. 1. A κέκλικεν [B κέκληκε] κύριος λιμόν †
19. 16. κλῖνον, κύριε, τὸ οὖς σου (7 *b*)
20. 10. κοῦφον τὴν σκιὰν κλῖναι (7 *a*)
II Es. 7. 28. ἐπ' ἐμὲ ἔκλινεν ἔλεος (7 *b*)
9. 5. κλίνω ἐπὶ τὰ γόνατά μου (3)
— 9. ἔκλινεν ἐφ' ἡμᾶς ἔλεος (7 *b*)
Jb. 38. 37. οὐρανὸν [S -ὸς] δὲ εἰς γῆν ἔκλινε (14)
Ps. 16 (17). 6. κλῖνον τὸ οὖς σου ἐμοί (7 *b*)
17 (18). 9. ἔκλινεν οὐρανὸν [S^2 -ούς] (7 *a*)
20 (21). 11. ἔκλιναν εἰς σὲ κακά (7 *a*)
30 (31). 2. κλῖνον πρὸς μὲ τὸ οὖς σου (7 *b*)
44 (45). 10. κλῖνον τὸ οὖς σου (7 *b*)
45 (46). 6. ἔκλιναν βασιλεῖαι (4 *a*)
48 (49). 4. κλινῶ εἰς παραβολὴν τὸ οὖς μου (7 *b*)
61 (62). 3. ὡς τοίχῳ κεκλιμένῳ καὶ φραγμῷ ὡσμένῳ (7 *a*)
70 (71). 2. κλίνον πρὸς μὲ τὸ οὖς σου (7 *b*)
74 (75). 8. ἔκλινεν ἐκ τούτου εἰς τοῦτο †
77 (78). 1. κλίνατε τὸ οὖς ὑμῶν (7 *b*)
85 (86). 1. κλῖνον, κύριε, τὸ οὖς σου (7 *b*)
87 (88). 2. κλῖνον τὸ οὖς σου εἰς τὴν δέησίν μου (7 *b*)
101 (102). 2. κλῖνον πρὸς μὲ τὸ οὖς σου (7 *b*)
— 11. αἱ ἡμέραι μου ὡσεὶ σκιὰ ἐκλίθησαν (7 *a*)
103 (104). 5. οὐ κλιθήσεται [A κινηθ., S^1 κληθ.] εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος (4 *b*)
114 (116). 2. ἔκλινε τὸ οὖς αὐτοῦ ἐμοί (7 *b*)
118 (119). 36. κλῖνον τὴν καρδίαν μου (7 *b*)
— 112. ἔκλινα τὴν καρδίαν μου (7 *a*)
143 (144). 5. κλῖνον οὐρανούς σου (7 *b*)
Pr. 21. 1. ἐκεῖ [A *om.*] ἔκλινεν αὐτήν (7 *b*)
Si. 4. 8. κλῖνον πτωχῷ τὸ οὖς σου
6. 33. ἐὰν κλίνῃς [S ἐκκλ.] τὸ οὖς σου σοφὸς ἔσῃ
15. 4. καὶ οὐ μὴ κλιθῇ [S κλισθῇ]
51. 16. ἔκλινα ὀλίγον τὸ οὖς μου
Za. 14. 4. καὶ κλινεῖ τὸ ἥμισυ τοῦ ὄρους πρὸς βορρᾶν (5)
Is. 24. 20. ἔκλινεν [S^1 *add.* καὶ σεισθήσεται ἡ γῆ ἔκλινεν] ὡς ὁ μεθύων καὶ κραιπαλῶν (4 *a*, 6)
33. 23. ὁ ἱστός σου ἔκλινεν †
37. 17. B κλῖνον, κύριε, τὸ οὖς σου (7 *b*)
Je. 6. 4. κέκλικεν ἡ ἡμέρα (11)
17. 23. οὐκ ἔκλιναν τὸ οὖς αὐτῶν (7 *b*)
31 (48). 12. ἀποστελῶ αὐτῷ κλίνοντας καὶ κλινοῦσιν αὐτόν (12 *a*, 12 *b*)
41 (34). 14. οὐκ ἔκλιναν τὸ οὖς αὐτῶν (7 *b*)
42 (35). 15. οὐκ ἐκλίνατε τὰ ὦτα ὑμῶν (7 *b*)
51 (44). 5. οὐκ ἔκλιναν τὸ οὖς αὐτῶν (7 *b*)
Ba. 2. 16. κλῖνον, κύριε, τὸ οὖς σου
— 21. κλίνατε τὸν ὦμον ὑμῶν
Ep. Je. 27. μήτε ἐὰν κλιθῇ οὐ μὴ ὀρθωθῇ
Da. TH. 9. 18. κλῖνον, ὁ θεός μου, τὸ οὖς σου (7 *b*)
[Aq. I Ki. 8. 3 : III Ki. 11. 3 : 21. 27 : Ps. 26 (27). 9 : Pr. 4. 20 : 5. 13 : Ec. 12. 4 : Ca. 4. 6 : 5. 6.]
[Sm. Ps. 45 (46). 3 : 54 (55). 23 : Pr. 4. 20 : 5. 13 : Ca. 2. 17 : 4. 6 : Ez. 32. 18.]
[Th. I Ki. 8. 3 : III Ki. 21. 27 : Pr. 4. 20 : 5. 1, 13 : Is. 24. 19 *bis* : 37. 17 : Ez. 10. 11 : 32. 18.]
[Al. Nu. 21. 15 : I Ki. 10. 9 : Ps. 48 (49). 5 : 143 (144). 5.]
[Quint. Ps. 20 (21). 12.]

κλίνη. (1) מִטָּה (2) מִשְׁכָּב (3) עֶרֶשׂ

Ge. 48. 2. ἐκάθισεν ἐπὶ τὴν κλ. (1)
49. 33. ἐξάρας τοὺς πόδας αὐτοῦ ἐπὶ τὴν κλ. (1)
Ex. 8. 3 (7. 28). εἰσελεύσονται . . . ἐπὶ τῶν κλ. σου (1)
De. 3. 11. ἡ κλ. αὐτοῦ κλ. σιδηρᾶ (3, 3)
I Ki. 19. 13. καὶ ἔθετο ἐπὶ τὴν κλ. (1)
— 15. ἀγάγετε αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλ. (1)
I Ki. 19. 16. ἰδοὺ τὰ κενοτάφια ἐπὶ τῆς κλ. (1)
II Ki. 3. 31. ἐπορεύετο ὀπίσω τῆς κλ. (1)
4. 7. ἐκάθευδεν ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (1)
— 11. ἐπὶ τῆς κοίτης [B^2 κλ.] αὐτοῦ (2)
III Ki. 17. 19. ἐκοίμισεν [A -ησεν] αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλ. [A κλ. αὐτοῦ] (1)
20 (21). 4. ἐκοιμήθη ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (1)
IV Ki. 1. 4. ἡ κλ. [A κλ. σου] ἐφ' ἧς ἀνέβης ἐκεῖ (1)
— 6. ἡ κλ. [A *om.* ἡ κλ.] ἐφ' ἧς ἀνέβης (1)
— 16. ἡ κλ. ἐφ' ἧς ἀνέβης (1)
4. 10. θῶμεν αὐτῷ ἐκεῖ κλίνην (1)
— 21. ἐκοίμισεν αὐτὸν ἐπὶ τὴν κλ. (1)
— 32. κεκοιμισμένον [A -μημένον] ἐπὶ τὴν κλ. αὐτοῦ (1)
11. 2. καὶ τὴν τροφὸν αὐτοῦ ἐν τῷ ταμείῳ τῶν κλ. (1)
II Ch. 16. 14. ἐκοίμισαν αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλ. (2)
22. 11. εἰς ταμεῖον κλινῶν (1)
24. 25. ἐθανάτωσαν αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (1)
To. 8. 4. ἀνέστη Τωβίας ἀπὸ τῆς κλ. [S *al.*]
14. 11. ἐξέλιπεν ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐπὶ τῆς κλ. [S *al.*]
Ju. 8. 3. A B S^2 καὶ ἔπεσεν ἐπὶ τὴν κλ.
10. 21. ἦν Ὀλ. ἀναπαυόμενος ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ
13. 2. A B καὶ Ὀλ. προπεπτωκὼς ἐπὶ τὴν κλ. ἑαυτοῦ
— 4. A B στᾶσα Ἰ. παρὰ τὴν κλ. αὐτοῦ
— 6. A B προσελθοῦσα τῷ κανόνι τῆς κλ.
— 7. A B ἐγγίσασα τῆς κλ.
15. 11. πάντα τὰ ἀργυρώματα καὶ τὰς κλ.
Es. 1. 6. κλ. χρυσαῖ καὶ ἀργυραῖ (1)
7. 8. Ἀ. δὲ ἐπιπεπτώκει ἐπὶ τὴν κλ. (1)
Jb. 7. 13. παρακαλέσει με ἡ κλ. μου (3)
Ps. 6. 6. λούσω καθ' ἑκάστην νύκτα τὴν κλ. μου (1)
40 (41). 3. ἐπὶ κλίνης ὀδύνης αὐτοῦ (3)
131 (132). 3. εἰ ἀναβήσομαι ἐπὶ κλίνης στρωμνῆς μου (3)
Pr. 7. 16. κειρίαις [A κηρ.] τέτακα τὴν κλ. μου (3)
26. 14. οὕτως ὀκνηρὸς ἐπὶ τῆς κλ. αὐτοῦ (1)
Ca. 1. 16. πρὸς κλίνῃ ἡμῶν σύσκιος (3)
3. 7. ἰδοὺ ἡ κλ. τοῦ Σαλωμών (1)
Si. 28. 18. ἄνθρωπος παραβαίνων ἀπὸ τῆς κλ. αὐτοῦ [A *al.*]
48. 6. ὁ καταγαγὼν . . . δεδοξασμένους ἀπὸ κλίνης αὐτῶν
Am. 6. 4. οἱ καθεύδοντες ἐπὶ κλινῶν ἐλεφαντίνων (1)
Ez. 23. 41. ἐκάθου ἐπὶ κλίνης ἐστρωμένης (1)
[Aq. Ge. 47. 31 : I Ki. 28. 23.]
[Sm. Ge. 47. 31 : I Ki. 28. 23 : Am. 3. 12.]
[Th. I Ki. 28. 23 : Am. 3. 12.]
[Heb. Ge. 47. 31.]

κλισία.

III Ma. 6. 31. A κλισίας κατεμερίσαντο πλήρεις χαρμονῆς [B *al.*]

κλίτος. (1) *a.* יֶרֶךְ *b.* יַרְכָה (2) כָּתֵף (3) מוֹל (4) מִקְצוֹעַ (5) פְּאָה (6) פֵּאָה (7) צַד (8) צֶלַע (9) *a.* קָצֶה *b.* קְצֵה (10) רֵחוֹב

Ex. 25. 11 (12). ἐπιθήσεις ἐπὶ τὰ τέσσαρα κλ. (6)
— 11 (12). δύο δακτυλίους ἐπὶ τὸ κλ. τὸ ἕν (8)
— 11 (12). δύο δακτυλίους ἐπὶ τὸ κλ. τὸ δεύτ. (8)
— 13 (14). εἰς τοὺς δακτυλίους τοὺς ἐν τοῖς κλ. τῆς κιβωτοῦ (8)
— 17 (18). ἐξ ἀμφοτέρων τῶν κλ. τοῦ ἱλαστηρίου (9 *b*)
— 18 (19). Χερουβὶ εἷς ἐκ τοῦ κλ. τούτου (9 *b*)
— 18 (19). Χερουβὶ εἷς ἐκ τοῦ κλ. τοῦ δευτ. (9 *b*)
— 18 (19). ποιήσεις τοὺς δύο Χερουβὶμ ἐπὶ τὰ δύο κλ. (9 *b*)
— 31 (32). τρεῖς καλαμίσκοι . . . ἐκ τοῦ κλ. τοῦ ἑνὸς αὐτῆς (7)
— 31 (32). τρεῖς καλαμίσκοι . . . ἐκ τοῦ κλ. τοῦ δευτέρου (7)
26. 18. ἐκ τοῦ κλ. τοῦ πρὸς βορρᾶν (5)
— 20. τὸ κλ. τὸ δεύτερον . . . εἴκοσι στύλους (8)
— 27. κλίτει τῆς σκηνῆς τῷ δευτέρῳ (8)
— 27. τῷ [A *om.*] κλ. τῆς σκηνῆς τῷ πρὸς θάλασσαν (8)
— 28. ἀπὸ τοῦ ἑνὸς κλ. εἰς τὸ ἕτερον κλ. (9 *a*, 9 *a*)
27. 4. ὑπὸ [A B^2 ἐπὶ] τὰ τέσσαρα κλ. (9 *b*)
— 9. εἰς τὸ κλ. τὸ πρὸς λίβα (5)
— 9. μῆκος ἑκατὸν πήχεων τῷ ἑνὶ κλ. (5)
— 11. A B τῷ κλ. [B *om.* τῷ κλ.] τῷ πρὸς ἀπηλιώτην [A βορρᾶν] (5)
— 14. τὸ ὕψος τῶν ἱστίων τῷ κλ. τῷ ἑνί (2)

Ex. 27. 15. τὸ κλ. τὸ δεύτερον . . . τῶν ἱστίων τὸ ὕψος (2)
28. 24. ἐπ' ἀμφοτέρων τῶν κλ. τοῦ λογείου (9 *b*)
30. 4. εἰς τὰ δύο κλ. ποιήσεις (8)
37. 9 (38. 11). A² B τὸ κλ. τὸ πρὸς βορρᾶν (5)
— 9 (38. 11). B τὸ κλ. τὸ πρὸς νότον –
— 10 (38. 12). τὸ κλ. τὸ πρὸς [A κατὰ] θάλασσαν (5)
— 11 (38. 13). τὸ κλ. τὸ πρὸς ἀνατολάς (5)
38 (37). 3. δύο ἐπὶ τὸ κλ. τὸ ἓν καὶ δύο ἐπὶ τὸ κλ. τὸ δεύτερον (8, 8)
— 10 (37. 13). δύο ἐπὶ τοῦ κλ. τοῦ ἑνὸς καὶ δύο ἐπὶ τοῦ κλ. τοῦ δευτέρου [A *al.*] (–, 5)
40. 22. ἐπὶ τὸ κλ. τῆς σκηνῆς τοῦ μαρτυρίου (1 *a*)
— 24. εἰς τὸ κλ. τῆς σκηνῆς τὸ πρὸς νότον (1 *a*)
Nu. 34. 3. ἔσται ὑμῖν τὸ κλ. τὸ πρὸς λίβα [A βορρᾶ] (5)
35. 5. μετρήσεις . . . τὸ κλ. τὸ πρὸς ἀνατολὰς . . . καὶ τὸ κλ. τὸ πρὸς λίβα . . . καὶ τὸ κλ. τὸ πρὸς θάλασσαν . . . καὶ τὸ κλ. τὸ πρὸς βορρᾶν (5 *quater*)
III Ki. 7. 39. ἀπὸ τοῦ κλ. τοῦ νότου (3)
II Ch. 29. 4. εἰς τὸ κλ. τὸ πρὸς ἀνατολάς (10)
Ps. 90 (91). 7. πεσεῖται ἐκ τοῦ κλ. σου χιλιάς (7)
127 (128). 3. A S¹ ὡς ἄμπελος εὐθηνοῦσα ἐν τοῖς [S² R ταῖς] κλ. τῆς οἰκίας σου (1 *b*)
Ez. 46. 21. αὐλὴ κατὰ τὰ [A *om.*] κλ. τῆς αὐλῆς [A *add.* αὐλή] (4)
— 21. κατὰ τὸ κλ. αὐλή (4)
— 22. καὶ [A κλίτη] τῆς αὐλῆς αὐλὴ μικρά (4)
47. 1. τὸ ὕδωρ κατέβαινεν ἀπὸ τοῦ κλ. τοῦ δεξιοῦ (2)
— 2. τὸ ὕδωρ κατεφέρετο ἀπὸ τοῦ κλ. τοῦ δεξιοῦ (2)
[Th. I Ki. 14. 38.]

κλιτύς. (1) יִרְכָּה
Ps. 127 (128). 3. S² R ὡς ἄμπελος εὐθηνοῦσα ἐν ταῖς [A S¹ τοῖς] κλ. τῆς οἰκίας σου (1)

κλοιός, κλοιόν (?). (1) מוֹטָה (2) עֲבֹטִים (3) עֹל (4) עָנָק (5) רְבִיד
Ge. 41. 42. περιέθηκε κλοιὸν χρυσοῦν (5)
De. 28. 48. ἐπιθήσει κλ. σιδηροῦν ἐπὶ τὸν τράχηλόν σου (3)
Jd. 8. 26. A πλὴν τῶν κλ. τῶν χρυσῶν [B *al.*] (4)
III Ki. 12. 4. ὁ πατήρ σου ἐβάρυνε τὸν [A τὸ] κλ. ἡμῶν (3)
— 4. καὶ ἀπὸ τοῦ κλ. αὐτοῦ τοῦ βαρέως (3)
— 9. κούφισον ἀπὸ τοῦ κλ. (3)
— 10. ὁ πατήρ σου ἐβάρυνε τὸν κλ. ἡμῶν (3)
— 11. ὁ πατήρ μου ἐπεσάσσετο ὑμᾶς κλ. βαρεῖ κἀγὼ προσθήσω ἐπὶ τὸν κλ. ὑμῶν (3, 3)
— 14. ὁ πατήρ μου ἐβάρυνε τὸν κλ. ὑμῶν κἀγὼ προσθήσω ἐπὶ τὸν κλ. ὑμῶν (3, 3)
— 24. B ὁ πατήρ σου ἐβάρυνε τὸν κλ. αὐτοῦ ἐφ' ἡμᾶς –
I Ch. 18. 7. ἔλαβε Δ. τοὺς κλ. τοὺς χρυσοῦς †
Jb. 40. 21 (26). A καὶ εἰλήσεις κλοιὸν ἐν τῷ μυκτῆρι αὐτοῦ [B S *al.*] †
Pr. 1. 9. καὶ κλοιὸν χρύσεον περὶ σῷ τραχήλῳ (4)
Si. 6. 24. εἰς τὸν κλ. αὐτῆς τὸν τράχηλόν σου
— 29. A R οἱ κλ. [B S κλάδοι] αὐτῆς εἰς στολὴν δόξης
Hb. 2. 6. βαρύνων τὸν κλ. αὐτοῦ στιβαρῶς (2 ?)
Is. 43. 14. A S² Χαλδαῖοι ἐν κλοιοῖς [B S¹ πλ.] δεθήσονται †
Je. 34 (27). 2. ποίησον δεσμοὺς καὶ κλοιούς (1)
35 (28). 10. ἔλαβεν Ἀνανίας . . . τοὺς κλ. (1)
— 12. μετὰ τὸ συντρῖψαι Ἀνανίαν τοὺς κλ. (1)
— 13. κλοιοὺς ξυλίνους συνέτριψας καὶ ποιήσω ἀντ' αὐτῶν κλοιοὺς σιδηροῦς (1, 1)
Ez. 34. 27. A ἐν τῷ συντρῖψαί με τὸν ζυγὸν τοῦ κλ. [B *om.* τ. κλ.] αὐτῶν (3)
Da. TH. 8. 25. ὁ ζυγὸς τοῦ κλ. αὐτοῦ κατευθυνεῖ †
[Aq. II Ki. 8. 7 : Je. 28 (35). 10.]
[Sm. Is. 58. 9 : Je. 28 (35). 10 : Ez. 20. 37.]
[Th. Ps. 128 (129). 4 : Is. 10. 27 : 58. 6, 9 : Je. 28 (35). 10.]
[Al. Le. 26. 13.]
[Quint. Ps. 128 (129). 4.]

κλονεῖν.
[Aq. Ge. 45. 24 : Ex. 15. 14, 15 : Dt. 28. 65 : I Ki. 28. 15 : II Ki. 7. 10 : 18. 33 (19. 1) : Ps. 4. 5 : Is. 5. 25 : 18. 13 : 14. 9, 16 : 32. 11 : 64. 2 (1).]
[Sm. Jd. 9. 13.]

κλόνησις.
[Aq. Jb. 8. 17, 26 : 14. 1 : 37. 2.]

κλόνος.
[Aq. Ez. 12. 18.]

κλοπή. (1) גְּנֵבָה *a.* qal. *b.* pu. *c.* גֵּנֻּבָה
Ge. 40. 15. κλοπῇ ἐκλάπην ἐκ γῆς Ἑβραίων (1 *b*)
Pr. 9. 17. καὶ ὕδατος κλοπῆς [A κοπῆς] γλυκεροῦ (1 *a*)
Wi. 14. 25. κλοπὴ καὶ δόλος
Si. 41. 19. ἀπὸ τόπου οὗ παροικεῖς περὶ κλοπῆς [S πλοκῆς]
Ho. 4. 2. ἀρὰ κ. ψεῦδος κ. φόνος κ. κλοπή (1 *a*)
Je. 31 (48). 27. ἐν κλοπαῖς σου εὑρέθη (1 *c*)
[Sm. Jb. 4. 12.]
[Th. Ex. 22. 12 (11).]

κλοποφορεῖν. (1) גָּנַב
Ge. 31. 26. ἐκλοποφόρησάς με (1)

κλύδων. (1) *a.* סָעַר *b.* סַעַר
Pr. 23. 34. ὥσπερ κυβερνήτης ἐν πολλῷ κλύδωνι †
Wi. 14. 5. διελθόντες κλύδωνα σχεδίᾳ διεσώθησαν
19. 7. χλοηφόρον πεδίον ἐκ κλύδωνος βιαίου
Jn. 1. 4. ἐγένετο κλύδων μέγας ἐν τῇ θαλάσσῃ (1 *b*)
— 11. ἡ θάλασσα . . . ἐξήγειρε μᾶλλον κλύδωνα (1 *a*)
— 12. ὁ κλ. ὁ μέγας οὗτος ἐφ' ὑμᾶς ἐστί (1 *b*)
I Ma. 6. 11. ἕως τίνος θλίψεως ἦλθον καὶ κλ. μεγάλου
IV Ma. 7. 5. περιέκλασε τοὺς μαινομένους [S ἐπιμ.] τῶν παθῶν κλ.
15. 31. κοσμοφοροῦσα καρτερῶς [A -οὖς] ὑπήνεγκε [S -έμεινε] τοὺς κλ.

κλυδωνίζεσθαι. (1) נָרַשׁ
Is. 57. 20. οἱ δὲ ἄδικοι κλυδωνισθήσονται (1)

κλύζειν.
[Aq. Ps. 31 (32). 6 : Is. 28. 15.]
[Sm. Is. 28. 15.]

κλώδαλον.
Wi. 11. 15. A² ἐθρήσκευον κλώδαλα [A¹ B S κνώδ.] εὐτελῆ

κλώθειν. (1) פָּתִיל (2) שָׁזַר hoph. (3) שְׁנִי
Ex. 25. 4. βύσσον κεκλωσμένην –
26. 1. ἐκ βύσσου κεκλωσμένης (2)
— 1, 31, 36. κοκκίνου κεκλωσμένου (3)
— 36. βύσσου κεκλωσμένης (2)
27. 9. A R ἐκ βύσσου κεκλωσμένης (2)
— 16. κοκκίνου κεκλωσμένου (3)
— 16. βύσσου κεκλωσμένης (2)
— 18 : 28. 6. ἐκ βύσσου κεκλωσμένης (2)
28. 8. βύσσου κεκλωσμένης (2)
— 15. κοκκίνου κεκλωσμένου (3)
— 15. βύσσου κεκλωσμένης [A -ου] (2)
— 29 (33). βύσσου κεκλωσμένης –
— 33 (37). ἐπὶ ὑακίνθου κεκλωσμένης (1)
31. 4. A καὶ τὴν βύσσον τὴν κεκλωσμένην –
35. 6. βύσσον κεκλωσμένην –
36. 9 (39. 2). ἐκ . . . βύσσου κεκλωσμένης (2)
— 10 (39. 3). σὺν . . . τῇ βύσσῳ τῇ κεκλωσμένῃ –
— 12 (39. 5), 15 (39. 8), 32 (39. 24), 36 (39. 28) : 37. 3 (36. 35), 5 (36. 37), 7 (38. 9), 14 (38. 16), 16 (38. 18). βύσσου κεκλωσμένης (2)
Le. 14. 4. καὶ κεκλωσμένον κόκκινον (3)
— 6. A καὶ τὸ κεκλωσμένον [B κλωστὸν] κόκκινον (3)
— 49. καὶ κεκλωσμένον κόκκινον (3)
— 51. καὶ τὸ κεκλωσμένον κόκκινον (3)
— 52. καὶ ἐν τῷ κεκλωσμένῳ κοκκίνῳ (3)
Si. 45. 11. κεκλωσμένῃ κόκκῳ ἔργῳ τεχνίτου
[Heb. Ex. 39. 29 (37).]

κλών. (1) בַּד (2) עֲרֶב
Jb. 18. 13. βρωθείησαν αὐτοῦ κλῶνες ποδῶν (1 ?)
40. 17 (22). σκιάζονται δὲ . . . κλῶνες ἀγροῦ [A S² ἄγνου] (2)
Wi. 4. 5. περικλασθήσονται κλῶνες ἀτέλεστοι [A -τατοι]

κλῶσμα. (1) פָּתִיל
Nu. 15. 38. ἐπιθήσετε . . . κλ. ὑακίνθινον (1)
Jd. 16. 9. A ὃν τρόπον διασπᾶται κλῶσμα [B *al.*] (1)
Si. 6. 30. οἱ δεσμοὶ αὐτῆς κλῶσμα ὑακίνθινον
[Sm. Je. 52. 21.]
[Th. Ex. 28. 28 : Jd. 16. 9.]

κλωστός. (1) שָׁנִי
Le. 14. 6. καὶ τὸ κλ. [A κεκλωσμένον] κόκκινον (1)

κνᾶν.
[Heb. Jb. 2. 8.]

κναφεύς, *vid.* **γναφεύς.**

κνήμη. (1) *a.* שׁוֹק *b.* שֹׁק
De. 28. 35. ἐπὶ τὰ γόνατα καὶ ἐπὶ τὰς κν. (1 *a*)
Jd. 15. 8. ἐπάταξεν αὐτοὺς κνήμην ἐπὶ μηρόν (1 *a*)
Ps. 146 (147). 10. οὐδὲ ἐν ταῖς κν. τοῦ ἀνδρὸς εὐδοκεῖ (1 *a*)
Ca. 5. 15. κνῆμαι αὐτοῦ στῦλοι μαρμάρινοι (1 *a*)
Is. 47. 2. S R ἀνάσυρε [A B -ραι] τὰς κν. (1 *a*)
Da. TH. 2. 33. αἱ κν. σιδηραῖ (1 *b*)
[Aq. Ex. 29. 22 : I Ki. 9. 24.]
[Sm. Ex. 29. 22 : Pr. 26. 7.]
[Th. Ex. 29. 22.]
[Al. Le. 7. 32 : 8. 25 : 9. 21.]

κνημίς. (1) מִצְחָה
I Ki. 17. 6. κν. χαλκαῖ ἐπάνω τῶν σκελῶν αὐτοῦ (1)
[Aq., Sm., Th. Le. 8. 25.]

κνήφη. (1) חָרָס
De. 28. 27. καὶ ψώρᾳ ἀγρίᾳ καὶ κνήφῃ (1)

κνίδη. (1) חוֹחַ
Jb. 31. 40. ἀντὶ πυροῦ ἄρα ἐξέλθοι μοι κνίδη (1)
[Sm. Is. 55. 13.]

κνίζειν. (1) בָּלַס
Am. 7. 14. αἰπόλος ἤμην κνίζων συκάμινα (1)
[Aq., Th. Pr. 6. 13 : 16. 30.]
[Sm. Pr. 16. 30.]

κνίς.
[Aq., Th. Is. 34. 13.]
[Sm. Is. 34. 13 : 55. 13.]

κνώδαλον.
Wi. 11. 15. ἐθρήσκευον . . . κνώδαλα [A κλώδ.] εὐτελῆ
16. 1. διὰ πλήθους κνωδάλων ἐβασανίσθησαν
17. 9. κνωδάλων παρόδοις . . . ἐκσεσοβημένοι [A ἐκπεφοβ.]

κοθωνός. (1) פְּתֶנֶת
II Es. 2. 69. καὶ κοθωνοὶ [A χιτῶνας] τῶν ἱερέων ἑκατόν (1)

κοιλάς. (1) גַּיְא (2) עֵמֶק (3) שִׁקַּעֲרוּרוֹת
Ge. 14. 8. παρετάξαντο . . . ἐν τῇ κ. τῇ ἁλυκῇ (2)
— 10. ἡ δὲ κ. ἡ ἁλυκὴ φρέατα ἀσφάλτου (2)
— 17. R εἰς τὴν κ. τοῦ [A τὴν] Σ. (2)
37. 14. ἀπέστειλεν αὐτὸν ἐκ τῆς κ. τῆς Χ. (2)
Le. 14. 37. ὄψεται τὴν ἀφὴν . . . κ. χλωριζούσας (3)
Nu. 14. 25. κατοικοῦσιν ἐν τῇ κ. (2)
Jo. 17. 16. ἐν τῇ κ. Ἰεζραέλ (2)
19. 48. καταβῆναι εἰς τὴν κ. –
Jd. 1. 19. τοὺς κατοικοῦντας τὴν κ. (2)
— 34. καταβῆναι εἰς τὴν κ. (2)
5. 14. A ἐν κοιλάδι ἀδελφοῦ σου Βενιαμείν [B *al.*] †
— 15. ἐν κοιλάσιν ἀπέστειλεν ἐν ποσὶν αὐτοῦ [A *al.*] (2)
6. 33. A R παρενέβαλον ἐν τῇ [B *om.*] κ. Ἰ. (2)
7. 1. παρεμβολὴ Μαδιὰμ . . . ἐν [A ἐν τῇ] κοιλάδι (2)
— 8. καὶ ἡ παρεμβολὴ Μ. . . . ἐν τῇ κ. (2)
— 12. βεβλημένοι [A παρεμβεβλήκεισαν] ἐν τῇ κ. (2)
18. 28. καὶ αὐτὴ ἐν τῇ [A *om.*] κ. (2)
I Ki. 6. 13. ἐθέριζον θερισμὸν πυρῶν ἐν κοιλάδι (2)
17. 2. παρεμβάλλουσιν ἐν τῇ κ. (2)
— 19. A καὶ πᾶς ἀνὴρ Ἰσρ. ἐν τῇ κ. τῆς δρυός (2)
21. 9 (10). ὃν ἐπάταξας ἐν τῇ κ. Ηλᾶ (2)
31. 7. οἱ ἐν τῷ πέραν τῆς κ. [A *om.* τ. κ.] (2)
II Ki. 5. 18. συνέπεσαν εἰς τὴν κ. τῶν Τιτάνων (2)
— 22. συνέπεσαν ἐν τῇ κ. τῶν Τιτάνων (2)
18. 18. τὴν στήλην [A -λωσιν] τὴν ἐν τῇ κ. τοῦ βασ. (2)
23. 13. παρενέβαλον ἐν τῇ κ. Ῥ. (2)
III Ki. 21 (20). 23. A R καὶ οὐ θεὸς κοιλάδων [B -ος] –
— 28. καὶ οὐ θεὸς κοιλάδων (2)

I Ch. 11. 15. ἐν τῇ κ. τῶν γιγάντων (2)
14. 9. συνέπεσαν ἐν [S *om.*] τῇ κ. τῶν γιγάντων (2)
— 13. ἐν τῇ κ. τῶν γιγάντων (2)
18. 12. ἐν κοιλάδι [S τῇ κ.] τῶν ἁλῶν (1)
— 13. ἔθετο ἐν τῇ κ. φρουράς †
II Ch. 20. 26. ἐκάλεσαν τὸ ὄνομα . . . Κοιλὰς εὐλογίας (2)
25. 11. ἐπορεύθη εἰς τὴν κ. τῶν ἁλῶν (1)
Ps. 59 (60). 6. τὴν κ. τῶν σκηνῶν διαμετρήσω (2)
64 (65). 13. αἱ κ. πλη θυνοῦσι σῖτον (2)
83 (84). 6. A S^2 B εἰς τὴν κ. [B S^1 ἐν τῇ κ.] τοῦ κλαυθμῶνος (2)
107 (108). 7. τὴν κ. τῶν σκηνῶν διαμετρήσω [S *al.*] (2)
Ca. 2. 1. ἐγὼ . . . κρίνον τῶν κ. (2)
Ho. 1. 5. συντρίψω τὸ τόξον τοῦ Ἰ. ἐν [A *add.* τῇ] κοιλάδι τοῦ Ἰ. (2)
2. 15 (17). καὶ δώσω αὐτῇ . . . τὴν κ. Ἀ. (2)
Mi. 1. 4. αἱ κοιλάδες τακήσονται ὡς κηρός (2)
Jl. 3 (4). 2. καὶ κατάξω αὐτὰ εἰς τὴν κ. Ἰωσαφάτ (2)
— 12. ἀναβαινέτωσαν πάντα τὰ ἔθνη εἰς τὴν κ. Ἰω. (2)
— 14. ἦχοι ἐξήχησαν ἐν τῇ κ. [S^1 -λῃ] τῆς δίκης (2)
— 14. ἐγγὺς ἡμέρα κ. ἐν τῇ κ. τῆς δίκης (2)
Je. 21. 13. ἐγὼ πρὸς σὲ τὸν κατοικοῦντα τὴν κ. σόρ (2)
[Aq. Jo. 7. 26 : 13. 19, 27 : I Ki. 17. 2 : Jb. 39. 21 : Ps. 59 (60). 8 : 83 (84). 7 : Is. 22. 7 : 65. 10 : Je. 47 (29). 5 : 48 (31). 8.]
[Sm. Jo. 7. 24, 26 : 13. 19, 27 : 19. 27 : Jd. 7. 25 : Jb. 39. 10 : Ps. 83 (84). 7 : Is. 22. 7 : 65. 10 : Je. 17. 26 : 32 (39). 44 : 48 (31). 8.]
[Th. Jo. 7. 24 : 13. 19 : Jd. 5. 14 : 7. 25 : I Ki. 13. 18 : 17. 2 : Jb. 39. 21 : Is. 22. 7 : 65. 10 : Je. 31 (38). 40 : Ob. 19.]
[Al. Jo. 11. 16.]

κοίλασμα. (1) מוֹקֵשׁ

Is. 8. 14. ἐν κοιλάσματι ἐγκαθήμενοι ἐν Ἱερ. (1 ?)

κοιλία. (1) בֶּטֶן (2) בֵּן pl. (3) נָחֹן (4) כֶּרֶשׁ (5) *a.* מֵעַיִם *b.* מְעַיִן (6) קֶרֶב (7) רֶחֶם (8) ἐκ [A ἀπὸ] τῆς κ. φωνεῖν הָגָה hi.

Ge. 3. 14. ἐπὶ τῷ στήθει σου καὶ τῇ κ. πορεύσῃ (3)
25. 23. δύο λαοὶ ἐκ τῆς κ. σου διασταλήσονται (5 *a*)
— 24. R ἦν δίδυμα ἐν τῇ κ. [A γαστρὶ] αὐτῆς (1)
30. 2. ὃς ἐστέρησέ σε καρπὸν κοιλίας (1)
38. 27. A τῇδε ἦν δίδυμα ἐν τῇ κ. [R γαστρὶ] αὐ. (1)
41. 21 *bis.* εἰσῆλθον εἰς τὰς κ. αὐτῶν (6)
Ex. 29. 13. πᾶν τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κ. (6)
— 22 : Le. 3. 3. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον τὴν κ. (6)
Le. 3. 3. πᾶν τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κ. (6)
— 9. R πᾶν τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον τὴν κ. (6)
— 9. τὸ στέαρ τῆς [R ἐπὶ τῆς] κ. (6)
— 14. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον [A καλ.] τὴν κ. (6)
— 14. A^2 B πᾶν τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κ. (6)
4. 11. πᾶσαν αὐτοῦ τὴν σάρκα σὺν . . . τῇ κ. (6)
8. 19 (21). τὴν κ. . . . ἔπλυνεν ὕδατι (6)
— 24 (25). τὸ στέαρ τὸ ἐπὶ τῆς κ. (6)
9. 14. ἔπλυνε τὴν κ. (6)
— 19. τὸ στέαρ τὸ κατακαλύπτον ἐπὶ τῆς κ. –
11. 42. πᾶς ὁ πορευόμενος ἐπὶ κοιλίας (3)
Nu. 5. 21. καὶ τὴν κ. σου πεπρησμένην (1)
— 22. εἰσελεύσεται τὸ ὕδωρ . . . εἰς τὴν κ. σου (5 *a*)
— 27. πρησθήσεται τὴν κ. (1)
De. 7. 13. εὐλογήσει τὰ ἔκγονα τῆς κ. σου (1)
28. 4. εὐλογημένα τὰ ἔκγονα τῆς κ. σου (1)
— 11. ἐν [A ἐπὶ] τοῖς ἐκγόνοις τῆς κ. σου (1)
— 18. ἐπικατάρατα τὰ ἔκγονα τῆς κ. σου (1)
— 53. φάγῃ τὰ ἔκγονα τῆς κ. σου (1)
30. 9. ἐν τοῖς ἐκγόνοις τῆς κ. σου (1)
Jd. 3. 21. ἐνέπηξεν αὐτὴν ἐν τῇ κ. [A εἰς τὴν κ.] (1)
— 22. οὐκ ἐξέσπασε τὴν μάχαιραν ἐκ τῆς κ. αὐτοῦ (1)
13. 5. Ναζὶρ θεοῦ ἔσται τὸ παιδάριον ἀπὸ τῆς κ. [A *al.*] (1)
16. 17. ἀπὸ [A ἐκ] κοιλίας μητρός μου (1)
Ru. 1. 11. μὴ ἔτι μοι υἱοὶ ἐν τῇ κ. μου (5 *a*)
II Ki. 7. 12. ὃς ἔσται ἐκ τῆς κ. σου (5 *a*)
16. 11. ὁ υἱός μου ὁ ἐξελθὼν ἐκ τῆς κ. μου (5 *a*)
20. 10. ἐξεχύθη ἡ κ. αὐτοῦ εἰς τὴν γῆν (5 *a*)
I Ch. 17. 11. ὃ ἔσται ἐκ τῆς κ. σου (2)
II Ch. 21. 15. ἐν μαλακίᾳ πονηρᾷ ἐν νόσῳ κοιλίας (5 *a*)
— 15. ἕως οὗ ἐξέλθῃ ἡ κ. σου (5 *a*)
— 18. ἐπάταξεν αὐτὸν κύριος εἰς τὴν κοιλίαν (5 *a*)
— 19. ἐξῆλθεν ἡ κ. αὐτοῦ μετὰ τῆς νόσου (5 *a*)
32. 21. τῶν ἐξελθόντων ἐκ κοιλίας αὐτοῦ (5 *a*)
To. 4. 4. πολλοὺς κινδύνους ἐώρακεν ἐπὶ σοὶ ἐν τῇ κ.
Jb. 1. 21. αὐτὸς γυμνὸς ἐξῆλθον ἐκ κοιλίας μητρός μου (1)
2. 9. υἱοὶ καὶ θυγατέρες [A *add.* τῆς] ἐμῆς κοιλίας ὠδῖνες –
3. 11. διὰ τί γὰρ ἐν κοιλίᾳ οὐκ ἐτελεύτησα (7)
10. 18. ἵνα τί οὖν ἐκ κοιλίας με ἐξήγαγες (7)
15. 35. ἡ δὲ κ. αὐτοῦ ὑποίσει [S^1 οὐκ οἴσει] δόλον [A πόνον] (1)
20. 15. A ἐξεμεθήσεται ἐκ κοιλίας αὐτοῦ [B S *om.* ἐκ κ. αὐ.] (1)
30. 27. ἡ κ. μου ἐξέζεσε (5 *a*)
31. 15. γεγόναμεν δὲ ἐν τῇ αὐτῇ κ. (7)
38. 8. ἐκ κοιλίας μητρὸς αὐτῆς ἐκπορευομένη (7)
Ps. 21 (22). 10. ἐκ κοιλίας [S^2 ἀπὸ γαστρὸς] μητρός μου θεός μου εἶ σύ (1)
— 14. ἐγενήθη ἡ καρδία μου . . . ἐν μέσῳ τῆς κ. μου (5 *a*)
39 (40). 8. AS καὶ τὸν νόμον σου ἐν μέσῳ τῆς κ. [B καρδίας] μου (5 *a*)
70 (71). 6. ἐκ κοιλίας μητρός μου σύ μου εἶ σκεπαστής (5 *a*)
131 (132). 11. S^2 R ἐκ καρποῦ τῆς κ. σου (1)
Pr. 18. 20. ἀπὸ καρπῶν [A -οῦ] στόματος ἀνὴρ πίμπλησι κοιλίαν αὐτοῦ (1)
20. 27. ὃς ἐρευνᾷ ταμιεῖα κοιλίας (1)
— 30. πληγαὶ δὲ εἰς ταμιεῖα κοιλίας (1)
24. 15. μηδὲ ἁπατηθῇς χορτασίᾳ κοιλίας –
— 70 (31. 2). τί τέκνον ἐμῆς κ. (1)
26. 22. S^2 οὗτοι δὲ τύπτουσιν εἰς ταμιεῖα κοιλίας [A B S^1 σπλάγχνων] (1)
Ca. 5. 4. ἡ κ. μου ἐθροήθη ἐπ' αὐτόν (5 *a*)
— 14. κοιλία αὐτοῦ πυξίον ἐλεφάντινον (5 *a*)
7. 2 (3). κοιλία σου θημωνία σίτου (1)
Wi. 7. 2. R ἐν κοιλίᾳ μητρὸς ἐγλύφην σάρξ
Si. 19. 12. οὕτως λόγος ἐν κοιλίᾳ μωροῦ
23. 6. κοιλίας ὄρεξις καὶ συνουσιασμός
36. 23 (20). πᾶν βρῶμα φάγεται κοιλία
40. 30. ἐν κοιλίᾳ αὐτοῦ πῦρ καήσεται
51. 5. ἐκ βάθους κοιλίας ᾅδου
— 21. ἡ κ. μου ἐταράχθη ἐκζητῆσαι αὐτήν
Ho. 9. 16. ἀποκτενῶ τὰ ἐπιθυμήματα κοιλίας αὐτῶν (1)
12. 3 (4). ἐν τῇ κ. ἐπτέρνισε τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ (1)
Mi. 6. 7. εἰ δῶ . . . καρπὸν κοιλίας μου (1)
Jn. 2. 1. ἦν Ἰ. ἐν τῇ κ. τοῦ κήτους (5 *a*)
— 2. A B S^2 ἐκ τῆς κ. τοῦ κήτους (5 *a*)
— 3. εἰσήκουσέ μου ἐκ κοιλίας ᾅδου (1)
Hb. 3. 16. ἐπτοήθη ἡ κοιλία [S^2 καρδία] μου ἀπὸ φωνῆς (1)
Is. 8. 19. οἱ ἐκ [A ἀπὸ] τῆς κ. φωνοῦσιν (8)
16. 11. ἡ κ. μου ἐπὶ Μωὰβ ὡς κιθάρα ἠχήσει (5 *a*)
44. 2. ὁ πλάσας σε ἐκ κοιλίας (1)
— 24. πλάσσων [S ὁ πλάσας] σε ἐκ κοιλίας (1)
46. 3. οἱ αἰρόμενοι ἐκ κοιλίας (1)
48. 8. ἄνομος ἔτι ἐκ κοιλίας κληθήσῃ (1)
— 19. τὰ ἔκγονα [S ἔγγ.] τῆς κ. σου (5 *a*)
49. 1. ἐκ κοιλίας μητρός μου ἐκάλεσε τὸ ὄνομά μου (1 + 5 *a*)
— 5. λέγει κύριος ὁ πλάσας με ἐκ κοιλίας (1)
— 15. τοῦ μὴ ἐλεῆσαι τὰ ἔκγονα [S ἔγγ.] τῆς κ. αὐτῆς (1)
Je. 1. 5. πρὸ τοῦ με πλάσαι σε ἐν κοιλίᾳ [A ἐκ κοιλίας] (1)
4. 19. AS ^{2}R τὴν κ. μου τὴν κ. μου [B S^1 *om.* τ. κ. μ.] ἀλγῶ (5 *a*, 5 *a*)
28 (51). 34. ἔπλησε τὴν κ. αὐτοῦ ἀπὸ τῆς τρυφῆς μου (4)
La. 1. 20. ἡ κ. μου ἐταράχθη (5 *a*)
2. 20. εἰ φάγονται γυναῖκες καρπὸν κοιλίας αὐτῶν –
Ez. 3. 3. ἡ κ. σου πλησθήσεται τῆς κεφαλίδος ταύτης (1)
7. 19. αἱ κ. αὐτῶν οὐ μὴ πληρωθῶσι (5 *a*)
Da. LXX., TH. 2. 32. ἡ κ. καὶ οἱ μηροὶ χαλκοῖ (5 *b*)
II Ma. 7. 22. εἰς τὴν ἐμὴν ἐφάνητε κ.
10. 4. πεσόντες ἐπὶ κοιλίαν
[Aq. Jb. 15. 35 : Ps. 39 (40). 9 : Je. 31 (38). 20.]
[Sm. Is. 16. 11.]
[Th. Jb. 30. 27 : Ps. 39 (40). 9.]
[Al. Ex. 29. 17 : Le. 1. 9 : 4. 8 : 7. 3 : 8. 16 : Nu. 25. 8 : Pr. 18. 24 *bis* : 26. 22.]

κοῖλος. (1) יְרֵכָה (2) נֶבֶב (3) *a.* עֵמֶק *b.* עָמֹק

Ex. 27. 8. κοῖλον σανιδωτὸν ποιήσεις αὐτό (2)
Le. 13. 32, 34. ἡ ὄψις . . . οὐκ ἔστι κοίλη ἀπὸ τοῦ δέρματος (3 *b*)
Jo. 9. 5. καὶ τὰ κ. τῶν ὑποδημάτων αὐτῶν †
I Es. 2. 17. R καὶ κριταὶ [B *om.*, A κραταιοὶ] οἱ ἐν κ. Συρίᾳ
— 24. A R κάθοδος [B ἔξ.] οὐκέτι σοι ἔσται εἰς κ. Συρίαν
— 27. καὶ φορολογοῦντες κ. Συρίαν
4. 48. πᾶσι τοῖς τοπάρχαις ἐν κ. Συρίᾳ
6. 29. ἀπὸ τῆς φορολογίας κ. Συρίας
7. 1. Σισ. ἔπαρχος κ. Συρίας
8. 67. A R καὶ τοῖς ἐπάρχοις κ. [B *om.*] Συρίας
Wi. 17. 19. R ἀνανακλωμένη ἐκ κοιλοτάτων [A B S -ότητος] ὀρέων ἠχώ
Jl. 3 (4). 14. ἐν τῇ κοιλάδι [S^1 -λῃ] τῆς δίκης (3 *a*)
Jn. 1. 5. Ἰ. δὲ κατέβη εἰς τὴν κ. τοῦ πλοίου (1)
I Ma. 10. 69. Ἀπολλώνιον τὸν ὄντα ἐπὶ [S^2 *add.* τῆς] κ. Συρίας
II Ma. 3. 5. τὸν . . . κ. Συρίας . . . στρατηγόν
— 8. τὰς κατὰ κ. Συρίαν . . . πόλεις
4. 4 : 8. 8. τὸν κ. Συρίας καὶ Φοινίκης στρατηγόν
10. 11. κ. δὲ Συρίας καὶ Φοιν. στρατηγὸν πρώταρχον
III Ma. 3. 15. τὰ κατοικοῦντα κ. Συρίαν καὶ Φοιν. ἔθνη
[Aq., Th. Le. 13. 3.]
[Sm. Jd. 1. 15.]
[Al. Le. 13. 20 : 14. 37.]

κοιλοσταθμεῖν. (1) סָפַן (2) צָפָה pi.

III Ki. 6. 9. ἐκοιλοστάθμησε τὸν οἶκον (1)
— 15. ἐκοιλοστάθμησε συνεχόμενα ξύλοις ἔσωθεν (2)

κοιλόσταθμος. (1) סָפַן

Hg. 1. 4. τοῦ οἰκεῖν ἐν οἴκοις ὑμῶν κοιλοστάθμοις (1)

κοιλότης.

Wi. 17. 19. A B S ἀνανακλωμένη ἐκ κοιλότητος [R -οτάτων] ὀρέων ἠχώ

κοίλωμα. (1) בָּאֹר

Ge. 23. 2. ἐν πόλει Ἀ. ἥ ἐστιν ἐν τῷ κ. –
III Ki. 7. 15. τεσσάρων δακτύλων τὰ κ. †
Ca. 2. 17. νεβρῷ ἐλάφων ἐπὶ ὄρη κοιλωμάτων (1)
8. 14. AS ^{1} τῇ δορκάδι ἐπὶ τὰ ὄρη κοιλωμάτων [B ἀρωμάτων, S^2R τῶν ἀρωμάτων] †
Ez. 43. 14. ἐκ βάθους τῆς ἀρχῆς τοῦ κ. αὐτοῦ †
II Ma. 1. 19. κατέκρυψαν ἐν κοιλώματι φρέατος

κοιμᾶν. (1) בּוּת (2) הָיָה ni. (3) חָלַף (4) יָנַע (5) יָשַׁב (6) יָשֵׁן (7) לִין (8) נָחַת (9) סָבַךְ pu. (10) רָבַץ (11) רָדַם ni. (12) שָׁכַב *a.* qal. *b.* hi. *c.* hoph. *d.* מִשְׁכָּב

Ge. 19. 4. πρὸ τοῦ κοιμηθῆναι . . . περιεκύκλωσαν (12 *a*)
— 32. κοιμηθῶμεν μετ' αὐτοῦ (12 *a*)
— 33. ἐκοιμήθη μετὰ τοῦ πατρὸς αὐτῆς (12 *a*)
— 33. R ἐν τῷ κοιμηθῆναι αὐτόν [A -ήν] (12 *a*)
— 34. ἐκοιμήθην χθὲς μετὰ τοῦ πατρὸς ἡμ. (12 *a*)
— 34. κοιμήθητι μετ' αὐτοῦ (12 *a*)
— 35. ἐκοιμήθη μετὰ τοῦ πατρὸς αὐτῆς (12 *a*)
— 35. R ἐν τῷ κοιμηθῆναι αὐτόν [A -ήν] (12 *a*)
24. 11. A ἐκοίμησεν [S R -μισε] τὰς καμήλους †
— 54. ἔφαγον . . . καὶ ἐκοιμήθησαν (7)
26. 10. ἐκοιμήθη τις . . . μετὰ τῆς γυναικός σου (12 *a*)
28. 11. ἐκοιμήθη ἐκεῖ (7)
— 11. ἐκοιμήθη ἐν τῷ τόπῳ ἐκείνῳ (12 *a*)
30. 15. κοιμηθήτω μετὰ σοῦ (12 *a*)
— 16. ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς (12 *a*)
31. 54. ἐκοιμήθησαν ἐν τῷ ὄρει (7)
32. 13 (14). ἐκοιμήθη ἐκεῖ (7)
— 21 (22). ἐκοιμήθη . . . ἐν τῇ παρεμβολῇ (7)
34. 7. ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς (12 *a*)
— 7. κοιμηθεὶς μετὰ τῆς θυγατρὸς Ἰ. (12 *a*)
35. 21 (22). ἐκοιμήθη μετὰ Βαλλᾶς (12 *a*)
39. 7, 12, 14. κοιμήθητι μετ' ἐμοῦ (12 *a*)
— 17. R κοιμηθήσομαι μετὰ σοῦ [A -θητι μετ' ἐμοῦ] –
41. 21. ἐξεγερθεὶς δὲ ἐκοιμήθην –

Ge. 47. 30. κοιμηθήσομαι μετὰ τῶν πατέρων μου (12 a)
49. 9. ἀναπεσὼν ἐκοιμήθης ὡς λέων (10)
Ex. 22. 16 (15). ἐὰν . . . κοιμηθῇ μετ' αὐτῆς (12 a)
— 19 (18). πᾶν κοιμώμενον μετὰ κτήνους (12 a)
— 27 (26). ἐν τίνι κοιμηθήσεται (12 a)
23. 18. οὐδὲ μὴ κοιμηθῇ στέαρ τῆς ἑορτῆς μου ἕως πρωΐ (7)
34. 25. οὐ κοιμηθήσεται εἰς τὸ πρωῒ θύματα [A -μίαμα] (7)
Le. 14. 47. ὁ κοιμώμενος ἐν τῇ οἰκίᾳ (12 a)
15. 4. A B[1] ἐφ' ᾗ [B[2] ἦν, B ἧς] ἂν κοιμηθῇ ἐπ' αὐτῆς (12 a)
— 18. ἐὰν κοιμηθῇ ἀνὴρ μετ' αὐτῆς (12 a)
— 24. ἐὰν δὲ κοίτῃ κοιμηθῇ τις μετ' αὐτῆς (12 a)
— 24. ἐφ' ᾗ ἂν κοιμηθῇ ἐπ' αὐτῆς (12 a)
— 26. ἐφ' ἣν ἂν κοιμηθῇ ἐπ' αὐτῆς (12 a)
— 33. ὃς ἂν κοιμηθῇ μετὰ ἀποκαθημένης (12 a)
18. 22. οὐ κοιμηθήσῃ κοίτην γυναικός (12 a)
19. 13. οὐ μὴ κοιμηθήσεται ὁ μισθὸς . . . παρὰ σοί (7)
— 20. ἐάν τις κοιμηθῇ . . . κοίτην σπέρματος (12 a)
20. 11. ἐάν τις κοιμηθῇ μετὰ γυναικὸς τοῦ πατρός αὐτοῦ (12 a)
— 12. ἐάν τις κοιμηθῇ μετὰ νύμφης αὐτοῦ (12 a)
— 13. ὃς ἂν κοιμηθῇ . . . κοίτην γυναικός (12 a)
— 18. ὃς ἂν κοιμηθῇ μετὰ γυναικὸς ἀποκαθημένης (12 a)
— 20. ὃς ἂν κοιμηθῇ μετὰ τῆς συγγενοῦς αὐ. (12 a)
26. 6. καὶ κοιμηθήσεσθε (12 a)
Nu. 5. 13. καὶ κοιμηθῇ τις μετ' αὐτῆς κοίτην σπέρματος (12 a)
— 19. εἰ μὴ κεκοίμηταί τις μετὰ σοῦ (12 a)
23. 24. οὐ κοιμηθήσεται (12 a)
De. 16. 4. οὐ κοιμηθήσεται ἀπὸ τῶν κρεῶν (7)
21. 23. οὐ κοιμηθήσεται [A οὐκ ἐπικ.] τὸ σῶμα αὐτοῦ (7)
22. 22. ἄνθρωπος κοιμώμενος μετὰ γυναικός (12 a)
— 22. τὸν ἄνδρα τὸν κοιμώμενον μετὰ τῆς γυναικός (12 a)
— 23. καὶ . . . κοιμηθῇ μετ' αὐτῆς [A[2] κ. ταύτης] (12 a)
— 25. καὶ βιασάμενος κοιμηθῇ μετ' αὐτῆς (12 a)
— 25. ἀποκτενεῖτε [A add. τὸν ἄνθρωπον] τὸν κοιμώμενον μετ' αὐτῆς (12 a)
— 28. καὶ βιασάμενος [A β. αὐτὴν] κοιμηθῇ μετ' αὐτῆς (12 a)
— 29. ὁ ἄνθρωπος ὁ κοιμηθεὶς μετ' αὐτῆς (12 a)
24. 12. οὐ κοιμηθήσῃ ἐν τῷ ἐνεχύρῳ (12 a)
— 13. κοιμηθήσεται ἐν τῷ ἱματίῳ αὐτοῦ (12 a)
27. 20. A R ὁ κοιμώμενος μετὰ γυναικὸς τοῦ [B ἐκ] πατρὸς αὐτοῦ (12 a)
— 21. ὁ κοιμώμενος μετὰ παντὸς [A om.] κτήνους (12 a)
— 22. ὁ κοιμώμενος μετὰ ἀδελφῆς (12 a)
— 23. ὁ κοιμώμενος μετὰ νύμφης [A πενθερᾶς] αὐτοῦ (12 a)
— 23. B ὁ κοιμώμενος μετὰ ἀδελφῆς γυναικὸς αὐτοῦ –
31. 16. σὺ κοιμᾷ [A -ασαι] μετὰ τῶν πατέρων σου (12 a)
Jo. 2. 8. πρὶν ἢ κοιμηθῆναι αὐτούς (12 a)
6. 10 (11). καὶ ἐκοιμήθη ἐκεῖ (7)
Jd. 5. 27. ἔπεσε καὶ [A om.] ἐκοιμήθη (12 a)
16. 3. καὶ ἐκοιμήθη Σαμψών (12 a)
— 14. ἐν τῷ κοιμᾶσθαι αὐτόν [A al.] –
Ru. 3. 4. ἐν τῷ κοιμηθῆναι αὐτόν (12 a)
— 4. ὅπου [A οὗ] κοιμᾶται ἐκεῖ (12 a)
— 4. καὶ κοιμηθήσῃ (12 a)
— 7. καὶ ἦλθε κοιμηθῆναι (12 a)
— 8. γυνὴ κοιμᾶται πρὸς ποδῶν αὐτοῦ (12 a)
— 13. κοιμήθητι ἕως πρωΐ (12 a)
— 14. καὶ ἐκοιμήθη πρὸς ποδῶν αὐτοῦ (12 a)
I Ki. 3. 9. ἐκοιμήθη ἐν τῷ τόπῳ αὐτοῦ (12 a)
— 15. κοιμᾶται Σαμ. ἕως πρωΐ (12 a)
9. 25. καὶ ἐκοιμήθη –
II Ki. 7. 12. κοιμηθήσῃ μετὰ τῶν πατέρων σου (12 a)
11. 4. ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς (12 a)
— 9. ἐκοιμήθη Οὐρίας παρὰ τῇ θύρᾳ (12 a)
— 11. καὶ κοιμηθῆναι μετὰ τῆς γυναικός μου (12 a)
— 13. τοῦ κοιμηθῆναι ἐπὶ [A καὶ ἐ.] τῆς κόίτης (12 a)
12. 11. κοιμηθήσεται μετὰ τῶν γυναικῶν σου (12 a)
— 16. A ηὐλίσθη καὶ ἐκοιμήθη [B om. κ. ἐκ.] ἐπὶ τῆς γῆς (12 a)
— 24. ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς (12 a)
13. 5. κοιμήθητι ἐπὶ τῆς κοίτης σου (12 a)
II Ki. 13. 6. καὶ ἐκοιμήθη Ἀμ. (12 a)
— 8. καὶ αὐτὸς κοιμώμενος (12 a)
— 11. κοιμήθητι μετ' ἐμοῦ (12 a)
— 14. ἐκοιμήθη μετ' αὐτῆς (12 a)
— 31. ἐκοιμήθη ἐπὶ τὴν γῆν (12 a)
III Ki. 1. 2. κοιμηθήσεται μετ' αὐτοῦ (12 a)
— 21. ὡς ἂν κοιμηθῇ ὁ κύριός μου (12 a)
2. 10. ἐκοιμήθη Δαυὶδ μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
3. 19. A ὡς ἐκοιμήθη [B ἐπεκ.] ἐπ' αὐτόν (12 a)
11. 21. κεκοίμηται Δ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)
— 43. ἐκοιμήθη Σαλ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
— 44. B ὁ βασ. Σαλ. ἐκοιμήθη μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a?)
12. 24. B κοιμᾶται μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ –
14. 20. A καὶ ἐκοιμήθη μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
— 31. καὶ ἐκοιμήθη P. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
15. 8. καὶ ἐκοιμήθη Αβ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
— 24. καὶ ἐκοιμήθη Ἀσά (12 a)
16. 6. καὶ ἐκοιμήθη B. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
— 28. καὶ ἐκοιμήθη Z. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
— 28 (22. 50 [51]). B καὶ ἐκοιμήθη Ι. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)
17. 19. A ἐκοίμησεν [B -ισεν] αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλίνης (12 b)
19. 5. καὶ ἐκοιμήθη (12 a)
— 6. καὶ ἐπιστρέψας ἐκοιμήθη (12 a)
20 (21). 4. ἐκοιμήθη ἐπὶ τῆς κλίνης αὐτοῦ (12 a)
22. 40. καὶ ἐκοιμήθη Α. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
— 51. A R καὶ ἐκοιμήθη Ἰωσ. [B om.] μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)
IV Ki. 4. 11. καὶ ἐκοιμήθη ἐκεῖ (12 a)
— 20. ἐκοιμήθη ἐπὶ τῶν γονάτων αὐτῆς (5)
— 32. A τὸ παιδάριον τεθνηκὸς κεκοιμημένον [B -μισμένον] (12 c)
— 34. ἐκοιμήθη ἐπὶ τὸ παιδάριον (12 a)
8. 24. καὶ ἐκοιμήθη Ι. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)
9. 16. A ἀνὴρ δυνάμεως ἐκοιμήθη ἐκεῖ [B om. ἐ. ἐ.] (12 a)
10. 35: 13. 9, 13. καὶ ἐκοιμήθη Ι. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)
14. 16. καὶ ἐκοιμήθη Ι. μετὰ τῶν πατέρων [A om.] αὐτοῦ (12 a)
— 22. μετὰ τὸ κοιμηθῆναι τὸν βασ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)
— 29. καὶ ἐκοιμήθη Ἱερ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
15. 7. καὶ ἐκοιμήθη Α. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
— 22. καὶ ἐκοιμήθη M. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
— 38. καὶ ἐκοιμήθη Ι. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
16. 20. καὶ ἐκοιμήθη Α. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
20. 21. καὶ ἐκοιμήθη Ἐζ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
21. 18. καὶ ἐκοιμήθη M. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
24. 6. καὶ ἐκοιμήθη Ι. μετὰ τῶν πατέρων (12 a)
I Ch. 17. 11. καὶ κοιμηθήσῃ μετὰ τῶν πατ. σου (3)
II Ch. 9. 31. καὶ ἐκοιμήθη Σαλωμών (12 a)
16. 13. καὶ ἐκοιμήθη Ἀσὰ μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
21. 1. ἐκοιμήθη Ἰωσ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)
26. 2. μετὰ τὸ κοιμηθῆναι τὸν βασ. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ (12 a)
— 23. καὶ ἐκοιμήθη Ο. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
27. 9. καὶ ἐκοιμήθη Ι. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
28. 27. καὶ ἐκοιμήθη Α. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
32. 33. καὶ ἐκοιμήθη Ἐζ. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
33. 20. καὶ ἐκοιμήθη M. μετὰ τῶν πατ. αὐ. (12 a)
36. 8. καὶ ἐκοιμήθη Ι. μετὰ τῶν πατέρων αὐτοῦ –
I Es. 3. 3. καὶ ἐκοιμήθη
To. 2. 9. ἐκοιμήθην μεμιαμμένος [S om.] παρὰ τὸν τοῖχον τῆς αὐλῆς
8. 1. S ἠθέλησαν κοιμηθῆναι
— 9. ἐκοιμήθησαν ἀμφότεροι [S om.] τὴν νύκτα
Jb. 3. 13. νῦν ἂν κοιμηθεὶς ἡσύχασα (12 a)
7. 4. ἐὰν κοιμηθῶ (12 a)
8. 17. ἐπὶ συναγωγὴν [A -ῆ] λίθων κοιμᾶται (9?)
14. 12. ἄνθρωπος δὲ κοιμηθεὶς οὐ μὴ ἀναστῇ (12 a)
20. 11. μετ' αὐτοῦ ἐπὶ χώματος κοιμηθήσεται (12 a)
21. 13. ἐν δὲ ἀναπαύσει ᾅδου ἐκοιμήθησαν (8)
— 26. ἐπὶ γῆς κοιμῶνται [A -μηθήσονται] (12 a)
22. 11. κοιμηθέντα δὲ ὕδωρ σε ἐκάλυψε †
27. 19. S[2] R πλούσιος κοιμηθήσεται [A B S[1] κοιμηθεὶς] καὶ οὐ προσθήσει (12 a)
— 20. A κοιμηθέντι [B S om.] συναντήσονται [B S -ήντησαν] αὐτῷ –
39. 9. βουλήσεται δὲ . . . κοιμηθῆναι ἐπὶ φάτνης σου (7)
40. 16 (21). ὑπὸ παντοδαπὰ δένδρα κοιμᾶται (12 a)
Ps. 3. 5. ἐγὼ ἐκοιμήθην καὶ ὕπνωσα (12 a)
4. 8. ἐν εἰρήνῃ ἐπὶ τὸ αὐτὸ κοιμηθήσομαι (12 a)
Ps. 40 (41). 8. μὴ ὁ κοιμώμενος οὐχὶ προσθήσει τοῦ ἀναστῆναι (12 a)
56 (57). 4. ἐκοιμήθην τεταραγμένος (12 a)
67 (68). 13. ἐὰν κοιμηθῆτε ἀνὰ μέσον τῶν κλήρων (12 a)
Pr. 4. 16. οὐ κοιμῶνται †
Ec. 2. 23. ἐν νυκτὶ οὐ κοιμᾶται ἡ καρδία αὐτοῦ (12 a)
4. 11. ἐὰν κοιμηθῶσι δύο (12 a)
Wi. 17. 14. τὸν αὐτὸν ὕπνον κοιμώμενοι
Si. 25. 1. S[1] ἐκοιμήθην [? ἐκοσμ.]
Is. 1. 21. ἐν ᾗ δικαιοσύνη ἐκοιμήθη ἐν αὐτῇ (7)
5. 27. οὐδὲ νυστάξουσιν οὐδὲ κοιμηθήσονται (6)
14. 8. ἀφ' οὗ σὺ κεκοίμησαι (12 a)
— 18. πάντες οἱ βασ. τῶν ἐθνῶν ἐκοιμήθησαν (12 a)
21. 13. ἐν τῷ δρυμῷ ἐσπέρας κοιμηθήσῃ (7)
43. 17. ἐκοιμήθησαν [B[1] κοιμηθήσονται] καὶ οὐκ ἀναστήσονται (12 a)
50. 11. ἐν λύπῃ κοιμηθήσεσθε (12 a)
57. 8. ἠγάπησας τοὺς κοιμωμένους μετὰ σοῦ (12 d)
65. 4. ἐν τοῖς σπηλαίοις κοιμῶνται διὰ ἐνύπνια (7)
Je. 3. 25. ἐκοιμήθημεν ἐν τῇ αἰσχύνῃ ἡμῶν (12 a)
30. 12 (49. 23). A ἐξέστησαν ἐκοιμήθησαν [B S al.] †
51. 33 (45. 3). ἐκοιμήθην ἐν στεναγμοῖς (4)
La. 2. 21. ἐκοιμήθησαν εἰς τὴν ἔξοδον (12 a)
Ep. Je. 43. ὅταν δέ τις αὐτῶν . . . κοιμηθῇ [A add. μετ' αὐτῆς]
Ez. 4. 4. κοιμηθήσῃ ἐπὶ τὸ πλευρόν σου τὸ ἀριστερόν (12 a)
— 4. ἃς κοιμηθήσῃ ἐπ' αὐτοῦ (12 a)
— 6. κοιμηθήσῃ ἐπὶ τὸ πλευρόν σου τὸ δεξιόν (12 a)
23. 8. μετ' αὐτῆς ἐκοιμῶντο ἐν νεότητι αὐτῆς (12 a)
31. 18. κοιμηθήσῃ μετὰ τραυματιῶν μαχαίρας (12 a)
32. 19. A κοιμήθητι μετὰ ἀπεριτμήτων (12 c)
— 19 (20). κοιμηθήσεται πᾶσα ἡ ἰσχὺς αὐτοῦ –
— 20 (21). κοιμήθητι μετὰ ἀπεριτμήτων (12 a)
— 27. ἐκοιμήθησαν μετὰ τῶν γιγάντων (12 a)
— 28. κοιμηθήσῃ μετὰ τετραυματισμένων μαχαίρᾳ (12 a)
— 29. οὗτοι [A αὐτοὶ ἐκοιμήθησαν] μετὰ τραυματιῶν [A add. μαχαίρας] ἐκοιμήθησαν (–, 12 a)
— 30. ἐκοιμήθησαν ἀπερίτμητοι (12 a)
— 32. κοιμηθήσεται ἐν μέσῳ ἀπεριτμήτων (12 c)
34. 14. κοιμηθήσονται καὶ ἐκεῖ ἀναπαύσονται (10)
Da. LXX. 8. 18. ἐκοιμήθην ἐπὶ πρόσωπον χαμαί (11)
Da. TH. 6. 18 (19). καὶ ἐκοιμήθη ἄδειπνος (1)
8. 27. ἐγὼ Δανιὴλ ἐκοιμήθην (2?)
I Ma. 11. 6. καὶ ἐκοιμήθησαν ἐκεῖ
16. 4. ἐκοιμήθησαν ἐν Μωδ.
II Ma. 12. 45. τοῖς μετ' εὐσεβείας κοιμωμένοις

[Aq. III Ki. 14. 20: Jb. 11. 18: Ps. 40 (41). 9: 56 (57). 5: Pr. 6. 9: 23. 34: 24. 33: Is. 56. 10: Ez. 32. 30: Ho. 2. 18 (20).]
[Sm. Ps. 56 (57). 5: Pr. 6. 9: 23. 34: 24. 33: Is. 50. 11: 56. 10: Ez. 32. 30.]
[Th. Ps. 56 (57). 5: Pr. 6. 9: 23. 34: 24. 33: Ez. 32. 19, 30: Da. 6. 18.]
[Quint. Ps. 56 (57). 5.]

κοίμησις.

Si. 46. 19. πρὸ καιροῦ κοιμήσεως αἰῶνος
48. 13. ἐν κοιμήσει ἐπροφήτευσε τὸ σῶμα αὐτοῦ

κοίμητρον.

[Sm. Jd. 4. 18.]

κοιμίζειν. (1) בָּרַח hi. (2) יָשַׁן pi. (3) לִין hi. (4) שָׁכַב *a.* qal. *b.* hi. *c.* hoph.

Ge. 24. 11. S R ἐκοίμισε [A -μησεν τας καμήλους] (1)
Jd. 16. 14. A καὶ ἐκοίμισεν αὐτὸν Δ. [B al.] –
— 19. ἐκοίμισε Δ. τὸν Σαμψὼν [A ἐκ. αὐτόν] (2)
I Ki. 2. 22. A ὡς ἐκοίμιζον τὰς γυναῖκας (4 a)
II Ki. 8. 2. κοιμίσας αὐτοὺς ἐπὶ τὴν γῆν (4 b)
III Ki. 3. 20. ἐκοίμισεν αὐτὸν ἐν τῷ κόλπῳ αὐ. (4 b)
— 20. τὸν υἱὸν αὐτῆς τὸν τεθνηκότα ἐκοίμισεν (4 b)
17. 19. ἐκοίμισεν [A -ησεν] αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλίνης (4 b)
IV Ki. 4. 21. ἐκοίμισεν αὐτὸν ἐπὶ τὴν κλίνην (4 b)
— 32. τὸ παιδάριον τεθνηκὸς κεκοιμισμένον [A -μημένον] (4 c)
II Ch. 16. 14. ἐκοίμισαν αὐτὸν ἐπὶ τῆς κλίνης (4 b)
Jb. 24. 7. γυμνοὺς πολλοὺς ἐκοίμισαν ἄνευ ἱματίων (3?)

Jb. 24. 10. γυμνοὺς δὲ ἐκοίμισαν ἀδίκως †
Na. 3. 18. ἐκοίμισε τοὺς δυνάστας σου †
[Th. Jd. 16. 19.]

κοινῇ (*adv.*).
Si. 18. 1. ὁ ζῶν εἰς τὸν αἰῶνα ἔκτισε τὰ πάντα κ.
50. 17. **A** B^2 **S** πᾶς ὁ λαὸς κ. κατέσπευσαν [B^1 **R** -σε]
Da. TH. Su. 14. κ. συνετάξαντο καιρόν
II Ma. 4. 5. **R** τὸ δὲ συμφέρον [**A** -φορον] κ. . . . σκοπῶν
9. 26. τῶν εὐεργεσιῶν κ. καὶ κατ' ἰδίαν
[Quint. Ho. 7. 12.]

κοινολογεῖσθαι.
I Ma. 14. 9. **S R** πάντες περὶ ἀγαθῶν ἐκοινολογοῦντο [**A** -γουν]
15. 28. ἀπέστειλε . . . Ἀθηνόβιον . . . κοινολογησόμενον αὐτῷ
[Sm. Ps. 54 (55). 15.]

κοινολογία.
II Ma. 14. 22. τὴν ἁρμόζουσαν ἐποιήσαντο κ.

κοινός, *cf.* κοινῇ. (1) אָחַד (2) חָבֵר
Es. 5. 1. κ. τὸ πρόσταγμα ἡμῶν ἐστιν
Pr. 1. 14. κοινὸν δὲ βαλάντιον κτησώμεθα πάντες (1)
15. 23. οὐδὲ μὴ εἴπῃ καίριόν τι καὶ καλὸν τῷ κ. –
21. 9. ἢ ἐν κενοναμένοις . . . καὶ ἐν οἴκῳ [S^1 κοινῷ] κ. (†, 2)
25. 24. ἢ μετὰ γυναικὸς λοιδόρου ἐν οἰκίᾳ κοινῇ (2)
Wi. 7. 3. ἔσπασα τὸν κ. ἀέρα
I Ma. 1. 47. θύειν ὕεια καὶ κτήνη κ. [S^1 πολλά]
— 62. τοῦ μὴ φαγεῖν κοινά
II Ma. 8. 29. κ. ἱκετείαν ποιησάμενοι
9. 21. φροντίσαι τῆς κ. πάντων ὑμῶν ἀσφαλείας
10. 8. ἐδογμάτισάν τε μετὰ κ. προστάγματος
12. 4. **R** κατὰ [**A** μετὰ] δὲ τὸ κ. τῆς πόλεως ψήφισμα
15. 6. κ. τῶν περὶ τὸν Ἰ. συστήσασθαι τρόπαιον
— 36. ἐδογμάτισαν δὲ πάντες μετὰ κ. ψηφίσματος
III Ma. 2. 33. τῆς κ. συναναστροφῆς . . . ἑστέρουν
4. 4. λαμβάνοντας πρὸ τῶν ὀφθαλμῶν τὸν κ. ἔλεον
6. 36. κ. ὁρισάμενοι περὶ τούτων θεσμόν
7. 17. κατὰ κοινὴν αὐτῶν β.
IV Ma. 1. 24. θυμὸς δὲ κ. πάθος ἐστὶν ἡδονῆς
3. 21. πρὸς τὴν κ. νεωτερίσαντες ὁμόνοιαν

κοινοῦν.
IV Ma. 7. 6. **S R** γαστέρα ἐκοίνωσας [**A** ἐκοινώνησας] μιαροφαγίᾳ

κοινωνεῖν. (1) אָרַב (2) בָּחַר pu. (3) חָבַר
a. pu. *b.* hith. *c.* חֶבְרָה
II Ch. 20. 35. ἐκοινώνησεν Ἰ. βασ. Ἰ. πρὸς Ὀ. (3 *b*)
Jb. 34. 8. ἢ οὐδ' οὐ κοινωνήσας μετὰ ποιούντων τὰ ἄνομα [**A S** *al.*] (3 *c*)
Pr. 1. 11. ἐλθὲ μεθ' ἡμῶν κοινώνησον αἵματος (1?)
Ec. 9. 4. ὃς κοινωνεῖ πρὸς πάντας τοὺς ζῶντας (2*, 3 *a*)
Wi. 6. 23. οὗτος οὐ κοινωνήσει [**A** -νωνεῖ] σοφίᾳ
Si. 13. 1. ὁ κοινωνῶν ὑπερηφάνῳ ὁμοιωθήσεται αὐτῷ
— 2. ἰσχυροτέρῳ σου καὶ πλουσιωτέρῳ μὴ κοινώνει
— 2. τί κοινωνήσει χύτρα πρὸς λέβητα
— 17. τί κοινωνήσει λύκος ἀμνῷ
II Ma. 5. 20. **R** τῶν τοῦ ἔθνους δυσπετημάτων . . . ἐκοινώνησε [**A** -αν]
14. 25. ἐκοινώνησε βίου
III Ma. 2. 31. ὡς μεγάλης τινὸς κοινωνήσοντες εὐκλείας
4. 11. πρὸς τὸ μηδὲ ταῖς δυνάμεσιν αὐτοῦ κοινωνεῖν
IV Ma. 7. 6. **A** γαστέρα ἐκοινώνησας [**S R** ἐκοίνωσας] μιαροφαγίᾳ
[Sm. Ps. 1. 1.]
[Th. Is. 44. 11.]

κοινωνία. (1) תְּשׁוּמֶת יָד
Le. 6. 2 (5. 21). ἢ περὶ κοινωνίας ἢ περὶ ἁρπαγῆς (1)
Wi. 8. 18. εὔκλεια [**A** εὐκλεὴς] ἐν κοινωνίᾳ λόγων αὐτῆς
III Ma. 4. 6. πρὸς βίου κοινωνίαν γαμικὸν ὑπεληλυθυῖαι παστόν
[Quint. Ho. 7. 4.]

κοινωνός. (1) *a.* חָבֵר *b.* חֶבְרַת
IV Ki. 17. 11. καὶ ἐποίησαν κοινωνούς †
Es. 8. 13. τὴν ἄμεμπτον τῆς βασιλείας κ. Ἐσθήρ
Pr. 28. 24. οὗτος κοινωνός ἐστιν ἀνδρὸς ἀσεβοῦς (1 *a*)
Si. 6. 10. **A B** S^2 ἔστι φίλος κοινωνὸς τραπεζῶν
Si. 41. 18. **B S** ἀπὸ κοινωνοῦ καὶ φίλου περὶ ἀδικίας
42. 3. περὶ λόγου κοινωνοῦ [**S** -ῶν] καὶ ὁδοιπόρων
Ma. 2. 14. αὕτη κοινωνός σου καὶ γυνὴ διαθήκης σου (1 *b*)
Is. 1. 23. οἱ ἄρχοντές σου ἀπειθοῦσι κοινωνοὶ κλεπτῶν (1 *a*)

κοινῶς.
To. 2. 2. **S** καὶ φάγεται κ. μετ' ἐμοῦ
5. 13. ἐπορευόμεθα κ. εἰς Ἱερουσόλυμα [**S** *al.*]
6. 5. **S** ἐπορεύθησαν ἀμφότεροι κ. [**A B** *al.*]
8. 7. **S** συγκαταγηρᾶσαι κ. [**A B** *al.*]
— 13. **S** καὶ ὑπνοῦντας κ.
9. 6. ὤρθρευσαν κ. καὶ ἦλθον εἰς τὸν γάμον
11. 4. **S** ἐπορεύθησαν ἀμφότεροι κ. [**A B** *al.*]

κοιτάζεσθαι. (1) לִין (2) רָבַץ *a.* qal. *b.* hi. (3) שָׁכַב
Le. 15. 20. ἐφ' [B^1 *om.*] ὃ ἂν κοιτάζηται ἐπ' αὐτό (3)
De. 6. 7. καὶ κοιταζόμενος καὶ διανιστάμενος [**A** ἀνιστ.] (3)
11. 19. **A** καὶ κοιταζομένους [**B** καθεύδοντός] σου (3)
Ps. 103 (104). 22. ἐν [S^1 ἐπὶ] ταῖς μάνδραις [**A** S^2 εἰς τὰς μ.] αὐτῶν κοιτασθήσονται (2 *a*)
Ca. 1. 7. ποῦ κοιτάζεις ἐν μεσημβρίᾳ (2 *b*)
Ze. 2. 14. ἐχίνοι ἐν τοῖς φατνώμασιν αὐ. κοιτασθήσονται (1)
3. 13. αὐτοὶ νεμήσονται καὶ κοιτασθήσονται (2 *a*)
Je. 40 (33). 12. καταλύματα ποιμένων κοιταζόντων πρόβατα (2 *b*)
Da. TH. 4. 12. ἐν τῇ δρόσῳ τοῦ οὐρανοῦ κοιτασθήσεται †
[Aq. Dt. 11. 19.]
[Sm. Dt. 11. 19: Is. 27. 10: Da. 4. 12.]
[Th. Dt. 11. 19: Da. 4. 12†.]

κοιτασία. (1) שְׁכֻבָה
Le. 20. 15. ὃς ἂν δῷ κοιτασίαν αὐτοῦ (1)

κοίτη. (1) הֹבֶר (2) יָצוּעַ (3) מְאוּרָה (4) *a.* מָעוֹן *b.* מְעוֹנָה (5) *a.* רָבַץ *b.* רֶבֶץ (6) *a.* שָׁכַב *b.* שְׁכָבָה *c.* שִׁכְבָה *d.* מִשְׁכָּב *e.* מִשְׁכַּב (7) תַּחַת
Ge. 49. 4. ἀνέβης γὰρ ἐπὶ τὴν κ. τοῦ πατρός σου (6 *d*)
Ex. 10. 23. οὐκ ἐξανέστη [**A** ἀν.] οὐδεὶς ἐκ τῆς κ. αὐτοῦ (7)
21. 18. κατακλιθῇ δὲ ἐπὶ τὴν κ. (6 *d*)
Le. 15. 4. πᾶσα κ. . . . ἀκάθαρτός ἐστι (6 *d*)
— 5. ὃς ἂν ἅψηται τῆς κ. αὐτοῦ (6 *d*)
— 16. ᾧ [**A** ὃς] ἐὰν ἐξέλθῃ ἐξ αὐτοῦ κοίτη σπέρματος (6 *b*)
— 17. ἐφ' ὃ ἐὰν ᾖ ἐπ' αὐτὸ κοίτη σπέρματος (6 *b*)
— 18. ἐὰν κοιμηθῇ ἀνὴρ . . . κοίτην σπέρματος (6 *b*)
— 21. ὃς ἐὰν ἅψηται τῆς κ. αὐτῆς (6 *d*)
— 23. ἐν τῇ κ. αὐτῆς οὔσης (6 *d*)
— 24. ἐὰν δὲ κοίτῃ κοιμηθῇ τις μετ' αὐτῆς (6 *a*)
— 24. πᾶσα κ. . . . ἀκάθαρτος ἔσται (6 *d*)
— 26. πᾶσαν κ. . . . κατὰ τὴν κ. τῆς ἀφέδρου ἔσται αὐτῇ (6 *d*, 6 *d*)
— 32. ἐάν τινι ἐξέλθῃ ἐξ αὐτοῦ κοίτη σπέρματος (6 *b*)
18. 20. οὐ δώσεις κοίτην σπέρματός σου (6 *c*)
— 22. οὐ κοιμηθήσῃ κοίτην γυναικός (6 *d*)
— 23. οὐ δώσεις τὴν [**A** *om.*] κ. σου (6 *c*)
19. 20. ἐάν τις κοιμηθῇ . . . κοίτην σπέρματος (6 *b*)
20. 13. ὃς ἂν κοιμηθῇ . . . κοίτην γυναικός (6 *d*)
22. 4. ᾧ ἂν ἐξέλθῃ ἐξ αὐτοῦ κοίτη σπέρματος (6 *b*)
Nu. 5. 13. καὶ κοιμηθῇ τις . . . κοίτην σπέρματος (6 *b*)
— 20. καὶ ἔδωκέ τις τὴν κ. αὐτοῦ (6 *c*)
31. 17. ἥτις ἔγνω κοίτην ἄρσενος (6 *d*)
— 18. ἥτις οὐκ οἶδε [**A** ἔγνω] κοίτην ἄρσενος (6 *d*)
— 35. αἳ οὐκ ἔγνωσαν κοίτην ἀνδρός (6 *d*)
Jd. 21. 11. εἰδυῖαν [**A** γινώσκουσαν] κοίτην ἄρσενος (6 *d*)
— 12. εἰς κοίτην ἀνδρός (6 *d*)
II Ki. 4. 5. ἐκάθευδεν ἐν τῇ κ. τῆς μεσημβρίας (6 *d*)
— 11. ἀπεκτάγκασιν ἄνδρα . . . ἐπὶ τῆς κ. [B^2 κλίνης] αὐτοῦ (6 *d*)
11. 2. ἀνέστη Δ. ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ (6 *d*)
— 13. τοῦ κοιμηθῆναι ἐπὶ [**A** καὶ ἐ.] τῆς κ. αὐ. (6 *d*)
13. 5. κοιμήθητι ἐπὶ τῆς κ. σου (6 *d*)
II Ki. 17. 28. ἤνεγκαν δέκα κοίτας καὶ ἀμφιτάπους (6 *d*)
III Ki. 1. 47. προσεκύνησεν ὁ β. ἐπὶ τὴν κ. (6 *d*)
I Ch. 5. 1. ἐν τῷ ἀναβῆναι ἐπὶ τὴν κ. τοῦ πατρὸς αὐτοῦ (2)
Ju. 13. 1. ἀπῴχοντο εἰς τὰς κ. αὐτῶν
Es. 4. 17. **B S** βδελύσσομαι κοίτην ἀπεριτμήτων
Jb. 7. 13. ἀνοίσω δὲ πρὸς ἐμαυτὸν . . . τῇ κ. μου (6 *d*)
33. 15. ἐπὶ νυσταγμάτων ἐπὶ κοίτης (6 *d*)
— 19. ἤλεγξεν αὐτὸν ἐπὶ [**A** *om.*, **S** ἐν] μαλακίᾳ ἐπὶ κοίτης (6 *d*)
36. 28. οἵδασι δὲ κοίτης τάξιν –
37. 8. ἠσύχασαν δὲ ἐπὶ κοίτης (4 *b*)
38. 40. δεδοίκασι γὰρ ἐν κοίταις αὐτῶν (4 *b*)
Ps. 4. 4. ἐπὶ ταῖς κ. ὑμῶν κατανύγητε [**A** -νοίγητε] (6 *d*)
35 (36). 4. **A S** ἀνομίαν διελογίσατο [**B** ἑλ.] ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (6 *d*)
40 (41). 3. ὅλην τὴν κ. αὐτοῦ ἔστρεψας (6 *d*)
149. 5. ἀγαλλιάσονται ἐπὶ τῶν κ. αὐτῶν (6 *d*)
Pr. 7. 17. διέρραγκα τὴν κ. μου κροκίνῳ [**A** S^2 κρόκῳ] (6 *d*)
Ca. 3. 1. ἐπὶ κοίτην μου . . . ἐζήτησα (6 *d*)
Wi. 3. 13. ἥτις οὐκ ἔγνω κοίτην ἐν παραπτώματι
— 16. ἐκ παρανόμου κοίτης σπέρμα ἀφανισθήσεται
Si. 23. 18. **A** ἄνθρωπος πόρνος ἀπὸ τῆς κ. αὐτοῦ [**B S** *al.*]
34 (31). 19. ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ οὐκ ἀσθμαίνει
40. 5. ἐν καιρῷ ἀναπαύσεως ἐπὶ κοίτης
41. 22. μὴ ἐπιστῇς ἐπὶ τὴν κ. αὐτῆς
Ho. 7. 14. ἀλλ' ἢ ὠλόλυζον ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (6 *d*)
Mi. 2. 1. ἐργαζόμενοι κακὰ ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (6 *d*)
— 12. ὡς ποίμνιον ἐν μέσῳ κοίτης αὐτῶν (1)
Is. 11. 8. ἐπὶ κοίτην ἐκγόνων ἀσπίδων τὴν χεῖρα ἐπιβαλεῖ (3)
17. 2. καταλελειμμένη . . . εἰς κοίτην ποιμνίων (5 *a*?)
56. 10. ἐνυπνιαζόμενοι κοίτην (6 *a*)
57. 7. ἐκεῖ σου ἡ κ. (6 *d*)
Je. 10. 22. τοῦ τάξαι τὰς πόλεις Ἰ. εἰς . . . κοίτην στρουθῶν (4 *a*)
27 (50). 6. ἐπελάθοντο κοίτης αὐτῶν (5 *b*)
Ez. 23. 17. ἤλθοσαν . . . εἰς κοίτην καταλυόντων (6 *d*)
Da. LXX. 4. 7. ἐπὶ τῆς κ. μου ἐκάθευδον (6 *e*)
— 15. ἀναστὰς τὸ πρωῒ ἐκ τῆς κ. μου –
7. 1. ὅραμα εἶδε . . . ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (6 *e*)
— 2. ἐπὶ τῆς κ. μου ἐθεώρουν –
Da. TH. 2. 28. αἱ ὁράσεις τῆς κεφαλῆς σου ἐπὶ τῆς κ. σου (6 *e*)
— 29. οἱ διαλογισμοί σου ἐπὶ τῆς κ. σου (6 *e*)
4. 2. ἐταράχθην ἐπὶ τῆς κ. μου (6 *e*)
— 7. ἐπὶ τῆς κ. μου ἐθεώρουν (6 *e*)
— 10. ἐθεώρουν . . . ἐπὶ τῆς κ. μου (6 *e*)
7. 1. καὶ αἱ ὁράσεις . . . ἐπὶ τῆς κ. αὐτοῦ (6 *e*)
I Ma. 1. 5: 6. 8. ἔπεσεν ἐπὶ τὴν κ.
[Aq., Sm. Ps. 4. 5: Is. 57. 2, 7, 8: Ez. 32. 25.]
[Th. Jb. 7. 13: Is. 57. 2, 7, 8 *bis*: Ez. 32. 25: Da. 2. 29 *bis*: 4. 7.]
[Al. Ez. 32. 25.]

κοιτών. (1) חֶדֶר (2) מַקֵּרָה (3) מִשְׁכָּב
Ex. 8. 3. εἰς τὰ ταμεῖα [**B** -μεῖα] τῶν κ. σου (3)
Jd. 3. 24. **A** ἐν τῇ ἀποχωρήσει τοῦ κ. [**B** *al.*] (2)
15. 1. **A** εἰσελεύσομαι . . . εἰς τὸν κ. [**B** *al.*] (1)
II Ki. 4. 7. ἐκάθευδεν . . . ἐν τῷ κ. αὐτοῦ (1+3)
13. 10. καὶ εἰσήνεγκε . . . εἰς τὸν κ. (1)
III Ki. 21 (20). 30. εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἶκον τοῦ κ. (1)
IV Ki. 6. 12. ἐν τῷ ταμείῳ τοῦ κ. σου (3)
I Es. 3. 3. ἀνέλυσεν εἰς τὸν κ.
Ju. 13. 3. στῆναι ἔξω τοῦ κ. αὐτῆς
— 4. οὐδεὶς κατελείφθη ἐν τῷ κ.
14. 15. εἰσῆλθεν εἰς τὸν κ.
16. 19. ὃ ἔλαβεν ἑαυτῇ ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ
Ec. 10. 20. ἐν ταμείοις κοιτώνων σου μὴ καταράσῃ πλούσιον (3)
Jl. 2. 16. ἐξελθέτω νυμφίος ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
Ez. 8. 12. ἕκαστος αὐτῶν ἐν τῷ κ. τῷ κρυπτῷ αὐτῶν (1)
[Al. Ge. 43. 30.]

κόκκινος (*incl.* κόκκινον *subst.*). (1) תּוֹלַעַת שָׁנִי (2) (3) *a.* תּוֹלַעַת *b.*
Ge. 38. 28. ἔδησεν ἐπὶ τὴν χεῖρα αὐ. κόκκινον (2)
— 30. **R** ἐφ' ᾧ ἦν ἐπὶ τῇ χειρὶ [**A** τὴν χ.] αὐ. τὸ κ. (2)
Ex. 25. 4. κόκκινον διπλοῦν (3 *b*)

Ex. 26. 1, 31, 36: 27. 16. κοκκίνου κεκλωσμένου (3 *b*)
28. 5. λήψονται . . . τὸ κ. καὶ τὴν βύσσον (3 *b* + 2)
— 8. κοκκίνου διανενησμένου (3 *b*)
— 15. κοκκίνου κεκλωσμένου (3 *b*)
— 29 (33). κοκκίνου διανενησμένου (3 *b*)
31. 4. ἐργάζεσθαι . . . τὸ κ. τὸ νηστόν –
35. 6. κόκκινον διπλοῦν (3 *b*)
— 23. **A** πορφύρα καὶ κόκκινον (3 *b* + 2)
— 25. ἤνεγκαν . . . τὸ κ. καὶ τὴν βύσσον (3 *b* + 2)
— 35. ποικιλτὰ ὑφᾶναι τῷ κ. (3 *b* + 2)
36. 9 (39. 2). ἐκ . . . κοκκίνου νενησμένου (3 *b*)
— 10 (39. 3). σὺν τῷ κ. τῷ διανενησμένῳ [B^1 *om.* τ. δ.] (3 *b* [3 *b* + 2])
— 12 (39. 5), 15 (39. 8). ἐκ . . . κοκκίνου διανενησμένου (3 *b*)
— 32 (39. 24), 37 (39. 29). κοκκίνου νενησμένου (3 *b*)
37. 3 (36. 35), 5 (36. 37), 16 (38. 18). ἐξ . . . κοκκίνου νενησμένου (3 *b*)
— 23 (38. 23). ὑφᾶναι τῷ κ. (3 *b* + 2)
39. 13 (1). πορφύραν καὶ τὸ κ. (3 *b* + 2)
Le. 14. 4. καὶ κεκλωσμένον κόκκινον (3 *b*)
— 6. καὶ τὸ κλωστὸν [**A** κεκλωσμένον] κ. (3 *b*)
— 49. καὶ κεκλωσμένον κ. (3 *b*)
— 51. καὶ τὸ κεκλωσμένον κ. (3 *b*)
— 52. καὶ ἐν τῷ κεκλωσμένῳ κ. (3 *b*)
Nu. 4. 8. ἐπιβαλοῦσιν ἐπ' αὐτὴν ἱμάτιον κ. (3 *b* + 2)
19. 6. λήψεται ὁ ἱερεὺς . . . κόκκινον (2 + 3 *b*)
Jo. 2. 18. τὸ σπαρτίον τὸ κ. τοῦτο ἐκδήσεις (2)
II Ki. 1. 24. τὸν ἐνδιδύσκοντα ὑμᾶς κόκκινα (2)
II Ch. 2. 7 (6). ἐν τῇ πορφύρᾳ καὶ ἐν τῷ κ. (1)
— 14 (13). ἐν τῇ βύσσῳ καὶ ἐν τῷ κ. (1)
3. 14. καὶ κοκκίνου καὶ βύσσου (1)
Ca. 4. 3. ὡς σπαρτίον τὸ [**A** *om.*] κ. χείλη σου (2)
6. 5 (6). ὡς σπαρτίον τὸ [**A S** *om.*] κ. χείλη σου –
Is. 1. 18. ἐὰν δὲ ὦσιν ὡς κ. (3 *a*)
3. 23. τὰ ὑακίνθινα καὶ κόκκινα [**A S** τὰ κ.] –
Je. 4. 30. ἐὰν περιβάλῃ κόκκινον [**S** -να] (2)
[**Sm.** Ex. 28. 5: 35. 23, 35: 39. 1 (13): Is. 1. 18.]
[**Th.** Ex. 28. 5: 35. 23, 35: 39. 1 (13).]
[**Al.** Ca. 6. 5 (6).]

κόκκος. (1) תּוֹלַע

Si. 45. 11. κεκλωσμένῃ κόκκῳ ἔργῳ τεχνίτου
La. 4. 5. **S B** οἱ τιθηνούμενοι ἐπὶ κόκκων [**A** κόλπων, **B** -κῳ] (1)
[**Aq.** Ca. 4. 3: 6. 5 (6).]
[**Quint.** Ca. 4. 3.]

κολαβρίζεσθαι. (1) דָּבָא hithpa.

Jb. 5. 4. κολαβρισθείησαν [**A** σκολ.] δὲ ἐπὶ θύραις ἡσσόνων (1)

κολάζειν.

I Es. 8. 24. καὶ πάντες . . . ἐπιμελῶς κολασθήσονται
Wi. 3. 4. ἐν ὄψει ἀνθρώπων ἐὰν κολασθῶσιν
11. 5. δι' ὧν γὰρ ἐκολάσθησαν οἱ ἐχθροὶ αὐτῶν
— 8. πῶς τοὺς ὑπεναντίους ἐκόλασας
— 16. διὰ τούτων κολάζεται [**S** καὶ κολ.]
12. 14. **A B S** περὶ ὧν ἐκόλασας [**B** ἀπώλεσας]
— 15. αὐτὸν τὸν μὴ ὀφείλοντα κολασθῆναι καταδίκασαι
— 27. ἐπὶ τούτοις οὓς [S^1 οὖν] ἐδόκουν θεοὺς ἐν αὐτοῖς κολαζόμενοι
14. 10. τὸ πραχθὲν σὺν τῷ δράσαντι κολασθήσεται
16. 1. δι' ὁμοίων ἐκολάσθησαν ἀξίως
— 9. ἄξιοι ἦσαν ὑπὸ τοιούτων [S^1 τούτων] κολασθῆναι
18. 11. ὁμοίᾳ δὲ δίκῃ δοῦλος ἅμα δεσπότῃ κολασθείς
— 22. λόγῳ τὸν κολάζοντα ὑπέταξεν
Si. 23. 21. **A** ὃς οὐχ ὑπενόησεν κολασθήσεται [**B S** *al.*]
Da. LXX. 6. 12 (13). ἀλλὰ καὶ κολάσῃς τὸν ἄνθρ. –
I Ma. 7. 7. **A S** καὶ ἐκολάσατο [**B** κολασάτω] αὐτούς
II Ma. 6. 14. μεχρὶ τοῦ καταντήσαντας αὐτοὺς . . . κολάσαι
III Ma. 3. 26. τούτων γὰρ ὁμοῦ κολασθέντων
7. 3. κολάζεσθαι ξενιζούσαις ἀποστατῶν τιμωρίαις
— 14. **B** κατὰ τὴν ὁδὸν ἐκολάζοντο [**A** ἀπέκτεννον]
IV Ma. 2. 11. **S** διὰ κακίαν αὐτοὺς [**A** -ῶν, **B** -ὰ] κολάζων
8. 6. κολάζειν τοὺς ἀπειθοῦντάς μου τοῖς ἐπιτάγμασιν
18. 5. καὶ ἀποθανὼν κολάζεται
[**Aq.** II Ki. 8. 1.]
[**Sm.** Pr. 22. 23 *bis*: Ec. 7. 14 (13) (?).]

κολαιός, *cf.* κολεός. (1) תַּעַר

I Ki. 17. 51. **A** ἐξέσπασεν αὐτὴν ἐκ τοῦ κ. αὐτῆς (1)

κολακεύειν.

I Es. 4. 31. κολακεύει αὐτήν
Jb. 19. 17. προσεκαλούμην δὲ κολακεύων υἱοὺς παλλακίδων μου –
Wi. 14. 17. ἵνα τὸν ἀπόντα ὡς παρόντα κολακεύωσι [**A** -σωσιν]

κολάπτειν. (1) גָּזִית (2) חָרַת (3) פְּרֻתוֹת

Ex. 32. 16. ἡ γραφὴ . . . κεκολαμμένη ἐν ταῖς πλαξί (2)
III Ki. 7. 9. πάντα ταῦτα ἐκ λίθων . . . κεκολαμμένα (1)
— 12. **A B** καὶ στίχος κεκολαμμένης [**B** κεκολλημένης] κέδρου (3)
Si. 45. 11. ἐν γραφῇ κεκολαμμένῃ κατ' ἀριθμὸν φυλῶν Ἰσραήλ
Je. 10. 4. καὶ χρυσίῳ κεκαλλωπισμένα [S^1 κεκολαμμ.] †
III Ma. 2. 27. **A** ἐκόλαψεν [**B** ἔξεκ.] γραφήν

κόλασις. (1) מְבֻשׁוֹל (2) λαμβάνειν τὴν κ. פָּלַם ni.

Wi. 11. 13. ἤκουσαν διὰ τῶν ἰδίων κ. εὐεργετουμένους [**A S** -ημένους] αὐτούς
16. 2. ἀνθ' ἧς κολάσεως εὐεργέτησας τὸν λαόν σου
— 24. ἡ γὰρ κτίσις . . . ἐπιτείνεται εἰς κόλασιν κατὰ τῶν ἀδίκων
19. 4. τὴν λείπουσαν ταῖς βασάνοις . . . κόλασιν
Je. 18. 20. τὴν κ. αὐτῶν ἔκρυψάν μοι †
Ez. 14. 3. τὴν κ. τῶν ἀδικιῶν αὐτῶν ἔθηκαν (1)
— 4, 7. τὴν κ. τῆς ἀδικίας αὐτοῦ τάξῃ (1)
18. 30. οὐκ ἔσονται ὑμῖν εἰς κόλασιν ἀδικίας (1)
43. 11. λήψονται τὴν κ. αὐτῶν περὶ πάντων (2)
44. 12. ἐγένετο τῷ οἴκῳ [**A** *om.*] Ἰσρ. εἰς κόλασιν ἀδικίας (1)
II Ma. 4. 38. τοῦ κυρίου τὴν ἀξίαν αὐτῷ κ. ἀποδόντος
III Ma. 1. 3. κομίσασθαι τὴν ἐκείνου κ.
7. 10. τυχεῖν . . . τῆς ὀφειλομένης κ.
IV Ma. 8. 9. ἐπὶ δειναῖς κ. ἕνα ἕκαστον ὑμῶν . . . ἀπολέσαι
13. 7. **S** τὴν τῶν παθῶν ἐνίκησεν κ. [**A B** ἀκολασίαν]
[**Aq.** Je. 11. 20: 20. 10.]
[**Th.** Ez. 7. 19.]

κολαστήριον.

IV Ma. 10. 4. **A B** εἴ τι ἔχετε κ.

κολεός, *cf.* κολαιός. (1) נֵרֶן (2) תַּעַר

II Ki. 20. 8. περιεζωσμένος μάχαιραν . . . ἐν κολεῷ αὐτῆς (2)
I Ch. 21. 27. κατέθηκε [**A** καθῆκεν] τὴν ῥομφαίαν εἰς τὸν κ. (1)
Je. 29 (47). 6. ἀποκατάστηθι εἰς τὸν κ. σου (2)
Ez. 21. 3 (8). ἐκσπάσω τὸ ἐγχειρίδιόν μου ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ (2)
— 4 (9). ἐξελεύσεται τὸ ἐγχειρίδιόν μου ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ (2)
— 5 (10). ἐξέσπασα τὸ ἐγχειρίδιόν μου ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ (2)
[**Aq., Sm., Th.** Ez. 21. 30 (35).]

κολίανδρον.

[**Al.** Nu. 11. 7.]

κολλᾶν. (1) דָּבַק *a.* qal. *b.* pu. *c.* hi. *d.* hoph. (2) נָגַע hi. (3) נָגַשׁ (4) נָצַר (5) רָבַץ

De. 6. 13. πρὸς αὐτὸν κολληθήσῃ –
10. 20. πρὸς αὐτὸν κολληθήσῃ (1 *a*)
28. 60. καὶ κολληθήσονται ἐν σοί (1 *a*)
29. 20 (19). κολληθήσονται ἐν αὐτῷ πᾶσαι αἱ ἀραί (5)
Ru. 2. 8. κολλήθητι μετὰ τῶν κορασίων μου (1 *a*)
— 21. **B** μετὰ τῶν παιδαρίων [**B** κορασίων] μου κολλήθητι [**A B** τῶν ἐμῶν προσκ.] (1 *a*)
II Ki. 20. 2. ἀνὴρ Ἰ. ἐκολλήθη τῷ βασ. αὐτῶν (1 *a*)
III Ki. 7. 12. **B** καὶ στίχος κεκολλημένης [**A** κεκολαμμένης] κέδρου †
11. 2. εἰς αὐτοὺς ἐκολλήθη **Σ**αλ. τοῦ ἀγαπῆσαι (1 *a*)
IV Ki. 1. 18 (3. 3). ἐν ταῖς ἁμαρτίαις οἴκου Ἰερ. . . . ἐκολλήθη (1 *a*)
3. 3. ἐν τῇ ἁμαρτίᾳ Ἰερ. . . . ἐκολλήθη (1 *a*)
5. 27. ἡ λέπρα **N.** κολληθήσεται ἐν σοί (1 *a*)
18. 6. ἐκολλήθη τῷ κυρίῳ (1 *a*)
I Es. 4. 20. πρὸς τὴν ἰδίαν γυναῖκα κολλᾶται
To. 6. 17. ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐκολλήθη σφόδρα αὐτῇ [**A S** *al.*]
Jb. 29. 10. γλῶσσα αὐτῶν τῷ λάρυγγι αὐτῶν ἐκολλήθη (1 *a*)
38. 38. κεκόλληκα δὲ αὐτῶν ὥσπερ λίθῳ κύβον [**A** *al.*] (1 *b*)
41. 7 (8). εἷς τοῦ [**A** ἐκ τοῦ] ἑνὸς κολλῶνται (3)
— 14 (15). σάρκες δὲ σώματος [**S** *om.*] αὐτοῦ κεκόλληνται (1 *a*)
Ps. 21 (22). 15. ἡ γλῶσσά μου κεκόλληται τῷ λάρυγγί μου (1 *d*)
24 (25). 21. ἄκακοι καὶ εὐθεῖς ἐκολλῶντό μοι (4)
43 (44). 25. ἐκολλήθη εἰς γῆν ἡ γαστὴρ ἡμῶν (1 *a*)
62 (63). 8. ἐκολλήθη ἡ ψυχή μου ὀπίσω σου (1 *a*)
100 (101). 3. οὐκ ἐκολλήθη μοι καρδία σκαμβή (1 *a*)
101 (102). 5. ἐκολλήθη τὸ ὀστοῦν μου τῇ σαρκί μου (1 *a*)
118 (119). 25. ἐκολλήθη τῷ ἐδάφει ἡ ψυχή μου (1 *a*)
— 31. ἐκολλήθην τοῖς μαρτυρίοις σου, κύριε (1 *a*)
136 (137). 6. κολληθείη ἡ γλῶσσά μου τῷ λάρυγγί μου (1 *a*)
Si. 2. 3. κολλήθητι αὐτῷ καὶ μὴ ἀποστῇς
19. 2. ὁ κολλώμενος πόρναις τολμηρότερος [**S** -ρὸς] ἔσται
Je. 13. 11. καθάπερ κολλᾶται τὸ περίζωμα . . . οὕτως ἐκόλλησα πρὸς ἐμαυτὸν τὸν οἶκον τοῦ Ἰσρ. (1 *a*, 1 *c*)
Ba. 1. 20. ἐκολλήθη εἰς ἡμᾶς τὰ κακά
3. 4. ἐκολλήθη [**A** προσεκ.] ἡμῖν τὰ κακά
La. 2. 2. τὰ ὀχυρώματα . . . ἐκόλλησεν εἰς τὴν γῆν (2)
4. 4. ἐκολλήθη ἡ γλῶσσα θηλάζοντος (1 *a*)
I Ma. 3. 2. **A B** ὅσοι [**S** οἳ] ἐκολλήθησαν τῷ πατρὶ αὐ.
6. 21. ἐκολλήθησαν αὐτοῖς τινες τῶν ἀσεβῶν
[**Aq.** Dt. 4. 4: 30. 20: I Ki. 31. 2: II Ki. 1. 6: Jb. 19. 20: Je. 42 (49). 16: Ez. 29. 4.]
[**Sm.** Je. 42 (49). 16.]
[**Th.** Jb. 41. 8.]

κόλλη. (1) מְחוּגָה

Is. 44. 13. ἐν κόλλῃ ἐρρύθμισεν αὐτό (1)
[**Aq., Th.** Is. 41. 7.]

κόλλησις.

[**Sm.** Is. 41. 7.]

κολλύρα. (1) לְבִיבוֹת

II Ki. 13. 6. **B** κολλυρισάτω . . . δύο κολλύρας [**A B** -ρίδας] (1)
[**Aq., Th.** Ex. 29. 2, 23: Le. 2. 4: 8. 26.]
[**Sm.** Ex. 29. 2, 23: Le. 2. 4: 8. 26: Jd. 7. 13: I Ki. 2. 36: 10. 3: Je. 37 (44). 21.]
[**Al.** Le. 7. 12 *bis*, 13: 24. 5: Nu. 6. 15.]

κολλυρίζειν. (1) לָבַב pi.

II Ki. 13. 6. **A B** κολλυρισάτω . . . δύο κολλυρίδας [**B** -ras] (1)
— 8. ἐκολλύρισε κατ' ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ (1)

κολλύριον. (1) נְקָדִים

III Ki. 12. 24 **B** (*cf.* **A** 14. 3). καὶ κολλύρια τοῖς τέκνοις αὐτοῦ (1)
— 24. **B** ἄρτους καὶ δύο κολλύρια
— 24. **B** καὶ κολλύρια καὶ στάμνον μέλιτος
[**Aq.** III Ki. 14. 3.]

κολλυρίς. (1) חַלָּה (2) לְבִיבוֹת (3) נְקָדִים

II Ki. 6. 19. διεμέρισε . . . κολλυρίδα ἄρτου (1)
13. 6. **A B** κολλυρισάτω . . . δύο κολλυρίδας [**B** -ras] (2)
— 8. ἤψησε τὰς κ. (2)
— 10. ἔλαβε Θ. τὰς κ. (2)
III Ki. 14. 3. **A** καὶ κολλυρίδα τοῖς τέκνοις αὐτοῦ (3)
[**Aq., Sm., Th.** Le. 2. 4.]
[**Al.** Le. 7. 12: 24. 5: Nu. 6. 15.]

κολοβόκερκος. (1) קָלַט

Le. 22. 23. **A**^{2} **B** πρόβατον ὠτότμητον ἢ κ. (1)

κολοβόριν. (1) חָרָם

Le. 21. 18. ἄνθρωπος τυφλὸς . . . ἢ κ. (1)

κολοβός.

[Aq., Sm. Is. 37. 27.]

κολοβότης.

[Aq. Ex. 6. 9.]

κολοβοῦν. (1) קָצַץ pi.

II Ki. 4. 12. κολοβοῦσι τὰς χεῖρας αὐτῶν (1)
[Aq. Jd. 16. 16: Jb. 21. 4: Is. 59. 1: Za. 11. 8.]
[Sm. Jb. 21. 4: Is. 28. 20: 59. 1.]
[Th. Is. 28. 20.]

κολόκυνθα (-τα). (1) קִיקָיוֹן

Jn. 4. 6. καὶ προσέταξε κ. ὁ θ. κολοκύνθῃ (1)
— 6. ἐχάρη Ἰ. ἐπὶ τῇ κ. χαρὰν μεγάλην (1)
— 7. ἐπάταξε τὴν κολόκυνθαν καὶ ἀπεξηράνθη (1)
— 9. εἰ σφόδρα λελύπησαι σὺ ἐπὶ τῇ κ. (1)
— 10. σὺ ἐφείσω ὑπὲρ τῆς κ. (1)

κολοκυνθίς.

[Al. IV Ki. 4. 39.]

κόλπος. (1) חֵיק, חוֹק, חֵק (2) חֹפֶן (3) חֹצֶן (4) צַלַּחַת

Ge. 16. 5. δέδωκα τὴν παιδίσκην μου εἰς τὸν κ. σου (1)
Ex. 4. 6. εἰσένεγκον τὴν χεῖρά σου εἰς τὸν κ. σου (1)
— 6. εἰσήνεγκε τὴν χεῖρα αὐτοῦ εἰς τὸν κ. αὐτοῦ (1)
— 6. ἐξήνεγκε τὴν χεῖρα αὐτοῦ ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ –
— 7. εἰσένεγκον τὴν χεῖρά σου εἰς τὸν κ. σου (1)
— 7. εἰσήνεγκε τὴν χεῖρα εἰς τὸν κ. αὐτοῦ (1)
— 7. ἐξήνεγκεν αὐτὴν ἐκ τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
Nu. 11. 12. λάβε αὐτὸν [A -οὺς] εἰς τὸν κ. σου (1)
De. 13. 6 (7). ἡ γυνὴ σου ἡ ἐν κόλπῳ σου (1)
28. 54. A R τὴν γυναῖκα τὴν ἐν τῷ [B om.] κ. (1)
— 56. τὸν ἄνδρα αὐτῆς τὸν ἐν κόλπῳ [A τῷ κ.] αὐτῆς (1)
Ru. 4. 16. ἔθηκεν [A add. τοῦτο] εἰς τὸν κ. αὐτῆς (1)
II Ki. 12. 3. ἐν τῷ κ. αὐτοῦ ἐκάθευδε (1)
— 8. ἔδωκα . . . ἐν τῷ κ. σου (1)
III Ki. 3. 20. ἐκοίμισεν αὐτὸν ἐν τῷ κ. αὐτῆς (1)
— 20. ἐκοίμισεν ἐν τῷ κ. μου (1)
17. 19. ἔλαβεν αὐτὸν ἐκ τοῦ κ. αὐτῆς (1)
22. 35. ἀπέχυνε τὸ αἷμα . . . εἰς τὸν κ. τοῦ ἅρματος –
— 35. ἐξεπορεύετο τὸ αἷμα . . . ἕως τοῦ κ. τοῦ ἅρματος (1)
Jb. 19. 27. πάντα δέ μοι συντετέλεσται ἐν κόλπῳ [S¹ κόπῳ] (1)
23. 12. ἐν δὲ κόλπῳ μου ἔκρυψα ῥήματα αὐτοῦ †
31. 34. ἐξελθεῖν θύραν μου κ. κενῷ –
Ps. 34 (35). 13. ἡ προσευχή μου εἰς κόλπον μου ἀποστραφήσεται [A -ήτω] (1)
73 (74). 11. τὴν χεῖρά σου καὶ τὴν δεξιάν σου [S¹ om. καὶ τὴν δ. σου] ἐκ μέσου τοῦ κ. σου (1)
78 (79). 12. ἀπόδος . . . εἰς τὸν κ. αὐτῶν τὸν ὀνειδισμὸν αὐτῶν (1)
88 (89). 50. B S οὗ ὑπέσχου [A R -ον] ἐν τῷ κ. μου (1)
128 (129). 7. καὶ τὸν κ. αὐτοῦ ὁ τὰ δράγματα συλλέγων (3)
Pr. 6. 27. ἀποδήσει τις πῦρ ἐν κόλπῳ (1)
16. 33. εἰς κόλπους ἐπέρχεται πάντα τοῖς ἀδίκοις (1)
17. 23. λαμβάνοντος δῶρα ἐν κόλποις [A S -ῳ] ἀδίκως [S -ῳ] (1)
19. 24. ὁ ἐγκρύπτων εἰς τὸν κ. αὐτοῦ χεῖρας ἀδίκως (4)
24. 27 (30. 4). τίς συνήγαγεν ἀνέμους ἐν κόλπῳ (2)
26. 15. κρύψας ὀκνηρὸς τὴν χεῖρα ἐν τῷ κ. αὐτοῦ (4)
Ec. 7. 10 (9). θυμὸς ἐν κόλπῳ ἀφρόνων ἀναπαύσεται (1)
Si. 9. 1. μὴ ζήλου γυναῖκα τοῦ κ. σου †
Ho. 8. 1. εἰς κόλπον αὐτῶν ὡς γῦ †
Is. 49. 22. ἄξουσι τοὺς υἱούς σου ἐν κόλπῳ (3)
65. 6. ἕως ἂν ἀποδώσω εἰς τὸν κ. αὐτῶν [A S al.] (1)
— 7. ἀποδώσω τὰ ἔργα αὐτῶν εἰς [S ἐπὶ] τὸν κ. αὐτῶν (1)
Je. 39 (32). 18. ἀποδιδοὺς ἁμαρτίας πατέρων εἰς κόλπους [S -ον] τέκνων αὐτῶν (1)
La. 2. 12. ἐν τῷ ἐκχεῖσθαι ψυχὰς αὐτῶν εἰς κόλπον μητέρων αὐτῶν (1)
La. 4. 5. A οἱ τιθηνούμενοι ἐπὶ κόλπων [R κόκκων, B κόκκῳ] †
[Aq. Ps. 88 (89). 51: Is. 40. 11: Ez. 43. 14.]
[Sm. Ps. 88 (89). 51: Is. 40. 11.]
[Th. Jb. 19. 27: Is. 40. 11.]

κόλπωμα. (1) חֵיק

Ez. 43. 13. παλαιστῆς κ. βάθους [A τὸ κ. βάθος πῆχυς] ἐπὶ πῆχυν (1)
[Al. Ez. 43. 13.]

κολυμβᾶν.

[Al. Is. 25. 11.]

κολυμβήθρα. (1) בְּרֵכָה

IV Ki. 18. 17. ἐν τῷ ὑδραγωγῷ τῆς κ. τῆς ἄνω (1)
Ne. 2. 14. καὶ εἰς κολυμβήθραν τοῦ βασ. (1)
3. 15. καὶ τὸ τεῖχος κολυμβήθρας [S¹ al.] (1)
— 16. ἕως τῆς κ. τῆς γεγονυίας (1)
Ec. 2. 6. ἐποίησά μοι κολυμβήθρας ὑδάτων (1)
Na. 2. 8 (9). N. ὡς [A ἦν] κολυμβήθρα ὕδατος τὰ ὕδατα [A τείχη ὕ.] (1)
Is. 7. 3. ἔξελθε . . . πρὸς τὴν κ. τῆς ἄνω ὁδοῦ (1)
22. 9. ἀπέστρεψε τὸ ὕδωρ τῆς ἀρχαίας κ. (1)
— 11. ἐποιήσατε ἑαυτοῖς ὕδωρ . . . ἐσώτερον τῆς κ. τῆς ἀρχαίας (1)
36. 2. ἔστη ἐν τῷ ὑδραγωγῷ τῆς κ. τῆς ἄνω (1)
[Aq. II Ki. 2. 13: 4. 12.]
[Sm. II Ki. 4. 12: Ca. 7. 4 (5).]
[Th. II Ki. 2. 13.]

κόμβος.

[Al. Ge. 42. 35 *bis*.]

κόμη. (1) עֹרֶף (2) פֵּאָה (3) פְּאֵר (4) פְּרַע

Le. 19. 27. οὐ ποιήσετε σισόην ἐκ τῆς κ. (2)
Nu. 6. 5. τρέφων κόμην τρίχα κεφαλῆς (4)
Ju. 13. 7. ἐδράξατο τῆς κ. τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ
Jb. 1. 20. ἐκείρατο τὴν κ. τῆς κεφαλῆς –
16. 13 (12). λαβών με τῆς κ. διέτιλε (1)
38. 32. ἕσπερον ἐπὶ κόμης αὐτοῦ ἄξεις [A καὶ ἄ.] αὐτά †
Ez. 24. 23. αἱ κ. ὑμῶν ἐπὶ τῆς κεφαλῆς ὑμῶν (3)
44. 20. τὰς κ. αὐτῶν οὐ ψιλώσουσι (4)
Da. LXX. Bel 35. ἐπιλαβόμενος . . . τῆς κ. αὐτοῦ
Da. TH. Bel 36. βαστάσας τῆς κ. τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ
III Ma. 1. 18. A κόνει τὰς κ. [R κεφαλὰς] πασάμεναι
4. 6. κόνει τὴν μυροβρεχῆ πεφυρμέναι κ.
[Th. Jb. 38. 32.]

κομιδῇ.

IV Ma. 3. 1. A ἔστι δὲ κ. γελοῖος ὁ λογισμός [R λόγος]

κομίζειν. (1) יָבַל aph. (2) לָקַח (3) נָשָׂא

Ge. 38. 20. κομίσασθαι . . . τὸν ἀρραβῶνα (2)
Le. 20. 17. ἁμαρτίαν κομιοῦνται (3)
I Es. 2. 14. τὰ δὲ πάντα σκεύη ἐκομίσθη [A διεκ.]
4. 5. τῷ βασ. κομίζουσι πάντα
9. 39. κόμισαι τὸν νόμον Μ.
— 40. A R ἐκόμισεν [B ἐδοκίμασεν] Ε. . . . τὸν νόμον
II Es. 6. 5. R καὶ ἐκόμισεν [A ἐκόσμ.] εἰς Βαβ. (1)
To. 7. 12. κομίζου αὐτὴν ἀπὸ τοῦ νῦν κατὰ τὴν κρίσιν [S al.]
— 13. κομίζου αὐτήν [S al.]
9. 2. κόμισαί μοι τὸ ἀργύριον
Jb. 22. 8. A ἐκόμισας δὲ πτωχοὺς ἐπὶ γῆς [B S al.] †
Ps. 39 (40). 15. κομισάσθωσαν παραχρῆμα αἰσχύνην αὐτῶν †
Wi. 18. 21. προσευχὴν [S² -ῆς] καὶ θυμιάματος ἐξιλασμὸν κομίσας
Si. 29. 6. μόλις κομίσεται [A -ιεῖται] τὸ ἥμισυ
Ho. 2. 9 (11). κομιοῦμαι τὸν σῖτόν μου (2)
Ez. 16. 52. κόμισαι βάσανόν σου (3)
— 54. ὅπως κομίσῃ τὴν βάσανόν σου (3)
— 58. τὰς ἀσεβείας σου . . . σὺ κεκόμισαι αὐτάς [A al.] (3)
I Ma. 13. 37. τὸν στέφανον τὸν χρυσοῦν . . . κεκομίσμεθα
II Ma. 7. 11. R ταῦτα πάλιν ἐλπίζω κομίσασθαι [A -ίζεσθαι]
— 29. R ἵνα ἐν τῷ ἐλέει . . . κομίσωμαί σε [A al.]
8. 33. R ἄξιον τῆς δυσσεβείας ἐκομίσαντο [A -ατο] μισθόν
10. 1. τὸ μὲν ἱερὸν ἐκομίσαντο
13. 8. ἐν σποδῷ τὸν θάνατον ἐκομίσατο
III Ma. 1. 3. κομίσασθαι τὴν ἐκείνου κόλασιν
— 8. καὶ ξένια κομιοῦντας
7. 22. πάντα τὰ ἑαυτῶν πάντες ἐκομίσαντο
IV Ma. 3. 14. S ἐκόμισαν [A R ἐγέμ.] τῷ βασ. τὸ ποτόν
[Sm. Jb. 27. 13.]
[Th. Jb. 27. 13: Ez. 16. 58.]

κόμμα.

I Ma. 15. 6. ποιῆσαι κ. ἴδιον

κόμπος.

Es. 8. 13. τοῖς τῶν ἀπειραγάθων κ. ἐπαρθέντες
III Ma. 6. 5. βαρέα λαλοῦντα κόμπῳ καὶ θράσει

κονδοκέρατος.

[Al. Le. 22. 23.]

κόνδυ. (1) גֻּבְיָע (2) כּוֹס

Ge. 44. 2. τὸ κ. μου τὸ ἀργυροῦν ἐμβάλετε (1)
— 5. ἵνα τί ἐκλέψατέ μου τὸ κ. τὸ ἀργυροῦν –
— 9. R παρ' ᾧ ἂν εὑρῇς [A -ρεθῇ] τὸ κ. –
— 10. παρ' ᾧ ἂν εὑρεθῇ τὸ κ. –
— 12. εὗρε τὸ κ. (1)
— 16. παρ' ᾧ εὑρέθη τὸ κ. (1)
— 17. ὁ ἄνθρωπος παρ' ᾧ εὑρέθη τὸ κ. (1)
Is. 51. 17. τὸ κ. τοῦ θυμοῦ ἐξέπιες (2)
— 22. εἴληφα . . . τὸ κ. τοῦ θυμοῦ (2)
[Th. Is. 51. 17.]

κονδυλίζειν.

Am. 2. 7. καὶ ἐκονδύλιζον εἰς κεφαλὰς πτωχῶν –
Ma. 3. 5. ἐπὶ . . . τοὺς κονδυλίζοντας ὀρφανούς –

κονδυλισμός. (1) נְדוּף

Ze. 2. 8. ἤκουσα . . . κονδυλισμοὺς υἱῶν Ἀμμών (1)

κονία. (1) מוֹצָק (2) שִׁיד (3) κ. λεπτή אַבְנֵי־גֵר

De. 27. 2, 4. κονιάσεις αὐτοὺς κονίᾳ (2)
Jb. 28. 4. διακοπὴ χειμάρρου ἀπὸ κονίας †
38. 38. κέχυται δὲ ὥσπερ γῇ [A γῆς] κονία (1?)
Am. 2. 1. κατέκαυσαν τὰ ὀστᾶ βασιλέως . . . εἰς κονίαν (2)
Is. 27. 9. ὅταν θῶσι [A θῶ] . . . ὡς κονίαν λεπτήν (3)
[Sm., Th. Jb. 28, 4.]

κονίαμα. (1) גִּיר

Da. LXX. 5. 1. ἐπέγραψαν . . . ἐπὶ τοῦ κ. –
— 5. ἔγραψαν . . . ἐπὶ τοῦ κ. (1)
Da. TH. 5. 5. ἔγραφον . . . ἐπὶ τὸ κ. τοῦ τοίχου (1)

κονιᾶν. (1) שִׁיד

De. 27. 2, 4. κονιάσεις αὐτοὺς κονίᾳ (1)
Pr. 21. 9. ἢ ἐν κεκονιαμένοις μετὰ ἀδικίας †

κονίεσθαι.

[Aq. Ge. 32. 24 (25).]
[Sm. II Ki. 1. 2.]

κονιορτός. (1) *a.* אָבָק *b.* אֲבָקָה (2) חֹמֶר (3) מֹץ (4) מַק (5) עִיר (6) עָפָר (7) שְׁפָעָה

Ex. 9. 9. γενηθήτω κονιορτός (1 *a*)
De. 9. 21. καὶ ἐγένετο ὡσεὶ κονιορτός (6)
— 21. ἔρριψα τὸν κ. εἰς τὸν χειμάρρουν (6)
28. 24. δῴη κύριος . . . τὸν ὑετὸν τῇ γῇ σου κονιορτόν (1 *a*)
IV Ki. 9. 17. εἶδε τὸν κ. Ἰού (7)
— 17. κονιορτὸν ἐγὼ βλέπω (7)
Jb. 21. 18. ὥσπερ κονιορτὸς ὃν ὑφείλατο λαῖλαψ (3)
Ca. 3. 6. τεθυμιαμένη . . . ἀπὸ πάντων κ. μυρεψοῦ [S¹ -ικοῦ] (1 *b*)
Na. 1. 3. καὶ νεφέλαι κονιορτὸς ποδῶν αὐτοῦ (1 *a*)
Is. 3. 24. ἔσται ἀντὶ ὀσμῆς ἡδείας κ. (4)
5. 24. τὸ ἄνθος αὐτῶν ὡς κ. ἀναβήσεται (1 *a*)
10. 6. θεῖναι αὐτὰς εἰς κονιορτόν (2)
17. 13. ὡς κονιορτὸν τροχοῦ καταιγὶς φέρουσα –
29. 5. A S R ἔσται ὡς κ. ἀπὸ τροχοῦ [B τοιχ.] ὁ πλοῦτος τῶν ἀσεβῶν (1 *a*)
Ep. Je. 13. ἐκμάσσονται τὸ πρόσωπον αὐτῶν διὰ τὸν ἐκ τῆς οἰκίας κ.
— 17. οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτῶν πλήρεις εἰσὶ κονιορτοῦ
Ez. 26. 10. κατακαλύψει [A καλ.] σε ὁ κ. αὐτῶν (1 *a*)

Da. TH. 2. 35. ὡσεὶ κονιορτὸς ἀπὸ ἅλωνος θερινῆς (5)
III Ma. 5. 48. κονιορτὸν ἰδόντες . . . οἱ Ἰουδαῖοι
[Th. Da. 2. 35.]
[Al. Jb. 27. 21: Ps. 1. 4.]

κόνις.

III Ma. 1. 18. **B** κόνει τὰς κεφαλὰς [**A** κόμας] πασάμεναι
4. 6. κόνει τὴν μυροβρεχῆ πεφυρμέναι κόμην
[Sm. Jb. 5. 6: 40. 8 (13): Ps. 21 (22). 30: 29 (30). 10.]

κοντάριον.

[Sm. Ps. 34 (35). 2.]

κοντός. (1) חֵץ (2) צְנָה

I Ki. 17. 7. ὁ κ. τοῦ δόρατος αὐτοῦ ὡσεὶ μέσακλον (1)
Ez. 39. 9. καύσουσιν ἐν τοῖς ὅπλοις πέλταις καὶ κοντοῖς (2)
[Aq. Nu. 25. 7.]

κόνυζα. (1) סִרְפַּד

Is. 55. 13. ἀντὶ δὲ τῆς κ. ἀναβήσεται μυρσίνη (1)
[Aq., Th. Is. 55. 13.]

κοπάζειν. (1) חָרַל (2) בָּלָה pi. (3) כָּלַם ni. (4) עָצַר ni. (5) קָלַל (6) שָׁבַךְ (7) שָׁמַט (8) שָׁמַע (9) שָׁתַק

Ge. 8. 1. ἐκόπασε τὸ ὕδωρ (6)
— 7. **A** εἰ κεκόπακεν τὸ ὕδωρ ἀπὸ τῆς γῆς –
— 8. εἰ κεκόπακε τὸ ὕδωρ ἀπὸ τῆς γῆς (5)
— 11. κεκόπακε τὸ ὕδωρ ἀπὸ τῆς γῆς (5)
Nu. 11. 2. καὶ ἐκόπασε τὸ πῦρ (8)
16. 48 (17. 13), 50 (17. 15). ἐκόπασεν ἡ θραῦσις (4)
Jo. 14. 15. ἡ γῆ ἐκόπασε τοῦ πολέμου (7)
Jd. 15. 7. καὶ ἔσχατον κοπάσω (1)
20. 28. **A** ἢ κοπάσω (1)
Ru. 1. 18. ἐκόπασε τοῦ λαλῆσαι (1)
I Ki. 17. 39. **A** ἐκόπασεν περιπατῆσαι [**B** *al.*] †
II Ki. 13. 39. ἐκόπασεν ὁ βασ. Δαυίδ (2)
23. 7. **A** ἀνὴρ κοπάσει [**B** οὐ κοπάσει] ἐν αὐτοῖς †
— 10. **A** ἕως οὗ ἐκόπασεν [**B** -πίασεν] ἡ χεὶρ αὐτοῦ †
Es. 2. 1. ἐκόπασεν ὁ βασ. τοῦ θυμοῦ (6)
7. 10. ὁ βασ. ἐκόπασε τοῦ θυμοῦ (6)
Ps. 105 (106). 30. ἐκόπασεν ἡ θραῦσις (4)
Si. 23. 17. οὐ μὴ κοπάσῃ ἕως ἂν τελευτήσῃ
39. 28. τὸν θυμὸν τοῦ ποιήσαντος αὐτοὺς κοπάσουσι
43. 23. λογισμῷ αὐτοῦ ἐκόπασεν ἄβυσσον [**S**^{2} -os]
46. 7. κοπάσαι γογγυσμὸν πονηρίας
48. 10. κοπάσαι ὀργὴν πρὸ θυμοῦ
Ho. 8. 10. καὶ κοπάσουσι [**A**^{1} κοπιάσ.] μικρὸν τοῦ χρίειν βασιλέα †
Am. 7. 5. καὶ εἶπα, Κύριε, κόπασον δή (1)
Jn. 1. 11. καὶ κοπάσει ἡ θάλασσα (9)
— 12. καὶ κοπάσει ἡ θάλασσα ἀφ' ὑμῶν (9)
Je. 14. 21. κόπασον διὰ τὸ ὄνομά σου †
Ez. 43. 10. κοπάσουσιν ἀπὸ τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν (3)
[Aq. I Ki. 9. 5: Ca. 2. 17: 4. 6.]
[Th. Jb. 3. 17: Ez. 3. 11.]

κοπανίζειν. (1) דָּקַק aph.

III Ki. 3. 1 (*cf.* 4. 22 [5. 2]). **B** ἑξήκοντα κόροι ἀλεύρου κεκοπανισμένου –
4. 22 (5. 2). ἑξήκοντα κόροι ἀλεύρου κεκοπανισμένου –
Da. LXX. 7. 7. ἐσθίον καὶ κοπανίζον [*cod.* -ων] (1)

κοπετός. (1) בְּכִי (2) מִסְפֵּד (3) נְהִי

Ge. 50. 10. ἐκόψαντο αὐτὸν κοπετὸν μέγαν (2)
Es. 4. 3. κραυγὴ καὶ κοπετός (2)
Ps. 29 (30). 11. ἔστρεψας τὸν κ. μου εἰς χαρὰν ἐμοί (2)
Si. 38. 17. πίκρανον κλαυθμὸν καὶ θέρμανον κοπετόν
Am. 5. 16. ἐν πάσαις ταῖς πλατείαις κοπετός (2)
— 16. κληθήσεται γεωργὸς εἰς . . . κοπετόν (2)
— 17. καὶ ἐν πάσαις ὁδοῖς κοπετός (2)
Mi. 1. 8. ποιήσεται κοπετὸν ὡς δρακόντων (2)
Jl. 2. 12. ἐν νηστείᾳ . . . καὶ ἐν κοπετῷ (2)
Za. 12. 10. καὶ κόψονται ἐπ' αὐτὸν κοπετόν (2)
— 11. μεγαλυνθήσεται ὁ κ. ἐν Ἰ. ὡς κοπετὸς ῥοῶνος ἐν πεδίῳ ἐκκοπτομένου (2, 2)
Is. 22. 12. ἐκάλεσε κύριος . . . κλαυθμὸν καὶ κοπετόν (2)
Je. 6. 26. ποίησαι σεαυτῇ κοπετὸν οἰκτρόν (2)
9. 10 (9). ἐπὶ τὰ ὄρη λάβετε κοπετόν (1+3)
Ez. 27. 31. **A** κοπετὸν πικρὸν ἐκστήσονται (2)
I Ma. 2. 70. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. κ. μέγαν
4. 39. ἐκόψαντο κ. μέγαν
9. 20: 13. 26. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. κ. μέγαν
III Ma. 4. 3. **B** τίνες ἀγυιαὶ κοπετοῦ . . . οὐκ ἐμπιπλῶντο [**A** *om.* οὐκ ἐμπ.]
[Th. Ez. 27. 31: Mi. 1. 11.]

κοπή. (1) נָגַף ni. (2) *a.* נָכָה hi. *b.* מַכָּה

Ge. 14. 17. **B** ἀπὸ τῆς κ. τοῦ Χ. (2 *a*)
De. 28. 25. δῴη σε κύριος ἐπὶ κοπήν [? ἐπικ., **A B**^{1} ἐπισκοπήν] (1)
Jo. 10. 20. κόπτοντες αὐτοὺς κ. μεγάλην (2 *b*)
Ju. 15. 7. ἀναστρέψαντες ἀπὸ τῆς κ.
[Aq. Dt. 24. 3 (1).]

κοπιᾶν. (1) אוּץ (2) חָרַל (3) חָלָה (4) חָשַׁל ni. (5) יָעַל hi. (6) *a.* יָגַע *b.* יָגַע *c.* יָגֵעַ *d.* יָגִיעַ (7) כָּשַׁל *a.* qal. *b.* ni. (8) לָאָה ni. (9) שׁוּף (10) עָיֵף (11) *a.* עָמַל *b.* עָמֵל (12) חוּל (13) חָלַל (14) יָעַף

De. 25. 18. τοὺς κοπιῶντας ὀπίσω σου (4)
— 18. σὺ δὲ ἐπείνας καὶ ἐκοπίας (6 *c*)
Jo. 24. 13. ἐφ' ἣν [**A**^{1} ᾗ] οὐκ ἐκοπιάσατε ἐπ' αὐτῆς [**A** -ήν] (6 *a*)
Jd. 5. 26. εἰς σφῦραν κοπιώντων [**A** *al.*] (11 *b*)
I Ki. 6. 12. καὶ ἐκοπίων †
14. 31. καὶ ἐκοπίασεν ὁ λαὸς σφόδρα (9)
17. 39. καὶ ἐκοπίασε περιπατήσας [**A** *al.*] (5)
II Ki. 17. 2. καὶ αὐτὸς κοπιῶν (6 *c*)
23. 7. ἀνὴρ οὐ κοπιάσει [**A** ἀ. κοπάσει] ἐν αὐτοῖς †
— 10. ἕως οὗ ἐκοπίασεν [**A** -πασεν] ἡ χεὶρ αὐτοῦ (6 *a*)
Jb. 2. 9. οὓς εἰς τὸ κενὸν ἐκοπίασα μετὰ μόχθων –
20. 18. εἰς κενὰ καὶ μάταια ἐκοπίασε (6 *b*)
39. 16. εἰς κενὸν ἐκοπίασεν ἄνευ φόβου (6 *d*)
Ps. 6. 6. ἐκοπίασα ἐν τῷ στεναγμῷ μου (6 *a*)
48 (49). 8. ἐκοπίασεν εἰς τὸν αἰῶνα (2 ?)
68 (69). 3. ἐκοπίασα κράζων (6 *a*)
126 (127). 1. εἰς μάτην ἐκοπίασαν (11 *a*)
Pr. 4. 12. ἐὰν δὲ τρέχῃς οὐ κοπιάσεις (7 *b*)
Ec. 2. 18. ὃν ἐγὼ κοπιῶ [**A S** μοχθῶ] ὑπὸ τὸν ἥλιον (11 *b*)
Wi. 6. 14. ὁ ὀρθρίσας ἐπ' [**A** πρὸς] αὐτὴν οὐ κοπιάσει
9. 10. ἵνα συμπαροῦσά μοι κοπιάσῃ
Si. 6. 19. ἐν γὰρ τῇ ἐργασίᾳ αὐτῆς ὀλίγον κοπιάσεις
11. 11. ἔστι κοπιῶν καὶ πονῶν καὶ σπεύδων
16. 27. οὔτε ἐπείνασαν οὔτε ἐκοπίασαν
24. 34: 30. 26 (33. 17). οὐκ ἐμοὶ μόνῳ ἐκοπίασα
34 (31). 3. ἐκοπίασε πλούσιος ἐν συναγωγῇ χρημάτων
— 4. ἐκοπίασε πτωχὸς ἐν ἐλαττώσει βίου
43. 30. μὴ κοπιᾶτε
51. 27. ἴδετε ἐν ὀφθαλμοῖς ὑμῶν ὅτι ὀλίγον ἐκοπίασα
Ho. 8. 10. κοπάσουσι [**A**^{1} -πιάσ.] μικρόν (12 *v.* 13)
Is. 5. 27. οὐ πεινάσουσιν οὐδὲ [**A** *om.* π. οὐ.] κοπιάσουσιν (7 *a*)
16. 12. ἐκοπίασε Μωὰβ ἐπὶ τοῖς βωμοῖς (8 ?)
30. 5. μάτην κοπιάσουσι πρὸς λαόν †
31. 3. κοπιάσουσιν οἱ βοηθοῦντες (7 *a*)
33. 24. οὐ μὴ εἴπωσι, Κοπιῶ (3)
40. 28. οὐ πεινάσει οὐδὲ κοπιάσει (6 *a*)
— 30. κοπιάσουσι νεανίσκοι (6 *a*)
— 31. δραμοῦνται καὶ οὐ κοπιάσουσι (6 *a*)
43. 22. οὐδὲ κοπιᾶσαί σε ἐποίησα, Ἰσραήλ (6 *a*)
45. 14. ἐκοπίασεν Αἴγυπτος (6 *d*)
46. 1. ὡς φορτίον κοπιῶντι ἐκλελυμένῳ (10)
47. 13. κεκοπίακας ἐν ταῖς βουλαῖς σου (8)
— 15. ἐκοπίασας ἐν τῇ μεταβολῇ [**A** *add.* σου] (6 *a*)
49. 4. κενῶς ἐκοπίασα [**B**^{1} *al.*] (6 *a*)
57. 10. ταῖς πολυοδίαις σου ἐκοπίασας (6 *a*)
63. 13. οὐκ ἐκοπίασαν (7 *b*)
65. 23. οἱ ἐκλεκτοί μου οὐ κοπιάσουσιν εἰς κενόν (6 *a*)
Je. 2. 24. πάντες οἱ ζητοῦντες αὐτὴν οὐ κοπιάσουσιν (14)
17. 16. οὐκ ἐκοπίασα κατακολουθῶν ὀπίσω σου (1 ?)
28 (51). 58. οὐ κοπιάσουσι λαοὶ εἰς κενόν (6 *a*)
La. 5. 5. ἐκοπιάσαμεν οὐκ ἀνεπαύθημεν (6 *a*)
I Ma. 10. 81. ἐκοπίασαν οἱ ἵπποι αὐτῶν
IV Ma. 9. 12. ὡς δὲ τύπτοντες ταῖς μάστιξιν ἐκοπίασαν
[Aq. Jd. 5. 26: Jb. 9. 29: Pr. 23. 4: Ec. 1. 3, 8: Is. 43. 22: Je. 6. 11: 20. 9: 51 (28). 30.]
[Sm. Pr. 16. 26 *bis*: Is. 33. 1: 43. 22: Je. 6. 11.]
[Th. Jb. 4. 2: Ps. 31 (32). 3: Is. 43. 22.]
[Al. I Ki. 14. 28.]
[Quint. Ps. 48 (49). 9.]

κόπος. (1) אָוֶן (2) אוֹן (3) εἶναι ἐν κόποις גֵּוַע (4) טִרַח (5) יָגוֹן (6) יְגִיעַ יָגִיעַ (7) עָמָל (8) תְּוָךְ

Ge. 31. 42. τὸν κ. τῶν χειρῶν μου εἶδεν ὁ θεός (6)
De. 1. 12. φέρειν τὸν κ. ὑμῶν (4)
Jd. 10. 16. ὠλιγώθη ἡ ψυχὴ αὐτοῦ ἐν κόπῳ Ἰσρ. (7)
Ne. 5. 13. ἐκ τοῦ οἴκου αὐτοῦ καὶ ἐκ κόπου αὐτοῦ (6)
Jb. 3. 10. **A** ἀπήλλαξε γὰρ ἂν κόπον [**B S** πόνον] (7)
4. 2. μὴ πολλάκις σοι λελάληται ἐν κόπῳ †
5. 6. οὐ γὰρ μὴ ἐξέλθῃ ἐκ τῆς γῆς κόπος (1)
— 7. ἄνθρωπος γεννᾶται κόπῳ [**A** ἐν κόπῳ γενν.] (7)
11. 16. τὸν κ. [**A** τῶν κ. σου] ἐπιλήσῃ (7)
19. 27. **S**^{1} συντετέλεσται ἐν κόπῳ [**A B S**^{2} κόλπῳ] † (7)
Ps. 9. 28 (10. 7). ὑπὸ τὴν γλῶσσαν αὐτοῦ κόπος (7)
— 35 (10. 14). **A** σὺ κόπον [**B S** πόνον] . . . κατανοεῖς [**B**^{1} -ήσεις] (7)
24 (25). 18. ἴδε . . . τὸν κ. μου (7)
54 (55). 10. **S** κόπος [**B** πόνος] ἐν μέσῳ αὐτῆς (7)
— 11. **B S**^{1} οὐκ ἐξέλιπεν ἐκ τῶν πλατειῶν αὐτῆς κόπος [**S**^{2} **R** τόκος] (8)
72 (73). 5. ἐν κόποις ἀνθρώπων οὐκ εἰσί (7)
— 16. τοῦτο κόπος ἐστὶν ἐναντίον μου [**B**^{1} **S** *al.*] (7)
87 (88). 15. πτωχός εἰμι ἐγὼ καὶ ἐν κόποις (3)
89 (90). 10. τὸ πλεῖον αὐτῶν κόπος καὶ πόνος (7)
93 (94). 20. ὁ πλάσσων κόπον ἐπὶ προστάγματι [**A S**^{2} -μα] (7)
106 (107). 12. ἐταπεινώθη ἐν κόποις ἡ καρδία αὐτῶν (7)
139 (140). 9. **A**^{2} **B S** κόπος τῶν χειλέων αὐτῶν καλύψει αὐτούς (7)
Wi. 3. 11. καὶ οἱ κ. [**S** κ. αὐτῶν] ἀνόνητοι
10. 10. **A S** ἐπλήθυνε τοὺς κ. [**B** πόνους] αὐτοῦ
— 17. ἀπέδωκεν ὁσίοις μισθὸν κόπων αὐτῶν [**S**^{1} -οῦ]
Si. 13. 26. εὕρεσις παραβολῶν διαλογισμοὶ μετὰ κόπου [**A S** -ων]
14. 15. τοὺς κ. σου εἰς διαίρεσιν κλήρου
22. 13. φύλαξαι ἀπ' αὐτοῦ ἵνα μὴ κόπον ἔχῃς
29. 4. **A S** πάρεσχον κόπον [**B** πόνον] τοῖς βοηθήσασιν αὐτοῖς
31 (34). 23. **A S B** τί ὠφέλησαν πλεῖον ἢ κόπους [**B** -ου]
Ho. 12. 3 (4). καὶ ἐν κόποις αὐτοῦ ἐνίσχυσε πρὸς θεόν (1 ?, 2 ?)
Mi. 2. 1. ἐγένοντο λογιζόμενοι κόπους (1)
Hb. 1. 3. ἵνα τί ἔδειξάς μοι κόπους καὶ πόνους (1)
3. 7. ἀντὶ κόπων εἶδον σκηνώματα Αἰθιόπων (1)
Za. 10. 2. οἱ ἀποφθεγγόμενοι ἐλάλησαν κόπους (1)
Ma. 2. 13. ἐκαλύπτετε τὸ θυσ. κυρ. . . . στεναγμῷ ἐκ κόπων †
Je. 20. 18. τοῦ βλέπειν κόπους καὶ πόνους [**S**^{1} μόχθους] (7)
51. 33 (45. 3). προσέθηκε κύριος κόπον ἐπίπονόν μοι (5)
I Ma. 10. 15. διηγήσαντο . . . τοὺς κ.
[Aq. Ps. 93 (94). 20: 127 (128). 2: Ec. 1. 3: Is. 45. 14: 55. 2: Je. 20. 5: Ez. 23. 29.]
[Sm. Ps. 77 (78). 46: 127 (128). 2: Pr. 31. 7: Ec. 2. 24: 4. 6: Is. 45. 14: 55. 2: Ez. 23. 29.]
[Th. Jb. 16. 2: Ps. 127 (128). 2: Is. 45. 14: 59. 4.]
[Al. Ps. 54 (55). 12.]
[Heb. Is. 45. 14.]
[Quint. Ps. 54 (55). 11.]

κοπoῦν. (1) יָגַע pi.

Ju. 13. 1. ἦσαν γὰρ πάντες κεκοπωμένοι
Ec. 10. 15. **S** μόχθος τοῦ ἄφρονος κοπώσει αὐτόν [**A B** *al.*] (1)
[Aq. Jo. 7. 3: Is. 43. 24.]
[Sm. Jo. 7. 3: Jb. 16. 7: Is. 1. 14: 7. 13 *bis*: 43. 24: Je. 12. 5: 20. 9: 50 (27). 36.]
[Th. Jo. 7. 3.]

κοπρία. (1) אֲפָר (2) אַשְׁפּוֹת (3) דֹּמֶן (4) סוֹחָה

I Ki. 2. 8. ἀπὸ κοπρίας ἐγείρει πτωχόν (2)

IV Ki. 9. 37. ὡς κοπρία ἐπὶ προσώπου τοῦ ἀγροῦ (3)
Ne. 2. 13. καὶ εἰς πύλην τῆς κ. (2)
3. 13. ἕως πύλης τῆς κ. (2)
— 14. τὴν πύλην τῆς κ. ἐκράτησε M. (2)
12. 31. ἐπάνω τοῦ τείχους τῆς [S^4 τ. πύλης τῆς] κ. (2)
Es. 4. 17. κοπριῶν ἔπλησεν τὴν κεφαλήν
Jb. 2. 8. ἐκάθητο ἐπὶ τῆς κ. ἔξω τῆς πόλεως (1)
Ps. 112 (113). 7. ἀπὸ κοπρίας ἀνυψῶν πένητα (2)
Si. 27. 4. ἐν σείσματι κοσκίνου διαμένει κοπρία
Is. 5. 25. ἐγενήθη τὰ θνησιμαῖα αὐτῶν ὡς κ. ἐν μέσῳ ὁδοῦ (4)
La. 4. 5. περιεβάλλοντο [A -ἑλαβον] κοπρίας (2)
I Ma. 2. 62. B ἡ δόξα αὐτοῦ εἰς κοπρίαν [AS κόπρια]

κόπριον. (1) דֹּמֶן

Si. 22. 2. βολβίτῳ κοπρίων [AS -ίῳ] συνεβλήθη ὀκνηρός
Je. 32 (25). 33. οὐ μὴ κατορυγῶσιν [A -ύξω.] εἰς κόπρια (1)
I Ma. 2. 62. AS ἡ δόξα αὐτοῦ εἰς κόπρια [B -ίαν]
[Aq. Ps. 82 (83). 11.]
[Sm. Je. 22. 19.]

κόπρος. (1) גֶּלֶל (2) κ. περιστερῶν דִּבְיוֹנִים (3) דֹּמֶן (4) חֲרָאִים (5) חֲרִי (6) פֶּרֶשׁ (7) *a.* צֵאָה *b.* צוֹאָה

Ex. 29. 14. τὴν κ. κατακαύσεις πυρί (6)
Le. 4. 11. πᾶσαν αὐτοῦ τὴν σάρκα σὺν . . . τῇ κ. (6)
8. 17. A B^2 τὴν κ. αὐτοῦ (6)
16. 27. καὶ τὰ κρέα αὐτῶν καὶ τὴν κ. αὐτῶν (6)
Nu. 19. 5. τὸ αἷμα αὐτῆς σὺν τῇ κ. αὐτῆς (6)
III Ki. 14. 10. A καθὼς ἐπιλέγεται ἡ κ. (1)
IV Ki. 6. 25. τέταρτον τοῦ κάβου [A τέσσαρες κ.] κόπρου περιστερῶν (2, 5*)
18. 27. τοῦ φαγεῖν τὴν κ. αὐτῶν (7 *b*, 5*)
Ps. 82 (83). 10. ἐγενήθησαν ὡσεὶ κόπρος τῇ γῇ (3)
Is. 30. 22. ὡς κόπρον ὥσεις αὐτά †
36. 12. ἵνα φάγωσι κόπρον (7 *b*, 4*)
Ez. 4. 12. ἐν βολβίτοις κόπρου ἀνθρωπίνης ἐγκρύψεις [A κατακρ.] αὐτά (7 *a*)
[Aq. III Ki. 14. 10: Je. 16. 4: Ma. 2. 3 *bis*.]
[Sm. Je. 16. 4: Ma. 2. 3.]
[Th. Ma. 2. 3.]

κόπτειν. (1) אָסַף ni. (2) *a.* גָּדַר hithpo. *b.* גְּדֵרָה (3) גָּדַע *a.* pi. *b.* pu. (4) חָמַם (5) חָצַב (6) כָּרַת *a.* qal. *b.* hi. (7) *a.* חָתַת hoph. *b.* כָּתִית (8) נָגַף (9) נָכָה hi. (10) סָפַד *a.* qal. *b.* ni. *c.* מְסֻפָּד (11) עָשָׂה (12) פּוּץ pil. (13) פָּלַשׂ hithp. (14) קָבַר (15) קוּם ni. (16) κ. τὴν οὐραγίαν זָנָב pi.

Ge. 23. 2. ἦλθε δὲ Α. κόψασθαι Σάρραν (10 *a*)
32. 8 (9). B καὶ κόψῃ [A ἐκκ.] αὐτήν (9)
50. 10. ἐκόψαντο αὐτὸν κοπετὸν μέγαν (10 *a*)
Ex. 27. 20. ἔλαιον . . . καθαρὸν κεκομμένον (7 *b*)
29. 40. πεφυραμένης ἐν ἐλαίῳ κεκομμένῳ (7 *b*)
Le. 24. 2. ἔλαιον ἐλαΐνον καθαρὸν κεκομμένον (7 *b*)
Nu. 13. 24 (23). ἔκοψαν ἐκεῖθεν κλῆμα (6 *a*)
— 25 (24). ὃν ἔκοψαν ἐκεῖθεν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. (6 *a*)
De. 19. 5. ἡ χεὶρ αὐτοῦ τῇ ἀξίνῃ κόπτοντος τὸ ξύλον (6 *a*)
25. 18. καὶ ἔκοψέ σου τὴν οὐραγίαν (16)
Jo. 10. 20. κόπτοντες αὐτοὺς κοπὴν μεγάλην (9)
11. 8. κόπτοντες αὐτοὺς κατεδίωκον (9)
Jd. 1. 4. ἔκοψαν [A ἐπάταξεν, B^2 ἐπάταξαν] αὐτούς (9)
— 5. ἔκοψαν [A ἐπάταξεν] τὸν Χαν. (9)
— 17. ἔκοψε [A ἐπάταξαν] τὸν Χαν. (9)
6. 30. A ἔκοψεν [B ὠλέθρευσε] τὸ ἄλσος (6 *a*)
9. 48. ἔκοψε κλάδον ξύλου [A φορτίον ξύλων] (6 *a*)
— 49. καὶ ἔκοψαν . . . κλάδον [A *al.*] (6 *a*)
20. 43. A ἔκοψαν [B κατέκοπτον] τὸν B. †
I Ki. 25. 1. καὶ κόπτονται αὐτόν (10 *a*)
28. 3. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. (10 *a*)
II Ki. 1. 12. καὶ ἐκόψαντο (10 *a*)
3. 31. κόπτεσθε ἐνώπιον [A ἔμπροσθεν] Αβ. (10 *a*)
5. 20. ἔκοψε [A διέκ.] τοὺς ἀλλοφύλους ἐκεῖ (9)
— 24. κόπτειν ἐν τῷ πολέμῳ τῶν ἀλλοφύλων (9)
11. 26. ἐκόψατο τὸν [A ἐπὶ τ.] ἄνδρα αὐτῆς (10 *a*)
III Ki. 5. 6 (20). κόψάτωσάν μοι ξύλα (6 *a*)
— 6 (20). A R εἰδὼς [B ἰδίως] ξύλα κόπτειν (6 *a*)
III Ki. 5. 11 (25). εἴκοσι χιλιάδας βαὶθ ἐλαίου κεκομμένου (7 *b*)
11. 15. ἔκοψαν πᾶν ἀρσενικὸν ἐν τῇ Ἰδ. (9)
12. 24. B καὶ τὸ παιδάριον κόψεται –
13. 29. A τοῦ κόψασθαι καὶ τοῦ θάψαι αὐτόν (10 *a*)
— 30. καὶ ἐκόψαντο [A -ατο] αὐτόν (10 *a*)
— 31. μετὰ τὸ κόψασθαι αὐτόν (14)
14. 13. A κόψονται αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. (10 *a*)
— 18. A ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. (10 *a*)
IV Ki. 17. 15. A ἣν ἔκοψεν σὺν πατράσιν αὐ. (6 *a*)
19. 23. ἔκοψα τὸ μέγεθος τῆς κέδρου αὐτοῦ (6 *a*)
II Ch. 2. 8 (7). οἴδασι κόπτειν ξύλα ἐκ τοῦ Λιβ. (6 *a*)
— 10 (9). τοῖς ἐργαζομένοις τοῖς κόπτουσι ξύλα (6 *a*)
— 16 (15). κόψομεν ξύλα ἐκ τοῦ Λιβ. (6 *a*)
31. 1. ἔκοψαν [A ἐξέκ.] τὰ ἄλση (3 *a*)
34. 4. καὶ ἔκοψε τὰ ἄλση (3 *a*)
— 7. πάντα τὰ ὑψηλὰ ἔκοψεν [A κατέκ.] (3 *a*)
Ju. 15. 5. καὶ ἔκοπτον [A -οντο] αὐτούς
Es. 5. 14. κοπήτω σοι [A *om.*] ξύλον (11)
Ec. 3. 4. καιρὸς τοῦ κόψασθαι (10 *a*)
12. 5. ἐκύκλωσαν [S^2 κυκλώσουσιν] ἐν ἀγορᾷ οἱ κοπτόμενοι (10 *a*)
Mi. 1. 8. ἕνεκεν τούτου κόψεται καὶ θρηνήσει (10 *a*)
— 11. κόψασθαι οἶκον ἐχόμενον αὐτῆς (10 *c*)
Jl. 1. 13. περιζώσασθε καὶ κόπτεσθε οἱ ἱερεῖς (10 *a*)
Hg. 1. 8. καὶ κόψατε [S^1 -ετε] ξύλα †
Za. 7. 5. ἐὰν . . . κόψησθε ἐν ταῖς πέμπταις (10 *a*)
12. 10. καὶ κόψονται [S^1 ὄψ.] ἐπ' αὐτὸν κοπετόν (10 *a*)
— 12. καὶ κόψεται ἡ γῆ κατὰ φυλὰς φυλάς (10 *a*)
14. 12. A B S^2 ἣν κόψει κ. πάντας τοὺς λαούς (8)
Is. 9. 10 (9). κόψωμεν [A S ἐκκ.] συκαμίνους (3 *b*)
10. 15. ἄνευ τοῦ κόπτοντος ἐν αὐτῇ (5)
14. 8. οὐκ ἀνέβη ὁ κόπτων ἡμᾶς (6 *a*)
15. 3. κόπτεσθε ἐπὶ τῶν δωμάτων αὐτῆς –
32. 12. ἐπὶ τῶν μαστῶν κόπτεσθε (10 *a*)
37. 24. ἔκοψα τὸ ὕψος τῆς κέδρου αὐτοῦ (6 *a*)
44. 14. ἔκοψε ξύλον ἐκ τοῦ δρυμοῦ (6 *a*)
Je. 4. 8. κόπτεσθε καὶ ἀλαλάξατε (10 *a*)
8. 2. οὐ κοπήσονται καὶ οὐ ταφήσονται (1)
16. 4. οὐ κοπήσονται καὶ οὐ ταφήσονται (10 *b*)
— 5. μὴ πορευθῇς τοῦ κόψασθαι (10 *a*)
— 6. οὐ μὴ κόψονται [A -ωνται] αὐτούς (10 *a*)
22. 18. B S οὐ μὴ κόψωνται [AR -ονται] αὐτόν (10 *a*)
23. 29. ὡς πέλυξ [A πέλεκυς] κόπτων πέτραν (12)
26 (46). 5. οἱ ἰσχυροὶ αὐτῶν κοπήσονται (7 *a*)
— 13. τοῦ κόψαι γῆν Αἰγύπτου [A *al.*] (9)
— 22. ὡς κόπτοντες ξύλα ἐκκόψουσι τὸν δρυμὸν αὐτῆς (4)
29 (47). 6 (5). ἕως τίνος κόψεις (2 *a*)
30 (49). 3. περιζώσασθε σάκκους καὶ κόψασθε (10 *a*)
31 (48). 2. ἐκόψαμεν αὐτὴν ἀπὸ ἔθνους (6 *b*)
— 37. πᾶσαι χεῖρες κόψονται (2 *b*)
32 (25). 34. κόπτεσθε οἱ κριοὶ τῶν προβάτων (13)
41 (34). 5. ἕως ᾅδου κόψονταί [A κλαύσ.] σε (10 *a*)
48 (41). 5. διερρηγμένοι [A -ηχότες] τὰ ἱμάτια καὶ κοπτόμενοι [S^1 *om.* τὰ ἱ. κ. κ.] (2 *a*)
51 (44). 8. R ἵνα κοπῆτε [A B S ἐκκ.] (6 *b*)
Ez. 6. 9. κόψονται πρόσωπα αὐτῶν (15)
9. 5. κόπτετε καὶ μὴ φείδεσθε (9)
— 7. καὶ κόπτετε (9)
— 8. ἐγένετο ἐν τῷ κ. αὐτούς (9)
20. 43. κόψεσθε [A^2 ὄψεσθαι] τὰ πρόσωπα ὑμῶν (15)
24. 16. οὐ μὴ κοπῇς (10 *a*)
— 23. οὔτε μὴ κόψησθε (10 *a*)
39. 10. A R οὐδὲ μὴ κόψωσιν [B -ουσιν] ἐκ τῶν δρυμῶν (4)
I Ma. 2. 70. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. κοπετὸν μέγαν
4. 39. ἐκόψαντο κοπετὸν μέγαν
9. 20. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. κοπετὸν μέγαν
12. 44. ἵνα τί ἔκοψας πάντα τὸν λαὸν τοῦτον
13. 26. ἐκόψαντο αὐτὸν πᾶς Ἰσρ. κοπετὸν μέγαν
II Ma. 5. 12. κόπτειν ἀφειδῶς τοὺς ἐμπίπτοντας
10. 35. τὸν ἐμπίπτοντα ἔκοπτον
[Aq. Le. 22. 24: Dt. 19. 5: III Ki. 14. 13, 18: IV Ki. 17. 15: Pr. 27. 22: Is. 55. 3: 61. 8: Je. 25. 33 (32. 19): 34 (41). 5: Za. 12. 10.]
[Sm. I Ki. 31. 9: Ec. 12. 6: Za. 12. 10.]
[Th. Pr. 27. 22: Is. 51. 1: Je. 25. 33 (32. 19): Za. 12. 10.]

κοπώδης.

[Sm. Ec. 1. 8.]

κόπωσις. (1) יְגִיעָה

Ec. 12. 12. μελέτη πολλὴ κόπωσις σαρκός (1)

κόραξ. (1) עֹרֵב

Ge. 8. 7. ἀπέστειλε τὸν κ. (1)
Le. 11. 15. B^2 καὶ κόρακα [B πάντα κ.] καὶ τὰ ὅμοια αὐτῷ (1)
De. 14. 14. A^2 καὶ πάντα κ. καὶ τὰ ὅμοια αὐτῷ (1)
III Ki. 17. 4. τοῖς κ. ἐντελοῦμαι διατρέφειν σε (1)
— 6. οἱ κ. ἔφερον αὐτῷ ἄρτους (1)
Jb. 38. 41. τίς δὲ ἡτοίμασε κόρακι βοράν (1)
Ps. 146 (147). 9. καὶ τοῖς νεοσσοῖς τῶν κ. (1)
Pr. 24. 52 (30. 17). κόρακες ἐκ τῶν φαράγγων (1)
Ca. 5. 11. βόστρυχοι αὐτοῦ ἐλάται μέλανες ὡς κόραξ (1)
Ze. 2. 14. A B S^2 κόρακες ἐν τοῖς πυλῶσιν αὐτῆς †
Is. 34. 11. ἴβεις καὶ κόρακες κατοικήσουσιν ἐν αὐτῇ (1)
[Aq. Dt. 14. 14: III Ki. 17. 6.]
[Sm., Th. III Ki. 17. 6.]
[Sam. Ex. 8. 21 (17).]

κοράσιον. (1) יַלְדָּה (2) *a.* נַעַר *b.* נַעֲרָה (3) נָשִׁים

Ru. 2. 8. κολλήθητι μετὰ τῶν κ. μου (2 *b*)
— 21. B μετὰ τῶν κ. [A B παιδαρίων] τῶν ἐμῶν προσκολλήθητι [B μου κολλ.] (2 *a*)
— 22. A B ἐπορεύθης [B ἐξῆλθες] μετὰ τῶν κ. αὐτοῦ (2 *b*)
— 23. προσεκολλήθη Ῥουθ τοῖς κ. (2 *b*)
3. 2. οὗ ἦς μετὰ τῶν κ. αὐτοῦ (2 *b*)
I Ki. 9. 11. εὑρίσκουσι τὰ κ. ἐξελθοῦσα (2 *b*)
— 12. ἀπεκρίθη τὰ κ. αὐτοῖς –
20. 30. υἱὲ κορασίων αὐτομολούντων +
25. 42. καὶ πέντε κοράσια ἠκολούθουν αὐτῇ (2 *b*)
III Ki. 12. 24. B τὰ κ. σου ἐξελεύσονταί σοι –
To. 6. 12. τὸ κ. καλὸν καὶ φρόνιμόν ἐστι
— 12. S λαλήσω τῷ πατρὶ αὐτῆς περὶ τοῦ κ. [A B *al.*]
— 12. S λαλήσωμεν περὶ τοῦ κ.
— 13. ἀκήκοα ἐγὼ τὸ κ. δεδύσθαι ἑπτὰ ἀνδράσι [S *al.*]
Ju. 16. 12. υἱοὶ κορασίων κατεκέντησαν αὐτούς
Es. 2. 2. ζητηθήτω τῷ βασ. κοράσια (2 *b*)
— 3. καὶ ἐπιλεξάτωσαν [A -δειξ.] κοράσια [S^2 πάντα κ.] (2 *b*)
— 7. ἦν τὸ κ. καλὸν [S -ὴ] τῷ εἴδει (2 *b*)
— 8. συνήχθησαν κ. πολλὰ [S^2 τὰ κ.] εἰς Σοῦσαν [S^1 *om.* π. κ. εἰς Σ.] (2 *b*)
— 9. ἤρεσεν αὐτῷ τὸ κ. (2 *b*)
— 9. AB καὶ τὰ ἑπτὰ κ. τὰ ἀποδεδειγμένα [SR ὑποδ.] αὐτῇ (2 *b*)
— 12. καιρὸς κορασίου εἰσελθεῖν πρὸς τὸν βασ. (2 *b*)
— 12. A ὅταν ἀναπληρωθῇ καιρὸς κοράσια [B S *al.*] (3)
Jl. 3 (4). 3. τὰ κ. ἐπώλουν ἀντὶ οἴνου (1)
Za. 8. 5. αἱ πλατεῖαι . . . πλησθήσονται . . . κορασίων παιζόντων (1)
Da. TH. Su. 15. εἰσῆλθε . . . μετὰ δύο μόνων κ.
— 17. εἶπε τοῖς κ. [A κ. αὐτῆς]
— 19. ὡς ἐξῆλθοσαν τὰ κ.
— 21. ἐξαπέστειλας τὰ κ. ἀπὸ σοῦ
[Sm. Ge. 24. 61: Ex. 2. 5: Pr. 9. 3: 27. 27.]

κορεῖν (?). (1) דָּשֵׁן

De. 31. 20. καὶ ἐμπλησθέντες κορήσουσι (1)

κορεννύναι.

[Sm. Ps. 21 (22). 27.]
[Al. Ps. 102 (103). 5.]

κόρη. (1) אִישׁוֹן (2) בָּבָה

De. 32. 10. διεφύλαξεν αὐτὸν ὡς κόρην ὀφθαλμοῦ (1)
Ps. 16 (17). 8. φύλαξόν με ὡς κόρην [B^1 S^1 -αν] ὀφθαλμοῦ (1)
Pr. 7. 2. τοὺς δὲ ἐμοὺς λόγους ὥσπερ κόρας ὀμμάτων (1)
20. 20. αἱ δὲ κ. τῶν ὀφθαλμῶν αὐτοῦ ὄψονται [S ἔσονται] σκότος (†, 1*)
Si. 17. 22. χάριν ἀνθρώπου ὡς κόρην συντηρήσει
Za. 2. 8 (12). ὁ ἁπτόμενος τῆς κ. τοῦ ὀφθ. αὐ. (2)
III Ma. 5. 47. βουλόμενος . . . κόραις ὀφθαλμῶν θεάσασθαι
IV Ma. 18. 21. S R τὰς τῶν ὀμμάτων κ. ἐπήρωσε [A ἐπλήρ.]

κόριον, *cf.* **χόριον.** (1) גֵּד (2) חִסְפַּס

Ex. 16. 14. λεπτὸν ὡσεὶ κόριον λευκόν (2)
— 31. ὡς σπέρμα κορίου λευκόν (1)
Nu. 11. 7. τὸ δὲ μάννα ὡσεὶ σπέρμα κορίου ἐστί (1)

κορμός.

[Aq., Th. Jb. 14. 7, 8: Is. 11. 1.]
[Sm. Jb. 14. 8: Is. 11. 1.]

κόρος (*corus*). (1) חֹמֶר (2) כֹּר

Le. 27. 16. κόρου κριθῶν πεντήκοντα δίδραχμα ἀργυρίου (1)
Nu. 11. 32. ὁ τὸ ὀλίγον συνήγαγε δέκα κόρους (1)
III Ki. 3. 1 (*cf.* 4. 22 [5. 2]). B τριάκοντα κόροι σεμιδάλεως καὶ ἑξήκοντα κόροι ἀλεύρου (2, 2)
4. 22 (5. 2). τριάκοντα κόροι σεμιδάλεως καὶ ἑξήκοντα κόροι ἀλεύρου (2, 2)
5. 11 (25). εἴκοσι χιλιάδας κόρους [A -ων] πυροῦ (2)
II Ch. 2. 10 (9). A R κόρων πυροῦ [B *om.*] εἴκοσι χιλιάδας καὶ κριθῶν κόρων εἴκοσι χιλιάδας (2, 2)
27. 5. καὶ δέκα χιλιάδας κόρων πυροῦ (2)
I Es. 8. 20. ἕως πυροῦ κόρων ἑκατόν
II Es. 7. 22. ἕως πυροῦ κόρων ἑκατόν (2)
Ez. 45. 13. ἀπὸ τοῦ [A *add.* γομὸρ] κ. τῶν κριθῶν (1)
[Aq., Th. Ez. 45. 13, 14 *bis*: Ho. 3. 2.]
[Sm. Ez. 45. 13: Ho. 3. 2.]

κόρος (*satietas*).

Es. 8. 13. τόν τε κ. οὐ δυνάμενοι φέρειν
[Aq. Ge. 15. 12: Ex. 8. 14 (10) *bis*: III Ki. 5. 11 (25): Is. 65. 15.]
[Sm. Ex. 8. 14 (10) *bis*: III Ki. 5. 11 (25): Is. 65. 15.]
[Th. Is. 65. 15.]

κορύνη. (1) חֲנִיָּה

II Ki. 21. 16. καὶ αὐτὸς περιεζωσμένος κορύνην (1?)

κόρυς.

Wi. 5. 18. περιθήσεται κόρυθα κρίσιν ἀνυπόκριτον

κορυφαῖος.

[Aq. Ez. 23. 23.]

κορυφή. (1) מֵגָּר (2) קָדְקֹד (3) רֹאשׁ (4) צִיצַת רֹאשׁ

Ge. 49. 26. ἐπὶ κορυφῆς ὧν ἡγήσατο ἀδελφῶν (2)
Ex. 17. 9. ἕστηκα ἐπὶ τῆς κ. τοῦ βουνοῦ (3)
— 10. ἀνέβησαν ἐπὶ τὴν κ. τοῦ βουνοῦ (3)
19. 20. κατέβη . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ὄρους (3)
— 20. ἐκάλεσε κ. Μωυσῆν ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ὄρους (3)
24. 17. ὡσεὶ πῦρ φλέγον ἐπὶ τῆς κ. τοῦ ὄρους (3)
38. 16 (37. 19). A R τὸ ἐνθέμιον . . . ἐπὶ τῆς [B *om.*] κ. ἄνωθεν –
Nu. 14. 40. ἀνέβησαν εἰς [A ἐπὶ] τὴν κ. τοῦ ὄρους (3)
— 44. ἀνέβησαν ἐπὶ τὴν [A *om.*] κ. τοῦ ὄρους (3)
20. 28. ἀπέθανεν Ἀ. ἐπὶ τῆς κ. τοῦ ὄρους (3)
21. 19 (20). ἀπὸ κορυφῆς τοῦ λελαξευμένου (3)
23. 9. ἀπὸ κορυφῆς ὀρέων ὄψομαι αὐτόν (3)
— 14. ἐπὶ κορυφὴν λελαξευμένου (3)
— 28. ἐπὶ κορυφὴν [A τὴν κ.] τοῦ Φογώρ (3)
De. 3. 27. A R ἀνάβηθι ἐπὶ κορυφὴν [B -ῆ] τοῦ [B *om.*] λελαξευμένου (3)
28. 35. ἀπὸ ἴχνους τῶν ποδῶν σου ἕως τῆς κ. σου (2)
33. 15. ἀπὸ κορυφῆς ὀρέων ἀρχῆς καὶ ἀπὸ κορυφῆς βουνῶν ἀενάων (3, 1)
— 16. καὶ ἐπὶ κορυφῆς δοξασθεὶς ἐπ' [A ἐν] ἀδελφοῖς (3)
34. 1. ἀνέβη Μ. . . . ἐπὶ κορυφὴν Φασγά (3)
Jo. 15. 8. ἐπὶ κορυφὴν ὄρους (3)
— 9. ἀπὸ κορυφῆς τοῦ ὄρους (3)
Jd. 6. 26. οἰκοδομήσεις θυσιαστήριον . . . ἐπὶ κορυφὴν Μ. [A *al.*] (3)
9. 7. ἔστη ἐπὶ κορυφὴν [A τῆς κ. τοῦ] ὄρους (3)
— 36. A ἀπὸ τῶν κ. [B ἀπὸ κεφαλῶν] τῶν ὀρέων (3)
16. 3. ἀνέβη ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ὄρους (3)
I Ki. 26. 13. ἔστη ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ὄρους (3)
II Ki. 14. 25. καὶ ἕως κορυφῆς αὐτοῦ (2)
III Ki. 18. 42. A ἀνέβη εἰς τὴν κ. τοῦ Καρμ. [B ἐπὶ τὸν Κάρμ.] (3)
IV Ki. 1. 9. Ἡ. ἐκάθητο ἐπὶ τῆς κ. τοῦ ὄρους (3)
Ju. 4. 5. προκατελάβοντο πάσας τὰς κ. τῶν ὀρέων
5. 1. ἐτείχισαν πᾶσαν κ. ὄρους ὑψηλοῦ
Ju. 6. 12. ὡς εἶδαν αὐτοὺς . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ὄρους
— 12. B S ἐπῆλθον [A R ἀπ.] . . . ἐπὶ τὴν κ. τοῦ ὄρους
7. 10. προσβῆναι ταῖς κ. τῶν ὀρέων αὐτῶν
— 13. ἀναβησόμεθα ἐπὶ τὰς πλησίον κ. τῶν ὀρέων
9. 13. καὶ κορυφῆς [A -ὴν] Σιών
Ps. 7. 16. ἐπὶ κορυφὴν αὐτοῦ ἡ ἀδικία αὐτοῦ καταβήσεται (2)
67 (68). 21. κορυφὴν τριχὸς διαπορευομένων ἐν πλημμελείαις αὐτῶν (2)
Pr. 1. 9. στέφανον γὰρ χαρίτων δέξῃ [A ἔξῃ] σῇ κ. (3)
Ho. 4. 13. ἐπὶ τὰς κ. τῶν ὀρέων ἐθυσίαζον (3)
Am. 1. 2. ἐξηράνθη ἡ κ. τοῦ Καρμήλου (3)
9. 3. ἐὰν ἐγκατακρυβῶσιν [A ἐγκρ.] εἰς τὴν κ. (3)
Mi. 4. 1. τὸ ὄρος κ. ἕτοιμον ἐπὶ τὰς κ. τῶν ὀρέων (3)
Jl. 2. 5. ἐπὶ τὰς κ. τῶν ὀρέων ἐξαλοῦνται (3)
Is. 28. 1. ἐπὶ τῆς κ. τοῦ ὄρους τοῦ παχέως (3)
Ez. 6. 13. A ἐν πάσαις κ. τῶν ὀρέων (3)
8. 3. ἀνέλαβέ με τῆς κ. μου (4)
17. 22. λήψομαι ἐγὼ . . . ἐκ [A *om.*] κορυφῆς (3)
43. 12. τὴν διαγραφὴν τοῦ οἴκου ἐπὶ τῆς κ. τοῦ ὄρους (3)
Da. LXX. 4. 9. ἡ κ. αὐτοῦ ἤγγισεν ἕως τοῦ οὐρ. –
Da. TH. Bel 36. ἐπελάβετο ὁ ἄγγελος κυρίου [A *om.*] τῆς κ. [A χειρὸς] αὐτοῦ
IV Ma. 10. 7. σὺν ἄκραις ταῖς τῶν δακτύλων κ.
14. 16. A R τὰ δὲ κατὰ τὰς [S *om.*] κ. ὀρέων
[Aq. Ez. 8. 3.]
[Sm. Ps. 67 (68). 22.]
[Th. I Ki. 24. 23: Ez. 6. 13: 8. 3.]
[Al. Dt. 33. 20.]

κορώνη.

Je. 3. 2. ἐκάθισας αὐτοῖς ὡσεὶ κ. ἐρημουμένη †
Ep. Je. 54. ὥσπερ γὰρ [A αἱ] κορῶναι ἀνὰ μέσον τοῦ οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς

κοσκινίζειν.

[Aq., Sm. Am. 9. 9.]

κόσκινον.

Si. 27. 4. ἐν σείσματι κοσκίνου [S[1] κοκκ.] διαμένει κοπρία
[Aq., Sm. Am. 9. 9.]

κοσκίνωμα.

[Sm., Th. Ex. 35. 16.]

κοσμεῖν. (1) חגר (2) יָעַד (3) עָרָה *a.* qal. *b.* hi. (4) עָרַךְ (5) צָפָה pi. (6) תָּקַן *a.* qal. *b.* pi.

II Ch. 3. 6. ἐκόσμησε τὸν οἶκον (5)
Ju. 10. 3. S ἐν οἷς ἐκοσμεῖτο [A B ἐστολίζετο]
12. 15. ἐκοσμήθη τῷ ἱματισμῷ
Es. 1. 6. κεκοσμημένη [A S[1] -νῳ] βυσσίνοις (1?)
Ec. 1. 15. A διεστραμμένον οὐ δυνήσεται τοῦ κοσμηθῆναι [B S ἐπικ.] (6 *a*)
7. 14 (13). τίς δυνήσεται κοσμῆσαι [A S[2] τοῦ κ.] (6 *b*)
Si. 16. 27. ἐκόσμησεν εἰς αἰῶνα τὰ ἔργα αὐ.
25. 1. S[1] ἐκοιμήθην [? ἐκοσμήθην]
29. 26. πάρελθε, πάροικε, κόσμησον τράπεζαν
38. 28. ἡ ἀγρυπνία αὐτοῦ κοσμῆσαι ἐπὶ συντελείας
42. 21. τὰ μεγαλεῖα τῆς σοφίας αὐτοῦ ἐκόσμησε
45. 12. ἐπιθυμήματα ὀφθαλμῶν κοσμούμενα ὡραῖα
47. 10. ἐκόσμησε καιροὺς μέχρι συντελείας
48. 11. οἱ ἐν ἀγαπήσει [S[1] -πῃ, S[2] ἀγαπήσει σου] κεκοσμημένοι
50. 9. ὡς σκεῦος χρυσίου ὁλοσφύρητον κεκοσμημένον παντὶ λίθῳ πολυτελεῖ
— 14. κοσμῆσαι προσφορὰν ὑψίστου παντοκράτορος
Mi. 6. 9. καὶ τίς [A τί] κοσμήσει πόλιν (2)
Je. 4. 30. ἐὰν . . . κοσμήσῃ κόσμῳ χρυσῷ (3 *a*)
Ep. Je. 11. κοσμοῦσί τε αὐτοὺς ὡς ἀνθρώπους τοῖς ἐνδύμασι
Ez. 16. 11. ἐκόσμησά σε κόσμῳ (3 *b*)
— 13. ἐκοσμήθης χρυσίῳ καὶ ἀργυρίῳ [A *al.*] (3 *a*)
— 58. A σὺ κεκόσμησαι [B κεκόμισαι] αὐτάς †
23. 40. ἐκόσμου κόσμῳ (3 *a*)
— 41. τράπεζα κεκοσμημένη πρὸ προσώπου αὐτῆς (4)
II Ma. 9. 16. καλλίστοις ἀναθήμασι κοσμήσειν
III Ma. 3. 5. κοσμοῦντες τὴν συναναστροφήν
III Ma. 5. 45. A φοβερῶς κεκοσμημένα κατασκευαῖς [R *al.*]
6. 1. πάσῃ τῇ κατὰ τὸν βίον ἀρετῇ κεκοσμημένος
[Aq. Jb. 40. 5 (10): Is. 61. 10: Je. 31 (38). 4.]
[Sm. Ps. 148 (144). 12: Is. 61. 10.]
[Al. Is. 57. 9.]
[Quint. IV Ki. 9. 30.]

κόσμημα.

[Sm. Ca. 1. 10.]

κόσμιον. (1) תָּקֵן pi.

Ec. 12. 9. οὓς ἐξιχνιάσεται [S[2] -άσατο] κόσμιον παραβολῶν (1)
[Sm. Jd. 8. 21, 26.]

κοσμοπληθής.

IV Ma. 15. 31. A R ἐν τῷ κ. [S ἐθνοπλ.] κατακλυσμῷ

κοσμοποιΐα.

IV Ma. 14. 7. ἑπτὰ τῆς κ. ἡμέραι

κόσμος. (1) כְּלִי (2) מַעֲנִים (3) מַעֲשֶׂה תְּכוּנָה (4) עֲדִי (5) עֶדֶן (6) צְבָא (7) תִּפְאֶרֶת (8)

Ge. *tit.* A γένεσις κόσμου –
2. 1. ἡ γῆ καὶ πᾶς ὁ κ. αὐτῶν (6)
Ex. 33. 5. ἀφέλεσθε [A -λετε] . . . τὸν κ. (4)
— 6. περιείλαντο οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τὸν κ. αὐτῶν (4)
De. 4. 19. ἰδὼν . . . πάντα τὸν κ. τοῦ οὐρανοῦ (6)
17. 3. ἢ παντὶ τῶν ἐκ τοῦ κ. [A π. τῷ κ. τῷ ἐκ] τοῦ οὐρανοῦ (6)
II Ki. 1. 24. τὸν ἐνδιδύσκοντα ὑμᾶς κόκκινα μετὰ κόσμου ὑμῶν τὸν ἀναφέροντα κόσμον χρυσοῦν [A -σίον] (5, 4)
Ju. 1. 14. τὸν κ. αὐτῆς ἔθηκεν εἰς ὄνειδος αὐτῆς
10. 4. περιέθετο . . . πάντα τὸν κ. αὐτῆς
12. 15. τῷ ἱματισμῷ καὶ παντὶ τῷ κ. [A *om.* κ. π. τ. κ.] τῷ γυναικείῳ
Es. 4. 17. B S πάντα τόπον κόσμου ἀγαλλιάματος αὐ. [A[2] *al.*]
Pr. 17. 6 (A 4). τοῦ πιστοῦ ὅλος ὁ κ. τῶν χρημάτων –
20. 29. κόσμος νεανίαις σοφία (8)
28. 17. δώσει κόσμον τῇ σῇ ψυχῇ –
29. 17. δώσει κόσμον τῇ ψυχῇ σου (2)
Wi. 1. 14. σωτήριοι αἱ γενέσεις τοῦ κ.
2. 24. θάνατος εἰσῆλθεν εἰς τὸν κ.
5. 20. συνεκπολεμήσει [S συμπ.] δὲ αὐτῷ ὁ κ.
6. 24. πλῆθος δὲ σοφῶν σωτηρία κόσμου
7. 6. S μία δὲ πάντων εἴσοδος εἰς τὸν κ. [A B βίον]
— 17. εἰδέναι σύστασιν κόσμου
9. 3. καὶ διέπῃ τὸν κ. ἐν ὁσιότητι
— 9. ὅτε ἐποίεις τὸν κ.
10. 1. πρωτόπλαστον πατέρα κόσμου μόνον κτισθέντα
11. 17. ἡ . . . χεὶρ καὶ [S[2] ἡ καὶ] κτίσασα τὸν κ. ἐξ ἀμόρφου ὕλης
— 22. ὡς ῥοπὴ ἐκ πλαστίγγων ὅλος ὁ κ. ἐναντίον σου
13. 2. ἢ φωστῆρας οὐρανοῦ πρυτάνεις κόσμου θεοὺς ἐνόμισαν
— 3. S[2] ὁ γὰρ τοῦ κ. [A B S[1] κάλλους] γενεσιάρχης ἔκτισεν αὐτά
14. 6. ἡ ἐλπὶς τοῦ κ. ἐπὶ σχεδίας καταφυγοῦσα
— 14. εἰσῆλθεν [A S[1] θάνατος εἰσ.] εἰς κόσμον [A S τὸν κ.]
16. 17. ὑπέρμαχος γὰρ ὁ κ. ἐστὶ δικαίων [A -αίοις]
17. 20. ὅλος γὰρ ὁ κ. λαμπρῷ κατελάμπετο φωτί
18. 24. ἐπὶ γὰρ ποδήρους ἐνδύματος ἦν ὅλος ὁ κ.
Si. 6. 30. κόσμος γὰρ χρύσεός ἐστιν ἐπ' αὐτῆς
21. 21. ὡς κόσμος χρυσοῦς φρονίμῳ παιδεία
22. 17. ὡς κόσμος ψαμμωτὸς τοίχου ξυστοῦ [S[2] ξεστοῦ]
26. 16. κάλλος ἀγαθῆς γυναικὸς ἐν κόσμῳ οἰκίας αὐ.
35 (32). 5. σφραγὶς ἄνθρακος ἐπὶ κόσμῳ χρυσῷ
43. 9. κόσμος φωτίζων ἐν ὑψίστοις κύριος [A S[2] -ίου]
50. 19. ἕως συντελεσθῇ [S[2] συνετ.] κόσμος [S ὁ κ.] κυρίου
Na. 2. 9 (10). καὶ οὐκ ἦν πέρας τοῦ κ. αὐτῆς (7)
Is. 3. 18. A S ἀφελεῖ κύριος τὴν δόξαν τοῦ ἱματισμοῦ αὐτῶν καὶ τοὺς κ. αὐτῶν [B *om.* κ. τ. κ. αὐ.] (7?)
— 19. ἀφελεῖ . . . τὸν κ. τοῦ προσώπου αὐτῶν †
— 20. ἀφελεῖ . . . τὴν σύνθεσιν [A σύνεσιν] τοῦ κ. τῆς δόξης †
— 24. ἀντὶ τοῦ κ. τῆς κεφαλῆς τοῦ χρυσίου φαλάκρωμα ἕξεις (3)

Is. 3. 26. πενθήσουσιν αἱ θῆκαι τοῦ κ. ὑμῶν †
13. 10. ὁ Ὠ. καὶ πᾶς ὁ κ. [S¹ οἶκος] τοῦ οὐρανοῦ –
24. 21. ἐπάξει ὁ θεὸς ἐπὶ τὸν κ. τοῦ οὐρανοῦ τὴν χεῖρα (6)
40. 26. ὁ ἐκφέρων κατ' ἀριθμὸν τὸν κ. αὐ. (6)
49. 18. πάντας αὐτοὺς ὡς κόσμον [A S om. ὡς κ.] ἐνδύσῃ καὶ περιθήσεις αὐτοὺς ὡς κόσμον [S¹ -os] νύμφη [A S -ης] (4, –)
61. 10. ὡς νύμφην κατεκόσμησέ με κόσμῳ (1)
Je. 2. 32. μὴ ἐπιλήσεται νύμφη τὸν κ. αὐτῆς (4)
4. 30. ἐὰν . . . κοσμήσῃ κόσμῳ χρυσῷ (4)
Ez. 7. 20. ἐκλεκτὰ κόσμου εἰς ὑπερηφανίαν ἔθεντο αὐτά (4)
16. 11. ἐκόσμησά σε κόσμῳ (4)
— 13. A ἐκοσμήθης κόσμῳ χρυσῷ καὶ ἀργυρῷ [B *al.*] –
23. 40. ἐκόσμου κόσμῳ (4)
I Ma. 1. 22. S R τὸν κ. τὸν χρυσοῦν [A -ὸν] τὸν κατὰ πρόσωπον τοῦ ναοῦ
2. 11. πᾶς ὁ κ. αὐτῆς ἀφῃρέθη
II Ma. 2. 2. βλέποντες . . . τὸν περὶ αὐτὰ κ.
3. 12. τοῦ τετιμημένου κατὰ τὸν σύμπαντα κ. ἱεροῦ
5. 3. καὶ χρυσῶν κόσμων ἐκλάμψεις
7. 9. ὁ δὲ τοῦ κ. βασ. . . . ἡμᾶς ἀναστήσει
— 23. ὁ τοῦ κ. κτίστης
8. 18. R καὶ τὸν ὅλον κ. . . . καταβαλεῖν [A -λαβεῖν]
12. 15. τὸν μέγαν τοῦ κ. δυνάστην
13. 14. R δοὺς δὲ τὴν ἐπιτροπὴν τῷ κτίστῃ [A κυρίῳ] τοῦ κ.
IV Ma. 5. 25. ὁ τοῦ κ. κτίστης
8. 23. ἐπιστεροῦμεν ἑαυτοὺς τοῦ γλυκέος κ.
16. 18. διὰ τὸν θεὸν τοῦ κ. μετελάβετε
17. 14. ὁ δὲ κ. . . . ἐθεώρει
[Aq. Ez. 24. 23.]
[Sm. Jb. 38. 4 : Ez. 7. 20.]
[Th. Ex. 38. 10 (37. 8), 11 (37. 9), 12 (37. 10).]

κοσμοφορεῖν.
IV Ma. 15. 31. S R κοσμοφοροῦσα καρτερῶς [A -ούς] ὑπήνεγκε [S -έμεινε] τοὺς κλύδωνας

κόσυμβος. (1) שְׁבִיסִים (2) שָׁבִיב pi.
Ex. 28. 35 (39). A οἱ κ. [B -βωτοὶ] τῶν χιτώνων ἐκ βύσσου (2)
Is. 3. 18. ἀφελεῖ . . . τοὺς κ. καὶ τοὺς μηνίσκους (1 ?)

κοσυμβωτός. (1) *a.* שָׁבִיב pi. *b.* תַּשְׁבִּיץ
Ex. 28. 4. χιτῶνα κοσυμβωτόν (1 *b*)
— 35 (39). οἱ κ. [A -βοι] τῶν χιτώνων ἐκ βύσσου (1 *a*)

κοτύλη. (1) בַּת (2) לֹג
Le. 14. 10. καὶ κοτύλην ἐλαίου μίαν (2)
— 12. καὶ τὴν κ. τοῦ ἐλαίου (2)
— 15. ἀπὸ τῆς κ. τοῦ ἐλαίου (2)
— 21. καὶ κοτύλην ἐλαίου μίαν (2)
— 24. καὶ τὴν κ. τοῦ ἐλαίου (2)
Ez. 45. 14. τὸ πρόσταγμα [A τὰ πρ.] τοῦ ἐλαίου κοτύλην ἐλαίου ἀπὸ δέκα [A τῶν δ.] κοτυλῶν ὅτι αἱ δέκα κ. εἰσὶ γομόρ (1 *ter*)

κουρά. (1) גֵּז (2) תְּבוּאָה
De. 18. 4. καὶ τὴν ἀπαρχὴν τῶν κ. τῶν προβάτων σου (1)
Jo. 5. 11 (12). B ἐκαρπίσαντο δὲ τὴν κ. [A R χώραν] (2)
Ne. 3. 15. τῇ κ. τοῦ βασιλέως †
Jb. 31. 20. ἀπὸ δὲ κουρᾶς ἀμνῶν [A ἀρνῶν] μου (1)
[Aq. I Ki. 6. 8 : Ps. 71 (72). 6.]
[Sm., Th. Am. 7. 1.]
[Al. Nu. 6. 5.]

κουρεύς. (1) אִישׁ (2) גַּבָּב
Jd. 16. 19. A ἐκάλεσεν τὸν κ. [B ἐκ. ἄνδρα] (1)
Ez. 5. 1. λάβε σεαυτῷ ῥομφαίαν ὀξεῖαν ὑπὲρ ξυρὸν κουρέως (2)

κουφίζειν. (1) *a.* חָשַׁךְ לְמַטָּה מֵ׳ *b.* חָשַׁךְ ni.
(2) קָלַל hi.
Ex. 18. 22. κουφιοῦσιν [A -φίσουσιν] ἀπὸ σοῦ (2)
I Ki. 6. 5. ὅπως κουφίσῃ [A -ει] τὴν χεῖρα αὐτοῦ (2)
III Ki. 12. 4. κούφισον ἀπὸ τῆς δουλείας τοῦ πατρός σου (2)
— 9. κούφισον ἀπὸ τοῦ κλοιοῦ (2)
— 10. κούφισον ἀφ' ἡμῶν (2)
— 24. B κουφιεῖς σὺ ἐφ' ἡμᾶς –
I Es. 8. 86. ὁ κουφίσας [A ἐκούφ.] τὰς ἁμαρτίας ἡμῶν
II Es. 9. 13. ἐκούφισας ἡμῶν τὰς ἀνομίας (1 *a*)
Es. 5. 1. κουφίζουσα τὴν ἔνδυσιν αὐτῆς
Jb. 21. 30. εἰς ἡμέραν ἀπωλείας κουφίζεται ὁ πονηρός (1 *b*)
Jn. 1. 5. τοῦ κουφισθῆναι ἀπ' αὐτῶν (2)
[Th. Jb. 21. 30.]

κοῦφος. (1) קַל *a.* qal. *b.* ni. *c.* קָלַל *d.* κ. εἶναι קָלַל ni.
I Ki. 18. 23. εἰ [B¹ *om.*] κοῦφον ἐν ὀφθαλμοῖς ὑμῶν (1 *b*)
II Ki. 1. 23. ὑπὲρ ἀετοὺς κοῦφοι (1 *a*)
2. 18. Ἀσαὴλ κοῦφος τοῖς ποσὶν αὐτοῦ (1 *c*)
IV Ki. 3. 18. A R κούφη [B -ος καὶ] αὐτὴ ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (1 *b*)
20. 10. κοῦφον τὴν σκιὰν κλῖναι (1 *b*)
I Ch. 12. 8. καὶ κοῦφοι ὡς δορκάδες –
Ec. 9. 11. οὐ τοῖς κ. ὁ δρόμος (1 *c*)
Wi. 5. 11. πληγῇ δὲ ταρσῶν μαστιζόμενον πνεῦμα κοῦφον
Si. 11. 21. κοῦφον ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου . . . πλουτίσαι [A -ῆσαι] πένητα
— 26. κοῦφον ἔναντι [A ἐν ὀφθαλμοῖς] κυρίου ἐν ἡμέρᾳ τελευτῆς
19. 4. ὁ ταχὺ ἐμπιστεύων κοῦφος καρδίᾳ
Is. 18. 2. πορεύσονται γὰρ ἄγγελοι κοῦφοι πρὸς ἔθνος μετέωρον (1 *c*)
19. 1. κύριος κάθηται ἐπὶ νεφέλης κούφης (1 *c*)
30. 16. ἐπὶ κούφοις ἀναβάταις [A S¹ -αι] ἐσόμεθα διὰ τοῦτο κοῦφοι ἔσονται οἱ διώκοντες ὑμᾶς (1 *c*, 1 *d*)
Je. 4. 13. κουφότεροι ἀετῶν οἱ ἵπποι αὐ. (1 *a*)
26 (46). 6. μὴ φευγέτω ὁ κ. (1 *c*)
La. 4. 19. κοῦφοι ἐγένοντο οἱ διώκοντες ἡμᾶς (1 *c*)
[Aq., Sm. Nu. 21. 5 : Je. 2. 23.]
[Th. Nu. 21. 5 : Pr. 14. 6 : Je. 2. 23.]
[Al. Ex. 23. 15.]

κούφως. (1) קַל
Is. 5. 26. ταχὺ κ. ἔρχονται (1)
[Sm. Jb. 39. 34 (40. 4).]

κόφινος. (1) דּוּד (2) סַל
Jd. 6. 19. ἔθηκεν ἐν τῷ κ. [A *al.*] (2)
Ps. 80 (81). 6. αἱ χεῖρες αὐτοῦ ἐν τῷ κ. ἐδούλευσαν (1)
[Aq. Ge. 40. 16.]
[Sm. Ps. 80 (81). 7 : Je. 24. 1.]

κόχλαξ (A κοχλάς?). (1) צָמֶר
I Ki. 14. 14. ἐν κόχλαξι [A κοχλάσιν] τοῦ πεδίου (1 ?)
I Ma. 10. 73. οὐκ ἔστι λίθος οὐδὲ κόχλαξ

κράββατος.
[Aq. Am. 3. 12.]

κραδαίνειν.
II Ma. 11. 8. πανοπλίαν χρυσῆν κραδαίνων
III Ma. 2. 21. κραδάνας αὐτὸν ὡς κάλαμον ὑπὸ ἀνέμου

κράζειν. (1) זָעַק *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi.
(2) נָהַק (3) *a.* צָעַק *b.* צְעָקָה (4) קָרָא
a. qal. *b.* ni. (5) רוּעַ *a.* hi. *b.* hithpal.
c. רַע (6) שְׁאָנָה (7) שָׁוַע pi.
Ge. 41. 55. R ἔκραξε δὲ [A ἐκέκραξεν δὲ πᾶς] ὁ λαός (3 *a*)
Ex. 5. 8. διὰ τοῦτο κεκράγασι (3 *a*)
22. 23 (22). κεκράξαντες καταβοήσωσι πρὸς μέ (3 *a*)
32. 17. τῆς φωνῆς [A B² τὴν φ.] τοῦ λαοῦ καζόντων (5 *c*)
Nu. 11. 2. ἐκέκραξεν ὁ λαὸς πρὸς Μωυσῆν (3 *a*)
Jo. 6. 15 (16). εἶπεν Ἰησοῦς . . . Κεκράξατε (5 *a*)
Jd. 1. 14. ἔκραξεν ἀπὸ τοῦ ὑποζυγίου †
3. 9, 15. ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (1 *a*)
4. 3. ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (3 *a*)
6. 7 (6). A ἐκέκραξαν [B ἐβόησαν] οἱ υἱοὶ Ἰ. πρὸς κύριον (1 *a*)
— 8 (7). A ἐπεὶ ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰ. πρὸς κύριον (1 *a*)
10. 12. A καὶ ἐκεκράξατε [B ἐβοήσατε] πρὸς μέ (3 *a*)
18. 22. A ἔκραζον κατοπίσω Δάν [B *al.*] (1 *b*)
Jd. 18. 24. τί [A *add.* τοῦτο] κράζεις †
II Ki. 13. 19. ἐπορεύθη πορευομένη καὶ κράζουσα (1 *a*)
19. 4 (5). καὶ ἔκραξεν ὁ βασιλεύς (1 *a*)
— 28 (29). τοῦ κεκραγέναι με ἔτι πρὸς τὸν βασ. (1 *a*)
To. 2. 13. ἤρξατο κράζειν [A κρανάζειν]
6. 2. S καὶ ἔκραξεν
Ju. 14. 17. ἐξεπήδησεν εἰς τὸν λαὸν κράζων [S λέγων, A καὶ ἐβόησεν]
Es. 4. 17. A R πᾶς Ἰσρ. ἐκέκραξεν [S ἔκρ., B -αν] ἐξ ἰσχύος αὐτῶν
Jb. 6. 5. μὴ διὰ κενῆς κεκράξεται ὄνος ἄγριος (2)
19. 7. κεκράξομαι καὶ οὐδαμοῦ κρίμα (7)
30. 20. κέκραγα δὲ πρὸς σέ (7)
— 28. ἔστηκα δὲ ἐν ἐκκλησίᾳ κεκραγώς (7)
34. 20. τὸ κεκραγέναι καὶ δείσθαι ἀνδρός †
35. 9. ἀπὸ πλήθους συκοφαντούμενοι κεκράξονται (1 *c*)
— 12. ἐκεῖ κεκράξονται [A -ξον] (3 *a*)
38. 41. νεοσσοὶ γὰρ αὐ. πρὸς κ. κεκράγασι (7)
Ps. 3. 4. φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (4 *a*)
4. 3. ἐν τῷ κεκραγέναι με πρὸς αὐτόν (4 *a*)
16 (17). 6. ἐγὼ ἐκέκραξα (4 *a*)
17 (18). 6. πρὸς τὸν θεόν μου ἐκέκραξα (7)
— 41. ἐκέκραξαν καὶ οὐκ ἦν ὁ σώζων (7)
21 (22). 2. κεκράξομαι ἡμέρας πρὸς σέ [S² *om.* ἡ. πρὸς σέ] (4 *a*)
— 5. πρὸς σὲ ἐκέκραξαν (1 *a*)
— 24. ἐν τῷ κεκραγέναι με πρὸς αὐτόν (7)
26 (27). 7. ἧς ἐκέκραξα [A ἐκ. πρὸς σέ] (4 *a*)
27 (28). 1. πρὸς σέ, κύριε, ἐκέκραξα [A S κεκράξομαι] (4 *a*)
— 2. A ἧς ἐκέκραξα [B S ἐν τῷ δέεσθαί με] πρὸς σέ (7)
29 (30). 2. κύριε ὁ θεός μου, ἐκέκραξα πρὸς σέ (7)
— 8. πρὸς σέ, κύριε, κεκράξομαι (4 *a*)
30 (31). 22. ἐν τῷ κεκραγέναι με πρὸς σέ (7)
31 (32). 3. ἀπὸ τοῦ κράζειν με ὅλην τὴν ἡμέραν (6)
33 (34). 6. οὗτος ὁ πτωχὸς ἐκέκραξε (4 *a*)
— 17. ἐκέκραξαν οἱ δίκαιοι (3 *a*)
54 (55). 16. ἐγὼ πρὸς τὸν θεὸν ἐκέκραξα (4 *a*)
56 (57). 2. κεκράξομαι πρὸς τὸν θ. τὸν ὕψιστον (4 *a*)
60 (61). 2. ἀπὸ τῶν περάτων τῆς γῆς πρὸς σὲ ἐκέκραξα (4 *a*)
64 (65). 13. κεκράξονται καὶ γὰρ ὑμνήσουσιν (5 *b*)
65 (66). 17. πρὸς αὐτὸν τῷ στόματί μου ἐκέκραξα (4 *a*)
68 (69). 3. ἐκοπίασα κράζων (4 *a*)
76 (77). 1. φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (3 *a*)
85 (86). 3. πρὸς σὲ κεκράξομαι ὅλην τὴν ἡμέραν (4 *a*)
— 7. ἐν ἡμέρᾳ θλίψεώς μου ἐκέκραξα πρὸς σέ (4 *a*)
87 (88). 1. ἡμέρας ἐκέκραξα [A κεκράξομαι] (3 *a*)
— 9. ἐκέκραξα πρὸς σέ, κύριε, ὅλην τὴν ἡμ. (4 *a*)
— 13. κἀγὼ πρὸς σέ, κύριε, ἐκέκραξα (7)
90 (91). 15. A S κεκράξεται πρὸς [B ἐπικαλέσεταί] μέ (4 *a*)
106 (107). 6. ἐκέκραξαν πρὸς κύριον (3 *a*)
— 13, 19. ἐκέκραξαν πρὸς κύριον (1 *a*)
— 28. ἐκέκραξαν πρὸς κύριον (3 *a*)
118 (119). 145. ἐκέκραξα ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου (4 *a*)
— 146. A S¹ ἐκέκραξά σε [S² R σοι] (4 *a*)
— 147. προέφθασα ἐν ἀωρίᾳ καὶ ἐκέκραξα (7)
119 (120). 1. πρὸς κύριον . . . ἐκέκραξα (4 *a*)
129 (130). 1. A S¹ ἐκ βαθέων ἐκέκραξά σε [S² R σοι] κύριε (4 *a*)
140 (141). 1. κύριε, ἐκέκραξα πρὸς σέ (4 *a*)
— 1. ἐν τῷ κεκραγέναι με [S *om.*] πρὸς σέ (4 *a*)
141 (142). 1. φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (1 *a*)
— 5. πρὸς σὲ, κύριε, ἐκέκραξα (1 *a*)
Ho. 8. 2. ἐμὲ κεκράξονται, Ὁ θεός, ἐγνώκαμέν σε (1 *a*)
Mi. 3. 4. οὕτως κεκράξονται πρὸς κύριον (1 *a*)
Jl. 1. 14. κεκράξατε πρὸς κύριον ἐκτενῶς (1 *a*)
Hb. 1. 1. ἕως τίνος, κύριε, κεκράξομαι [B¹ S² κρ.] (7)
Za. 7. 13. οὕτως κεκράξονται (4 *a*)
Is. 6. 3. ἐκέκραγεν [A S -γον] ἕτερος πρὸς τὸν ἕτερον (4 *a*)
— 4. ἀπὸ τῆς φωνῆς ἧς ἐκέκραγεν (4 *a*)
14. 31. κεκραγέτωσαν πόλεις τεταραγμέναι (1 *a*)
15. 4. κέκραγεν Ἐσεβών (1 *a*)
19. 20. κεκράξονται πρὸς κύριον [S¹ *om.* πρ. κ.] (3 *a*)
26. 17. ἐπὶ τῇ ὠδίνι αὐτῆς ἐκέκραξεν (1 *a*)
31. 4. κεκράξῃ ἐπ' αὐτῇ [S -ήν] (4 *b*)
42. 2. οὐ κεκράξεται [A κρ.] οὐδὲ ἀνήσει (3 *a*)

Is. 65. 14. κεκράξεσθε διὰ τὸν πόνον (3 a)
— 24. πρὶν ἢ κεκράξαι αὐτούς (4 a)
Je. 4. 5. A B κεκράξατε [B S -ετε] μέγα (4 a)
11. 11. κεκράξονται πρὸς μέ (1 a)
— 12. κεκράξονται πρὸς τοὺς θεούς (1 a)
22. 20. ἀνάβηθι εἰς τὸν Λίβανον καὶ κράξον [A S κέκρ.] (3 a)
29 (47). 2. κεκράξονται [S¹ κρ.] οἱ ἄνθρωποι (1 a)
30 (49). 3. κεκράξατε [S κρ.], θυγατέρες Ῥ. (3 a)
31 (48). 2. φωνὴ κεκραγότων ἐξ Ὡρωναΐμ (3 b)
— 20. ὀλόλυζον καὶ κέκραξον [S¹ κρ.] (1 a)
32 (25). 34. ἀλαλάξατε, ποιμένες, καὶ κεκράξατε [A S -ετε] (1 a)
40 (33). 3. κέκραξον πρὸς μέ (4 a)
Ba. 3. 1. πνεῦμα ἀκηδιῶν κέκραγε [A ἐκέκραξε] πρὸς σέ
4. 20. κεκράξομαι πρὸς τὸν αἰώνιον [A *add.* ὕψιστον]
La. 3. 8. κεκράξομαι καὶ βοήσω (1 a)
Ez. 27. 30. κεκράξονται πικρόν [A -ρῶς] (1 a)
I Ma. 9. 46. νῦν οὖν κεκράξατε εἰς οὐρανόν
11. 49. ἐκέκραξαν [S¹ ἐκράτησαν] πρὸς τὸν βασ.
III Ma. 5. 23. R ἅρτι δὲ ἀλεκτρυὼν ἐκεκράγει [A -εν]

[Sm. Is. 33. 7.]
[Th. Jd. 10. 10 : Jb. 35. 12 : Ps. 3. 5 : 54 (55). 17 : 129 (130). 1 : Pr. 8. 1.]
[Al. Ez. 8. 18.]
[Quint. Ps. 26 (27). 7 : 27 (28). 2 : 60 (61). 3 : 129 (130). 1.]
[Sext. Ps. 27 (28). 2 : 129 (130). 1.]

κραιπαλᾶν. (1) רָנַן hithpo. (2) *a.* שָׁבַר *b.* שָׁכוֹר

Ps. 77 (78). 65. ὡς δυνατὸς κεκραιπαληκὼς ἐξ οἴνου (1)
Is. 24. 20. ἔκλινεν ὡς ὁ μεθύων καὶ κραιπαλῶν [S ὁ κρ.] (2 b)
29. 9. κραιπαλήσατε οὐκ ἀπὸ σίκερα (2 a)

[Aq. Ps 77 (78). 65.]

κρᾶμα. (1) מָחַג

Ca. 7. 2 (3). μὴ ὑστερούμενος κρᾶμα [A S κράματος] (1)

[Aq. Ez. 22. 18, 19.]

κρανίον. (1) גֻּלְגֹּלֶת

Jd. 9. 53. ἔκλασε [A συνέθλασεν] τὸ κρ. αὐτοῦ (1)
IV Ki. 9. 35. οὐχ εὗρον . . . ἄλλο τι ἢ τὸ κρ. (1)

κράσπεδον. (1) כָּנָף (2) צִיצִת

Nu. 15. 38. ποιησάτωσαν ἑαυτοῖς κράσπεδα (2)
— 38. ἐπιθήσετε ἐπὶ τὰ κρ. . . . κλῶσμα ὑακίνθινον (2)
— 39. ἔσται ὑμῖν ἐν τοῖς κρ. (2)
De. 22. 12. στρεπτὰ ποιήσεις . . . ἐπὶ τῶν τεσσάρων κρ. (1)
Za. 8. 23. καὶ ἐπιλάβωνται τοῦ κρ. ἀνδρὸς Ἰουδ. (1)

[Aq. Ez. 8. 3.]
[Sm. I Ki. 15. 27 : Ez. 5. 3.]
[Th. I Ki. 24.5 : Ez. 8. 3.]

κραταιός. (1) אַדִּיר (2) אֲמִיץ (3) גִּבּוֹר (4) *a.* חָזָק *b.* חָזָק *c.* חָזָק (5) יָרֵא ni. (6) מָגֵן (7) *a.* עַז *b.* עֹז *c.* עִזּוּז (8) *a.* עָצַם *b.* עָצוּם *c.* עָצָם (9) עָרִיץ (10) תַּקִּף

Ex. 3. 19. οὐ προήσεται . . . ἐὰν μὴ μετὰ χειρὸς κρ. (4 b)
6. 1. ἐν γὰρ χειρὶ κρ. ἐξαποστελεῖ αὐτούς (4 b)
13. 3. ἐν γὰρ χειρὶ κρ. ἐξήγαγεν (4 c)
— 9. ἐν γὰρ χειρὶ κρ. ἐξήγαγέ σε κ. (4 b)
— 14. ἐν χειρὶ κρ. ἐξήγαγε κ. ἡμᾶς (4 c)
— 16. ἐν γὰρ χειρὶ κρ. ἐξήγαγέ σε κ. (4 c)
De. 3. 24. καὶ τὴν χεῖρα τὴν κρ. (4 b)
4. 34. καὶ ἐν χειρὶ κρ. (4 b)
5. 15. ἐξήγαγέ σε . . . ἐν χειρὶ κρ. (4 b)
6. 21. ἐξήγαγεν ἡμᾶς . . . ἐν χειρὶ κρ. (4 b)
7. 8. ἐξήγαγεν . . . ἐν χειρὶ κρ. (4 b)
— 19. τὴν χεῖρα τὴν κρ. καὶ τὸν βραχίονα τὸν ὑψηλόν (4 b)
— 21. θεὸς μέγας καὶ κρ. (5)
9. 26. καὶ ἐν τῇ χειρί σου τῇ κρ. (4 b)
— 29. B καὶ ἐν τῇ χειρί σου τῇ κρ. –
De. 11. 2. καὶ τὴν χεῖρα τὴν κρ. (4 b)
26. 8. καὶ ἐν χειρὶ κρ. (4 b)
29. 3 (2). A B² τὴν χεῖρα τὴν κρ. καὶ τὸν βραχίονα τὸν ὑψηλόν –
34. 12. καὶ [A *add.* πᾶσαν] τὴν χεῖρα τὴν κρ. (4 b)
Jo. 24. 4. εἰς ἔθνος μέγα καὶ πολὺ καὶ κρ. –
Jd. 5. 13. κατέβη αὐτῷ ἐν τοῖς κρ. [A *al.*] (3)
I Ki. 14. 51 (52). ἦν ὁ πόλεμος κρ. ἐπὶ τοὺς ἀλλοφύλους (4 b)
II Ki. 11. 15. ἐξ ἐναντίας τοῦ πολέμου τοῦ κρ. (4 b)
22. 31. τὸ ῥῆμα κυρίου κραταιὸν [A *om.*] πεπυρωμένον –
III Ki. 12. 24. B ἠρρώστησε . . . ἀρρωστίᾳ κρ. σφόδρα –
17. 17. ἦν [A *om.*] ἡ ἀρρωστία αὐτοῦ κρ. (4 b)
18. 2. ἡ [A ἦν] λιμὸς κραταιὰ [A -ὸς] ἐν Σαμ. (4 b)
19. 11. πνεῦμα μέγα κρ. διαλύον ὄρη (4 b)
II Ch. 6. 32. διὰ . . . τὴν χεῖρά σου τὴν κρ. (4 b)
I Es. 2. 17. A καὶ κραταιοὶ [B *om.*, R κριταὶ] οἱ ἐν κοίλῃ Συρίᾳ
8. 47. A R κατὰ τὴν κρ. χεῖρα τοῦ κυρίου ἡμῶν
— 61. κατὰ τὴν κρ. χεῖρα τοῦ κυρίου ἡμῶν
II Es. 6. 4. A R καὶ δόμοι λίθινοι κρ. [B *om.*] †
Ne. 1. 10. καὶ ἐν τῇ χειρί σου τῇ κρ. (4 b)
9. 32. ὁ μέγας ὁ κρ. καὶ ὁ φοβερός (3)
Jb. 9. 4. σοφὸς γάρ ἐστι διανοίᾳ κρ. τε καὶ μέγας (2)
26. 2. ᾧ [A ὃ] βραχίων κραταιός ἐστι (7 b)
30. 21. χειρὶ κραταιᾷ με ἐμαστίγωσας (8 c)
Ps. 23 (24). 8. κύριος κραταιὸς καὶ δυνατός (7 c)
46 (47). 9. τοῦ θεοῦ οἱ κρ. τῆς γῆς σφόδρα ἐπήρθησαν (6)
53 (54). 3. κραταιοὶ ἐζήτησαν τὴν ψυχήν μου (9)
58 (59). 3. ἐπέθεντο ἐπ' ἐμὲ κραταιοί (7 a)
70 (71). 7. καὶ σὺ βοηθὸς κραταιός (7 b)
85 (86). 14. συναγωγὴ κραταιῶν [S¹ κραταιοί] (9)
134 (135). 10. ἀπέκτεινε βασιλεῖς κραταιούς (8 b)
135 (136). 12. ἐν χειρὶ κραταιᾷ καὶ ἐν βραχίονι ὑψηλῷ (4 b)
— 18. καὶ ἀποκτείναντι βασιλεῖς κραταιούς (1)
140 (141). 6. κατεπόθησαν ἐχόμενα πέτρας οἱ κρ. [S² κριταὶ] αὐτῶν †
Pr. 23. 11. ὁ γὰρ λυτρούμενος αὐτοὺς κύριος κραταιός ἐστι (4 b)
Ca. 8. 6. κραταιὰ ὡς θάνατος ἀγάπη (7 a)
Wi. 6. 8. τοῖς δὲ κρ. ἰσχυρὰ ἐφίσταται ἔρευνα
Si. 6. 14. φίλος πιστὸς σκέπη κραταιά
46. 1. κραταιὸς ἐν πολέμοις [A S -ῳ] Ἰησοῦς
— 6. ἐν [A S *om.*] λίθοις χαλάζης δυνάμεως κρ.
Am. 2. 14. ὁ κρ. οὐ μὴ κρατήσῃ τῆς ἰσχύος αὐτοῦ [A¹ *al.*] (4 b)
— 16. ὁ κρ. οὐ μὴ [A *om.* ὁ κρ. οὐ μὴ] εὑρήσει τὴν καρδίαν (2)
Hb. 3. 4. ἔθετο ἀγάπησιν κραταιὰν ἰσχύος αὐτοῦ (7 b)
Je. 21. 5. πολεμήσω ἐγὼ ὑμᾶς . . . ἐν βραχίονι [S *add.* ὑψηλῷ] κραταιῷ (4 b)
39 (32). 21. ἐξήγαγες τὸν λαόν σου . . . ἐν χειρὶ κραταιᾷ (4 b)
Ba. 2. 11. ἐξήγαγες τὸν λαόν σου ἐκ γῆς Αἰγύπτου ἐν χειρὶ κραταιᾷ
Ez. 8. 9. ἔσται διὰ παντὸς κραταιότερον πέτρας (4 b)
— 14. χεὶρ κυρίου ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ κραταιά (4 a)
20. 33. ἐν χειρὶ κραταιᾷ . . . βασιλεύσω ἐφ' ὑμᾶς (4 b)
— 34. ἐν χειρὶ κραταιᾷ καὶ ἐν βραχίονι ὑψηλῷ (4 b)
Da. TH. 2. 37. βασιλείαν ἰσχυρὰν καὶ κρ. (10)
8. 24. καὶ κραταιὰ ἡ ἰσχὺς αὐτοῦ (8 a)
9. 15. ὃς ἐξήγαγες τὸν λαόν σου . . . ἐν χειρὶ κρ. (4 b)
I Ma. 5. 6. εὗρε χεῖρα κρ.

[Aq. Ez. 30. 22.]
[Sm. Jd. 6. 26 : Jb. 9. 19 : Ps. 44 (45). 13 : Is. 30. 29 : 33. 21 *bis* : 34. 7 : Hb. 1. 12.]
[Th. Jb. 9. 19 : Ps. 27 (28). 8.]
[Al. Pr. 24. 5.]

κραταιότης. (1) גְּאוָה

Ps. 45 (46). 3. ἐταράχθησαν [A -θη] τὰ ὄρη ἐν τῇ κρ. αὐ. (1)

κραταιοῦν. (1) אָמַץ *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. *d.* hithp. *e.* מְאַמְּצִים (2) גָּבַר (3) חָזַק *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. *d.* hithp. *e.* חָזָק (4) חָפַשׂ hithp. (5) יָבֵשׁ ni. (6) מָשַׁל (7) *a.* עָזַז *b.* עֹז *c.* מָעוֹז (8) עָצַם *a.* qal. *b.* hi. (9) פָּרַר po. (10) שָׂגַב *a.* ni. *b.* hi. (11) תָּקַן hoph. (12) תֹּקֶף

Jo. 18. 1. A ἡ γῆ ἐκραταιώθη [B ἐκρατήθη] ὑπ' αὐτῶν (5)
Jd. 3. 10. B ἐκραταιώθη χεὶρ αὐτοῦ (7 a)
Ru. 1. 18. κραταιοῦται αὐτὴ τοῦ πορεύεσθαι (1 d)
I Ki. 4. 9. κραταιοῦσθε καὶ γίνεσθε εἰς ἄνδρας (3 d)
17. 50. A ἐκραταίωσεν Δ. ὑπὲρ τὸν ἀλλόφυλον (3 a)
23. 16. ἐκραταίωσε τὰς χεῖρας αὐτοῦ (3 b)
30. 6. ἐκραταιώθη Δαυὶδ ἐν κυρίῳ θεῷ αὐτοῦ (3 d)
II Ki. 1. 23. ὑπὲρ λέοντας ἐκραταιώθησαν (2)
2. 7. A R κραταιούσθωσαν αἱ χεῖρες ὑμῶν (3 a)
3. 1. ὁ οἶκος Δαυὶδ . . . ἐκραταιοῦτο (3 e)
10. 11. ἐὰν κραταιωθῇ Συρία ὑπὲρ ἐμέ (3 a)
— 11. ἐὰν κραταιωθῶσιν υἱοὶ Ἀ. ὑπὲρ σέ (3 a)
— 12. κραταιωθῶμεν ὑπὲρ τοῦ λαοῦ ἡμῶν (3 d)
11. 23. ἐκραταίωσαν ἐφ' ἡμᾶς οἱ ἄνδρες (2)
— 25. κραταίωσον τὸν πόλεμον (3 c)
— 25. καὶ κραταίωσον αὐτόν (3 b)
13. 14. ἐκραταίωσεν [A -ώθη] ὑπὲρ αὐτήν (3 a)
22. 18. ἐκραταιώθησαν ὑπὲρ ἐμέ (1 a)
— 33. ὁ ἰσχυρὸς ὁ κραταιὸν με δυνάμει [A -ιν] (7 c)
23. 3. πῶς κραταιώσητε φόβον χριστοῦ [A *al.*] (6)
III Ki. 21 (20). 22. κραταιοῦ καὶ γνῶθι (3 d)
— 23. ἐκραταίωσεν [B² -τησεν] ὑπὲρ ἡμᾶς (3 a)
— 23. εἰ μὴ κραταιώσομεν ὑπὲρ αὐτούς (3 a)
— 25. κραταιώσομεν ὑπὲρ αὐτούς (3 a)
IV Ki. 3. 26. ἐκραταίωσεν ὑπὲρ αὐτὸν ὁ πόλεμος (3 a)
12. 6 (7). οὐκ ἐκραταίωσαν οἱ ἱερεῖς τὸ βεδέκ (3 b)
— 7 (8). τί ὅτι οὐκ ἐκραταιοῦτε τὸ βεδὲκ τοῦ οἴκου (3 b)
— 12 (13). ὅσα ἐξῳδιάσθη ἐπὶ τὸν οἶκον τοῦ κραταιῶσαι (3 a)
— 14 (15). ἐκραταίωσαν ἐν [A *om.*] αὐτῷ τὸν οἶκον κ. (3 b)
22. 6. τοῦ κραταιῶσαι τὸ βεδὲκ τοῦ οἴκου (3 b)
I Ch. 21. 4. A τὸ δὲ ῥῆμα τοῦ βασ. ἐκραταιώθη ἐπὶ τῷ [B ἰσχυσεν ἐ.] Ἰ. (3 a)
II Ch. 21. 4. καὶ ἐκραταιώθη (3 d)
23. 1. ἐκραταίωσεν Ἰωδαέ (3 d)
34. 8. κραταιῶσαι τὸν οἶκον κυρίου (3 b)
35. 22. πολεμεῖν αὐτὸν ἐκραταιώθη (4 ?)
II Es. 6. 22. κραταιῶσαι τὰς χεῖρας αὐτῶν (3 b)
7. 28. καὶ ἐγὼ ἐκραταιώθην (3 d)
10. 4. κραταιοῦ καὶ ποίησον (3 a)
Ne. 2. 18. ἐκραταιώθησαν αἱ χεῖρες αὐτῶν (3 b)
6. 9. ἐκραταίωσα τὰς χεῖράς μου (3 b)
Ju. 1. 13. ἐκραταιώθη ἐν τῷ πολέμῳ αὐτοῦ
13. 7. κραταίωσόν με, ὁ θεὸς Ἰσρ.
Jb. 36. 19. πάντας τοὺς κραταιοῦντας [S¹ -τοῦντας] ἰσχύν (1 e)
— 22. ὁ ἰσχυρὸς κραταιώσει [S -ῶς] ἐν [A σε ἐν] ἰσχύϊ αὐτοῦ (10 b)
Ps. 9. 19. μὴ κραταιούσθω ἄνθρωπος (7 a)
26 (27). 14. κραταιούσθω ἡ καρδία σου [A μου] (1 c)
30 (31). 24. κραταιούσθω ἡ καρδία ὑμῶν (1 c)
37 (38). 19. οἱ δὲ ἐχθροί μου . . . κεκραταίωνται ὑπὲρ ἐμέ (8 a)
63 (64). 5. ἐκραταίωσαν ἑαυτοῖς λόγον πονηρόν (3 b)
68 (69). 4. ἐκραταιώθησαν οἱ ἐχθροί μου (8 a)
73 (74). 13. σὺ ἐκραταίωσας . . . τὴν θάλασσαν (9)
79 (80). 15, 17. ὃν ἐκραταίωσας σεαυτῷ (1 b)
88 (89). 13. κραταιωθήτω ἡ χείρ σου (7 a)
102 (103). 11. ἐκραταίωσε κύριος τὸ ἔλεος αὐτοῦ (2)
104 (105). 4. ζητήσατε τὸν κ. καὶ κραταιώθητε (7 b)
— 24. ἐκραταίωσεν αὐτὸν ὑπὲρ τοὺς ἐχθροὺς αὐτοῦ (8 b)
116 (117). 2. ἐκραταιώθη τὸ ἔλεος αὐτοῦ ἐφ' ἡμᾶς (2)
138 (139). 6. ἐκραταιώθη οὐ μὴ δύνωμαι πρὸς αὐτήν (10 a)
— 17. λίαν ἐκραταιώθησαν αἱ ἀρχαὶ αὐτῶν (8 a)
141 (142). 6. ἐκραταιώθησαν ὑπὲρ ἐμέ (1 a)
La. 1. 16. ἐκραταιώθη ὁ ἐχθρός (2)
Da. TH. 4. 33. ἐπὶ τὴν βασιλείαν μου ἐκραταιώθην (11)
5. 20. τὸ πνεῦμα αὐτοῦ ἐκραταιώθη (12)
I Ma. 1. 62. S R πολλοὶ ἐν Ἰσρ. ἐκραταιώθησαν [A ἐκρεμάσθησαν]

[Aq. Le. 16. 8 : Dt. 3. 28 : I Ki. 17. 50 : Ps. 26 (27). 14 : 51 (52). 9 : 138 (139). 17 : Is. 19. 4 : Je. 15. 8 : 17. 16.]

[Sm. I Ki. 17. 50: II Ki. 3. 6: Pr. 31. 17: Is. 29. 23.]
[Th. I Ki. 17. 50: IV Ki. 12. 5 (6): Ps. 138 (139). 17: Pr. 21. 29: Is. 22. 21: 29. 23: 35. 3.]
[Quint. IV Ki. 12. 5 (6): Ps. 64 (65). 4.]

κραταίωμα. (1) סוֹד (2) סֶלַע (3) *a.* עֹז *b.* מָעוֹז (4) מִשְׂגָּב

I Ki. 2. 32. **A** ἐπιβλέψῃ κραταίωμά μου ὧν [? μονὼν] ἐν πᾶσιν †
Ps. 24 (25). 14. κραταίωμα κύριος τῶν φοβουμένων αὐτόν (1)
27 (28). 8. κύριος κραταίωμα τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (3 *a*)
30 (31). 3. κραταίωμα [**A S** -ωσίς] μου [**S** *om.*] . . . εἶ σύ (2)
42 (43). 2. σὺ εἶ [**A S**^{2} *om.*] ὁ θεός [**S** θ. μου] κραταίωμά μου (3 *b*)
Je. 31 (48). 1. **A S** ᾐσχύνθη ἀμὰθ τὸ κρ. [**B** *om.* τὸ κρ.] (4)
[Aq. Jd. 6. 26: Ps. 26 (27). 1: 30 (31). 3, 5: Pr. 10. 29: Da. 11. 38.]
[Sm. Pr. 10. 29: Is. 8. 13.]
[Th. I Ki. 2. 31: Ps. 30 (31). 3: Pr. 10. 29: Is. 41. 21.]
[Quint. Ps. 26 (27). 1.]
[Sext. Ps. 24 (25). 14.]

κραταιῶς. (1) בְּחֻזָּקָה (2) שָׁגַב hi.

Jd. 8. 1. **A** ἐκρίνοντο μετ' αὐτοῦ κρ. [**B** *al.*] (1)
I Ki. 2. 16. λήψομαι κρ. (1)
Jb. 36. 22. **S** ὁ ἰσχυρὸς κρ. [**A B** -ώσει] ἐν [**A** σε ἐν] ἰσχύϊ αὐτοῦ (2)
Pr. 22. 3. πονηρὸν τιμωρούμενον κρ. –

κραταίωσις. (1) מָעוֹז (2) סֶלַע (3) תַּעֲצֻמוֹת

Ju. 7. 22. οὐκ ἦν κραταίωσις ἔτι ἐν αὐτοῖς
Ps. 30 (31). 3. **A S** κραταίωσίς [**B** -ωμά] μου [**S** *om.*] . . . εἶ σύ (2)
59 (60). 7. Ἐ. κραταίωσις τῆς κεφαλῆς μου (1)
67 (68). 35. δώσει . . . κραταίωσιν τῷ λαῷ (3)
[Aq. Is. 42. 25.]
[Sm. Ps. 138 (139). 15.]

κρατειλός (?).

[Sext. Ps. 28 (29). 1.]

κρατεῖν. (1) אָחַב (2) אָחַז *a.* qal. *b.* pi. (3) אֲחִידָה (4) *a.* אָמַץ pi. *b.* אַמִּיץ *c.* מַאֲמָצִים (5) בּוֹא (6) חָזַק *a.* qal. *b.* pi. *c.* hi. *d.* hithp. *e.* חָזְקָה (7) כָּבַשׁ ni. (8) כָּתַר hi. (9) לָכַד (10) מָלַךְ (11) מָשַׁל (12) עָבְרָה (13) עָנַק (14) עָצַר (15) קוּם hi. (16) שָׁפַט (17) תָּפַשׂ (18) תָּקַן hoph.

Ge. 19. 16. ἐκράτησαν οἱ ἄγγ. τῆς χειρὸς αὐ. (6 *c*)
21. 18. κράτησον τῇ χειρὶ σου αὐτό (6 *c*)
De. 2. 34: 3. 4. ἐκρατήσαμεν πασῶν τῶν πόλεων αὐτοῦ (9)
Jo. 18. 1. ἡ γῆ ἐκρατήθη [**A** ἐκραταιώθη] ὑπ' αὐτῶν (7)
Jd. 7. 8. **A** τῶν δὲ τριακοσίων ἀνδρῶν ἐκράτησεν [**B** *al.*] (6 *c*)
— 20. ἐκράτησαν . . . τὰς λαμπάδας [**A** *al.*] (6 *c*)
8. 12. ἐκράτησε τοὺς δύο βασιλεῖς **M.** (9)
16. 21. ἐκράτησαν αὐτὸν [**A** ἐπελάβοντο αὐτοῦ] οἱ ἀλλόφυλοι (2 *a*)
— 26. τὸν νεανίαν τὸν κρατοῦντα τὴν χεῖρα αὐτοῦ [**A** *al.*] (6 *c*)
— 29. ἐκράτησεν ἕνα τῇ δεξιᾷ αὐτοῦ [**A** *al.*] –
19. 29. ἐκράτησε τὴν παλλακὴν αὐτοῦ [**A** *al.*] (6 *c*)
20. 6. ἐκράτησα τὴν παλλακήν μου [**A** *al.*] (2 *a*)
Ru. 3. 15. καὶ ἐκράτησεν αὐτό (2 *a*)
I Ki. 15. 27. ἐκράτησε Σαοὺλ τοῦ πτερυγίου (6 *c*)
17. 35. ἐκράτησα τοῦ [**A** τῆς] φάρυγγος αὐτοῦ (6 *c*)
II Ki. 1. 11. ἐκράτησε Δ. τῶν ἱματίων [**A** τὰ ἱ.] αὐτοῦ (6 *c*)
2. 16. ἐκράτησαν ἕκαστος . . . τὴν κεφαλὴν τοῦ πλησίον αὐτοῦ (6 *c*)
3. 6. **A**^{2} **B** Ἀβ. ἦν κρατῶν τοῦ οἴκου Σαούλ (6 *d*)
— 29. μὴ ἐκλίποι . . . κρατῶν σκυτάλης [**A** -η] (6 *c*)
6. 6. καὶ ἐκράτησεν αὐτήν (2 *a*)
20. 9. ἐκράτησεν ἡ χεὶρ ἡ δεξιὰ . . . τοῦ πώγωνος Ἀμ. (2 *a*)
III Ki. 21 (20). 23. **B**^{2} ἐκράτησεν [**A B**^{1} -ταίωσεν] ὑπὲρ ἡμᾶς (6 *a*)
IV Ki. 4. 8. ἐκράτησεν αὐτὸν φαγεῖν ἄρτον (6 *c*)
11. 12. **AB** ἐκράτησεν [**R** ἐκρότησαν] τῇ χειρί †
12. 5 (6). κρατήσουσι [**A** -σωσιν] τὸ βεδὲκ τοῦ οἴκου (6 *b*)
I Ch. 19. 12. ἐὰν κρατήσῃ [**A** -σει] ὑπὲρ ἐμὲ Σύρος (6 *a*)
— 12. ἐὰν οἱ υἱοὶ Ἀ. κρατήσωσι ὑπὲρ σέ (6 *a*)
II Ch. 25. 5. κρατοῦντας δόρυ καὶ θυρεόν (2 *a*)
I Es. 4. 38. καὶ κρατεῖ εἰς τὸν αἰῶνα τοῦ αἰῶνος
— 50. **AR** πᾶσαν τὴν χώραν ἣν κρατοῦσιν [**B** -ήσουσιν]
Ne. 3. 6. τὴν πύλην . . . ἐκράτησαν (6 *c*)
— 7. **R** ἐπὶ χεῖρα αὐτῶν ἐκράτησαν (6 *c*)
— 8. **A S R** ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησεν [**B** -αν] (6 *c*)
— 9, 10. ἐπὶ χεῖρα αὐ. ἐκράτησε (6 *c*)
— 10. ἐπὶ χεῖρα [**S**^{1} -ας] αὐ. ἐκράτησεν (6 *c*)
— 11. καὶ δεύτερος ἐκράτησε **M.** (6 *c*)
— 12. ἐπὶ χεῖρα αὐτοῦ ἐκράτησε (6 *c*)
— 13. τὴν πύλην τῆς φάραγγος ἐκράτησαν (6 *c*)
— 14. τὴν πύλην τῆς κοπρίας ἐκράτησε (6 *c*)
— 16. ὀπίσω αὐτοῦ ἐκράτησε Νεεμ. (6 *c*)
— 17. ὀπίσω αὐτοῦ ἐκράτησαν οἱ Λευῖται (6 *c*)
— 17. ἐπὶ χεῖρα αὐτοῦ ἐκράτησεν (6 *c*)
— 18. μετ' αὐτὸν ἐκράτησαν ἀδελφοὶ αὐτῶν (6 *c*)
— 19. ἐκράτησεν ἐπὶ χεῖρα αὐτοῦ (6 *b*)
— 20. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Βαρούχ (6 *c*)
— 21. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Μεραμώθ (6 *c*)
— 22. μετ' αὐτὸν ἐκράτησαν οἱ ἱερεῖς (6 *c*)
— 23. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Βεν. (6 *c*)
— 23. μετ' αὐτὸν ἐκράτησεν Ἀζ. (6 *c*)
— 24. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Βανί (6 *c*)
— 27. μετ' αὐτὸν ἐκράτησαν οἱ Θ. (6 *c*)
— 28. ἐκράτησαν οἱ ἱερεῖς (6 *c*)
— 29. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε [**B**^{1} *om.*] Σαδδούκ (6 *c*)
— 29. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Σαμαΐα (6 *c*)
— 30. μετ' αὐτὸν ἐκράτησεν Ἀνανία (6 *c*)
— 30. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Μεσ. (6 *c*)
— 31. μετ' αὐτὸν ἐκράτησε Μελ. (6 *c*)
— 32. ἐκράτησαν οἱ χαλκεῖς (6 *c*)
4. 17 (11). ἐν μιᾷ ἐκράτει τὴν βολίδα (6 *c*)
— 21 (15). κρατοῦντες [**S** οἱ κρ.] τὰς λόγχας (6 *c*)
5. 16. ἐν ἔργῳ τοῦ τείχους τούτων οὐκ ἐκράτησα (6 *c*)
To. 6. 3. ἐκράτησε τὸν ἰχθὺν [**S** τοῦ ἰ.] τὸ παιδάριον
Ju. 1. 14. ἐκράτησε τῶν πύργων
5. 18. αἱ πόλεις αὐτῶν ἐκρατήθησαν
15. 7. ἐκράτησαν πολλῶν λαφύρων
Es. 1. 1. ἑκατὸν εἴκοσι ἑπτὰ χωρῶν ἐκράτησεν (10)
4. 17. βασιλεῦ πάντων κρατῶν [**S**^{2} παντοκράτωρ]
Jb. 9. 19. **AS** ὅτι μὲν γὰρ ἰσχύϊ κρατεῖ [**B** ἰσχύει κράτει?] (4 *b*)
26. 9. **ABS**^{2} ὁ κρατῶν πρόσωπον θρόνου (2 *b*)
36. 19. **S**^{1} πάντας τοὺς κρατοῦντας [**A B S**^{2} -ταιοῦντας] ἰσχύν (4 *c*)
Ps. 55 (56). *tit.* ὁπότε ἐκράτησαν αὐτὸν οἱ ἀλλόφυλοι ἐν Γέθ (2 *a*)
72 (73). 6. ἐκράτησεν αὐτοὺς ἡ ὑπερηφανία (13)
— 23. ἐκράτησας τῆς χειρὸς τῆς δεξιᾶς μου (2 *a*)
136 (137). 9. μακάριος ὃς κρατήσει (2 *a*)
Pr. 8. 16. τύραννοι δι' ἐμοῦ κρατοῦσι γῆς (16?)
12. 24. χεὶρ ἐκλεκτῶν κρατήσει εὐχερῶς [**A** ἐχθρῶν] (11)
14. 18. οἱ δὲ πανοῦργοι κρατήσουσιν αἰσθήσεως (8)
16. 32. ὁ δὲ κρατῶν ὀργῆς (11)
17. 2. κρατήσει δεσποτῶν [**S**^{1} -ην] ἀφρόνων (11)
18. 21. οἱ δὲ κρατοῦντες αὐτῆς ἔδονται (1)
24. 27 (30. 4). **B S** τίς ἐκράτησε τῶν [**A R** πάντων τῶν] ἄκρων τῆς γῆς (15)
26. 17. ὥσπερ ὁ κρατῶν κέρκου κυνός (6 *c*)
28. 22. οὐκ οἶδεν ὅτι ἐλεήμων κρατήσει αὐτοῦ (5)
Ec. 2. 3. τοῦ κρατῆσαι [**S**^{2} κρατεῖν] ἐπ' εὐφροσύνῃ (2 *a*)
9. 12. **S**^{2} οὕτως κρατηθήσονται –
Ca. 3. 4. ἐκράτησα αὐτόν (2 *a*)
7. 8 (9). κρατήσω τῶν ὑψέων αὐτοῦ (2 *a*)
Wi. 3. 8. κρατήσουσι λαῶν
6. 2. ἐνωτίσασθε, οἱ κρατοῦντες πλήθους
10. 2. ἔδωκέ τε αὐτῷ ἰσχὺν κρατῆσαι ἁπάντων [**S**^{2} ἀπὸ πάντων]
14. 19. ὁ μὲν γὰρ τάχα κρατοῦντι βουλόμενος ἀρέσαι
Si. 1. 19. δόξαν κρατούντων αὐτῆς [**S** -ην] ἀνύψωσε
4. 13. ὁ κρατῶν αὐτῆς κληρονομήσει δόξαν
10. 13. ὁ κρατῶν αὐτῆς ἐξομβρήσει βδέλυγμα
21. 14. πᾶσαν γνῶσιν οὐ κρατήσει
25. 11. ὁ κρατῶν αὐτοῦ τίνι ὁμοιωθήσεται
Si. 26. 7. ὁ κρατῶν αὐτῆς ὡς ὁ δρασσόμενος σκορπίου
27. 3. ἐὰν μὴ ἐν φόβῳ κυρίου κρατήσῃ κατὰ σπουδήν
28. 22. οὐ μὴ κρατήσῃ [**S** -σει] εὐσεβῶν
38. 25. τί σοφισθήσεται [**A** τίς ὀφθήσεται] ὁ κρατῶν ἀρότρου
Am. 2. 14. **A**^{2}**B** οὐ μὴ κρατήσῃ τῆς ἰσχύος αὐτοῦ (4 *a*)
Na. 2. 1 (2). σκόπευσον ὁδὸν κράτησον ὀσφύος (6 *b*)
Hb. 1. 10. βαλεῖ χῶμα καὶ κρατήσει αὐτοῦ (9)
Is. 32. 17. κρατήσει ἡ δικαιοσύνη ἀνάπαυσιν (12?)
41. 13. ἐγὼ ὁ θεὸς ὁ κρατῶν τῆς δεξιᾶς σου (6 *c*)
42. 6. κρατήσω τῆς χειρός σου (6 *c*)
45. 1. οὗ [**S**^{1} οὐκ] ἐκράτησα [**A** -ας] τῆς δεξιᾶς (6 *c*)
Je. 6. 23. τόξον καὶ ζιβύνην κρατήσουσιν (6 *c*)
20. 7. ἐκράτησας καὶ ἠδυνάσθης [**S** *al.*] (6 *a*)
Ba. 4. 1. πάντες οἱ κρατοῦντες αὐτήν [**A** -ῆς]
Ez. 7. 13. ἄνθρωπος ἐν ὀφθαλμῷ ζωῆς αὐτοῦ οὐ κρατήσει (6 *d*)
21. 11 (16). ἔδωκεν αὐτὴν ἑτοίμην τοῦ κρ. χεῖρα αὐτοῦ (17)
22. 14. εἰ κρατήσουσιν αἱ χεῖρές σου (6 *a*
Da. LXX. 4. 29. κρατήσει τῆς δόξης σου -
— 34 (33). ἐν τῷ λαῷ μου ἐκράτησα (18?)
11. 43. κρατήσει τοῦ τόπου τοῦ χρυσίου (11)
Da. TH. 5. 12. καὶ ἀναγγέλλων κρατούμενα (3)
10. 8. οὐκ ἐκράτησα ἰσχύος (14)
11. 2. μετὰ τὸ κρατῆσαι αὐτὸν τοῦ πλούτου αὐτοῦ (6 *e*)
— 6. οὐ κρατήσει ἰσχύος βραχίονος (14)
Bel 19. ἐκράτησε τὸν βασιλέα
I Ma. 1. 2. καὶ ἐκράτησεν ὀχυρωμάτων
2. 10. καὶ οὐκ ἐκράτησε τῶν σκύλων αὐτῆς
10. 52. καὶ ἐκράτησα [**S**^{1} -ας] τῆς ἀρχῆς
11. 49. **S**^{1} ἐκράτησαν [**A R** ἐκέκραξαν, **S**^{2} ἔκραξαν] πρὸς τὸν βασ.
14. 6. ἐκράτησε τῆς χώρας
15. 7. τὰ ὀχυρώματα . . . ὧν κρατεῖς
— 9. **S R** ὡς [**S**^{1} ὧν] δ' ἂν κρατήσωμεν [**A** καταστήσωμεν] τῆς βασιλείας ἡμῶν
— 33. οὔτε ἀλλοτρίων κεκρατήκαμεν
II Ma. 4. 10. καὶ τῆς ἀρχῆς κρατήσας
— 27. ὁ δὲ Μεν. τῆς μὲν ἀρχῆς ἐκράτει
— 50. διὰ τὰς τῶν κρατούντων πλεονεξίας
5. 7. τῆς μὲν ἀρχῆς οὐκ ἐκράτησε
14. 2. κεκρατηκέναι τῆς χώρας
15. 37. κρατηθείσης τῆς πόλεως ὑπὸ τῶν Ἑβρ.
III Ma. 1. 1. τῶν ὑπ' αὐτοῦ κρατουμένων τόπων
5. 27. κατὰ πάντα ἀγνωσία κεκρατημένος
6. 25. **R** τίς τοὺς κρατήσαντας [**A** τοῦ κρ.] ἡμῶν . . . ἀποστήσας
IV Ma. 1. 5. εἰ τῶν παθῶν ὁ λογισμὸς κρατεῖ
— 6. οὐ γὰρ τῶν ἑαυτοῦ παθῶν ὁ λογισμὸς κρατεῖ
2. 6. τῶν ἐπιθυμιῶν κρατεῖν δύναται ὁ λογισμός
— 9. ὑπὸ τοῦ νόμου κρατεῖται διὰ τὸν λογισμόν
— 9. τῶν παθῶν ἐστιν ὁ λογισμὸς κρατῶν
— 10. ὁ γὰρ νόμος καὶ τῆς πρὸς γονεῖς εὐνοίας κρατεῖ
— 15. **A S** τῶν βιαιοτέρων δὲ παθῶν κρατεῖν [**R** ἐπικρ.]
— 20. εἰ μὴ γὰρ ἐδύνατο τῶν θυμῶν ὁ λογισμὸς κρατεῖν
— 24. **A R** πῶς οὖν . . . εἰ τῶν παθῶν ὁ λογισμὸς κρατεῖ λήθης καὶ ἀγνοίας οὐ κρατεῖ [**S** *om.* κρατεῖ . . . κρ.]
3. 1. ὁ λογισμὸς ἐπικρατεῖν [**S**^{2} κρ.] φαίνεται
5. 23. ὥστε πασῶν τῶν ἡδονῶν . . . κρατεῖν
6. 32. εἰ γὰρ τὰ πάθη τοῦ λογισμοῦ κεκρατήκει
— 35. **AR** τῶν ἀληγδόνων ἐπιδείκνυμι κεκρατηκέναι [**S** κρατεῖν] τὸν λογισμὸν ἀλλὰ καὶ τῶν ἡδονῶν κρατεῖν
7. 18. δύνανται κρατεῖν τῶν τῆς σαρκὸς παθῶν
14. 1. τῆς . . . φιλαδελφίας παθῶν κρατῆσαι
15. 26. δύο ψήφους κρατοῦσα μήτηρ
16. 2. **S** οὐ μόνον τῶν παθῶν ἄνδρες ἐκράτησαν [**A R** ἐπεκρ.]

[Aq. Ps. 55 (56). 1: Ca. 7. 8 (9): Je. 8. 21: 46 (26). 9.]
[Sm. Ge. 22. 13: 49. 3: II Ki. 5. 8: Ec. 9. 11: Is. 33. 23: Je. 8. 21: 46 (26). 9: 52. 6: Ez. 26. 17.]
[Th. Je. 23. 11: Ps. 76 (77). 5: Da. 5. 12†: 11. 2, 6.]
[Al. Dt. 32. 41: Pr. 31. 19.]
[Quint. Ps. 55 (56). 1.]

κρατερός.

[Sm. Ps. 48 (49). 15.]

κρατήρ. (1) אַגָּן (2) גָּבִיעַ

Ex. 24. 6. ἐνέχεεν εἰς κρατῆρας [A -ρα] (1)
25. 30 (31). οἱ κρ. . . . ἐξ αὐτῆς ἔσται (2)
— 32 (33). τρεῖς κρατῆρες ἐκτετυπωμένοι καρυΐσκους (2)
— 33 (34). τέσσαρες κρατῆρες ἐκτετυπωμένοι καρυΐσκους (2)
— 34 (35). τέσσαρες κρατῆρες ἐκτετυπωμένοι καρυΐσκους –
Pr. 9. 2. ἐκέρασεν εἰς κρατῆρα τὸν ἑαυτῆς οἶνον –
— 3. συγκαλοῦσα μετὰ ὑψηλοῦ κηρύγματος ἐπὶ κρατῆρα †
Ca. 7. 2 (3). ὀμφαλός σου κρατὴρ τορευτός (1)
[Sm. Is. 51. 17, 22: Je. 13. 12: 48 (31). 12.]

κράτησις.

Wi. 6. 3. ἐδόθη παρὰ τοῦ κυρίου ἡ κρ. ὑμῖν

κράτιστος, *vid.* κρείσσων.

κράτος. (1) אֵיתָן (2) אַמִּיץ (3) גְּאוּת (4) *a.* חָזַק hi. *b.* חִזָּקָה (5) *a.* חֹסֶן *b.* עֹז (6) עוֹ (7) *a.* עָצֶם *b.* עֹצֶם *b.* חֵסֶן (8) רֶשֶׁף (9) תְּקֹף

Ge. 49. 24. συνετρίβη μετὰ κράτους τὰ τόξα αὐτῶν (1)
De. 8. 17. καὶ τὸ κρ. τῆς χειρός μου (7 *b*)
Jd. 4. 3. ἔθλιψε τὸν Ἰσρ. κατὰ κράτος (4 *b*)
II Es. 8. 22. καὶ κράτος αὐτοῦ καὶ θυμὸς αὐτοῦ (6)
Ju. 2. 12. καὶ τὸ κρ. τῆς βασιλείας μου
5. 3. ἐν τίνι τὸ κρ. αὐτῶν
— 23. ἐν ᾧ οὐκ ἔστι δύναμις οὐδὲ κράτος
6. 3. ἀποστελεῖ τὸ κρ. αὐτοῦ
— 3. οὐχ ὑποστήσονται τὸ κρ. τῶν ἵππων ἡμῶν
9. 8. κάταξον τὸ κρ. αὐτῶν
— 9. δὸς . . . ὃ διενοήθην κράτος
— 11. οὐ γὰρ ἐν πλήθει τὸ κρ.
— 14. θεὸς πάσης δυνάμεως καὶ κράτους
11. 7. καὶ ζῇ τὸ κρ. αὐτοῦ
— 22. τοῦ γενηθῆναι ἐν χερσὶν ἡμῶν κράτος
13. 11. καὶ κράτος κατὰ τῶν ἐχθρῶν
Jb. 9. 19. ὅτι μὲν γὰρ ἰσχύει κράτει [? -εῖ, A S ἰσχύϊ κρατεῖ] (2)
12. 16. παρ' αὐτῷ κράτος καὶ ἰσχύς (6)
21. 23. ἐν κράτει ἁπλοσύνης [AS^4 ἀφροσύνης] αὐτοῦ (7 *a*)
Ps. 58 (59). 9. τὸ κρ. μου πρὸς σὲ φυλάξω (6)
61 (62). 11. τὸ κρ. τοῦ θεοῦ (6)
75 (76). 3. ἐκεῖ συνέτριψε τὰ κρ. τῶν τόξων (8)
85 (86). 16. δὸς τὸ κρ. σου τῷ παιδί σου (6)
88 (89). 9. σὺ δεσπόζεις τοῦ κρ. τῆς θαλάσσης (3)
89 (90). 11. τίς γινώσκει τὸ κρ. τῆς ὀργῆς σου (6)
Pr. 27. 24. οὐ τὸν αἰῶνα ἀνδρὶ κράτος (5 *a* ?)
Wi. 11. 21. κράτει βραχίονός σου τίς ἀντιστήσεται
12. 17. S^2 ἐν τοῖς εἰδόσι σου τὸ κρ. [A B S^1 *al.*]
15. 2. εἰδότες σου τὸ κρ. [S^1 κρίμα]
— 3. εἰδέναι σου τὸ κρ. ῥίζα ἀθανασίας
Si. 18. 5. κράτος μεγαλωσύνης αὐτοῦ τίς ἐξαριθμήσεται
29. 13. ὑπὲρ ἀσπίδα κράτους . . . πολεμήσει ὑπὲρ σοῦ
47. 5. ἔδωκεν ἐν τῇ δεξιᾷ αὐτοῦ κράτος
Is. 22. 21. τὸν στέφανόν σου δώσω αὐτῷ κατὰ [A S καὶ τὸ] κρ. †
40. 26. ἐν κράτει ἰσχύος αὐτοῦ οὐδέν σε ἔλαθε (2)
Da. LXX. 4. 27. ἐν ἰσχύϊ κράτους μου (5 *b*)
Da. TH. 4. 27. ἐν τῷ κρ. τῆς ἰσχύος μου (9)
11. 1. ἔστην εἰς κράτος καὶ ἰσχύν (4 *a*)
II Ma. 3. 34. τὸ μεγαλεῖον τοῦ θεοῦ κράτος
7. 17. θεώρει τὸ μεγαλεῖον αὐτοῦ κράτος
9. 17. καταγγέλλοντα τὸ τοῦ θεοῦ κρ.
11. 4. οὐδαμῶς ἐπιλογιζόμενος τὸ τοῦ θεοῦ κρ.
12. 28. B τὸν μετὰ κράτους συντρίβοντα τὰς . . . ἀλκάς [A ὁλκάς]
III Ma. 1. 27. τὸν πᾶν κρ. ἔχοντα
2. 6. ἐγνώρισας τὸ μέγα σου κρ.
3. 11. οὐ καθορῶν τὸ τοῦ μεγίστου θεοῦ κρ.
5. 13. δεῖξαι . . . κράτος ἔθνεσιν ὑπερηφάνοις
6. 5. ἔκδηλον δεικνὺς . . . τὸ σὸν κρ.
IV Ma. 6. 34. τὸ κρ. εἶναι τοῦ λογισμοῦ
[Aq. GE. 49. 3: II KI. 6. 14: PS. 8. 3: 27 (28). 7: 28 (29). 1, 11: 60 (61). 4: 61 (62). 8: 77 (78). 61: 98 (99). 4: 150. 1: PR. 18. 10, 19: Is. 26. 1: 51. 9.]
[Sm. Ps. 8. 3: 29 (30). 8: PR. 8. 14: 24. 5: Is. 8. 11: 40. 26, 29: 42. 25: 51. 9: EZ. 34. 4.]
[Th. JB. 21. 23: PR. 10. 15: 18. 10: Is. 28. 6: 40. 26: 42. 25: 51. 9.]
[Al. GE. 49. 3: Ps. 131 (132). 8: 139 (140). 8: Ez. 34. 4.]

κρατύνειν.

Wi. 14. 16. ἐν χρόνῳ κρατυνθὲν τὸ ἀσεβὲς ἔθος [S^1 ἔθνος]
[Sm. Ps. 26 (27). 14: 30 (31). 25: 63 (64). 6: Is. 35. 3.]
[Th. Ez. 27. 27.]
[Quint. Ps. 27 (28). 7.]

κραυάζειν (?).

To. 2. 13. A ἤρξατο κρ. [B S κράζειν]

κραυγάζειν. (1) רוּעַ hi.

II Es. 3. 13. ὁ λαὸς ἐκραύγασε φωνῇ μεγάλῃ (1)
[Sm. JB. 19. 7.]

κραυγή (κραυή). (1) בְּכִי (2) הֲנִיג (3) *a.* זַעַק *b.* זְעָקָה (4) מְרוֹם (5) צְוָחָה (6) צְעָקָה (7) קוֹל (8) רֵעַ (9) רַעַם (10) שְׁאוֹן (11) *a.* שָׁוַע pi. *b.* שַׁוְעָה (12) תְּרוּעָה

Ge. 18. 20. κραυγὴ Σοδόμων . . . πεπλήθυνται (3 *b*)
— 21. εἰ κατὰ τὴν κρ. αὐτῶν . . . συντελοῦνται (6)
19. 13. ὑψώθη ἡ κρ. αὐτῶν (6)
Ex. 3. 8 (7). τῆς κρ. αὐτῶν ἀκήκοα (6)
— 9. κραυγὴ τῶν υἱῶν Ἰσρ. ἥκει πρός μέ (6)
11. 6. ἔσται κραυγὴ μεγάλη (6)
12. 30. ἐγενήθη κραυγὴ μεγάλη (6)
I Ki. 4. 6. ἤκουσαν οἱ ἀλλόφυλοι [A *add.* τὴν φωνὴν] τῆς κρ. (12)
— 6. τίς ἡ κρ. [A *add.* τοῦ ἀλαλαγμοῦ] ἡ μεγάλη αὕτη (12)
5. 12. ἀνέβη ἡ κρ. τῆς πόλεως εἰς τὸν οὐρανόν (11 *b*)
II Ki. 6. 15. μετὰ κραυγῆς καὶ μετὰ φωνῆς σάλπιγγος (12)
22. 7. καὶ ἡ κρ. μου ἐν τοῖς ὠσὶν αὐτοῦ (11 *b*)
III Ki. 12. 24. B ἐξῆλθεν ἡ κρ. εἰς ἀπαντήν –
I Es. 5. 63. μετὰ κραυγῆς καὶ κλαυθμοῦ μεγάλου
Ne. 5. 1. ἦν κραυγὴ τοῦ λαοῦ . . . μεγάλη (6)
— 6. καθὼς ἤκουσα τὴν κρ. αὐτῶν (3 *b*)
9. 9. καὶ τὴν κρ. αὐτῶν ἤκουσας (3 *b*)
Ju. 14. 19. καὶ ἐγένετο αὐτῶν κραυγή
Es. 4. 3. κραυγὴ καὶ κοπετός (1 ?)
Jb. 16. 19. μηδὲ εἴη τόπος τῇ κρ. [A τῆς κρ.] μου (4 ?)
34. 28. τοῦ ἐπαγαγεῖν ἐπ' αὐτὸν κραυγὴν πενήτων [A -ος] καὶ κραυγὴν πτωχῶν εἰσακούσεται (6, 6)
39. 25. σὺν ἅλματι καὶ κραυγῇ [S^1 *al.*] (12)
Ps. 5. 1. σύνες τῆς κρ. [A τῇ κρ.] μου (2)
9. 12. S οὐκ ἐπελάθετο τῆς κρ. [A φωνῆς, B δεήσεως] τῶν πενήτων (6)
17 (18). 6. ἡ κρ. μου ἐνώπιον αὐτοῦ εἰσελεύσεται (11 *b*)
101 (102). 1. ἡ κρ. μου πρὸς σὲ ἐλθάτω (11 *b*)
143 (144). 14. οὐδὲ κραυγὴ ἐν ταῖς ἐπαύλεσιν [S^2 πλατείαις] αὐτῶν (5)
Ec. 9. 17. ὑπὲρ κραυγὴν ἐξουσιαζόντων (3 *b*)
Am. 1. 14. καταφάγεται . . . μετὰ κραυγῆς (12)
2. 2. ἀποθανεῖται . . . μετὰ κραυγῆς (10)
Jn. 1. 2. ἀνέβη ἡ κρ. τῆς κακίας αὐτῆς πρὸς μέ –
2. 3. εἰσήκουσέ μου . . . κραυγῆς μου (11 *a*)
Ze. 1. 10. φωνὴ κραυγῆς ἀπὸ πύλης ἀποκεντούντων (6)
— 16. ἡμέρα σάλπιγγος καὶ κραυγῆς (12)
Is. 5. 7. οὐ δικαιοσύνην ἀλλὰ κραυγήν (6)
29. 6. A ἐπισκοπὴ γὰρ ἔσται μετὰ κραυγῆς [B S βροντῆς] (9)
30. 19. τὴν φωνὴν τῆς κρ. σου ἡνίκα εἶδεν (3 *a*)
58. 4. ἀκουσθῆναι ἐν κραυγῇ τὴν φωνὴν ὑμῶν (4 ?)
65. 19. φωνὴ κλαυθμοῦ καὶ φωνὴ κραυγῆς (3 *b*)
66. 6. A B S^2 φωνὴ κραυγῆς ἐκ πόλεως (10)
Je. 4. 19. κραυγὴν πολέμου καὶ ταλαιπωρίαν (12)
8. 19. ἰδοὺ φωνὴ κραυγῆς θυγατρὸς λαοῦ μου (11 *b*)
14. 2. ἡ κρ. τῆς Ἱερουσαλὴμ ἀνέβη (5)
18. 22. γενηθήτω κρ. ἐν ταῖς οἰκίαις αὐτῶν (3 *b*)
20. 16. ἀκουσάτω κραυγῆς τὸ πρωΐ (3 *b*)
26 (46). 12. τῆς κρ. σου ἐπλήσθη ἡ γῆ (5)
Je. 27 (50). 46. κρ. ἐν ἔθνεσιν ἀκουσθήσεται (3 *b*)
28 (51). 54. φωνὴ κραυγῆς ἐν Βαβυλῶνι (3 *b*)
29 (49). 21. κρ. θαλάσσης οὐκ [A κρ. σου ἐν θαλάσσῃ] ἠκούσθη (6)
31 (48). 5. κραυγὴν συντρίμματος ἠκούσατε [S -σα] (6)
— 34. αἵδε ἀπὸ [S^1 ἐπὶ] κραυγῆς Ἐσ. ἕως Αἰτάμ (3 *b*)
32 (25). 36. φωνὴ κραυγῆς τῶν ποιμένων (6)
38 (31). 35. ὁ δοὺς . . . κραυγὴν ἐν θαλάσσῃ (8)
Ez. 21. 22 (27). ὑψῶσαι φωνὴν μετὰ κραυγῆς (12)
27. 28. πρὸς τὴν κρ. τῆς φωνῆς [A π. τ. φωνὴν τῆς κρ.] σου (7 [3 *b*])
— 30. A ἀλλάξονται ἐπὶ σὲ τὴν κρ. αὐτῶν [B *al.*] (7)
Da. TH. Su. 26. ὡς δὲ ἤκουσαν τὴν κρ. ἐν τῷ παραδείσῳ
I Ma. 5. 31. AS ἡ κρ. τῆς πόλεως ἀνέβη . . . σάλπιγξι καὶ κρ. [B φωνῇ] μεγάλῃ
II Ma. 12. 37. καταρξάμενος . . . τὴν μεθ' ὕμνων κρ.
15. 29. γενομένης δὲ κρ. καὶ ταραχῆς
III Ma. 1. 16. κραυγῆς τε . . . τὸ ἱερὸν ἐμπλησάντων
— 28. ἐκ δὲ τῆς . . . τῶν ὄχλων συναγομένης κρ.
6. 23. ἀκούσας γὰρ τῆς κρ.
[Aq. Is. 15. 5, 8.]
[Sm. Ec. 9. 17: Is. 15. 8: Je. 48 (31). 34.]
[Th. Is. 15. 8: 32. 4.]

κρεάγρα. (1) יָעַ (2) *a.* מִזְלָג *b.* מַזְלֵג (3) סִיר

Ex. 27. 3. τὰς κρ. αὐτοῦ . . . ποιήσεις χαλκᾶ (2 *a*)
38. 23 (3). ἐποίησε . . . τὰς κρ. χαλκᾶς (2 *a*)
Nu. 4. 14. τὰ πυρεῖα καὶ τὰς κρ. (2 *a*)
I Ki. 2. 13. καὶ κρεάγρα τριόδους ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ (2 *b*)
— 14. ὃ ἐὰν ἀνέβῃ ἐν τῇ κρ. (2 *b*)
I Ch. 28. 17. καὶ τῶν κρ. καὶ σπονδείων (2 *a*)
II Ch. 4. 11. ἐποίησε Χ. τὰς κρ. (3)
— 16. τοὺς λέβητας καὶ τὰς κρ. (2 *a*)
Je. 52. 18. τὰς κρ. καὶ πάντα τὰ σκεύη τὰ χαλκᾶ (1 ?)

κρεανομεῖν. (1) נָתַח pi.

Le. 8. 19. τὸν κριὸν ἐκρεανόμησε κατὰ μέλη (1)

κρέας. (1) בָּשָׂר

Ge. 9. 4. κρέας ἐν αἵματι ψυχῆς οὐ φάγεσθε (1)
Ex. 12. 8. φάγονται τὰ κρ. . . . ὀπτὰ πυρί (1)
— 46. A οὐ καταλείψετε ἀπὸ τῶν κρ. –
— 46. οὐκ ἐξοίσετε . . . τῶν κρ. ἔξω (1)
16. 3. ἐπὶ τῶν λεβήτων τῶν κρ. (1)
— 8. ἐσπέρας κρέα φαγεῖν (1)
— 12. τὸ πρὸς ἑσπέραν ἔδεσθε κρέα (1)
21. 28. οὐ βρωθήσεται τὰ κρ. αὐτοῦ (1)
22. 31 (30). κρέας θηριάλωτον οὐκ ἔδεσθε (1)
29. 14. τὰ δὲ κρέα . . . κατακαύσεις (1)
— 31. ἑψήσεις τὰ κρ. ἐν τόπῳ ἁγίῳ (1)
— 32. ἔδονται . . . τὰ κρ. τοῦ κριοῦ (1)
— 34. ἐὰν δὲ καταλειφθῇ ἀπὸ τῶν κρ. (1)
Le. 6. 27 (20). πᾶς ὁ ἁπτόμενος τῶν κρ. αὐτῆς (1)
7. 5 (15). τὰ κρ. θυσίας αἰνέσεως σωτηρίου (1)
— 7 (17). τὸ καταλειφθὲν ἀπὸ τῶν κρ. τῆς θυσίας (1)
— 8 (18). ἐὰν δὲ φαγὼν φάγῃ ἀπὸ τῶν κρ. (1)
— 9 (19). κρέα ὅσα ἐὰν ἅψηται παντὸς ἀκαθάρτου (1)
— 9 (19). πᾶς καθαρὸς φάγεται κρέα (1)
— 10 (20). ἥτις ἐὰν φάγῃ ἀπὸ τῶν κρ. τῆς θυσίας (1)
— 11 (21). καὶ φάγῃ ἀπὸ τῶν κρ. τῆς θυσίας (1)
8. 17. A καὶ τὰ κρ. αὐτοῦ –
— 17. καὶ τὰ κρ. αὐτοῦ (1)
— 31. ἑψήσατε τὰ κρ. ἐν τῇ αὐλῇ τῆς σκηνῆς (1)
— 32. τὸ καταλειφθὲν τῶν κρ. (1)
9. 11. τὰ κρ. καὶ τὴν βύρσαν (1)
11. 8. ἀπὸ τῶν κρ. αὐτῶν οὐ φάγεσθε (1)
— 11. ἀπὸ τῶν κρ. αὐτῶν οὐκ ἔδεσθε (1)
16. 27. καὶ τὰ δέρματα αὐτῶν καὶ τὰ κρ. αὐτῶν (1)
22. 30. οὐκ ἀπολείψετε ἀπὸ τῶν κρ. εἰς τὸ πρωΐ †
Nu. 11. 4. τίς ἡμᾶς ψωμιεῖ κρέα [B^1 κρέας] (1)
— 13. πόθεν μοι [A *om.*] κρέα (1)
— 13. δὸς ἡμῖν κρέα (1)
— 18. καὶ φάγεσθε κρέα (1)
— 18. τίς ἡμᾶς ψωμιεῖ κρέα (1)
— 18. δώσει κύριος ὑμῖν κρέα φαγεῖν καὶ φάγεσθε κρέα (1, –)
— 20. ἕως ἂν ἐξέλθῃ ἐκ τῶν μυκτήρων ὑμῶν [B^1 *add.* κρέα] –
— 21. κρέα [A^2-ας] δώσω αὐτοῖς φαγεῖν [A^2 *om.*] (1)

Nu. 11. 33. τὰ κρ. ἔτι ἦν ἐν τοῖς ὀδοῦσιν αὐτῶν (1)
18. 18. τὰ κρ. ἔσται σοι (1)
19. 5. τὸ δέρμα καὶ τὰ κρ. αὐτῆς (1)
De. 12. 15. καὶ φάγῃ κρέα (1)
— 20. φάγομαι κρέα (1)
— 20. ὥστε φαγεῖν κρέα (1)
— 20. φάγῃ κρέα (1)
— 23. οὐ βρωθήσεται ἡ ψυχὴ μετὰ τῶν κρ. (1)
— 27. A R τὰ κρ. ἀνοίσεις ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον (1)
— 27. τὰ δὲ κρ. φάγῃ (1)
14. 8. ἀπὸ τῶν κρ. αὐτῶν οὐ φάγεσθε (1)
16. 4. οὐ κοιμηθήσεται ἀπὸ τῶν κρ. (1)
28. 53. κρέα υἱῶν σου καὶ θυγατέρων σου (1)
32. 42. R ἡ μάχαιρά μου φάγεται [A καταφ.] κρέα (1)
Jd. 6. 19. τὰ κρ. ἔθηκεν ἐν τῷ κοφίνῳ [A al.] (1)
— 20. λάβε τὰ κρ. (1)
— 21. ἥψατο τῶν κρ. (1)
— 21. κατέφαγε τὰ κρ. (1)
I Ki. 2. 13. ὡς ἂν ἥψηθη τὸ κρέας (1)
— 15. δὸς κρέας ὀπτῆσαι τῷ ἱερεῖ (1)
— 15. A R οὐ μὴ λάβω παρὰ σοῦ κρ. [B om.] ἐφθόν (1)
III Ki. 17. 6. A ἄρτους καὶ κρέας [B om. κ. κρ.] τὸ πρωῒ καὶ ἄρτον [B om. κ. ἄ.] καὶ κρέας [B -α] τὸ δείλης (1, 1)
Jb. 10. 11. δέρμα δὲ καὶ κρέας με ἐνέδυσας (1)
Ps. 49 (50). 13. μὴ φάγομαι κρέα ταύρων (1)
Pr. 23. 20. συμβολαῖς κρεῶν τε ἀγορασμοῖς (1)
Ho. 8. 13. ἐὰν θύσωσι θυσίαν καὶ φάγωσι κρέα (1)
Mi. 3. 3. ἐμέλισαν . . . ὡς κρέα εἰς χύτραν (1)
Hg. 2. 13 (12). ἐὰν λάβῃ ἄνθρωπος κρέας ἅγιον [S¹ ἅγριον] (1)
Za. 11. 16. καὶ τὰ κρ. τῶν ἐκλεκτῶν καταφάγεται (1)
Is. 22. 13. ὥστε φαγεῖν κρέα (1)
44. 16. ἐπ' αὐτοῦ κρ. ὀπτήσας ἔφαγε (1)
— 19. ὀπτήσας κρέα [A S -ας] ἔφαγε (1)
65. 4. οἱ ἔσθοντες κρ. ὕειον [A S κρέα ὑΐα] (1)
66. 17. ἔσθοντες κρέας [AS² -α] ὕειον [S¹ -α, S³ -ων] (1)
Je. 7. 21. φάγετε κρέα (1)
11. 15. μὴ εὐχαὶ καὶ κρέα ἅγια ἀφελοῦσιν (1)
37 (30). 16. κρέας αὐτῶν πᾶν ἔδονται †
Ez. 4. 14. R οὐδὲ εἰσελήλυθεν εἰς τὸ στόμα μου πᾶν κρ. ἕωλον [A²B¹ βέβηλον] (1)
11. 3. ἡμεῖς δὲ τὰ κρ. (1)
— 7. οὗτοί εἰσι τὰ κρ. (1)
— 11. A οὐ μὴ γένησθε ἐν μέσῳ αὐτῆς εἰς κρέα (1)
24. 10. ὅπως τακῇ [A ἐκτ.] τὰ κρ. (1)
39. 17. φάγεσθε κρέα (1)
— 18. κρέα γιγάντων φάγεσθε (1)
Da. LXX., TH. 10. 3. κρέας . . . οὐκ εἰσῆλθεν εἰς τὸ στόμα μου (1)
II Ma. 6. 18. ἠναγκάζετο φαγεῖν ὕειον κρ.
— 21. ἐνέγκαντα κρέα . . . δι' αὐτοῦ παρασκευασθέντα
— 21. τῶν ἀπὸ τῆς θυσίας κρ.
7. 1. ἀπὸ τῶν ἀθεμίτων ὑείων κρ. ἐφάπτεσθαι
IV Ma. 5. 2. καὶ κρ. ὑείων . . . ἀπογεύεσθαι
[Aq. GE. 41. 2: DT. 5. 26 (23): III KI. 17. 6 *bis*: JB. 12. 10: 19. 20: PS. 26 (27). 2: 77 (78). 20.]
[Sm. III KI. 17. 6 *bis*: PS. 77 (78). 20: IS. 66. 17.]
[Th. III KI. 17. 6 *bis*: PR. 23. 20.]

κρείσσων, κρείττων, κράτιστος. (1) גִּבֹּר (2) *a.* טוֹב *b.* מֵיטָב (3) נָעִים (4) κράτιστος εἶναι שָׁפַר (5) κρείττων εἶναι נָעַם

Ex. 14. 12. κρεῖσσον γὰρ ἡμᾶς δουλεύειν τοῖς Αἰγ. (2 *a*)
Jd. 8. 2. B ἢ οὐχὶ κρεῖσσον [A κρείττω, R κρειττων] ἐπιφυλλὶς Ἐφρ. (2 *a*)
11. 25. A μὴ κρείσσων εἶ σὺ τοῦ B. [B *al.*] (2 *a*)
15. 2. A οὐκ ἰ. ἡ ἀδελφὴ αὐ. . . . κρ. [B *al.*] (2 *a*)
I Ki. 15. 15. τὰ κράτιστα τοῦ ποιμνίου καὶ τῶν βοῶν (2 *b*)
III Ki. 19. 4. οὐ κρείσσων ἐγώ εἰμι ὑπὲρ τοὺς πατέρας μου (2 *a*)
Ju. 7. 27. AS κρεῖσσον γὰρ ἡμᾶς [B -ἶν] γενηθῆναι αὐτοῖς
Es. 1. 19. δότω ὁ βασ. γυναικὶ κρείττονι αὐτῆς (2 *a*)
Ps. 15 (16). 6. σχοινία ἐπέπεσάν [S ἔπεσάν] μοι ἐν τοῖς κρατίστοις καὶ γὰρ ἡ κληρονομία μου κρατίστη μοί ἐστιν (3, 4)
Ps. 22 (23). 5 (6). μεθύσκον ὡς [S² με ὡσεὶ] κράτιστον (2 *a*)
36 (37). 16. κρεῖσσον ὀλίγον τῷ δικαίῳ (2 *a*)
62 (63). 3. κρεῖσσον τὸ ἔλεός σου ὑπὲρ ζωάς (2 *a*)
83 (84). 10. κρείσσων [A -ον] ἡμέρα μία ἐν ταῖς αὐλαῖς σου (2 *a*)
Pr. 3. 14. κρεῖττον γὰρ αὐτὴν ἐμπορεύεσθαι (2 *a*)
8. 11. κρείσσων γὰρ σοφία λίθων πολυτελῶν (2 *a*)
— 19. κρείσσω [A κρείσσον] ἀργυρίου ἐκλεκτοῦ (2 *a*)
12. 2. κρείσσων ὁ εὑρὼν χάριν παρὰ κυρίῳ (2 *a*)
— 9. κρείσσων ἀνὴρ ἐν ἀτιμίᾳ δουλεύων ἑαυτῷ (2 *a*)
13. 12. A S R κρείσσων ἐναρχόμενος [B -οις, ? ἐν ἀρχ.] βοηθῶν [A S² -θεῖν] καρδίᾳ †
15. 16. κρείσσων μικρὰ μερίς (2 *a*)
— 17. κρείσσων ξενισμὸς . . . πρὸς φιλίαν (2 *a*)
— 29 (16. 8). κρείσσων ὀλίγη λῆψις μετὰ δικαιοσύνης (2 *a*)
16. 19. κρείσσων πραΰθυμος [A πρόθ.] μετὰ ταπεινώσεως (2 *a*)
— 32. κρείσσων ἀνὴρ μακρόθυμος ἰσχυροῦ (2 *a*)
— 32. κρείσσων καταλαμβανομένου πόλιν –
17. 1. κρείσσων ψωμὸς μεθ' ἡδονῆς ἐν εἰρήνῃ (2 *a*)
19. 22. κρείσσων δὲ πτωχὸς δίκαιος (2 *a*)
21. 9. κρεῖσσον οἰκεῖν ἐπὶ γωνίας ὑπαίθρου (2 *a*)
— 19. κρεῖσσον οἰκεῖν ἐν τῇ ἐρήμῳ (2 *a*)
24. 5. κρείσσων σοφὸς ἰσχυροῦ (1)
25. 7. κρεῖσσον γάρ σοι τὸ ῥηθῆναι (2 *a*)
— 24. B S κρεῖττον [A R κρείσσον] οἰκεῖν ἐπὶ γωνίας δώματος (2 *a*)
27. 5. κρείσσους ἔλεγχοι ἀποκεκαλυμμένοι κρυπτομένης φιλίας (2 *a*)
— 10. κρείσσων [A S -ον] φίλος ἐγγὺς ἢ ἀδελφὸς μακρὰν οἰκῶν (2 *a*)
28. 6. κρείσσων πτωχὸς πορευόμενος ἐν ἀληθείᾳ (2 *a*)
29. 1. κρείσσων ἀνὴρ ἐλέγχων ἀνδρὸς σκληροτραχήλου –
Wi. 4. 1. κρείσσων ἀτεκνία μετὰ ἀρετῆς
15. 17. κρείττων [A κρείσσων, S κρεῖσσον] γάρ ἐστι τῶν σεβασμάτων αὐτοῦ
Si. 10. 27. κρείσσων ἐργαζόμενος ἐν πᾶσιν
16. 3. S² κρείσσων γὰρ εἷς δίκαιος ποιῶν θέλημα κυρίου
— 3. κρείσσων γὰρ εἷς ἢ χίλιοι
18. 16. οὕτως κρείσσων λόγος ἢ δόσις
19. 24. κρείττων ἡττώμενος [B² ἠλαττωμένος] ἐν συνέσει
20. 31. κρείσσων [AS κρείττων] ἄνθρωπος ἀποκρύπτων τὴν μωρίαν αὐτοῦ
23. 27. οὐθὲν κρεῖττον φόβου κυρίου
29. 22. κρείσσων [S¹ -ον] βίος πτωχοῦ ὑπὸ σκέπην δοκῶν
30. 14. κρείσσων πτωχὸς ὑγιὴς καὶ ἰσχύων τῇ ἕξει
— 17. κρείσσων θάνατος ὑπὲρ ζωὴν πικράν
— 30 (33. 21). κρεῖσσον γάρ ἐστι τὰ τέκνα δεηθῆναί σου
36. 26 (23). A S R ἔστι δὲ θυγάτηρ θυγατρὸς κρείσσων [B -ον]
40. 28. κρεῖσσον ἀποθανεῖν ἢ ἐπαιτεῖν
41. 15. κρείσσων ἄνθρωπος ἀποκρύπτων τὴν μωρίαν αὐτοῦ
42. 14. κρείσσων πονηρία ἀνδρὸς ἢ ἀγαθοποιὸς γυνή
Am. 6. 2. τὰς κρατίστας ἐκ πασῶν τῶν βασιλειῶν τούτων (2 *a*)
Is. 56. 5. τόπον ὀνομαστὸν κρείττω [A S¹ κρείσσων] υἱῶν (2 *a*)
Ep. Je. 59. κρεῖσσον εἶναι βασιλέα . . . ἢ οἱ ψευδεῖς θεοί
— 68. τὰ θηρία ἐστὶ κρείττω αὐτῶν
— 73. κρ. οὐν ἄνθρωπος δίκαιος οὐκ ἔχων εἴδωλα
Ez. 32. 19. τίνος κρείττων εἶ (5)
Da. LXX. 1. 15. ἡ ἕξις τοῦ σώματος κρείσσων τῶν ἄλλων νεανίσκων (1 ?)
I Ma. 3. 59. κρεῖσσον ἡμᾶς ἀποθανεῖν
13. 5. οὐ γάρ εἰμι κρείσσων τῶν ἀδελφῶν μου
II Ma. 3. 2. τὸ ἱερὸν ἀποστολαῖς ταῖς κρατίσταις δοξάζειν
4. 12. τοὺς κρατίστους τῶν ἐφήβων
III Ma. 1. 2. τῶν . . . ὅπλων Πτολεμαϊκῶν τὰ κράτιστα
[Sm. PR. 8. 19.]
[Th. JD. 11. 25: 15. 2.]
[Al. PS. 44 (45). 13.]
[Sext. PS. 22 (23). 6.]

κρεμάζειν, κρεμᾶν, κρεμαννύναι. (1) חָזַק (2) נָתַן hoph. (3) תָּלָא (4) תָּלָה *a.* qal. *b.* ni. *c.* pi.

Ge. 40. 19. κρεμάσει σε ἐπὶ ξύλου (4 *a*)
— 22. τὸν δὲ ἀρχισιτοποιὸν ἐκρέμασε (4 *a*)
41. 13. ἐκεῖνον δὲ κρεμασθῆναι (4 *a*)
De. 21. 22. καὶ κρεμάσητε [A -σῃ] αὐτὸν ἐπὶ ξύλου (4 *a*)
— 23. πᾶς κρεμάμενος ἐπὶ ξύλου (4 *a*)
28. 66. ἔσται ἡ ζωή σου κρεμαμένη [A κεκραμένη] (3)
Jo. 8. 29. τὸν βασιλέα τῆς Γαὶ ἐκρέμασεν (4 *a*)
10. 26. ἐκρέμασεν αὐτοὺς ἐπὶ πέντε ξύλων καὶ ἦσαν κρεμάμενοι ἐπὶ τῶν ξύλων (4 *a*, 4 *a*)
II Ki. 4. 12. καὶ ἐκρέμασαν αὐτούς (4 *a*)
18. 9. B ἐκρεμάσθη [A R περιεπλάκη] ἡ κεφαλὴ αὐτοῦ (1)
— 9. ἐκρεμάσθη ἀνὰ μέσον τοῦ οὐρανοῦ (2)
— 10. ἑώρακα τὸν Ἀβ. κρεμάμενον (4 *a*)
I Es. 6. 32. καὶ ἐπ' αὐτοῦ [A ἐπὶ τούτῳ] κρεμασθῆναι
Ju. 8. 24. ἐξ ἡμῶν κρέμαται ἡ ψυχὴ αὐτῶν
14. 1. κρεμάσατε αὐτὴν ἐπὶ τῆς ἐπάλξεως
— 11. ἐκρέμασαν τὴν κεφαλὴν Ὀλ. ἐκ τοῦ τείχους
Es. 2. 23. καὶ ἐκρέμασεν αὐτούς (4 *b*)
5. 14. κρεμασθήτω Μαρδ. ἐπὶ τοῦ ξύλου (4 *a*)
6. 4. εἰπεῖν τῷ βασ. κρεμάσαι τὸν Μαρδ. (4 *a*)
7. 10. καὶ ἐκρεμάσθη Ἀμάν (4 *a*)
8. 7. καὶ αὐτὸν ἐκρέμασα (4 *a*)
9. 13. ὥστε τοὺς δέκα [A *om.*] υἱοὺς Ἀ. κρεμάσαι [A -ασθῆναι] (4 *a*)
— 14. τὰ σώματα τῶν υἱῶν Ἀ. κρεμάσαι (4 *a*)
— 25. λέγων κρεμάσαι τὸν Μαρδ. –
— 25. καὶ ἐκρεμάσθη αὐτός (4 *a*)
Jb. 26. 7. κρεμάζων [A κρεμνῶν] γῆν ἐπὶ οὐδενός (4 *a*)
Ps. 136 (137). 2. ἐκρεμάσαμεν τὰ ὄργανα ἡμῶν (4 *a*)
Ca. 4. 4. χίλιοι θυρεοὶ κρέμανται ἐπ' αὐτόν (4 *a*)
La. 5. 12. ἄρχοντες ἐν χερσὶν αὐτῶν ἐκρεμάσθησαν (4 *b*)
Ez. 15. 3. τοῦ κρεμάσαι ἐπ' αὐτὸν [A -οῦ] πᾶν σκεῦος (4 *a*)
17. 23 (22). κρεμάσω αὐτὸν ἐν ὄρει μετεώρῳ Ἰσραήλ †
27. 10. περικεφαλαίας ἐκρέμασαν ἐν σοί (4 *c*)
— 11. τὰς φαρέτρας αὐτῶν ἐκρέμασαν (4 *c*)
I Ma. 1. 61. ἐκρέμασαν τὰ βρέφη
— 62. A πολλοὶ ἐν Ἰσρ. ἐκρεμάσθησαν [S R ἐκραταιώθησαν]
II Ma. 6. 10. ἐκ τῶν μαστῶν κρεμάσαντες τὰ βρέφη
15. 33. τὰ δ' ἐπίχειρα τῆς ἀνοίας . . . κρεμάσαι
[Aq. DT. 21. 23: PS. 136 (137). 2.]
[Sm. NU. 25. 4: II KI. 21. 6: PS. 136 (137). 2.]
[Th. DT. 21. 23.]
[Heb. GE. 22. 13: EZ. 13. 18.]
[Al. DT. 21. 23.]

κρεμαστός. (1) מְצָד
Jd. 6. 2. καὶ τὰ κρ. [A καὶ τοῖς ὀχυρώμασιν] (1)
III Ki. 7. 18. καὶ ἔργον κρ. . . . ἔργον κρ. †, †

κρεμνᾶν (?). (1) תְּלָה
Jb. 26. 7. A κρεμνῶν [B S κρεμάζων] γῆν ἐπὶ οὐδενός (1)

κρημνίζειν.
II Ma. 6. 10. κατὰ τοῦ τείχους ἐκρήμνισαν

κρημνός. (1) סֶלַע
II Ch. 25. 12. ἔφερον αὐτοὺς ἐπὶ τὸ ἄκρον τοῦ κρ. καὶ κατεκρήμνιζον αὐτοὺς ἀπὸ τοῦ ἄκρου τοῦ κρ. (1, 1)

κρήνη. (1) בְּרֵכָה
II Ki. 2. 13. A R συναντῶσιν αὐτοῖς ἐπὶ τὴν κρ. τὴν ἐν Γ. (1)
— 13. A R ἐκάθισαν οὗτοι ἐπὶ τὴν κρ. ἐντεῦθεν καὶ οὗτοι ἐπὶ τὴν κρ. ἐντεῦθεν [B *al.*] (1, 1)
4. 12. ἐκρέμισαν αὐτοὺς ἐπὶ τῆς κρ. (1)
III Ki. 3. 1. καὶ τὴν κρ. τῆς αὐλῆς
22. 38. ἀπένιψαν τὸ αἷμα [A ἅρμα] ἐπὶ τὴν κρ. Σαμ. (1)
IV Ki. 20. 20. τὴν κρ. καὶ τὸν ὑδραγωγόν (1)
Si. 48. 17. ᾠκοδόμησε κρήνας εἰς ὕδατα

κρηπίδωμα.
[Aq. Ez. 43. 14 *ter.*]

κρηπίς. (1) אוּלָם (2) גְּדֵרָה

Jo. 3. 15. ὁ δὲ Ἰορδ. ἐπλήρου καθ' ὅλην τὴν κρ. αὐτοῦ (2)
4. 18. ἐπορεύετο . . . δι' ὅλης τῆς κρ. (2)
I Ch. 12. 15. πεπληρωκὼς ἐπὶ πᾶσαν κρ. αὐτοῦ (2)
Jl. 2. 17. ἀνὰ μέσον τῆς κρ. τοῦ θυσιαστηρίου (1)
I Ma. 9. 43. ἦλθε . . . ἕως τῶν κρ. τοῦ Ἰορδάνου
II Ma. 10. 26. ἐπὶ τὴν ἀπέναντι τοῦ θυσιαστηρίου κρ. προσπεσόντες

κριθή. (1) שְׂעֹרָה

Ge. 26. 12. εὗρεν . . . ἑκατοστεύουσαν κριθήν †
Ex. 9. 31. τὸ δὲ λίνον καὶ ἡ κρ. ἐπλήγη (1)
— 31. ἡ γὰρ κρ. παρεστηκυῖα (1)
Le. 27. 16. κόρου κριθῶν πεντήκοντα δίδραχμα ἀργυρίου (1)
De. 8. 8. γῆ πυροῦ καὶ κριθῆς (1)
Ru. 1. 22. ἐν ἀρχῇ θερισμοῦ κριθῶν (1)
2. 17. ἐγενήθη ὡς οἰφὶ κριθῶν (1)
— 23. **A B** ἕως οὗ συνετέλεσεν [**R** τοῦ συντελέσαι] τὸν θερισμὸν τῶν κρ. (1)
3. 2. λικμᾷ τὸν ἅλωνα τῶν κρ. (1)
— 15. καὶ ἐμέτρησεν ἓξ κριθῶν (1)
— 17. τὰ ἓξ τῶν κρ. ταῦτα ἔδωκέ μοι (1)
II Ki. 14. 30. καὶ αὐτῷ ἐκεῖ κριθαί [**A** αὐ. κρ. εἰσι] (1)
17. 28. καὶ πυροὺς καὶ κριθάς (1)
21. 9. ἐν [**A** *om.*] ἀρχῇ θερισμοῦ κριθῶν (1)
— 10. ἐν ἀρχῇ θερισμοῦ κριθῶν –
III Ki. 4. 28 (5. 8). καὶ τὰς κρ. καὶ τὸ [**A** τὸν] ἄχυρον (1)
IV Ki. 7. 1. **A B**^{2} **R** καὶ δίμετρον κριθῶν σίκλου (1)
— 16. καὶ δίμετρον κριθῶν σίκλου (1)
— 18. δίμετρον κριθῆς σίκλου (1)
I Ch. 11. 13. ἦν μερὶς τοῦ ἀγροῦ πλήρης κριθῶν (1)
II Ch. 2. 10 (9). καὶ κριθῶν κόρων εἴκοσι χιλιάδας (1)
— 15 (14). τὸν σῖτον καὶ τὴν κρ. (1)
27. 5. καὶ κριθῶν δέκα χιλιάδας (1)
Ju. 8. 2. ἐν ἡμέραις θερισμοῦ κριθῶν
Jb. 31. 40. ἀντὶ δὲ κριθῆς βάτος (1)
Ho. 3. 2. ἐμισθωσάμην . . . γομὸρ κριθῶν (1)
Jl. 1. 11. θρηνεῖτε κτήματα ὑπὲρ . . . κριθῆς (1)
Hg. 2. 17 (16). ἐνεβάλλετε εἰς κυψέλην κριθῆς εἴκοσι σάτα –
— 17 (16). καὶ ἐγένετο κριθῆς δέκα σάτα –
Is. 28. 25. πυρὸν καὶ κριθήν (1)
30. 24. ἄχυρα ἀναπεποιημένα ἐν κριθῇ λελικμημένῃ [**A S** -να] –
Je. 48 (41). 8. θησαυροὶ ἐν ἀγρῷ πυροὶ καὶ κριθαί (1)
Ez. 4. 9. λάβε σεαυτῷ πυροὺς καὶ κριθάς (1)
13. 19. ἕνεκεν δρακὸς κριθῶν (1)
45. 13. τὸ ἕκτον αὐτοῦ τοῦ οἰφὶ ἀπὸ τοῦ [**A** *add.* γομὸρ] κόρου τῶν κρ. (1)
[**Aq.**, **Sm.** Je. 41 (48). 8: Ho. 3. 2 *bis.*]
[**Th.** Ho. 3. 2 *bis.*]
[**Al.** Le. 27. 16.]

κρίθινος. (1) שְׂעֹרָה

Nu. 5. 15. τὸ δέκατον τοῦ οἰφὶ ἄλευρον κρ. (1)
Jd. 5. 8. **A** ὡς ἄρτον κρ. †
7. 13. ἰδοὺ μαγὶς ἄρτου κρ. (1)
IV Ki. 4. 42. εἴκοσι ἄρτους κρ. (1)
Ez. 4. 12. ἐγκρυφίαν κρίθινον φάγεσαι αὐτά (1)

κρίκος. (1) אַגְמוֹן (2) אֶזֶן (3) וָו (4) קֶרֶס

Ex. 26. 6. ποιήσεις κρίκους πεντήκοντα χρυσοῦς (4)
— 6. συνάψεις τὰς αὐλαίας . . . τοῖς κρ. (4)
— 11. ποιήσεις κρίκους χαλκοῦς πεντήκοντα (4)
— 11. συνάψεις τοὺς κρ. ἐκ τῶν ἀγκυλῶν (4)
27. 10. οἱ κρ. αὐ. καὶ αἱ ψαλίδες ἀργυραῖ (3)
— 11. οἱ κρ. καὶ αἱ ψαλίδες τῶν στύλων (3)
37. 6 (36. 38). τοὺς στύλους αὐτῶν πέντε καὶ τοὺς κρ. [**A** κρ. αὐτῶν] (3)
38. 19. τοὺς κρ. τῆς σκηνῆς χρυσοῦς –
— 19. καὶ τοὺς κρ. τῆς αὐλῆς καὶ κρίκους εἰς τὸ ἕκτείνειν –, –
Jb. 38. 6. ἐπὶ τίνος οἱ κρ. [**A** στῦλοι] αὐτῆς πεπήγασι (2)
40. 21 (26). εἰ [**A** καὶ, **R** ἢ] δήσεις κρίκον [**A** εἰλήσεις κλοιόν] (1)
Is. 58. 5. οὐδ' ἂν κάμψῃς ὡς κρίκον τὸν τράχηλόν σου (1)
[**Aq.** Ex. 35. 11.]
[**Sm.** Is. 37. 29.]
[**Th.** Jb. 40. 21 (26).]
[**Al.** Ex. 26. 33.]

κρίμα. (1) *a.* אֵמֶר *b.* אִמְרָה (2) דָּבָר (3) דִּין (4) *a.* חֹק *b.* חֻקָּה (5) פֶּשַׁע (6) צְדָקָה (7) *a.* שֶׁפֶט *b.* מִשְׁפָּט *c.* שֶׁפֶט po.

Ex. 18. 22. τὰ δὲ βραχέα τῶν κρ. κρινοῦσιν αὐτοί (2)
23. 6. οὐ διαστρέψεις κρίμα πένητος (7 *b*)
Le. 18. 4. τὰ κρ. μου ποιήσετε (7 *b*)
— 5. φυλάξεσθε . . . πάντα τὰ κρ. μου (7 *b*)
20. 22. φυλάξασθε . . . τὰ κρ. μου (7 *b*)
26. 15. καὶ τοῖς κρ. μου προσοχθίσῃ ἡ ψυχὴ ὑμῶν (7 *b*)
— 43. τὰ κρ. μου ὑπερεῖδον (7 *b*)
— 46. ταῦτα τὰ κρ. μου (4 *a*)
Nu. 35. 24. κρινεῖ ἡ συναγωγὴ . . . κατὰ τὰ κρ. ταῦτα (7 *b*)
— 29. ἔσται ταῦτα ὑμῖν εἰς δικαίωμα κρίματος (7 *b*)
36. 13. τὰ δικαιώματα καὶ τὰ κρ. (7 *b*)
De. 4. 1. ἄκουε . . . τῶν κρ. [**A** ῥημάτων] (7 *b*)
— 8. δικαιώματα καὶ κρ. δίκαια (7 *b*)
— 45. **A B**^{2} **R** καὶ τὰ κρ. (7 *b*)
5. 1. ἄκουε Ἰσραὴλ . . . τὰ κρ. (7 *b*)
— 31 (28): 6. 1. τὰ δικαιώματα καὶ τὰ κρ. (7 *b*)
6. 3. τὰ δικαιώματα καὶ τὰ κρ. –
— 20. τὰ δικαιώματα καὶ τὰ κρ. (7 *b*)
— 24. **A** τὰς ἐντολὰς καὶ τὰ κρ. [**B** *al.*] (4 *a*)
7. 11. τὰ δικαιώματα καὶ τὰ κρ. ταῦτα [**B**^{1} αὐτοῦ] (7 *b*)
8. 11. τὰ κρ. καὶ τὰ δικαιώματα αὐτοῦ (7 *b*)
12. 1. **A** τὰ προστάγματα καὶ τὰ κρ. [**B** αἱ κρίσεις] (7 *b*)
21. 22. ἁμαρτία κρίμα θανάτου (7 *b*)
26. 16. ποιῆσαι . . . τὰ κρ. (7 *b*)
— 17. φυλάσσεσθαι . . . τὰ κρ. (7 *b*)
32. 41. ἀνθέξεται κρίματος ἡ χείρ μου (7 *b*)
Jd. 13. 12. **A** τί ἔσται τὸ κρ. τοῦ παιδαρίου [**B** *al.*] (7 *b*)
I Ki. 2. 10. καὶ ποιεῖν κρίμα –
II Ki. 8. 15. **A R** ἦν Δαυὶδ [**B** *om.*] ποιῶν κρίμα (7 *b*)
22. 23. πάντα τὰ κρ. αὐτοῦ κατεναντίον μου (7 *b*)
III Ki. 2. 3. φυλάσσειν . . . τὰ κρ. (7 *b*)
3. 11. τοῦ εἰσακούειν κρίμα (7 *b*)
— 28. ἤκουσαν πᾶς Ἰσρ. τὸ κρ. τοῦτο (7 *b*)
6. 12. **A** καὶ τὰ κρ. μου ποιῇς (7 *b*)
10. 9. τοῦ ποιεῖν κρίμα ἐν δικαιοσύνῃ [**A** καὶ δικαιοσύνην] καὶ ἐν κρίμασιν αὐτῶν (7 *b*, –)
18. 28. **A** κατετέμνοντο κατὰ τὸ κρ. αὐτῶν [**B** *om.* κ. τὸ κρ. αὐ., **R** *al.*] (7 *b*)
IV Ki. 11. 14. εἱστήκει ὁ βασ. . . . κατὰ τὸ κρ. (7 *b*)
17. 26. οὐκ ἔγνωσαν τὸ κρ. [**A** τὰ κρ.] τοῦ θεοῦ (7 *b*)
— 26. οὐκ οἴδασι τὸ κρ. τοῦ θεοῦ (7 *b*)
— 27. **A R** φωτιοῦσιν αὐτοὺς τὸ κρ. τοῦ θεοῦ [**B** *om.* τ. θ.] τῆς γῆς (7 *b*)
— 33. κατὰ τὸ κρ. τῶν ἐθνῶν (7 *b*)
— 34. ἐποίουν κατὰ τὸ κρ. αὐτῶν (7 *b*)
— 37. τὰ δικαιώματα καὶ τὰ κρ. (7 *b*)
— 40. **A R** οὐκ ἀκούσεσθε ἐπὶ [**B** ἔτι] τῷ κρ. αὐτῶν (7 *b*)
I Ch. 15. 13. οὐκ ἐζητήσαμεν ἐν κρίματι (7 *b*)
16. 12. καὶ κρίματα τοῦ στόματος αὐτοῦ (7 *b*)
— 14. ἐν πάσῃ τῇ γῇ τὰ κρ. αὐτοῦ (7 *b*)
18. 14. ἦν ποιῶν κρίμα (7 *b*)
22. 13. τοῦ ποιεῖν . . . τὰ κρ. (7 *b*)
28. 7. τοῦ φυλάξασθαι . . . τὰ κρ. μου (7 *b*)
II Ch. 4. 7. κατὰ τὸ κρ. αὐτῶν (7 *b*)
— 20. κατὰ τὸ κρ. (7 *b*)
6. 39. καὶ ποιήσεις κρίματα (7 *b*)
7. 17. καὶ τὰ κρ. μου φυλάξῃ (7 *b*)
9. 8. τοῦ ποιῆσαι κρίμα [**A** κρίσιν] (7 *b*)
19. 10. καὶ δικαιώματα καὶ κρίματα (7 *b*)
24. 24. μετὰ Ἰωὰς ἐποίησε κρίματα (7 *a*)
30. 16. κατὰ τὸ κρ. αὐτῶν (7 *b*)
33. 8. κατὰ πάντα νόμον . . . καὶ τὰ κρ. (7 *b*)
I Es. 8. 7. δικαιώματα καὶ [**A** πάντα τὰ δ. κ. τὰ] κρίματα
9. 4. καὶ τὸ κρ. τῶν προκαθημένων πρεσβυτέρων
II Es. 7. 10. **A R** προστάγματα καὶ κρίματα [**B** κρίμα] (7 *b*)
— 26. τὸ κρ. ἔσται γινόμενον ἐξ αὐτοῦ (3)
Ne. 1. 7. τὰ προστάγματα καὶ τὰ κρ. (7 *b*)
8. 18. **A S**^{2} **R** κατὰ τὸ κρ. (7 *b*)
9. 13. ἔδωκας αὐτοῖς κρ. εὐθέα (7 *b*)
— 29. **B S** ἐν τοῖς [**A R** *om.* ἐν τ.] κρ. σου ἡμάρτοσαν (7 *b*)
Ne. 10. 29 (30). **A B** καὶ κρίματα [**S R** τὰ κρ.] αὐ. (7 *b*)
Jb. 9. 15. τοῦ κρ. αὐτοῦ δεηθήσομαι (7 *c*)
— 19. τίς οὖν κρίματι αὐτοῦ ἀντιστήσεται (7 *b*)
13. 18. ἐγγύς εἰμι τοῦ κρ. μου (7 *b*)
14. 3. εἰσελθεῖν ἐν κρίματι (7 *b*)
19. 7. κεκράξομαι καὶ οὐδαμοῦ κρίμα (7 *b*)
— 29. εὐλαβήθητε δὴ καὶ ὑμεῖς ἀπὸ ἐπικαλύμματος [**S**^{2} κρίματος ἐ., **A** κρίματος] †
23. 4. εἴποιμι [**S**^{1} ἴδοιμι] δὲ ἐμαυτοῦ [**A S**^{2} ἐπ' αὐτοῦ] κρίμα (7 *b*)
— 7. ἐξαγάγοι δὲ εἰς τέλος τὸ κρ. μου (7 *b*)
29. 14. ἡμφιασάμην δὲ κρίμα ἴσα διπλοΐδι (7 *b*)
31. 13. εἰ δὲ καὶ ἐφαύλισα κρίμα θεράποντός μου (7 *b*)
32. 9. οὐδ' οἱ γέροντες οἴδασι κρίμα (7 *b*)
34. 5. ὁ κύριος ἀπῆλλαξέ μου τὸ κρ. (7 *b*)
— 6. ἐψεύσατο δὲ τῷ κρ. μου (7 *b*)
36. 6. κρίμα πτωχῶν δώσει (7 *b*)
— 15. κρίμα δὲ πραέων ἐκθήσει †
— 17. οὐχ ὑστερήσει δὲ ἀπὸ δικαίων κρίμα (3)
40. 3 (8). μὴ ἀποποιοῦ μου τὸ κρ. (7 *b*)
Ps. 9. 16. γινώσκεται κύριος κρίματα ποιῶν (7 *b*)
— 26 (10. 5). ἀνταναιρεῖται τὰ κρ. σου (7 *b*)
16 (17). 2. τὸ κρ. μου [**S**^{1} μοι] ἐξέλθοι (7 *b*)
17 (18). 22. πάντα τὰ κρ. αὐτοῦ ἐνώπιόν μου (7 *b*)
18 (19). 9. τὰ κρ. κυρίου ἀληθινά (7 *b*)
35 (36). 6. τὰ κρ. σου ὡσεὶ [**A S** *om.*] ἄβυσσος πολλή (7 *b*)
36 (37). 6. ἐξοίσει . . . τὸ κρ. σου ὡς μεσημβρίαν (7 *b*)
47 (48). 11. ἕνεκα τῶν κρ. σου (7 *b*)
71 (72). 1. τὸ κρ. σου τῷ βασιλεῖ δός (7 *b*)
80 (81). 4. καὶ κρίμα τῷ θεῷ Ἰακώβ (7 *b*)
88 (89). 14. κρίμα ἑτοιμασία τοῦ θρόνου σου (7 *b*)
— 30. καὶ τοῖς κρ. μου μὴ πορευθῶσιν (7 *b*)
96 (97). 2. δικαιοσύνη καὶ κρίμα κατόρθωσις τοῦ θρόνου αὐτοῦ (7 *b*)
— 8. ἠγαλλιάσαντο . . . ἕνεκεν τῶν κρ. σου (7 *b*)
102 (103). 6. καὶ κρίμα πᾶσι τοῖς ἀδικουμένοις (7 *b*)
104 (105). 5. καὶ τὰ κρ. τοῦ στόματος αὐτοῦ (7 *b*)
— 7. ἐν πάσῃ τῇ γῇ τὰ κρ. αὐτοῦ (7 *b*)
118 (119). 7. ἐν τῷ μεμαθηκέναι με τὰ κρ. τῆς δικαιοσύνης σου (7 *b*)
— 13. ἐξήγγειλα πάντα τὰ κρ. τοῦ στόματός σου (7 *b*)
— 20. τοῦ ἐπιθυμῆσαι τὰ κρ. [**S**^{1} εἰς τὰ δικαιώματά] σου (7 *b*)
— 30. τὰ κρ. σου οὐκ ἐπελαθόμην (7 *b*)
— 39. τὰ κρ. σου χρηστά (7 *b*)
— 43. ἐπὶ τοῖς κρ. [**S**^{1} τὰ κρ.] σου ἐπήλπισα (7 *b*)
— 52. ἐμνήσθην τῶν κρ. σου ἀπ' αἰῶνος, κύριε (7 *b*)
— 62. ἐπὶ τὰ κρ. τῆς δικαιοσύνης σου (7 *b*)
— 75. δικαιοσύνη τὰ κρ. σου (7 *b*)
— 102. ἀπὸ τῶν κρ. [**S**^{1} κλιμ.] σου οὐκ ἐξέκλινα (7 *b*)
— 106. τοῦ φυλάξασθαι τὰ κρ. τῆς δικαιοσύνης σου (7 *b*)
— 108. τὰ κρ. σου δίδαξόν με (7 *b*)
— 120. ἀπὸ γὰρ τῶν κρ. σου ἐφοβήθην (7 *b*)
— 121. ἐποίησα κρίμα καὶ δικαιοσύνην (7 *b*)
— 132. κατὰ τὸ κρ. τῶν ἀγαπώντων τὸ ὄνομά σου (7 *b*)
— 149. κατὰ τὸ κρ. σου ζῆσόν με (7 *b*)
— 156. κατὰ τὸ κρ. [**S**^{1} τὰ κρ.] σου ζῆσόν με (7 *b*)
— 160. πάντα τὰ κρ. τῆς δικαιοσύνης σου (7 *b*)
— 164. ἐπὶ τὰ κρ. τῆς δικαιοσύνης σου (7 *b*)
— 170. **A** κατὰ τὸ κρ. σου ζῆσόν με [**S R** *al.*] (1 *b*)
— 175. τὰ κρ. σου βοηθήσει μοι (7 *b*)
145 (146). 7. ποιοῦντα κρίμα τοῖς ἀδικουμένοις (7 *b*)
147. 8 (19). δικαιώματα καὶ κρίματα αὐ. τῷ Ἰσρ. (7 *b*)
— 9 (20). τὰ κρ. αὐτοῦ οὐκ ἐδήλωσεν αὐτοῖς (7 *b*)
149. 9. τοῦ ποιῆσαι ἐν αὐτοῖς κρίμα ἔγγραπτον (7 *b*)
Pr. 1. 3. καὶ κρίμα κατευθύνειν (7 *b*)
2. 9. συνήσεις δικαιοσύνην καὶ κρίμα (7 *b*)
8. 8. **A** μετὰ δικαιοσύνης πάντα τὰ κρ. [**B S** ῥήματα] τοῦ στόματός μου (1 *a*)
12. 5. λογισμοὶ δικαίων κρίματα (7 *b*)
21. 15. **A S R** εὐφροσύνη δικαίων ποιεῖν [**B** ποιεῖ] κρίμα (7 *b*)
28. 5. ἄνδρες κακοὶ οὐ συνήσουσι [**B**^{2} **S** νοήσουσιν] κρίμα (7 *b*)
Ec. 5. 7. ἐὰν . . . ἁρπαγὴν κρίματος . . . ἴδῃς ἐν χώρᾳ (7 *b*)
Wi 12. 12. τίς ἀντιστήσεται τῷ κρ. σου
15. 2. **S**^{1} εἰδότες σου τὸ κρ. [**A B S**^{2} κράτος]
Si. 17. 12. τὰ κρ. αὐτοῦ ὑπέδειξεν αὐτοῖς

Si. 18. 14. τοὺς κατασπεύδοντας ἐπὶ τὰ κρ. αὐτοῦ
19. 25. ἔστι διαστρέφων χάριν τοῦ ἐκφᾶναι κρίμα
20. 4. οὕτως ὁ ποιῶν ἐν [S¹ om.] βίᾳ κρίματα
21. 5. τὸ κρ. αὐτοῦ κατὰ σπουδὴν ἔρχεται
30. 20. B² οὕτως ὁ ποιῶν ἐν βίᾳ κρίματα
35 (32). 16. οἱ φοβούμενοι κύριον εὑρήσουσι κρίμα [S¹ χάριν]
38. 22. μνήσθητι τὸ κρ. αὐτοῦ [A μου, S om.]
— 33. διαθήκην κρίματος οὐ [S¹ σου] διανοηθήσονται οὐδὲ μὴ ἐκφανῶσι δικαιοσύνην [A S παιδίαν] καὶ κρίμα
41. 2. καλόν [S² ὡς κ.] σου τὸ κρ. ἐστιν
— 3. μὴ εὐλαβοῦ κρίμα θανάτου
— 3. τοῦτο τὸ [A om.] κρ. παρὰ κυρίου πάσῃ σαρκί
42. 2. περὶ κρίματος δικαιῶσαι τὸν ἀσεβῆ
— 15. S² γέγονεν ἐν εὐλογίᾳ αὐτοῦ κρίμα
43. 10. A S R ἐν λόγοις ἁγίου [B -ίοις] στήσονται κατὰ κρίμα [? κατάκρ.]
— 13. ταχύνει ἀστραπὰς κρίματος αὐτοῦ
45. 5. διδάξαι . . . κρίματα αὐτοῦ τὸν Ἰσραήλ
— 17. ἐξουσίαν ἐν διαθήκαις κριμάτων
48. 7. ἐν Χωρὴβ κρίματα ἐκδικήσεως
Ho. 2. 19 (21). ἐν κρίματι καὶ ἐν ἐλέει (7 *b*)
5. 1. διότι πρὸς ὑμᾶς ἐστι τὸ κρ. (7 *b*)
— 11. κατεπάτησε τὸ [A om.] κρ. (7 *b*)
6. 6 (5). καὶ τὸ κρ. μου ὡς φῶς ἐξελεύσεται (7 *b*)
10. 4. ἀνατελεῖ ὡς ἄγρωστις κρίμα (7 *b*)
12. 6 (7). ἔλεον καὶ κρίμα φυλάσσου (7 *b*)
Am. 5. 7. ὁ ποιῶν εἰς ὕψος κρίμα (7 *b*)
— 15. καὶ ἀποκαταστήσατε ἐν πύλαις κρίμα (7 *b*)
— 24. καὶ κυλισθήσεται ὡς ὕδωρ κρίμα (7 *b*)
6. 13 (12). ἐξεστρέψατε εἰς θυμὸν κρίμα (7 *b*)
Mi. 3. 1. οὐχ ὑμῖν ἐστι τοῦ γνῶναι τὸ κρ. (7 *b*)
— 8. ἐν πνεύματι κυρίου καὶ κρίματος (7 *b*)
— 9. οἱ βδελυσσόμενοι κρίμα (7 *b*)
6. 8. ἀλλ' ἢ τοῦ ποιεῖν κρίμα (7 *b*)
7. 9. καὶ ποιήσει [A ἀποίσει] τὸ κρ. μου (7 *b*)
Hb. 1. 4. καὶ οὐ διεξάγεται εἰς τέλος κρίμα (7 *b*)
— 4. ἐξελεύσεται τὸ κρ. διεστραμμένον (7 *b*)
— 7. ἐξ αὐτοῦ τὸ κρ. αὐτοῦ ἔσται (7 *b*)
— 12. εἰς κρίμα τέταχας αὐτό [A αὐτόν] (7 *b*)
Ze. 2. 3. κρίμα ἐργάζεσθε (7 *b*)
3. 5. πρωῒ πρωῒ δώσει κρίμα [A τὸ κρ.] αὐτοῦ (7 *b*)
— 8. τὸ κρ. μου εἰς συναγωγὰς ἐθνῶν (7 *b*)
Za. 7. 9. κρίμα δίκαιον κρίνατε (7 *b*)
8. 16. κρίμα εἰρηνικὸν [A δίκαιον] κρίνατε (7 *b*)
Is. 1. 27. μετὰ γὰρ κρίματος σωθήσεται (7 *b*)
5. 16. ὑψωθήσεται κύριος σαβαὼθ ἐν κρίματι (7 *b*)
9. 7 (6). ἐν κρίματι καὶ ἐν δικαιοσύνῃ [A S δ. κ. ἐν κρ.] (7 *b* [6])
10. 2. ἁρπάζοντες κρ. [S -ματα] πενήτων τοῦ λαοῦ μου (7 *b*)
16. 5. κρίνων καὶ ἐκζητῶν κρίμα (7 *b*)
28. 26. παιδευθήσῃ κρίματι θεοῦ σου [S¹ κρ. θ. σ.] (7 *b*)
32. 16. ἀναπαύσεται ἐν τῇ ἐρήμῳ κρ. (7 *b*)
Je. 4. 12. λαλῶ κρίματα πρὸς αὐτούς (7 *b*)
5. 1. εἰ ἔστι ποιῶν κρ. (7 *b*)
7. 5. A ποιοῦντες ποιήσητε κρ. [B S κρίσιν] (7 *b*)
8. 7. ὁ δὲ λαός μου οὐκ ἔγνω τὰ κρ. κυρίου (7 *b*)
9. 24 (23). A²BS ἐγώ εἰμι κύριος ὁ ποιῶν ἔλεος καὶ κρ. (7 *b*)
12. 1. κρίματα λαλήσω πρὸς σέ (7 *b*)
21. 12. κρίνατε πρωῒ κρ. (7 *b*)
22. 13. ὁ οἰκοδομῶν . . . τὰ ὑπερῷα αὐτοῦ οὐκ ἐν κρίματι (7 *b*)
— 15. βέλτιόν [A S *add.* ἦν] σε ποιεῖν κρ. (7 *b*)
23. 5. ποιήσει κρ. καὶ δικαιοσύνην ἐπὶ τῆς γῆς (7 *b*)
26 (46). 28. παιδεύσω σε εἰς κρ. [A κρίσιν] (7 *b*)
28 (51). 9. ἤγγικεν εἰς οὐρανὸν τὸ κρ. αὐτῆς (7 *b*)
— 10. ἐξήνεγκε κύριος τὸ κρ. αὐτοῦ (6)
37 (30). 18. ὁ λαὸς κατὰ τὸ κρ. αὐ. καθεδεῖται (7 *b*)
39 (32). 7. A S σοὶ κρ. [B κρίσις] παραλαβεῖν εἰς κτῆσιν (7 *b*)
— 8. σοὶ κρ. κτήσασθαι αὐτόν [A *al.*] (7 *b*)
Ez. 5. 8. ποιήσω ἐν μέσῳ σου κρ. ἐνώπιον τῶν ἐθνῶν (7 *b*)
— 10. ποιήσω ἐν σοὶ κρίματα (7 *a*)
— 15. ἐν τῷ ποιῆσαί με ἐν σοὶ κρίματα (7 *a*)
7. 27. ἐν [A om.] τοῖς κρ. αὐ. ἐκδικήσω αὐτούς (7 *b*)
11. 9. ποιήσω ἐν ὑμῖν κρίματα (7 *a*)
18. 5. A R ὁ ποιῶν κρ. καὶ [B om. κρ. κ.] δικαιοσύνην (7 *b*)
— 8. κρ. δίκαιον ποιήσει (7 *b*)
— 27. ποιήσῃ κρ. καὶ δικαιοσύνην (7 *b*)
22. 29. οὐκ ἀναστρεφόμενοι μετὰ κρίματος (7 *b*)
Ez. 23. 24. δώσω πρὸ προσώπου αὐ. κρ. καὶ ἐκδικήσουσί σε ἐν τοῖς κρ. αὐ. (7 *b*, 7 *b*)
28. 22. ἐν τῷ ποιῆσαί με ἐν σοὶ κρίματα (7 *a*)
— 26. ὅταν ποιήσω κρ. (7 *a*)
30. 19. ποιήσω κρ. ἐν Αἰγύπτῳ (7 *a*)
33. 2. A ἐφ' ἣν ἂν ἐπαγάγω κρ. αἵματος [B ἐπάγω ῥομφαίαν] †
— 14. ποιήσῃ κρ. καὶ δικαιοσύνην (7 *b*)
— 16. κρ. καὶ δικαιοσύνην ἐποίησεν (7 *b*)
— 19. ποιήσῃ κρ. καὶ δικαιοσύνην (7 *b*)
34. 16. βοσκήσω αὐτὰ μετὰ κρίματος (7 *b*)
36. 27. τὰ κρ. μου φυλάξησθε (7 *b*)
37. 24. τὰ κρ. μου φυλάξονται (4 *b*)
44. 24. τὰ κρ. μου κρινοῦσι (7 *b*)
45. 9. κρ. καὶ δικαιοσύνην ποιήσατε (7 *b*)
Da. LXX. Su. 9. μηδὲ μνημονεύειν κρ. δικαίων
3. (28). καὶ κρίματα ἀληθείας ἐποίησας
9. 5. παρέβημεν . . . τὰ κρ. σου (7 *b*)
Da. TH. Su. 9. μηδὲ μνημονεύειν κρ. δικαίων
3. (28). κρίματα ἀληθείας ἐποίησας
5. 16. δύνασαι κρίματα συγκρῖναι (5)
7. 22. τὸ κρ. ἔδωκεν ἁγίοις ὑψίστου (3)
9. 5. ἐξεκλίναμεν . . . ἀπὸ τῶν κρ. σου (7 *b*)
— 26. κρίμα οὐκ ἔστιν ἐν αὐτῷ –
I Ma. 2. 24. ἀνήνεγκε θυμὸν κατὰ τὸ κρ.
— 29. ζητοῦντες δικαιοσύνην καὶ κρίμα

[**Aq.** Dt. 33. 10: III Ki. 18. 28: Jb. 34. 5: Ps. 88 (89). 15: 149. 9: Is. 28. 26: 32. 1: 61. 8: Je. 49. 12 (29. 13): 52. 9: Ez. 5. 6: 20. 11: 21. 27 (32): 23. 10.]
[**Sm.** Jb. 34. 5: Ps. 7. 7: 88 (89). 15: 98 (99). 4: 118 (119). 121: Is. 5. 16: 28. 26: 32. 1: Je. 22. 15: 49. 12 (29. 13): Ez. 18. 8, 17: 20. 11.]
[**Th.** Jd. 13. 12: Jb. 9. 15: 34. 23: Is. 5. 16: 28. 26: 32. 1: Je. 33 (40). 15: 39 (46). 5: 48 (31). 47: 49. 12 (29. 13): Ez. 5. 6: 18. 17: 20. 11: 23. 10: Da. 9. 26.]
[**Al.** I Ki. 2. 13: 8. 9: Ps. 9. 17.]

κρίνειν. (1) אָשַׁם hi. (2) בָּחַן (3) *a.* דִּין qal. *b.* ni. *c.* pe. *d.* דִּין subst. *e.* דַּיָּן *f.* κρ. εἰκῇ גֵּרָה מָדוֹן (4) דָּרַשׁ (5) כּוּן hi. (6) מַשְׂאֵת (7) הַחֲוָא פְּשַׁר (8) רִיב *a.* verb. *b.* subst. *c.* רוּב (9) שָׁמַע (10) שָׁפַט *a.* qal. *b.* ni. *c.* מִשְׁפָּט *d.* בַּעַל מִשְׁפָּט (11) שׂוּם טְעֵם (12) חָתַךְ ni. (13) δίκαιον κρ. צָדַק hi.

Ge. 15. 14. τὸ δὲ ἔθνος . . . κρινῶ ἐγώ (3 *a*)
16. 5. κρίναι ὁ θεὸς ἀνὰ μέσον ἐμοῦ καὶ σοῦ (10 *a*)
18. 25. ὁ κρίνων πᾶσαν τὴν γῆν (10 *a*)
19. 9. μὴ καὶ κρίσιν κρῖναι (10 *a*)
26. 21. ἐκρίνοντο δὲ καὶ περὶ ἐκείνου (8 *a*)
30. 6. ἔκρινέ μοι ὁ θεός (3 *a*)
31. 53. ὁ θεὸς . . . κρινεῖ ἀνὰ μέσον ἡμῶν (10 *a*)
49. 16. Δὰν κρινεῖ τὸν λαὸν αὐτοῦ (3 *a*)
Ex. 5. 21. ἴδοι ὁ θεὸς ὑμᾶς καὶ κρίναι (10 *a*)
18. 13. συνεκάθισε M. κρίνειν τὸν λαόν (10 *a*)
— 22. κρινοῦσι τὸν λαὸν πᾶσαν ὥραν (10 *a*)
— 22. τὰ δὲ βραχέα τῶν κριμάτων κρινοῦσιν αὐτοί (10 *a*)
— 26. ἐκρίνοσαν [A -ον] τὸν λαὸν πᾶσαν ὥραν (10 *a*)
— 26. πᾶν δὲ ῥῆμα ἐλαφρὸν ἐκρίνοσαν [A -ον] (10 *a*)
Le. 19. 15. ἐν δικαιοσύνῃ κρινεῖς τὸν πλησίον σου (10 *a*)
Nu. 35. 24. καὶ κρινεῖ ἡ συναγωγή (10 *a*)
De. 1. 16. κρίνατε [A -ετε] δικαίως ἀνὰ μέσον ἀνδρός (10 *a*)
— 17. κατὰ τὸν μέγαν κρινεῖς (9)
16. 18. κρινοῦσι τὸν λαὸν κρίσιν δικαίαν (10 *a*)
25. 1. A R καὶ κρίνωσι (10 *a*)
32. 36. κρινεῖ κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (3 *a*)
Jd. 3. 10. καὶ ἔκρινε τὸν Ἰσρ. (10 *a*)
— 30. καὶ ἔκρινεν αὐτοὺς Ἀ. –
4. 4. αὕτη ἔκρινε τὸν Ἰσρ. (10 *a*)
— 5. A ἀνέβαινον . . . ἐκεῖ τοῦ κρίνεσθαι [B εἰς κρίσιν] (10 *c*)
8. 1. A ἐκρίνοντο μετ' αὐτοῦ κραταιῶς [B *al.*] (8 *a*)
10. 2, 3. καὶ ἔκρινε τὸν Ἰσρ. (10 *a*)
11. 27. A R κρίναι κύριος ὁ [B om.] κρίνων σήμερον (10 *a*, 10 *a*)
12. 7. ἔκρινε Ἰ. τὸν Ἰσρ. (10 *a*)
— 8. ἔκρινε μετ' αὐτὸν τὸν Ἰσρ. Ἀβ. (10 *a*)
— 9. καὶ ἔκρινε τὸν Ἰσρ. (10 *a*)
Jd. 12. 11. καὶ ἔκρινε μετ' αὐτὸν τὸν Ἰσρ. (10 *a*)
— 11. A καὶ ἔκρινεν τὸν Ἰσρ. (10 *a*)
— 13. καὶ ἔκρινε μετ' αὐτὸν τὸν Ἰσρ. Ἀβ. (10 *a*)
— 13 (14): 15. 20: 16. 31. ἔκρινε τὸν Ἰσρ. (10 *a*)
21. 22. κρίνεσθαι πρὸς ὑμᾶς (8 *a*, 8 *c**)
Ru. 1. 1. ἐν τῷ κρίνειν τοὺς κριτάς (10 *a*)
I Ki. 2. 10. αὐτὸς κρινεῖ ἄκρα γῆς (3 *a*)
4. 18. ἔκρινε τὸν Ἰσρ. εἴκοσι ἔτη (10 *a*)
24. 16. καὶ κρίναι τὴν κρίσιν μου (8 *a*)
25. 39. ὃς ἔκρινε τὴν κρίσιν τοῦ ὀνειδισμοῦ μου (8 *a*)
II Ki. 18. 19. ἔκρινε κύριος ἐκ χειρὸς τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ (10 *a*)
— 31. ἔκρινέ σοι κύριος σήμερον (10 *a*)
19. 9 (10). ἦν πᾶς ὁ λαὸς κρινόμενος (3 *b*)
III Ki. 3. 9. τίς δυνήσεται κρίνειν τὸν λαόν σου (10 *a*)
— 28. τὸ κρίμα τοῦτο ὃ [A om.] ἔκρινεν ὁ βασ. (10 *a*)
7. 7. οὗ κρινεῖ ἐκεῖ (10 *a*)
8. 32. κρινεῖς τὸν λαόν σου Ἰσρ. (10 *a*)
IV Ki. 15. 5. κρίνων [A -ειν] τὸν λαὸν τῆς γῆς (10 *a*)
23. 22. οἳ ἔκρινον [A -αν] τὸν Ἰσρ. (10 *a*)
I Ch. 16. 33. ἦλθε κρῖναι τὴν γῆν (10 *a*)
II Ch. 1. 10. τίς κρινεῖ τὸν λαόν σου τὸν μέγαν τοῦτον (10 *a*)
— 11. ὅπως κρίνῃς τὸν λαόν μου (10 *a*)
6. 23. καὶ κρινεῖς τοὺς δούλους σου (10 *a*)
19. 6. οὐκ ἀνθρώπῳ ὑμεῖς κρίνετε (10 *a*)
— 8. κρίνειν τοὺς κατοικοῦντας ἐν Ἱερ. (8 *a*)
20. 12. οὐ κρινεῖς ἐν αὐτοῖς (10 *a*)
24. 6. τοῦ εἰσενέγκαι . . . τὸ κεκριμένον ὑπὸ Μωυσῆ (6)
— 22. ἴδοι κύριος καὶ κρινάτω [A -έτω] (4)
26. 21. κρίνων τὸν λαὸν τῆς γῆς (10 *a*)
I Es. 3. 9. ὃν ἂν [A om.] κρίνῃ ὁ βασ.
6. 21. A R νῦν οὖν εἰ [B om.] κρίνεται
— 22. καὶ κρίνηται τῷ κυρίῳ βασ. ἡμῶν
8. 10. τὰ φιλάνθρωπα ἐγὼ κρίνας
— 94. ὡς ἐκρίθη σοι
II Es. 4. 9. τάδε ἔκρινε Ῥεούμ –
7. 25. ἵνα ὦσι κρίνοντες παντὶ τῷ λαῷ (3 *e*, 3 *c**)
To. 3. 2. κρίσιν ἀληθινὴν καὶ δικαίαν σὺ κρίνεις εἰς τὸν αἰῶνα [S *al.*]
7. 12. S ἐκ τοῦ οὐρανοῦ κέκριταί σοι
Ju. 2. 3. ἔκριναν ὀλεθρεῦσαι πᾶσαν σάρκα
7. 24. κρίναι ὁ θεὸς ἀνὰ μέσον ἡμῶν καὶ ὑμῶν
11. 13. τὰς ἀπαρχὰς . . . κεκρίκασιν ἐξαναλῶσαι
Jb. 7. 18. A B S² εἰς ἀνάπαυσιν αὐτὸν κρινεῖς (2)
8. 3. μὴ ὁ κύριος ἀδικήσει κρίνων (10 *c*)
9. 3. ἐὰν γὰρ βούληται κριθῆναι αὐτῷ [A μετ' αὐτοῦ] (8 *a*)
10. 2. διὰ τί με οὕτως ἔκρινας [A -ες] (8 *a*)
13. 19. τίς γάρ ἐστιν ὁ κριθησόμενός μοι (8 *a*)
17. 10. S² οὐ μὴν δὲ ἀλλὰ πάντες κρίνατε [A B ἐρείδετε] †
22. 13. ἢ κατὰ τοῦ γνόφου κρίνει (10 *a*)
23. 13. εἰ δὲ καὶ αὐτὸς ἔκρινεν οὕτως †
27. 2. ὃς οὕτω με κέκρικε (10 *c*)
31. 13. κρινομένων αὐτῶν πρὸς μέ (8 *a*)
35. 14. κρίθητι δὲ ἐναντίον αὐτοῦ (3 *a*)
36. 31. ἐν γὰρ αὐτοῖς κρινεῖ λαούς (3 *a*)
37. 23. ὁ τὰ δίκαια κρίνων (10 *c*)
39. 32 (40. 2). S² μὴ κρίσιν μετὰ ἱκανοῦ κρίνεις [A B ἐκκλίνει, S¹ ἐκκλίνειν] †
— 34 (40. 4). τί ἔτι ἐγὼ κρίνομαι –
Ps. 2. 10. παιδεύθητε πάντες οἱ κρίνοντες τὴν γῆν (10 *a*)
5. 10. κρῖνον αὐτούς, ὁ θεός (1)
7. 8. κύριος κρινεῖ λαούς (3 *a*)
— 8. κρῖνόν με [A μοι], κύριε (10 *a*)
9. 4. ἐκάθισας ἐπὶ θρόνου ὁ κρίνων δικαιοσύνην (10 *a*)
— 8. αὐτὸς κρινεῖ τὴν οἰκουμένην ἐν δικαιοσύνῃ κρινεῖ λαοὺς ἐν εὐθύτητι (10 *a*, 3 *a*)
— 19. κριθήτωσαν ἔθνη ἐνώπιόν σου (10 *b*)
— 39 (10. 18). κρῖναι ὀρφανῷ καὶ ταπεινῷ (10 *a*)
25 (26). 1. κρῖνόν με, κύριε (10 *a*)
34 (35). 24. κρῖνόν με [A μοι], κύριε [S om.] (10 *a*)
36 (37). 33. ὅταν [A om.] κρίνηται [A -εται] αὐτῷ (10 *b*)
42 (43). 1. κρῖνόν με [A μοι], ὁ θεός (10 *a*)
50 (51). 4. ὅπως ἂν . . . νικήσῃς ἐν τῷ κρίνεσθαί σε (10 *a*)
53 (54). 1. ἐν τῇ δυνάμει σου κρῖνόν [S² κρίνεις] με (3 *a*)
57 (58). 1. εὐθεῖα κρίνετε, οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων (10 *a*)
— 11. ἄρα ἐστὶν ὁ θεὸς κρίνων αὐτούς (10 *a*)

Ps. 66 (67). 4. S[1] κρινεῖ τὴν οἰκουμένην ἐν δικαιοσύνῃ –
— 4. κρινεῖς [S -εῖ] λαοὺς ἐν εὐθύτητι (10 a)
71 (72). 2. κρίνειν τὸν λαόν σου ἐν δικαιοσύνῃ (3 a)
— 4. κρινεῖ τοὺς πτωχοὺς τοῦ λαοῦ (10 a)
74 (75). 2. ἐγὼ εὐθύτητας κρινῶ (10 a)
81 (82). 2. ἕως πότε κρίνετε ἀδικίαν (10 a)
— 3. κρίνατε ὀρφανὸν καὶ πτωχόν [A S al.] (10 a)
— 8. κρῖνον τὴν γῆν (10 a)
93 (94). 2. ὑψώθητι ὁ κρίνων τὴν γῆν (10 a)
95 (96). 10. κρινεῖ λαοὺς ἐν εὐθύτητι (3 a)
— 13. ἔρχεται κρῖναι τὴν γῆν (10 a)
— 13. κρινεῖ τὴν οἰκουμένην (10 a)
97 (98). 9. ἦκει κρῖναι τὴν γῆν (10 a)
— 9. κρινεῖ τὴν οἰκουμένην ἐν δικαιοσύνῃ (10 a)
108 (109). 7. ἐν τῷ κρίνεσθαι αὐτόν (10 b)
109 (110). 6. κρινεῖ ἐν [S[1] κρίνειν] τοῖς ἔθνεσι (3 a)
118 (119). 154. κρῖνον τὴν κρίσιν μου (8 a)
134 (135). 14. ὅτι κρινεῖ [S[1] οἰκτείρει] κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (3 a)
Pr. 17. 15. ὃς δίκαιον κρίνει τὸν ἄδικον [S δίκαιον] (13)
22. 23. ὁ γὰρ κύριος κρινεῖ αὐτοῦ τὴν κρίσιν [A δίκην, S[1] ψυχήν] (8 a)
23. 11. κρινεῖ τὴν κρίσιν αὐτῶν μετὰ σοῦ (8 a)
24. 35 (30. 12). ἔκγονον κακὸν δίκαιον ἑαυτὸν κρίνει †
— 73 (31. 5). ὀρθὰ κρῖναι [A -ειν] οὐ μὴ δύνωνται τοὺς ἀσθενεῖς (3 d)
— 76 (31. 8). κρῖνε πάντας ὑγιῶς (3 d)
— 77 (31. 9). καὶ κρῖνε [A -αι, S διάκρ.] δικαίως (10 a)
28. 25. ἄπιστος [A ἄπληστος] ἀνὴρ κρινεῖ εἰκῇ (10 f)
29. 7. ἐπίσταται δίκαιος κρίνειν πενιχροῖς (3 d)
— 9. ἀνὴρ σοφὸς κρίνει ἔθνη (10 b)
— 14. βασιλέως ἐν ἀληθείᾳ κρίνοντος πτωχούς (10 a)
Ec. 3. 17. σὺν τὸν ἀσεβῆ κρινεῖ ὁ θεός (10 a)
6. 10. οὐ δυνήσεται κριθῆναι [A S τοῦ κρ.] (3 a)
Wi. 1. 1. ἀγαπήσατε δικαιοσύνην οἱ κρίνοντες τὴν γῆν
2. 22. οὐδὲ ἔκριναν γέρας ψυχῶν ἀμώμων
3. 8. κρινοῦσιν ἔθνη
6. 4. οὐκ ἐκρίνατε ὀρθῶς
8. 9. ἔκρινα τοίνυν ταύτην ἀγαγέσθαι πρὸς συμβίωσιν
9. 3. καὶ ἐν εὐθύτητι ψυχῆς κρίσιν κρίνῃ [A -ει]
11. 9. πῶς ἐν ὀργῇ [S μετ' ὀργῆς] κρινόμενοι ἀσεβεῖς ἐβασανίζοντο
12. 10. κρίνων [S[1] κείνων] δὲ κατὰ βραχὺ ἐδίδους τόπον μετανοίας
— 13. οὐκ ἀδίκως ἔκρινας
— 18. σὺ δὲ . . . ἐν ἐπιεικείᾳ κρίνεις
— 21. μετὰ πόσης [S[2] πάσης] ἀκριβείας ἔκρινας τοὺς υἱούς σου
— 22. ἵνα σου τὴν ἀγαθότητα μεριμνῶμεν κρίνοντες κρινόμενοι δὲ προσδοκῶμεν ἔλεος
Si. 4. 9. μὴ ὀλιγοψυχήσῃς ἐν τῷ κρίνειν [S κρίνεσθαί] σε
— 15. ὁ ὑπακούων [S εἰσακ.] αὐτῆς κρινεῖ ἔθνη
8. 14. κατὰ γὰρ τὴν δόξαν αὐτοῦ κρινοῦσιν αὐτῷ
16. 12. ἄνδρα κατὰ τὰ ἔργα αὐτοῦ κρίνει [A κτείνει]
32 (35). 18. κρινεῖ δικαίως [A S[1] -οις] καὶ ποιήσει κρίσιν
— 19. ἕως κρίνῃ τὴν κρίσιν τοῦ λαοῦ αὐτοῦ
42. 8. περὶ παιδείας . . . ἐσχατογήρου κρινομένου πρὸς νέους [A al.]
45. 26. κρίνειν τὸν λαὸν αὐτοῦ ἐν δικαιοσύνῃ
46. 14. ἐν νόμῳ κυρίου ἔκρινε συναγωγήν
Ho. 2. 2 (4). κρίθητε πρὸς τὴν μητέρα ὑμῶν κρίθητε (8 a, 8 a)
13. 10. κρινάτω σε ὃν εἶπας (10 a)
Mi. 3. 11. οἱ ἡγούμενοι αὐ. μετὰ δώρων ἔκρινον (10 a)
4. 3. καὶ κρινεῖ ἀνὰ μέσον λαῶν πολλῶν (10 a)
6. 1. ἀνάστηθι κρίθητι πρὸς τὰ ὄρη (8 a)
Za. 7. 9. κρίμα δίκαιον κρίνατε (10 a)
8. 16. κρίμα εἰρηνικὸν [A δίκαιον] κρίνατε [A -ετε] (10 a)
Is. 1. 17. κρίνατε ὀρφανῷ (10 a)
— 23. ὀρφανοῖς οὐ κρίνοντες (10 a)
2. 4. κρινεῖ ἀνὰ μέσον τῶν ἐθνῶν [S add. πολλῶν] (10 a)
5. 3. κρίνατε ἐν ἐμοί (10 a)
11. 3. οὐ κατὰ τὴν δόξαν κρινεῖ (10 a)
— 4. κρινεῖ ταπεινῷ κρίσιν (10 a)
16. 5. κρίνων καὶ ἐκζητῶν κρίμα (10 a)
Is. 19. 20. κρίνων σώσει αὐτούς (8 a)
41. 6. ἦλθον ἅμα κρίνων ἕκαστος τῷ πλησίον –
43. 26. μνήσθητι καὶ κριθῶμεν (10 a)
49. 25. ἐγὼ δὲ τὴν κρίσιν σου κρινῶ (8 a)
50. 8. τίς ὁ κρινόμενός μοι (8 a)
— 8. τίς ὁ κρινόμενός μοι (10 d)
51. 22. ὁ θεὸς ὁ κρίνων τὸν λαὸν αὐτοῦ (8 a)
66. 16. κριθήσεται [A καταναλωθ.] πᾶσα ἡ γῆ (10 b)
Je. 2. 9. ἔτι κριθήσομαι πρὸς ὑμᾶς καὶ πρὸς τοὺς υἱοὺς τῶν υἱῶν ὑμῶν κριθήσομαι [S[1] al.] (8 a, 8 a)
— 35. ἐγὼ κρίνομαι πρὸς σέ (10 b)
5. 28. οὐκ ἔκριναν κρίσιν ὀρφανοῦ καὶ κρίσιν χήρας οὐκ ἐκρίνοσαν (3 a, 10 a)
11. 20. κύριε κρίνων δίκαια (10 a)
21. 12. κρίνατε πρωῒ κρίμα (3 a)
22. 16. οὐκ ἔκριναν κρίσιν ταπεινῷ [A -ῶν] (3 a)
27 (50). 34. κρίσιν κρινεῖ πρὸς τοὺς ἀντιδίκους αὐτοῦ (8 a)
28 (51). 36. κρινῶ τὴν ἀντίδικόν σου (8 a)
32 (25). 31. κρίνεται αὐτὸς πρὸς πᾶσαν σάρκα [S al.] (10 b)
37 (30). 13. οὐκ ἔστι κρίνων κρίσιν σου (3 a)
La. 3. 36. καταδικάσαι ἄνθρωπον ἐν τῷ κρίνεσθαι αὐτόν (8 b)
— 59. ἔκρινας τὴν κρίσιν μου (10 a)
Ep. Je. 64. οὔτε κρίσιν κρῖναι
Ez. 7. 8. κρινῶ σε ἐν ταῖς ὁδοῖς σου (10 a)
— 14. κρίνατε τὰ σύμπαντα (5)
11. 10. ἐπὶ τῶν ὀρέων τοῦ Ἰσραὴλ κρινῶ ὑμᾶς (10 a)
— 11. A ἐπὶ τῶν ὀρεῶν τοῦ Ἰσρ. κρινῶ ὑμᾶς (10 a)
18. 30. ἕκαστον κατὰ τὴν ὁδὸν αὐτοῦ κρινῶ ὑμᾶς (10 a)
20. 36. οὕτως [A κἀγὼ] κρινῶ ὑμᾶς (10 b)
21. 30 (35). ἐν τῇ γῇ τῇ ἰδίᾳ σου κρινῶ σε (10 a)
22. 2. εἰ [A οὐ] κρινεῖς τὴν πόλιν τῶν αἱμάτων (10 a)
23. 36. οὐ κρινεῖς τὴν Ὀολάν (10 a)
24. 14. κατὰ τὰ ἐνθυμήματά σου κρινῶ σε . . . κρινῶ σε κατὰ τὰ αἵματά σου καὶ κατὰ τὰ ἐνθυμήματά σου κρινῶ σε (10 a, –, –)
33. 20. ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ [A κατὰ τὰς ὁ. ὑμῶν] κρινῶ ὑμᾶς (10 a)
34. 22. κρινῶ ἀνὰ μέσον κριοῦ πρὸς κριόν (10 a)
35. 11. ἡνίκα ἂν κρίνω σε (10 a)
36. 19. κατὰ τὴν ἁμαρτίαν [A τὰς ἀνομίας] αὐτῶν ἔκρινα αὐτούς (10 a)
38. 22. κρινῶ αὐτὸν θανάτῳ (10 b)
44. 24. τὰ κρίματά μου κρινοῦσι (10 a)
Da. LXX. Su. 53. καὶ κρίνειν κρίσεις θάνατον ἐπιφερούσας
2. 6. δηλώσατέ μοι τὸ ἐνύπνιον καὶ κρίνατε (7)
— 7. οἱ παῖδές σου κρινοῦσι πρὸς ταῦτα (7)
3. 10. σὺ, βασιλεῦ, προσέταξας καὶ ἔκρινας (11)
— 29 (96). καὶ νῦν ἐγὼ κρίνω (11)
4. 15. τὸν ἡγούμενον τῶν κρινόντων τὰ ἐνύπνια –
— 23. ἐπάξουσι τὰ κεκριμένα ἐπὶ σέ –
9. 12. ὅσα ἔκρινας ἡμῖν (10 a)
— 24. ἑβδομήκοντα ἑβδομάδες ἐκρίθησαν (12)
Da. TH. Su. 6. ἦρχοντο πρὸς αὐτοὺς πάντες οἱ κρινόμενοι
— 53. κρίνων κρίσεις ἀδίκους
9. 12. οἱ ἔκρινον ἡμᾶς (10 a)
I Ma. 7. 42. κρῖνον αὐτὸν κατὰ τὴν κακίαν αὐτοῦ
9. 73. ἤρξατο Ἰων. κρίνειν τὸν λαόν
11. 33. A R τῷ ἔθνει τῶν Ἰ. . . . ἐκρίναμεν ἀγαθοποιῆσαι [S ἀγαθὸν ποι.]
II Ma. 6. 14. ἐφ' ἡμῶν ἔκρινεν εἶναι
11. 25. κρίνομεν τό τε ἱερὸν ἀποκατασταθῆναι αὐτοῖς
— 36. ἃ δὲ ἔκρινε προσανενεχθῆναι τῷ βασ.
13. 13. κρῖναι τὰ πράγματα
— 15. μετὰ νεανίσκων ἀρίστων κεκριμένων
15. 17. κρῖναι τὰ πράγματα
— 21. R καθὼς δὲ ἂν αὐτῷ κριθείη [A al.]
III Ma. 1. 6. ἔκρινε τὰς πλησίον πόλεις . . . παρακαλέσαι
2. 3. τοὺς ὕβρει . . . τι πράσσοντας κρίνεις
— 33. ὡς πολεμίους τοῦ ἔθνους ἔκρινον
6. 30. κρίνας αὐτοὺς . . . σωτήρια ἄγειν

[Aq. III Ki. 7. 7 (44) : Jb. 21. 22 : Ps. 9. 39 (10. 18) : 36 (37). 33 : 53 (54). 3 : 81 (82). 1 : 108 (109). 31 : Is. 51. 5 : Ez. 7. 27 : 20. 4 *bis* : 22. 2 *bis* : 23. 24, 36, 45.]
[Sm. Ge. 6. 4 (3) : Ps. 36 (37). 33 : 42 (43). 1 : 50 (51). 6 : 81 (82). 1, 8 : 108 (109). 31 : Is. 11. 3 : 25. 7 : 51. 5 : Ez. 7. 27 : 22. 2 *bis* : 23. 24, 36 : Hb. 1. 12.]
[Th. Is. 27. 8 : 45. 9 : 51. 5 : Ez. 7. 27 : 22. 2 *bis* : 23. 24, 36, 45.]
[Al. I Ki. 7. 6.]
[Quint. Ps. 53 (54). 3.]

κρίνον. (1) חֲבַצֶּלֶת (2) פֶּרַח (3) *a.* שׁוֹשַׁן *b.* שׁוֹשַׁנָּה *c.* שׁוֹשָׁן

Ex. 25. 30 (31). τὰ κρ. . . . ἐξ αὐτῆς ἔσται (2)
— 32 (33). ἐν τῷ ἑνὶ καλαμίσκῳ σφαιρωτὴρ καὶ κρίνον (2)
— 33 (34). σφαιρωτῆρες καὶ τὰ κρ. αὐτῆς [A al.] (2)
— 34 (35). A οἱ σφαιρωτῆρες καὶ τὰ κρ. αὐτῆς –
Nu. 8. 4. ὁ καυλὸς αὐτῆς καὶ τὰ κρ. αὐ. (2)
III Ki. 7. 19. ἔργον κρίνου κατὰ τὸ αἰλάμ (3 a)
— 22. A ἐπὶ τῶν κεφαλῶν ἔργον κρίνου (3 b)
— 24 (26). B βλαστὸς κρίνου (3 b?)
— 26. A βλαστὸς κρίνου (3 b)
II Ch. 4. 5. διαγεγλυμμένα βλαστοὺς κρίνου (3 c)
Ca. 2. 1. ἐγὼ . . . κρίνον τῶν κοιλάδων (3 c)
— 2. ὡς κρίνον ἐν μέσῳ ἀκανθῶν (3 c)
— 16. ὁ ποιμαίνων ἐν τοῖς κρ. (3 c)
4. 5. οἱ νεμόμενοι ἐν κρίνοις (3 c)
5. 13. χείλη αὐτοῦ κρίνα στάζοντα σμύρναν πλήρη (3 c)
6. 1 (2). συλλέγειν κρίνα (3 c)
— 2 (3). ὁ ποιμαίνων ἐν τοῖς κρίνοις (3 c)
7. 2 (3). θημωνία σίτου πεφραγμένη ἐν κρίνοις (3 c)
Si. 39. 14. ἀνθήσατε ἄνθος ὡς κρίνον
50. 8. ὡς κρίνα ἐπ' ἐξόδων [A S -ῳ] ὕδατος
Ho. 14. 6. ἀνθήσει ὡς κρίνον (3 c)
Is. 35. 1. ἀνθείτω ὡς κρίνον (1)

[Aq. Ps. 44 (45). 1 : 59 (60). 1 : 68 (69). 1 : 79 (80). 1.]
[Th. Ps. 44 (45). 1.]
[Al. Ca. 2. 16.]
[Sext. Ca. 2. 16 : 6. 2 (3).]

κριός. (1) אַיִל (2) אַדִּיר (3) דְּכַר (4) כַּר (5) עַתּוּד (6) פַּר (7) שֶׂה

Ge. 15. 9. λάβε μοι . . . κριὸν τριετίζοντα (2)
22. 13. ἰδοὺ κριὸς εἷς κατεχόμενος ἐν φυτῷ (2)
— 13. ἔλαβε τὸν κρ. καὶ ἀνήνεγκεν αὐτόν (2)
30. 40. ἔστησεν . . . κριὸν διάλευκον †
31. 10. B οἱ κρ. ἀναβαίνοντες [A ἀ. ἦσαν] ἐπὶ τὰ πρόβατα (5)
— 12. ἴδε . . . τοὺς κρ. ἀναβαίνοντας (5)
— 38. κριοὺς τῶν προβάτων σου οὐ κατέφαγον (2)
32. 14 (15). ἐξαπέστειλεν . . . κριοὺς εἴκοσι (2)
Ex. 25. 5 : 26. 14. δέρματα κριῶν ἠρυθροδανωμένα (2)
29. 1. λῆψη . . . κριοὺς ἀμώμους δύο (2)
— 3. προσοίσεις [B[1] -σει] . . . τοὺς δύο κρ. (2)
— 15. τὸν κρ. λήψῃ τὸν ἕνα (2)
— 15. ἐπιθήσουσιν . . . ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ κρ. (2)
— 16. A σφάξεις τὸν κρ. [B al.] (2)
— 17. τὸν κρ. διχοτομήσεις (2)
— 18. ἀνοίσεις ὅλον τὸν κρ. (2)
— 19. λήψῃ [A om.] τὸν κρ. τὸν δεύτερον (2)
— 19. ἐπιθήσει . . . ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ κρ. (2)
— 21. τὸ δὲ αἷμα τοῦ κρ. προσχεεῖς –
— 22. λήψῃ ἀπὸ τοῦ κρ. τὸ στέαρ αὐτοῦ (2)
— 26. λήψῃ . . . ἀπὸ τοῦ κρ. τῆς τελειώσεως (2)
— 27. ἀπὸ τοῦ κρ. τῆς τελειώσεως (2)
— 31. τὸν κρ. τῆς τελειώσεως λήψῃ (2)
— 32. ἔδονται . . . τὰ κρέα τοῦ κρ. (2)
35. 7, 23 : 39. 21 (34). δέρματα κριῶν ἠρυθροδανωμένα (2)
Le. 5. 15. κρ. ἄμωμον ἐκ τῶν προβάτων (2)
— 16. ἐν τῷ κρ. τῆς πλημμελείας (2)
— 18. κρ. ἄμωμον ἐκ τῶν προβάτων (2)
6. 5 (5. 25). κριὸν ἀπὸ τῶν προβάτων ἄμωμον (2)
— 31 (7. 1). οὗτος ὁ νόμος τοῦ κρ. τοῦ περὶ τῆς πλημμελείας –
— 32 (7. 2). σφάξουσι τὸν κρ. τῆς πλημμελείας –
8. 2. καὶ τοὺς δύο κρ. (2)
— 18. προσήγαγε Μωυσῆς τὸν κρ. (2)
— 18. ἐπέθηκεν . . . ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ κρ. (2)
— 18. ἔσφαξε Μωυσῆς τὸν κρ. –
— 19 (20). τὸν κρ. ἐκρεανόμησε κατὰ μέλη (2)
— 20 (21). ἀνήνεγκε Μωυσῆς ὅλον τὸν κρ. (2)
— 21 (22). προσήγαγε Μ. τὸν κρ. τὸν δεύτερον κριὸν τελειώσεως (2, 2)

Le. 8. 21 (22). ἐπέθηκεν . . . ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ κρ. (2)
— 28 (29). ἐπίθεμα . . . ἀπὸ τοῦ κρ. τῆς τελειώσεως (2)
9. 2. καὶ κριὸν εἰς ὁλοκαύτωμα (2)
— 4. καὶ κριὸν εἰς θυσίαν σωτηρίου (2)
— 18. καὶ τὸν κρ. τῆς θυσίας τοῦ σωτηρίου (2)
— 19. ἀπὸ τοῦ μόσχου καὶ τοῦ κρ. (2)
16. 3. καὶ κριὸν εἰς ὁλοκαύτωμα (2)
— 5. καὶ κρ. ἕνα εἰς ὁλοκαύτωμα (2)
19. 21. προσάξει . . . κριὸν πλημμελείας (2)
— 22. ἐξιλάσεται . . . ἐν τῷ κρ. τῆς πλημμελείας (2)
23. 18. καὶ κρ. δύο ἀμώμους (2)
Nu. 5. 8. πλὴν τοῦ κρ. τοῦ ἱλασμοῦ [A ἐξ.] (2)
6. 14. καὶ κρ. ἕνα [A *om.*] ἄμωμον εἰς σωτήριον [B[1] -αν] (2)
— 17. τὸν κρ. ποιήσει θυσίαν (2)
— 19. τὸν βραχίονα ἑφθὸν ἀπὸ τοῦ κρ. (2)
7. 15. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. [B[1] καὶ κρ.] ἕνα (2)
— 17. δαμάλεις δύο κριοὺς [B[1] καὶ κρ.] πέντε (2)
— 21. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 23. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 27. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 29. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 33. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 35. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε [A *om.* κρ. π.] (2)
— 39. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 41. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 45. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 47. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 51. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 53. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 57. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 59. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 63. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 65. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 69. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 71. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 75. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 77. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 81. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. ἕνα (2)
— 83. δαμάλεις δύο κριοὺς πέντε (2)
— 87. μόσχοι δώδεκα κριοὶ δώδεκα (2)
— 88. δαμάλεις εἴκοσι τέσσαρες κριοὶ [B[1] καὶ κρ.] ἑξήκοντα (2)
15. 6. καὶ τῷ κρ. . . . ποιήσεις [A *om.*] θυσίαν (2)
— 11. οὕτω ποιήσεις . . . τῷ κρ. τῷ ἑνί (2)
23. 1. ἑπτὰ μόσχους καὶ ἑπτὰ κρ. (2)
— 2. ἀνήνεγκε μόσχον καὶ κριόν (2)
— 4. ἀνεβίβασα μόσχον καὶ κριόν (2)
— 14. ἀνεβίβασε μόσχον καὶ κριόν (2)
— 29. ἑπτὰ μόσχους καὶ ἑπτὰ κρ. (2)
— 30. ἀνήνεγκε μόσχον καὶ κριόν (2)
28. 11. καὶ κρ. ἕνα (2)
— 12. δύο δέκατα σεμιδάλεως . . . τῷ κρ. τῷ ἑνί (2)
— 14. ἔσται τῷ κρ. τῷ ἑνί (2)
— 19. μόσχους ἐκ βοῶν δύο κρ. ἕνα (2)
— 20. δύο δέκατα τῷ κρ. τῷ ἑνί (2)
— 27. μόσχους ἐκ βοῶν δύο κρ. ἕνα (2)
— 28. δύο δέκατα τῷ κρ. τῷ ἑνί (2)
29. 2. μόσχον ἕνα ἐκ βοῶν κρ. [B[2] καὶ κρ.] ἕνα (2)
— 3. δύο δέκατα τῷ κρ. τῷ ἑνί (2)
— 8. μόσχον ἐκ βοῶν ἕνα κρ. ἕνα (2)
— 9. δύο δέκατα τῷ κρ. τῷ ἑνί (2)
— 13. προσάξετε . . . κριοὺς δύο (2)
— 14. δύο δέκατα τῷ κρ. τῷ ἑνὶ ἐπὶ τοὺς δύο κρ. (2, 2)
— 17. μόσχους δώδεκα κριοὺς δύο (2)
— 18. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ. (2)
— 20. μόσχους ἕνδεκα κριοὺς δύο (2)
— 21. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ. (2)
— 23. μόσχους δέκα κριοὺς δύο (2)
— 24. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ. (2)
— 26. μόσχους ἐννέα κριοὺς δύο (2)
— 27. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ. (2)
— 29. μόσχους ὀκτὼ κριοὺς δύο (2)
— 30. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ. (2)
— 32. μόσχους ἑπτὰ κριοὺς δύο (2)
— 33. τοῖς μόσχοις καὶ τοῖς κρ. (2)
— 36. μόσχον ἕνα κρ. ἕνα (2)
— 37. τῷ μόσχῳ καὶ τῷ κρ. (2)
De. 32. 14. μετὰ στέατος ἀρνῶν καὶ κριῶν (2)
I Ki. 15. 22. καὶ ἡ ἐπακρόασις ὑπὲρ στέαρ κριῶν (2)
IV Ki. 3. 4. ἑκατὸν χιλιάδας κριῶν ἐπὶ πόκων [? ἐπιπ.] (2)
I Ch. 15. 26. ἔθυσαν . . . ἀν' [8[1] *om.*] ἑπτὰ κριούς (2)
29. 21. ἀνήνεγκε . . . κριοὺς χιλίους (2)
II Ch. 13. 9. πληρῶσαι τὰς χεῖρας . . . κριοῖς ἑπτά (2)
15. 11. A κριοὺς καὶ πρόβατα [B *al.*] †
17. 11. ἔφερον αὐτῷ κριοὺς προβάτων (2)
29. 21. ἀνήνεγκε μόσχους ἑπτὰ κριοὺς ἑπτά (2)
— 22. ἔθυσαν τοὺς κρ. (2)
— 32. μόσχοι ἑβδομήκοντα κριοὶ ἑκατόν (2)
I Es. 6. 29. εἰς ταύρους καὶ κριοὺς καὶ ἄρνας
7. 7. προσήνεγκαν . . . κρ. διακοσίους
8. 14. A[2] B εἰς ταύρους καὶ κριοὺς καὶ ἄρνας
— 65. A R προσήνεγκαν . . . κριοὺς ἐνενήκοντα ἓξ [B *al.*]
9. 20. καὶ εἰς ἐξιλασμὸν κριοὺς ὑπὲρ τῆς ἀγνοίας αὐτῶν
II Es. 6. 9. καὶ υἱοὺς βοῶν καὶ κριῶν (3)
— 17. προσήνεγκαν . . . κρ. διακοσίους (3)
7. 17. μόσχους κριοὺς ἀμνούς (3)
8. 35. προσήνεγκαν . . . κριοὺς ἐνενήκοντα ἓξ (2)
10. 19. A B S[2] καὶ πλημμελείας κριὸν ἐκ προβάτων (2)
To. 7. 8. ἔθυσαν κριὸν προβάτων [S *al.*]
8. 19. S καὶ κριοὺς τέσσαρας
Jb. 42. 8. λάβετε ἑπτὰ μόσχους καὶ ἑπτὰ κριούς (2)
Ps. 28 (29). 1. ἐνέγκατε τῷ κυρίῳ υἱοὺς κριῶν (2 ?)
64 (65). 13. ἐνεδύσαντο οἱ κρ. τῶν προβάτων (4 ?)
65 (66). 15. μετὰ θυμιάματος καὶ κριῶν (2)
113 (114). 4. τὰ ὄρη ἐσκίρτησαν ὡσεὶ κριοί (2)
— 6. τὰ ὄρη, ὅτι ἐσκιρτήσατε ὡσεὶ κριοί (2)
Mi. 6. 7. εἰ προσδέξεται κύριος ἐν χιλιάσι κριῶν (2)
Is. 1. 11. πλήρης εἰμὶ ὁλοκαυτωμάτων κριῶν (2)
34. 6. ἀπὸ στέατος τράγων καὶ κριῶν (2)
— 7. συμπεσοῦνται . . . οἱ κρ. καὶ οἱ ταῦροι (6)
60. 7. κριοὶ [A οἱ κρ.] Ναβμιὼθ ἥξουσι (2)
Je. 28 (51). 40. καταβίβασον [S[1] -σω] αὐτοὺς . . . ὡς κριοὺς μετ' ἐρίφων (2)
32 (25). 34. κόπτεσθε οἱ κρ. τῶν προβάτων . . . καὶ πεσεῖσθε ὥσπερ οἱ κρ. οἱ ἐκλεκτοί (1, †)
— 35. ἀπολεῖται . . . σωτηρία ἀπὸ τῶν κρ. τῶν προβάτων (1)
— 36. ἀλαλαγμὸς τῶν προβάτων καὶ τῶν κρ. [S κρ. κ. τ. πρ.] (1)
La. 1. 6. ὡς κριοὶ οὐχ εὑρίσκοντες νομήν †
Ez. 27. 21. καμήλους καὶ κριοὺς καὶ ἀμνούς [A μόσχους] (2)
34. 17. διακρινῶ ἀνὰ μέσον . . . κριῶν [A -οῦ] (2)
— 22. κρινῶ ἀνὰ μέσον κριοῦ πρὸς κριόν (7, 7)
39. 18. κριοὺς καὶ μόσχους καὶ τράγους (2)
43. 23. προσοίσουσι . . . κριὸν ἐκ προβάτων ἄμωμον (2)
— 25. ποιήσεις . . . κριὸν ἐκ προβάτων (2)
45. 23. ποιήσει [A -εις] ὁλοκαυτώματα . . . ἑπτὰ κριοὺς ἀμώμους (2)
— 24. πέμμα τῷ κρ. ποιήσεις (2)
46. 4. προσοίσει . . . κριὸν ἄμωμον (2)
— 5. πέμμα τῷ κρ. (2)
— 6. κρ. ἄμωμος ἔσται (2)
— 7. καὶ πέμμα τῷ κρ. (6)
— 11. καὶ πέμμα τῷ κρ. (2)
Da. LXX. 3. (40). ἐν ὁλοκαυτώμασι κριῶν
8. 3. εἶδον κρ. ἕνα μέγαν (2)
— 4. εἶδον τὸν κρ. κερατίζοντα (2)
— 6. ἦλθεν ἐπὶ τὸν κρ. (2)
— 7. εἶδον αὐτὸν προσάγοντα πρὸς τὸν κρ. (2)
— 7. ἐπάταξε τὸν κρ. (2)
— 7. οὐκέτι ἦν ἰσχὺς ἐν τῷ κρ. (2)
— 7. οὐκ ἦν ὁ ῥυόμενος τὸν κρ. (2)
— 20. τὸν κρ. ὃν εἶδες (2)
Da. TH. 3. (40). ὡς ἐν ὁλοκαυτώσει [A -ώμασιν] κριῶν
8. 3. καὶ ἰδοὺ κριὸς εἷς (2)
— 4. ἶδον τὸν κρ. κερατίζοντα (2)
— 6. ἦλθεν ἕως τοῦ κρ. (2)
— 7. ἶδον αὐτὸν [A *om.*] φθάνοντα ἕως τοῦ κρ. (2)
— 7. ἔπαισε τὸν κρ. (2)
— 7. οὐκ ἦν ἰσχὺς τῷ κρ. (2)
— 7. οὐκ ἦν ὁ ἐξαιρούμενος τὸν κρ. (2)
— 20. ὁ κρ. ὃν εἶδες (2)
II Ma. 12. 15. τὸν ἅπερ κριῶν . . . κατακρημνίσαντα τὴν Ἱερ.

[Aq. Is. 34. 6 : Da. 8. 7.]
[Sm. Ex. 35. 23 : Is. 34. 6.]
[Th. Ex. 35. 23 : Is. 34. 6 : Da. 8. 7.]

κρίσις. (1) דָּבָר (2) *a.* דִּין subst. *b.* מִדָּן *c.* מְדָנָן *d.* מָדָן *e.* דִּין verb. (3) מִצְוָה (4) נָקָם (5) פְּשַׁר (6) צֶדֶק (7) רִיב *a.* verb. *b.* subst. *c.* יָרִיב (8) שָׁפַט *a.* qal. *b.* ni. *c.* שָׁפָט *d.* מִשְׁפָּט . *e.* שִׁבּוּט (9) **κρίσιν ποιεῖν** נָקַם ni.

Ge. 14. 7. ἦλθοσαν ἐπὶ τὴν πηγὴν τῆς κρ. (8 *d*)
18. 19. ποιεῖν δικαιοσύνην καὶ κρίσιν (8 *d*)
— 25. οὐ ποιήσεις κρίσιν (8 *d*)
19. 9. μὴ καὶ κρίσιν κρῖναι (8 *a*)
Ex. 6. 6. λυτρώσομαι ὑμᾶς ἐν . . . κρ. μεγάλῃ (8 *c*)
15. 25. ἔθετο αὐτῷ δικαιώματα καὶ κρίσεις (8 *d*)
18. 15. ἐκζητῆσαι κρίσιν παρὰ τοῦ θεοῦ –
22. 9 (8). ἐνώπιον τοῦ θεοῦ ἐλεύσεται ἡ κρ. ἀμφοτέρων (1)
23. 2. ὥστε ἐκκλεῖσαι [A -κλῖναι] κρίσιν –
— 3. πένητα οὐκ ἐλεήσεις ἐν κρίσει (7 *b*)
— 6. οὐ διαστρέψεις κρίμα πένητος ἐν κρίσει αὐτοῦ (7 *b*)
24. 14. ἐάν τινι συμβῇ κρίσις (1)
28. 15. ποιήσεις λογεῖον τῶν κρ. (8 *d*)
— 23 (29). ἐπὶ τοῦ λογείου [A τὸ λ.] τῆς κρ. (8 *d*)
— 24 (30). θήσεις ἐπὶ τὸ λογεῖον τῆς κρ. (8 *d* ?)
— 26 (30). ἐπιθήσεις ἐπὶ τὸ λογεῖον τῆς κρ. (8 *d*)
— 26 (30). οἴσει Α. τὰς κρ. τῶν υἱῶν Ἰσραήλ (8 *d*)
Le. 19. 15, 35. οὐ ποιήσετε ἄδικον ἐν κρίσει (8 *d*)
25. 18. ποιήσετε . . . πάσας τὰς κρ. μου (8 *d*)
Nu. 27. 4 (5). προσήγαγε Μ. τὴν κρ. αὐ. ἔναντι κ. (8 *d*)
— 11. ἔσται τοῦτο . . . δικαίωμα κρίσεως (8 *d*)
— 21. ἐπερωτήσουσιν αὐτὸν τὴν κρ. τῶν δήλων (8 *d*)
35. 12. ἕως ἂν στῇ . . . εἰς κρίσιν (8 *d*)
De. 1. 17. οὐκ ἐπιγνώσῃ πρόσωπον ἐν κρίσει (8 *d*)
— 17. ἡ κρ. τοῦ θεοῦ ἐστι (8 *d*)
4. 5. δέδειχα ὑμῖν δικαιώματα καὶ κρίσεις (8 *d*)
— 14. διδάξαι ὑμᾶς δικαιώματα καὶ κρίσεις (8 *d*)
10. 18. ποιῶν κρίσιν προσηλύτῳ (8 *d*)
11. 1. καὶ τὰς κρ. αὐτοῦ (3 ?)
— 32. καὶ τὰς κρ. ταύτας [A αὐτοῦ] (8 *d*)
12. 1. τὰ προστάγματα καὶ αἱ κρ. [A τὰ κρίματα] (8 *d*)
16. 18. κρινοῦσι τὸν λαὸν κρ. δικαίαν (8 *d*)
— 19. A R οὐκ ἐκκλινοῦσι κρίσιν (8 *d*)
17. 8. ἐὰν δὲ ἀδυνατήσῃ ἀπὸ σοῦ ῥῆμα ἐν κρίσει . . . ἀνὰ μέσον κρίσις κρίσεως . . . ῥήματα κρίσεως ἐν ταῖς πόλεσιν ὑμῶν (8 *d*, 2 *a*, 2 *a*, 7 *b*)
— 9. ἀναγγελοῦσί σοι τὴν κρ. (1 + 8 *d*)
— 11. κατὰ τὴν κρ. ἣν ἂν εἴπωσί σοι (8 *d*)
18. 3. αὕτη ἡ κρ. τῶν ἱερέων (8 *d*)
19. 6. τούτῳ οὐκ ἔστι κρίσις θανάτου (8 *d*)
24. 17. οὐκ ἐκκλινεῖς κρίσιν προσηλύτου (8 *d*)
25. 1. καὶ προσέλθωσιν εἰς κρίσιν (8 *d*)
27. 19. ὃς ἂν ἐκκλίνῃ κρίσιν προσηλύτου (8 *d*)
30. 10. τὰ δικαιώματα αὐτοῦ καὶ τὰς κρ. αὐτοῦ –
— 16. τὰ δικαιώματα αὐτοῦ καὶ τὰς κρ. αὐτοῦ (8 *d*)
32. 4. πᾶσαι αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ κρίσεις (8 *d*)
33. 21. καὶ κρίσιν αὐτοῦ μετὰ Ἰσρ. (8 *d*)
Jo. 20. 3. ἕως ἂν καταστῇ . . . εἰς κρίσιν (8 *d*)
— 6. A ἕως τῆς κατὰ πρόσωπον τῆς συναγωγῆς εἰς κρίσιν (8 *d*)
— 9. ἕως ἂν καταστῇ . . . εἰς κρίσιν –
24. 25. ἔδωκεν αὐτῷ νόμον καὶ κρίσιν (8 *d*)
Jd. 4. 5. ἀνέβαινον . . . εἰς κρίσιν [A *al.*] (8 *d*)
13. 12. τίς ἔσται κρ. τοῦ παιδίου [A *al.*] (8 *d*)
18. 7. ὡς κρίσις [A κατὰ τὴν σύγκρισιν τῶν] Σ. (8 *d*)
I Ki. 24. 16. καὶ κρίναι τὴν κρ. μου (7 *b*)
25. 39. ὃς ἔκρινε τὴν κρ. τοῦ ὀνειδισμοῦ μου (7 *b*)
II Ki. 15. 2. πᾶς ἀνὴρ ᾧ ἐγένετο κρίσις ἦλθε πρὸς τὸν βασ. εἰς κρίσιν (7 *b*, 8 *d*)
— 4. ᾧ [A οὗ] ἐὰν ᾖ ἀντιλογία καὶ κρίσις (8 *d*)
— 6. τοῖς παραγινομένοις εἰς κρίσιν (8 *d*)
III Ki. 8. 49. A ποιήσεις κρίσιν αὐτῶν (8 *d*)
11. 33. A διακριβείας μου καὶ κρίσεις μου (8 *d*)
IV Ki. 1. 7. τίς ἡ κρ. τοῦ ἀνδρός (8 *d*)
17. 34. καὶ κατὰ τὴν κρ. αὐτῶν (8 *d*)
25. 6. ἐλάλησε μετ' αὐτοῦ κρίσιν (8 *d*)
I Ch. 6. 32 (17). ἔστησαν κατὰ τὴν κρ. [A κρᾶσιν] αὐ. (8 *d*)
23. 31. κατὰ τὴν κρ. ἐπ' αὐτοῖς (8 *d*)
24. 19. κατὰ τὴν κρ. αὐτῶν διὰ χειρὸς Ἀαρών (8 *d*)
II Ch. 8. 14. κατὰ τὴν κρ. Δαυίδ (8 *d*)
9. 8. A τοῦ ποιῆσαι κρίσιν [B κρίμα] (8 *d*)
19. 6. καὶ μεθ' ὑμῶν λόγοι τῆς κρ. (8 *d*)

II Ch. 19. 8. κατέστησεν Ἰωσ. . . . εἰς κρίσιν κυρίου (8 *d*)
— 10. κρ. τὴν ἐλθοῦσαν ἐφ' [A πρὸς] ὑμᾶς (7 *b*)
20. 9. ῥομφαία κρίσις θάνατος (8 *c*)
35. 13. ὤπτησαν τὸ φασὲκ . . . κατὰ τὴν κρ. (8 *d*)
I Es. 4. 40. οὐκ ἔστιν ἐν τῇ κρ. αὐτῆς οὐδὲν ἄδικον
II Es. 3. 4. ὡς ἡ κρ. (8 *d*)
To. 1. 18. S ἐν ἡμέραις τῆς κρ.
3. 2. κρ. ἀληθινὴν καὶ δικαίαν σὺ κρίνεις εἰς τὸν αἰῶνα [S *al.*]
— 5. πολλαὶ αἱ κρ. σού εἰσι καὶ ἀληθιναί
6. 12. S κατὰ τὴν κρ. τῆς βίβλου M. [A B *al.*]
7. 12. κομίζου αὐτὴν ἀπὸ τοῦ νῦν κατὰ τὴν κρ. [S *al.*]
— 13. S κατὰ τὴν κρ. τὴν γεγραμμένην [A B *al.*]
— 14. S κατὰ τὴν κρ. τοῦ M. νόμου
Ju. 9. 6. καὶ ἡ κρ. [A αἱ κρ.] σου ἐν προγνώσει
16. 17. ἐκδικήσει αὐτοὺς ἐν ἡμέρᾳ κρίσεως
Es. 1. 13. ποιήσατε οὖν περὶ τούτου νόμον καὶ κρίσιν (2 *a*)
8. 13. τὴν καταξίαν τοῦ . . . θεοῦ . . . ἀποδόντος αὐτῷ κρ.
10. 3. A B^2 S R καὶ εἰς ἡμέραν κρίσεως
Jb. 6. 29. A S^2 μὴ εἴη ἄδικον ἐν κρίσει [B S^1 *om.* ἐν κρ.] –
9. 32. ἵνα ἔλθωμεν ὁμοθυμαδὸν εἰς κρίσιν (8 *d*)
13. 6. κρίσιν [A -σει] δὲ χειλέων μου προσέχετε (7 *b*)
22. 4. συνεισελεύσεταί σοι εἰς κρίσιν (8 *d*)
34. 4. κρίσιν ἑλώμεθα ἑαυτοῖς (8 *d*)
— 12. ἢ ὁ παντοκράτωρ ταράξει κρίσιν [A τὸ δίκαιον] (8 *d*)
35. 2. τί τοῦτο ἡγήσω ἐν κρίσει (8 *d*)
39. 32 (40. 2). μὴ κρίσιν μετὰ ἱκανοῦ ἐκκλίνει [? -εἰ] (7 *a*)
Ps. 1. 5. οὐκ ἀναστήσονται οἱ ἀσεβεῖς ἐν κρίσει (8 *d*)
9. 4. ἐποίησας τὴν κρ. μου (8 *d*)
— 7. ἡτοίμασεν ἐν κρίσει τὸν θρόνον αὐτοῦ (8 *d*)
24 (25). 9. ὁδηγήσει πραεῖς ἐν κρίσει (8 *d*)
32 (33). 5. ἀγαπᾷ ἐλεημοσύην καὶ κρίσιν (8 *d*)
34 (35). 23. πρόσχες τῇ κρ. μου (8 *d*)
36 (37). 28. κύριος ἀγαπᾷ κρίσιν (8 *d*)
— 30. ἡ γλῶσσα αὐτοῦ λαλήσει [S^1 μελετήσει] κρίσιν (8 *d*)
71 (72). 2. καὶ τοὺς πτωχούς σου ἐν κρίσει (8 *d*)
75 (76). 8. ἐκ τοῦ οὐρανοῦ ἠκούτισας κρίσιν (2 *a*)
— 9. ἐν τῷ ἀναστῆναι εἰς κρίσιν τὸν θεόν (8 *d*)
93 (94). 15. ἕως οὗ δικαιοσύνη ἐπιστρέψῃ εἰς κρίσιν (8 *d*)
98 (99). 4. A B S^2 τιμὴ βασιλέως κρίσιν ἀγαπᾷ (8 *d*)
— 4. κρίσιν καὶ δικαιοσύνην ἐν Ἰ. σὺ ἐποίησας (8 *d*)
100 (101). 1. κρίσιν ᾄσομαί σοι (8 *d*)
105 (106). 3. μακάριοι οἱ φυλάσσοντες κρίσιν (8 *d*)
110 (111). 7. ἔργα χειρῶν αὐτοῦ ἀλήθεια καὶ κρίσις (8 *d*)
111 (112). 5. οἰκονομήσει τοὺς λόγους αὐτοῦ ἐν κρίσει (8 *d*)
118 (119). 84. πότε ποιήσεις ἐκ τῶν καταδιωκόντων με κρίσιν (8 *d*)
— 137. A R εὐθεῖς αἱ κρ. [S εὐθὴς ἡ κρ.] σου (8 *d*)
— 154. κρῖνον τὴν κρ. μου (7 *b*)
121 (122). 5. ἐκεῖ ἐκάθισαν θρόνοι εἰς κρίσιν (8 *d*)
139 (140). 12. ποιήσει κύριος τὴν κρ. τοῦ πτωχοῦ (2 *a*)
142 (143). 2. μὴ εἰσέλθῃς εἰς κρίσιν μετὰ τοῦ δούλου σου (8 *d*)
Pr. 6. 19. ἐπιπέμπει κρίσεις ἀνὰ μέσον ἀδελφῶν (2 *d*)
— 34. οὐ φείσεται ἐν ἡμέρᾳ κρίσεως (4)
15. 18. μακρόθυμος ἀνὴρ κατασβέσει κρίσεις (7 *b*)
16. 10. ἐν δὲ κρίσει οὐ μὴ πλανηθῇ τὸ στόμα αὐτοῦ (8 *d*)
18. 5. οὐδὲ ὅσιον ἐκκλίνειν τὸ δίκαιον ἐν κρίσει (8 *d*)
19. 28. στόμα δὲ ἀσεβῶν καταπίεται κρίσεις †
22. 23. ὁ γὰρ κύριος κρινεῖ αὐτοῦ τὴν κρ. [A δίκην, S^1 ψυχήν] (7 *b*)
23. 11. κρινεῖ τὴν κρ. αὐτῶν μετὰ σοῦ (7 *b*)
— 29. A B S τίνι θόρυβος; τίνι κρίσις [R -εις] (2 *c*, 2 *b* *)
24. 38 (23). A B αἰδεῖσθαι πρόσωπον ἐν κρίσει οὐ καλόν (8 *d*)
— 68 (30. 33). ἐξελεύσονται κρίσεις καὶ μάχαι (7 *b*)
26. 17. οὕτως ὁ προεστὼς ἀλλοτρίας κρίσεως (7 *b*)
28. 2. δι' ἁμαρτίας ἀσεβῶν κρίσεις ἐγείρονται †
Ec. 3. 16. εἶδον ὑπὸ τὸν ἥλιον τόπον τῆς κρ. (8 *d*)
8. 5. καιρὸν κρίσεως γινώσκει καρδία σοφοῦ (8 *d*)
— 6. παντὶ πράγματί ἐστι καιρὸς καὶ κρίσις (8 *d*)
11. 9. ἐπὶ πᾶσι τούτοις ἄξει σε ὁ θεὸς ἐν κρίσει (8 *d*)
12. 14. σύμπαν τὸ ποίημα ὁ θεὸς ἄξει ἐν κρίσει (8 *d*)
Wi. 5. 18. περιθήσεται κόρυθα κρίσιν ἀνυπόκριτον
Wi. 6. 5. κρίσις ἀπότομος ἐν τοῖς ὑπερέχουσιν γίνεται
8. 11. ὀξὺς εὑρεθήσομαι ἐν κρίσει
9. 3. καὶ ἐν εὐθύτητι ψυχῆς κρίσιν κρίνῃ [A -ει]
— 5. ἐλάσσων ἐν συνέσει κρίσεως
12. 25. ὡς παισὶν ἀλογίστοις τὴν κρ. εἰς ἐμπαιγμὸν ἔπεμψας
— 26. ἀξίαν θεοῦ κρίσιν πειράσουσιν
16. 18. θεοῦ κρίσει ἐλαύνονται [A -ωνται]
17. 1. μεγάλαι γάρ σου αἱ κρ.
Si. 3. 2. κρίσιν μητρὸς ἐστερέωσεν ἐφ' υἱοῖς
11. 9. ἐν κρίσει ἁμαρτωλῶν μὴ συνέδρευε
16. 26. ἐκ κρίσει κυρίου τὰ ἔργα αὐτοῦ ἀπ' ἀρχῆς
18. 20. πρὸ κρίσεως ἐξέταζε σεαυτόν
25. 4. ὡς ὡραῖον πολιαῖς κρίσις
29. 19. διώκων ἐργολαβείας ἐμπεσεῖται εἰς κρίσεις [A ἐγγύην]
30. 38 (33. 29). ἄνευ κρίσεως μὴ ποιήσῃς μηδέν
32 (35). 18. καὶ ποιήσει κρίσιν
— 19. ἕως κρίνῃ τὴν κρ. τοῦ λαοῦ αὐτοῦ
36 (33). 13. ἀποδοῦναι αὐτοῖς κατὰ τὴν κρ. αὐτοῦ
38. 16. κατὰ δὲ τὴν κρ. αὐ. περίστειλον τὸ σῶμα αὐ.
45. 10. λογείῳ [S λόγοι] κρίσεως δήλοις ἀληθείας
Ho. 4. 1. ὅτι κρίσις [A -εις] τῷ κ. πρὸς τοὺς κατοικοῦντας τὴν γῆν (7 *b*)
12. 2 (3). καὶ κρίσις [A -εις] τῷ κ. πρὸς Ἰ. (7 *b*)
Mi. 6. 2. R ἀκούσατε ὄρη [A βουνοί, B λαοί] τὴν κρ. (7 *b*)
— 2. ὅτι κρίσις τῷ κ. πρὸς τὸν λαὸν αὐτοῦ (7 *b*)
Hb. 1. 3. ἐξ ἐναντίας μου γέγονε κρίσις (7 *b*)
Ma. 3. 5. προσάξω πρὸς [A *om.*] ὑμᾶς ἐν κρίσει (8 *d*)
— 5. ἐπὶ . . . τοὺς ἐκκλίνοντας κρίσιν προσηλύτου –
Is. 1. 17. ἐκζητήσατε κρίσιν (8 *d*)
— 21. πόλις πιστὴ Σιὼν πλήρης κρίσεως (8 *d*)
— 23. κρίσιν χηρῶν [A S -ρας] οὐ προσέχοντες (7 *b*)
— 24. κρίσιν ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου ποιήσω (9)
3. 13. καταστήσεται εἰς κρίσιν κύριος καὶ στήσει εἰς κρίσιν τὸν λαὸν αὐτοῦ (7 *a*, 2 *c*)
— 14. αὐτὸς κύριος εἰς κρίσιν ἥξει (8 *d*)
4. 4. ἐν πνεύματι κρίσεως (8 *d*)
5. 7. ἔμεινα τοῦ ποιῆσαι κρίσιν (8 *d*)
10. 2. ἐκκλίνοντες κρίσιν πτωχῶν (2 *a*)
11. 4. κρινεῖ ταπεινῷ κρίσιν (6)
26. 8. ἡ γὰρ ὁδὸς κυρίου κρίσις (8 *d*)
28. 6. καταλειφθήσονται ἐπὶ πνεύματι κρίσεως ἐπὶ κρίσιν (8 *d*, 8 *d*)
— 17. θήσω κρίσιν εἰς ἐλπίδα (8 *d*)
32. 1. ἄρχοντες μετὰ κρίσεως ἄρξουσι (8 *d*)
— 7. διασκεδάσαι λόγους [A -γισμοὺς] ταπεινῶν ἐν κρίσει (8 *d*)
33. 5. ἐνεπλήσθη Σιὼν κρίσεως καὶ δικαιοσύνης (8 *d*)
— 15. ἵνα μὴ ἀκούσῃ κρίσιν αἵματος –
34. 5. ἐπὶ τὸν λαὸν τῆς ἀπωλείας μετὰ κρίσεως (8 *d*)
— 8. ἡμέρα γὰρ κρίσεως κυρίου καὶ ἐνιαυτὸς ἀνταποδόσεως κρίσεως Σιών (4, 7 *b*)
35. 4. ὁ θεὸς ἡμῶν κρίσιν ἀνταποδίδωσι (4)
40. 14. τίς ἔδειξεν αὐτῷ κρίσιν (8 *d*)
— 27. ὁ θεός μου τὴν κρ. ἀφεῖλε (8 *d*)
41. 1. κρίσιν [A -εις] ἀναγγειλάτωσαν (8 *d*)
— 21. ἐγγίζει ἡ κρ. ὑμῶν (7 *b*)
42. 1. κρίσιν [A -εις] τοῖς ἔθνεσιν ἐξοίσει (8 *d*)
— 3. εἰς ἀλήθειαν ἐξοίσει κρίσιν (8 *d*)
— 4. ἕως ἂν θῇ ἐπὶ τῆς γῆς κρίσιν (8 *d*)
49. 4. ἡ κρ. μου παρὰ κυρίῳ [A -ίου] (8 *d*)
— 25. ἐγὼ δὲ τὴν κρ. σου κρινῶ (7 *c*)
51. 4. ἡ κρ. μου εἰς φῶς ἐθνῶν (8 *d*)
— 7. ἀκούσατέ μου οἱ εἰδότες κρίσιν (6)
53. 8. ἐν τῇ ταπεινώσει ἡ κρ. αὐτοῦ ἤρθη [S^1 ἤχθη] (8 *d*)
54. 17. ἀναστήσεται ἐπὶ σὲ εἰς κρίσιν (8 *d*)
56. 1. φυλάσσεσθε κρίσιν (8 *d*)
58. 2. ὡς λαὸς . . . κρίσιν θεοῦ αὐτοῦ μὴ ἐγκαταλελοιπὼς αἰτοῦσί με νῦν κρίσιν δικαίαν (8 *d*, 8 *d*)
— 4. εἰ [A S *om.*] εἰς κρίσεις καὶ μάχας νηστεύετε (7 *b*)
59. 4. οὐδὲ ἔστι κρ. ἀληθινή (8 *b*)
— 8. οὐκ ἔστι κρ. ἐν ταῖς ὁδοῖς αὐτῶν [S^1 *al.*] (8 *d*)
— 9. ἀπέστη ἡ κρ. ἀπ' αὐτῶν (8 *d*)
— 11. ἀνεμείναμεν κρίσιν (8 *d*)
— 14. ἀπεστήσαμεν ὀπίσω τὴν κρ. (8 *d*)
— 15. οὐκ ἤρεσεν αὐτῷ ὅτι οὐκ ἦν κρ. (8 *d*)
63. 1. διαλέγομαι . . . κρίσιν σωτηρίου [S^1 -ίας] †
Je. 1. 16. λαλήσω πρὸς αὐτοὺς μετὰ κρίσεως (8 *d*)
4. 2. ζῇ κύριος μετὰ ἀληθείας ἐν κρίσει (8 *d*)
5. 4. οὐκ ἔγνωσαν . . . κρίσιν θεοῦ (8 *d*)
Je. 5. 5. αὐτοὶ ἐπέγνωσαν . . . κρίσιν θεοῦ (8 *d*)
— 28. παρέβησαν κρίσιν οὐκ ἔκριναν κρίσιν ὀρφανοῦ καὶ κρίσιν χήρας οὐκ ἐκρίνοσαν (2 *e*, 2 *a*, 8 *d*)
7. 5. ποιοῦντες ποιήσητε κρίσιν [A κρίμα] (8 *d*)
10. 24. παίδευσον ἡμᾶς . . . πλὴν ἐν κρίσει (8 *d*)
17. 11. ποιῶν πλοῦτον αὐτοῦ οὐ μετὰ κρίσεως (8 *d*)
22. 3. ποιεῖτε κρίσιν καὶ δικαιοσύνην (8 *d*)
— 16. οὐκ ἔκριναν κρίσιν ταπεινῷ [A -ῶν] οὐδὲ κρίσιν πένητος (2 *a*, –)
26 (46). 28. A παιδεύσω σε εἰς κρίσιν [B S κρίμα] (8 *d*)
27 (50). 34. κρίσιν κρινεῖ πρὸς τοὺς ἀντιδίκους αὐτοῦ (7 *a*)
31 (48). 21. κρ. ἔρχεται εἰς τὴν γῆν τοῦ Μεισώρ (8 *d*)
32 (25). 31. κρ. τῷ κ. ἐν τοῖς ἔθνεσιν (7 *b*)
33 (26). 11. κρ. θανάτου τῷ ἀνθρώπῳ τούτῳ (8 *d*)
— 16. οὐκ ἔστι τῷ ἀνθρώπῳ τούτῳ κρ. θανάτου (8 *d*)
37 (30). 13. οὐκ ἔστι κρίνων κρίσιν σου (2 *a*)
39 (32). 7. σοὶ κρίσις [A S κρίμα] παραλαβεῖν εἰς κτῆσιν (8 *d*)
52. 9. ἐλάλησεν αὐτῷ μετὰ κρίσεως (8 *d*)
La. 3. 35. τοῦ ἐκκλῖναι κρίσιν ἀνδρὸς κατέναντι προσώπου ὑψίστου (8 *d*)
— 59. ἔκρινας τὴν κρ. μου (8 *d*)
Ep. Je. 54. κρίσιν τε οὐ μὴ διακρίνωσιν ἑαυτῶν
— 64. οὐ δυνάτων ὄντων αὐτῶν οὔτε κρίσιν κρῖναι
Ez. 39. 21. ὄψονται πάντα τὰ ἔθνη τὴν κρ. μου (8 *d*)
44. 24. ἐπὶ κρίσιν αἵματος οὗτοι ἐπιστήσονται (7 *b*)
Da. LXX. Su. 6. ἤρχοντο κρίσεις ἐξ ἄλλων πόλεων πρὸς αὐτούς
— 53. καὶ κρίνειν κρίσεις θάνατον ἐπιφερούσας
2. 9. ὅτι καὶ τὴν τούτου κρ. δηλώσητε (5)
— 36. καὶ τὴν κρ. δὲ ἐροῦμεν ἐπὶ τοῦ βασ. (5)
— 45. καὶ πιστὴ ἡ τούτου κρ. (5)
3. (27). καὶ πᾶσαι αἱ κρ. σου ἀληθιναί
— (28). ἐν ἀληθείᾳ καὶ κρίσει ἐποίησας πάντα ταῦτα
— (31). ἐν ἀληθινῇ κρ. ἐποίησας
4. 20. ἡ κρ. τοῦ θεοῦ τοῦ μεγάλου ἦξει ἐπὶ σέ –
— 25. ὡς ἤκουσε τὴν κρ. τοῦ ὁράματος –
7. 16. τὴν κρ. τῶν λόγων ἐδήλωσέ μοι (5)
— 22. τὴν κρ. ἔδωκε τοῖς ἁγίοις τοῦ ὑψίστου (2 *a*)
— 26. ἡ κρ. καθίσεται (2 *a*)
Da. TH. Su. 53. κρίνων κρ. ἀδίκους
3. (27). πᾶσαι αἱ κρ. σου ἀλήθεια
— (28). ἐν ἀληθείᾳ καὶ κρίσει ἐπήγαγες ταῦτα πάντα
— (31). ἐν ἀληθινῇ κρ. ἐποίησας
4. 34. καὶ αἱ τρίβοι αὐτοῦ κρίσεις [A -ις] (2 *a*)
I Ma. 6. 22. S^1 R ἕως πότε οὐ ποιήσῃ [A S^2 -εις] κρίσιν
7. 18. οὐκ ἔστιν ἐν αὐτοῖς ἀλήθεια καὶ κρίσις
8. 32. ποιήσομεν αὐτοῖς τὴν κρ.
II Ma. 4. 43. περὶ δὲ τούτων ἐνέστη κρίσις
7. 35. οὔπω γὰρ τὴν τοῦ . . . θεοῦ κρ. ἐκπέφευγας
— 36. σὺ δὲ τῇ τοῦ θεοῦ κρ. . . . τὰ πρόστιμα . . . ἀποίσῃ
9. 4. τῆς ἐξ οὐρανοῦ δὴ κρ. συνούσης αὐτῷ
— 18. ἐπεληλύθει γὰρ ἐπ' αὐτὸν δικαία ἡ τοῦ θεοῦ κρ.
14. 18. τὴν κρίσιν δι' αἱμάτων ποιήσασθαι
— 38. κρίσιν εἰσενηνεγμένος Ἰουδαϊσμοῦ
15. 20. πάντων ἦδη προσδοκώντων τὴν ἐσομένην κρ.
III Ma. 2. 22. R δικαίᾳ περιπεπλεγμένον [A πεπλεγ.] κρ.

[Aq. Le. 24. 22 : Dt. 21. 17 : III Ki. 7. 7 (44) : 11. 33 : Jb. 19. 29 : 34. 6, 17 : 37. 23 : Ps. 9. 8 : 98 (99). 4 : 118 (119). 121, 156 : Pr. 1. 3 : 19. 28 : 31. 5 : Is. 5. 16 : 10. 2 : 28. 6 *bis* : 34. 5 : 41. 1 : Ez. 23. 45.]
[Sm. Le. 24. 22 : Dt. 21. 17 : I Ki. 30. 25 : III Ki. 7. 7 (44) : Jb. 8. 3 : 19. 29 : 23. 4 : 27. 2 : 34. 17 : 40. 3 (8) : Ps. 9. 8 : 16 (17). 2 : 32 (33). 5 : 75 (76). 9 : 111 (112). 5 : 149. 9 : Pr. 1. 3 : 18. 17 : 28. 25 : 31. 8 : Is. 10. 2 : 25. 7 : 28. 6 *bis*, 7 : 34. 5 : 40. 14 : 41. 1, 21 : 59. 9, 11 : Je. 9. 24 (23) : 30 (37). 11 : 39 (46). 5 : 46 (26). 28 : Ez. 23. 45.]
[Th. Le. 24. 22 : Dt. 21. 17 : Jb. 19. 29 : 34. 6 : 39. 32 (40. 2) : Pr. 1. 3 : 19. 28 : 31. 5 : Is. 10. 2 : 28. 6 *bis* : 34. 5 : 41. 1 : 54. 17 : 58. 4 : Je. 30 (37). 11 : Ez. 23. 45 : Jl. 3 (4). 2, 14.]
[Al. Le. 5. 10 : Nu. 29. 6 : Dt. 17. 9 : Ps. 9. 26 (10. 5) : 47 (48). 12.]
[Quint. Ps. 118 (119). 121 : Pr. 31. 5.]
[Sext. Ps. 118 (119). 121.]

κριτήριον. (1) דִּין (2) מִשְׁפָּט

Ex. 21. 6. προσάξει αὐτὸν . . . πρὸς τὸ κρ. τοῦ θεοῦ –
Jd. 5. 10. καθήμενοι ἐπὶ κριτηρίου [A *al.*] †
III Ki. 7. 7. αἰλὰμ τοῦ κρ. (2)
Da. LXX. 7. 10. καὶ κριτήριον ἐκάθισε (1)
Da. TH. Su. 49. ἀναστρέψατε εἰς τὸ κρ.
7. 10. κριτήριον ἐκάθισε (1)
— 26. καὶ τὸ κρ. ἐκάθισε [A καθίσει] (1)
[Th. Da. 7. 26.]

κριτής. (1) *a.* דַּיָּן *b.* מָרוֹן (2) רַב (3) שֹׁבֵט (4) שָׁטַר (5) *a.* שָׁפַט *b.* מִשְׁפָּט (6) κρ. γίγνεσθαι רִיב

De. 1. 15. γραμματοεισαγωγεῖς τοῖς κρ. ὑμῶν (3)
— 16. ἐνετειλάμην τοῖς κρ. ὑμῶν (5 *a*)
16. 18. κριτὰς . . . ποιήσεις [A καταστήσεις] (5 *a*)
17. 9. ἐλεύσῃ πρὸς . . . τὸν κρ. (5 *a*)
— 12. ἡ τοῦ κρ. ὃς ἂν ᾖ [A γένηται] ἐν ταῖς ἡμέραις ἐκείναις (5 *a*)
19. 17. ἔναντι τῶν ἱερέων καὶ ἔναντι τῶν κρ. (5 *a*)
— 18. καὶ ἐξετάσωσιν οἱ κρ. ἀκριβῶς (5 *a*)
21. 2. ἡ γερουσία σου καὶ οἱ κρ. σου (5 *a*)
25. 2. A B R καθιεῖς αὐτὸν ἔναντι τῶν κρ. [B *om.* ἕ. τ. κρ.] (5 *a*)
29. 10 (9). ἡ γερουσία ὑμῶν καὶ οἱ κρ. ὑμῶν (3 ?)
31. 28. ἐκκλησιάσατε πρὸς μὲ . . . τοὺς κρ. ὑμῶν (4 ?)
Jd. *tit.* κριταί (5 *a*)
2. 16. ἤγειρε κύριος κριτάς (5 *a*)
— 16 (17). τῶν κρ. [A αὐτῶν] οὐχ ὑπήκουσαν [A οὐκ ἐπ.] (5 *a*)
— 18. ἤγειρε κύριος αὐτοῖς κριτάς (5 *a*)
— 18. ἦν κύριος μετὰ τοῦ κρ. (5 *a*)
— 18. A ἐν χειρὶ τῶν κρ. [B *al.*] †
— 18. πάσας τὰς ἡμέρας τοῦ κρ. (5 *a*)
— 19. ὡς ἀπέθνησκεν ὁ κρ. (5 *a*)
— *subscr.* κριταί
Ru. 1. 1. ἐν τῷ κρίνειν τοὺς κρ. (5 *a*)
I Ki. 24. 16. γένοιτο κύριος εἰς κριτήν (1 *a*)
II Ki. 7. 11. ὧν ἔταξα κριτὰς ἐπὶ τὸν λαόν μου Ἰσρ. (5 *a*)
15. 4. τίς με καταστήσει κριτήν (5 *a*)
IV Ki. 23. 22. ἀφ' ἡμερῶν τῶν κρ. (5 *a*)
I Ch. 17. 6. A ἐνὶ τῶν κρ. Ἰσρ. (5 *a*)
— 10. ὧν ἔταξα κριτὰς ἐπὶ τὸν λαόν μου Ἰσρ. (5 *a*)
23. 4. καὶ κρ. ἑξακισχίλιοι (5 *a*)
28. 1. ἄρχοντας τῶν κρ. (3)
II Ch. 1. 2. καὶ τοῖς κρ. καὶ πᾶσι τοῖς ἄρχουσιν (5 *a*)
19. 5. καὶ κατέστησε κριτάς (5 *a*)
— 6. καὶ εἶπε τοῖς κρ. (5 *a*)
26. 11. διὰ χειρὸς . . . M. τοῦ κρ. (4)
34. 13. γραμματεῖς καὶ κριταί (4)
I Es. 2. 17. R καὶ κριταὶ [A κραταιοὶ, B *om.*] οἱ ἐν κοίλῃ Συρίᾳ
8. 23. ἀνάδειξον κριτὰς καὶ δικαστάς
9. 13. τοὺς πρεσβυτέρους καὶ τοὺς κρ.
II Es. 7. 25. κατάστησον . . . κριτάς (1 *a*)
10. 14. πρεσβύτεροι πόλεως καὶ πόλεως καὶ κριταί (5 *a*)
Jb. 9. 24. πρόσωπα κριτῶν αὐ. συγκαλύπτει (5 *a*)
12. 17. κριτὰς δὲ γῆς ἐξέστησε (5 *a*)
13. 8. ὑμεῖς δὲ αὐτοὶ κριταὶ γίνεσθε [A S γενέσθαι] (6)
Ps. 7. 11. ὁ θεὸς κριτὴς δίκαιος (5 *a*)
49 (50). 6. θεὸς [S ὁ θ.] κριτής ἐστι (5 *a*)
67 (68). 5. τοῦ πατρὸς τῶν ὀρφανῶν καὶ κριτοῦ τῶν χηρῶν (1 *a*)
74 (75). 7. ὁ θεὸς κριτής ἐστι (5 *a*)
140 (141). 6. S^2 κατεπόθησαν . . . οἱ κρ. [A B S^1 κραταιοὶ] αὐτῶν (5 *a*)
148. 11. ἄρχοντες καὶ πάντες κριταὶ γῆς (5 *a*)
Wi. 15. 7. κριτὴς ὁ πηλουργός
Si. 7. 6. μὴ ζήτει γενέσθαι κριτής
8. 14. μὴ δικάζου μετὰ κριτοῦ
10. 1. κριτὴς σοφὸς παιδεύσει τὸν λαὸν αὐτοῦ
— 2. κατὰ τὸν κρ. τοῦ λαοῦ αὐτοῦ
— 24. μεγιστὰν καὶ κριτὴς καὶ δυνάστης
32 (35). 12. κύριος κριτής ἐστι
41. 18. ἀπὸ κριτοῦ καὶ ἄρχοντος περὶ πλημμελείας
46. 11. A S^2 R καὶ οἱ κρ. ἕκαστος [B S^1 -ῳ] τῷ αὐτοῦ ὀνόματι
Ho. 7. 7. καὶ κατέφαγον τοὺς κριτὰς αὐ. [A *al.*] (5 *a*)
Am. 2. 3. καὶ ἐξολεθρεύσω κριτὴν ἐξ αὐτῆς (5 *a*)
Mi. 7. 3. ὁ κριτὴς εἰρηνικοὺς λόγους ἐλάλησε (5 *a*)
Hb. 1. 3. γέγονε κρίσις καὶ ὁ κριτὴς λαμβάνει (1 *b*)
Ze. 3. 3. οἱ κριταὶ αὐτῆς ὡς λύκοι τῆς Ἀραβίας (5 *a*)
Is. 1. 26. ἐπιστήσω τοὺς κρ. σου ὡς τὸ πρότερον (5 *a*)
30. 18. κρ. κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν [A S ἡμῶν ἐστι] (5 *b*)
33. 22. οὐ παρελεύσεταί με κύριος [A^2 *add.* πατὴρ κύριος] κρ. ἡμῶν (5 *a*)
63. 7. κύριος κρ. ἀγαθὸς τῷ οἴκῳ Ἰσραήλ (2 ?)
Ep. Je. 14. σκῆπτρον ἔχει ὡς ἄνθρωπος κρ. χώρας
Ez. 25. 16. A ἐξολεθρεύσω κριτὰς Σιδῶνος [B ἐ. Κρῆτας] †
Da. LXX. Su. 5. ἀπεδείχθησαν δύο πρεσβύτεροι ἐκ τοῦ λαοῦ κριταί
— 5. ἐξῆλθεν ἀνομία ἐκ Βαβ. ἐκ πρεσβυτέρων κρ.
— 29. ἀναστάντες οἱ δύο πρεσβύτεροι καὶ κρ.
— 34. ἀναστάντες δὲ οἱ πρεσβύτεροι καὶ κρ.
— 41. ὡς πρεσβυτέρων ὄντων καὶ κρ. τοῦ λαοῦ
9. 12. ὅσα ἐλάλησεν . . . ἐπὶ τοὺς κρ. ἡμῶν (5 *a*)
Da. TH. Su. 5. ἀπεδείχθησαν δύο πρεσβύτεροι ἐκ τοῦ λαοῦ κριταί
— 5. ἐξῆλθεν ἀνομία ἐκ Βαβ. ἐκ πρεσβυτέρων κρ.
— 41. ὡς πρεσβυτέροις τοῦ λαοῦ καὶ κριταῖς
9. 12. οὓς ἐλάλησεν . . . ἐπὶ τοὺς κρ. ἡμῶν (5 *a*)
I Ma. 2. 55. Ἰησοῦς . . . ἐγένετο κριτὴς ἐν Ἰσρ.
10. 37. S κριταὶ κατασταθήσονται [A R *al.*]
II Ma. 12. 6. ἐπικαλεσάμενος τὸν δίκαιον κρ. θεόν
[Aq. Ps. 140 (141). 6: Is. 40. 23: Mi. 5. 1 (4. 14).]
[Sm. I Ch. 26. 29: Ps. 74 (75). 8: 140 (141). 6: Mi. 5. 1 (4. 14).]
[Th. Jd. 2. 17: Jb. 9. 24: Mi. 5. 1 (4. 14).]
[Al. Nu. 25. 5: I Ch. 17. 6.]

κρίωμα.

[Aq. Ez. 40. 14 *bis*.]

κρόκη. (1) גַּבַּחַת (2) עֵרֶב

Le. 13. 48. ἢ ἐν στήμονι ἢ ἐν κρόκῃ (2)
— 49, 51. ἢ ἐν τῷ στήμονι ἢ ἐν τῇ κρ. (2)
— 52. ἢ τὸν στήμονα ἢ τὴν κρ. (2)
— 53. ἢ ἐν τῷ στήμονι ἢ ἐν τῇ κρ. (2)
— 55. ἢ ἐν τῷ στήμονι ἢ ἐν τῇ κρ. (1)
— 56. ἢ ἀπὸ τοῦ στήμονος ἢ ἀπὸ τῆς κρ. (2)
— 57. ἢ ἐν τῷ στήμονι ἢ ἐν τῇ κρ. (2)
— 58. ἢ ὁ στήμων ἢ ἡ κρ. (2)
— 59. ἢ στήμονος ἢ κρόκης (2)
[Sm. Jd. 16. 12.]

κρόκινος. (1) מֹר

Pr. 7. 17. διέρραγκα τὴν κοίτην μου κροκίνῳ [$A S^2$ κρόκῳ] (1)

κροκόδειλος. (1) ὁ κρ. ὁ χερσαῖος צָב

Le. 11. 29. ταῦτα ὑμῖν ἀκάθαρτα . . . ὁ κρ. ὁ χερσαῖος (1)

κρόκος. (1) כַּרְכֹּם (2) מֹר

Pr. 7. 17. A S^2 διέρραγκα τὴν κοίτην μου κρύκῳ [B S^1 κροκίνῳ] (2)
Ca. 4. 14. νάρδος καὶ κρόκος κάλαμος [S^1 -ον] καὶ κιννάμωμον (1)

κροκύφαντος.

[Aq. Is. 3. 19.]

κροκυφάντωτος (?).

[Aq. Je. 52. 22, 23.]
[Sm. Je. 52. 22.]

κρόμμυον (B), **κρόμυον** (A). (1) בָּצָל

Nu. 11. 5. καὶ τὰ κρ. καὶ τὰ σκόδρα (1)

κροσός (κρωσσός). (1) עֲבֹת (2) שַׂרְשָׂה (3) שְׁרָשָׂרָה

Ex. 28. 22. ποιήσεις . . . κρωσσοὺς συμπεπλεγμένους (2)
— 24. θήσεις ἐπὶ τὸ λογεῖον . . . τοὺς κρ. (1?)
36. 22 (39. 15). ἐποίησαν . . . κρωσσοὺς συμπεπλεγμένους (3)

κροσωτός (κροσσ.). (1) מְשֻׁבָּצוֹת (2) שַׁרְשָׂרָה

Ex. 28. 14. ποιήσεις δύο κροσσωτά (2)
— 14. ἐπιθήσεις τὰ κρ. τὰ πεπλεγμένα (2)
Ps. 44 (45). 13. ἐν κροσωτοῖς χρυσοῖς περιβεβλημένη πεποικιλμένη [S^1 -οις] (1)

κρόταφος. (1) עַפְעַפַּיִם (2) רַקָּה

Jd. 4. 21. ἔπηξε τὸν πάσσαλον ἐν τῷ κρ. αὐτοῦ [A *al.*] (2)
Jd. 4. 22. καὶ ὁ πάσσαλος ἐν τῷ κρ. [A τῇ γνάθῳ] αὐτοῦ (2)
5. 26. διήλωσε κρόταφον αὐτοῦ [A *al.*] (2)
Ps. 131 (132). 4. καὶ ἀνάπαυσιν τοῖς κρ. μου (1)
[Aq. Jd. 4. 21.]
[Sm., Al. Jd. 5. 26.]
[Th. Ps. 131 (132). 4.]

κροτεῖν. (1) מָחָא *a.* qal. *b.* pi. (2) נָקַע hi. (3) סָפַק (4) שָׂפַק (5) תָּקַע

IV Ki. 11. 12. B ἐκρότησαν [A B ἐκράτησεν] τῇ χειρί (2)
Jb. 27. 23. S^1 R κροτήσει ἐπ' αὐτοὺς [B -οῦ, A S^2 -όν] χεῖρας αὐ. (4)
Ps. 46 (47). 1. πάντα τὰ ἔθνη κροτήσατε χεῖρας (5)
97 (98). 8. ποταμοὶ κροτήσουσι χειρὶ ἐπὶ τὸ αὐτό (1 *a*)
Na. 3. 19. κροτήσουσι χεῖρας ἐπὶ σέ (5)
La. 2. 15. ἐκρότησαν ἐπὶ σὲ χεῖρας (3)
Ez. 6. 11. κρότησον τῇ χειρί (2)
21. 12 (17). κρότησον ἐπὶ τὴν χεῖρά σου (3)
— 14 (19). κρότησον χεῖρα [A τῇ χειρὶ] ἐπὶ χεῖρα (2)
— 17 (22). κρατήσω χεῖρά μου πρὸς χεῖρά μου (2)
25. 6. ἐκρότησας τὴν χεῖρά σου (1 *b*)
29. 7. ἐπεκρότησεν [B^1 ἐκρ., A ἐπεκράτ.] ἐπ' αὐτούς †
[Aq. IV Ki. 11. 12: Je. 31 (38). 19: Ez. 31. 15.]
[Sm. Je. 31 (38). 19.]
[Th. IV Ki. 11. 12: Jb. 27. 23: Ez. 22. 13.]
[Al. Ps. 65 (66). 1: 94 (95). 2: 97 (98). 4: 99 (100). 1.]
[Quint. IV Ki. 11. 12.]

κρούειν. (1) דָּפַק *a.* qal. *b.* hithp.

Jd. 19. 22. κρούοντες ἐπὶ [A καὶ ἔκρουσαν] τὴν θύραν (1 *b*)
Ju. 14. 14. ἔκρουσε τὴν αὐλαίαν [A αὐλὴν] τῆς σκηνῆς
Ca. 5. 2. S τὸν νυμφίον κρούοντα ἐπὶ τὴν θύραν –
— 2. φωνὴ ἀδελφιδοῦ μου κρούει ἐπὶ τὴν θύραν (1 *a*)

κρουνηδόν.

II Ma. 14. 45. φερομένων κρ. τῶν αἱμάτων

κρουνισμός.

[Aq. II Ki. 5. 8.]

κρουνός.

[Sm. Ps. 41 (42). 8.]

κροῦσμα.

[Sm. Is. 1. 6.]

κρύβδην. (1) בַּסֵּתֶר

II Ki. 12. 12. A σὺ ἐποίησας κρ. [B -βῃ] (1)

κρύβειν. (1) חָבָא hithp. (2) פָּלָא ni.

I Ki. 23. 23. A ὅπου κρύβεται ἐκεῖ (1)
IV Ki. 11. 3. ἦν μετ' αὐτῆς κρυβόμενος (1)
I Ch. 21. 20. A τέσσαρες υἱοὶ αὐτοῦ . . . κρυβόμενοι [B μεθ' ἁχαβίν] (1)
Je. 39 (32). 27. μὴ ἀπ' ἐμοῦ κρυβήσεταί [S^1-βεται] τι (2)
[Sm. Ps. 54 (55). 13: Is. 8. 17.]

κρυβῇ (1) חָבָא ni. (2) בַּלָּט (3) בַּסֵּתֶר

Ge. 31. 26 (27). A ἵνα τί κρ. [R κρυφῇ] ἀπέδρας (1)
Ru. 3. 7. A ἡ δὲ ἦλθεν κρυβῇ [B κρυφῇ] (2)
I Ki. 19. 2. B κάθισον κρυβῇ [A R κρυφῇ] (3)
II Ki. 12. 12. σὺ ἐποίησας κρυβῇ [A κρύβδην] (3)
III Ma. 4. 12. τοὺς ἐκ τῆς πόλεως ὁμοεθνεῖς κρ. ἐκπορευομένους
[Aq., Th. Jo. 2. 1.]

κρύος.

[Aq. Ps. 77 (78). 47.]

κρύπτειν. (1) חָבָא *a.* ni. *b.* pu. *c.* hi. *d.* hoph. *e.* hithp. *f.* מַחֲבֵא *g.* חָבָה ni. (2) חָשַׁף hi. (3) טָמַן *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. (4) כָּחַד *a.* ni. *b.* pi. *c.* hi. (5) כָּסָה *a.* qal. *b.* pi. *c.* hithp. (6) לָאַט (7) מָנַע (8) נָחַת (9) סָתַר *a.* ni.

b. pu. *c.* hi. *d.* hithp. *e.* סָתַר (10) κεκρυμμένος בְּעֻלָּטָה (11) עָלַם hi. (12) פָּלָא ni. (13) צָפַן *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. *d.* צְפִנִים *e.* מַצְפֻּנִים

Ge. 3. 8. ἐκρύβησαν ὅ τε Ἀ. καὶ ἡ γυνὴ αὐτοῦ (1 *e*)
— 10. ἐφοβήθην . . . καὶ ἐκρύβην (1 *a*)
4. 14. ἀπὸ τοῦ προσώπου σου κρυβήσομαι (9 *a*)
18. 17. **R** οὐ [**A** *om.*] μὴ κρύψω ἐγὼ ἀπὸ Ἀ. (5 *b*)
31. 20. ἔκρυψε δὲ Ἰακὼβ Λάβαν †
37. 26. ἐὰν . . . κρύψωμεν τὸ αἷμα αὐτοῦ (5 *b*)
Ex. 2. 3. οὐκ ἐδύναντο αὐτὸ ἔτι κρύπτειν (13 *c*)
— 12. ἔκρυψεν αὐτὸν ἐν τῇ ἄμμῳ (3 *a*)
Nu. 5. 13. καὶ κρύψῃ (9 *a*)
De. 7. 20. **A** B^2 **R** ἕως ἂν ἐκτριβῶσιν . . . οἱ κεκρυμμένοι ἀπὸ σοῦ (9 *a*)
Jo. 2. 4. λαβοῦσα ἡ γυνὴ . . . ἔκρυψεν αὐτούς (13 *a*)
— 6. καὶ ἔκρυψεν αὐτούς (3 *a*)
— 16. καὶ κρυβήσεσθε ἐκεῖ (1 *a*)
6. 24 (25). ἔκρυψε τοὺς κατασκοπεύσαντας (1 *c*)
7. 19. μὴ κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ (4 *b*)
— 21. τὸ ἀργύριον κέκρυπται ὑποκάτω αὐτῶν –
— 22. **A R** ταῦτα ἦν κεκρυμμένα [**B** ἐγκ.] (3 *a*)
10. 17. εὕρηνται οἱ πέντε βασιλεῖς κεκρυμμένοι (1 *a*)
Jd. 9. 5. ὅτι ἐκρύβη (1 *a*)
I Ki. 3. 17. μὴ δὴ κρύψῃς [**A** μὴ διακρ.] ἀπ' ἐμοῦ (4 *b*)
— 17. ἐὰν κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ ῥῆμα (4 *b*)
— 18. καὶ οὐκ ἔκρυψεν ἀπ' αὐτοῦ (4 *b*)
10. 22. ἰδοὺ αὐτὸς κέκρυπται (1 *a*)
13. 6. **B** καὶ ἐκρύβη ὁ λαός (1 *e*)
14. 11. οὗ ἐκρύβησαν ἐκεῖ (1 *e*)
— 22. οἱ κρυπτόμενοι ἐν τῷ ὄρει Ἐφ. (1 *e*)
19. 2. κρύβηθι καὶ κάθισον κρυφῇ (1 *a*)
20. 2. κρύψει ὁ πατήρ μου τὸ ῥῆμα τοῦτο (9 *c*)
— 5. κρυβήσομαι [**A** πορεύσομαι] ἐν τῷ πεδίῳ (9 *a*)
— 19. οὗ κρυβῇς [**A** ἐκρ.] ἐν τῇ ἡμέρᾳ τῇ ἐργασίμῃ (9 *a*)
— 24. κρύπτεται Δαυὶδ ἐν ἀγρῷ (9 *a*)
23. 19. οὐκ ἰδοὺ Δαυὶδ κέκρυπται (9 *d*)
24. 9. **A** ἔκρυψεν [**B** ἔκυψε] Δ. ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ †
II Ki. 14. 18. μὴ δὴ κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ ῥῆμα (4 *b*)
17. 9. αὐτὸς νῦν κέκρυπται ἐν ἑνὶ τῶν βουνῶν (1 *a*)
19. 4 (5). ἔκρυψε [**A** ἐπέκρ.] τὸ πρόσωπον αὐτοῦ (6)
III Ki. 17. 3. κρύβηθι ἐν τῷ χειμάρρῳ Χ. (9 *a*)
18. 4. **A B** καὶ ἔκρυψεν [**R** κατέκρ.] αὐτούς (1 *c*)
— 13. ἔκρυψα ἀπὸ τῶν προφητῶν κυρίου (1 *c*)
22. 25. τοῦ κρυβῆναι [B^1 τοῦ κρυφίου] (1 *g*)
IV Ki. 6. 5. ὦ κύριε, καὶ αὐτὸ κεκρυμμένον †
— 9. ἐκεῖ Συρία κέκρυπται (8)
— 29. ἔκρυψε τὸν υἱὸν αὐτῆς (1 *c*)
7. 8. **A** καὶ ἔκρυψαν (3 *c*)
— 12. καὶ ἐκρύβησαν ἐν τῷ ἀγρῷ (1 *g*)
11. 2. καὶ ἔκρυψεν αὐτόν (9 *c*)
II Ch. 22. 11. ἔκρυψεν αὐτὸν Ἰωσ. (9 *c*)
— 11. ἔκρυψεν αὐτὸν ἀπὸ πρόσωπου Γ. –
To. 1. 19. καὶ ἐκρύβην
12. 7. μυστήριον βασιλέως καλὸν κρύψαι [**A S** κρύπτειν]
— 11. οὐ μὴ κρύψω ἀφ' ὑμῶν πᾶν ῥῆμα
— 11. μυστήριον βασιλέως κρύψαι καλόν
13. 6. οὐ μὴ κρύψῃ τὸ πρόσωπον αὐτοῦ ἀφ' ὑμῶν
Jb. 5. 21. ἀπὸ μάστιγος γλώσσης σε κρύψει (1 *a*)
13. 20. ἀπὸ τοῦ προσώπου σου οὐ [**S** *om.*] κρυβήσομαι (9 *a*)
— 24. διὰ τί ἀπ' ἐμοῦ κρύπτῃ [**A S** με ἀποκρύπτῃ] (9 *c*)
14. 13. ἔκρυψας [**A** κρύψεις] δέ με (9 *c*)
15. 18. **A R** οὐκ ἔκρυψαν πατέρες [**B S** -ας] αὐτῶν (4 *b*)
17. 4. **B** S^2 καρδίαν αὐτῶν ἔκρυψας [**A** -αν] ἀπὸ φρονήσεως (13 *a*)
18. 10. κέκρυπται ἐν τῇ γῇ σχοινίον αὐτοῦ (3 *a*)
20. 12. κρύψει αὐτὴν ὑπὸ τὴν γλῶσσαν αὐτοῦ (4 *c*)
23. 12. ἐν δὲ κόλπῳ μου ἔκρυψα ῥήματα αὐτοῦ (13 *a*)
24. 4. ὁμοθυμαδὸν δὲ ἐκρύβησαν πραεῖς γῆς (1 *b*)
28. 21. ἀπὸ πετεινῶν τοῦ οὐρανοῦ ἐκρύβη [**A** οὐκ ἐκρ.] (9 *a*)
29. 8. ἰδόντες με νεανίσκοι ἐκρύβησαν [**A** ἐκρ. ἑαυτοῖς] (1 *a*)
31. 33. εἰ δὲ καὶ . . . ἔκρυψα τὴν ἁμαρτίαν μου (5 *b* + 3 *a*)
34. 22. τοῦ κρυβῆναι τοὺς ποιοῦντας τὰ ἄνομα (9 *a*)
Jb. 34. 29. κρύψει πρόσωπον καὶ τίς ὄψεται αὐτόν (9 *c*)
38. 2. τίς οὗτος ὁ κρύπτων με [S^1 *om.*] βουλὴν . . . ἐμὲ δὲ οἴεται κρύπτειν (2, †)
40. 8 (13). κρύψον δὲ [**A** S^2 δὲ αὐτοὺς] εἰς γῆν [**A S** γ. ἔξω] (3 *a*)
42. 3. **A B** S^2 τίς γάρ ἐστιν ὁ κρύπτων σε βουλήν (11)
— 3. καὶ σὲ οἴεται κρύπτειν †
Ps. 9. 15. ἐν παγίδι ταύτῃ ᾗ ἔκρυψαν (3 *a*)
16 (17). 14. τῶν κεκρυμμένων σου ἐπλήσθη ἡ γαστὴρ αὐτῶν (13 *a*, 13 *d**)
26 (27). 5. ἔκρυψέ με ἐν σκηνῇ (13 *a*)
30 (31). 4. ἐκ παγίδος ταύτης ἧς ἔκρυψάν μοι (3 *a*)
— 19. ἧς ἔκρυψας τοῖς φοβουμένοις σε (13 *a*)
34 (35). 7. δωρεὰν ἔκρυψάν μοι διαφθορὰν παγίδος αὐτῶν (3 *a*)
— 8. ἡ θήρα ἣν ἔκρυψαν [S^2 -εν] (3 *a*)
37 (38). 9. ὁ στεναγμός μου οὐκ ἐκρύβη ἀπὸ σοῦ (9 *a*)
39 (40). 10. οὐκ ἔκρυψα . . . τὴν ἀλήθειάν σου (5 *b*)
— 10. οὐκ ἔκρυψα τὸ ἔλεός σου (4 *b*)
53 (54). *tit.* οὐκ ἰδοὺ Δαυὶδ κέκρυπται παρ' ἡμῖν (9 *d*)
54 (55). 12. ἐκρύβην ἂν ἀπ' αὐτοῦ (9 *a*)
63 (64). 5. διηγήσαντο τοῦ κρύψαι παγίδας (3 *a*)
68 (69). 5. αἱ πλημμέλειαί μου . . . οὐκ ἐκρύβησαν [S^2 ἀπεκρ.] (4 *a*)
77 (78). 4. οὐκ ἐκρύβη ἀπὸ τῶν τέκνων αὐτῶν εἰς γενεὰν ἑτέραν (4 *b*)
118 (119). 11. ἐν τῇ καρδίᾳ μου ἔκρυψα τὰ λόγιά σου (13 *a*)
138 (139). 15. οὐκ ἐκρύβη τὸ ὀστοῦν μου ἀπὸ σοῦ (4 *a*)
139 (140). 5. ἔκρυψαν ὑπερήφανοι παγίδα μοι (3 *a*)
141 (142). 3. ἔκρυψαν παγίδα μοι (3 *a*)
Pr. 1. 11. κρύψωμεν δὲ εἰς γῆν ἄνδρα δίκαιον ἀδίκως (13 *a*)
2. 1. ἐὰν δεξάμενος ῥῆσιν ἐμῆς ἐντολῆς κρύψῃς (13 *a*)
7. 1. τὰς δὲ ἐμὰς ἐντολὰς κρύψον παρὰ σεαυτῷ (13 *a*)
10. 14. σοφοὶ κρύψουσιν αἴσθησιν (13 *a*)
11. 13. πιστὸς δὲ πνοῇ κρύπτει πράγματα (5 *b*)
12. 16. κρύπτει δὲ τὴν ἑαυτοῦ ἀτιμίαν πανοῦργος (5 *a*)
17. 9. ὃς κρύπτει ἀδικήματα ζητεῖ φιλίαν ὃς δὲ μισεῖ κρύπτειν διίστησι φίλους καὶ οἰκείους (5 *b*, †)
25. 2. δόξα θεοῦ κρύπτει λόγον (9 *c*)
— 4. **A** κρύπτε [**B S** τύπτε] ἀδόκιμον ἀργύριον †
26. 15. κρύψας ὀκνηρὸς τὴν χεῖρα ἐν τῷ κόλπῳ αὐτοῦ (3 *a*)
— 26. ὁ κρύπτων ἔχθραν συνίστησι δόλον (5 *c*)
27. 5. κρείσσους ἔλεγχοι ἀποκεκαλυμμένοι κρυπτομένης φιλίας (9 *b*)
Si. 1. 23. ἕως καιροῦ κρύψει τοὺς λόγους αὐτοῦ
6. 12. ἀπὸ τοῦ προσώπου σου κρυβήσεται
12. 8. οὐ κρυβήσεται ἐν κακοῖς ὁ ἐχθρός
16. 17. ἀπὸ [**A** παρὰ] κυρίου κρυβήσομαι
17. 15. οὐ κρυβήσονται ἀπὸ τῶν ὀφθαλμῶν αὐ.
— 20. οὐκ ἐκρύβησαν αἱ ἀδικίαι αὐτῶν ἀπ' αὐτοῦ
20. 30. σοφία κεκρυμμένη καὶ θησαυρὸς ἀφανής
22. 25. ἀπὸ προσώπου αὐτοῦ οὐ μὴ κρυβῶ
37. 10. ἀπὸ τῶν ζηλούντων σε κρύψον βουλήν
39. 19. οὐκ ἔστι κρυβῆναι ἀπὸ τῶν ὀφθαλμῶν αὐτοῦ
41. 14. σοφία δὲ κεκρυμμένη καὶ θησαυρὸς ἀφανής
42. 20. οὐκ ἐκρύβη ἀπ' αὐτοῦ οὐδὲ [**A** *om.*] εἷς λόγος
Ho. 6. 10 (9). ἔκρυψαν ἱερεῖς ὁδόν †
13. 14. παράκλησις κέκρυπται ἀπὸ [**A** ἐξ] ὀφθαλμῶν μου (9 *a*)
Ob. 1. 6. κατελήφθη [**S** κατελείφθη] αὐτοῦ τὰ κεκρυμμένα (13 *e*)
Is. 2. 10. κρύπτεσθε εἰς τὴν γῆν (3 *b*)
29. 14. τὴν σύνεσιν τῶν συνετῶν κρύψω (9 *d*)
32. 2. ἔσται ὁ ἄνθρωπος κρύπτων τοὺς λόγους αὐτοῦ [**A** τούτους] καὶ κρυβήσεται (1 *f*, 9 *e*)
42. 22. ὅπου ἔκρυψαν αὐτούς (1 *d*)
49. 2. ὑπὸ τὴν σκέπην τῆς χειρὸς αὐτοῦ ἔκρυψέ [S^1 ἐσκέπασέν] με . . . καὶ ἐν τῇ φαρέτρᾳ αὐτοῦ ἔκρυψέ [**A** S^2 ἐσκέπασέν] με (1 *c*, 9 *c*)
Je. 4. 29. εἰς τὰ ἄλση ἐκρύβησαν –
13. 5. ἔκρυψα αὐτὸ ἐν τῷ Εὐφράτῃ (3 *a*)
16. 17. S^1 οὐκ ἐκρύβησαν ἀπὸ προσώπου μου (9 *a*)
— 17. οὐκ ἐκρύβη τὰ ἀδικήματα αὐτῶν (13 *b*)
18. 20. τὴν κόλασιν αὐτῶν ἔκρυψάν μοι –
— 22. παγίδας ἔκρυψαν ἐπ' ἐμέ (3 *a*)
23. 24. εἰ κρυβήσεταί τις [**A** ἄνθρωπος] ἐν κρυφαίοις (9 *a*)
Je. 27 (50). 2. μὴ κρύψητε (4 *b*)
29 (49). 10. κρυβῆναι οὐ μὴ δύνωνται (1 *g*)
39 (32). 27. μὴ ἀπ' ἐμοῦ κρυβήσεταί [S^1 κρύβεταί] τι [**A** ἔτι] (12)
43 (36). 19. **A** κρύβηθι [**B S** κατακρ.] σύ (9 *a*)
45 (38). 14. μὴ δὴ κρύψῃς ἀπ' ἐμοῦ ῥῆμα (4 *b*)
— 25. μὴ κρύψῃς ἀφ' ἡμῶν (4 *b*)
49 (42). 4. οὐ μὴ κρύψω ἀφ' ὑμῶν ῥῆμα (7)
La. 3. 56. **B** μὴ κρύψῃς τὰ ὦτά σου εἰς τὴν δέησίν μου (11)
Ez. 12. 6. κεκρυμμένος ἐξελεύσῃ (10)
— 7. κεκρυμμένος ἐξῆλθον (10)
— 12. κεκρυμμένος ἐξελεύσεται διὰ τοῦ τοίχου (10)
Da. TH. Su. 16. οἱ δύο πρεσβύτεροι κεκρυμμένοι
— 18. ὅτι ἦσαν κεκρυμμένοι
— 37. νεανίσκος ὃς ἦν κεκρυμμένος
Bel 13. πεποιήκεισαν . . . κεκρυμμένην εἴσοδον
I Ma. 9. 38. ἐκρύβησαν ὑπὸ τὴν σκέπην τοῦ ὄρους
II Ma. 1. 33. **A** οὗ τὸ πῦρ ἔκρυψαν [**R** ἀπέκρ.]
12. 41. τοῦ τὰ κεκρυμμένα φανερὰ ποιοῦντος
[**Aq.** Ge. 31. 27 : Dt. 33. 19 : IV Ki. 7. 8† : Jb. 34. 22 : Ps. 12 (13). 2 : 16 (17). 14 : 30 (31). 5, 20 : Pr. 27. 16 : 28. 28 : Is. 32. 2 : 64. 7 (6) : Je. 16. 17 : 36 (43). 26.]
[**Sm.** Dt. 33. 19 : I Ki. 26. 1 : II Ki. 15. 28 : Jb. 15. 20 : 17. 4 : 24. 16 : Ps. 12 (13). 2 : 26. (27). 5 : 30 (31). 20, 21 : 31 (32). 1, 5 : 43 (44). 25 : 63 (64). 3, 6 : Pr. 27. 5, 16 : 28. 28 : Is. 64. 7 (6) : Je. 36 (43). 26.]
[**Th.** I Ki. 23. 26 : Jb. 15. 20 : 17. 4 : 24. 4 : 34. 22 : Ps. 12 (13). 2 : 31 (32). 1, 5 : Pr. 27. 16 : 28. 28 : Is. 64. 7 (6) : Je. 16. 17 : Da. 5. 12†.]
[**Al.** Ex. 2. 2 : Le. 20. 4 : Ps. 142 (143). 7.]
[**Quint.** Ps. 26 (27). 5 : 55 (56). 1 : Pr. 27. 16.]
[**Sext.** Ps. 31 (32). 1.]

κρυπτός. (1) אָטֻם (2) בְּקִיעַ (3) כָּסָה pi. (4) מַשְׂכִּית (5) *a.* סָתַר ni. *b.* מִסְתָּר (6) רָז

De. 15. 9. μὴ γένηται ῥῆμα κρ. ἐν τῇ καρδίᾳ σου –
29. 29 (28). τὰ κρ. κυρίῳ τῷ θεῷ ἡμῶν (5 *a*)
III Ki. 6. 4. θυρίδας παρακυπτομένας κρ. (1)
IV Ki. 21. 7. **A** ἔθηκε τὸ κρ. τοῦ οἴκου ἐν τῷ ἄλσει [**B** *al.*] †
Wi. 7. 21. ὅσα τέ ἐστι κρυπτὰ καὶ ἐμφανῆ ἔγνων
Si. 1. 30. ἀποκαλύψει κύριος τὰ κρ. σου
3. 22. οὐ γάρ ἐστί σοι χρεία τῶν κρ.
4. 18. ἀποκαλύψει αὐτῷ τὰ κρ. αὐτῆς
8. 18. ἐνώπιον ἀλλοτρίου μὴ ποιήσῃς κρυπτόν
11. 4. κρυπτὰ τὰ ἔργα αὐτοῦ ἐν [**A S** *om.*] ἀνθρώποις
Is. 22. 9. ἀνακαλύψουσι τὰ κρ. τῶν οἴκων τῆς ἄκρας Δ. (2)
29. 10. καμμύσει τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτῶν . . . οἱ ὁρῶντες τὰ κρ. (3)
Je. 29 (49). 10. ἀνεκάλυψα τὰ [S^1 τε] κρ. αὐτῶν (5 *b*)
Ez. 8. 12. ἕκαστος αὐτῶν ἐν τῷ κοιτῶνι τῷ κρυπτῷ αὐτῶν (4 ?)
40. 16. θυρίδες κρυπταὶ ἐπὶ τὸ θεεῖμ (1)
41. 26. θυρίδες κρυπταί (1)
Da. LXX. 2. 47. ὁ ἐκφαίνων μυστήρια κρυπτὰ μόνος (6 ?)
Da. TH. Su. 42. ὁ θεὸς ὁ αἰώνιος ὁ τῶν κρ. γνώστης
Bel 21. ἔδειξαν αὐτῷ τὰς κρ. θύρας
I Ma. 10. 79. **R** ἀπέλιπεν Ἀπ. χιλίαν ἵππον ἐν κρυπτῷ [**A S** κρυπτῶς]
II Ma. 1. 16. τὴν τοῦ φατνώματος κρ. θύραν
[**Aq.** Ge. 42. 12.]
[**Sm.** Ge. 42. 9, 12 : Dt. 28. 27 : I Ki. 5. 6, 9 : Ps. 138 (139). 15.]
[**Th.** II Ki. 12. 12 : III Ki. 6. 4.]
[**Al.** I Ki. 5. 12.]

κρυπτῶς.

To. 12. 6. καλέσας τοὺς δύο κρυπτῶς
I Ma. 10. 79. **A S** ἀπέλιπεν Ἀπ. χιλίαν ἵππον κρ. [**R** ἐν κρυπτῷ]

κρυσταλλοειδής.

Wi. 19. 21. οὐδὲ τηκτὸν εὔτηκτον κρυσταλλοειδες γένος ἀμβροσίας τροφῆς

κρύσταλλος. (1) אֶקְדָּה (2) בְּדֹלַח (3) קִיטוֹר (4) קֶרַח

Nu. 11. 7. τὸ εἶδος αὐτοῦ εἶδος [**A** ὡς εἰ.] κρυστάλλου (2)

Jb. 6. 16. ἐπιπεπτώκασί μοι ὥσπερ χιὼν ἡ κρύσταλλος πεπηγώς (4)
38. 29. ἐκ γαστρὸς δὲ τίνος ἐκπορεύεται ὁ [A S *om.*] κρύσταλλος (4)
Ps. 147. 6 (17). βάλλοντος κρύσταλλον αὐτοῦ ὡσεὶ ψωμούς (4)
148. 8. πῦρ χάλαζα χιὼν κρύσταλλος (3)
Wi. 16. 22. κρύσταλλος ὑπέμεινε [A -έμενε] πῦρ
Si. 43. 20. παγήσεται κρύσταλλος ἀφ' [A S ἐφ'] ὕδατος
Is. 54. 12. θήσω . . . τὰς πύλας σου λίθους κρυστάλλου (1)
Ez. 1. 22. ὡς ὅρασις κρυστάλλου (4)
[Sm. Jb. 38. 22.]

κρύφα.
[Sm. Jb. 13. 10: 31. 27.]

κρυφαῖος. (1) מִסְתָּר
Ex. 17. 16. ἐν χειρὶ κρυφαίᾳ πολεμεῖ κ. †
Wi. 17. 3. λανθάνειν γὰρ νομίζοντες ἐπὶ κρυφαίοις ἁμαρτήμασιν
Je. 23. 24. εἰ κρυβήσεταί τις [A ἄνθρωπος] ἐν κρυφαίοις (1)
La. 3. 10. αὐτός μοι λέων ἐν κρυφαίοις (1)
[Sm. Ps. 80 (81). 8: Is. 45. 15.]
[Th. Is. 45. 15.]

κρυφαίως. (1) בַּסֵּתֶר
Je. 44 (37). 17. ἠρώτα αὐτὸν ὁ βασ. κρ. [A *al.*] (1)
47 (40). 15. εἶπεν τῷ Γοδολίᾳ κρ. (1)
[Aq., Sm., Th. IV Ki. 15. 5: II Ch. 26. 21.]

κρυφῇ. (1) חָבָא ni. (2) ἐν κρ. *a.* בַּלָּאט *b.* בָּלָט (3) *a.* סָתַר hi. *b.* בַּסֵּתֶר *c.* ἐν κρ. בַּסֵּתֶר (4) ἐν κρ. בְּתַרְמָה
Ge. 31. 26 (27). R ἵνα τί κρ. [A κρυβῇ] ἀπέδρας (1)
Ex. 11. 2. λάλησον οὖν κρυφῇ εἰς τὰ ὦτα τοῦ λαοῦ –
De. 28. 57. κατιφάγεται γὰρ αὐτὰ . . . κρυφῇ (3 *b*)
Jd. 4. 21. εἰσῆλθε πρὸς αὐτὸν ἐν κρυφῇ [A *al.*] (2 *a*)
9. 31. ἀπέστειλεν ἀγγέλους . . . ἐν κρυφῇ [A μετὰ δώρων] (4)
Ru. 3. 7. ἡ δὲ ἦλθεν κρυφῇ [A κρυβῇ] (2 *b*)
4. 1. A κάθισον ὧδε κρυφῇ [B -φιε] †
I Ki. 19. 2. A R κάθισον κρυφῇ [B κρυβῇ] (3 *b*)
Jb. 13. 10. εἰ δὲ καὶ κρυφῇ πρόσωπα θαυμάσεσθε [A -σετε] (3 *b*)
Ps. 138 (139). 15. ὃ ἐποίησας ἐν κρυφῇ (3 *c*)
Wi. 18. 9. κρυφῇ γὰρ ἐθυσίαζον ὅσιοι [A *om.*] παῖδες ἀγαθῶν
Is. 29. 15. A B² S οὐαὶ οἱ ἐν κρυφῇ βουλὴν ποιοῦντες (3 *a*)
45. 19. οὐκ ἐν κρυφῇ λελάληκα (3 *c*)
48. 16. οὐκ ἀπ' ἀρχῆς ἐν κρυφῇ λελάληκα (3 *c*)
[Aq. Je. 37 (44). 17.]
[Sm. Ps. 63 (64). 5: Je. 13. 17.]
[Al. Ps. 138 (139). 15.]

κρυφιαστής.
[Aq. Ge. 41. 8, 24: Ex. 7. 11: 8. 7 (3).]

κρύφιος. (1) חָבָה ni. (2) סָתֻם (3) *a.* סָתַר ni. *b.* סֵתֶר (4) פְּלִנִי אַלְמֹנִי (5) תַּעֲלֻמָה
Jd. 3. 19. λόγος μοι κρ. πρὸς σέ (3 *b*)
Ru. 4. 1. κάθισον ὧδε κρύφιε [A -φῆ] (4)
III Ki. 22. 25. B¹ ὅταν εἰσέλθῃς ταμεῖον τοῦ ταμείου τοῦ κρ. [A B² R κρυβῆναι] (1)
Ps. 9 *tit.* εἰς τὸ τέλος ὑπὲρ τῶν κρ. τοῦ υἱοῦ † (3 *a*)
18 (19). 12. ἐκ τῶν κρ. μου καθάρισόν με (5)
43 (44). 21. γινώσκει τὰ κρ. τῆς καρδίας
45 (46). *tit.* B ὑπὲρ τῶν κρ. ψαλμός [S *al.*] †
50 (51). 6. τὰ κρ. τῆς σοφίας σου ἐδήλωσάς μοι (2 ?)
Pr. 9. 17. ἄρτων κρυφίων ἡδέως ἅψασθε (3 *b*)
Wi. 14. 23. ἢ κρύφια μυστήρια . . . ἄγοντες
Si. 42. 1. καὶ ἀπὸ [S *om.*] ἀποκαλύψεων [A S -ως] λόγων κρυφίων
I Ma. 1. 53. A S³ ἔθεντο τὸν Ἰσρ. ἐν κρυφίοις [S¹ R κρύφοις]
2. 31. S κατέβησαν . . . εἰς τοὺς κρ. [A R κρύφους]
— 41. S ἀπέθανον οἱ ἀδελφοὶ ἡμῶν ἐν τοῖς κρ. [A R κρύφοις]
[Aq. IV Ki. 2. 14: Je. 41 (48). 8: 43 (50). 9.]
[Sm. IV Ki. 2. 14: Je. 41 (48). 8: 43 (50). 9: Ez. 33. 27.]
[Th. IV Ki. 2. 14: Je. 43 (50). 9: Ez. 28. 3.]

κρυφίως.
[Sm. Hb. 3. 14.]
[Al. II Ch. 26. 21.]

κρύφος.
I Ma. 1. 53. ἔθεντο τὸν Ἰσρ. ἐν κρύφοις [A S³ -ίοις]
2. 31. A R κατέβησαν . . . εἰς τοὺς κρ. [S -ίους]
— 36. οὐδὲ ἐνέφραξαν τοὺς κρ.
— 41. A R ἀπέθανον οἱ ἀδελφοὶ ἡμῶν ἐν τοῖς κρ. [S -ίοις]
[Th. Is. 30. 6†.]

κρύψις.
[Al. Le. 20. 4.]

κτᾶσθαι. (1) *a.* בָּעַל *b.* בַּעַל (2) הָיָה (3) יָלַד (4) יְרֵשָׁה (5) לָקַח (6) מָכַר (7) נָחַל (8) עָשָׂה (9) קָנָה *a.* qal. *b.* ni. *c.* hi. *d.* קָנַן *e.* מִקְנָה (10) רָכַשׁ
Ge. 4. 1. ἐκτησάμην ἄνθρωπον διὰ τοῦ θεοῦ (9 *a*)
12. 5. ὅσα ἐκτήσαντο (10)
— 5. πᾶσαν ψυχὴν ἣν ἐκτήσαντο (8)
25. 10. τὸ σπήλαιον ὃ ἐκτήσατο Α. (9 *a*)
33. 19. ἐκτήσατο τὴν μερίδα τοῦ ἀγροῦ (9 *a*)
36. 6. πάντα ὅσα ἐκτήσατο (9 *d*)
39. 1. ἐκτήσατο αὐτὸν Πετεφρῆς (9 *a*)
46. 6. R ἣν ἐκτήσαντο ἐν γῇ [A ἐκ γῆς] Χ. (10)
47. 19. κτῆσαι ἡμᾶς καὶ τὴν γῆν ἡμῶν (9 *a*)
— 20. ἐκτήσατο Ἰ. πᾶσαν τὴν γῆν . . . τῷ Φ. (9 *a*)
— 22. οὐκ ἐκτήσατο ταύτην [A *om.*] Ἰ. (9 *a*)
— 23. κέκτημαι ὑμᾶς καὶ τὴν γῆν ὑμῶν (9 *a*)
49. 30: 50. 13. ὃ ἐκτήσατο Αβ. τὸ σπήλαιον (9 *a*)
Ex. 15. 16. ὃν ἐκτήσω [A ἐλυτρώσω] (9 *a*)
21. 2. ἐὰν κτήσῃ παῖδα Ἑβραῖον (9 *a*)
Le. 22. 11. ἐὰν δὲ ἱερεὺς κτήσηται ψυχήν (9 *a*)
25. 14. ἐὰν καὶ κτήσῃ παρὰ τοῦ πλησίον σου (9 *a*)
— 15. κτήσῃ παρὰ τοῦ πλησίον (9 *a*)
— 28. ἔσται ἡ πρᾶσις τῷ κτησαμένῳ αὐτά (9 *a*)
— 30. κυρωθήσεται ἡ οἰκία . . . τῷ κτησαμένῳ αὐτήν (9 *a*)
— 44. ἀπ' αὐτῶν κτήσεσθε [A -σασθε] δοῦλον (9 *a*)
— 45. ἀπὸ τούτων κτήσεσθε (9 *a*)
— 50. συλλογιεῖται πρὸς τὸν κεκτημένον αὐτόν (9 *a*)
27. 22. ἀπὸ τοῦ ἀγροῦ οὗ κέκτηται (9 *e*)
— 24. παρ' οὗ κέκτηται αὐτόν (9 *a*)
De. 28. 68. οὐκ ἔσται ὁ κτώμενος (9 *a*)
32. 6. οὐκ αὐτὸς οὗτός σου πατὴρ ἐκτήσατό σε (9 *a*)
Jo. 24. 32. οὗ ἐκτήσατο Ἰακὼβ (9 *a*)
Ru. 4. 4. κτῆσαι ἐναντίον τῶν καθημένων (9 *a*)
— 5. τοῦ κτήσασθαί σε τὸν ἀγρόν (9 *a*)
— 5. αὐτὴν κτήσασθαί σε δεῖ (9 *a*)
— 8. κτῆσαι σεαυτῷ τὴν ἀγχιστείαν μου (9 *a*)
— 9. κέκτημαι πάντα τὰ τοῦ Ἐλ. (9 *a*)
— 10. Ῥοὺθ . . . κέκτημαι ἐμαυτῷ εἰς γυναῖκα (9 *a*)
II Ki. 12. 3. ἣν ἐκτήσατο καὶ περιεποιήσατο (9 *a*)
24. 21. κτήσασθαι παρὰ σοῦ τὸν ἅλωνα (9 *a*)
— 24. κτώμενος κτήσομαι παρὰ σοῦ (9 *a*, 9 *a*)
— 24. ἐκτήσατο Δ. τὸν ἅλωνα (9 *a*)
III Ki. 16. 24. ἐκτήσατο Ζ. τὸ ὄρος τὸ Σεμερών (9 *a*)
IV Ki. 12. 12 (13). τοῦ κτήσασθαι ξύλα καὶ λίθους (9 *a*)
22. 6. τοῦ κτήσασθαι ξύλα καὶ λίθους (9 *a*)
Ne. 5. 8. κεκτήμεθα τοὺς ἀδελφοὺς ἡμῶν (9 *a*)
— 16. ἀγρὸν οὐκ ἐκτησάμην (9 *a*)
Ju. 8. 22. ἐναντίον τῶν κτωμένων ἡμᾶς
Ps. 73 (74). 2. ἧς ἐκτήσω ἀπ' ἀρχῆς (9 *a*)
77 (78). 54. ὃ ἐκτήσατο ἡ δεξιὰ αὐτοῦ (9 *a*)
138 (139). 13. σὺ ἐκτήσω τοὺς νεφρούς μου (9 *a*)
Pr. 1. 5. ὁ δὲ νοήμων κυβέρνησιν κτήσεται (9 *a*)
— 14. κοινὸν δὲ βαλάντιον κτησώμεθα πάντες (2)
3. 31. μὴ κτήσῃ κακῶν ἀνδρῶν ὀνείδη †
4. 4. S² κτῆσαι σοφίαν καὶ σύνεσιν (9 *a* ?)
— 5. A κτῆσαι σοφίαν κτῆσαι σύνεσιν (9 *a*, 9 *a*)
16. 22. πηγὴ ζωῆς ἔννοια τοῖς κεκτημένοις (1 *b*)
17. 16. κτήσασθαι γὰρ σοφίαν [A -ας] ἀκάρδιος οὐ δυνήσεται (9 *a*)
— 21. καρδία δὲ ἄφρονος ὀδύνη τῷ κεκτημένῳ αὐτήν (3 ?)
18. 15. καρδία φρονίμου κτᾶται αἴσθησιν (9 *a*)
19. 8. ὁ κτώμενος φρόνησιν ἀγαπᾷ ἑαυτόν (9 *a*)
Pr. 22. 9. τὴν μέντοι ψυχὴν ἀφαιρεῖται τῶν κεκτημένων –
31. 29. πολλαὶ θυγατέρες ἐκτήσαντο πλοῦτον (8)
Ec. 2. 7. ἐκτησάμην δούλους καὶ παιδίσκας (9 *a*)
Wi. 7. 14. A S² ὃν οἱ κτησάμενοι [B S¹ χρησάμενοι] πρὸς θεὸν ἐστείλαντο φιλίαν
Si. 6. 4. ψυχὴ πονηρὰ ἀπολεῖ τὸν κτησάμενον αὐτήν
— 7. εἰ κτᾶσαι φίλον ἐν πειρασμῷ κτῆσαι αὐτόν
20. 23. ἐκτήσατο αὐτὸν ἐχθρὸν δωρεάν
22. 23. πίστιν κτῆσαι ἐν πτωχείᾳ μετὰ τοῦ πλησίον
24. 6. ἐν παντὶ λαῷ καὶ ἔθνει ἐκτησάμην [S² ἠγησάμην]
29. 6. A S² R ἐκτήσατο αὐτὸν ἐχθρὸν δωρεάν [B S¹ οὐ δ.]
30. 39 (33. 30). ἐν αἵματι ἐκτήσω αὐτόν
36. 29 (26). ὁ κτώμενος γυναῖκα ἐνάρχεται κτήσεως
51. 20. καρδίαν ἐκτησάμην μετ' αὐτῶν [A -ῆς] ἀπ' ἀρχῆς
— 21. διὰ τοῦτο ἐκτησάμην ἀγαθὸν κτῆμα
— 25. κτήσασθε ἑαυτοῖς ἄνευ ἀργυρίου
— 28. πολὺν χρυσὸν κτήσασθε ἐν αὐτῇ
Am. 8. 6. τοῦ κτᾶσθαι ἐν ἀργυρίῳ καὶ πτωχούς (9 *a*)
Za. 11. 5. ἃ οἱ κτησάμενοι κατέσφαζον (9 *a*)
Is. 1. 3. ἔγνω βοῦς τὸν κτησάμενον (9 *a*)
26. 13. κτῆσαι ἡμᾶς (1 *a*)
43. 24. οὐδὲ ἐκτήσω μοι ἀργυρίου θυσίασμα [A S θυμίαμα] (9 *a*)
57. 13. οἱ δὲ ἀντεχόμενοί μου κτήσονται γῆν (7)
Je. 13. 1. κτῆσαι σεαυτῷ περίζωμα λινοῦν (9 *a*)
— 2. ἐκτησάμην τὸ περίζωμα (9 *a*)
16. 19. ὡς ψευδῆ ἐκτήσαντο οἱ πατέρες ἡμῶν εἴδωλα (7)
19. 1. κτῆσαι βικὸν πεπλασμένον ὀστράκινον (9 *a*)
39 (32). 7. κτῆσαι [B² -σον] σεαυτῷ τὸν ἀγρόν μου τὸν ἐν Ἀναθώθ (9 *a*)
— 8. κτῆσαι σεαυτῷ τὸν ἀγρόν μου (9 *a*)
— 8. ὅτι σοὶ κρίμα κτήσασθαι αὐτόν [A *al.*] (4)
— 9. ἐκτησάμην τὸν ἀγρὸν Ἀναμεήλ (9 *a*)
— 15. A S ἔτι κτηθήσονται [B κτισθ.] ἀγροί (9 *b*)
— 25. κτῆσαι σεαυτῷ τὸν ἀγρὸν ἀργυρίου (9 *a*)
— 43. κτηθήσονται ἔτι ἀγροὶ ἐν τῇ γῇ (9 *b*)
— 44. κτήσονται ἀγροὺς ἐν ἀργυρίῳ (9 *a*)
Ep. Je. 59. ἐφ' ᾧ κεχρήσεται ὁ κεκτημένος [A *al.*]
Ez. 5. 1. κτῆσῃ [A -σαι] αὐτὴν σεαυτῷ (5)
7. 12. ὁ κτώμενος μὴ χαιρέτω (9 *a*)
— 13. ὁ κτώμενος πρὸς τὸν πωλοῦντα οὐκέτι μὴ ἐπιστρέψει (6)
8. 3. οὗ ἦν ἡ στήλη τοῦ κτωμένου (9 *c*)
II Ma. 7. 11. R ἐξ οὐρανοῦ ταῦτα κέκτημαι [A κέκληται]
[Aq. Pr. 4. 7 *bis*: 8. 22: Is. 11. 11: Je. 13. 4: 32 (39). 8, 44.]
[Sm. Ge. 4. 1: Ex. 15. 16: Ps. 77 (78). 54: Pr. 4. 7 *bis*: 8. 22: 18. 15: Is. 11. 11: Je. 13. 4: 32 (39). 44.]
[Th. Pr. 4. 7 *bis*: 8. 22: 20. 14: 23. 23: Is. 11. 11: Je. 13. 4.]
[Heb. Ge. 4. 1.]
[Al. Ge. 4. 1: Pr. 15. 32.]

κτείνειν. (1) הָגָה (2) הָרַג
Pr. 24. 11. ἐκπρίου κτεινομένους (2)
25. 5. κτεῖνε ἀσεβεῖς ἐκ προσώπου βασιλέως (1)
Si. 16. 12. A ἄνδρα κατὰ τὰ ἔργα αὐτοῦ κτείνει [B S κρινεῖ]
III Ma. 1. 2. ὡς μόνος κτεῖναι αὐτόν
[Aq., Sm. Ps. 138 (139). 19.]

κτενιστός.
[Sm. Is. 19. 9.]

κτῆμα. (1) הוֹן (2) *a.* כֶּרֶם *b.* כֶּרֶם (3) נַחֲלָה (4) שָׂדֶה
Jb. 20. 29. κτῆμα ὑπαρχόντων αὐτῷ [A -οῦ] παρὰ τοῦ ἐπισκόπου (3)
27. 13. κτῆμα [A S² ὀργὴ] δὲ δυναστῶν ἐλεύσεται [A ἐξελ.] (3)
Pr. 12. 27. κτῆμα δὲ τίμιον ἀνὴρ καθαρός (1)
23. 10. εἰς δὲ κτῆμα ὀρφανῶν μὴ εἰσέλθῃς (4)
31. 16. ἀπὸ δὲ καρπῶν χειρῶν αὐτῆς κατεφύτευσε κτῆμα (2 *a*)
Wi. 8. 5. εἰ δὲ πλοῦτός ἐστιν ἐπιθυμητὸν κτῆμα ἐν βίῳ
13. 17. περὶ δὲ κτημάτων καὶ γάμων αὐτοῦ . . . προσευχόμενος [S εὐχ.]
Si. 28. 24. περίφραξον τὸ κτ. [S στόμα] σου ἀκάνθαις
36. 30 (27). διαρπαγήσεται κτῆμα

Si. 51. 21. διὰ τοῦτο ἐκτησάμην ἀγαθὸν κτῆμα
Ho. 2. 15 (17). καὶ δώσω αὐτῇ τὰ κτ. αὐτῆς ἐκείθεν (2 *a*)
Jl. 1. 11. θρηνεῖτε κτήματα ὑπὲρ πυροῦ (2 *b*)
[Sm. Ps. 77 (78). 48: Je. 51 (28). 13.]

κτῆνος. (1) בְּהֵמָה (2) בְּעִיר (3) בָּקָר (4) חַיָּה *a.* צֹאן (5) *b.* צֵאן (6) *a.* קִנְיָן *b.* מִקְנָה (7) רְכוּשׁ

Ge. 1. 25. τὰ κτ. κατὰ γένος (1)
— 26. ἀρχέτωσαν . . . τῶν κτ. (1)
— 28. ἄρχετε . . . πάντων τῶν κτ. (4)
2. 20. ἐκάλεσεν Ἀ. ὀνόματα πᾶσι τοῖς κτ. (1)
3. 14. ἐπικατάρατος σὺ ἀπὸ πάντων τῶν κτ. (1)
6. 7. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους –
— 19. ἀπὸ πάντων τῶν κτ. –
— 20. ἀπὸ πάντων τῶν κτ. κατὰ γένος (1)
7. 2. ἀπὸ δὲ τῶν κτ. τῶν καθαρῶν (1)
— 2. ἀπὸ δὲ τῶν κτ. τῶν μὴ καθαρῶν (1)
— 8. ἀπὸ τῶν κτ. τῶν καθαρῶν (1)
— 8. ἀπὸ τῶν κτ. τῶν μὴ καθαρῶν (1)
— 14. πάντα τὰ κτ. κατὰ γένος (1)
— 21. πᾶσα σὰρξ . . . τῶν κτ. (1)
— 23. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
8. 1. B ἀνεμνήσθη [A ἐμν.] ὁ θεὸς . . . πάντων τῶν κτ. (1)
— 17. πᾶσα σὰρξ ἀπὸ πετεινῶν ἕως κτηνῶν (1)
— 19. πάντα τὰ κτ. . . . ἐξήλθοσαν (4 ?)
— 20. ἔλαβεν ἀπὸ πάντων τῶν κτ. τῶν καθαρῶν (1)
9. 10. ἀπὸ ὀρνέων καὶ ἀπὸ κτηνῶν (1)
13. 2. Ἄβραμ δὲ ἦν πλούσιος σφόδρα κτήνεσι (6 *b*)
— 5. A πρόβατα καὶ βόες καὶ κτήνη [B σκηναί] †
— 7. ἀνὰ μέσον τῶν ποιμένων τῶν κτ. τοῦ Ἀ. (6 *b*)
— 7. ἀνὰ μέσον τῶν ποιμένων τῶν κτ. τοῦ Λ. (6 *b*)
26. 14. κτήνη προβάτων καὶ κτήνη βοῶν (6 *b*, 6 *b*)
29. 7. οὔπω ὥρα συναχθῆναι τὰ κτ. (6 *b*)
30. 29. ὅσα ἦν κτήνη σου μετ' ἐμοῦ (6 *b*)
— 43. ἐγένετο αὐτῷ κτήνη πολλά (5 *a* ?)
31. 9. πάντα τὰ κτ. τοῦ πατρὸς ὑμῶν (6 *b*)
— 43. B τὰ κτ. [A κτ. σου] κτήνη μου (5 *a*, 5 *a*)
33. 13. ἀποθανοῦνται πάντα τὰ κτ. (5 *a*)
— 17. τοῖς κτ. αὐτοῦ ἐποίησε σκηνάς (6 *b*)
34. 5. ἦσαν μετὰ τῶν κτ. αὐτοῦ (6 *b*)
— 23. τὰ κτ. αὐτῶν . . . οὐχ ἡμῶν ἔσται (6 *b*)
36. 6. ἔλαβε δὲ Ἡσαῦ . . . πάντα τὰ κτ. (1)
46. 32. τὰ κτ. . . . ἀγηόχασιν (5 *a*)
47. 1. τὰ κτ. καὶ οἱ βόες αὐτῶν . . . ἦλθον (5 *a*)
— 4. οὐ γάρ ἐστι νομὴ τοῖς κτ. τῶν παίδων σου (5 *a*)
— 4 (6). κατάστησον αὐτοὺς ἄρχοντας τῶν ἐμῶν κτ. (6 *b*)
— 16. φέρετε τὰ κτ. ὑμῶν (6 *b*)
— 16. δώσω ὑμῖν ἄρτους ἀντὶ τῶν κτ. ὑμῶν (6 *b*)
— 17. ἤγαγον δὲ τὰ κτ. πρὸς Ἰ. (6 *b*)
— 17. ἀντὶ πάντων τῶν κτ. αὐτῶν (6 *b*)
— 18. εἰ γὰρ ἐκλέλοιπε . . . τὰ κτ. πρὸς σέ (1)
Ex. 9. 3. χεὶρ κυρίου ἐπέσται [A ἔσ.] ἐν τοῖς κτ. σου (6 *b*)
— 4. ἀνὰ μέσον τῶν κτ. τῶν Αἰγ. καὶ ἀνὰ μέσον τῶν κτ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. [A κτ. τοῦ Ἰ.] (6 *b*, 6 *b*)
— 4. A ἀπὸ πάντων τῶν κτ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. [B *al.*] –
— 6. A² B ἐτελεύτησε πάντα τὰ κτ. τῶν Αἰγυπτίων (6 *b*)
— 6. B ἀπὸ δὲ τῶν κτ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. [A² κτ. τοῦ Ἰ.] (6 *b*)
— 7. B ἀπὸ πάντων [A² *om.*] τῶν κτ. τῶν υἱῶν Ἰσρ. (6 *b*)
— 19. κατάσπευσον συναγαγεῖν τὰ κτ. σου (6 *b*)
— 19. οἱ ἄνθρωποι καὶ τὰ κτ. . . . τελευτήσει (1)
— 20. συνήγαγε τὰ κτ. αὐτοῦ εἰς τοὺς οἴκους (6 *b*)
— 21. ἀφῆκε τὰ κτ. ἐν τοῖς πεδίοις (6 *b*)
— 22. ἔσται χάλαζα ἐπὶ . . . τὰ κτ. (1)
— 25. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
10. 26. τὰ κτ. ἡμῶν πορεύσεται μεθ' ἡμῶν (6 *b*)
11. 5. ἕως πρωτοτόκου παντὸς κτήνους (1)
— 7: 12. 12. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
12. 29. ἕως πρωτοτόκου παντὸς κτήνους [A *al.*] (1)
— 38. συνανέβη αὐτοῖς . . . κτήνη πολλὰ σφόδρα (6 *b*)
13. 2. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
— 12. πᾶν διανοίγον μήτραν . . . ἐν τοῖς κτ. σου (1)
— 15. ἕως πρωτοτόκων [A -ου] κτηνῶν (1)
17. 3. ἀποκτείναι . . . τὰ κτ. τῷ δίψει (6 *b*)
19. 13. ἐάν τε κτῆνος ἐάν τε ἄνθρωπος (1)
20. 10. σὺ καὶ . . . πᾶν κτῆνός σου (1)
Ex. 20. 17. οὐκ ἐπιθυμήσεις . . . παντὸς κτήνους αὐτοῦ –
22. 5 (4). ἀφῇ τὸ κτ. αὐτοῦ καταβοσκῆσαι (2)
— 10 (9). ἐὰν δέ τις δῷ τῷ πλησίον . . . πᾶν κτ. (1)
— 19 (18). πᾶν κοιμώμενον μετὰ κτήνους (1)
Le. 1. 2. ἀπὸ τῶν κτ. καὶ ἀπὸ τῶν βοῶν (1)
5. 2. ἢ τῶν θνησιμαίων κτ. τῶν ἀκαθάρτων (1 ?)
7. 15 (25). πᾶς ὁ ἔσθων στέαρ ἀπὸ τῶν κτ. (1)
— 16 (26). ἀπό τε τῶν κτ. καὶ ἀπὸ τῶν πετεινῶν (1)
11. 2. ταῦτα τὰ κτ. ἃ φάγεσθε ἀπὸ πάντων [B¹ *om.*] τῶν κτ. τῶν ἐπὶ τῆς γῆς (4, 6 *b*)
— 3. πᾶν κτ. διχηλοῦν ὁπλὴν . . . καὶ ἀνάγον μηρυκισμὸν ἐν τοῖς κτ. (–, 1)
— 26. καὶ ἐν πᾶσι τοῖς κτ. (1)
— 39. ἐὰν δὲ ἀποθάνῃ [A *add.* ἀπὸ] τῶν κτ. (1)
— 46. οὗτος ὁ νόμος περὶ τῶν κτ. (1)
19. 19. τὰ κτ. σου οὐ κατοχεύσεις ἑτεροζύγῳ (1)
20. 16. ἥτις προσελεύσεται πρὸς πᾶν κτ. (1)
— 16. ἀποκτενεῖτε τὴν γυναῖκα καὶ τὸ κτ. (1)
— 25. ἀνὰ μέσον τῶν κτ. τῶν καθαρῶν καὶ ἀνὰ μέσον τῶν κτ. τῶν ἀκαθάρτων (1, –)
— 25. οὐ βδελύξετε τὰς ψυχὰς ὑμῶν ἐν τοῖς κτ. (1)
24. 18. ὃς ἂν πατάξῃ κτῆνος (1)
25. 7. τοῖς κτ. σου καὶ τοῖς θηρίοις (1)
26. 22. καὶ ἐξαναλώσει τὰ κτ. ὑμῶν (1)
27. 9. ἐὰν δὲ ἀπὸ τῶν κτ. τῶν προσφερομένων (1)
— 10. ἐὰν δὲ ἀλλάσσων ἀλλάξῃ αὐτὸ κτῆνος κτήνει (1, 1)
— 11. ἐὰν δὲ πᾶν κτ. ἀκάθαρτον (1)
— 11. στήσει τὸ κτ. ἔναντι [A -ίου] τοῦ ἱερέως (1)
— 26. ὃ ἐὰν γένηται ἐν τοῖς κτ. σου (1)
— 28. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
Nu. 3. 13. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους ἐμοὶ ἔσονται (1)
— 41. καὶ τὰ κτ. τῶν Λευιτῶν ἀντὶ πάντων τῶν πρωτοτόκων ἐν τοῖς κτ. [B¹ *om.* ἐν τ. κτ.] τῶν υἱῶν Ἰσρ. (1, 1)
— 45. καὶ τὰ κτ. τῶν Λευιτῶν ἀντὶ τῶν κτ. αὐτῶν (1, 1)
8. 17. ἀπὸ ἀνθρώπων [A -ου] ἕως κτήνους (1)
16. 32. καὶ τὰ κτ. αὐτῶν (7)
18. 15. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
— 15. τὰ πρωτότοκα τῶν κτ. τῶν ἀκαθάρτων (1)
20. 4. ἀποκτεῖναι ἡμᾶς καὶ τὰ κτ. ἡμῶν (2)
— 8. ποτιεῖτε τὴν συναγωγὴν καὶ τὰ κτ. αὐτῶν (2)
— 11. ἔπιεν ἡ συναγωγὴ καὶ τὰ κτ. αὐτῶν (2)
— 19. ἐγώ τε καὶ τὰ κτ. μου (6 *b*)
31. 9. καὶ τὴν ἀποσκευὴν αὐτῶν καὶ τὰ κτ. αὐτῶν (1)
— 11, 26. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
— 28. ἀπὸ τῶν ἀνθρώπων καὶ ἀπὸ τῶν κτ. (3)
— 30. καὶ ἀπὸ πάντων τῶν κτ. (1)
— 47. ἀπὸ τῶν ἀνθρώπων καὶ ἀπὸ τῶν κτ. (1)
32. 1. κτήνη [B¹ -ους] πλῆθος ἦν τοῖς υἱοῖς Ῥ. (6 *b*)
— 1. ἦν ὁ τόπος τόπος κτήνεσι (6 *b*)
— 4. καὶ τοῖς παισί σου κτήνη ὑπάρχει (6 *b*)
— 16. οἰκοδομήσομεν ὧδε τοῖς κτ. ἡμῶν (6 *b*)
— 24. καὶ ἐπαύλεις τοῖς κτ. ὑμῶν (5 *b*)
— 26. καὶ πάντα τὰ κτ. ἡμῶν (1)
— 30. διαβιβάσετε . . . τὰ κτ. αὐτῶν –
35. 3. ἔσται τοῖς κτ. αὐτῶν (1)
De. 2. 35. τὰ κτ. ἐπρονομεύσαμεν (1)
3. 7. τὰ παιδία καὶ πάντα τὰ κτ. (1)
— 19. τὰ τέκνα ὑμῶν καὶ τὰ κτ. ὑμῶν οἶδα ὅτι πολλὰ κτ. [A τὰ κτ.] ὑμῖν (6 *b*, 6 *b*)
4. 17. ὁμοίωμα παντὸς κτ. (1)
5. 14. καὶ πᾶν κτ. σου (1)
— 21 (18). οὔτε παντὸς κτ. αὐτοῦ –
7. 14. οὐκ ἔσται ἐν ὑμῖν . . . καὶ ἐν τοῖς κτ. σου (1)
11. 15. δώσει χορτάσματα . . . τοῖς [A ἐν τοῖς] κτ. σου (1)
14. 4. ταῦτα κτ. [A τὰ κτ.] ἃ φάγεσθε (1)
— 6. πᾶν κτ. διχηλοῦν [A -χηλεῦον] ὁπλήν (1)
— 6. καὶ ἀνάγον μηρυκισμὸν ἐν τοῖς κτ. (1)
20. 14. AR πάντα τὰ κτ. καὶ πάντα [B *om.* π. τὰ κτ. κ. π.] . . . προνομεύσεις (1)
27. 21. ὁ κοιμώμενος μετὰ παντὸς [A *om.*] κτ. (1)
28. 11. ἐπὶ τοῖς ἐκγόνοις τῶν κτ. σου (1)
— 51. κατέδεται τὰ ἔκγονα τῶν κτ. σου (1)
30. 9. ἐν τοῖς ἐκγόνοις τῶν κτ. σου (1)
Jo. 1. 14. τὰ κτ. ὑμῶν κατοικείτωσαν ἐν τῇ γῇ (6 *b*)
8. 2. τὴν προνομὴν τῶν κτ. προνομεύσεις σεαυτῷ (1)
— 27. A πλὴν τῶν κτ. καὶ [B *om.* τ. κτ. κ.] τῶν σκύλων (1)
14. 4. τὰ ἀφωρισμένα αὐτῶν [A -οῖς] τοῖς κτ. καὶ τὰ κτ. [A *om.* κ. τ. κτ.] αὐτῶν (6 *b*, 6 *a*)
Jo. 21. 2. καὶ τὰ περισπόρια [A *om.* τὰ π.] τοῖς κτ. ἡμῶν (1)
22. 8. κτ. πολλὰ σφόδρα . . . διείλαντο (6 *b*)
Jd. 6. 5. A αὐτοὶ τὰ κτ. [B αὐ. καὶ αἱ κτήσεις] αὐτῶν (6 *b*)
20. 48. καὶ ἕως κτήνους [A *al.*] (1)
I Ki. 17. 44. καὶ τοῖς κτ. [A θηρίοις] τῆς γῆς (1)
23. 5. καὶ ἀπήγαγε [A οὐκ ἀπ.] τὰ κτ. αὐτῶν (6 *b*)
III Ki. 4. 33 (5. 13). ἐλάλησε περὶ τῶν κτ. (1)
18. 5. A οὐκ ἐξολεθρευθήσονται ἀπὸ τῶν κτ. [B σκηνῶν] (1)
IV Ki. 3. 9. οὐκ ἦν ὕδωρ . . . τοῖς κτ. (1)
— 17. αἱ κτήσεις ὑμῶν καὶ τὰ κτ. ὑμῶν (1)
I Ch. 4. 39. τοῦ ζητῆσαι νομὰς τοῖς κτ. αὐτῶν (5 *a*)
— 41. νομαὶ τοῖς κτ. αὐτῶν ἐκεῖ (5 *a*)
5. 9. κτ. αὐτῶν πολλὰ ἐν γῇ Γ. (6 *b*)
7. 21. κατέβησαν τοῦ λαβεῖν τὰ κτ. αὐ. (6 *b*)
II Ch. 20. 25. καὶ εὗρον κτ. πολλά †
26. 10. κτ. πολλὰ ὑπῆρχεν αὐτῷ (6 *b*)
32. 28. φάτναις παντὸς κτ. (1)
I Es. 2. 7. μεθ' ἵππων καὶ κτηνῶν
— 9. ἵπποις κτήνεσι [A καὶ κτ.] καὶ εὐχαῖς
5. 1. αἱ παιδίσκαι [A π. αὐτῶν] καὶ τὰ κτ. αὐτῶν
8. 50. τέκνοις ἡμῶν καὶ κτήνεσιν
9. 4. ἀνιερωθήσονται τὰ κτ. αὐτῶν
II Es. 1. 4. ἐν . . . ἀποσκευῇ καὶ κτήνεσι (1)
— 6. καὶ ἐν κτήνεσι καὶ ἐν ξενίοις (1)
Ne. 2. 12. καὶ κτῆνος οὐκ ἔστι μετ' ἐμοῦ εἰ μὴ τὸ κτ. [B² *al.*] (1, 1)
— 14. οὐκ ἦν τόπος τῷ κτ. παρελθεῖν (1)
9. 37. AB καὶ ἐν [B² ἐν τοῖς] κτήνεσιν ἡμῶν (1)
10. 35 (37). καὶ τὰ πρωτότοκα . . . κτηνῶν [B τῶν κτ.] ἡμῶν (1)
To. 1. 6. S καὶ τὰς δεκάτας τῶν κτ. [AB γενημάτων]
10. 11. Ῥαγουὴλ ἔδωκεν αὐτῷ . . . κτήνη [S *al.*]
Ju. 4. 10. τὰ νήπια αὐτῶν καὶ τὰ κτ. αὐτῶν
5. 9. καὶ ἐν κτ. πολλοῖς σφόδρα
8. 7. καὶ κτήνη καὶ ἀγρούς
11. 7. τὰ θηρία τοῦ ἀγροῦ καὶ τὰ κτ.
— 12. ἐβουλεύσαντο ἐπιβαλεῖν τοῖς κτ. αὐτῶν
Jb. 1. 3. ἦν τὰ κτ. αὐτοῦ πρόβατα ἑπτακισχίλια (6 *b*)
— 10. τὰ κτ. αὐτοῦ πολλὰ ἐποίησας ἐπὶ τῆς γῆς (6 *b*)
36. 28. ὥραν ἔθετο κτήνεσιν –
42. 12. ἦν δὲ τὰ κτ. αὐτοῦ πράβατα μύρια τετρακισχίλια –
Ps. 8. 7. ἔτι δὲ καὶ τὰ κτ. τοῦ πεδίου (1)
35 (36). 6. ἀνθρώπους καὶ κτήνη σώσεις (1)
48 (49). 12, 20. παρασυνεβλήθη τοῖς κτ. τοῖς ἀνοήτοις (1)
49 (50). 10. κτήνη ἐν τοῖς ὄρεσι καὶ βόες (1)
77 (78). 48. παρέδωκεν ἐν χαλάζῃ [S¹ εἰς αἰχμαλωσίαν, S² εἰς χάλαζαν] τὰ κτ. αὐτῶν (2)
— 50. τὰ κτ. αὐτῶν εἰς θάνατον συνέκλεισε (4)
103 (104). 14. ὁ ἐξανατέλλων χόρτον τοῖς κτ. (1)
106 (107). 38. τὰ κτ. αὐτῶν οὐκ ἐσμίκρυνε (1)
134 (135). 8. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
146 (147). 9. καὶ διδόντι τοῖς κτ. τροφὴν αὐτῶν (1)
148. 10. τὰ θηρία καὶ πάντα τὰ κτ. (1)
Pr. 12. 10. δίκαιος οἰκτείρει ψυχὰς κτηνῶν αὐτοῦ (1)
24. 65 (30. 30). σκύμνος λέοντος ἰσχυρότερος κτηνῶν ὃς οὐκ ἀποστρέφεται οὐδὲ καταπτήσσει κτῆνος (1, †)
Ec. 3. 18. δεῖξαι ὅτι αὐτοὶ κτήνη εἰσί (1)
— 19. συνάντημα τοῦ κτ. (1)
— 19. τί ἐπερίσσευσεν ὁ ἄνθρωπος [S² τίς περισσεία τῷ ἀνθρώπῳ] παρὰ τὸ κτ. (1)
— 21. πνεῦμα τοῦ κτ. εἰ καταβαίνει (1)
Si. 7. 22. κτήνη σοί ἐστιν ἐπισκέπτου αὐτά
40. 8. μετὰ πάσης σαρκὸς ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους
43. 25. A S ποικιλία παντὸς ζφου κτῆσις κτηνῶν [B κτίσις κητῶν]
Mi. 5. 8 (7). ὡς λέων ἐν κτήνεσιν ἐν τῷ δρυμῷ (1)
Jl. 1. 20. καὶ τὰ κτ. τοῦ πεδίου ἀνέβλεψαν πρὸς σέ (1)
2. 22. θαρσεῖτε κτήνη τοῦ πεδίου (1)
Jn. 3. 7. οἱ ἄνθρωποι καὶ τὰ κτ. . . . μὴ γευσάσθωσαν (1)
— 8. περιεβάλοντο σάκκους οἱ ἄνθρ. καὶ τὰ κτ. (1)
4. 11. ἐν ᾗ κατοικοῦσι . . . κτ. πολλά (1)
Ze. 1. 3. ἐκλιπέτω ἄνθρωπος καὶ κτήνη (1)
Hg. 1. 11. ἐπάξω ῥομφαίαν . . . ἐπὶ τὰ κτ. (1)
Za. 2. 4 (8). ἀπὸ πλήθους ἀνθρώπων καὶ κτηνῶν (1)
8. 10. καὶ ὁ μισθὸς τῶν κτ. οὐχ ὑπάρξει (1)
14. 15. αὕτη ἔσται ἡ πτῶσις . . . πάντων τῶν κτ. (1)
Is. 30. 23. βοσκηθήσεταί σου τὰ κτ. . . . τόπον πίονα (6 *b*)

Is. 46. 1. ἐγένετο τὰ γλυπτὰ αὐτῶν εἰς θηρία καὶ τὰ [A S *om.*] κτ. (1)
63. 14. καὶ ὡς κτήνη διὰ πεδίου (1)
Je. 7. 20. ἐπὶ τοὺς ἀνθρώπους καὶ ἐπὶ τὰ κτ. (1)
9. 10 (9). ἀπὸ πετεινῶν τοῦ οὐρανοῦ καὶ ἕως κτηνῶν [A τῶν κτ.] (1)
12. 4. ἠφανίσθησαν [A -ισας] κτήνη καὶ πετεινά (1)
21. 6. πατάξω . . . τοὺς ἀνθρώπους καὶ τὰ κτ. (1)
27 (50). 3. ἀπὸ ἀνθρώπου καὶ [A *om.*] ἕως κτήνους (1)
28 (51). 62. ἀπὸ ἀνθρώπου ἕως κτήνους (1)
30. 10 (49. 32). πλῆθος κτηνῶν αὐτῶν εἰς ἀπώλειαν (6 *b*)
38 (31). 12. ἐπὶ γῆν σίτου . . . καὶ κτηνῶν (3 ?)
— 27. σπέρμα ἀνθρώπου καὶ σπέρμα κτήνους (1)
39 (32). 43. ἅβατος ἔσται ἀπὸ ἀνθρώπων [A S -ου] καὶ κτήνους (1)
40 (33). 10. ἔρημός ἐστιν ἀπὸ ἀνθρώπων καὶ κτηνῶν . . . παρὰ τὸ μὴ εἶναι ἄνθρωπον [S -ους] καὶ κτήνη (1, 1)
— 12. παρὰ τὸ μὴ εἶναι ἄνθρωπον καὶ κτ. [A -νη] (1)
48 (36). 29. ἐκλείψει [A ἐκτρίψει] ἀπ' αὐτῆς . . . κτήνη (1)
Ba. 3. 32. ἐνέπλησεν αὐτὴν κτηνῶν τετραπόδων
Ez. 8. 10. A πᾶσα ὁμοίωσις ἑρπετοῦ καὶ κτήνους (1)
14. 13. ἐξαρῶ ἐξ [A ἀπ'] αὐτῆς . . . κτήνη (1)
— 17. ἐξαρῶ ἐξ αὐτῆς ἄνθρωπον καὶ κτ. [A -νη] (1)
— 19, 21. τοῦ ἐξολεθρεῦσαι ἐξ αὐτῆς ἄνθρωπον καὶ κτ. (1)
24. 5. ἐξ ἐπιλέκτων κτηνῶν εἰλημμένων [A -να] (5 *a*)
25. 13. ἐξολεθρεύσω ἐξ αὐτῆς ἄνθρωπον καὶ κτ. (1)
27. 20. Δαιδὰν ἔμποροί σου μετὰ κτηνῶν ἐκλεκτῶν †
29. 8. ἀπολῶ ἀπὸ σοῦ ἀνθρώπους καὶ κτήνη [A *al.*] (1)
— 11. ποὺς ἀνθρώπου καὶ ποὺς κτήνους [A ἄνθρωπος καὶ κτ.] (1)
32. 13. AR ἀπολῶ πάντα τὰ [B *om.*] κτ. αὐτῆς . . . ἴχνος κτηνῶν [A -ους] οὐ μὴ καταπατήσῃ αὐτό (1, 1)
35. 7. ἀπολῶ ἀπ' αὐτοῦ ἀνθρώπους καὶ κτήνη †
36. 11. πληθυνῶ ἐφ' ὑμᾶς ἀνθρώπους καὶ κτήνη (1)
44. 31. ἐκ τῶν πετεινῶν καὶ ἐκ τῶν κτ. (1)
Da. LXX. 3. (81). πάντα τὰ θηρία καὶ τὰ κτ. τετράποδα
Da. TH. 3. (81). εὐλογεῖτε . . . τὰ κτ. τὸν κύριον
I Ma. 1. 32. AR καὶ τὰ κτ. ἐκληρονόμησαν [S¹ *om.*, S² ἑκλ. ἑαυτοῖς]
— 47. θύειν ὕεια καὶ κτ. κοινά [S¹ πολλά]
2. 30. αἱ γυναῖκες αὐτῶν καὶ τὰ κτ. αὐτῶν
— 38. τὰ τέκνα αὐτῶν καὶ τὰ κτ. αὐτῶν
10. 33. SR καὶ τῶν [A *om.*] κτ. αὐτῶν
12. 23. τὰ κτ. ὑμῶν . . . ἡμῖν ἐστι
[Aq. GE. 1. 26 : LE. 27. 26 : DT. 28. 4 : JB. 40. 10 (15) : Is. 30. 6 : JE. 15. 3 : 16. 4 : 27 (34). 5 : 33 (40). 12 : HB. 2. 17.]
[Sm. LE. 27. 26 : JB. 35. 11 : Ps. 77 (78). 48 : 103 (104). 14 : EC. 3. 19 : Is. 30. 6 : HB. 2. 17 (?).]
[Th. EX. 34. 19 : LE. 27. 26 : JB. 40. 10 (15) : Is. 30. 6 : JE. 27 (34). 5 : EZ. 8. 10 : DA. 3. (81).]
[Al. LE. 5. 2 : 18. 23 *bis*.]

κτηνοτρόφος. (1) *a.* מִקְנֶה *b.* ἀνὴρ κτ. אִישׁ מִקְנֶה

Ge. 4. 20. οἰκούντων ἐν σκηναῖς κτηνοτρόφων (1 *a*)
46. 32. ἄνδρες γὰρ κτηνοτρόφοι ἦσαν (1 *b*)
— 34. ἄνδρες κτηνοτρόφοι ἐσμέν (1 *b*)
Nu. 32. 4. γῆ κτ. ἐστί (1 *a*)

κτηνώδης. (1) בְּהֵמָה

Ps. 72 (73). 22. κτηνώδης ἐγενόμην [S ἐγενήθην] παρὰ σοί (1)
[Sm. Ps. 72 (73). 22.]

κτῆσις. (1) אֲחֻזָּה (2) הוֹן (3) יְרֻשָּׁה (4) *a.* קָנָה *b.* מִקְנָה *c.* מִקְנֶה *d.* קִנְיָן (5) רְכוּשׁ

Ge. 23. 4. δότε οὖν μοι κτῆσιν τάφου (1)
— 9. R δότω [A -τε] μοι αὐτὸ . . . εἰς κτῆσιν μνημείου (1)
— 18. ἔστη ὁ ἀγρὸς . . . τῷ 'A. εἰς κτῆσιν (4 *b*)
— 20. ἐκυρώθη ὁ ἀγρὸς . . . τῷ 'A. εἰς κτῆσιν (1)
36. 43. ἐν τῇ γῇ τῆς κτ. αὐτῶν (1)
46. 6. ἀναλαβόντες . . . πᾶσαν τὴν κτ. (5)
49. 30. ὃ ἐκτήσατο 'A. . . . ἐν κτήσει μνημείου (1)
Ge. 49. 32. ἐν κτήσει τοῦ ἀγροῦ καὶ τοῦ σπηλαίου (4 *c*)
50. 13. ὃ ἐκτήσατο 'A. . . . ἐν κτήσει μνημείου (1)
Le. 14. 34. ἣν ἐγὼ δίδωμι ὑμῖν ἐν κτήσει (1)
20. 24. ἐγὼ δώσω ὑμῖν αὐτὴν ἐν κτήσει (3)
25. 10. εἰς ἕκαστος εἰς τὴν κτ. αὐτοῦ (1)
— 13. AB¹ ἐπανελεύσεται [AB² *add.* ἕκαστος] εἰς τὴν κτ. [B² R ἔγκτ.] (1)
— 16. A B¹ ἐλαττονώσει τὴν κτ. [B² R ἔγκτ.] αὐτοῦ (4 *b*)
Jd. 6. 5 αὐτοὶ καὶ αἱ κτ [A αὐ. τὰ κτήνη] αὐτῶν (4 *c*)
18. 21. ἔθηκαν . . . τὴν κτ. [A *add.* αὐτοῦ] (4 *c*)
IV Ki. 3. 17. ὑμεῖς καὶ αἱ κτ. ὑμῶν (4 *c*)
I Ch. 28. 1. R καὶ πάσης τῆς κτ. τοῦ βασ. (4 *c*)
II Ch. 14. 15 (14). καί γε σκηνὰς κτήσεων . . . ἐξέκοψαν (4 *c*)
II Es. 8. 21. καὶ πάσῃ τῇ κτ. ἡμῶν (5)
Jb. 36. 33. κτῆσις [A -σεις] καὶ περὶ ἀδικίας (4 *c*)
Ps. 104 (105). 21. καὶ ἄρχοντα πάσης τῆς κτ. [AS κτίσεως] αὐτοῦ (4 *d*)
Pr. 1. 13. τὴν κτ. [A κτίσιν] αὐτοῦ τὴν πολυτελῆ καταλαβώμεθα (2)
8. 18. καὶ κτῆσις πολλῶν καὶ δικαιοσύνη (2)
10. 15. κτῆσις [S¹ κτίσις] πλουσίων πόλις ὀχυρά (2)
Ec. 2. 7. κτῆσις βουκολίου . . . πολλὴ [S¹ *om.*] ἐγένετό μοι (4 *c*)
Wi. 2. 6. A χρησώμεθα τῇ κτ. [B S κτίσει]
16. 24. A ἡ γὰρ κτ. [B S κτίσις] σοι τῷ ποιήσαντι ὑπηρετοῦσα
Si. 36. 29 (26). ὁ κτώμενος γυναῖκα ἐνάρχεται κτήσεως
42. 4. περὶ κτήσεως πολλῶν καὶ ὀλίγων
43. 25. AS ποικιλία παντὸς ζῴου κτῆσις κτηνῶν [B κτίσις κητῶν]
Je. 39 (32). 7. παραλαβεῖν εἰς κτῆσιν (4 *a*)
— 8. A σοὶ κρίμα παραλαβεῖν εἰς κτῆσιν [B *al.*] (4 *a* ?)
— 11. ἔλαβον τὸ βιβλίον τῆς κτ. τὸ ἐσφραγισμένον (4 *b*)
— 12. γραφόντων ἐν τῷ βιβλίῳ τῆς κτ. (4 *b*)
— 14. λάβε τὸ βιβλίον τῆς κτ. τοῦτο (4 *b*)
— 16. μετὰ τὸ δοῦναί με τὸ βιβλίον τῆς κτ. (4 *b*)
Ba. 3. 17. οὐκ ἔστι τέλος τῆς κτ. αὐτῶν
— 24. ἐπιμήκης ὁ τόπος τῆς κτ. αὐτοῦ
Ez. 38. 12. πεποιηκότας κτήσεις (4 *c* + 4 *d*)
— 13. ἀπενέγκασθαι κτῆσιν [A -σεις] (4 *c* + 4 *d*)
[Aq. Ps. 103 (104). 24 : PR. 4. 7 : Is. 30. 23.]
[Sm. DT. 18. 8 : JD. 1. 15 *ter* : Ps. 103 (104). 24 : PR. 4. 7 : Is. 30. 23.]
[Th. JD. 18. 21 : JB. 36. 33 : Ps. 103 (104). 24 : PR. 4. 7 : Is. 30. 23.]
[Al. LE. 25. 27, 51.]

κτητός.
[Sm. HB. 2. 17 (?).]

κτήτωρ.
[Sm. JL. 1. 11.]

κτίζειν. (1) בָּרָא *a.* qal. *b.* ni. (2) יָסַד ni. (3) יָצַר (4) כּוּן *a.* pil. *b.* pu. (5) עָמַד (6) קָנָה *a.* qal. *b.* ni. (7) שָׁכַן

Ge. 14. 19, 22. ὃς ἔκτισε τὸν οὐρ. καὶ τὴν γῆν (6 *a*)
Ex. 9. 18. ἀφ' ἧς ἡμέρας ἔκτισται (2)
Le. 16. 16. τῇ σκηνῇ τοῦ μαρτυρίου τῇ ἐκτισμένῃ ἐν αὐτοῖς (7)
De. 4. 32. ἧς ἔκτισεν ὁ θεὸς ἄνθρωπον (1 *a*)
32. 6. A καὶ ἔκτισέν [B ἔπλασέ] σε (4 *a*)
I Es. 4. 53. κτίσαι τὴν πόλιν
6. 13. παῖδες τοῦ κυρίου τοῦ κτίσαντος τὸν οὐρανόν
Ju. 13. 18. ὃς ἔκτισε τοὺς οὐρανούς
Ps. 32 (33). 9. αὐτὸς ἐνετείλατο καὶ ἐκτίσθησαν (5)
50 (51). 10. καρδίαν καθαρὰν κτίσον ἐν ἐμοί (1 *a*)
88 (89). 12. τὸν βορρᾶν . . . σὺ ἔκτισας (1 *a*)
— 47. μὴ γὰρ ματαίως ἔκτισας πάντας τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων (1 *a*)
101 (102). 18. λαὸς ὁ κτιζόμενος αἰνέσει τὸν κύριον (1 *b*)
103 (104). 30. ἐξαποστελεῖς τὸ πνεῦμά σου καὶ κτισθήσονται (1 *b*)
148. 5. αὐτὸς ἐνετείλατο καὶ ἐκτίσθησαν (1 *b*)
Pr. 8. 22. κύριος ἔκτισέ με ἀρχὴν ὁδῶν αὐτοῦ εἰς ἔργα αὐτοῦ (6 *a*)
Ec. 12. 1. μνήσθητι τοῦ κτίσαντός σε (1 *a*)
Wi. 1. 14. ἔκτισε γὰρ εἰς τὸ εἶναι τὰ πάντα [S¹ *al.*]
2. 23. ὁ θεὸς ἔκτισε τὸν ἄνθρωπον ἐπ' ἀφθαρσίᾳ
Wi. 10. 1. πρωτόπλαστον πατέρα κόσμου μόνον κτισθέντα
11. 17. ἡ . . . χεὶρ καὶ [S² ἡ καὶ] κτίσασα τὸν κόσμον ἐξ ἀμόρφου ὕλης
13. 3. ὁ γὰρ τοῦ κάλλους [S² κόσμου] γενεσιάρχης ἔκτισεν αὐτά
Si. 1. 4. προτέρα πάντων ἔκτισται σοφία
— 9. κύριος αὐτὸς ἔκτισεν αὐτήν
7. 15. μὴ μισήσῃς . . . γεωργίαν ὑπὸ ὑψίστου ἐκτισμένην
10. 18. οὐκ ἔκτισται ἀνθρώποις ὑπερηφανία
17. 1. κύριος ἔκτισεν ἐκ γῆς ἄνθρωπον
18. 1. ὁ ζῶν εἰς τὸν αἰῶνα ἔκτισε τὰ πάντα κοινῇ
23. 20. πρὶν ἢ κτισθῆναι τὰ πάντα ἔγνωσται αὐτῷ
24. 8. ὁ κτίσας με κατέπαυσε τὴν σκηνήν μου
— 9. πρὸ τοῦ αἰῶνος ἀπ' ἀρχῆς [A ἀπαρχὴν] ἔκτισέ με
34 (31). 13. πονηρότερον ὀφθαλμοῦ τί ἔκτισται
— 27. αὐτὸς ἔκτισται εἰς εὐφροσύνην ἀνθρώποις [S¹ -ων]
36 (33). 10. ἐκ γῆς ἐκτίσθη 'Αδάμ
38. 1. καὶ γὰρ αὐτὸν ἔκτισε κύριος
— 4. κύριος ἔκτισεν ἐκ γῆς φάρμακα
— 12. καὶ γὰρ αὐτὸν ἔκτισε κύριος
39. 21. πάντα γὰρ εἰς χρείας [A S -αν] αὐτῶν ἔκτισται
— 25. ἀγαθὰ τοῖς ἀγαθοῖς ἔκτισται ἀπ' ἀρχῆς
— 28. ἔστι πνεύματα ἃ εἰς ἐκδίκησιν ἔκτισται
— 29. πάντα ταῦτα εἰς ἐκδίκησιν ἔκτισται
40. 1. ἀσχολία μεγάλη ἔκτισται παντὶ ἀνθρώπῳ
— 10. ἐπὶ τοὺς ἀνόμους ἐκτίσθη ταῦτα πάντα
44. 2. πολλὴν δόξαν ἔκτισεν ὁ κύριος
49. 14. οὐδὲ εἷς ἐκτίσθη οἷος 'Ενὼχ τοιοῦτος ἐπὶ τῆς γῆς
Ho. 13. 4. ὁ θεός σου ὁ . . . κτίζων γῆν
— 4. οὗ αἱ χεῖρες ἔκτισαν πᾶσαν τὴν στρατιὰν τοῦ οὐρ.
Am. 4. 13. ἐγὼ στερεῶν βροντὴν καὶ κτίζων πνεῦμα (1 *a*)
Hg. 2. 10 (9). εἰς περιποίησιν παντὶ τῷ κτίζοντι
Ma. 2. 10. οὐχὶ θεὸς εἷς ἔκτισεν ὑμᾶς (1 *a*)
Is. 22. 11. τὸν κτίσαντα αὐτὴν οὐκ εἴδετε (3)
45. 7. ὁ ποιῶν εἰρήνην καὶ κτίζων κακά (1 *a*)
— 8. ἐγὼ εἰμι κύριος ὁ κτίσας σε (1 *a*)
46. 11. ἔκτισα καὶ ἐποίησα (3)
54. 16. ἐγὼ ἔκτισά [A S κτίζω] σε . . . ἐγὼ δὲ ἔκτισά [S -κά] σε (1 *a*, 1 *a*)
Je. 38 (31). 22. ἔκτισε κύριος σωτηρίαν (1 *a*)
39 (32). 15. ἔτι κτισθήσονται [AS¹ κτηθ.] ἀγροὶ καὶ οἰκίαι (6 *b*)
Ez. 28. 13. ἀφ' ἧς ἡμέρας ἐκτίσθης (1 *b* + 4 *b*)
— 15. ἀφ' ἧς ἡμέρας σὺ ἐκτίσθης (1 *b*)
Da. LXX. 4. 34. τῷ κτίσαντι τὸν οὐρανὸν . . . ἐξομολογοῦμαι
Bel 4. κύριον τὸν θεὸν τὸν κτίσαντα τὸν οὐρανόν
Da. TH. Bel 5. θεὸν τὸν κτίσαντα τὸν οὐρανόν
III Ma. 2. 3. σὺ γὰρ εἶ ὁ κτίσας τὰ πάντα
— 9. κτίσας τὴν ἀπέραντον καὶ ἀμέτρητον γῆν
[Aq. GE. 1. 1, 27 *bis* : Ps. 88 (89). 13 : Is. 40. 26 : 41. 20 : 43. 7 : 54. 17 : 65. 17, 18 : JE. 31 (38). 22.]
[Sm. GE. 1. 27 *ter* : Ps. 88 (89). 13 : Is. 40. 26 : 41. 20 : 43. 7 : 54. 17 : 65. 17, 18.]
[Th. GE. 1. 27 *bis* : Ps. 88 (89). 13 : Is. 40. 26 : 41. 20 : 43. 7 : 54. 17 : 57. 19 : 65. 17, 18 : JE. 31 (38). 22.]
[Quint. Ps. 88 (89). 13.]

κτίσις. (1) הוֹן (2) קִנְיָן

To. 8. 5. εὐλογησάτωσάν σε . . . πᾶσαι αἱ κτ. σου [S *al.*]
— 15. εὐλογείτωσάν σε . . . πᾶσαι αἱ κτ. σου
Ju. 9. 12. βασιλεῦ πάσης κτ. σου
16. 14. σοὶ δουλευσάτω πᾶσα ἡ κτ. σου
Ps. 73 (74). 18. μνήσθητι ταύτης τῆς κτ. σου [S *om.* τῆς κτ. σου]
103 (104). 24. ἐπληρώθη ἡ γῆ τῆς κτ. σου (2)
104 (105). 21. A S καὶ ἄρχοντα πάσης τῆς κτ. [B κτήσεως] αὐτοῦ (2)
Pr. 1. 13. A τὴν κτ. [B S κτῆσιν] αὐτοῦ τὴν πολυτελῆ καταλαβώμεθα (1)
10. 15. κτῆσις [S¹ κτίσις] πλουσίων πόλις ὀχυρά (1)
Wi. 2. 6. χρησώμεθα τῇ κτ. [A κτήσει] ὡς νεότητι [A S¹ -ητος] σπουδαίως
5. 17. ὁπλοποιήσει [S¹ ὁδοπ.] τὴν κτ. εἰς ἄμυναν ἐχθρῶν

Wi. 16. 24. ἡ γὰρ κτ. [A κτῆσις] σοι τῷ ποιήσαντι ὑπηρετοῦσα
19. 6. ὅλη γὰρ ἡ κτ. . . . πάλιν ἄνωθεν διετυποῦτο
Si. 16. 17. τίς γὰρ ἡ ψυχή μου ἐν ἀμετρήτῳ κτίσει
43. 25. ποικιλία παντὸς ζῴου κτίσις κητῶν [A S κτῆσις κτηνῶν]
49. 16. ὑπὲρ πᾶν ζῷον ἐν τῇ [S² om.] κτ. Ἀδάμ
III Ma. 2. 2. δέσποτα πάσης τῆς κτ.
— 7. τῷ τῆς ἁπάσης κτ. δυναστεύοντι
6. 2. τὴν πᾶσαν διακυβερνῶν . . . κτ.
[Aq. Ez. 2. 10.]

κτίσμα.

Wi. 9. 2. ἵνα δεσπόζῃ τῶν ὑπὸ σοῦ γενομένων κτ.
13. 5. A R ἐκ γὰρ μεγέθους καλλονῆς [B S¹ κ. καὶ, S² καὶ κ.] κτισμάτων
14. 11. ἐν κτίσματι θεοῦ εἰς βδέλυγμα ἐγενήθησαν
Si. 36. 20 (17). δὸς μαρτύριον τοῖς ἐν ἀρχῇ κτ. σου
38. 34. κτίσμα αἰῶνος στηρίσουσι [S οὐ στ.]
III Ma. 5. 11. τὸ δὲ ἀπ' αἰῶνος χρόνου κτ. καλόν

κτίστης.

II Ki. 22. 32. τίς κτίστης ἔσται †
Ju. 9. 12. κτίστα τῶν ὑδάτων
Si. 24. 8. ἐνετείλατό μοι ὁ κτ. ἁπάντων
II Ma. 1. 24. κύριε ὁ θεὸς ὁ πάντων κτ.
7. 23. ὁ τοῦ κόσμου κτ.
13. 14. R δοὺς δὲ τὴν ἐπιτροπὴν τῷ κτ. [A κυρίῳ] τοῦ κόσμου
IV Ma. 5. 25. ἡμῖν συμπαθεῖ . . . ὁ τοῦ κόσμου κτ.
11. 5. τὸν πάντων κτ. εὐσεβοῦμεν
[Sm. Is. 43. 15.]

κτύπος.

Wi. 17. 19. κτύπος ἀπηνὴς καταρριπτομένων πετρῶν
[Aq. Jb. 28. 26, 27: 38. 25.]
[Sm. Jb. 28. 26.]

κύαθος. (1) מְנַקִּית

Ex. 25. 28 (29). τοὺς κ. ἐν οἷς σπείσεις ἐν αὐτοῖς (1)
38. 12 (37. 16): Nu. 4. 7. τὰς θυΐσκας καὶ τοὺς κ. (1)
Je. 52. 19. τὰς θυΐσκας καὶ τοὺς κ. . . . ἔλαβεν ὁ ἀρχιμάγειρος (1)

κύαμος. (1) פּוֹל

II Ki. 17. 28. καὶ ἄλφιτον καὶ κύαμον (1)
Ez. 4. 9. λάβε σεαυτῷ . . . κριθὰς καὶ κύαμον (1)

κυβερνᾶν. (1) תַּחְבֻּלוֹת

Pr. 12. 5. κυβερνῶσι δὲ ἀσεβεῖς δόλους [S¹ λόγοις] (1)
Wi. 10. 4. δι' εὐτελοῦς ξύλου τὸν δίκαιον κυβερνήσασα
14. 6. ἡ ἐλπὶς τοῦ κόσμου . . . τῇ σῇ κυβερνηθεῖσα χειρί
Da. LXX., TH. Su. 5. οἱ ἐδόκουν κυβερνᾶν τὸν λαόν

κυβέρνησις. (1) תַּחְבֻּלוֹת

Pr. 1. 5. ὁ δὲ νοήμων κυβέρνησιν κτήσεται (1)
11. 14. οἷς μὴ ὑπάρχει κυβέρνησις (1)
24. 6. μετὰ κυβερνήσεως γίνεται πόλεμος (1)
[Sm. Jb. 37. 12.]
[Th. Pr. 20. 18.]

κυβερνήτης. (1) חֹבֵל (2) שָׁכַב

Pr. 23. 34. ὥσπερ κυβερνήτης ἐν πολλῷ κλύδωνι (2?)
Ez. 27. 8. οὗτοι κυβερνῆταί σου (1)
— 27. οἱ κωπηλάται σου καὶ οἱ κ. σου (1)
— 28. οἱ κ. σου φόβῳ [A om.] φοβηθήσονται (1)
IV Ma. 7. 1. ὥσπερ γὰρ ἄριστος κ.
[Aq., Sm., Th. Ez. 27. 29: Jn. 1. 6.]

κύβος. (1) גָּלִיל (2) רֶגֶב

Es. 1. 6. ἐπὶ κ. χρυσοῖς καὶ ἀργυροῖς (1)
Jb. 38. 38. κεκόλληκα δὲ αὐτὸν ὥσπερ λίθῳ κύβον [A al.] (2)

κυδίων (AS), κυδίως (B) (?).

To. 1. 2. ᾗ ἐστιν ἐκ δεξιῶν κυδίως τῆς Νεφθ.

κυδοιμός. (1) חֻיִּין קְלוֹת

Jb. 38. 25. ὁδὸν δὲ κυδοιμῶν τοῦ ὑετίσαι (1)

κῦδος. (1) סִבְלָה

Is. 14. 25. τὸ κ. αὐτῶν ἀπὸ τῶν ὤμων ἀφαιρεθήσεται (1)

κύειν, κυεῖν. (1) הָרָה *a.* qal. *b.* po.

Is. 59. 4. κύουσι πόνον (1 *a*)
— 13. ἐκύομεν καὶ ἐμελετήσαμεν ἀπὸ καρδίας ἡμῶν λόγους (1 *b*)
[Sm. Ge. 38. 13: Ps. 7. 15: 50 (51). 7: Is. 33. 11.]
[Heb. Jb. 3. 3.]

κύησις. (1) הֵרָיוֹן

Ru. 4. 13. ἔδωκεν αὐτῇ κύριος κύησιν (1)
[Aq. Je. 20. 17.]
[Sm. Ge. 3. 17 (16): Is. 64. 6 (5): Je. 20. 17.]
[Th. Ge. 3. 17 (16).]

κύθρα, *vid.* **χύτρα.**

κυθρόπους, *vid.* **χυτρόπους.**

κυκᾶν.

[Sm. Ps. 2. 1.]

κύκησις.

[Sm. Ps. 63 (64). 3.]

κυκλεύειν. (1) סָבַב

IV Ki. 3. 25. B ἐκύκλευσαν [A R -ωσαν] οἱ σφενδονῆται [A -ισταί] (1)
[Sm. II Ki. 5. 23.]

κυκληδόν.

[Sm. Jb. 37. 12.]

κυκλόθεν. (1) עַל מַעֲבַר (2) *a.* סָבִיב *b.* מִסָּבִיב *c.* סָבַב *d.* סָבִיב סָבִיב *e.* ὁ κ. מִסָּבִיב

Ex. 28. 29 (33). A B² ἐπὶ [B¹ R ὑπὸ] τὸ λῶμα . . . κ. [B R κάτωθεν] –
Jo. 21. 42. κατέπαυσεν αὐτοὺς [A -οῖς] κύριος κ. (2 *b*)
23. 1. ἀπὸ πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν κ. (2 *b*)
Jd. 2. 14. ἐν χερσὶ τῶν ἐχθρῶν αὐτῶν κ. [A *al.*] (2 *b*)
8. 34. τῶν θλιβόντων αὐτοὺς [A ἐχθρῶν αὐτῶν] κ. (2 *b*)
I Ki. 10. 1. ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν αὐτοῦ κ. –
12. 11. ἐκ χειρὸς ἐχθρῶν ὑμῶν τῶν κ. (2 *e*)
III Ki. 3. 1. ἕως συντελέσαι αὐτὸν . . . τὸ τεῖχος Ἱερ. κ. –
— 1 (*cf.* 4. 24 [5. 4]). B ἐκ πάντων τῶν μερῶν αὐτοῦ κ. (2 *b*)
4. 24 (5. 4). ἐκ πάντων τῶν μερῶν κ. (2 *b*)
5. 4 (18). ἀνέπαυσε κύριος ὁ θεός μου ἐμοὶ κ. (2 *b*)
6. 5. A ἔδωκεν . . . μέλαθρα κ. σὺν τοίχοις τοῦ οἴκου κ. [B *om.* σὺν τ. τ. οἴ. κ.] τῷ ναῷ (2 *a*, 2 *a*)
— 5. A ἐποίησεν πλευρὰς κ. (2 *a*)
— 6. διάστημα ἔδωκε τῷ οἴκῳ κ. (2 *a*)
— 36. στίχος κατειργασμένης κέδρου κ. [A *om.*] –
7. 24. ὑποκάτωθεν τοῦ χείλους αὐτῆς κ. ἐκύκλουν αὐτὴν δέκα ἐν πήχει κ. (2 *a*, 2 *a*)
— 36. καὶ τὰ κ. (2 *a*)
18. 32. ἐποίησε θάλασσαν . . . κ. τοῦ θυσιαστηρίου (2 *a*)
IV Ki. 25. 10. R τὸ τεῖχος Ἱερ. κ. κατέσπασεν [A *al.*] (2 *a*)
I Ch. 22. 9. ἀπὸ πάντων τῶν ἐχθρῶν κ. (2 *b*)
— 18. ἀνέπαυσεν ὑμᾶς κ. (2 *b*)
II Ch. 4. 2. ἐποίησε τὴν θάλασσαν . . . στρογγύλην κ. (2 *a*)
— 3. δέκα πήχεις περιέχουσι τὸν λουτῆρα κ. (2 *a*)
14. 7 (6). κατέπαυσεν ἡμᾶς κ. (2 *b*)
15. 15. κατέπαυσε κύριος αὐτοῖς κ. (2 *b*)
20. 30. κατέπαυσεν αὐτῷ ὁ θεὸς αὐτοῦ κ. (2 *b*)
32. 22. καὶ κατέπαυσεν αὐτοὺς κ. (2 *b*)
33. 14. ἐκπορευομένων [A πορ.] τὴν πύλην τὴν κ. (2 *c*)
II Es. 1. 6. πάντες οἱ κ. ἐνίσχυσαν [A ἴσχ.] (2 *a*)
Ne. 12. 28. ἀπὸ τῆς περιχώρου κ. (2 *a*)
Jb. 1. 10. A τὰ ἔξωθεν πάντων τῶν ὄντων αὐτῷ κ. [B S *al.*] (2 *b*)
18. 9. A ἔλθοισαν δὲ ἐπ' αὐτὸν παγίδες κ. [B S *om.*] –
— 11 (12). A ἡ σύλληψις αὐ. ἐπὶ τρίβων κ. [B S *al.*] (2 *a*)
Ps. 30 (31). 13. ἤκουσα ψόγον πολλῶν παροικούντων κ. (2 *b*)
Si. 45. 9. χρυσοῖς κώδωσι πλείστοις κ.
46. 5. ἐν τῷ θλῖψαι αὐτὸν ἐχθροὺς κ.
— 16. ἐν τῷ θλῖψαι ἐχθροὺς αὐτοῦ κ.
47. 7. ἐξέτριψε γὰρ ἐχθροὺς κ.
— 13. ᾧ ὁ θεὸς κατέπαυσε κ.
50. 12. κ. αὐτοῦ στέφανος ἀδελφῶν
51. 4. ἀπὸ πνιγμοῦ πυρᾶς κ.
Am. 3. 11. Τύρος κ. ἡ γῆ σου ἐρημωθήσεται (2 *a*)
Jl. 3 (4). 11. εἰσπορεύεσθε πάντα τὰ ἔθνη κ. (2 *b*)
— 12. καθιῶ τοῦ διακρῖναι πάντα τὰ ἔθνη κ. (2 *b*)
Za. 2. 5 (9). ἐγὼ ἔσομαι αὐτῇ . . . τεῖχος πυρὸς κ. (2 *a*)
7. 7. αἱ πόλεις κ. αὐτῆς [A αὐτῶν κ.] (2 *a*)
12. 6. καταφάγονται . . . πάντας τοὺς λαοὺς κ. (2 *a*)
14. 14. συνάξει τὴν ἰσχὺν πάντων τῶν λαῶν κ. (2 *a*)
Is. 30. 32. ἔσται αὐτῷ κ. (1)
Je. 6. 25. ῥομφαία τῶν ἐχθρῶν παροικεῖ κ. (2 *b*)
17. 26. ἥξουσιν ἐκ τῶν πόλεων Ἰ. καὶ κ. Ἱερ. (2 *a*)
20. 10. ἤκουσα ψόγον πολλῶν συναθροιζομένων κ. [B¹ *add.* κ.] (2 *b*, –)
26 (46). 5. οὐκ ἀνέστρεψαν περιεχόμενοι κ. (2 *b*)
27 (50). 29. παρεμβάλλετε ἐπ' αὐτὴν κ. (2 *a*)
28 (51). 2. οὐαὶ ἐπὶ Βαβυλῶνα κ. (2 *b*)
30. 7 (49. 29). καλέσατε ἐπ' [A *om.*] αὐτοὺς ἀπώλειαν κ. (2 *b*)
31 (48). 17. κινήσατε αὐτῷ [A -ὸν] πάντες κ. αὐτοῦ (2 *a*)
39 (32). 44. A διαμαρτύρῃ μάρτυρας . . . κ. [R κύκλῳ τῆς] Ἱερ. (2 *a*)
La. 2. 22. ἐκάλεσεν ἡμέραν ἑορτῆς παροικίας μου κ. (2 *b*)
Ez. 1. 18. οἱ νῶτοι αὐτῶν πλήρεις ὀφθαλμῶν κ. τοῖς τέσσαρσι (2 *a*)
— 28. οὕτως ἡ στάσις τοῦ φέγγους κ. (2 *a*)
5. 17. ῥομφαίαν ἐπάξω ἐπὶ σὲ κ. –
10. 12. οἱ τροχοὶ πλήρεις ὀφθαλμῶν κ. [A *om.*] (2 *a*)
16. 33. τοῦ ἔρχεσθαι πρὸς σὲ κ. (2 *b*)
— 37. συνάξω αὐτοὺς ἐπὶ σὲ κ. (2 *b*)
19. 8. ἔδωκαν ἐπ' αὐτὸν ἔθνη ἐκ [A ἀπὸ] χωρῶν κ. (2 *a*)
23. 22. ἐπάξω αὐτοὺς ἐπὶ σὲ κ. υἱοὺς Βαβυλῶνος (2 *b*)
37. 2. περιήγαγέ με ἐπ' αὐτὰ κ. κύκλῳ (2 *a*)
40. 16. ἔσωθεν τῆς πύλης τῆς αὐλῆς κ. (2 *d*)
— 25. τὰ αἰλαμμὼν κ. (2 *d*)
41. 5. τὸ εὖρος τῆς πλευρᾶς πηχῶν τεσσάρων κ. [A *al.*] (2 *d*)
— 11. τὸ εὖρος τοῦ φωτὸς τοῦ ἀπολοίπου πηχῶν πέντε πλάτους κ. (2 *d*)
— 12. εὖρος κ. (2 *d*)
— 17. A ἐφ' ὅλον τὸν οἶκον κ. [B *al.*] (2 *d*)
— 19. διαγεγλυμμένος [A *add.* ὅλος] ὁ οἶκος κ. (2 *d*)
42. 15. διεμέτρησε τὸ ὑπόδειγμα τοῦ οἴκου κ. (2 *d*)
43. 2. ὡς φέγγος ἀπὸ τῆς δόξης [A *add.* κυρίου] κ. –
— 12. πάντα τὰ ὅρια αὐτοῦ κ. (2 *d*)
— 13. γεῖσος ἐπὶ τὸ χεῖλος [A τοῦ χ.] αὐτοῦ κ. σπιθαμῆς (2 *a*)
— 17. τὸ γεῖσος αὐτῷ [A -ὼν] κ. κυκλούμενον αὐτῷ ἥμισυ πήχεως καὶ τὸ κύκλωμα αὐτοῦ πῆχυς κ. (2 *a*, 2 *a*)
45. 1. ἅγιον ἔσται ἐν πᾶσι τοῖς ὁρίοις αὐτοῦ κ. (2 *a*)
— 2. A R πεντακόσιοι ἐπὶ πεντακοσίους τετράγωνον κ. καὶ πήχεις πεντήκοντα διάστημα αὐτῶν [B -ᾷ] κ. (2 *a*, 2 *a*)
Da. LXX. 7. 19. κατεσθίοντος πάντας κ. –
I Ma. 4. 60. κ. τείχη ὑψηλά
5. 1. ὅτε ἤκουσαν τὰ ἔθνη κ.
— 65. A S τοὺς πύργους αὐτῆς ἐνεπύρισεν [R -έπρησε] κ.
6. 62. S R καθελεῖν [A καὶ καθεῖλεν] τὸ τεῖχος κ.
7. 24. S R ἐξῆλθεν εἰς πάντα τὰ ὅρια τῆς Ἰ. κ. [A καὶ κ.]
— 46. ἐξῆλθον ἐκ πασῶν τῶν κωμῶν τῆς Ἰ. κ.
10. 11. καὶ τὸ ὄρος Σιὼν κ.
— 45. A R καὶ ὀχυρῶσαι [S ὠχύρωσεν] κ.
13. 10. ὠχύρωσεν αὐτὴν κ.
IV Ma. 5. 1. τῶν στρατευμάτων αὐτῶν παρεστηκότων κ. ἐνόπλων
14. 17. περιῳπτάμενα κ. αὐτῶν
[Aq. Ex. 7. 24: Ps. 30 (31). 14 (ἀπὸ κ.): Je. 20. 3: 51 (28). 2: Ez. 42. 20.]
[Sm. Ps. 30 (31). 14: Je. 20. 3.]
[Th. III Ki. 6. 5: Je. 20. 3.]

κύκλος (*incl.* κύκλῳ), *cf.* κυκλόθεν, περικύκλῳ, ὑπερκύκλῳ. (1) אֹרַח (2) מְמַעַל (3) נָקַף hi. (4) *a.* סָבִיב *b.* מְסָבִיב *c.* מֵסַב *d.* עַל־פְּנֵה סָבִיב סָבַב *e.* (5) תַּחַת (6)

Ge. 23. 17. ὅ ἐστιν ἐν τοῖς ὁρίοις αὐτοῦ κύκλῳ (4 *a*)
35. 5. ἐπὶ τὰς πόλεις τὰς κύκλῳ αὐτῶν (4 *a*)
41. 48. τῶν πεδίων τῆς πόλεως τῶν κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
Ex. 7. 24. ὤρυξαν . . . κύκλῳ τοῦ ποταμοῦ (4 *a*)
16. 13. κύκλῳ τῆς παρεμβολῆς (4 *a*)
19. 12. ἀφοριεῖς τὸν λαὸν κύκλῳ (4 *a*)
25. 10 (11). ποιήσεις αὐτῇ κυμάτια . . . κύκλῳ (4 *a*)
— 23 (24). ποιήσεις αὐτῇ . . . κυμάτια [A -ον] . . . κύκλῳ –
— 23 (24). ποιήσεις αὐτῇ στεφάνην . . . κύκλῳ (4 *a*)
— 24 (25). ποιήσεις . . . κυμάτιον [A κ. χρυσοῦν] . . . κύκλῳ (4 *a*)
27. 17. πάντες οἱ στῦλοι . . . κύκλῳ κατηργυρωμένοι (4 *a*)
28. 28 (32). ὧαν ἔχον κύκλῳ τοῦ περιστομίου (4 *a*)
— 29 (33). ἐπὶ τοῦ λώματος τοῦ ὑποδύτου κύκλῳ (4 *a*)
— 30 (34). ἐπὶ [B[1] ὑπὸ] τοῦ λώματος τοῦ ὑποδύτου κύκλῳ (4 *a*)
29. 16. προσχεεῖς πρὸς τὸ θυσιαστήριον κύκλῳ (4 *a*)
— 21. προσχεεῖς πρὸς τὸ θυσιαστήριον κύκλῳ –
30. 3. καταχρυσώσεις . . . τοὺς τοίχους αὐτοῦ κύκλῳ (4 *a*)
— 3. ποιήσεις . . . στεφάνην χρυσῆν κύκλῳ (4 *a*)
36. 31 (39. 23). ὧαν ἔχον κύκλῳ (4 *a*)
— 33 (39. 25). ἐπὶ τὸ λῶμα τοῦ ὑποδύτου κύκλῳ (4 *a*)
— 34 (39. 26). ἐπὶ τοῦ λώματος [A[2] τὸ λ.] τοῦ ὑποδύτου κύκλῳ (4 *a*)
37. 18 (38. 20). πάντες οἱ πάσσαλοι τῆς αὐλῆς κύκλῳ χαλκοῖ (4 *a*)
38 (37). 2. A ἐποίησεν αὐτῇ κυμάτιον χρυσοῦν κύκλῳ (4 *a*)
39. 9 (38. 30). R τὰς βάσεις τῆς αὐλῆς [B πύλης, A σκηνῆς] κύκλῳ (4 *a*)
— 9 (38. 31). τοὺς πασσάλους τῆς αὐλῆς κύκλῳ (4 *a*)
— 10 (38. 31). A τὸ παράθεμα τὸ χαλκοῦν κύκλῳ [B *om.*] τοῦ θυσιαστ. –
40. 9 (8). πάντα τὰ αὐτῆς ἁγιάσεις κύκλῳ [A *al.*] (4 *a*?)
— 33. B ἔστησε τὴν αὐλὴν κύκλῳ τῆς σκηνῆς (4 *a*)
Le. 1. 5, 11. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κύκλῳ (4 *a*)
3. 2. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τῶν ὁλοκαυτωμάτων κύκλῳ (4 *a*)
— 8, 13. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κύκλῳ (4 *a*)
6. 32 (7. 2). ἐπὶ τὴν βάσιν τοῦ θυσιαστηρίου κύκλῳ (4 *a*)
8. 15. ἐπὶ τὰ κέρατα τοῦ θυσιαστηρίου κύκλῳ (4 *a*)
— 18 (19), 23 (24) : 9. 12. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κύκλῳ (4 *a*)
9. 18. πρὸς τὸ θυσιαστήριον κύκλῳ (4 *a*)
14. 41. τὴν οἰκίαν ἀποξύσουσιν ἔσωθεν κύκλῳ (4 *a*)
16. 18. ἐπὶ τὰ κέρατα τοῦ θυσιαστηρίου κύκλῳ (4 *a*)
17. 6. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κύκλῳ –
25. 31. αἷς οὐκ ἔστιν ἐν [A *om.*] αὐταῖς τεῖχος κύκλῳ (4 *a*)
— 44. ὅσοι κύκλῳ σού εἰσιν (4 *a*)
Nu. 1. 50. κύκλῳ τῆς σκηνῆς παρεμβαλοῦσι (4 *a*)
— 53 : 2. 2. κύκλῳ τῆς σκηνῆς τοῦ μαρτυρίου (4 *a*)
3. 37 : 4. 32. τοὺς στύλους τῆς αὐλῆς κύκλῳ (4 *a*)
11. 24. ἔστησεν αὐτοὺς κύκλῳ τῆς σκηνῆς (4 *a*)
— 31. ὁδὸν ἡμέρας ἐντεῦθεν κύκλῳ τῆς παρεμβολῆς (4 *a*)
— 32. ψυγμοὺς κύκλῳ τῆς παρεμβολῆς (4 *a*)
16. 24. ἀναχωρήσατε κύκλῳ ἀπὸ τῆς συναγωγῆς κ. (4 *b*)
— 27. ἀπέστησαν ἀπὸ τῆς σκηνῆς Κ. κύκλῳ (4 *b*)
— 34. πᾶς Ἰσραὴλ οἱ κύκλῳ αὐτῶν (4 *a*)
22. 4. ἐκλείξει . . . πάντας τοὺς κύκλῳ ἡμῶν (4 *a*)
32. 33. πόλεις τῆς γῆς κύκλῳ (4 *a*)
34. 12. καὶ τὰ ὅρια αὐτῆς κυκλῳ (4 *a*)
35. 2. τὰ προάστια τῶν πόλεων κύκλῳ αὐτῶν (4 *a*)
— 4. δισχιλίους πήχεις κύκλῳ (4 *a*)
De. 12. 10. ἀπὸ πάντων τῶν ἐχθρῶν ὑμῶν τῶν κύκλῳ (4 *b*)
17. 14. καθὰ καὶ τὰ λοιπὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ μου (4 *a*)
21. 2. τὰς πόλεις τὰς κύκλῳ τοῦ τραυματίου (4 *a*)
25. 19. ἀπὸ πάντων τῶν ἐχθρῶν σου [A *om.* τῶν κύκλῳ σου [A[1] *om.* τ. κ. σου] (4 *b*)
Jo. 6. 3. περίστησον αὐτῇ τοὺς μαχίμους [A πάντας τοὺς μαχητὰς] κύκλῳ (3)
— 19 (20). ἔπεσεν ἅπαν τὸ τεῖχος κύκλῳ (6)
15. 12. ταῦτα τὰ ὅρια υἱῶν Ἰούδα κύκλῳ (4 *a*)
18. 20. τὰ ὅρια αὐτῆς κύκλῳ κατὰ δήμους (4 *a*)
19. 8. αἱ κῶμαι αὐτῶν κύκλῳ [A αἱ περικ.] τῶν πόλεων (4 *a*)
21. 11. τὰ δὲ περισπόρια κύκλῳ [A τὰ κ.] αὐτῆς (4 *a*)
— 40. κύκλῳ τῶν πόλεων τούτων –
— 40. τὰ περισπόρια κύκλῳ τῆς πόλεως [A τῶν π.] (4 *a*)
24. 33. τοὺς θεοὺς τῶν ἐθνῶν τῶν κύκλῳ αὐτῶν
Jd. 7. 18. κύκλῳ ὅλης τῆς παρεμβολῆς (4 *a*)
— 21. κύκλῳ τῆς παρεμβολῆς (4 *a*)
20. 29. ἔθηκαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. . . . κύκλῳ (4 *a*)
I Ki. 14. 47. ἐπολέμει κύκλῳ πάντας τοὺς ἐχθρούς (4 *a*)
15. 21. A ἔλαβεν ὁ λαὸς τῶν κ. [B σκύλων] ποίμνια †
17. 3. B κύκλῳ [A R καὶ ὁ αὐλὼν] ἀνὰ μέσον αὐτῶν †
26. 5. ὁ λαὸς παρεμβεβληκὼς κύκλῳ αὐτοῦ (4 *a*)
— 7. ὁ λαὸς αὐτοῦ ἐκάθευδε κύκλῳ αὐτοῦ (4 *a*)
31. 9. κύκλῳ εὐαγγελίζοντες τοῖς εἰδώλοις αὐ. (4 *a*)
II Ki. 5. 9. ᾠκοδόμησεν αὐτὴν πόλιν κύκλῳ (4 *a*)
7. 1. κατεκληρονόμησεν αὐτὸν κύκλῳ ἀπὸ πάντων τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ τῶν κύκλῳ [A *om.* τ. κ.] (4 *b*, –)
22. 12. κύκλῳ αὐτοῦ ἡ σκηνὴ αὐτοῦ (4 *a*)
III Ki. 3. 1. καὶ τὸ τεῖχος Ἱερ. κύκλῳ (4 *a*?)
— 1. A καὶ τὸ τεῖχος Ἱερ. κύκλῳ (4 *a*)
4. 31 (5. 11). A ἐν πᾶσιν τοῖς ἔθνεσιν κύκλῳ (4 *a*)
6. 29. πάντας τοὺς τοίχους τοῦ οἴκου κύκλῳ (4 *c*)
7. 20. A πέντε στίχοι κύκλῳ (4 *a*)
— 23. στρογγύλον κύκλῳ τὸ αὐτό (4 *a*)
— 23. A ἑκύκλουν αὐτὴν κύκλῳ (4 *a*)
— 35. στρογγύλον κύκλῳ ἐπὶ τῆς κεφαλῆς (4 *a*)
— 12. A R τῆς αὐλῆς τῆς μεγάλης κύκλῳ [B -οι] (4 *a*)
18. 35. διεπορεύετο τὸ ὕδωρ κύκλῳ τοῦ θυσιαστηρίου (4 *a*)
IV Ki. 11. 8. κυκλώσατε ἐπὶ [A[1] πρὸς] τὸν βασ. κύκλῳ ἀνήρ (4 *a*)
— 11. καὶ τοῦ οἴκου ἐπὶ τὸν βασ. κύκλῳ (4 *a*)
25. 1. ᾠκοδόμησεν ἐπ' αὐτὴν περίτειχος κύκλῳ (4 *a*)
— 4. καὶ οἱ Χαλδ. ἐπὶ τὴν πόλιν κύκλῳ (4 *a*)
— 10. A τὸ τεῖχος . . . κύκλῳ κατέλυσαν [R *al.*] (4 *a*)
— 17. ἐπὶ τοῦ χωθὰρ κύκλῳ (4 *a*)
I Ch. 4. 33. πᾶσαι ἐπαύλεις αὐτῶν κύκλῳ τῶν πόλεων τούτων [A *al.*] (4 *a*)
6. 55 (40). καὶ τὰ περισπόρια αὐτῆς κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
10. 9. ἀπέστειλαν εἰς γῆν ἀλλοφύλων κύκλῳ (4 *a*)
11. 8. ᾠκοδόμησε τὴν πόλιν κύκλῳ (4 *b*)
28. 12. καὶ πάντων τῶν παστοφορίων τῶν κύκλῳ (4 *a*)
II Ch. 4. 3. κύκλῳ κυκλοῦσιν αὐτήν (4 *d*)
14. 14 (13). τὰς κώμας αὐτῶν κύκλῳ Γ. (4 *a*)
17. 10. ἐπὶ πάσαις ταῖς βασιλείαις τῆς γῆς κύκλῳ [A ταῖς κ.] Ἰ. (4 *a*)
23. 7. κυκλώσουσιν οἱ Λ. τὸν βασ. κύκλῳ (4 *a*)
— 10. ἐπὶ τὸν βασιλέα κύκλῳ (4 *a*)
34. 6. ἐν . . . τοῖς τόποις αὐτῶν κύκλῳ (4 *a*)
I Es. 4. 11. τηροῦσι κύκλῳ περὶ αὐτόν
— 34. στρέφεται ἐν τῷ κ. τοῦ οὐρανοῦ
Ne. 5. 17. ἀπὸ τῶν ἐθνῶν τῶν κύκλῳ ἡμῶν (4 *a*)
6. 16. πάντα τὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ ἡμῶν (4 *a*)
Ju. 1. 2. ᾠκοδόμησεν . . . κύκλῳ τείχη
5. 22. A ὁ κύκλῳ τῆς σκηνῆς περιεστώς [B S *al.*]
6. 1. τῶν ἀνδρῶν τῶν κύκλῳ τῆς συνεδρίας
7. 20. ἔμεινε κύκλῳ αὐτῶν
15. 3. οἱ παρεμβεβληκότες [S παραβ.] . . . κύκλῳ B.
Es. 1. 6. κύκλῳ ῥόδα [A δόρα] πεπασμένα –
Jb. 1. 10. τὰ ἔξω πάντων τῶν ὄντων αὐτοῦ κύκλῳ [A -λόθεν] (4 *b*)
18. 11. κύκλῳ ὀλέσαισαν αὐτὸν ὀδύναι [A *al.*] (4 *a*)
19. 8. κύκλῳ περιῳκοδόμημαι (1?)
— 10. διέσπασέ με κύκλῳ καὶ ᾠχόμην (4 *a*)
29. 5. κύκλῳ δέ μου οἱ παῖδες (4 *a*)
41. 5 (6). κύκλῳ ὀδόντων αὐτοῦ φόβος (4 *a*)
Ps. 3. 6. τῶν κύκλῳ [A -ων] ἐπιτιθεμένων [A S συνεπ.] μοι (4 *a*)
11 (12). 8. A[2]BS κύκλῳ οἱ ἀσεβεῖς περιπατοῦσι (4 *a*)
17 (18). 11. κύκλῳ αὐτοῦ ἡ σκηνὴ αὐτοῦ (4 *a*)
33 (34). 7. κύκλῳ τῶν φοβουμένων αὐτόν (4 *a*)
43 (44). 13. A S[2] μυκτηρισμὸν καὶ χλευασμὸν [B καταγέλωτα] τοῖς κύκλῳ ἡμῶν (4 *a*)
49 (50). 3. κύκλῳ αὐτοῦ καταιγὶς σφόδρα (4 *a*)
Ps. 75 (76). 11. πάντες οἱ κύκλῳ αὐτοῦ οἴσουσι δῶρα (4 *a*)
77 (78). 28. κύκλῳ τῶν σκηνωμάτων αὐτῶν (4 *a*)
78 (79). 3. ἐξέχεαν τὸ αἷμα αὐτῶν ὡς ὕδωρ κύκλῳ Ἰερουσαλήμ (4 *a*)
— 4. μυκτηρισμὸς καὶ χλευασμὸς τοῖς κύκλῳ ἡμῶν (4 *a*)
88 (89). 8. καὶ ἡ ἀλήθειά σου κύκλῳ σου (4 *a*)
96 (97). 2. νεφέλη καὶ γνόφος κύκλῳ αὐτοῦ (4 *a*)
— 3. φλογιεῖ κύκλῳ τοὺς ἐχθροὺς αὐτοῦ (4 *a*)
124 (125). 2. ὄρη κύκλῳ αὐτῆς καὶ κύριος κύκλῳ τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (4 *a*, 4 *a*)
127 (128). 3. οἱ υἱοί σου ὡς νεόφυτα ἐλαιῶν κύκλῳ τῆς τραπέζης σου (4 *a*)
Ec. 1. 6. ἐπὶ κύκλους αὐτοῦ ἐπιστρέφει τὸ πνεῦμα (4 *e*)
Ca. 3. 7. ἑξήκοντα δυνατοὶ κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
Wi. 7. 19. ἐνιαυτῶν [A S[1o]-οῦ] κύκλους [S[1] -ου]
13. 2. ἢ ταχινὸν ἀέρα ἢ κύκλον ἄστρων [S[2] ἀστέρων]
Si. 23. 18. σκότος κύκλῳ μου
Na. 3. 8. ὕδωρ κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
Za. 12. 2. πρόθυρα σαλευόμενα πᾶσι τοῖς λαοῖς κύκλῳ (4 *a*)
Is. 6. 2. Σεραφὶμ εἱστήκεισαν κύκλῳ αὐτοῦ (2)
9. 18 (17). συγκαταφάγεται τὰ κύκλῳ τῶν βουνῶν πάντα †
19. 7. τὸ ἄχι τὸ χλωρὸν πᾶν τὸ κύκλῳ τοῦ ποταμοῦ (5)
42. 25. οἱ συμφλέγοντες αὐτοὺς κύκλῳ (4 *b*)
49. 18 : 60. 4. ἆρον κύκλῳ τοὺς ὀφθαλμούς σου (4 *a*)
Je. 1. 15. ἐπὶ πάντα τὰ τείχη τὰ κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
4. 17. ὡς φυλάσσοντες ἀγρὸν ἐγένοντο ἐπ' αὐτὴν κύκλῳ (4 *b*)
6. 3. πήξουσιν ἐπ' αὐτὴν σκηνὰς κύκλῳ (4 *a*)
12. 9. B S σπήλαιον κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
15. 14. καταδουλώσω [A -σουσίν] σε κύκλῳ τοῖς ἐχθροῖς σου –
21. 14. ἔδεται [A κατέδ.] πάντα τὰ κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
25. 9. ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
27 (50). 14. παρατάξασθε ἐπὶ Βαβυλῶνα κύκλῳ (4 *a*)
— 32. καταφάγεται πάντα τὰ κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
31 (48). 39. ἐγκότημα πᾶσι τοῖς κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
38 (31). 39. περικυκλωθήσεται κύκλῳ ἐξ ἐκλεκτῶν λίθων [A *om.*] –
39 (32). 44. διαμαρτύρῃ μάρτυρας . . . κύκλῳ τῆς [A κυκλόθεν] Ἱερ. (4 *a*)
40 (33). 13. ἐν γῇ Βενιαμὶν καὶ ἐν ταῖς κύκλῳ Ἰερουσαλήμ (4 *a*)
52. 4. περιῳκοδόμησαν αὐτὴν τετραπέδοις κύκλῳ (4 *a*)
— 7. οἱ Χαλδαῖοι ἐπὶ τῆς πόλεως κύκλῳ [A ἐκύκλωσαν] (4 *a*)
— 14. πᾶν τεῖχος [A *add.* ἐν] Ἱερ. κύκλῳ (4 *a*)
— 21. τὸ πάχος [S πλάτος] αὐτοῦ δακτύλων τεσσάρων κύκλῳ †
— 22. ῥοαὶ ἐπὶ τοῦ γείσους κύκλῳ (4 *a*)
— 23. ἦσαν αἱ πᾶσαι ῥοαὶ ἑκατὸν ἐπὶ τοῦ δικτύου κύκλῳ (4 *a*)
Ba. 2. 4. πάσαις ταῖς βασιλείαις ταῖς κύκλῳ ἡμῶν
— 4. ἐν πᾶσι τοῖς λαοῖς τοῖς κύκλῳ [A *add.* ἡμῶν]
La. 1. 17. κύκλῳ αὐτοῦ [A *om.*] οἱ θλίβοντες αὐτόν (4 *a*)
2. 3. κατέφαγε πάντα τὰ κύκλῳ (4 *a*)
Ez. 1. 4. φέγγος κύκλῳ αὐτοῦ (4 *a*)
— 27. A ὡς ὅρασις πυρὸς ἔσωθεν αὐτοῦ κύκλῳ (4 *a*)
— 27. A[2] B τὸ φέγγος αὐτοῦ κύκλῳ (4 *a*)
2. 6. ἐπισυστήσονται ἐπὶ σὲ κύκλῳ –
4. 2. τάξεις τὰς βελοστάσεις κύκλῳ (4 *a*)
5. 2. τὸ τέταρτον κατακόψεις ἐν ῥομφαίᾳ κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
— 5. τὰς κύκλῳ αὐτῆς χώρας (4 *a*)
— 6. τὰ νόμιμά μου [A *add.* ἐκ] τῶν χωρῶν τῶν κύκλῳ αὐτῆς (4 *a*)
— 7. ἐκ τῶν ἐθνῶν τῶν κύκλῳ ὑμῶν (4 *a*)
— 7. κατὰ τὰ δικαιώματα τῶν ἐθνῶν τῶν κύκλῳ ὑμῶν (4 *a*)
— 12. τὸ τέταρτόν σου ἐν ῥομφαίᾳ πεσοῦνται κύκλῳ σου (4 *a*)
— 14. καὶ τὰς θυγατέρας σου κύκλῳ σου (4 *a*)
— 15. ἔσῃ στενακτὴ . . . ἐν τοῖς ἔθνεσι τοῖς κύκλῳ σου (4 *a*)
6. 5, 13. κύκλῳ τῶν θυσιαστηρίων ὑμῶν (4 *a*)
8. 10. διαγεγραμμένα ἐπ' αὐτοῦ κύκλῳ [B[2] *add.* κύκλῳ] (4 *d* [4 *a*, 4 *a*])
12. 14. πάντας τοὺς κύκλῳ αὐτοῦ . . . διασπερῶ (4 *a*)

Ez. 16. 57. ὄνειδος εἶ . . . πάντων τῶν κύκλῳ αὐτῆς θυγατέρων ἀλλοφύλων τῶν περιεχουσῶν σε κύκλῳ (4 *a*, 4 *b*)
23. 24. βαλεῖ φυλακὴν [A προφ.] ἐπὶ σὲ κύκλῳ (4 *a*)
26. 8. ποιήσει [A περιπ.] ἐπὶ σὲ κύκλῳ [A *add.* σου] χάρακα –
27. 11. A ἡ δύναμίς σου ἐπὶ τῶν τειχέων σου κύκλῳ [B *om.*] (4 *a*)
— 11. ἐκρέμασαν ἐπὶ τῶν ὅρμων σου κύκλῳ (4 *a*)
28. 24. A ἄκανθα ὀδύνης ἀπὸ τῶν κύκλῳ [B περικ.] αὐτῶν (4 *a*)
— 26. ἐν πᾶσι τοῖς ἀτιμήσασιν αὐτοὺς ἐν τοῖς κύκλῳ αὐτῶν (4 *a*)
31. 4. τοὺς ποταμοὺς αὐτῆς ἤγαγε κύκλῳ τῶν φυτῶν αὐτοῦ (4 *a*)
34. 26. A ἔσονται κύκλῳ [B δώσω αὐτοὺς περικ.] τοῦ ὄρους μου (4 *a*)
36. 3. μισηθῆναι ὑμᾶς ὑπὸ [A ἀπὸ τῶν ἐθνῶν] τῶν κύκλῳ ὑμῶν (4 *b*)
— 36. ὅσα ἂν καταλειφθῶσι κύκλῳ ὑμῶν (4 *a*)
37. 2. περιήγαγέ με ἐπ' αὐτὰ κυκλόθεν κύκλῳ (4 *a*)
40. 5. περίβολος ἔξωθεν τοῦ οἴκου κύκλῳ (4 *d*)
— 14. ἔξωθεν πήχεις εἴκοσι θεεὶμ πύλης κύκλῳ [A *al.*] (4 *d*)
— 16. ὡσαύτως τοῖς αἰλὰμ θυρίδες κύκλῳ ἔσωθεν (4 *d*)
— 17. περίστυλα κύκλῳ τῆς αὐλῆς (4 *d*)
— 30. τῷ αἰλαμμὼν κύκλῳ πηχεῖς πεντήκοντα τὸ μῆκος αὐτῆς (4 *d*)
— 30. A αἰλαμμὼθ κύκλῳ μῆκος πέντε (4 *d*)
— 33. θυρίδες αὐτῇ καὶ αἰλαμμὼν κύκλῳ (4 *d*)
— 36. θυρίδες αὐτῇ κύκλῳ καὶ τὸ αἰλαμμὼν αὐτῆς [A *add.* κύκλῳ] (4 *d*, –)
— 43. παλαιστὴν ἕξουσι γείσος λελαξευμένον ἔσωθεν [A ἔξω.] κύκλῳ (4 *d*)
41. 6. ἐν τοῖς πλευροῖς [A *add.* τοῦ οἴκου] κύκλῳ (4 *d*)
— 7. πρὸς τὴν ἀνωτέραν κύκλῳ τοῦ οἴκου (4 *d* ?)
— 8. τὸ θραελ τοῦ οἴκου ὕψος κύκλῳ (4 *d*)
— 10. τὸ περιφερὲς τῷ οἴκῳ [A τοῦ οἴ.] κύκλῳ (4 *d*)
— 16. ὑποφαύσεις κύκλῳ τοῖς τρισίν (4 *a*)
— 16. τὰ πλησίον ἐξυλωμένα κύκλῳ (4 *d*)
— 17. ἐφ' ὅλον τὸν τοῖχον [A οἶκον] κύκλῳ [A -λόθεν] (4 *d*)
42. 20. διέταξεν αὐτὸν καὶ περίβολον αὐτῶν [A -ὸν] κύκλῳ (4 *d*)
43. 20. ἐπιθήσουσιν . . . ἐπὶ τὴν βάσιν κύκλῳ (4 *a*)
46. 23. ἐξέδραι κύκλῳ ἐν αὐταῖς κύκλῳ ταῖς τέσσαρσι καὶ μαγειρεῖα γεγονότα ὑποκάτω τῶν ἐξεδρῶν κύκλῳ (4 *a ter*)
Da. LXX. 5. 6. οἱ συνεταῖροι κύκλῳ αὐτοῦ ἐκαυχῶντο †
7. 7. κύκλῳ τοῖς ποσὶ καταπατοῦν †
— 12. τοὺς κύκλῳ αὐτοῦ ἀπέστησε †
I Ma. 1. 11. τῶν ἐθνῶν τῶν κύκλῳ ἡμῶν
— 31. A R καὶ τὰ τείχη αὐτῆς [S *om.*] κύκλῳ
— 37. ἐξέχεαν αἷμα ἀθῷον κύκλῳ τοῦ ἁγιάσματος
— 54. ἐν πόλεσιν Ἰούδα κύκλῳ
3. 25. τὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ αὐτῶν
5. 10. A R τὰ ἔθνη τὰ [S *om.*] κύκλῳ ἡμῶν
— 38. πάντα τὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ ἡμῶν
— 57. τὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ ἡμῶν·
6. 18. συγκλείοντες τὸν Ἰσρ. κύκλῳ τῶν ἁγίων
7. 17. αἵματα αὐτῶν ἐξέχεαν κύκλῳ Ἱερ.
10. 84. καὶ τὰς πόλεις τὰς κύκλῳ αὐτῆς
12. 13. οἱ βασιλεῖς οἱ κύκλῳ ἡμῶν
— 27. ἐξέβαλε προφύλακας κύκλῳ τῆς παρεμβολῆς
— 53. πάντα τὰ ἔθνη τὰ κύκλῳ αὐτῶν
14. 36. καὶ ἐμίαινον κύκλῳ τῶν ἁγίων
II Ma. 4. 32. καὶ τὰς κύκλῳ πόλεις
[Aq. Jb. 10. 8 : Ps. 26 (27). 6 : 88 (89). 8 : Ec 1. 6 : Je. 46 (26). 14 : 52. 4 : Ez. 1. 27 : 5. 14 : 8. 10 *bis* : 32. 22, 25 : 40. 17, 29 : 42. 20]
[Sm. Ex. 7. 24 : 38. 31 (39. 9) : Le. 19. 27 : Ps. 26 (27). 6 : 43 (44). 14 : 77 (78). 28 : Is. 29. 3 : Je. 46 (26). 14 : 52. 4 : La. 1. 17 : Ez. 5. 14 : 8. 10 : 31. 4 : 32. 25.]
[Th. Ex. 7. 24 : 29. 20 : 37. 11, 12 *bis* : 38. 31 (39. 9) : Jb. 10. 8 : Je. 46 (26). 14 : Ez. 1. 27 : 5. 12, 14 : 8. 10 *bis* : 32. 25 : 40. 17, 29.]
[Al. Ps. 11 (12). 9 : 43 (44). 14.]

κυκλοτερῶς.

[Sm. Ez. 24. 5.]

κυκλοῦν. (1) *a.* חָנָה *b.* חָנָה סָבִיב (2) נָקַף hi. (3) סָבַב *a.* qal. *b.* ni. *c.* po. *d.* hi. *e.* סָבִיב (4) סֹחֵרָה (5) פְּשַׁט (6) שָׁפַךְ

Ge. 2. 11. οὗτος ὁ κυκλῶν πᾶσαν τὴν γῆν Εὐ. (3 *a*)
— 13. οὗτος ὁ κυκλῶν πᾶσαν τὴν γῆν Αἰθ. (3 *a*)
Ex. 13. 18. ἐκύκλωσεν ὁ θεὸς τὸν λαόν (3 *d*)
Nu. 34. 4. κυκλώσει ὑμᾶς τὰ ὅρια (3 *b*)
— 5. κυκλώσει τὰ ὅρια (3 *b*)
De. 2. 1. ἐκυκλώσαμεν τὸ ὄρος τὸ Σηείρ (3 *a*)
— 3. κυκλοῦν τὸ ὄρος τοῦτο (3 *a*)
32. 10. ἐκύκλωσεν αὐτόν (3 *c*)
Jo. 6. 6 (7). καὶ κυκλῶσαι τὴν πόλιν (3 *a*)
Jd. 11. 18. ἐκύκλωσε τὴν γῆν Ἐδώμ (3 *a*)
16. 2. καὶ ἐκύκλωσαν (3 *a*)
19. 22. ἐκύκλωσαν [A περιεκ.] τὴν οἰκίαν (3 *b*)
20. 5. καὶ ἐκύκλωσαν [A περιεκ.] ἐπ' ἐμέ (3 *a*)
I Ki. 7. 16. καὶ ἐκύκλου [A -ουν] Βαιθήλ (3 *a*)
II Ki. 18. 15. ἐκύκλωσαν δέκα παιδάρια (3 *a*)
22. 6. ὠδῖνες θανάτου ἐκύκλωσάν με (3 *a*)
24. 6. ἐκύκλωσαν εἰς Σιδῶνα [A *al.*] (3 *e*)
III Ki. 5. 3 (17). τῶν πολέμων τῶν κυκλωσάντων αὐτόν (3 *a*)
7. 15. ἐκύκλου αὐτὸν τὸ πάχος τοῦ στύλου (3 *a*)
— 23. A ἐκύκλουν αὐτὴν κύκλῳ (3 *a*)
— 24. ἐκύκλουν αὐτὴν δέκα (3 *a*)
22. 32. ἐκύκλωσαν αὐτὸν πολεμῆσαι †
IV Ki. 3. 9. ἐκύκλωσαν ὁδὸν ἑπτὰ ἡμερῶν (3 *a*)
— 25. A R ἐκύκλωσαν [B -ευσαν] οἱ σφενδονῆται [A -ισταί] (3 *a*)
6. 15. δύναμις κυκλοῦσα τὴν πόλιν (3 *a*)
8. 21. τὸν Ἐδὼμ τὸν κυκλώσαντα ἐπ' αὐτόν (3 *a*)
11. 8. κυκλώσατε ἐπὶ [A[1] πρὸς] τὸν βασ. (2)
II Ch. 4. 3. κύκλῳ κυκλοῦσιν αὐτήν (3 *a*)
18. 31. ἐκύκλωσαν αὐτὸν τοῦ πολεμεῖν (3 *a*)
21. 9. ἐπάταξεν Ἐδὼμ τὸν κυκλοῦντα αὐτόν (3 *a*)
23. 2. ἐκύκλωσαν τὸν Ἰούδαν (3 *a*)
— 7. οἱ Λευῖται κυκλώσουσι τὸν βασ. (2)
Ju. 2. 26. ἐκύκλωσε πάντας τοὺς υἱοὺς M.
5. 22. ὁ λαὸς ὁ κυκλῶν τὴν σκηνήν [A *al.*]
7. 19. ἐκύκλωσαν [A ἐκ. αὐτούς] πάντες οἱ ἐχθροὶ αὐτῶν
10. 18. ἐλθόντες ἐκύκλουν αὐτήν
13. 10. ἐκύκλωσαν τὴν φάραγγα ἐκείνην
Jb. 1. 17. ἐκύκλωσαν τὰς καμήλους (5)
16. 14 (13). ἐκύκλωσάν με λόγχαις (3 *a*)
19. 12. ταῖς ὁδοῖς μου ἐκύκλωσαν [A S *add.* με] ἐγκάθετοι (1 *b*)
22. 10. ἐκύκλωσάν σε παγίδες (3 *e*)
Ps. 7. 7. συναγωγὴ λαῶν κυκλώσει σε (3 *c*)
21 (22). 16. ἐκύκλωσάν με κύνες πολλοί (3 *a*)
25 (26). 6. κυκλώσω τὸ θυσιαστήριόν σου (3 *c*)
26 (27). 6. ἐκύκλωσα καὶ ἔθυσα (3 *e*)
31 (32). 7. λύτρωσαί με ἀπὸ τῶν κυκλωσάντων με (3 *c*)
— 10. τὸν δὲ ἐλπίζοντα ἐπὶ κύριον ἔλεος κυκλώσει (3 *c*)
47 (48). 12. κυκλώσατε Σιών (3 *a*)
48 (49). 5. ἡ ἀνομία τῆς πτέρνης μου κυκλώσει με (3 *a*)
54 (55). 10. ἡμέρας καὶ νυκτὸς κυκλώσει αὐτήν (3 *c*)
58 (59). 6, 14. κυκλώσουσι πόλιν (3 *c*)
87 (88). 17. ἐκύκλωσάν με ὡς ὕδωρ (3 *a*)
90 (91). 4. ὅπλῳ κυκλώσει σε ἡ ἀλήθεια αὐτοῦ (4 ?)
108 (109). 3. λόγοις μίσους ἐκύκλωσάν με (3 *a*)
117 (118). 10. πάντα τὰ ἔθνη ἐκύκλωσάν με (3 *a*)
— 11. κυκλώσαντες ἐκύκλωσάν με (3 *a*, 3 *a*)
— 12. ἐκύκλωσάν με ὡσεὶ μέλισσαι κηρίον (3 *a*)
Ec. 1. 6. κυκλοῖ πρὸς βορρᾶν [A -ᾶ] κυκλοῖ κυκλῶν πορεύεται τὸ πνεῦμα (3 *a ter*)
7. 26 (25). ἐκύκλωσα ἐγὼ καὶ ἡ καρδία μου (3 *a*)
9. 14. καὶ κυκλώσῃ αὐτήν (3 *a*)
12. 5. ἐκύκλωσαν [S[2] κυκλώσουσιν] ἐν ἀγορᾷ οἱ κοπτόμενοι (3 *a*)
Ca. 3. 2. κυκλώσω ἐν τῇ πόλει (3 *c*)
— 3. οἱ κυκλοῦντες ἐν τῇ πόλει (3 *a*)
5. 7. οἱ φύλακες οἱ κυκλοῦντες ἐν τῇ πόλει (3 *a*)
Si. 24. 5. γῦρον οὐρανοῦ ἐκύκλωσα μόνη
45. 9. ἐκύκλωσεν αὐτὸν ῥοΐσκοις
50. 12. ἐκύκλωσαν αὐτὸν ὡς στελέχη φοινίκων
Ho. 7. 2. νῦν ἐκύκλωσαν [A -εν] αὐτοὺς τὰ διαβούλια αὐτῶν (3 *a*)
11. 12 (12. 1). ἐκύκλωσέ με ἐν ψεύδει Ε. (3 *a*)
Jn. 2. 4. καὶ ποταμοί με ἐκύκλωσαν (3 *c*)
— 6. ἄβυσσος ἐκύκλωσέ με ἐσχάτη (3 *c*)
Hb. 2. 16. ἐκύκλωσεν [S[1] -αν] ἐπὶ σὲ ποτήριον δεξιᾶς κυρίου (3 *a*)
Za. 14. 10. κυκλῶν [A S[2] -οῦν] πᾶσαν τὴν γῆν (3 *a*)
Is. 29. 3. κυκλώσω ὡς Δαυὶδ ἐπὶ σέ (1 *a*)
37. 33. οὐδὲ μὴ κυκλώσῃ [A -ει] ἐπ' αὐτὴν χάρακα (6)
Je. 52. 7. A οἱ Χαλδαῖοι ἐπὶ τῆς πόλεως ἐκύκλωσαν [B S κύκλῳ] (3 *e*)
La. 3. 5. ἐκύκλωσε κεφαλήν μου (2)
Ez. 31. 15. ἐκάλυσα [A -εν, B[2] ἐκύκλωσα] πλῆθος ὕδατος †
43. 17. τὸ γεῖσος αὐτῷ κυκλόθεν κυκλούμενον αὐτῷ ἥμισυ πήχεως (3 *e* ?)
Da. LXX. Su. 37. κυκλοῦντες τὸ στάδιον εἴδομεν ταύτην
I Ma. 1. 45. S καὶ κυκλῶσαι [A R κωλῦσαι] ὁλοκαυτώματα
2. 45. A R καὶ ἐκύκλωσε [S ἐκέλευσεν] Matt.
4. 7. καὶ ἵππον κυκλοῦσαν αὐτήν
6. 7. τὸ ἁγίασμα . . . ἐκύκλωσαν τείχεσιν ὑψηλοῖς
10. 80. ἐκύκλωσαν αὐτοῦ τὴν παρεμβολήν
12. 13. ἡμᾶς δὲ ἐκύκλωσαν πολλαὶ θλίψεις
13. 20. A R ἐκύκλωσεν [S -αν] ὁδὸν τὴν εἰς Ἄδωρα
— 43. καὶ ἐκύκλωσεν αὐτὴν παρεμβολαῖς
15. 14. καὶ ἐκύκλωσε τὴν πόλιν
IV Ma. 14. 8. περὶ τὴν ἑβδομάδα χορεύοντες οἱ μείρακες ἐκύκλουν
[Aq. Ge. 37. 7 : I Ki. 22. 18 : Ps. 21 (22). 17 : Je. 47 (29). 2 : 52. 21 : Ho. 11. 8.]
[Sm. Ps. 7. 8 : 16 (17). 9 : 21 (22). 17 : 54 (55). 11 : 58 (59). 7 : 117 (118). 11 : 139 (140). 10 : Je. 52. 21.]
[Th. Le. 19. 27 : I Ki. 22. 18 : Ps. 58 (59). 15 : Is. 28. 2.]
[Al. Ge. 43. 18 : Is. 28. 2.]
[Heb. Jb. 9. 9.]

κύκλωμα. (1) חֵיק (2) *a.* סָבִיב *b.* מְסַבּ *c.* סָבַב (3) סַד (4) קוֹ

II Ch. 4. 2. καὶ τὸ κ. πήχεων τριάκοντα (4 + 2 *c* + 2 *a*)
Jb. 13. 27. A ἔθου δέ μου τὸν πόδα ἐν κυκλώματι [B S κωλύματι] (3)
33. 11. A ἔθετο δὲ τὸν πόδα μου ἐν κυκλώματι [B S ξύλῳ] (3)
37. 12. αὐτὸς κυκλώματα διαστρέψει (2 *b*)
Ps. 139 (140). 9. ἡ κεφαλὴ τοῦ κ. αὐτῶν (2 *b*)
Ez. 43. 17. τὸ κ. αὐτοῦ πῆχυς κυκλόθεν (1)
48. 35. κ. δέκα καὶ ὀκτὼ χιλιάδες (2 *a*)
[Th. Jb. 37. 12.]

κυκλωπάζειν (?).

Je. 27 (50). 13. πᾶς ὁ διοδεύων . . . σκυθρωπάσει [S[1] κυκλωπ.] †

κύκλωσις.

Si. 43. 12. ἐγύρωσεν οὐρανὸν ἐν κυκλώσει δόξης
[Sm. Ps. 65 (66). 11.]

κύκνειος.

IV Ma. 15. 21. οὐδὲ κ. πρὸς φιληκοΐαν φωναί –

κύκνος. (1) יַנְשׁוּף (2) רָחָם

Le. 11. 18. ταῦτα ἃ βδελύξεσθε . . . κύκνον (2)
De. 14. 16. ταῦτα οὐ φάγεσθε . . . κύκνον (1)
[Sm. Jb. 39. 13.]
[Th. Ze. 2. 14.]

κυλίειν. (1) גָּלַל *a.* qal. *b.* ni. (2) הָפַךְ hithp. (3) נָסַם hithpo. (4) עוּק hi. (5) שִׁים (6) שׁוּב (7) שָׁמַט

Jo. 10. 18. κυλίσατε λίθους ἐπὶ τὸ στόμα τοῦ σπηλαίου (1 *a*)
— 27. B[1] ἐκύλισαν [A B[2] R ἐπεκ.] λίθους (5)
Jd. 7. 13. A μαγὶς ἄρτου κριθίνου κυλιομένη [B στρεφομένη] (2)
I Ki. 14. 33. κυλίσατέ μοι λίθον ἐνταῦθα μέγαν (1 *a*)
IV Ki. 9. 33. κυλίσατε αὐτήν (7)
— 33. B καὶ ἐκύλισαν αὐτήν (7)
Pr. 26. 27. ὁ δὲ κυλίων λίθον ἐφ' ἑαυτὸν κυλίει (1 *a*, 6)
Ec. 10. 8. A ὁ κυλίων λίθον ἐφ' ἑαυτὸν κυλίει –
Si. 27. 27. ὁ ποιῶν πονηρὰ εἰς αὐτὸν [A S[2] -ὰ] κυλισθήσεται

Am. 2. 13. *διὰ τοῦτο ἰδοὺ ἐγὼ κυλίω* [A κωλύω] *ὑποκάτω ὑμῶν ὃν τρόπον κυλίεται ἡ ἅμαξα* (4, 4)
5. 24. *καὶ κυλισθήσεται ὡς ὕδωρ κρίμα* (1 *b*)
Za. 9. 16. *διότι λίθοι ἅγιοι κυλίονται ἐπὶ τῆς γῆς* (3)
[Aq. Ge. 32. 24 (25): Ps. 36 (37). 5: Ez. 27. 30.]
[Sm. Ge. 32. 24 (25): Am. 5. 24.]
[Th. Pr. 16. 3.]

κυλικεῖον.

I Ma. 15. 32. S R *καὶ κυλικεῖον* [A -κιον] *μετὰ χρυσωμάτων*

κυλίκινος.

Es. 1. 7. S[1] *ἀνθράκιον κ.* [A B S[2] -κινον *κυλίκιον*] *προκείμενον* †

κυλίκιον. (1) כְּלִי

Es. 1. 7. *καὶ ἀνθράκινον κ.* [S[1] -κιον *κυλίκινον*] *προκείμενον* (1 ?)
I Ma. 15. 32. A *καὶ κυλίκιον* [S R -κεῖον] *μετὰ χρυσωμάτων*
[Aq. Ec. 2. 8 *bis*.]

κύλισμα.

[Sm. Ez. 10. 13.]

κυλισμός.

[Th. Pr. 2. 18.]

κῦμα. (1) אֲפִיק נְחָלִים (2) גַּל (3) מַי (4) תְּהוֹם

Ex. 15. 8. *ἐπάγη τὰ κ. ἐν μέσῳ τῆς θαλάσσης* (4)
Jb. 6. 15. *ὥσπερ κῦμα* [A *κύματα*] *παρῆλθόν με* (1)
11. 16. *ὥσπερ κῦμα παρελθόν* (3)
38. 11. *ἐν σεαυτῇ συντριβήσεταί σου τὰ κ.* (2)
Ps. 41 (42). 7. *τὰ κ. σου ἐπ' ἐμὲ διῆλθον* (2)
45 (46). 3. S[1] *ἐταράχθησαν τὰ κ.* [A B S[2] *ὕδατα αὐτῶν*] (3)
64 (65). 7. *ἤχους κυμάτων αὐτῆς* (2)
88 (89). 9. *τὸν δὲ σάλον τῶν κ. αὐτῆς σὺ καταπραΰνεις* (2)
106 (107). 25. *ὑψώθη τὰ κ. αὐτῆς* (2)
— 29. *ἐσίγησαν τὰ κ. αὐτῆς* (2)
Wi. 5. 10. B[1] *οὐδὲ ἀτραπὸν τρόπιος* [B[2] *τρίβων*, S[1] *τροπιᾶς*, A S[2] *τρόπεως*] *αὐτῆς ἐν κύμασιν*
14. 1. *ἄγρια μέλλων διοδεύειν κύματα*
— 3. *ὅτι ἔδωκας . . . ἐν κύμασι τρίβον ἀσφαλῆ*
Si. 24. 6. *ἐν κύμασι θαλάσσης . . . ἐκτησάμην* [S[2] *ἡγησάμην*]
29. 18. *ἐσάλευσεν αὐτοὺς ὡς κῦμα θαλάσσης*
Jn. 2. 4. *καὶ τὰ κ. σου ἐπ' ἐμὲ διῆλθον* (2)
Za. 10. 11. *καὶ πατάξουσιν ἐν θαλάσσῃ κύματα* (2)
Is. 18. 4. *ὡς φῶς καύματος* [A[1] *κύμ.*] *μεσημβρίας* †
48. 18. *ἡ δικαιοσύνη σου ὡς κ. θαλάσσης* (2)
51. 15. *ὁ . . . ἠχῶν τὰ κ. αὐτῆς* (2)
Je. 5. 22. *ἠχήσουσι* [S *ἰσχύσ.*] *τὰ κ. αὐτῆς* (2)
28 (51). 42. *ἐν ἤχῳ κυμάτων αὐτῆς* (2)
38 (31). 35. *ἐβόμβησε τὰ κ. αὐτῆς* (2)
Ez. 26. 3. *ὡς ἀναβαίνει ἡ θάλασσα* [A *add.* *ἐν*] *τοῖς κ. αὐτῆς* (2)
II Ma. 9. 8. *τοῖς τῆς θαλάσσης κ. ἐπιτάσσειν*
IV Ma. 13. 6. S R *τὰς τῶν* [A *om.*] *κ. ἀπειλὰς ἀνακόπτοντες*
[Aq. Ps. 64 (65). 8.]
[Sm. Jb. 38. 11: Ps. 41 (42). 8.]

κυμαίνειν. (1) עָשַׁשׁ hithpa. (2) הָמָה

Wi. 5. 10. *ὡς ναῦς διερχομένη κυμαινόμενον ὕδωρ*
Is. 5. 30. *ὡς φωνὴ θαλάσσης κυμαινούσης* –
17. 12. *ὡς θάλασσα κυμαίνουσα οὕτω ταραχθήσεσθε* (2)
Je. 6. 23. *φωνὴ αὐτοῦ ὡς θάλασσα κυμαίνουσα* (2)
26 (46). 7. *ὡς ποταμοὶ κυμαίνουσιν* [A -ανοῦσιν] *ὕδωρ* [S[1] *om.*] (1)

κυμάτιον. (1) זֵר

Ex. 25. 10 (11). *κ. χρυσᾶ* [A *om.*] *στρεπτά* (1)
— 23 (24). *στρεπτὰ κ. χρυσᾶ* [A *al.*] (1)
— 24 (25). *ποιήσεις στρεπτὸν κ.* [A *κ. χρυσοῦν*] (1)
38 (37). 2. A *ἐποίησεν αὐτῇ κ. χρυσοῦν κύκλῳ* (1)
[Th. Ex. 37. 11, 12.]

κυμβαλίζειν. (1) מְצִלָּה

Ne. 12. 27. *καὶ ἐν ᾠδαῖς κυμβαλίζοντες* (1)

κύμβαλον. (1) מְנַעֲנְעִים (2) מְצִלָּה (3) צְלָצַל (4) שָׁלִשׁ

I Ki. 18. 6. *καὶ ἐν χαρμοσύνῃ καὶ ἐν κυμβάλοις* (4)
II Ki. 6. 5. *ἐν τυμπάνοις καὶ ἐν κυμβάλοις* (1)
I Ch. 13. 8. *ἐν τυμπάνοις καὶ ἐν κυμβάλοις* (2)
15. 16. *ἐν . . . νάβλαις κινύραις καὶ κυμβάλοις* (2)
— 19. *καὶ οἱ ψαλτῳδοὶ . . . ἐν κ. χαλκοῖς* (2)
— 28. *ἐν σάλπιγξι καὶ ἐν κυμβάλοις* (2)
16. 5. *Ἀσὰφ ἐν κυμβάλοις ἀναφωνῶν* (2)
— 42. *σάλπιγγες καὶ κύμβαλα* (2)
25. 1. *ἐν νάβλαις καὶ ἐν κυμβάλοις* (2)
— 6. *ἐν κυμβάλοις καὶ ἐν νάβλαις* (2)
II Ch. 5. 12. *ἐν κυμβάλοις καὶ ἐν νάβλαις* (2)
— 13. *ἐν σάλπιγξι καὶ ἐν κυμβάλοις* (2)
29. 25. *ἐν κυμβάλοις καὶ ἐν νάβλαις* (2)
I Es. 5. 59. *οἱ Λευῖται . . . ἔχοντες τὰ κ.*
II Es. 3. 10. *καὶ οἱ Λευῖται . . . ἐν* [A *om.*] *κυμβάλοις* [B[1] *om. ἐν κ.*] (2)
Ju. 16. 2. *ᾄσατε τῷ κυρίῳ μου ἐν κυμβάλοις*
Ps. 150. 5. *αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν κυμβάλοις εὐήχοις αἰνεῖτε αὐτὸν ἐν κυμβάλοις ἀλαλαγμοῦ* (3, 3)
I Ma. 4. 54. *ἐν ᾠδαῖς . . . καὶ ἐν κυμβάλοις*
13. 51. *ἐν κινύραις καὶ ἐν κυμβάλοις*
[Sm. Ps. 150. 5.]

κύμινον. (1) כַּמּוֹן

Is. 28. 25. *σπείρει μικρὸν μελάνθιον καὶ κ.* (1)
— 27. *οὐδὲ τροχὸς ἁμάξης περιάξει ἐπὶ τὸ κ.* (1)
— 27. *τὸ δὲ κ. μετὰ ἄρτου βρωθήσεται* (1)
[Sm. Is. 28. 27.]

κυνεῖν.

Da. TH. Bel 4. *ἐπορεύετο . . . προσκυνεῖν* [B[2] *κυνεῖν*] *αὐτῷ*

κυνηγεῖν. (1) צַיִד

Ge. 25. 27. *ἦν Ἠ. ἄνθρωπος εἰδὼς κυνηγεῖν* (1)

κυνήγιον.

Si. 13. 19. *κυνήγια λεόντων ὄναγροι ἐν ἐρήμῳ*

κυνηγός. (1) צַיִד

Ge. 10. 9. *οὗτος ἦν γίγας κ.* (1)
— 9. *ὡς Νεβρὼδ γίγας κ.* (1)
I Ch. 1. 10. *οὗτος ἤρξατο εἶναι* [A *τοῦ εἶ.*] *γίγας κ. ἐπὶ τῆς γῆς* –

κυνικός.

I Ki. 25. 3. *καὶ ὁ ἄνθρωπος κ.* †

κυνοκέφαλος.

[Sm. II Ki. 3. 8.]

κυνόμυια. (1) עָרֹב

Ex. 8. 21 (17). A R *ἐξαποστέλλω* [B *ἐπ.*] *ἐπὶ σὲ . . . κυνόμυιαν* (1)
— 21 (17). *πλησθήσονται αἱ οἰκίαι . . . τῆς κ.* (1)
— 22 (18). *ἐφ' ἧς* [A *ᾗ*] *οὐκ ἔσται ἐκεῖ ἡ κ.* (1)
— 24 (20). *παρεγένετο ἡ κ. πλῆθος* (1)
— 24 (20). *ἐξωλεθρεύθη ἡ γῆ ἀπὸ τῆς κ.* (1)
— 29 (25). *ἀπελεύσεται ἀπὸ σοῦ ἡ κ.* (1)
— 31 (27). *περιεῖλε τὴν κ. ἀπὸ Φαραώ* (1)
Ps. 77 (78). 45. *ἐξαπέστειλεν εἰς αὐτοὺς κυνόμυιαν* (1)
104 (105). 31. *εἶπε καὶ ἦλθε κυνόμυια* (1)
[Sm. Ps. 77 (78). 45.]

κυοφορεῖν. (1) מְלֵאָה

Ec. 11. 5. *ὡς ὀστᾶ ἐν γαστρὶ κυοφορούσης* [A S *τῆς κ.*] (1)

κυοφορία.

IV Ma. 15. 6. *ἑπτὰ κυοφορίαις τὴν . . . φιλοστοργίαν*
16. 7. *ὦ μάταιοι ἑπτὰ κ.*

κυπαρίσσινος, κυπαρίστινος. (1) *a.* אֹרֶן *b.* אֹרֶן (2) שֻׁרָן

III Ki. 6. 23. A *δύο χερουβεὶν ξύλων κ.* [B *om. ξ. κ.*] (2)
Ne. 8. 15. *καὶ φύλλα ξύλων κ.* (2)
Ez. 27. 5. A *ταινίαι σανίδων κυπαριστίνων* [B -ισσου] *ἐκ τοῦ Λιβάνου ἐλήφθησαν* (1 *b*)
— 24. *κυπαρίσσινα πλοῖα* [A *ἐν κυπαρισσίνοις πλοίοις*] (1 *a*)
[Al. Nu. 19. 6.]

κυπάρισσος. (1) בְּרוֹשׁ (2) אֹרֶן (3) בְּרוֹת

IV Ki. 19. 23. *τὰ ἐκλεκτὰ κυπαρίσσων αὐτοῦ* (2)
Jb. 40. 12 (17). *ἔστησεν οὐρὰν ὡς κυπάρισσον* (1)
Ca. 1. 17. *φατνώματα ἡμῶν κυπάρισσοι* (3)
Si. 24. 13. *ὡς κυπάρισσος ἐν ὄρεσιν* [A *ὄρει*] *Ἑρμών*
50. 10. *ὡς κυπάρισσος ὑψουμένη ἐν νεφέλαις*
Is. 37. 24. *ἔκοψα . . . τὸ κάλλος τῆς κ.* (2)
41. 19. *θήσω εἰς τὴν ἄνυδρον γῆν . . . μυρσίνην καὶ κυπάρισσον* (2 ?)
55. 13. *ἀντὶ τῆς στοιβῆς ἀναβήσεται κ.* (2)
60. 13. *ἐν κυπαρίσσῳ . . . δοξάσαι τὸν τόπον τὸν ἁγιόν μου* (2)
Ez. 27. 5. *ταινίαι σανίδων κυπαρίσσου* [A -στίνων] *ἐκ τοῦ Λιβάνου* (1)
31. 3. *Ἀσσοὺρ κ. ἐν τῷ Λιβάνῳ* (1)
— 8. *κυπάρισσοι τοιαῦται* [A *add.* *οὐκ ἐγενήθησαν*] *ἐν τῷ παραδείσῳ τοῦ θεοῦ* (1)
[Sm. Is. 41. 19.]
[Al. Le. 14. 4.]
[Sext. Ps. 103 (104). 17.]

κυπρίζειν. (1) סְמָדַר

Ca. 2. 13. *αἱ ἄμπελοι κυπρίζουσιν* (1)
— 15. *αἱ ἄμπελοι ἡμῶν κυπρίζουσαι* [A S -ουσιν] (1)

κύπρινος.

[Quint. Ca. 1. 14.]

κυπρισμός. (1) סְמָדַר

Ca. 7. 12 (13). *ἤνθησεν ὁ κ.* (1)

κύπρος. (1) כֹּפֶר

Ca. 1. 14. A S R *βότρυς τῆς κ. ἀδελφιδός μου ἐμοί* (1)
4. 13. *ἀποστολαί σου . . . κύπροι μετὰ νάρδων* (1)

κύπτειν. (1) גָּהַר (2) סָנַר (3) קָדַר (4) שְׁחָה (5) שְׁחַח *a.* qal. *b.* ni.

Ge. 43. 28. *κύψαντες προσεκύνησαν* (3)
Ex. 4. 31. *κύψας δὲ ὁ λαὸς προσεκύνησε* (3)
12. 27. *κύψας ὁ λαὸς προσεκύνησε* (3)
34. 8. *κύψας ἐπὶ τὴν γῆν προσεκύνησε* (3)
Nu. 22. 31. *καὶ κύψας προσεκύνησε* (3)
I Ki. 24. 9. *ἔκυψε* [A *ἔκρυψεν*] Δ. *ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ* (3)
28. 14. *ἔκυψεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ* (3)
II Ki. 17. 19. A *ἔκυψεν* [B *ἔψυξεν*] *ἐπ' αὐτῷ ἀρ.* †
III Ki. 1. 16, 31. *καὶ ἔκυψε* Βηρσαβεέ (3)
18. 42. *ἔκυψεν ἐπὶ τὴν γῆν* (1)
II Ch. 20. 18. *κύψας Ἰωσ. ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ* (3)
Ne. 8. 6. *καὶ ἔκυψαν* (3)
Ju. 13. 17. *κύψαντες προσεκύνησαν τῷ θεῷ*
Ps. 9. 31 (10. 10). *κύψει καὶ πεσεῖται* (5 *a*)
Is. 2. 9. *ἔκυψεν ἄνθρωπος* (5 *b*)
46. 6. *κύψαντες* [S[1] -*as*] *προσκυνοῦσιν αὐτοῖς* [A -*ό*, S -*ῶ*] (2)
51. 23. *κύψον ἵνα παρέλθωμεν* (4)
Ba. 2. 18. *ὃ βαδίζει κύπτον καὶ ἀσθενοῦν*
[Sm. Ps. 34 (35). 14: Is. 25. 12.]
[Al. Pr. 2. 18.]

κυρεία (-ρία). (1) *a.* מָשַׁל *b.* מִמְשָׁל *c.* מֹשֶׁל (2) שִׁלְטָן

Is. 40. 10. *ὁ βραχίων μετὰ κυρίας* (1 *a*)
Da. LXX. 11. 3. *κυριεύσει κ. πολλῆς* (1 *b*)
— 4. *οὐδὲ κατὰ τὴν κ. αὐτοῦ* (1 *c*)
Bel 4. *ἔχοντα πάσης σαρκὸς κυρείαν*
Da. TH. 4. 19. *καὶ ἡ κ.* [A *κυρεία*] *σου εἰς τὰ πέρατα τῆς γῆς* (2)
6. 26 (27). *ἡ κ.* [A *κυρεία*] *αὐτοῦ ἕως τέλους* (2)
11. 3. *κυριεύσει κ. πολλῆς* (1 *b*)
— 4. *οὐδὲ κατὰ τὴν κ. αὐτοῦ* (1 *c*)
— 5. *κυριεύσει κ. πολλήν* [A *κυρειίας πολλῆς*] (1 *b*)
Bel 5. *ἔχοντα πάσης σαρκὸς κυρείαν*
I Ma. 8. 24. A R *πᾶσι τοῖς συμμάχοις αὐτῶν ἐν πάσῃ κ.* [S *τῇ κ.*] *αὐτῶν*
[Th. Da. 11. 5.]

κυρία. (1) בַּעֲלָה (2) גְּבֶרֶת

Ge. 16. 4. *ἠτιμάσθη ἡ κ. ἐναντίον αὐτῆς* (2)
— 8. R *ἀπὸ προσώπου Σάρας τῆς κ. μου* (2)
— 9. R *ἀποστράφηθι πρὸς τὴν κ. σου* (2)
III Ki. 17. 17. *ὁ υἱὸς τῆς γυναικὸς τῆς κ. τοῦ οἴκου* (1)
IV Ki. 5. 3. *ἡ δὲ εἶπε τῇ κ. αὐτῆς* (2)

Ps. 122 (123). 2. ὡς ὀφθαλμοὶ παιδίσκης εἰς χεῖρας τῆς κ. αὐτῆς (2)
Pr. 24. 58 (30. 23). οἰκέτις ἐὰν ἐκβάλῃ τὴν ἑαυτῆς κ. (2)
Is. 24. 2. ἡ θεράπαινα ὡς ἡ κ. (2)

κυριακός.

II Ma. 15. 36. A Ἀδὰρ λέγεται τῇ κ. [R Συριακῇ] φωνῇ

κυρεία. (1) מִמְשָׁל (2) שָׁלְטָן

Da. TH. 4. 19. A καὶ ἡ κ. [B κυρεία] σου εἰς τὰ πέρατα τῆς γῆς (2)
6. 26 (27). A ἡ κ. [B κυρεία] αὐτοῦ ἕως τέλους (2)
11. 5. A κυριεύσει κ. πολλῆς [B κυρείαν πολλήν] (1)

κυριεύειν. (1) זָרַע (2) יָרַשׁ *a.* qal. *b.* hi. (3) לָבַד (4) מָשַׁל (5) מִשְׁעֶנֶת (6) נָגַשׁ (7) רָדָה (8) רוּד (9) שָׁלַט *a.* pe. *b.* aph. *c.* שַׁלִּיט

Ge. 3. 16. αὐτός σου κυριεύσει (4)
37. 8. ἢ κυριεύων κυριεύσεις ἡμῶν (4, 4)
Ex. 15. 9. κυριεύσει ἡ χείρ μου (2 *b*)
Nu. 21. 18. ἐν τῷ κυριεῦσαι αὐτῶν (5)
24. 7. κυριεύσει ἐθνῶν πολλῶν (1?)
Jo. 12. 2. κυριεύων ἀπὸ Ἀρνῶν (4)
15. 16. καὶ κυριεύσῃ αὐτῆς (3)
24. 33. καὶ ἐκυρίευσεν [A κατεκ.] αὐτῶν –
Jd. 9. 2. κυριεῦσαι ὑμῶν ἑβδομήκοντα ἄνδρας [A *al.*] (4)
— 2. ἢ κυριεύειν ὑμῶν ἄνδρα ἕνα (4)
14. 4. οἱ ἀλλόφυλοι κυριεύοντες ἐν [A ἐκυρίευον τῶν υἱῶν] Ἰσρ. (4)
15. 11. R κυριεύουσιν [B -εύσ.] οἱ ἀλλόφυλοι ἡμῶν [A *al.*] (4)
II Ch. 14. 7 (6). ἐνώπιον [A ἐν ᾧ] τῆς γῆς κυριεύσομεν †
20. 6. κυριεύεις πασῶν τῶν βασιλειῶν τῶν ἐθνῶν (4)
I Es. 2. 27. βασιλεῖς . . . ἦσαν ἐν Ἱερ. κυριεύοντες
4. 3. καὶ κυριεύει αὐτῶν [A πάντων]
— 14. ἢ τίς ὁ κυριεύων αὐτῶν
— 15. ὃς κυριεύει τῆς θαλάσσης
— 22. αἱ γυναῖκες κυριεύουσιν ὑμῶν
Ju. 1. 13. ἐκυρίευσε τῶν πόλεων αὐτοῦ
10. 13. κυριεύσει πάσης τῆς ὀρεινῆς
15. 7. ἐκυρίευσαν τῶν λοιπῶν
Ps. 105 (106). 41. ἐκυρίευσαν αὐτῶν οἱ μισοῦντες αὐτούς (4)
Si. 37. 18. καὶ [A καὶ ἡ] κυριεύουσα ἐνδελεχῶς αὐτῶν [A -ῷ] γλῶσσά ἐστιν
44. 3. κυριεύοντες ἐν ταῖς βασιλείαις αὐ.
Is. 3. 4. ἐμπαίκται κυριεύσουσιν αὐτῶν (4)
— 12. οἱ ἀπαιτοῦντες κυριεύουσιν [S^1 -εύσ.] ὑμῶν (4)
7. 18. ὃ κυριεύσει [A S -ύει] μέρος [A S^2 -ους] ποταμοῦ Αἰγύπτου –
14. 2. κυριευθήσονται οἱ κυριεύσαντες αὐτῶν (7, 6)
19. 4. βασιλεῖς σκληροὶ κυριεύσουσιν αὐτῶν (4)
42. 19. ἀλλ' ἢ οἱ κυριεύοντες αὐτῶν †
Je. 2. 31. οὐ κυριευθησόμεθα [A δουλευθ.] (8)
37 (30). 3. κυριεύσουσιν αὐτῆς (2 *a*)
Ba. 2. 34. κυριεύσουσιν αὐτῆς
3. 16. ποῦ εἰσιν . . . οἱ κυριεύοντες τῶν θηρίων
La. 5. 8. δοῦλοι ἐκυρίευσαν ἡμῶν (4)
Da. LXX. 2. 38. παρέδωκεν ὑπὸ τὰς χεῖράς σου κυριεύειν πάντων (9 *b*)
— 39. ἢ κυριεύσει πάσης τῆς γῆς (9 *a*)
3. 2. καὶ κυριεύων τῆς οἰκουμένης –
11. 3. κυριεύσει κυρείας πολλῆς (4)
Da. TH. 2. 39. ἢ κυριεύσει πάσης τῆς γῆς (9 *a*)
3. 27 (94). οὐκ ἐκυρίευσε τὸ πῦρ τοῦ σώματος αὐτῶν (9 *a*)
4. 22, 29. κυριεύει ὁ ὕψιστος τῆς βασιλείας (9 *c*)
5. 21. κυριεύει ὁ θεὸς [A *om.*] ὕψιστος (9 *c*)
6. 24 (25). ἐκυρίευσαν αὐτῶν οἱ λέοντες (9 *a*)
11. 3. κυριεύσει κυρείας πολλῆς (4)
— 4. τὴν κυρείαν αὐτοῦ ἣν ἐκυρίευσεν (4)
— 5. κυριεύσει κυρείαν πολλήν [A -ιείας πολλῆς] (4)
— 43. κυριεύσει ἐν τοῖς ἀποκρύφοις τοῦ χρυσοῦ (4)
I Ma. 6. 63. εὗρε Φίλ. κυριεύοντα τῆς πόλεως
7. 8. κυριεύοντα ἐν τῷ πέραν τοῦ ποταμοῦ
8. 16. καὶ κυριεύειν [S^1 *om.*] πάσης τῆς γῆς αὐτῶν
10. 76. ἐκυρίευσεν [S^1 -αν] Ἰωνάθαν Ἰόππης
I Ma. 11. 8. ἐκυρίευσε τῶν πόλεων τῆς παραλίας
14. 7. A R ἐκυρίευσε [S συνήγαγεν] Γαζαρῶν
15. 29. A R ἐκυριεύσατε τόπων [S *om.*] πολλῶν
IV Ma. 1. 4. τῶν . . . παθῶν κυριεύειν ἀναφαίνεται
2. 11. τῆς τέκνων φιλίας κυριεύει
[Aq. Ec. 2. 19: 8. 9: Je. 31 (38). 32.]
[Sm. Jb. 8. 18: Is. 54. 5.]
[Th. Jb. 8. 18: Pr. 12. 24: Is. 19. 4: 40. 10: Da. 11. 5.]
[Al. Ps. 11 (12). 5.]

κύριος (subst.). (1) אָדוֹן (2) אֲדֹנָי (3) אֱדֹנָי יְהוִה (4) *a.* אֵל *b.* אֱלָהּ (5) אֱלוֹהַּ (6) אֱלֹהִים (7) בַּעַל (8) בָּעַל (9) גְּבִיר (10) יָהּ (11) *a.* יְהוָה *b.* יֱהוִה *c.* יְהוִה צְבָאוֹת יֱהוִה צְבָאוֹת *d.* אֱלֹהֵי צְבָאוֹת (12) מָרֵא (13) צוּר (14) שַׁדַּי (15) שַׁלִּיט (16) κ. εἶναι מָשַׁל (17) κύριον καθιστάναι שָׁלַט aph. (18) κ. ὁ θεός, ὁ κύριος θεός, κύριος θεός *a.* יְהוָה *b.* אֱלֹהִים *c.* אֱלָהּ *d.* אָדוֹן *e.* יֱהוִה (19) τὸ στόμα κυρίου יְהוָה (20) ἄγγελος κυρίου יְהוָה (21) τὸ πρόσωπον κυρίου יְהוָה (22) ὁ λόγος κυρίου יְהוָה (23) κ. παντοκράτωρ שַׁדַּי (24) τὸ ὄνομα κυρίου יְהוָה

Ge. 2. 4. ᾗ ἡμέρᾳ ἐποίησε κ. ὁ θεὸς τὸν οὐρανόν (11 *a*)
— 8. A ἐφύτευσεν κ. [R *om.*] ὁ θεὸς παράδεισον (11 *a*)
— 15. ἔλαβε κ. ὁ θεὸς τὸν ἄνθρωπον (11 *a*)
— 16. ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς τῷ Ἀδάμ (11 *a*)
— 18. εἶπε κ. ὁ θεός (11 *a*)
— 22. A ᾠκοδόμησεν κ. [R *om.*] ὁ θεὸς τὴν πλευράν (11 *a*)
3. 1. ὧν ἐποίησε κ. ὁ θεός (11 *a*)
— 8. ἤκουσαν τὴν φωνὴν κ. τοῦ θεοῦ (11 *a*)
— 8. ἐκρύβησαν . . . ἀπὸ προσώπου κ. τοῦ θεοῦ (11 *a*)
— 9. ἐκάλεσεν κ. ὁ θεὸς τὸν Ἀ. (11 *a*)
— 13. εἶπε κ. ὁ θεὸς τῇ γυναικί (11 *a*)
— 14. εἶπε κ. ὁ θεὸς τῷ ὄφει (11 *a*)
— 21. ἐποίησε κ. ὁ θεὸς . . . χιτῶνας (11 *a*)
— 22. A εἶπεν κ. [R *om.*] ὁ θεός (11 *a*)
— 23. ἐξαπέστειλεν αὐτὸν κ. ὁ θεός (11 *a*)
4. 3. ἤνεγκε Κ. . . . θυσίαν τῷ κ. (11 *a*)
— 6. εἶπε κ. ὁ θεὸς τῷ Κ. (18 *a*)
— 9. R εἶπε κ. [A *om.*] ὁ θεὸς πρὸς Κ. (18 *a*)
— 10. R εἶπε κύριος [A ὁ θεός] –
— 13. A εἶπε Κ. πρὸς τὸν κ. [R πρ. κ. τ. θεόν] (11 *a* [18 *a*])
— 15. εἶπεν αὐτῷ κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 15. ἔθετο κ. ὁ θεὸς σημεῖον (18 *a*)
— 26. ἐπικαλεῖσθαι τὸ ὄνομα κ. τοῦ θεοῦ (18 *a*)
5. 29. ἧς κατηράσατο κ. ὁ θεός (18 *a*)
6. 3. εἶπε κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 5. ἰδὼν δὲ κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 8. N. δὲ εὗρε χάριν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ (18 *a*)
— 12. εἶδε κ. ὁ θεὸς τὴν γῆν (18 *b*)
— 13. R εἶπε κ. [A *om.*] ὁ θεὸς τῷ N. (18 *b*)
— 22. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῷ κ. ὁ θεός (18 *b*)
7. 1. εἶπε κ. ὁ θεὸς πρὸς N. (18 *a*)
— 5. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῷ κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 16. ἔκλεισε κ. ὁ θεὸς τὴν κιβωτόν (18 *a*)
8. 15. R εἶπε κ. ὁ θεὸς πρὸς [A τῷ] N. (18 *b*)
— 20. R ᾠκοδόμησε N. θυσιαστήριον τῷ κ. [A θεῷ] (11 *a*)
— 21. ὠσφράνθη κ. ὁ θεὸς ὀσμὴν εὐωδίας (18 *a*)
— 21. εἶπε κ. ὁ θεός (18 *a*)
9. 12. εἶπε κ. ὁ θεὸς πρὸς N. (18 *b*)
— 26. εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς τοῦ Σήμ (11 *a*)
10. 9. γίγας κυνηγὸς ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ (18 *a*)
— 9. γίγας κυνηγὸς ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
11. 5. κατέβη κύριος ἰδεῖν τὴν πόλιν (11 *a*)
— 6. καὶ εἶπε κύριος (11 *a*)
— 8. διέσπειρεν αὐτοὺς κύριος (11 *a*)
— 9. συνέχεε κύριος τὰ χείλη πάσης τῆς γῆς (11 *a*)
— 9. R διέσπειρεν αὐτοὺς κύριος [A κ. ὁ θεός] (11 *a* [18 *a*])
12. 1. εἶπε κύριος τῷ Α. (11 *a*)
— 4. καθάπερ ἐλάλησεν αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 7. ὤφθη κύριος τῷ Α. (11 *a*)
— 7. ᾠκοδόμησεν ἐκεῖ Α. θυσιαστ. κυρίῳ (11 *a*)
Ge. 12. 8. ᾠκοδόμησεν ἐκεῖ θυσιαστήριον τῷ κ. (11 *a*)
— 8. ἐπεκαλέσατο ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
13. 4. R ἐπεκαλέσατο . . . τὸ ὄν. τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 18. R ᾠκοδόμησεν ἐκεῖ θυσιαστ. τῷ [A *om.*] κ. (11 *a*)
14. 22. R πρὸς κ. [A *om.*] τὸν θεὸν τὸν ὕψιστον (11 *a*)
15. 1. ἐγενήθη ῥῆμα κυρίου πρὸς Α. (11 *a*)
— 2. R δέσποτα κύριε, τί μοι δώσεις (11 *b*)
— 4. R φωνὴ κυρίου ἐγένετο πρὸς αὐτόν (11 *a*)
— 8. δέσποτα κύριε, κατὰ τί γνώσομαι (11 *b*)
— 18. R διέθετο κύριος τῷ Α. διαθήκην (11 *a*)
16. 2. συνέκλεισέ με κύριος (11 *a*)
— 7. R εὗρε δὲ αὐτὴν ἄγγελος κυρίου (11 *a*)
— 8. R εἶπεν αὐτῇ ὁ ἄγγελος κυρίου –
— 9. R εἶπε δὲ αὐτῇ ὁ ἄγγελος κυρίου (11 *a*)
— 10, 11. εἶπεν αὐτῇ ὁ ἄγγελος κυρίου (11 *a*)
— 11. ἐπήκουσε κύριος τῇ ταπεινώσει σου (11 *a*)
— 13. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα κυρίου (11 *a*)
17. 1. ὤφθη κύριος τῷ Α. (11 *a*)
18. 3. κύριε, εἰ ἄρα εὗρον χάριν (2?, 1?)
— 12. ὁ δὲ κ. μου πρεσβύτερος (1)
— 13. εἶπε κύριος πρὸς Α. (11 *a*)
— 17. ὁ δὲ κ. εἶπε (11 *a*)
— 19. φυλάξουσι τὰς ὁδοὺς κυρίου (11 *a*)
— 19. ὅπως ἂν ἐπαγάγῃ κύριος . . . πάντα (11 *a*)
— 20. εἶπε δὲ κύριος (11 *a*)
— 22. ἑστηκὼς ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 26. εἶπε δὲ κύριος (11 *a*)
— 27. ἠρξάμην λαλῆσαι πρὸς τὸν κ. (2)
— 30. μή τι, κύριε, ἐὰν λαλήσω (2)
— 31. ἔχω λαλῆσαι πρὸς τὸν κ. (2)
— 32. μή τι, κύριε, ἐὰν λαλήσω (2)
— 33. ἀπῆλθε δὲ ὁ κ. (11 *a*)
19. 2. ἰδοὺ, κύριοι, ἐκκλίνατε (1)
— 13. ὑψώθη ἡ κραυγὴ αὐτῶν ἔναντι [A -ίον] κυρίου (11 *a*)
— 13. ἀπέστειλεν ἡμᾶς κύριος (11 *a*)
— 14. ἐκτρίβει κύριος τὴν πόλιν (11 *a*)
— 16. ἐν τῷ φείσασθαι κύριον αὐτοῦ (11 *a*)
— 18. δέομαι, κύριε (2)
— 24. κύριος ἔβρεξεν . . . πῦρ παρὰ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 27. οὗ εἱστήκει ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 29. A ἐν τῷ ἐκτρῖψαι κύριον [R τὸν θεόν] (6)
— 29. ἐν τῷ καταστρέψαι κύριον τὰς πόλεις –
20. 4. εἶπε, Κύριε, ἔθνος ἀγνοοῦν . . . ἀποκτενεῖς (2)
— 18. συνέκλεισε κύριος . . . πᾶσαν μήτραν (11 *a*)
21. 1. κύριος ἐπεσκέψατο τὴν Σ. (11 *a*)
— 1. ἐποίησε κύριος τῇ Σ. (11 *a*)
— 2. καθὰ ἐλάλησεν αὐτῷ κύριος (6)
— 6. γέλωτά μοι ἐποίησε κύριος (6)
— 33. ἐπεκαλέσατο ἐκεῖ τὸ ὄνομα κυρίου (11 *a*)
22. 11. ἐκάλεσεν αὐτὸν ἄγγελος κυρίου (11 *a*)
— 14. κύριος εἶδεν (11 *a*)
— 14. ἐν τῷ ὄρει κύριος ὤφθη (11 *a*)
— 15. ἐκάλεσεν ἄγγελος κυρίου τὸν Α. (11 *a*)
— 16. κατ' ἐμαυτοῦ ὤμοσα, λέγει κύριος (11 *a*)
23. 5 (6). μὴ, κύριε, ἄκουσον δὲ ἡμῶν (1)
— 11. παρ' ἐμοὶ γενοῦ, κύριε (1)
— 15. οὐχὶ, κύριε, ἀκήκοα γάρ (1)
24. 1. κύριος ηὐλόγησε τὸν Α. (11 *a*)
— 3. ἐξορκιῶ σε κ. τὸν θεὸν τοῦ οὐρ. (11 *a*)
— 6 (7). κ. ὁ θεὸς τοῦ οὐρανοῦ (11 *a*)
— 9. ὑπὸ τὸν μηρὸν Α. τοῦ κ. αὐτοῦ (2)
— 10. ἀπὸ τῶν καμήλων τοῦ κ. αὐτοῦ (2)
— 10. ἀπὸ πάντων τῶν ἀγαθῶν τοῦ κ. αὐτοῦ (2)
— 12. S R κύριε ὁ θεὸς τοῦ κ. μου [A *om.*] Α. (11 *a*, 1)
— 12. ποίησον ἔλεος μετὰ τοῦ κ. μου Α. (1)
— 14. R ἐποίησας ἔλεος μετὰ τοῦ κ. [A ἔ. τῷ κ.] μου Α. (1)
— 18. ἡ δὲ εἶπε, Πίε, κύριε (1)
— 21. εἰ εὐώδωκε κύριος τὴν ὁδὸν αὐτοῦ (11 *a*)
— 26. R προσεκύνησε τῷ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 27. κύριος ὁ θεὸς τοῦ κ. μου Α. (11 *a*, 1)
— 27. ὃς οὐκ ἐγκατέλιπε . . . ἀπὸ τοῦ κ. μου (1)
— 27. ἐμέ τ' εὐώδωκε κύριος εἰς οἶκον τοῦ ἀδελφοῦ τοῦ κ. μου (11 *a*, 1)
— 31. A S εὐλογητὸς κύριος [R -ίου] (11 *a*)
— 35. κύριος δὲ ηὐλόγησε τὸν κ. μου (11 *a*, 1)
— 36. ἔτεκε Σάρρα ἡ γυνὴ τοῦ κ. μου υἱὸν ἕνα τῷ κ. μου (1, 1)
— 37. ὥρκισέ με ὁ κ. μου (1)
— 39. εἶπα δὲ τῷ κ. μου (1)
— 40. κ. ὁ θεὸς [S *om.* ὁ θ.] . . . ἐξαποστελεῖ τὸν ἄγγελον (18 *a* [11 *a*])

Ge. 24. 42. κύριε ὁ θεὸς τοῦ κ. μου 'A. (11 *a*, 1)
— 44. ἣν ἡτοίμασε κύριος (11 *a*)
— 44. πεποίηκας ἔλεος τῷ κ. μου 'A. (1?)
— 48. S R προσεκύνησα τῷ [A *om.*] κ. καὶ εὐλόγησα κ. τὸν θεὸν τοῦ κ. μου 'A. (11 *a*, 11 *a*, 1)
— 48. τὴν θυγατέρα τοῦ ἀδελφοῦ τοῦ κ. μου (1)
— 49. εἰ οὖν ποιεῖτε . . . δικαιοσύνην πρὸς τὸν κ. μου (1)
— 50. R παρὰ κυρίου ἐξῆλθε τὸ πρᾶγμα [A πρόσταγ.] τοῦτο (11 *a*)
— 51. ἔστω γυνὴ τῷ υἱῷ τοῦ κ. σου καθὰ ἐλάλησε κύριος (2, 11 *a*, 1)
— 52. R προσεκύνησεν . . . τῷ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 54. ἵνα ἀπέλθω πρὸς τὸν κ. μου (1)
— 56. κύριος εὐώδωσε τὴν ὁδόν μου (11 *a*)
— 56. ἵνα ἀπέλθω πρὸς τὸν κ. μου (1)
— 65. οὗτός ἐστιν ὁ κ. μου (1)
25. 21. ἐδέετο δὲ 'I. κυρίου (11 *a*)
— 22. πυθέσθαι παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 23. εἶπε κύριος αὐτῇ (11 *a*)
26. 2. ὤφθη δὲ αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 12. εὐλόγησε δὲ αὐτὸν κύριος (11 *a*)
— 22. ἐπλάτυνε κύριος ἡμῖν (11 *a*)
— 24. ὤφθη αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 25. ἐπεκαλέσατο τὸ ὄνομα κυρίου (11 *a*)
— 28. ἦν κύριος μετὰ σοῦ (11 *a*)
— 29. εὐλογημένος σὺ ὑπὸ κυρίου (11 *a*)
27. 7. εὐλογήσω σε ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 20. R ὃ παρέδωκε κ. ὁ θεός σου [A *om.*] (11 *a*)
— 27. ὃν εὐλόγησε κύριος (11 *a*)
— 29. γίνου κύριος τοῦ ἀδελφοῦ σου (9)
— 37. εἰ κύριον αὐτὸν πεποίηκά σου (9)
28. 13. ὁ δὲ κ. ἐπεστήρικο ἐπ' αὐτῆς (11 *a*)
— 16. ἔστι κύριος ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ (11 *a*)
— 20. ἐὰν ᾖ κ. ὁ θεὸς μετ' ἐμοῦ (18 *b*)
— 21. ἔσται κύριός μοι εἰς θεόν (11 *a*)
29. 31. ἰδὼν δὲ κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 32. εἶδέ μου κύριος τὴν ταπείνωσιν (11 *a*)
— 33. ἤκουσε κύριος ὅτι μισοῦμαι (11 *a*)
— 35. ἐξομολογήσομαι κυρίῳ (11 *a*)
30. 30. R εὐλόγησέ σε κ. ὁ θεός [A *om.* ὁ θ.] (18 *a* [11 *a*])
31. 3. εἶπε δὲ κύριος πρὸς 'I. (11 *a*)
— 35. μὴ βαρέως φέρε, κύριε (1)
32. 4 (5). οὕτως ἐρεῖτε τῷ κ. μου 'Ησαῦ (1)
— 5 (6). ἀναγγείλαι τῷ κ. μου 'Ησαῦ (1)
— 9 (10). κύριε ὁ εἶπας μοι (11 *a*)
— 18 (19). δῶρα ἀπέσταλκε τῷ κ. μου 'Ησαῦ (1)
33. 8. ἵνα εὕρῃ ὁ παῖς σου χάριν . . . κύριε (1)
— 13. ὁ κ. μου γινώσκει (1)
— 14. προελθάτω ὁ κ. μου (1)
— 14. ἕως τοῦ με ἐλθεῖν πρὸς τὸν κ. μου (1)
— 15. εὗρον χάριν ἐναντίον σου, κύριε (1)
38. 7. ἐγένετο δὲ 'Ηρ . . . πονηρὸς ἔναντι [A -ίον] κυρίου (11 *a*)
39. 2. ἦν κύριος μετὰ 'Ιωσήφ (11 *a*)
— 2. R ἐγένετο . . . παρὰ τῷ κ. αὐτοῦ [A *om.*] (2)
— 3. R ᾔδει δὲ ὁ κ. αὐτοῦ ὅτι ὁ [A *om.*] κ. ἦν μετ' αὐτοῦ (2, 11 *a*)
— 3. κύριος εὐοδοῖ ἐν ταῖς χερσὶν αὐτοῦ (11 *a*)
— 4. εὗρεν 'I. χάριν ἐναντίον τοῦ κ. αὐτοῦ –
— 5. ηὐλόγησε κύριος τὸν οἶκον τοῦ Αἰγ. (11 *a*)
— 5. ἐγενήθη εὐλογία κυρίου ἐν [A ἐπὶ] πᾶσι (11 *a*)
— 7. ἡ γυνὴ τοῦ κ. αὐτοῦ (2)
— 8. εἶπε δὲ τῇ γυναικὶ τοῦ κ. αὐτοῦ (2)
— 8. εἰ ὁ κ. μου οὐ γινώσκει (1)
— 16. ἕως ἦλθεν ὁ κ. (2)
— 19. R ὡς ἤκουσεν ὁ κ. αὐτοῦ [A *om.*] (2)
— 20. R λαβὼν [A ἔλαβεν] ὁ κ. 'Ιωσήφ (1)
— 21. ἦν κύριος μετὰ 'Ιωσήφ (11 *a*)
— 23. διὰ τὸ τὸν κ. μετ' αὐτοῦ εἶναι (11 *a*)
— 23. R ὁ [A *om.*] κ. εὐώδου (11 *a*)
40. 1. ἥμαρτεν . . . ὁ ἀρχισιτοποιὸς τῷ κ. αὐτῶν (1)
— 7. οἳ ἦσαν . . . ἐν τῇ φυλακῇ παρὰ τῷ κ. αὐτοῦ (2)
42. 10. οἱ δὲ εἶπαν, Οὐχί, κύριε (1)
— 30, 33. ὁ ἄνθρωπος ὁ κ. τῆς γῆς (1)
43. 3. R ὁ ἄνθρωπος ὁ κ. τῆς γῆς [A *om.* ὁ κ. τ. γ.] –
— 20. δεόμεθα, κύριε (1)
44. 5. ἐν ᾧ πίνει ὁ κ. μου (1)
— 7. ἵνα τί λαλεῖ ὁ κ. κατὰ τὰ ῥήματα ταῦτα (1)
— 8. ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ κ. σου (1)
— 9. ἡμεῖς δὲ ἐσόμεθα παῖδες τῷ κ. ἡμῶν (1)
— 16. τί ἀντεροῦμεν τῷ κ. (1)

Ge. 44. 16. ἰδοὺ ἐσμεν οἰκέται τῷ κ. ἡμῶν (1)
— 18. δέομαι, κύριε (1)
— 19. κύριε, σὺ ἠρώτησας (1)
— 20, 22. εἴπαμεν τῷ κ. (1)
— 24. R τὰ ῥήματα τοῦ κ. ἡμῶν [A *om.*] (1)
— 33. παραμενῶ . . . οἰκέτης τοῦ κ. (1)
45. 8. ἐποίησέ με . . . κύριον (1)
— 9. ἐποίησέ με ὁ θεὸς κύριον (1)
47. 18. μὴ ποτε ἐκτριβῶμεν ἀπὸ τοῦ κ. ἡμῶν (1)
— 18. εἰ γὰρ ἐκλέλοιπε τὸ ἀργύριον . . . πρὸς σὲ τὸν κ. (1)
— 18. A R ἐναντίον τοῦ κ. ἡμῶν [B *om.*] (1)
— 25. εὕρομεν χάριν ἐναντίον τοῦ κ. ἡμῶν (1)
48. 15. B ὁ κ. [A R θεὸς] ὁ τρέφων με (6)
49. 18. τὴν σωτηρίαν περιμένων κυρίου (11 *a*)
— 23. ἐνεῖχον αὐτῷ κύριοι τοξευμάτων (7)
Ex. 3. 2. ὤφθη δὲ αὐτῷ ἄγγελος κυρίου (11 *a*)
— 4. ὡς δὲ εἶδε κύριος (11 *a*)
— 4. ἐκάλεσεν αὐτὸν κύριος (6)
— 7. εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 15, 16. κ. ὁ θεὸς τῶν πατέρων ὑμῶν (11 *a*)
4. 1. A οὐκ ὤπταί σοι κ. [B *om.*] ὁ θεός (18 *a*)
— 2. εἶπε δὲ αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 4. εἶπε κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 5. A ὤπταί σοι κ. [B *om.*] ὁ θεός (11 *a*)
— 6. εἶπε δὲ αὐτῷ κύριος πάλιν (11 *a*)
— 10. εἶπε δὲ M. πρὸς κύριον [A τὸν θεὸν], Δέομαι, κύριε (11 *a*, 2)
— 11. εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. [A τῷ M.] (11 *a*)
— 11. A οὐκ ἐγὼ κ. [B *om.*] ὁ θεός (18 *a*)
— 13. εἶπε M., Δέομαι, κύριε (2)
— 14. θυμωθεὶς ὀργῇ κύριος ἐπὶ M. (11 *a*)
— 19, 21. εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 22. τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 24. συνήντησεν αὐτῷ ἄγγελος κυρίου (20)
— 27. εἶπε δὲ κύριος πρὸς 'A. (11 *a*)
— 28. ἀνήγγειλε . . . πάντας τοὺς λόγους κυρίου (11 *a*)
5. 1. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς 'Ισρ. (11 *a*)
— 2. οὐκ οἶδα τὸν κ. (11 *a*)
— 3. R ὅπως θύσωμεν κ. [A B *om.*] τῷ θεῷ ἡμῶν (11 *a*)
— 22. ἐπέστρεψε δὲ M. πρὸς κύριον καὶ εἶπε, Δέομαι [A *om.*], κύριε (11 *a*, 2)
6. 1. εἶπε κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 2. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 3. τὸ ὄνομά μου κύριος οὐκ ἐδήλωσα αὐτοῖς (11 *a*)
— 6. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 7. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 8. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 10. εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 12. ἐλάλησε δὲ M. ἔναντι [A -τίον] κυρίου (11 *a*)
— 13. εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 28. ᾗ ἡμέρᾳ ἐλάλησε κύριος Μωυσῇ (11 *a*)
— 29. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 29. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 30. εἶπε M. ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
7. 1. εἶπε κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 5. ἐγὼ εἰμι κύριος (11 *a*)
— 6. καθάπερ ἐνετείλατο αὐτοῖς κύριος (11 *a*)
— 8. εἶπε κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 10. καθάπερ ἐνετείλατο αὐτοῖς κύριος (11 *a*)
— 13. καθάπερ ἐνετείλατο [A ἐλάλησεν] αὐτοῖς κύριος (11 *a*)
— 14. εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 16. κ. ὁ θεὸς τῶν 'Εβραίων (11 *a*)
— 17. τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 17. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 19. εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 20. καθάπερ ἐνετείλατο αὐτοῖς κύριος (11 *a*)
— 22. καθάπερ εἶπε κύριος (11 *a*)
— 25. μετὰ τὸ πατάξαι κύριον τὸν ποταμόν (11 *a*)
8. 1 (7. 26). εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 1 (7. 26). τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 5 (1). εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 8 (4). εὔξασθε περὶ ἐμοῦ πρὸς κύριον (11 *a*)
— 8 (4) καὶ θύσωσι τῷ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 10 (6). οὐκ ἔστιν ἄλλος πλὴν κυρίου [A -ος] (11 *a* + 6)
— 12 (8). ἐβόησε M. πρὸς κύριον (11 *a*)
— 13 (9). ἐποίησε δὲ κύριος (11 *a*)
— 15 (11). καθάπερ ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
— 16 (12). εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 19 (15). καθάπερ ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
— 20 (16). εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 20 (16). τάδε λέγει κύριος (11 *a*)

Ex. 8. 22 (18). B ἐγώ εἰμι [A *om.*] κ. ὁ κ. [A R θεὸς] πάσης τῆς γῆς (11 *a*, – [18 *a*])
— 24 (20). ἐποίησε δὲ κύριος οὕτως (11 *a*)
— 25 (21). A R θύσατε κ. [B *om.*] τῷ θεῷ ὑμῶν (18 *b*)
— 26 (22). θύσομεν [A -ωμεν] κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 *a*)
— 27 (23). A θύσωμεν κ. [B *om.*] τῷ θεῷ ἡμῶν (11 *a*)
— 27 (23). καθάπερ εἶπε κύριος [A *om.*] ἡμῖν –
— 28 (24). A θύσετε κ. [B -σατε] τῷ θεῷ ὑμῶν (11 *a*)
— 28 (24). εὔξασθε οὖν περὶ ἐμοῦ πρὸς κύριον –
— 29 (25). θύσαι κυρίῳ (11 *a*)
— 31 (27). ἐποίησε δὲ κύριος (11 *a*)
9. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 1. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς τῶν 'Εβρ. (11 *a*)
— 3. χεὶρ κυρίου ἐπέσται [A ἔσται] (11 *a*)
— 5. A² B ποιήσει κύριος τὸ ῥῆμα τοῦτο (11 *a*)
— 6. A² B ἐποίησε κύριος τὸ ῥῆμα τοῦτο (11 *a*)
— 8. εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 12. A² B ἐσκλήρυνε δὲ κύριος τὴν καρδίαν Φ. (11 *a*)
— 12. A² B καθὰ συνέταξε κύριος (11 *a*)
— 13. εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 13. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς τῶν 'Εβρ. (11 *a*)
— 20. ὁ φοβούμενος τὸ ῥῆμα κυρίου (11 *a*)
— 21. ὃς δὲ μὴ προσέσχε . . . εἰς τὸ ῥῆμα κυρίου (11 *a*)
— 22. εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 23. κύριος ἔδωκε φωνάς (11 *a*)
— 23. ἔβρεξε κύριος χάλαζαν (11 *a*)
— 27. ὁ κ. δίκαιος (11 *a*)
— 28. εὔξασθε οὖν περὶ ἐμοῦ πρὸς κύριον (11 *a*)
— 29. R ἐκπετάσω . . . πρὸς τὸν κ. [A θεόν, B *om.* πρ. τ. κ.] (11 *a*)
— 29. τοῦ κ. ἡ γῆ (11 *a*)
— 30. A R οὐδέπω πεφόβησθε τὸν κ. [B θεόν] (11 *a* + 6)
— 33. ἐξέτεινε [A -επέτασεν] . . . πρὸς κύριον (11 *a*)
— 35. καθάπερ ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
10. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 2. ἐγὼ [A *add.* εἰμι] κύριος (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς τῶν 'Εβρ. (11 *a*)
— 7. A ὅπως λατρεύσωσι κ. [B *om.*] τῷ θεῷ αὐτῶν (11 *a*)
— 8. A R λατρεύσατε κ. [B *om.*] τῷ θεῷ ὑμῶν (11 *a*)
— 9. ἔστι γὰρ ἑορτὴ κυρίου [A B² *add.* τοῦ θεοῦ ἡμῶν] (11 *a* [18 *a*])
— 10. ἔστω οὕτω κύριος μεθ' ὑμῶν (11 *a*)
— 11. A λατρεύσατε τῷ κ. [B *al.*] (11 *a*)
— 12. εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 13. A R κύριος [B *om.*] ἐπήγαγεν ἄνεμον [A *om.*] νότον (11 *a*)
— 16. ἡμάρτηκα ἐναντίον κ. τοῦ [B¹ *om.*] θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 17. προσεύξασθε πρὸς κ. τὸν θεὸν ὑμῶν (11 *a*)
— 18. A ηὔξατο πρὸς κύριον [B τὸν θεόν] (11 *a*)
— 19. μετέβαλε κύριος ἄνεμον (11 *a*)
— 20. ἐσκλήρυνε κύριος τὴν καρδίαν Φ. (11 *a*)
— 21. εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 24. λατρεύσατε κ. τῷ θεῷ ὑμῶν (18 *a*)
— 25. ἃ ποιήσομεν κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 *a*)
— 26. λατρεῦσαι κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 *a*)
— 26. τί λατρεύσωμεν κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (18 *a*)
— 27. ἐσκλήρυνε δὲ κύριος τὴν καρδίαν Φ. (11 *a*)
11. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 3. κύριος δὲ ἔδωκε τὴν χάριν (11 *a*)
— 4. τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 7. ὅσα παραδοξάσει κύριος (11 *a*)
— 9. εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 10. ἐσκλήρυνε δὲ κύριος τὴν καρδίαν Φ. (11 *a*)
12. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 11. πάσχα ἐστὶ κυρίῳ [A -ίου] (11 *a*)
— 12. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 14. ἑορτάσετε αὐτὴν ἑορτὴν κυρίῳ (11 *a*)
— 23. καὶ παρελεύσεται κύριος (11 *a*)
— 23. παρελεύσεται κύριος τὴν θύραν (11 *a*)
— 25. ἣν ἂν δῷ κύριος ὑμῖν (11 *a*)
— 27. θυσία τὸ πάσχα τοῦτο κυρίῳ (11 *a*)
— 28. καθὰ ἐνετείλατο κύριος τῷ M. (11 *a*)
— 29. κύριος ἐπάταξε πᾶν πρωτότοκον (11 *a*)
— 31. λατρεύσατε κ. τῷ θεῷ ὑμῶν (18 *a*)
— 36. ἔδωκε κύριος τὴν χάριν (11 *a*)
— 41. ἐξῆλθε πᾶσα ἡ δύναμις κυρίου (11 *a*)
— 42. προφυλακὴ ἐστι τῷ κ. (11 *a*)
— 42. ἐκείνη ἡ νὺξ αὕτη προφυλακὴ κυρίῳ (11 *a*)

Ex. 12. 43. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 48. ποιῆσαι [A καὶ ποιῇ] τὸ πάσχα κυρίῳ (11 *a*)
— 50. καθὰ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (11 *a*)
— 51. ἐξήγαγε κύριος τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (11 *a*)
13. 1. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 3. ἐξήγαγεν ὑμᾶς κύριος (11 *a*)
— 5. ἡνίκα ἐὰν εἰσαγάγῃ σε κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 6. ἑορτὴ κυρίου (11 *a*)
— 8. ἐποίησε κ. ὁ θεός μοι (18 *a*)
— 9. ὅπως ἂν γένηται ὁ νόμος κυρίου (11 *a*)
— 9. ἐξήγαγέ σε κ. ὁ θεός [A *om.* ὁ θ.] (18 *a* [11 *a*])
— 11. ὡς ἂν εἰσαγάγῃ σε κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 12. τὰ ἀρσενικὰ [A^2 *add.* ἁγιάσεις] τῷ κ. (11 *a*)
— 12. τὰ ἀρσενικὰ ἁγιάσεις τῷ κ. (11 *a*)
— 14. ἐξήγαγε κύριος ἡμᾶς (11 *a*)
— 15. B πᾶν πρωτότοκον τῷ κ. (11 *a*)
— 15. R τὰ ἀρσενικὰ τῷ κ. [A B *om.* τῷ κ.] –
— 16. ἐξήγαγέ σε κύριος (11 *a*)
— 19. ἐπισκέψεται ὑμᾶς κύριος (6)
14. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 4. ἐγὼ εἰμι κύριος (11 *a*)
— 8. ἐσκλήρυνε κύριος τὴν καρδίαν Φ. (11 *a*)
— 10. ἀνεβόησαν δὲ οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 *a*)
— 13. B τὴν σωτηρίαν τὴν παρὰ τοῦ κ. [A B θεοῦ] (11 *a*)
— 14. κύριος πολεμήσει περὶ ὑμῶν (11 *a*)
— 15. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 18. ἐγώ εἰμι κύριος (11 *a*)
— 21. ὑπήγαγε κύριος τὴν θάλασσαν (11 *a*)
— 24. καὶ ἐπέβλεψε κύριος (11 *a*)
— 25. ὁ γὰρ κ. πολεμεῖ (11 *a*)
— 26. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 27. ἐξετίναξε κύριος τοὺς Αἰγ. (11 *a*)
— 30. ἐρρύσατο κύριος τὸν Ἰσρ. (11 *a*)
— 31. ἃ ἐποίησε κύριος τοῖς Αἰγ. (11 *a*)
— 31. ἐφοβήθη δὲ ὁ λαὸς τὸν κ. (11 *a*)
15. 1. A ᾖσε Μ. . . . τῷ κ. [B θεῷ] (11 *a*)
— 1. ᾄσωμεν τῷ κ. (11 *a*)
— 3. κ. συντρίβων πολέμους κύριος ὄνομα αὐτῷ (11 *a*, 11 *a*)
— 6. ἡ δεξιά σου, κύριε, δεδόξασται (11 *a*)
— 6. ἡ δεξιά σου χεὶρ, κύριε, ἔθρυσεν ἐχθρούς (11 *a*)
— 11. τίς ὅμοιός σοι ἐν θεοῖς, κύριε (11 *a*)
— 16. ἕως ἂν παρέλθῃ ὁ λαός σου, κύριε [B^1 *om.*] (11 *a*)
— 17. ὃ κατηρτίσω [A -ηργάσω], κύριε, ἁγίασμα, κύριε [B^1 *om.* ἁ. κ.], ὃ ἡτοίμασαν (11 *a*, 2)
— 18. κύριος [A -ιε] βασιλεύων τὸν αἰῶνα (11 *a*)
— 19. ἐπήγαγεν ἐπ' αὐτοὺς κύριος τὸ ὕδωρ (11 *a*)
— 21. ᾄσωμεν τῷ κ. (11 *a*)
— 25. ἐβόησε δὲ Μ. πρὸς κύριον (11 *a*)
— 25. ἔδειξεν αὐτῷ κύριος ξύλον (11 *a*)
— 26. τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 26. ἐγὼ γάρ εἰμι κ. ὁ θεός σου [A *om.* ὁ θ. σ.] (18 *a* [11 *a*])
16. 3. πληγέντες ὑπὸ κυρίου (11 *a*)
— 4. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 6. κύριος ἐξήγαγεν ὑμᾶς (11 *a*)
— 7. ὄψεσθε τὴν δόξαν κυρίου [A τοῦ θεοῦ] (11 *a*)
— 7. A ἐν τῷ εἰσακοῦσαι κ. [B *om.*] τὸν γογγυσμὸν ὑμῶν –
— 8. ἐν τῷ διδόναι κύριον . . . κρέα (11 *a*)
— 8. διὰ τὸ εἰσακοῦσαι κύριον τὸν γογγυσμὸν ὑμῶν (11 *a*)
— 10. ἡ δόξα κυρίου ὤφθη (11 *a*)
— 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 12. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 15. ὃν ἔδωκε κύριος ὑμῖν φαγεῖν (11 *a*)
— 16. ὃ συνέταξε κύριος (11 *a*)
— 23. B εἶπε δὲ κύριος [A R Μ.] πρὸς αὐτούς –
— 23. ὃ ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
— 23. ἀνάπαυσις ἁγία τῷ κ. (11 *a*)
— 25. ἔστι γὰρ σάββατα σήμερον τῷ κ. (11 *a*)
— 28. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 29. ὁ γὰρ κ. ἔδωκεν ὑμῖν (11 *a*)
— 32. ὃ συνέταξε κύριος (11 *a*)
— 32. ὡς ἐξήγαγεν ὑμᾶς κύριος –
— 34. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 *a*)
17. 1. διὰ ῥήματος κυρίου (11 *a*)
— 2. τί πειράζετε κύριον (11 *a*)
— 4. ἐβόησε δὲ Μ. πρὸς κύριον (11 *a*)
— 5. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 7. διὰ τὸ πειράζειν κύριον (11 *a*)
— 7. εἰ ἔστι κύριος ἐν ἡμῖν (11 *a*)
— 14. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)

Ex. 17. 15. ᾠκοδόμησε Μ. θυσιαστήριον κυρίῳ [A *om.*] –
— 15. κύριος καταφυγή μου (11 *a*)
— 16. πολεμεῖ κύριος ἐπὶ Ἀμ. (11 *a*)
18. 1. ὅσα ἐποίησε κύριος Ἰσρ. (6)
— 1. ἐξήγαγε γὰρ κύριος τὸν Ἰσρ. (11 *a*)
— 8. ὅσα ἐποίησε κύριος τῷ Φ. (11 *a*)
— 8. ὅτι ἐξείλατο αὐτοὺς κύριος (11 *a*)
— 9. οἷς ἐποίησεν αὐτοῖς κύριος (11 *a*)
— 9. A ἐξείλατο κύριος [B *om.*] αὐτούς –
— 10. εὐλογητὸς κ. (11 *a*)
— 11. μέγας κ. παρὰ πάντας τοὺς θεούς (11 *a*)
19. 9. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 9. ἀνήγγειλε δὲ Μ. . . . πρὸς κύριον (11 *a*)
— 10. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 11. καταβήσεται κύριος (11 *a*)
— 20. κατέβη δὲ κύριος (11 *a*)
— 20. ἐκάλεσε κύριος Μ. (11 *a*)
— 22. οἱ ἐγγίζοντες κ. [A *om.*] τῷ θεῷ (18 *a*)
— 22. μή ποτε ἀπαλλάξῃ ἀπ' αὐτῶν κύριος [A πλῆθος] (11 *a*)
— 24. εἶπε δὲ αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 24. μή ποτε ἀπολέσῃ ἀπ' αὐτῶν κύριος –
20. 1. ἐλάλησε κύριος [A *add.* πρὸς Μ.] (6)
— 2. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 5. ἐγὼ γάρ εἰμι κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 7. τὸ ὄνομα κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 7. οὐ γὰρ μὴ καθαρίσῃ κ. ὁ θεός σου [A *om.* ὁ θ. σ.] (18 *a* [11 *a*])
— 10. σάββατα κ. [A *om.*] τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 11. ἐποίησε κύριος τὸν οὐρανόν (11 *a*)
— 11. εὐλόγησε κύριος τὴν ἡμέραν τὴν ἑβδ. (11 *a*)
— 12. ἧς κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 22. εἶπε δὲ κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
21. 4. ἐὰν δὲ ὁ κ. δῷ αὐτῷ γυναῖκα (2)
— 4. ἡ γυνὴ . . . ἔσται τῷ κ. αὐ. (1)
— 5. ἠγάπηκα τὸν κ. μου (1)
— 6. προσάξει αὐτὸν ὁ κ. αὐτοῦ (2)
— 6. τρυπήσει ὁ κ. αὐτοῦ τὸ οὖς (2)
— 8. ἐὰν μὴ εὐαρεστήσῃ τῷ κ. αὐτῆς (1)
— 8. οὐ κύριός ἐστι πωλεῖν αὐτήν (16)
— 28. ὁ δὲ κ. τοῦ ταύρου ἀθῷος ἔσται (7)
— 29. διαμαρτύρωνται τῷ κ. αὐ. (7)
— 29. ὁ κ. αὐτοῦ προσαποθανεῖται (7)
— 32. ἀργυρίου . . . δώσει τῷ κ. αὐτῶν (2)
— 34. ὁ κ. τοῦ λάκκου ἀποτίσει (7)
— 34. ἀργύριον δώσει τῷ κ. αὐτῶν (7)
— 36. διαμεμαρτυρημένοι ὥσι τῷ κ. αὐτοῦ [B^1 *al.*] (7)
22. 8 (7). προσελεύσεται ὁ κ. τῆς οἰκίας (7)
— 11 (10). οὕτως προσδέξεται ὁ κ. αὐτοῦ (7)
— 12 (11). ἀποτίσει τῷ κ. [A πλησίον] (7)
— 14 (13). ὁ δὲ κ. μὴ ᾖ μετ' αὐτοῦ (7)
— 15 (14). ἐὰν δὲ ὁ κ. ᾖ μετ' αὐτοῦ (7)
— 20 (19). ὁ θυσιάζων . . . πλὴν κ. μόνῳ (11 *a*)
23. 17. ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ σου (1)
— 19. εἰσοίσεις εἰς τὸν οἶκον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 25. λατρεύσεις κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
24. 1. ἀνάβηθι πρὸς τὸν [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 1. προσκυνήσουσι μακρόθεν τῷ κ. –
— 3. οὓς ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
— 4. ἔγραψε Μ. πάντα τὰ ῥήματα κυρίου (11 *a*)
— 7. ὅσα ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
— 8. ἧς διέθετο κύριος (11 *a*)
— 12. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 16. ἐκάλεσε κύριος τὸν Μ. –
— 17. τὸ δὲ εἶδος τῆς δόξης κυρίου (11 *a*)
25. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
27. 21. καύσει ἐναντίον [A ἔναντι] κυρίου (11 *a*)
28. 12. A ἀναλήψεται Α. . . . ἔναντι κυρίου . . . μνημόσυνον ἔναντι κυρίου [B *om.* ἔ. κ.] (11 *a*, –)
— 26 (30). A R ὅταν εἰσπορεύηται . . . ἔναντι [B -τίον] κυρίου (11 *a*)
— 26 (30). A R οἴσει Α. . . . ἔναντι [B -τίον] κυρίου (11 *a*)
— 31 (35). A R εἰσιόντι . . . ἔναντι [B -τίον] κυρίου (11 *a*)
— 32 (36). ἁγίασμα κυρίου (11 *a*)
— 34 (38). δεκτὸν αὐτοῖς ἔναντι κυρίου (11 *a*)
29. 10. ἐπιθήσουσιν . . . ἔναντι κυρίου –
— 11. B σφάξεις . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 18. A R ὁλοκαύτωμα τῷ [B *om.*] κ. (11 *a*)
— 18. A B^2 θυσίασμα [B^1 R θυμίαμα] κυρίῳ ἐστι (11 *a*)
— 23. τῶν προτεθειμένων ἔναντι κυρίου (11 *a*)

Ex. 29. 24. ἀφόρισμα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 25. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 25. κάρπωμά ἐστι κυρίῳ (11 *a*)
— 26. ἀφόρισμα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 28. ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 *a*)
— 41. κάρπωμα κυρίῳ (11 *a*)
— 42. θυσίαν . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 46. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς αὐτῶν (11 *a*)
30. 8. θυμίαμα . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 10. ἅγιον τῶν ἁγίων ἐστὶ κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 12. λύτρα τῆς ψυχῆς αὐτοῦ κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 13. εἰσφορὰ κυρίῳ (11 *a*)
— 14. δώσουσι τὴν εἰσφορὰν κυρίῳ (11 *a*)
— 15. ἐν τῷ διδόναι τὴν εἰσφορὰν κυρίῳ (11 *a*)
— 16. μνημόσυνον ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 20. καὶ ἀναφέρειν . . . κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 22. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 34. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 37. ἁγίασμα ἔσται ὑμῖν κυρίῳ (11 *a*)
31. 1, 12. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 13. ἐγὼ κύριος ὁ ἁγιάζων ὑμᾶς (11 *a*)
— 14. B ἅγιον τοῦτό ἐστι κυρίου [R -φ] ὑμῖν [A *al.*] –
— 15. ἀνάπαυσις ἁγία τῷ κ. (11 *a*)
— 17. ἐποίησε κύριος τὸν οὐρανόν (11 *a*)
32. 5. ἑορτὴ τοῦ [A *om.*] κ. αὔριον (11 *a*)
— 7. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 11. ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ [A *al.*] (11 *a*)
— 11. ἵνα τί, κύριε, θυμοῖ ὀργῇ (11 *a*)
— 14. ἱλάσθη κύριος (11 *a*)
— 22. μὴ ὀργίζου, κύριε (1)
— 26. τίς πρὸς κύριον (11 *a*)
— 27. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 29. ἐπληρώσατε . . . κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 31. ὑπέστρεψε [A ἐπ.] δὲ Μ. πρὸς κύριον (11 *a*)
— 31. δέομαι, κύριε –
— 33. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 35. ἐπάταξε κύριος τὸν λαόν (11 *a*)
33. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 5. εἶπε κύριος τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (11 *a*)
— 7. πᾶς ὁ ζητῶν κύριον (11 *a*)
— 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 12. εἶπε Μ. πρὸς κύριον (11 *a*)
— 17. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 19. τῷ ὀνόματί μου κύριος [A ὁ. κυρίου] (11 *a*)
— 21. εἶπε κύριος (11 *a*)
34. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 4. καθότι συνέταξεν αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 5. κατέβη κύριος ἐν νεφέλῃ (11 *a*)
— 5. ἐκάλεσε τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 6. παρῆλθε κύριος πρὸ προσώπου αὐτοῦ (11 *a*)
— 6. A ἐκάλεσεν κύριος [A *om.*], K. ὁ θεός (11 *a*, 11 *a*)
— 9. συμπορευθήτω ὁ κ. μου [A σ. κ.] (2)
— 10. εἶπε [A^3 ἐλάλησεν] κύριος πρὸς Μ. –
— 10. ὄψεται . . . τὰ ἔργα κυρίου (11 *a*)
— 14. ὁ γὰρ κ. ὁ θεὸς . . . θεὸς ζηλωτής ἐστι (18 *a*)
— 23. ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ Ἰσρ. (1+11 *a*)
— 24. ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 26. εἰς τὸν οἶκον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 27. εἶπε κύριος πρὸς Μ. (11 *a*)
— 28. ἦν ἐκεῖ Μ. ἐναντίον [A -τι] κυρίου (11 *a*)
— 32. ὅσα ἐνετείλατο [A ἐλάλησεν] κύριος (11 *a*)
— 34. εἰσεπορεύετο Μ. ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 34. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῷ κύριος –
35. 1. οὓς εἶπε κύριος (11 *a*)
— 2. ἀνάπαυσις κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 3. ἐγὼ κύριος –
— 4. ὃ συνέταξε κύριος (11 *a*)
— 5. ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 *a*)
— 5. οἴσουσι τὰς ἀπαρχὰς κυρίῳ (11 *a*)
— 10. ὅσα συνέταξε κύριος (11 *a*)
— 21. ἤνεγκαν ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 *a*)
— 23 (22). ἤνεγκαν ἀφαιρέματα . . . κυρίῳ (11 *a*)
— 24. τὰ ἀφαιρέματα κυρίῳ (11 *a*)
— 29. ὅσα συνέταξε κύριος (11 *a*)
— 29. ἤνεγκαν . . . ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 *a*)
36. 1, 5. ὅσα συνέταξε κύριος (11 *a*)
— 8 (39. 1), 12 (39. 5), 14 (39. 7), 29 (39. 21), 34 (39. 26). καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 *a*)
— 37 (39. 29). ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μ. (11 *a*)
— 39 (39. 30). ἁγίασμα κυρίῳ (11 *a*)

Ex. 36. 40 (39. 31). ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (11 *a*)
37 (38). 22. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ M. (11 *a*)
38. 27 (40. 32). καθάπερ συνέταξε κύριος τῷ M. (11 *a*)
39. 11 (32). καθὰ συνέταξε κύριος τῷ M. (11 *a*)
— 12 (32). εἰς τὸ λειτουργεῖν . . . ἔναντι κυρίου –
— 22 (42). ὅσα συνέταξε κύριος τῷ M. (11 *a*)
— 23 (43). ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (11 *a*)
40. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 16. ὅσα ἐνετείλατο αὐτῷ [A συνέταξεν] κύριος (11 *a*)
— 19. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ M. (11 *a*)
— 21. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (11 *a*)
— 23. προσέθηκεν . . . ἄρτους . . ἔναντι [A -ίον] κυρίου (11 *a*)
— 23. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (11 *a*)
— 25. ἐπέθηκε τοὺς λύχνους αὐτῆς ἔναντι [A -ίον] κυρίου ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (11 *a*, 11 *a*)
— 27. καθάπερ [A ὃν τρόπον] συνέταξε κύριος τῷ M. (11 *a*)
— 34, 35. δόξης κυρίου ἐπλήσθη ἡ σκηνή (11 *a*)
Le. 1. 1. ἐλάλησε κύριος αὐτῷ (11 *a*)
— 2. ἐὰν προσαγάγῃ [A -φέρῃ] δῶρα τῷ κ. (11 *a*)
— 3. προσοίσει αὐτὸ . . . ἐναντίον [A -τι] κυρίου (11 *a*)
— 5. σφάξουσι τὸν μόσχον ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 9. ὀσμὴ εὐωδίας τῷ κ. (11 *a*)
— 10. τὸ δῶρον αὐτοῦ τῷ κ. –
— 11. σφάξουσιν αὐτὸ . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 13. ὀσμὴ εὐωδίας τῷ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 14. δῶρον τῷ κ. (11 *a*)
— 17. ὀσμὴ εὐωδίας τῷ κ. (11 *a*)
2. 1. θυσίαν τῷ κ. (11 *a*)
— 2. ὀσμὴ εὐωδίας τῷ κ. (11 *a*)
— 3. ἀπὸ τῶν θυσιῶν κυρίου (11 *a*)
— 4. θυσίαν . . . δῶρον κυρίῳ –
— 6. θυσία ἐστὶ κυρίῳ –
— 8. ἣν ἂν ποιῇ ἐκ τούτων τῷ κ. (11 *a*)
— 9. κάρπωμα ὀσμὴ εὐωδίας κυρίῳ (11 *a*)
— 10. ἀπὸ τῶν καρπωμάτων κυρίου (11 *a*)
— 11. ἣν ἂν προσφέρητε κυρίῳ (11 *a*)
— 11. καρπῶσαι κυρίῳ δῶρον (11 *a*)
— 12. προσοίσετε αὐτὰ κυρίῳ (11 *a*)
— 12. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ –
— 13. ἅλα διαθήκης κυρίου (6)
— 13. προσοίσετε κυρίῳ τῷ θεῷ ὑμῶν ἅλας . –
— 14. θυσίαν πρωτογεννημάτων τῷ κ. (11 *a*)
— 14. χίδρα ἐρικτὰ τῷ κ. –
— 16. κάρπωμά ἐστι κυρίῳ (11 *a*)
3. 1. τὸ δῶρον αὐτοῦ τῷ κ. –
— 1. A R ἄμωμον προσάξει αὐτὸ ἔναντι [B -ίον] κυρίου (11 *a*)
— 2. σφάξει αὐτὸ ἐναντίον κυρίου [A *om.* ἐ. κ.] –
— 3. προσάξουσιν . . . κάρπωμα κυρίῳ (11 *a*)
— 5. κάρπωμα ὀσμὴ εὐωδίας κυρίῳ (11 *a*)
— 6. θυσίαν σωτηρίου τῷ κ. (11 *a*)
— 7. προσάξει αὐτὸ ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 9. R κάρπωμα τῷ κ. [A B θεῷ] (11 *a*)
— 11. ὀσμὴ εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ (11 *a*)
— 12. προσάξει ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 13. σφάξουσιν αὐτὸ ἔναντι κυρίου –
— 14. ἀνοίσει ἐπ' αὐτοῦ κάρπωμα κυρίῳ (11 *a*)
— 16. ὀσμὴ εὐωδίας τῷ κ. –
— 16. πᾶν τὸ στέαρ τῷ κ. (11 *a*)
4. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 2. ἐὰν ἁμάρτῃ ἔναντι κυρίου –
— 2. ἀπὸ τῶν προσταγμάτων κυρίου (11 *a*)
— 3. μόσχον ἐκ βοῶν ἄμωμον τῷ κ. (11 *a*)
— 4. προσάξει τὸν μόσχον . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 4. ἐπιθήσει τὴν χεῖρα αὐτοῦ . . . ἔναντι κυρίου –
— 4. σφάξει τὸν μόσχον ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 6. προσρανεῖ ἀπὸ τοῦ αἵματος . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 7. τοῦ θυσιαστηρίου . . . τοῦ ἐναντίον [A ἔναντι] κυρίου (11 *a*)
— 13. μίαν ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντολῶν κυρίου (11 *a*)
— 15. ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ μόσχου ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 15. A B^2 R σφάξουσι τὸν μόσχον ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 17. ῥανεῖ ἑπτάκις ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 18. ὃ ἐστιν ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 22. ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντολῶν κυρίου τοῦ θεοῦ (11 *a*)
Le. 4. 24. οὗ σφάζουσι τὰ ὁλοκαυτώματα ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 27. ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντολῶν κυρίου (11 *a*)
— 31. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 *a*)
— 35. ἐπὶ τὸ ὁλοκαύτωμα κυρίου (11 *a*)
5. 6. περὶ ὧν ἐπλημμέλησε κυρίῳ (11 *a*)
— 7. οἴσει περὶ τῆς ἁμαρτίας αὐτοῦ . . . κυρίῳ (11 *a*)
— 12. ἐπιθήσει ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον . . . κυρίῳ (11 *a*)
— 14. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 15. καὶ ἁμάρτῃ ἀκουσίως ἀπὸ τῶν ἁγίων κυρίου (11 *a*)
— 15. οἴσει τῆς πλημμελείας αὐτοῦ τῷ κ. (11 *a*)
— 17. ἀπὸ πασῶν τῶν ἐντολῶν κυρίου (11 *a*)
— 19. ἐπλημμέλησε γὰρ . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
6. 1 (5. 20). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 2 (5. 21). καὶ παριδὼν παρίδῃ τὰς ἐντολὰς κυρίου (11 *a*)
— 5 (5. 25). A B οἴσει κυρίῳ [R τῷ κ.] κριὸν (11 *a*)
— 6 (5. 26). ἐξιλάσεται περὶ αὐτοῦ . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 7 (1). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 14 (7). ἣν προσάξουσιν αὐτὴν . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 15 (8). τὸ μνημόσυνον αὐτῆς τῷ κ. (11 *a*)
— 17 (10). ἀπὸ τῶν καρπωμάτων κυρίου –
— 18 (11). ἀπὸ τῶν καρπωμάτων κυρίου (11 *a*)
— 19 (12). B ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 20 (13). B ὃ προσοίσουσι κυρίῳ (11 *a*)
— 21 (14). B εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 *a*)
— 24 (17). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 25 (18). σφάξουσι . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 29 (22). A B ἅγια ἁγίων ἐστὶ κυρίου [R -φ] –
— 32 (7. 2). σφάξουσι . . . ἔναντι κυρίου –
— 35 (7. 5). κάρπωμα τῷ κ. (11 *a*)
7. 1 (11). ἣν προσοίσουσι κυρίῳ (11 *a*)
— 4 (14). ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 *a*)
— 10 (20). οὗ ἐστι κυρίου (11 *a*)
— 11 (21). ὃ ἐστι κυρίου (11 *a*)
— 12 (22). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 15 (25). B κάρπωμα κυρίου [A R -φ] (11 *a*)
— 18 (28). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 19 (29). B ὃ προσφέρων θυσίαν σωτηρίου κυρίῳ [A -ίου, R *om.*] οἴσει τὸ δῶρον αὐτοῦ κυρίῳ (11 *a*, 11 *a*)
— 20 (30). προσοίσουσι τὰ καρπώματα κυρίῳ (11 *a*)
— 20 (30). ἐπιθεῖναι δόμα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 25 (35). ἀπὸ τῶν καρπωμάτων κυρίου (11 *a*)
— 25 (35). τοῦ ἱερατεύειν τῷ κ. (11 *a*)
— 26 (36). καθὰ ἐνετείλατο κύριος (11 *a*)
— 28 (38). ὃν τρόπον ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 28 (38). προσφέρειν τὰ δῶρα αὐτῶν ἔναντι κυρίου (11 *a*)
8. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 4. ὃν τρόπον συνέταξεν αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 5. ὃ ἐνετείλατο κύριος ποιῆσαι (11 *a*)
— 9. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 13. καθάπερ [A καθὰ] συνέταξε κύριος τῷ M. (11 *a*)
— 17. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 20 (21). κάρπωμά ἐστι τῷ κ. καθάπερ ἐνετείλατο κύριος τῷ M. (11 *a*, 11 *a*)
— 25 (26). ἀπὸ τοῦ κανοῦ . . . τοῦ ὄντος ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 26 (27). ἀφαίρεμα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 27 (28). κάρπωμά ἐστι τῷ κ. (11 *a*)
— 28 (29). ἐπίθεμα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 28 (29). καθὰ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 34. ᾗ ἐνετείλατο κύριος τοῦ ποιῆσαι (11 *a*)
— 35. φυλάξεσθε τὰ φυλάγματα κυρίου (11 *a*)
— 35. οὕτω γὰρ ἐνετείλατό μοι κύριος ὁ θεός –
— 36. οὓς συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
9. 2. προσένεγκε αὐτὰ ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 4. εἰς θυσίαν σωτηρίου ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 4. σήμερον κύριος ὀφθήσεται ἐν ὑμῖν (11 *a*)
— 5. ἔστησαν ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 6. ὃ εἶπε κύριος (11 *a*)
— 6. ὀφθήσεται ἐν ὑμῖν δόξα κυρίου (11 *a*)
— 7. καθάπερ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 10. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 21. ἀφαίρεμα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 21. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ –
— 23. ὤφθη ἡ δόξα κυρίου παντὶ τῷ λαῷ (11 *a*)
— 24. ἐξῆλθε πῦρ παρὰ κυρίου (11 *a*)
10. 1. προσήνεγκαν ἔναντι κυρίου πῦρ ἀλλότριον ὃ οὐ προσέταξε κύριος αὐτοῖς (11 *a*, –)
Le. 10. 2. ἐξῆλθε πῦρ παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 2. καὶ ἀπέθανον ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 3. ὃ εἶπε κύριος (11 *a*)
— 6. ὃν ἐνεπυρίσθησαν ὑπὸ κυρίου (11 *a*)
— 7. τὸ ἔλαιον γὰρ τῆς χρίσεως τὸ παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 8. ἐλάλησε κύριος τῷ Ἀαρών (11 *a*)
— 11. ἃ ἐλάλησε κύριος πρὸς αὐτούς (11 *a*)
— 12, 13. ἀπὸ τῶν καρπωμάτων κυρίου (11 *a*)
— 15. ἀφορίσαι ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 15. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 17. καὶ ἐξιλάσησθε περὶ αὐτῶν ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 18. ὃν τρόπον μοι συνέταξε κύριος –
— 19. εἰ σήμερον προσαγηόχασι . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 19. μὴ ἀρεστὸν ἔσται κυρίῳ (11 *a*)
11. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 44. ἐγὼ εἰμι κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 44. ἅγιός εἰμι ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν –
— 45. ἐγώ εἰμι κύριος (11 *a*)
— 45. ἅγιός εἰμι ἐγὼ κύριος –
12. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 7. προσοίσει ἔναντι κυρίου (11 *a*)
13. 1 : 14. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
14. 11. καὶ ταῦτα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 12. ἀφοριεῖ αὐτὰ . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 16. ῥανεῖ [A -ιεῖ] . . . ἑπτάκις ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 18. ἐξιλάσεται . . . ὁ ἱερεὺς ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 20. ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον ἔναντι [B^1 ἀπέν.] κυρίου –
— 23. προσοίσει αὐτὰ . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 24. ἐπιθήσει αὐτὰ ἐπίθεμα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 27. ῥανεῖ ὁ ἱερεὺς . . . ἑπτάκις ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 29. ἐξιλάσεται περὶ αὐτοῦ . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 31. ἐξιλάσεται ὁ ἱερεὺς . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 33 : 15. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
15. 14. οἴσει αὐτὰ ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 15, 30. ἐξιλάσεται . . . ὁ ἱερεὺς ἔναντι κυρίου (11 *a*)
16. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 1. ἐν τῷ προσάγειν αὐτοὺς πῦρ ἀλλότριον ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 2. καὶ εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 7. στήσει αὐτοὺς ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 8. κλῆρον ἓν τῷ κ. (11 *a*)
— 9. ἐπῆλθεν ἐπ' αὐτὸν ὁ κλῆρος τῷ κ. (11 *a*)
— 10. στήσει αὐτὸν ζῶντα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 12. ἀπὸ τοῦ θυσιαστηρίου τοῦ ἀπέναντι κυρίου (11 *a*)
— 13. ἐπιθήσει τὸ θυμίαμα . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 15. σφάξει τὸν χίμαρον . . . ἔναντι κυρίου –
— 18. τὸ θυσιαστήριον τὸ ὂν ἀπέναντι κυρίου (11 *a*)
— 30. καθαρίσαι ὑμᾶς . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 34. καθὰ [A B^2 καθάπερ] συνέταξε κύριος τῷ M. (11 *a*)
17. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 2. ὃ ἐνετείλατο κύριος (11 *a*)
— 4. ᾗ σωτήριον κυρίῳ [A -ίου] δεκτόν –
— 4. A B ὥστε μὴ [R *om.*] προσενέγκαι δῶρον κυρίῳ ἀπέναντι τῆς σκηνῆς κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 5. καὶ οἴσουσι τῷ κ. (11 *a*)
— 5. θύσουσι θυσίαν σωτηρίου τῷ κ. αὐτά (11 *a*)
— 6. προσχεεῖ ὁ ἱερεὺς . . . ἀπέναντι κυρίου (11 *a*)
— 6. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 *a*)
— 9. ποιῆσαι αὐτὸ τῷ κ. (11 *a*)
18. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 2, 4. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 5. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 *a*)
— 6, 21. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 30. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
19. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 2. ἅγιος ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 3, 4. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 5. θυσίαν σωτηρίου τῷ κ. (11 *a*)
— 8. τὰ ἅγια κυρίου ἐβεβήλωσε (11 *a*)
— 10. ἐγὼ εἰμι κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 12. ἐγώ εἰμι [A *om.*] κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (18 *a*)
— 14. φοβηθήσῃ κύριον τὸν θεόν σου (18 *b*)
— 14, 16. ἐγώ εἰμι κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (18 *a*)
— 18. ἐγὼ εἰμι κύριος (11 *a*)
— 21. προσάξει τῆς πλημμελείας αὐτοῦ τῷ κ. (11 *a*)
— 22. ἐξιλάσεται περὶ αὐτοῦ . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 23. ἣν κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν [B^1 *om.*] δίδωσιν ὑμῖν –

Le. 19. 24. ἔσται πᾶς ὁ καρπὸς αὐτοῦ ἅγιος αἰνετὸς τῷ κ. (11 *a*)
— 25. ἐγώ εἰμι κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 28. ἐγώ εἰμι [A *om.*] κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (18 *a*)
— 30. ἐγώ εἰμι κύριος (11 *a*)
— 31. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 32. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 *a*)
— 34, 36. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 37. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 *a*)
20. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 7. ἅγιος ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν [A *al.*] (11 *a*)
— 8. ἐγὼ κ. [A κ. ὁ θεὸς ὑμῶν] ὁ ἁγιάζων ὑμᾶς (11 *a* [18 *a*])
— 24. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 26. ἐγὼ ἅγιός εἰμι [B¹ *om.*] κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 *a*)
21. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 6. τὰς γὰρ θυσίας κυρίου . . . προσφέρουσι (11 *a*)
— 7. ἅγιός ἐστι κυρίῳ τῷ [A *om.*] θεῷ αὐτοῦ (18 *b*)
— 8. A R τὰ δῶρα κ. τοῦ [B *om.*] θεοῦ ὑμῶν οὗτος προσφέρει (18 *b*)
— 8. ἅγιος ἐγὼ κ. ὁ ἁγιάζων αὐτούς (11 *a*)
— 12. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 15. ἐγὼ κ. ὁ ἁγιάζων αὐτόν (11 *a*)
— 16. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 23. ἐγώ εἰμι κ. ὁ ἁγιάζων αὐτούς (11 *a*)
— 24. A B¹ ἐλάλησε κύριος πρὸς M. καὶ 'A. [B² R ἐλ. M. πρ. 'A.] †
22. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 2. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 3. ὅσα ἂν ἁγιάζωσιν οἱ υἱοὶ Ἰσραὴλ τῷ κ. (11 *a*)
— 3. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 *a*)
— 8. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 9. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὁ ἁγιάζων αὐτούς (18 *a*)
— 15. ἃ αὐτοὶ ἀφαιροῦσι [A προσφέρουσιν] τῷ κ. (11 *a*)
— 16. ἐγὼ κ. ὁ ἁγιάζων αὐτούς (11 *a*)
— 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 20. οὐ προσάξουσι κυρίῳ –
— 21. ὃς ἂν προσενέγκῃ θυσίαν σωτηρίου τῷ κ. (11 *a*)
— 22. B οὐ προσάξουσι ταῦτα [A² αὐτὰ] τῷ κ. (11 *a*)
— 22. A² B οὐ δώσετε ἀπ' αὐτῶν . . . τῷ κ. (11 *a*)
— 24. οὐ προσάξεις αὐτὰ τῷ κ. (11 *a*)
— 26. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 27. δεχθήσεται . . . κάρπωμα κυρίῳ (11 *a*)
— 29. ἐὰν δὲ θύσῃς θυσίαν . . . κυρίῳ (11 *a*)
— 30. ἐγώ εἰμι κύριος (11 *a*)
— 32. ἐγὼ κ. ὁ ἁγιάζων ὑμᾶς (11 *a*)
— 33. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
23. 1. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 2. αἱ ἑορταὶ κυρίου . . . αὗταί εἰσιν (11 *a*)
— 3. κλητὴ ἁγία τῷ κ. –
— 3. σάββατά ἐστι τῷ κ. (11 *a*)
— 4. αὗται αἱ ἑορταὶ τῷ κ. (11 *a*)
— 5. πάσχα τῷ κ. (11 *a*)
— 6. ἑορτὴ τῶν ἀζύμων τῷ κ. (11 *a*)
— 8. προσάξετε ὁλοκαυτώματα τῷ κ. (11 *a*)
— 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 11. ἀνοίσει τὸ δράγμα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 12. εἰς ὁλοκαύτωμα τῷ κ. (11 *a*)
— 13. θυσία τῷ κ. ὀσμὴ εὐωδίας κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*, –)
— 16. προσοίσετε θυσίαν νέαν τῷ κ. (11 *a*)
— 17. πεφθήσονται πρωτογεννημάτων τῷ κ. (11 *a*)
— 18. ἔσονται ὁλοκαύτωμα τῷ κ. (11 *a*)
— 18. ὀσμὴν εὐωδίας τῷ κ. (11 *a*)
— 20. ἐπίθεμα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 20. ἅγια ἔσονται τῷ κ. (11 *a*)
— 22. ἐγὼ κ. ὁ [A *om.*] θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 23. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 25. προσάξετε ὁλοκαύτωμα κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 26. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 27. προσάξετε ὁλοκαύτωμα τῷ κ. (11 *a*)
— 28. ἐξιλάσασθαι . . . ἔναντι κυρίου τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 33. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 34. ἑορτὴ σκηνῶν ἑπτὰ ἡμέρας τῷ κ. (11 *a*)
— 36. προσάξετε ὁλοκαυτώματα τῷ κ. (11 *a*)
— 36. προσάξετε ὁλοκαυτώματα κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 37. αὗται αἱ ἑορταὶ κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 37. ὥστε προσενέγκαι καρπώματα τῷ κ. (11 *a*)
— 38. πλὴν τῶν σαββάτων κυρίου (11 *a*)
— 38. ἃ ἂν δῶτε τῷ κ. (11 *a*)
— 39. ἑορτάσατε τῷ κ. ἑπτὰ ἡμέρας (11 *a*)
— 40. εὐφρανθῆναι ἔναντι κυρίου τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)

Le. 23. 43. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 44. ἐλάλησε Μωυσῆς τὰς ἑορτὰς κυρίου (11 *a*)
24. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 3. καύσουσιν αὐτὸ [B¹ -ὸν] . . . ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 4. καύσετε τοὺς λύχνους ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 6. ἐπιθήσετε αὐτοὺς . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 7. εἰς ἀνάμνησιν προκείμενα τῷ κ. (11 *a*)
— 8. προθήσεται ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 9. ἀπὸ τῶν θυσιαζομένων τῷ κ. (11 *a*)
— 12. διὰ προστάγματος κυρίου (11 *a*)
— 13. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 16. ὀνομάζων δὲ τὸ ὄνομα κυρίου (11 *a*)
— 16. ἐν τῷ ὀνομάσαι αὐτὸν τὸ ὄνομα κυρίου –
— 22. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 23. A B¹ καθὰ [B² R καθάπερ] συνέταξε κύριος τῷ M. (11 *a*)
25. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 2. ἣν ἐγὼ δίδωμι ὑμῖν σάββατα τῷ κ. (11 *a*)
— 4. σάββατα τῷ κ. (11 *a*)
— 17. φοβηθήσῃ κύριον τὸν θεόν σου (18 *b*)
— 17. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 36. ἐγὼ κύριος –
— 38. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 43. φοβηθήσῃ κ. τὸν θεόν σου (18 *b*)
26. 1 (25. 35). ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 1. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 2. ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 13. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 44. ὅτι ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς αὐτῶν (11 *a*)
— 45. ἐγώ εἰμι κύριος (11 *a*)
— 46. ὃν ἔδωκε κύριος (11 *a*)
27. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 2. ὃς ἂν εὔξηται εὐχὴν . . . τῷ κ. (11 *a*)
— 9. ἐὰν δὲ ἀπὸ τῶν κτηνῶν . . . δῶρον τῷ κ. (11 *a*)
— 9. ὃς ἂν δῷ ἀπὸ τούτων τῷ κ. (11 *a*)
— 11. ἀφ' ὧν οὐ προσφέρεται . . . δῶρον τῷ κ. (11 *a*)
— 14. ὃς ἂν ἁγιάσῃ τὴν οἰκίαν αὐτοῦ ἁγίαν τῷ κ. (11 *a*)
— 16. ἐὰν δὲ ἀπὸ τοῦ ἀγροῦ . . . ἁγιάσῃ ἄνθρωπος τῷ κ. (11 *a*)
— 21. ἔσται ὁ ἀγρὸς . . . ἅγιος τῷ κ. (11 *a*)
— 22. ἐὰν δὲ ἀπὸ τοῦ ἀγροῦ . . . ἁγιάσῃ τῷ κ. (11 *a*)
— 23. ἀποδώσει τὴν τιμὴν . . . ἅγιον τῷ κ. (11 *a*)
— 26. πᾶν πρωτότοκον . . . ἔσται τῷ κ. (11 *a*)
— 26. τῷ κ. ἐστίν (11 *a*)
— 28. ὃ ἐὰν ἀναθῇ ἄνθρωπος τῷ κ. (11 *a*)
— 28. πᾶν ἀνάθεμα ἅγιον ἁγίων ἔσται τῷ κ. (11 *a*)
— 30. πᾶσα δεκάτη . . . τῷ κ. ἐστὶν ἅγιον τῷ κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 32. τὸ δέκατον ἔσται ἅγιον τῷ κ. (11 *a*)
— 34. ἃς ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
Nu. 1. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 19. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 48. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 53. B¹ παρεμβαλέτωσαν ἐναντίον κυρίου [A B² ἐναντίοι] –
— 54. ἃ [A ὅσα] ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
2. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 2. A παρεμβαλέτωσαν . . . ἐναντίον κυρίου [B ἐναντίοι] –
— 33. καθὰ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 34. ὅσα συνέταξε [A καθὰ ἐνετείλατο] κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
3. 1. ἐν ᾗ ἡμέρᾳ ἐλάλησε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 4. ἐτελεύτησε N. καὶ 'A. ἔναντι κυρίου προσφερόντων αὐτῶν . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 5, 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 13. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 14. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 16. διὰ φωνῆς κυρίου ὃν τρόπον [A καθὰ] συνέταξεν αὐτοῖς κύριος (11 *a*, –)
— 39. διὰ φωνῆς κυρίου (11 *a*)
— 40. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 41. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 42. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κύριος [A κ. αὐτῷ] (11 *a*)
— 44. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 45. ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 51. διὰ φωνῆς κυρίου ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*, 11 *a*)
4. 1, 17, 21. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 37, 41, 45. διὰ φωνῆς κυρίου ἐν χειρὶ Μωυσῆ (11 *a*)
— 49. διὰ φωνῆς κυρίου ἐπεσκέψατο (11 *a*)
— 49. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)

Nu. 5. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 4. καθὰ ἐλάλησε κύριος Μωυσῇ [A τῷ M.] (11 *a*)
— 5. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 8. τὸ πλημμέλημα τὸ ἀποδιδόμενον κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 9. A R ὅσα ἐὰν προσφέρωσι κυρίῳ [B τῷ κ.] –
— 11. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 16. στήσει αὐτὴν ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 18. στήσει ὁ ἱερεὺς τὴν γυναῖκα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 21. δῴη σε κύριος ἐν ἀρᾷ (11 *a*)
— 21. ἐν τῷ δοῦναι κύριον τὸν μηρόν σου (11 *a*)
— 25. ἐπιθήσει τὴν θυσίαν ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 30. στήσει τὴν γυναῖκα αὐτοῦ ἔναντι κυρίου (11 *a*)
6. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 2. ἀφαγνίσασθαι ἁγνείαν κυρίῳ (11 *a*)
— 5. ὅσας [A ἃς] ηὔξατο κυρίῳ (11 *a*)
— 6. πάσας τὰς ἡμέρας τῆς εὐχῆς κυρίῳ [S³ τῷ κ.] (11 *a*)
— 8. ἅγιος ἔσται κυρίῳ (11 *a*)
— 12. ᾗ ἡγιάσθη [A ἡγίασεν] κυρίῳ [S τῷ κ.] (11 *a*)
— 14. προσάξει τὸ δῶρον αὐτοῦ κυρίῳ (11 *a*)
— 16. προσοίσει ὁ ἱερεὺς ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 17. A B ποιήσει θυσίαν σωτηρίου κυρίῳ [R τῷ κ.] (11 *a*)
— 20. ἐπίθεμα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 21. ὃς ἂν εὔξηται κυρίῳ δῶρον αὐτοῦ κυρίῳ (–, 11 *a*)
— 22. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 27. ἐγὼ κύριος εὐλογήσω αὐτούς –
— 24. εὐλογήσαι σε κύριος (11 *a*)
— 25. ἐπιφάναι κύριος τὸ πρόσωπον αὐτοῦ ἐπὶ σέ (11 *a*)
— 26. ἐπάραι κύριος τὸ πρόσωπον αὐτοῦ ἐπὶ σέ (11 *a*)
7. 3. ἤνεγκαν τὸ δῶρον [A τὰ δ.] αὐτῶν ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 4, 11. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 89. ἤκουσε τὴν φωνὴν κυρίου –
8. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 3. A B² R καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 4. ὃ ἔδειξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 5. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 10. προσάξεις τοὺς Λευίτας ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 11. ἀπόδομα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 11. ὥστε ἐργάζεσθαι τὰ ἔργα κυρίου (11 *a*)
— 12. τὸν ἕνα εἰς ὁλοκαύτωμα κυρίῳ (11 *a*)
— 13. στήσεις τοὺς Λευίτας ἔναντι κυρίου –
— 13. ἀπόδομα ἔναντι [A *om.*] κυρίου [A -ῳ] (11 *a*)
— 15. ἀποδώσεις αὐτοὺς ἔναντι κυρίου †
— 20. καθὰ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 21. ἀπόδομα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 22. καθὰ [B¹ καθὼς] συνέταξε κύριος τῷ M. (11 *a*)
— 23 : 9. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
9. 5. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 7. προσενέγκαι τὸ δῶρον κυρίῳ (11 *a*)
— 8. τί ἐντελεῖται κύριος περὶ ὑμῶν (11 *a*)
— 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 10. ποιήσει τὸ πάσχα κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 13. τὸ δῶρον κυρίῳ [A -ου] οὐ προσήνεγκε (11 *a*)
— 14. καὶ ποιήσει τὸ πάσχα κυρίῳ (11 *a*)
— 18. διὰ προστάγματος κυρίου παρεμβαλοῦσιν (11 *a*)
— 18. διὰ προστάγματος κυρίου ἀπαροῦσι (11 *a*)
— 20. διὰ φωνῆς κυρίου παρεμβαλοῦσι καὶ διὰ προστάγματος κυρίου ἀπαροῦσι [A ἐξαρ.] (11 *a*, 11 *a*)
— 23. διὰ προστάγματος κυρίου ἀπαροῦσι τὴν φυλακὴν κυρίου ἐφυλάξαντο [B¹ ἣν ἐφ.] διὰ προστάγματος κυρίου (11 *a ter*)
10. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 9. ἀναμνησθήσεσθε ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 10. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 13. ἐξῆραν πρῶτοι διὰ φωνῆς κυρίου (11 *a*)
— 29. εἰς τὸν τόπον ὃν εἶπε κύριος (11 *a*)
— 29. κύριος ἐλάλησε καλὰ περὶ Ἰσραήλ (11 *a*)
— 32. ὅσα [A ᾗ] ἂν ἀγαθοποιήσῃ κύριος ἡμᾶς (11 *a*)
— 33. ἐξῆραν ἐκ τοῦ ὄρους κυρίου (11 *a*)
— 33. ἡ κιβωτὸς τῆς διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 35. ἐξεγέρθητι [B² ἐγ.], κύριε (11 *a*)
— 36. ἐπίστρεφε, κύριε, χιλιάδας μυριάδας (11 *a*)
11. 1. γογγύζων πονηρὰ ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 1. καὶ ἤκουσε κύριος (11 *a*)
— 1. ἐξεκαύθη ἐν αὐτοῖς πῦρ παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 2. ηὔξατο Μωυσῆς πρὸς κύριον (11 *a*)

Nu. 11. 3. ἐξεκαύθη ἐν αὐτοῖς παρὰ [A B² πῦρ π.] κυρίου (11 a)
— 10. ἐθυμώθη ὀργῇ κύριος σφόδρα (11 a)
— 11. εἶπε Μωυσῆς πρὸς κύριον (11 a)
— 16. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 18. ἐκλαύσατε ἔναντι κυρίου (11 a)
— 18. δώσει κύριος ὑμῖν κρέα φαγεῖν (11 a)
— 20. ἠπειθήσατε κυρίῳ (11 a)
— 21. A² εἶπε Μωυσῆς [B¹ add. πρὸς κύριον] –
— 23. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν, Μὴ χεὶρ κυρίου οὐκ ἐξαρκέσει (11 a, 11 a)
— 24. καὶ ἐλάλησε . . . τὰ ῥήματα κυρίου (11 a)
— 25. A κατέβη κύριος ἐν νεφέλῃ καὶ ἐλάλησε κύριος [B om.] πρὸς αὐτόν (11 a, –)
— 28. κύριε [A κ. μου] Μωυσῆ, κώλυσον αὐτούς (1)
— 29. τίς δῴη πάντα τὸν λαὸν κυρίου προφήτας ὅταν δῷ κύριος τὸ πνεῦμα αὐτοῦ (11 a, 11 a)
— 31. πνεῦμα ἐξῆλθε παρὰ κυρίου (11 a)
— 33. κύριος ἐθυμώθη εἰς τὸν λαὸν [B¹ λ. αὐτοῦ] καὶ ἐπάταξε κύριος τὸν λαόν [A ἐν τῷ λ.] (11 a, 11 a)
12. 2. μὴ Μωυσῇ μόνῳ λελάληκε κύριος (11 a)
— 2. καὶ ἤκουσε κύριος (11 a)
— 4. εἶπε κύριος παραχρῆμα [B¹ om.] πρὸς M. (11 a)
— 5. κατέβη κύριος ἐν στύλῳ νεφέλης (11 a)
— 6. ἐὰν γένηται προφήτης ὑμῶν κυρίῳ [B¹-ου] (11 a)
— 8. τὴν δόξαν κυρίου [A μου] εἶδε (11 a)
— 9. ὀργὴ θυμοῦ κυρίου ἐπ' αὐτούς (11 a)
— 11. δέομαι, κύριε (1)
— 13. ἐβόησε Μωυσῆς πρὸς κύριον (11 a)
— 14. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
13. 2 (1). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 4 (3). ἐξαπόστειλεν [A ἀπ.] αὐτοὺς . . . διὰ φωνῆς κυρίου (11 a)
14. 3. ἵνα τί κύριος εἰσάγει ἡμᾶς (11 a)
— 8. εἰ αἱρετίζει [B ἐρεθίζει] ἡμᾶς κύριος (11 a)
— 9. ἀπὸ τοῦ κ. μὴ ἀποστάται γίνεσθε (11 a)
— 9. ὁ δὲ κ. ἐν ἡμῖν (11 a)
— 10. ἡ δόξα κυρίου ὤφθη (11 a)
— 11. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 13. εἶπε Μωυσῆς πρὸς κύριον (11 a)
— 14. σὺ εἶ κύριος ἐν τῷ λαῷ τούτῳ (11 a)
— 14. ὅστις . . . ὀπτάζῃ, κύριε (11 a)
— 16. παρὰ τὸ μὴ δύνασθαι κύριον εἰσαγαγεῖν (11 a)
— 17. ὑψωθήτω ἡ ἰσχύς [A χείρ] σου, κύριε (2)
— 18. κύριος μακρόθυμος καὶ πολυέλεος (11 a)
— 20. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 21. ἐμπλήσει ἡ δόξα κυρίου πᾶσαν τὴν γῆν (11 a)
— 26. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 28. ζῶ ἐγώ, λέγει κύριος (11 a)
— 35. ἐγὼ κύριος ἐλάλησα (11 a)
— 37. οἱ κατείπαντες . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 40. ὃν εἶπε κύριος (11 a)
— 41. ἵνα τί ὑμεῖς παραβαίνετε τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 42. οὐ γάρ ἐστι κύριος μεθ' ὑμῶν (11 a)
— 43. ἀπεστράφητε ἀπειθοῦντες κυρίῳ (11 a)
— 43. οὐκ ἔσται κύριος ἐν ὑμῖν (11 a)
— 44. ἡ δὲ κιβωτὸς τῆς διαθήκης κυρίου (11 a)
15. 1. εἶπε [A ἐλάλησεν] κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 3. ποιήσεις ὁλοκαύτωμα [A -σητε κάρπωμα] κυρίῳ (11 a)
— 3. A B ποιῆσαι ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [R τῷ κ.] (11 a)
— 4. ὁ προσφέρων τὸ δῶρον αὐτοῦ κυρίῳ (11 a)
— 5. κάρπωμα ὀσμὴν εὐωδίας τῷ κ. –
— 7. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 8. εἰς σωτήριον κυρίῳ (11 a)
— 10. κάρπωμα ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 13. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 14. κάρπωμα ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 14. οὕτω ποιήσει ἡ συναγωγὴ κυρίῳ –
— 15. καὶ ὁ προσήλυτος ἔσται ἔναντι κυρίου (11 a)
— 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 19. ἀφαίρεμα ἀφόρισμα κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 a)
— 21. δώσετε κυρίῳ ἀφαίρεμα (11 a)
— 22. ἃς ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 23. καθὰ συνέταξε κύριος πρὸς ὑμᾶς [A κ. ὑμῖν] (11 a)
— 23. ἧς συνέταξε κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 a)
— 24. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 25. ἤνεγκαν τὸ δῶρον αὐτῶν κάρπωμα κυρίῳ περὶ τῆς ἁμαρτίας αὐτῶν ἔναντι κυρίου (11 a, 11 a)
— 28. καὶ ἁμαρτούσης ἀκουσίως ἔναντι κυρίου (11 a)
— 31. τὸ ῥῆμα κυρίου ἐφαύλισε (11 a)

Nu. 15. 35. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 36. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ M. [A al.] (11 a)
— 37. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 39. μνησθήσεσθε πασῶν τῶν ἐντολῶν κυρίου (11 a)
— 41 bis. ἐγὼ κύριος ὁ θεὸς ὑμῶν (11 a)
16. 3. καὶ ἐν αὐτοῖς κύριος (11 a)
— 3. διὰ τί κατανίστασθε ἐπὶ τὴν συναγωγὴν κυρίου (11 a)
— 7. ἐπίθετε ἐπ' αὐτὰ θυμίαμα ἔναντι κυρίου (11 a)
— 7. ὃν ἐκλέλεκται [B¹ -λέγεται, A ἂν ἐκλέξηται] κύριος (11 a)
— 9. τὰς λειτουργίας τῆς σκηνῆς κυρίου (11 a)
— 15. καὶ εἶπε πρὸς κύριον (11 a)
— 16. γίνεσθε ἕτοιμοι ἔναντι κυρίου (11 a)
— 17. A² B προσάξετε ἔναντι κυρίου (11 a)
— 19. ὤφθη ἡ δόξα κυρίου (11 a)
— 20. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 22. ἐπὶ πᾶσαν τὴν συναγωγὴν ὀργὴ κυρίου –
— 23. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 28. κύριος ἀπέστειλέ με (11 a)
— 29. οὐχὶ κύριος ἀπέσταλκέ με (11 a)
— 30. ἐν φάσματι δείξει κύριος (11 a)
— 30. παρώξυναν οἱ ἄνθρωποι οὗτοι τὸν κ. (11 a)
— 35. πῦρ ἐξῆλθε παρὰ κυρίου (11 a)
— 36 (17. 1). εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 38 (17. 3). προσηνέχθησαν ἔναντι κυρίου (11 a)
— 40 (17. 5). ἐπιθεῖναι θυμίαμα ἔναντι κυρίου (11 a)
— 40 (17. 5). καθὰ ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 41 (17. 6). ὑμεῖς ἀπεκτάγκατε τὸν λαὸν κυρίου (11 a)
— 42 (17. 7). ὤφθη ἡ δόξα κυρίου (11 a)
— 44 (17. 9). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 46 (17. 11). ἐξῆλθε γὰρ ὀργὴ [A¹ om.] ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 a)
17. 1 (16). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 7 (22). ἀπέθηκε Μωυσῆς τὰς ῥάβδους ἔναντι κυρίου (11 a)
— 9 (24). ἐξήνεγκε Μωυσῆς . . . ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 a)
— 10 (25). εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 11 (26). καθὰ [A ὅσα] συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 a)
— 13 (28). πᾶς ὁ ἁπτόμενος τῆς σκηνῆς κυρίου (11 a)
18. 1. εἶπε κύριος πρὸς Ἀαρών (11 a)
— 6. δόμα δεδομένον κυρίῳ (11 a)
— 8. ἐλάλησε κύριος πρὸς Ἀαρών (11 a)
— 12. ὅσα ἂν δῶσι τῷ κυρίῳ (11 a)
— 13. ὅσα ἂν ἐνέγκωσι κυρίῳ (11 a)
— 15. ὅσα [B¹ ἀ] προσφέρουσι κυρίῳ (11 a)
— 17. κάρπωμα εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 19. ὅσα ἐὰν ἀφέλωσιν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. κυρίῳ (11 a)
— 19. διαθήκη ἁλὸς αἰωνίου ἐστιν ἔναντι κυρίου (11 a)
— 20. ἐλάλησε κύριος πρὸς Ἀαρών (11 a)
— 24. ὅσα ἂν ἀφορίσωσι κυρίῳ (11 a)
— 25. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 26. ἀφελεῖτε . . . ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 a)
— 28. ἀπὸ πάντων τῶν ἀφαιρεμάτων κυρίου (11 a)
— 28. A R ἀφαίρεμα κυρίῳ [B om.] Ἀαρὼν τῷ ἱερεῖ (11 a)
— 29. ἀφελεῖτε ἀφαίρεμα κυρίῳ (11 a)
19. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 2. ὅσα συνέταξε κύριος (11 a)
— 13. τὴν σκηνὴν κυρίου ἐμίανεν (11 a)
— 20. τὰ ἅγια κυρίου ἐμίανεν (11 a)
20. 3. ὄφελον ἀπεθάνομεν [A ἀπωλόμεθα] . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 4. ἵνα τί ἀνηγάγετε τὴν συναγωγὴν κυρίου (11 a)
— 6. ὤφθη ἡ δόξα κυρίου πρὸς αὐτούς (11 a)
— 7. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 9. τὴν ῥάβδον τὴν ἀπέναντι κυρίου (11 a)
— 9. καθὰ συνέταξε κύριος –
— 12. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 13. ἐλοιδορήθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἔναντι κυρίου (11 a)
— 16. ἀνεβοήσαμεν πρὸς κύριον (11 a)
— 16. εἰσήκουσε κύριος τῆς φωνῆς ἡμῶν –
— 23. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 27. καθὰ συνέταξε κύριος αὐτῷ [B¹ om.] (11 a)
21. 2. ηὔξατο Ἰσραὴλ εὐχὴν κυρίῳ (11 a)
— 3. εἰσήκουσε κύριος τῆς φωνῆς Ἰσρ. (11 a)
— 6. ἀπέστειλε κύριος . . . τοὺς ὄφεις (11 a)
— 7. κατελαλήσαμεν κατὰ τοῦ κ. (11 a)
— 7. εὔξαι οὖν πρὸς κύριον (11 a)
— 8. A B² R ηὔξατο Μωυσῆς πρὸς κύριον –
— 8. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)

Nu. 21. 14. πόλεμος τοῦ [A om.] κ. τὴν Z. ἐφλύγισε (11 a)
— 16. ὃ εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 34. εἶπε κύριος πρὸς M. (11 a)
22. 8. ἃ ἂν λαλήσῃ κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 13. ἀποτρέχετε πρὸς τὸν κ. ὑμῶν †
— 18. παραβῆναι τὸ ῥῆμα κυρίου τοῦ θεοῦ (11 a)
— 19. τί προσθήσει κύριος λαλῆσαι (11 a)
— 31. ὁρᾷ τὸν ἄγγελον κυρίου [A τοῦ θεοῦ] (11 a)
— 34. εἶπε Βαλαὰμ τῷ ἀγγέλῳ κυρίου (11 a)
23. 8. ὃν μὴ ἀρᾶται κύριος [A ὁ κ.] (4 a)
— 17. τί ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 21. κύριος ὁ θεὸς αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (11 a)
24. 1. καλόν ἐστιν ἐναντίον κυρίου (11 a)
— 6. ἃς ἔπηξε κύριος (11 a)
— 11. ἐστέρησέ σε κύριος τῆς δόξης (11 a)
— 13. παραβῆναι τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
25. 3. ὠργίσθη θυμῷ κύριος τῷ Ἰσρ. (11 a)
— 4. εἶπε κύριος τῷ M. [A πρὸς M.] (11 a)
— 4. παραδειγμάτισον αὐτοὺς κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 a)
— 4. ἀποστραφήσεται ὀργὴ θυμοῦ [B om.] κυρίου (11 a)
— 10, 16: 26. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
26. 4. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ M. (11 a)
— 9. ἐν τῇ ἐπισυστάσει κυρίου (11 a)
— 52. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 61. ἐν τῷ προσφέρειν αὐτοὺς . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 65. εἶπε κύριος [A om.] αὐτοῖς [B¹ -ῷ] (11 a)
27. 3. τῆς ἐπισυστάσης ἔναντι κυρίου (11 a)
— 4 (5). προσήγαγε M. τὴν κρίσιν αὐτῶν ἔναντι κυρίου (11 a)
— 5 (6). ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 11. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 a)
— 12. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 15. εἶπε Μωυσῆς πρὸς κύριον (11 a)
— 16. ἐπισκεψάσθω κύριος . . . ἄνθρωπον (11 a)
— 17. οὐκ ἔσται ἡ συναγωγὴ κυρίου ὡσεὶ πρόβατα (11 a)
— 18. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 21. ἐπερωτήσουσιν αὐτὸν . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
— 22. καθὰ ἐνετείλατο αὐτῷ κύριος (11 a)
— 23. καθάπερ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 a)
28. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 3. ὅσα προσάξετε κυρίῳ (11 a)
— 6. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
— 7. σπείσεις σπονδὴν σίκερα κυρίῳ (11 a)
— 8. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [B¹ -ου] (11 a)
— 11. προσάξετε ὁλοκαυτώματα τῷ [A om.] κ. (11 a)
— 13. θυσίαν ὀσμὴν εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ (11 a)
— 15. χίμαρον . . . ἕνα περὶ ἁμαρτίας κυρίῳ [B¹ -ου] (11 a)
— 16. ἐν τῷ μηνὶ τῷ πρώτῳ . . . πάσχα κυρίῳ [B¹ -ου, A om. π. κ.] (11 a)
— 19. προσάξετε ὁλοκαυτώματα κάρπωμα [B¹ -ματα] κυρίῳ (11 a)
— 24. κάρπωμα εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [B¹ -ίου] (11 a)
— 26. ὅταν προσφέρητε θυσίαν νέαν κυρίῳ (11 a)
— 27 : 29. 2. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ (11 a)
29. 6. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [B¹ -ίου] (11 a)
— 8. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [A om.] καρπώματα κυρίῳ [A om.] (11 a ?, –)
— 11. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κάρπωμα κυρίῳ –
— 12. ἑορτάσατε αὐτὴν ἑορτὴν κυρίῳ [B¹ -ίου] (11 a)
— 13. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας κυρίῳ [B¹ -ίου] (11 a)
— 36. A B¹ καρπώματα κυρίῳ [B²R τῷ κ.] (11 a)
— 39. ταῦτα ποιήσετε κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 a)
30. 1. ὅσα [A ἃ] ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 a)
— 2. ὃς συνέταξε κύριος (11 a)
— 3. ὃς ἂν εὔξηται εὐχὴν κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 a)
— 4. ἐὰν δὲ γυνὴ εὔξηται εὐχὴν κυρίῳ (11 a)
— 6, 9, 13. κύριος καθαριεῖ αὐτήν (11 a)
— 17. ὅσα ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 a)
31. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 3. παρατάξασθε ἔναντι κυρίου †
— 3. ἀποδοῦναι ἐκδίκησιν παρὰ τοῦ κ. (11 a)
— 7. καθὰ ἐνετείλατο κύριος Μωυσῇ (11 a)
— 16. καὶ ὑπεριδεῖν τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 16. ἐγένετο ἡ πληγὴ ἐν τῇ συναγωγῇ κυρίου (11 a)
— 21. ὃ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 a)
— 25. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 28. ἀφελεῖτε τέλος κυρίῳ (11 a)
— 29. δώσεις . . . τῷ ἱερεῖ τὰς ἀπαρχὰς κυρίου (11 a)
— 30. τοῖς φυλάσσουσι τὰς φυλακὰς ἐν τῇ σκηνῇ κυρίου (11 a)

Nu. 31. 31. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 a)
— 37. ἐγένετο τὸ τέλος κυρίῳ (11 a)
— 38, 39. καὶ τὸ τέλος κυρίῳ (11 a)
— 40. καὶ τὸ τέλος αὐτῶν κυρίῳ (11 a)
— 41. ἔδωκε Μωυσῆς τὸ τέλος κυρίῳ –
— 41. καθὰ συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 a)
— 47. τοῖς φυλάσσουσι τὰς φυλακὰς σκηνῆς κυρίου ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 a, 11 a)
— 50. προσενηνύχαμεν τὸ δῶρον κυρίῳ (11 a)
— 50. ἐξιλάσασθαι περὶ ἡμῶν ἔναντι κυρίου (11 a)
— 52. ὃ ἀφεῖλον κυρίῳ (11 a)
— 54. μνημόσυνον τῶν υἱῶν Ἰσρ. ἔναντι κυρίου (11 a)
32. 4. ἣν παραδέδωκε κύριος ἐνώπιον τῶν υἱῶν Ἰσρ. (11 a)
— 7. ἣν κύριος δίδωσιν αὐτοῖς (11 a)
— 9. ἣν ἔδωκε κύριος αὐτοῖς (11 a)
— 10. ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)
— 12. συνεπηκολούθησαν ὀπίσω κυρίου [A μου] (11 a)
— 13. ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)
— 13. οἱ ποιοῦντες τὰ πονηρὰ ἔναντι κυρίου (11 a)
— 14. προσθεῖναι ἔτι ἐπὶ τὸν θυμὸν τῆς ὀργῆς κυρίου (11 a)
— 20. ἐὰν ἐξοπλίσησθε ἔναντι κυρίου (11 a)
— 21. παρελεύσεται . . . τὸν Ἰορδάνην ἔναντι κυρίου (11 a)
— 22. καὶ κατακυριευθῇ ἡ γῆ ἔναντι κυρίου (11 a)
— 22. ἔσεσθε ἀθῷοι ἔναντι κυρίου (11 a)
— 22. ἐν κατασχέσει ἔναντι κυρίου (11 a)
— 23. ἁμαρτήσεσθε ἔναντι κυρίου (11 a)
— 25. καθὰ ὁ κ. ἡμῶν ἐντέλλεται (1)
— 27. ἐκτεταγμένοι ἔναντι κυρίου εἰς τὸν πόλεμον, ὃν τρόπον ὁ κ. λέγει (11 a, 1)
— 29. ἐὰν διαβῶσιν . . . εἰς πόλεμον ἔναντι κυρίου (11 a)
— 30. ἐὰν δὲ μὴ διαβῶσιν . . . ἔναντι κυρίου –
— 31. ὅσα ὁ κ. λέγει τοῖς θεράπουσιν (11 a)
— 32. διαβησόμεθα . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
33. 2. ἔγραψε Μωυσῆς . . . διὰ ῥήματος κυρίου (11 a)
— 4. οὓς [A ὅσους] ἐπάταξε κύριος (11 a)
— 4. ἐποίησε τὴν ἐκδίκησιν κύριος (11 a)
— 38. ἀνέβη Ἀαρὼν . . . διὰ προστάγματος κυρίου (11 a)
— 50: 34. 1. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
34. 13. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος (11 a)
— 16. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 29. τούτοις [A οὗτοι οἷς] ἐνετείλατο κύριος (11 a)
35. 1, 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 34. ἐγὼ γάρ εἰμι κύριος (11 a)
36. 2. τῷ κ. ἡμῶν ἐνετείλατο κύριος (1, 11 a)
— 2. τῷ κ. συνέταξε κύριος (1, 11 a)
— 5. ἐνετείλατο M. . . . διὰ προστάγματος κυρίου (11 a)
— 6. ὁ συνέταξε κύριος ταῖς θυγατράσι Σ. (11 a)
— 10. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος M. [A πρὸς M.] (11 a)
— 13. ἃ ἐνετείλατο κύριος (11 a)
De. 1. 3. ὅσα ἐνετείλατο κύριος αὐτῷ (11 a)
— 6. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἐλάλησεν ἡμῖν (11 a)
— 10. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν ἐπλήθυνεν ὑμᾶς (11 a)
— 11. κ. ὁ θεὸς τῶν πατέρων ὑμῶν (11 a)
— 19. καθότι ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἡμῖν (11 a)
— 20. ὃ ὁ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν ὑμῖν (11 a)
— 21. παραδέδωκεν ἡμῖν κ. ὁ θεὸς . . . τὴν γῆν (11 a)
— 21. ὃν τρόπον εἶπε κ. ὁ θεός (11 a)
— 25. ἣν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν ἡμῖν (11 a)
— 26. ἠπειθήσατε τῷ ῥήματι κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 a)
— 27. διὰ τὸ μισεῖν κύριον ἡμᾶς (11 a)
— 30. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν ὁ προπορευόμενος (11 a)
— 31. ἐτροφοφόρησέν σε κ. ὁ θεὸς σου (11 a)
— 32. οὐκ ἐνεπιστεύσατε κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 a)
— 34. ἤκουσε κύριος τὴν φωνὴν τῶν λόγων ὑμῶν (11 a)
— 36. διὰ τὸ προσκεῖσθαι αὐτὸν τὰ πρὸς κύριον (11 a)
— 37. ἐμοὶ ἐθυμώθη κύριος δι' ὑμᾶς (11 a)
— 41. ἡμάρτομεν ἔναντι [A -τίον] κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (18 a)
— 41. ὅσα ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἡμῖν (11 a)
— 42. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 43. παρέβητε τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 45. ἐκλαίετε ἔναντι κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν [A om. τ. θ. ἡ.] (18 a [11 a])
— 45. οὐκ εἰσήκουσε κύριος τῆς φωνῆς ὑμῶν (11 a)
De. 2. 1. ὃν τρόπον ἐλάλησε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 2. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 7. ὁ γὰρ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν εὐλόγησέ σε (11 a)
— 7. τεσσαράκοντα ἔτη κ. ὁ θεὸς σου μετὰ σοῦ (11 a)
— 9. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 12. ἣν δέδωκε κύριος αὐτοῖς (11 a)
— 14. καθότι ὤμοσε κύριος [B¹ om.] ὁ θεός [A om. ὁ θ.] (18 a [11 a])
— 15. A ἡ χεὶρ κυρίου [B τοῦ θεοῦ] ἦν ἐπ' αὐτοῖς (11 a)
— 17. ἐλάλησε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 21. ἀπώλεσεν αὐτοὺς κύριος (11 a)
— 29. ἣν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν ἡμῖν (11 a)
— 30. ἐσκλήρυνε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν τὸ πνεῦμα αὐτοῦ (11 a)
— 31. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 33. παρέδωκεν αὐτὸν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 36. τὰς πάσας παρέδωκε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 37. καθότι ἐνετείλατο ἡμῖν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
3. 2. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 3. παρέδωκεν αὐτὸν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 18. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν ἔδωκεν ὑμῖν (11 a)
— 20. ἕως ἂν καταπαύσῃ κ. ὁ θεός (18 a)
— 20. ἣν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν αὐτοῖς (11 a)
— 21. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 21. οὕτως ποιήσει κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (18 a)
— 22. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν αὐτὸς πολεμήσει (11 a)
— 23. καὶ ἐδεήθην κυρίου [B¹ ἐναντίον κ.] (11 a)
— 24. A B² κύριε κύριε [B¹ κ. ὁ θεός, B κ. θεέ] (2, 11 b)
— 26. ὑπερεῖδε κύριος ἐμέ (11 a)
— 26. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)
4. 1. ἣν κ. ὁ θεὸς τῶν πατέρων ὑμῶν δίδωσιν ὑμῖν (11 a)
— 2. φυλάσσεσθε τὰς ἐντολὰς κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 a)
— 3. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (18 a)
— 3. ἐξέτριψεν αὐτὸν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 4. ὑμεῖς δὲ οἱ προσκείμενοι κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 a)
— 5. καθὰ ἐνετείλατό μοι κύριος [A κ. ὁ θεός μου] (11 a + 6 [11 a])
— 7. ὡς κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἐν πᾶσιν (11 a)
— 10. ἔστητε ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 a)
— 10. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 12. ἐλάλησε κύριος [B² κ. ὁ θεὸς] πρὸς ὑμᾶς (11 a [18 a])
— 14. ἐμοὶ ἐνετείλατο κύριος (11 a)
— 15. ᾗ ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 a)
— 19. ἃ ἀπένειμε κ. ὁ θεὸς σου αὐτά [B² om.] (11 a)
— 20. A ὑμᾶς δὲ ἔλαβεν κ. [B om.] ὁ θεός (18 a)
— 21. A B¹ κύριος [B² R κ. ὁ θεὸς] ἐθυμώθη μοι (11 a [18 a])
— 21. ἣν κ. ὁ θεός σου [A om.] δίδωσι (11 a)
— 23. μὴ ἐπιλάθησθε τὴν διαθήκην κ. τοῦ θεοῦ (11 a)
— 23. ὃν συνέταξέ σοι κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 24. κ. ὁ θεός σου πῦρ καταναλίσκον ἐστι (11 a)
— 25. καὶ ποιήσητε τὸ πονηρὸν [B¹ τὰ π.] ἐναντίον [A -τι] κυρίου τοῦ θεοῦ (11 a)
— 27. διασπερεῖ κύριος ὑμᾶς (11 a)
— 27. εἰς οὓς εἰσάξει κύριος ὑμᾶς ἐκεῖ (11 a)
— 29. ζητήσετε [A ἐκζ.] ἐκεῖ κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 a)
— 30. ἐπιστραφήσῃ πρὸς [A ἐπὶ] κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 31. θεὸς οἰκτίρμων κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 31. ἣν ὤμοσεν αὐτοῖς κύριος [A B¹ om.] –
— 34. ὅσα ἐποίησε κ. [B¹ om.] ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 35. κ. ὁ θεός σου οὗτος [A αὐτὸς] θεός ἐστι (18 a)
— 39. κ. ὁ θεὸς σου οὗτος θεός (18 a)
— 40. ἧς κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
5. 2. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν διέθετο πρὸς ὑμᾶς (11 a)
— 3. οὐχὶ τοῖς πατράσιν ὑμῶν διέθετο κύριος [A om.] (11 a)
— 4. ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 a)
— 5. εἱστήκειν ἀνὰ μέσον κυρίου καὶ ὑμῶν (11 a)
— 5. ἀναγγεῖλαι ὑμῖν τὰ ῥήματα [A ἐνώπιον κυρίου] (11 a)
— 6. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 9. ὅτι ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 11. οὐ λήψῃ τὸ ὄνομα κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 11. A B¹ οὐ γὰρ μὴ καθαρίσῃ κ. [B² R κ. ὁ θεός σου] (11 a [18 a])
— 12. ὃν τρόπον ἐνετείλατό σοι κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 14. σάββατα κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 14. B¹ ἐποίησεν κύριος τόν τε οὐρανόν –
— 15. ἐξήγαγέ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 15. συνέταξέ σοι [A σε] κ. ὁ θεός σου (11 a)
De. 5. 16. ὃν τρόπον ἐνετείλατό σοι [B¹ om.] κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 16. ἧς κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 22 (19). τὰ ῥήματα ταῦτα ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 22 (19). καὶ ἔδωκέ μοι [B² add. κύριος] –
— 24 (21). ἔδειξεν ἡμῖν κ. ὁ θεὸς ἡ. τὴν δόξαν αὐ. (11 a)
— 25 (22). ἀκοῦσαι τὴν φωνὴν κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 a)
— 27 (24). ὅσα ἐὰν εἴπῃ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 27 (24). A B² R ὅσα ἂν λαλήσει κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 28 (25). ἤκουσε κύριος τὴν φωνὴν τῶν λόγων ὑμῶν (11 a)
— 28 (25). εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 32 (29). ὃν τρόπον ἐνετείλατό σοι κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 33 (30). ἣν ἐνετείλατό σοι κ. ὁ θεός σου (11 a)
6. 1. ὅσα ἐνετείλατο κ. [B¹ om.] ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 2. ἵνα φοβῆσθε κ. τὸν θεὸν ὑμῶν (11 a)
— 3. καθάπερ ἐλάλησε κ. ὁ θεὸς τῶν πατέρων σου (11 a)
— 3. ὅσα ἐνετείλατο κύριος [B¹ Μωυσῆς] τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. –
— 4. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν κ. εἷς ἐστι (11 a, 11 a)
— 5. ἀγαπήσεις κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 10. ὅταν εἰσαγάγῃ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 10. B ἣν ὤμοσε κύριος [A B om.] –
— 12. μὴ ἐπιλάθῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (18 a)
— 13. κ. τὸν θεόν σου φοβηθήσῃ [A προσκυνήσεις] (11 a)
— 15. θεὸς ζηλωτὴς κ. ὁ θεός σου ἐν σοί (11 a)
— 15. A B¹ μὴ ὀργισθεὶς θυμωθῇ [B² R -μῷ] κ. ὁ θεός σού σοι (11 a)
— 16. οὐκ ἐκπειράσεις κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 17. φυλάξῃ τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 18. τὸ καλὸν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (18 a)
— 18. ἣν ὤμοσε κύριος (11 a)
— 19. καθὰ ἐλάλησε κύριος [A om.] (11 a)
— 20. ὅσα ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἡμῖν (11 a)
— 21. ἐξήγαγεν ἡμᾶς κύριος ἐκεῖθεν (11 a)
— 22. ἔδωκε κύριος σημεῖα (11 a)
— 23. A ἐξήγαγεν ἡμᾶς κ. ὁ θεὸς ἡμῶν [B om. κ. ὁ θ. ἡ.] –
— 23. A ἣν ὤμοσεν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν [B om. κ. ὁ θ. ἡ.] –
— 24. ἐνετείλατο ἡμῖν κύριος (11 a)
— 24. φοβεῖσθαι κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 a)
— 25. ποιεῖν . . . ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 a)
— 25. B καθὰ ἐνετείλατο ἡμῖν κύριος [A B om.] –
7. 1. ἐὰν δὲ εἰσαγάγῃ σε κ. ὁ θεός [A al.] (11 a)
— 2. παραδώσει αὐτοὺς κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 4. ὀργισθήσεται θυμῷ κύριος (11 a)
— 6. λαὸς ἅγιος εἶ κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 6. σὲ προείλατο κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 7. B προείλατο κύριος ὑμᾶς καὶ ἐξελέξατο κύριος [A B om.] ὑμᾶς (11 a, –)
— 8. παρὰ τὸ ἀγαπᾶν κύριον ὑμᾶς (11 a)
— 8. ἐξήγαγεν ὑμᾶς κύριος [A κ. ὐ. ἐκεῖθεν] (11 a)
— 8. ἐλυτρώσατό σε [B¹ om.] κύριος [A B¹ om.] –
— 9. κ. ὁ θεός σου οὗτος θεός (11 a)
— 12. διαφυλάξει κ. ὁ θεός σού σοι τὴν διαθήκην (11 a)
— 13. B¹ ἀγαπήσει σε κύριος [A B² R om.] –
— 13. A R ἧς [B ὡς] ὤμοσε κύριος –
— 15. A B² περιελεῖ κ. ὁ θεός [B¹ om. ὁ θ.] (18 a [11 a])
— 16. ἃ κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 18. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 19. ὡς ἐξήγαγέ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 19, οὕτω ποιήσει κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 a)
— 20. AB R τὰς σφηκίας ἀποστελεῖ κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 21. κ. ὁ θεός σου ἐν σοί (11 a)
— 22. καταναλώσει κ. ὁ θεός σου τὰ ἔθνη (11 a)
— 23. παραδώσει αὐτοὺς κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 25. βδέλυγμα κ. τῷ θεῷ σού ἐστι (11 a)
8. 1. ἣν ὤμοσε κ. ὁ θεὸς ὑμῶν [A om. ὁ θ. ὐ.] (11 a [18 a])
— 2. ἣν ἤγαγέ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 5. οὕτω κ. ὁ θεός σου παιδεύσει σε (11 a)
— 6. φυλάξῃ τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 7. ὁ γὰρ κ. ὁ θεός σου εἰσάξει σε (11 a)
— 10. εὐλογήσεις κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 10. ἧς ἔδωκέν σοι κύριος [A B¹ R om.] –
— 11. μὴ ἐπιλάθῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)

De. 8. 14. καὶ ἐπιλάθῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 18. μνησθήσῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 18. ἣν ὤμοσε κύριος [A *om.*] τοῖς πατράσι σου –
— 19. ἐὰν λήθῃ ἐπιλάθῃ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 20. A B[1] ὅσα κ. [B[2]R κ. ὁ θεὸς] ἀπολλύει (11 *a* [18 *a*])
— 20. οὐκ ἠκούσατε τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
9. 3. κ. ὁ θεός σου οὗτος προπορεύσεται (11 *a*)
— 3. καθάπερ εἶπέ σοι κύριος (11 *a*)
— 4. ἐν τῷ ἐξαναλῶσαι κ. τὸν θεόν σου τὰ ἔθνη (11 *a*)
— 4. εἰσήγαγέ με κύριος (11 *a*)
— 4. A κύριος ἐξολεθρεύσει αὐτούς (11 *a*)
— 5. κύριός ἐξολεθρεύσει αὐτούς (11 *a* + 6)
— 5. A R ἣν ὤμοσε κύριος [B *om.*] τοῖς πατράσιν ἡμῶν (11 *a*)
— 6. κ. ὁ θεός σου [A *om.*] δίδωσί σοι τὴν γῆν (11 *a*)
— 7. ὅσα παρώξυνας κ. τὸν θεόν σου (11 *a*)
— 7. ἀπειθοῦντες διετελεῖτε τὰ πρὸς κύριον (11 *a*)
— 8. παρωξύνατε κύριον (11 *a*)
— 8. A R ἐθυμώθη κύριος [B *om.*] ἐφ' ὑμῖν (11 *a*)
— 9. ἃς διέθετο κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 *a*)
— 10. ἔδωκέ μοι κύριος τὰς δύο πλάκας (11 *a*)
— 10. οὓς ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 *a*)
— 11. ἔδωκε κύριος ἐμοὶ τὰς δύο πλάκας (11 *a*)
— 12, 13. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 *a*)
— 16. ἡμάρτετε ἐναντίον [A -τι] κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 16. ἧς ἐνετείλατο κύριος ὑμῖν (11 *a*)
— 18. ἐδεήθην ἐναντίον [A -τι] κυρίου δεύτερον (11 *a*)
— 18. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐναντίον [A -τι] κ. τοῦ θεοῦ (18 *a*)
— 19. παρωξύνθη κύριος ἐφ' ὑμῖν (11 *a*)
— 19. εἰσήκουσε κύριος ἐμοῦ (11 *a*)
— 20. A ἐπὶ Ἀαρὼν ἐθυμώθη κύριος [B *om.*] (11 *a*)
— 22. παροξύνοντες ἦτε κύριον [A κ. τὸν θεὸν ὑμῶν] (11 *a* [18 *a*])
— 23. ὅτε ἐξαπέστειλεν [A ἀπ.] ὑμᾶς κύριος (11 *a*)
— 23. ἠπειθήσατε τῷ ῥήματι κυρίου τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 24. ἀπειθοῦντες ἦτε τὰ πρὸς κύριον (11 *a*)
— 25. ἐδεήθην ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 25. εἶπε γὰρ κύριος ἐξολεθρεῦσαι ὑμᾶς (11 *a*)
— 26. A B κύριε κύριε [B *om.*] βασιλεῦ τῶν θεῶν (2, 11 *b*)
— 28. παρὰ τὸ μὴ δύνασθαι κύριον εἰσαγαγεῖν (11 *a*)
— 28. A παρὰ τὸ μισῆσαι κύριον [B *om.*] αὐτούς –
10. 1. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 *a*)
— 4. οὓς ἐλάλησε κύριος πρὸς ὑμᾶς (11 *a*)
— 4. ἔδωκεν αὐτὰς κύριος ἐμοί (11 *a*)
— 5. καθὰ ἐνετείλατό μοι κύριος (11 *a*)
— 8. διέστειλε κύριος τὴν φυλήν (11 *a*)
— 8. αἴρειν τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου παρεστάναι ἔναντι κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 9. κύριος αὐτὸς κλῆρος αὐτοῦ (11 *a*)
— 10. A B εἰσήκουσε [B ἦκ.] κύριος ἐμοῦ (11 *a*)
— 10. οὐκ ἠθέλησε κύριος ἐξολεθρεῦσαι ὑμᾶς (11 *a*)
— 11. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 *a*)
— 12. τί κ. ὁ θεός σου αἰτεῖται παρὰ σοῦ ἀλλ' ἢ φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν σου (11 *a*, 11 *a*)
— 12. λατρεύειν κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 13. φυλάσσεσθαι τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θεοῦ σου (18 *a*)
— 14. κ. τοῦ θεοῦ [B[1] κ. ὁ θεός] σου ὁ οὐρανός (11 *a*)
— 15. τοὺς πατέρας ὑμῶν προείλατο κύριος (11 *a*)
— 17. ὁ γὰρ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν οὗτος θεὸς τῶν θεῶν καὶ κ. τῶν κ. (11 *a*, 1, 1)
— 20. κ. τὸν θεόν σου φοβηθήσῃ [A προσκυνήσεις] (11 *a*)
— 22. ἐποίησέ σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
11. 1. ἀγαπήσεις κ. τὸν θεόν σου (11 *a*)
— 2. τὴν παιδείαν κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 4. ἀπώλεσεν αὐτοὺς κύριος [A κ. ὁ θεός] (11 *a* [18 *a*])
— 7. ἑώρακαν πάντα τὰ ἔργα κυρίου (11 *a*)
— 9. ἧς ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσιν ὑμῶν (11 *a*)
— 12. ἣν κ. ὁ θεός σου ἐπισκοπεῖται αὐτήν (11 *a*)
— 12. οἱ ὀφθαλμοὶ κ. τοῦ θεοῦ σου ἐπ' αὐτῆς (11 *a*)
— 13. ἀγαπᾶν κ. τὸν θεόν σου (11 *a*)
— 17. θυμωθεὶς ὀργῇ [A ὀργισθῇ] κύριος ἐφ' ὑμῖν (11 *a*)
— 17. ἧς ἔδωκεν ὁ κ. [A θεὸς] ὑμῖν (11 *a*)
— 21. ἧς ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσιν ὑμῶν (11 *a*)
— 22. ἀγαπᾶν κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 *a*)
— 23. ἐκβαλεῖ κύριος πάντα τὰ ἔθνη ταῦτα (11 *a*)

De. 11. 25. τὸν τρόμον ὑμῶν ἐπιθήσει κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 25. A ὃν τρόπον ἐλάλησε κύριος [B *om.*] πρὸς ὑμᾶς –
— 27. ἐὰν ἀκούσητε τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 28. ἐὰν μὴ ἀκούσητε [A εἰσακ.] τὰς ἐντολὰς κυρίου τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 29. ὅταν εἰσαγάγῃ σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 31. ἣν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν ὑμῖν (11 *a*)
12. 1. A R ἣν [B ᾗ] κ. ὁ θεὸς . . . δίδωσιν (11 *a*)
— 4. οὐ ποιήσετε οὕτω κ. τῷ θεῷ ὑμῶν (11 *a*)
— 5. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 7. φάγεσθε ἐκεῖ ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 7. καθότι εὐλόγησέ σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 9. ἣν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν ὑμῖν (11 *a*)
— 10. ἧς κ. ὁ θεὸς ἡμῶν κατακληρονομεῖ ὑμῖν (11 *a*)
— 11. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 11. R ὅσα ἂν εὔξησθε κ. [A B *om.*] τῷ θεῷ ὑμῶν (18 *a*)
— 12. εὐφρανθήσεσθε ἐναντίον [A -τι] κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 14. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου αὐτόν (18 *a*)
— 15. κατὰ τὴν εὐλογίαν κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 18. ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου φάγῃ αὐτό (11 *a*)
— 18. ᾧ [A οὗ] ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου αὐτῷ (11 *a*)
— 18. εὐφρανθήσῃ ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 20. ἐὰν δὲ ἐμπλατύνῃ κ. ὁ θεός σου τὰ ὅριά σου (11 *a*)
— 21. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 25. τὸ ἀρεστὸν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (18 *a*)
— 26. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 27. A R ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 27. A R πρὸς τὴν βάσιν τοῦ θυσιαστηρίου κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 28. τὸ ἀρεστὸν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 29. ἐὰν δὲ ἐξολεθρεύσῃ κ. ὁ θεός σου τὰ ἔθνη (11 *a*)
— 31. A οὐ ποιήσεις οὕτω κ. [B *om.*] τῷ θεῷ σου τὰ βδελύγματα γὰρ ὁ κ. ἐμίσησεν [B *al.*] (11 *a*, 11 *a*)
13. 3 (4). πειράζει κ. ὁ θεός σου [A ὑμῶν] ὑμᾶς (11 *a*)
— 3 (4). A εἰ ἀγαπᾶτε κ. [B *om.*] τὸν θεὸν ὑμῶν (11 *a*)
— 4 (5). ὀπίσω κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν πορεύεσθε (11 *a*)
— 5 (6). πλανῆσαί σε ἀπὸ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 5 (6). ἧς ἐνετείλατό σοι κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 10 (11). ἀποστῆσαί σε ἀπὸ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 12 (13). ἣν κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 16 (17). ἐμπρήσεις τὴν πόλιν . . . ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 17 (18). ἵνα ἀποστραφῇ κύριος ἀπὸ θυμοῦ (11 *a*)
— 17 (18). A ὃν τρόπον ὤμοσε κύριος [B *om.*] τοῖς πατράσι σου –
— 18 (19). ἐὰν ἀκούσῃς [A εἰσακούσητε] τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 18 (19). τὸ καλὸν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
14. 1. υἱοί ἐστε κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 2. λαὸς ἅγιος εἶ κ. τῷ θεῷ σου καὶ σὲ ἐξελέξατο κ. ὁ θεός σου (11 *a*, 18 *a*)
— 21. λαὸς ἅγιος εἶ κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 23. A φάγῃ αὐτὸ ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ σου [B *om.* ἔ. κ. τ. θ. σ.] (11 *a*)
— 23. ᾧ ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου –
— 23. ἵνα μάθῃς φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν σου (11 *a*)
— 24. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 24. εὐλογήσει σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 25. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου [A *om.*] αὐτόν (11 *a*)
— 26. φάγῃ ἐκεῖ ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 29. ἵνα εὐλογήσῃ σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
15. 2. ἄφεσις κ. τῷ θεῷ σου (18 *a*)
— 4. εὐλογήσει σε κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 4. ᾗ κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 5. εἰσακούσητε τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 6. κ. ὁ θεός σου εὐλογήσέ σε (11 *a*)
— 7. ᾗ κύριος ὁ θ. σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 9. καὶ καταβοήσεται [A β.] κατὰ σοῦ πρὸς κύριον (11 *a*)
— 10. εὐλογήσει σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 14. καθὰ εὐλόγησέ σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 15. A B[2] R ἐλυτρώσατο σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 18. εὐλογήσει σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 19. τὰ ἀρσενικὰ ἁγιάσεις κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)

De. 15. 20. ἔναντι κυρίου [A κ. τοῦ θεοῦ σου] φάγῃ αὐτό (11 *a* + 6 [11 *a*])
— 20. ᾧ ἐὰν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 21. οὐ θύσεις αὐτὸ κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
16. 1. ποιήσεις τὸ πάσχα κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 2. θύσεις τὸ πάσχα κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 2. ᾧ ἐὰν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 5. ὧν κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 6. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 7. οὗ [A ᾧ] ἐὰν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου αὐτόν (11 *a*)
— 8. ἐξόδιον ἑορτὴ κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 10. ποιήσεις ἑορτὴν ἑβδομάδων κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 10. ὅσα ἂν δῷ [A *add.* σοι καθότι ηὐλόγησέν σε] κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 11. R εὐφρανθήσῃ ἐναντίον κ. [A B *om.*] τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 11. ᾧ ἐὰν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου αὐτόν (11 *a*)
— 14. A εὐφρανθήσῃ ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ [B ἐν τῇ ἑορτῇ] σου †
— 15. ἑορτάσεις κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 15. ᾧ ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 15. ἐὰν δὲ εὐλογήσῃ σε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 16. ὀφθήσεται . . . ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 16. ᾧ ἐὰν ἐκλέξηται αὐτὸν [A *om.*] κύριος –
— 16. οὐκ ὀφθήσῃ ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ σου κενός (18 *a*)
— 17. κατὰ τὴν εὐλογίαν κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 18. αἷς κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 20. ἣν κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 21. A παρὰ τὸ θυσιαστήριον κ. [B *om.*] τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 22. ἃ ἐμίσησε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
17. 1. οὐ θύσεις [A προσοίσεις] κ. τῷ θεῷ σου μόσχον (11 *a*)
— 1. βδέλυγμα κ. τῷ θεῷ σού ἐστιν (11 *a*)
— 2. ὧν κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 2. τὸ πονηρὸν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 8. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 10. οὗ ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 12. λειτουργεῖν ἐπὶ τῷ ὀνόματι κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 14. ἣν κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 15. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεὸς [A θ. σου] αὐτόν (11 *a*)
— 16. ὁ δὲ κ. εἶπεν [A *add.* ὑμῖν] (11 *a*)
— 19. ἵνα μάθῃ φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν σου [A αὐτοῦ] (11 *a*)
18. 1. καρπώματα κυρίου [A -μα κυρίῳ] ὁ κλῆρος αὐτῶν (11 *a*)
— 2. κ. αὐτὸς κλῆρος αὐτοῦ (11 *a*)
— 5. αὐτὸν ἐξελέξατο κύριος [A κ. ὁ θεός σου] (11 *a* + 6 [11 *a*])
— 5. παρεστάναι ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ [A θ. σου] –
— 5. A εὐλογεῖν ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου [B αὐτοῦ] (11 *a*)
— 6. A ὃν ἂν ἐκλέξηται κύριος [B *om.*] (11 *a*)
— 7. λειτουργήσει τῷ ὀνόματι κ. τοῦ θεοῦ αὐτοῦ (11 *a*)
— 7. οἱ παρεστηκότες ἐκεῖ ἐναντίον [A -τι] κυρίου τοῦ θεοῦ σου [A *om.* τ. θ. σ.] (18 *a* [11 *a*])
— 9. ἣν κ. ὁ θεός σου [A *om.*] δίδωσί σοι (11 *a*)
— 12. ἔστι γὰρ βδέλυγμα κ. τῷ θεῷ σου (18 *a*)
— 12. κύριος [A κ. ὁ θεός σου] ἐξολεθρεύσει αὐτούς (11 *a* + 6 [11 *a*])
— 13. τέλειος ἔσῃ ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 14. οὐχ οὕτως ἔδωκε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 15. προφήτην . . . ἀναστήσει σοι κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 16. ὅσα ᾔτησω παρὰ κ. τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 16. ἀκοῦσαι τὴν φωνὴν κ. τοῦ θεοῦ σου [A ἡμῶν] (11 *a*)
— 17. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 *a*)
— 21. ὃ οὐκ ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
— 22. ὅσα ἐὰν λαλήσῃ ὁ προφήτης ἐκεῖνος [A ἐπὶ] τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 22. ὃ οὐκ ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
19. 1. ἐὰν δὲ ἀφανίσῃ κ. ὁ θεός σου τὰ ἔθνη (11 *a*)
— 2. ἧς κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 *a*)
— 3. ἣν καταμερίζει σοι κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 8. ἐὰν δὲ ἐμπλατύνῃ κ. ὁ θεός σου τὰ ὅριά σου (11 *a*)
— 8. καὶ δῷ σοι κύριος πᾶσαν τὴν γῆν –
— 9. ἀγαπᾶν κ. τὸν θεόν σου (11 *a*)

De. 19. 10. ἢ [A ἦν] κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 14. A R ἦν [B ἢ] κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 17. ἔναντι κυρίου καὶ ἔναντι τῶν ἱερέων (11 a)
20. 1. ὅτι κ. ὁ θεός σου μετὰ σοῦ (11 a)
— 4. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν ὁ προπορευόμενος (11 a)
— 13. ἕως ἂν παραδῷ σοι [A καὶ παραδώσει] αὐτὴν κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 14, 15. ὃν κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 17. ὃν τρόπον ἐνετείλατό σοι κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 18. καὶ ἁμαρτήσεσθε ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 a)
21. 1. ἢ [A ἦν] κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 5. αὐτοὺς ἐπέλεξε [A ἐξελέξατο] κ. ὁ θεός (11 a)
— 8. οὓς ἐλυτρώσω, κύριε (11 a)
— 9. τὸ ἀρεστὸν ἐναντι κ. [A om.] τοῦ θεοῦ (18 a)
— 10. καὶ παραδῷ σοι [A αὐτοὺς] κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 23. ἣν κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
22. 5. βδέλυγμα κ. τῷ θεῷ σού ἐστι πᾶς ποιῶν ταῦτα (11 a)
23. 1 (2). οὐκ εἰσελεύσεται . . . εἰς ἐκκλησίαν [A² οἶκον] κυρίου (11 a)
— 2 (3) (A² B² R), 3 (4) *bis*. οὐκ εἰσελεύσεται . . . εἰς ἐκκλησίαν κυρίου (11 a)
— 5 (6). οὐκ ἠθέλησε κ. ὁ θεός σου εἰσακοῦσαι τοῦ B. καὶ μετέστρεψε κ. ὁ θεός σου τὰς κατάρας (11 a, 11 a)
— 5 (6). ἠγάπησέ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 8 (9). εἰσελεύσονται εἰς ἐκκλησίαν κυρίου (11 a)
— 14 (15). κ. ὁ θεὸς σου ἐμπεριπατεῖ ἐν τῇ παρεμβολῇ (11 a)
— 15 (16). A R οὐ παραδώσεις παῖδα τῷ κ. αὐτοῦ [B om.] ὃς προστέθειταί σοι παρὰ τοῦ κ. αὐτοῦ (1, 1)
— 18 (19). εἰς τὸν οἶκον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 18 (19). βδέλυγμα κ. τῷ θεῷ σού ἐστι (11 a)
— 20 (21). ἵνα εὐλογήσῃ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 21 (22). ἐὰν δὲ εὔξῃ εὐχὴν κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 21 (22). ἐκζητήσει κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 23 (24). A R ὃν τρόπον ηὔξω κ. [B om.] τῷ θεῷ (11 a)
24. 4. βδέλυγμά ἐστιν ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (18 a)
— 4. ἣν κ. ὁ θεός σου [A ὑμῶν] δίδωσί σοι (11 a)
— 9. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 13. ἐλεημοσύνη ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 15. καταβοήσεται κατὰ [A οὐ κ. περὶ] σοῦ πρὸς κύριον (11 a)
— 18. ἐλυτρώσατό σε κ. ὁ θεός σου ἐκεῖθεν (11 a)
— 19. ἵνα εὐλογήσῃ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
25. 15. ἧς κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 16. A B² R ὅτι βδέλυγμα κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 18. A καὶ οὐκ ἐφοβήθη τὸν κ. [B θεόν] (6)
— 19. ἡνίκα ἐὰν καταπαύσῃ σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 19. ᾗ κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
26. 1. ἣν κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 2. ἧς [A ἦν] κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 2. ὃν ἂν ἐκλέξηται κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 3. ἀναγγέλλω σήμερον κ. τῷ θεῷ μου (11 a)
— 3. ἣν ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσιν ἡμῶν (11 a)
— 4. ἀπέναντι τοῦ θυσιαστηρίου κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 5. ἐρεῖ [A -εῖς] ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 7. ἀνεβοήσαμεν πρὸς κ. τὸν θεόν (11 a)
— 7. εἰσήκουσε κύριος τῆς φωνῆς ἡμῶν (11 a)
— 8. ἐξήγαγεν ἡμᾶς κύριος (11 a)
— 10. ἧς ἔδωκάς μοι, κύριε [A om.] (11 a)
— 10. A R ἀφήσεις αὐτὰ ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 10. προσκυνήσεις [A add. ἐκεῖ] ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 11. οἷς ἔδωκέ σοι κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 13. ἐρεῖς ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 14. A R ὑπήκουσα [B ἐπήκ.] τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ (11 a)
— 16. κ. ὁ θεός σου ἐνετείλατό σοι (11 a)
— 18. κύριος εἵλατό σε σήμερον (11 a)
— 19. εἶναί σε λαὸν ἅγιον κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
27. 2. ἣν κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 3. ἣν κ. ὁ θεὸς τῶν πατέρων σου δίδωσί σοι (11 a)
— 3. ὃν τρόπον εἶπε κ. ὁ θεὸς τῶν πατέρων σού σοι (11 a)
— 5. οἰκοδομήσεις ἐκεῖ θυσιαστήριον κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 6. οἰκοδομήσεις θυσιαστήριον κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 6. ἀνοίσεις . . . κ. τῷ θεῳ σου (11 a)
— 7. A θυσιαστήριον κ. τῷ θεῷ σου –
— 7. εὐφρανθήσῃ ἔναντι κ. του θεοῦ σου (11 a)

De. 27. 9. γέγονας εἰς λαὸν κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 10. εἰσακούσῃ τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 15. ὅστις ποιήσει . . . χωνευτὸν βδέλυγμα κυρίῳ (11 a)
28. 1. A ἦν κ. ὁ θεὸς ὑμῶν δίδωσιν ὑμῖν –
— 1. ἐὰν . . . ἀκούσῃς [A εἰσακούσητε] φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ (11 a)
— 1. δώσει σε κ. ὁ θεός σου [A om.] ὑπεράνω (11 a)
— 2. ἐὰν . . . ἀκούσῃς [A εἰσακ.] τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 7. παραδῷ [A add. σοι] κ. ὁ θεός σου τοὺς ἐχθρούς σου (18 a)
— 8. ἀποστείλαι κύριος ἐπὶ σὲ τὴν εὐλογίαν (11 a)
— 8. ἧς κ. ὁ θεός σου δίδωσί σοι (11 a)
— 9. ἀναστήσαι σε κύριος [A add. ὁ θεός σου] ἑαυτῷ λαὸν ἅγιον (11 a [18 a])
— 9. ἐὰν ἀκούσῃς [A εἰσακ.] τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 10. τὸ ὄνομα κυρίου ἐπικέκληταί σοι (11 a)
— 11. πληθυνεῖ σε κ. ὁ θεός σου (18 a)
— 11. ἧς ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσι σου (11 a)
— 12. ἀνοίξαι σοι κύριος τὸν θησαυρὸν αὐτοῦ (11 a)
— 13. καταστήσαι σε κ. ὁ θεός σου εἰς κεφαλήν (18 a)
— 13. ἐὰν ἀκούσῃς τῆς φωνῆς [A τῶν ἐντολῶν] κυρίου τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 15. ἐὰν μὴ εἰσακούσῃς τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 20. ἀποστείλαι [A ἐξαπ.] κύριος ἐπὶ σὲ [A κ. σοι] τὴν ἔνδειαν (11 a)
— 21. προσκολλήσαι κύριος εἰς σὲ τὸν θάνατον (11 a)
— 22. πατάξαι σε κύριος ἐν [A om.] ἀπορίᾳ (11 a)
— 24. δῴη κ. ὁ θεός σου [A om. ὁ θ. σ.] τὸν ὑετόν (18 a [11 a])
— 25. A B¹ δῴη σε κύριος ἐπισκοπὴν [B² R ἐπὶ κοπήν] (11 a)
— 27. πατάξαι σε κύριος ἕλκει [A ἐν ἕ.] Αἰγυπτίῳ (11 a)
— 28. πατάξαι σε κύριος παραπληξίᾳ (11 a)
— 35. πατάξαι σε κύριος ἐν ἕλκει πονηρῷ (11 a)
— 36. ἀπαγάγοι κύριός σε (11 a)
— 37. εἰς οὓς ἂν ἀπαγάγῃ σε κύριος ἐκεῖ (11 a)
— 45. οὐκ εἰσήκουσας [A ἤκ.] τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 47. οὐκ ἐλάτρευσας κ. τῷ θεῷ σου (11 a)
— 48. οὓς ἐπαποστελεῖ κύριος ἐπὶ σέ (11 a)
— 49. ἐπάξει κύριος ἐπὶ σὲ ἔθνος (11 a)
— 53. A ὅσα ἔδωκέ σοι κ. ὁ θεός σου [B om. κ. ὁ θ. σου] (11 a)
— 58. φοβεῖσθαι τὸ ὄνομα . . . κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 59. παραδοξάσει κύριος τὰς πληγάς σου (11 a)
— 61. πᾶσαν μαλακίαν...ἐπάξει κύριος ἐπὶ σέ (11 a)
— 62. οὐκ εἰσήκουσας τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ (11 a)
— 63. ὃν τρόπον εὐφράνθη κύριος ἐφ' ὑμῖν (11 a)
— 63. οὕτως εὐφρανθήσεται κύριος ἐφ' ὑμῖν (11 a)
— 64. διασπερεῖ σε κ. ὁ θεός σου (18 a)
— 65. δώσει σοι κύριος ἐκεῖ καρδίαν ἑτέραν [A ἀθυμοῦσαν] (11 a)
— 68. ἀποστρέψει σε κύριος εἰς Αἴγ. (11 a)
29. 1 (28. 69). οὓς [A ἧς] ἐνετείλατο κύριος Μωυσῇ (11 a)
— 2 (1). ὅσα ἐποίησε κύριος (11 a)
— 4 (3). οὐκ ἔδωκε κ. ὁ θεὸς ὑμῖν καρδίαν (18 a)
— 6 (5). κ. ὁ θεὸς ὑμῶν ἐγώ [A οὗτος κ. ὁ θ. ὑ.] (11 a)
— 10 (9). ὑμεῖς ἑστήκατε . . . ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 a)
— 12 (11). παρελθεῖν ἐν τῇ διαθήκῃ [A τὴν δ.] κ. τοῦ θεοῦ (11 a)
— 12 (11). ὅσα κ. ὁ θεός σου διατίθεται (11 a)
— 15 (14). τοῖς ὧδε οὖσι . . . ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ (11 a)
— 15 (14). A² τοῖς μὴ οὖσι . . . ἔναντι κ. τοῦ θεοῦ [A¹ B om. ἔ. κ. τ. θ.] –
— 18 (17). τίνος ἡ διάνοια ἐξέκλινεν ἀπὸ κυρίου τοῦ θεοῦ (11 a)
— 20 (19). ἐκκανθήσεται ὀργὴ κυρίου (11 a)
— 20 (19). ἐξαλείψει κύριος τὸ ὄνομα αὐτοῦ (11 a)
— 21 (20). διαστελεῖ αὐτὸν κύριος (11 a)
— 22 (21). ἃς ἀπέστειλε κύριος ἐπ' αὐτήν (11 a)
— 23 (22). ἃς κατέστρεψε κύριος (11 a)
— 24 (23). διὰ τί ἐποίησε κύριος οὕτω (11 a)
— 25 (24). κατέλιπον τὴν διαθήκην κυρίου τοῦ θεοῦ (11 a)
— 27 (26). ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)
— 28 (27). ἐξῆρεν αὐτοὺς κύριος (11 a)
— 29 (28). τὰ κρυπτὰ κ. τῷ θεῷ ἡμῶν (11 a)

De. 30. 1. οὗ ἐὰν διασκορπίσῃ σε κύριος [A κ. ὁ θεός σου] (11 a + 6 [11 a])
— 2. καὶ ἐπιστραφήσῃ ἐπὶ κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 3. ἰάσεται κύριος τὰς ἁμαρτίας σου (11 a + 6)
— 3. εἰς οὓς διεσκόρπισέ σε κύριος [A κ. ὁ θεός σου] (11 a + 6 [11 a])
— 4. ἐκεῖθεν συνάξει σε κ. ὁ θεός σου καὶ ἐκεῖθεν λήψεταί σε κ. ὁ θεός σου [A om. κ. ὁ θ. σ.] (11 a, –)
— 5. A εἰσάξει σε κ. [B om.] ὁ θεός σου (11 a)
— 6. περικαθαριεῖ κύριος τὴν καρδίαν σου (11 a + 6)
— 6. ἀγαπᾶν κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 7. δώσει κ. ὁ θεός σου [A om. ὁ θ. σ.] τὰς ἀρὰς (11 a [11 a + 6])
— 8. B σὺ ἐπιστραφήσῃ ἐπὶ κύριον [A R om. ἐ. κ.] –
— 8. εἰσακούσῃ τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (18 a)
— 9. εὐλογήσει [A πολυωρήσει] σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 9. ἐπιστρέψει κ. ὁ θεός σου (18 a)
— 10. ἐὰν εἰσακούσῃς τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ σου (11 a)
— 10. ἐὰν ἐπιστραφῇς ἐπὶ κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 16. τὰς ἐντολὰς κ. τοῦ θεοῦ σου [A ὑμῶν] –
— 16. ἀγαπᾶν κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 16. εὐλογήσει σε κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 18. A ἧς κ. ὁ θεός σου δίδωσίν σοι –
— 20. ἀγαπᾶν κ. τὸν θεόν σου (11 a)
— 20. ἧς ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσι σου (11 a)
31. 2. κύριος δὲ εἶπε πρὸς μέ (11 a)
— 3. κ. ὁ θεός σου ὁ προπορευόμενος (11 a)
— 3. καθὰ ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 4. ποιήσει κ. ὁ θεός σου [A om. ὁ θ. σ.] αὐτοῖς (18 a [11 a])
— 5. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος ὑμῖν [A ἐνώπιον ὑμῶν] (11 a)
— 6. κ. ὁ θεός σου ὁ [A οὗτος ὁ] προπορευόμενος (11 a)
— 7. ἣν ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσιν ἡμῶν (11 a)
— 8. καὶ κ. ὁ συμπορευόμενος [A συμπροπ.] (11 a)
— 9. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 a)
— 11. ὀφθῆναι ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ (11 a)
— 11. ᾧ [A ὃν] ἂν ἐκλέξηται κύριος [A² add. ὁ θεός σου] –
— 12. ἵνα μάθωσι φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν (11 a)
— 13. μαθήσονται φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν (11 a)
— 14. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 15. καὶ κατέβη κύριος (11 a)
— 16. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 17. οὐκ ἔστι κ. ὁ θεός μου ἐν ἐμοί [A ὑμῖν] (18 b)
— 23. ἣν ὤμοσεν κύριος αὐτοῖς –
— 25. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 a)
— 26. τῆς κιβωτοῦ τῆς διαθήκης κ. τοῦ θεοῦ (11 a)
— 29. ποιήσετε τὰ πονηρὰ [A τὸ π.] ἐναντίον κυρίου (11 a)
32. 3. τὸ ὄνομα κυρίου ἐκάλεσα (11 a)
— 4. δίκαιος καὶ ὅσιος κ. +
— 6. ταῦτα κυρίῳ ἀνταποδίδοτε (11 a)
— 9. ἐγενήθη μερὶς κυρίου λαὸς αὐτοῦ (11 a)
— 12. κ. μόνος ἦγεν αὐτούς (11 a)
— 19. καὶ εἶδε κύριος (11 a)
— 27. καὶ οὐχὶ κύριος ἐποίησε ταῦτα πάντα (11 a)
— 30. καὶ κύριος [A ὁ κ.] παρέδωκεν αὐτούς (11 a)
— 36. κρινεῖ κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 a)
— 37. καὶ εἶπε κύριος –
— 43. ἐκκαθαριεῖ κύριος τὴν γῆν τοῦ λαοῦ αὐτοῦ –
— 48. ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
33. 2. κύριος ἐκ Σινὰ ἦκει (11 a)
— 7. εἰσάκουσον, κύριε, φωνῆς Ἰούδα (11 a)
— 11. εὐλόγησον, κύριε, τὴν ἰσχὺν αὐτοῦ (11 a)
— 12. ἠγαπημένος ὑπὸ κυρίου (11 a)
— 13. ἀπ' εὐλογίας κυρίου ἡ γῆ αὐτοῦ (11 a)
— 21. δικαιοσύνην κύριος ἐποίησε (11 a)
— 23. ἐμπλησθήτω εὐλογίας παρὰ κυρίου (11 a)
— 29. λαὸς σωζόμενος ὑπὸ κυρίου (11 a)
34. 1. ἔδειξεν αὐτῷ κύριος πᾶσαν τὴν γῆν Γ. (11 a)
— 4. εἶπε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 a)
— 5. ἐτελεύτησε Μ. ὁ οἰκέτης κυρίου . . . διὰ ῥήματος κυρίου (11 a, 11 a)
— 9. καθότι ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (11 a)
— 10. ὃν ἔγνω κύριος αὐτόν (11 a)
— 11. ὃν ἀπέστειλεν αὐτὸν κύριος (11 a)

Jo. 1. 1. εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῖ (11 a)
— 9. ὅτι μετὰ σοῦ κ. ὁ θεός (11 a)
— 11. ἣν κ. ὁ θεὸς . . . δίδωσιν ὑμῖν (11 a)

Jo. 1. 13. A τὸ ῥῆμα κυρίου [B *om.*] ὃ ἐνετείλατο ὑμῖν M. ὁ παῖς κυρίου λέγων, K. ὁ θεὸς ὑμῶν κατέπαυσεν ὑμᾶς (–, 11 *a*, 11 *a*)
— 15. ἕως ἂν καταπαύσῃ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν τοὺς ἀδελφούς (18 *a*)
— 15. ἣν κ. ὁ θεὸς ἡμῶν δίδωσιν αὐτοῖς (11 *a*)
— 17. ἔστω κ. ὁ θεὸς ἡμῶν μετὰ σοῦ (11 *a*)
2. 9. ἔδωκεν ὑμῖν κύριος [B² ὁ κ.] τὴν γῆν (11 *a*)
— 10. κατεξήρανε κ. ὁ θεὸς τὴν ἐρυθρὰν θάλασσαν (18 *a*)
— 11. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν θεός (11 *a*)
— 12. ὀμόσατέ μοι κ. τὸν θεόν (18 *a*)
— 14. ὡς ἂν παραδῷ κύριος ὑμῖν τὴν πόλιν (11 *a*)
— 24. παρέδωκεν κύριος πᾶσαν τὴν γῆν (11 *a*)
3. 3. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 5. αὔριον ποιήσει κύριος ἐν ὑμῖν θαυμαστά [A -σια] (11 *a*)
— 6 *bis*. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου –
— 7. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 *a*)
— 9. ἀκούσατε τὸ ῥῆμα κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 10. A ὅτι ἐγὼ κ. [B ὅτι θεὸς] ζῶν ἐν ὑμῖν (4 *a*)
— 11. ἡ κιβωτὸς διαθήκης κυρίου πάσης τῆς γῆς (1)
— 13. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου πάσης τῆς γῆς (11 *a* + 1)
— 14. A R τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου [B *om.*] –
— 15. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου [A *om.* τ. δ. κ.] –
— 17. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 *a*)
4. 1. εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῖ [A πρὸς Ἰησοῦν] (11 *a*)
— 5. προσαγάγετε . . . πρὸ προσώπου κυρίου (11 *a* + 6)
— 7. A² B κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου πάσης τῆς γῆς (11 *a*)
— 8. καθότι ἐνετείλατο κύριος τῷ Ἰησοῖ –
— 8. καθάπερ συνέταξε κύριος τῷ Ἰησοῖ (11 *a*)
— 9. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου –
— 10. ἃ [A ὅσα] ἐνετείλατο κύριος (11 *a*)
— 11. ἡ κιβωτὸς τῆς διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 13. διέβησαν ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 14. ὕψωσε κύριος τὸν Ἰησοῦν (11 *a*)
— 15. εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῖ (11 *a*)
— 16. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης τοῦ μαρτυρίου κυρίου –
— 18. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 23. ἀποξηράναντος κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν τὸ ὕδωρ (11 *a*)
— 23. καθάπερ ἐποίησε κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν τὴν ἐρυθρὰν θάλασσαν ἣν ἀπεξήρανε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 *a*, –)
— 24. ἡ δύναμις τοῦ κ. ἰσχυρά ἐστι (11 *a*)
— 24. ἵνα ὑμεῖς σέβησθε κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 *a*)
5. 1. ἀπεξήρανε κ. ὁ θεὸς τὸν Ἰορδ. ποταμόν (18 *a*)
— 2. εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῖ (11 *a*)
— 6. A οἷς καὶ διώρισεν κύριος αὐτοῖς [B *om.* κ. αὐ.] (11 *a*)
— 6. ἣν ὤμοσε κύριος τοῖς πατράσιν (11 *a*)
— 8 (9). εἶπε κύριος τῷ Ἰησοῖ (11 *a*)
— 13 (14). ἐγὼ ἀρχιστράτηγος δυνάμεως κυρίου (11 *a*)
— 15 (16). λέγει [A εἶπεν] ὁ ἀρχιστράτηγος κυρίου (11 *a*)
6. 2. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 *a*)
— 6 (7). παραπορευέσθωσαν . . . ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 7 (8). παρελθέτωσαν . . . ἐναντίον τοῦ κ. (11 *a*)
— 7 (8). ἡ κιβωτὸς τῆς διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 8 (9). τῆς κιβωτοῦ τῆς διαθήκης κυρίου –
— 11 (12). τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης [A *om.* τ. δ.] κυρίου (11 *a*)
— 12 (13). προεπορεύοντο ἐναντίον κυρίου [A τοῦ κ.] (11 *a*)
— 13 (14). τῆς κιβωτοῦ τῆς διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 15 (16). παρέδωκε γὰρ κύριος ὑμῖν τὴν πόλιν (11 *a*)
— 16 (17). ἔσται ἡ πόλις ἀνάθεμα . . . κυρίῳ σαβαὼθ [A τῷ κ. τῶν δυνάμεων] (11 *a*)
— 18 (19). ἅγιον ἔσται τῷ κ. εἰς θησαυρὸν κυρίου εἰσενεχθήσεται (11 *a*, 11 *a*)
— 23 (24). εἰς θησαυρὸν κυρίου εἰσενεχθῆναι (11 *a*)
— 25 (26). ὥρκισεν Ἰ. . . . ἐναντίον κυρίου [A *om.* ἐ. κ.] (11 *a* ?)
— 26 (27). ἦν κύριος μετὰ Ἰησοῦ (11 *a*)
7. 1. ἐθυμώθη κύριος ὀργῇ τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (11 *a*)
— 6. ἔπεσεν Ἰησοῦς . . . ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
Jo. 7. 7. A δέομαι, κύριε κύριε [B *om.*] (2, 11 *b*)
— 10. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 *a*)
— 13. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 14. ἣν ἂν δείξῃ κύριος (11 *a*)
— 14 *bis*. ὃν ἂν δείξῃ [A ἐνδ.] κύριος (11 *a*)
— 15. παρέβη τὴν διαθήκην κυρίου (11 *a*)
— 19. δὸς δόξαν σήμερον τῷ κ. θεῷ Ἰσρ. (11 *a*)
— 20. ἥμαρτον ἐναντίον κ. θεοῦ Ἰσρ. (11 *a*)
— 23. ἔθηκαν αὐτὰ ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 25. ἐξολεθρεύσαι σε κύριος (11 *a*)
— 26. ἐπαύσατο κύριος τοῦ θυμοῦ τῆς ὀργῆς (11 *a*)
8. 1, 18. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 *a*)
— 27. κατὰ πρόσταγμα κυρίου ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Ἰησοῖ (11 *a*, –)
9. 2 (8. 30). θυσιαστήριον κ. τῷ θεῷ [A τῷ κ. θ.] Ἰσρ. (11 *a*)
— 2 (8. 31). Μωυσῆς ὁ θεράπων κυρίου (11 *a*)
— 2 (8. 31). ἀνεβίβασεν ἐκεῖ ὁλοκαυτώματα κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 2 (8. 33). τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 2 (8. 33). Μωυσῆς ὁ θεράπων κυρίου (11 *a*)
— 3. ὅσα ἐποίησε κύριος [A Ἰησοῦς] τῇ Ἱερ. †
— 9. ἐν ὀνόματι κυρίου τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 14. κύριον οὐκ ἐπηρώτησαν (11 *a*)
— 18. ὤμοσαν αὐτοῖς . . . κ. τὸν θεὸν Ἰσρ. (11 *a*)
— 19. ὠμόσαμεν αὐτοῖς κ. τὸν θεὸν Ἰσρ. (11 *a*)
— 24. ὅσα συνέταξε κ. ὁ θεός σου Μωυσῇ (11 *a*)
— 27. ὃν ἂν ἐκλέξηται κύριος –
10. 8. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 *a*)
— 10. ἐξέστησεν αὐτοὺς κύριος (11 *a*)
— 10. συνέτριψεν αὐτοὺς κύριος –
— 11. κύριος ἐπέρριψεν αὐτοῖς λίθους χαλάζης (11 *a*)
— 12. ἐλάλησεν Ἰησοῦς πρὸς κύριον (11 *a*)
— 12. A παρέδωκεν κ. [B *om.*] ὁ θεὸς τὸν Ἀμ. (18 *a*)
— 14. κύριος συνεπολέμησεν τῷ Ἰσρ. (11 *a*)
— 19. παρέδωκε γὰρ αὐτοὺς κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 *a*)
— 25. οὕτω ποιήσει κύριος πᾶσι τοῖς ἐχθροῖς (11 *a*)
— 30. παρέδωκεν αὐτὴν κύριος (11 *a*)
— 32. παρέδωκε κύριος τὴν Λαχίς (11 *a*)
— 35. παρέδωκεν αὐτὴν κύριος –
— 40. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 42. κ. ὁ θεὸς Ἰ. [A *om.* ὁ θ. Ἰ.] συνεπολέμει τῷ Ἰ. (11 *a* [11 *a* + 6])
11. 6. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 *a*)
— 8. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος (11 *a*)
— 9. ὃν τρόπον [A καθότι] ἐνετείλατο αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 12. Μωυσῆς ὁ παῖς κυρίου (11 *a*)
— 15. ὃν τρόπον συνέταξε κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
— 15. A ὧν συνέταξεν κύριος τῷ M. [B σ. αὐτῷ Μωυσῆς] (11 *a*)
— 20. διὰ κυρίου ἐγένετο (11 *a*)
— 20. ὃν τρόπον εἶπε κύριος πρὸς M. (11 *a*)
— 23. καθότι ἐνετείλατο κύριος τῷ Μωυσῇ (11 *a*)
12. 6. Μωυσῆς ὁ παῖς κυρίου (11 *a*)
13. 1. εἶπε κύριος πρὸς Ἰησοῦν (11 *a*)
— 8. Μωυσῆς ὁ παῖς κυρίου (11 *a*)
— 14. κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. οὗτος κληρονομία αὐτῶν (11 *a*)
— 14. καθὰ εἶπεν αὐτοῖς κύριος –
14. 2. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κύριος (11 *a*)
— 5. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κύριος τῷ M. (11 *a*)
— 6. ὃ ἐλάλησε κύριος πρὸς Μωυσῆν (11 *a*)
— 7. A Μωυσῆς δοῦλος κυρίου [B ὁ παῖς τοῦ θεοῦ] (11 *a*)
— 8. ἐπακολουθῆσαι κ. τῷ θεῷ μου (11 *a*)
— 9. ἐπακολουθῆσαι ὀπίσω κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν [A *om.*] (11 *a*)
— 10. διέθρεψέ με κύριος (11 *a*)
— 10. ἀφ' οὗ ἐλάλησε κύριος τὸ ῥῆμα τοῦτο (11 *a*)
— 12. καθὰ εἶπε κύριος (11 *a*)
— 12. ἐὰν οὖν κύριος μετ' ἐμοῦ ᾖ (11 *a*)
— 12. ὃν τρόπον εἶπέ μοι κύριος (11 *a*)
— 14. τῷ προστάγματι κ. θεοῦ [A τοῦ θ.] Ἰσρ. (11 *a*)
17. 4. ἐδόθη αὐταῖς διὰ προστάγματος κυρίου (11 *a*)
18. 3. ἣν ἔδωκε [A *add.* ἡμῖν] κ. ὁ θεός (11 *a*)
— 6. ἔναντι [A -τίον] κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 7. ἱερατεία γὰρ κυρίου μερὶς αὐτοῦ (11 *a*)
— 7. Μωυσῆς ὁ παῖς κυρίου (11 *a*)
— 8. ἐξοίσω ὑμῖν κλῆρον ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 10. ἐνέβαλεν αὐτοῖς Ἰ. κλῆρον . . . ἔναντι [A -τίον] κυρίου (11 *a*)
19. 51. A R ἐν Σηλὼ ἔναντι [B -τίον, B¹ *add.* τοῦ] κυρίου (11 *a*)
20. 1. ἐλάλησε κύριος τῷ Ἰησοῖ (11 *a*)
21. 2. ἐνετείλατο κύριος ἐν χειρὶ M. (11 *a*)
— 3. διὰ προστάγματος κυρίου (11 *a*)
Jo. 21. 8. ὃν τρόπον ἐνετείλατο κύριος τῷ M. (11 *a*)
— 40. B διὰ [A R κατὰ] πρόσταγμα [A -ματος] κυρίου –
— 41. ἔδωκε κύριος τῷ Ἰσρ. πᾶσαν τὴν γῆν (11 *a*)
— 42. κατέπαυσεν αὐτοὺς [A -οῖς] κύριος (11 *a*)
— 42. πάντας τοὺς ἐχθροὺς αὐτῶν παρέδωκε κύριος (11 *a*)
— 43. ὃν ἐλάλησε κύριος τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (11 *a*)
22. 2. M. ὁ παῖς κυρίου (11 *a*)
— 3. ἐφυλάξατε τὴν ἐντολὴν κ. τοῦ θεοῦ ὑμῶν (11 *a*)
— 4. κατέπαυσε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν τοὺς ἀδελφοὺς ἡμῶν (11 *a*)
— 5. Μωυσῆς ὁ παῖς κυρίου (11 *a*)
— 5. ἀγαπᾶν κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 *a*)
— 9. διὰ προστάγματος κυρίου (11 *a*)
— 16. τάδε λέγει πᾶσα ἡ συναγωγὴ κυρίου (11 *a*)
— 16. A ἣν ἐπλημμελήσατε ἔναντι κ. τοῦ [B -τίον τοῦ] θεοῦ Ἰσρ. ἀποστραφῆναι σήμερον ἀπὸ κυρίου (18 *b*, 11 *b*)
— 16. ἀποστάτας ὑμᾶς γενέσθαι ἀπὸ τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 17. ἐν τῇ συναγωγῇ κυρίου (11 *a*)
— 18. ἀπεστράφητε σήμερον ἀπὸ κυρίου (11 *a*)
— 18. ἐὰν ἀποστῆτε σήμερον ἀπὸ κυρίου (11 *a*)
— 19. τὴν γῆν τῆς κατασχέσεως κυρίου (11 *a*)
— 19. οὗ κατασκηνοῖ ἐκεῖ ἡ σκηνὴ [A κιβωτὸς] κυρίου (11 *a*)
— 19. A μὴ ἀπὸ κυρίου [B θεοῦ] ἀποστάται γενήθητε (11 *a*)
— 19. μὴ ἀπόστητε ἀπὸ κυρίου [A *om.* ἀ. κ.] –
— 19. ἔξω τοῦ θυσιαστηρίου κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 22. A ὁ θεὸς θεὸς κ. ἐστι καὶ ὁ θεὸς θ. κ. [B ὁ θ. θεὸς] αὐτὸς οἶδε (11 *a*, 11 *a* [6 + 11 *a*])
— 22. ἐπλημμελήσαμεν ἔναντι τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 23. ὥστε ἀποστῆναι ἀπὸ κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (18 *a*)
— 23. κύριος [A κ. αὐτὸς] ἐκζητήσει (11 *a*)
— 24. τί ὑμῖν κ. τῷ θεῷ Ἰσρ. (11 *a*)
— 25. ὅρια ἔθηκε κύριος (11 *a*)
— 25. οὐκ ἔστιν ὑμῖν μερὶς κυρίου (11 *a*)
— 25. ἵνα μὴ σέβωνται κύριον (11 *a*)
— 27. A R τοῦ λατρεύειν λατρείαν κυρίου [B -φ] (11 *a*)
— 27. οὐκ ἔστιν ὑμῖν μερὶς κυρίου (11 *a*)
— 28. ὁμοίωμα τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου (11 *a*)
— 29. ἡμᾶς ἀποστραφῆναι [A -στῆναι] ἀπὸ κυρίου (11 *a*)
— 29. B ἀποστῆσαι [R -ῆναι] ἀπὸ κυρίου (11 *a*)
— 29. πλὴν τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου [A *add.* τοῦ θ. ἡμῶν] (11 *a*)
— 31. μεθ' ἡμῶν κύριος (11 *a*)
— 31. οὐκ ἐπλημμελήσατε ἐναντίον κυρίου πλημμέλειαν (11 *a*)
— 31. ἐρρύσασθε τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. ἐκ χειρὸς κυρίου (11 *a*)
— 34. κ. ὁ θεὸς [A θ. θεὸς] αὐτῶν ἐστι (11 *a*)
23. 1. μετὰ τὸ καταπαῦσαι κύριον τὸν [A τ. θεὸν] Ἰσρ. (11 *a* [18 *a*])
— 3. ὅσα ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 *a*)
— 3. κ. ὁ θεὸς ὑμῶν [A *add.* αὐτὸς] ὁ ἐκπολεμήσας ἡμῖν (11 *a*)
— 5. κ. δὲ ὁ θεὸς ἡμῶν οὗτος ἐξολεθρεύσει αὐτούς (11 *a*)
— 5. καθὰ ἐλάλησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ὑμῖν (11 *a*)
— 8. κ. τῷ θεῷ ἡμῶν προσκολληθήσεσθε (11 *a*)
— 9. ἐξολεθρεύσει [A -ωλέθρευσεν] αὐτοὺς κύριος (11 *a*)
— 10. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν οὗτος ἐξεπολέμει ἡμῖν (11 *a*)
— 11. τοῦ ἀγαπᾶν κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 *a*)
— 13. οὐ μὴ προσθῇ κύριος τοῦ ἐξολεθρεῦσαι (11 *a* + 6)
— 13. ἣν [A ἧς] ἔδωκεν ὑμῖν κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 14. ὧν εἶπε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 *a*)
— 15. A R ἃ ἐλάλησε κύριος ἐφ' [B πρὸς] ὑμᾶς (11 *a* + 6)
— 15. ἐπάξει κ. ὁ θεὸς [A *om.* ὁ θ.] ἐφ' ὑμᾶς (18 *a* [11 *a*])
— 15. ἧς ἔδωκε κύριος [A *add.* ὁ θ. ὑμῶν] ὑμῖν (11 *a* + 6 [11 *a*])
— 16. τὴν διαθήκην κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
24. 2. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 5. A ἐπάταξεν κύριος [B¹ -ξαν, B² R -ξα] τὴν Αἴγ. –
— 7. ἀνεβοήσαμεν πρὸς κύριον (11 *a*)
— 7. ὅσα ἐποίησε κύριος –
— 8. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος –

Jo. 24. 10. οὐκ ἠθέλησε κ. ὁ θεός σου [A om. ὁ θ. σ.] ἀπολέσαι –
— 11. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος [A om.] –
— 14. φοβήθητε κύριον [A τὸν κ.] (11 a)
— 14. λατρεύσατε κυρίῳ (11 a)
— 15. εἰ δὲ μὴ ἀρέσκει ὑμῖν λατρεύειν κυρίῳ (11 a)
— 15. λατρεύσομεν κυρίῳ (11 a)
— 16. μὴ γένοιτο ἡμῖν καταλιπεῖν κύριον (11 a)
— 17. κ. [A καὶ γὰρ] ὁ θεὸς ἡμῶν αὐτὸς θεός [A om. αὐ. θ.] ἐστιν (11 a)
— 18. ἐξέβαλε κύριος τὸν Ἀμορραῖον (11 a)
— 18. λατρεύσομεν κυρίῳ (11 a)
— 19. οὐ μὴ δύνησθε λατρεύειν κυρίῳ [A κ. τῷ θεῷ] (11 a [18 a])
— 20. ἡνίκα ἂν ἐγκαταλίπητε κύριον [A τὸν κ.] (11 a)
— 21. κυρίῳ λατρεύσομεν (11 a)
— 22. ὑμεῖς ἐξελέξασθε κυρίῳ [A τὸν κ.] λατρεύειν αὐτῷ (11 a)
— 23. εὐθύνατε τὴν καρδίαν ὑμῶν πρὸς κύριον θ. Ἰσρ. (11 a)
— 24. κυρίῳ λατρεύσομεν (11 a + 6)
— 26. ἔστησεν αὐτὸν Ἰησοῦς . . . ἀπέναντι κυρίου (11 a)
— 27. πάντα τὰ λεχθέντα αὐτῷ [A om.] ὑπὸ κυρίου (11 a)
— 27. ἡνίκα ἂν ψεύσησθε κ. τῷ θεῷ (18 b)
— 31. ἐλάτρευσεν Ἰσραὴλ τῷ κ. (11 a)
— 31. ὅσοι εἴδοσαν πάντα τὰ ἔργα κυρίου (11 a)
— 29. Ἰησοῦς υἱὸς Ναυὴ δοῦλος κυρίου (11 a)
— 30. καθὰ συνέταξεν αὐτοῖς [A om.] κύριος –
— 33. καὶ παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος –

Jd. 1. 1. ἐπηρώτων οἱ υἱοὶ Ἰσρ. διὰ τοῦ κ. [A ἐν κυρίῳ] (11 a)
— 2. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 4. παρέδωκε [A ἔδωκεν] κύριος τὸν Χαν. (11 a)
— 19. ἦν κύριος μετὰ Ἰούδα (11 a)
— 22. κύριος ἦν [A Ἰούδας] μετ' αὐτῶν (11 a)
2. 1. ἀνέβη ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 1. A κύριος κύριος ἀνεβίβασεν [B τάδε λέγει κ., Ἀνεβίβασα] ὑμᾶς –, –
— 4. ὡς ἐλάλησεν ὁ ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 5. ἐθυσίασαν [A ἔθυσαν] ἐκεῖ τῷ κ. (11 a)
— 7. ἐδούλευσεν ὁ λαὸς τῷ κ. (11 a)
— 7. ὅσοι ἔγνωσαν πᾶν τὸ ἔργον κυρίου τὸ μέγα (11 a)
— 8. Ἰησοῦς υἱὸς Ναυὴ δοῦλος κυρίου (11 a)
— 10. οἱ [A ὅσοι] οὐκ ἔγνωσαν τὸν κ. (11 a)
— 11. ἐποίησαν . . . τὸ πονηρὸν ἐνώπιον [A ἐναντίον] κυρίου (11 a)
— 12. ἐγκατέλιπον τὸν κ. (11 a)
— 12. παρώργισαν τὸν κ. (11 a)
— 13. A ἐγκατέλιπον τὸν κ. [B αὐτόν] (11 a)
— 14. ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)
— 15. χεὶρ κυρίου ἦν ἐπ' αὐτούς [A ἦν αὐτοῖς] (11 a)
— 15. καθὼς ἐλάλησε κύριος καὶ καθὼς ὤμοσε κύριος (11 a, 11 a)
— 16. ἤγειρε κύριος κριτάς (11 a)
— 16. ἔσωσεν αὐτοὺς κύριος [A om.] –
— 17. A παρώργισαν τὸν κ. –
— 17. τοῦ εἰσακούειν τῶν λόγων [A ἐντολὰς] κυρίου (11 a)
— 18. ἤγειρε κύριος αὐτοῖς κριτάς (11 a)
— 18. ἦν κύριος μετὰ τοῦ κρ. (11 a)
— 18. παρεκλήθη κύριος ἀπὸ τοῦ στεναγμοῦ αὐτῶν (11 b)
— 20. ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)
— 22. εἰ φυλάσσονται τὴν ὁδὸν κυρίου (11 a)
— 23. ἀφῆσει κύριος τὰ ἔθνη ταῦτα (11 a)
3. 1. ἃ ἀφῆκε κύριος αὐτά [A al.] (11 a)
— 4. εἰ ἀκούσονται τὰς ἐντολὰς κυρίου (11 a)
— 7. ἐποίησαν . . . τὸ πονηρὸν ἐναντίον [A -τι] κυρίου (11 a)
— 7. ἐπελάθοντο κ. τοῦ [A om.] θεοῦ αὐτῶν (11 a)
— 8. ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)
— 9. ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)
— 9. ἤγειρε κύριος σωτῆρα τῷ Ἰσρ. (11 a)
— 10. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (11 a)
— 10. παρέδωκε κύριος ἐν χειρὶ αὐτοῦ τὸν Χ. (11 a)
— 12. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιον [A ἔναντι] κυρίου (11 a)
— 12. ἐνίσχυσε κύριος τὸν Ἐγλώμ (11 a)
— 12. διὰ τὸ πεποιηκέναι αὐτοὺς τὸ πονηρὸν ἔναντι κυρίου (11 a)
— 15. ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)
— 15. A ἤγειρεν αὐτοῖς κύριος [B om.] σωτῆρα (11 a)
— 25. ὁ κ. αὐτῶν πεπτωκὼς ἐπὶ τὴν γῆν (1)

Jd. 3. 28. παρέδωκε κύριος . . . τοὺς ἐχθροὺς ἡμῶν (11 a)
4. 1. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιον [A ἔναντι] κυρίου (11 a)
— 2. ἀπέδοτο τοὺς υἱοὺς Ἰ. [A αὐτοὺς] κύριος (11 a)
— 3. ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)
— 6. οὐχὶ [A add. σοι] ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 8. ἐν ᾗ εὐοδοῖ κύριος τὸν ἄγγελον μετ' ἐμοῦ –
— 9. ἀποδώσεται κύριος τὸν Σισάρα (11 a)
— 14. παρέδωκε κύριος τὸν Σισάρα (11 a)
— 14. κύριος ἐξελεύσεται [A ἐλ.] ἔμπροσθέν σου (11 a)
— 15. ἐξέστησε κύριος τὸν Σισάρα (11 a)
— 18. ἔκκλινον [A ἔκνευσον], κυριέ μου (1)
— 23. A ἐταπείνωσεν κύριος [B ἐτρόπωσεν] ὁ θεὸς τὸν Ἰ. (18 b)
— 24. A ἐπορεύθη χεὶρ κυρίου [B -εύετο χ. τῶν] υἱῶν Ἰσρ. –
5. 2. εὐλογεῖτε κύριον [A τὸν κ.] (11 a)
— 3. ἐγὼ εἶμι τῷ κ. ἐγὼ εἶμι ᾄσομαι [A al.] (11 a)
— 3. ψαλῶ τῷ κ. [A om. τῷ κ.] τῷ θεῷ Ἰσρ. (11 a)
— 4. κύριε, ἐν τῇ ἐξόδῳ σου (11 a)
— 5. ὄρη ἐσαλεύθησαν ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 a)
— 5. τοῦτο Σινὰ ἀπὸ προσώπου κ. θεοῦ Ἰσρ. (11 a)
— 9. εὐλογεῖτε κύριον [A τὸν κ.] (11 a)
— 11. δώσουσι δικαιοσύνας κύριε [A -ίῳ] (11 a)
— 11. κατέβη εἰς τὰς πόλεις λαὸς κυρίου (11 a)
— 13. λαὸς κυρίου κατέβη αὐτῷ [A al.] (11 a)
— 14. A κύριος ἐπολέμει μοι [B al.] †
— 23. εἶπεν ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 23. εἰς βοήθειαν κυρίου (11 a)
— 23. A βοηθὸς ἡμῶν κύριος [B εἰς βοήθειαν] (11 a)
— 31. ἀπόλοιντο πάντες οἱ ἐχθροί σου, κύριος (11 a)
6. 1. ἐποίησαν . . . τὸ πονηρὸν ἐνώπιον [A ἔναντι] κυρίου (11 a)
— 1. ἔδωκεν [A παρέδ.] αὐτοὺς κύριος ἐν χειρὶ M. (11 a)
— 7 (6). ἐβόησαν [A ἐκέκραξαν] οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)
— 8 (7). A ἐπεὶ ἐκέκραξαν οἱ υἱοὶ Ἰ. πρὸς κύριον (11 a)
— 8. ἐξαπέστειλε κύριος ἄνδρα προφήτην (11 a)
— 8. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 10. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 a)
— 11. ἦλθεν ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 12. ὤφθη αὐτῷ ὁ [A εὗρεν αὐτὸν] ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 12. κύριος μετὰ σοῦ (11 a)
— 13. A ἐν ἐμοὶ κύριος κύριος [B κύριέ μου] (1, –)
— 13. εἰ ἔστι κύριος μεθ' ἡμῶν (11 a)
— 13. ἀνήγαγεν [A ἐξήγ.] ἡμᾶς κύριος (11 a)
— 13. A ἀπώσατο ἡμᾶς κύριος [B ἐξέρριψεν ἡ.] (11 a)
— 14. ἐπέστρεψε [A -έβλεψεν] πρὸς αὐτὸν ὁ ἄγγελος κυρίου (20)
— 15. ἐν ἐμοί, κυριέ μου [A om.] (2)
— 16. εἶπε πρὸς αὐτὸν ὁ ἄγγελος κυρίου, Κύριος ἔσται μετὰ σοῦ (11 a, –)
— 20. A εἶπε πρὸς αὐτὸν ὁ ἄγγελος κυρίου [B τοῦ θεοῦ] (6)
— 21. ἐξέτεινεν ὁ ἄγγελος κυρίου τὸ ἄκρον τῆς ῥάβδου (11 a)
— 21. ὁ ἄγγελος κυρίου ἐπορεύθη [A ἀπῆλθεν] (11 a)
— 22. ἄγγελος κυρίου οὗτός [A om.] ἐστι (11 a)
— 22. ἃ ἃ κύριέ μου [A om.] κύριε (2, 11 b)
— 22. εἶδον ἄγγελον κυρίου (11 a)
— 23. εἶπεν αὐτῷ κύριος (11 a)
— 24. ᾠκοδόμησεν . . . θυσιαστήριον τῷ κ. (11 a)
— 24. εἰρήνη κυρίου (11 a)
— 25. εἶπεν αὐτῷ κύριος (11 a)
— 26. οἰκοδομήσεις θυσιαστήριον τῷ [A om.] κ. (11 a)
— 27. ὃν τρόπον [A καθὰ] ἐλάλησε πρὸς αὐτὸν κύριος (11 a)
— 34. πνεῦμα κυρίου [A θεοῦ] ἐνέδυσε τὸν Γ. (11 a)
7. 2. εἶπε κύριος πρὸς Γ. (11 a)
— 3. A εἶπεν κύριος πρὸς αὐτόν –
— 4, 5, 7. εἶπε κύριος πρὸς Γ. (11 a)
— 9. εἶπε πρὸς αὐτὸν κύριος (11 a)
— 14. A παρέδωκεν κύριος [B ὁ θεὸς] ἐν χειρὶ αὐτοῦ (6)
— 15. καὶ προσεκύνησε κυρίῳ [A κύριον] –
— 15. παρέδωκε κύριος ἐν χειρὶ ἡμῶν (11 a)
— 18. ἐρεῖτε, Τῷ κ. (11 a)
— 20. ῥομφαία τῷ κ. (11 a)
— 22. ἔθηκε κύριος τὴν ῥομφαίαν [A ἔθετο κ. μάχαιραν] (11 a)

Jd. 8. 3. παρέδωκε κύριος τοὺς ἄρχοντας M. (6)
— 7. ἐν τῷ δοῦναι κύριον τὸν Ζ. (11 a)
— 19. ζῇ κύριος (11 a)
— 22. κύριε, ἄρξον ἡμῶν [A al.] –
— 23. κύριος ἄρξει ὑμῶν (11 a)
— 34. οὐκ ἐμνήσθησαν οἱ υἱοὶ Ἰσ. κυρίου (11 a)
9. 57. A ἀπέστρεψεν κύριος εἰς τὴν κεφαλὴν αὐ. [B al.] (6)
10. 6. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιον [A ἔναντι] κυρίου (11 a)
— 6. ἐγκατέλιπον τὸν κ. (11 a)
— 7. ὠργίσθη θυμῷ [A ἐθυμώθη] κύριος ἐν Ἰσρ. (11 a)
— 10. ἐβόησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)
— 10. A ἐγκατελίπομεν τὸν κ. [B om.] θεόν (18 b)
— 11. εἶπε κύριος πρὸς τοὺς υἱοὺς Ἰσρ. (11 a)
— 15. εἶπαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον (11 a)
— 15. A πλὴν, κύριε [B om.], ἐξελοῦ ἡμᾶς –
— 16. ἐδούλευσαν [A ἐλάτρευσαν] τῷ κ. μόνῳ [A om.] (11 a)
11. 9. καὶ παραδῷ αὐτοὺς κύριος (11 a)
— 10. κύριος ἔστω [A ἔσται ὁ] ἀκούων (11 a)
— 11. ἐλάλησεν Ἰ. . . . ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 21. παρέδωκε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. τὸν Σηών (11 a)
— 23. κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. [A om.] ἐξῆρε τὸν Ἀμ. (11 a)
— 24. οὓς ἐξῆρε κύριος [A al.] (11 a)
— 27. κρίναι κύριος ὁ κρίνων (11 a)
— 29. ἐγένετο ἐπὶ Ἰ. πνεῦμα κυρίου (11 a)
— 30. ηὔξατο Ἰ. εὐχὴν τῷ κ. (11 a)
— 31. καὶ ἔσται τῷ κ. (11 a)
— 32. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος (11 a)
— 35. ἤνοιξα κατὰ [A περὶ] σοῦ τὸ στόμα μου πρὸς κύριον (11 a)
— 36. ἤνοιξας τὸ στόμα σου πρὸς κύριον (11 a)
— 36. ἐν τῷ ποιῆσαί σοι κύριον ἐκδίκησιν [A al.] (11 a)
12. 3. ἔδωκεν [A παρέδ.] αὐτοὺς κύριος (11 a)
13. 1. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιον [A ἐναντίον] κυρίου (11 a)
— 1. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος [A om.] (11 a)
— 3. ὤφθη ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 8. προσηύξατο M. πρὸς κύριον [A ἐδεήθη M. τοῦ κ.] (11 a)
— 8. ἐν ἐμοί, κύριε ἀδωναΐ [A om.] (2)
— 13. εἶπεν ὁ ἄγγελος κυρίου πρὸς M. (11 a)
— 15. εἶπε M. πρὸς τὸν ἄγγελον κυρίου (11 a)
— 16. εἶπεν ὁ ἄγγελος κυρίου πρὸς M. (11 a)
— 16. τῷ [A om.] κ. ἀνοίσεις αὐτό (11 a)
— 16. ἄγγελος κυρίου αὐτός [A ἐστιν] (11 a)
— 17. εἶπε M. πρὸς τὸν ἄγγελον κυρίου (11 a)
— 18. εἶπεν αὐτῷ ὁ ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 19. ἀνήνεγκεν ἐπὶ τὴν πέτραν τῷ κ. (11 a)
— 19. A τῷ θαυμαστὰ ποιοῦντι κ. [B al.] –
— 20. ἀνέβη ὁ ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 21. οὐ προσέθηκεν ἔτι ὁ ἄγγελος κυρίου ὀφθῆναι (11 a)
— 21. ἄγγελος κυρίου οὗτος [A ἐστίν] (11 a)
— 23. εἰ ἤθελεν ὁ [A οὗ βούλεται] κ. θανατῶσαι ἡμᾶς (11 a)
— 24. εὐλόγησεν αὐτὸ κύριος (11 a)
— 25. ἤρξατο πνεῦμα κυρίου συνεκπορεύεσθαι [A συμπ.] (11 a)
14. 4. παρὰ κυρίου ἐστίν (11 a)
— 6, 19: 15. 14. ἥλατο [A κατηύθυνεν] ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (11 a)
15. 18. ἔκλαυσε [A ἐβόησεν] πρὸς κύριον (11 a)
16. 20. ὁ [A om.] κ. ἀπέστη ἀπάνωθεν [A ἀπ' αὐτοῦ] (11 a)
— 28. ἔκλαυσε [A ἐβόησεν] Σ. πρὸς κύριον (11 a)
— 28. A κύριε [B ἀδωναΐε] κύριε, μνήσθητι (2, 11 b)
17. 2. εὐλογητὸς [A -γημένος] ὁ υἱός μου τῷ κ. (11 a)
— 3. ἡγίασα τὸ ἀργύριον τῷ κ. (11 a)
— 13. ἀγαθυνεῖ μοι [A ἠγαθοποίησέν με] κύριος (11 a)
18. 6. ἐνώπιον κυρίου ἡ ὁδὸς ὑμῶν (11 a)
19. 11. εἶπεν ὁ νεανίας [A τὸ παιδάριον] πρὸς τὸν κ. αὐτοῦ (1)
— 12. εἶπε πρὸς αὐτὸν ὁ κ. αὐτοῦ (1)
— 22. τὸν ἄνδρα τὸν κ. τοῦ οἴκου [A τῆς οἰκίας] (7)
— 23. ὁ ἀνὴρ ὁ κ. τοῦ οἴκου [A τῆς οἰκίας] (7)
— 26. A οὗ ἦν ὁ κ. [B ἀνὴρ] αὐτῆς ἐκεῖ (1)
— 27. A ἀνέστη ὁ κ. [B ἀνὴρ] αὐτῆς (1)
20. 1. ἐξεκκλησιάσθη . . . πρὸς κύριον (11 a)
— 2. ἐστάθησαν κατὰ πρόσωπον κυρίου [A al.] –
— 3. A ἀνέβησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. πρὸς κύριον [B om. πρ. κ.] –

Jd. 20. 18. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 23. ἔκλαυσαν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 23. ἠρώτησαν [A ἐπηρ.] ἐν κυρίῳ (11 a)
— 23. καὶ εἶπε κύριος [A ὁ κ.] (11 a)
— 26. ἐκάθισαν ἐκεῖ ἐνώπιον [A ἔναντι] κυρίου (11 a)
— 26. ὁλοκαυτώσεις καὶ τελείας ἐνώπιον κυρίου [A al.] (11 a)
— 27. A ἐπηρώτησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν κυρίῳ (11 a)
— 27. ἐκεῖ κιβωτὸς διαθήκης κυρίου (6)
— 28 (27). B ἐπηρώτησαν οἱ υἱοὶ Ἰσρ. ἐν κυρίῳ (11 a)
— 28. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 35. ἐπάταξε [A ἐτρόπωσεν] κύριος τὸν B. (11 a)
21. 3. εἰς τί, κύριε θεέ [A ὁ θεὸς] Ἰσρ. (11 a)
— 5. τίς οὐκ ἀνέβη [A ὁ μὴ ἀναβὰς] . . . πρὸς κύριον (11 a)
— 5. τοῖς οὐκ ἀναβεβηκόσι πρὸς κύριον [A al.] (11 a)
— 7. ἡμεῖς ὠμόσαμεν ἐν κυρίῳ (11 a)
— 8. ὃς [A ἥτις] οὐκ ἀνέβη πρὸς κύριον (11 a)
— 15. ἐποίησε κύριος διακοπήν (11 a)
— 19. ἑορτὴ κυρίου [A τῷ κ.] ἐν Σ. (11 a)
Ru. 1. 6. ἐπέσκεπται κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 a)
— 8. ποιήσαι κύριος μεθ' ὑμῶν ἔλεος (11 a)
— 9. δῴη κύριος ὑμῖν (11 a)
— 13. ἐξῆλθεν ἐν ἐμοὶ χεὶρ κυρίου (11 a)
— 17. τάδε ποιήσαι μοι κύριος (11 a)
— 21. κενὴν ἀπέστρεψέ με ὁ κ. (11 a)
— 21. κύριος ἐταπείνωσέ με (11 a)
2. 4. κύριος μεθ' ὑμῶν (11 a)
— 4. εὐλογήσαι σε κύριος (11 a)
— 12. ἀποτίσαι κύριος τὴν ἐργασίαν σου (11 a)
— 12. γένοιτο ὁ μισθός σου πλήρης παρὰ κυρίου (11 a)
— 13. εὕροιμι χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς σου, κύριε (1)
— 20. εὐλογητός ἐστι τῷ κ. (11 a)
3. 10. εὐλογημένη σὺ τῷ κ. θεῷ [A om.] (18 a [11 a])
— 13. ζῇ κύριος (11 a)
— 13. A B σὺ εἶ κύριος –
4. 11. δῴη κύριος τὴν γυναῖκά σου (11 a)
— 12. οὗ δώσει κύριός σοι (11 a)
— 13. ἔδωκεν αὐτῇ κύριος κύησιν (11 a)
— 14. καὶ εἶπαν . . . Εὐλογητὸς κ. (11 a)
1 Ki. 1. 3. θύειν κ. τῷ θεῷ σαβαώθ (18 a)
— 3. Ὁ. καὶ Φ. ἱερεῖς τοῦ κ. (11 a)
— 5. κύριος ἀπέκλεισε [A ὁ κ. συναπ.] τὰ περὶ τὴν μήτραν αὐτῆς (11 a)
— 6. οὐκ ἔδωκεν αὐτῇ κύριος παιδίον –
— 6. συνέκλεισε [A συναπ.] κύριος τὰ περὶ τὴν μήτραν αὐτῆς (11 a)
— 7. ἐν τῷ ἀναβαίνειν αὐτὴν εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 8. ἰδοὺ ἐγὼ, κύριε [A om.] –
— 9. κατέστη ἐνώπιον κυρίου †
— 9. ἐπὶ τῶν φλιῶν ναοῦ κυρίου (11 a)
— 10. προσηύξατο πρὸς κύριον (11 a)
— 11. ηὔξατο εὐχὴν κυρίῳ [A τῷ κ.] –
— 11. ἀδωναῖ κύριε [A καὶ] Ἐλωὲ σαβαώθ (11 a)
— 12. προσευχομένη ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 14. πορεύου ἐκ προσώπου κυρίου –
— 15. καὶ εἶπεν, Οὐχὶ, κύριε [A κ. μου] (1)
— 15. ἐκχεῶ τὴν ψυχήν μου ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 19. προσκυνοῦσι τῷ κ. (11 a)
— 19. ἐμνήσθη αὐτῆς κύριος (11 a)
— 20. παρὰ κυρίου θεοῦ σαβαὼθ ᾐτησάμην αὐτόν (18 a)
— 22. ὀφθήσεται τῷ προσώπῳ κυρίου (11 a)
— 23. στήσαι κύριος τὸ ἐξελθὸν ἐκ τοῦ στόματός σου (11 a)
— 24. εἰσῆλθεν εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 25. προσήγαγον ἐνώπιον κυρίου –
— 25. ἦν ἐποίει . . . τῷ κ. –
— 26. ἐν ἐμοὶ, κύριε [A κύριος] (1)
— 26. A κύριέ μου (1)
— 26. ἐν τῷ προσεύξασθαι πρὸς κύριον (11 a)
— 27. A R ἔδωκέ μοι [B om.] κύριος τὸ αἴτημά μου (11 a)
— 28. κιχρῶ αὐτὸν τῷ κ. . . . χρῆσιν τῷ κ. (11 a, 11 a)
2. 1. ἐστερεώθη ἡ καρδία μου ἐν κυρίῳ (11 a)
— 2. οὐκ ἔστιν ἅγιος ὡς κύριος (11 a)
— 3. ὅτι θεὸς γνώσεων κύριος (11 a)
— 6. κύριος θανατοῖ καὶ ζωογονεῖ (11 a)
— 7. κύριος πτωχίζει καὶ πλουτίζει (11 a)
— 10. κύριος ἀσθενῆ ποιήσει ἀντίδικον αὐτοῦ κύριος ἅγιος (11 a, –)
— 10. γινώσκειν τὸν κ. –
— 10. κύριος ἀνέβη εἰς οὐρανούς (11 a)
— 10. κατέλιπεν αὐτὸν ἐκεῖ ἐνώπιον κυρίου –
1 Ki. 2. 11. λειτουργῶν τῷ προσώπῳ κυρίου (21)
— 12. οὐκ εἰδότες τὸν κ. (11 a)
— 14. τοῖς ἐρχομένοις θῦσαι κυρίῳ †
— 17. ἡ ἁμαρτία ἐνώπιον κυρίου τῶν παιδαρίων (11 a)
— 17. ἠθέτουν τὴν θυσίαν κυρίου (11 a)
— 18. λειτουργῶν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 20. ἀποτίσαι σοι κύριος σπέρμα (11 a)
— 20. οὗ ἔχρησας τῷ [A B¹ om.] κ. (11 a)
— 21. ἐπεσκέψατο κύριος τὴν Ἄνναν (11 a)
— 21. ἐμεγαλύνθη τὸ παιδάριον Σαμ. ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 23. ἐκ στόματος παντὸς τοῦ λαοῦ κυρίου –
— 25. προσεύξονται ὑπὲρ αὐτοῦ πρὸς κύριον (6)
— 25. ἐὰν τῷ κ. ἁμάρτῃ (11 a)
— 25. ἐβούλετο κύριος διαφθεῖραι αὐτούς (11 a)
— 26. ἀγαθὸν μετὰ κυρίου καὶ μετὰ ἀνθρώπων (11 a)
— 27. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 30. τάδε εἶπεν κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 30. καὶ νῦν φησὶ κύριος (11 a)
3. 1. λειτουργῶν τῷ κ. (11 a)
— 1. ῥῆμα κυρίου ἦν τίμιον (11 a)
— 3. A Σαμ. ἐκάθευδεν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου [B ναῷ] (11 a)
— 4. καὶ ἐκάλεσε κύριος (11 a)
— 6. καὶ προσέθετο κύριος (11 a)
— 7. καὶ ἀποκαλυφθῆναι αὐτῷ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 8. καὶ προσέθετο κύριος καλέσαι (11 a)
— 8. κύριος κέκληκε τὸ παιδάριον (11 a)
— 9. A λάλει κύριε [B om.] (11 a)
— 10. καὶ ἦλθε κύριος (11 a)
— 11. καὶ εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. (11 a)
— 15. ἤνοιξε τὰς θύρας οἴκου κυρίου (11 a)
— 18. κ. αὐτὸς τὸ ἀγαθὸν . . . ποιήσει (11 a)
— 19. ἦν κύριος μετ' αὐτοῦ (11 a)
— 20. πιστὸς Σαμ. εἰς προφήτην τῷ κ. (11 a)
— 21. προσέθετο κύριος δηλωθῆναι (11 a)
— 21. ἀπεκαλύφθη κύριος πρὸς Σαμ. (11 a)
— 21. προφήτης γενέσθαι τῷ κ. [A τοῦ κ.] (11 a ?)
— 21. πονηρὰ ἡ ὁδὸς αὐτῶν ἐνώπιον κυρίου –
4. 3. κατὰ τί ἔπταισεν ἡμᾶς κύριος (11 a)
— 4. τὴν κιβωτὸν [A add. τῆς διαθήκης] κυρίου [A add. τῶν δυνάμ.] (11 c [11 a])
— 5. ἡ κιβωτὸς [A add. διαθήκης] κυρίου (11 a)
— 6. κιβωτὸς κυρίου ἥκει (11 a)
— 8 (7). ἐξελοῦ ἡμᾶς, κύριε –
— 22. ἐν τῷ ληφθῆναι τὴν κιβωτὸν κυρίου (6)
5. 2. ἔλαβον ἀλλόφυλοι τὴν κιβωτὸν κυρίου [A τοῦ κ.] (6)
— 3. ἐβαρύνθη χεὶρ κυρίου –
— 4. ἐνώπιον κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (11 a)
— 6. ἐβαρύνθη ἡ χεὶρ κυρίου (11 a)
— 9. γίνεται χεὶρ κυρίου τῇ [A ἐν τῇ] πόλει (11 a)
6. 1. A ἦν ἡ κιβωτὸς κυρίου [B om.] ἐν ἀγρῷ (11 a)
— 2. τί ποιήσωμεν τῇ κιβωτῷ κυρίου [A τοῦ κ.] (11 a)
— 3. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κ. θεοῦ Ἰσρ. (18 b)
— 5. δώσετε τῷ κ. δόξαν (6)
— 8. A λήψεσθε τὴν κιβωτὸν κυρίου [B om.] (6)
— 11. A R ἔθεντο τὴν κιβωτὸν κυρίου [B om.] ἐπὶ τὴν ἅμαξαν (11 a)
— 13. εἶδον κιβωτὸν κυρίου –
— 14. ὁλοκαύτωσιν [A -κάρπωσιν] τῷ κ. (11 a)
— 15. ἀνήνεγκαν τὴν κιβωτὸν τοῦ [A om.] κ. (11 a)
— 15. ἀνήνεγκαν . . . τῷ κ. (11 a)
— 17. ἃς ἀπέδωκαν . . . τῷ κ. (11 a)
— 18. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 a)
— 19. εἶδαν κιβωτὸν κυρίου (11 a)
— 19. ἐπάταξε κύριος . . . πληγὴν μεγάλην (11 a)
— 20. A R διελθεῖν ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ [B om. κ. τ. θ.] τοῦ ἁγίου τούτου (11 a)
— 20. πρὸς τίνα ἀναβήσεται κιβωτὸς κυρίου –
— 21. ἀπεστρόφασιν . . . τὴν κιβωτὸν κυρίου (11 a)
7. 1. ἀνάγουσι τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 a)
— 1. φυλάσσειν τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 a)
— 2. ἐπέβλεψε πᾶς οἶκος Ἰσρ. ὀπίσω κυρίου (11 a)
— 3. ὑμεῖς ἐπιστρέφετε πρὸς κύριον (11 a)
— 3. ἑτοιμάσατε τὰς καρδίας ὑμῶν πρὸς κύριον (11 a)
— 4. ἐδούλευσαν κ. [A τῷ κ.] μόνῳ (11 a)
— 5. προσεύξομαι περὶ ὑμῶν πρὸς κύριον (11 a)
— 6. ἐξέχεαν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 6. ἡμαρτήκαμεν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 8. τοῦ μὴ βοᾶν πρὸς κ. θεόν σου (11 a)
— 9. ἀνήνεγκεν αὐτὸν . . . τῷ κ. (11 a)
— 9. ἐβόησε Σαμ. πρὸς κύριον (11 a)
— 9. ἐπήκουσεν αὐτοῦ κύριος (11 a)
— 10. καὶ ἐβρόντησε κύριος (11 a)
1 Ki. 7. 12. ἐβοήθησεν ἡμῖν κύριος (11 a)
— 13. ἐταπείνωσε κύριος τοὺς ἀλλοφύλους –
— 13. ἐγενήθη χεὶρ κυρίου ἐπὶ τοὺς ἀλλοφ. (11 a)
— 17. ᾠκοδόμησεν ἐκεῖ θυσιαστήριον τῷ κ. (11 a)
8. 6. προσηύξατο Σαμ. πρὸς κύριον (11 a)
— 7. εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. (11 a)
— 10. εἶπε Σαμ. πᾶν τὸ ῥῆμα τοῦ [A om.] κ. (11 a)
— 18. οὐκ ἐπακούσεται κύριος ὑμῶν (11 a)
— 21. ἐλάλησεν αὐτοὺς εἰς τὰ ὦτα κυρίου (11 a)
— 22. εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. (11 a)
9. 6. A² ὁ κ. θεὸς [A¹ B ἄνθρωπος] τοῦ θεοῦ ἐν τῇ πόλει †
— 15. A² B κύριος ἀπεκάλυψε τὸ ὠτίον Σαμ. (11 a)
— 17. κύριος ἀπεκρίθη αὐτῷ (11 a)
10. 1. οὐχὶ κέχρικέ σε κύριος (11 a)
— 1. σὺ ἄρξεις ἐν [A om.] λαῷ κυρίου –
— 1. ἔχρισέ σε κύριος (11 a ?)
— 6. ἐφαλεῖται ἐπὶ σὲ πνεῦμα κυρίου (11 a)
— 17. παρήγγειλε Σαμ. παντὶ τῷ λαῷ πρὸς κ. (11 a)
— 18. τάδε εἶπε κύριος (11 a)
— 19. καταστητε ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 22. ἐπηρώτησε [A add. ἔτι] Σαμ. ἔτι ἐν κυρίῳ (11 a)
— 22. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 24. ὃν ἐκλέλεκται ἑαυτῷ κύριος (11 a)
— 25. καὶ ἔθηκεν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 26. ὧν ἥψατο κύριος καρδίας αὐτῶν (6)
11. 6. B ἐφήλατο πνεῦμα κυρίου ἐπὶ Σαούλ (6)
— 7. ἐπῆλθεν ἔκστασις κυρίου ἐπὶ τὸν λαὸν Ἰσρ. (11 a)
— 13. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν ἐν Ἰσρ. (11 a)
— 15. ἔχρισε Σαμ. ἐκεῖ τὸν Σαοὺλ . . . ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 15. ἔθυσεν ἐκεῖ θυσίας . . . ἐνώπιον κυρίου (11 a)
12. 3. ἀποκρίθητε κατ' ἐμοῦ ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 5. μάρτυς κύριος ἐν ὑμῖν (11 a)
— 6. μάρτυς κύριος ὁ ποιήσας τὸν Μωυσῆν (11 a)
— 7. δικάσω [A δικαιώσω] ὑμᾶς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 7. τὴν πᾶσαν δικαιοσύνην [A τὰς π. δ.] κυρίου (11 a)
— 8. ἐβόησαν οἱ πατέρες ἡμῶν πρὸς κύριον (11 a)
— 8. ἀπέστειλε κύριος τὸν Μωυσῆν (11 a)
— 9. ἐπελάθοντο κ. τοῦ θεοῦ [A τοῦ κ. θ.] αὐτῶν (11 a)
— 10. ἐβόησαν πρὸς κύριον (11 a)
— 10. ἐγκαταλίπομεν τὸν κ. (11 a)
— 11. A ἀπέστειλε κύριος [B om.] τὸν Ἱερ. (11 a)
— 12. A B² R κ. ὁ θεὸς ὑμῶν βασιλεὺς ὑμῶν (11 a)
— 13. δέδωκε κύριος ἐφ' ὑμᾶς βασιλέα (11 a)
— 14. ἐὰν φοβηθῆτε τὸν κ. (11 a)
— 14. καὶ μὴ ἐρίσητε τῷ στόματι κυρίου (11 a)
— 14. ὀπίσω κυρίου πορευόμενοι (11 a + 6)
— 15. ἐὰν δὲ μὴ ἀκούσητε [A εἰσακ.] τῆς φωνῆς κυρίου καὶ ἐρίσητε τῷ στόματι κυρίου καὶ ἔσται χεὶρ κυρίου ἐφ' [A εἰς] ὑμᾶς (11 a ter)
— 16. ὃ ὁ κ. ποιήσει (11 a)
— 17. ἐπικαλέσομαι κύριον [A τὸν κ.] (11 a)
— 17. ἣν ἐποιήσατε ἐνώπιον κυρίου [A om.] (11 a)
— 18. B ἐπεκαλέσατο Σαμ. τὸν κ. (11 a)
— 18. B ἔδωκε κύριος φωνάς (11 a)
— 18. B ἐφοβήθησαν πᾶς ὁ λαὸς τὸν κ. (11 a)
— 19. B πρόσευξαι . . . πρὸς κ. θεόν σου (11 a)
— 20. B μὴ ἐκκλίνητε ἀπὸ ὄπισθεν κυρίου (11 a)
— 20. B δουλεύσατε τῷ κ. (11 a)
— 22. B οὐκ ἀπώσεται κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 a)
— 22. B κύριος προσελάβετο ὑμᾶς ἑαυτῷ (11 a)
— 23. B τοῦ ἁμαρτεῖν τῷ κ. (11 a)
— 23. B δουλεύσω τῷ κ. –
— 24. B φοβεῖσθε τὸν κ. (11 a)
13. 12. B τοῦ προσώπου τοῦ κ. οὐκ ἐδεήθην (11 a)
— 13. B ἦν ἐνετείλατό σοι κύριος (11 a + 6)
— 13. B ἡτοίμασε κύριος τὴν βασιλείαν σου (11 a)
— 14. B ζητήσει κύριος ἑαυτῷ ἄνθρωπον (11 a)
— 14. B ἐντελεῖται κύριος αὐτῷ (11 a)
— 14. B ὅ τι ἐνετείλατό σοι κύριος (11 a)
14. 6. B εἴ τι ποιήσει κύριος ἡμῖν (11 a)
— 6. B οὐκ ἔστι τῷ κ. συνεχόμενον (11 a)
— 10, 12. παραδέδωκεν αὐτοὺς κύριος (11 a)
— 15. ἐγενήθη ἔκστασις παρὰ κυρίου (6)
— 22 (23). ἔσωσε κύριος . . . τὸν Ἰσρ. (11 a)
— 26. ἐφοβήθη ὁ λαὸς τὸν ὅρκον κυρίου –
— 33. ἡμάρτηκεν ὁ λαὸς τῷ κ. (11 a)
— 34. οὐ μὴ ἁμάρτητε τῷ κ. (11 a)
— 35. ᾠκοδόμησεν . . . θυσιαστήριον τῷ κ. (11 a)

I Ki. 14. 35. οἰκοδομῆσαι θυσιαστήριον τῷ κ. (11 *a*)
— 39. ζῇ κύριος ὁ σώσας τὸν Ἰσρ. (11 *a*)
— 41. καὶ εἶπε Σαοὺλ, Κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. –
— 41. κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ., δὸς δῆλους (11 *a*)
— 42. ὃν ἂν κατακληρώσηται κύριος –
— 45. ζῇ κύριος (11 *a*)
15. 1. ἐμὲ ἀπέστειλε κύριος (11 *a*)
— 1. ἄκουε τῆς φωνῆς [A τῶν λόγων] κυρίου (11 *a*)
— 2. τάδε εἶπε κύριος σαβαώθ (11 *a*)
— 10. ἐγενήθη ῥῆμα κυρίου πρὸς Σαμ. (11 *a*)
— 11. ἐβόησε πρὸς κύριον (11 *a*)
— 12. ἀνέφερεν ὁλοκαύτωσιν τῷ κ. –
— 13. εὐλογητὸς σὺ τῷ κ. (11 *a*)
— 13. ὅσα ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
— 15. ὅπως τιθῇ κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 16. ἃ ἐλάλησε κύριος πρὸς μέ (11 *a*)
— 17. καὶ ἔχρισέ σε κύριος (11 *a*)
— 18. καὶ ἀπέστειλέ σε κύριος (11 *a*)
— 19. ἵνα τί οὐκ ἤκουσας φωνῆς κυρίου (11 *a*)
— 19. ἐποίησας τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 20. ᾗ ἀπέστειλέ με κύριος (11 *a*)
— 21. A R θῦσαι [B *om.*] ἐνώπιον κ. θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 22. εἰ θελητὸν τῷ κ. ὁλοκαυτώματα [A -μα] (11 *a*)
— 22. τὸ ἀκοῦσαι φωνῆς κυρίου (11 *a*)
— 23. ὅτι ἐξουδένωσας τὸ ῥῆμα κυρίου (11 *a*)
— 23. ἐξουδενώσει σε κύριος –
— 24. παρέβην τὸν λόγον κυρίου (11 *a*)
— 25. προσκυνήσω κ. τῷ [A *om.*] θεῷ σου (18 *a*)
— 26. ἐξουδένωσας τὸ ῥῆμα κυρίου (11 *a*)
— 26. ἐξουδενώσει σε κύριος (11 *a*)
— 28. διέρρηξε κύριος τὴν βασιλείαν σου (11 *a*)
— 30. προσκυνήσω κ. τῷ θεῷ σου (11 *a*)
— 31. προσεκύνησε [A *add.* Σαοὺλ] τῷ κ. (11 *a*)
— 33. ἔσφαξε . . . τὸν Ἀγὰγ ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 35. καὶ κύριος μετεμελήθη (11 *a*)
16. 1. εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. (11 *a*)
— 2. καὶ εἶπε κύριος (11 *a*)
— 2. θῦσαι τῷ κ. ἦκω (11 *a*)
— 4. ἃ ἐλάλησεν αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 5. θῦσαι τῷ κ. ἦκω (11 *a*)
— 6. ἐνώπιον κυρίου χριστὸς αὐτοῦ (11 *a*)
— 7. εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. (11 *a*)
— 8. A οὐδὲ τοῦτον ἐξελέξατο κύριος [B ὁ θεός] (11 *a*)
— 9. ἐν τούτῳ οὐκ ἐξελέξατο κύριος (11 *a*)
— 10. οὐκ ἐξελέξατο κύριος ἐν τούτοις (11 *a*)
— 12. καὶ ἀγαθὸς ὁράσει κυρίῳ –
— 12. εἶπε κύριος πρὸς Σαμ. (11 *a*)
— 13. ἐφήλατο πνεῦμα κυρίου ἐπὶ Δ. (11 *a*)
— 14. πνεῦμα κυρίου ἀπέστη ἀπὸ Σαούλ (11 *a*)
— 14. πνεῦμα πονηρὸν παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 15. πνεῦμα κυρίου πονηρὸν πνίγει σε (6)
— 16. ζητησάτωσαν τῷ κ. ἡμῶν ἄνδρα (1?)
— 18. καὶ κύριος μετ' αὐτοῦ (11 *a*)
17. 32. μὴ δὴ συμπεσέτω καρδία τοῦ κ. μου †
— 37. κύριος ὃς ἐξείλατό με (11 *a*)
— 37. ἔσται κύριος μετὰ σοῦ (11 *a*)
— 45. ἐν ὀνόματι κ. θεοῦ σαβαώθ [A σ. θ.] (18 *a* [11 *a*])
— 45 (46). ἀποκλείσει σε κύριος (11 *a*)
— 47. οὐκ ἐν ῥομφαίᾳ καὶ δόρατι σώζει κύριος ὅτι τοῦ κ. ὁ πόλεμος καὶ παραδώσει κύριος ὑμᾶς (11 *a*, 11 *a*, –)
18. 12. A ἦν κύριος μετ' αὐτοῦ (11 *a*)
— 14. καὶ κύριος μετ' αὐτοῦ (11 *a*)
— 17. A πολέμει τοὺς πολέμους κυρίου (11 *a*)
— 28. κύριος μετὰ Δαυίδ (11 *a*)
19. 5. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μεγάλην (11 *a*)
— 6. ζῇ κύριος (11 *a*)
— 9. A ἐγένετο πνεῦμα κυρίου [B θεοῦ] πονηρὸν ἐπὶ Σ. (11 *a*)
20. 3. ζῇ κύριος (11 *a*)
— 8. εἰσήγαγες εἰς διαθήκην κυρίου (11 *a*)
— 12. κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. οἶδεν (11 *a*)
— 13. A τάδε ποιήσαι κύριος [B ὁ θεὸς] τῷ Ἰων. (11 *a*)
— 13. ἔσται κύριος μετὰ σοῦ (11 *a*)
— 14. A ποιήσεις μετ' ἐμοῦ ἔλεος κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
— 15. ἐν τῷ ἐξαίρειν κύριον τοὺς ἐχθροὺς Δαυίδ (11 *a*)
— 16. ἐκζητήσαι κύριος ἐχθροὺς τοῦ Δ. (11 *a*)
— 22 (21). B οὐκ ἔστι λόγος κυρίου [A R *om.*] –
— 22 (21). ζῇ κύριος (11 *a*)
— 22. ἐξαπέσταλκέ σε κύριος (11 *a*)
— 23. ἰδοὺ κύριος μάρτυς (11 *a*)

I Ki. 20. 38. A B² R ἤνεγκε τὰς σχίζας [B¹ *om.* ἦ. τ. σχ.] πρὸς τὸν κ. αὐτοῦ (1)
— 42. ὀμωμόκαμεν . . . ἐν ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 42. κύριος ἔσται μάρτυς (11 *a*)
21. 6 (7). οἱ ἀφῃρημένοι ἐκ προσώπου κυρίου (11 *a*)
— 7 (8). συνεχόμενος . . . ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
22. 11. A τοὺς ἱερεῖς τοῦ κ. [B *om.* τ. κ.] τοὺς ἐν N. –
— 12. ἰδοὺ ἐγὼ, λάλει, κύριε (1)
— 17. θανατοῦτε τοὺς ἱερεῖς τοῦ κ. (11 *a*)
— 17. ἁμαρτήσαι εἰς τοὺς ἱερεῖς κυρίου (11 *a*)
— 18. ἐθανάτωσε τοὺς ἱερεῖς κυρίου –
— 21. ἐθανάτωσε Σ. πάντας τοὺς ἱερεῖς τοῦ κ. (11 *a*)
23. 2. ἐπηρώτησε Δ. διὰ τοῦ κ. (11 *a*)
— 2. καὶ εἶπε κύριος (11 *a*)
— 4. ἐρωτῆσαι διὰ τοῦ κ. (11 *a*)
— 4. ἀπεκρίθη αὐτῷ [A *om.*] κύριος (11 *a*)
— 9. προσάγαγε τὸ ἐφοὺδ κυρίου –
— 10. καὶ εἶπε Δ., Κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 11. καθὼς ἤκουσεν ὁ δοῦλός σου, κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 11. καὶ εἶπε κύριος (11 *a*)
— 12. A καὶ εἶπεν κύριος (11 *a*)
— 14. οὐ παρέδωκεν αὐτὸν κύριος (6)
— 16. ἐκραταίωσε τὰς χεῖρας αὐτοῦ ἐν κυρίῳ (6)
— 18. διέθεντο . . . διαθήκην ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 21. εὐλογημένοι ὑμεῖς τῷ κ. (11 *a*)
24. 5. ἦν εἶπε κύριος πρὸς σέ (11 *a*)
— 7. μηδαμῶς μοι παρὰ κυρίου [A -ίῳ] (11 *a*)
— 7. A R εἰ ποιήσω τὸ ῥῆμα τοῦτο τῷ κ. μου [B *om.* τ. κ. μ.] τῷ χριστῷ κυρίου (1, 11 *a*)
— 7. χριστὸς κυρίου ἐστὶν οὗτος (11 *a*)
— 9. λέγων, Κύριε [A κ. μου] βασιλεῦ (1)
— 11. ὡς παρέδωκέ σε κύριος (11 *a*)
— 11. ἐποίσω χεῖρά μου ἐπὶ κύριόν μου (1)
— 11. χριστὸς κυρίου [A -ος] οὗτός [A *om.*] ἐστι (11 *a*)
— 13. δικάσαι κύριος ἀνὰ μέσον ἐμοῦ (11 *a*)
— 13. ἐκδικήσαι με κύριος ἐκ σοῦ (11 *a*)
— 16. γένοιτο κύριος εἰς κριτήν (11 *a*)
— 16. ἴδοι κύριος καὶ κρίναι –
— 19. ὡς ἀπέκλεισέ με κύριος (11 *a*)
— 20. R κύριος ἀποτίσει [B ἀνταπ.] αὐτῷ ἀγαθά [A *al.*] (11 *a*)
— 22. ὄμοσόν μοι ἐν κυρίῳ (11 *a*)
25. 10. ἕκαστος ἐκ προσώπου τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
— 14. A R εὐλογῆσαι τὸν [B *om.*] κ. ἡμῶν (1)
— 17. συντετέλεσται ἡ κακία εἰς τὸν κ. ἡμῶν (1)
— 24. ἐν ἐμοὶ, κύριέ μου, ἡ ἀδικία μου (1)
— 25. μὴ δὴ θέσθω ὁ κ. μου καρδίαν αὐτοῦ (1)
— 25. R οὐκ εἶδον τὰ παιδάρια τοῦ κ. μου [A B π. σου] (1)
— 26. καὶ νῦν, κύριε, ζῇ κύριος (1, 11 *a*)
— 26. καθὼς ἐκώλυσέ σε κύριος (11 *a*)
— 26. οἱ ζητοῦντες τῷ κ. μου κακά (1)
— 27. ἣν ἐνήνοχεν ἡ δούλη σου τῷ κ. μου (1)
— 27. τοῖς παρεστηκόσι τῷ κ. μου (1)
— 28. ποιήσει κύριος τῷ κ. μου οἶκον πιστόν [A *om.*] (11 *a*, 1)
— 28. πόλεμον κυρίου μου ὁ κ. [A κ. μου] πολεμεῖ (11 *a*, 1)
— 29. ἔσται ψυχὴ κυρίου μου ἐνδεδεμένη ἐν δεσμῷ τῆς ζωῆς παρὰ κ. τῷ θεῷ (1, 11 *a*)
— 30. ποιήσει κύριος τῷ κ. μου πάντα (11 *a*, 1)
— 30. A ἐντελεῖταί σοι κύριος [B *om.*] εἰς ἡγούμενον –
— 31. καὶ σκάνδαλον [A *add.* καρδίας] τῷ κ. μου (1)
— 31. σῶσαι χεῖρα κυρίου μου αὐτοῦ (1)
— 31. ἀγαθώσαι κύριος τῷ κ. μου (11 *a*, 1)
— 32. εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 34. ζῇ κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 38. ἐπάταξε κύριος τὸν Νάβαλ (11 *a*)
— 39. εὐλογητὸς κ. (11 *a*)
— 39. τὴν κακίαν N. ἀπέστρεψε κύριος (11 *a*)
— 41. A νίψαι πόδας τῶν παίδων τοῦ κ. μου [B παίδων σου] (1)
26. 8. ἀπέκλεισε κύριος . . . τὸν ἐχθρόν σου (6)
— 9. τίς ἐποίσει χεῖρα αὐτοῦ ἐπὶ χριστὸν κυρίου (11 *a*)
— 10. ζῇ κύριος (11 *a*)
— 10. A R ἐὰν μὴ κύριος παίσῃ [B παιδεύσῃ] αὐτόν (11 *a*)
— 11. μηδαμῶς μοι [A *om.*] παρὰ κυρίου ἐπενεγκεῖν χεῖρά μου ἐπὶ χριστὸν κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 12. A R θάμβος κυρίου [B -ος] ἔπεσεν ἐπ' αὐτούς (11 *a*)
— 15. διὰ τί οὐ φυλάσσεις τὸν κ. σου τὸν βασ. (1)

I Ki. 26. 15. A R διαφθεῖραι τὸν [B *om.*] κ. σου τὸν βασ. (1)
— 16. ζῇ κύριος (11 *a*)
— 16. A R οἱ φυλάσσοντες τὸν βασ. τὸν [B *om.*] κ. ὑμῶν τὸν χριστὸν κυρίου (1, 11 *a*)
— 17. δοῦλός σου, κύριε βασιλεῦ (1)
— 18. ἵνα τί τοῦτο καταδιώκει ὁ κ. (1)
— 19. ἀκουσάτω ὁ κ. μου ὁ βασ. τὸ ῥῆμα (1)
— 19. ἐπικατάρατοι οὗτοι [A *om.*] ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 19. μὴ ἐστηρίσθαι ἐν κληρονομίᾳ κυρίου (11 *a*)
— 20. μὴ πέσοι τὸ αἷμά μου . . . ἐξ ἐναντίας προσώπου κυρίου (11 *a*)
— 23. κύριος ἐπιστρέψει ἑκάστῳ (11 *a*)
— 23. ὡς παρέδωκέ σε κύριος (11 *a*)
— 23. ἐπενεγκεῖν χεῖρά μου ἐπὶ χριστὸν κυρίου (11 *a*)
— 24. μεγαλυνθείη ἡ ψυχή μου ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
28. 6. ἐπηρώτησε Σαοὺλ διὰ κυρίου (11 *a*)
— 6. οὐκ ἐπεκρίθη αὐτῷ κύριος (11 *a*)
— 10. A ὤμοσεν αὐτῇ Σαοὺλ ἐν κυρίῳ [B *om.* ἐν κ.] (11 *a*)
— 10. ζῇ κύριος (11 *a*)
— 16. κύριος ἀφέστηκεν ἀπὸ σοῦ (11 *a*)
— 17. πεποίηκε κύριός σοι καθὼς ἐλάλησε κύριος (11 *a*, –)
— 17. διαρρήξει κύριος τὴν βασιλείαν σου (11 *a*)
— 18. οὐκ ἤκουσας φωνῆς κυρίου (11 *a*)
— 18. ἐποίησε κύριός σοι (11 *a*)
— 19. παραδώσει κύριος τὸν Ἰσρ. (11 *a*)
— 19. τὴν παρεμβολὴν Ἰσρ. δώσει κύριος (11 *a*)
29. 4. ἐν τίνι διαλλαγήσεται οὗτος τῷ κ. αὐτοῦ (1)
— 6. ζῇ κύριος (11 *a*)
— 8. πολεμῆσαι τοὺς ἐχθροὺς τοῦ κ. μου τοῦ βασ. (1)
— 10. οἱ παῖδες τοῦ κ. σου οἱ ἥκοντες (1)
30. 6. ἐκραταιώθη Δ. ἐν κ. θεῷ αὐτοῦ (11 *a*)
— 8. ἐπηρώτησε Δ. διὰ τοῦ κ. (11 *a*)
— 13. κατέλιπέ με ὁ κ. μου (1)
— 15. μὴ παραδοῦναί με εἰς χεῖρας τοῦ κ. (1)
— 23. μετὰ τὸ παραδοῦναι τὸν κ. ἡμῖν (11 *a*)
— 23. παρέδωκε κύριος τὸν γεδδούρ –
— 26. τῶν σκύλων τῶν ἐχθρῶν κυρίου (11 *a*)
II Ki. 1. 10. ἐνήνοχα αὐτὰ τῷ κ. μου (1)
— 14. διαφθεῖραι τὸν χριστὸν κυρίου (11 *a*)
— 16. ἐθανάτωσα τὸν χριστὸν κυρίου (11 *a*)
2. 1. ἐπηρώτησε Δ. ἐν κυρίῳ (11 *a*)
— 1. καὶ εἶπε κύριος πρὸς αὐτόν (11 *a*)
— 5. A R εὐλογημένοι ὑμεῖς τῷ κ. (11 *a*)
— 5. A R πεποιήκατε τὸ ἔλεος τοῦ θεοῦ ἐπὶ τὸν κ. ὑμῶν (1)
— 5. R ἐπὶ Σαοὺλ τὸν χριστὸν κυρίου [A *al.*] –
— 6. A R ποιήσαι κύριος μεθ' ὑμῶν ἔλεος (11 *a*)
— 7. τέθνηκεν ὁ κ. ὑμῶν Σαοὺλ (1)
— 27. ζῇ κύριος (6)
3. 9. καθὼς ὤμοσε κύριος τῷ Δ. (11 *a*)
— 18. κύριος ἐλάλησε περὶ Δαυίδ (11 *a*)
— 21. συναθροίσω πρὸς [A² *add.* τὸν] κύριόν μου τὸν βασ. (1)
— 28. ἀθῷός εἰμι . . . ἀπὸ κυρίου (11 *a*)
— 39. ἀποδῷ [A ἀνταπ.] κύριος τῷ ποιοῦντι (11 *a*)
4. 8. ἔδωκε κύριος τῷ κ. [A κ. μου] βασ. ἐκδίκησιν (11 *a*, 1)
— 9. ζῇ κύριος (11 *a*)
5. 2. εἶπε κύριος πρὸς σέ (11 *a*)
— 3. διέθετο αὐτοῖς . . . ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 9 (8). οὐκ εἰσελεύσονται εἰς οἶκον κυρίου –
— 10. καὶ κ. [A κ. ὁ θεὸς] παντοκράτωρ μετ' αὐτοῦ (11 *a et* 6 [11 *a*])
— 12. ἡτοίμασεν αὐτὸν κύριος (11 *a*)
— 19. ἠρώτησε Δαυὶδ διὰ κυρίου (11 *a*)
— 19. εἶπε κύριος πρὸς Δαυίδ (11 *a*)
— 20. διέκοψε κύριος τοὺς ἐχθρούς (11 *a*)
— 23. ἐπηρώτησε Δαυὶδ διὰ κυρίου καὶ εἶπε κύριος (11 *a*, –)
— 24. ἐξελεύσεται κύριος ἔμπροσθέν σου (11 *a*)
— 25. καθὼς ἐνετείλατο αὐτῷ κύριος (11 *a*)
6. 2. A R ἐφ' ᾗ ἐπεκλήθη τὸ ὄνομα τοῦ [B *om.*] κ. τῶν δυνάμεων (11 *a*)
— 3. ἐπεβίβασεν τὴν κιβωτὸν κυρίου (6)
— 5. παίζοντες ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 7. ἐθυμώθη κύριος (11 *a*)
— 7. παρὰ τὴν κιβωτὸν τοῦ κ. (6?)
— 8. διέκοψε κύριος διακοπὴν (11 *a*)
— 9. ἐφοβήθη Δ. τὸν κ. (11 *a*)
— 9. πῶς εἰσελεύσεται . . . ἡ κιβωτὸς κυρίου [A τοῦ κ.] (11 *a*)
— 10. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 *a*)

II Ki. 6. 11. ἐκάθισεν ἡ κιβωτὸς τοῦ [A ἐκεῖ γλωσσόκομον] κ. (11 a)
— 11. εὐλόγησε κύριος ὅλον τὸν οἶκον (11 a)
— 12. εὐλόγησε κύριος τὸν οἶκον Ἀβ. (11 a)
— 12. ἀνήγαγε τὴν κιβωτὸν τοῦ κ. (6)
— 14. ἀνεκρούετο . . . ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 15. ἀνήγαγον τὴν κιβωτὸν κυρίου (11 a)
— 16. A τῆς κιβωτοῦ κυρίου [B om.] παραγινομένης (11 a)
— 16. ἀνακρουόμενον ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 17. φέρουσι τὴν κιβωτὸν τοῦ [A om.] κ. (11 a)
— 17. ἀνήνεγκε [A -ήγαγεν] . . . ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 18. ἐν ὀνόματι κυρίου τῶν δυνάμεων (11 a)
— 21. ἐνώπιον κυρίου ὀρχήσομαι [A om.] (11 a)
— 21. εὐλογητὸς κ. –
— 21. ὀρχήσομαι ἐνώπιον κυρίου [A om. ἐ. κ.] (11 a)
7. 1. κύριος κατεκληρονόμησεν αὐτόν (11 a)
— 3. ὅτι κύριος μετὰ σοῦ (11 a)
— 4. ἐγένετο ῥῆμα κυρίου πρὸς N. (11 a)
— 5. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 8. τάδε λέγει κ. παντοκράτωρ (11 a)
— 11. ἀπαγγελεῖ σοι κύριος (11 a)
— 18. ἐκάθισεν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 18. τίς εἰμι ἐγὼ, κύριέ μου κύριε (2, 11 b)
— 19. B ἐνώπιόν σου, κύριέ μου κύριε [A B om.] (2, 11 b)
— 19. οὗτος δὲ . . . κυριέ μου κύριε [A om.] (2, 11 b)
— 20. B σὺ οἶδας τὸν δοῦλόν σου, κύριέ μου κύριε [A B om. μ. κ.] (2, 11 b)
— 22. A B τοῦ μεγαλῦναί σε, κύριε [B om.] κυριέ μου (11 a, 6)
— 24. σὺ, κύριε, ἐγένου αὐτοῖς εἰς θεόν (11 a)
— 25. καὶ νῦν, κύριέ μου (11 a + 6)
— 25. ἕως αἰῶνος, κύριε παντοκράτωρ [A om.] –
— 26. A κύριε παντοκράτωρ θεὲ ἐπὶ τὸν Ἰσρ. (11 a)
— 27. κύριε παντοκράτωρ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 27. λέγει κύριος παντοκράτωρ θεὸς Ἰσρ. –
— 28. καὶ νῦν, κύριέ μου κύριε [A om.] (2, 11 b)
— 29. σὺ εἶ, κύριέ μου κύριε, ἐλάλησας (2, 11 b)
8. 6. ἔσωσε κύριος τὸν Δανίδ (11 a)
— 11. ταῦτα ἡγίασεν ὁ βασ. Δ. τῷ κ. (11 a)
— 14. ἔσωσε κύριος τὸν Δανίδ (11 a)
9. 9. πάντα . . . δέδωκα τῷ υἱῷ τοῦ κ. [A τῷ οἴκῳ τῷ κ.] σου (1)
— 10. εἰσοίσεις τῷ υἱῷ τοῦ κ. σου ἄρτους (1)
— 10. Μεμφιβοσθὲ υἱὸς τοῦ κ. σου (1)
— 11. ὅσα ἐντέταλται ὁ κ. μου ὁ βασ. (1)
10. 3. εἶπον . . . πρὸς Ἀ. τὸν κ. αὐτῶν (1)
— 12. κύριος ποιήσει τὸ ἀγαθόν (11 a)
11. 9. μετὰ τῶν δούλων τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
— 11. ὁ κ. μου Ἰ. καὶ οἱ δοῦλοι τοῦ κ. μου (1, 1)
— 13. μετὰ τῶν δούλων τοῦ κ. αὐ. (1)
— 27. ὃ ἐποίησε Δ. ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
12. 1. ἀπέστειλε κύριος τὸν Νάθαν (11 a)
— 5. ζῇ κύριος (11 a)
— 7. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 8. ἔδωκά σοι τὸν οἶκον τοῦ κ. σου καὶ [A om.] τὰς [A ἔδωκα τ.] γυναῖκας τοῦ κ. σου (1, 1)
— 9. ἐφαύλισας τὸν λόγον κυρίου (11 a)
— 11. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 13. ἡμάρτηκα τῷ κ. (11 a)
— 13. κύριος παρεβίβασε τὸ ἁμάρτημά σου (11 a)
— 14. παρώξυνας τοὺς ἐχθροὺς κυρίου (11 a)
— 15. ἔθραυσε κύριος τὸ παιδίον [A -δάριον] (11 a)
— 22. εἰ ἐλεήσει με κύριος (11 a)
— 24. κύριος ἠγάπησεν αὐτόν (11 a)
— 25. ἐκάλεσε τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰ. ἕνεκεν κυρίου (11 a)
13. 32. μὴ εἰπάτω ὁ κ. μου ὁ βασ. [A al.] (1)
— 33. μὴ θέσθω ὁ κ. μου ὁ βασ. . . . ῥῆμα (1)
14. 9. ἐπ' ἐμὲ, κύριέ μου βασιλεῦ (1)
— 11. μνημονευσάτω δὴ . . . τὸν κ. θεὸν αὐτοῦ (11 a)
— 11. ζῇ κύριος (11 a)
— 12. λαλησάτω δὴ . . . πρὸς τὸν κ. μου (1)
— 15. λαλῆσαι πρὸς τὸν βασ. τὸν [B¹ om.] κ. μου (1)
— 15. B λαλησάτω δὴ πρὸς τὸν κ. μου [A B om. τ. κ. μ.] τὸν βασ. –
— 17. εἴη δὴ ὁ λόγος τοῦ κ. μου (1)
— 17. οὕτως ὁ κ. μου ὁ βασ. (1)
— 17. κ. ὁ θεός σου ἔσται μετὰ σοῦ (11 a)
— 18. λαλησάτω δὴ ὁ κ. μου ὁ βασ. (1)
— 19. ζῇ ἡ ψυχή σου, κύριέ μου βασιλεῦ (1)
— 19. ὧν ἐλάλησεν μου ὁ βασ. (1)

II Ki. 14. 20. καὶ ὁ κ. μου σοφός (1)
— 22. ἐν ὀφθαλμοῖς σου, κύριέ μου βασιλεῦ (1)
— 22. ἐποίησεν ὁ κ. μου ὁ βασ. τὸν λόγον –
15. 7. ἃς ηὐξάμην τῷ κ. ἐν X. (11 a)
— 8. ἐὰν . . . ἐπιστρέψῃ με κύριος [A ὁ κ.] (11 a)
— 8. λατρεύσω τῷ κ. (11 a)
— 15. ὅσα αἱρεῖται ὁ κ. ἡμῶν ὁ βασ. (1)
— 20. κύριος ποιήσει μετὰ σοῦ ἔλεος –
— 21. ζῇ κύριος καὶ ζῇ ὁ κ. μου ὁ βασ. (11 a, 1)
— 21. οὗ ἐὰν ᾖ ὁ κ. μου (1)
— 24. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (6)
— 25. ἐὰν εὕρω χάριν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 31. διασκέδασον δὴ . . . κύριε ὁ θεός μου (18 a)
16. 3. καὶ ποῦ ὁ υἱὸς τοῦ κ. σου (1)
— 4. εὕροιμι χάριν . . . κύριέ μου βασιλεῦ (1)
— 8. ἐπέστρεψεν ἐπὶ σὲ κύριος πάντα τὰ αἵματα (11 a)
— 8. ἔδωκε κύριος τὴν βασιλείαν (11 a)
— 9. ἵνα τί καταρᾶται . . . τὸν κ. μου τὸν βασ. (1)
— 10. κύριος εἶπεν αὐτῷ καταρᾶσθαι τὸν Δ. (11 a)
— 11. ὅτι εἶπεν αὐτῷ κύριος (11 a)
— 12. εἶπως ἴδοι κύριος ἐν τῇ ταπεινώσει μου (11 a)
— 12. A ἐπιστρέψει κύριός [B om.] μοι ἀγαθά (11 a)
— 18. κατόπισθεν οὗ ἐξελέξατο κύριος (11 a)
17. 14. καὶ κύριος ἐνετείλατο (11 a)
— 14. ὅπως ἂν ἐπαγάγῃ κύριος . . . τὰ κακὰ πάντα (11 a)
18. 19. ἔκρινε κύριος ἐκ χειρὸς τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ (11 a)
— 28. εὐλογητὸς κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 28. ἐν τῷ κ. μου τῷ βασ. (1)
— 31. εὐαγγελισθήτω ὁ κ. μου ὁ β. (1)
— 31. ἔκρινέ σοι κύριος σήμερον (11 a)
— 32. οἱ ἐχθροὶ τοῦ κ. μου τοῦ βασ. (1)
19. 7 (8). ἐν κυρίῳ ὤμοσα (11 a)
— 19 (20). μὴ διαλογισάσθω ὁ κ. μου ἀνομίαν (1)
— 19 (20). ᾗ ὁ κ. μου [A add. ὁ βασ.] ἐξεπορεύετο (1)
— 20 (21). εἰς ἀπαντὴν τοῦ κ. μου τοῦ βασ. (1)
— 21 (22). κατηράσατο τὸν χριστὸν κυρίου (11 a)
— 26 (27). κύριέ μου [A om.] βασιλεῦ, ὁ δοῦλός σου (1)
— 27 (28). μεθώδευσεν . . . πρὸς τὸν κ. μου (1)
— 27 (28). ὁ κ. μου ὁ βασ. ἐποίησεν τὸ καλόν (1)
— 28 (29). ἄνδρες θανάτου τῷ κ. μου τῷ βασ. (1)
— 30 (31). μετὰ τὸ παραγενέσθαι τὸν κ. μου (1)
— 35 (36). εἰς φορτίον ἐπὶ τὸν κ. μου τὸν βασ. (1)
— 37 (38). διαβήσεται μετὰ τοῦ κ. μου τοῦ βασ. (1)
20. 6. λάβε μετὰ σεαυτοῦ τοὺς παῖδας τοῦ κ. σου (1)
— 19. ἵνα τί καταποντίζεις κληρονομίαν κυρίου (11 a)
21. 1. ἐζήτησε Δ. τὸ πρόσωπον τοῦ κ. (11 a)
— 1. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 3. εὐλογήσετε τὴν κληρονομίαν κυρίου (11 a)
— 6. ἐξηλιάσωμεν αὐτοὺς τῷ κ. . . . ἐκλεκτοὺς [A -ὸς] κυρίου (11 a, 11 a)
— 7. διὰ τὸν ὅρκον κυρίου (11 a)
— 9. ἐξηλίασαν αὐτοὺς . . . ἔναντι κυρίου (11 a)
22. 1. ἐλάλησε Δ. τῷ κ. τοὺς λόγους (11 a)
— 1. ἐν ᾗ ἡμέρᾳ ἐξείλατο αὐτὸν κύριος (11 a)
— 2. κύριε, πέτρα μου (11 a)
— 4. αἰνετὸν ἐπικαλέσομαι κύριον (11 a)
— 7. ἐπικαλέσομαι κύριον (11 a)
— 8. ἐθυμώθη κύριος αὐτοῖς –
— 14. ἐβρόντησεν ἐξ οὐρανοῦ κύριος (11 a)
— 16. ἐν τῇ ἐπιτιμήσει κυρίου (11 a)
— 19. ἐγένετο κύριος ἐπιστήριγμά μου (11 a)
— 21. ἀνταπέδωκέ μοι κύριος (11 a)
— 22. ἐφύλαξα ὁδοὺς κυρίου (11 a)
— 25. ἀποδώσει μοι κύριος (11 a)
— 29. σὺ ὁ λύχνος μου, κύριε (11 a)
— 29. κύριος [A κ. μου] ἐκλάμψει μοι τὸ σκότος μου (11 a)
— 31. τὸ ῥῆμα κυρίου κραταιὸν [A om.] πεπυρωμένον (11 a)
— 32. τίς ἰσχυρὸς πλὴν κυρίου (11 a)
— 42. βοήσονται . . . πρὸς κύριον (11 a)
— 47. ζῇ κύριος (11 a)
— 48. ἰσχυρὸς [A S ὑψηλὸς] κ. ὁ διδούς (4 a)
— 50. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε (11 a)
23. 1. A ὃν ἀνέστησε κύριος ἐπὶ χριστὸν κυρίου [B om.] θεοῦ Ἰακώβ (–, 18 b)
— 2. πνεῦμα κυρίου ἐλάλησεν ἐν ἐμοί (11 a)
— 3. A πῶς κραταιώσητε φόβον κυρίου [B χριστοῦ] (6)
— 4. οὗ κύριος [A om.] παρῆλθεν ἐκ φέγγους –
— 10, 12. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μεγάλην (11 a)

II Ki. 23. 16. ἔσπεισεν αὐτὸ τῷ κ. (11 a)
— 17. ἵλεώς μοι, κύριε (11 a)
24. 1. προσέθετο ὀργὴν κύριος [A B² -ὴ κυρίου] ἐκκαῆναι (11 a)
— 3. προσθείη κύριος ὁ θεὸς πρὸς τὸν λαόν (11 a)
— 3. καὶ ὀφθαλμοὶ τοῦ κ. μου τοῦ βασ. ὁρῶντες (1)
— 3. ὁ κ. μου ὁ βασ. ἵνα τί βούλεται (1)
— 10. εἶπε Δ. πρὸς κύριον (11 a)
— 10. ἐποίησα νῦν, κύριε [A al.] (11 a)
— 11. λόγος κυρίου ἐγένετο πρὸς Γάδ (11 a)
— 12. B τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 14. ἐμπεσοῦμαι δὴ ἐν χειρὶ κυρίου (11 a)
— 15. ἔδωκε κύριος ἐν Ἰσρ. θάνατον (11 a)
— 16. παρεκλήθη κύριος ἐπὶ [A ἐν] τῇ κακίᾳ (11 a)
— 16. ὁ ἄγγελος κυρίου ἦν παρὰ τῇ ἅλῳ (11 a)
— 17. εἶπε Δαυὶδ πρὸς κύριον (11 a)
— 18. στῆσον τῷ κ. θυσιαστήριον (11 a)
— 19. καθ' ὃν τρόπον ἐνετείλατο αὐτῷ κύριος (11 a)
— 21. ἦλθεν ὁ κ. μου ὁ βασ. πρὸς τὸν δοῦλον αὐτοῦ (1)
— 21. τοῦ οἰκοδομῆσαι θυσιαστήριον τῷ κ. (11 a)
— 22. ἀνενεγκάτω ὁ κ. μου ὁ βασ. τῷ κ. τὸ ἀγαθόν (1, –)
— 23. κ. ὁ θεός σου [A om.] εὐλογήσαι σε (11 a)
— 24. οὐκ ἀνοίσω τῷ κ. μου θεῷ ὁλοκαύτωμα δωρεάν (11 a)
— 25. ᾠκοδόμησεν . . . θυσιαστήριον κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 a)
— 25. ἐπήκουσε κύριος τῇ γῇ (11 a)
III Ki. 1. 2. A ζητησάτωσαν τῷ κ. ἡμῶν [B om. τ. κ. ἡ.] τῷ βασ. (1)
— 2. θερμανθήσεται ὁ κ. μου ὁ βασ. (1)
— 11. ὁ κ. ἡμῶν Δ. [A ὁ βασ. Δ.] οὐκ ἔγνω (1)
— 13. οὐχὶ σὺ, κύριέ μου βασιλεῦ, ὤμοσας (1)
— 17. ἡ δὲ εἶπε, Κύριε [A K. μου βασιλεῦ] (1)
— 17. A B σὺ ὤμοσας ἐν κ. [B om.] τῷ θεῷ σου (11 a)
— 18. σὺ, κύριέ μου βασιλεῦ, οὐκ ἔγνως (1)
— 20. καὶ σὺ, κύριέ μου βασιλεῦ (1)
— 20. τίς καθήσεται ἐπὶ τοῦ θρόνου τοῦ κ. μου (1)
— 21. ὡς ἂν κοιμηθῇ ὁ κ. μου ὁ βασ. (1)
— 24. κύριέ μου βασιλεῦ, σὺ εἶπας (1)
— 27. εἰ διὰ τοῦ κ. μου τοῦ βασ. γέγονε τὸ ῥῆμα τοῦτο (1)
— 27. τίς καθήσεται ἐπὶ τὸν θρόνον τοῦ κ. μου (1)
— 29. ζῇ κύριος (11 a)
— 30. A B καθὼς ὤμοσά σοι ἐν κ. θεῷ [B τῷ θ.] Ἰσρ. (11 a)
— 31. ζήτω ὁ κ. μου ὁ βασ. Δ. (1)
— 33. λάβετε τοὺς δούλους τοῦ κ. ὑμῶν (1)
— 36. A B πιστώσαι κ. [B om.] ὁ θεὸς τοῦ κ. μου τοῦ βασ. (11 a, 1)
— 37. καθὼς ἦν κύριος μετὰ τοῦ κ. μου τοῦ βασ. (11 a, 1)
— 37. ὑπὲρ τὸν θρόνον τοῦ κ. μου τοῦ βασ. Δ. (1)
— 43. ὁ κ. ἡμῶν ὁ βασ. Δ. ἐβασίλευσε τὸν Σαλ. (1)
— 47. εὐλογῆσαι τὸν κ. ἡμῶν τὸν βασ. Δ. (1)
— 48. εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
2. 3. A B φυλάξεις τὴν φυλακὴν κ. [B om.] θεοῦ σου (11 a)
— 4. ἵνα στήσῃ κύριος τὸν λόγον αὐτοῦ (11 a)
— 8. ὤμοσα αὐτῷ ἐν κυρίῳ (11 a)
— 14 (15). παρὰ κυρίου ἐγένετο αὐτῷ (11 a)
— 23. ὤμοσεν ὁ βασ. Σαλ. κατὰ τοῦ κ. (11 a)
— 24. ζῇ κύριος (11 a)
— 24. καθὼς ἐλάλησε κύριος –
— 26. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (3)
— 27. τοῦ μὴ εἶναι ἱερέα τοῦ κ. (11 a)
— 27. πληρωθῆναι τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 28. ἔφυγεν Ἰ. εἰς τὸ σκήνωμα τοῦ κ. (11 a)
— 29. ἔφυγεν Ἰ. εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ κ. (11 a)
— 29. ἐφύγομεν πρὸς κύριον [A τὸν κ.] –
— 30. ἦλθε B. . . . εἰς τὴν σκηνὴν τοῦ κ. (11 a)
— 32. ἀπέστρεψεν κύριος τὸ αἷμα (11 a)
— 33. γένοιτο εἰρήνη ἕως αἰῶνος παρὰ κυρίου (11 a)
3. 1 (4. 29 [5. 9]). ἔδωκε κύριος φρόνησιν τῷ Σαλ. (6)
— 1. ἕως συντελέσαι αὐτὸν . . . τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 1 (9. 25). ὃ ᾠκοδόμησε τῷ κ. (11 a)
— 1 (9. 25). ἐθυμία ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 1. μετὰ τὸ οἰκοδομῆσαι αὐτὸν τὸν οἶκον τοῦ κ. (11 a)
— 1 (2. 8). ὤμοσα αὐτῷ κατὰ τοῦ κ. (11 a)
— 1 (2. 38). ὃ ἐλάλησας, κύριέ μου βασιλεῦ (1)
— 1 (2. 42). οὐχὶ ὥρκισά σε κατὰ τοῦ κ. (11 a)
— 1 (2. 43). οὐκ ἐφύλαξας τὸν ὅρκον κυρίου [A τοῦ κ.] (11 a)
— 1 (2. 44). ἀνταπέδωκε κύριος τὴν κακίαν σου (11 a)

III Ki. 3. 1 (2. 45). ἕτοιμος ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 1. A ἕως οὗ συνετέλεσεν οἰκοδομῶν . . . τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 2. οὐκ ᾠκοδομήθη οἶκος τῷ κ. [A ὀνόματι κυρίου] (11 a)
— 3. ἠγάπησε Σαλ. τὸν κ. (11 a)
— 5. ὤφθη κύριος [A ὁ κ.] τῷ Σαλ. (11 a)
— 5. εἶπε κύριος πρὸς Σαλ. (6)
— 7. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεός μου (11 a)
— 10. ἤρεσεν [A ἦ. ὁ λόγος] ἐνώπιον κυρίου (2)
— 11. εἶπε κύριος πρὸς αὐτόν (6)
— 15. τοῦ κατὰ πρόσωπον κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (11 a)
— 17. ἐν ἐμοὶ, κύριε [A κ. μου] (1)
— 26. ἐν ἐμοὶ, κύριε (1)
4. 29 (5. 9). ἔδωκε κύριος φρόνησιν [A σοφίαν] τῷ Σαλ. (6)
— 34 (3. 1). B ἕως συντελέσαι αὐτὸν τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
5. 3 (17). οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κ. θεοῦ μου (11 a)
— 3 (17). A R ἕως τοῦ δοῦναι κύριον [B om.] αὐτούς (11 a)
— 4 (18). ἀνέπαυσε κ. ὁ θεός μου ἐμοί (11 a)
— 5 (19). οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κ. θεοῦ μου (11 a)
— 5 (19). καθὼς ἐλάλησε κ. ὁ θεὸς πρὸς Δ. (18 a)
— 12 (26). κύριος ἔδωκε σοφίαν τῷ Σαλ. (11 a)
6. 1. A ᾠκοδόμει τὸν οἶκον τῷ κ. (11 a)
— 1. B ἐθεμελίωσε τὸν οἶκον κυρίου (11 a ?)
— 2. ὃν ᾠκοδόμησεν ὁ βασ. τῷ κ. (11 a)
— 11. A ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σαλ. (11 a)
— 19. δοῦναι ἐκεῖ τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 a)
— 37. A ἐθεμελίωσεν τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
7. 40. ἃ ἐποίησε . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 45. ἃ ἐποίησε . . . τῷ οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 45. οἱ στῦλοι . . . τοῦ οἴκου κυρίου [A τοῦ κ.] –
— 48. R ἃ ἐποίησεν ἐν οἴκῳ κυρίου [B om., A al.] (11 a)
— 51. ὃ ἐποίησε . . . οἴκου κυρίου (11 a)
— 51. ἔδωκεν εἰς τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου (11 a)
— 12. A ᾠκοδόμησεν αὐλὴν οἴκου κυρίου (11 a)
8. 1. B τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 1. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 a)
— 4. A ἀνεβίβασαν τὴν κιβωτὸν κυρίου (11 a)
— 6. A εἰσφέρουσιν . . . τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου [B om. δ. κ.] (11 a)
— 9. ἃ διέθετο κύριος (11 a)
— 10. A ἡ νεφέλη ἔπλησε τὸν οἶκον κυρίου [B om.] (11 a)
— 11. A ἔπλησε δόξα κυρίου τὸν οἶκον κυρίου [B om.] (11 a, 11 a)
— 12. A κύριος εἶπεν τοῦ σκηνῶσαι ἐν γνόφῳ (11 a)
— 15. εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 17. οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 18. εἶπε κύριος πρὸς Δ. τὸν πατέρα μου (11 a)
— 20. ἀνέστησε κύριος τὸ ῥῆμα αὐτοῦ (11 a)
— 20. A B² R καθὼς ἐλάλησε κύριος [B¹ om.] (11 a)
— 20. ᾠκοδόμησα τὸν οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 21. ἐν ᾗ ἐστιν ἐκεῖ διαθήκη κυρίου (11 a)
— 21. ἣν διέθετο κύριος μετὰ τῶν πατέρων –
— 22. κατὰ πρόσωπον τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου (11 a)
— 23. καὶ εἶπε, Κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 25. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 b)
— 26. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (18 b)
— 28. ἐπιβλέψῃ . . . κύριε [A om.] ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 44. προσεύξονται ἐν ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 53. ἐν τῷ ἐξαγαγεῖν σε . . . κύριε κύριε [A om. κ. κ.] (2, 11 b)
— 53. A R κύριος εἶπε κατοικεῖν ἐν γνόφῳ [B ἐκ γνόφου] –
— 54. προσευχόμενος πρὸς κύριον (11 a)
— 54. ἀπὸ προσώπου τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου (11 a)
— 56. εὐλογητὸς κ. σήμερον (11 a)
— 57. γένοιτο κ. ὁ θεὸς ἡμῶν μεθ' ἡμῶν (11 a)
— 59. ὡς [A οὓς] δεδέημαι ἐνώπιον κ. θεοῦ ἡμῶν (18 a)
— 59. ἐγγίζοντες πρὸς κ. θεὸν ἡμῶν (11 a)
— 60. κύριος [A κ. αὐτὸς] ὁ θεὸς αὐτὸς θεός (18 a)
— 61. ἔστωσαν αἱ καρδίαι ἡμῶν τέλειαι πρὸς κύριον (11 a)
— 62. ἔθυσαν θυσίαν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 63. A R ἃς [B¹ ἣν, B² ὧν] ἔθυσε τῷ κ. (11 a)
— 63. ἐνεκαίνισε τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 64. τὸ κατὰ πρόσωπον τοῦ οἴκου κυρίου (11 a)
III Ki. 8. 64. τὸ θυσιαστήριον τὸ χαλκοῦν τὸ ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 65. ἐποίησε Σαλ. τὴν ἑορτὴν . . . ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 65. εὐφραινόμενος ἐνώπιον κ. θεοῦ ἡμῶν –
— 66. οἷς ἐποίησε κύριος τῷ Δαυίδ (11 a)
9. 1. οἰκοδομεῖν [A B²-μῶν] τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 2. ὤφθη κύριος τῷ Σαλ. (11 a)
— 3. εἶπε πρὸς αὐτὸν κύριος (11 a)
— 8. ἕνεκα τίνος ἐποίησε κύριος οὕτως (11 a)
— 9. ἐγκατέλιπον κύριον [A τὸν κ.] (11 a)
— 9. ἐπήγαγε κύριος [B¹ om.] . . . τὴν κακίαν ταύτην (11 a)
— 10. τὸν οἶκον κυρίου καὶ τὸν οἶκον τοῦ βασ. (11 a)
— 15. A οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 25. A ὃν ᾠκοδόμησεν τῷ κ. (11 a)
— 25. A ἐθυμία αὐτὸς εἰς πρόσωπον κυρίου (11 a)
10. 1. ἤκουσε . . . τὸ ὄνομα κυρίου (11 a)
— 5. ἣν ἀνέφερεν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 9. γένοιτο κ. ὁ θεός σου εὐλογημένος (11 a)
— 9. διὰ τὸ ἀγαπᾶν κύριον τὸν Ἰσρ. (11 a)
— 12. ὑποστηρίγματα τοῦ οἴκου κυρίου (11 a)
— 22 (9. 15). B οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 24. ἧς ἔδωκε κύριος τῇ καρδίᾳ αὐτοῦ (6)
11. 2. ὧν ἀπεῖπε κύριος τοῖς υἱοῖς Ἰσρ. (11 a)
— 4. οὐκ ἦν ἡ καρδία αὐτοῦ τελεία μετὰ κυρίου (11 a)
— 6. ἐποίησε Σαλ. τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 6. οὐκ ἐπορεύθη ὀπίσω κυρίου (11 a)
— 9. ὠργίσθη κύριος ἐπὶ Σαλ. (11 a)
— 9. ἐξέκλινε καρδίαν αὐτοῦ ἀπὸ κυρίου (11 a)
— 10. ἃ ἐνετείλατο αὐτῷ κ. ὁ θεός (18 a)
— 10. B οὐδ' ἦν ἡ καρδία αὐτοῦ τελεία μετὰ κυρίου –
— 11. εἶπε κύριος πρὸς Σαλ. (11 a)
— 14 (B), 23 (A). ἤγειρε κύριος σατὰν τῷ Σαλ. (11 a)
— 14 (B), 23 (A). Ἀδαδ. βασιλέα Σουβὰ κύριον αὐτοῦ (1)
— 31. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 33. A οὐκ ἐπορεύθη ἐνώπιον κυρίου [B om. ἐ. κ.] –
12. 15. ἦν μεταστροφὴ παρὰ κυρίου (11 a)
— 15. A ὃ ἐλάλησεν κύριος [B om.] ἐν χειρὶ Α. (11 a)
— 22. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σαμ. (6)
— 24. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 24. ἤκουσαν τοῦ λόγου κυρίου (11 a)
— 24. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 24 B (*cf.* A 14. 22). ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 24. B καὶ ῥῆμα κυρίου μετ' αὐτοῦ –
— 24 *ter*. B τάδε λέγει κύριος –
— 24. B τὸ παιδάριον κόψεται, Οὐαὶ κύριε –
— 24. B ῥῆμα καλὸν περὶ τοῦ κ. –
— 24. B λόγος κυρίου ἐγένετο πρὸς Σαμ. –
— 24 *bis*. B τάδε λέγει κύριος –
— 24. B ἐγένετο ῥῆμα κυρίου πρὸς Σαμ. –
— 24. B τάδε λέγει κύριος –
— 24. B ἤκουσαν τοῦ λόγου κυρίου –
— 24. B κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου –
— 27. ἀναφέρειν θυσίαν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 27. ἐπιστραφήσεται . . . πρὸς κύριον καὶ κύριον αὐτῶν (–, 1)
— 30. R εἴασαν τὸν οἶκον κυρίου –
13. 1. παρεγένετο ἐν λόγῳ κυρίου (11 a)
— 2. ἐπεκάλεσε . . . ἐν λόγῳ κυρίου (11 a)
— 2. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 3. ὃ ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 5. ἔδωκεν ὁ ἄνθρωπος τοῦ θεοῦ ἐν λόγῳ κυρίου (11 a)
— 6. A R δεήθητι τοῦ προσώπου κυρίου [B om.] (11 a)
— 6. ἐδεήθη . . . τοῦ προσώπου κυρίου (11 a)
— 9. οὕτως ἐνετείλατό μοι ἐν λόγῳ κύριος (11 a)
— 17. οὕτως ἐντέταλταί μοι ἐν λόγῳ κύριος (11 a)
— 18. ἄγγελος λελάληκε . . . ἐν ῥήματι κυρίου (11 a)
— 20. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς τὸν προφήτην (11 a)
— 21. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 21. παρεπίκρανας τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 21. ἣν ἐνετείλατό σοι κύριος ὁ θεός σου (11 a)
— 26. ὃς παρεπίκρανε τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 26. A ἔδωκεν αὐτὸν ὁ κ. τῷ λέοντι (11 a)
— 26. A κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 32. ὃ ἐλάλησεν ἐν λόγῳ κυρίου (11 a)
14. 5. A κύριος εἶπεν πρὸς Α. (11 a)
— 7. A τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 11. A ὅτι κύριος ἐλάλησεν (11 a)
— 13. A εὑρέθη ἐν αὐτῷ ῥῆμα καλὸν περὶ τοῦ κ. θεοῦ Ἰσρ. (11 a)
III Ki. 14. 14. A ἀναστήσει κύριος ἑαυτῷ βασιλέα (11 a)
— 15. A κύριος πλήξει τὸν Ἰσρ. (11 a)
— 15. A παροργίζοντες τὸν κ. (11 a)
— 16. A παραδώσει κύριος τὸν Ἰσρ. –
— 18. A κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 21. ἣν ἐξελέξατο κύριος (11 a)
— 22. ἐποίησε Ρ. τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 24. ὧν ἐξῆρε κύριος (11 a)
— 26. τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου (11 a)
— 28. ὅτε εἰσεπορεύετο ὁ βασ. εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
15. 3. οὐκ ἦν ἡ καρδία αὐτοῦ τελεία μετὰ κυρίου (11 a)
— 4. ἔδωκεν αὐτῷ κύριος [A κ. ὁ θεὸς] κατάλειμμα (11 a + 6 [11 a])
— 5. ἐποίησε Δ. τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 11. ἐποίησεν Ἀσὰ τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 14. ἡ καρδία Ἀσὰ ἦν τελεία μετὰ κυρίου (11 a)
— 15. εἰσήνεγκεν εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 18. A R ἐν θησαυροῖς οἴκου κυρίου [B om. οἴ. κ.] (11 a)
— 26. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 29. B κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 30. ᾧ [A ὡς] παρώργισε τὸν κ. (11 a)
— 34. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
16. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν χειρὶ Ἰού (11 a)
— 7. ἐλάλησε κύριος ἐπὶ [A περὶ] Β. (11 a)
— 7. ἣν ἐποίησεν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 12. κατὰ τὸ ῥῆμα ὃ ἐλάλησε κύριος [A κ. τ. ῥ. κυρίου ὃ ἐλ.] (11 a)
— 13. τοῦ παροργίσαι κύριον (11 a)
— 19. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 24. ἐκτήσατο . . . παρὰ Σεμὴρ τοῦ κ. τοῦ ὄρους –
— 24. ἐπὶ τῷ ὀνόματι Σ. τοῦ κ. τοῦ ὄρους (1)
— 25. ἐποίησεν Ζ. τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 26. A R τοῦ παροργίσαι τὸν κ. [B om. τ. κ.] (11 a)
— 28 (22. 43). B τοῦ ποιεῖν τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 30. ἐποίησεν . . . τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 33. A R τοῦ παροργίσαι τὸν κ. [B om. τ. κ.] (11 a)
— 34. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
17. 1. ζῇ κ. ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων (11 a)
— 2. ἐγένετο ῥῆμα [A λόγος] κυρίου πρὸς Ἠ. (11 a)
— 5. B κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 8. ἐγένετο ῥῆμα κυρίου πρὸς Ἠ. (11 a)
— 12. ζῇ κ. ὁ θεός σου (11 a)
— 14. τάδε λέγει κύριος [A κ. ὁ θεὸς Ἰσρ.] (11 a + 6 [11 a])
— 14. τοῦ δοῦναι κύριον τὸν ὑετόν (11 a)
— 16. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 20. οἴμοι, κύριε (11 a + 6)
— 21. ἐπεκαλέσατο τὸν κ. καὶ εἶπε, Κύριε ὁ θεός μου (11 a, 11 a)
— 22. A ἤκουσεν κύριος ἐν φωνῇ Ἠλία (11 a)
— 24. ῥῆμα κυρίου ἐν στόματί σου ἀληθινόν (11 a)
18. 1. ῥῆμα κυρίου ἐγένετο πρὸς Ἠ. (11 a)
— 3. Ἀβδ. ἦν φοβούμενος τὸν κ. σφόδρα (11 a)
— 4. ἐν τῷ τύπτειν τὴν Ι. τοὺς προφήτας κυρίου (11 a)
— 7. εἰ σὺ εἶ αὐτὸς, κύριέ μου Ἠλιού (1)
— 8. λέγει [A εἰπὸν] τῷ κ. σου (1)
— 10. ζῇ κύριος ὁ θεός σου (11 a)
— 10. οὗ οὐκ ἀπέστειλεν ὁ κ. μου (1)
— 11. ἀνάγγελε τῷ κ. σου (1)
— 12. πνεῦμα κυρίου ἀρεῖ σε (11 a)
— 12. ὁ δοῦλός σού ἐστι φοβούμενος τὸν κ. (11 a)
— 13. οὐκ ἀπηγγέλη [A ἀν.] σοι τῷ κ. μου (1)
— 13. ἐν τῷ ἀποκτείνειν Ἰ. τοὺς προφήτας κυρίου (11 a)
— 13. ἔκρυψα ἀπὸ τῶν προφητῶν κυρίου (11 a)
— 14. λέγε τῷ κ. σου (1)
— 15. ζῇ κύριος τῶν δυνάμεων (11 a)
— 18. ἐν τῷ καταλιμπάνειν ὑμᾶς τὸν κ. θεὸν ὑμῶν (18 a)
— 21. εἰ ἔστι κύριος ὁ θεός (11 a)
— 22. ὑπολέλειμμαι προφήτης τοῦ κ. μονώτατος (11 a)
— 24. ἐπικαλέσομαι ἐν ὀνόματι κ. τοῦ θεοῦ μου (18 a)
— 31. ὡς ἐλάλησε κύριος πρὸς αὐτόν (11 a)
— 32. ᾠκοδόμησε τοὺς λίθους ἐν ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 32 (31). A ἰάσατο τὸ θυσιαστήριον κυρίου [B om.] –
— 36. κύριε ὁ θεὸς Ἀβραάμ (11 a)
— 36. B ἐπάκουσόν μου, κύριε –
— 36. A R σὺ εἶ [B om.] κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (18 b)
— 37. ἐπάκουσόν μου, κύριε (11 a)
— 37. A R σὺ εἶ [B om.] κ. ὁ θεός (11 a)
— 38. ἔπεσε πῦρ παρὰ κυρίου (11 a)

III Ki. 18. 39. ἀληθῶς κ. ὁ θεὸς αὐτὸς ὁ θεός [A κ. αὐ. ἐστιν ὁ θ.] (11 a)
— 46. χεὶρ κυρίου ἐπὶ [A ἐγένετο ἐπὶ] τὸν Ἠ. (11 a)
19. 4. A κύριε [B om.], λάβε τὴν ψυχήν μου ἀπ' ἐμοῦ, κύριε (11 a, –)
— 7. ἐπέστρεψεν ὁ ἄγγελος κυρίου (11 a)
— 9. ῥῆμα κυρίου πρὸς αὐτόν (11 a)
— 10. ἐζήλωκα τῷ κ. παντοκράτορι (11 a + 6)
— 11. στήσῃ ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 11. παρελεύσεται κύριος (11 a)
— 11. πνεῦμα . . . συντρῖβον πέτρας ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 11. R οὐκ [B om.] ἐν τῷ πνεύματι κύριος [A B -ίου] (11 a)
— 12 (11). οὐκ ἐν τῷ συσσεισμῷ κύριος (11 a)
— 12. οὐκ ἐν τῷ πυρὶ κύριος (11 a)
— 12. A κἀκεῖ κύριος –
— 14. ἐζήλωκα τῷ κ. παντοκράτορι (11 a + 6)
— 15. εἶπε κύριος πρὸς αὐτόν (11 a)
20 (21). 17. εἶπε κύριος πρὸς Ἠ. (11 a)
— 19 bis. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 20. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 23. τῇ Ἰ. ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 25. ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 26. ὃν [A ὧν] ἐξωλέθρευσε κύριος (11 a)
— 27. κατενύγη Ἀχ. ἀπὸ προσώπου τοῦ [A om.] κ. †
— 28. ἐγένετο ῥῆμα κυρίου ἐν χειρὶ δούλου αὐτοῦ (11 a)
— 28. καὶ εἶπε κύριος –
21 (20). 4. καθὼς ἐλάλησας [A ἐλ. μοι], κύριέ μου βασιλεῦ (1)
— 9. λέγετε τῷ κ. ὑμῶν (1)
— 13. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 13. γνώσῃ ὅτι ἐγὼ κύριος (11 a)
— 14. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 23. A θεὸς ὀρέων κ. ὁ [B om. κ. ὁ] θεὸς Ἰσρ. (18 b)
— 28. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 28. θεὸς ὀρέων κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (18 a)
— 28. γνώσῃ ὅτι ἐγὼ κύριος (11 a)
— 35. εἶπε . . . ἐν λόγῳ κυρίου (11 a)
— 36. οὐκ ἤκουσας τῆς φωνῆς κυρίου (11 a)
— 42. τάδε λέγει κύριος (11 a)
22. 5. ἐπερωτήσατε δὴ σήμερον τὸν κ. (11 a)
— 6. δώσει κύριος εἰς χεῖρας τοῦ βασ. (2)
— 7. οὐκ ἔστιν ὧδε προφήτης τοῦ κ. (11 a)
— 7. ἐπερωτήσομεν τὸν κ. δι' αὐτοῦ –
— 8. εἰς τὸ ἐπερωτῆσαι δι' αὐτοῦ τὸν κ. (11 a)
— 11. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 12. δώσει κύριος εἰς χεῖράς σου (11 a)
— 14. ζῇ κύριος (11 a)
— 14. ἃ [A om.] ἐὰν εἴπῃ κύριος πρὸς μέ (11 a)
— 15. εὐοδώσει κύριος εἰς χεῖρα τοῦ βασ. (11 a)
— 16. ὅπως λαλήσῃς . . . ἐν ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 17. καὶ εἶπε κύριος, Οὐ κύριος τούτοις θεός [A om.] (11 a, 1)
— 19. ἄκουε ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 19. A εἶδον τὸν κ. [B om. τ. κ.] θεὸν Ἰσρ. (18 a)
— 20. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 21. ἔστη ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 22 (21). εἶπε πρὸς αὐτὸν κύριος (11 a)
— 23. ἔδωκε κύριος πνεῦμα ψευδές (11 a)
— 23. κύριος ἐλάλησεν ἐπὶ σὲ κακά (11 a)
— 24. ποῖον [A π. τοῦτο παρῆλθεν] πνεῦμα κυρίου (11 a)
— 28. οὐ λελάληκε κύριος ἐν ἐμοί (11 a)
— 38. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 43. τοῦ ποιῆσαι τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς [A ἐνώπιον] κυρίου (11 a)
— 53. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον [A ἐνώπιον] κυρίου (11 a)
— 54. παρώργισε τὸν κ. θεὸν Ἰσρ. (11 a)
IV Ki. 1. 3. ἄγγελος κυρίου ἐκάλεσεν Ἠ. (11 a)
— 4, 6. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 15. ἐλάλησεν ἄγγελος κυρίου πρὸς Ἠ. (11 a)
— 16. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 17. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 18 (3. 2). ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 18 (3. 3). ἐθυμώθη ὀργῇ κύριος –
2. 1. ἐν τῷ ἀνάγειν κύριον . . . Ἠ. (11 a)
— 2. A κύριος ἀπέστειλέν με ἕως B. [B al.] (11 a)
— 2. ζῇ κύριος (11 a)
— 3. κύριος σήμερον λαμβάνει τὸν κ. σου (11 a, 1)
— 4. κύριος ἀπέσταλκέ με εἰς Ἰερ. (11 a)
IV Ki. 2. 4. ζῇ κύριος (11 a)
— 5. σήμερον λαμβάνει κύριος τὸν κ. σου (11 a, 1)
— 6. κύριος ἀπέσταλκέ με ἕως [A om.] εἰς τὸν Ἰορδ. (11 a)
— 6. ζῇ κύριος (11 a)
— 14. A ποῦ, κύριε [B om.], ὁ θεὸς Ἠ. (11 a)
— 16. ζητησάτωσαν τὸν κ. σου (1)
— 16. A R μή ποτε ἦρεν [B εὗρεν] αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (11 a)
— 19. καθὼς ὁ κ. βλέπει (1)
— 21. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 24. κατηράσατο αὐτοῖς ἐν ὀνόματι κυρίου (11 a)
3. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 10. κέκληκε κύριος τοὺς τρεῖς βασ. (11 a)
— 11. οὐκ ἔστιν ὧδε προφήτης τοῦ κ. (11 a)
— 11. ἐπιζητήσωμεν τὸν κ. παρ' αὐτοῦ (11 a)
— 12. A R ἔστιν σὺν αὐτῷ ῥῆμα κυρίου [B om.] (11 a)
— 13. κέκληκε κύριος τοὺς τρεῖς βασιλεῖς (11 a)
— 14. ζῇ κύριος τῶν δυνάμεων (11 a)
— 15. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν χεὶρ κυρίου (11 a)
— 16, 17. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 18. A R κούφη [B -ος καὶ] αὐτὴ ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
4. 1. δοῦλος ἦν φοβούμενος τὸν κ. (11 a)
— 7. A ἀπήγγειλε κυρίῳ [B τῷ ἀνθρώπῳ] τοῦ θεοῦ †
— 16. A R μὴ, κύριε [B κ. μου] (1)
— 27. κύριος ἀπέκρυψεν ἀπ' ἐμοῦ (11 a)
— 28. μὴ ᾐτησάμην υἱὸν παρὰ τοῦ κ. μου (1)
— 30. ζῇ κύριος (11 a)
— 33. προσηύξατο πρὸς κύριον (11 a)
— 43. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 44. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
5. 1. ἀνὴρ μέγας ἐνώπιον τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
— 1. ἐν αὐτῷ ἔδωκε [A ἔθηκε] κύριος σωτηρίαν Σ. (11 a)
— 3. ὄφελον ὁ κ. μου ἐνώπιον τοῦ προφήτου (1)
— 4. ἀπήγγειλε τῷ κ. ἑαυτῆς (1)
— 11. A ἐν ὀνόματι κυρίου [B θεοῦ] αὐτοῦ (11 a + 6)
— 16. ζῇ κύριος (11 a)
— 17. ἀλλ' ἢ τῷ κ. τῷ ῥήματι τούτῳ (11 a)
— 18. ἱλάσεται κύριος τῷ δούλῳ σου (11 a)
— 18. ἐν τῷ εἰσπορεύεσθαι τὸν κ. μου εἰς οἶκον Ῥ. (1)
— 18. ἱλάσεται δὴ κύριος τῷ δούλῳ σου (11 a)
— 20. ἐφείσατο ὁ κ. μου τοῦ Ναιμάν (1)
— 20. ζῇ κύριος (11 a)
— 22. ὁ κ. μου ἀπέστειλέ με [A πρὸς σέ] (1)
— 25. παρειστήκει πρὸς τὸν κ. αὐτοῦ (1)
6. 5. ὦ κύριε, καὶ αὐτὸ κεκρυμμένον (1)
— 12. οὐχὶ, κύριέ μου βασιλεῦ (1)
— 15. ὦ [A om.] κύριε, πῶς ποιήσομεν (1)
— 17. καὶ εἶπε, Κύριε (11 a)
— 17. διήνοιξε κύριος τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ (11 a)
— 18. προσηύξατο πρὸς κύριον (11 a)
— 20. ἄνοιξον δή, κύριε, τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐ. (11 a)
— 20. A R διήνοιξε κύριος [B om.] τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτῶν (11 a)
— 22. ἀπελθέτωσαν πρὸς τὸν κ. αὐτῶν (1)
— 23. ἀπῆλθον πρὸς τὸν κ. αὐτῶν (1)
— 26. σῶσον, κύριε βασιλεῦ (1)
— 27. μὴ σὲ σώσαι κύριος (11 a)
— 32. φωνὴ τῶν ποδῶν τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
— 33. αὕτη ἡ κακία παρὰ κυρίου (11 a)
— 33. τί ὑπομείνω τῷ κ. [A om. τ. κ.] ἔτι (11 a)
7. 1. ἄκουσον λόγον κυρίου (11 a)
— 1. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 2. ποιήσει κύριος καταράκτας ἐν οὐρανῷ (11 a)
— 6. κύριος ἀκουστὴν ἐποίησε . . . Συρίας φωνήν (2)
— 16. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 19. κύριος ποιεῖ καταράκτας ἐν τῷ οὐρανῷ (11 a)
8. 1. κέκληκε κύριος λιμὸν ἐπὶ τὴν γῆν (11 a)
— 5. κύριε βασιλεῦ, αὕτη ἡ γυνή (1)
— 8. ἐπιζήτησον τὸν κ. παρ' αὐτοῦ (11 a)
— 10. ἔδειξέ μοι κύριος ὅτι θανάτῳ ἀποθανῇ (11 a)
— 12. ὁ [A om.] κ. μου κλαίει [A καλεῖ] (1)
— 13. A ὦ κύριε [B al.] –
— 13. ἔδειξέ μοι κύριός σε (11 a)
— 14. εἰσῆλθε πρὸς τὸν κ. αὐτοῦ (1)
— 18. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 19. οὐκ ἠθέλησε κύριος διαφθεῖραι τὸν Ἰ. (11 a)
— 27. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
9. 3, 6. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 6. κέχρικά σε εἰς βασιλέα ἐπὶ λαὸν κυρίου (11 a)
IV Ki. 9. 7. ἐξολεθρεύσεις τὸν οἶκον Ἀχ. τοῦ κ. σου (1)
— 7. καὶ τὰ αἵματα πάντων τῶν δούλων κυρίου (11 a)
— 11. ἐξῆλθε πρὸς τοὺς παῖδας τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
— 12. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 25. κύριος ἔλαβεν ἐπ' αὐτὸν τὸ λῆμμα [A ῥῆμα] τοῦτο (11 a)
— 26 bis. φησὶ κύριος (11 a)
— 26. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 31. ὁ φονευτὴς τοῦ κ. μου (1)
— 36. καὶ εἶπε, Λόγος κυρίου (11 a)
10. 2. μεθ' ὑμῶν οἱ υἱοὶ τοῦ κ. ὑμῶν (1)
— 3. ἐν τοῖς υἱοῖς τοῦ κ. ὑμῶν (1)
— 3. πολεμεῖτε ὑπὲρ τοῦ οἴκου τοῦ κ. ὑμῶν (1)
— 6. ἀνδρῶν τῶν υἱῶν [A om. τ. υἱ.] τοῦ κ. ὑμῶν (1)
— 9. συνεστράφην ἐπὶ τὸν κ. μου (1)
— 10. ἀπὸ τοῦ ῥήματος κυρίου (11 a)
— 10. οὗ [A ὅ τι] ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 10. κύριος ἐποίησεν ὅσα ἐλάλησεν (11 a)
— 16. ἐν τῷ ζηλῶσαί με τῷ κ. (11 a)
— 17. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 23. εἰ ἔστι μεθ' ὑμῶν τῶν δούλων κυρίου (11 a)
— 30. καὶ εἶπε κύριος πρὸς Ἰ. (11 a)
— 31. πορεύεσθαι ἐν νόμῳ κ. θεοῦ Ἰσρ. (11 a)
— 32. ἤρξατο κύριος συγκόπτειν (11 a)
11. 3. A R κρυβόμενος ἐν οἴκῳ κυρίου [B om.] (11 a)
— 4. ἀπήγαγεν αὐτοὺς . . . εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 4. διέθετο αὐτοῖς διαθήκην κυρίου –
— 4. A ὥρκισεν αὐτοὺς ἐν τῇ διαθήκῃ κυρίου [B ὥρκωσε] (11 a)
— 7. φυλάξουσι τὴν φυλακὴν οἴκου κυρίου (11 a)
— 10. τοὺς τρισσοὺς . . . τοὺς ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 13. εἰσῆλθε . . . εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 15. μὴ [A εἰ μὴ] ἀποθάνῃ ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 17. διέθετο Ἰ. διαθήκην ἀνὰ μέσον κυρίου (11 a)
— 17. τοῦ εἶναι εἰς λαὸν τῷ κ. (11 a)
— 18. ἔθηκεν ὁ ἱερεὺς ἐπισκόπους εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 19. κατήγαγον τὸν βασ. ἐξ οἴκου κυρίου (11 a)
12. 2 (3). ἐποίησεν Ἰ. τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 4 (5). τὸ εἰσοδιαζόμενον ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 4 (5). ἐνεγκεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 9 (10). A R ἐν τῷ οἴκῳ ἀνδρὸς οἴκου [B -ῳ] κυρίου (11 a)
— 9 (10). A ἔδωκαν . . . πᾶν τὸ ἀργύριον τὸ εὑρεθὲν ἐν οἴκῳ κυρίου κυρίῳ [B om.] (11 a, –)
— 10 (11). τὸ ἀργύριον τὸ εὑρεθὲν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 11 (12). τὰ ἔργα τῶν ἐπισκόπων [A ἐπὶ σκευῶν] οἴκου κυρίου (11 a)
— 11 (12). τοῖς οἰκοδόμοις τοῖς ποιοῦσιν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 12 (13). τοῦ κατασχεῖν τὸ βεδὲκ οἴκου κυρίου (11 a)
— 13 (14). οὐ ποιηθήσεται οἴκῳ [A -ου] κυρίου (11 a)
— 13 (14). τοῦ ἀργυρίου τοῦ εἰσενεχθέντος ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 14 (15). ἐκραταίωσαν ἐν αὐτῷ τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 16 (17). ὅτι [A ὅτι οὐκ] εἰσηνέχθη ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 18 (19). τὸ εὑρεθὲν ἐν θησαυροῖς οἴκου κυρίου (11 a)
13. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 3. ὠργίσθη θυμῷ κύριος (11 a)
— 4. ἐδεήθη Ἰ. τοῦ προσώπου κυρίου (11 a)
— 4. ἐπήκουσεν αὐτοῦ κύριος (11 a)
— 5. ἔδωκε κύριος σωτηρίαν τῷ Ἰσρ. (11 a)
— 11. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 17. βέλος σωτηρίας τῷ κ. (11 a)
— 23. ἠλέησε κύριος αὐτούς (11 a)
— 23. οὐκ ἠθέλησε κύριος διαφθεῖραι αὐτούς –
14. 3. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 6. ὡς ἐνετείλατο κύριος (11 a)
— 14. τὰ εὑρεθέντα ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 24. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 25. κατὰ τὸ ῥῆμα κ. θεοῦ Ἰσρ. (11 a)
— 26. εἶδε κύριος τὴν ταπείνωσιν Ἰσρ. (11 a)
— 27. οὐκ ἐλάλησε κύριος ἐξαλεῖψαι (11 a)
15. 3. ἐποίησε τὸ εὐθὲς [A ἀγαθὸν] ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 5. ἥψατο κύριος τὸν βασ. [A τοῦ β.] (11 a)
— 9. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 a)
— 12. ὁ λόγος κυρίου ὃν ἐλάλησεν (11 a)

IV Ki. 15. 18, 24, 28. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 *a*)
— 34. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 *a*)
— 35. ᾠκοδόμησε τὴν πύλην οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 37. ἤρξατο κύριος ἐξαποστέλλειν (11 *a*)
16. 2. οὐκ [B¹ *om.*] ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου θεοῦ (11 *a*)
— 3. ὧν ἐξῆρε κύριος (11 *a*)
— 8. τὸ εὑρεθὲν ἐν θησαυροῖς οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 13 (14). τὸ θυσιαστήριον . . . τὸ ἀπέναντι κυρίου (11 *a*)
— 14. προσήγαγε τὸ πρόσωπον τοῦ οἴκου κυρίου –
— 14. καὶ ἀπὸ τοῦ ἀνὰ μέσον τοῦ οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 18. τὸν θεμέλιον . . . ᾠκοδόμησεν ἐν οἴκῳ κυρίου –
— 18. A R τὴν εἴσοδον . . . ἐπέστρεψεν ἐν [B *om.*] οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
17. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 *a*)
— 7. ἥμαρτον οἱ υἱοὶ Ἰσρ. τῷ κ. θεῷ αὐτῶν (11 *a*)
— 8. ὧν ἐξῆρε κύριος (11 *a*)
— 9. οὐχ οὕτως κατὰ κ. θεοῦ αὐτῶν (11 *a*)
— 11. ἃ ἀπῴκισεν κύριος (11 *a*)
— 11. τοῦ παροργίσαι τὸν κ. (11 *a*)
— 12. οἷς εἶπε κύριος αὐτοῖς (11 *a*)
— 12. οὐ ποιήσετε τὸ ῥῆμα τοῦτο κυρίῳ –
— 13. διεμαρτύρατο κύριος ἐν τῷ Ἰσρ. (11 *a*)
— 14. A οἳ οὐκ ἐπίστευσαν κ. θεῷ αὐτῶν (11 *a*)
— 15. R ὧν ἐνετείλατο κύριος [A B *om.*] αὐτοῖς (11 *a*)
— 16. ἐγκατέλιπον τὰς ἐντολὰς κ. θεοῦ αὐτῶν (11 *a*)
— 17. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 *a*)
— 18. ἐθυμώθη κύριος σφόδρα ἐν τῷ Ἰσρ. (11 *a*)
— 19. οὐκ ἐφύλαξε τὰς ἐντολὰς κυρίου [B¹ *om.*, A τοῦ κ.] (11 *a*)
— 19. ἀπεώσαντο [A ἀπῳκίσαντο] τὸν κ. –
— 20. R καὶ ἐθυμώθη κύριος (11 *a*)
— 21. ἐξέωσεν . . . τὸν Ἰσρ. ἐξόπισθε κυρίου (11 *a*)
— 23. μετέστησε κύριος τὸν Ἰσρ. (11 *a*)
— 23. καθὼς ἐλάλησε κύριος –
— 25. οὐκ ἐφοβήθησαν τὸν κ. (11 *a*)
— 25. ἀπέστειλε κύριος ἐν αὐτοῖς τοὺς λέοντας (11 *a*)
— 26. A ἀπέστειλεν κύριος [B *om.*] . . . τοὺς λέοντας –
— 28. πῶς [A ὅπως] φοβηθῶσι τὸν κ. (11 *a*)
— 32. ἦσαν φοβούμενοι τὸν κ. (11 *a* ?)
— 32. ἦσαν φοβούμενοι τὸν κ. (11 *a*)
— 33. τὸν κ. ἐφοβοῦντο (11 *a*)
— 34. ἣν ἐνετείλατο κύριος (11 *a*)
— 35. διέθετο κύριος μετ' αὐτῶν [A *om.* μετ' αὐ.] διαθήκην (11 *a*)
— 36. τῷ κ. ὃς ἀνήγαγεν ὑμᾶς (11 *a*)
— 39. τὸν κ. θεὸν ὑμῶν φοβηθήσεσθε (11 *a*)
— 41. ἦσαν . . . φοβούμενοι τὸν κ. (11 *a*)
18. 3. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 *a*)
— 5. ἐν κ. θεῷ Ἰσρ. ἤλπισε (11 *a*)
— 6. ἐκολλήθη τῷ κ. (11 *a*)
— 7. ἦν κύριος μετ' αὐτοῦ (11 *a*)
— 12. οὐκ ἤκουσαν τῆς φωνῆς κ. θεοῦ αὐτῶν (11 *a*)
— 12. Μωσῆς ὁ δοῦλος κυρίου (11 *a*)
— 15. τὸ εὑρεθὲν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 16. A συνέκοψεν Ἐζ. τὰς θύρας ναοῦ κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
— 22. ἐπὶ κ. θεὸν πεποίθαμεν (11 *a*)
— 23. μίχθητε δὴ τῷ κ. μου (1)
— 24. τῶν δούλων τοῦ κ. μου τῶν ἐλαχίστων (1)
— 25. μὴ ἄνευ κυρίου ἀνέβημεν (11 *a*)
— 25. κύριος εἶπε πρὸς μέ (11 *a*)
— 27. μὴ ἐπὶ [A πρὸς] τὸν κ. σου καὶ πρὸς σὲ ἀπέστειλέ με ὁ κ. μου (1, 1)
— 30. μὴ ἐπελπιζέτω ὑμᾶς Ἐζ. πρὸς κύριον (11 *a*)
— 30. ἐξελεῖται κύριος [A ἡμᾶς κ.] (11 *a*)
— 32. κύριος ῥύσεται ὑμᾶς (11 *a*)
— 35. ὅτι ἐξελεῖται κύριος τὴν Ἱερ. (11 *a*)
19. 1. εἰσῆλθεν εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 4. εἴ πως εἰσακούσεται κύριος ὁ θεός σου . . . πάντας τοὺς λόγους Ῥ. (11 *a*)
— 4. ὃν ἀπέστειλεν αὐτὸν . . . ὁ κ. αὐτοῦ (1)
— 4. οἷς ἤκουσε κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 6. τάδε ἐρεῖτε πρὸς τὸν κ. ὑμῶν (1)
— 6. τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 14. ἀνέβη εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 14. ἀνέπτυξεν αὐτὰ Ἐζ. ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 15. A προσηύξατο Ἐζ. εἰς πρόσωπον κυρίου (11 *a*)
— 15. καὶ εἶπε, Κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)

IV Ki. 19. 16. κλῖνον, κύριε, τὸ οὖς σου (11 *a*)
— 16. ἄνοιξον, κύριε, τοὺς ὀφθαλμούς σου (11 *a*)
— 17. κύριε, ἠρήμωσαν βασ. Ἀσσ. τὰ ἔθνη (11 *a*)
— 19. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (11 *a*)
— 19. σὺ [A σὺ εἶ] κύριος ὁ θεὸς μόνος (11 *a*)
— 20. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων (11 *a*)
— 21. ὃν ἐλάλησε κύριος ἐπ' [A πρὸς] αὐτόν (11 *a*)
— 23. A R ὠνείδισας κύριον [B κ. σου] (2)
— 31. ὁ ζῆλος κυρίου τῶν δυνάμεων ποιήσει τοῦτο (11 *a*)
— 32. τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 33. λέγει κύριος (11 *a*)
— 35. ἐξῆλθεν ἄγγελος κυρίου (11 *a*)
20. 1. τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 2. ηὔξατο πρὸς κύριον (11 *a*)
— 3. κύριε, μνήσθητι δή (11 *a*)
— 4. ῥῆμα κυρίου ἐγένετο πρὸς αὐτόν (11 *a*)
— 5. τάδε λέγει κύριος ὁ θ. Δ. (11 *a*)
— 5. ἀναβήσῃ εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 8. ἰάσεταί κύριός με (11 *a*)
— 8. ἀναβήσομαι εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 9. τοῦτο τὸ σημεῖον παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 9. ποιήσει κύριος τὸν λόγον (11 *a*)
— 11. ἐβόησεν Ἡ. ὁ προφήτης πρὸς κύριον (11 *a*)
— 16. ἄκουσον λόγον κυρίου (11 *a*)
— 17. ὃ εἶπε κύριος [A ὁ κ.] (11 *a*)
— 19. ἀγαθὸς ὁ λόγος κυρίου (11 *a*)
21. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 *a*)
— 2. ὧν ἐξῆρε κύριος (11 *a*)
— 4. ᾠκοδόμησε θυσιαστήριον ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 5. ἐν ταῖς δυσὶν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 6. τοῦ ποιεῖν τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 *a*)
— 7. ᾧ εἶπε κύριος πρὸς Δ. (11 *a*)
— 9. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου –
— 9. ἃ ἠφάνισε κύριος (11 *a*)
— 10. καὶ ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
— 12. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 16. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 *a*)
— 20. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (1 *a*)
— 22. ἐγκατέλιπε τὸν κ. (11 *a*)
— 22. οὐκ ἐπορεύθη ἐν ὁδῷ κυρίου (11 *a*)
22. 2. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 *a*)
— 3. τὸν Σ. . . . τὸν γραμματέα οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 4. τὸ εἰσενεχθὲν ἐν οἴκῳ [A εἰς οἶκαν] κυρίου (11 *a*)
— 5. τῶν καθεσταμένων ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 5. τοῖς ποιοῦσι τὰ ἔργα τοῖς ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 8. βιβλίον τοῦ νόμου εὗρον ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 9. εἰσῆλθεν ἐν οἴκῳ [A εἰς οἶκον] κυρίου †
— 9. τὸ εὑρεθὲν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου –
— 9. καθεσταμένων ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 13. ἐκζητήσατε τὸν κ. (11 *a*)
— 13. μεγάλη ἡ ὀργὴ κυρίου (11 *a*)
— 15, 16. τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 18. τὸν ἀποστείλαντα ὑμᾶς ἐκζητῆσαι τὸν κ. (11 *a*)
— 18. τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 19. B¹ ἐνετράπης τὸ πρόσωπον [A B² R ἀπὸ προσώπου] κυρίου [R *om.*] (11 *a*)
— 19. λέγει κύριος (11 *a*)
23. 2. ἀνέβη ὁ βασ. εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 2. τοῦ εὑρεθέντος ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 3. διέθετο διαθήκην ἐνώπιον κυρίου τοῦ πορεύεσθαι ὀπίσω κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 4. ἐξαγαγεῖν ἐκ τοῦ ναοῦ κυρίου (11 *a*)
— 6. ἐξήνεγκε τὸ ἄλσος ἐξ οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 7. τῶν καδησὶμ τῶν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 9. οὐκ ἀνέβησαν . . . πρὸς τὸ θυσιαστήριον κυρίου (11 *a*)
— 11. ἐν τῇ εἰσόδῳ οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 12. ἐν ταῖς δυσὶν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 16. κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 *a*)
— 19. οὓς ἐποίησαν . . . παροργίζειν κύριον –
— 21. ποιήσατε πάσχα τῷ κ. θ. ἡμῶν (11 *a*)
— 23. ἐγενήθη τὸ πάσχα [A π. τοῦτο] τῷ κ. (11 *a*)
— 24. οὓς εὗρε . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 25. ὃς ἐπέστρεψε πρὸς κύριον (11 *a*)
— 26. οὐκ ἀπεστράφη κύριος ἀπὸ θυμοῦ (11 *a*)
— 27. καὶ εἶπε κύριος (11 *a*)
— 32. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 *a*)
— 37. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς [A ἐνώπιον] κυρίου (11 *a*)
24. 2. A R ἀπέστειλε κύριος [B *om.*] . . . τοὺς μονοζώνους M. (11 *a*)

IV Ki. 24. 2. κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 *a*)
— 3. ἐπὶ τὸν θυμὸν κυρίου ἦν (11 *a*)
— 4. οὐκ ἠθέλησε κύριος ἱλασθῆναι (11 *a*)
— 9. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου (11 *a*)
— 13. πάντας τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 13. ἃ ἐποίησε Σαλ. . . . ἐν τῷ ναῷ κυρίου κατὰ τὸ ῥῆμα κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 19. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον [A ἐν ὀφθαλμοῖς] κυρίου (11 *a*)
— 20. ἐπὶ τὸν θυμὸν κυρίου ἦν (11 *a*)
25. 9. ἐνέπρησε τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 13. τοὺς στύλους . . . τοὺς ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 13. τὴν θάλασσαν . . . τὴν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 16. ἃ ἐποίησε Σαλ. τῷ οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
I Ch. 2. 3. ἦν Ἡρ . . . πονηρὸς ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
6. 31 (16). οὓς κατέστησε Δ. . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 32 (17). A R ἕως οὗ ᾠκοδόμησε Σαλ. τὸν οἶκον κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
9. 19. A R πατέρες αὐτῶν ἐπὶ τῆς παρεμβολῆς κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
— 20. A R ἡγούμενος ἦν . . . ἔμπροσθεν κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
— 23. ἐπὶ τῶν πυλῶν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
10. 13. A αἷς ἠνόμησε τῷ κ. [B S θεῷ] (11 *a*)
— 13. κατὰ τὸν λόγον κυρίου [S τοῦ κ.] (11 *a*)
— 14. οὐκ ἐζήτησε [A ἐξεζ. τὸν] κύριον [S -os] (11 *a*)
— 14. A καθότι οὐκ ἠρώτησεν ἐν κυρίῳ –
11. 2. A S εἶπεν [B εἶ. Ἰσρ.] κύριός [A κ. ὁ θεός σού] σοι (11 *a* + 6 [11 *a*])
— 3. διέθετο αὐτοῖς ὁ βασ. Δ. διαθήκην . . . ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 3. κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 *a*)
— 9. καὶ κ. παντοκράτωρ μετ' αὐτοῦ (11 *a*)
— 10. κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 *a*)
— 14. ἐποίησε κύριος σωτηρίαν μεγάλην (11 *a*)
— 18. ἔσπεισεν αὐτὸ τῷ κ. (11 *a*)
12. 19. ἐπιστρέψει πρὸς τὸν κ. αὐτοῦ Σαούλ (1)
— 23. κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 *a*)
13. 2. καὶ παρὰ κ. θεοῦ ἡμῶν εὐοδωθῇ (11 *a*)
— 6. τὴν κιβωτὸν τοῦ θεοῦ κυρίου (11 *a*)
— 10. A S R ἐθυμώθη κύριος ὀργῇ [B *om.*] (11 *a*)
— 11. διέκοψε κύριος διακοπὴν ἐν Ὀζά (11 *a*)
14. 2. ἡτοίμασεν αὐτὸν κύριος (11 *a*)
— 10. B S εἶπεν αὐτῷ κύριος [A² *om.*] (11 *a*)
— 17. κύριος ἔδωκε τὸν φόβον αὐτοῦ (11 *a*)
15. 2. αὐτοὺς ἐξελέξατο κύριος (11 *a*)
— 2. A R αἴρειν τὴν κιβωτὸν κυρίου (6)
— 3. A² B τοῦ ἀνενέγκαι τὴν κιβωτὸν κυρίου [S τοῦ κ.] (11 *a*)
— 14. A τὴν κιβωτὸν τοῦ κ. [B S *om.*] θεοῦ Ἰσρ. (11 *a*)
— 25. A τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου [B S *om.*] (11 *a*)
— 26. τὴν κιβωτὸν τῆς διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 27. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου –
— 28. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 29. κιβωτὸς διαθήκης κυρίου (11 *a*)
16. 1. A προσήνεγκαν . . . ἐναντίον τοῦ κ. [B S θεοῦ] (6)
— 2. εὐλόγησε τὸν λαὸν ἐν ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 4. τῆς κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 4. S αἰνεῖν κύριον [A τὸν κ.] θεὸν [B τὸν θ.] Ἰσρ. (11 *a*)
— 6. S τῆς κιβωτοῦ τῆς διαθήκης τοῦ κ. [A B θεοῦ] (6)
— 7. τοῦ αἰνεῖν τὸν κ. (11 *a*)
— 8. R ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. [A B S *om.* τ. κ.] (11 *a*)
— 9. ἃ ἐποίησε κύριος –
— 11. R ζητήσατε τὸν κ. [A B S *om.* τ. κ.] (11 *a*)
— 14. A R αὐτὸς [B S *om.*] κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 *a*)
— 23. ᾄσατε τῷ κ. (11 *a*)
— 25. ὅτι μέγας κύριος (11 *a*)
— 28. δότε τῷ κ. . . . δότε τῷ κ. δόξαν (11 *a*, 11 *a*)
— 29. A R δότε τῷ κ. δόξαν (11 *a*)
— 29. προσκυνήσατε κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 31. κύριος βασιλεύων [A ἐβασίλευσεν] (11 *a*)
— 33. εὐφρανθήσεται . . . ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 *a*)
— 34. ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. (11 *a*)
— 36. εὐλογημένος κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 36. ἤνεσαν τῷ κ. (11 *a*)
— 37. τῆς κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 39. ἐναντίον τῆς σκηνῆς κυρίου (11 *a*)
— 40. τοῦ ἀναφέρειν ὁλοκαυτώματα τῷ κ. (11 *a*)
— 40. κατὰ πάντα τὰ γεγραμμένα ἐν νόμῳ κυρίου (11 *a*)

I Ch. 16. 41. τοῦ αἰνεῖν τὸν κ. (11 *a*)
17. 1. ἡ κιβωτὸς διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 3. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Νάθαν (6)
— 4. οὕτως εἶπε κύριος (11 *a*)
— 7. τάδε λέγει κ. παντοκράτωρ (11 *a*)
— 10. B S οἰκοδομήσει σε [A R σοι] κύριος (11 *a*)
— 16. ἐκάθισεν ἀπέναντι [S -τίον] κυρίου (11 *a*)
— 16. τίς εἰμι ἐγὼ, κύριε [A -ος] (11 *a*)
— 17. ὕψωσάς με, κύριε ὁ θεός (11 *a*)
— 20. κύριε, οὐκ ἔστιν ὅμοιός σοι (11 *a*)
— 22. A S σὺ, κύριε [B -ος], αὐτοῖς εἰς θεόν (11 *a*)
— 23. καὶ νῦν, κύριε, ὁ λόγος σου (11 *a*)
— 24. κύριε κύριε παντοκράτωρ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*, –)
— 25. A σὺ, κύριε [B S *om.*, R κ. ὁ θεός μου], ἠνοιξας (6 [11 *b*])
— 26. καὶ νῦν, κύριε, σὺ εἶ (11 *a*)
— 27. AR σὺ, κύριε [BS *om.*], εὐλόγησας (11 *a*)
18. 6. ἔσωζεν κύριος τὸν Δανίδ (11 *a*)
— 11. ἡγίασεν Δαυὶδ τῷ κ. (11 *a*)
— 13. AR ἔσωζε κύριος τὸν Δ. [BS *om.* τ. Δ.] (11 *a*)
19. 13. BS κύριος τὸ ἀγαθὸν [AR ἀ. ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ] ποιήσει (11 *a*)
— 17. ἐπολέμησεν αὐτόν [S ? *add.* κύριος] –
21. 3. προσθείη κύριος ἐπὶ τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 *a*)
— 3. AB οἱ ὀφθαλμοὶ κυρίου [A -οι, R τοῦ κ.] μου . . . βλέποντες (1)
— 3. πάντες τῷ κ. μου παῖδες (1)
— 3. ἵνα τί [B¹ ἵνα] ζητεῖ κύριός [A ὁ κ.] μου τοῦτο (1)
— 9. ἐλάλησε κύριος πρὸς Γάδ (11 *a*)
— 10, 11. οὕτω λέγει κύριος (11 *a*)
— 12. ἢ τρεῖς ἡμέρας ῥομφαίαν κυρίου (11 *a*)
— 12. καὶ ἄγγελος κυρίου ἐξολεθρεύων (11 *a*)
— 13. ἐμπεσοῦμαι δὴ εἰς χεῖρας κυρίου (11 *a*)
— 14. ἔδωκε κύριος θάνατον ἐν Ἰσρ. (11 *a*)
— 15. εἶδε κύριος (11 *a*)
— 15. καὶ ὁ ἄγγελος κυρίου ἑστώς (11 *a*)
— 16. εἶδε τὸν ἄγγελον κυρίου (11 *a*)
— 17. κύριε ὁ θεὸς, γενηθήτω ἡ χείρ σου (11 *a*)
— 17. καὶ μὴ ἐν τῷ λαῷ σου εἰς ἀπώλειαν, κύριε –
— 18. ἄγγελος κυρίου εἶπε τῷ Γάδ (11 *a*)
— 18. A² κύριε, ἵνα λάβῃ [A¹ B R ἵ. ἀναβῇ] –
— 18. τοῦ στῆσαι θυσιαστήριον τῷ κ. (11 *a*)
— 19. ὃν ἐλάλησεν ἐν ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 22. οἰκοδομήσω . . . θυσιαστήριον τῷ κ. (11 *a*)
— 23. ποιησάτω ὁ κ. μου . . . τὸ ἀγαθόν (1)
— 24. οὐ μὴ λάβω ἃ ἐστί σοι κυρίῳ (11 *a*)
— 24. τοῦ ἀνενέγκαι ὁλοκαύτωσιν [A εἰς ὁ.] δωρεὰν κυρίῳ –
— 26. ᾠκοδόμησεν Δ. ἐκεῖ θυσιαστήριον κυρίῳ (11 *a*)
— 26. καὶ ἐβόησε πρὸς κύριον (11 *a*)
— 27. εἶπε κύριος πρὸς τὸν ἄγγελον (11 *a*)
— 28. A R εἰσήκουσεν αὐτῷ κύριος [B *om.*] (11 *a*)
— 29. σκηνὴ κυρίου ἣν ἐποίησε M. (11 *a*)
— 30. ἀπὸ προσώπου τῆς ῥομφαίας ἀγγέλου κυρίου (11 *a*)
22. 1. οὗτός ἐστιν ὁ οἶκος κυρίου [A *om.*] τοῦ θεοῦ (11 *a*)
— 5. ὁ οἶκος τοῦ οἰκοδομῆσαι τῷ κ. (11 *a*)
— 6. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον τῷ κ. [A ὀνόματι κυρίου] (11 *a*)
— 7. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 8. ἐγένετό μοι [A ἐπ' ἐμὲ] λόγος κυρίου (11 *a*)
— 11. ἔσται μετὰ σοῦ κύριος (11 *a*)
— 11. οἰκοδομήσεις οἶκον τῷ κ. θεῷ σου (11 *a*)
— 12. δῴη σοι σοφίαν . . . κύριος (11 *a*)
— 12. τοῦ ποιεῖν τὸν νόμον κυρίου τοῦ θ. σου (11 *a*)
— 13. ἃ ἐνετείλατο κύριος τῷ M. (11 *a*)
— 14. ἡτοίμασα εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 16. καὶ κύριος μετὰ σοῦ (11 *a*)
— 18. οὐχὶ κύριος μεθ' ὑμῶν (18 *a*)
— 18. ὑπετάγη ἡ γῆ ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 19. τοῦ ζητῆσαι τῷ κ. θεῷ ὑμῶν (11 *a*)
— 19. A οἰκοδομήσατε ἁγίασμα κ. [B *om.*] τῷ θεῷ ὑμῶν (11 *a*)
— 19. τοῦ εἰσενέγκαι τὴν κιβωτὸν διαθήκης κ. (11 *a*)
— 19. τὸν οἰκοδομούμενον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
23. 4. R ἐπὶ τὰ ἔργα οἴκου κυρίου [A B *om.*] (11 *a*)
— 5. αἰνοῦντες τῷ κ. (11 *a*)
— 5. οἷς ἐποίησε τοῦ αἰνεῖν τῷ κ. –
— 13. τοῦ θυμιᾶν ἐναντίον τοῦ κ. (11 *a*)
— 24. τὰ ἔργα λειτουργίας οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 25. κατέπαυσε κύριος ὁ θεὸς Ἰσρ. [A τῷ Ἰσρ.] (11 *a*)
— 28. τοῦ λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)

I Ch. 23. 30. ἐξομολογεῖσθαι τῷ κ. (11 *a*)
— 31. τῶν ἀναφερομένων ὁλοκαυτωμάτων τῷ κ. (11 *a*)
— 31. κατὰ τὴν κρίσιν ἐπ' αὐτοῖς διὰ παντὸς τῷ κ. (11 *a*)
— 32. τοῦ λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
24. 5. ἦσαν . . . ἄρχοντες κυρίου (6)
— 19. τοῦ εἰσπορεύεσθαι εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 19. ὡς ἐνετείλατο κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
25. 3. ἐξομολόγησιν καὶ αἴνεσιν τῷ κ. (11 *a*)
— 6. ἐν οἴκῳ θεοῦ [A κυρίου] (11 *a*)
— 7. δεδιδαγμένοι ᾄδειν κυρίῳ (11 *a*)
26. 12. λειτουργεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 20. ἐπὶ τῶν θησαυρῶν οἴκου κυρίου (6)
— 22. ἐπὶ τῶν θησαυρῶν οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 30. εἰς πᾶσαν λειτουργίαν κυρίου [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 32. εἰς πᾶν πρόσταγμα κυρίου [A *al.*] (6)
27. 23. κύριος εἶπε πληθῦναι τὸν Ἰσρ. (11 *a*)
28. 2. τῆς κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 2. καὶ στάσιν ποδῶν κυρίου ἡμῶν (6)
— 4. ἐξελέξατο κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. ἐν ἐμοί (11 *a*)
— 5. πολλοὺς υἱοὺς ἔδωκέ μοι κύριος (11 *a*)
— 5. ἐπὶ θρόνου βασιλείας κυρίου (11 *a*)
— 8. κατὰ πρόσωπον πάσης ἐκκλησίας κυρίου (11 *a*)
— 8. ζητήσατε πάσας τὰς ἐντολὰς κυρίου (11 *a*)
— 9. πάσας καρδίας ἐτάζει [A ἐξετ.] κύριος (11 *a*)
— 10. κύριος ᾑρέτικέ σε (11 *a*)
— 12. τὸ παράδειγμα . . . τῶν αὐλῶν οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 12. AR τῶν εἰς τὰς ἀποθήκας οἴκου [B *om.*] κυρίου (6)
— 13. εἰς πᾶσαν ἐργασίαν λειτουργίας οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 13. A R τῆς λατρείας οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 18. ἐπὶ τῆς κιβωτοῦ διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 19. πάντα ἐν γραφῇ χειρὸς κυρίου (11 *a*)
— 20. κ. ὁ θεός μου μετὰ σοῦ (11 *a* + 6)
— 20. πᾶσαν ἐργασίαν λειτουργίας οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 20. καὶ τὸ παράδειγμα οἴκου κυρίου –
— 21. εἰς πᾶσαν λειτουργίαν οἴκου κυρίου [A τοῦ θεοῦ] (6)
29. 1. εἰς ὃν ᾑρέτικεν ἐν αὐτῷ κύριος (6)
— 1. οὐκ ἀνθρώπῳ [A *add.* ἡ οἰκοδομὴ] ἀλλ' ἢ κυρίῳ θεῷ (11 *a*)
— 5. πληρῶσαι τὰς χεῖρας αὐτοῦ σήμερον κυρίῳ (11 *a*)
— 7. ἔδωκαν εἰς τὰ ἔργα τοῦ οἴκου κυρίου (6)
— 8. ἔδωκαν εἰς τὰς ἀποθήκας οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 9. προεθυμήθησαν τῷ κ. (11 *a*)
— 10. εὐλόγησεν ὁ βασ. Δ. τὸν κ. (11 *a*)
— 10. εὐλογητὸς εἶ, κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 11. σοὶ, κύριε, ἡ μεγαλωσύνη (11 *a*)
— 12. σὺ πάντων ἄρχεις, κύριε –
— 13. καὶ νῦν, κύριε, ἐξομολογούμεθά σοι (6)
— 16. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν . . . ἐκ χειρός σού ἐστι (11 *a*)
— 17. καὶ ἔγνων, κύριε (6)
— 18. κύριε ὁ θεὸς Ἀβρ. . . . φύλαξον ταῦτα (11 *a*)
— 20. εὐλογήσατε κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 *a*)
— 20. εὐλόγησε πᾶσα ἡ ἐκκλησία κύριον (11 *a*)
— 20. προσεκύνησαν κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 *a*)
— 21. ἔθυσε Δ. τῷ κ. θυσίας (11 *a*)
— 22. ἔπιον ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 22. ἔχρισαν αὐτὸν τῷ κ. (11 *a*)
— 25. ἐμεγάλυνε κύριος τὸν Σαλ. (11 *a*)

II Ch. 1. 1. καὶ κ. ὁ θεὸς αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (11 *a*)
— 3. ἣν ἐποίησε M. παῖς κυρίου (11 *a*)
— 5. ἐκεῖ ἦν ἔναντι τῆς σκηνῆς κυρίου (11 *a*)
— 6. τὸ θυσιαστήριον τὸ χαλκοῦν ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
— 9. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεὸς, πιστωθήτω (11 *a*)
2. 1 (1. 18). τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 4 (3). οἰκοδομῶ οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 4 (3). ἐν ταῖς ἑορταῖς τοῦ κ. [A κ. τοῦ] θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 5 (4). R μέγας κύριος [A B *om.*] ὁ θεὸς ἡμῶν (18 *b*)
— 11 (10). ἐν τῷ ἀγαπῆσαι κύριον τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 *a*)
— 12 (11). εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 12 (11). ὃς οἰκοδομήσει οἶκον τῷ κ. (11 *a*)
— 14 (13). μετὰ . . . σοφῶν Δαυὶδ κυρίου μου (1)
— 15 (14). ἃ [A ὃν] εἶπεν ὁ κ. μου (1)
3. 1. τοῦ οἰκοδομεῖν τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 1. οὗ ὤφθη κύριος τῷ Δ. –
4. 16. ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)

II Ch. 4. 19. ἐποίησε Σαλ. πάντα τὰ σκεύη οἴκου κυρίου (6)
— 22 (5. 1). ἣν ἐποίησε Σαλ. ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
5. 1. A R ἔδωκεν εἰς θησαυρὸν οἴκου [B *om.*] κυρίου (6)
— 2. τοῦ ἀνενέγκαι κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 7. τὴν κιβωτὸν διαθήκης κυρίου (11 *a*)
— 10. ἃ διέθετο κύριος μετὰ τῶν υἱῶν Ἰσρ. (11 *a*)
— 13. τοῦ ἐξομολογεῖσθαι καὶ αἰνεῖν τῷ κ. (11 *a*)
— 13. ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. (11 *a*)
— 13. ὁ οἶκος ἐνεπλήσθη νεφέλης δόξης κυρίου (11 *a*)
— 14. A² ἀπὸ προσώπου τῆς νεφέλης δόξης κυρίου [B *om.* δ. κ.] –
— 14. A²B ἐνέπλησε δόξα κυρίου τὸν οἶκον τοῦ θεοῦ (11 *a*)
6. 1. A²B κύριος εἶπε τοῦ κατασκηνῶσαι [A² κατοικῆσαι] (11 *a*)
— 4. εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 7. τοῦ οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 8. εἶπε κύριος πρὸς Δ. (11 *a*)
— 10. ἀνέστησε κύριος τὸν λόγον τοῦτον [A αὐτοῦ] (11 *a*)
— 10. καθὼς ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
— 10. ᾠκοδόμησα τὸν οἶκον τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 11. ἐν ᾗ ἐκεῖ διαθήκη κυρίου (11 *a*)
— 12. ἔστη κατέναντι τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου (11 *a*)
— 14. καὶ εἶπε, Κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 16, 17. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 19. ἐπιβλέψῃ . . . ἐπὶ τὴν δέησίν μου, κύριε ὁ θεός (11 *a*)
— 40. κύριε, ἔστωσαν δὴ οἱ ὀφθαλμοί σου ἀνεῳγμένοι (6)
— 41. ἀνάστηθι, κύριε ὁ θεός (11 *a*)
— 41. ἱερεῖς σου, κύριε ὁ θεός (11 *a*)
— 42. κύριε ὁ θεὸς, μὴ ἀποστρέψῃς (11 *a*)
7. 1. δόξα κυρίου ἔπλησε τὸν οἶκον (11 *a*)
— 2. εἰσελθεῖν εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 2. ἔπλησε δόξα κυρίου τὸν οἶκον (11 *a*)
— 3. καὶ ἡ δόξα κυρίου ἐπὶ τὸν οἶκον (11 *a*)
— 3. ἤνουν τῷ κ. (11 *a*)
— 4. θύοντες θύματα ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 6. ἐν ὀργάνοις ᾠδῶν κυρίου (11 *a*)
— 6. τοῦ ἐξομολογεῖσθαι ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 7. τὸ μέσον τῆς αὐλῆς τῆς ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 10. ὃς ἐποίησε κύριος τῷ Δ. (11 *a*)
— 11. συνετέλεσε Σαλ. τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 11. τοῦ ποιῆσαι ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 12. R ὤφθη κύριος [A B ὁ θεὸς] τῷ Σαλ. (11 *a*)
— 21. χάριν τίνος ἐποίησε κύριος τῇ γῇ ταύτῃ (11 *a*)
— 22. διότι ἐγκατέλιπον κύριον (11 *a*)
8. 1. ᾠκοδόμησε Σαλ. τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 11. οὗ εἰσῆλθεν ἐκεῖ κιβωτὸς κυρίου (11 *a*)
— 12. ἀνήνεγκε Σαλ. ὁλοκαυτώματα τῷ κ. (11 *a*)
— 12. A ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
— 12. R ὁ ᾠκοδόμησε κυρίῳ [A B *om.*] –
— 16. ἕως οὗ ἐτελείωσε Σαλ. τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
9. 4. ἃ ἀνέφερεν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 8. ἔστω κ. ὁ θεός σου εὐλογημένος (11 *a*)
— 8. τοῦ δοῦναί σε . . . εἰς βασιλέα τῷ κ. θεῷ [A τῷ λαῷ] σου (11 *a*)
— 8. ἐν τῷ ἀγαπῆσαι κ. τὸν θεόν σου τὸν Ἰσρ. (18 *b*)
— 11. ἀναβάσεις τῷ οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
10. 15. ἀνέστησε κύριος τὸν λόγον αὐτοῦ (11 *a*)
11. 2. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σαμαίαν (11 *a*)
— 4. τάδε λέγει κύριος (11 *a*)
— 4. ἐπήκουσαν [A ὑπ.] τοῦ λόγου κυρίου (11 *a*)
— 14. μὴ λειτουργεῖν [A τοῦ μὴ λ. τῷ] κυρίῳ (11 *a*)
— 16. τοῦ ζητῆσαι κύριον [A τὸν κ.] θεὸν Ἰσρ. (11 *a*)
— 16. θῦσαι κυρίῳ θεῷ [A τῷ θ.] τῶν πατέρων αὐτῶν (11 *a*)
12. 1. ἐγκατέλιπε τὰς ἐντολὰς κυρίου (11 *a*)
— 2. ἥμαρτον ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 5. οὕτως εἶπε κύριος (11 *a*)
— 6. καὶ εἶπαν, Δίκαιος ὁ κ. (11 *a*)
— 7. ἐν τῷ ἰδεῖν κύριον (11 *a*)
— 7. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Σαμ. (11 *a*)
— 9. τοὺς θησαυροὺς τοὺς ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 11. ἐν τῷ εἰσελθεῖν τὸν βασ. εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 12. ἀπεστράφη ἀπ' αὐτοῦ ὀργὴ κυρίου (11 *a*)
— 13. ἐν τῇ πόλει ᾗ ἐξελέξατο κύριος (11 *a*)
— 14. ἐκζητῆσαι τὸν [A *om.*] κ. (11 *a*)
13. 5. κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. ἔδωκε βασιλέα ἐπὶ τὸν Ἰσρ. (11 *a*)
— 6. A R ἀπέστη [B ἀν.] ἀπὸ τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
— 8. κατὰ πρόσωπον βασιλείας κυρίου (11 *a*)
— 9. οὐκ ἐξεβάλετε τοὺς ἱερεῖς κυρίου (11 *a*)

II Ch. 13. 10. κ. τὸν θεὸν ἡμῶν οὐκ ἐγκατελίπομεν (11 a)
— 10. οἱ ἱερεῖς αὐτοῦ λειτουργοῦσι τῷ κ. (11 a)
— 11. θυμιῶσι τῷ κ. (11 a)
— 11. φυλάσσομεν ἡμεῖς τὰς φυλακὰς κυρίου (11 a)
— 12. μεθ' ἡμῶν ἐν ἀρχῇ κύριος (6)
— 12. πολεμήσετε πρὸς κ. θεὸν τῶν πατέρων (11 a)
— 14. ἐβόησαν πρὸς κύριον (11 a)
— 15. κύριος ἐπάταξε τὸν Ἱερ. (6)
— 16. παρέδωκεν αὐτοὺς κύριος (6)
— 18. ἤλπισαν ἐπὶ κ. θεὸν τῶν πατέρων αὐτῶν (11 a)
— 20. ἐπάταξεν αὐτὸν κύριος (11 a)
14. 2 (1). AR τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κ. τοῦ [B om.] θεοῦ αὐτοῦ (11 a)
— 4 (3). ἐκζητῆσαι τὸν κ. [A κ. τὸν] θεόν (11 a)
— 6 (5). κατέπαυσεν αὐτῷ κύριος (11 a)
— 7 (6). AR καθὼς ἐξεζητήσαμεν [B ἐζ.] κύριον (11 a)
— 11 (10). ἐβόησεν Ἀσὰ πρὸς κ. θεὸν αὐτοῦ καὶ εἶπε, Κύριε (11 a, 11 a)
— 11 (10). κατίσχυσον ἡμᾶς, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 11 (10. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν, μὴ κατισχυσάτω (11 a)
— 12 (11). ἐπάταξε κύριος τοὺς Αἰθίοπας (11 a)
— 13 (12). συνετρίβησαν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 14 (13). ἐγενήθη ἔκστασις κυρίου ἐπ' αὐτούς (11 a)
15. 1. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (6)
— 2. κύριος μεθ' ὑμῶν (11 a)
— 4. ἐπιστρέψει αὐτοὺς ἐπὶ κ. θεὸν Ἰσρ. (11 a)
— 5. ἔκστασις κυρίου ἐπὶ πάντας †
— 8. R ἐνεκαίνισε [A B ἀν.] τὸ θυσιαστήριον κυρίου (11 a)
— 8. ὃ ἦν ἔμπροσθεν τοῦ ναοῦ κυρίου (11 a)
— 9. κ. ὁ θεὸς αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ (11 a)
— 11. καὶ ἔθυσε τῷ κ. (11 a)
— 12. ζητῆσαι κ. θεὸν τῶν πατέρων αὐτῶν (11 a)
— 13. ὃς ἂν μὴ ἐκζητήσῃ κύριον (11 a)
— 14. ὤμοσαν ἐν κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 a)
— 15. κατέπαυσε κύριος αὐτοῖς κυκλόθεν (11 a)
— 18. A B τὰ ἅγια οἴκου κυρίου [R om.] τοῦ θεοῦ (18 b)
16. 2. ἐκ θησαυρῶν οἴκου κυρίου (11 a)
— 7. καὶ μὴ πεποιθέναι σε [A om.] ἐπὶ κ. θεόν σου (11 a)
— 8. ἐν τῷ πεποιθέναι σε [A om.] ἐπὶ κύριον (11 a)
— 9. οἱ ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπιβλέπουσιν (11 a)
— 12. A R οὐκ ἐζήτησε τὸν [A ἐξεζ.] κύριον [B -os] (11 a)
17. 3. ἐγένετο κύριος μετὰ Ἰωσαφάτ (11 a)
— 4. κ. τὸν θεὸν τοῦ πατρὸς αὐτοῦ ἐξεζήτησε (18 b)
— 5. κατεύθυνε κύριος τὴν βασιλείαν (11 a)
— 6. ὑψώθη καρδία αὐτοῦ ἐν ὁδῷ κυρίου (11 a)
— 9. μετ' αὐτῶν βίβλος νόμου κυρίου (11 a)
— 10. ἐγένετο ἔκστασις κυρίου (11 a)
— 16. ὁ προθυμούμενος τῷ κ. (11 a)
18. 4. ζήτησον δὴ σήμερον τὸν κ. (11 a)
— 6. οὐκ ἔστιν ὧδε προφήτης τοῦ κ. ἔτι (11 a)
— 7. τοῦ ζητῆσαι τὸν κ. δι' αὐτοῦ (11 a)
— 10. τάδε λέγει κύριος (11 a)
— 11. καὶ δώσει κύριος εἰς χεῖρας τοῦ βασ. (11 a)
— 13. ζῇ κύριος (11 a)
— 15. τὴν ἀλήθειαν ἐν ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 16. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 18. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 a)
— 18. εἶδον τὸν [A om.] κ. καθήμενον ἐπὶ θρόνου (11 a)
— 19. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 20. καὶ ἔστη ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 20. καὶ εἶπε κύριος (11 a)
— 22. ἔδωκε κύριος πνεῦμα ψευδές (11 a)
— 22. κύριος ἐλάλησεν ἐπὶ σὲ κακά (11 a)
— 23. A πνεῦμα κυρίου παρ' ἐμοῦ (11 a)
— 23. πνεῦμα κυρίου παρ' ἐμοῦ (11 a)
— 27. οὐκ ἐλάλησε κύριος ἐν ἐμοί (11 a)
— 31. κύριος ἔσωσεν αὐτόν (11 a)
19. 2. ἢ μισουμένῳ ὑπὸ κυρίου φιλιάζεις (11 a)
— 2. ἐγένετο ἐπὶ σὲ ὀργὴ παρὰ κυρίου (11 a)
— 3. ἐκζητῆσαι τὸν κ. (6)
— 4. ἐπέστρεψεν αὐτοὺς ἐπὶ κύριον (11 a)
— 6. ὅτι οὐκ ἀνθρώπῳ . . . ἀλλ' ἢ τῷ κ. (11 a)
— 7. γενέσθω φόβος κυρίου ἐφ' ὑμᾶς (11 a)
— 7. οὐκ ἔστι μετὰ κ. θεοῦ ἡμῶν ἀδικία (11 a)
— 8. κατέστησεν Ἰ. τῶν ἱερέων . . . εἰς κρίσιν κυρίου (11 a)
— 9. οὕτω ποιήσετε ἐν φόβῳ κυρίου (11 a)
— 10. οὐχ ἁμαρτήσονται τῷ κ. [A θεῷ] (11 a)
— 11. εἰς πᾶν λόγον κυρίου (11 a)
— 11. ἔσται κύριος μετὰ τοῦ ἀγαθοῦ (11 a)

II Ch. 20. 3, 4. ἐκζητῆσαι τὸν κ. (11 a)
— 4. ζητῆσαι τὸν κ. (11 a)
— 5. ἀνέστη Ἰωσ. . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 6. κύριε ὁ θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν (11 a)
— 7. οὐχὶ σὺ ὁ κ. [A al.] (6)
— 12. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (18 b)
— 13. πᾶς Ἰ. ἑστηκὼς ἔναντι [A -τίον] κυρίου (11 a)
— 14. ἐγένετο ἐπ' αὐτὸν πνεῦμα κυρίου (11 a)
— 15. τάδε λέγει κύριος ὑμῖν αὐτοῖς (11 a)
— 17. ἴδετε τὴν σωτηρίαν κυρίου μεθ' ὑμῶν (11 a)
— 17. καὶ κύριος μεθ' ὑμῶν (11 a)
— 18. ἔπεσον ἔναντι [A -τίον] κυρίου προσκυνῆσαι κυρίῳ (11 a, 11 a)
— 19. αἰνεῖν κυρίῳ θεῷ [A τῷ θ.] Ἰσρ. (11 a)
— 20. ἐμπιστεύσατε ἐν [A om.] κ. θεῷ ὑμῶν (11 a)
— 21. ἐξομολογεῖσθε [A -θαι] τῷ κ. (11 a)
— 22. ἔδωκε κύριος πολεμεῖν τοὺς υἱοὺς Ἀ. (11 a)
— 26. ἐκεῖ γὰρ ηὐλόγησαν τὸν κ. (11 a)
— 27. εὔφρανεν αὐτοὺς κύριος (11 a)
— 28. εἰσῆλθον . . . εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 29. καὶ ἐγένετο ἔκστασις κυρίου (6)
— 29. ἐπολέμησε κύριος πρὸς τοὺς ὑπεναντίους Ἰσρ. (11 a)
— 32. τοῦ ποιῆσαι τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 33. πρὸς κύριον θεὸν τῶν πατέρων αὐτῶν (18 b)
— 37. ἔθραυσε κύριος τὸ ἔργον σου (11 a)
21. 6. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον κυρίου (11 a)
— 7. οὐκ ἐβούλετο κύριος ἐξολεθρεῦσαι (11 a)
— 10. κ. [A τὸν κ.] θεὸν τῶν πατέρων αὐτοῦ (11 a)
— 12. τάδε λέγει κ. θεὸς [A ὁ θ.] Δαυίδ (11 a)
— 14. κύριος πατάξει σε πληγὴν μεγάλην (11 a)
— 16. ἐπήγειρε κύριος ἐπὶ Ἰ. τοὺς ἀλλοφύλους (11 a)
— 18. ἐπάταξεν αὐτὸν κύριος εἰς τὴν κοιλίαν (11 a)
22. 4. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον κυρίου (11 a)
— 7. A R πρὸς Ἰηοὺ [B om.] υἱὸν Ναμ. χριστὸν κυρίου (11 a)
— 9. ὃς ἐζήτησε [A ἐκζητήσει] τὸν κ. (11 a)
23. 1. A R ἔλαβε τοὺς ἑκατοντάρχους . . . εἰς οἶκον κυρίου [B om.] †
— 3. καθὼς ἐλάλησε κύριος (11 a)
— 5. πᾶς ὁ λαὸς ἐν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (11 a)
— 6. μὴ εἰσελθέτω εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 6. AR φυλασσέτω φυλακὰς κυρίου [B -ίφ] (11 a)
— 12. εἰσῆλθε πρὸς τὸν βασ. εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 14. μὴ ἀποθανέτω ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 16. εἶναι λαὸν τῷ κ. (11 a)
— 18. A B¹ ἐνεχείρησεν [B² R -ισεν] Ἰ. . . . τὰ ἔργα οἴκου κυρίου (11 a)
— 18. A² B διέστειλε Δ. ἐπὶ τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 18. A² B ἀνενέγκαι ὁλοκαυτώματα κυρίῳ [A² τῷ κ.] (11 a)
— 19. ἐπὶ τὰς πύλας οἴκου κυρίου (11 a)
— 20. ἐπεβίβασαν [A ἀνεβ.] τὸν βασ. εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
24. 2. ἐποίησεν Ἰ. τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 4. ἐπισκευάσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 5. κατισχῦσαι τὸν οἶκον κυρίου (6)
— 7. τὰ ἅγια οἴκου κυρίου (11 a)
— 8. τεθήτω ἐν πύλῃ οἴκου κυρίου (11 a)
— 9. εἰσενέγκαι κυρίῳ καθὼς εἶπε Μ. (11 a)
— 12. εἰς τὴν ἐργασίαν οἴκου κυρίου (11 a)
— 12. ἐπισκευάσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 12. B ἐπισκευάσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 13. ἀνέστησαν τὸν οἶκον κυρίου (6)
— 14. ἐποίησαν σκεύη εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 14. ἀνήνεγκαν ὁλοκαυτώσεις ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 18. B ἐγκατέλιπον τὸν κ. θεόν [A κ. τ. θ., R οἶκον κυρίου θεοῦ] (11 a)
— 19. ἐπιστρέψαι πρὸς κύριον (11 a)
— 20. τάδε λέγει κύριος (6)
— 20. τί παραπορεύεσθε τὰς ἐντολὰς κυρίου (11 a)
— 20. ἐγκατελίπετε τὸν κ. (11 a)
— 21. ἐν αὐλῇ οἴκου κυρίου (11 a)
— 22. ἴδοι κύριος καὶ κρινάτω (11 a)
— 24. ὅτι ἐγκατέλιπον κύριον (11 a)
25. 2. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 4. κατὰ τὴν διαθήκην τοῦ νόμου κυρίου –
— 4. ὡς ἐνετείλατο κύριος (11 a)
— 7. οὐκ ἔστι κύριος μετὰ Ἰσρ. (11 a)
— 8. καὶ τροπώσεταί σε [A om.] κύριος (6)
— 8. ὅτι ἐστὶ παρὰ κυρίου (6)
— 9. ἔστι τῷ κ. δοῦναί σοι πλεῖστα τούτων (11 a)
— 15. ἐγένετο ὀργὴ κυρίου ἐπὶ Ἀμ. (11 a)
— 20. ὅτι παρὰ κυρίου ἐγένετο (6)
— 24. τὰ εὑρεθέντα ἐν οἴκῳ κυρίου (6)
— 27. ᾧ ἀπέστη Ἀμ. ἀπὸ κυρίου (11 a)

II Ch. 26. 4. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 5. ἦν ἐκζητῶν τὸν κ. (6)
— 5. τοῦ συνιόντος ἐν φόβῳ κυρίου (6)
— 5. ἐζήτησε τὸν κ. (11 a)
— 5. εὐώδωσεν αὐτῷ κύριος (6)
— 7. κατίσχυσεν αὐτὸν κύριος (6)
— 16. ἠδίκησεν ἐν κ. θεῷ αὐτοῦ (11 a)
— 16. εἰσῆλθεν εἰς τὸν ναὸν κυρίου (11 a)
— 17. καὶ μετ' αὐτοῦ ἱερεῖς τοῦ κ. (11 a)
— 18. A R οὐ σοὶ . . . θυμιᾶσαι τῷ [B θῦσαι] κ. (11 a)
— 18. ἀπέστης ἀπὸ κυρίου –
— 18. εἰς δόξαν παρὰ κ. θεοῦ (11 a)
— 19. ἡ λέπρα ἀνέτειλεν . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 20. ἤλεγξεν αὐτὸν κύριος (11 a)
— 21. ἀπεσχίσθη ἀπὸ οἴκου κυρίου (11 a)
27. 2. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 2. οὐκ εἰσῆλθεν εἰς τὸν ναὸν κυρίου (11 a)
— 3. ᾠκοδόμησε τὴν πύλην οἴκου κυρίου (11 a)
— 6. A R ἡτοίμασε τὰς ὁδοὺς αὐτοῦ ἐναντίον [B -τι] κυρίου θεοῦ αὐ. (11 a)
28. 1. οὐκ ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 3. ὧν ἐξωλέθρευσε κύριος (11 a)
— 5. παρέδωκεν αὐτὸν κ. ὁ θεὸς αὐτοῦ (11 a)
— 6. ἐν τῷ αὐτοὺς καταλιπεῖν τὸν κ. θεόν (11 a)
— 9. ἐκεῖ ἦν ὁ προφήτης τοῦ κ. (11 a)
— 9. ὀργὴ κυρίου . . . ἐπὶ τὸν Ἰούδαν (11 a)
— 10. μαρτυρῆσαι κ. θεῷ [A τῷ θ.] ὑμῶν (11 a)
— 11. AR ὀργὴ θυμοῦ [B om.] κυρίου ἐφ' ὑμῖν (11 a)
— 13. εἰς τὸ ἁμαρτάνειν τῷ κ. (11 a)
— 13. R καὶ ὀργὴ θυμοῦ [B om.] κυρίου [A B κ. θεοῦ] ἐπὶ τὸν Ἰσρ. –
— 18. ἔλαβον . . . ἐν οἴκῳ κυρίου [A om. ἐν οἴ. κ.] –
— 19. ἐταπείνωσε κύριος τὸν Ἰούδαν (11 a)
— 19. ἀπέστη ἀποστάσει ἀπὸ κυρίου (11 a)
— 21. ἔλαβεν Ἄχ. τὰ ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 22. προσέθηκε τοῦ ἀποστῆναι ἀπὸ κυρίου (11 a)
— 24. ἀπέστησεν Ἄχ. τὰ σκεύη οἴκου κυρίου (6)
— 24. ἔκλεισε τὰς θύρας οἴκου κυρίου (11 a)
— 25. καὶ παρώργισαν κύριον (11 a)
29. 2. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 3. ἀνέῳξε τὰς θύρας οἴκου κυρίου (11 a)
— 5. ἁγίσατε τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 6. A B ἐποίησαν τὸ πονηρὸν ἐναντίον κυρίου [R add. θεοῦ ἡμῶν] (11 a + 6 [11 a])
— 6. ἀπέστρεψαν τὸ πρόσωπον ἀπὸ τῆς σκηνῆς κυρίου (11 a)
— 8. ὠργίσθη ὀργῇ [A θυμῷ] κύριος (11 a)
— 10. διαθήκην κυρίου θεοῦ Ἰσρ. (11 a)
— 11. A R ἐν ὑμῖν ᾑρέτικε κύριος [B om.] (11 a)
— 15. ἡγνίσθησαν . . . διὰ προστάγματος κυρίου (11 a)
— 15. A R καθαρίσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 16. εἰσῆλθον . . . εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 16. τὴν εὑρεθεῖσαν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου καὶ εἰς τὴν αὐλὴν οἴκου κυρίου (11 a, 11 a)
— 17. εἰσῆλθαν εἰς τὸν ναὸν κυρίου [A τοῦ κ.] (11 a)
— 17. ἥγνισαν τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 18. ἡγνίσαμεν πάντα τὰ ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 19. ἔστιν ἐναντίον τοῦ θυσιαστηρίου κυρίου (11 a)
— 20. ἀνέβη εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 21. ἀναβαίνειν ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κυρίου (11 a)
— 25. ἔστησε τοὺς Λευίτας ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 25. δι' ἐντολῆς κυρίου τὸ πρόσταγμα (11 a)
— 27. ἤρξαντο ᾄδειν κυρίῳ [A τῷ κ.] (11 a)
— 30. ὑμνεῖν τὸν κ. ἐν λόγοις Δ. (11 a)
— 31. ἐπληρώσατε τὰς χεῖρας ὑμῶν κυρίῳ (11 a)
— 31. φέρετε θυσίας καὶ αἰνέσεως εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 31. B ἀνήνεγκεν ἡ ἐκκλησία θυσίας . . . εἰς οἶκον κυρίου –
— 32. εἰς ὁλοκαύτωσιν κυρίῳ πάντα ταῦτα (11 a)
— 35. κατωρθώθη τὸ ἔργον ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
30. 1. ἐλθεῖν εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 1. ποιῆσαι τὸ φασὲκ τῷ κ. (11 a)
— 5. ποιῆσαι τὸ φασὲκ κυρίῳ (11 a)
— 6. R ἐπιστρέψατε πρὸς κ. [A B om.] θεὸν Ἀβ. (11 a)
— 7. οἳ ἀπέστησαν ἀπὸ κυρίου (11 a)
— 8. δότε δόξαν κ. τῷ θεῷ (18 a)
— 8. δουλεύσατε τῷ κ. θεῷ ὑμῶν (11 a)
— 9. ἐν τῷ ἐπιστρέφειν ὑμᾶς πρὸς κύριον (11 a)
— 9. ἐλεήμων καὶ οἰκτίρμων κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 12. ἐγένετο χεὶρ κυρίου δοῦναι αὐτοῖς (6)
— 12. κατὰ τὰ προστάγματα . . . ἐν λόγῳ κυρίου (11 a)

II Ch. 30. 15. εἰσήνεγκαν . . . ἐν οἴκῳ [A εἰς οἶκον] κυρίου (11 a)
— 17. τῷ μὴ δυναμένῳ ἁγνισθῆναι τῷ κ. (11 a)
— 18. κ. ἀγαθὸς [A ὁ ἁ.] ἐξιλάσθω (11 a)
— 19. ἐκζητῆσαι κ. τὸν θεὸν τῶν πατέρων αὐτῶν (6 + 11 a)
— 20. ἐπήκουσε κύριος τῷ Ἐζ. (11 a)
— 21. καθυμνοῦντες τῷ κ. (11 a)
— 21. καὶ οἱ ἱερεῖς . . . ἐν ὀργάνοις τῷ κ. (11 a)
— 22. τῶν συνιόντων σύνεσιν ἀγαθὴν τῷ κ. (11 a)
— 22. ἐξομολογούμενοι τῷ [A om.] κ. (11 a)
31. 2. ἐν ταῖς αὐλαῖς οἴκου κυρίου (11 a)
— 3. τὰς γεγραμμένας ἐν τῷ νόμῳ κυρίου (11 a)
— 4. ἐν τῇ λειτουργίᾳ οἴκου κυρίου (11 a)
— 6. καὶ ἡγίασαν τῷ κ. θεῷ αὐτῶν (11 a)
— 8. ηὐλόγησαν τὸν κ. (11 a)
— 10. φέρεσθαι εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 10. κύριος ηὐλόγησε τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 a)
— 11. ἑτοιμάσαι παστοφόρια εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 13. Ἀζ. ὁ ἡγούμενος οἴκου κυρίου (6)
— 14. R δοῦναι τὰς ἀπαρχὰς κυρίου [A B -φ] (11 a)
— 16. παντὶ τῷ εἰσπορευομένῳ εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 20. τὸ εὐθὲς ἐναντίον τοῦ [A om.] κ. θεοῦ αὐτοῦ (11 a)
— 21. ᾧ [A ἐν ᾧ] ἤρξατο . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (6)
32. 8. μεθ' ἡμῶν δὲ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (11 a)
— 11. κ. ὁ θεὸς ἡμῶν σώσει ὑμᾶς (11 a)
— 16. ἐλάλησαν παῖδες αὐτοῦ ἐπὶ κύριον (11 a)
— 17. ὀνειδίζειν τὸν κ. θεὸν Ἰσρ. (11 a)
— 21. ἀπέστειλε κύριος ἄγγελον (11 a)
— 22. ἔσωσε κύριος Ἐζεκίαν (11 a)
— 23. πολλοὶ ἔφερον δῶρα τῷ κ. (11 a)
— 24. προσηύξατο πρὸς κύριον (11 a)
— 26. A R οὐκ ἐπῆλθεν ἐπ' αὐτοὺς ὀργὴ κυρίου [B θεοῦ] (11 a)
— 29. ἔδωκεν αὐτῷ κύριος ἀποσκευὴν πολλήν (6)
— 31. ἐγκατέλιπεν αὐτὸν κύριος (6)
33. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον [A ἐνώπιον] κυρίου (11 a)
— 2. οὓς ἐξωλέθρευσε κύριος (11 a)
— 4. ᾠκοδόμησε θυσιαστήρια ἐν οἴκῳ κυρίου οὗ εἶπε κύριος (11 a, 11 a)
— 5. ἐν ταῖς δυσὶν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (11 a)
— 6. τοῦ ποιῆσαι τὸ πονηρὸν ἐναντίον κυρίου (11 a)
— 7. A ἔθηκε τὸ γλυπτὸν . . . ἐν οἴκῳ κυρίου [B θεοῦ] (6)
— 9. ἃ ἐξῆρε κύριος [A om.] (11 a)
— 10. ἐλάλησε κύριος ἐπὶ Μαν. (11 a)
— 11. ἤγαγε κύριος ἐπ' αὐτοὺς τοὺς ἄρχοντας (11 a)
— 12. ἐζήτησε τὸ πρόσωπον θεοῦ τοῦ κ. αὐτοῦ (6)
— 13. κύριος αὐτός ἐστι θεός [A ὁ θ.] (11 a)
— 15. περιεῖλε . . . τὸ γλυπτὸν ἐξ οἴκου κυρίου (11 a)
— 15. ἃ ᾠκοδόμησεν ἐν ὄρει οἴκου κυρίου (11 a)
— 16. κατώρθωσε τὸ θυσιαστήριον κυρίου (11 a)
— 16. τοῦ δουλεύειν κ. θεῷ Ἰσρ. (11 a)
— 17. πλὴν κ. ὁ θεὸς αὐτῶν (11 a)
— 18. A ἐπ' ὀνόματι κ. [B om.] θεοῦ Ἰσρ. (11 a)
— 22. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 23. οὐκ ἐταπεινώθη ἐναντίον κυρίου (11 a)
34. 2. ἐποίησε τὸ εὐθὲς ἐναντίον κυρίου (11 a)
— 3. τοῦ ζητῆσαι κ. τὸν θεὸν Δανίδ (18 b)
— 8. κραταιῶσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 9. A τὸ εἰσενεχθὲν εἰς οἶκον κυρίου [B θεοῦ] (6)
— 10. οἱ καθεσταμένοι ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 10. οἱ ἐποίουν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 14. τὸ εἰσοδιασθὲν εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 14. εὗρε . . . βιβλίον νόμου κυρίου (11 a)
— 15. βιβλίον νόμου εὗρον ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 17. τὸ εὑρεθὲν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 21. A R ζητήσατε τὸν [B om.] κ. περὶ ἐμοῦ (11 a)
— 21. μέγας ὁ θυμὸς κυρίου ἐκκέκαυται (11 a)
— 21. A R οὐκ εἰσήκουσαν [B ἤκ.] . . . τῶν λόγων κυρίου (11 a)
— 23. οὕτως εἶπε κύριος (11 a)
— 24. οὕτω λέγει κύριος (11 a)
— 26. τοῦ ζητῆσαι τὸν κ. (11 a)
— 26. οὕτω λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 a)
— 27. ἐγὼ ἤκουσα, φησὶ κύριος (11 a)
— 30. ἀνέβη ὁ βασ. εἰς οἶκον κυρίου (11 a)
— 30. τοὺς εὑρεθέντας ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 31. διέθετο διαθήκην ἐναντίον κυρίου τοῦ πορευθῆναι ἐνώπιον κυρίου (11 a, 11 a)
— 32. ἐποίησαν . . . διαθήκην ἐν οἴκῳ κυρίου (6)
— 33. τοῦ δουλεύειν κυρίῳ θεῷ αὐτῶν (11 a)
— 33. οὐκ ἐξέκλινεν ἀπὸ ὄπισθε κυρίου (11 a)
35. 1. ἐποίησεν Ἰ. τὸ φασὲκ τῷ κ. θεῷ αὐ. (11 a + 6)

II Ch. 35. 2. κατίσχυσεν αὐτοὺς εἰς τὰ ἔργα οἴκου κυρίου (11 a)
— 3. τοῦ ἁγιασθῆναι αὐτοὺς τῷ [A om.] κ. (11 a)
— 3. λειτουργήσατε τῷ κ. θεῷ ὑμῶν (11 a)
— 6. τοῦ ποιῆσαι κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 a)
— 12. τοῦ προσάγειν τῷ κ. (11 a)
— 16. ἡτοιμάσθη πᾶσα ἡ λειτουργία κυρίου (11 a)
— 16. ἐνεγκεῖν . . . ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κυρίου (11 a)
— 18. ὃ ἐποίησεν . . . τῷ κ. –
— 19. οὗ εὑρε X. . . . ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου –
— 19. ὃς ἐπέστρεψε πρὸς κύριον –
— 19. οὐκ ἀπεστράφη κύριος ἀπὸ ὀργῆς –
— 19. οὗ ὠργίσθη θυμῷ κύριος –
— 19. καὶ εἶπε κύριος –
— 26. γεγραμμένα ἐν νόμῳ κυρίου (11 a)
36. 2. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου –
— 5. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐναντίον κυρίου (11 a + 6)
— 5. ἀπέστειλε κύριος . . . τοὺς Χαλδαίους –
— 5. κατὰ τὸν λόγον κυρίου –
— 5. θυμὸς κυρίου ἦν ἐπὶ Ἰούδαν –
— 5. οὐκ ἠθέλησε κύριος ἐξολεθρεῦσαι αὐτούς –
— 7. μέρος τῶν σκευῶν οἴκου κυρίου (11 a)
— 9. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 10. μετὰ τῶν σκευῶν . . . οἴκου κυρίου (11 a)
— 12. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 12. οὐκ ἐνετράπη . . . ἐκ στόματος κυρίου (11 a)
— 13. τοῦ μὴ ἐπιστρέψαι πρὸς κ. θεὸν Ἰσρ. (11 a)
— 14. ἐμίαναν τὸν οἶκον κυρίου (11 a)
— 15. ἐξαπέστειλε κύριος ὁ θεός (11 a)
— 16. ἕως ἀνέβη ὁ θυμὸς κυρίου (11 a)
— 18. R καὶ τοὺς θησαυροὺς οἴκου κυρίου [A B om. οἴ. κ.] (11 a)
— 19. ἐνέπρησε τὸν οἶκον κυρίου (6)
— 21. τοῦ πληρωθῆναι λόγον κυρίου (11 a)
— 22. μετὰ τὸ πληρωθῆναι ῥῆμα κυρίου (11 a)
— 22. ἐξήγειρε κύριος τὸ πνεῦμα Κύρου (11 a)
— 23. ἔδωκέ μοι κ. ὁ θεὸς τοῦ οὐρανοῦ (11 a)

I Es. 1. 1. ἤγαγεν Ἰ. τὸ πάσχα . . . τῷ κ. αὐτοῦ
— 2. στήσας τοὺς ἱερεῖς . . . ἐν τῷ ἱερῷ τοῦ κ.
— 2. ἁγιάσαι ἑαυτοὺς τῷ κ.
— 3. ἐν τῇ θέσει τῆς ἁγίας κιβωτοῦ τοῦ κ.
— 4. λατρεύετε τῷ κ. θεῷ [A κ. τ. θ.] ὑμῶν
— 6. κατὰ τὸ πρόσταγμα τοῦ [A om.] κ.
— 11. προσενεγκεῖν τῷ κ.
— 17. συνετελέσθη τὰ τῆς θυσίας τοῦ κ. [A τῷ κ.]
— 18. προσαχθῆναι [A -ενεχθ.] . . . ἐπὶ τὸ τοῦ κ. θυσιαστήριον
— 23. ὠρθώθη τὰ ἔργα Ἰ. ἐνώπιον τοῦ κ. αὐτοῦ
— 24. περὶ τῶν ἡμαρτηκότων . . . εἰς τὸν κ.
— 24. οἱ λόγοι τοῦ κ. ἀνέστησαν ἐπὶ Ἰσρ.
— 27. οὐχὶ πρὸς σὲ ἐξαπέσταλμαι ὑπὸ κυρίου
— 27. κύριος μετ' ἐμοῦ ἐστι καὶ κύριος μετ' ἐμοῦ ἐπισπεύδων ἐστίν
— 27. μὴ ἐναντιοῦ τῷ κ.
— 28. οὐ προσέχων ῥήμασιν . . . ἐκ στόματος κυρίου
— 33. τῆς συνέσεως αὐτοῦ ἐν τῷ νόμῳ κυρίου [A τοῦ κ.]
— 39. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον [A ἔναντι] κυρίου
— 41. ἀπὸ τῶν ἱερῶν σκευῶν τοῦ κ. λαβών
— 44. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἔναντι κυρίου
— 45. ἅμα τοῖς ἱεροῖς σκεύεσι τοῦ κ.
— 47. ἐποίησε τὸ πονηρὸν ἐνώπιον κυρίου
— 47. τῶν ῥηθέντων λόγων . . . ἐκ στόματος τοῦ κ.
— 48. ὁρκισθεὶς . . . τῷ ὀνόματι τοῦ κ.
— 48. παρέβη τὰ νόμιμα κύριου θεοῦ Ἰσρ.
— 49. ἐμίαναν τὸ ἱερὸν τοῦ κ.
— 51. ᾗ ἡμέρᾳ ἐλάλησε κύριος
— 54. πάντα τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ κ.
— 54. τὰς κιβωτοὺς [A τὰ σκεύη κιβωτοῦ] τοῦ κ.
— 55. ἐνεπύρισαν τὸν οἶκον τοῦ [A om.] κ.
— 57. εἰς ἀναπλήρωσιν ῥήματος τοῦ [A ἁ. λόγου] κ.
2. 1. εἰς συντέλειαν ῥήματος κυρίου
— 2. ἤγειρε κύριος τὸ πνεῦμα Κύρου
— 3. ἐμὲ ἀνέδειξε βασιλέα . . . ὁ κ. τοῦ Ἰσρ. κ. ὁ ὕψιστος
— 5. A ἔστω ὁ κ. κ. [B om.] αὐτοῦ μετ' αὐτοῦ
— 5. οἰκοδομείτω τὸν οἶκον τοῦ [A om.] κ.
— 5. οὗτος ὁ κ. ὁ κατασκηνώσας ἐν Ἱερ.
— 7. εἰς τὸ ἱερὸν τοῦ κ. τὸ ἐν Ἱερ.
— 8. ὧν ἤγειρε κύριος τὸ πνεῦμα
— 8. οἰκοδομῆσαι οἶκον τῷ κ.
— 10. A R ἐξήνεγκε τὰ ἱερὰ [B ἅγια] σκεύη τοῦ κ.
— 17. βασιλεῖ Ἀρτ. κυρίῳ οἱ παῖδές σου
— 18. γνωστὸν ἔστω τῷ κ. [A κ. μου] βασ.
— 21. προσφωνῆσαι τῷ κ. βασ.

I Es. 2. 24. ὑποδεικνύομέν σοι, κύριε βασιλεῦ
4. 46. ὅ σε [B¹ ὅσα] ἀξιῶ, κύριε βασιλεῦ
5. 50. ἀνέφερον . . . ὁλοκαυτώματα κυρίῳ [A τῷ κ.]
— 58. ἔστησαν τοὺς Λ. . . . ἐπὶ τῶν ἔργων τοῦ κ.
— 58. ποιοῦντες εἰς τὰ ἔργα ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ κ. [A θεοῦ]
— 58. ᾠκοδόμησαν . . . τὸν ναὸν τοῦ κ.
— 60. ὑμνοῦντες τῷ κ.
— 61. εὐλογοῦντες [A ὁμολογ.] τῷ κ.
— 62. ὑμνοῦντες τῷ κ. ἐπὶ τῇ ἐγέρσει τοῦ οἴκου κυρίου [A τοῦ κ.]
— 67. οἰκοδομοῦσι τὸν ναὸν τῷ κ.
— 69. ἀκούομεν τοῦ κ. ὑμῶν
— 70. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίῳ
— 71. οἰκοδομήσομεν τῷ κ. τοῦ Ἰσρ.
6. 1. ἐπροφήτευσεν . . . ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου
— 2. ἤρξαντο οἰκοδομεῖν τὸν οἶκον τοῦ κ.
— 2. συνόντων τῶν προφητῶν τοῦ κ.
— 5. χάριν ἐπισκοπῆς γενομένης . . . παρὰ τοῦ κ.
— 8. πάντα γνωστὰ ἔστω τῷ κ. ἡμῶν
— 9. οἰκοδομοῦντας οἶκον τῷ κ. μέγαν
— 13. ἐσμὲν παῖδες τοῦ κ.
— 15. ἥμαρτον εἰς τὸν κ. τοῦ Ἰσρ.
— 19. καὶ τὸν ναὸν τοῦ κ. [A κ. τοῦτον] οἰκοδομηθῆναι
— 20. A R ἐνεβάλετο [B¹ εἰσεβάλ.] τοὺς θεμελίους τοῦ οἴκου κυρίου [A τοῦ κ.]
— 21. A B ἐν τοῖς βασιλικοῖς βιβλιοφυλακίοις τοῦ κ. [B Κύρου]
— 22. τὴν οἰκοδομὴν τοῦ οἴκου [B¹ om.] κυρίου
— 22. καὶ κρίνηται τῷ κ. βασιλεῖ ἡμῶν
— 24. προσέταξε τὸν οἶκον τοῦ κ. . . . οἰκοδομῆσαι
— 26. τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ οἴκου κυρίου
— 27. ἐᾶσαι δὲ τὸν παῖδα [A add. τοῦ] κυρίου Ζορ.
— 27. τὸν οἶκον τοῦ [A om.] κ. ἐκεῖνον οἰκοδομεῖν
— 28. μέχρι τοῦ ἐπιτελεσθῆναι τὸν οἶκον τοῦ κ.
— 29. εἰς θυσίαν τῷ κ.
— 33. ὁ κ. οὗ τὸ ὄνομα αὐτοῦ ἐπικέκληται ἐκεῖ
— 33. ἢ κακοποιῆσαι τὸν οἶκον κυρίου [A τοῦ κ.]
7. 4. διὰ προστάγματος τοῦ κ.
— 7. εἰς τὸν ἐγκαινισμὸν τοῦ ἱεροῦ τοῦ κ.
— 9. ἔστησαν . . . ἐπὶ τῶν ἔργων κυρίου
— 13. ζητοῦντες τὸν κ.
— 14. εὐφραινόμενοι ἔναντι κυρίου [A τοῦ κ.]
— 15. κατισχῦσαι . . . ἐπὶ τὰ ἔργα κυρίου
8. 6. κατὰ τὴν . . . εὐοδίαν παρὰ τοῦ κ.
— 7. μηδὲν παραλείπειν τῶν ἐκ τοῦ νόμου κυρίου
— 8. ἀναγνώστην τοῦ νόμου κυρίου
— 9. ἀναγνώστῃ τοῦ νόμου κυρίου
— 12. ᾧ [A ὡς] ἔχει νόμῳ [A R ἐν τῷ ν.] κυρίου [A τοῦ κ.]
— 13. ἀπενεγκεῖν δῶρα τῷ κ.
— 13. καὶ ἀργύριον . . . τῷ κ. [A om.]
— 14. A² B εἰς τὸ ἱερὸν τοῦ κ.
— 15. A R προσενεγκεῖν θυσίας τῷ κ. [B om. τ. κ.]
— 15. B ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον τοῦ κ. [A θεοῦ, R κ. θεοῦ]
— 17. A R τὰ [B κατὰ] ἱερὰ σκεύη τοῦ κ. [B σκ. σου]
— 25. εὐλογητὸς μόνος ὁ κ.
— 27. κατὰ τὴν ἀντίληψιν κυρίου
— 46. ἐν τῷ οἴκῳ [A ἐν τόπῳ] τοῦ κ. ἡμῶν
— 47. A R κατὰ τὴν κραταιὰν χεῖρα τοῦ κ. ἡμῶν
— 50. εὐξάμην . . . ἔναντι κυρίου [A κ. τοῦ θεοῦ] ἡμῶν
— 52. ἰσχὺς τοῦ κ. ἡμῶν ἔσται μετὰ τῶν ἐπιζητούντων
— 53. ἐδεήθημεν τοῦ κ. ἡμῶν
— 55. τὰ ἱερὰ σκεύη τοῦ οἴκου τοῦ κ. ἡμῶν
— 58. A ὑμεῖς ἅγιοί ἐστε τῷ κ. κύριος [B om.] καὶ τὰ σκεύη
— 58. καὶ τὸ ἀργύριον εὐχῇ τῷ κ. κ. τῶν πατέρων ἡμῶν
— 59. ἐν τοῖς παστοφορίοις τοῦ οἴκου τοῦ κ.
— 60. ἤνεγκαν εἰς τὸ ἱερὸν τοῦ κ.
— 61. κατὰ τὴν κραταιὰν χεῖρα τοῦ κ. ἡμῶν
— 61. A ἐρρύσατο ἡμᾶς . . . κύριος [B om.]
— 62. παρεδόθη ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου [A τοῦ κ.]
— 65. προσήνεγκαν θυσίας τῷ θεῷ τοῦ Ἰσρ. κυρίῳ
— 66. ἅπαντα θυσίαν τῷ κ.
— 67. ἐδόξασαν . . . τὸ ἱερὸν τοῦ κ.
— 72. A R ἐπεκινοῦντο ἐπὶ [B om.] τῷ ῥήματι κυρίου
— 73. ἐκτείνας τὰς χεῖρας πρὸς τὸν κ.
— 74. κύριε, ᾖσχυμμαι

I Es. 8. 78. ἐγενήθη ἡμῖν ἔλεος παρὰ τοῦ κ. κυρίου [A σοῦ, κύριε]
— 79. ἐν τῷ οἴκῳ τοῦ κ.
— 80. οὐκ ἐγκατελείφθημεν ὑπὸ [A ἀπὸ] τοῦ κ. ἡμῶν
— 81. A R καὶ δοξάσαι τὸ ἱερὸν τοῦ κ. [B *om.* τ. κ.]
— 82. τί ἐροῦμεν, κύριε
— 86. σὺ γὰρ, κύριε, ὁ κουφίσας [A κ., ἐκ.]
— 89. κύριε [B¹ *om.*] τοῦ Ἰσρ., ἀληθινὸς εἶ
— 92. ἡμάρτομεν εἰς τὸν κ. [A *add.* θεόν]
— 93. γινέσθω ἡμῖν ὁρκωμοσία πρὸς τὸν κ.
— 94. A R πειθαρχοῦσι τοῦ νόμου [A τῷ νόμῳ] κυρίου [B τοῦ κ.]
9. 8. δότε ὁμολογίαν δόξαν τῷ κ. θεῷ
— 13. ἕως τοῦ λῦσαι τὴν ὀργὴν κυρίου [A τοῦ κ.]
— 39. R τὸν παραδοθέντα ὑπὸ κυρίου [B τοῦ, A τοῦ κ.] θεοῦ Ἰσρ.
— 46. A R εὐλόγησεν Ἔ. τῷ κ. θ. [B *om.* τ. κ. θ.] τῷ ὑψίστῳ θεῷ
— 47. A R προσεκύνησαν τῷ κ. [B θεῷ]
— 48. ἐδίδασκον τὸν νόμον κυρίου
— 48. B ἀνεγίνωσκον τὸν νόμον τοῦ κ.
— 50. ἡ ἡμέρα αὕτη ἐστὶν ἁγία τῷ κ.
— 52. ἁγία γὰρ ἡ ἡμέρα τῷ κ.
— 52. ὁ γὰρ κ. [A θεὸς κ.] δοξάσει ἡμᾶς
II Es. 1. 1. A R τοῦ τελεσθῆναι λόγον [B¹ *om.*] κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
— 1. A R ἐξήγειρε κύριος [B *om.*] τὸ πνεῦμα Κύρου (11 *a*)
— 2. A R πάσας τὰς βασιλείας τῆς γῆς [B *om.* τ. γ.] ἔδωκέ μοι κύριος [B *om.*] (11 *a*)
— 5. A R οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
— 7. A R ἐξήνεγκε τὰ σκεύη οἴκου κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
— 9. B κυρίῳ [A R ψυκτῆρες] χρυσοῖ τριάκοντα †
2. 68. ἐν τῷ ἐλθεῖν αὐτοὺς εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
3. 3. ἀνέβη ἐπ' αὐτὸ ὁλοκαύτωσις τῷ κ. (11 *a*)
— 5. A εἰς πάσας ἑορτὰς κυρίῳ [B *om.*, R τῷ κ.] (11 *a*)
— 5. παντὶ ἑκουσιαζομένῳ ἑκούσιον τῷ κ. (11 *a*)
— 6. ἀναφέρειν ὁλοκαυτώσεις τῷ κ. (11 *a*)
— 6. ὁ οἶκος κυρίου οὐκ ἐθεμελιώθη (11 *a*)
— 8. R τὰ ἔργα ἐν [A θεοῦ] οἴκῳ [B *om.* ἐν οἷ.] κυρίου (11 *a*)
— 10. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 10. τοῦ αἰνεῖν τὸν κ. (11 *a*)
— 11. ἐν αἴνῳ καὶ ἀνθομολογήσει τῷ κ. (11 *a*)
— 11. αἰνεῖν τῷ κ. ἐπὶ θεμελιώσει οἴκου κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
4. 1. οἰκοδομοῦσιν οἶκον τῷ κ. (11 *a*)
— 3. οἰκοδομήσομεν τῷ κ. θεῷ ἡμῶν (11 *a*)
5. 1. A ἐν ὀνόματι κυρίου [B *om.*] θεοῦ Ἰσρ. (18 *c*)
6. 21. τοῦ ἐκζητῆσαι κύριον (11 *a*)
— 22. A R εὔφρανεν αὐτοὺς κύριος [B *om.*] (11 *a*)
— 22. A κύριος [B *om.*] ἐπέστρεψε καρδίαν βασ. –
7. 6. ὃν ἔδωκε κ. ὁ θεὸς Ἰσρ. (11 *a*)
— 6. A R χεὶρ κυρίου [B *om.*] θεοῦ αὐτοῦ ἐπ' αὐτόν (11 *a*)
— 11. βιβλίου λόγων ἐντολῶν κυρίου (11 *a*)
— 12. A R Ἔ. γραμματεῖ νόμου κ. [B *om.*] τοῦ θεοῦ (18 *c*)
— 15. καὶ εἰς οἶκον κυρίου ἀργύριον –
— 15. B τῷ κ. [A R θεῷ] τοῦ Ἰσρ. (4 *b*)
— 27. εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν (11 *a*)
— 27. A R τοῦ δοξάσαι τὸν [B -άσαντος] οἶκον κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
— 28. A ὡς χεὶρ κυρίου [B θεοῦ] ἡ ἀγαθὴ ἐπ' ἐμέ (11 *a* + 6)
8. 28. ὑμεῖς ἅγιοι τῷ κ. [A κ. θεῷ] (11 *a* [18 *a*])
— 28. ἐκούσια τῷ κ. θεῷ πατέρων ἡμῶν (11 *a*)
— 29. εἰς σκηνὰς οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 35. A R τὰ πάντα ὁλοκαυτώματα τῷ κ. [B -ωμάτων] (11 *a*)
9. 5. A R ἐκπετάζω τὰς [B *om.*] χεῖράς μου πρὸς κύριον [B *om.*] τὸν θεόν (11 *a*)
— 6. A R καὶ εἶπα, Κύριε [B *om.*] (6)
— 8. R ἐπιεικεύσατο [A B -εσκευάσ.] ἡμῖν κ. [B *om.*] ὁ θεὸς ἡμῶν (11 *a*)
— 9. οὐκ ἐγκατέλιπεν ἡμᾶς κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (18 *b*)
— 15. B S κύριε ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
10. 3. S² ἐν βουλῇ κυρίου (2)
— 11. S² R δότε αἴνεσιν κυρίῳ [A τῷ κ., B S¹ *om.*] (11 *a*)
Ne. 1. 5. μὴ δὴ [S¹ *om.* μὴ δὴ], κύριε ὁ θεός (11 *a*)
— 11. S² R μὴ δή, κύριε [A B S¹ *om.*] (2)
5. 13. ἤγεσαν τὸν κ. [S² λόγον κυρίου] (11 *a* [22])
Ne. 8. 1. A S² R ὃ ἐνετείλατο κύριος [B S¹ *om.* τῷ Ἰσρ. (11 *a*)
— 6. B ηὐλόγησεν Ἔ. τὸν [A S R *om.*] κ. (11 *a*)
— 6. προσεκύνησαν τῷ κ. (11 *a*)
— 8. διέστελλεν ἐν [A *om.*] ἐπιστήμῃ κυρίου –
— 8. S καὶ συνῆκεν ὁ λαὸς κυρίου [A B *om.*] –
— 9. S R ἡμέρα ἁγία ἐστὶ τῷ [A B *om.*] κ. (11 *a*)
— 10. ἁγία ἐστὶν ἡ ἡμέρα τῷ κ. ἡμῶν (1)
— 10. R ἐστὶ κύριος [A B S *om.*] ἰσχὺς ἡμῶν (11 *a*)
— 14. ᾧ ἐνετείλατο κύριος τῷ Μ. (11 *a*)
9. 3. R ἐν βιβλίῳ νόμου κυρίου [A B S *om.*] θεοῦ αὐτῶν (11 *a*)
— 3. ἦσαν ἐξαγορεύοντες τῷ κ. –
— 3. A S R καὶ προσκυνοῦντες τῷ κ. [B *om.*] (11 *a*)
— 4. ἐβόησαν . . . πρὸς κ. τὸν θεὸν αὐτῶν (11 *a*)
— 5. εὐλογεῖτε κ. τὸν θεὸν ἡμῶν (11 *a*)
— 6. σὺ εἶ αὐτὸς κ. μόνος (11 *a*)
— 7. A S² σὺ εἶ κ. [B *om.*] ὁ θεός (11 *a*)
10. 29 (30). A R πάσας τὰς ἐντολὰς κυρίου [B S¹ ἡμῶν, S² τοῦ θεοῦ] (11 *a* + 1)
— 34 (35). A S R ἐπὶ [A B περὶ] τὸ θυσιαστήριον κ. [B τοῦ] θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 35 (36). A S R εἰς οἶκον κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
— 39 (40). A οὐκ ἐγκαταλείψομεν τὸν οἶκον κυρίου [B S τοῦ] θεοῦ ἡμῶν (18 *b*)
13. 1. S¹ ἐν ἐκκλησίᾳ [S² εἰς ἐκκλησίαν τοῦ] κυρίου [A S² τοῦ θεοῦ, B θεοῦ] (6)
— 14. ἐν οἴκῳ κ. τοῦ [A S² *om.*] θεοῦ [S¹ οἴ. θ. κ.] (18 *b*)
To. 2. 2. ὃς μέμνηται τοῦ κ. [S *om.* τ. κ.]
— 12. ἀπέστελλε τοῖς κ.
— 13. ἀπόδος αὐτὸ τοῖς κ.
— 14. ἔλεγον ἀποδιδόναι αὐτὸ τοῖς κ.
3. 2. δίκαιος εἶ, κύριε
— 3. S καὶ νῦν σύ, κύριε
— 6. S λύπη πολλὴ μετ' ἐμοῦ, κύριε [A B *al.*]
— 6. S μὴ ἀποστρέψῃς τὸ πρόσωπόν σου, κύριε [A B *om.*]
— 10. S ἀλλὰ δεηθῆναι τοῦ κ.
— 11. εὐλογητὸς εἶ, κύριε ὁ θεός μου [S *al.*]
— 12. κύριε, τοὺς ὀφθαλμούς μου καὶ τὸ πρόσωπόν μου εἰς σὲ δέδωκα [S *al.*]
— 14. σὺ γινώσκεις, κύριε [S δέσποτα]
— 15. S κύριε, νῦν εἰσάκουσον [A B *al.*]
— 16. A εἰσήκουσεν κύριος τῆς προσευχῆς [B S *al.*]
4. 5. πάσας τὰς ἡμέρας, παιδίον, κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν μνημόνευε [S *al.*]
— 19. A B ἐν παντὶ καιρῷ εὐλόγει κ. τὸν θεόν
— 19. αὐτὸς ὁ κ. δίδωσι πάντα τὰ ἀγαθά [S *al.*]
— 19. S ὃν ἂν θέλῃ κύριος [A B *om.*] ταπεινοῖ
— 21. A ἐὰν φοβηθῇς τὸν κ. [B S θεόν]
— 21. S ἐνώπιον κ. τοῦ θεοῦ σου [A B ἐν. αὐτοῦ]
5. 19. ὡς γὰρ δέδοται ἡμῖν ζῆν παρὰ τοῦ κ.
6. 17. S δεήθητε τοῦ κ. τοῦ οὐρανοῦ [A B *al.*]
7. 11. S κύριος ποιήσει ἐν ὑμῖν
— 12. S ὁ κ. τοῦ οὐρανοῦ εὐοδώσει ὑμᾶς [A B *al.*]
— 18. ὁ κ. τοῦ οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς δῴη σοι χάριν
8. 4. ἵνα ἐλεήσῃ ἡμᾶς ὁ κ. [S *al.*]
— 7. κύριε [S *om.*], οὐ διὰ πορνείαν ἐγὼ λαμβάνω τὴν ἀδελφήν μου
9. 6. S δῴη σοι κύριος εὐλογίαν οὐρανοῦ
10. 12. S ὁ κ. τοῦ οὐρανοῦ εὐοδώσαι ὑμᾶς [A B *al.*]
— 13. ἀποκαταστήσαι σε ὁ [S *om.*] κ. τοῦ οὐρανοῦ
— 13. ἵνα εὐφρανθῶ ἐνώπιον τοῦ κ. [S *al.*]
11. 1. S εὐλογῶν τῷ κ. τοῦ οὐρανοῦ [A B *al.*]
— 4. S συνῆλθεν αὐτοῖς ὁ κ. [A B σ. ὁ κύων]
12. 12, 15. S ἐνώπιον τῆς δόξης κυρίου [A B *al.*]
— 20. S εὐλογεῖτε ἐπὶ τῆς γῆς κύριον
— 22. A R ὡς ὤφθη αὐτοῖς ὁ [B S *om.*] ἄγγελος κυρίου [S θεοῦ]
13. 4. καθότι αὐτὸς κ. ἡμῶν
— 6. εὐλογήσατε τὸν κ. τῆς δικαιοσύνης
— 10. B ἐξομολογοῦ τῷ κ. ἀγαθῶς [A *al.*]
— 11. ἔθνη πολλὰ μακρόθεν ἥξει πρὸς τὸ ὄνομα κ. τοῦ θ. [S *al.*]
— 13. εὐλογήσουσι τὸν κ. τῶν δικαίων [S τοῦ αἰῶνος]
— 15. S εὐλόγει τὸν κ. [A B θεόν]
14. 2. προσέθετο φοβεῖσθαι κ. τὸν θεόν [S *al.*]
— 6. πάντα τὰ ἔθνη ἐπιστρέψουσιν ἀληθινῶς φοβεῖσθαι κ. τὸν θ. [S *al.*]
— 6. εὐλογήσουσι πάντα τὰ ἔθνη κύριον [A τὸν κ., S *al.*]
— 7. A B ὑψώσει κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ
— 7. χαρήσονται πάντες οἱ ἀγαπῶντες κ. τὸν θεόν [S *al.*]
To. 14. 15. S εὐλόγησεν κ. τὸν θεόν
Ju. 2. 5. ὁ βασ. ὁ μέγας ὁ κ. πάσης τῆς γῆς
— 13. ἕν τι τῶν ῥημάτων τοῦ κ. σου
— 14. ἐξῆλθεν Ὀλ. ἀπὸ προσώπου τοῦ κ. αὐτοῦ
— 15. A S προσέταξεν [B ἐκέλευσεν] αὐτῷ ὁ κ. αὐτοῦ
4. 2. περὶ Ἱερ. καὶ τοῦ ναοῦ κυρίου . . . ἐταράχθησαν
— 11. ἐξέτειναν τοὺς σάκκους αὐτῶν κατὰ πρόσωπον κυρίου
— 13. εἰσήκουσε κύριος τῆς φωνῆς αὐτῶν
— 13. κατὰ πρόσωπον τῶν ἁγίων κυρίου
— 14. πάντες οἱ παρεστηκότες ἐνώπιον κυρίου
— 14. A B οἱ λειτουργοῦντες κυρίῳ
— 15. ἐβόων πρὸς κύριον
5. 5. ἀκουσάτω δὴ λόγον ὁ κ. μου
— 20. καὶ νῦν, δέσποτα κύριε
— 21. παρελθάτω δὴ ὁ κ.
— 21. μή ποτε ὑπερασπίσῃ ὁ κ. αὐτῶν καὶ ὁ [S *om.* κ. αὐ. κ. ὁ] θεὸς αὐτῶν
6. 4. A S R ὁ βασ. Ναβ. ὁ [B *om.*] κ. πάσης τῆς γῆς
— 13. ἀπῴχοντο πρὸς τὸν κ. αὐτῶν
— 18. S προσεκύνησαν κ. [A B *om.*] τῷ θεῷ
— 19. κύριε ὁ θεὸς τοῦ οὐρανοῦ
7. 19. ἀνεβόησαν πρὸς κ. θεὸν [S τὸν θ.] αὐτῶν
— 28. καὶ τὸν θεὸν ἡμῶν καὶ κύριον τῶν πατ. ἡμῶν
— 29. ἐβόησαν πρὸς κύριον
— 30. ἐπιστρέψει κύριος . . . τὸ ἔλεος αὐτοῦ
8. 11. ἐὰν μὴ ἐν αὐταῖς ἐπιστρέψῃ ὁ [A *om.*] κ.
— 13. κύριον παντοκράτορα ἐξετάζετε
— 14. μὴ παροργίζετε κύριον
— 16. μὴ ἐνεχυράζετε τὰς βουλὰς κυρίου
— 21. S ἐκζητήσει [B ζητ.] κύριος [A B *om.*] τὴν βεβήλωσιν
— 23. εἰς ἀτιμίαν θήσει αὐτὴν κύριος
— 25. εὐχαριστήσωμεν κ. τῷ θεῷ ἡμῶν
— 27. μαστιγοῖ κύριος τοὺς ἐγγίζοντας αὐτῷ
— 31. ἀποστελεῖ κύριος τὸν [S ἡμῖν τὸν] ὑετόν
— 33. ἐπισκέψεται κύριος τὸν Ἰσρ.
— 35. καὶ κ. ὁ θεὸς ἔμπροσθέν σου
9. 1. A εἰς τὸν οἶκον τοῦ κ. [B S θεοῦ]
— 1. καὶ ἐβόησε . . . Ἰ. πρὸς κύριον
— 2. κύριε ὁ θεὸς τοῦ πατρός μου Σ.
— 7. σὺ εἶ κύριος συντρίβων πολέμους
— 8. κύριος ὄνομά σοι
— 11. A ταπεινῶν εἶ κύριος [B S θεός]
10. 15. εἰς πρόσωπον τοῦ κ. [S πρὸς τὸν κ.] ἡμῶν
11. 4. καθὰ γίνεται τοῖς δούλοις τοῦ κ. μου
— 5. οὐκ ἀναγγελῶ ψεῦδος τῷ κ. μου
— 6. οὐκ ἀποπεσεῖται ὁ κ. μου τῶν ἐπιτηδευμάτων
— 10. δέσποτα κύριε, μὴ παρέλθῃς
— 11. ἵνα μὴ γένηται ὁ κ. μου ἔκβολος
— 17. A B μενῶ παρὰ σοί, κύριέ μου
— 22. A B ἐν δὲ τοῖς φαυλίσασι τὸν κ. μου
12. 4. A B ζῇ ἡ ψυχή σου, κύριέ μου
— 4. A R ἕως ἂν ποιήσῃ κύριος [B *om.*]
— 6. A B ἐπιταξάτω δὴ ὁ κ. μου
— 8. B ἐδέετο τοῦ [A *om.*] κ. θεοῦ Ἰσρ.
— 13. A B ἐλθοῦσα πρὸς τὸν κ. μου
— 14. A B τίς εἰμι ἐγὼ ἀντεροῦσα τῷ κ. μου
— 18. A B πίομαι δή, κύριε
13. 1. A B ἐκ προσώπου τοῦ κ. αὐτοῦ
— 4. A B κύριε ὁ θεὸς πάσης δυνάμεως
— 7. A κραταίωσόν με, κύριε [B *om.*] ὁ θεὸς Ἰσρ.
— 14. A αἰνεῖτε τὸν κ. [B S θεόν]
— 14. A αἰνεῖτε τὸν κ. [B θεόν]
— 15. καὶ ἐπάταξεν αὐτὸν ὁ κ.
— 16. καὶ ζῇ κύριος [A ὁ κ.]
— 18. καὶ εὐλογημένος κ. ὁ θεός [S θ. σου]
14. 13. ἔγειρον δὴ τὸν κ. ἡμῶν
15. 8. ἃ ἐποίησε κύριος τῷ Ἰσρ.
— 10. εὐλογημένη γίνου παρὰ τῷ παντοκράτορι κ.
16. 2. A S R ᾄσατε τῷ κ. μου [B *om.*]
— 3. θεὸς [A ὁ θ.] συντρίβων πολέμους κύριος
— 6. κ. παντοκράτωρ ἠθέτησεν αὐτούς
— 12. ἀπώλοντο ἐκ παρατάξεως κυρίου μου
— 13. A ὑμνήσω τῷ κ. [B θεῷ μου] ὕμνον
— 13. κύριε, μέγας εἶ
— 16. ὁ δὲ φοβούμενος τὸν κ. μέγας διὰ παντός
— 17. κ. παντοκράτωρ ἐκδικήσει αὐτούς
— 19. A S εἰς ἀνάθεμα τῷ κ. [B θεῷ] ἔδωκε
Es. 4. 8. ἐπικάλεσαι τὸν [A *om.*] κ. †
— 17. ἐδεήθη κυρίου [S² τοῦ κ.] μνημονεύων πάντα τὰ ἔργα κυρίου [S² τοῦ κ.] καὶ εἶπε, Κύριε κύριε [A κ. θεὲ κ.]
— 17. κύριος εἶ πάντων
— 17. ὃς ἀντιτάξεταί σοι τῷ κ.

Es. 4. 17. σὺ οἶδας, κύριε
— 17. πλὴν σοῦ τοῦ κ. μου
— 17. καὶ νῦν, κύριε . . . φεῖσαι τοῦ λαοῦ σου
— 17. ἵνα ζῶντες ὑμνῶμέν σου τὸ ὄνομα, κύριε
— 17. B αἰνούντων σε, κύριε [A B S *om.*]
— 17. Ἐσθὴρ . . . κατέφυγεν ἐπὶ τὸν κ.
— 17. ἐδείτο κ. θεοῦ Ἰσρ.
— 17. καὶ εἶπεν, Κύριέ μου [A ὁ θεός μου]
— 17. A ἐγὼ ἤκουον, κύριε [B S *om.*]
— 17. σὺ, κύριε, ἔλαβες τὸν Ἰσρ.
— 17. δίκαιος εἶ, κύριε
— 17. S μὴ παραδῶς, κύριε, τὸ σκῆπτρόν σου, κύριε [A B *om.*]
— 17. μνήσθητι, κύριε
— 17. καὶ μὴ ἐχούσῃ [A ἐ. βοηθὸν] εἰ μὴ σὲ, κύριε
— 17. πλὴν ἐπὶ σοὶ, κύριε ὁ θεὸς Ἀβ.
5. 2. εἶδόν σε, κύριε
— 2. θαυμαστὸς εἶ, κύριε
6. 1. ὁ δὲ κ. ἀπέστησε τὸν ὕπνον ἀπὸ τοῦ βασ. –
10. 3. B S ἔσωσε κύριος [A *om.*] τὸν λαὸν αὐτοῦ
— 3. ἐρρύσατο κύριος [A S^2 *om.*] ἡμᾶς
— 3. A ἐμνήσθη ὁ κ. [B S θεὸς] τοῦ λαοῦ αὐτοῦ
Jb. 1. 6. ἦλθον οἱ ἄγγελοι τοῦ θεοῦ παραστῆναι ἐνώπιον τοῦ κ. [S^1 θεοῦ] (11 *a*)
— 7. εἶπεν ὁ κ. τῷ διαβόλῳ [A πρὸς τὸν διάβολον] (11 *a*)
— 7. ἀποκριθεὶς ὁ διάβολος τῷ κ. εἶπε (11 *a*)
— 8. εἶπεν αὐτῷ ὁ κ. [A θεός] (11 *a*)
— 9. ἀπεκρίθη δὲ ὁ διάβολος καὶ εἶπεν [A *om.* καὶ εἶπεν] ἐναντίον τοῦ κ. (11 *a*)
— 10. μὴ δωρεὰν Ἰὼβ σέβεται τὸν κ. [A θεόν] (6)
— 12. εἶπεν ὁ κ. τῷ διαβόλῳ (11 *a*)
— 12. ἐξῆλθεν ὁ διάβολος παρὰ τοῦ [A ἀπὸ προσώπου] κ. (11 *a*)
— 20. A S^2 πεσὼν χαμαὶ προσεκύνησε τῷ κ. [B S^1 *om.* τῷ κ.] –
— 21. ὁ κ. ἔδωκεν ὁ κ. ἀφείλατο ὡς τῷ κ. ἔδοξεν οὕτως ἐγένετο εἴη τὸ ὄνομα κυρίου εὐλογημένον (11 *a*, 11 *a*, –, 11 *a*)
— 22. οὐδὲν ἥμαρτεν Ἰὼβ ἐναντίον τοῦ κ. [A *al.*] –
2. 1. ἦλθον οἱ ἄγγελοι τοῦ θεοῦ παραστῆναι ἔναντι [A ἐνώπιον] κυρίου [S τοῦ κ.] (11 *a*)
— 1. B S^2 παραστῆναι ἐναντίον τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 2. εἶπεν ὁ κ. τῷ διαβόλῳ (11 *a*)
— 2. εἶπεν ὁ διάβολος ἐνώπιον τοῦ [A ἔναντι] κ. (11 *a*)
— 3. εἶπε δὲ ὁ κ. πρὸς τὸν διάβολον [A Σατανᾶν] (11 *a*)
— 4. ὑπολαβὼν δὲ ὁ διάβολος εἶπε τῷ κ. (11 *a*)
— 6. εἶπε δὲ ὁ κ. τῷ διαβόλῳ (11 *a*)
— 7. ἐξῆλθε δὲ ὁ διάβολος ἀπὸ [A παρὰ] τοῦ κ. (11 *a*)
— 9. εἰπόν τι ῥῆμα εἰς [A πρὸς] κύριον (6)
— 10. εἰ τὰ ἀγαθὰ ἐδεξάμεθα ἐκ χειρὸς κυρίου (6)
3. 4. μὴ ἀναζητήσαι αὐτὴν ὁ κ. ἄνωθεν (5)
— 19. θεράπων δεδοικὼς [A S^2 οὐ δ.] τὸν κ. αὐτοῦ (1)
— 23. A συνέκλεισε γὰρ ὁ κ. [B S θεὸς] κατ' αὐτοῦ (5)
4. 9. ἀπὸ προστάγματος κυρίου ἀπολοῦνται (5)
— 17. μὴ καθαρὸς ἔσται βροτὸς ἐναντίον τοῦ [A S ἔναντι] κ. (5)
5. 8. ἐγὼ δεηθήσομαι κυρίου κύριον δὲ . . . ἐπικαλέσομαι (4 *a*, 6)
— 17. μακάριος δὲ ἄνθρωπος ὃν ἤλεγξεν ὁ κ. (5)
6. 4. βέλη γὰρ κυρίου ἐν τῷ σώματί [A στόματί] μού ἐστιν (14)
— 8. τὴν ἐλπίδα μου δῴη ὁ κ. [A θεός] (5)
— 9. ἀρξάμενος ὁ κ. τρωσάτω με (5)
— 14. ἐπισκοπὴ δὲ κυρίου ὑπερεῖδέ με (14)
7. 2. ὥσπερ θεράπων δεδοικὼς τὸν κ. αὐτοῦ †
8. 3. μὴ ὁ κ. ἀδικήσει κρίνων (4 *a*)
— 5. ὄρθριζε πρὸς κύριον παντοκράτορα δεόμενος (4 *a*)
— 13. τὰ ἔσχατα πάντων τῶν ἐπιλανθανομένων τοῦ κ. [A θεοῦ] (4 *a*)
— 20. ὁ γὰρ κ. οὐ μὴ ἀποποιήσηται τὸν ἄκακον (4 *a*)
9. 2. πῶς γὰρ ἔσται δίκαιος βροτὸς παρὰ κυρίῳ (4 *a*)
10. 2. ἐρῶ πρὸς κύριον (5)
11. 5. πῶς ἂν ὁ κ. λαλήσαι πρὸς σέ (5)
— 6. ἄξιά σοι ἀπέβη [A παρέβη] ἀπὸ κυρίου (5)
— 7. ἢ [A μὴ] ἴχνος κυρίου εὑρήσεις (5)
12. 6. ὅσοι παροργίζουσι [A γὰρ ὀργ.] τὸν κ. (4 *a*)
— 9. χεὶρ κυρίου ἐποίησε ταῦτα (11 *a*)
13. 3. ἐγὼ πρὸς κύριον λαλήσω (14)
— 7. πότερον οὐκ ἔναντι κυρίου λαλεῖτε (4 *a*)
Jb. 13. 11. A φόβος δὲ κυρίου [B S παρ' αὐτοῦ] ἐπιπεσεῖται ὑμῖν †
15. 4. συνετελέσω δὲ ῥήματα τοιαῦτα ἔναντι τοῦ [A *om.*] κ. (4 *a*)
— 8. ἢ σύνταγμα κυρίου ἀκήκοας (5)
— 13. θυμὸν ἔρρηξας ἔναντι κυρίου (4 *a*)
— 25. ἦρκε χεῖρας ἐναντίον τοῦ [A -τι] κ. ἔναντι δὲ κυρίου παντοκράτορος ἐτραχηλίασεν (4 *a*, 23)
16. 12 (11). παρέδωκε γάρ με ὁ κ. εἰς χεῖρας ἀδίκου (4 *a*)
— 21 (20). A B S^2 ἀφίκοιτό μου ἡ δέησις πρὸς κύριον (5)
— 22 (21). B S^2 εἴη δὲ ἔλεγχος ἀνδρὶ [A ὁ ἔλ. μου] ἔναντι κυρίου (5)
18. 21. οὗτος δὲ ὁ τόπος τῶν μὴ εἰδότων τὸν κ. (4 *a*)
19. 2. ὁ [S *om.*] κ. ἐποίησέ με οὕτως –
— 6. κύριός [A B^1 ὁ κ.] ἐστιν ὁ ταράξας (5)
— 21. χεὶρ γὰρ κυρίου ἡ ἁψαμένη μού ἐστι (5)
— 22. διὰ τί με διώκετε ὥσπερ καὶ ὁ [S^1 *om.* κ. ὁ] κ. (4 *a*)
— 27 (26). παρὰ γὰρ κυρίου ταῦτά μοι συνετελέσθη (5 ?)
20. 29. αὕτη ἡ μερὶς ἀνθρώπου ἀσεβοῦς παρὰ κυρίου (6)
21. 9. μάστιξ δὲ παρὰ κυρίου οὐκ ἔστιν ἐπ' [B^1 *om.*] αὐτοῖς (5)
— 14. λέγει δὲ κυρίῳ [S τῷ κ., A ὁ ἀσεβὴς τῷ κ.] (4 *a*)
— 20. ἀπὸ [A ὑπὸ] δὲ κυρίου μὴ διασωθείη (14)
— 22. οὐχὶ ὁ [S *om.*] κ. ἑστιν ὁ διδάσκων σύνεσιν (4 *a*)
22. 2. οὐχὶ ὁ κ. ἐστιν ὁ διδάσκων σύνεσιν (4 *a*)
— 3. τί γὰρ μέλει τῷ κ. (14)
— 17. κύριος [A ὁ κ.] τί ποιήσει ὑμῖν (4 *a*)
— 23. ἐὰν δὲ . . . ταπεινώσῃς σεαυτὸν ἔναντι κυρίου (14)
— 26. παρρησιασθήσῃ [A ἐνπαρρησιάσῃ] ἐναντίον [A S -τι] κυρίου (14)
23. 16. κύριος δὲ ἐμαλάκυνε τὴν καρδίαν μου (4 *a*)
24. 1. διὰ τί δὲ κύριον [A -ιε] ἔλαθον ὧραι [A -ας] (14)
25. 4. πῶς γὰρ ἔσται δίκαιος βροτὸς ἔναντι κυρίου (4 *a*)
27. 2. A S^2 ζῇ κύριος [S^1 ὁ κ., B ὁ θεὸς] ὃς οὕτω με κέκρικε (4 *a*)
— 8. πεποιθὼς [A μὴ π.] ἐπὶ κύριον ἆρα [A εἰ ἆρα] σωθήσεται (5)
— 9. ἢ τὴν δέησιν αὐτοῦ ἀκούσῃ ὁ κ. [B S εἰσακούσεται ὁ θεός] (4 *a*)
— 11. ἀναγγελῶ ὑμῖν τί ἐστιν ἐν χειρὶ κυρίου (4 *a*)
— 13. αὕτη ἡ μερὶς ἀνθρώπου ἀσεβοῦς παρὰ κυρίου (4 *a*)
28. 23. A S^2 ὁ κ. [B S^1 θεὸς] εὖ συνέστησεν αὐτῆς τὴν ὁδόν (6)
29. 4. A S^2 ὁ κ. [B S^1 θεὸς] ἐπισκοπὴν ἐποιεῖτο τοῦ οἴκου μου (5)
31. 6. οἶδε δὲ ὁ κ. τὴν ἀκακίαν μου (5)
— 14. ἐὰν ἔτασίν μου ποιῆται ὁ κ. (4 *a*)
— 23. A S R φόβος γὰρ κυρίου [B *om.*] συνέσχε με (4 *a*)
— 28. ἐψευσάμην ἐναντίον κυρίου τοῦ ὑψίστου (4 *a*)
— 35. χεῖρα δὲ κυρίου εἰ μὴ ἐδεδοίκειν (14)
— 39. εἰ δὲ καὶ ψυχὴν κυρίου τῆς γῆς ἐκλαβὼν [A -βαλὼν] ἐλύπησα (7)
32. 2. ἀπέφηνεν ἑαυτὸν δίκαιον ἐναντίον κυρίου (6)
— 13. εὕρομεν σοφίαν κυρίῳ προσθέμενοι (4 *a*)
33. 14. ἐν γὰρ τῷ ἅπαξ λαλῆσαι ὁ κ. (4 *a*)
— 23. B' ἐὰν νοήσῃ τῇ καρδίᾳ ἐπιστραφῆναι πρὸς κύριον [B^2 S ἐπὶ κ., A ἐπὶ τὸν κ.] –
— 26. εὐξάμενος δὲ [A εὔξεται] πρὸς κύριον (5)
34. 5. ὁ κ. ἀπήλλαξέ μου τὸ κρίμα (4 *a*)
— 9. ἐπισκοπὴ αὐτῷ [A -οῦ] παρὰ κυρίου (6)
— 10. μή μοι εἴη ἔναντι κυρίου ἀσεβῆσαι (4 *a*)
— 12. οἴη δὲ τὸν κ. ἄτοπα ποιήσειν (4 *a*)
— 23. ὁ γὰρ κ. πάντας [A τὰ πάντα] ἐφορᾷ (4 *a* ?)
— 37. πολλὰ λαλούντων [A -οῦσιν] ῥήματα ἐναντίον τοῦ [A -τι] κ. (4 *a*)
35. 2. δίκαιός εἰμι ἔναντι κυρίου (4 *a*)
— 13. ἄτοπα γὰρ οὐ βούλεται ἰδεῖν ὁ κ. (4 *a*)
36. 5. ὁ κ. οὐ μὴ ἀποποιήσηται τὸν ἄκακον (4 *a*)
— 12. παρὰ τὸ μὴ βούλεσθαι αὐτοὺς εἰδέναι τὸν κ. –
— 33. κύριος κτῆσις [A -σεις] καὶ περὶ ἀδικίας –
37. 2. ἄκουε ἀκοὴν ἐν [S^1 *om.*] ὀργῇ θυμοῦ κυρίου †
Jb. 37. 14. στῆθι νουθετούμενος [A S -τοῦ] δύναμιν κυρίου (4 *a*)
38. 1. εἶπεν ὁ κ. τῷ Ἰὼβ διὰ λαίλαπος (11 *a*)
— 41. νεοσσοὶ γὰρ αὐτοῦ πρὸς κύριον κεκράγασι [A *al.*] (4 *a*)
39. 31 (40. 1). ἀπεκρίθη κύριος ὁ θεὸς τῷ Ἰὼβ (18 *a*)
— 33 (40. 3). λέγει [A εἶπεν] τῷ κ. (11 *a*)
— 34 (40. 4). νουθετούμενος καὶ ἐλέγχων κύριον [A ἐλεγχόμενος ὑπὸ κυρίου] –
40. 1 (6). ἔτι δὲ ὑπολαβὼν ὁ κ. εἶπε τῷ Ἰὼβ (11 *a*)
— 4 (9). ἢ βραχίων σοί ἐστι κατὰ τοῦ κυρίου [A S^2 κατὰ κύριον] (4 *a*)
— 14 (19). τοῦτ' ἔστιν ἀρχὴ πλάσματος κυρίου (4 *a*)
42. 1. ὑπολαβὼν δὲ Ἰὼβ λέγει τῷ κ. (11 *a*)
— 4. ἄκουσον δέ μου, κύριε –
— 7. μετὰ τὸ λαλῆσαι τὸν κ. πάντα τὰ ῥήματα ταῦτα τῷ Ἰὼβ εἶπεν ὁ κ. Ἐλιφάς (11 *a*, 11 *a*)
— 9. καθὼς συνέταξεν αὐτοῖς ὁ κ. (11 *a*)
— 10. ὁ δὲ κ. ηὔξησε τὸν Ἰὼβ (11 *a*)
— 10. ἔδωκε δὲ ὁ κ. διπλᾶ [A *al.*] (11 *a*)
— 11. οἷς ἐπήγαγεν αὐτῷ ὁ κ. [S^1 θεός] (11 *a*)
— 12. ὁ δὲ κ. εὐλόγησε τὰ ἔσχατα Ἰὼβ (11 *a*)
— 18. ἀναστήσεσθαι μεθ' ὧν ὁ κ. ἀνίστησιν –
Ps. 1. 2. ἐν τῷ νόμῳ κυρίου τὸ θέλημα αὐτοῦ (11 *a*)
— 6. γινώσκει κύριος ὁδὸν δικαίων (11 *a*)
2. 2. οἱ ἄρχοντες συνήχθησαν . . . κατὰ τοῦ κ. (11 *a*)
— 4. ὁ κ. ἐκμυκτηριεῖ αὐτούς (2)
— 6 (7). διαγγέλλων τὸ πρόσταγμα κυρίου (11 *a* ?)
— 7. κύριος εἶπε πρὸς μέ (11 *a* ?)
— 11. δουλεύσατε τῷ κ. ἐν φόβῳ (11 *a*)
— 12. μή ποτε ὀργισθῇ κύριος –
3. 1. κύριε, τί ἐπληθύνθησαν οἱ θλίβοντές με (11 *a*)
— 3. σὺ δὲ, κύριε [A *om.*], ἀντιλήπτωρ μου εἶ (11 *a*)
— 4. φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (11 *a*)
— 5. ὅτι κύριος ἀντιλήψεταί [S ἀντελάβετό] μου (11 *a*)
— 7. ἀνάστα, κύριε, σῶσόν με, ὁ θεός μου (11 *a*)
— 8. τοῦ κ. ἡ σωτηρία μου (11 *a*)
4. 3. ἐθαυμάστωσε κύριος τὸν ὅσιον αὐτοῦ κύριος εἰσακούσεταί μου (11 *a*, 11 *a*)
— 5. ἐλπίσατε ἐπὶ κύριον (11 *a*)
— 6. τὸ φῶς τοῦ προσώπου σου, κύριε (11 *a*)
— 8. σὺ, κύριε, κατὰ μόνας ἐπ' ἐλπίδι κατῴκισάς με (11 *a*)
5. 1. τὰ ῥήματά μου ἐνώτισαι, κύριε (11 *a*)
— 3. πρὸς σὲ προσεύξομαι, κύριε (11 *a*)
— 5. ἐμίσησας, κύριε [B^2 S *om.*], πάντας τοὺς ἐργαζομένους τὴν ἀνομίαν –
— 6. ἄνδρα αἱμάτων καὶ δόλιον βδελύσσεται κύριος (11 *a*)
— 8. κύριε, ὁδήγησόν με ἐν τῇ δικαιοσύνῃ σου (11 *a*)
— 10. παρεπίκρανάν σε, κύριε –
— 12. κύριε, ὡς ὅπλῳ εὐδοκίας ἐστεφάνωσας ἡμᾶς (11 *a*)
6. 1. κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξῃς με (11 *a*)
— 2. ἐλέησόν με, κύριε, ὅτι ἀσθενής εἰμι (11 *a*)
— 2. A S R ἴασαί με, κύριε [B *om.*] (11 *a*)
— 3. καὶ σὺ, κύριε, ἕως πότε (11 *a*)
— 4. ἐπίστρεψον, κύριε, ῥῦσαι τὴν ψυχήν μου (11 *a*)
— 8. A B S^2 εἰσήκουσε κύριος τῆς φωνῆς τοῦ κλαυθμοῦ μου (11 *a*)
— 9. εἰσήκουσε [A S^2 ἦκ.] κύριος τῆς δεήσεώς μου κύριος τὴν προσευχήν μου προσεδέξατο (11 *a*, 11 *a*)
7. *tit.* ψαλμὸς τῷ Δαυὶδ ὃν ᾖσε τῷ κ. (11 *a*)
— 1. κύριε ὁ θεός μου, ἐπὶ σοὶ ἤλπισα (11 *a*)
— 3. κύριε ὁ θεός μου, εἰ ἐποίησα τοῦτο (11 *a*)
— 6. ἀνάστηθι, κύριε, ἐν ὀργῇ σου (11 *a*)
— 6. ἐξεγέρθητι, κύριε [S^1 *om.*] ὁ θεός μου †
— 8. κύριος κρινεῖ λαοὺς κρῖνόν με [A μοι], κύριε (11 *a*, 11 *a*)
— 17. ἐξομολογήσομαι κυρίῳ [A S^1 τῷ κ.] κατὰ τὴν δικαιοσύνην αὐ. καὶ ψαλῶ τῷ ὀνόματι κυρίου τοῦ ὑψίστου (11 *a*, 11 *a*)
8. 1, 9. κύριε ὁ κ. ἡμῶν, ὡς θαυμαστὸν τὸ ὄνομά σου (11 *a*, 1)
9. 1. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε (11 *a*)
— 7. ὁ κ. εἰς τὸν αἰῶνα μένει (11 *a*)
— 9. ἐγένετο κύριος καταφυγὴ τῷ πένητι (11 *a*)
— 10. οὐκ ἐγκατέλιπες τοὺς ἐκζητοῦντάς σε, κύριε (11 *a*)
— 11. ψάλατε τῷ κ. τῷ κατοικοῦντι ἐν Σιών (11 *a*)
— 13. ἐλέησόν με, κύριε (11 *a*)
— 16. γινώσκεται κύριος κρίματα ποιῶν (11 *a*)
— 19. ἀνάστηθι, κύριε (11 *a*)

Ps. 9. 20. κατάστησον, κύριε, νομοθέτην ἐπ' αὐτούς (11 *a*)
— 22 (10. 1). ἵνα τί, κύριε, ἀφέστηκας μακρόθεν (11 *a*)
— 25 (10. 3). παρώξυνε τὸν κ. ὁ ἁμαρτωλός (11 *a*)
— 33 (10. 12). ἀνάστηθι, κύριε ὁ θεός [A S^2 θ. μου] (11 *a*)
— 37 (10. 16). βασιλεύσει κύριος εἰς τὸν αἰῶνα (11 *a*)
— 38 (10. 17). τὴν ἐπιθυμίαν τῶν πενήτων εἰσήκουσε κύριος [S^2 -σας, κύριε] (11 *a*)
10 (11). 1. ἐπὶ τῷ κ. πέποιθα (11 *a*)
— 5. κύριος ἐν ναῷ ἁγίῳ αὐτοῦ κύριος ἐν οὐρανῷ ὁ θρόνος αὐτοῦ (11 *a*, 11 *a*)
— 6. κύριος ἐξετάζει τὸν δίκαιον (11 *a*)
— 8. δίκαιος κύριος καὶ δικαιοσύνας ἠγάπησεν (11 *a*)
11 (12). 1. σῶσόν με, κύριε (11 *a*)
— 3. ἐξολεθρεύσαι [A -σει] κύριος πάντα τὰ χείλη τὰ δόλια (11 *a*)
— 4. τίς ἡμῶν κύριός ἐστιν (1)
— 5. νῦν ἀναστήσομαι λέγει κύριος (11 *a*)
— 6. τὰ λόγια κυρίου λόγια ἁγνά (11 *a*)
— 7. σὺ, κύριε, φυλάξεις ἡμᾶς (11 *a*)
12 (13). 1. ἕως πότε, κύριε, ἐπιλήσῃ μου εἰς τέλος (11 *a*)
— 3. εἰσάκουσόν μου [S *om.*], κύριε ὁ θεός μου (11 *a*)
— 6. ᾄσω τῷ κ. τῷ εὐεργετήσαντί με καὶ ψαλῶ τῷ ὀνόματι κυρίου τοῦ ὑψίστου (11 *a*, –)
13 (14). 2. A ^{2}B S κύριος ἐκ τοῦ οὐρανοῦ διέκυψεν (11 *a*)
— 4. τὸν κ. οὐκ ἐπεκαλέσαντο (11 *a*)
— 5. S^2 κύριος [A B S^1 *om.*] ὁ θεὸς ἐν γενεᾷ δικαίᾳ [A S^2 -ων] (18 *b*)
— 6. ὅτι [S^2 ὁ δὲ] κύριος ἐλπὶς αὐτοῦ ἐστι (11 *a*)
— 7. ἐν τῷ ἐπιστρέψαι κύριον τὴν αἰχμαλωσίαν (11 *a*)
14 (15). 1. κύριε, τίς παροικήσει ἐν τῷ σκηνώματί σου (11 *a*)
— 4. τοὺς δὲ φοβουμένους κύριον δοξάζει (11 *a*)
15 (16). 1. φύλαξόν με, κύριε [S^1 ὁ θεός] (4 *a*)
— 2. εἶπα τῷ κ., Κύριός [S^1 θεός] μου εἶ σύ (11 *a*, 2)
— 5. κύριος ἡ μερὶς τῆς κληρονομίας μου (11 *a*)
— 7. εὐλογήσω τὸν κ. τὸν συνετίσαντά με (11 *a*)
— 8. προορώμην τὸν κ. ἐνώπιόν μου διὰ παντός (11 *a*)
16 (17). 1. εἰσάκουσον, κύριε, τῆς δικαιοσύνης μου (11 *a*)
— 8. φύλαξόν με [S^2 *add.* κύριε] –
— 13. ἀνάστηθι, κύριε, πρόφθασον αὐτούς (11 *a*)
— 14. κύριε ἀπολύων ἀπὸ γῆς (11 *a*)
17 (18). *tit.* εἰς τὸ τέλος τῷ παιδὶ κυρίου ἃ ἐλάλησε τῷ κ. τοὺς λόγους τῆς ᾠδῆς ταύτης ἐν ἡμέρᾳ ᾗ ἐρρύσατο αὐτὸν κύριος (11 *a ter*)
— 1. ἀγαπήσω σε, κύριε ἰσχύς μου (11 *a*)
— 2. κύριος στερέωμά μου καὶ καταφυγή μοι (11 *a*)
— 3. αἰνῶν ἐπικαλέσομαι κύριον [S^2 τὸν κ.] (11 *a*)
— 6. ἐν τῷ θλίβεσθαί με ἐπεκαλεσάμην τὸν κ. (11 *a*)
— 13. ἐβρόντησεν ἐξ οὐρανοῦ κύριος [A S^2 ὁ κ.] (11 *a*)
— 15. ἀπὸ ἐπιτιμήσεώς σου, κύριε (11 *a*)
— 18. ἐγένετο κύριος ἀντιστήριγμά μου (11 *a*)
— 20. ἀνταποδώσει μοι κύριος κατὰ τὴν δικαιοσύνην μου (11 *a*)
— 21. ἐφύλαξα τὰς ὁδοὺς κυρίου (11 *a*)
— 24. ἀνταποδώσει μοι κύριος κατὰ τὴν διὰ καιοσύνην μου (11 *a*)
— 28. σὺ φωτιεῖς λύχνον μου, κύριε (11 *a*)
— 30. τὰ λόγια κυρίου πεπυρωμένα (11 *a*)
— 31. τίς θεὸς πλὴν [S παρεξ] τοῦ κ. (11 *a*)
— 41. πρὸς κύριον καὶ οὐκ εἰσήκουσεν αὐτῶν (11 *a*)
— 46. ζῇ κύριος καὶ εὐλογητὸς ὁ θεός (11 *a*)
— 49. ἐξομολογήσομαί σοι ἐν ἔθνεσι, κύριε (11 *a*)
18 (19). 7. ὁ νόμος τοῦ [A *om.*] κ. ἄμωμος ἐπιστρέφων ψυχὰς ἡ μαρτυρία κυρίου πιστή (11 *a*, 11 *a*)
— 8. τὰ δικαιώματα κυρίου εὐθέα εὐφραίνοντα καρδίαν ἡ ἐντολὴ κυρίου τηλαυγὴς φωτίζουσα ὀφθαλμούς (11 *a*, 11 *a*
— 9. ὁ φόβος κυρίου ἁγνὸς διαμένων εἰς αἰῶνα αἰῶνος τὰ κρίματα κυρίου ἀληθινὰ δεδικαιωμένα ἐπὶ τὸ αὐτό (11 *a*, 11 *a*)
— 14. κύριε βοηθέ μου καὶ λυτρωτά μου (11 *a*)
19 (20). 1. ἐπακούσαι σου κύριος ἐν ἡμέρᾳ θλίψεως (11 *a*)
— 4. A S^2 δῴη σοι κύριος [B S^1 *om.*] κατὰ τὴν καρδίαν σου –

Ps. 19 (20). 5. S ἐν ὀνόματι κυρίου [A B *om.*] θεοῦ ἡμῶν μεγαλυνθησόμεθα· πληρώσαι κύριος πάντα τὰ αἰτήματά σου (18 *b*, 11 *a*)
— 6. ἔσωσε κύριος τὸν χριστὸν αὐτοῦ (11 *a*)
— 7. ἐν ὀνόματι κυρίου [A *om.*] θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 9. κύριε, σῶσον τὸν βασιλέα (11 *a*)
20 (21). 1. κύριε, ἐν τῇ δυνάμει σου εὐφρανθήσεται ὁ βασιλεύς (11 *a*)
— 7. ὁ βασιλεὺς ἐλπίζει ἐπὶ κύριον (11 *a*)
— 9. A B S^1 κύριε [S^2R -os] ἐν ὀργῇ σου [S^2R αὐτοῦ] συνταράξεις [S^2R -ζει] αὐτούς (11 *a*)
— 13. ὑψώθητι, κύριε, ἐν τῇ δυνάμει σου (11 *a*)
21 (22). 8. ἤλπισεν [B^1 -σαν] ἐπὶ κύριον (11 *a*)
— 19. σὺ δὲ, κύριε, μὴ μακρύνῃς τὴν βοήθειάν μου [S^1 σου] (11 *a*)
— 23. οἱ φοβούμενοι κύριον [S^2 τὸν κ.] αἰνέσατε αὐτόν (11 *a*)
— 25. S^3 τὰς εὐχάς μου τῷ κ. [A B S^1 *om.* τῷ κ.] ἀποδώσω –
— 26. αἰνέσουσι κύριον οἱ ἐκζητοῦντες αὐτόν (11 *a*)
— 27. ἐπιστραφήσονται πρὸς κύριον πάντα τὰ πέρατα τῆς γῆς (11 *a*)
— 28. τοῦ κ. ἡ βασιλεία (11 *a*)
— 30. ἀναγγελήσεται τῷ κ. γενεὰ ἡ ἐρχομένη (2)
— 31. A S λαῷ . . . ὃν ἐποίησεν κύριος [B ὁ κ.] –
22 (23). 1. κύριος ποιμαίνει με (11 *a*)
— 6. τὸ κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
23 (24). 1. τοῦ κ. ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα αὐτῆς (11 *a*)
— 3. τίς ἀναβήσεται εἰς τὸ ὄρος τοῦ κ. (11 *a*)
— 5. οὗτος λήψεται εὐλογίαν παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 6. S^1 αὕτη ἡ γενεὰ ζητούντων τὸν κ. [A B S^1 ζ. αὐτόν] †
— 8. κύριος κραταιὸς καὶ δυνατὸς κύριος δυνατὸς ἐν πολέμῳ (11 *a*, 11 *a*)
— 10. κύριος τῶν δυνάμεων αὐτός ἐστιν οὗτος [A S^2 *om.*] ὁ βασιλεὺς τῆς δόξης (11 *a*)
24 (25). 1. πρὸς σὲ, κύριε, ἦρα τὴν ψυχήν μου (11 *a*)
— 4. τὰς ὁδούς σου, κύριε, γνώρισόν μοι (11 *a*)
— 6. A S R μνήσθητι τῶν οἰκτιρμῶν σου, κύριε [B *om.*] (11 *a*)
— 7. ἕνεκα τῆς χρηστότητός σου, κύριε (11 *a*)
— 8. χρηστὸς καὶ εὐθὴς ὁ κ. (11 *a*)
— 10. πᾶσαι αἱ ὁδοὶ κυρίου ἔλεος καὶ ἀλήθεια (11 *a*)
— 11. ἕνεκα τοῦ ὀνόματός σου, κύριε (11 *a*)
— 12. τίς ἐστιν ἄνθρωπος ὁ φοβούμενος τὸν κ. (11 *a*)
— 14. κραταίωμα κύριος τῶν φοβουμ. αὐτόν (11 *a*)
— 14. A B^1 τὸ ὄνομα κυρίου τῶν φοβουμένων [A ἐπικαλεσαμένων] αὐτόν –
— 15. οἱ ὀφθαλμοί μου διὰ παντὸς πρὸς τὸν κ. (11 *a*)
— 21. ὑπέμεινά σε, κύριε [S *om.*] –
25 (26). 1. κρῖνόν με, κύριε (11 *a*)
— 1. A S ἐπὶ τῷ κ. ἐλπίζων οὐ μὴ ἀσθενήσω [B σαλευθῶ] (11 *a*)
— 2. A B S^2 δοκίμασόν με, κύριε (11 *a*)
— 6. A S R κυκλώσω τὸ θυσιαστήριόν σου, κύριε [B *om.*] (11 *a*)
— 8. κύριε, ἠγάπησα εὐπρέπειαν οἴκου σου (11 *a*)
— 11. A S^2 λύτρωσαί με, κύριε [B S^1 *om.*] –
— 12. ἐν ἐκκλησίαις εὐλογήσω σε, κύριε (11 *a*)
26 (27). 1. κύριος φωτισμός μου καὶ σωτήρ μου (11 *a*)
— 1. κύριος ὑπερασπιστὴς τῆς ζωῆς μου (11 *a*)
— 4. μίαν ᾔτησάμην παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 4. τοῦ κατοικεῖν με ἐν οἴκῳ κυρίου [S^1 τοῦ κ.] (11 *a*)
— 4. A S^2R τοῦ θεωρεῖν με τὴν τερπνότητα κυρίου [B S^1 τοῦ κ.] (11 *a*)
— 6. A ὕψωσε κύριος [B S *om.*] τὴν κεφαλήν μου ἐπ' ἐχθρούς μου –
— 6. ᾄσομαι καὶ ψαλῶ τῷ κ. (11 *a*)
— 7. εἰσάκουσον, κύριε, τῆς φωνῆς μου (11 *a*)
— 8. S^2 κύριον ζητήσω –
— 8. τὸ πρόσωπόν σου, κύριε, ζητήσω (11 *a*)
— 10. ὁ δὲ κ. προσελάβετό με (11 *a*)
— 11. νομοθέτησόν με, κύριε (11 *a*)
— 13. πιστεύω τοῦ ἰδεῖν τὰ ἀγαθὰ κυρίου (11 *a*)
— 14 *bis.* ὑπόμεινον τὸν κ. (11 *a*)
27 (28). 1. πρὸς σὲ, κύριε, ἐκέκραξα (11 *a*)
— 2. S^2 εἰσάκουσον, κύριε [A B S^1 *om.*], τῆς φωνῆς τῆς δεήσεώς μου –
— 4. S^2 κύριε [A B S^1 *om.*], κατὰ τὰ ἔργα αὐτῶν –
— 5. οὐ συνῆκαν [A -κα] εἰς τὰ ἔργα κυρίου (11 *a*)
— 6. εὐλογητὸς κύριος (11 *a*)
— 7. κύριος βοηθός μου καὶ ὑπερασπιστής μου (11 *a*)
— 8. κύριος κραταίωμα τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (11 *a*)

Ps. 28 (29). 1. ἐνέγκατε τῷ κ., υἱοὶ θεοῦ, ἐνέγκατε τῷ κ. υἱοὺς κριῶν (11 *a*, 11 *a*)
— 1. ἐνέγκατε τῷ κ. δόξαν καὶ τιμήν (11 *a*)
— 2. ἐνέγκατε τῷ κ. δόξαν ὀνόματι αὐτοῦ προσκυνήσατε τῷ κ. ἐν αὐλῇ ἁγίᾳ αὐτοῦ (11 *a*, 11 *a*)
— 3. φωνὴ κυρίου ἐπὶ τῶν ὑδάτων (11 *a*)
— 3. κύριος ἐπὶ ὑδάτων πολλῶν (11 *a*)
— 4. φωνὴ κυρίου ἐν ἰσχύϊ φωνὴ κυρίου ἐν μεγαλοπρεπείᾳ (11 *a*, 11 *a*)
— 5. φωνὴ κυρίου συντρίβοντος κέδρους συντρίψει κύριος τὰς κέδρους τοῦ Λιβάνου (11 *a*, 11 *a*)
— 7. φωνὴ κυρίου διακόπτοντος φλόγα πυρός (11 *a*)
— 8. φωνὴ κυρίου συσσείοντος ἔρημον συσσείσει κύριος τὴν ἔρημον Κάδης (11 *a*, 11 *a*)
— 9. φωνὴ κυρίου καταρτιζομένου [S^2 -νη] ἐλάφους (11 *a*)
— 10. κύριος τὸν κατακλυσμὸν κατοικιεῖ καὶ καθιεῖται κύριος βασιλεὺς εἰς τὸν αἰῶνα (11 *a*, 11 *a*)
— 11. κύριος ἰσχὺν τῷ λαῷ αὐτοῦ δώσει κύριος εὐλογήσει τὸν λαὸν αὐτοῦ ἐν εἰρήνῃ (11 *a*, 11 *a*)
29 (30). 1. ὑψώσω σε, κύριε (11 *a*)
— 2. κύριε ὁ θεός μου, ἐκέκραξα πρὸς σέ (11 *a*)
— 3. κύριε, ἀνήγαγες ἐξ ᾅδου τὴν ψυχήν μου (11 *a*)
— 4. ψάλατε τῷ κ., οἱ ὅσιοι αὐτοῦ (11 *a*)
— 7. κύριε, ἐν τῷ θελήματί σου παράσχου (11 *a*)
— 8. πρὸς σὲ, κύριε, κεκράξομαι (11 *a*)
— 10. ἤκουσε κύριος καὶ ἠλέησέ με κύριος ἐγενήθη βοηθός μου (11 *a*, 11 *a*)
— 12. ἔστρεψας τὸν κοπετόν μου [S^2 *add.* κύριε] –
— 12. κύριε ὁ θεός μου, . . . ἐξομολογήσομαί σοι (11 *a*)
30 (31). 1. ἐπὶ σοὶ, κύριε, ἤλπισα (11 *a*)
— 4. A S^2R σὺ εἶ ὁ ὑπερασπιστής μου, κύριε [B S^1 *om.*] –
— 5. ἐλυτρώσω με, κύριε ὁ θεὸς τῆς ἀληθείας (11 *a*)
— 6. ἐγὼ δὲ ἐπὶ τῷ κ. ἤλπισα (11 *a*)
— 9. ἐλέησόν με, κύριε, ὅτι θλίβομαι (11 *a*)
— 14. ἐγὼ δὲ ἐπὶ σοὶ ἤλπισα, κύριε (11 *a*)
— 17. κύριε, μὴ καταισχυνθείην (11 *a*)
— 19. ὡς πολὺ τὸ πλῆθος τῆς χρηστότητός σου, κύριε [S *om.*] –
— 21. εὐλογητὸς κύριος (11 *a*)
— 22. εἰσήκουσας, κύριε [A S *om.*], τῆς φωνῆς τῆς δεήσεώς μου –
— 23. ἀγαπήσατε τὸν κ. πάντες οἱ ὅσιοι αὐτοῦ ὅτι [S^1 *om.*] ἀληθείας ἐκζητεῖ κύριος (11 *a*, 11 *a*)
— 24. πάντες οἱ ἐλπίζοντες ἐπὶ κύριον [S τὸν κ.] (11 *a*)
31 (32). 2. μακάριος ἀνὴρ οὗ οὐ μὴ λογίσηται κύριος ἁμαρτίαν (11 *a*)
— 5. A S R ἐξαγορεύσω κατ' ἐμοῦ τὴν ἀνομίαν [B ἁμαρτίαν] τῷ κ. (11 *a*)
— 10. τὸν δὲ ἐλπίζοντα ἐπὶ κύριον ἔλεος κυκλώσει (11 *a*)
— 11. εὐφράνθητε ἐπὶ κύριον (11 *a*)
32 (33). 1. ἀγαλλιᾶσθε δίκαιοι ἐν τῷ [S^2 *om.*] κ. (11 *a*)
— 2. ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. ἐν κιθάρᾳ (11 *a*)
— 4. εὐθὴς ὁ λόγος τοῦ κ. (11 *a*)
— 5. A S^2 ἀγαπᾷ ἐλεημοσύνην καὶ κρίσιν ὁ κ. [B S^1 *om.* ὁ κ.] τοῦ ἐλέους κυρίου πλήρης ἡ γῆ (–, 11 *a*)
— 6. τῷ λόγῳ τοῦ [A S *om.*] κ. οἱ οὐρανοὶ ἐστερεώθησαν (11 *a*)
— 8. φοβηθήτω τὸν κ. πᾶσα ἡ γῆ (11 *a*)
— 10. κύριος διασκεδάζει βουλὰς ἐθνῶν (11 *a*)
— 11. ἡ δὲ βουλὴ τοῦ κ. εἰς τὸν αἰῶνα μένει (11 *a*)
— 12. μακάριον τὸ ἔθνος οὗ ἐστι κύριος ὁ θεὸς αὐτοῦ (11 *a*)
— 13. ἐξ οὐρανοῦ ἐπέβλεψεν ὁ κ. (11 *a*)
— 18. οἱ ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπὶ τοὺς φοβουμένους αὐτόν (11 *a*)
— 20. ἡ ψυχὴ ἡμῶν ὑπομένει τῷ κ. (11 *a*)
— 22. γένοιτο τὸ ἔλεός σου, κύριε, ἐφ' ἡμᾶς (11 *a*)
33 (34). 1. εὐλογήσω τὸν κ. ἐν παντὶ καιρῷ (11 *a*)
— 2. ἐν τῷ κ. ἐπαινεσθήσεται ἡ ψυχή μου (11 *a*)
— 3. μεγαλύνατε τὸν κ. σὺν ἐμοί (11 *a*)
— 4. ἐξεζήτησα τὸν κ. (11 *a*)
— 6. ὁ κ. εἰσήκουσεν αὐτοῦ [S^1 -ων] (11 *a*)
— 7. παρεμβαλεῖ ἄγγελος κυρίου [A αὐτοῦ] (11 *a*)
— 8. ἴδετε ὅτι χρηστὸς ὁ κ. (11 *a*)

Ps. 33 (34). 9. φοβήθητε τὸν κ. πάντες οἱ ἅγιοι αὐ. (11 a)
— 10. οἱ δὲ ἐκζητοῦντες τὸν κ. οὐκ ἐλαττωθήσονται (11 a)
— 11. φόβον κυρίου διδάξω ὑμᾶς (11 a)
— 15. ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπὶ δικαίους (11 a)
— 16. πρόσωπον δὲ κυρίου ἐπὶ ποιοῦντας κακά (11 a)
— 17. ὁ κ. εἰσήκουσεν αὐτῶν (11 a)
— 17. ἐρρύσατο αὐτούς [S² add. ὁ κ.] –
— 18. ἐγγὺς κύριος τοῖς συντετριμμένοις τὴν καρδίαν (11 a)
— 19. A R ἐκ πασῶν αὐτῶν ῥύσεται αὐτοὺς ὁ κ. [B S om. ὁ κ.] (11 a)
— 20. A S² φυλάσσει κύριος [B S¹ om.] πάντα τὰ ὀστᾶ αὐτῶν –
— 22. λυτρώσεται κύριος ψυχὰς δούλων αὐτοῦ (11 a)
34 (35). 1. δίκασον, κύριε, τοὺς ἀδικοῦντάς με (11 a)
— 5. ἄγγελος κυρίου [S ὁ κυρίου] ἐκθλίβων αὐτούς (11 a)
— 6. ἄγγελος κυρίου καταδιώκων αὐτούς (11 a)
— 9. ἡ δὲ ψυχή μου ἀγαλλιάσεται ἐπὶ [S¹ ἐν] τῷ κ. (11 a)
— 10. A κύριε κύριε [B S om.], τίς ὅμοιός σοι (11 a, –)
— 17. κύριε, πότε ἐπόψῃ (2)
— 18. B ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε [A S om.] –
— 22. εἶδες, κύριε, μὴ παρασιωπήσῃς· κύριε [A¹ om.], μὴ ἀποστῇς ἀπ' ἐμοῦ (11 a, 2)
— 23. ἐξεγέρθητι, κύριε [S² om.], καὶ πρόσχες τῇ κρίσει μου, ὁ θεός μου καὶ ὁ κ. μου, εἰς τὴν δίκην μου (–, 2)
— 24. κρῖνόν με [A μοι], κύριε [S om.], κατὰ τὴν δικαιοσύνην [S¹ ἐλεημοσύνην] σου, κύριε ὁ θεός μου (–, 11 a)
— 27. μεγαλυνθήτω ὁ κ. [S¹ θεός] (11 a)
35 (36). tit. τῷ δούλῳ κυρίου τῷ Δ. [A al.] (11 a)
— 5. κύριε, ἐν τῷ οὐρανῷ τὸ ἔλεός σου (11 a)
— 6. ἀνθρώπους καὶ κτήνη σώσεις, κύριε (11 a)
36 (37). 3. ἔλπισον ἐπὶ κύριον (11 a)
— 4. κατατρύφησον τοῦ κ. (11 a)
— 5. ἀποκάλυψον πρὸς κύριον τὴν ὁδόν σου (11 a)
— 7. ὑποτάγηθι τῷ κ. (11 a)
— 9. οἱ δὲ ὑπομένοντες τὸν κ. (11 a)
— 13. ὁ δὲ κ. ἐκγελάσεται αὐτόν (2)
— 17. A S² R ὑποστηρίζει δὲ τοὺς δικαίους ὁ [B S¹ om.] κ. (11 a)
— 18. γινώσκει κύριος τὰς ὁδοὺς τῶν ἀμώμων (11 a)
— 20. οἱ δὲ ἐχθροὶ τοῦ κ. . . . ἐξέλιπον (11 a)
— 23. παρὰ κυρίου τὰ διαβήματα ἀνθρώπου [S¹ ἀνδρί] (11 a)
— 24. κύριος ἀντιστηρίζει χεῖρα αὐτοῦ (11 a)
— 28. κύριος ἀγαπᾷ κρίσιν (11 a)
— 33. ὁ δὲ κ. οὐ μὴ ἐγκαταλίπῃ αὐτόν (11 a)
— 34. ὑπόμεινον τὸν κ. (11 a)
— 39. A S² R σωτηρία δὲ τῶν δικαίων παρὰ κυρίου [B S¹ -ῳ] (11 a)
— 40. A B S² βοηθήσει αὐτοῖς κύριος (11 a)
37 (38). 1. κύριε, μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξῃς με (11 a)
— 9. A S κύριε [B καὶ] ἐναντίον σοῦ πᾶσα ἡ ἐπιθυμία μου (2)
— 15. ἐπὶ σοί, κύριε, ἤλπισα, σὺ εἰσακούσῃ, κύριε ὁ θεός μου (11 a, 2)
— 21. μὴ ἐγκαταλίπῃς με, κύριε (11 a)
— 22. κύριε τῆς σωτηρίας μου (2)
38 (39). 4. γνώρισόν μοι, κύριε, τὸ πέρας μου (11 a)
— 7. τίς ἡ ὑπομονή μου; οὐχὶ ὁ [S² om.] κ. (2)
— 12. A S R εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου, κύριε [B om.] (11 a)
39 (40). 1. ὑπομένων ὑπέμεινα τὸν κ. (11 a)
— 3. ἐλπιοῦσιν ἐπὶ κύριον (11 a)
— 4. οὗ ἐστι τὸ ὄνομα κυρίου ἐλπὶς αὐτοῦ (11 a)
— 5. πολλὰ ἐποίησας σὺ, κύριε ὁ θεός μου (11 a)
— 9. κύριε, σὺ ἔγνως τὴν δικαιοσύνην μου [A S² σου] (11 a)
— 11. σὺ δέ, κύριε, μὴ μακρύνῃς τοὺς οἰκτιρμούς σου (11 a)
— 13. εὐδόκησον, κύριε, τοῦ ῥύσασθαί με, κύριε, εἰς τὸ βοηθῆσαί μοι πρόσχες [A σπεῦσον] (11 a, 11 a)
— 16. πάντες οἱ ζητοῦντές σε, κύριε –
— 16. μεγαλυνθήτω ὁ κ. (11 a)
— 17. κύριος [A ὁ κ.] φροντιεῖ μοι (2)
40 (41). 1. ἐν ἡμέρᾳ πονηρᾷ ῥύσεται αὐτὸν ὁ [S om.] κ. (11 a)
— 2. A S κύριος διαφυλάξαι [B φυλ.] αὐτόν (11 a)
— 3. κύριος βοηθήσαι [A -σει] αὐτῷ ἐπὶ κλίνης ὀδύνης αὐτοῦ (11 a)

Ps. 40 (41). 4. κύριε, ἐλέησόν με (11 a)
— 10. σὺ δέ, κύριε, ἐλέησόν με (11 a)
— 13. εὐλογητὸς κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 a)
41 (42). 6. A S¹ μνησθήσομαί σου, κύριε [B S² om.] –
— 8. ἡμέρας ἐντελεῖται κύριος τὸ ἔλεος αὐτοῦ (11 a)
42 (43). 4. B ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε [A S R om.], ἐν κιθάρᾳ –
43 (44). 23. ἵνα τί ὑπνοῖς, κύριε (2)
— 26. ἀνάστα, κύριε, βοήθησον ἡμῖν –
44 (45). 11. αὐτός ἐστιν ὁ [S² om.] κ. σου (1)
45 (46). 7. κύριος τῶν δυνάμεων μεθ' ἡμῶν (11 a)
— 8. A R ἴδετε τὰ ἔργα τοῦ [B S om.] κ. [A S² θεοῦ] (11 a)
— 11. κύριος [A¹ om., S κ. ὁ θεὸς] τῶν δυνάμεων μεθ' ἡμῶν (11 a)
46 (47). 2. κύριος ὕψιστος φοβερός (11 a)
— 5. κύριος ἐν φωνῇ σάλπιγγος (11 a)
47 (48). 1. μέγας κύριος καὶ αἰνετὸς σφόδρα (11 a)
— 8. ἐν πόλει κυρίου τῶν δυνάμεων (11 a)
— 11. ἕνεκα τῶν κριμάτων σου, κύριε [S¹ om.] –
49 (50). 1. θεὸς θεῶν κύριος ἐλάλησε (11 a)
50 (51). 15. κύριε, τὰ χείλη μου ἀνοίξεις (2)
— 18. ἀγάθυνον, κύριε [S¹ om.], ἐν τῇ εὐδοκίᾳ σου τὴν Σιών –
52 (53). 4. S¹ τὸν κ. [B S² θεὸν] οὐκ ἐπεκαλέσαντο (6)
— 6. B S¹ ἐν τῷ ἐπιστρέψαι [B¹ R ἀποστρ.] κύριον [S² τὸν θεόν] (6)
53 (54). 4. ὁ κ. ἀντιλήπτωρ τῆς ψυχῆς μου (2)
— 6. S R ἐξομολογήσομαι τῷ ὀνόματί σου, κύριε [B om.] (11 a)
54 (55). 9. καταπόντισον, κύριε, καὶ καταδίελε τὰς γλώσσας αὐτῶν (2)
— 16. ὁ κ. εἰσηκουσέ μου (11 a)
— 22. ἐπίρριψον ἐπὶ κύριον τὴν μέριμνάν σου (11 a)
— 23. ἐγὼ δὲ ἐλπιῶ ἐπὶ σέ [S² σοί], κύριε –
55 (56). 1. B ἐλέησόν με, κύριε [S R ὁ θεός] (6)
— 4. S¹ ἐπὶ [B ἐν] τῷ κ. [B S² θεῷ] ἤλπισα (6)
— 10. B ἐπὶ τῷ κ. [S R θεῷ] αἰνέσω ῥῆμα (6)
— 10. ἐπὶ τῷ κ. αἰνέσω λόγον (11 a)
— 11. S¹ ἐπὶ τῷ κ. [B S² R θεῷ] ἤλπισα (6)
— 13. S² τοῦ εὐαρεστῆσαι ἐνώπιον κυρίου [B S¹ τοῦ] θεοῦ (18 b)
56 (57). 9. ἐξομολογήσομαί σοι ἐν λαοῖς, κύριε (2)
57 (58). 6. B S¹ τὰς μύλας τῶν ὀδόντων συνέθλασεν κύριος [S² R ὁ κ.] (11 a)
58 (59). 1. S¹ ἐξελοῦ με, κύριε [B S² om.], ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου –
— 3. οὔτε ἡ ἁμαρτία μου, κύριε (11 a)
— 5. κύριε ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων ὁ θεὸς Ἰισρ. (11 a)
— 8. σὺ, κύριε, ἐκγελάσῃ αὐτούς (11 a)
— 11. ὁ ὑπερασπιστής μου, κύριε (2)
61 (62). 12. σοῦ, κύριε, τὸ ἔλεος (2)
62 (63). 11. S¹ ὁ δὲ βασιλεὺς εὐφρανθήσεται ἐπὶ τῷ κ. [B S² θεῷ] (6)
63 (64). 10. B S¹ εὐφρανθήσεται δίκαιος ἐπὶ [S² R ἐν] τῷ κ. (11 a)
65 (66). 16. B S¹ πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν κ. [S² R θεόν] (6)
— 18. μὴ εἰσακουσάτω κύριος (2)
67 (68). 4. κύριος ὄνομα αὐτῷ (10)
— 11. κύριος δώσει ῥῆμα τοῖς εὐαγγελιζομένοις (2)
— 16. ὁ κ. κατασκηνώσει εἰς τέλος (11 a)
— 17. B S¹ ὁ [S² R om.] κύριος ἐν αὐτοῖς ἐν Σινὰ ἐν τῷ ἁγίῳ (2)
— 19. κύριος ὁ θεὸς εὐλογητὸς εὐλογητὸς κύριος ἡμέραν καθ' ἡμέραν (10, 2)
— 20. τοῦ κ. [S² add. κυρίου] αἱ διέξοδοι τοῦ θανάτου (11 b + 2 [11 b, 2])
— 22. εἶπε κύριος, Ἐκ Βασὰν ἐπιστρέψω (2)
— 26. τὸν [S² om.] κ. ἐκ πηγῶν Ἰσραήλ (2)
— 31. S¹ Αἰθιοπία προφθάσει χεῖρα αὐτῆς τῷ κ. [B S² θεῷ] (6)
— 32. S¹ ᾄσατε τῷ κ. [B S² θεῷ] (6)
— 32. ψάλατε τῷ κ. [S¹ θεῷ] (2)
68 (69). 6. S κύριε κύριε [B om.] τῶν δυνάμεων (2, 11 b [2 + 11 b])
— 13. ἐγὼ δὲ τῇ προσευχῇ μου πρὸς σέ, κύριε (11 a)
— 16. εἰσάκουσόν μου, κύριε (11 a)
— 33. εἰσήκουσε τῶν πενήτων ὁ κ. (11 a)
69 (70). tit. εἰς τὸ σῶσαί με κύριον –
— 1. B¹ κύριε, εἰς τὸ βοηθῆσαί μοι σπεῦσον [S¹ θέλησον] (11 a)
— 4. οἱ ζητοῦντές σε [S² add. κύριε] –
— 5. βοηθός μου καὶ ῥύστης μου εἶ σὺ, κύριε (11 a)

Ps. 70 (71). 1. S R ἐπὶ σοί, κύριε [B ὁ θεὸς], ἤλπισα (11 a)
— 5. σὺ εἶ ἡ ὑπομονή μου, κύριε, κύριος ἡ ἐλπίς μου ἐκ νεότητός μου (2, 11 b)
— 16. εἰσελεύσομαι ἐν δυναστείᾳ κυρίου· κύριε, μνησθήσομαι τῆς δικαιοσύνης σου μόνου (2, 11 b)
71 (72). 17. ἔστω τὸ ὄνομα αὐ. [S² τοῦ κ.] εὐλογημένον †
— 18. εὐλογητὸς κύριος ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 a + 6)
72 (73). 20. κύριε, ἐν τῇ πόλει σου τὴν εἰκόνα αὐτῶν ἐξουδενώσεις (2)
— 28. B τὸ προσκολλᾶσθαι τῷ κ. [S R θεῷ] (6)
— 28. τίθεσθαι ἐν τῷ κ. τὴν ἐλπίδα μου (2 + 11 b)
73 (74). 8. καταπαύσωμεν τὰς ἑορτὰς κυρίου [S τοῦ θεοῦ] (4 a)
— 18. ἐχθρὸς ὠνείδισε τὸν κ. (11 a)
74 (75). 8. ποτήριον ἐν χειρὶ κυρίου (11 a)
— 9. ἐγὼ δὲ ἀγαλλιάσομαι [S¹ add. κυρίῳ] –
75 (76). 11. ἀπόδοτε κυρίῳ τῷ θεῷ ἡμῶν (11 a)
76 (77). 1. φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (6)
— 7. μὴ εἰς τοὺς αἰῶνας ἀπώσεται κύριος (2)
— 11. ἐμνήσθην τῶν ἔργων κυρίου (10)
77 (78). 4. ἀπαγγέλλοντες τὰς αἰνέσεις κυρίου (11 a)
— 21. ἤκουσε κύριος καὶ ἀνεβάλετο (11 a)
— 59. S¹ ἤκουσεν κύριος [B S² ὁ θεός] (6)
— 65. ἐξηγέρθη ὡς ὁ ὑπνῶν κύριος (2)
78 (79). 5. ἕως πότε, κύριε, ὀργισθήσῃ εἰς τέλος (11 a)
— 9. ἕνεκα τῆς δόξης τοῦ ὀνόματός σου, κύριε –
— 12. δν ὠνείδισάν σε, κύριε (2)
79 (80). 4. κύριε ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων (11 a)
— 7. κύριε ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων (18 b)
— 19. κύριε ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων (11 a)
80 (81). 10. ἐγὼ γάρ εἰμι κύριος ὁ θεός σου (11 a)
— 15. οἱ ἐχθροὶ κυρίου ἐψεύσαντο αὐτῷ (11 a)
82 (83). 3. A ἐπὶ τὸν λαόν σου, κύριε [B S al.] –
— 16. ζητήσουσι τὸ ὄνομά [A πρόσωπόν] σου, κύριε (11 a)
— 18. γνώτωσαν ὅτι ὄνομά σοι κύριος (11 a)
83 (84). 1. ὡς ἀγαπητὰ τὰ σκηνώματά σου, κύριε τῶν δυνάμεων (11 a)
— 2. ἐκλείπει ἡ ψυχή μου εἰς τὰς αὐλὰς τοῦ κ. [S¹ θεοῦ] (11 a)
— 3. τὰ θυσιαστήριά σου, κύριε τῶν δυνάμεων (11 a)
— 5. οὗ ἐστιν ἡ ἀντίληψις αὐτοῦ παρὰ σοῦ, κύριε [S² om.] –
— 8. κύριε ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων (11 a)
— 11. ἔλεον καὶ ἀλήθειαν ἀγαπᾷ κύριος (11 a)
— 11. κύριος οὐχ ὑστερήσει [S² οὐ στερήσει] τὰ ἀγαθά (11 a)
— 12. κύριε [S² κύριε ὁ θεὸς] τῶν δυνάμεων (11 a [18 a])
84 (85). 1. εὐδόκησας, κύριε, τὴν γῆν σου (11 a)
— 7. δεῖξον ἡμῖν, κύριε, τὸ ἔλεός σου (11 a)
— 7. A B τὸ σωτήριόν σου, κύριε [S R om.] –
— 8. ἀκούσομαι τί λαλήσει ἐν ἐμοὶ κ. ὁ θεός (4 a)
— 12. ὁ κ. δώσει χρηστότητα (11 a)
85 (86). 1. κλῖνον, κύριε, τὸ οὖς σου (11 a)
— 3. ἐλέησόν με, κύριε (2)
— 4. πρὸς σέ, κύριε [S¹ om.], ὅτι τὴν ψυχήν μου (2)
— 5. σὺ, κύριε, χρηστὸς καὶ ἐπιεικής (2)
— 6. ἐνώτισαι, κύριε, τὴν προσευχήν μου (11 a)
— 8. οὐκ ἔστιν ὅμοιός σοι ἐν θεοῖς, κύριε (2)
— 9. προσκυνήσουσιν ἐνώπιόν σου, κύριε (2)
— 11. ὁδήγησόν με, κύριε, τῇ ὁδῷ σου (11 a)
— 12. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε ὁ θεός μου (2)
— 15. σὺ, κύριε ὁ θεός, οἰκτίρμων καὶ ἐλεήμων (2)
— 17. σὺ, κύριε, ἐβοήθησάς μοι (11 a)
86 (87). 2. ἀγαπᾷ κύριος τὰς πύλας Σιών (11 a)
— 6. κύριος διηγήσεται ἐν γραφῇ λαῶν (11 a)
87 (88). 1. κύριε ὁ θεὸς τῆς σωτηρίας μου (11 a)
— 2. κλῖνον τὸ οὖς σου εἰς τὴν δέησίν μου, κύριε [B⁴ S om.] –
— 9. ἐκέκραξα πρὸς σέ, κύριε, ὅλην τὴν ἡμέραν (11 a)
— 13. κἀγὼ πρὸς σέ, κύριε, ἐκέκραξα (11 a)
— 14. A S¹ ἵνα τί, κύριε, ἀπωθεῖς τὴν ψυχήν [B S² προσευχήν] μου (11 a)
88 (89). 1. τὰ ἐλέη σου, κύριε, εἰς τὸν αἰῶνα ᾄσομαι (11 a)
— 5. ἐξομολογήσονται οἱ οὐρανοὶ τὰ θαυμάσιά σου, κύριε (11 a)
— 6. τίς ἐν νεφέλαις ἰσωθήσεται τῷ κ. (11 a)
— 6. καὶ τίς [A S² om. καὶ τίς] ὁμοιωθήσεται τῷ κ. [S¹ θεῷ] ἐν υἱοῖς θεοῦ (11 a)

Ps. 88 (89). 8. *κύριε ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων, τίς ὅμοιός σοι; δυνατὸς εἶ, κύριε* (11 *a*, 10)
— 15. *κύριε, ἐν τῷ φωτὶ τοῦ προσώπου σου πορεύσονται* (11 *a*)
— 18. *τοῦ κ. ἡ ἀντίληψις* (11 *a*)
— 46. *ἕως πότε, κύριε, ἀποστρέφεις* [B -ψεις, R -φῃ] (11 *a*)
— 49. *ποῦ ἐστι τὰ ἐλέη σου τὰ ἀρχαῖα, κύριε* (2)
— 50. *μνήσθητι, κύριε, τοῦ ὀνειδισμοῦ τῶν δούλων σου* (2)
— 51. *οὗ ὠνείδισαν οἱ ἐχθροί σου, κύριε* (11 *a*)
— 52. *εὐλογητὸς κύριος εἰς τὸν αἰῶνα* (11 *a*)
89 (90). 1. *κύριε, καταφυγὴ ἐγενήθης ἡμῖν* (2)
— 4. *ἐν ὀφθαλμοῖς σου* [A S^2 *add. κύριε*] –
— 13. *ἐπίστρεψον, κύριε, ἕως πότε* (11 *a*)
— 17. *ἔστω ἡ λαμπρότης κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν ἐφ' ἡμᾶς* (11 *a* [2])
90 (91). 2. *ἐρεῖ τῷ κ.* [B^1 S^1 *θεῷ*] (11 *a*)
— 9. *σὺ, κύριε, ἡ ἐλπίς μου* (11 *a*)
91 (92). 1. *ἀγαθὸν τὸ ἐξομολογεῖσθαι τῷ κ.* (11 *a*)
— 4. *εὔφρανάς με, κύριε, ἐν τῷ ποιήματί σου* (11 *a*)
— 5. *ὡς ἐμεγαλύνθη τὰ ἔργα σου, κύριε* (11 *a*)
— 8. *σὺ δὲ ὕψιστος εἰς τὸν αἰῶνα, κύριε* (11 *a*)
— 9. A ^{2}S *ὅτι ἰδοὺ οἱ ἐχθροί σου, κύριε* (11 *a*)
— 13. *πεφυτευμένοι ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου* (11 *a*)
— 15. *εὐθὴς κύριος ὁ θεός μου* (11 *a*)
92 (93). 1. *ὁ* [B^1 *om.*] *κ. ἐβασίλευσεν* (11 *a*)
— 1. *ἐνεδύσατο κύριος δύναμιν* (11 *a*)
— 3. *ἐπῆραν οἱ ποταμοί, κύριε* (11 *a*)
— 4. *θαυμαστὸς ἐν ὑψηλοῖς ὁ κ.* (11 *a*)
— 5. *τῷ οἴκῳ σου πρέπει ἁγίασμα, κύριε* (11 *a*)
93 (94). 1. *θεὸς ἐκδικήσεων κύριος* (11 *a*)
— 3. *ἕως πότε ἁμαρτωλοί, κύριε* (11 *a*)
— 5. *τὸν λαόν σου, κύριε, ἐταπείνωσας* (11 *a*)
— 7. *οὐκ ὄψεται κύριος* [S^1 *ὁ κ.*] (10)
— 11. *κύριος γινώσκει τοὺς διαλογισμοὺς τῶν ἀνθρώπων* (11 *a*)
— 12. *ὃν ἂν σὺ παιδεύσῃς, κύριε* (10)
— 14. *οὐκ ἀπώσεται κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ* (11 *a*)
— 17. *εἰ μὴ ὅτι κύριος ἐβοήθησέ μοι* (11 *a*)
— 18. *τὸ ἔλεός σου* [A^1 *om. τὸ ἔ. σου*], *κύριε, ἐβοήθει μοι* (11 *a*)
— 19. *κύριε* [A S^2 *om.*], *κατὰ τὸ πλῆθος τῶν ὀδυνῶν μου* –
— 22. *ἐγένετό μοι κύριος εἰς καταφυγήν* (11 *a*)
— 23. A S^2 *ἀποδώσει αὐτοῖς κύριος κατὰ* [B S^1 *om. κ. κατὰ*] *τὴν ἀνομίαν αὐτῶν* –
— 23. *ἀφανιεῖ αὐτοὺς κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν* (11 *a*)
94 (95). 1. *ἀγαλλιασόμεθα τῷ κ.* (11 *a*)
— 3. *θεὸς μέγας κύριος* (11 *a*)
— 3. B S^2 *οὐκ ἀπώσεται κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ* –
— 6. *κλαύσωμεν ἐναντίον κυρίου τοῦ ποιήσαντος ἡμᾶς* (11 *a*)
95 (96). 1. *ᾄσατε τῷ κ. ᾆσμα καινὸν ᾄσατε τῷ κ., πᾶσα ἡ γῆ* (11 *a*, 11 *a*)
— 2. *ᾄσατε τῷ κ.* (11 *a*)
— 4. *μέγας κύριος καὶ αἰνετὸς σφόδρα* (11 *a*)
— 5. *ὁ δὲ κ. τοὺς οὐρανοὺς ἐποίησεν* (11 *a*)
— 7. *ἐνέγκατε τῷ κ. αἱ πατριαὶ τῶν ἐθνῶν ἐνέγκατε τῷ κ. δόξαν καὶ τιμήν* (11*a*, 11*a*)
— 8. *ἐνέγκατε τῷ κ. δόξαν ὀνόματι αὐτοῦ* (11 *a*)
— 9. *προσκυνήσατε τῷ κ. ἐν αὐλῇ ἁγίᾳ αὐτοῦ* (11 *a*)
— 10. *ὁ* [A S^2 *ὅτι*] *κ. ἐβασίλευσε* (11 *a*)
— 13. *ἀγαλλιάσονται πάντα τὰ ξύλα . . . πρὸ* [A S^2 *ἀπὸ*] *προσώπου κυρίου* (11 *a*)
96 (97). 1. *ὁ κ. ἐβασίλευσεν* (11 *a*)
— 5. *τὰ ὄρη ὡσεὶ κηρὸς ἐτάκησαν ἀπὸ προσώπου κυρίου ἀπὸ προσώπου κυρίου* [S *om.*] *πάσης τῆς γῆς* (11 *a*, 1)
— 8. *ἕνεκεν τῶν κριμάτων σου, κύριε* (11 *a*)
— 9. *σὺ εἶ* [A S^2 *om.*] *κύριος ὕψιστος* (11 *a*)
— 10. *οἱ ἀγαπῶντες τὸν κ. μισεῖτε πονηρόν* [A B^3 S^2 *-ρά*] (11 *a*)
— 10. *φυλάσσει κύριος τὰς ψυχὰς τῶν ὁσίων αὐτοῦ* –
— 12. A S^2 R *εὐφράνθητε δίκαιοι ἐν* [B S^1 *ἐπὶ*] *τῷ κ.* (11 *a*)
97 (98). 1. B S *ᾄσατε τῷ κ. ᾆσμα καινὸν ὅτι θαυμαστὰ ἐποίησεν κύριος* [AR *ὁ κ.*] (11 *a*, –)
— 2. *ἐγνώρισε κύριος τὸ σωτήριον αὐτοῦ* (11 *a*)
— 4. A B^2 S *ἀλαλάξατε τῷ κ.* [B^1 R *θεῷ*] *πᾶσα ἡ γῆ* (11 *a*)
— 5. *ψάλατε τῷ κ. ἐν κιθάρᾳ* (11 *a*)
— 6. *ἀλαλάξατε ἐνώπιον τοῦ βασιλέως κυρίῳ* [A B^2 S^2 *-ου*] (11 *a*)

Ps. 97 (98). 9. A S^2 *τὰ ὄρη ἀγαλλιάσονται ἀπὸ προσώπου κυρίου* [B S^1 *om. ἀπὸ πρ. κ.*] (11 *a*)
98 (99). 1. *ὁ* [B^1 S^1 *om.*] *κύριος ἐβασίλευσεν* (11 *a*)
— 2. *κύριος ἐν Σιὼν μέγας* (11 *a*)
— 5. *ὑψοῦτε κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν* (11 *a*)
— 6. *ἐπεκαλοῦντο τὸν κ.* (11 *a*)
— 8. *κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν, σὺ ἐπήκουες αὐτῶν* (11 *a*)
— 9. *ὑψοῦτε κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν* (11 *a*)
— 9. *ἅγιος κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν* (11 *a*)
99 (100). 1. *ἀλαλάξατε τῷ κ. πᾶσα ἡ γῆ* (11 *a*)
— 2. *δουλεύσατε τῷ κ. ἐν εὐφροσύνῃ* (11 *a*)
— 3. *γνῶτε ὅτι κύριος αὐτός ἐστιν ὁ θεός* [AS^2 *θ. ἡμῶν*] (11 *a*)
— 5. *ὅτι χρηστὸς κύριος* (11 *a*)
100 (101). 1. *κρίσιν ᾄσομαί σοι, κύριε* (11 *a*)
— 8. *τοὺ ἐξολεθρεῦσαι ἐκ πόλεως κυρίου* (11 *a*)
101 (102). *tit. ὅταν . . . ἐναντίον κυρίου ἐκχέῃ τὴν δέησιν αὐτοῦ* (11 *a*)
— 1. *κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου* (11 *a*)
— 12. *σὺ δὲ, κύριε, εἰς τὸν αἰῶνα μένεις* (11 *a*)
— 15. *φοβηθήσονται τὰ ἔθνη τὸ ὄνομά σου, κύριε* [A^1 S *-ίου*] (11 *a*)
— 16. *οἰκοδομήσει κύριος τὴν Σιών* (11 *a*)
— 18. *λαὸς ὁ κτιζόμενος αἰνέσει τὸν κ.* (10)
— 19. *κύριος ἐξ οὐρανοῦ ἐπὶ τὴν γῆν ἐπέβλεψε* (11 *a*)
— 21. *τοῦ ἀναγγεῖλαι ἐν Σιὼν τὸ ὄνομα κυρίου* (11 *a*)
— 22. A S^2 R *καὶ βασιλεῖς* [B S^1 *-είας*] *τοῦ δουλεύειν τῷ κ.* (11 *a*)
— 25. *κατ' ἀρχὰς τὴν γῆν σὺ, κύριε* [S^1 *om. σὺ κ.*], *ἐθεμελίωσας* –
102 (103). 1, 2. *εὐλόγει ἡ ψυχή μου τὸν κ.* (11 *a*)
— 6. *ποιῶν ἐλεημοσύνας ὁ κ.* (11 *a*)
— 8. *οἰκτίρμων καὶ ἐλεήμων ὁ κ.* (11 *a*)
— 11. *ἐκραταίωσε κύριος τὸ ἔλεος αὐτοῦ* –
— 13. *ᾠκτείρησε κύριος τοὺς φοβουμένους αὐτόν* (11 *a*)
— 17. *τὸ δὲ ἔλεος τοῦ κ. ἀπὸ τοῦ αἰῶνος* (11 *a*)
— 19. *κύριος ἐν τῷ οὐρανῷ ἡτοίμασε τὸν θρόνον αὐτοῦ* (11 *a*)
— 20. *εὐλογεῖτε τὸν κ. πάντες οἱ ἄγγελοι αὐτοῦ* (11 *a*)
— 21. *εὐλογεῖτε τὸν κ. πᾶσαι αἱ δυνάμεις αὐ.* (11 *a*)
— 22. *εὐλογεῖτε τὸν κ. πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ* (11 *a*)
— 22. *εὐλόγει ἡ ψυχή μου τὸν κ.* (11 *a*)
103 (104). 1. *εὐλόγει ἡ ψυχή μου τὸν κ.* (11 *a*)
— 1. B *κύριε* [A S R *om.*] *κύριε ὁ θεός μου, ἐμεγαλύνθης σφόδρα* (11 *a*, 11 *a*)
— 16. S^1 *χορτασθήσεται τὰ ξύλα τοῦ κ.* [ABS^2 *πεδίου*] (11 *a*)
— 24. *ὡς ἐμεγαλύνθη τὰ ἔργα σου, κύριε* (11 *a*)
— 31. *ἦτω ἡ δόξα κυρίου εἰς τὸν αἰῶνα* [A S^2 *τοὺς αἰ.*] (11 *a*)
— 31. *εὐφρανθήσεται κύριος ἐπὶ τοῖς ἔργοις αὐτοῦ* (11 *a*)
— 33. *ᾄσω τῷ κ. ἐν τῇ ζωῇ μου* (11 *a*)
— 34. *ἐγὼ δὲ εὐφρανθήσομαι ἐπὶ τῷ κ.* (11 *a*)
— 35. *εὐλόγει ἡ ψυχή μου τὸν κ.* (11 *a*)
104 (105). 1. *ἐξομολογεῖσθε τῷ κ.* (11 *a*)
— 3. *εὐφρανθήτω καρδία ζητούντων τὸν κ.* (11 *a*)
— 4. *ζητήσατε τὸν κ.* (11 *a*)
— 7. *αὐτὸς κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν* (11 *a*)
— 19. *τὸ λόγιον τοῦ κ. ἐπύρωσεν αὐτόν* (11 *a*)
— 21. *κατέστησεν αὐτὸν κύριον τοῦ οἴκου αὐ.* (1)
105 (106). 1. *ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. ὅτι χρηστός* (11 *a*)
— 2. *τίς λαλήσει τὰς δυναστείας τοῦ κ.* (11 *a*)
— 4. *μνήσθητι ἡμῶν, κύριε* (11 *a*)
— 16. *Ἀαρὼν τὸν ἅγιον κυρίου* (11 *a*)
— 21. *ἐπελάθοντο τοῦ* [AS *om.*] *θεοῦ* [S^1 *κυρίου*] (4 *a*)
— 25. *οὐκ εἰσήκουσαν τῆς φωνῆς κυρίου* (11 *a*)
— 34. *ἃ εἶπε κύριος αὐτοῖς* (11 *a*)
— 40. *ὠργίσθη θυμῷ κύριος* (11 *a*)
— 44. AR *εἶδε κύριος* [S *om.*] *ἐν τῷ θλίβεσθαι αὐτούς* –
— 47. *σῶσον ἡμᾶς, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν* (11 *a*)
— 48. *εὐλογητὸς κύριος ὁ θεὸς Ἰσραήλ* (11 *a*)
106 (107). 1. *ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. ὅτι χρηστός* (11 *a*)
— 2. *εἰπάτωσαν οἱ λελυτρωμένοι ὑπὸ κυρίου* (11 *a*)
— 6. *ἐκέκραξαν πρὸς κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαι αὐτούς* (11 *a*)
— 8. *ἐξομολογησάσθωσαν τῷ κ. τὰ ἐλέη αὐ.* (11 *a*)
— 13. *ἐκέκραξαν πρὸς κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαι αὐτούς* (11 *a*)

Ps. 106 (107). 15. *ἐξομολογησάσθωσαν τῷ κ. τὰ ἐλέη αὐ.* (11 *a*)
— 19. *ἐκέκραξαν πρὸς κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαι αὐτούς* (11 *a*)
— 21. *ἐξομολογησάσθωσαν τῷ κ. τὰ ἐλέη αὐ.* (11 *a*)
— 24. *αὐτοὶ εἶδον τὰ ἔργα κυρίου* (11 *a*)
— 28. *ἐκέκραξαν πρὸς κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαι αὐτούς* (11 *a*)
— 31. *ἐξομολογησάσθωσαν τῷ κ. τὰ ἐλέη αὐ.* (11 *a*)
— 43. *συνήσει τὰ ἐλέη τοῦ κ.* (11 *a*)
107 (108). 3. *ἐξομολογήσομαί σοι ἐν λαοῖς, κύριε* (11 *a*)
108 (109). 14. *ἀναμνησθείη ἡ ἀνομία τῶν πατέρων αὐτοῦ ἔναντι κυρίου* (11 *a*)
— 15. *γενηθήτωσαν ἐναντίον κυρίου διὰ παντός* (11 *a*)
— 20. *τοῦτο τὸ ἔργον τῶν ἐνδιαβαλλόντων με παρὰ κυρίῳ* (11 *a*)
— 21. A S^1 *σὺ, κύριε, κύριε, ποίησον μετ' ἐμοῦ ἔλεος* [S^2 R *om.*] (11 *b*, 2)
— 26. *βοήθησόν μοι, κύριε ὁ θεός μου* (11 *a*)
— 27. *σὺ, κύριε, ἐποίησας αὐτήν* (11 *a*)
— 30. *ἐξομολογήσομαι τῷ* [S^2 *om.*] *κ. σφόδρα ἐν τῷ στόματί μου* (11 *a*)
109 (110). 1. *εἶπεν ὁ κ. τῷ κ. μου* (11 *a*, 1)
— 2. A S^1 *ῥάβδον δυνάμεως ἐξαποστελεῖ κύριος* [S^2 R *σοι κ.*] (11 *a*)
— 4. *ὤμοσε κύριος καὶ οὐ μεταμεληθήσεται* (11 *a*)
— 5. *κύριος ἐκ δεξιῶν σου συνέθλασεν . . . βασιλεῖς* (2)
110 (111). 1. *ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε, ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου* (11 *a*)
— 2. *μεγάλα τὰ ἔργα κυρίου* (11 *a*)
— 4. *ἐλεήμων καὶ οἰκτίρμων ὁ κ.* (11 *a*)
— 9. *λύτρωσιν ἀπέστειλε* [S^2 *add. κύριος*] –
— 10. *ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου* (11 *a*)
111 (112). 1. *μακάριος ἀνὴρ ὁ φοβούμενος τὸν κ.* (11 *a*)
— 4. A *οἰκτίρμων καὶ δίκαιος κ. ὁ θεός* [S R *om. κ. ὁ θ.*] –
— 7. A R *ἐλπίζειν ἐπὶ κύριον* [S *τὸν κ.*] (11 *a*)
112 (113). 1. *αἰνεῖτε παῖδες κύριον* [A *τὸν κ.*] *αἰνεῖτε τὸ ὄνομα κυρίου* [S^1 *αὐτοῦ*] (11 *a*, 11 *a*)
— 2. *εἴη τὸ ὄνομα κυρίου εὐλογημένον* (11 *a*)
— 3. *αἰνετὸν* [S^1 *αἰνεῖτε*] *τὸ ὄνομα κυρίου* (11 *a*)
— 4. *ὑψηλὸς ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη ὁ κ.* (11 *a*)
— 5. *τίς ὡς κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν* (11 *a*)
113 (114). 7. *ἀπὸ προσώπου κυρίου ἐσαλεύθη ἡ γῆ* (1)
113. 9 (115. 1). *μὴ ἡμῖν, κύριε, μὴ ἡμῖν . . . δὸς δόξαν* (11 *a*)
— 17 (115. 9). *οἶκος Ἰσραὴλ ἤλπισεν ἐπὶ κύριον* (11 *a*)
— 18 (115. 10). *οἶκος Ἀαρὼν ἤλπισεν ἐπὶ κύριον* (11 *a*)
— 19 (115. 11). *οἱ φοβούμ. τὸν* [A *om.*] *κ. ἤλπισαν ἐπὶ κύριον* [S *ἐπ' αὐτόν*] (11 *a*, 11 *a*)
— 20 (115. 12). *κύριος μνησθεὶς ἡμῶν εὐλόγησεν ἡμᾶς* (11 *a*)
— 21 (115. 13). *εὐλόγησε τοὺς φοβουμ. τὸν κ.* (11 *a*)
— 22 (115. 14). *προσθείη κύριος ἐφ' ὑμᾶς* (11 *a*)
— 23 (115. 15). *εὐλογημένοι ὑμεῖς τῷ κ.* (11 *a*)
— 24 (115. 16). S R *ὁ οὐρανὸς τοῦ οὐρανοῦ* [A *τῷ οὐ.*] *τῷ κ.* (11 *a*)
— 25 (115. 17). *οὐχ οἱ νεκροὶ αἰνέσουσί σε, κύριε* (10)
— 26 (115. 18). *ἡμεῖς οἱ ζῶντες εὐλογήσωμεν τὸν κ.* (10)
114 (116). 1. *εἰσακούσεται κύριος* [S^1 *ὁ θεὸς*] *τῆς φωνῆς τῆς δεήσεώς μου* (11 *a*)
— 4. *τὸ ὄνομα κυρίου ἐπεκαλεσάμην, Ὦ κύριε, ῥῦσαι τὴν ψυχήν μου* (11 *a*, 11 *a*)
— 5. *ἐλεήμων ὁ κ. καὶ δίκαιος* (11 *a*)
— 5. *καὶ* [S^1 *add. κύριος*] *ὁ θεὸς ἡμῶν* (18 *b*)
— 6. *φυλάσσων τὰ νήπια ὁ κ.* (11 *a*)
— 7. S R *κύριος εὐηργέτησέ σε* [A *με*] (11 *a*)
— 9. *εὐαρεστήσω ἐνώπιον κυρίου ἐν χώρᾳ ζώντων* (11 *a*)
115. 3 (116. 12). *τί ἀνταποδώσω τῷ κ.* (11 *a*)
— 4 (116. 13). *τὸ ὄνομα κυρίου ἐπικαλέσομαι* (11 *a*)
— 5 (116. 14). R *τὰς εὐχάς μου τῷ κ. ἀποδώσω* (11 *a*)
— 6 (116. 15). *τίμιος ἐναντίον κυρίου ὁ θάνατος τῶν ὁσίων αὐτοῦ* (11 *a*)
— 7 (116. 16). *ὦ κύριε, ἐγὼ δοῦλος σός* (11 *a*)

Ps. 115. 8 (116. 17). A S² R ἐν ὀνόματι κυρίου ἐπικαλέσομαι (11 a)
— 9 (116. 18). τὰς εὐχάς μου τῷ κ. ἀποδώσω (11 a)
— 10 (116. 19). ἐν αὐλαῖς οἴκου κυρίου (11 a)
116 (117). 1. αἰνεῖτε τὸν κ. πάντα τὰ ἔθνη (11 a)
— 2. ἡ ἀλήθεια τοῦ κ. μένει εἰς τὸν αἰῶνα (11 a)
117 (118). 1. ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. (11 a)
— 4. A R εἰπάτωσαν δὴ πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν κ. (11 a)
— 5. ἐκ θλίψεως [S ἐν θλίψει] ἐπεκαλεσάμην τὸν κ. (10)
— 6, 7. κύριος ἐμοὶ βοηθός (11 a)
— 8. ἀγαθὸν πεποιθέναι ἐπὶ κύριον (11 a)
— 9. ἀγαθὸν ἐλπίζειν ἐπὶ κύριον (11 a)
— 10, 11, 12. τῷ ὀνόματι κυρίου ἠμυνάμην αὐτούς (11 a)
— 13. ὁ [S¹ om.] κ. ἀντελάβετό μου (11 a)
— 14. ἰσχύς μου καὶ ὕμνησίς μου ὁ κ. (10)
— 15. δεξιὰ κυρίου ἐποίησε δύναμιν (11 a)
— 16. δεξιὰ κυρίου ὕψωσέ με (11 a)
— 16. A S² R δεξιὰ κυρίου ἐποίησε δύναμιν (11 a)
— 17. A S¹ ἐκδιηγήσομαι [S² R διηγ.] τὰ ἔργα κυρίου (10)
— 18. A R παιδεύων ἐπαίδευσέ με ὁ [S om.] κ. (10)
— 19. εἰσελθὼν ἐν αὐταῖς ἐξομολογήσομαι τῷ κ. (10)
— 20. αὕτη ἡ πύλη τοῦ κ. (11 a)
— 23. παρὰ κυρίου ἐγένετο αὕτη (11 a)
— 24. A R ἣν ἐποίησεν ὁ [S om.] κ. (11 a)
— 25. ὦ κύριε, σῶσον δή, ὦ κύριε, εὐόδωσον δή (11 a, 11 a)
— 26. εὐλογημένος ὁ ἐρχόμενος ἐν ὀνόματι κυρίου· εὐλογήκαμεν ὑμᾶς ἐξ οἴκου κυρίου (11 a, 11 a)
— 27. θεὸς κύριος καὶ ἐπέφανεν ἡμῖν (11 a)
— 29. ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. (11 a)
118 (119). 1. οἱ πορευόμενοι ἐν νόμῳ κυρίου (11 a)
— 7. ἐξομολογήσομαί σοι [A S¹ add. κύριε] –
— 12. εὐλογητὸς εἶ, κύριε (11 a)
— 31. ἐκολλήθην τοῖς μαρτυρίοις σου, κύριε (11 a)
— 33. νομοθέτησόν με, κύριε, τὴν ὁδὸν τῶν δικαιωμάτων σου (11 a)
— 41. ἔλθοι ἐπ' ἐμὲ τὸ ἔλεός σου, κύριε (11 a)
— 52. ἐμνήσθην τῶν κριμάτων σου ἀπ' αἰῶνος, κύριε (11 a)
— 55. ἐμνήσθην ἐν νυκτὶ τοῦ ὀνόματός [S¹ τὸ ὄ.] σου, κύριε (11 a)
— 57. μερίς μου εἶ, κύριε (11 a)
— 64. S R τοῦ ἐλέους σου, κύριε [A ἐλ. κυρίου] πλήρης ἡ γῆ (11 a)
— 64. τὰ δικαιώματά σου [S¹ add. κύριε] –
— 65. χρηστότητα ἐποίησας μετὰ τοῦ δούλου σου, κύριε (11 a)
— 68. χρηστὸς εἶ σὺ, κύριε –
— 75. ἔγνων, κύριε (11 a)
— 85. οὐχ ὡς ὁ νόμος σου, κύριε –
— 89. εἰς τὸν αἰῶνα, κύριε, ὁ λόγος σου διαμένει (11 a)
— 93. S ἔζησάς με, κύριε [A R om.] –
— 94. S¹ σός εἰμι, κύριε [A S² R ἐγώ] †
— 97. ὡς ἠγάπησα τὸν νόμον σου, κύριε –
— 107. ἐταπεινώθην ἕως σφόδρα, κύριε (11 a)
— 108. τὰ ἑκούσια τοῦ στόματός μου εὐδόκησον δὴ [S¹ εὐλόγησον], κύριε (11 a)
— 124. ποίησον μετὰ τοῦ δούλου σου [A add. κύριε] –
— 126. καιρὸς τοῦ ποιῆσαι τῷ κ. (11 a)
— 137. δίκαιος εἶ, κύριε (11 a)
— 145. ἐπάκουσόν μου, κύριε (11 a)
— 149. τῆς φωνῆς μου ἄκουσον, κύριε (11 a)
— 151. ἐγγὺς εἶ, κύριε (11 a)
— 156. οἱ οἰκτιρμοί σου πολλοί, κύριε (11 a)
— 159. τὰς ἐντολάς σου ἠγάπησα, κύριε (11 a)
— 166. προσεδόκων τὸ σωτήριόν σου, κύριε (11 a)
— 168. πᾶσαι αἱ ὁδοί μου ἐναντίον σου, κύριε [A¹ S¹ om.] –
— 169. ἐγγισάτω ἡ δέησίς μου ἐνώπιόν σου, κύριε [S¹ add. κύριε] (11 a, –)
— 170. εἰσέλθοι τὸ ἀξίωμά μου ἐνώπιόν σου, κύριε [S¹ om.] –
— 174. ἐπεπόθησα τὸ σωτήριόν σου, κύριε (11 a)
119 (120). 1. πρὸς κύριον ἐν τῷ θλίβεσθαί με ἐκέκραξα (11 a)
— 2. κύριε, ῥῦσαι τὴν ψυχήν μου ἀπὸ χειλέων ἀδίκων (11 a)
120 (121). 2. ἡ βοήθειά μου παρὰ κυρίου (11 a)
Ps. 120 (121). 5. κύριος φυλάξει σε κύριος σκέπη σου ἐπὶ χεῖρα δεξιάν σου (11 a, 11 a)
— 7. κύριος φυλάξει σε ἀπὸ παντὸς κακοῦ φυλάξει τὴν ψυχήν σου ὁ κ. [S¹ om. ὁ κ.] (11 a, –)
— 8. κύριος φυλάξει τὴν εἴσοδόν σου (11 a)
121 (122). 1. εἰς οἶκον κυρίου πορευσόμεθα (11 a)
— 4. ἐκεῖ γὰρ ἀνέβησαν αἱ φυλαὶ φυλαὶ κυρίου (10)
— 4. τοῦ ἐξομολογήσασθαι τῷ ὀνόματι κυρίου (11 a)
— 9. S R ἕνεκα τοῦ οἴκου κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν ἐξεζήτησα ἀγαθά σοι [A om.] (11 a)
122 (123). 2. ὡς ὀφθαλμοὶ δούλων εἰς χεῖρας τῶν κ. αὐτῶν (1)
— 2. οὕτως οἱ ὀφθαλμοὶ ἡμῶν πρὸς κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν (11 a)
— 3. ἐλέησον ἡμᾶς, κύριε (11 a)
123 (124). 1. εἰ μὴ ὅτι κύριος ἦν ἐν ἡμῖν (11 a)
— 2. εἰ μὴ ὅτι κύριος ἦν ἐν ἡμῖν (11 a)
— 6. εὐλογητὸς κύριος (11 a)
— 8. ἡ βοήθεια ἡμῶν ἐν ὀνόματι κυρίου (11 a)
124 (125). 1. οἱ πεποιθότες ἐπὶ κύριον (11 a)
— 2. κύριος κύκλῳ τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (11 a)
— 3. S² R οὐκ ἀφήσει κύριος [A S¹ om.] τὴν ῥάβδον τῶν ἁμαρτωλῶν –
— 4. ἀγάθυνον, κύριε, τοῖς ἀγαθοῖς (11 a)
— 5. ἀπάξει κύριος μετὰ τῶν ἐργαζομένων τὴν ἀνομίαν (11 a)
125 (126). 1. ἐν τῷ ἐπιστρέψαι κύριον τὴν αἰχμαλωσίαν Σιών (11 a)
— 2. ἐμεγάλυνε κύριος τοῦ ποιῆσαι μετ' αὐτῶν (11 a)
— 3. ἐμεγάλυνε κύριος τοῦ ποιῆσαι μεθ' ἡμῶν (11 a)
— 4. ἐπίστρεψον, κύριε, τὴν αἰχμαλωσίαν ἡμῶν (11 a)
126 (127). 1. S R ἐὰν μὴ κύριος [A ὁ κ.] οἰκοδομήσῃ οἶκον (11 a)
— 1. S R ἐὰν μὴ κύριος [A ὁ κ.] φυλάξῃ πόλιν (11 a)
— 3. ἡ κληρονομία κυρίου υἱοί (11 a)
127 (128). 1. μακάριοι πάντες οἱ φοβούμενοι τὸν κ. (11 a)
— 4. οὕτως εὐλογηθήσεται ἄνθρωπος ὁ φοβούμενος τὸν κ. (11 a)
— 5. εὐλογήσαι σε κύριος ἐκ Σιών (11 a)
128 (129). 4. κύριος δίκαιος συνέκοψεν αὐχένας ἁμαρτωλῶν (11 a)
— 8. εὐλογία κυρίου ἐφ' ὑμᾶς εὐλογήκαμεν ὑμᾶς ἐν ὀνόματι κυρίου (11 a, 11 a)
129 (130). 1. A S¹ ἐκ βαθέων ἐκέκραξά σε [S² R σοι], κύριε (11 a)
— 2. κύριε, εἰσάκουσον τῆς φωνῆς [A προσευχῆς] μου (2)
— 3. ἐὰν ἀνομίας παρατηρήσῃ, κύριε, κύριε, τίς ὑποστήσεται (10, 2)
— 5. ὑπέμεινά σε, κύριε (11 a)
— 6. ἤλπισεν ἡ ψυχή μου ἐπὶ τὸν κ. (2)
— 6. S² ἐλπισάτω Ἰσρ. ἐπὶ τὸν κ. (11 a ?)
— 7. A R ἐλπισάτω Ἰσραὴλ ἐπὶ τὸν κ. (11 a)
— 7. παρὰ τῷ κ. τὸ ἔλεος (11 a)
130 (131). 1. κύριε, οὐχ ὑψώθη ἡ καρδία μου (11 a)
— 3. ἐλπισάτω Ἰσραὴλ ἐπὶ τὸν κ. (11 a)
131 (132). 1. μνήσθητι, κύριε, τοῦ Δαυίδ (11 a)
— 2. ὡς ὤμοσε τῷ κ. (11 a)
— 5. ἕως οὗ εὕρω τόπον τῷ κ. (11 a)
— 8. ἀνάστηθι, κύριε, εἰς τὴν ἀνάπαυσίν σου (11 a)
— 11. ὤμοσε κύριος τῷ Δαυὶδ ἀλήθειαν (11 a)
— 13. ἐξελέξατο κύριος τὴν Σιών (11 a)
132 (133). 3. ἐνετείλατο κύριος τὴν εὐλογίαν (11 a)
133 (134). 1. εὐλογεῖτε τὸν κ. πάντες οἱ δοῦλοι κυρίου οἱ ἑστῶτες ἐν οἴκῳ κυρίου [S¹ om. ἐν οἴ. κ.] (11 a ter)
— 2. εὐλογεῖτε τὸν κ. (11 a)
— 3. εὐλογήσαι σε κύριος ἐκ Σιών (11 a)
134 (135). 1. αἰνεῖτε τὸ ὄνομα κυρίου αἰνεῖτε δοῦλοι κυρίου (11 a, 11 a)
— 2. οἱ ἑστῶτες ἐν οἴκῳ κυρίου (11 a)
— 3. αἰνεῖτε τὸν κ. ὅτι ἀγαθὸς κύριος (10, 11 a)
— 4. τὸν Ἰακὼβ ἐξελέξατο ἑαυτῷ ὁ κ. (10)
— 5. μέγας κύριος καὶ ὁ κ. ἡμῶν παρὰ πάντας τοὺς θεούς (11 a, 1)
— 6. ὅσα ἠθέλησεν ὁ κ. [S² om. ὁ κ.] (11 a)
— 13. κύριε, τὸ ὄνομά σου εἰς τὸν αἰῶνα (11 a)
— 13. A S κύριε [S² R καὶ] τὸ μνημόσυνόν σου εἰς γενεὰν καὶ γενεάν (11 a, 11 a)
— 14. A S² R ὅτι κρινεῖ [S¹ οἰκτείρει] κύριος τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 a)
Ps. 134 (135). 19. οἶκος Ἰσραὴλ εὐλογήσατε τὸν κ. οἶκος Ἀαρὼν εὐλογήσατε τὸν κ. (11 a, 11 a)
— 20. οἶκος Δευὶ εὐλογήσατε τὸν κ. οἱ φοβούμενοι τὸν κ. εὐλογήσατε τὸν κ. (11 a, 11 a)
— 21. εὐλογητὸς κύριος ἐκ Σιών (11 a)
135 (136). 1. ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. (11 a)
— 3. ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. τῶν κ. (1, 1)
— 23. A S² R ἐν τῇ ταπεινώσει ἡμῶν ἐμνήσθη ἡμῶν ὁ κ. –
— 26. A S¹ ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. [S² R θεῷ] τοῦ οὐρανοῦ (4 a)
136 (137). 4. πῶς ᾄσωμεν τὴν ᾠδὴν κυρίου ἐπὶ γῆς ἀλλοτρίας (11 a)
— 7. μνήσθητι, κύριε, τῶν υἱῶν Ἐδώμ (11 a)
137 (138). 1. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε, ἐν ὅλῃ καρδίᾳ μου –
— 4. ἐξομολογησάσθωσάν σοι, κύριε, πάντες οἱ βασιλεῖς τῆς γῆς (11 a)
— 5. ᾄσάτωσαν ἐν ταῖς ὁδοῖς κυρίου ὅτι μεγάλη ἡ δόξα κυρίου (11 a, 11 a)
— 6. ὅτι ὑψηλὸς κύριος (11 a)
— 8. κύριε [A -ος] ἀνταποδώσεις [A -σει] ὑπὲρ ἐμοῦ· κύριε, τὸ ἔλεός σου εἰς τὸν αἰῶνα [S add. κύριε] . . . μὴ παρίδῃς (11 a, 11 a)
138 (139). 1. κύριε, ἐδοκίμασάς με (11 a)
— 4. κύριε, σὺ ἔγνως πάντα τὰ ἔσχατα (11 a)
— 13. σὺ [S¹ add. κύριε] ἐκτήσω τοὺς νεφρούς μου, κύριε –, –
— 21. οὐχὶ τοὺς μισοῦντάς σε, κύριε, ἐμίσησα (11 a)
— 23. A δοκίμασόν με, κύριε [B S ὁ θεός] (4 a)
139 (140). 1. ἐξελοῦ με, κύριε, ἐξ ἀνθρώπου πονηροῦ (11 a)
— 4. φύλαξόν με, κύριε [S om.], ἐκ χειρὸς ἁμαρτωλοῦ (11 a)
— 6. A S R εἶπα τῷ κ., Θεός μου εἶ σύ, ἐνώτισαι, κύριε [B -ος], τὴν φωνὴν τῆς δεήσεώς μου (11 a, 11 a)
— 7. κύριε κύριε, δύναμις τῆς σωτηρίας μου (11 b, 2)
— 8. μὴ παραδῷς με, κύριε, ἀπὸ τῆς ἐπιθυμίας μου ἁμαρτωλῷ (11 a)
— 12. ποιήσει κύριος τὴν κρίσιν τοῦ πτωχοῦ (11 a)
140 (141). 1. κύριε, ἐκέκραξα πρός σέ (11 a)
— 3. θοῦ, κύριε, φυλακὴν τῷ στόματί μου (11 a)
— 8. πρὸς σέ, κύριε κύριε [A¹ S¹ om.], οἱ ὀφθαλμοί μου (11 b, 2)
141 (142). 1. φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐκέκραξα (11 a)
— 1. B S φωνῇ μου πρὸς κύριον ἐδεήθην [A al.] (11 a)
— 5. πρὸς σέ, κύριε, ἐκέκραξα (11 a)
— 7. τοῦ ἐξομολογήσασθαι τῷ ὀνόματί σου, κύριε [S² om.] –
142 (143). 1. κύριε, εἰσάκουσον τῆς προσευχῆς μου (11 a)
— 7. ταχὺ εἰσάκουσόν μου, κύριε (11 a)
— 8. γνώρισόν μοι, κύριε, ὁδόν –
— 8. πρὸς σὲ [S² add. κύριε] ἦρα τὴν ψυχήν μου –
— 9. ἐξελοῦ με ἐκ τῶν ἐχθρῶν μου, κύριε (11 a)
— 11. ἕνεκα τοῦ ὀνόματός σου, κύριε, ζήσεις με (11 a)
143 (144). 1. εὐλογητὸς κύριος ὁ θεός μου (11 a)
— 3. κύριε, τί [A τίς] ἐστιν ἄνθρωπος ὅτι ἐγνώσθης [S ἐγνωρίσθης] αὐτῷ (11 a)
— 5. κύριε, κλῖνον οὐρανούς σου (11 a)
— 15. μακάριος ὁ λαὸς οὗ κύριος ὁ θεὸς αὐτοῦ [S¹ al.] (11 a)
144 (145). 3. μέγας ὁ [A S² om.] κ. καὶ αἰνετὸς σφόδρα (11 a)
— 8. οἰκτίρμων καὶ ἐλεήμων ὁ κ. (11 a)
— 9. χρηστὸς κύριος τοῖς ὑπομένουσι [A S² al.] (11 a)
— 10. ἐξομολογησάσθωσάν σοι, κύριε, πάντα τὰ ἔργα σου (11 a)
— 13. πιστὸς κύριος ἐν τοῖς λόγοις αὐτοῦ –
— 14. ὑποστηρίζει κύριος πάντας τοὺς καταπίπτοντας (11 a)
— 17. δίκαιος κύριος ἐν πάσαις ταῖς ὁδοῖς αὐτοῦ (11 a)
— 18. ἐγγὺς κύριος πᾶσι τοῖς ἐπικαλουμένοις αὐτόν (11 a)
— 20. φυλάσσει κύριος πάντας τοὺς ἀγαπῶντας αὐτόν (11 a)
— 21. αἴνεσιν κυρίου λαλήσει τὸ στόμα μου (11 a)
145 (146). 1. αἶνει ἡ ψυχή μου τὸν κ. (11 a)
— 2. αἰνέσω κύριον ἐν ζωῇ μου (11 a)
— 5. ἡ ἐλπὶς αὐτοῦ ἐπὶ κύριον τὸν θεὸν αὐτοῦ (11 a)
— 7. κύριος λύει πεπεδημένους (11 a)

Ps. 145 (146). 8. κύριος σοφοῖ τυφλούς (11 a)
— 8. κύριος ἀνορθοῖ κατερραγμένους κύριος ἀγαπᾷ δικαίους (11 a, 11 a)
— 9. κύριος φυλάσσει τοὺς προσηλύτους (11 a)
— 10. βασιλεύσει κύριος εἰς τὸν αἰῶνα (11 a)
146 (147). 1. αἰνεῖτε τὸν [S om.] κ. (10)
— 2. οἰκοδομῶν Ἰερουσαλὴμ ὁ κ. (11 a)
— 5. μέγας ὁ κ. ἡμῶν (1)
— 6. ἀναλαμβάνων πραεῖς ὁ κ. (11 a)
— 7. ἐξάρξατε τῷ κ. ἐν ἐξομολογήσει (11 a)
— 11. εὐδοκεῖ κύριος ἐν τοῖς φοβουμένοις αὐτόν (11 a)
147. 1 (12). ἐπαίνει Ἰερουσαλὴμ τὸν κ. (11 a)
148. 1. αἰνεῖτε τὸν κ. ἐκ τῶν οὐρανῶν (11 a)
— 5. αἰνεσάτωσαν τὸ ὄνομα κυρίου (11 a)
— 7. αἰνεῖτε τὸν κ. ἐκ τῆς γῆς (11 a)
— 13. αἰνεσάτωσαν τὸ ὄνομα κυρίου (11 a)
149. 1. ᾄσατε τῷ κ. ᾄσμα καινόν (11 a)
— 4. εὐδοκεῖ κύριος ἐν λαῷ αὐτοῦ (11 a)
150. 6. πᾶσα πνοὴ αἰνεσάτω τὸν κ. (10)
151. 3. τίς ἀναγγελεῖ τῷ κ. μου; αὐτὸς κύριος αὐτὸς εἰσακούει
— 5. οὐκ εὐδόκησεν ἐν αὐτοῖς κύριος [A ὁ κ.]
Pr. 1. 7. A R ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου [B S θεοῦ] (11 a)
— 29. τὸν δὲ λόγον [S² φόβον] τοῦ [A S² om.] κ. οὐ προείλαντο (11 a)
2. 5. συνήσεις φόβον κυρίου (11 a)
— 6. κύριος δίδωσι σοφίαν (11 a)
3. 4. ἐνώπιον κυρίου καὶ ἀνθρώπων (6)
— 9. τίμα τὸν κ. ἀπὸ σῶν δικαίων πόνων (11 a)
— 11. μὴ ὀλιγώρει παιδείας κυρίου (11 a)
— 12. A S ὃν γὰρ ἀγαπᾷ κύριος παιδεύει [B ἐλέγχει] (11 a)
— 18. A S² R τοῖς ἐπερειδομένοις ἐπ' αὐτὴν ὡς ἐπὶ κύριον ἀσφαλής [B S¹ om.] –
— 26. ὁ γὰρ κ. ἔσται ἐπὶ πασῶν ὁδῶν σου (11 a)
— 32. ἀκάθαρτος γὰρ ἔναντι κυρίου πᾶς παράνομος (11 a)
— 34. κύριος ὑπερηφάνοις ἀντιτάσσεται –
6. 16. A S οἷς μισεῖ ὁ κ. [B θεός] –
7. 2. τίμα τὸν κ. καὶ ἰσχύσεις –
8. 13. φόβος κυρίου μισεῖ ἀδικίαν (11 a)
— 22. κύριος ἔκτισέ με ἀρχὴν ὁδῶν αὐτοῦ (11 a)
— 26. κύριος ἐποίησε χώρας καὶ ἀοικήτους +
— 35. ἑτοιμάζεται θέλησις παρὰ κυρίου (11 a)
9. 10. ἀρχὴ σοφίας φόβος κυρίου (11 a)
10. 3. οὐ λιμοκτονήσει κύριος ψυχὴν δικαίαν (11 a)
— 6. εὐλογία κυρίου ἐπὶ κεφαλὴν [A S¹ -ῆς] δικαίου –
— 22. A S εὐλογία κυρίου ἐπὶ κεφαλῆς [B -ὴν] δικαίου (11 a)
— 27. φόβος κυρίου προστίθησιν ἡμέρας (11 a)
— 29. ὀχύρωμα ὁσίου φόβος κυρίου (11 a)
11. 1. ζυγοὶ δόλιοι βδέλυγμα ἐνώπιον κυρίου (11 a)
— 20. βδέλυγμα κυρίῳ διεστραμμέναι ὁδοί (11 a)
12. 2. κρείσσων ὁ εὑρὼν χάριν παρὰ κυρίῳ (11 a)
— 22. βδέλυγμα κυρίῳ χείλη ψευδῆ (11 a)
14. 2. ὁ πορευόμενος ὀρθῶς φοβεῖται τὸν κ. (11 a)
— 26. ἐν φόβῳ κυρίου ἐλπὶς ἰσχύος (11 a)
— 27. πρόσταγμα κυρίου πηγὴ ζωῆς (11 a)
15. 3. ἐν παντὶ τόπῳ ὀφθαλμοὶ κυρίου (11 a)
— 8. θυσίαι ἀσεβῶν [S ἁμαρτωλῶν] βδέλυγμα κυρίῳ (11 a)
— 9. βδέλυγμα κυρίῳ ὁδοὶ ἀσεβοῦς (11 a)
— 11. ᾅδης καὶ ἀπώλεια φανερὰ παρὰ τῷ κ. (11 a)
— 16. κρεῖσσον μικρὰ μερὶς μετὰ φόβου κυρίου (11 a)
— 25. οἴκους ὑβριστῶν κατασπᾷ κύριος (11 a)
— 26. βδέλυγμα κυρίῳ λογισμὸς ἄδικος (11 a)
— 27 (16. 6). τῷ δὲ φόβῳ κυρίου ἐκκλίνει πᾶς ἀπὸ κακοῦ (11 a)
— 28 (16. 7). δεκταὶ παρὰ κυρίῳ ὁδοὶ ἀνθρώπων δικαίων (11 a)
16. 4 (15. 33). A R φόβος κυρίου [B S θεοῦ] παιδεία καὶ σοφία (11 a)
— 5. ὁ ζητῶν τὸν κ. εὑρήσει γνῶσιν –
— 5 (4). πάντα τὰ ἔργα τοῦ [A om.] κ. μετὰ δικαιοσύνης (11 a)
— 11. ῥοπὴ ζυγοῦ δικαιοσύνης παρὰ κυρίῳ [A -ου] (11 a)
— 20. A πεποιθὼς δὲ ἐπὶ κυρίῳ [B S θεῷ] (11 a)
— 33. παρὰ δὲ κυρίου πάντα τὰ δίκαια (11 a)
17. 3. οὕτως ἐκλεκταὶ καρδίαι [S¹ καρδία ἐκλέγεται] παρὰ κυρίῳ [A θεῷ] (11 a)
— 11. ὁ δὲ κ. ἄγγελον ἀνελεήμονα ἐκπέμψει αὐτῷ –
Pr. 18. 10. ἐκ μεγαλωσύνης ἰσχύος ὄνομα κυρίου [S¹ -φ] (11 a)
— 22. ἔλαβε δὲ παρὰ θεοῦ [A S² κυρίου] (11 a)
19. 14. A R παρὰ δὲ κυρίου [B S θεοῦ] ἁρμόζεται γυνὴ ἀνδρί (11 a)
— 21. ἡ δὲ βουλὴ τοῦ κ. εἰς τὸν αἰῶνα μένει (11 a)
— 23. φόβος κυρίου εἰς ζωὴν ἀνδρί (11 a)
20. 22. ὑπόμεινον τὸν κ. (11 a)
— 10. ἀκάθαρτα ἐνώπιον κυρίου καὶ ἀμφότερα (11 a)
— 12. κυρίου ἔργα καὶ ἀμφότερα (11 a)
— 23. βδέλυγμα κυρίῳ δισσὸν στάθμιον (11 a)
— 24. παρὰ κυρίου εὐθύνεται τὰ διαβήματα ἀνδρί (11 a)
— 27. φῶς κυρίου πνοὴ ἀνθρώπων (11 a)
21. 2. κατευθύνει δὲ καρδίας κύριος (11 a)
— 27. θυσίαι ἀσεβῶν βδέλυγμα κυρίῳ –
— 31. παρὰ δὲ κυρίου ἡ βοήθεια (11 a)
22. 2. ἀμφοτέρους δὲ ὁ κ. ἐποίησε (11 a)
— 4. γενεὰ σοφίας φόβος κυρίου (11 a)
— 11. ἀγαπᾷ κύριος ὁσίας καρδίας –
— 12. οἱ δὲ ὀφθαλμοὶ κυρίου διατηροῦσιν αἴσθησιν (11 a)
— 14. ὁ δὲ μισηθεὶς ὑπὸ κυρίου ἐμπεσεῖται εἰς αὐτόν (11 a)
— 19. ἵνα σου γένηται ἐπὶ κύριον ἡ ἐλπίς (11 a)
— 23. ὁ γὰρ κ. [S¹ om.] κρινεῖ αὐτοῦ τὴν κρίσιν [A δίκην, S¹ ψυχήν] (11 a)
23. 11. ὁ γὰρ λυτρούμενος αὐτοὺς κύριος κραταιός ἐστι –
— 17. ἐν φόβῳ κυρίου ἴσθι ὅλην τὴν ἡμέραν (11 a)
24. 7. σοφοὶ οὐκ ἐκκλίνουσιν ἐκ στόματος κυρίου –
— 12. κύριος [A ὁ κ.] καρδίας πάντων γινώσκει –
— 18. ὄψεται κύριος καὶ οὐκ ἀρέσει αὐτῷ (11 a)
25. 22. ὁ δὲ κ. ἀνταποδώσει σοι ἀγαθά (11 a)
27. 18. ὃς δὲ φυλάσσει τὸν ἑαυτοῦ κ. τιμηθήσεται (1)
— 20. βδέλυγμα κυρίῳ στηρίζων ὀφθαλμόν –
28. 5. οἱ δὲ ζητοῦντες τὸν κ. (11 a)
— 25. ὃς δὲ πέποιθεν ἐπὶ κύριον ἐν ἐπιμελείᾳ ἔσται (11 a)
29. 13. ἐπισκοπὴν ἀμφοτέρων ποιεῖται ὁ κ. (11 a)
— 23. τοὺς δὲ ταπεινόφρονας ἐρείδει δόξῃ κύριος –
— 25. ὁ δὲ πεποιθὼς ἐπὶ κυρίῳ [S -ον] εὐφρανθήσεται (11 a)
— 26. παρὰ δὲ κυρίου γίνεται τὸ δίκαιον ἀνδρί (11 a)
31. 30. φόβον δὲ κυρίου αὕτη αἰνείτω (11 a)
Ec. 7. 30 (29). A ἐποίησεν ὁ κ. [B S θεὸς] σὺν τὸν ἄνθρωπον εὐθῆ (6)
Wi. 1. 1. φρονήσατε περὶ τοῦ κ ἐν ἀγαθότητι
— 7. πνεῦμα κυρίου πεπλήρωκε τὴν οἰκουμένην
— 9. λόγων δὲ αὐτοῦ ἀκοὴ πρὸς κύριον ἥξει
2. 13. παῖδα κυρίου ἑαυτὸν ὀνομάζει
3. 8. βασιλεύσει αὐτῶν κύριος εἰς τοὺς αἰῶνας
— 10. οἱ . . . τοῦ κ. ἀποστάντες
— 14. μηδὲ ἐνθυμηθεὶς κατὰ τοῦ κ. πονηρά
— 14. κλῆρος ἐν ναῷ κυρίου θυμηρέστερος
4. 13. ἀρεστὴ γὰρ ἦν [S¹ om.] κυρίῳ [S¹ ἐν κ.] ἡ ψυχὴ αὐτοῦ
— 17. εἰς τί ἠσφαλίσατο αὐτὸν ὁ κ.
— 18. αὐτοὺς δὲ ὁ κ. ἐκγελάσεται
5. 7. τὴν δὲ ὁδὸν κυρίου οὐκ ἔγνωμεν [S ἐπέγν.]
— 15. ἐν κυρίῳ ὁ μισθὸς αὐτῶν
— 16. S λήψονται . . . τὸ διάδημα τοῦ κάλλους ἐκ χειρὸς κυρίου ὅτι δεξιᾷ κυρίου σκεπάσει αὐτούς [A B al.]
6. 3. ἐδόθη παρὰ τοῦ [A om.] κ. ἡ κράτησις ὑμῖν
8. 20. ἐνέτυχον τῷ κ.
9. 1. κύριε τοῦ ἐλέους σου
— 13. τίς ἐνθυμηθήσεται τί θέλει ὁ κ.
— 18. A κύριε [B S καὶ] τὰ ἀρεστά σου
10. 16. εἰσῆλθεν εἰς ψυχὴν θεράποντος κυρίου
— 20. ὕμνησαν, κύριε, τὸ ὄνομα τὸ ἅγιόν σου
11. 13. ᾔσθοντο τοῦ κ. [S² σου, κύριε]
12. 2. ἵνα . . . πιστεύσωσιν [A -σωμεν, S¹ om.] ἐπὶ σὲ, κύριε
16. 12. ὁ σὸς, κύριε, λόγος
— 26. οἱ υἱοί σου οὓς ἠγάπησας, κύριε
19. 9. αἰνοῦντές σε, κύριε, τὸν ῥυόμενον αὐτούς
— 22. κατὰ πάντα γὰρ, κύριε, ἐμεγάλυνας τὸν λαόν σου
Si. 1. 1. πᾶσα σοφία παρὰ κυρίου
— 8. καθήμενος ἐπὶ τοῦ θρόνου αὐ. κύριος
— 11. φόβος κυρίου δόξα καὶ καύχημα
— 12. φόβος κυρίου τέρψει καρδίαν
— 13. τῷ φοβουμένῳ τὸν κ. εὖ ἔσται ἐπ' ἐσχάτων
Si. 1. 14. A S ἀρχὴ σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κ. [B θεόν]
— 16. πλησμονὴ σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κ.
— 18. στέφανος σοφίας φόβος κυρίου
— 20. ῥίζα σοφίας φοβεῖσθαι τὸν κ.
— 25. κύριος [S ὁ κ.] χορηγήσει σοι αὐτήν
— 26. σοφία γὰρ καὶ παιδεία φόβος κυρίου
— 27. μὴ ἀπειθήσῃς [S¹ ἀπιστήσῃς] φόβῳ κυρίου
— 30. ἀποκαλύψει κύριος τὰ κρυπτά σου
— 30. οὐ προσῆλθες φόβῳ κυρίου
2. 1. εἰ προσέρχῃ δουλεύειν κυρίῳ θεῷ [A S om.]
— 7. οἱ φοβούμενοι τὸν κ. ἀναμείνατε τὸ ἔλεος αὐτοῦ
— 8. οἱ φοβούμενοι κύριον [S τὸν κ.] πιστεύσατε αὐτῷ
— 9. οἱ φοβούμενοι κύριον [S τὸν κ.] ἐλπίσατε εἰς ἀγαθά
— 10. τίς ἐνεπίστευσε κυρίῳ [S¹ τῷ κ.] καὶ κατησχύνθη
— 11. οἰκτίρμων καὶ ἐλεήμων ὁ κ.
— 14. τί ποιήσετε ὅταν ἐπισκέπτηται ὁ [S¹ om.] κ.
— 15. οἱ φοβούμενοι κύριον [S² τὸν κ.] οὐκ ἀπειθήσουσι ῥημάτων αὐ. [A al.]
— 16. οἱ φοβούμενοι κύριον [S² τὸν κ.] ζητήσουσιν εὐδοκίαν αὐτοῦ
— 17. οἱ φοβούμενοι κύριον [S² τὸν κ.] ἑτοιμάσουσι καρδίας αὐτῶν
— 18. ἐμπεσούμεθα εἰς χεῖρας κυρίου
3. 2. ὁ γὰρ κ. ἐδόξασε πατέρα ἐπὶ τέκνοις
— 6. ὁ εἰσακούων κυρίου ἀναπαύσει μητέρα αὐτοῦ
— 16. κεκατηραμένος ὑπὸ [A παρὰ] κυρίου ὁ παροργίζων μητέρα αὐτοῦ
— 18. ἔναντι κυρίου εὑρήσεις χάριν
— 20. μεγάλη ἡ δυναστεία τοῦ [A S om.] κ.
4. 13. οὗ εἰσπορεύεται εὐλογήσει [A S -γεῖ] κύριος
— 14. τοὺς ἀγαπῶντας αὐτὴν ἀγαπᾷ ὁ [S om.] κ.
— 28. κύριος ὁ θεὸς πολεμήσει ὑπὲρ σοῦ
5. 3. ὁ γὰρ κ. ἐκδικῶν ἐκδικήσει σε [A S om.]
— 4. ὁ γὰρ κ. ἐστι μακρόθυμος
— 7. μὴ ἀνάμενε ἐπιστρέψαι πρὸς [S ἐπὶ] κύριον
— 7. ἐξάπινα γὰρ ἐξελεύσεται ὀργὴ κυρίου [S al.]
6. 16. οἱ φοβούμενοι κύριον [S τὸν κ.] εὑρήσουσιν αὐτόν
— 17. ὁ φοβούμενος κύριον εὐθύνει φιλίαν αὐτοῦ
— 37. διανοοῦ ἐν τοῖς προστάγμασι κυρίου
7. 4. μὴ ζήτει παρὰ κυρίου ἡγεμονίαν
— 5. μὴ δικαιοῦ ἔναντι κυρίου
— 9. ἐν τῷ προσενέγκαι με θεῷ [S¹ κυρίῳ]
— 29. ἐν ὅλῃ ψυχῇ σου εὐλαβοῦ τὸν κ.
— 31. φοβοῦ τὸν κ. καὶ δόξασον ἱερέα
9. 16. ἐν φόβῳ κυρίου ἔστω τὸ καύχημά σου
10. 4. ἐν χειρὶ κυρίου ἐξουσία τῆς γῆς
— 5. ἐν χειρὶ κυρίου εὐοδία ἀνδρός
— 7. μισητὴ ἐναντι κυρίου καὶ ἀνθρώπων ὑπερηφανία
— 12. ἀνθρώπου ἀφισταμένου ἀπὸ κυρίου
— 13. παρεδόξασε κύριος τὰς ἐπαγωγάς
— 14. θρόνους ἀρχόντων καθεῖλεν ὁ κ.
— 15. ῥίζας ἐθνῶν ἐξέτιλεν ὁ [S om.] κ.
— 16. χώρας ἐθνῶν κατέστρεψεν ὁ κ.
— 19. σπέρμα ἔντιμον ποῖον; οἱ φοβούμενοι τὸν κ.
— 20. οἱ φοβούμενοι κύριον ἐν ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ
— 22. τὸ καύχημα αὐτῶν φόβος κυρίου
— 24. οὐκ ἔστιν αὐτῶν τις μείζων τοῦ φοβουμένου [A τῶν φοβουμένων] τὸν κ.
11. 4. θαυμαστὰ τὰ ἔργα κυρίου
— 12. οἱ ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπέβλεψαν αὐτῷ
— 14. πτωχεία καὶ πλοῦτος παρὰ κυρίου ἐστί
— 17. δόσις κυρίου παραμένει εὐσεβέσι [S² -λαβεσιν]
— 21. πίστευε τῷ [AS δὲ] κ.
— 21. κοῦφον ἐν ὀφθαλμοῖς κυρίου . . . πλουτίσαι [A -ῆσαι] πένητα
— 22. εὐλογία κυρίου ἐν μισθῷ [A ἐμμέσῳ] εὐσεβοῦς
— 26. κοῦφον ἔναντι [A ἐν ὀφθαλμοῖς] κυρίου ἐν ἡμέρᾳ τελευτῆς
14. 11. προσφορὰς κυρίῳ ἀξίως πρόσαγε
15. 1. ὁ φοβούμενος κύριον ποιήσει αὐτό
— 9. οὐ παρὰ κυρίου ἀπεστάλη
— 10. ὁ κ. εὐοδώσει αὐτόν
— 11. μὴ εἴπῃς ὅτι διὰ κύριον ἀπέστην
— 13. πᾶν βδέλυγμα ἐμίσησε κύριος [A S ὁ κ.]
— 18. πολλὴ σοφία τοῦ κ.
16. 2. εἰ μὴ ἔστι φόβος κυρίου μετ' αὐτῶν
— 3. S² κρείσσων γὰρ εἷς δίκαιος ποιῶν θέλημα κυρίου
— 11. S² ἔλεος γὰρ καὶ ὀργὴ παρὰ κυρίου [A S¹ παρ' αὐτῷ, B παρ' αὐτοῦ]
— 17. μὴ εἴπῃς ὅτι ἀπὸ [A παρὰ] κυρίου κρυβήσομαι

Si. 16. 26. ἐν κρίσει κυρίου τὰ ἔργα αὐτοῦ ἀπ' ἀρχῆς
— 29. κύριος εἰς [A ἐπὶ] τὴν γῆν ἐπέβλεψε
17. 1. κύριος ἔκτισεν ἐκ γῆς ἄνθρωπον
— 17. μερὶς κυρίου Ἰσραὴλ ἐστιν
— 20. πᾶσαι αἱ ἁμαρτίαι αὐτῶν ἔναντι κυρίου
— 25. ἐπίστρεφε ἐπὶ κύριον καὶ ἀπόλειπε ἁμαρτίας
— 28. ζῶν καὶ ὑγιὴς αἴνεσει τὸν κ.
— 29. ὡς μεγάλη ἡ ἐλεημοσύνη τοῦ κ.
18. 2. κύριος μόνος δικαιωθήσεται
— 6. οὐκ ἔστιν ἐξιχνιάσαι τὰ θαυμάσια τοῦ [S om.] κ.
— 11. ἐμακροθύμησε κύριος [S ὁ κ.] ἐπ' αὐτοῖς
— 13. ἔλεος δὲ κυρίου ἐπὶ πᾶσαν σάρκα
— 23. μὴ γίνου ὡς ἄνθρωπος πειράζων τὸν κ.
— 26. πάντα ἐστὶ τυχινὰ ἔναντι κυρίου
19. 20. πᾶσα σοφία φόβος κυρίου
21. 6. ὁ φοβούμενος κύριον [A τὸν θεὸν] ἐπιστρέψει ἐν καρδίᾳ
— 11. συντέλεια τοῦ φόβου κυρίου σοφία
23. 1. κύριε, πάτερ καὶ δέσποτα ζωῆς μου
— 4. κύριε, πάτερ καὶ θεὲ ζωῆς μου
— 10. AS² ὁ ὀμνύων καὶ ὁ ὀνομάζων διὰ παντὸς τὸ ὄνομα κυρίου [BS¹ om. τὸ ὅ. κ.]
— 19. ὀφθαλμοὶ κυρίου μυριοπλασίως ἡλίου φωτεινότεροι
— 27. οὐθὲν κρεῖττον φόβου κυρίου καὶ οὐθὲν γλυκύτερον τοῦ προσέχειν ἐντολαῖς κυρίου
24. 12. ἐν μερίδι κυρίου κληρονομίας αὐτοῦ
25. 1. ἀνέστην ὡραία ἔναντι κυρίου
— 6. τὸ καύχημα αὐτῶν φόβος κυρίου
— 10. οὐκ ἔστιν ὑπὲρ τὸν φοβούμενον τὸν κ.
— 11. φόβος κυρίου ὑπὲρ πᾶν ὑπερέβαλεν
26. 3. ἐν μερίδι φοβουμένων κύριον [A τὸν κ.] δοθήσεται
— 14. δόσις κυρίου γυνὴ σιγηρά
— 16. ἥλιος ἀνατέλλων ἐν ὑψίστοις κυρίου
— 28. ὁ κ. ἑτοιμάσει εἰς ῥομφαίαν αὐτόν
27. 3. ἐὰν μὴ ἐν φόβῳ κυρίου κρατήσῃ κατὰ σπουδήν
— 24. ὁ κ. μισήσει [A ἐμίσει, S¹ μισεῖ] αὐτόν
28. 1. ὁ ἐκδικῶν παρὰ κυρίου εὑρήσει ἐκδίκησιν
— 3. παρὰ κυρίου ζητεῖ ἴασιν
— 23. οἱ καταλείποντες κύριον ἐμπεσοῦνται εἰς αὐτήν
30. 19. οὕτως ὁ ἐκδιωκόμενος ὑπὸ κυρίου
— 25 (33. 16). ἐν εὐλογίᾳ κυρίου ἔφθασα
31 (34). 13. πνεῦμα φοβουμένων κύριον ζήσεται
— 14. ὁ φοβούμενος κύριον οὐ μὴ [A κ. πολλὰ, S κ. οὐδὲν] εὐλαβηθήσεται
— 15. φοβουμένου τὸν κ. μακαρία ἡ ψυχή
— 16. οἱ ὀφθαλμοὶ κυρίου ἐπὶ τοὺς ἀγαπῶντας αὐτόν
32 (35). 3. εὐδοκία κυρίου ἀποστῆναι ἀπὸ πονηρίας
— 4. μὴ ὀφθῇς ἐν προσώπῳ κυρίου κενός
— 8. ἐν ἀγαθῷ ὀφθαλμῷ δόξασον τὸν κ. [S add. θεόν]
— 11. κύριος ἀνταποδιδούς ἐστι
— 12. κύριος κριτής ἐστι
— 17. A ἕως ἐπισκέψηται κύριος [BS ὁ ὕψιστος]
— 18. ὁ κ. οὐ μὴ βραδύνῃ
33 (36). 5. οὐκ ἔστι θεὸς πλὴν σοῦ, κύριε
35 (32). 14. ὁ φοβούμενος κύριον [S τὸν κ.] ἐκδέξεται [B² ἐκλέξ.] παιδείαν
— 16. οἱ φοβούμενοι κύριον εὑρήσουσι κρίμα [S¹ χάριν]
— 24. ὁ πεποιθὼς κυρίῳ οὐκ ἐλαττωθήσεται
36 (33). 1. τῷ φοβουμένῳ κύριον [S τὸν κ.] οὐκ ἀπαντήσει κακόν
— 8. ἐν γνώσει κυρίου διεχωρίσθησαν
— 11. ἐν πλήθει ἐπιστήμης κύριος διεχώρισεν αὐτούς
36. 17 (14). ἐλέησον λαόν, κύριε [S om.]
— 22 (19). εἰσάκουσον, κύριε, δεήσεως τῶν ἱκετῶν [A S οἰκ.] σου
— 22 (19). κύριος εἶ ὁ θεὸς τῶν αἰώνων
37. 21. οὐ γὰρ ἐδόθη αὐτῷ παρὰ κυρίου χάρις
38. 1. καὶ γὰρ αὐτὸν ἔκτισε κύριος [S ὁ κ.]
— 4. κύριος ἔκτισεν ἐκ γῆς φάρμακα
— 9. εὔξαι κυρίῳ καὶ αὐτὸς ἰάσεταί σε
— 12. καὶ γὰρ αὐτὸν ἔκτισε κύριος
— 14. καὶ γὰρ αὐτοὶ κυρίου δεηθήσονται
39. 5. ὀρθρίσαι πρὸς κύριον τὸν ποιήσαντα αὐτόν
— 6. ἐὰν κύριος [A S² ὁ κ.] ὁ μέγας θελήσῃ
— 7. ἐν προσευχῇ ἐξομολογήσεται κυρίῳ [S¹ om.]
— 8. ἐν νόμῳ διαθήκης κυρίου καυχήσεται
— 15. εὐλογήσατε κύριον ἐπὶ πᾶσι τοῖς ἔργοις
— 16. τὰ ἔργα κυρίου πάντα ὅτι καλὰ σφόδρα
— 16. ἐν καιρῷ [S¹ κυρίῳ] αὐτοῦ ἔσται
— 33. τὰ ἔργα κυρίου πάντα ἀγαθά
— 35. εὐλογήσατε τὸ ὄνομα κυρίου
Si. 40. 26. ὑπὲρ ἀμφότερα φόβος κυρίου [S¹ θεοῦ]· οὐκ ἔστι φόβῳ [A S ἐν φ.] κυρίου [S¹ θεοῦ] ἐλάττωσις
— 27. φόβος κυρίου ὡς παράδεισος εὐλογίας
41. 3. τοῦτο τὸ κρίμα παρὰ κυρίου πάσῃ σαρκί
42. 15. μνησθήσομαι δὴ τὰ ἔργα κυρίου
— 15. ἐν λόγοις κυρίου τὰ ἔργα αὐτοῦ
— 16. AS² τῆς δόξης κυρίου [BS¹ αὐτοῦ] πλήρες τὸ ἔργον αὐτοῦ
— 17. οὐκ ἐνεποίησε τοῖς ἁγίοις κύριος [S -ίου] ἐκδιηγήσασθαι πάντα τὰ θαυμάσια αὐτου ἃ ἐστερέωσε κύριος ὁ παντοκράτωρ
— 18. ἔγνω γὰρ ὁ κ. [A S ὕψιστος] πᾶσαν εἴδησιν [S συνείδ.]
43. 5. μέγας κύριος [A ὁ κ.] ὁ ποιήσας αὐτόν
— 9. κόσμος φωτίζων ἐν ὑψίστοις κύριος [AS² -ίου]
— 29. φοβερὸς κύριος καὶ σφόδρα μέγας
— 30. δοξάζοντες κύριον [S² τὸν κ.] ὑψώσατε
— 33. πάντα γὰρ ἐποίησεν ὁ κ.
44. 2. πολλὴν δόξαν ἔκτισεν ὁ κ.
— 16. Ἐνὼχ εὐηρέστησε κυρίῳ
45. 16. προσαγαγεῖν κάρπωσιν [S -ωμα] κυρίῳ
— 19. εἶδε κύριος καὶ οὐκ εὐδόκησε
— 21. καὶ γὰρ θυσίας κυρίου φάγονται
— 23. ἐν τῷ ζηλῶσαι αὐτὸν ἐν φόβῳ κυρίου
46. 3. τοὺς γὰρ πολεμίους [S² -μους] κύριος [A S² -ίου] αὐτὸς ἐπήγαγεν [A ἀπ.]
— 5. S ἐπεκαλέσατο τὸν κ. [A B om.] ὕψιστον δυνάστην
— 6. ἐπήκουσεν αὐτῶν [AS -οῦ] μέγας κύριος
— 6. ἐναντίον κυρίου ὁ πόλεμος αὐτοῦ
— 9. ἔδωκεν ὁ κ. τῷ Χαλὲβ ἰσχύν
— 10. καλὸν τὸ πορεύεσθαι ὀπίσω κυρίου
— 11. ὅσοι οὐκ ἀπεστράφησαν ἀπὸ κυρίου
— 13. A S R ἠγαπημένος ὑπὸ κυρίου αὐτοῦ Σαμουὴλ [B om.] προφήτης κυρίου κατέστησε βασιλείαν [B -λέα]
— 14. ἐν νόμῳ κυρίου ἔκρινε συναγωγὴν καὶ ἐπεσκέψατο κύριος τὸν Ἰακώβ
— 16. ἐπεκαλέσατο τὸν κ. δυνάστην
— 17. ἐβρόντησεν ἀπ' οὐρανοῦ κύριος [S ὁ κ.]
— 19. ἐπεμαρτύρατο ἔναντι κυρίου καὶ χριστοῦ
47. 5. ἐπεκαλέσατο γὰρ κύριον τὸν ὕψιστον
— 6. ᾔνεσεν αὐτὸν ἐν εὐλογίαις κυρίου
— 11. κύριος [B² χριστὸς] ἀφεῖλε τὰς ἁμαρτίας αὐτοῦ
— 18. ἐν ὀνόματι κυρίου τοῦ θεοῦ τοῦ ἐπικεκλημένου θεοῦ Ἰσραήλ
— 22. ὁ δὲ κ. οὐ μὴ καταλίπῃ [A ἐγκαταλείπῃ] τὸ ἔλεος αὐτοῦ
48. 3. ἐν λόγῳ κυρίου ἀνέσχεν οὐρανόν
— 13. S πᾶς λόγος κυρίου [AB οὐχ] ὑπερῆρεν αὐτόν
— 20. ἐπεκαλέσαντο [S¹ ἐπανεκ.] τὸν κ. τὸν ἐλεήμονα
— 22. ἐποίησε γὰρ Ἐζεκίας τὸ ἀρεστὸν κυρίῳ [S¹ om.]
49. 3. κατεύθυνε πρὸς κύριον τὴν καρδίαν [A ὁδὸν] αὐτοῦ
— 12. ἀνύψωσαν λαὸν [A ναὸν] ἅγιον κυρίῳ
50. 13. προσφορὰ κυρίου ἐν χερσὶν αὐτῶν
— 17. προσκυνῆσαι τῷ [A om.] κ. [S² θεῷ] αὐτῶν [A om.]
— 19. ἐδεήθη ὁ λαὸς κυρίου ὑψίστου
— 19. ἕως συντελεσθῇ κόσμος κυρίου
— 20. δοῦναι εὐλογίαν κυρίῳ [S -ίου] ἐκ χειλέων αὐτοῦ
— 21. S² ἐδευτέρωσεν ἐν [A ἐπὶ] προσκυνήσει κυρίου [A B S¹ om.]
— 29. φῶς κυρίου τὸ ἴχνος αὐτοῦ
51. 1. ἐξομολογήσομαί σοι, κύριε βασιλεῦ
— 8. ἐμνήσθην τοῦ ἐλέους σου, κύριε
— 10. ἐπεκαλεσάμην κύριον πατέρα κυρίου [S² τοῦ κ.] μου
— 12. εὐλογήσω τῷ ὀνόματι κυρίου
— 22. ἔδωκε κύριος γλῶσσάν μοι [A S μου] μισθόν μου [S μοι]
Ho. 1. 1. λόγος κυρίου ὃς ἐγενήθη πρὸς Ὡ. (11 a)
— 2. ἀρχὴ λόγου κυρίου ἐν [A πρὸς] Ὡ. (11 a)
— 2. καὶ εἶπε κύριος πρὸς Ὡ. (11 a)
— 2. ἐκπορνεύσει ἡ γῆ ἀπὸ ὄπισθεν τοῦ κ. (11 a)
— 4. καὶ εἶπε κ. πρὸς αὐτόν (11 a)
— 7. καὶ σώσω αὐτοὺς ἐν κ. θ. αὐτῶν (11 a)
2. 13 (15). ἐμοῦ δὲ ἐπελάθετο λέγει κ. (11 a)
— 16 (18). καὶ ἔσται ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ λέγει κ. (11 a)
— 20 (22). καὶ ἐπιγνώσῃ τὸν κ. (11 a)
— 21 (23). καὶ ἔσται ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμ., λέγει κ. (11 a)
— 23 (25). καὶ αὐτὸς ἐρεῖ, Κ. ὁ θ. μου εἶ συ (18 b)
Ho. 3. 1. καὶ εἶπε κ. πρὸς μέ (11 a)
— 5. ἐπιζητήσουσι κ. τὸν θ. αὐτῶν (11 a)
— 5. καὶ ἐκστήσονται ἐπὶ τῷ κ. (11 a)
4. 1. ἀκούσατε λόγον κυρίου, υἱοὶ Ἰ. (11 a)
— 1. ὅτι κρίσις τῷ κ. (11 a)
— 10. διότι τὸν κ. ἐγκατέλιπον (11 a)
— 15. καὶ μὴ ὀμνύετε ζῶντα κ. (11 a)
— 16. νῦν νεμήσει αὐτοὺς κύριος ὡς ἀμνόν (11 a)
5. 4. τὸν δὲ κ. οὐκ ἐπέγνωσαν (11 a)
— 6. πορεύσονται τοῦ ἐκζητῆσαι τὸν κ. (11 a)
— 7. ὅτι τὸν κ. ἐγκατέλιπον (11 a)
6. 1. ἐπιστρέψωμεν πρὸς κ. τὸν θ. ἡμῶν (18 a)
— 4 (3). διώξομεν τοῦ γνῶναι τὸν κ. (11 a)
— 10 (9). A ἔκρυψαν ἱερεῖς ὁδὸν κυρίου [B om.] –
7. 10. καὶ οὐκ ἐπέστρεψαν πρὸς κ. τὸν θ. αὐτῶν (11 a)
8. 1. ὡς ἀετὸς ἐπ' οἶκον κυρίου (11 a)
— 13. κύριος οὐ προσδέξεται αὐτά (11 a)
9. 3. οὐ κατῴκησαν ἐν τῇ γῇ τοῦ κ. (11 a)
— 4. οὐκ ἔσπεισαν τῷ κ. οἶνον (11 a)
— 4. οὐκ εἰσελεύσονται εἰς τὸν οἶκον κ. (11 a)
— 5. ἐν ἡμέρᾳ ἑορτῆς τοῦ κ. (11 a)
— 8. A μανίαν ἐν οἴκῳ κυρίου [B θεοῦ] κατέπηξαν (6)
— 14. δὸς αὐτοῖς, κύριε, τί δώσεις αὐτοῖς (11 a)
10. 3. οὐκ ἐφοβήθημεν τὸν κ. (11 a)
— 12. ἐκζητήσατε τὸν κ. (11 a)
11. 10. ὀπίσω κυρίου πορεύσομαι (11 a)
— 11. ἀποκαταστήσω αὐτοὺς . . . λέγει κ. (11 a)
12. 2 (3). καὶ κρίσις τῷ κ. πρὸς Ἰ. (11 a)
— 5 (6). ὁ δὲ κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ ἔσται μνημόσυνον αὐ. (11 a)
— 9 (10). ἐγὼ δὲ κ. ὁ θ. σου ἀνήγαγόν σε (11 a)
— 13 (14). ἐν προφήτῃ ἀνήγαγε κύριος τὸν Ἰ. (11 a)
— 14 (15). τὸν ὀνειδισμὸν αὐτοῦ ἀνταποδώσει αὐτῷ κύριος (2)
13. 4. ἐγὼ δὲ κ. ὁ θ. σου ὁ στερεῶν τὸν οὐρ. (11 a)
— 15. ἐπάξει καύσωνα ἄνεμον κύριος (11 a)
14. 2. ἐπιστράφηθι, Ἰ., πρὸς κ. τὸν θ. σου (11 a)
— 3. καὶ ἐπιστράφητε πρὸς κ. τὸν θ. ὑμῶν (18 a)
— 10. διότι εὐθεῖαι αἱ ὁδοὶ τοῦ κ. (11 a)
Am. 1. 2. κύριος ἐκ Σιὼν ἐφθέγξατο (11 a)
— 3. καὶ εἶπε κ. (11 a)
— 5. λέγει κύριος (11 a)
— 6. τάδε λέγει κ. (11 a)
— 8. ἀπολοῦνται αἱ κατάλοιποι . . . λέγει κύριος (2 + 11 b)
— 9, 11, 13. τάδε λέγει κ. (11 a)
— 15. ἱερεῖς . . . καὶ . . . ἄρχοντες ἐπὶ τὸ αὐτὸ, λέγει κ. (11 a)
2. 1. τάδε λέγει κ. (11 a)
— 3. πάντας αὐτῆς ἀποκτενῶ μετ' αὐτοῦ, λέγει κ. (11 a)
— 4. τάδε λέγει κ. (11 a)
— 4. ἀπώσασθαι αὐτοὺς τὸν νόμον τοῦ [A om.] κ. (11 a)
— 6. τάδε λέγει κ. (11 a)
— 11. μὴ οὐκ ἔστι ταῦτα, υἱοὶ Ἰσ.; λέγει κ. (11 a)
— 16. ὁ γυμνὸς διώξεται ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμέρᾳ, λέγει κ. (11 a)
3. 1. τὸν λόγον τ. ὃν ἐλάλησε κ. ἐφ' ὑμᾶς (11 a)
— 6. ἢν κ. οὐκ ἐποίησε (11 a)
— 7. οὐ μὴ ποιήσῃ κ. ὁ θεὸς πρᾶγμα (2)
— 8. κ. ὁ θεὸς ἐλάλησε (2)
— 10. ἃ ἔσται ἐναντίον αὐτῆς, λέγει κ. (11 a)
— 11. τάδε λέγει κ. ὁ θ. (2)
— 12. τάδε λέγει κ. (11 a)
— 13. λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (2 + 11 b)
— 15. A R προστεθήσονται ἕτεροι οἶκοι . . . λέγει κ. [B om.] (11 a)
4. 1. αἱ λέγουσαι τοῖς κ. αὐτῶν (1)
— 2. ὀμνύει κ. κατὰ τῶν ἁγίων αὐτοῦ (2 + 11 b)
— 3. ἀπορριφήσεσθε εἰς τὸ ὄρος τὸ Ῥ., λέγει κ. (11 a)
— 5. R ταῦτα ἠγάπησαν οἱ υἱοὶ Ἰσ., λέγει κ. [A B κ. ὁ θ.] (2 + 11 b [2])
— 6. οὐκ ἐπεστρέψατε πρὸς μέ, λέγει κ. (11 a)
— 8. οὐκ ἐπεστράφητε πρὸς μέ, λέγει κ. (11 a)
— 9, 10, 11. οὐδ' ὡς ἐπεστρέψατε πρὸς μέ, λέγει κ. (11 a)
— 13. κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (11 a)
5. 1. ἀκούσατε τὸν λόγον κυρίου [A¹ om.] τοῦτον –
— 3. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 b)
— 4. τάδε λέγει κ. πρὸς τὸν οἶκον Ἰ. (11 a)
— 6. ἐκζητήσατε τὸν κ. (11 a)
— 7. ὁ ποιῶν [A κ. ὁ θ. ὁ π.] εἰς ὕψος κρίμα –
— 8. κ. [A κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ] ὄνομα αὐτῷ (11 a [18 a])
— 14. ἔσται . . . μεθ' ὑμῶν κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (11 a)

Am. 5. 15. ὅπως ἐλεήσῃ κ. ὁ θ. ὁ παντοκρ. (11 *a*)
— 16. τάδε λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκρ. (11 *a*)
— 17. διότι ἐλεύσομαι διὰ μέσου σου, εἶπε κύριος (11 *a*)
— 18. οὐαὶ οἱ ἐπιθυμοῦντες τὴν ἡμέραν κυρίου (11 *a*)
— 18. ἵνα τί αὕτη ὑμῖν ἡ ἡμέρα τοῦ κ. (11 *a*)
— 20. οὐχὶ σκότος ἡ ἡμέρα τοῦ κ. (11 *a*)
— 25. **A** λέγει κύριος –
— 27. μετοικιῶ ὑμᾶς ἐπέκεινα Δαμασκοῦ, λέγει κύριος (11 *a*)
6. 8. ὤμοσε κύριος καθ' ἑαυτοῦ (2 + 11 *b*)
— 11 (10). ἕνεκα τοῦ μὴ ὀνομάσαι τὸ ὄνομα κυρίου (11 *a*)
— 12 (11). διότι ἰδοὺ κύριος ἐντέλλεται (11 *a*)
— 15 (14). **B** λέγει κ. τῶν δυν. (11 *a* + 6)
7. 1. ἔδειξέ μοι κ. ὁ θ. [**A** *om.* ὁ θ.] (2 [2 + 11 *b*])
— 2. κύριε κύριε, ἵλεως γενοῦ (2, 11 *b*)
— 3. μετανόησον κύριε ἐπὶ τούτῳ (11 *a*)
— 3. καὶ τοῦτο οὐκ ἔσται λέγει κ. (11 *a*)
— 4. οὕτως ἔδειξέ μοι κύριος [**A** κ. ὁ θεός] (2 + 11 *b* [2])
— 4. ἐκάλεσε τὴν δίκην ἐν πυρὶ κύριος (2 + 11 *b*)
— 4. καὶ κατέφαγε τὴν μερίδα κυρίου [**A** *om.*] –
— 5. **A** καὶ εἶπα, Κύριε κύριε [**B** *om.*] (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 6. μετανόησον κύριε ἐπὶ τούτῳ (11 *a*)
— 6. καὶ τοῦτο οὐ μὴ γένηται, λέγει κ. (2 + 11 *b*)
— 7. οὕτως ἔδειξέ μοι κύριος (2 ?)
— 8. εἶπε κύριος πρὸς μὲ, Τί σὺ ὁρᾷς (11 *a*)
— 8. εἶπε κ. πρὸς μὲ, Ἰδοὺ ἐγὼ ἐντάσσω (2)
— 15. **A R** ἀνέλαβέ με κ. ἐκ τῶν προβάτων [**B** προφητῶν] (11 *a*)
— 15. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 16. καὶ νῦν ἄκουε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 17. διὰ τοῦτο τάδε λέγει κ. (11 *a*)
8. 1. οὕτως ἔδειξέ μοι κ. κ. [**A** *om.*] (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 2. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. ὀλολύξει τὰ φατνώματα . . . λέγει κ. κ. [**A** *om.*] (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 7. ὀμνύει κ. κατὰ τῆς ὑπερηφανίας Ἰακ. (11 *a*)
— 9. ἔσται ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμέρᾳ λέγει κ. κ. [**A** ὁ θ.] (2, 11 *b* [2])
— 11. ἡμέραι ἔρχονται, λέγει κ. (2 + 11 *b*)
— 11. λιμὸν τοῦ ἀκοῦσαι λόγον κυρίου (11 *a*)
— 12. **AR** ζητοῦντες τὸν λόγον τοῦ [**B** *om.*] κ. (11 *a*)
— 14. **A** ζῇ κ. [**B** *om.*] ὁ θ. σου Δάν (18 *b*)
9. 1. εἶδον τὸν κ. ἐφεστῶτα ἐπὶ τοῦ θυσιαστηρίου (2)
— 5. καὶ κ. κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (2, 18 *e*)
— 6. κ. παντοκράτωρ [**A** κ. ὁ θ. ὁ π.] ὄνομα αὐτῷ (11 *a* [18 *a*])
— 7. λέγει κ. (11 *a*)
— 8. οἱ ὀφθαλμοὶ κ. τοῦ θ. ἐπὶ τὴν βασιλείαν (2)
— 8. ἐξαρῶ τὸν οἶκον Ἰ., λέγει κ. (11 *a*)
— 12. **A** ὅπως ἐκζητήσωσιν οἱ κατάλοιποι . . . τὸν κ. [**B** *om.* τ. κ.] –
— 12. λέγει κ. [**A** κ. ὁ θ.] ὁ ποιῶν ταῦτα (11 *a* [18 *a*])
— 13. ἡμέραι ἔρχονται, λέγει κ. (11 *a*)
— 15. λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (11 *a*)
Mi. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Μιχαίαν (11 *a*)
— 2. ἔσται κ. κ. [**A** *om.*] ἐν ὑμῖν εἰς μαρτύριον (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 2. κύριος ἐξ οἴκου ἁγίου αὐτοῦ (2)
— 3. ἰδοὺ κ. ἐκπορεύεται ἐκ τοῦ τόπου αὐτοῦ (11 *a*)
— 12. κατέβη κακὰ παρὰ κυρίου (11 *a*)
2. 3. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 5. ἐν ἐκκλησίᾳ κυρίου μὴ κλαίετε δάκρυσι (11 *a*)
— 7. οἶκος Ἰ. παρώργισε πνεῦμα κυρίου (11 *a*)
— 13. ὁ δὲ κ. ἡγήσεται αὐτῶν (11 *a*)
3. 4. οὕτως κεκράξονται πρὸς κύριον (11 *a*)
— 5. τάδε λέγει κ. ἐπὶ τοὺς προφήτας (11 *a*)
— 8. ἐὰν μὴ ἐγὼ ἐμπλήσω ἰσχὺν ἐν πνεύματι κυρίου (11 *a*)
— 11. καὶ ἐπὶ τὸν κ. ἐπανεπαύοντο (11 *a*)
— 11. οὐχὶ κύριος ἐν ἡμῖν ἐστιν (11 *a*)
4. 1. ἔσται . . . ἐμφανὲς τὸ ὄρος τοῦ κ. (11 *a*)
— 2. δεῦτε ἀναβῶμεν εἰς τὸ ὄρος κυρίου [**A** τοῦ κ.] (11 *a*)
— 2. ἐξελεύσεται . . . λόγος κυρίου ἐξ Ἱερ. (11 *a*)
— 4. τὸ στόμα κυρίου παντοκράτορος ἐλάλησε (11 *a*)
— 5. πορευσόμεθα ἐν ὀνόματι κυρίου [**A** *om.*] θεοῦ (11 *a*)
— 6. ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ λέγει κ. συνάξω (11 *a*)
— 7. καὶ βασιλεύσει κύριος ἐπ' αὐτούς (11 *a*)
— 10. ἐκεῖθεν ῥύσεταί σε . . . κ. ὁ θ. σου (18 *a*)
— 12. **AR** αὐτοὶ δὲ οὐκ ἔγνωσαν τὸν λογισμὸν κυρίου [**B** -ον] (11 *a*)
Mi. 4. 13. ἀναθήσεις τῷ κ. τὸ πλῆθος αὐτῶν (11 *a*)
— 13. ἀναθήσεις . . . τὴν ἰσχὺν τῷ κ. πάσης τῆς γῆς (1)
5. 4 (3). ποιμανεῖ τὸ ποίμνιον . . . ἐν ἰσχύϊ κύριος (11 *a*)
— 4 (3). ἐν τῇ δόξῃ ὀνόματος κυρίου θ. [**A** τοῦ ὀν. κ. τοῦ θ.] (11 *a*)
— 7 (6). ὡς δρόσος παρὰ κυρίου πίπτουσα (11 *a*)
— 10 (9). ἐν τῇ ἡμ. ἐκ. λέγει κ. (11 *a*)
6. 1. ἀκούσατε δὴ λόγου κ. κ. εἶπεν [**A** κυρίου ἃ ὁ κ. εἶπεν] (–, 11 *a*)
— 2. ἀκούσατε ὄρη [**A** βουνοὶ, **B** λαοὶ] τὴν κρίσιν τοῦ κ. (11 *a*)
— 2. κρίσις τῷ κ. πρὸς τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 *a*)
— 5. ὅπως γνωσθῇ ἡ δικαιοσύνη τοῦ κ. (11 *a*)
— 6. ἐν τίνι καταλάβω τὸν κύριον (11 *a*)
— 7. εἰ προσδέξεται κύριος [**A** ὁ κ.] ἐν χιλιάσι κριῶν (11 *a*)
— 8. ἢ τί κύριος ἐκζητεῖ παρὰ σοῦ (11 *a*)
— 8. ἕτοιμον . . . τοῦ πορεύεσθαι μετὰ κυρίου θεοῦ (18 *b*)
— 9. φωνὴ κυρίου τῇ πόλει ἐπικληθήσεται (11 *a*)
7. 7. ἐγὼ δὲ ἐπὶ τὸν κ. ἐπιβλέψομαι (11 *a*)
— 8. κύριος [**A** ὁ κ.] φωτιεῖ μοι (11 *a*)
— 9. ὀργὴν κυρίου ὑποίσω (11 *a*)
— 10. ποῦ κ. ὁ θ. σου (11 *a*)
— 17. ἐπὶ τῷ κ. θ. ἡμῶν ἐκστήσονται (11 *a*)
Jl. 1. 1. λόγος κυρίου ὃς ἐγενήθη πρὸς Ἰωήλ (11 *a*)
— 9. ἐξῆρται θυσία καὶ σπονδὴ ἐξ οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 9. **R** οἱ λειτουργοῦντες θυσιαστηρίῳ κυρίου [**A B S** *om.*] (11 *a*)
— 14. **A S**[3] κατοικοῦντας γῆν εἰς οἶκον κυρίου [**B S**[1] *om.*] θεοῦ [**S**[2] *om.*] (11 *a* [18 *b*])
— 14. κεκράξατε πρὸς κύριον ἐκτενῶς (11 *a*)
— 15. ἐγγὺς ἡ ἡμέρα κυρίου (11 *a*)
— 19. πρὸς σὲ, κύριε, βοήσομαι (11 *a*)
2. 1. διότι πάρεστιν ἡμέρα κυρίου [**A** τοῦ κ.] (11 *a*)
— 1. **A** ὅτι ἐγγὺς ἡ ἡμέρα τοῦ κ. [**BS** *om.* ἡ ἡ. τ. κ.] –
— 11. καὶ κύριος δώσει φωνὴν αὐτοῦ (11 *a*)
— 11. μεγάλη ἡ ἡμέρα τοῦ κ. (11 *a*)
— 12. καὶ νῦν λέγει κ. ὁ θ. ὑμῶν (18 *a*)
— 13. ἐπιστράφητε πρὸς κ. τὸν θ. ὑμῶν (11 *a*)
— 14. σπουδὴν κ. τῷ θ. ἡμῶν (11 *a*)
— 17. οἱ ἱερεῖς οἱ λειτουργοῦντες κυρίῳ (11 *a*)
— 17. φείσαι, κύριε, τοῦ λαοῦ σου (11 *a*)
— 17. **A** ποῦ ἐστιν κύριος [**B S** *om.*] ὁ θεὸς αὐτῶν (18 *b*)
— 18. καὶ ἐζήλωσε κύριος τὴν γῆν αὐτοῦ (11 *a*)
— 19. ἀπεκρίθη κύριος (11 *a*)
— 21. ἐμεγάλυνε κύριος τοῦ ποιῆσαι (11 *a*)
— 23. εὐφραίνεσθε ἐπὶ τῷ κυρίῳ θεῷ ὑμῶν (11 *a*)
— 26. αἰνέσετε τὸ ὄνομα κ. τοῦ θ. [**A** *om.*] ὑμῶν (11 *a*)
— 27. ἐπιγνώσεσθε ὅτι . . . ἐγὼ κ. ὁ θ. ὑμῶν (11 *a*)
— 31 (3. 4). πρὶν ἐλθεῖν τὴν ἡμέραν κυρίου (11 *a*)
— 32 (3. 5). ὃς ἂν ἐπικαλέσηται τὸ ὄνομα κυρίου (11 *a*)
— 32 (3. 5). καθότι εἶπε κύριος (11 *a*)
— 32 (3. 5). οὗς κύριος προσκέκληται (11 *a*)
3 (4). 8. ὅτι κύριος ἐλάλησε (11 *a*)
— 14. ἐγγὺς ἡμέρα κυρίου ἐν τῇ κοιλάδι (11 *a*)
— 16. **ABS**[2] ὁ δὲ κύριος ἐκ Σιὼν ἀνακεκράξεται (11 *a*)
— 16. ὁ δὲ κύριος φείσεται τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (11 *a*)
— 17. ἐγὼ κ. ὁ θ. ὑμῶν ὁ κατασκηνῶν ἐν Σ. (11 *a*)
— 18. πηγὴ ἐξ οἴκου κυρίου ἐξελεύσεται (11 *a*)
— 21. καὶ κύριος κατασκηνώσει ἐν Σ. (11 *a*)
Ob. 1. 1. τάδε λέγει κ. ὁ θ. τῇ Ἰδουμαίᾳ (2)
— 1. ἀκοὴν ἤκουσα παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 4. ἐκεῖθεν κατάξω σε, λέγει κύριος (11 *a*)
— 8. ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμέρᾳ, λέγει κ. (11 *a*)
— 15. διότι ἐγγὺς ἡμέρα κυρίου (11 *a*)
— 18. διότι κ. ἐλάλησε (11 *a*)
— 21. καὶ ἔσται τῷ κυρίῳ ἡ βασιλεία (11 *a*)
Jn. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἰωνᾶν (11 *a*)
— 3. τοῦ φυγεῖν . . . ἐκ [**A S** ἀπὸ] προσώπου κυρίου (11 *a*)
— 3. τοῦ πλεῦσαι . . . ἐκ προσώπου κυρίου (11 *a*)
— 4. καὶ κύριος ἐξήγειρε πνεῦμα (11 *a*)
— 9. δοῦλος κυρίου εἰμὶ ἐγώ –
— 9. τὸν κ. θ. τοῦ οὐρανοῦ ἐγὼ σέβομαι (11 *a*)
— 10. ἐκ προσώπου κυρίου ἦν φεύγων (11 *a*)
— 14. ἀνεβόησαν πρὸς κύριον [**S**[1] τὸν κ.] (11 *a*)
— 14. καὶ εἶπαν, Μηδαμῶς, κύριε (11 *a*)
— 14. σὺ, κύριε [**S**[1] *om.* σὺ κ.], ὃν τρόπον ἐβούλου πεποίηκας (11 *a*)
— 16. ἐφοβήθησαν . . . φόβῳ μεγάλῳ τὸν κ. (11 *a*)
Jn. 1. 16. καὶ ἔθυσαν θυσίαν τῷ κ. (11 *a*)
2. 1. καὶ προσέταξε κύριος κήτει μεγάλῳ (11 *a*)
— 2. προσηύξατο Ἰ. πρὸς κ. τὸν θ. αὐτοῦ (11 *a*)
— 3. **A B S**[2] ἐβόησα . . . πρὸς κ. τὸν θ. (11 *a*)
— 7. ἀναβήτω φθορὰ ζωῆς μου, κύριε ὁ θ. μου [**A S**[4] *al.*] (11 *a*)
— 8. τοῦ κυρίου ἐμνήσθην (11 *a*)
— 10. ἀποδώσω σοι σωτηρίου τῷ κ. [**A** *al.*] (11 *a*)
— 11. **S**[2] **R** προσετάγη ἀπὸ κυρίου [**A B S**[1] *om.* ἀ. κ.] τῷ κήτει (11 *a*)
3. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἰ. ἐκ δευτέρου (11 *a*)
— 3. καθὰ [**A** καθὼς] ἐλάλησε κύριος (11 *a*)
4. 2. προσεύξατο πρὸς κύριον (11 *a*)
— 2. **S**[2] **R** κύριε [**A B S**[1] ὦ κ.], οὐχ οὗτοι οἱ λόγοι μου (11 *a*)
— 3. νῦν, δέσποτα κύριε, λάβε τὴν ψυχήν μου (11 *a*)
— 4. καὶ εἶπε κύριος πρὸς Ἰ. (11 *a*)
— 6. προσέταξε κ. ὁ θ. κολοκύνθῃ (11 *a*)
— 7. **A** προσέταξε κύριος [**B S** *om.*] ὁ θεὸς σκώληκι [**S**[1] *al.*] (18 *b*)
— 8. **A** προσέταξεν κύριος [**B S** *om.*] ὁ θεός (18 *b*)
— 9. εἶπεν [**A S**[3] *add.* κύριος] ὁ θεός (18 *b*)
— 10. εἶπε κύριος, Σὺ ἐφείσω ὑπὲρ τῆς κολοκύνθης (11 *a*)
Na. 1. 2. θεὸς ζηλωτὴς καὶ ἐκδικῶν κύριος (11 *a*)
— 2. **B**[2] **R** ἐκδικῶν κύριος [**A B**[1] **S** *om.* ἐκ. κ.] μετὰ θυμοῦ (11 *a*)
— 2. ἐκδικῶν κύριος τοὺς ὑπεναντίους αὐτοῦ (11 *a*)
— 3 κύριος μακρόθυμος καὶ μεγάλη ἡ ἰσχύς (11 *a*)
— 3. καὶ ἀθῷον οὐκ ἀθῳώσει κύριος (11 *a*)
— 7. χρηστὸς κύριος τοῖς ὑπομένουσιν αὐτόν (11 *a*)
— 9. τί λογίζεσθε ἐπὶ τὸν κύριον (11 *a*)
— 11. ἐξελεύσεται λογισμὸς κατὰ τοῦ κ. (11 *a*)
— 12. τάδε λέγει κύριος κατάρχων ὑδάτων πολλῶν (11 *a*)
— 14. **S R** καὶ ἐντελεῖται περὶ [**A B** ὑπὲρ] σοῦ κύριος (11 *a*)
2. 2 (3). ἀπέστρεψε κύριος τὴν ὕβριν Ἰακώβ (11 *a*)
— 13 (14). ἐγὼ ἐπὶ σὲ, λέγει κύριος παντοκράτωρ [**A** ὁ π.] (11 *a*)
3. 5. ἐγὼ ἐπὶ σὲ, λέγει κ. ὁ θ. ὁ παντοκράτωρ (18 *a*)
Hb. 1. 2. ἕως τίνος, κύριε, κεκράξομαι (11 *a*)
— 12. οὐχὶ σὺ ἀπ' ἀρχῆς, κύριε ὁ θεὸς ὁ ἅγιός μου (11 *a*)
— 12. κύριε, εἰς κρίμα τέταχας αὐτό [**A** -όν] (11 *a*)
2. 2. καὶ ἀπεκρίθη πρὸς μὲ κύριος (11 *a*)
— 13. οὐ ταὐτά ἐστι παρὰ κ. παντοκράτορος (11 *a*)
— 14. τοῦ γνῶναι τὴν δόξαν κυρίου (11 *a*)
— 16. ἐκύκλωσεν ἐπὶ σὲ ποτήριον δεξιᾶς κυρίου (11 *a*)
— 20. ὁ δὲ κύριος ἐν ναῷ ἁγίῳ αὐτοῦ (11 *a*)
3. 2. κύριε, εἰσακήκοα τὴν ἀκοήν σου (11 *a*)
— 2. **S** κύριε [**A B** *om.*], κατενόησα τὰ ἔργα σου
— 8. μὴ ἐν ποταμοῖς ὠργίσθης, κύριε (11 *a*)
— 9. ἐνέτειναs τόξον . . . λέγει κύριος –
— 18. ἐγὼ δὲ ἐν [**A** ἐπὶ] τῷ κ. ἀγαλλιάσομαι (11 *a*)
— 19. κ. ὁ θ. δύναμίς μου (11 *b*)
Ze. 1. 1. λόγος κυρίου ὃς ἐγενήθη πρὸς Σοφ. (11 *a*)
— 2. ἐκλιπέτω . . . λέγει κύριος, ἐκλιπέτω ἄνθρωπος (11 *a*)
— 3. ἐξαρῶ τοὺς ἀνόμους . . . λέγει κύριος (11 *a*)
— 5. **BS** τοὺς ὀμνύοντας κατὰ τοῦ [**S**[1] τὰ τοῦ] κ. (11 *a*)
— 5. καὶ τοὺς ὀμνύοντας κατὰ τοῦ [**S**[2] *add.* κυρίου] βασιλέως –
— 6. καὶ τοὺς ἐκκλίνοντας ἀπὸ τοῦ κ. (11 *a*)
— 6. καὶ τοὺς μὴ ζητοῦντας [**A** ζητήσαντας] τὸν κ. (11 *a*)
— 6. καὶ τοὺς μὴ ἀντεχομένους τοῦ κ. †
— 7. εὐλαβεῖσθε ἀπὸ προσώπου κ. [**S**[1] τοῦ κ.] τοῦ θ. (2)
— 7. διότι ἐγγὺς ἡμέρα τοῦ κ. (11 *a*)
— 7. ὅτι ἡτοίμακε κύριος τὴν θυσίαν αὐτοῦ (11 *a*)
— 8. καὶ ἔσται ἐν ἡμέρᾳ θυσίας κυρίου (11 *a*)
— 9. τοὺς πληροῦντας τὸν οἶκον κυρίου θεοῦ [**S**[3] *om.*, **A** τοῦ θ.] αὐτῶν (18 *d* [1])
— 10. ἔσται ἐν τῇ ἡμ. ἐκ. λέγει κύριος (11 *a*)
— 12. οὐ μὴ ἀγαθοποιήσῃ κύριος (11 *a*)
— 14. ὅτι ἐγγὺς ἡμέρα κυρίου ἡ μεγάλη (11 *a*)
— 14. φωνὴ ἡμέρας κυρίου πικρὰ . . . τέτακται (11 *a*)
— 17. ὅτι τῷ κ. ἐξήμαρτον (11 *a*)
— 18. ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς κυρίου (11 *a*)
2. 2. πρὸ τοῦ ἐπελθεῖν ἐφ' ὑμᾶς ὀργὴν κυρίου [**S**[3] *om.* πρὸ . . . κ.] (11 *a*)
— 2. πρὸ τοῦ ἐπελθεῖν . . . ἡμέραν θυμοῦ κυρίου (11 *a*)
— 3. ζητήσατε τὸν κ. (11 *a*)
— 3. ὅπως σκεπασθῆτε ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς κυρίου (11 *a*)
— 5. λόγος κυρίου ἐφ' ὑμᾶς [**A** πρὸς ὑμᾶς] (11 *a*)

Ze. 2. 7. ὅτι ἐπέσκεπται αὐτοὺς κ. ὁ θ. αὐτῶν (11 *a*)
— 9. ζῶ ἐγὼ, λέγει κ. τῶν δυνάμεων (11 *a*)
— 10. ἐμεγαλύνθησαν ἐπὶ τὸν κ. τὸν παντοκράτορα (11 *a*)
— 11. ἐπιφανήσεται [A S¹ ἐπιφανὴς ἔσται] κύριος (11 *a*)
3. 2. ἐπὶ τῷ κ. οὐκ ἐπεποίθει (11 *a*)
— 5. ὁ δὲ κ. δίκαιος ἐν μέσῳ αὐτῆς (11 *a*)
— 8. διὰ τοῦτο ὑπόμεινόν με, λέγει κύριος (11 *a*)
— 9. τοῦ ἐπικαλεῖσθαι πάντας τὸ ὄνομα κυρίου (11 *a*)
— 12. εὐλαβηθήσονται ἀπὸ τοῦ ὀνόματος κυρίου [A τοῦ κ.] (11 *a*)
— 15. περιεῖλε κύριος τὰ ἀδικήματά σου (11 *a*)
— 15. βασιλεὺς Ἰσραὴλ [A S² βασιλεύσει ὁ] κύριος (11 *a*)
— 16. ἐν τῷ καιρῷ ἐκείνῳ ἐρεῖ κύριος τῇ Ἱερ. –
— 17. κ. ὁ θ. σου ἐν σοί (11 *a*)
— 19. ἐγὼ ποιῶ ἐν σοὶ ἕνεκέν σου . . . λέγει κύριος –
— 20. ἐν τῷ ἐπιστρέφειν με τὴν αἰχμαλωσίαν . . . λέγει κύριος (11 *a*)
Hg. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν χειρὶ Ἀγγαίου (11 *a*)
— 2. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 2. τοῦ οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 3. ἐγένετο λόγος κυρίου ἐν χειρὶ Ἀγγαίου (11 *a*)
— 5. νῦν τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 6. A διότι τάδε λέγει κ. παντοκρ. –
— 7. τάδε λέγει κ. παντοκράτωρ (11 *a*)
— 8. καὶ ἐνδοξασθήσομαι, εἶπε κύριος (11 *a*)
— 9. τάδε λέγει κ. παντοκράτωρ (11 *a*)
— 12. ἤκουσε Ζορ. . . . τῆς φωνῆς κ. τοῦ θ. αὐ. (11 *a*)
— 12. καθότι ἐξαπέστειλεν αὐτὸν κ. ὁ θ. αὐ. (11 *a*)
— 12. ἐφοβήθη ὁ λαὸς ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 *a*)
— 13. καὶ εἶπεν Ἀγγαῖος ἄγγελος κυρίου ἐν ἀγγέλοις [A *om.* κ. ἐν ἀγγ.] κυρίου τῷ λαῷ, Ἐγώ εἰμι μεθ' ὑμῶν, λέγει κύριος [S *al.*] (11 *a ter*)
— 14. ἐξήγειρε κύριος τὸ πνεῦμα Ζοροβάβελ (11 *a*)
— 14. ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου παντοκράτορος θεοῦ (11 *a*)
2. 2 (1). ἐλάλησε κύριος ἐν χειρὶ Ἀγγ. τοῦ προφήτου (11 *a*)
— 5 (4). καὶ νῦν κατίσχυε, Ζοροβ., λέγει κύριος (11 *a*)
— 5 (4). κατισχυέτω πᾶς ὁ λαὸς τῆς γῆς, λέγει κύριος (11 *a*)
— 5 (4). λέγει κύριος ὁ παντοκρ. (11 *a*)
— 7 (6). A R τάδε [B S *om.*] λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 8 (7), 9 (8), 10 (9) *bis.* λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 11 (10). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἀγγ. τὸν προφήτην (11 *a*)
— 12 (11). τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 15 (14). ἐνώπιον ἐμοῦ, λέγει κύριος (11 *a*)
— 16 (15). πρὸ [A *om.*] τοῦ θεῖναι λίθον . . . ἐν τῷ ναῷ κυρίου (11 *a*)
— 18 (17). οὐκ ἐπεστρέψατε πρὸς μέ, λέγει κύριος (11 *a*)
— 19 (18). τεθεμελίωται ὁ ναὸς κυρίου (11 *a*)
— 21 (20). ἐγένετο λόγος κυρίου ἐκ δευτέρου πρὸς Ἀγ. (11 *a*)
— 24 (23). λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 24 (23). λήψομαί σε Ζ. . . . λέγει κύριος (11 *a*)
— 24 (23). λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
Za. 1. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ζαχαρίαν (11 *a*)
— 2. ὠργίσθη κύριος ἐπὶ τοὺς πατέρας ὑμῶν (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 3. λέγει κ. τῶν δυνάμ. [S¹ κ. παντοκρ.] (11 *a*)
— 3. λέγει κ. τῶν δυνάμ. [A κ. παντοκράτ.] (11 *a*)
— 4. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 4. τοῦ εἰσακοῦσαί μου, λέγει κύριος (11 *a*)
— 6. καθὼς παρατέτακται κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 7. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ζαχαρίαν (11 *a*)
— 9. καὶ εἶπα, Τί οὗτοι, κύριε (1)
— 10. οὗτοί εἰσιν οὓς ἐξαπέστειλε κύριος (11 *a*)
— 11. καὶ ἀπεκρίθησαν τῷ ἀγγέλῳ κυρίου (11 *a*)
— 12. καὶ ἀπεκρίθη ὁ ἄγγελος κυρίου (11 *a*)
— 12. καὶ εἶπε, Κύριε παντοκράτωρ (11 *a*)
— 13. ἀπεκρίθη κύριος παντοκράτωρ τῷ ἀγγέλῳ (11 *a*)
— 14. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 16. τάδε λέγει κύριος [A κ. παντοκράτωρ] (11 *a*)
— 16. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 17. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 17. ἐλεήσει κύριος ἔτι τὴν Σ. (11 *a*)
— 17. A αἱρετιεῖ κύριος [B S *om.*] τὴν Ἰ. –
Za. 1. 19 (2. 2). τί ἐστι ταῦτα, κύριε –
— 20 (2. 3). καὶ ἔδειξέ μοι κύριος τέσσαρας τέκτονας (11 *a*)
— 21 (2. 4). τὰ ἐπαιρόμενα κέρας ἐπὶ τὴν γῆν κυρίου †
2. 5 (9). ἐγὼ ἔσομαι αὐτῇ, λέγει [A φησὶν] κύριος (11 *a*)
— 6 (10). φεύγετε ἀπὸ γῆς βορρᾶ, λέγει κύριος (11 *a*)
— 6 (10). συνάξω ὑμᾶς, λέγει κύριος (11 *a*)
— 8 (12). διότι τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 9 (13). κύριος παντοκράτωρ ἀπέσταλκέ με (11 *a*)
— 10 (14). κατασκηνώσω ἐν μέσῳ σου, λέγει κύριος (11 *a*)
— 11 (15). καταφεύξονται ἔθνη πολλὰ ἐπὶ τὸν κ. (11 *a*)
— 11 (15). κύριος παντοκρ. ἐξαπέσταλκέ [A ἀπέσταλκέν] με (11 *a*)
— 12 (16). κατακληρονομήσει κύριος τὸν Ἰ. (11 *a*)
— 13 (17). εὐλαβείσθω πᾶσα σὰρξ ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 *a*)
3. 1. καὶ ἔδειξέ μοι κύριος τὸν Ἰ. τὸν ἱερέα . . . ἑστῶτα πρὸ προσώπου ἀγγέλου κυρίου (–, 11 *a*)
— 2. καὶ εἶπε κύριος πρὸς τὸν διάβολον (11 *a*)
— 3 (2) *bis.* ἐπιτιμήσαι κύριος ἐν σοί (11 *a*)
— 6 (5). καὶ ὁ ἄγγελος κυρίου εἱστήκει (11 *a*)
— 7 (6). διεμαρτύρατο ὁ ἄγγελος κυρίου πρὸς Ἰ. (11 *a*)
— 8 (7). τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 10 (9), 11 (10). λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
4. 4. τί ἐστι ταῦτα, κύριε (1)
— 5. A B S² καὶ εἶπα, Οὐχὶ, κύριε (1)
— 6. οὗτος ὁ λόγος κυρίου πρὸς Ζοροβάβελ (11 *a*)
— 6. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 8. καὶ ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 9. διότι κύριος παντοκράτωρ ἐξαπέσταλκέ με (11 *a*)
— 10. A S ἑπτὰ οὗτοι ὀφθαλμοί εἰσιν κυρίου [B *om.*] (11 *a*)
— 13. καὶ εἶπα, Οὐχὶ, κύριε (1)
— 14. παρεστήκασι κυρίῳ [A τῷ κ.] πάσης τῆς γῆς (1)
5. 2. S εἶπε κύριος [A B *om.*] πρὸς μέ –
— 4. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
6. 4. τί ἐστι ταῦτα, κύριε (1)
— 5. παραστῆναι τῷ κ. πάσης τῆς γῆς (1)
— 9. καὶ ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 12. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 12. καὶ οἰκοδομήσει τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 14. εἰς ψαλμὸν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 15. καὶ οἰκοδομήσουσιν ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 15. κύριος παντοκράτωρ ἀπέσταλκέ με (11 *a*)
— 15. ἐὰν . . . εἰσακούσητε τῆς φωνῆς κ. τοῦ θ. ὑμῶν (11 *a*)
7. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ζαχαρίαν (11 *a*)
— 2. ἐξιλάσασθαι τὸν κ. (11 *a*)
— 3. ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου παντοκράτορος (11 *a*)
— 4. ἐγένετο λόγος κυρίου τῶν δυνάμεων πρὸς μέ (11 *a*)
— 7. ἐλάλησε κύριος ἐν χερσὶ τῶν προφητῶν (11 *a*)
— 8. καὶ ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ζαχαρίαν (11 *a*)
— 9. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 12. οὓς ἐξαπέστειλε κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 12. ἐγένετο ὀργὴ . . . παρὰ κυρίου παντοκράτορος (11 *a*)
— 13. οὐ μὴ εἰσακούσω, λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
8. 1. καὶ ἐγένετο λόγος κυρίου παντοκράτορος (11 *a*)
— 2. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κύριος [S³ *add.* παντοκράτωρ] (11 *a*)
— 3. κληθήσεται . . . τὸ ὄρος κυρίου παντοκράτορος ὄρος ἅγιον (11 *a*)
— 4, 6. τάδε λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 6. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 7, 9. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 9. τεθεμελίωται ὁ οἶκ. κυρίου παντοκράτορος (11 *a*)
— 11. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 14. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 14, 17. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 18. ἐγένετο λόγος κυρίου παντοκράτορος πρὸς μέ (11 *a*)
— 19. A S² R τάδε [B S¹ *om.*] λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 20. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 21. δεηθῆναι τοῦ προσώπου κυρίου (11 *a*)
— 21. ἐκζητῆσαι τὸ πρόσωπον κυρίου παντοκράτορος (11 *a*)
Za. 8. 22. ἐκζητῆσαι τὸ πρύσωπ. κυρίου παντοκράτορος [S¹ *om.*] (11 *a*)
— 22. ἐξιλάσασθαι τὸ πρύσωπον κυρίου (11 *a*)
— 23. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
9. 1. λῆμμα λόγου κυρίου ἐν γῇ Σεδράχ (11 *a*)
— 1. διότι κύριος ἐφορᾷ ἀνθρώπους (11 *a*)
— 4. διὰ τοῦτο κύριος κληρονομήσει αὐτούς [A S² αὐτήν] (2)
— 14. καὶ κύριος ἔσται ἐπ' αὐτούς (11 *a*)
— 14. κύριος παντοκράτωρ ἐν σάλπιγγι σαλπιεῖ (2)
— 15. κύριος παντοκράτωρ ὑπερασπιεῖ αὐτούς (11 *a*)
— 16. σώσει αὐτοὺς κ. ὁ θ. αὐτῶν [A *om.* ὁ θ. αὐ.] (11 *a* [11 *a* + 6])
10. 1. αἰτεῖσθε παρὰ κυρίου ὑετόν (11 *a*)
— 1. κύριος ἐποίησε φαντασίας (11 *a*)
— 3. ἐπισκέψεται κ. ὁ θ. ὁ παντοκρ. τὸ ποίμνιον (18 *a*)
— 5. διότι κύριος [A κ. παντοκράτωρ] μετ' αὐτῶν (11 *a*)
— 6. διότι ἐγὼ κ. ὁ θ. αὐτῶν (11 *a*)
— 7. καὶ χαρεῖται ἡ καρδία αὐτῶν ἐπὶ τῷ κ. (11 *a*)
— 12. καὶ κατισχύσω αὐτοὺς ἐν κυρίῳ θεῷ αὐτῶν (18 *a*)
— 12. ἐν τῷ ὀνόμ. αὐ. κατακαυχήσονται, λέγει κύριος (11 *a*)
11. 4. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 5. εὐλογητὸς κύριος (11 *a*)
— 6. οὐ φείσομαι . . . λέγει κύριος [A κ. παντοκράτωρ] (11 *a*)
— 11. διότι λόγος κυρίου [A¹ *om.*] ἐστί (11 *a*)
— 13. καὶ εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 *a*)
— 13. καὶ ἐνέβαλον αὐτοὺς εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 15. εἶπε κύριος πρὸς μέ (11 *a*)
12. 1. λῆμμα λόγου κυρίου ἐπὶ τὸν Ἰσ., λέγει κύριος (11 *a*, 11 *a*)
— 4. ἐν τῇ ἡμ. ἐκείνῃ, λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 5. τοὺς κατοικοῦντας Ἰ. ἐν κυρίῳ παντοκρ. θεῷ (11 *a*)
— 7. καὶ σώσει κύριος τὰ σκηνώματα Ἰούδα (11 *a*)
— 8. ὑπερασπιεῖ κύριος ὑπὲρ τῶν κατοικούντων (11 *a*)
— 8. ὡς ἄγγελος κυρίου ἐνώπιον αὐτῶν (11 *a*)
13. 2. ἐν τῇ ἡμ. ἐκείνῃ, λέγει κύριος σαβαώθ [A *om.*] (11 *a* [11 *c*])
— 3. ψευδῆ ἐλάλησας ἐπ' [A ἐν] ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 7. λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 8. ἔσται ἐν πάσῃ τῇ γῇ [A ἐν τῇ ἡμ. ἐκ.], λέγει κύριος (11 *a*)
— 9. καὶ αὐτὸς ἐρεῖ, Κ. ὁ θ. μου (11 *a*)
14. 1. ἰδοὺ ἡμέραι ἔρχονται τοῦ κ. (11 *a*)
— 3. καὶ ἐξελεύσεται κύριος (11 *a*)
— 5. ἥξει κ. ὁ θ. μου (11 *a*)
— 7. καὶ ἡ ἡμέρα ἐκείνη γνωστὴ τῷ κ. (11 *a*)
— 9. ἔσται κύριος εἰς βασιλέα (11 *a*)
— 9. ἐν τῇ ἡμέρα ἐκείνῃ ἔσται κύριος εἷς (11 *a*)
— 12. A B S² ἣν κόψει κύριος πάντας τοὺς λαούς (11 *a*)
— 13. ἔσται ἐν τῇ ἡμ. ἐκ. ἔκστασις κυρίου μεγάλη (11 *a*)
— 16, 17. τοῦ προσκυνῆσαι τῷ βασιλεῖ κ. παντοκράτορι (11 *a*)
— 18. ἣν πατάξει κύριος πάντα τὰ ἔθνη (11 *a*)
— 20. ἔσται τὸ ἐπὶ τὸν χαλινὸν τοῦ ἵππου ἅγιον τῷ κ. παντοκρ. (11 *a*)
— 20. ἔσονται οἱ λέβητες ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 21. ἅγιος [A ἅγιον] τῷ κ. παντοκρ. (11 *a*)
— 21. οὐκ ἔσται Χαν. ἔτι ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου παντοκρ. (11 *a*)
Ma. 1. 1. λῆμμα λόγου κυρίου ἐπὶ τὸν Ἰσραήλ (11 *a*)
— 2. ἠγάπησα ὑμᾶς, λέγει κύριος (11 *a*)
— 2. οὐκ ἀδελφὸς ἦν Ἠ. τοῦ Ἰ., λέγει κύριος (11 *a*)
— 2. S λέγει κύριος –
— 4. τάδε λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 4. ἐφ' ὃν παρατέτακται κύριος ἕως αἰῶνος (11 *a*)
— 5. ἐμεγαλύνθη κύριος ὑπεράνω τῶν ὁρίων τοῦ Ἰ. (11 *a*)
— 6. καὶ δοῦλος τὸν κ. αὐτοῦ (1)
— 6. εἰ κύριός εἰμι ἐγώ (1)
— 6. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 7. τράπεζα κυρίου ἠλισγημένη [S ἐξουδενωμένη] ἐστί (11 *a*)
— 8, 9, 10, 11. λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 12. τράπεζα κυρίου ἠλισγημένη ἐστί (11 *a*)
— 13 *bis.* λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 14. καὶ θύει διεφθαρμένον τῷ κυρίῳ (2)

Ma. 1. 14 : 2. 2. λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
2. 4. **A** ἐγὼ κύριος [**B S** *om.*] ἐξαπέσταλκα –
— 4. λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
— 7. διότι ἄγγελος κυρίου παντοκράτορός ἐστιν (11 *a*)
— 8. λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 11. ἐβεβήλωσεν Ἰ. τὰ ἅγια κυρίου (11 *a*)
— 12. ἐξολεθρεύσει κύριος τὸν ἄνθρωπον (11 *a*)
— 12. ἐκ προσαγόντων θυσίαν τῷ κ. παντοκράτορι (11 *a*)
— 13. ἐκαλύπτετε δάκρυσι τὸ θυσιαστήριον κυρίου (11 *a*)
— 14. ὅτι [**A** ὁ] κύριος διεμαρτύρατο ἀνὰ μέσον σου (11 *a*)
— 16. λέγει κ. ὁ θ. τοῦ [**A** θ. ὁ παντοκράτωρ θ.] Ἰσ. (11 *a*)
— 16. λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 17. πᾶς ποιῶν πονηρὸν καλὸν ἐνώπιον κυρίου (11 *a*)
3. 1. ἐξαίφνης ἥξει εἰς τὸν ναὸν ἑαυτοῦ κύριος (1)
— 1. ἰδοὺ ἔρχεται, λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 3. ἔσονται τῷ κ. προσάγοντες θυσίαν (11 *a*)
— 4. καὶ ἀρέσει τῷ κ. θυσία Ἰ. καὶ Ἱερ. (11 *a*)
— 5. λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 6. διότι ἐγὼ κ. ὁ θ. ὑμῶν (18 *a*)
— 7, 10, 11, 12. λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 13. ἐβαρύνατε . . . τοὺς λόγους ὑμῶν, λέγει κύριος (11 *a*)
— 14. ἱκέται πρὸ προσώπου κυρίου παντοκράτορος (11 *a*)
— 16. κατελάλησαν [**A** ἐλάλησαν] οἱ φοβούμ. τὸν κ. [S^1 *al.*] (11 *a*)
— 16. καὶ προσέσχε κύριος (11 *a*)
— 16. ἔγραψε βιβλίον . . . τοῖς φοβουμένοις τὸν κ. (11 *a*)
— 17. ἔσονταί μοι, λέγει κύριος παντοκράτωρ (11 *a*)
4. 1 (3. 19). **A** ἰδοὺ ἡμέρα κυρίου [**B S** *om.*] ἔρχεται καιομένη –
— 1 (3. 19), 3 (3. 21). λέγει κύριος παντοκρ. (11 *a*)
— 5 (3. 23). πρὶν ἐλθεῖν ἡμέραν κυρίου τὴν μεγάλην (11 *a*)
Is. 1. 2. κ. ἐλάλησεν (11 *a*)
— 3. καὶ ὄνος τὴν φάτνην τοῦ κ. αὐτοῦ (7)
— 4. ἐγκατελίπατε τὸν κ. (11 *a*)
— 9. εἰ μὴ κ. σαβαὼθ ἐγκατέλιπεν ἡμῖν σπέρμα (11 *a*)
— 10. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 11. τί μοι πλῆθος τῶν θυσιῶν ὑμῶν, λέγει κ. (11 *a*)
— 18. διελεγχθῶμεν, λέγει κ. (11 *a*)
— 20. τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (11 *a*)
— 24. τάδε λέγει κ. ὁ δεσπότης σαβαώθ (1)
— 28. οἱ ἐγκαταλιπόντες τὸν κ. συντελεσθήσονται (11 *a*)
2. 1. **A S** ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου [**B** *om. π.* κ.] †
— 2. ἔσται . . . ἐμφανὲς τὸ ὄρος κυρίου [**A** τοῦ κ.] (11 *a*)
— 3. ἀναβῶμεν εἰς τὸ ὄρος κυρίου [**A** τοῦ κ.] . . . καὶ λόγος κυρίου ἐξ Ἱερουσαλήμ (11 *a*, 11 *a*)
— 5. πορευθῶμεν τῷ φωτὶ κυρίου (11 *a*)
— 10. ἀπὸ προσώπου τοῦ φόβου κυρίου (11 *a*)
— 11. οἱ γὰρ ὀφθαλμοὶ κυρίου ὑψηλοί . . . ὑψωθήσεται κ. μόνος (–, 11 *a*)
— 12. ἡμέρα γὰρ κυρίου σαβαὼθ ἐπὶ πάντα ὑβριστήν (11 *a*)
— 17. ὑψωθήσεται κ. μόνος (11 *a*)
— 19, 21. ἀπὸ προσώπου τοῦ φόβου κυρίου (11 *a*)
3. 1. κ. σαβαὼθ ἀφελεῖ . . . ἰσχύοντα (11 *a*)
— 8. τὰ πρὸς κύριον ἀπειθοῦντες (11 *a*)
— 13. καταστήσεται εἰς κρίσιν κ. (11 *a*)
— 14. αὐτὸς κ. εἰς κρίσιν ἥξει (11 *a*)
— 16. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 17. κ. ἀνακαλύψει [**A** ἀποκ.] τὸ σχῆμα αὐτῶν (11 *a*)
— 18. ἀφελεῖ κ. τὴν δόξαν τοῦ ἱματισμοῦ αὐτῶν (2)
4. 4. ἐκπλυνεῖ κ. τὸν ῥύπον τῶν υἱῶν (2)
— 5. **A** πάσῃ τῇ δόξῃ κυρίου [**B S** *om.*] σκεπασθήσεται –
5. 7. ὁ γὰρ ἀμπελὼν κυρίου σαβαὼθ οἶκος τοῦ Ἰσραήλ (11 *a*)
— 9. ἠκούσθη γὰρ εἰς τὰ ὦτα κυρίου σαβαὼθ ταῦτα (11 *a*)
— 12. τὰ δὲ ἔργα κυρίου [S^1 *θεοῦ*, S^3 τοῦ κ.] οὐκ ἐμβλέπουσι (11 *a*)
— 13. διὰ τὸ μὴ εἰδέναι αὐτοὺς τὸν κ. –
— 16. ὑψωθήσεται κ. σαβαὼθ ἐν κρίματι (11 *a*)
— 24. οὐ γὰρ ἠθέλησαν τὸν νόμον κυρίου σαβ. (11 *a*)
Is. 5. 25. ἐθυμώθη ὀργῇ [**S** ὠργίσθη θυμῷ] κ. σαβαὼθ (11 *a*)
6. 1. εἶδον τὸν κ. καθήμενον (2)
— 3. ἅγιος ἅγιος ἅγιος κ. σαβαὼθ (11 *a*)
— 5. τὸν βασιλέα κ. σαβαὼθ εἶδον (11 *a*)
— 8. ἤκουσα τῆς φωνῆς κυρίου (2)
— 11. ἕως πότε, κύριε (2)
7. 3. εἶπε κ. πρὸς Ἡσαΐαν (11 *a*)
— 7. τάδε λέγει κ. σαβαώθ (2)
— 10. προσέθετο κ. λαλῆσαι τῷ Ἄχαζ (11 *a*)
— 11. αἴτησαι σεαυτῷ σημεῖον παρὰ κυρίου θεοῦ σου (11 *a*)
— 12. οὐδὲ μὴ πειράσω κύριον (11 *a*)
— 13. πῶς κυρίῳ παρέχετε ἀγῶνα (6)
— 14. **B S** δώσει κ. αὐτὸς [A^2 -οῖς] ὑμῖν σημεῖον (2)
— 18. συριεῖ κ. μυίαις (11 *a*)
— 20. ξυρήσει κ. ἐν [**A S** *om.*] τῷ ξυρῷ (2)
8. 1. εἶπε κ. πρὸς μέ, Λάβε σεαυτῷ τόμον (11 *a*)
— 3. εἶπε κ. μοι, Κάλεσον τὸ ὄνομα αὐτοῦ (11 *a*)
— 5. προσέθετο κ. λαλῆσαί μοι ἔτι (11 *a*)
— 7. κ. ἀνάγει ἐφ' ὑμᾶς τὸ ὕδωρ τοῦ ποταμοῦ (2)
— 10. διασκεδάσει κ. –
— 11. οὕτω λέγει κ. (11 *a*)
— 13. κύριον αὐτὸν ἁγιάσατε (11 *c*)
— 18. τέρατα ἐν τῷ οἴκῳ [**A** *om.*] Ἰσραὴλ παρὰ κυρίου σαβαώθ (11 *a*)
9. 4 (3). **A S** τὴν γὰρ ῥάβδον . . . διεσκέδασεν κύριος [**B** *om.*] –
— 7 (6). ὁ ζῆλος κυρίου σαβαὼθ ποιήσει ταῦτα (11 *a*)
— 8 (7). θάνατον [S^1 λόγον] ἀπέστειλε κ. ἐπὶ Ἰακώβ (2)
— 13 (12). τὸν κ. οὐκ ἐζήτησαν [**A** S^3 ἐξεζ.] (11 *c*)
— 14 (13). ἀφελῶ κ. ἀπὸ Ἰσραὴλ κεφαλὴν καὶ οὐράν (11 *a*)
— 17 (16). οὐκ εὐφρανθήσεται ὁ κ. [**A S** θεός] (2)
— 19 (18). διὰ θυμὸν ὀργῆς κυρίου (11 *c*)
10. 12. ὅταν συντελέσῃ κ. πάντα ποιῶν (2)
— 12. **S** ἐπάξει κύριος ἐπὶ τὸν νοῦν [**A B** *al.*] –
— 16. ἀποστελεῖ κ. σαβαὼθ εἰς τὴν σὴν τιμὴν ἀτιμίαν (1 + 2)
— 23. λόγον συντετμημένον ποιήσει κ. [**A S** ὁ θεός] (2 + 11 *c*)
— 24. τάδε λέγει κ. [S^1 *add.* ὁ θεὸς, S^4 *add.* κύριος] σαβαώθ (2 + 11 *b* [2])
— 33. ὁ δεσπότης κ. σαβαὼθ συνταράσσει τοὺς ἐνδόξους (11 *a*)
11. 9. ἐνεπλήσθη ἡ σύμπασα τοῦ γνῶναι τὸν κ. (11 *a*)
— 11. προσθήσει ὁ [**A S** *om.*] κ. τοῦ δεῖξαι τὴν χεῖρα αὐτοῦ (2)
— 15. ἐρημώσει κ. τὴν θάλασσαν Αἰγύπτου (11 *a*)
12. 1. εὐλογῶ [A^3 -γήσω] σε, κύριε (11 *a*)
— 2. **S** σωτήρ μου κύριος [**A B** *om.*] –
— 2. ἡ δόξα μου καὶ ἡ αἴνεσίς μου κ. (10 + 11 *a*)
— 4. ὑμνεῖτε κύριον (11 *a*)
— 5. ὑμνήσατε τὸ ὄνομα κυρίου (24)
13. 4. κ. σαβαὼθ ἐντέταλται ἔθνει ὁπλομάχῳ (11 *a*)
— 5. κ. καὶ οἱ ὁπλομάχοι αὐτοῦ (11 *a*)
— 6. ἐγγὺς γὰρ ἡμέρα κυρίου (11 *a*)
— 9. ἰδοὺ γὰρ ἡμέρα κυρίου ἔρχεται (11 *a*)
— 13. διὰ θυμὸν ὀργῆς κυρίου σαβαώθ (11 *a*)
14. 1. ἐλεήσει κ. τὸν Ἰακώβ (11 *a*)
— 3. ἀναπαύσει σε κ. [AS^1 κ. ὁ θεὸς] ἀπὸ [AS^2 ἐκ] τῆς ὀδύνης (11 *a* [18 *a*])
— 5. συνέτριψε κ. [**AS** ὁ θεὸς] τὸν ζυγὸν τῶν ἁμαρτωλῶν (11 *a*)
— 22. λέγει κ. σαβαὼθ . . . τάδε λέγει κ. [**S** *add.* σαβ.] (11 *a*, 11 *a*)
— 24. τάδε λέγει κ. σαβαώθ (11 *a*)
— 26. ἣν βεβούλευται κ. –
— 32. κ. ἐθεμελίωσε Σιών (11 *a*)
16. 13. τοῦτο τὸ ῥῆμα ὃ ἐλάλησε κ. (11 *a*)
17. 3. τάδε λέγει κ. σαβαώθ (11 *a*)
— 6. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
— 10. κυρίου τοῦ βοηθοῦ σου οὐκ ἐμνήσθης (13)
18. 4. οὕτως εἶπε κ. μοι (11 *a*)
— 7. ἀνενεχθήσεται δῶρα κυρίῳ σαβαὼθ . . . εἰς τὸν τόπον οὗ τὸ ὄνομα κυρίου σαβαώθ (11 *a*, 11 *a*)
19. 1. κ. κάθηται ἐπὶ νεφέλης κούφης (11 *a*)
— 4. παραδώσω Αἴγυπτον εἰς χεῖρας ἀνθρώπων κυρίων σκληρῶν . . . τάδε λέγει κ. σαβαώθ (1, 1 + 11 *a*)
— 12. τί βεβούλευται κ. σαβαὼθ ἐπ' Αἴγυπτον (11 *a*)
— 14. κ. γὰρ ἐκέρασεν αὐτοῖς πνεῦμα πλανήσεως (11 *a*)
Is. 19. 16. ἐν τρόμῳ ἀπὸ προσώπου τῆς χειρὸς κυρίου σαβ. (11 *a*)
— 17. φοβηθήσονται διὰ τὴν βουλὴν [**A** *add.* κυρίου σαβαὼθ] ἣν βεβούλευται κ. ἐπ' αὐτήν [S^1 -ούς] (11 *a*, †)
— 18. ὀμνύντες [**A** S^3 -ύουσαι] τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 19. ἔσται θυσιαστήριον τῷ κ. ἐν χώρᾳ Αἰγυπτίων καὶ στήλη πρὸς τὸ ὅριον αὐτῆς τῷ κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 20. ἔσται εἰς σημεῖον εἰς τὸν αἰῶνα κυρίῳ [S^1-ος] ἐν χώρᾳ Αἰγύπτου ὅτι κεκράξονται πρὸς κύριον [S^1 *om. πρ.* κ.] (11 *c*, 11 *a*)
— 20. **A S** ἀποστελεῖ αὐτοῖς κύριος [**B** *om.*] ἄνθρωπον –
— 21. γνωστὸς ἔσται κ. τοῖς Αἰγυπτίοις καὶ γνώσονται οἱ Αἰγύπτιοι τὸν κ. . . . καὶ εὔξονται εὐχὰς τῷ κ. (11 *a ter*)
— 22. πατάξει κ. τοὺς Αἰγυπτίους πληγῇ [**AS** *add.* μεγάλῃ] . . . καὶ ἐπιστραφήσονται πρὸς κύριον (11 *a*, 11 *a*)
— 25. ἣν [**A** ᾗ] εὐλόγησε κ. σαβαώθ (11 *a*)
20. 2. ἐλάλησε κ. πρὸς Ἡσαΐαν (11 *a*)
— 3. εἶπε κ. (11 *a*)
21. 6. οὕτως εἶπε πρός μὲ κ. (2)
— 8. εἰς τὴν σκοπιάν· κύριος [**A S** -ίου· καὶ] εἶπεν (2)
— 10. ἃ ἤκουσα παρὰ κυρίου σαβαώθ (11 *a*)
— 16. οὕτως εἶπέ μοι κ. (2)
— 17. κ. [**A S** *om.*] ὁ θεὸς Ἰσραὴλ ἐλάλησε (11 *a*)
22. 5. πλάνησις [S^1 *om.*, S^2 -σεως] παρὰ κυρίου σαβαώθ (2 + 11 *b*)
— 12. ἐκάλεσε κ. [**A S** *om.*] κ. σαβαὼθ . . . κλαυθμόν (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 14. ἀνακεκαλυμμένα ταῦτά ἐστιν ἐν τοῖς ὠσὶ κυρίου σαβαώθ (11 *a*)
— 14. S^2 εἶπεν κύριος (2 + 11 *c*)
— 15. τάδε λέγει κ. σαβαώθ (2 + 11 *b*)
— 17. κ. σαβαὼθ ἐκβάλλει καὶ ἐκτρίψει ἄνδρα (11 *a*)
— 25. τάδε λέγει κ. σαβαὼθ . . . ὅτι κ. ἐλάλησε (11 *a*, 11 *a*)
23. 9. κ. σαβαὼθ ἐβουλεύσατο (11 *a*)
— 11. κ. σαβαὼθ ἐνετείλατο περὶ Χαναάν (11 *a*)
— 18. ἔσται αὐτῆς ἡ ἐμπορία . . . ἅγιον κυρίῳ [**A** S^1 τῷ κ.] (11 *a*)
— 18. ἀλλὰ τοῖς κατοικοῦσιν ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 18. εἰς συμβολὴν μνημόσυνον ἔναντι κυρίου [A^1 *om.* ἔ. κ.] –
24. 1. κ. καταφθείρει τὴν οἰκουμένην (11 *a*)
— 2. ὁ παῖς ὡς ὁ κ. (1)
— 3. τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (19)
— 5. **A** ἤλλαξαν τὰ προστάγματα κυρίου [**BS** *om.*] –
— 14. εὐφρανθήσονται ἅμα τῇ δόξῃ κυρίου (11 *a*)
— 15. ἡ δόξα κυρίου ἐν ταῖς νήσοις ἔσται τῆς θαλάσσης, τὸ ὄνομα κυρίου ἔνδοξον ἔσται (11 *a*, 11 *a* ?)
— 16 (15). κύριε ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
— 23. **A S** βασιλεύσει κ. ἐν [**B** ἐκ] Σιών (11 *c*)
25. 1. **A S** κύριε ὁ θεὸς . . . γένοιτο, κύριε [**B** *om.*] . (11 *a*, –)
— 6. ποιήσει κ. σαβαὼθ πᾶσι τοῖς ἔθνεσιν (11 *a*)
— 8. ἀφείλε κ. [**A** *om.*] ὁ θεὸς πᾶν δάκρυον . . . τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε (2, 19)
— 9. **S** ἰδοὺ κ. [**A B** *om.*] ὁ θεὸς ἡμῶν (18 *b*)
— 9. **B** οὗτος κ. ὑπεμείναμεν αὐτῷ (11 *a*)
26. 4. ἐπὶ σοὶ ἐλπίδι [**AS** *om.*] ἤλπισαν, κύριε (11 *a*)
— 8. ἡ γὰρ ὁδὸς κυρίου κρίσις (11 *a*)
— 10. ἵνα μὴ ἴδῃ τὴν δόξαν κυρίου (11 *a*)
— 11. κύριε, ὑψηλός σου ὁ βραχίων (11 *a*)
— 12. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (18 *a*)
— 13. **A B**^{2} **S** κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (11 *a*)
— 13. κύριε, ἐκτὸς σοῦ ἄλλον οὐκ οἴδαμεν (1)
— 15. πρόσθες αὐτοῖς κακά, κύριε [S^1 -ος] (11 *a*)
— 16. κύριε, ἐν θλίψει ἐμνήσθην σου (11 *a*)
— 18 (17). διὰ τὸν φόβον σου, κύριε, ἐν γαστρὶ ἐλάβομεν (11 *a*)
— 20. ἕως ἂν παρέλθῃ ἡ ὀργὴ κυρίου –
— 21. κ. ἀπὸ τοῦ ἁγίου ἐπάγει τὴν ὀργήν (11 *a*)
27. 1. ἐπάξει ὁ θεὸς [S^1 κύριος] τὴν μάχαιραν (11 *a*)
— 4. ἐποίησε κ. [**A** S^3 *add.* ὁ θεὸς] πάντα ὅσα συνέταξε [S^1 *add.* κύριος] †, †
— 12. **A S** συμφράξει [**S** συνταρ.] κ. [**B** ὁ θεὸς] ἀπὸ τῆς διώρυγος (11 *a*)
— 13. προσκυνήσουσι τῷ κ. (11 *a*)
28. 2. σκληρὸν [S^1 *add.* παρὰ κυρίου] ὁ θυμὸς κυρίου (2, –)

Is. 28. 5. ἔσται κ. σαβαὼθ ὁ στέφανος τῆς ἐλπίδος (11 *a*)
— 13. τὸ λόγιον κυρίου [A S λ. κ. τοῦ θεοῦ] (11 *a* [18 *a*])
— 14. ἀκούσατε λόγον τοῦ κυρίου (11 *a*)
— 16. οὕτω λέγει κ. κ. [A S *om.*](2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 21. ὥσπερ ὄρος ἀσεβῶν ἀνιστήσεται κ. [A *om.*] (11 *a*)
— 22. συντετμημένα πράγματα ἤκουσα παρὰ κυρίου [S^1 τοῦ κ.] σαβαὼθ (2+11 *b*)
— 29. ταῦτα παρὰ κυρίου σαβιὼθ ἐξῆλθε (11 *a*)
29. 6. ἔσται ὡς στιγμὴ παραχρῆμα παρὰ κυρίου σαβαὼθ (11 *a*)
— 10. πεπότικεν ὑμᾶς κ. πνεύματι κατανύξεως (11 *a*)
— 13. εἶπε κ. (2)
— 15. οὐαὶ οἱ βαθέως βουλὴν ποιοῦντες καὶ οὐ διὰ κυρίου [B^1 *om.* κ. οὐ δ. κ.] (11 *a*)
— 19. ἀγαλλιάσονται πτωχοὶ διὰ κύριον (11 *a*)
— 22. τάδε λέγει κ. ἐπὶ τὸν οἶκον Ἰακώβ (11 *a*)
— 24. S μαθήσονται ὑπακούειν κυρίῳ [A B *om.*] –
30. 1. οὐαὶ τέκνα ἀποστάται [AS *add.* τάδε], λέγει κ. (11 *a*)
— 12. τάδε [AS^3 οὕτως] λέγει [AS *add.* κύριος] ὁ ἅγιος τοῦ Ἰσραήλ –
— 15. οὕτω λέγει κ. κ. [A S *om.*] ὁ ἅγιος τοῦ Ἰσραήλ (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 18. κριτὴς κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (18 *a* ?)
— 20. δώσει κ. ὑμῖν ἄρτον θλίψεως (2)
— 26. ὅταν ἰάσηται κ. τὸ σύντριμμα τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (11 *a*)
— 27. τὸ ὄνομα κυρίου ἔρχεται (11 *a*)
— 29. εἰσελθεῖν μετὰ αὐλοῦ εἰς τὸ ὄρος [A τὸν οἶκον] κυρίου [A S τοῦ κ.] (11 *a*)
— 30. ἀκουστὴν ποιήσει κ. [A S ὁ θεὸς] τὴν δόξαν (11 *a*)
— 31. διὰ γὰρ τῆς φωνῆς [A τὴν φ.] κυρίου (11 *a*)
— 33. ὁ θυμὸς κυρίου ὡς φάραγξ ὑπὸ θείου καιομένη (11 *a*)
31. 1. τὸν κ. οὐκ ἐζήτησαν [A S *al.*] (11 *a*)
— 3. ὁ δὲ κ. ἐπάξει τὴν χεῖρα αὐτοῦ (11 *a*)
— 4. οὕτως εἶπέ μοι κ. . . . οὕτως καταβήσεται κ. σαβαὼθ ἐπιστρατεῦσαι (11 *a*, 11 *a*)
— 5. οὕτως ὑπερασπιεῖ κ. σαβαὼθ [A *om.*] (11 *a*)
— 9. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
32. 6. λαλεῖν πρὸς κύριον πλάνησιν (11 *a*)
33. 2. κύριε, ἐλέησον ἡμᾶς (11 *a*)
— 6. ἐπιστήμη καὶ εὐσέβεια πρὸς τὸν κ. [S^1 θεόν] (11 *a*)
— 10. νῦν ἀναστήσομαι, λέγει κ. (11 *a*)
— 18. A ἡ ψυχὴ ὑμῶν μελετήσει φόβον κυρίου [B S *om.*] –
— 21. τὸ ὄνομα κυρίου μέγα ὑμῖν [A ἔστιν] (11 *a*)
— 22. οὐ παρελεύσεταί με κ. [A^2 *add.* πατὴρ κ.] κριτὴς ἡμῶν κ. ἄρχων ἡμῶν κ. βασιλεὺς ἡμῶν κ. οὗτος ἡμᾶς σώσει (–, 11 *a ter*, –)
34. 2. θυμὸς κυρίου ἐπὶ πάντα τὰ ἔθνη (11 *a*)
— 6. ἡ μάχαιρα τοῦ [A S *om.*] κ. ἐνεπλήσθη αἵματος . . . θυσία τῷ [A S *om.*] κ. ἐν Βοσόρ (11 *a*, 11 *a*)
— 8. ἡμέρα γὰρ κρίσεως κυρίου (11 *a*)
— 16. κ. αὐτοῖς ἐνετείλατο †
35. 2. ὁ λαός μου ὄψεται τὴν δόξαν κυρίου (11 *a*)
— 10. συνηγμένοι διὰ κύριον (11 *a*)
36. 7. ἐπὶ κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν πεποίθαμεν (11 *a*)
— 8. μίχθητε τῷ κ. μου τῷ βασ. Ἀσσυρίων (1)
— 10. μὴ ἄνευ κυρίου ἀνέβημεν (11 *a*)
— 10. B S κ. εἶπε πρὸς μέ (11 *a*)
— 12. μὴ πρὸς τὸν κ. ὑμῶν ἢ πρὸς ὑμᾶς ἀπέσταλκέ με ὁ κ. μου (1, 1)
37. 1. ἀνέβη εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 4. εἰσακούσαι κ. ὁ θεός σου [A *om.*] τοὺς λόγους Ῥαβσάκου . . . οὓς ἤκουσε κ. ὁ θεός σου καὶ δεηθήσῃ πρὸς κύριόν σου [S^1 τὸν θεόν σου, AS^3 *om.* κ. δ. πρ. κ. σ.] (11 *a*, 11 *a*, –)
— 6. οὕτως ἐρεῖτε πρὸς τὸν κ. ὑμῶν, Τάδε λέγει κ. (1, 11 *a*)
— 14. B S ἀνέβη εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 14. ἤνοιξεν αὐτὸ ἐναντίον κυρίου [S^1 τοῦ κ.] (11 *a*)
— 15. προσηύξατο Ἐζ. πρὸς κύριον [S τὸν κ.] (11 *a*)
— 16. κ. [A S κύριε] σαβαὼθ ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
— 17. B κλίνον κύριε τὸ οὖς σου (11 *a*)
— 17. εἰσάκουσον, κύριε, ἄνοιξον, κύριε, τοὺς ὀφθαλμούς σου [A S *om.* ἄν. κ. τ. ὀ. σ.], εἴσβλεψον, κύριε (–, 11 *a*, –)

Is. 37. 18. R κύριε [A B S *om.*], ἠρήμωσαν . . . τὴν οἰκουμένην ὅλην (11 *a*)
— 20. κύριε [A -ος] ὁ θεὸς ἡμῶν, σῶσον ἡμᾶς (11 *a*)
— 21. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
— 24. δι' ἀγγέλων ὠνείδισας κύριον (2)
— 30. τοῦτο δέ σοι τὸ σημεῖον [S^1 *add.* παρὰ κυρίου] –
— 32. ὁ ζῆλος κυρίου σαβαὼθ ποιήσει ταῦτα (11 *a*)
— 33. οὕτως λέγει κ. ἐπὶ βασιλέα Ἀσσυρίων (11 *a*)
— 34. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 36. ἐξῆλθεν ἄγγελος κυρίου (11 *a*)
38. 1. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 2. προσηύξατο πρὸς κύριον (11 *a*)
— 3. μνήσθητι, κύριε (11 *a*)
— 4. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἡσαΐαν (11 *a*)
— 5. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Δανίδ (11 *a*)
— 7. τοῦτο δέ σοι τὸ σημεῖον παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 14. τοῦ βλέπειν εἰς τὸ ὕψος τοῦ οὐρανοῦ πρὸς τὸν κ. (11 *a*)
— 16. κύριε, περὶ αὐτῆς γὰρ ἀνηγγέλη σοι (2)
— 20. A S κύριε [B θεέ] τῆς σωτηρίας μου (11 *a*)
— 22. εἰς τὸν οἶκον [AS^2 *add.* κυρίου] τοῦ θεοῦ (18 *a*)
39. 5. ἄκουσον τὸν λόγον κυρίου σαβαώθ (11 *a*)
— 6. A λέγει κ. –
— 7. εἶπε δὲ ὁ θεός [S^1 κύριος] (11 *a*)
— 8. ἀγαθὸς ὁ λόγος κυρίου (11 *a*)
40. 1. A λέγει κ. [B S ὁ θεός] (6)
— 2. ἐδέξατο ἐκ χειρὸς κυρίου διπλᾶ (11 *a*)
— 3. ἑτοιμάσατε τὴν ὁδὸν κυρίου (11 *a*)
— 5. ὀφθήσεται ἡ δόξα κυρίου . . . ὅτι κ. ἐλάλησε (11 *a*, 11 *a*)
— 10. ἰδοὺ κ. [A S^1 *om.*] κ. μετὰ ἰσχύος ἔρχεται (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 13. τίς ἔγνω νοῦν κυρίου (11 *a*)
— 18. τίνι ὡμοιώσατε κύριον (4 *a*)
41. 17. ἐγὼ κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 20. χεὶρ κυρίου ἐποίησε ταῦτα (11 *a*)
— 21. λέγει κ. ὁ θεός (18 *a*)
42. 5. οὕτω λέγει κ. ὁ θεός (4 *a*)
— 6. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ἐκάλεσά σε ἐν δικαιοσύνῃ (18 *a*)
— 8. ἐγὼ κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 10. ὑμνήσατε τῷ κ. [S^1 θεῷ] ὕμνον καινόν (11 *a*)
— 13. κ. ὁ θεὸς τῶν δυνάμεων ἐξελεύσεται (18 *a*)
— 21. κ. ὁ θεὸς ἐβουλεύσατο (18 *a*)
43. 1. οὕτως λέγει κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 3. ἐγὼ κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 10. λέγει κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 12. ἐγὼ [A *add.* μάρτυς, λέγει] κ. ὁ θεὸς ἔτι ἀπ' ἀρχῆς (18 *a*, 4 *a*)
— 14. οὕτως λέγει κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 15. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὁ ἅγιος ὑμῶν (18 *a*)
— 16. οὕτως λέγει κ. (11 *a*)
44. 2. οὕτω λέγει κύριος ὁ θεός (18 *a*)
— 14. ASR ἐκ τοῦ ὄρμου ὃ ἐφύτευσε κ. [B ὁ κ.] –
— 24. οὕτω λέγει κ. . . . Ἐγὼ κ. ὁ συντελῶν πάντα [A ταῦτα] (11 *a*, 11 *a*)
45. 1. οὕτω λέγει κ. ὁ θεὸς τῷ χριστῷ μου Κύρῳ (18 *a*)
— 3, 5. ἐγὼ κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 6. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς καὶ οὐκ ἔστιν ἔτι (18 *a*)
— 7. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὁ ποιῶν πάντα ταῦτα (18 *a*)
— 8. ἐγώ εἰμι κ. ὁ [S^1 ὁ θεὸς ὁ] κτίσας σε (11 *a* [18 *a*])
— 11. οὕτω λέγει κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 13. εἶπε κ. σαβαώθ (11 *a*)
— 14. οὕτω λέγει κ. σαβαώθ (11 *a*)
— 17. Ἰσραὴλ σώζεται ὑπὸ κυρίου σωτηρίαν αἰώνιον (11 *a*)
— 18. R οὕτως λέγει κ. ὁ ποιήσας τὸν οὐρανὸν . . . Ἐγώ εἰμι κ. [A B S *om.*] (11 *a*, 11 *a*)
— 19. ἐγώ εἰμι κ. ὁ [A *om.* κ. ὁ] λαλῶν δικαιοσύνην (11 *a*)
— 24 (23). ὁμεῖται πᾶσα γλῶσσα τὸν θεόν [S^1 κ., AS^3 *al.*] (11 *a* ?)
— 26 (25). ἀπὸ κυρίου δικαιωθήσονται (11 *a*)
47. 4. ὁ ῥυσάμενός σε κ. σαβαώθ (11 *a*)
48. 1. οἱ ὀμνύοντες τῷ ὀνόματι κυρίου θεοῦ Ἰσραήλ (11 *a*)
— 2. κ. σαβαὼθ ὄνομα αὐτῷ (11 *a*)
— 16. κ. [AS *om.*] κ. ἀπέστειλέ με (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 17. A^2 B S οὕτω λέγει κ. ὁ ῥυσάμενός σε (11 *a*)
— 20. ἐρρύσατο κ. τὸν δοῦλον [A λαὸν] αὐ. (11 *a*)
— 22. οὐκ ἔστι χαίρειν, λέγει κ., τοῖς ἀσεβέσιν (11 *a*)
49. 1. στήσεται, λέγει κ. (11 *a*)
— 4. ἡ κρίσις μου παρὰ κυρίῳ [A -ίου] (11 *a*)
— 5. οὕτω λέγει κ. ὁ πλάσας με . . . δοξασθήσομαι ἐναντίον κυρίου (11 *a*, 11 *a*)

Is. 49. 7. οὕτως λέγει κ. ὁ ῥυσάμενός σε . . . προσκυνήσουσιν αὐτῷ ἕνεκεν κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 8. οὕτως λέγει κ. (11 *a*)
— 14. ἐγκατέλιπέ με κ. καὶ ὅτι [A S ὁ] κ. [A^2 θεὸς] ἐπελάθετό μου (11 *a*, 2)
— 15. A B S^2 εἶπε κ. –
— 18. ζῶ ἐγὼ, λέγει κ. (11 *a*)
— 22. B^2 R οὕτως λέγει κ. [A B^1 S *om.*] κ. (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 23. γνώσῃ ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 25. οὕτω λέγει κ. (11 *a*)
— 26. ἐγὼ κ. [A *om.*] ὁ ῥυσάμενός σε (11 *a*)
50. 1. οὕτως λέγει κ. (11 *a*)
— 4. κ. [A S *om.*] κ. δίδωσί μοι γλῶσσαν παιδείας [A σοφίας] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 5. ἡ παιδεία κυρίου [A S^1 *om.*] κυρίου ἀνοίγει μου τὰ ὦτα (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 7. κ. κ. [A S^3 *om.*] βοηθός μοι [A S μου] ἐγενήθη (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 9. B^2 R ἰδοὺ κ. [A B^1 S *om.*] κ. βοηθήσει μοι (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 10. τίς ἐν ὑμῖν ὁ φοβούμενος τὸν κ. . . . πεποίθατε ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
51. 1. οἱ . . . ζητοῦντες τὸν κ. (11 *a*)
— 3. ὡς παράδεισον κυρίου [S^3 *om.* ως π. κ.] (11 *a*)
— 11. ὑπὸ γὰρ κυρίου ἀποστραφήσονται (11 *a*)
— 15. κ. σαβαὼθ ὄνομά μοι (11 *a*)
— 17. ἡ πιοῦσα ἐκ χειρὸς κυρίου τὸ ποτήριον τοῦ θυμοῦ αὐτοῦ (11 *a*)
— 20. οἱ πλήρεις θυμοῦ κυρίου ἐκλελυμένοι διὰ κυρίου τοῦ θεοῦ (11 *a*, 18 *b*)
— 22. οὕτω λέγει κ. ὁ θεός (1+11 *a*)
52. 3. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 4. B οὕτως λέγει κ. κ. [A S R *om.*] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 5 *bis*. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 8. ἡνίκα ἂν ἐλεήσῃ κ. τὴν Σιών (11 *a*)
— 9. ἠλέησε κ. [S^1 *om.*] αὐτήν (11 *a*)
— 10. ἀποκαλύψει κ. τὸν βραχίονα τὸν ἅγιον αὐτοῦ (11 *a*)
— 11. ἀφορίσθητε οἱ φέροντες τὰ σκεύη κυρίου (11 *a*)
— 12. A S προπορεύσεται [A πορ.] πρότερος [S πρὸ πρόσώπου] ὑμῶν κ. καὶ ὁ ἐπισυνάγων ὑμᾶς κ. ὁ [B *om.* κ. ὁ] θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*, 18 *b*)
53. 1. κύριε, τίς ἐπίστευσε τῇ ἀκοῇ ἡμῶν; καὶ ὁ βραχίων κυρίου τίνι ἀπεκαλύφθη (–, 11 *a*)
— 6. κ. παρέδωκεν αὐτὸν ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν (11 *a*)
— 10. κ. βούλεται καθαρίσαι αὐτόν (11 *a*)
— 10. βούλεται κ. ἀφελεῖν ἀπὸ τοῦ πόνου τῆς ψυχῆς αὐτοῦ (11 *a*)
54. 1. εἶπε γὰρ κ. (11 *a*)
— 5. κ. ὁ ποιῶν σε κ. σαβαὼθ ὄνομα αὐτῷ (8, 11 *a*)
— 6. κέκληκέ σε ὁ [A S *om.*] κ. (11 *a*)
— 8. εἶπεν ὁ ῥυσάμενός σε κ. (11 *a*)
— 11. ἱλεώς σοι, κύριε [AS κύριος ἱλεώς σοι] (11 *a*)
— 17. ἔστι κληρονομία τοῖς θεραπεύουσι κύριον [A -ίῳ] καὶ ὑμεῖς ἔσεσθέ μοι δίκαιοι [S^1 μου ἅγιοι], λέγει κ. (11 *a*, 11 *a*)
55. 5. ἐπὶ σὲ καταφεύξονται ἕνεκεν κυρίου [AS^3 *om.*] τοῦ θεοῦ σου (11 *a*)
— 6. ζητήσατε τὸν κ. [A S^3 θεόν] (11 *a*)
— 7. ἐπιστραφήτω ἐπὶ κύριον (11 *a*)
— 8. λέγει κ. (11 *a*)
— 13. ἔσται κ. εἰς ὄνομα (11 *a*)
56. 1. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 3. μὴ λεγέτω ὁ ἀλλογενὴς ὁ προσκείμενος πρὸς κύριον [S κυρίῳ], Ἀφορισεῖ με ἄρα κ. ἀπὸ τοῦ λαοῦ αὐτοῦ (11 *a*, 11 *a*)
— 4. τάδε λέγει κ. τοῖς εὐνούχοις (11 *a*)
— 6. τοῖς προσκειμένοις κυρίῳ [A πρὸς κύριον] δουλεύειν αὐτῷ καὶ ἀγαπᾶν τὸ ὄνομα κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 8. εἶπε κ. ὁ συνάγων τοὺς διεσπαρμένους Ἰσραήλ (2+11 *b*)
57. 6. S λέγει κ. –
— 15. A S^3 τάδε λέγει κ. [B S^1 *om.*] ὁ ὕψιστος –
— 15. A S^1 κ. [B S^2 *om.*] ὕψιστος –
— 19. καὶ εἶπε κ. (11 *a*)
— 21. A S εἶπεν κ. [B *om.*] ὁ θεός (18 *b*)
58. 6. λέγει κ. –

Is. 58. 14. ἔσῃ πεποιθὼς ἐπὶ κύριον . . . τὸ γὰρ στόμα κυρίου ἐλάλησε ταῦτα (11 *a*, 11 *a*)
59. 1. μὴ οὐκ ἰσχύει ἡ χεὶρ κυρίου τοῦ σῶσαι (11 *a*)
— 15. εἶδε κ. (11 *a*)
— 19. φοβηθήσονται οἱ ἀπὸ δυσμῶν τὸ ὄνομα κυρίου . . . ἥξει γὰρ ὡς ποταμὸς βίαιος ἡ ὀργὴ παρὰ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 21. εἶπε κ. (11 *a*)
— 21. εἶπε γὰρ κύριος (11 *a*)
60. 1. ἡ δόξα κυρίου ἐπὶ σὲ ἀνατέταλκεν (11 *a*)
— 2. ἐπὶ δὲ σὲ φανήσεται κ. (11 *a*)
— 6. τὸ σωτήριον κυρίου εὐαγγελιοῦνται [S *add.* σοι] (11 *a*)
— 9. διὰ τὸ ὄνομα κυρίου τὸ ἅγιον (11 *a* + 6)
— 14. A B S κληθήσῃ πόλις κυρίου [B *om.*] Σιών (11 *a*)
— 16. ἐγὼ κ. ὁ σώζων σε (11 *a*)
— 19. ἔσται σοι κ. [S^1 *add.* εἰς] φῶς αἰώνιον (11 *a*)
— 20. ἔσται γάρ σοι κύριος [S^1 *add.* ὁ θεὸς] φῶς αἰώνιον (11 *a* [18 *a*])
— 22. ἐγὼ κ. κατὰ καιρὸν συνάξω αὐτούς (11 *a*)
61. 1. πνεῦμα κυρίου ἐπ' ἐμέ (2 + 11 *b*)
— 2. καλέσαι ἐνιαυτὸν κυρίου δεκτόν (11 *a*)
— 3. φύτευμα κυρίου εἰς δόξαν (11 *a*)
— 6. ὑμεῖς δὲ ἱερεῖς κυρίου κληθήσεσθε (11 *a*)
— 8. ἐγὼ γάρ εἰμι κ. ὁ ἀγαπῶν δικαιοσύνην (11 *a*)
— 9 (10). εὐφροσύνῃ [S -ην, A ἐν εὐ.] εὐφρανθήσονται ἐπὶ κύριον (11 *a*)
— 10. ἀγαλλιάσθω ἡ ψυχή μου ἐπὶ τῷ κ. (6)
— 11. ἀνατελεῖ κ. [A S *om.*] κ. δικαιοσύνην (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
62. 2. ὃ ὁ κ. ὀνομάσει αὐτό (11 *a*)
— 3. ἔσῃ στέφανος κάλλους ἐν χειρὶ κυρίου (11 *a*)
— 3. ἐν χειρὶ θεοῦ [S^1 κυρίου] σου (6)
— 4. B εὐδόκησε κ. ἐν σοί (11 *a*)
— 5. οὕτως εὐφρανθήσεται κ. ἐπὶ σοί (6)
— 6. οὐ σιωπήσονται μιμνησκόμενοι κυρίου (11 *a*)
— 8. ὤμοσε κ. κατὰ τῆς δόξας [B^2 δεξιᾶς] αὐτοῦ (11 *a*)
— 9. A B S^2 αἰνέσουσι κύριον (11 *a*)
— 11. κ. ἐποίησεν ἀκουστόν (11 *a*)
— 12. λαὸν ἅγιον λελυτρωμένον ὑπὸ κυρίου· σὺ δὲ κληθήσῃ [S^1 ἀπὸ κ. συνεκλήθη] (11 *a*)
63. 4. S^2 ἡμέρα γὰρ κυρίου [A B S^1 *om.*] ἀνταποδόσεως ἐπῆλθεν [B ἦλ.] αὐτοῖς –
— 7. τὸν ἔλεον κυρίου ἐμνήσθην (11 *a*)
— 7. τὰς ἀρετὰς κυρίου [B^2 αὐτοῦ κύριος κυρίου] ἐν πᾶσιν οἷς [A *add.* ὁ κ.] ἡμῖν ἀνταποδίδωσι· κ. κριτὴς ἀγαθός (11 *a*, 11 *a*, –)
— 9. A S^1 αὐτὸς κ. [B S^2 *om.*] ἔσωσεν αὐτούς –
— 14. κατέβη πνεῦμα παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 15. ἀνέσχον ἡμῶν [S^2 *add.* κύριε] –
— 16. σὺ, κύριε, πατὴρ ἡμῶν (11 *a*)
— 17. τί ἐπλάνησας ἡμᾶς, κύριε, ἀπὸ τῆς ὁδοῦ σου (11 *a*)
64. 2 (1). A S φανερὸν ἔσται τὸ ὄνομα κυρίου [B σου] †
— 8 (7). νῦν, κύριε, πατὴρ ἡμῶν σύ (11 *a*)
— 12 (11). ἐπὶ πᾶσι τούτοις ἀνέσχου, κύριε (11 *a*)
65. 7. λέγει κ. (11 *a*)
— 8. οὕτως λέγει κ. (11 *a*)
— 8. A S^2 εὐλογία κυρίου [B S^1 *om.*] ἐστὶν ἐν αὐτῷ –
— 13. τάδε λέγει κ. (2 + 11 *b*)
— 15. καταλείψετε γὰρ τὸ ὄνομα [S^2 *add.* τοῦ κ.] ὑμῶν εἰς πλησμονὴν τοῖς ἐκλεκτοῖς μου ὑμᾶς δὲ ἀνελεῖ κ. (–, 2 + 11 *b*)
— 25. λέγει κ. (11 *a*)
66. 1. A B S^2 οὕτως λέγει κ. (11 *a*)
— 2. λέγει κ. (11 *a*)
— 5. ἀκούσατε ῥήματα [A S τὸ ῥῆμα] κυρίου . . . ἵνα τὸ ὄνομα κυρίου δοξασθῇ (11 *a*, 11 *a*)
— 6. φωνὴ κυρίου ἀνταποδιδόντος ἀνταπόδοσιν (11 *a*)
— 9. οὐκ ἐμνήσθης μου, εἶπε κ. (11 *a*)
— 12. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 14. γνωσθήσεται ἡ χεὶρ κυρίου (11 *a*)
— 15. κ. ὡς πῦρ ἥξει (11 *a*)
— 16. ἐν γὰρ τῷ πυρὶ κυρίου κριθήσεται [A καταναλωθ.] πᾶσα ἡ γῆ . . . πολλοὶ τραυματίαι ἔσονται ὑπὸ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 17. εἶπε κ. (11 *a*)
— 20. ἄξουσι τοὺς ἀδελφοὺς ὑμῶν . . . δῶρον κυρίῳ . . . εἶπε κ. ὡς ἀνενέγκαισαν . . . εἰς τὸν οἶκον κυρίου (11 *a ter*)

Is. 66. 21. εἶπε κ. (11 *a*)
— 22. λέγει [S^1 εἶπεν] κ. (11 *a*)
— 23. εἶπε κ. [S^2 κ. ὁ θεός, A^1 *om.*] (11 *a* [18 *a*])
Je. 1. 4. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς αὐτόν [A μέ] (11 *a*)
— 6. ὁ ὢν δέσποτα κύριε (11 *b*)
— 7. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 8. λέγει κ. (11 *a*)
— 9. ἐξέτεινε κ. τὴν χεῖρα αὐτοῦ πρὸς μὲ . . . καὶ εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*, 11 *a*)
— 11. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 12. A B S^2 εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 13. A B S^2 ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 14. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 15. λέγει κ. (11 *a*)
— 17. λέγει κ. –
— 19. εἶπε [A λέγει] κ. (11 *a*)
2. 2. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 2. λέγει κ. –
— 3. ἅγιος Ἰσραὴλ τῷ κ. ἀρχὴ γεννημάτων αὐτοῦ . . . φησὶ κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 4. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 5. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 6. ποῦ ἐστι κ. ὁ ἀναγαγὼν ἡμᾶς ἐκ γῆς Αἰγ. (11 *a*)
— 8. οὐκ εἶπαν, Ποῦ ἐστι κ. (11 *a*)
— 9. A B^2 S^2 λέγει κ. (11 *a*)
— 12. λέγει κ. (11 *a*)
— 17, 19. λέγει κ. ὁ θεός σου (11 *a*)
— 19. λέγει κ. ὁ θεός σου (2)
— 22. λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός σου] (2 + 11 *b* [2])
— 29. λέγει κ. (11 *a*)
— 31. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 31. τάδε λέγει κ. –
— 37. ἀπώσατο κ. τὴν ἐλπίδα σου (11 *a*)
3. 1. λέγει κ. (11 *a*)
— 2. A λέγει κ. –
— 6, 11. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 12 *bis*. λέγει κ. (11 *a*)
— 13. εἰς κύριον τὸν θεόν σου ἠσέβησας (11 *a*)
— 13, 14, 16. λέγει κ. (11 *a*)
— 17. καλέσουσι τὴν Ἱερ. Θρόνος κυρίου (11 *a*)
— 19. γένοιτο, κύριε –
— 20. λέγει κ. (11 *a*)
— 22. σὺ [A *om.*] κ. ὁ θεὸς ἡμῶν εἶ (11 *a*)
— 23. διὰ κυρίου θεοῦ ἡμῶν ἡ σωτηρία τοῦ [A τῷ] Ἰσραήλ (11 *a*)
— 25. οὐχ ὑπηκούσαμεν [A οὐκ ἠκ.] τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
4. 1. λέγει κ. (11 *a*)
— 2. ζῇ κ. (11 *a*)
— 3. B S^2 τάδε [S^1 οὕτως] λέγει κ. τοῖς ἀνδράσιν Ἰούδα (11 *a*)
— 8. οὐκ ἀπεστράφη ὁ θυμὸς κυρίου ἀφ' ὑμῶν (11 *a*)
— 9. λέγει κ. (11 *a*)
— 10. εἶπα, Ὦ δέσποτα κύριε (11 *b*)
— 17. λέγει κ. (11 *a*)
— 26. A R ἐμπεπυρισμέναι πυρὶ [B S *om.*] ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 *a*)
— 27. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
5. 1. λέγει κ. –
— 2. ζῇ κ., λέγουσι (11 *a*)
— 3. κύριε [A καὶ] οἱ ὀφθαλμοί σου εἰς πίστιν (11 *a*)
— 4. οὐκ ἔγνωσαν ὁδὸν κυρίου (11 *a*)
— 5. αὐτοὶ ἐπέγνωσαν ὁδὸν κυρίου (11 *a*)
— 9. λέγει κ. (11 *a*)
— 10. τοῦ κ. εἰσίν (11 *a*)
— 11. B λέγει κ. (11 *a*)
— 12. οἶκος Ἰούδα ἐψεύσατο τῷ κ. αὐτῶν (11 *a*)
— 13. λόγος κυρίου οὐχ ὑπῆρχεν ἐν αὐτοῖς –
— 14. τάδε λέγει κ. παντοκράτωρ (11 *a* + 6)
— 15. λέγει κ. (11 *a*)
— 18. λέγει κ. ὁ θεός σου (18 *a*)
— 19. τίνος ἕνεκεν ἐποίησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἡμῖν πάντα ταῦτα (11 *a*)
— 22. λέγει κ. (11 *a*)
— 24. φοβηθῶμεν δὴ κύριον τὸν [S τ. κ.] θεὸν ἡμῶν (11 *a*)
— 29. λέγει κ. (11 *a*)
6. 6, 9. τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 10. τὸ ῥῆμα κυρίου ἐγένετο αὐτοῖς εἰς ὀνειδισμόν (11 *a*)
— 12. λέγει κ. (11 *a*)
— 15. εἶπε κ. (11 *a*)
— 16. τάδε λέγει κ. . . . ἐρωτήσατε τρίβους κυρίου (11 *a*, –)
— 21, 22. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 30. ἀπεδοκίμασεν αὐτοὺς κ. (11 *a*)

Je. 7. 2. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *c*)
— 4. ναὸς κυρίου ναὸς κυρίου ἐστίν (11 *a*, 11 *a*)
— 11, 19. λέγει κ. (11 *a*)
— 20. τάδε λέγει κ. (2 + 11 *b*)
— 21. τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 23. S ἀκούσατε τῆς φωνῆς κυρίου [AB μου] †
— 28. ὃ οὐκ ἤκουσε τῆς φωνῆς κυρίου (11 + 6)
— 29. ἀπεδοκίμασε [S *add.* αὐτοὺς] κ. (11 *c*)
— 30, 32 : 8. 1. λέγει κ. (11 *a*)
8. 4. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 7. ὁ δὲ λαός μου ἔγνω τὰ κρίματα κυρίου (11 *a*)
— 8. νόμος κυρίου ἐστὶν μεθ' ἡμῶν (11 *a*)
— 9. τὸν νόμον [A S λόγον] κυρίου ἀπεδοκίμασαν (11 *a*)
— 10 (13). λέγει κ. (11 *a*)
— 19. μὴ κ. οὐκ ἔστιν ἐν Σιών (11 *a*)
9. 3 (2), 6 (5). R φησὶ κύριος (11 *a*)
— 7 (6). τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 9 (8). λέγει κ. (11 *a*)
— 12 (11). ᾧ [$A S^1$ ὁ] λόγος στόματος κυρίου πρὸς αὐτόν (11 *a*)
— 13 (12). εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 15 (14). τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *c*)
— 17 (16). τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 20 (19). A ἀκούσατε δὴ γυναῖκες λόγον κυρίου [B S θεοῦ] (11 *a*)
— 23 (22). τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 24 (23). A^2 B S ἐγώ εἰμι κ. ὁ ποιῶν ἔλεος (11 *a*)
— 24 (23), 25 (24) (A B S^2). λέγει κ. (11 *a*)
10. 1. ἀκούσατε τὸν λόγον κυρίου –
— 1. A ὃν ἐλάλησεν κύριος [B S *om.*] (11 *a*)
— 2. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 12. κ. ὁ ποιήσας τὴν γῆν ἐν τῇ ἰσχύϊ αὐτοῦ –
— 16. κ. ὄνομα αὐτῷ [A -οῦ] (11 *c*)
— 18. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 21. τὸν κ. οὐκ ἐζήτησαν [A S ἐξεζ.] (11 *a*)
— 23. οἶδα, κύριε [S^1 -ον] (11 *a*)
— 24. παίδευσον ἡμᾶς, κύριε (11 *a*)
11. 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
— 5. γένοιτο, κύριε (11 *a*)
— 6, 9. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 11. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 16. ἐλαίαν ὡραίαν . . . ἐκάλεσε [S *add.* σε] κ. τὸ ὄνομά σου (11 *a*)
— 17. κ. ὁ καταφυτεύσας σε (11 *c*)
— 18. κύριε, γνώρισόν μοι (11 *a*)
— 20. κύριε κρίνων δίκαια (11 *c*)
— 21. τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεὸς] . . . Οὐ μὴ προφητεύσεις ἐπὶ τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a* [18 *a*], 11 *a*)
12. 1. δίκαιος εἶ, κύριε (11 *a*)
— 3. σὺ, κύριε, γινώσκεις με (11 *a*)
— 12. μάχαιρα τοῦ κ. καταφάγεται (11 *a*)
— 13. αἰσχύνθητε [A *add.* αἰσχύνην] . . . ἔναντι κυρίου (11 *a*)
— 14. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 16. ζῇ κ. (11 *a*)
13. 1. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 2. ἐκτησάμην τὸ περίζωμα κατὰ τὸν λόγον κυρίου (11 *a*)
— 3. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 5. καθὼς ἐνετείλατό μοι κ. (11 *a*)
— 6. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 8. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 9, 13. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 14. λέγει κ. (11 *a*)
— 15. κ. ἐλάλησε (11 *a*)
— 16. δότε τῷ κ. θεῷ ὑμῶν δόξαν (11 *a*)
— 17. συνετρίβη τὸ ποίμνιον κυρίου (11 *a*)
— 25. λέγει κ. (11 *a*)
14. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερ. [A ὁ λ. ὁ γενάμενος πρ. Ἰ. παρὰ κ.] (11 *a*)
— 7. κύριε, ποίησον ἡμῖν ἕνεκέν σου (11 *a*)
— 8. ὑπομονὴ Ἰσραὴλ, κύριε –
— 9. σὺ ἐν ἡμῖν εἶ, κύριε (11 *a*)
— 10. οὕτως λέγει [S εἶπεν] κ. τῷ λαῷ τούτῳ (11 *a*)
— 11. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 13. εἶπα, Ὁ ὢν [A *add.* δέσποτα] κύριε (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 14. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 15. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 20. ἔγνωμεν, κύριε, ἁμαρτήματα ἡμῶν (11 *a*)
— 22. ὑπομενοῦμέν σε, κύριε [A S *om.*] (11 *a* + 6)
15. 1. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)

Je. 15. 2. τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός] (11 *a*)
— 3, 6. λέγει κ. (11 *a*)
— 15. κύριε, μνήσθητί μου (11 *a*)
— 16. κύριε παντοκράτωρ (11 *a* + 6)
— 19. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
16. 1. λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a* + 6)
— 3. τάδε λέγει κ. περὶ τῶν υἱῶν (11 *a*)
— 5. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 9. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *c*)
— 10. διὰ τί ἐλάλησε κ.[S[1] *om.*] ἐφ' ἡμᾶς πάντα τὰ κακὰ ταῦτα . . . ἢν ἡμάρτομεν ἔναντι κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*, 11 *a*)
— 11. λέγει κ. (11 *a*)
— 14. λέγει κ. καὶ οὐκ ἐροῦσιν ἔτι, Ζῇ κ.(11 *a*, 11 *a*)
— 15. ζῇ κ. ὃς ἀνήγαγε τὸν οἶκον Ἰσραήλ (11 *a*)
— 16. λέγει κ. (11 *a*)
— 19. κύριε, σὺ [A *om.*] ἰσχύς μου (11 *a*)
— 21. γνώσονται ὅτι ὄνομά μοι κ. [S[1] ἐγὼ κ. ὃ. μ. κ., S[3] ἐγὼ κ.] (−, 11 *a*)
17. 5. καὶ ἀπὸ κυρίου ἀποστῇ ἡ καρδία αὐτοῦ (11 *a*)
— 7. πέποιθεν ἐπὶ τῷ κ. καὶ ἔσται κ. ἐλπὶς αὐτοῦ (11 *a*, 11 *a*)
— 10. ἐγὼ κ. ἐτάζων καρδίας (11 *a*)
— 13. κύριε, πάντες οἱ καταλιπόντες σε κατασχυνθήτωσαν [S[1] *al.*] . . . ἐγκατέλιπον πηγὴν ζωῆς τὸν κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 14. ἴασαί με, κύριε (11 *a*)
— 15. ποῦ ἐστιν ὁ λόγος κυρίου (11 *a*)
— 19. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 20. ἀκούσατε τὸν [AS *om.*] λόγον κυρίου [B[1] *al.*] (11 *a*)
— 21. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 24. λέγει κύριος (11 *a*)
— 26. φέροντες αἴνεσιν εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
18. 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς Ἱερ. (11 *a*)
— 5. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 13. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 19. εἰσάκουσόν μου, κύριε (11 *a*)
— 23. σὺ, κύριε [A *add.* κύριε], ἔγνως ἅπασαν τὴν βουλὴν αὐτῶν (11 *a*)
19. 1. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. ἀκούσατε τὸν λόγον [A d. λόγους, S τοὺς λ.] κυρίου . . . τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*, 11 *c*)
— 6. λέγει κ. (11 *a*)
— 11. τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 12. λέγει [S εἶπεν] κ. (11 *a*)
— 14. οὗ ἀπέστειλεν αὐτὸν κ. ἐκεῖ τοῦ προφητεῦσαι καὶ ἔστη ἐν τῇ αὐλῇ οἴκου κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 15. τάδε λέγει κ. (11 *c* + 6)
20. 1. οὗτος ἦν καθεσταμένος ἡγούμενος οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 2. ὃς ἦν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 3. οὐχὶ Πασχὼρ ἐκάλεσε κ. τὸ ὄνομά σου (11 *a*)
— 4. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 7. ἠπάτησάς με, κύριε (11 *a*)
— 8. ἐγενήθη λόγος κυρίου εἰς ὀνειδισμὸν ἐμοί (11 *a*)
— 9. οὐ μὴ ὀνομάσω τὸ ὄνομα κυρίου −
— 11. ὁ δὲ κ. μετ' ἐμοῦ καθὼς μαχητὴς ἰσχύων [A -υρός] (11 *a*)
— 12. κύριε δοκιμάζων δίκαια (11 *c*)
— 13. ᾄσατε τῷ κ. (11 *a*)
— 16. ὡς κατέστρεψε κ. ἐν θυμῷ (11 *a*)
21. 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 2. ἐπερώτησον περὶ ἡμῶν τὸν κ. . . . εἰ ποιήσει κ. κατὰ πάντα τὰ θαυμάσια αὐτοῦ (11 *a*, 11 *a*)
— 4. τάδε λέγει κ. (11 *a* + 6)
— 7. οὕτως λέγει κ. (11 *a*)
— 8. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 11. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 12 : 22. 1. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
22. 2. ἄκουε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 5. λέγει κ. (11 *a*)
— 6. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 8. διὰ τί ἐποίησε κ. οὕτως τῇ πόλει ταύτῃ (11 *a*)
— 9. ἐγκατέλιπον τὴν διαθήκην κυρίου θεοῦ αὐτῶν (11 *a*)
— 11. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 16. λέγει κ. (11 *a*)
— 18. τάδε λέγει κ. . . . οἴμοι κύριε [A *om.* οἴ. κ.] (11 *a*, 1)

Je. 22. 24. λέγει κ. (11 *a*)
— 29. ἄκουε λόγον κυρίου (11 *a*)
23. 2. τάδε λέγει κ. (11 *a* + 6)
— 4, 5. λέγει κ. (11 *a*)
— 6. ὃ καλέσει αὐτὸν κ. (11 *a*)
— 9. ὡς ἄνθρωπος συνεχόμενος ἀπὸ οἴνου ἀπὸ προσώπου κυρίου (11 *a*)
— 12. A φησὶν κ. (11 *a*)
— 15. τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 16. A B οὕτως λέγει κ. παντοκράτωρ (11 *a*)
— 16. καὶ οὐκ ἀπὸ στόματος κυρίου (11 *a*)
— 17. λέγουσι τοῖς ἀπωθουμένοις τὸν λόγον κυρίου (11 *a*)
— 18. τίς [A *om.*] ἔστη ἐν ὑποστήματι κυρίου (11 *a*)
— 19. ἰδοὺ σεισμὸς παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 20. οὐκέτι ἀποστρέψει ὁ θυμὸς κυρίου (11 *a*)
— 23 (A B[2] S), 24, 28, 29 (A S R). λέγει κ. (11 *a*)
— 30. A S R λέγει κ. ὁ θεός (18 *a*)
— 33. τί τὸ λῆμμα κυρίου . . . λέγει κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 34. λῆμμα κυρίου (11 *a*)
— 35. τί ἀπεκρίθη κ. (11 *a*)
— 35. B S καὶ τί ἐλάλησε κ. (11 *a*)
— 36. λῆμμα κυρίου μὴ ὀνομάζετε ἔτι [AS *om.*] (11 *a*)
— 36. τὸ λῆμμα [A *add.* κυρίου] τῷ ἀνθρώπῳ ἔσται ὁ λόγος αὐ. [S[3] κυρίου] −, †
— 37. διὰ τί ἐλάλησε κ. ὁ θεὸς ἡμῶν (18 *a*)
— 38. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς ἡμῶν [AS *om.*] . . . λῆμμα κυρίου . . . οὐκ ἐρεῖτε, Λῆμμα κυρίου (18 *a*, 11 *a*, 11 *a*)
— 7. λέγει κ. καὶ οὐκ ἐροῦσιν ἔτι, Ζῇ κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 8. ζῇ κ. ὃς συνήγαγεν ἅπαν τὸ σπέρμα Ἰσ.(11 *a*)
24. 1. ἔδειξέ μοι κ. δύο καλάθους σύκων κειμένους κατὰ πρόσωπον ναοῦ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 3. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 4. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 5. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
— 7. ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 8. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
25. 8. τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 12. A φησὶν κ. (11 *a*)
— 14 (49. 35). τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 18 (49. 39) : 26 (46). 5. λέγει κ. (11 *a*)
26 (46). 10. ἡ ἡμέρα ἐκείνη κυρίῳ τῷ θεῷ ἡμῶν ἡμέρα ἐκδικήσεως . . . καὶ καταφάγεται ἡ μάχαιρα κυρίου . . . θυσία τῷ κ. [A *add.* σαβαὼθ] ἀπὸ γῆς βορρᾶ (2, −, 2 + 11 *c* [11 *a*])
— 13. ἃ ἐλάλησε κ. ἐν χειρὶ Ἱερεμίου (11 *a*)
— 15. κ. [A ὁ κ.] παρέλυσεν αὐτόν (11 *a*)
— 18. λέγει κ. ὁ θεός (11 *c* ?)
— 23. λέγει κ. [S ὁ θεός, A *add.* ὁ θεός](11 *a* [18 *a*])
— 28. λέγει κ. (11 *a*)
27 (50). 1. λόγος κυρίου [A *om.*] ὃν ἐλάλησεν [A *add.* κ.] (−, 11 *a*)
— 4. πορεύσονται τὸν κ. [S κ. τ.] θεὸν αὐτῶν ζητοῦντες (11 *a*)
— 5. καταφεύξονται πρὸς κύριον τὸν [AS *om.*] θεόν (18 *a*)
— 7. ἥμαρτον τῷ κ. (11 *a*)
— 13. ἔρημος ἀπὸ ὀργῆς κυρίου οὐ κατοικηθήσεται (11 *a*)
— 18. τάδε λέγει κ. (11 *c* + 6)
— 20. A φησὶν κ. (11 *a*)
— 20. λέγει κ. −
— 21. λέγει κ. (11 *a*)
— 24. τῷ κ. ἀντέστης (11 *a*)
— 25. ἤνοιξε κ. τὸν θησαυρὸν αὐτοῦ . . . ὅτι ἔργον τῷ [S[1] *om.*] κ. θεῷ [A *om.*] (11 *a*, 2 [2 + 11 *c*])
— 28. τὴν ἐκδίκησιν παρὰ κ. θεοῦ ἡμῶν [A αὐτῶν] (11 *a*)
— 29. πρὸς κύριον [AS τὸν κ.] ἀντέστη (11 *a*)
— 30. εἶπε κ. (11 *a*)
— 31. λέγει κ. (2 + 11 *c*)
— 33. τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 34. κ. παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (11 *a*)
— 40. εἶπε κ. (11 *a*)
— 45. ἀκούσατε τὴν βουλὴν κυρίου (11 *a*)
28 (51). 1. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 5. A οὐκ ἐχήρευσεν . . . ἀπὸ κ. [B S *om.*] θεοῦ αὐ. [B S *add.* ἀπὸ] κυρίου παντ. (18 *b*, 11 *a*)
— 6. καιρὸς ἐκδικήσεως αὐτῆς ἐστι παρὰ κυρίου (11 *a*)

Je. 28. 7. ποτήριον χρυσοῦν Βαβυλὼν ἐν χειρὶ κυρίου [S θεοῦ] (11 *a*)
— 10. ἐξήνεγκε κ. τὸ κρίμα αὐτοῦ . . . ἀναγγείλωμεν ἐν [A εἰς] Σιὼν τὰ ἔργα κ. τοῦ [AS *om.*] θεοῦ ἡμῶν (11 *a*, 11 *a*)
— 11. ἤγειρε κ. τὸ πνεῦμα βασιλέως Μήδων . . . ἐκδίκησις κυρίου ἐστίν (11 *a*, 11 *a*)
— 12. A B S[2] ποιήσει κ. ἃ ἐλάλησεν (11 *a*)
— 14. ὤμοσε κ. κατὰ τοῦ βραχίονος αὐτοῦ (11 *c*)
— 15. R κ. [A B S *om.*] ποιῶν γῆν −
— 19. κ. ὄνομα αὐτῷ (11 *c*)
— 24, 26. λέγει κ. (11 *a*)
— 27. S[1] λέγει κύριος −
— 29. ἐξανέστη ἐπὶ Βαβυλῶνα λογισμὸς κυρίου (11 *a*)
— 33. τάδε λέγει κ. (11 *c* + 6)
— 36. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 39. λέγει κ. (11 *a*)
— 50. οἱ μακρόθεν μνήσθητε τοῦ κ. (11 *a*)
— 51. εἰσῆλθον ἀλλογενεῖς . . . εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 52. λέγει [S τάδε λ.] κ. (11 *a*)
— 53. λέγει κύριος (11 *a*)
— 55. ἐξωλέθρευσε κ. τὴν Βαβυλῶνα (11 *a*)
— 56. A B S[2] κύριος ἀνταποδίδωσι (11 *a*)
— 57. κ. παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (11 *a*)
— 58. τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 59. ὃν ἐνετείλατο κ. [S[1] ὁ κ.] Ἱερεμίᾳ −
— 62. ἐρεῖς, Κύριε κύριε [S *om.*] (11 *a*, −)
29 (47). 1. τάδε λέγει κ. (11 *a*)
— 4. ἐξολεθρεύσει κ. τοὺς [A τὰς] καταλοίπους τῶν νήσων (11 *a*)
— 6. ἕως τίνος κόψεις, ἡ μάχαιρα τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 7. κ. [S[1] ὁ κ.] ἐνετείλατο αὐτῇ ἐπὶ τὴν Ἀσκ.(11 *a*)
29 (49). 7. τῇ Ἰδουμαίᾳ τάδε λέγει κ. (11 *c*)
— 12. τάδε εἶπε [A λέγει] κ. (11 *a*)
— 13. λέγει κ. (11 *a*)
— 14. ἀκοὴν ἤκουσα παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 18. εἶπε κ. παντοκράτωρ (11 *a*)
— 20. ἀκούσατε βουλὴν κυρίου (11 *a*)
30 (49). 1. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 2. φησὶ κ. (11 *a*)
— 5. εἶπε κ. (2 + 11 *c*)
— 6 (49. 28). οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 10 (49. 32). εἶπε κ. (11 *a*)
— 15 (49. 26). φησὶ κ. (11 *c*)
31 (48). 1. οὕτως εἶπε κ. (11 *c* + 6)
— 8. καθὼς εἶπε κ. (11 *a*)
— 10. ἐπικατάρατος ὁ ποιῶν τὰ ἔργα κυρίου ἀμελῶς (11 *a*)
— 12. φησὶ κ. (11 *a*)
— 26. ἐπὶ κύριον ἐμεγαλύνθη (11 *a*)
— 35, 38. φησὶ κ. (11 *a*)
— 40. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 42. ἐπὶ τὸν [S *om.*] κ. ἐμεγαλύνθη (11 *a*)
32 (25). 15. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
— 17. ἔλαβον τὸ ποτήριον ἐκ χειρὸς κυρίου (11 *a*)
— 17. πρὸς ἃ ἀπέστειλέ με κ. (11 *a*)
— 27. οὕτως εἶπε κ. παντοκράτωρ (11 *a* + 6)
— 28. οὕτως εἶπε κ. (11 *c*)
— 30. κ. ἀφ' [S ἐφ'] ὑψηλοῦ χρηματιεῖ (11 *a*)
— 31. κρίσις τῷ κ. ἐν τοῖς ἔθνεσι . . . λέγει κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 32. οὕτως εἶπε κ. (11 *c*)
— 33. ἔσονται τραυματίαι ὑπὸ κυρίου ἐν ἡμέρᾳ κυρίου (11 *a*, †)
— 36. ὠλέθρευσε κ. τὰ βοσκήματα αὐτῶν (11 *a*)
33 (26). 1. ἐγενήθη ὁ λόγος οὗτος παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 2. οὕτως εἶπε κ., Στῆθι ἐν αὐλῇ οἴκου κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 2. πᾶσι τοῖς ἐρχομένοις προσκυνεῖν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 4. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 7. τοῦ Ἱερ. λαλοῦντος . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 8. ἃ συνέταξεν αὐτῷ κ. λαλῆσαι (11 *a*)
— 9. ἐπροφήτευσας [S *add.* ἐπὶ] τῷ ὀνόματι κυρίου . . . ἐξεκλησιάσθη πᾶς ὁ λαὸς ἐπὶ Ἱερ. ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 10. ἀνέβησαν ἐξ οἴκου τοῦ βασιλέως εἰς οἶκον κυρίου καὶ ἐκάθισαν ἐν προθύροις πύλης [A *add.* κυρίου] τῆς καινῆς (11 *a*, 11 *a*)
— 12. κ. ἀπέστειλέ με προφητεῦσαι (11 *a*)
— 13. ἀκούσατε τῆς φωνῆς κυρίου [S[5] κ. τοῦ θεοῦ] καὶ παύσεται κ. ἀπὸ τῶν κακῶν (11 *a* + 6 [11 *a*], 11 *a*)

Je. 33 (26). 15. ἀπέσταλκέ με κ. πρὸς ὑμᾶς λαλῆσαι (11 *a*)
— 16. ἐπὶ τῷ ὀνόματι κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν ἐλάλησε πρὸς ἡμᾶς (11 *a*)
— 18. οὕτως εἶπε κ. (11 *c*)
— 19. οὐχ ὅτι ἐφοβήθησαν τὸν κ. καὶ ὅτι ἐδεήθησαν τοῦ προσώπου κυρίου [A αὐτοῦ] καὶ ἐπαύσατο κ. ἀπὸ τῶν κακῶν (11 *a ter*)
— 20. προφητεύων [A *add.* ἐπὶ] τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
34 (27). 2. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 4. συντάξεις αὐτοῖς πρὸς τοὺς κ. αὐτῶν εἰπεῖν, Οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ, Οὕτως ἐρεῖτε πρὸς τοὺς κ. [A *é.* τοῖς κ.] ὑμῶν (1, 11 *c*, 1)
— 8. εἶπε κ. (11 *a*)
— 15. φησὶ κ. (11 *a*)
— 16. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 16. σκεύη οἴκου κυρίου ἐπιστρέψει ἐκ Βαβ. (11 *a*)
— 18. εἰ ἔστι λόγος [S^1 νόμος] κυρίου ἐν αὐτοῖς ἀπαντησάτωσάν μοι (11 *a*)
— 19. ὅτι οὕτως εἶπε κ, (11 *c*)
— 22. λέγει κ. [S κ. ὁ θεός] (11 *a* [18 *a*])
35 (28). 1. εἰπέ μοι Ἀνανίας . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 2. οὕτως εἶπε κ. (11 *c* + 6)
— 3. ἀποστρέψω . . . τὰ σκεύη οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 5. κατ' ὀφθαλμοὺς τῶν ἱερέων τῶν ἑστηκότων ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 6. A ἀληθῶς οὕτω ποιήσαι κ. στήσαι κύριος [BS *om.*] τὸν λόγον σου . . . τοῦ ἐπιστρέψαι τὰ σκεύη οἴκου κυρίου (11 *a ter*)
— 7. ἀκούσατε τὸν λόγον κυρίου –
— 9. ὃν ἀπέστειλεν αὐτοῖς κ. [A^1 *om.*] ἐν πίστει (11 *a*)
— 11. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 12. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 13. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 14. οὕτως εἶπε κ. (11 *c* + 6)
— 15. οὐκ ἀπέσταλκέ σε κ. (11 *a*)
— 16. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
36 (29). 4. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *c*)
— 7. προσεύξεσθε περὶ αὐτῶν πρὸς κύριον (11 *a*)
— 8. οὕτως εἶπε κύριος (11 *c* + 6)
— 10. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 15. κατέστησεν ἡμῖν κ. προφήτας (11 *a*)
— 21. οὕτως εἶπε κ. ἐπὶ Ἀχιάβ (11 *c* + 6)
— 22. ποιήσαι σε κ. ὡς Σεδεκίαν ἐποίησε (11 *a*)
— 23. φησὶ κ, (11 *a*)
— 26. κ. ἔδωκέ σε ἱερέα ἀντὶ Ἰωδαὲ τοῦ ἱερέως γενέσθαι ἐπιστάτην ἐν τῷ οἴκῳ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 30. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 31, 32. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
37 (30). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερεμίαν παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 2. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
— 3. φησὶ κ. . . . εἶπε κ. [A S *add.* παντοκράτωρ] (11 *a*, 11 *a*)
— 4. οὗτοι οἱ λόγοι οὓς ἐλάλησε κ. (11 *a*)
— 5. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 8. εἶπε κ. (11 *c*)
— 9. ἐργῶνται τῷ κ. θεῷ αὐτῶν (11 *a*)
— 12. οὕτως εἶπε [A λέγει] κ. (11 *a*)
— 17. φησὶ κ. (11 *a*)
— 18. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 21. φησὶ κ. (11 *a*)
— 23. ὀργὴ κυρίου ἐξῆλθε θυμώδης (11 *a*)
— 24. οὐ μὴ ἀποστραφῇ ὀργὴ θυμοῦ [S^1 *om.*] κυρίου (11 *a*)
38 (31). 1. εἶπε κ. (11 *a*)
— 2. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 3. κ. πόρρωθεν ὤφθη [AS ὀφθήσεται] αὐτῷ (11 *a*)
— 6. ἀνάβητε εἰς Σιὼν πρὸς κύριον τὸν θεὸν [A Σ. ἐν ὄρεσιν κυρίου θεοῦ] ἡμῶν (11 *a*)
— 7. οὕτως εἶπε κ. τῷ Ἰακώβ (11 *a*)
— 7. ἔσωσε κ. τὸν λαὸν αὐτοῦ (11 *a*)
— 10. ἀκούσατε λόγους κυρίου (11 *a*)
— 11. ἐλυτρώσατο κ. τὸν Ἰακώβ (11 *a*)
— 12. ἥξουσιν ἐπ' ἀγαθὰ κυρίου (11 *a*)
— 15, 16. οὕτως εἶπε κ, (11 *a*)
— 18. σὺ κ. ὁ θεός μου (11 *a*)
— 20. φησὶ κ. (11 *a*)
— 22. ἔκτισε κ. σωτηρίαν (11 *a*)
— 23. οὕτως εἶπε κ. . . . εὐλογημένος κ. ἐπὶ δίκαιον ὄρος (11 *c* + 6, 11 *a*)
Je. 38 (31). 27, 28. φησὶ κ. (11 *a*)
— 31. φησὶ [A S λέγει] κ. (11 *a*)
— 32, 33. φησὶ κ. (11 *a*)
— 34. γνῶθι τὸν κ. (11 *a*)
— 37 *bis*. φησὶ κ. (11 *a*)
— 35. οὕτως εἶπε κ. . . . κ. παντοκράτωρ ὄνομα αὐτῷ (11 *a*, 11 *a*)
— 36. φησὶ κ. (11 *a*)
— 36. A φησὶν κύριος –
— 38. φησὶ κ. (11 *a*)
— 38. οἰκοδομηθήσεται πόλις τῷ κ. [S^1 λαῷ] (11 *a*)
— 40. ἁγίασμα τῷ [S *om.*] κ. (11 *a*)
39 (32). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς Ἱερ. (11 *a*)
— 3. A B S^2 οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 6. λόγος κυρίου ἐγενήθη [A ἐγένετο λ. κ.] πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 8. ἔγνων ὅτι λόγος κυρίου ἐστί (11 *a*)
— 14. οὕτως εἶπε κ. παντοκράτωρ (11 *a*)
— 15. οὕτως εἶπε κ. (11 *c*)
— 16. προσευξάμην πρὸς κύριον (11 *a*)
— 17. ὁ ὢν κύριε [A *add.* κύριε], σὺ ἐποίησας τὸν οὐρανόν (2, 11 *b*)
— 18. S κ. μεγάλης βουλῆς (11 *c*)
— 19. κ. [AB ὁ θεὸς ὁ μέγας ὁ] παντοκράτωρ . . . καὶ μεγαλώνυμος κ. [S^1 *om.*, S^3-ϵ] –, –
— 26. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 27. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς πάσης σαρκός (11 *a*)
— 28. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ [S *om.* ὁ θ. Ἰ.] (18 *a* [11 *a*])
— 36. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *a*)
— 42. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
40 (33). 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 2. οὕτως εἶπε κ. . . . κ. ὄνομα αὐτῷ (11 *a*, 11 *a*)
— 4. οὕτως εἶπε κ. [A S *add.* ὁ θεὸς Ἰσραήλ] (11 *a* + 6 [11 *a*])
— 10. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 11. ἐξομολογεῖσθε κυρίῳ [S τῷ κ.] παντοκράτορι ὅτι χρηστὸς κ. . . . εἰσοίσουσι δῶρα εἰς οἶκον κυρίου . . . εἶπε κ. (11 *a ter*)
— 12. οὕτως εἶπε κ. τῶν δυνάμεων [A^1 *om.* τ. δ.] (11 *a* [11 *c*])
— 13. εἶπε κ. (11 *a*)
41 (34). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερ. παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 2 *bis*. οὕτως εἶπε κ. (11 *a* + 6)
— 4. ἄκουσον τὸν λόγον κυρίου . . . οὕτως λέγει κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 5. B οὐαὶ [A B^2 ὦ] κύριε (11)
— 5. εἶπε κ. (11 *a*)
— 8. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερ. παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 12. ἐγενήθη λόγος κυρίου [S^1 *om.*] πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 13. οὕτως εἶπε κ. [A *add.* ὁ θεὸς Ἰσραήλ] (11 *a* + 6 [11 *a*])
— 17. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 22. φησὶ κ. (11 *a*)
42 (35). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος πρὸς Ἱερ. παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 2. ἄξεις αὐτοὺς εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 4. εἰσήγαγον αὐτοὺς εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 12. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 13. οὕτως λέγει κ. (11 *c* + 6)
— 17. οὕτως εἶπε κ. (11 *a* + 11 *d* + 6)
— 18. B S οὕτως εἶπε κ. (11 *c* + 6)
43 (36). 1. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 4. ἔγραψεν . . . πάντας τοὺς λόγους κυρίου (11 *a*)
— 5. οὐ μὴ δύνωμαι εἰσελθεῖν εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 6. ἀναγνώσῃ . . . ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 7. ἴσως πεσεῖται ἔλεος αὐτῶν κατὰ πρόσωπον κυρίου . . . μέγας ὁ θυμὸς καὶ ἡ ὀργὴ κυρίου (11 *a*, –)
— 7. A ἣν ἐλάλησεν κύριος [B S *om.*] (11 *a*)
— 8. τοῦ ἀναγνῶναι ἐν τῷ βιβλίῳ λόγους κυρίου ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 9. ἐξεκκλησίασαν νηστείαν κατὰ πρόσωπον κυρίου (11 *a*)
— 10. ἀνεγίνωσκε Βαρουχ . . . ἐν οἴκῳ κυρίου . . . ἐν προθύροις πύλης τοῦ [A *om.* π. τ.] οἴκου κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
11. ἤκουσε Μιχαίας . . . ἅπαντας τοὺς λόγους κυρίου (11 *a*)
— 13. S^1 ἀναγινώσκοντος Βαρουχ εἰς τὰ ὦτα κυρίου τοῦ θεοῦ [A B S^2 ὦ. τοῦ λαοῦ] †
Je. 43 (36). 27. A B S^2 ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 29. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 30. οὕτως εἶπε κ. ἐπὶ Ἰωακίμ (11 *a*)
44 (37). 2. οὐκ ἤκουσαν . . . τοὺς λόγους κυρίου (11 *a*)
— 3. πρόσευξαι δὴ περὶ ἡμῶν πρὸς κύριον (11 *a* + 6)
— 6. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 7. οὕτως εἶπε κ. (11 *a* + 6)
— 9. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 17. εἰ ἔστιν ὁ [A S *om.*] λόγος παρὰ [A S^1 *om.*] κυρίου [S^1 θεοῦ] (11 *a*)
— 20. κύριε [A *add.* μου] βασιλεῦ, πεσέτω τὸ ἔλεός μου (1)
45 (38). 2, 3. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 14. εἰς οἰκίαν ἀσελειση̣λ τὴν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 16. ζῇ κ. (11 *a*)
— 17. οὕτως εἶπε κ. (11 *a* + 11 *d* + 6)
— 20. ἄκουσον τὸν [A *om.*] λόγον κυρίου (11 *a*)
— 21. οὗτος ὁ λόγος ὃν ἔδειξέ μοι κ. (11 *a*)
— 27. οὐκ ἠκούσθη λόγος κυρίου –
46 (39). 15. πρὸς Ἱερεμίαν ἐγένετο λόγος κυρίου (11 *a*)
— 16. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *c*)
— 18. φησὶ κ. (11 *a*)
47 (40). 1. ὁ λόγος ὁ γενόμενος παρὰ κυρίου πρὸς Ἱερ. (11 *a*)
— 2. κ. ὁ θεός σου ἐλάλησε τὰ κακὰ ταῦτα (11 *a*)
— 3. ἐποίησε κ. (11 *a*)
48 (41). 5. τοῦ εἰσενεγκεῖν εἰς οἶκον [S ἐν τῷ οἴκῳ] κυρίου (11 *a*)
49 (42). 2. πρόσευξαι πρὸς κύριον τὸν θεόν σου (11 *a*)
— 3. ἀναγγειλάτω ἡμῖν κ. ὁ θεός σου τὴν ὁδόν (11 *a*)
— 4. προσεύξομαι πρὸς κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν . . . ὃν ἂν ἀποκριθήσεται κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 5. ἔστω κ. ἐν [A *om.*] ἡμῖν εἰς μάρτυρα (11 *a*)
— 5. ὃν ἐὰν ἀποστείλῃ κ. πρὸς ἡμᾶς (11 *a* + 6)
— 6. τὴν φωνὴν κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν . . . ἀκουσόμεθα (11 *a*)
— 6. ἀκουσόμεθα τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 7. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς Ἱερεμίαν (11 *a*)
— 9. οὕτως εἶπε κ. (11 *a* + 6)
— 11. φησὶ κ. (11 *a*)
— 13. πρὸς τὸ μὴ ἀκοῦσαι φωνῆς κυρίου (11 *a* + 6)
— 15. ἀκούσατε λόγον [S -ους] κυρίου (11 *a*)
— 15 (A B S^2), 18. οὕτως εἶπε κ. (11 *c* + 6)
— 19. ἃ ἐλάλησε κ. [S^1 *om.*] ἐφ' ὑμᾶς (11 *a*)
— 20. πρόσευξαι περὶ ἡμῶν πρὸς κύριον (11 *a* + 6)
— 20. ἃ ἐὰν λαλήσει σοι κύριος (11 *a* + 6)
— 21. οὐκ ἠκούσατε [A εἰσηκ.] τῆς φωνῆς κυρίου (11 *a* + 6)
50 (43). 1. ἐπαύσατο Ἱερ. λέγων . . . πάντας τοὺς λόγους κυρίου [A *add.* θεοῦ αὐ.] οὓς ἀπέστειλεν αὐτὸν κ. [A *add.* ὁ θεὸς αὐ.] πρὸς αὐτούς (11 *a* + 6 [11 *a*], 11 *a* + 6 [11 *a*])
— 2. οὐκ ἀπέστειλέ σε κ. πρὸς ἡμᾶς (11 *a* + 6)
— 4. οὐκ ἤκουσεν . . . πᾶς ὁ λαὸς τῆς φωνῆς κυρίου [S τοῦ κ.] (11 *a*)
— 7. οὐκ ἤκουσαν τῆς φωνῆς κυρίου (11 *a*)
— 8. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἱερ. (11 *a*)
— 10. οὕτως εἶπε κ. (11 *c* + 6)
51 (44). 2. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *c*)
— 7. οὕτως εἶπε κ. παντοκράτωρ (11 *a* + 11 *d* + 6)
— 11. οὕτως εἶπε κ. (11 *c* + 6)
— 16. ὃν ἐλάλησας πρὸς ἡμᾶς [S *add.* ἐν] τῷ ὀνόματι κυρίου (11 *a*)
— 21. οὐχὶ τοῦ θυμιάματος . . . ἐμνήσθη κ. (11 *a*)
— 22. οὐκ ἠδύνατο κ. ἔτι φέρειν (11 *a*)
— 23. ὧν ἡμάρτετε τῷ κ. καὶ οὐκ ἠκούσατε τῆς φωνῆς κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 24. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 25. οὕτως εἶπε κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (11 *c*)
— 26. ἀκούσατε λόγον κυρίου . . . εἶπε [A λέγει] κ. . . . ζῇ κ. [A S *add.* κύριος] ἐπὶ πάσῃ γῇ Αἰγ. (11 *a*, 11 *a*, 2 + 11 *b* [2, 11 *b*])
— 30. οὕτως εἶπε κ. (11 *a*)
— 32 (45. 2). οὕτως εἶπε κ. ἐπὶ σοί (11 *a* + 6)
— 33 (45. 3). προσέθηκε κ. κόπον ἐπίπονόν μοι (11 *a*)
— 34 (45. 4). οὕτως εἶπε κ. [S *al.*] (11 *a*)
— 35 (45. 5). λέγει κ. (11 *a*)
52. 13. ἐνέπρησε τὸν οἶκον κυρίου (11 *a*)
— 17. τοὺς στύλους τοὺς χαλκοῦς τοὺς ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)
— 17. B S τὴν θάλασσαν τὴν χαλκῆν τὴν ἐν οἴκῳ κυρίου (11 *a*)

Je. 52. 20. ἃ ἐποίησεν ὁ βασιλεὺς Σαλωμὼν εἰς οἶκον κυρίου (11 *a*)
Ba. 1. 5. ἤὐχοντο ἐναντίον [A εὐχὰς ἔναντι] κυρίου
— 8. ἐν τῷ λαβεῖν αὐτὸν τὰ σκεύη οἴκου κυρίου
— 10. ἀνοίσατε ἐπὶ τὸ θυσιαστήριον κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν
— 12. δώσει κ. ἰσχὺν ἡμῖν
— 13. προσεύξασθε περὶ ἡμῶν πρὸς κύριον τὸν θεὸν ἡμῶν ὅτι ἡμάρτομεν τῷ [A *om.*] κ. θεῷ ἡμῶν καὶ οὐκ ἀπέστρεψεν ὁ θυμὸς κυρίου
— 14. ἐξαγορεῦσαι ἐν οἴκῳ κυρίου ἐν ἡμέρᾳ [A -αις] ἑορτῆς
— 15. τῷ κ. θεῷ ἡμῶν ἡ δικαιοσύνη
— 17. ὧν ἡμάρτομεν ἔναντι κυρίου
— 18. οὐκ ἠκούσαμεν τῆς φωνῆς κυρίου θεοῦ ἡμῶν πορεύεσθαι [A *add.* ἐν] τοῖς προστάγμασι κυρίου
— 19. ἧς ἐξήγαγε κ. τοὺς πατέρας ἡμῶν . . . ἤμεθα ἀπειθοῦντες πρὸς κύριον θεὸν ἡμῶν
— 20. ἣν συνέταξε κ. τῷ Μωυσῇ παιδὶ αὐτοῦ
— 21. οὐκ ἠκούσαμεν τῆς φωνῆς κυρίου τοῦ θεοῦ ἡμῶν
— 22. ποιῆσαι τὰ κακὰ κατ' ὀφθαλμοὺς κυρίου θεοῦ ἡμῶν
2. 1. ἔστησε κ. τὸν λόγον αὐτοῦ
— 4. οὗ διέσπειρεν αὐτοὺς κ. ἐκεῖ
— 5. ἡμάρτομεν κυρίῳ [A τῷ κ.] θεῷ ἡμῶν
— 6. τῷ κ. θεῷ ἡμῶν ἡ δικαιοσύνη
— 7. ἃ ἐλάλησε κ. ἐφ' ἡμᾶς
— 8. οὐκ ἐδεήθημεν τοῦ προσώπου κυρίου
— 9. ἐγρηγόρησε κ. ἐπὶ τοῖς κακοῖς καὶ ἐπήγαγε κ. ἐφ' ἡμᾶς ὅτι δίκαιος ὁ [A *om.*] κ. ἐπὶ πάντα τὰ ἔργα αὐτοῦ
— 10. πορεύεσθαι τοῖς προστάγμασι κυρίου
— 11. κύριε ὁ θεὸς Ἰσραήλ
— 12. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν
— 14. εἰσάκουσον, κύριε, τῆς προσευχῆς ἡμῶν
— 15. σὺ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν
— 16. A B κύριε, κάτιδε ἐκ τοῦ οἴκου τοῦ ἁγίου σου . . . κλῖνον, κύριε [B -ος], τὸ οὖς σου
— 17. A ἄνοιξον, κύριε, [B *om.*] ὀφθαλμούς σου
— 17. δώσουσι δόξαν καὶ δικαίωμα τῷ κ.
— 18. δώσουσί σοι δόξαν καὶ δικαιοσύνην, κύριε
— 19. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν
— 21. οὕτως εἶπε κ.
— 22. ἐὰν μὴ ἀκούσητε τῆς φωνῆς κυρίου
— 27. κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν
— 31. γνώσονται ὅτι ἐγὼ κ. ὁ θεὸς αὐτῶν
— 33. μνησθήσονται τῆς ὁδοῦ πατέρων αὐτῶν τῶν ἁμαρτόντων ἔναντι κυρίου
3. 1. κύριε παντοκράτωρ ὁ θεὸς Ἰσραήλ
— 2. ἄκουσον, κύριε
— 4. κύριε παντοκράτωρ ὁ θεὸς Ἰσραήλ
— 6. σὺ κ. ὁ θεὸς ἡμῶν, καὶ αἰνέσομέν σε, κύριε
— 8. οἱ ἀπέστησαν ἀπὸ κυρίου θεοῦ ἡμῶν
La. 1. 5. κ. ἐταπείνωσεν αὐτήν (11 *a*)
— 9. ἴδε, κύριε, τὴν ταπείνωσίν μου (11 *a*)
— 11. ἴδε, κύριε [A *om.*], καὶ ἐπίβλεψον (11 *a*)
— 12. φθεγξάμενος ἐν ἐμοὶ ἐταπείνωσέ με κ. (11 *a*)
— 13. A ἔδωκέ με κ. [B S *om.*] ἠφανισμένην –
— 14. ἔδωκε κ. ἐν χερσί μου οὐδύνας (2)
— 15. ἐξῆρε πάντας τοὺς ἰσχυρούς μου ὁ [S *om.*] κ. ἐκ μέσου μου . . . ληνὸν ἐπάτησε κ. παρθένῳ θυγατρὶ Ἰούδα (2, 2)
— 17. ἐνετείλατο κ. τῷ Ἰακώβ (11 *a*)
— 18. δίκαιός ἐστι κ. (11 *a*)
— 20. ἴδε, κύριε, ὅτι θλίβομαι (11 *a*)
2. 1. πῶς ἐγνόφωσεν ἐν ὀργῇ αὐτοῦ κ. [A *om.*] τὴν θυγατέρα Σιών (2)
— 2. ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς αὐτοῦ κατεπόντισε κ. (2)
— 5. ἐγενήθη κ. ὡς ἐχθρός (2)
— 6. ἐπελάθετο κ. ἃ ἐποίησεν (11 *a*)
— 7. A B ἀπώσατο κ. θυσιαστήριον αὐτοῦ . . . φωνὴν ἔδωκαν ἐν οἴκῳ κυρίου [B S *om.*] (2, 11 *a*)
— 8. A ἀπέστρεψε κ. [B S *om.*] τοῦ διαφθεῖραι τεῖχος (11 *a*)
— 8. A οὐκ ἐπέστρεψε κύριος [B S *om.*] χεῖρα –
— 9. οὐκ εἶδον ὅρασιν παρὰ κυρίου (11 *a*)
— 17. ἐποίησε κ. ἃ ἐνεθυμήθη (11 *a*)
— 18. ἐβόησε καρδία αὐτῶν πρὸς κύριον (2)
— 19. ἔκχεον ὡς ὕδωρ καρδίαν σου ἀπέναντι προσώπου κυρίου (2)
— 20. ἴδε, κύριε . . . ἀποκτενεῖς ἐν ἁγιάσματι κυρίου ἱερέα καὶ προφήτην (11 *a*, 2)
— 22. ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς κυρίου (11 *a*)
La. 3. 18. ἡ ἐλπίς μου ἀπὸ κυρίου (11 *a*)
— 22. R τὰ ἐλέη κυρίου ὅτι οὐκ ἐξέλιπέ με (11 *a*)
— 22. R μῆνας εἰς τὰς πρωΐας ἐλέησον, κύριε –
— 24. R μερίς μου κ. (11 *a*)
— 25. ἀγαθὸς κ. τοῖς ὑπομένουσιν αὐτόν (11 *a*)
— 26. ἡσυχάσει εἰς τὸ σωτήριον κυρίου (11 *a*)
— 31. οὐκ εἰς τὸν αἰῶνα ἀπώσεται κ. (2)
— 36. κ. οὐκ εἶπε (2)
— 37. A κύριος [B τίς] οὕτως εἶπε †
— 37. κ. οὐκ ἐνετείλατο (2)
— 40. ἐπιστρέψωμεν ἕως κυρίου (11 *a*)
— 50. καὶ ἴδῃ κ. ἐξ οὐρανοῦ (11 *a*)
— 55. B ἐπεκαλεσάμην τὸ ὄνομά σου, κύριε (11 *a*)
— 58. ἐδίκασας, κύριε, τὰς δίκας [A ἀδικίας] τῆς ψυχῆς μου (2)
— 59. ἴδες, κύριε, τὰς ταραχάς μου (11 *a*)
— 64. ἀποδώσεις αὐτοῖς ἀνταπόδομα, κύριε (11 *a*)
— 66. ἐξαναλώσεις αὐτοὺς ὑποκάτω τοῦ οὐρανοῦ, κύριε (11 *a*)
4. 11. συνετέλεσε κ. θυμὸν αὐτοῦ (11 *a*)
— 16. πρόσωπον κυρίου μερὶς αὐτῶν (11 *a*)
— 20. χριστὸς κ. συνελήφθη (11 *a*)
— 21. ἐπὶ σὲ διελεύσεται τὸ ποτήριον κυρίου –
5. 1. μνήσθητι, κύριε (11 *a*)
— 19. σὺ δέ, κύριε, εἰς τὸν αἰῶνα κατοικήσεις (11 *a*)
— 21. ἐπίστρεψον ἡμᾶς, κύριε, πρὸς σέ (11 *a*)
Ez. 1. 3. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς Ἰεζεκιὴλ . . . ἐγένετο [A *add.* ἐκεῖ] ἐπ' ἐμὲ χεὶρ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
2. 1 (1. 28). B αὕτη ἡ ὅρασις ὁμοιώματος [A^2 -μα τῆς] δόξης κυρίου (11 *a*)
— 4: 3. 11. A τάδε λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
3. 12. εὐλογημένη ἡ δόξα κυρίου ἐκ τοῦ τόπου αὐτοῦ (11 *a*)
— 14. A τὸ πνεῦμα κυρίου [B *om.*] ἐξῆρέ με –
— 14. χεὶρ κυρίου ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ κραταιά (11 *a*)
— 16. A^2 B ἐγένετο μετὰ τὰς ἑπτὰ ἡμέρας λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 22. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χεὶρ κυρίου (11 *a*)
— 23. R ἰδοὺ ἐκεῖ δόξα κυρίου εἰστήκει . . . καθὼς ἡ δόξα κυρίου [A B *om.*] ἣν ἴδον (11 *a*, –)
— 27. A τάδε λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
4. 13. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς τοῦ Ἰσραήλ (18 *a*?)
— 14. μηδαμῶς, κύριε [A *add.* κύριε] θεὲ Ἰσραήλ (2 [2, 18 *e*])
— 15, 16. A εἶπεν κ. [B *om.*] πρὸς μέ –
5. 5, 7, 8. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 11. λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 13. ἐγὼ κ. λελάληκα ἐν ζήλῳ μου (11 *a*)
— 15, 17. ἐγὼ κ. λελάληκα (11 *a*)
6. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. ἀκούσατε λόγον [A *add.* Ἀδωναῒ] κυρίου· τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*], 2+11 *b* [11 *b*])
— 7. ἐπιγνώσεσθε ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 10. ἐπιγνώσονται διότι ἐγὼ κ. [A *add.* οὐκ εἰς δωρεὰν] λελάληκα (11 *a*)
— 11. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 13. γνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 14. ἐπιγνώσεσθε ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
7. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 2. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 9. B ἐπιγνώση διότι ἐγώ εἰμι κ. ὁ τύπτων (11 *a*)
— 4. ἐπιγνώση διότι [A γν. ὅτι] ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 5. τάδε λέγει κ. (2+11 *b*)
— 10. ἰδοὺ ἡ [A *om.*] ἡμέρα κυρίου [A *om.*] –
— 19. A ἐν ἡμέρᾳ ὀργῆς κυρίου (11 *a*)
— 27. γνώσονται ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
8. 1. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χεὶρ [A *add.* Ἀδωναῒ] κυρίου (2+11 *b* [11 *b*])
— 4. ἐκεῖ ἦν δόξα κυρίου θεοῦ Ἰσραήλ (18 *b*)
— 12. οὐχ ὁρᾷ ὁ κ., ἐγκαταλέλοιπεν κ. [A *é.* κ., οὐκ ἐφορᾷ ὁ κ.] τὴν γῆν (11 *a*, 11 *a*)
— 14. ἐπὶ τὰ πρόθυρα τῆς πύλης οἴκου κυρίου (11 *a*)
— 16. εἰς τὴν αὐλὴν οἴκου κυρίου τὴν ἐσωτέραν καὶ ἐπὶ τῶν προθύρων τοῦ ναοῦ κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 16. τὰ ὀπίσθια αὐτῶν [A *add.* δεδωκότες] πρὸς τὸν ναὸν τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
9. 4. A εἶπε κύριος [B *al.*] πρὸς αὐτόν (11 *a*)
Ez. 9. 8. οἴμοι [A οἴμμοι Ἀδωναῒ] κύριε (2+11 *b* [11 *b*])
— 9. ἐγκαταλέλοιπεν κ. τὴν γῆν (11 *a*)
— 9. οὐκ ἐφορᾷ ὁ κ. [A *al.*] (11 *a*)
10. 4. ἀπῆρεν ἡ δόξα κυρίου ἀπὸ τῶν χερουβὶμ . . . ἡ αὐλὴ ἐπλήσθη τοῦ φέγγους τῆς δόξης κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 18. ἐξῆλθε δόξα κυρίου ἀπὸ [A *add.* τοῦ αἰθρίου] τοῦ οἴκου (11 *a*)
— 19. τὰ πρόθυρα τῆς πύλης οἴκου κυρίου τῆς ἀπέναντι καὶ δόξα [A *add.* κυρίου] θεοῦ Ἰσραὴλ ἦν ἐπ' αὐτῶν ὑπεράνω (11 *a*, 18 *b*)
11. 1. ἤγαγέ με ἐπὶ τὴν πύλην τοῦ οἴκου κυρίου τὴν κατέναντι (11 *a*)
— 2. εἶπε κ. πρὸς μέ –
— 5. A B ἔπεσεν ἐπ' ἐμὲ πνεῦμα κυρίου [B *om.*] καὶ εἶπε πρὸς μέ, Λέγε, Τάδε λέγει κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 7. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 8. λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 10. ἐπιγνώσεσθε ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 12. A ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κύριος (11 *a*)
— 13. οἴμοι οἴμοι [A *add.* Ἀδωναῒ] κύριε (2+11 *b* [11 *b*])
— 14. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 15. μακρὰν ἀπέχετε ἀπὸ τοῦ κ. (11 *a*)
— 16, 17. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 20. A λέγει κ. –
— 21. λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 23. ἀνέβη ἡ δόξα κυρίου ἐκ μέσης τῆς πόλεως (11 *a*)
— 25. ἐλάλησα . . . πάντας τοὺς λόγους τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 25. A οὓς ἔδειξέ μοι κ. [B *om.*] –
12. 1, 8. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 10. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 15. γνώσονται διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 16. γνώσονται ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 19. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 20. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 21. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 23. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 25. ἐγὼ κύριος λαλήσω τοὺς λόγους μου (11 *a*)
— 25. λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 26. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 28. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 28. A B^2 S λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
13. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 2. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 5. οὐκ ἀνέστησαν οἱ λέγοντες, Ἐν ἡμέρᾳ κυρίου (11 *a*)
— 6. λέγει [A^2 τάδε λ.] κ. καὶ [A *add.* ὁ] κ. οὐκ ἀπέσταλκεν αὐτούς (11 *a*, 11 *a*)
— 7. A φησὶν κ. (11 *a*)
— 8. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. . . . λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*], 2+11 *b* [11 *b*])
— 9. γνώσονται διότι ἐγὼ κ. [A εἰμι Ἀδωναῒ κ.] (2+11 *b* [11 *b*])
— 13. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 14. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 16. λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 18. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 20. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 21. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 23. γνώσεσθε [A ἐπιγν.] ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
14. 2. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 4. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 4. ἐγὼ κ. ἀποκριθήσομαι αὐτῷ (11 *a*)
— 6. τάδε λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 7. ἐγὼ κ. ἀποκριθήσομαι αὐτῷ (11 *a*)
— 8. ἐπιγνώσεσθε ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 9. ἐγὼ κ. πεπλάνηκα τὸν προφήτην ἐκεῖνον (11 *a*)
— 11. λέγει [A^2 *add.* Ἀδωναῒ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 12. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)

Ez. 14. 14, 16, 18, 20. λέγει [A² *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 21. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 23. λέγει [A² *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
15. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 6. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 7. ἐπιγνώσονται ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 8. λέγει κ. (2+11 *b*)
16. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. τῇ Ἰερουσαλήμ (2+11 *b*)
— 8, 14. λέγει [A² *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 19, 23, 30. λέγει κ. (2+11 *b*)
— 35. ἄκουε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 36. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 43, 48. λέγει κ. (2+11 *b*)
— 58. λέγει κ. (11 *a*)
— 59. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 62. ἐπιγνώσῃ ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 63. λέγει κ. (2+11 *b*)
17. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3, 9. τάδε λέγει κ. (2+11 *b*)
— 11. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 16. λέγει κ. (2+11 *b*)
— 19. τάδε λέγει κ. (2+11 *b*)
— 21. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. λελάληκα (11 *a*)
— 22. τάδε λέγει κ. (2+11 *b*)
— 24. ἐγὼ κ. ὁ ταπεινῶν ξύλον ὑψηλὸν . . . ἐγὼ κ. λελάληκα (11 *a*, 11 *a*)
18. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3, 9. λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 23. A λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 25. οὐ κατευθύνει [A κατορθοῖ] ἡ ὁδὸς κυρίου (2)
— 29. οὐ κατορθοῖ ἡ ὁδὸς κυρίου (2)
— 30. λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 31. A λέγει κ. –
— 32. λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
20. 1. ἦλθον ἄνδρες . . . ἐπερωτῆσαι τὸν κ. (11 *a*)
— 2. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. (2+11 *b*)
— 3. λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 5. τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός] . . . ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (2+11 *b* [2], 11 *a*)
— 7. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 12. ἐγὼ κ. ὁ ἁγιάζων αὐτούς (11 *a*)
— 19, 20. ἐγὼ κ. ὁ θεὸς ὑμῶν (11 *a*)
— 26. A ἵνα γνῶσιν ὅτι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 27. τάδε λέγει [A² *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 30. τάδε λέγει κ. [A *add.* κ. ὁ θεός] (2+11 *b* [2, 18 *e*])
— 31. λέγει κ. (2+11 *b*)
— 33. B² λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 36. λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός] (2+11 *b* [2])
— 38. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. κ. [A ὁ θεός] (11 *a*, –)
— 39. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 40. B λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 40. A λέγει κ. κ. –
— 42. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 44. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. . . . λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (11 *a*, 2+11 *b* [11 *b*])
— 45 (21. 1). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 47 (21. 3). ἄκουε λόγον κυρίου· τάδε λέγει κ. κ. [A ὁ θεὸς Ἰσραήλ] (11 *a*, 2, 11 *b*)
— 48 (21. 4). ἐγὼ κ. ἐξέκαυσα αὐτό (11 *a*)
— 49 (21. 5.). μηδαμῶς, κύριε κύριε (2, 11 *b*)
21. 1 (6). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3 (8). B¹R τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεὸς, B² *add.* κύριος] (11 *a* [18 *a*])
— 5 (10). ἐγὼ κ. ἐξέσπασα τὸ ἐγχειρίδιόν μου (11 *a*)
— 7 (12). λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός, B¹ *add.* κύριος] (2+11 *b* [2, 11 *b*])
— 8 (13). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 9 (14). τάδε λέγει [A² *add.* Ἀδωναΐ] κ. (11 *a*)
— 13 (18). λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 17 (22). ἐγὼ κ. λελάληκα (11 *a*)
— 18 (23). ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 24 (29). λέγει κ. [A *add.* κ. ὁ θεός] (2+11 *b* [2, 18 *e*])
— 26 (31). τάδε λέγει κ. [A *add.* κ. ὁ θεός] (2+11 *b* [2, 18 *e*])
— 28 (33). τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός] (2+11 *b* [2])

Ez. 21. 32 (37). ἐγὼ κ. λελάληκα (11 *a*)
22. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [2, 18 *e*])
— 12. A λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 14. ἐγὼ κ. λελάληκα (11 *a*)
— 16. γνώσεσθε [A γνώσῃ] διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 19. B τάδε λέγει κ. κ. [B *om.*, A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [2+11 *b*, 2+18 *e*])
— 22. ἐγὼ κ. ἐξέχεα τὸν θυμόν μου ἐφ' ὑμᾶς (11 *a*)
— 23. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 28. τάδε λέγει κ. καὶ κ. οὐκ ἐλάλησε (2+11 *b*, 11 *a*)
— 31. λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
23. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 22. τάδε λέγει κ. [A *add.* κ. ὁ θεὸς ἐπὶ σέ] (2+11 *b* [2, 18 *e*])
— 28. τάδε λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 32. τάδε λέγει κ. [A Ἀδωναΐ κ. κ. ὁ θεός] (2+11 *b* [2, 18 *e*])
— 34. λέγει κ. [A *add.* κ. ὁ θεός] (2+11 *b* [2, 18 *e*])
— 35. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 36. εἶπε κ. πρὸς μέ (11 *a*)
— 46. τάδε λέγει κ. [A Ἀδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 49. γνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. (2+11 *b*)
24. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3, 6, 9. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 14. ἐγὼ κ. λελάληκα . . . λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (11 *a*, 2+11 *b* [11 *b*])
— 15. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 20. λόγος κυρίου ἐγένετο πρὸς μὲ λέγων [A² τάδε λέγει Ἀδωναΐ κ.] (11 *a*)
— 21. τάδε λέγει κ. [A *add.* κ. ὁ θεός] (2+11 *b* [2, 18 *e*])
— 24. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. (2+11 *b*)
— 27. ἐπιγνώσονται διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
25. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. ἀκούσατε λόγον κυρίου· τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b*, 2+11 *b* [11 *b*])
— 5. ἐπιγνώσεσθε διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 6. τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός] (2+11 *b* [2])
— 7. ἐπιγνώσῃ διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 8. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 11. ἐπιγνώσονται διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
— 12, 13. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 14. λέγει κ. [A² *om.*] (2+11 *b*)
— 15, 16. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 17. ἐπιγνώσονται διότι ἐγὼ κ. (11 *a*)
26. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 5. A λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b*)
— 6. γνώσονται ὅτι ἐγὼ [A *add.* εἰμι] κ. (11 *a*)
— 7. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 14. ἐγὼ κ. [A *om.*] ἐλάλησα, λέγει κ. (11 *a*, 2+11 *b*)
— 15. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. κ. [A *add.* ἐπὶ σὲ] τῇ Σόρ (2, 11 *b*)
— 19. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 21. λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
27. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. τῇ [A Ἀδ. κ. ἐπὶ] Σ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 36. A λέγει κ. ὁ θεός –
28. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 2. τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός] (2+11 *b* [2])
— 6. τάδε λέγει κ. [A *add.* κ. ὁ θεός] (2+11 *b* [2, 18 *e*])
— 10. λέγει κ. [A² *om.*] (2+11 *b*)
— 11. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 12. τάδε λέγει κ. κ. [A *om.*] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 20. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 22. τάδε λέγει κ. . . . γνώσῃ ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (2+11 *b*, 11 *a*)
— 23. γνώσονται διότι ἐγὼ εἰμι κ. (11 *a*)
— 24. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. [A *add.* ὁ θεός] (2+11 *b* [2])
— 25. τάδε λέγει κ. κ. [A ὁ θεός] (2, 11 *b*)
— 26. γνώσονται ὅτι ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς αὐτῶν (11 *a*)
29. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός] (2+11 *b* [2])
— 6. ἐγὼ εἰμι κ. (11 *a*)

Ez. 29. 8. τάδε λέγει κ. [A *add.* ὁ θεός] (2+11 *b* [2])
— 9. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 13. A τάδε λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2+11 *b*])
— 16. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. [A *add.* ὁ θεός] (2+11 *b* [2])
— 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 19, 20. τάδε λέγει κ. [A Ἀδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 21. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
30. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 2. τάδε λέγει κ. (2+11 *b*)
— 3. ἐγγὺς ἡμέρα τοῦ κ. (11 *a*)
— 6. λέγει κ. (2+11 *b*)
— 8. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 10. τάδε λέγει κ. [A Ἀδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 12. ἐγὼ κ. λελάληκα (11 *a*)
— 13. τάδε λέγει κ. [A Ἀδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 19. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 20. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 22. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 25. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 26. γνώσονται πάντες ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
31. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 10. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 15. τάδε λέγει κ. [A Ἀδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 18. λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
32. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 8. λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 11. τάδε λέγει κ. [A Ἀδωναΐ, B¹ *om.*] κ. (2, 11 *b*)
— 14. λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 15. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 16. λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 17. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 31. λέγει κ. κ. [A ὁ θεός] (2, 11 *b*)
— 32. λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
33. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 11. τάδε λέγει [A² *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 17. οὐκ εὐθεῖα ἡ ὁδὸς τοῦ κ. (2)
— 20. οὐκ εὐθεῖα ἡ ὁδὸς κυρίου (2)
— 20. A λέγει κ. –
— 22. ἐγενήθη ἐπ' ἐμὲ χεὶρ κυρίου (11 *a*)
— 23. ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 25. A οὕτως εἶπεν Ἀδωναΐ κ. (11 *b*)
— 27. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 29. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 30. ἀκούσωμεν τὰ ἐκπορευόμενα παρὰ κυρίου (11 *a*)
34. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 2. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 7. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 8. λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 9. A ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 10. τάδε λέγει κ. [A Ἀδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 11. τάδε λέγει κ. κ. [B¹ *om.*, A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 15. A² B γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. –
— 15, 17. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 20. τάδε λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 24. ἐγὼ κ. ἔσομαι αὐτοῖς εἰς θεὸν . . . ἐγὼ κ. ἐλάλησα (11 *a*, 11 *a*)
— 27. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 30. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς αὐτῶν . . . λέγει κ. κ. [B¹ *om.*] (11 *a*, 2, 11 *b*)
— 31. ἐγὼ κ. [B² *add.* κύριος] ὁ θεὸς ὑμῶν, λέγει κ. κ. (18 *b* [–, 18 *b*], 2, 11 *b*)
35. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. κ. [A *om.*] (2, 11 *b*)
— 4. γνώσῃ ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 6. λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 9. γνώσῃ ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 10. κ. [A ὁ κ.] ἐκεῖ ἐστι (11 *a*)
— 11. λέγει κ. [A *add.* κ.] (2+11 *b* [2, 11 *b*])
— 12. γνώσῃ ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 13. A φησὶν κ. –
— 14. τάδε λέγει κ. (2+11 *b*)
— 15. γνώσῃ ὅτι ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς αὐτῶν (18 *a*)
36. 1. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 2. τάδε λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
— 3. τάδε λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 4. ἀκούσατε λόγον κυρίου· τάδε λέγει κ. (2+11 *b*, 2+11 *b*)
— 5. τάδε λέγει κ. κ. [A *om.*] (2, 11 *b*)
— 6. τάδε λέγει [A *add.* Ἀδωναΐ] κ. (2+11 *b* [11 *b*])
— 11. γνώσεσθε ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)

Ez. 36. 13. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 14. λέγει κ. [A 'Αδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 15. λέγει κ. κ. [A ὁ θεός] (2, 11 *b*)
— 16. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 20. λαὸς κυρίου οὗτοι (11 *a*)
— 22. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 23. γνώσονται τὰ ἔθνη ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 23. A λέγει 'Αδωναΐ κ. (11 *b*)
— 32. λέγει κ. [B² 'Αδωναΐ] κ. [A ὁ θεός] (2, 11 *b*)
— 32. A λέγει κύριος –
— 33. τάδε λέγει 'Αδωναΐ κ. [A λ. κ. ὁ θεός] (11 *b* [2])
— 36. ἐγὼ [A ἐ. εἰμι] κύριος ᾠκοδόμησα (11 *a*)
— 36. ἐγὼ κ. [A *add.* κ.] ἐλάλησα (11 *a*, –)
— 37. τάδε λέγει 'Αδωναΐ κ. [A λ. κ. κ. ὁ θεός] (11 *b* [2, 18 *e*])
— 38. γνώσονται ὅτι ἐγὼ [A *add.* εἰμι] κ. (11 *a*)
37. 1. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χεὶρ κυρίου καὶ ἐξήγαγέ με ἐν πνεύματι κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 3. A B κύριε κύριε [B *om.*], σὺ ἐπίστῃ αὐτά (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 4. ἀκούσατε λόγον κυρίου (11 *a*)
— 5. A τάδε λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 6. γνώσεσθε ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 7. A ἐνετείλατό μοι κ. [B *om.*] –
— 9. A τάδε λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 11. ἐλάλησε κ. πρὸς μέ –
— 12. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 13. γνώσεσθε ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 14. γνώσεσθε ὅτι ἐγὼ κ. . . . λέγει κ. [A *add.* κ.] (11 *a*, 11 *a*, –)
— 15. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 19. τάδε λέγει [A *add.* 'Αδωναΐ] κ. (2 + 11 *b* [11 *b*])
— 21. τάδε λέγει κ. κ. [A λ. 'Αδωναΐ κ. ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 23. ἐγὼ κ. ἔσομαι αὐτοῖς εἰς θεόν –
— 28. ἐγώ εἰμι κ. ὁ ἁγιάζων αὐτούς (11 *a*)
— 28. A λέγει κύριος –
38. 1. ἐγένετο λόγος κυρίου πρὸς μέ (11 *a*)
— 3. τάδε λέγει κ. [A 'Αδωναΐ] κ. (2, 11 *b*)
— 10. τάδε λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 14. τάδε λέγει κ. [A *add.* κ. ὁ θεός] (2 + 11 *b* [2, 18 *e*])
— 17. τάδε λέγει κ. κ. [A λ. 'Αδωναΐ κ. ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 18. λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 20. σεισθήσονται ἀπὸ προσώπου κυρίου [A τοῦ κ.] οἱ ἰχθύες †
— 21. A λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 23. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
39. 1. A τάδε λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 5. A λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 6. γνώσονται ὅτι ἐγώ εἰμι κ. (11 *a*)
— 7. ἐγὼ εἰμι κ. [A *add.* κ. ὁ] ἅγιος ἐν [A *om.*] Ἰσραήλ (11 *a*)
— 8. λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 10, 13. λέγει κ. (2 + 11 *b*)
— 17. τάδε λέγει κ. (2 + 11 *b*)
— 20. A λέγει κ. κ. [B *om.*] (2, 11 *b* [2 + 11 *b*])
— 22. ἐγώ εἰμι κ. ὁ θεὸς αὐτῶν (11 *a*)
— 25. τάδε λέγει κ. κ. [A *add.* ὁ θεός] (2, 11 *b* [18 *e*])
— 28. ἐγὼ εἰμι κ. ὁ θεὸς αὐτῶν (11 *a*)
— 29. λέγει κ. κ. (2, 11 *b*)
40. 1. ἐγένετο ἐπ' ἐμὲ χεὶρ κυρίου (11 *a*)
— 46. οἱ ἐγγίζοντες ἐκ τοῦ Λευὶ πρὸς κύριον (11 *a*)
41. 22. αὕτη ἡ τράπεζα ἡ πρὸ προσώπου [A τρ. κατὰ πρόσωπον] κυρίου [B¹ *om.*] (11 *a*)
42. 13. οἱ ἱερεῖς υἱοὶ Σαδδοὺκ οἱ ἐγγίζοντες πρὸς κύριον (11 *a*)
43. 2. A ὡς φέγγος ἀπὸ τῆς δόξης κυρίου [B *om.*] κυκλόθεν †
— 4. δόξα κυρίου εἰσῆλθεν (11 *a*)
— 5. πλήρης δόξης κυρίου ὁ οἶκος (11 *a*)
— 18. τάδε λέγει κ. ὁ θεὸς Ἰσραήλ (2)
— 19. λέγει κ. ὁ θεός [A *add.* τοῦ Λευΐ] (2)
— 24. προσοίσετε ἐναντίον κυρίου . . . ἀνοίσουσιν αὐτὰ ὁλοκαυτώματα τῷ κ. (11 *a*, 11 *a*)
— 27. λέγει κ. (2 + 11 *b*)
44. 2. εἶπε κ. πρὸς μὲ . . . κ. ὁ θεὸς τοῦ Ἰσραὴλ εἰσελεύσεται δι' αὐτῆς (11 *a*, 11 *a*)
— 3. τοῦ φαγεῖν ἄρτον ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 4. πλήρης δόξης ὁ οἶκος τοῦ [A *om.*] κ. (11 *a*)
— 5. εἶπε κ. πρὸς μὲ . . . κατὰ πάντα τὰ προστάγματα οἴκου κυρίου (11 *a*, 11 *a*)
— 6, 9. τάδε λέγει κ. ὁ θεός (2)

Ez. 44. 11. A λειτουργοῦντες τῷ οἴκῳ κυρίου [B *om.*] –
— 12, 15, 27. λέγει κ. ὁ θεός (2)
45. 1. ἀφοριεῖτε ἀπαρχὴν τῷ κ. (11 *a*)
— 4. τοῖς ἐγγίζουσι [A *add.* ἐν αὐτοῖς] λειτουργεῖν τῷ κ. (11 *a*)
— 9. τάδε λέγει κ. θεὸς . . . λέγει κ. θεός (2, 2)
— 15. λέγει κ. θεός (2)
— 18. τάδε λέγει κ. θεός (2)
— 23. ποιήσει [A -εις] ὁλοκαυτώματα τῷ κ. (11 *a*)
46. 1. τάδε λέγει κ. θεός (2)
— 3. προσκυνήσει ὁ λαὸς . . . ἐναντίον κυρίου [A τοῦ κ.] (11 *a*)
— 4. τὰ ὁλοκαυτώματα προσοίσει ὁ ἀφηγούμενος τῷ κ. (11 *a*)
— 9. ὅταν εἰσπορεύηται . . . ἐναντίον κυρίου (11 *a*)
— 12. ὁλοκαύτωμα σωτηρίου τῷ κ. (11 *a*)
— 13. εἰς [A *om.*] ὁλοκαύτωμα καθ' ἡμέραν τῷ κ. (11 *a*)
— 14. τοῦ ἀναμίξαι τὴν σεμίδαλιν μαναὰ τῷ κ. (11 *a*)
— 16. τάδε λέγει κ. θεός [A λ. 'Αδωναΐ κ.] (2 [11 *b*])
47. 13. τάδε λέγει κ. θεός (2)
— 23. λέγει κ. θεός (2)
48. 9. ἣν ἀφοριοῦσι τῷ κ. (11 *a*)
— 14. ἅγιόν ἐστι τῷ κ. (11 *a*)
— 29. λέγει κ. θεός (2)
— 35. A κ. ἐκεῖ [B *om.* κ. ἐ.] ἔσται τὸ ὄνομα αὐτῆς (11 *a*)

Da. LXX. Su. 2. καλὴ σφόδρα καὶ φοβουμένη τὸν κ.
— 23. ἡ ἁμαρτεῖν ἐνώπιον κυρίου
— 35. ἡ δὲ καρδία αὐτῆς ἐπεποίθει ἐπὶ κ. τῷ θεῷ αὐτῆς
— 35. κύριε ὁ θεὸς ὁ αἰώνιος
— 35. εἰσήκουσε κύριος τῆς δεήσεως αὐτῆς
— 42. καὶ ἰδοὺ ἄγγελος κυρίου
— 53. τοῦ κ. λέγοντος, Ἀθῷον . . . οὐκ ἀποκτενεῖς
— 55. ὁ γὰρ ἄγγελος κυρίου σχίσει σου τὴν ψυχήν
— 59. ὁ ἄγγελος κυρίου τὴν ῥομφαίαν ἔστηκεν ἔχων
— 62. ὁ ἄγγελος κυρίου ἔρριψε πῦρ
1. 2. παρέδωκεν αὐτὴν κύριος εἰς χεῖρας αὐτοῦ (2)
— 2. μέρος τι τῶν ἱερῶν σκευῶν τοῦ κ. (6)
— 9. ἔδωκε κύριος τῷ Δαν. τιμήν (6)
— 10. ἀγωνιῶ τὸν κ. μου τὸν βασ. (1)
— 17. τοῖς νεανίσκοις ἔδωκεν ὁ κ. ἐπιστήμην (6)
2. 4. κύριε βασιλεῦ, εἰς τὸν αἰῶνα ζῆθι –
— 18. ζητῆσαι παρὰ τοῦ κ. τοῦ ὑψίστου (4 *b*)
— 19. Δανιὴλ εὐλόγησεν τὸν κ. τὸν ὕψιστον (4 *b*)
— 20. ἔσται τὸ ὄνομα τοῦ κ. τοῦ μεγάλου εὐλογημένον (4 *b*)
— 23. σοὶ, κύριε τῶν πατέρων μου, ἐξομολογοῦμαι (4 *b*)
— 37. σοὶ ὁ κ. τοῦ οὐρανοῦ τὴν ἀρχὴν . . . ἔδωκεν (4 *b*)
— 47. θεὸς τῶν θεῶν καὶ κύριος τῶν βασιλέων (12)
3. 9. κύριε βασιλεῦ, εἰς τὸν αἰῶνα ζῆθι –
— 17. ἔστι γὰρ . . . εἷς κύριος ἡμῶν –
— (24). ὕμνησαν τῷ κ.
— (25). ἐξωμολογεῖτο τῷ κ.
— (26). κύριε ὁ θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν
— (43). δὸς δόξαν τῷ ὀνόματί σου, κύριε
— (45). σὺ εἶ μόνος κ. ὁ θεός
— (49). ἄγγελος δὲ κυρίου συγκατέβη
— (52). κυριε ὁ θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν
— (57). εὐλογεῖτε πάντα τὰ ἔργα τοῦ κ. τὸν κ.
— (58). εὐλογεῖτε ἄγγελοι κυρίου τὸν κ.
— (59). εὐλογεῖτε οὐρανοὶ τὸν κ.
— (60). εὐλογεῖτε ὕδατα . . . τὸν κ.
— (61). εὐλογεῖτε πᾶσαι αἱ δυνάμεις κυρίου τὸν κ.
— (62). εὐλογεῖτε ἥλιος καὶ σελήνη τὸν κ.
— (63). εὐλογεῖτε ἄστρα τοῦ οὐρανοῦ τὸν κ.
— (64). εὐλογεῖτε πᾶς ὄμβρος καὶ δρόσος τὸν κ.
— (65). εὐλογεῖτε πάντα τὰ πνεύματα τὸν κ.
— (66). εὐλογεῖτε πῦρ καὶ καῦμα τὸν κ.
— (67). εὐλογεῖτε ῥῖγος καὶ ψῦχος τὸν κ.
— (68). εὐλογεῖτε δρόσοι καὶ νιφετοὶ τὸν κ.
— (69). εὐλογεῖτε πάγοι καὶ ψῦχος τὸν κ.
— (70). εὐλογεῖτε πάχναι καὶ χίονες τὸν κ.
— (71). εὐλογεῖτε νύκτες καὶ ἡμέραι τὸν κ.
— (72). εὐλογεῖτε φῶς καὶ σκότος τὸν κ.
— (73). εὐλογεῖτε ἀστραπαὶ καὶ νεφέλαι τὸν κ.
— (74). εὐλογείτω ἡ γῆ τὸν κ.
— (75). εὐλογεῖτε ὄρη καὶ βουνοὶ τὸν κ.
— (76). εὐλογεῖτε πάντα τὰ φυόμενα . . . τὸν κ.
— (77). εὐλογεῖτε ὄμβροι . . . τὸν κ.
— (78). εὐλογεῖτε θάλασσαι . . . τὸν κ.
— (79). εὐλογεῖτε κήτη . . . τὸν κ.
— (80). εὐλογεῖτε πάντα τὰ πετεινὰ . . . τὸν κ.

Da. LXX. 3. (81). εὐλογεῖτε πάντα τὰ θηρία . . . τὸν κ.
— (82). εὐλογεῖτε οἱ υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων τὸν κ.
— (83). εὐλογεῖτε Ἰσραὴλ τὸν κ.
— (84). εὐλογεῖτε ἱερεῖς δοῦλοι κυρίου τὸν κ.
— (85). εὐλογεῖτε δοῦλοι τὸν κ.
— (86). εὐλογεῖτε πνεύματα . . . τὸν κ.
— (87). εὐλογεῖτε ὅσιοι . . . τὸν κ.
— (88). εὐλογεῖτε Ἀν. Ἀζ. Μισ. τὸν κ.
— (89). ἐξομολογεῖσθε τῷ κ.
— (90). πάντες οἱ σεβόμενοι τὸν κ.
— 28 (95). εὐλογητὸς κ. τοῦ Σεδράχ (4 *b*)
— 29 (96). ὃς ἂν βλασφημήσῃ εἰς τὸν κ. τὸν θ. Σ. (18 *c*)
4. 14. ἕως ἂν γνῷ τὸν κ. τοῦ οὐρανοῦ ἐξουσίαν ἔχειν (15)
— 20. ἄγγελος ἐν ἰσχύϊ ἀπεστάλη παρὰ τοῦ κ. †
— 23. κύριος ζῇ ἐν οὐρανῷ –
— 31. κατὰ πρόσωπον κ. τοῦ θεοῦ τοῦ οὐρανοῦ –
— 34. θεὸς τῶν θεῶν καὶ κύριος τῶν κ. –
— 34. εἰς ὀσμὴν εὐωδίας τῷ κ. –
— 34. κ. τῷ θεῷ τοῦ οὐρανοῦ αἰνεῖτε –
6. 5 (6). καὶ δεῖται κ. τοῦ θεοῦ αὐτοῦ –
9. 3. ἔδωκα τὸ πρόσωπόν μου ἐπὶ κ. τὸν θεόν (2)
— 4. προσηυξάμην πρὸς κ. τὸν θεόν (11 *a*)
— 4. κύριε, σὺ εἶ ὁ θεός (2)
— 7. σοὶ, κύριε, ἡ δικαιοσύνη (2)
— 9. τῷ κ. ἡ δικαιοσύνη (2 + 6)
— 10. οὐκ ἠκούσαμεν τῆς φωνῆς κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 13. οὐκ ἐξεζητήσαμεν τὸ πρόσωπον κ. θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 13. διανοηθῆναι τὴν δικαιοσύνην σου, κύριε –
— 14. ἠγρύπνησε κ. ὁ θεὸς ἐπὶ τὰ κακά (18 *a*)
— 14. δίκαιος κ. ὁ θεὸς ἡμῶν ἐπὶ πάντα (11 *a*)
— 15. δέσποτα κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (18 *b*)
— 16. ὁ δῆμός σου, κύριε, εἰς ὀνειδισμόν –
— 18. πρόσχες, κύριε, τὸ οὖς σου (6)
— 18. ἀλλὰ διὰ τὸ σὸν ἔλεος, κύριε –
— 19. κύριε, ἐπάκουσον καὶ ποίησον (2)
— 20. καὶ δεόμενος . . . ἐναντίον κ. θεοῦ μοῦ (11 *a*)
— 23. ἐξῆλθε πρόσταγμα παρὰ κυρίου –
— 25. οἰκοδομήσεις Ἱερουσαλὴμ πόλιν κυρίῳ –
10. 12. ταπεινωθῆναι ἐναντίον κ. τοῦ θεοῦ σου (18 *b*)
— 16. εἶπα τῷ ἑστηκάτι ἀπέναντί μου, Κύριε (1)
— 17. λαλῆσαι μετὰ τοῦ κ. αὐτοῦ (1)
— 19. λαλησάτω ὁ κ. μου (1)
12. 8. κύριε, τίς ἡ λύσις τοῦ λόγου τούτου (1)

Bel 3. Δαν. δὲ προσηύχετο πρὸς κύριον
— 4. οὐδένα σέβομαι ἐγὼ εἰ μὴ κύριον
— 6. ὀμνύω δέ σοι κ. τὸν θεὸν τῶν θεῶν
— 33. ἐλάλησεν ἄγγελος κυρίου πρὸς Ἀμβ.
— 33. τάδε λέγει σοι κ. ὁ θεός
— 34. κύριε ὁ θεὸς, οὐχ ἑώρακα τὴν Βαβ.
— 35. ἐπιλαβόμενος αὐτοῦ ὁ ἄγγελος κυρίου
— 36. ὃ ἀπέστειλέ σοι κ. ὁ θεός
— 37. ἐμνήσθη γάρ μου κ. ὁ θεός
— 38. ὁ δὲ ἄγγελος κυρίου κατέστησε τὸν Ἀμβ.
— 38. ὁ δὲ κ. ὁ θεὸς ἐμνήσθη τοῦ Δαν.
— 40. μέγας ἐστὶ κ. ὁ θεός

Da. TH. Su. 2. καλὴ σφόδρα καὶ φοβουμένη τὸν κ.
— 23. ἡ ἁμαρτεῖν ἐνώπιον κυρίου
— 35. ἦν ἡ καρδία αὐτῆς πεποιθυῖα ἐπὶ κυρίῳ [A τῷ κ.]
— 44. εἰσήκουσε κύριος [A ἐπήκ. ὁ θεὸς] τῆς φωνῆς αὐτῆς
— 53. A B λέγοντος τοῦ κ. [R θεοῦ], Ἀθῷον . . . οὐκ ἀποκτενεῖς
1. 2. ἔδωκε κύριος ἐν χειρὶ αὐτοῦ τὸν Ἰωακείμ (2)
— 10. φοβοῦμαι ἐγὼ τὸν κ. μου (1)
2. 38. κατέστησέ σε κύριον πάντων (17)
— 47. A κύριος τῶν κ. καὶ βασ. [B *om.* τῶν κ. καὶ βασ.] τῶν βασιλέων (12)
3. 23. περιεπάτουν εὐλογοῦντες τὸν κ. –
— (26). κύριε ὁ θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν
— (43). δὸς δόξαν τῷ ὀνόματί σου, κύριε
— (45). σὺ εἶ κύριος θεὸς μόνος
— (49). ὁ δὲ ἄγγελος κυρίου συγκατέβη
— (52). κύριε ὁ θεὸς τῶν πατέρων ἡμῶν
— (57). εὐλογεῖτε πάντα τὰ ἔργα κυρίου τὸν κ.
— (59). εὐλογεῖτε οὐρανοὶ τὸν κ.
— (58). εὐλογεῖτε ἄγγελοι κυρίου τὸν κ.
— (60). εὐλογεῖτε ὕδατα . . . τὸν κ.
— (61). R εὐλογείτω πᾶσα ἡ δύναμις κυρίου [B *om.*] τὸν κ. [A *al.*]
— (62). εὐλογεῖτε ἥλιος καὶ σελήνη τὸν κ.
— (63). εὐλογεῖτε ἄστρα τοῦ οὐρανοῦ τὸν κ.

Da. TH. 3. (64). εὐλογείτω [A -εῖτε] πᾶς ὄμβρος καὶ δρόσος τὸν κ.
— (65). εὐλογεῖτε πάντα τὰ πνεύματα τὸν κ.
— (66). εὐλογεῖτε πῦρ καὶ καῦμα τὸν κ.
— (67). A εὐλογεῖτε ψῦχος καὶ καύσων τὸν κ.
— (68). A εὐλογεῖτε δρόσοι . . . τὸν κ.
— (71). εὐλογεῖτε νύκτες . . . τὸν κ.
— (72). εὐλογεῖτε φῶς καὶ σκότος τὸν κ.
— (69). εὐλογεῖτε ψῦχος καὶ καῦμα [A εὐ. πάγος καὶ ψ.] τὸν κ.
— (70). εὐλογεῖτε πάχναι . . . τὸν κ.
— (73). εὐλογεῖτε ἀστραπαὶ . . . τὸν κ.
— (74). εὐλογείτω ἡ γῆ τὸν κ.
— (75). εὐλογεῖτε ὄρη . . . τὸν κ.
— (76). εὐλογεῖτε πάντα τὰ φυόμενα . . . τὸν κ.
— (78). εὐλογεῖτε θάλασσαι . . . τὸν κ.
— (77). εὐλογεῖτε αἱ πηγαὶ τὸν κ.
— (79). εὐλογεῖτε κήτη . . . τὸν κ.
— (80). εὐλογεῖτε πάντα τὰ πετεινὰ . . . τὸν κ.
— (81). εὐλογεῖτε . . . τὰ κτήνη τὸν κ.
— (82). εὐλογεῖτε υἱοὶ τῶν ἀνθρώπων τὸν κ.
— (83). εὐλογεῖτε [A -εῖτω] Ἰσραὴλ τὸν κ.
— (84). A εὐλογεῖτε ἱερεῖς κυρίου [B *om.*] τὸν κ.
— (85). A εὐλογεῖτε δοῦλοι κυρίου [B *om.*] τὸν κ.
— (86). εὐλογεῖτε πνεύματα . . . τὸν κ.
— (87). εὐλογεῖτε ὅσιοι . . . τὸν κ.
— (88). εὐλογεῖτε Ἀν. Ἀζ. Μι. τὸν κ.
— (89). ἐξομολογεῖσθε τῷ κ. ὅτι χρηστός
— (90). πάντες οἱ σεβόμενοι τὸν κ.
— 27 (94). A B^2 προσεκύνησεν ὁ βασ. . . τῷ κ. –
4. 14. κύριός ἐστιν ὁ ὕψιστος τῆς βασιλείας (15)
— 16. κύριε, τὸ ἐνύπνιον ἔστω τοῖς μισοῦσί σε (12)
— 21. ὃ ἔφθασεν ἐπὶ τὸν κ. μου τὸν βασ. (12)
5. 23. ἐπὶ τὸν κ. θεὸν τοῦ οὐρανοῦ ὑψώθης (12)
9. 2. ὃς ἐγενήθη λόγος κυρίου πρὸς Ἱερ. (11 *a*)
— 3. ἔδωκα τὸ πρόσωπόν μου πρὸς κ. τὸν θεόν (2)
— 4. προσευξάμην πρὸς κ. τὸν θεόν μου [A κ. τοῦ οὐρανοῦ] (11 *a* [11 *a* + 6])
— 4. κύριε ὁ θεὸς ὁ μέγας καὶ θαυμαστός (2)
— 7. σοὶ, κύριε, ἡ δικαιοσύνη (2)
— 7. A ᾗ ἠθέτησάν σε, κύριε [B *om.* σε κ.] –
— 8. ἐν [A *om.*] σοὶ, κύριε, ἐστὶν ἡμῶν [A *om.* ἐ. ἡ.] ἡ δικαιοσύνη (2)
— 9. τῷ κ. θεῷ ἡμῶν οἱ οἰκτιρμοί (2)
— 9. A ὅτι ἀπέστημεν ἀπὸ κυρίου [B *om.* ἀπὸ κ.] †
— 10. A B οὐκ εἰσηκούσαμεν τῆς φωνῆς κ. τοῦ [B τοῦ κ.] θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 13. οὐκ ἐδεήθημεν τοῦ προσώπου κ. τοῦ θεοῦ ἡμῶν (11 *a*)
— 14. καὶ ἐγρηγόρησε κύριος [A κ. ὁ θεὸς ἡμῶν] (11 *a* [18 *a*])
— 14. δίκαιος κ. [A *om.*] ὁ θεὸς ἡμῶν (11 *a*)
— 15. καὶ νῦν, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (2)
— 16. κύριε, ἐν πάσῃ ἐλεημοσύνῃ σου (2)
— 17. εἰσάκουσον, κύριε ὁ θεὸς ἡμῶν (18 *b*)
— 17. ἕνεκέν σου, κύριε (2)
— 18. ἐπὶ τοὺς οἰκτιρμούς σου τοὺς πολλούς, κύριε –
— 19. A κύριε [B *om.*], εἰσάκουσον [B ἄκ.], κύριε, ἱλάσθητι, κύριε, πρόσχες, κύριε, ποίησον [B *om.*] (2 *ter*, –)
— 19. A ἕνεκέν σου, κύριε [B *om.*] ὁ θεός μου (18 *b*)
— 20. ῥιπτοῦντος τὸν ἔλεόν μου ἐναντίον τοῦ κ. [A *om.* τ. κ.] τοῦ θ. μου (11 *a*)
10. 12. A B κακωθῆναι ἐναντίον κ. [B *om.*] τοῦ θεοῦ σου (18 *b*)
— 16. κύριε, ἐν τῇ ὀπτασίᾳ σου (1)
— 17. πῶς δυνήσεται ὁ παῖς σου, κύριε, λαλῆσαι μετὰ τοῦ κ. μου τούτου (1, 1)
— 19. λαλείτω ὁ κ. μου (1)
12. 8. κύριε, τί τὰ ἔσχατα τούτων (1)
Bel 25. κ. τῷ θεῷ μου προσκυνήσω
— 34. εἶπεν ἄγγελος κυρίου τῷ [A πρὸς] Ἀμβ.
— 35. κύριε, Βαβυλῶνα οὐχ ἑώρακα
— 36. ἐπελάβετο ὁ ἄγγελος κυρίου [A *om.*] τῆς κορυφῆς [A χειρὸς] αὐτοῦ
— 41. κύριε ὁ θεὸς τοῦ Δανιήλ
I Ma. 2. 53. καὶ ἐγένετο κύριος Αἰγύπτου
4. 24. R εὐλόγουν εἰς οὐρανὸν τὸν κ. [AS *om.* τὸν κ.]
7. 37. R σὺ, κύριε [AS *om.*], ἐξελέξω τὸν οἶκον τοῦτον
— 41. R ἐξῆλθεν ἄγγελός σου, κύριε [A S *om.*]
9. 25. κατέστησεν αὐτοὺς κυρίους τῆς χώρας
II Ma. 1. 8. ἐδεήθημεν τοῦ κ.
— 24. R κύριε [A *om.*] κύριε ὁ θεὸς ὁ πάντων κτίστης
2. 2. ἵνα μὴ ἐπιλάθωνται τῶν προσταγμάτων τοῦ κ.
— 8. ὁ κ. ἀναδείξει ταῦτα
II Ma. 2. 8. ὀφθήσεται ἡ δόξα τοῦ κ.
— 10. Μωυσῆς προσηύξατο πρὸς κύριον
— 10. A Σαλωμὼν προσηύξατο πρὸς κύριον [B *om.* πρ. κ.]
— 22. τοῦ κ. . . . ἵλεω γενομένου αὐτοῖς
3. 22. A ἐπεκαλοῦντο τὸν παγκρατῆ κ. [B παντοκράτορα θεόν]
— 24. B ὁ τῶν πατέρων [A πνευμάτων] κ. [A *om.*]
— 30. οἱ δὲ τὸν κ. εὐλόγουν
— 30. R τοῦ παντοκράτορος ἐπιφανέντος κ. [A χριστοῦ]
— 33. R σοὶ κεχάρισται τὸ ζῆν ὁ [A *om.*] κ.
— 35. R θυσίαν ἀνενέγκας τῷ κ. [A -κὼν τῷ θεῷ]
4. 38. τοῦ κ. τὴν ἀξίαν αὐτῷ κόλασιν ἀποδόντος
5. 19. τὸν τόπον ὁ κ. ἐξελέξατο
— 20. B ὑπὸ τοῦ κ. [A *om.* ὑ. τ. κ.] ἐκοινώνησε
6. 30. τῷ κ. . . . φανερόν ἐστιν
7. 6. ὁ κ. ὁ θεὸς ἐφορᾷ
— 20. διὰ τὰς ἐπὶ κύριον ἐλπίδας
— 33. ὁ ζῶν κ. ἡμῶν βραχέως ἐπώργισται
— 40. παντελῶς ἐπὶ τῷ κ. πεποιθώς
8. 2. ἐπεκαλοῦντο τὸν κ.
— 5. τῆς ὀργῆς τοῦ κ. εἰς ἔλεον τραπείσης
— 14. ὁμοῦ δὲ τὸν κ. ἠξίουν
— 27. ἐξομολογούμενοι τῷ κ.
— 29. τὸν ἐλεήμονα κ. ἠξίουν
— 35. τῇ τοῦ κ. βοηθείᾳ
9. 5. ὁ δὲ πανεπόπτης κ.
10. 1. τοῦ κ. προάγοντος αὐτούς
— 4. ἠξίωσαν τὸν κ.
— 28. τὴν ἐπὶ τὸν κ. καταφυγήν
— 38. εὐλόγουν τῷ κ.
11. 6. ἱκέτευον . . . τὸν κ.
— 10. ἐλεήσαντος αὐτοὺς τοῦ κ.
12. 36. ἐπικαλεσάμενος ὁ Ἰούδας τὸν κ.
— 41. εὐλογήσαντες τὰ τοῦ δικαιοκρίτου κ.
13. 10. ἐπικαλέσασθαι τὸν κ.
— 12. καὶ καταξιωσάντων τὸν ἐλεήμονα κ.
— 13. R τῇ τοῦ κ. [A θεοῦ] βοηθείᾳ
— 14. A δοὺς δὲ τὴν ἐπιτροπὴν τῷ κ. [R κτίστῃ] τοῦ κόσμου
— 17. R διὰ τὴν ἐπαρήγουσαν αὐτῷ τοῦ κ. [A τῷ κ.] σκέπην
14. 35. σὺ, κύριε, τῶν ὅλων ἀπροσδεὴς ὑπάρχων
— 36. ἅγιε παντὸς ἁγιασμοῦ κύριε
15. 4. ἔστιν ὁ κ. ζῶν αὐτὸς ἐν οὐρανῷ
— 7. ἀντιλήψεως τεύξασθαι παρὰ τοῦ κ.
— 21. ἐπεκαλέσατο τὸν τερατοποιὸν κ.
— 34. εὐλόγησαν τὸν ἐπιφανῆ κ.
— 35. φανερὸν τῆς τοῦ κ. βοηθείας σημεῖον
III Ma. 2. 2. κύριε κύριε βασιλεῦ τῶν οὐρανῶν
5. 7. τὸν παντοκράτορα κ. . . . ἐπεκαλέσαντο
— 35. A τὸν ἐπιφανῆ θεὸν κ. [R καὶ] βασιλέα
6. 15. μεθ' ἡμῶν εἶ, κύριε
— 15. οὕτως ἐπιτέλεσον, κύριε
IV Ma. 2. 7. κύριός ἐστι τῶν παθῶν ὁ λογισμός
7. 23. μόνος γὰρ ὁ σοφὸς . . . ἐστι τῶν παθῶν κύριος

[Aq. GE. 2. 7, 8: 3. 2 (1): 4. 6, 26: 6. 7 (6): 8. 21: 18. 30: 23. 6, 11: 24. 31: 32. 9 (10): EX. 4. 13: 9. 33: 17. 16: 19. 22: 21. 8: 29. 18: LE. 2. 3: 23. 40, 41: 24. 9: 25. 2: 27. 26 *bis*: NU. 14. 14 *bis*: JO. 1. 15: 2. 14: JD. 4. 14: I KI. 6. 20: 25. 41: II KI. 6. 13, 14: 12. 14, 25: 21. 6: III KI. 5. 3 (17): 6. 19: 8. 12: 9. 25 *bis*: 11. 14: 13. 26 *bis*: 14. 5, 7, 11, 13, 14, 15 *bis*, 16, 18: 15. 4, 14, 18: 17. 22: 22. 6: IV KI. 2. 14: 10. 10: 11. 3, 4: 17. 11, 14, 15, 25: 23. 7: JB. 1. 6: 2. 1: 8. 19: PS. 1. 2: 2. 7: 6. 2: 9. 14, 21, 24 (10. 3), 33 (10. 12): 10 (11). 5: 12 (13). 2: 16 (17). 1, 14: 17 (18). 1: 24 (25). 10, 14: 26 (27). 4, 13: 28 (29). 10: 30 (31). 24: 34 (35). 17: 36 (37). 7, 20: 40 (41). 3, 4: 45 (46). 9: 49 (50). 1: 54 (55). 17: 55 (56). 11: 65 (66). 18: 68 (69). 7, 14: 71 (72). 18: 76 (77). 2: 80 (81). 16: 81 (82). 1: 82 (83). 19: 83 (84). 12, 13: 84 (85). 9: 85 (86). 11: 86 (87). 6: 87 (88). 15: 88 (89). 2, 47: 90 (91). 9: 103 (104). 16: 112 (113). 1 *bis*: 113 (114). 7: 114 (116). 4: 117 (118). 25 *bis*, 26: 120 (121). 8: 123 (124). 1: 129 (130). 1, 4, 6: 137 (138). 8: 146 (147). 7: PR. 8. 22: 10. 29: 12. 2: 17. 3: 21. 30: 22. 23: 29. 13: 30. 9: 31. 30: IS. 1. 24: 2. 2: 3. 8, 15 *bis*: 7. 11, 13, 14: 8. 18 *bis*: 10. 23 *bis*, 24: 11. 11, 15: 19. 1: 21. 17: 22. 14 *bis*: 23. 18 *bis*: 24. 2: 26. 4 *ter*: 28. 22: 30. 1: 34. 16: 35. 2: 36. 10: 37. 4: 38. 3, 14 *bis*, 16: 40. 13: 41. 13, 16: 47. 4: 48. 14, 22: 51. 3, 9: 52. 5, 8: 54. 10, 17: 58. 5: 59. 13, 19: 60. 9: 61. 1, 10: 62. 2, 6: 64. 9 (8): 66. 5: JE. 3. 10: 5. 11: 6. 11: 7. 1, 2 *ter*, 13, 29: 8. 3, 17: 9. 20 (19): 10. 6, 7, 10: 11. 20: 12. 12, 17: 13. 11, 12: 14. 6, 22: 15. 6, 11, 16, 20: 16. 1, 10, 19: 17. 7, 19: 18. 6: 20. 7, 12: 21. 10, 14: 22. 30: 23. 2, 28: 25. 3: 27 (34). 1, 11, 18, 22: 28 (35). 16: 29 (36). 11: 30 (37). 12: 31 (38). 6, 7, 16, 17, 22, 34, 37: 32 (39). 14, 17 *bis*, 25, 30: 34 (41). 5, 12: 36 (43). 1, 26: 37 (44). 20: 38 (45). 20: 39 (46). 17: 43 (50). 1: 46 (26). 10, 18, 25: 47 (29). 1: 48 (31). 43: 49 (30). 6: 50 (27). 5, 7, 14: 51 (28). 6, 10, 12, 51: LA. 4. 16: EZ. 4. 13: 18. 23: 34. 9: 44. 4: AM. 6. 10: 7. 3: ZA. 11. 13 *bis*.]

[Sm. GE. 2. 7: 4. 1: 8. 21: 19. 16: 24. 31 (?): 32. 9 (10): EX. 4. 24: 17. 16: 21. 8: 32. 9: LE. 2. 3: 16. 8: 23. 40, 41: 24. 9: 27. 26 *bis*: NU. 14. 14: DT. 4. 19: 9. 23: JO. 1. 15: 2. 14: JD. 4. 14: I KI. 3. 7: 6. 18, 20: 12. 7 *bis*: 13. 12: 15. 22: 16. 16: II KI. 6. 14: 12. 14, 25 *bis*: 15. 21 *bis*: 21. 6: III KI. 5. 3 (17): 6. 19: 11. 14: 15. 4: 17. 20: 22. 6: IV KI. 2. 14: 10. 10: 11. 3: 17. 15, 25: 23. 7: JB. 1. 6: 3. 19: 8. 3: PS. 1. 2: 6. 2: 9. 21, 24 (10. 3), 33 (10. 12): 12 (13). 2: 16 (17). 1, 14: 17 (18). 1, 31: 21 (22). 31: 24 (25). 14: 26 (27). 7, 11, 13: 28 (29). 10: 29 (30). 8, 9: 30 (31). 22, 24, 25: 32 (33). 13: 34 (35). 17: 36 (37). 7, 13, 18, 20: 39 (40). 2, 6: 40 (41). 3, 5, 11: 41 (42). 9: 44 (45). 12: 45 (46). 9: 49 (50). 1: 58 (59). 9, 12: 65 (66). 18: 67 (68). 12, 17, 21, 23: 68 (69). 7, 14, 32: 70 (71). 16: 71 (72). 18: 74 (75). 9: 76 (77). 12: 80 (81). 16: 82 (83). 19: 83 (84). 12: 84 (85). 9: 85 (86). 11: 86 (87). 6: 87 (88). 14, 15: 88 (89). 2, 7 *bis*, 47: 89 (90). 13, 17: 90 (91). 9: 91 (92). 16: 95 (96). 10: 103 (104). 1, 16: 109 (110). 4: 111 (112). 7: 112 (113). 1 *bis*: 114 (116). 4: 117 (118). 23, 25 *bis*, 26: 118 (119). 126: 120 (121). 8: 125 (126). 2: 129 (130). 1, 4: 137 (138). 8: 139 (140). 9: 146 (147). 7: PR. 3. 5: 8. 22, 35: 10. 29: 15. 11: 17. 3: 19. 3: 21. 30: 22. 4: 29. 13: 30. 9: IS. 1. 4, 24: 2. 2: 3. 8, 15: 6. 1, 12: 7. 11, 14: 8. 11, 13, 17, 18 *bis*: 10. 23 *bis*, 24: 11. 11, 15: 18. 5: 16. 14: 21. 17: 23. 18: 25. 8 *bis*, 9: 28. 21, 22, 29: 31. 9: 33. 6, 21: 34. 16: 35. 2: 36. 9, 10: 37. 4, 14: 38. 3, 11, 14, 20: 40. 7: 41. 13, 16: 42. 13, 19, 21: 43. 15: 48. 14, 22: 51. 3, 9: 52. 5, 8: 53. 6, 10: 54. 10, 17: 59. 13, 19, 20: 60. 9: 62. 2, 4, 6: 63. 7: 64. 9 (8): 65. 13, 15: 66. 5, 9: JE. 3. 10: 5. 11: 6. 11: 7. 1, 2 *ter*, 13, 29: 9. 12 (11), 20 (19): 11. 5, 20, 22: 12. 17: 13. 11, 12: 14. 22: 15. 11, 16, 20: 16. 1, 10, 19: 17. 7, 19: 18. 6: 20. 12, 13: 21. 10: 22. 30: 23. 28: 27 (34). 22: 29 (36). 11: 31 (38). 6, 7, 16, 17, 34, 37: 32 (39). 14, 17 *bis*, 25 *bis*, 30: 36 (43). 1, 26: 38 (45). 20: 39 (46). 17: 43 (50). 1: 46 (26). 10, 18: 47 (29). 1: 48 (31). 43: 49. 13 (29. 14): 50 (27). 5, 7, 14: 51 (28). 6, 10, 51: LA. 1. 12, 15, 17: EZ. 4. 13: 13. 5: 18. 23: 44. 4: 48. 10: HO. 3. 5: AM. 6. 10: 7. 3, 7: HB. 1. 12: ZA. 11. 13: 14. 7.]

[Th. GE. 2. 7: 8. 21: EX. 4. 13, 24: 17. 16: 21. 8: 29. 18: 32. 9: LE. 2. 3: 23. 40, 41: 24. 9: 27. 26 *bis*: DT. 1. 26: 9. 23: JO. 1. 15: 2. 14: JD. 4. 14: 6. 22 *bis*: 18. 8: 16. 28 *bis*: I KI. 6. 20: II KI. 12. 9, 14, 25: 14. 16: 15. 21 *bis*: III KI. 5. 3 (17): 6. 19: 18. 26 *bis*: 15. 4, 14: 22. 6: IV KI. 10. 10: 11. 3, 4 *bis*: 17. 25: JB. 2. 1: 8. 19: 12. 9: 31. 35: 36. 33: 37. 2: PS. 9. 21: 16 (17). 1: 24 (25). 14: 27 (28). 8: 29 (30). 11: 34 (35). 17: 40 (41). 3, 4: 49 (50). 1: 54 (55). 17: 68 (69). 7, 14: 71 (72). 18: 76 (77). 2: 82 (83). 19: 83 (84). 12: 84 (85). 9: 86 (87). 6: 87 (88). 15: 103 (104). 16: 117 (118). 25 *bis*, 26: 129 (130). 1: PR. 8. 22: 10. 29: 15. 11: 16. 2, 3, 4: 17. 3: 21. 30: 29. 13: IS. 1. 24: 2. 2: 7. 11: 8. 18 *bis*: 10. 23 *bis*, 24, 26: 11. 15: 16. 14: 21. 17: 22. 14 *bis*, 15, 25: 25. 9: 28. 2, 21, 22: 34. 16: 35. 2: 36. 10: 37. 4, 14, 17: 38. 3: 40. 7: 41. 13: 48. 14, 22: 51. 3, 9: 52. 5, 8: 54. 10, 17: 59. 19: 60. 9: 61. 1: 62. 2, 4, 6: 64. 9 (8): 65. 13, 15: 66. 5: JE. 2. 1: 8. 10: 5. 11, 22: 7. 1, 2 *ter*, 13: 8. 12,

17: 9. 22 (21): 10. 6, 7, 10: 11. 20, 22: 12. 17: 13. 11, 12: 15. 16, 20: 16. 19: 17. 19: 18. 6: 21. 10, 14: 22. 30: 23. 2, 23, 28, 36, 37 *bis*, 38: 25. 3: 27 (34). 11, 18 *bis*, 19, 21 *bis*, 22: 28 (35). 16: 29 (36). 11, 14 *bis*, 16, 17, 19 *bis*, 20, 25, 32 *bis*: 30 (37). 10, 11: 31 (38). 16, 17, 22, 34: 32 (39). 5, 14, 25: 33 (40). 14, 16, 17, 19, 20, 23, 24, 25: 37 (44). 20: 38 (45). 9: 43 (50). 1: 46 (26). 10, 18, 25, 26: 48 (31). 44, 47: 49 (30). 6: 50 (27). 7, 14: 51 (28). 51: Ez. 4. 13: 7. 19: 13. 5: 18. 23: 33. 27: 34. 9: 44. 4: Da. 2. 38, 47: 3 (58), (90): 9. 14: Jl. 1. 9: Am. 6. 10: 7. 7: Hg. 1. 13.]

[Heb. Ge. 4. 26: 24. 31: III Ki. 19. 14: IV Ki. 17. 15, 25: Ps. 103 (104). 16: Je. 1. 2.]

[Al. Ge. 4. 1: 44. 18: 47. 18: 49. 18: Ex. 8. 22 (18): 10. 11: 17. 16: Le. 6. 2 (5. 21): 7. 25: 10. 6: 21. 6: 24. 12: Nu. 3. 16 *bis*: 12. 11: 14. 9: 22. 13: 28. 16: 32. 27: Dt. 9. 18: 16. 1: Jd. 5. 13: I Ki. 1. 6, 11 *bis*: 5. 6: 11. 7: 12. 22: 23. 12: 28. 16, 18, 19 *bis*: III Ki. 22. 17: IV Ki. 10. 16: 13. 4: II Ch. 36. 22, 23: Jb. 2. 7: Ps. 4. 4: 7. 9: 9. 17: 10 (11). 5: 114 (116). 9: 118 (119). 126: 121 (122). 1: 124 (125). 2: 125 (126). 1: 134 (135). 5: 137 (138). 5: Pr. 3. 19: Is. 24. 14: 28. 2: 63. 7: Je. 1. 6 *bis*: 3. 16: 10. 10: Hb. 3. 19.]

[Quint. IV Ki. 10. 10: 11. 3, 4: 17. 15, 25: Ps. 1. 2: 24 (25). 14: 30 (31). 25: 71 (72). 18: 83 (84). 12: 90 (91). 9: 117 (118). 25 *bis*, 26: 129 (130). 1, 5.]

[Sext. Ps. 1. 2: 24 (25). 14: 71 (72). 18: 117 (118). 25 *bis*, 26: 129 (130). 1.]

κύριος (adj.).

I Ma. 8. 30. *ὃ ἐὰν προσθῶσιν . . . ἔσται κύρια*
IV Ma. 1. 19. *κυριωτάτη δὲ πάντων ἡ φρόνησις*

κυροῦν. (1) קוּם

Ge. 23. 20. *ἐκυρώθη ὁ ἀγρὸς . . . τῷ Α. εἰς κτῆσιν* (1)
Le. 25. 30. *κυρωθήσεται ἡ οἰκία* (1)
Da. LXX. 6. 9 (10). *ὁ βασ. Δαρεῖος ἔστησε καὶ ἐκύρωσεν* –
IV Ma. 7. 9. *τὴν εὐνομίαν ἡμῶν . . . ἐκύρωσας*

[Aq. Ge. 23. 17.]
[Sm. Ez. 13. 6.]
[Al. I Ki. 15. 13.]

κυρτός. (1) גֵּבֶן (2) חָנֵר

Le. 21. 20. *ἢ κυρτὸς ἢ ἔφηλος* (1)
III Ki. 21 (20). 11. *μὴ καυχάσθω ὁ κ. ὡς ὁ ὀρθός* (2 ?)

κύτος. (1) חֲזוֹת (2) שְׁאוֹן

Ps. 64 (65). 7. SR *ὁ συνταράσσων τὸ κ.* [B *ὕδωρ*] *τῆς θαλάσσης* (2)
Da. LXX. 4. 9 (8). *καὶ τὸ κ. αὐτοῦ ἕως τῶν νεφελῶν* (1)
— 19 (17). *καὶ τὸ κ. αὐτοῦ ἅψασθαι τῶν νεφελῶν* (1)
Da. TH. 4. 8. *καὶ τὸ κ. αὐτοῦ εἰς τὸ πέρας* [A *τὰ πέρατα*] (1)
— 17. *καὶ τὸ κ. αὐτοῦ εἰς πᾶσαν τὴν γῆν* (1)

κύφειν. (1) שָׁחַח

Jb. 22. 29. *κύφοντα ὀφθαλμοῖς σώσει* (1)

[Sm., Th. Is. 60. 14.]

κυψέλη. (1) עֲרִמָּה

Hg. 2. 17 (16). *ἐνεβάλλετε εἰς κυψέλην κριθῆς εἴκοσι σάτα*

κύων. (1) כֶּלֶב (2) עָכָם

Ex. 11. 7. *οὐ γρύξει κύων τῇ γλώσσῃ αὐτοῦ* (1)
22. 31 (30). *τῷ κ. ἀπορρίψατε αὐτό* (1)
De. 23. 18 (19). *οὐ προσοίσεις . . . ἄλλαγμα κυνός* (1)
Jd. 7. 5. *ὡς ἐὰν λάψῃ* [A *λήμψῃ*] *ὁ κ.* (1)
I Ki. 17. 43. *ὡσεὶ κύων ἐγώ εἰμι* (1)
— 43. B *ἀλλ' ἢ χείρων κυνός* –
24. 15. *ὀπίσω κυνὸς τεθνηκότος* (1)
II Ki. 3. 8. *μὴ κεφαλὴ κυνὸς ἐγώ εἰμι* (1)
9. 8. *ἐπέβλεψας ἐπὶ τὸν κ. τὸν τεθνηκότα* (1)
16. 9. *ἵνα τί καταρᾶται ὁ κ. ὁ τεθνηκὼς οὗτος* (1)
III Ki. 12. 24 (*cf.* A 14. 11). B *καταφάγονται οἱ κ.* (1 ?)
14. 11. A *καταφάγονται οἱ κ.* (1)
16. 4. *καταφάγονται αὐτὸν* [A *om.*] *οἱ κ.* (1)
20 (21). 19. *ᾧ ἔλειξαν . . . οἱ κ. τὸ αἷμα* Ναβ. *ἐκεῖ λείξουσιν οἱ κ.* [A *om. οἱ κ.*] *τὸ αἷμά σου* (1, 1)
— 23. *οἱ κ. καταφάγονται αὐτήν* (1)
III Ki. 20 (21). 24. *τὸν τεθνηκότα . . . φάγονται* [A *καταφ.*] *οἱ κ.* (1)
22. 38. *ἐξέλεξαν . . . οἱ κ. τὸ αἷμα* (1)
IV Ki. 8. 13. *ὁ κ. ὁ τεθνηκώς* [A *al.*] (1)
9. 10. *τὴν Ἰεζ. καταφάγονται οἱ κ.* (1)
— 36. *καταφάγονται οἱ κ. τὰς σάρκας Ἰεζ.* (1)
To. 5. 16. A B *ὁ κ. τοῦ παιδαρίου μετ' αὐτῶν*
6. 1. S *ὁ κ. ἐξῆλθεν μετ' αὐτοῦ*
11. 4. *συνῆλθεν ὁ κ. ὄπισθεν αὐτῶν* [S *al.*]
Ju. 11. 19. *οὐ γρύξει κύων τῇ γλώσσῃ αὐτοῦ*
Jb. 30. 1. *ἀξίους κυνῶν τῶν ἐμῶν νομάδων* [A *al.*] (1)
Ps. 21 (22). 16. *ἐκύκλωσάν με κύνες πολλοί* (1)
— 20. *καὶ ἐκ χειρὸς κυνὸς τὴν μονογενῆ μου* (1)
58 (59). 6, 14. *λιμώξουσιν ὡς κύων* (1)
67 (68). 23. *ἡ γλῶσσα τῶν κ. σου ἐξ ἐχθρῶν παρ' αὐτοῦ* (1)
Pr. 7. 22. *ὥσπερ κύων ἐπὶ δεσμούς* (2 ?)
26. 11. *ὥσπερ κύων ὅταν ἐπέλθῃ ἐπὶ τὸν ἑαυτοῦ ἔμετον* (1)
— 17. *ὥσπερ ὁ κρατῶν κέρκου κυνός* (1)
Ec. 9. 4. *ὁ κ. ὁ ζῶν αὐτὸς ἀγαθὸς ὑπὲρ τὸν λέοντα τὸν νεκρόν* (1)
Si. 13. 18. *τίς εἰρήνη ὑαίνῃ πρὸς κύνα*
Is. 56. 10. *κύνες ἐνεοὶ οὐ δυνήσονται ὑλακτεῖν* (1)
— 11. *οἱ κ. ἀναιδεῖς τῇ ψυχῇ* (1)
66. 3. *ὁ θύων μοι μόσχον ὡς ὁ ἀποκτέννων κύνα* (1)
Je. 15. 3. *ἐκδικήσω ἐπ' αὐτοὺς . . . τοὺς κ. εἰς διασπασμόν* (1)

[Aq. III Ki. 14. 11: Jb. 30. 1: Ps. 58 (59). 7, 15.]
[Sm. Jb. 30. 1: Ps. 58 (59). 7, 15: 67 (68). 24: Ec. 9. 4.]
[Th. Jb. 30. 1: Ps. 21 (22). 17: 58 (59). 7.]
[Quint. Ps. 58 (59). 7.]

κώδιον.

Ne. 3. 15. *τὸ τεῖχος κολυμβήθρας τῶν κ.* [S^1 *al.*] †
Ju. 12. 15. *ἔστρωσεν αὐτῇ . . . τὰ κ.*

κώδων. (1) פַּעֲמוֹן (2) רִמּוֹן

Ex. 28. 29 (33). *κώδωνας ἀνὰ μέσον τούτων περικυκλῳ* (1)
— 30 (34). *παρὰ ῥοΐσκον χρυσοῦν κώδωνα* (1)
36. 33 (39. 25). *ἐποίησαν κώδωνας χρυσοῦς* (1)
— 33 (39. 25). *ἐπέθηκαν τοὺς κ. ἐπὶ τὸ λῶμα* (1)
— 34 (39. 26). *κώδων χρυσοῦς καὶ ῥοΐσκος* (1)
II Ch. 4. 13. *καὶ κ. χρυσοῦς τετρακοσίους* (2)
Si. 45. 9. *ἐκύκλωσεν αὐτὸν ῥοΐσκοις χρυσοῖς κώδωσι πλείστοις κυκλόθεν*

κωελέθ.

[Aq. Ec. 12. 8.]

κώθων. (1) מַשְׁתֶּה

Es. 8. 17. A B S^2 *κώθων καὶ εὐφροσύνη* (1)
III Ma. 6. 31. *κ. σωτήριον συστησάμενοι*

κωθωνίζεσθαι. (1) יָשַׁב לִשְׁתּוֹת

I Es. 4. 63. *ἐκωθωνίζοντο μετὰ μουσικῶν*
Es. 8. 15. *ὁ δὲ βασ. καὶ Ἀμὰν ἐκωθωνίζοντο* (1)

κωκυτός.

III Ma. 6. 32. *κωκυτὸν ἀπωσάμενοι*

[Sm. Ps. 143 (144). 14.]

κωλέα. (1) שׁוֹק

I Ki. 9. 24. *ἤψησεν ὁ μάγειρος τὴν κ.* (1)

κωλέθ.

[Aq. Ec. 1. 1.]

κῶλον. (1) פֶּגֶר

Le. 26. 30. *θήσω τὰ κ. ὑμῶν ἐπὶ τὰ κ. τῶν εἰδώλων ὑμῶν* (1, 1)
Nu. 14. 29. *πεσεῖται τὰ κ. ὑμῶν* (1)
— 32. *τὰ κ. ὑμῶν πεσεῖται* (1)
— 33. *ἕως ἀναλωθῇ τὰ κ. ὑμῶν* (1)
I Ki. 17. 46. *δώσω τὰ κ. σου καὶ τὰ κ. παρεμβολῆς ἀλλοφύλων* (–, 1)
Is. 66. 24. *ὄψονται τὰ κ. τῶν ἀνθρώπων τῶν παραβεβηκότων ἐν ἐμοί* (1)

κωλύειν. (1) כָּלָא *a.* qal. *b.* ni. (2) מוּשׁ hi. (3) מָנַע (4) עָצַר (5) שׁוּב hi.

Ge. 23. 6. B *οὐ μὴ κωλύσει τὸ μνημεῖον αὐτοῦ* [A *al.*] (1 *a*)
Ex. 36. 6. *ἐκωλύθη ὁ λαὸς ἔτι προσφέρειν* (1 *b*)
Nu. 11. 28. *κύριε* [A *κ. μου*] *Μωυσῆ, κώλυσον αὐτούς* (1 *a*)
I Ki. 25. 26. *καθὼς ἐκώλυσέ σε κύριος* (3)
II Ki. 13. 13. *οὐ μὴ κωλύσῃ με ἀπὸ σοῦ* (3)
I Es. 2. 30. *ἤρξαντο κωλύειν τοὺς οἰκοδομοῦντας*
6. 6. *οὐκ ἐκωλύθησαν τῆς οἰκοδομῆς*
— 33. *κωλῦσαι ἢ κακοποιῆσαι τὸν οἶκον κυρίου*
To. 6. 12. S *οὐ μὴ δυνηθῇ Ρ. κωλῦσαι αὐτήν* [AB *al.*]
— 8. 3. S *ἡ ὀσμὴ τοῦ ἰχθύος ἐκώλυσεν* [A B *al.*]
Jb. 12. 15. *ἐὰν κωλύσῃ τὸ ὕδωρ ξηρανεῖ τὴν γῆν* (4)
Ps. 39 (40). 9. *τὰ χείλη μου οὐ μὴ κωλύσω* (1 *a*)
118 (119). 101. *ἐκ πάσης ὁδοῦ πονηρᾶς ἐκώλυσα τοὺς πόδας μου* (1 *a*)
Ec. 8. 8. *τοῦ κωλῦσαι σὺν τὸ πνεῦμα* (1 *a*)
Si. 4. 23. *μὴ κωλύσῃς λόγον ἐν καιρῷ σωτηρίας*
18. 30. *ἀπὸ τῶν ὀρέξεών σου κωλύου* [A *μὴ κ.*]
19. 28. *ἐὰν ὑπὸ ἐλαττώματος ἰσχύος κωλυθῇ* [S *-ῇς*] *ἁμαρτεῖν*
20. 2. *ὁ ἀνθομολογούμενος ἀπὸ ἐλαττώσεως κωλυθήσεται*
— 21. *ἔστι κωλυόμενος ἁμαρτάνειν ἀπὸ ἐνδείας*
46. 7. *κωλῦσαι λαὸν ἀπὸ ἁμαρτίας*
Am. 2. 13. A *ἐγὼ κωλύω* [B *κυλίω*] *ὑποκάτω ὑμῶν* †
Mi. 2. 4. *οὐκ ἦν ὁ κωλύσων αὐτόν* (2 ?)
Is. 28. 6. R *ἰσχὺν κωλυόντων* [A B S *-ύων*] *ἀνελεῖν* (5 ?)
43. 6. *ἐρῶ . . . τῷ λιβί, Μὴ κώλυε* (1 *a*)
Ez. 31. 15. *ἐπέστησα* [A *ἐκώλυσα*] *τοὺς ποταμοὺς αὐτῆς καὶ ἐκώλυσα* [A *-σεν*, B^2 *ἐκύκλωσα*] *πλῆθος ὕδατος* (3, 1 *b*)
I Ma. 1. 45. A R *καὶ κωλῦσαι* [S *κυκλῶσαι*] *ὁλοκαυτώματα*
13. 49. *ἐκωλύοντο ἐκπορεύεσθαι*
III Ma. 1. 13. *οὐθεὶς ἐκώλυσε τῶν παρόντων*
3. 2. *ἀπὸ τῶν νομίμων αὐτοὺς κωλυόντων*
IV Ma. 4. 7. *ὡς οἷόν τε ἦν, ἐκώλυον*
5. 26. *τὰ δὲ ἐναντιωθησόμενα ἐκώλυσε σαρκοφαγεῖν*
14. 16. *καὶ τὸν προσιόντα κωλύει*
— 17. *εἰ δὲ καὶ μὴ δύναιντο κωλύειν*

[Aq. Pr. 1. 15: 30. 7: Je. 5. 25: 48 (31). 10: Ez. 31. 15.]
[Sm. Ps. 76 (77). 5: 118 (119). 101: Pr. 11. 26: 30. 7: Is. 32. 10: Je. 5. 25: 42 (49). 4: 48 (31). 10: Ez. 31. 15: Mi. 2. 6: Za. 9. 8.]
[Th. Ps. 118 (119). 101: Pr. 1. 15: 11. 26: 30. 7: Ez. 31. 15.]
[Quint., Sext. Ps. 118 (119). 101.]

κώλυμα. (1) סַר

Jb. 13. 27. *ἔθου δέ μου τὸν πόδα ἐν κωλύματι* [A *κυκλώματι*] (1)

[Th. Le. 19. 19: Dt. 22. 9.]
[Al. Le. 19. 19.]

κωλυτικός.

IV Ma. 1. 3. *τῶν σωφροσύνης κ. παθῶν*
— 30. *διὰ τῶν κ. τῆς σωφροσύνης ἔργων*
2. 6. *τῶν κ. τῆς δικαιοσύνης παθῶν*

κωμάρχης. (1) פָּקִיד

Es. 2. 3. *καταστήσει ὁ βασ. κωμάρχας* (1)

κώμη. (1) בַּת (2) חַוָּה (3) חָצֵר (4) מְיִרָה (5) *a.* כְּפָר *b.* כְּפִיר *c.* כְּפָר (6) עִיר (7) קְרְיָה

Nu. 21. 32. *αὐτὴν καὶ τὰς κ. αὐτῆς* (1)
32. 42. *τὴν Κ. καὶ τὰς κ. αὐτῆς* (1)
Jo. 10. 39. *καὶ τὰς* [A *τὰς πάσας*] *κ. αὐτῆς* (6)
13. 30. *καὶ πάσας τὰς κ. Ἰαΐρ* (2)
15. 24. B *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* †
— 28. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* –
— 32, 36, 41, 44. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* (3)
— 45. *καὶ αἱ κ. αὐτῆς* (1)
— 46. B *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* (3)
— 47 *bis*. *καὶ αἱ κ. αὐτῆς* (1)
— 51. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* (3)
— 54. A *καὶ αἱ κ.* [B *ἐπαύλεις*] *αὐτῶν* (3)
— 57, 59. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* (3)
— 60. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* –
— 62. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* (3)
16. 7. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* †
— 9. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* (3)
17. 11. *καὶ αἱ κ. αὐτῶν* (1)
— 11 *bis*. *καὶ τὰς κ. αὐτῆς* (1)

Jo. 17. 11. **A** καὶ τὰς κ. αὐτῆς (1)
— 11. καὶ τὰς κ. αὐτῆς –
— 16. καὶ ἐν ταῖς κ. αὐτῆς (1)
18. 24, 28 : 19. 6, 8, 16. καὶ αἱ κ. αὐτῶν (3)
19. 23. καὶ αἱ κ. [**A** ἐπαύλεις] αὐτῶν (3)
— 31, 48. καὶ αἱ κ. αὐτῶν (3)
21. 12. τὰς κ. αὐτῆς ἔδωκεν Ἰησοῦς (3)
I Ki. 6. 18. καὶ ἕως κώμης τοῦ Φερεζαίου (5 *c*)
I Ch. 2. 23. ἔλαβε Γ. . . . τὰς κ. Ἰ. . . . τὴν Κ. καὶ τὰς κ. αὐτῆς (2, 1)
5. 16. καὶ ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (1)
6. 54 (39). αὗται αἱ κατοικίαι αὐτῶν ἐν ταῖς κ. αὐτῶν (4)
— 56 (41). καὶ τὰς κ. αὐτῆς (3)
7. 28. Βαιθὴλ καὶ αἱ κ. αὐτῆς (1)
— 28. Γάζερ καὶ αἱ κ. αὐτῆς (1)
— 28. Συχέμ καὶ αἱ κ. αὐτῆς ἕως Γ. καὶ αἱ κ. αὐτῆς (1, 1)
— 29. Βαιθσ. καὶ αἱ κ. αὐτῆς Θ. καὶ αἱ κ. αὐτῆς (1, 1)
— 29. **A B** Βαλ. καὶ αἱ κ. αὐτῆς –
— 29. Μαγ. καὶ αἱ κ. αὐ. Δὼρ καὶ αἱ κ. αὐ. (1, 1)
8. 12. καὶ τὰς κ. αὐτῆς (1)
9. 16. ὁ κατοικῶν ἐν ταῖς κ. Νωτ. (3)
18. 1. τὴν Γὲθ καὶ τὰς κ. αὐτῆς (1)
27. 25. τῶν θησαυρῶν τῶν ἐν ἀγρῷ καὶ ἐν ταῖς κ. (6)
II Ch. 13. 19. τὴν Β. καὶ τὰς κ. αὐτῆς καὶ τὴν Ἰ. καὶ τὰς κ. αὐτῆς καὶ τὴν Ἐ. καὶ τὰς κ. [**A** θυγατέρας] αὐτῆς (1 *ter*)
14. 14 (13). ἐξέκοψαν τὰς κ. αὐτῶν (6)
28. 18. τὴν Σ. καὶ τὰς κ. αὐτῆς (1)
— 18. **A R** Θαμνὰ καὶ τὰς κ. αὐτῆς (1)
— 18. τὴν Γ. καὶ τὰς κ. αὐτῆς (1)
32. 28. καὶ κώμας [B^1 *om.*] καὶ [AB^1 *om.*] φάτνας –
I Es. 4. 50. ἵνα . . . ἀφίωσι τὰς κ.
5. 46. καὶ πᾶς Ἰισρ. ἐν ταῖς κ. αὐτῶν
Ne. 6. 2. ἐν ταῖς κ. ἐν πεδίῳ Ὠνώ (5 *b*)
11. 26. S^2 καὶ ἐν ταῖς κ. αὐτῆς (3)
Ju. 4. 4. **A** ἀπέστειλαν εἰς . . . κώμας [**B S** Κωνάς]
— 5. ἐτείχισαντο τὰς ἐν αὐτοῖς κ.
15. 7. **A S** καὶ αἱ κ. καὶ αἱ πόλεις [**B** καὶ ἐπαύλεις]
Ca. 7. 11 (12). αὐλισθῶμεν ἐν κώμαις (5 *a*)
Is. 32. 14. ἔσονται αἱ κ. σπηλαῖα ἕως τοῦ αἰῶνος †
42. 11. εὐφράνθητι ἔρημος καὶ αἱ κ. αὐτῆς (6)
Je. 19. 15. ἐπάγω . . . ἐπὶ τὰς κ. αὐτῆς ἅπαντα τὰ κακά (6)
30 (49). 25. κώμην ἠγάπησαν (7)
Ez. 38. 13. πᾶσαι αἱ κ. αὐτῶν [**A** χῶραι αὐτῆς] ἐροῦσί σοι (5 *b*)
I Ma. 7. 46. ἐξῆλθον ἐκ πασῶν τῶν κ. τῆς Ἰ.
II Ma. 8. 1. εἰς τὰς κ. προσεκαλοῦντο τοὺς συγγενεῖς
— 6. **R** πόλεις δὲ καὶ κώμας [**A** χώρας] . . . ἐνεπίμπρα
14. 16. συμμίσγουσιν αὐτοῖς ἐπὶ κώμην Δ.
[**Aq.** Jo. 15. 9.]
[**Sm.** I Ki. 6. 18.]
[**Th.** Ez. 38. 13.]
[**Sext.** Ps. 30 (31). 22.]

κῶμος.

Wi. 14. 23. ἐμμανεῖς ἐξάλλων θεσμῶν κώμους ἄγοντες
II Ma. 6. 4. ἀσωτίας καὶ κώμων . . . ἐπεπλήρωτο

κωνωπεῖον (-πιον).

Ju. 10. 21. ἦν Ὀλ. ἀναπαυόμενος . . . ἐν τῷ κ.
13. 9. ἀφεῖλε τὸ [**A** τὸν] κ. ἀπὸ τῶν στύλων
— 15. καὶ ἰδοὺ τὸ κ. [**A** κ. αὐτοῦ]
16. 19. καὶ τὸ κ. ὃ ἔλαβεν

κώπη. (1) מַשּׁוֹט

Ez. 27. 6. ἐκ τῆς Βασανίτιδος ἐποίησαν τὰς κ. σου (1)
[**Aq.** Is. 33. 21.]

κωπηλάτης. (1) מַלָּח (2) *a.* שׁוּט *b.* תָּבַשׁ מָשׁוֹט

Ez. 27. 8. Ἀράδιοι ἐγένοντο κωπηλάται σου (2 *a*)
— 9. οἱ κ. αὐτῶν ἐγένοντό σοι ἐπὶ δυσμὰς δυσμῶν (1)
— 26. ἤγόν σε οἱ κ. σου (2 *a*)
— 27. οἱ κ. σου καὶ οἱ κυβερνῆταί σου (1)
— 29. καταβήσονται ἀπὸ τῶν πλοίων πάντες οἱ κ. (2 *b*)
— 34. ἔπεσον πάντες οἱ κ. σου –
[**Sm.** Is. 33. 21.]

κώρυκος.

[**Al.** IV Ki. 4. 42.]

κωφεύειν. (1) חָרַשׁ *a.* hi. *b.* hithp.

Jd. 16. 2. ἐκώφευσαν ὅλην τὴν νύκτα (1 *b*)
18. 19. εἶπαν αὐτῷ [**A** πρὸς αὐτὸν], Κώφευσον (1 *a*)
II Ki. 13. 20. καὶ νῦν, ἀδελφή μου, κώφευσον (1 *a*)
19. 10 (11). ἵνα τί ὑμεῖς κωφεύετε (1 *a*)
IV Ki. 18. 36. καὶ ἐκώφευσαν (1 *a*)
Jb. 6. 24. διδάξατέ με ἐγὼ δὲ κωφεύσω (1 *a*)
13. 5. εἴη δὲ ὑμῖν κωφεῦσαι (1 *a*)
— 13. κωφεύσατε ἵνα λαλήσω (1 *a*)
— 19. νῦν κωφεύσω καὶ ἐκλείψω (1 *a*)
33. 31. κώφευσον καὶ ἐγὼ εἰμι λαλήσω [**A** *al.*] (1 *a*)
— 33. κώφευσον καὶ διδάξω σε [**A** σε σοφίαν] (1 *a*)
[**Aq.** Ps. 27 (28). 1 : 31 (32). 3 : 38 (39). 13 : 108 (109). 1 : Pr. 17. 28 : Is. 41. 1 : Je. 38 (45). 27.]
[**Sm.**, **Quint.** Pr. 17. 28.]
[**Th.** Jb. 13. 19 : 33. 31, 33 : Pr. 17. 28 : Is. 41. 1.]

κωφός. (1) אִלֵּם (2) חֵרֵשׁ

Ex. 4. 11. τίς ἐποίησε δύσκωφον καὶ κωφόν (2)
Le. 19. 14. οὐ κακῶς ἐρεῖς κωφόν (2)
Ps. 37 (38). 13. ἐγὼ δὲ ὡσεὶ κωφὸς οὐκ ἤκουον (2)
57 (58). 4. ὡσεὶ ἀσπίδος κωφῆς καὶ βυούσης τὰ ὦτα αὐτῆς (2)
Wi. 10. 21. ἡ σοφία ἤνοιξε στόμα κωφῶν
Hb. 2. 18. πέποιθεν ὁ πλάσας . . . τοῦ ποιῆσαι εἴδωλα κωφά (1)
Is. 29. 18. ἀκούσονται ἐν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ κωφοὶ λόγους βιβλίου (2)
35. 5. ὦτα κωφῶν ἀκούσονται (2)
42. 18. οἱ κ. ἀκούσατε (2)
— 19. κωφοὶ [**S** οἱ κ.] ἀλλ' ἢ οἱ κυριεύοντες αὐτῶν (2)
43. 8. κωφοὶ τὰ ὦτα ἔχοντες (2)
44. 11. κωφοὶ ἀπὸ ἀνθρώπων συναχθήτωσαν πάντες †
III Ma. 4. 16. κωφὰ καὶ μὴ δυνάμενα αὐτοῖς λαλεῖν
[**Sm.** Ps. 57 (58). 5 : Is. 42. 19 *bis.*]

κωφοῦν. (1) אָלַם ni.

Ps. 38 (39). 2. ἐκωφώθην καὶ ἐταπεινώθην (1)
— 9. ἐκωφώθην καὶ οὐκ ἤνοιξα τὸ στόμα μου (1)

Λ

Λααρματταραί. (1) לְמַטָּרָה

I Ki. 20. 20. **A** πέμπων εἰς τὴν λ. [**B** *al.*] (1)

Λάαρς.

[**Heb.** Ps. 11 (12). 7.]

Λαβανί.

[**Heb.** Ho. 11. 1.]

Λαβή. (1) נֶצֶב

Jd. 3. 22. ἐπεισήνεγκε καί γε τὴν λ. (1)

Λαβίς. (1) מַלְקָחַיִם

Ex. 38. 17 (37. 23). καὶ τὰς λ. αὐτῆς χρυσᾶς (1)
Nu. 4. 9. καὶ τοὺς λύχνους αὐ. καὶ τὰς λ. αὐτῆς (1)
II Ch. 4. 21. καὶ λαβίδες αὐτῶν (1)
Is. 6. 6. ὃν τῇ λ. ἔλαβεν ἀπὸ τοῦ θυσιαστηρίου (1)
[**Aq.**, **Sm.**, **Th.** Ex. 25. 37 (38).]

Λάβρος. (1) סָחַף (2) ὑετὸς λ. שֶׁטֶף

Jb. 38. 25. τίς δὲ ἡτοίμασεν ὑετῷ λάβρῳ ῥύσιν (2)
— 34. **A** καὶ δρόμῳ [**B S** τρόμῳ] ὕδατος λάβρου [**B S** -ῳ] ὑπακούσεταί σου –
Pr. 28. 3. ὥσπερ ὑετὸς λάβρος καὶ ἀνωφελής (1)
IV Ma. 16. 3. ἐκφλεγομένη κάμινος λαβροτάτῳ πυρί
[**Aq.** Ps. 56 (57). 5 : 103 (104). 4.]

λαβώ, λοβώ. (1) לְבוֹא

Jd. 3. 3. ἀπὸ τοῦ ὄρους τοῦ Ἀ. ἕως λ. Ἐ. (1)

λάγανον (-ος?). (1) חַלָּה (2) רָקִיק (3) λ. ἀπὸ τηγάνου אֲשִׁישָׁה

Ex. 29. 2. **B** λάγανα ἄζυμα κεχρισμένα ἐν ἐλαίῳ (1)
— 23. λ. ἓν [B^2 ἕνα] ἀπὸ τοῦ κανοῦ τῶν ἀζύμων (2)
Le. 2. 4 : 7. 2 (12). λάγανα ἄζυμα διακεχρισμένα (2)
8. 25 (26). ἄρτον ἐξ ἐλαίου ἕνα καὶ λ. ἕν (2)
Nu. 6. 15. καὶ λ. ἄζυμα κεχρισμένα ἐν ἐλαίῳ (2)
— 19. καὶ λάγανον ἄζυμον ἕν (2)
II Ki. 6. 19. διεμέρισε . . . ἑκάστῳ . . . λάγανον ἀπὸ τηγάνου (3 ?)
I Ch. 23. 29. εἰς τὰ λ. τὰ ἄζυμα (2)

λαγχάνειν. (1) לָבַד

I Ki. 14. 47. **Σ.** ἔλαχε τοῦ βασιλεύειν (1)
Wi. 8. 19. ψυχῆς τε ἔλαχον ἀγαθῆς
III Ma. 6. 1. ἐν πρεσβείῳ τὴν ἡλικίαν ἤδη λελογχώς

λαγών.

Si. 47. 19. **R** παρενέκλινας [**AB** παρανέκλ., **S** παρέκλ.] τὰς λ. σου γυναιξί
[**Aq.** Ps. 37 (38). 8.]
[**Sm.** II Ki. 3. 27 : Jb. 12. 18 : 40. 11 (16) : Is. 11. 5 : Je. 30 (37). 6.]
[**Th.** Jb. 40. 11 (16).]
[**Al.** Le. 3. 4 : 4. 9 : 7. 4.]

λαγωός. (1) שָׁפָן

Ps. 103 (104). 18. **AS**^{2} πέτρα καταφυγὴ τοῖς λ. [**B** S^1 χοιρογρυλλίοις] (1)
[**Aq.** Le. 11. 6 (5) : Dt. 14. 7.]
[**Th.** Ps. 103 (104). 18.]

λάδανον.

[**Al.** Ge. 43. 11.]

λάθρα. (1) בַּלָּט (2) *a.* בַּמִּסְתָּר *b.* בַּסֵּתֶר

De. 13. 6 (7). λάθρα λέγων (2 *b*)
I Ki. 18. 22. λαλήσατε ὑμεῖς λ. τῷ Δ. [**A** τὸν Δ.] (1)
26. 5. ἀνέστη Δ. λ. –
Jb. 31. 27. εἰ ἠπατήθη λ. ἡ καρδία μου (2 *b*)
Ps. 100 (101). 5. τὸν καταλαλοῦντα λ. τοῦ πλησίον αὐτοῦ (2 *b*)
Hb. 3. 14. ὡς ἔσθων πτωχὸς λάθρα (2 *a*)
I Ma. 9. 60. ἀπέστειλεν ἐπιστολὰς λάθρα
III Ma. 6. 24. λάθρα μηχανώμενοι τὰ μὴ συμφέροντα
[**Sm.** Ps. 55 (56). 7.]
[**Th.** Jb. 31. 27.]
[**Al.** Hb. 3. 14.]